## GOV-GA22 JULY-DEE 1897

Librarian

Uttarpara Joykushus Public Library

Govt. of West Bengal





# গবর্ণমেণ্ট গোজেট

TUESDAY, JULY 6,1897.

### মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ও **জুলাই**।

CONTENTS			
	PAGE.	নিৰ্বণী।	
PART I Resolutions, Orders and Notifica-			न्छे।
tions of the Government of India	Nit	প্রথম থক।—ভাবতব্যীয় গ্রেপ্টেব নিদ্ধারণ	
PART II Resolutions, Orders and Notifica-		আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি 💂	নাই :
tions by the Lieutenant-Governor		ছিতীয় খণ্ড।—বঙ্গদেশের স্বর্ণমেন্টের <b>নির্দ্ধা</b> রণ,	
of Bengal	47-249	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	269 262
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-		বিতীয় ক খণ্ড।—বঙ্গদেশের গ্রেপমেন্টের আদেশ	ম(ই
nor of Bengal	Nil.	ড়তীয় খণ্ড।—ভাবতব্যীয় ব্যবস্থাপক শভাব প্রণীত	
PART III.—Acts of the Legislative Council of		আইন <b></b>	নাই
India	$N\iota l$ .	চতুৰ্থ খল্ড। —ভাবতবৰ্ষীয় ব্যবস্থাপক সভাব আহিনেৰ	
PART IV Bills of the Legislative Council of		শাতৃলিপি	55 - 50
India	13 - 14	প্রহম্বক।—বক্ষাধ্ব্যবস্থাপক সভাব প্রবীত আংইন	নাই
PART V Acts of the Bengal Council	Nil,	ষ্ঠ থপু।—বঙ্গীয় বাংশুপক সভাৰ আংইনেত	
PART VI -Bills of the Bengal Council	Nil.	শৃত্যৰূপে	ন(ই
l'ART VII -Circular Orders by the High		সপ্তম থশু।—কাই কোর্টের ও বেবিনিউ বেতেওঁৰ	
Court and Board of Revenue	Ni/.	নাধাবণ ভ্রাপনপত্র	লা ই
PART VIII.—Advertisements 3	377-385	অষ্টম বণু।—ইশ্তিহাব প্রভৃতি	919 56.
SUPPLEMENT	Nil.	প্রশিষ্ঠ সব্বমেতের সেজের	ন(ছ

#### PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Licutenant-Governor of Bengal.

### দ্বিতীয় খণ্ড।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

Mumber.	Names of candidates in order of merit.	Titles conferred.	Government. rewards to g pupils.	Private rewards to pupils.	Names of teachers.	Place of instruction.	Govern- ment rewards to teachers.	Private rewards to tenchers.	Remarks.
1	2	* 3	4	5	6	7	8	y	10
	Second Division.		Rs.	A, i.e., NA	NDU PHILOSOPHY.		Rs.		
5.1. ·	Upendranath Gos- wami.	Tarkatirtha	(Special.)	Hara Kumar Tagore gold "Keyur" Dar- bhanga scholarship of Rs. 13 a month; Burdwan scholar- ship of Rs. 40.	Siva Chandra Sar- vobhouma.	Sanskrit Tol, Mu- lajor.		Raj Krishna Rai «tipend of Rs. 50; Hata K u- mar Tagore prize of Rs. 45.	0. <b>~</b>
	Second Division.		ĺ	C, i.e., Vedant	A PHILOSOPHY.				
1	Girisa Chandra Bhat- tacharyya.	Vedantatir- the.	20 (Special.)	Kanta Nandi scho- lership of Rs. 7 a month; Hara Kumar Tagore	Chandra Kanta Tar- kalaukar.	Calcutta		Burdwan prize of Ks. 45.	
. <b>2</b>	Radharaman C h a t- toraj.	Ditto .		prize of Rs. 25. Parvati Debi prize of Rs. 50.	Harinath Vedanta- vagis.	Raja's Tol, Burdwan.			,
l.	Second Division.			D, i.e., Sankhy	<b>A</b> Рицоворну.			<b>-</b> ·.	
<b>1</b>	Barada Charan Ka- vyatirtha.	Sankhyatir- tha.		Jagan Mohan Mu- kerji prize of Rs. 50.	Parvati Charan Tar- katirtha.	Calcutta		•	
1				VEI	DAS.				
	Second Division.			A, <i>i.e.</i> , R	ligveda.			1	
1	Jogesh Chandra Sany- al.	Vedutirtha.	•••	Ruja Harinath Rai Bahadur scholarship of Rs. 5 a mouth.		Nil			

Darjerling, 7
The 12th June 1897.

C. A. MARTIN,
Director of Public Instruction.

বৃঙ্গদুদ্ধর শিক্ষাবিভাগ।

১৮৭৮ সালের ৩০শে জাত্মারি তারিখের গ্রণ্মেন্টের নির্নিরণায়ুসারে ১৮৯৭ সালের কেব্রুয়ারি মাসে সংক্ষ্রউপাধির যে **পরীক্ষা হয় সেই পরীক্ষাডে উত্তাৰ ছাত্রদের নামের** ও তন্ত্রি তীত্রিশিক যেই উপাধি ও পুরক্ষার দেওয়া হেস তাহার নির্কান

	ঞ্- কুন বৈ ছবিবেশ্ব সংখ	्व छेगीप (म्ब् <u>ड</u> ष्ट्रः (जीवा	होबिभिगरक श्वन ८६८केव मञ्ज	होज्रक्तिरक रा <sup>र</sup> क .वरमध्यत्र	অধ্যাপক্দিট্যাব নাম।	সধ্যাপনের স্থান।	ख्यशाभक. मिगटक गवर्ग (यटकेव मृष्ठ	कारनाशक मित्रहरू द कि ःत्यास्य	म रुखा -
^	~	9	55		, s	g-	ط	A	٠,
	हिं। हिंग्स ( <b>अ</b> ने।		مرک م	कादा दी 3	কাব্য বা সংস্কৃত সাহিত্য।		<b>-</b>	<b>.</b>	
^	জিৰিচন্দ্ৰ ভট্টাচাৰ্য	कादाउ	6.9	রাজা ক্ষণাথ রায়বাছা- গুরুর দত্ত ছাতুরতি মাসে	্রীকৃষ্ণচন্দ্র শিরোযনি	নব্দীপের চৈতন্য চতুষ্পাঠী	:	রাজকুষ্ণ রামের র্কি ৫০,	
	•			8,होका यांकिन मारश्वद शुद्रकः त ६, होका, अंग-					
				(माह्न गुर्थाणीयादम्ब मन् अत्याद्व कः हेकि।				कारत 84) होका।	
^	শ্রীষ্বকানাথ ভটাচার্য্য	- <b>∕</b> €ī	\$¢,		শ্রীঞ্চনাথ কাব্যতীর্থ	ক্ৰিকাভা	۷۰۰۲	:	
و ؍	खीदारम्म हच्य खाँगिर्मा	<b>∕</b> €7	**	:	শীযুর্নাথ বিদ্যার জু	शृत्सञ्जी	ر،،،۷	:	
) oc	জীমহেজ্ঞনাথ ভট্টাচার্য	<b>10</b> 5	, 8	:	শীস্থ্যকেশ শান্ত্ৰী	जाउँगाजा	<b>(</b> 0 )	:	•
. <b>હ</b> ં	শ্ৰীউপেন্দ্ৰ নাথ ভটাচাৰ্য	<b>'\$</b> j	<b>S</b>		শ্ৰীক্ষণচন্দ্ৰ শিরোধণি	চৈতন্য চতুন্সাচী নবন্ধীপ	:		
ي.	शित्यांशीस्त्र नाथ जोंगार्घार्	<b>ভ</b>	\$ *	; :	मिनार्वजीठवन उर्कडीर्थ	কলিকাতা	:	:	
· •	শ্রীবিধুন্দেশন ভটাচার্য	<b>े</b> चु 	4°,	:	শীক্ষরত্ব ন্যায়রত্ব	কালিগ্ৰাম	<u>:</u> :		
<b>.</b>	्रमीडावक्टन्स द्राक्त्रम्डीर्थ	<b>^67.</b>	62	:	সংস্ত কালেজের অধ্যাপক	কলিকাঙা	:	:	
•	. जिक्तां जापक व्याप्त	<b>्व</b>	( IACMA.)	:	শ্রীসারদা চরণ কাব্যভার্থ	<b>^9</b>	••	:	.:

শ্ৰীকণাহিলাল ত্ৰিপাঠী শ্ৰীভোলানাথ কাব্যভীপ্ শ্ৰীরামণরণ বিদ্যাবাগীশ

 17: 16: 14:	কণপুসাবে ছবিদের লাম।	त्य हेनास्य त्य छया त्यामा	होबिमिगटक गवर्- द्यस्कैर मुख	্ ছাত্রপিগকে ব্যক্তি থিশেবেৰ • দত্ত প্ৰকার।	ব্যধ্যাপক্দিগোব নাম।	অধ্যাণনের স্থান।	्र स्थानिक मित्रादक गृब्न दमएकेत्र मृक्	अधाभकक्षिमारक राज्जि विद्रमारक मञ्ज श्रृतकाव।	मुख्यु ।
^	~	9	w	হৈ ব	, p •	•	.b	А	,
	[ब्जीय त्यनी ।—(हनित्र्रह्)।		(4) (4)				100		
2	जिलाब्र क्यांत च्छांठार्या	कावाजीय	:	:	ज्यिष्ट्रमाथ विष्णांदङ्	शृक्षश्रमी	:	:	
<b>80</b>	श्रितायगाँ ग्रुएयाणायगत्र	~~	:	::	ज्ञित्रायभाद्रण विमात्रावातीम	क्रिकिटोल,	:		
			-			२. च्डामशूत	······ .		
*	ज्ञितक्रमीकास ज्रोगिर्ग	<b>*</b>	:	:	শীশরচন্দ্র কাব্যভীপ সাংখ্যরত্ত্	इंडमाठी, हशनी	- <b>4</b> °)		
Ð	निष्टिस्क्मात ज्वे। निर्य	<b>1</b> 9	:	:	শ্রীক্তরুনাথ কাব্যভার্থ	क्लिकाङा	. :	:	
٠ *	खिलप्रकाष खड़ोहार्य	<b>1</b> 9j	:	:	अमिर्शक्षात उर्कज्यन	मुमोटक। टिड्य	:		
			,			मः क उ कारनक			
Ÿ	জীচুনাএসন্ন ভট্টাচাৰ্য	<b>^</b>	:	:	শ্রীতারানাথ তর্কবাচম্পতি	কুশিয়ারা	:	•	
A	ख्रितात्मस्य माथ च्यापित्र	<b>*9</b> 7	:	::	अश्रक्त्याङ्म कावाजीर्	भाशका नाम-	:	:	
	•		-			<b>হা</b>			
9	जिएम्बनाथ ग्रुत्याणायात्र	<b>19</b> 7	:		শ্রীকাণ্ডতোষ ন্য তিরত্ত	লে কিপ্ৰ	•	:	
3	<b>ब्या</b> दिक्षमग्रान मर्मा	'ষ্ট	:	:	জীউমাদত মিলা	টিকারীর সঞ্জীবন	:	:	
		·	<del>-</del>			विष्णानम			
ž	जाय का खार या इन त्या था गा	<b>ভ</b> ু	:	:	শ্রীয়হেশচন্দ্র ওকচ্ড্যাণি	রাজারামপুর	:	:	
9	2	<b>*</b>	:	::	শীলমখনাথ কবিরয়	্ডবেডিয়া	:		
<b>8</b>	खिखारम्बन्धि वरम्गाणा	** ***********************************	•	:	শ্ৰীহাষিকেশ শাৰী	<b>डाइ</b> श्रहा	:	:	
•						•		_	1
9	-	<b>*</b>	:	:	<b>উ</b>	<b>^9</b> j	:	:	
ð Ð	শ্ৰী সক্ষাকুমার চক্রতা	<b>*9</b> 	:	:	শী হ্ৰাক্ষার ড কভ্ৰণ	भूनात्यात्कृत मः-	:		
			<del>-</del>			क्र होन			
<del>ه</del> ف		<b>9</b>	:	:::	खादायभद्रश विमात्रात्राभा	व्हत्राश्रीत्त्र क्-	:	:	
֧֧֧֖֝֝֝֝֝֝֝֝֝֝֝֝ ֖֖֖֖֓֞֞	A PIGENT DISE	∕ <b>∂</b>				বিলি টোল			
		j ⁴		:	हा मारिक्ष वाह्मकारि )	न्ववीष्	:	:	
9 V.	··· (rinian Makiriyi)	<b>9</b>	:	•	এচন্দ্রকান্ত তর্কালকার	কলিকাড	é		

জয়াশভ্দিয়কে. হাজি বিশিৰেৰ মন্তৰ্য। দত্ত প্ৰকার।	°C							:		:	The second secon
काशामक- मिशदक गवन स्परकेव मुख्	ъ	- E	: : :		:	: :	:	:		:	
অধ্যাপনের হুনি।	g.		अटङ्केश्वर्यं अत्र अत्र अत्र अत्र अत्र अत्र अत्र अत्र		मृर्यात्राश व्याद्या- धाव त्विक	विमानस ब्हासाद हाक-	म्बार्गान बाज्यस म्बार्गानात्रव द्विक	\$ \frac{1}{2}	-	(नाम्राथा	तक्षेत्र 
কাধ্যশিকদিন্যের নাম।	Đ		শুচন্দ্ৰমার তৰ্কভ্ষণ শুগোপালচন্দ্ৰ কাব্যতীৰ্থ কেহ নাই	স্কৃত ব্যাকারণ। ক। পাগামি।	শীপ্রভাকর ব্যাকরণাচার্য্য	শ্রীচন্দ্রচরণ শর্মা	শীপ্রভাকর ব্যাকরণাচার্য্য	, <del>^</del> 69	क्रमांथ ।	পুরক্ষর ১১) জীজগচ্চন্দ্র শিরোরত্ব	শ্রীয়াদ্বেশ্বর ওকরত্ত
ছাত্রদিগতে বঃজি বিশেষেৰ দত্ত পুরস্কার।	 49		; ; ;		:	:	:		(a) <b>本</b>	ষারভাঞ্।র পুরক্ষার ১১ <sub>)</sub> চাক।	:
ह्यक्रिमास्य गवर् स्परुष्टेत्र मृत्तु श्वक्रीत्र ।	90	- <del>-</del> <del>-</del>		* *************************************	:	:	:	:		:	
त्य जैनाबि क्रिड्स. तान।	9		क् क क क	-	ব্যাকরণভার্থ	 / <del>S</del> j	 ∕ <b>©</b> j	- <b>∕9</b>		~ <del>***</del>	:
ত্তগামুদারে ছবিলেব নাম	8'	विडोस (खेंबी - (लिब श्रेंन)।	ট্: ড্রিমন্ত বর্ষন্ জ্রাত্ত ক্ষরকুমার চক্রবন্তী জ্রাপ্রভাতচক্র বিদ্যাবিনোদ ভটাচার্য		:	শীন্বেণীপ্রসাদ স্ক্ল	क्रीद्रायद्भव कुरस्टमी	শ্রীস:ভারাম চতুর্বেদী	मिछोत्र तम्मी।	শীতারাকান্ত ভট্টাচার্য্য	শ্বভাষ নাম বিদ্যান্ত নাম বিদ্
16 16	^			W & for far formal distance	(18)	(H) ~	<i>O</i> (8)	(189 000		<b>∞</b>	~ ~

•	कर्गम् माटन क्षांबद्धन माप। क्रान्ति	्य हेभ्राधि (म ६३। (गल।	ছাত্ৰদিগকে গ্ৰধ- ঘেকেৰ দত্ত প্ৰকাৰ।	ছ्।ंब्रफ्रिक्ट वार्डिक विक्यास्व मन्द्र शूत्रकावि	অধ্যাপক দিগেৰ নাম	অধ্যাপনেৰ ক্স'ন	े सम्राशिक (मगत्क गरर्न- त्यरकेत मख	अक्षाणकृषिगटक वार्षकृ विज्ञादव ष्ट श्वकात्र।	म् इत्री
	er .	9	us.		,	6	ъ	A	*
	श्रम (खनी ।		<u>-</u>	***	शुद्राण ।		- - - - - - - - - - - - - - - - - - -		
يد	শ্রীকৈলাস চন্দ্র ভট্টাচার্য্য	श्रुद्धांबडीत्र	2.62	: :	শীহরিক ন্দ্র ড ক্বাগীন	র ঈপুরের অন্ত- গত বংরহরি	:	:	
_		_		म् जिष्मा	শূতি অৰ্গিং হিন্দু ৰাবহার।				
	श्रम (ज्ञानी।			(A)	(ক) নব্য শাূতি।				
A C	औरवम्जाथ त्राचायो	শু ডিভীপ্	•	অসমকুমার ঠাকুরের ছাত্র- রক্তি মাসে ৭, টাকা, রাজা সোকনাথ রায় বংহাদুরের ছাত্তরক্তি মাসে ৬, টাকা	শ্ৰীহরিন'থ বেদান্তব্গীশ	বৰ্ষমানের হাজার টোল টোল	•	ক্ষেত্ৰমণি দে- ব্যার পূর- ক্ষার ৫°, টাকা।	
<b>F</b>	শ্ৰীহুৱেন্দ্ৰনাথ কাব্যতীথ ···	ন্দু ভ জ	ç •	भार्का (मनोड शुक्रकात हेन्स	শীষত্তনাথ বিদ্যারত্ত্ব	शूस्कृ	:		7
<b>1</b>	শ্ৰীযনিভূষণ মুখোপাব্দায় …	<b>3</b> y	**	বৰ্ষমানের পুরস্কার ৪°়	শ্রীগুরুচরণ বিদ্যাভ্রমণ	- यानि	:		
	শ্ৰিষ্ড,গুষ ভট্টাচাৰ্য *	<b>্</b> ড	:	·	बित्मदीक्षमम मा किन्यन	(বলপুকুর	:	•	
<b>6</b>	শ্রীতৃপতিনাথ ভট্টাচার্ব্য ···	<b>∕s</b> j		•	শ্রীক্ষণনাথ ন্যায়পথানন	श्रुक्ष जी	:		
₹.	শ্রীয়োগন্ত্রনাথ চকবন্তী	প্য	:	:	শ্রীত্বর্গান মা ডিভার	কলিকাতা			

	শুৰ্ব জুণামুসাবে ছাত্ৰদেব নাম।	(म डमा	त्मत्केत मुख्य शृहस्थात ।	ছोर्ज,मग्रह वास्त्रि वित्मात्वत्र मन् श्वकाव।	অধ্যাপক দিগের লাম :	অধ্যাপ্তনর জ্বান	व्यक्ता । काल गाइन गबन्दियत्केत जन्म शुरुक्काव	वास्ति विटब्स्टबर्व मन्त्र श्वक्क्षवः।	भक्ति दी
•	*	9	an .	v	ð	σ	d.		*
	ं किछीत्र (जिली।		- 9 en	(ক্ৰিকুদৰ (ক)	হিল্পু দশল শাস্ত্র। ক) লব্য লগ্য		( <del>1</del> )		
<i>"</i>	শ্ৰিউপেন্দ্ৰনাথ গোন্ধামা	ত কি ভাষ	২৩, টাকা (বিশেষ)	হরকুমার ঠাকুরের স্বর্ কেযুর দারভাসার ছাত্র-	স্থৰ শীশিবচন্দ্ৰ সাক্তোম ছাত্ৰ-	মুলাযোজ্যে সং- ক্তটোল।	:	রাজক্রমণ্ড রা- সের রক্তি	
	ov i strong og 1			্ষাও মানে ১৩, চাকা. বৰ্ষমানেৰ ছানুষ্ঠি ৪°, টাকা:				৫০ <sub>১</sub> টাকা হরকুমার ঠাকুরের পু-	į
	in the state of th			(원) (영화	(2) (2) (3) (4) (4) (4) (4) (4) (4) (4) (4) (4) (4			ब के कि विकास के	
^	ज्ञीनदीनावस्य स्कृतिर्धाः	त्वमाञ्च होश्	۶۰, ق <del>ر</del> ة		শ্রীচন্দ্রন তর্কাল্কার	:	:	বর্ষমানের প-	
			(বিশেষ)	ছাত্রতি মাসে ৭, টাকা হয়কুনার ঠাকুরের পুর- ক্ষাব ১৫, ট.কা।				स्राय 8 ते. डेकिं।	
_	শীরাধারমণ চট্টরাজ	<b>G</b>	:	, मनीत शुरुक्षात	শীহরিনাথ বেদান বাগীশ ···	বর্ষমানের রাজ্যর স্থান	:	* * * * * * * * * * * * * * * * * * *	
	ৰিভীক্ষ শ্ৰেণী। শ্ৰীবন্তদাচরণ কাব্যভীৰ্প	माःसः जोश्र	:	্য সাংখ্যান্ধ্র (ষ্) সাংখ্যান্ধ্র । জগুমোইন মুখোপাধ্যা- জীপাক্তি	(ঘ) সাংখ্যান্দ্র । মুখোপাধ্যা- শ্রীপাক্তীচরণ ভর্কতীর্থ ···	ক্ৰিকাৰ্ডা	: · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	:	
	बिडीस त्वनी							***************************************	
	শ্রীয়েপেশ চন্দ্র সাধ্যাল ···	त्वम ै। थ	:	(ক) শল রাজী হরিনাথ রায় বাহা- ে হধের ছাত্তর্জি মাদে ৫, টকো।	্ৰিক ছাকি · কেন্দ্ৰ কেন্দ্ৰ	: : !ar !s		:	

उ४३१ मान ऽर ब्रूल।



## गवर्गायने पादले।

TUESDAY, JULY 6, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৬ জুলাই।

PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal.
দিতীয় ক খণ্ড।
বন্ধদেশের গ্রথমেন্টের আদেশ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 3336M.— The 28th June 1897.—Whereas a notification No. 1292M., dated the 9th March 1897, was published at pages 61-62, Part IB. of the Calcutta Gasette of the 10th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to confirm the rules set forth below, which were framed by the Commissioners of the Serampore Municipality, in the district of Hooghly, under section 3, Act XX of 1887, for the protection of wild birds and game within the limits of the above Municipality, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of publication of the aforesaid notification within the Municipality, it is hereby notified that the said rules are confirmed by the Lieutenant-Governor under clause 4, section 3 of the Act, and are published for general information under clause 5, section 6 of the General Clauses Act I of 1887:—

#### RULES.

- I. "Wild bird" for the purpose of these rules shall include jungle-fowl, pea-fowl, pheasants, partridges, quail, snipe, plover, wild duck, teal and ortolans.
- II. The Local Government having by notification No. 1294M., dated 9th March 1897, declared that the provisions of section 3, Act XX of 1887, shall apply to hares and deer, the following rules will apply to those animals also, as well as to wild birds.
- III. The breeding season for the purposes of these rules shall extend from the 15th March to the 15th August
- IV. Whoever during the breeding season has in his possession in Serampore any wild bird, deer or hare recently killed, or exposes for sale any such bird or animal living or dead, shall be liable to a fine not exceeding Rs. 5 for each bird or animal.
- V. Whoever during the breeding season imports into the town the plumage of any kind of wild bird recently killed or taken, or the fur or skin of any hare or deer recently killed or taken, shall be liable to a fine not exceeding Rs. 5 for each bird or animal.
- VI. In the case of a second conviction the fine may extend to Rs. 10 for each bird or animal.

H. H. RISLEY, Secy. to the Gott. of Bengal.

#### বঙ্গদেশের শ্রীয়ত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাতেবের আদেশ।

#### মুনিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন |

৩৩৩৬ এম, নম্বর। —১৮৯৭ সাল ২৮ জুন। —হগলীজিলার অন্তর্গত শ্রীরামপুর মুনিদিপালিটীর সামার মধ্যে ব্ন্যপক্ষা ও সিকারোপযোগি পশুপক্ষ্যাদি রক্ষাকরণার্থ ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ও ধারামতে উক্ত মুনিসিপালিটীর কমিশনরদের প্রণীত নিম্নলিখিত বিধি দৃঢ়ী করণার্থে শ্রীমৃত লেপ্টেনেন্ট গবর্গর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ৯ মার্চ্চ ভারিখের ১২৯২ এম নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১০ ভারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ টি খণ্ডের ৬১-৬২ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গোলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার ভারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে ওভদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া গাইতেছে যে শ্রীমৃত লেপ্টেনেন্ট গবর্গর সাহেব উক্ত আইনের ও ধারার ৪ দফামতে ঐ২ বিধি দৃঢ় করাতে সাধারণ ধারা বিষয়ক ১৮৮৭ সালের ১ আইনের ও ধারার ৫ দফামতে ভাহা সাধারণের অবগত্যর্থে প্রকাশ করা গেল।

#### বিধি।

- ১।— এইং বিধির কান্যপক্ষে "বন্য পক্ষী" শঙ্গে বন্য কুকুট, ময়ুর, চকোর তিতির পক্ষী, বটের পক্ষী, কাদাখোঁচা টিটির পক্ষী, বন্য পাতিহাঁস, সরাল ও অটোলান্স (ফুদ্র পক্ষা বিশেষ) গণ্য।
- ২।—স্থানীয় গ্রন্থেনী ১৮৯৭ সালের মর্চ্চ মাসের ৯ তারিখের ১২৯৪ এম নং বিজ্ঞাপানক্র্যে ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ৩ ধারার বিধান খরগোস ও হরিণের প্রতি বর্ত্তিবে এই আদেশ করায় নিম্নলিখিত বিধি যেরূপ বন্য পক্ষির পুতি বড়ে সেইরূপ এ২ জন্তুর প্রতিও বর্ত্তিবে।
- ৩।—এইং বিধিত কার্যপক্ষে প্রসব করিবার ঋড় মাচ্চ মাসের ১৫ ভারিখ হইতে আগন্ত মাসের ১৫ ভারিখ পর্যান্ত ব্যাপ্ত ইংবে।
- 8।— প্রসব করিবার ঋত্র কালের মধ্যে শ্রীরামপুরে, কোন ব্যক্তির নিকট সম্প্রতি মার। কোন বন্যপক্ষা কিম্বা হরিন বা খরগোস ধার্কিলে কিম্বা কোন ব্যক্তি জীবিত বা মৃত তজ্রপ কোন পক্ষী বা জন্তু বিক্রয়ার্থে দেখাইলে প্রত্যেক পক্ষীর বা জন্তর নিমিত্ত ভাহার ৫ পাঁচ টাকার অন্ধিক অর্থদণ্ড হইতে পারিবে।
- ে।—কোন ব্যক্তি সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন প্রকার বন্য পক্ষির পালক কিন্তা সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন খরগোদের বা হরিণের লোম বা চর্ম প্রদাব করিবার ঋতুব কালের মধ্যে শহবে আমদানী করিলে প্রত্যেক পক্ষির বা জন্তুর নিমিত্ব তাহার ৫ পাঁচ টাকার হুনধিক অর্থ দণ্ড ইইতে পারিবে।
- ৬।—দ্বিভায়বার অপরাধ পুমাণ হইলে পুত্তেকে পক্ষির বা জন্তর নিমিত্ত ১০, দশ টাকা পর্যান্ত অর্থান্ড হইতে পারিবে।

এচ্. এচ্, রিসলী। বঙ্গদেশের গ্র<sub>া</sub>মেন্টের সেন্দেটরী।



## ग्वधियां कार्य

TUESDAY, JULY 6, 1897.

### মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৬ জুলাই।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्रहेम थन्।

ইশ্তিহার প্রভৃতি।

#### LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্তাছার।

#### সাগর আইল্যাণ্ডের পতিত ভূমির পাট্টা বিলি সম্বন্ধীয় সংশোধিত রূলের ১৯ রূলের ৩ ধারামুগারে নোটিস।

এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে যাহার নক্সা স্থন্দরবনের প্রীযুত কমিশনার সাহেবের অফিসে দেখিবার নিমিত্ত আছে; এতদ্বত্ত তপাশীলের দিখিত সেই ভূমির পাট্টা গোলোকচন্দ্র দাস প্রভৃতি পাইবার জন্য প্রার্থনা করিয়াছেন। ইতি মধ্যে উক্ত ভূমির উপর (১৮৬৩ সালের ২৩ আইন-মতে অর্থাৎ পতিত ভূমির উপর দাওয়া নিষ্পত্য করিবার বিধান করণার্থ আইনমতে) দাওয়া বা আপত্য করা প্রযুক্ত বা অন্য কোন কারণে নিলাম রহিত বা স্থগিদ না হইলে তাহা ১৮৯৭ সালের ১২ জ্লাই মোতাবেক বাজলা ১৩০৪ সালের ২৯ আবাঢ় সোমবার মধ্যাক্ষ সময়ে আলিপুর স্থন্দরবনের শ্রীযুত কমিশনার সাহেবের অফিসে বিক্রীত হইবেক।

নিম্নলিখিত নিয়মাধীনে এবং সাগর আইল্যাণ্ডের পতিত ভূমির পাট্টা বিক্রয়ার্থ ১৮৯৭ সালের ২৯ মার্চ্চ তারিখের বেজ্ল গবর্ণমেন্টের ১৩৭৭ এল\_, আর, নং নোটিসে প্রকাশিত সংশোধিত রলের বিধি সংযুক্ত সাধারণ নিয়মাধীনে উক্ত ভূমির পাট্টা দেওয়া যাইবেক।—

#### নিয়ম এই ;---

উক্ত ভূমির বর্ত্তমান পথ ও জ্বল ও অন্য সকল ভোগস্বত্বের নিয়মাধীনে থাকিবেক।

নৌকাগম্য সকল জলভোত ও খাল ব্যবহার করিবার এবং ঐ সমস্ত জলভোত ও খালে মৎস্য ধরিবার স্বত্ব সাধারণের থাকিবেক; আর ঐ জলভোত ও খালের উভয় পার্থে অন্যূন ২৫ ফিট পরিসর ভূমি গুণ টানিবার পথের জন্য রাখিতে হইবেক।

পাট্টা বিলির সময়ে উক্ত ভূমিতে যে সকল ফ্বালানি কি গুঁড়ী কাষ্ট বর্ত্তমান থাকে তাহা ঐ ভূমি আবাদ করিবার জন্য কাটা কি পোড়ান হইলে অথবা ঐ ভূমির মধ্যে ব্যবহৃত হইলে তৎপ্রতি কোন কর ধার্য্য হইবেক না ; কিন্তু ঐ জ্বালানি কি গুঁড়ী কাষ্ট বিক্রয়ার্থ স্থানান্তর প্রেরিত হইলে তৎপ্রতি গবর্ণমেন্ট কর্ত্তক সময়ে সময়ে যে হার ও নিয়ম প্রচারিত হয় তদসুসারে কর ধার্য্য হইতে পারিবেক।

উক্ত ভূমির মধ্যে, নিম্নে অথবা উপরে স্থিত ধাতু প্রভৃতির খনির উপর গবর্ণমেন্টের স্বত্ব থাকিবেক ডেঙ্কি সেই ধাতৃ প্রভৃতি তুলিবার পাইবার ও লইয়া যাইবার নিমিন্ত যে পথস্বত্ব রক্ষা করা এবং যুক্তি-সঙ্গত অন্য যে স্থবিধা করা আবশ্যক তাহা করিতে হইবেক; উক্ত ভূমিতে গবর্ণমেন্টের মালিকীস্বত্ব থাকিবেক ও পাট্টাধারীকে কেবল দখলীস্বত্ব দেওয়া যাইবেক সেই স্বত্ব পুরুষাম্বক্রমিক ও হন্তাম্ভর যোগ্য হইবেক। ইতি সন ১৮৯৭ সাল তারিখ ৮ এপ্রেল।

#### তপশীল।

মংশ্লেব নাম ৷	জেলা সব-ডিবিশান ও থানা :	বৰুবা ৷	८ हो रूपी ।
সাগর আইল্যা- ড্রের মধ্যগত চর ফুলডুবি।	জেলা ২৪ পর- গণা, সব-ডিবি- জান ডায়মণ্ড- ছারবার থানা কুম্পী।	2600/	উত্তর ;— হুগলী নদী হইতে বামনখালি খাল পর্য্যস্ত ১০ ব্যারিংএর একটা সরলরেখা এবং ঐ বামনখালি খালের কিয়দংশ। পূর্ব্ব ;— তেতুলতলার খাল। দক্ষিণ ;— ফুলডুবির খাল। পাশ্চম ;— হুগলী নদী। উপরোক্ত সীমানা সকল স্করেবন ক্মিশনার শ্রীযুত থেঃ, পী, রস্ সাহেবের ১৮৯৬। ১৭, সিজ্ঞানের নক্ষা অহুসারে লিখিত ইইল।

#### সাগর আইল্যাতের পৃতিত ভূমি বিলি সন্ধরীয় সংশোধিত রূলের ১৯ রূলের ৬ ধারা অমুসারে নোটিস।

এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে যাহার নক্সা হাদ্দরবনের প্রীযুত কমিশনার সাহেবের অফিনে দেখিবার নিষিত্ত আছে; এতদত তপশীলের লিখিত সেই ভূমির পাট্টা. প্রীযুত রাজা সার সোরীক্রমোছন ঠাকুর কে, টী, ইত্যাদি পাইবার জন্য প্রার্থনা করিয়াছেন: ইতিমধ্যে উক্ত ভূমির উপর (১৮৬৩ সালের ২৩ আইনমতে অর্থাৎ পতিত ভূমির উপর দাওয়া নিষ্পত্য করিবার বিধান করণার্থ আইনমতে) দাওয়া বা আপত্য করা প্রযুক্ত বা এন্য কোন কারণে নিলাম রহিত বা ছাগিদ না হইলে তাহা ১৮৯৭ সালের ১২ জ্লাই মোতাবেক বাজ্লা ১৩০৪ সালের ২৯ আযাড় সোমবার মধ্যাক্ত সময়ে আলীপুর হৃদ্দরবনের প্রীযুত কমিশনার সাহেবের অফিসে বিক্রীত হইবেক।

নিম্নলিখিত নিয়মাধীনে এবং সাগর আইল্যাণ্ডের পতিত ভূমির পাট্টা বিক্রয়ার্থ ১৮৯৭ সালের ২৯ মার্চ্চ তারিখের বেক্লল গবর্ণমেন্টের ১৩৭৭ এল, আর, নং নোটিসে প্রকাশি ১ ও সংশোধিত রূলের বিধি সংযুক্ত সাহারণ নিয়মাধীনে উক্ত ভূমির পাট্টা দেওয়া ঘাইবেক।

#### নিয়ম এই ;---

উক্ত ভূমি বর্ত্তমান পথ ও জল ও অন্য সকল ভোগস্বত্বের নিরমাধীনে থাকিবেক।

নোকাগম্য সকল জলজ্যেত ও খাল ব্যবহার করিবার এবং ঐ সমস্ত জলজ্যেত ও খালে মৎস্য ধরিবার স্বত্ব সাধারণের থাকিবেক; আর ঐ জলজ্যেত ও খালের উভয় পার্খে অন্যুন ২৫ ফিট পরিসর ভূমি গুণ টানিবার পথের জন্য রাখিতে হইবেক।

পাট্টা বিলির সময়ে উক্ত ভূমিতে যে সকল জ্বালানী কি গুঁড়ী কাষ্ট বর্ত্তমান থাকে, তাহা ঐ ভূমি আবাদ কর্মিবার জন্য কাটা কি পোড়ান হইলে অথবা ঐ ভূমির মধ্যে ব্যবহৃত হইলে তৎপ্রতি কোন কর ধার্য্য হইবেক না কিন্তু ঐ জ্বালানি কি গুঁড়ী কাষ্ট বিক্রমার্থ ছানান্তর প্রেরিত হইলে তৎপ্রতি গবণ-মেন্ট কর্ম্বক সময়ে সময়ে যে হার ও নিয়ম প্রচারিত হয় তদস্বসারে কর ধার্য্য হইতে পারিবেক।

উক্ত ভূমির মধ্যে, নিম্নে অথবা উপরে স্থিত ধাতু প্রভৃতির খনির উপর গবনমেন্টের স্বজ ধানি-বেক; তদ্ভিন্ন সেই ধাতু প্রভৃতি ভূলিবার পাইবার ও লইয়া যাইবার নিমিন্ত যে পথস্বত্ব রক্ষা করা এবং যুক্তিসঙ্গত অন্য যে স্থবিধা করা আযশ্যক তাহা করিতে হইবেক ও উক্ত ভূমিতে গবর্ণমেন্টের মালিকীক্ষত্ব থাকিবেক ও পাট্টাধারীকে কেবল দখলীক্ষত্ব দেওয়া যাইবেক; সেই স্বত্ব পুরুষাভূক্রমিক ও হক্তান্তর যোগ্য হইবেক ইতি সন ১৮৯৭ সাল তারিখ ৮এপ্রেল।

#### তপশীল।

মভালেব নাম।	জেলা সব-ডিবিজান ও থানা।	तक्रा ।	८ हो इसी ।
সাগর আইল্যাণ্ড প্রথম <b>খ</b> ণ্ড।	জেলা ২৪ পর- গণা, সব- ডিবিজ্ঞান ডায়- যশুহারবার থানা কুম্পী।	9924/	উত্তর ; — সূর্য্যুখী খাল এবং ঐ সূর্য্যুখী খালের কিনারা ছইতে সাগর আইল্যাণ্ডের দ্বিতীর খণ্ডের পশ্চিম সীমানার লাইন পর্য্যন্ত ২৭০ ব্যারিংএর একটা সরলরেখা। পূর্ব্ব ; —প্যাগোডা খালের কিয়দংশ। দক্ষিণ ; —বঙ্গোপসাগরের কিনারা ছইতে অত্র খণ্ডের উত্তর পশ্চিম কোন পর্যান্ত ৩৬০ ব্যারিং- এর একটা সরলরেখা। উপরোক্ত সীমানা সকল স্কন্দর্বন ক্মিশনার শ্রীযুঙ মোঃ, পী, রস্ সাহেবের ১৮৯৬।৯৭ সালের নৃক্রা অন্থ- সারে লিখিত ছইল।
			4

#### সাগর আইল্যাণ্ডের পতিত ভূমি বিলি সম্বনীয় সংশোধিত রূলের ১৯ রূলের ত ধার। অনুসারে নোটিস

এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে যাহার নক্সা স্থন্দরবনের শ্রীযুত কমিশনার সাহেবের আফিসে দেখিবার নিমিত্ত আছে; এতদ্বত তপশীলের লিখিত সেই ভূমির পাট্টা ধনেশ প্রকাশ গলো-পাধ্যায় পাইবার জন্য প্রার্থনা করিয়াছেন; ইতি মধ্যে উক্ত ভূমির উপর (১৮৬০ সালের ২০ আইন মতে অর্থাৎ পতিত ভূমির উপর দাওয়া নিস্পত্য করিবার বিধান করণার্থ আইনমতে) দাওয়া বা অপত্য করা প্রযুক্ত বা অন্য কোন কারণে নিলাম রহিত বা স্থগিদ না হইলে তাহা ১৮৯৭ সালের ১২ জ্লাই মোতাবেক বাজলা ১৩০৪ সালের ২৯ আঘাঢ় সোমবার মধ্যাক্ত সময়ে আলিপুর স্থন্দরবনের শ্রীযুত কমিশনার সাহেবের অফিসে বিক্রীত হইবে।

নিম্নলিখিত নিয়মাধীনে এবং সাগর আইল্যাণ্ডের পতিত ভূমির পাটা বিক্রয়ার্থ ১৮৯৭ সালের ২৯ মার্চ্চ তারিখের বেঙ্গল গবন্ধেন্টের ১৩৭৭ এল ু, আর, নং নোটিসে প্রকাশিত সংশোধিত রূলের বিধি সংযুক্ত সাধারণ নিয়মাধীনে উক্ত ভূমির পাটা দেওয়া ঘাইবেক।—

#### নিয়ম এই ;---

উক্ত ভূমি বর্ত্তমান পথ ও জল ও অন্য সকল ভোগস্বত্বের নিয়মাধীনে থাকিবেক।

নৌকাসম্য সকল জলজ্রোত ও খাল ব্যবহার করিবার এবং ঐ সমস্ত জলজ্যোত ও খালে মৎস্য ধরিবার স্বত্ব সাধারণের থাকিবেক; আর ঐ জলজ্যোত ও খালের উভয় পার্ষে অন্যুন ২৫ ফিট পরিসর ভূমি গুণ টানিবার পথের জন্য রাখিতে হইবেক।

পাট্টা বিলির সময়ে উক্ত ভূমিতে যে সকল জ্বালানি কি গুঁড়ী কাষ্ট্র বর্ত্তমান থাকে তাহা ঐ ভূমি আবাদ করিবার জন্য কাটা কি পোড়ান হইলে অথবা ঐ ভূমির মধ্যে ব্যবহৃত হইলে তৎপ্রতি কোন কর ধার্য্য হইবেক না, কিন্তু ঐ জ্বালনি কি গুঁড়ী কাষ্ট্র বিক্রয়ার্থ স্থানান্তরে প্রেরিত হইলে তৎপ্রতি গ্রব-নেট কর্ত্তক সময়ে সময়ে যে হার ও নিয়ম প্রচারিত হয় তদমুসারে কর ধার্য্য হইতে পারিবেক।

উক্ত ভূমির মধ্যে, নিম্নে অথবা উপরে স্থিত ধাতু প্রভৃতির খনির উপর গবনমেন্টের স্বত্ব থাকি-বেক, তদ্ভিম সেই ধাতু প্রভৃতি তুলিবার ও পাইবার ও লইয়া যাইবার নিমিত্ত যে পথস্বত্ব রক্ষা করা এবং যুক্তিসঙ্গত অন্য যে স্থবিধা করা আবশ্যক তাহা করিতে হইবেক; উক্ত ভূমিতে গবনমেন্টের নালিকীস্বত্ব থাকিবেক ও পাট্টাধারীকে কেবল দখলীস্বত্ব দেওয়া যাইবেক; সেই স্বত্ব পুরুষামুক্তমিক ও হস্তান্তর যোগ্য হইবেক ইতি। সন ১৮৯৭ সাল তারিখ ৮ই এপ্রেল।

#### তপশীল।

মহালের নাম।	জেলা, স্ব ডিবিজান ও থান:।	वक्द!।	চেইছিদ !
ন:গর আইল্যাণ্ড দ্বিতীয় খণ্ড।	জেলা ২৪ পর- গণা, সব-ভিবি- জান ডায়মণ্ড- হারবার থানা কুম্পী।	5000/	উত্তর ;—ছোট শুইমারি খাল। পর্ক ;—প্যাগোড়া খালের কিয়দংশ। দক্ষিণ ;—সূর্য্যুখী খাল এবং ঐ সূর্য্যুখী খালের কিনারা হইতে অত্তখণ্ডের পশ্চিম সীমানার লাইন পর্যান্ত ২৭০ ব্যারিংএর একটা সরলরেখা, যাহা প্রথম খণ্ডের উত্তর সীমানার সহিত ঐক্য আছে। পশ্চিম ;—প্রথম খণ্ডের উত্তর-পশ্চিম কোণ হইতে ছোট শুইমারি খাল পর্যান্ত ৩৬০ ব্যারিং- এর একটা সরলরেখা। উপরোক্ত সীমানা সকল স্থান্তর্বন ক্মিশনার শ্রীমৃত মেং, পী, রস্ সাহেবের ১৮৯৬। ৯৭ সিজ্ঞানের নারা অহ্নসারে লিখিত হইল।

#### **जिमा** अमीरा ।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১৯ কাইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এডদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীরা জিলার অন্তর্গত বিদ্ধালিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাঁকী রাজত্ব ও অন্য যে সকল দাবী কাইনাহসারে বাঁকী রাজত্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ১০ ক্লাই তারিখে বেলা ১১ টারু সময় নিলামে বিক্রায় করা ঘাইবে।

5	2	٥	8	α	હ	9	•	>
তৌজির নম্বর।	মহাল ও প্রগণীয় নাম।	সম্পূর্ণ মহাঙ্গের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইবৈ কি না'৷	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয হুইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্ৰয় ছইবে তাহার মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশেব সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহাব বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে ভাছা। বাকী।
<b>২২ নং</b> ভৌজি	মোজে বেলগাঁ পর- ় গণে বেলগাঁ।	60489p		২২। ০ নং তোজি মহাল বেলগাঁ ।। ১১৩। ১১৩। ১ রকম অংশ নীলাম হইবে অপর অংশ নীলাম হইবেক	অটলবিহারী পাল, কৃষ্ণধন ঘোষ শ্রীনাথ পাল চৌ- ধুরী শ্রীশচন্দ্র পাল	883৫4৶৮	••••	671077
১৬৭ নং তৌজি	মৌজে হবরা পর- গণে পাজমৌর।	5 %   O   C   S & C		নালাম হহবেক না। ১৬৭।৪।১ নং ভৌজি মহাল হবরা ।১৮/৪। রকম জশ্দা নীমাম হইবেক। অপার অপ্দা	ও জানবে রাধিকা প্রসাদ স্থরেন্দ্র নাথ ও উপেন্দ্র	8244170	••••	201/2
-১০ নং ভৌজি	মহাল চর বোয়া- লিয়া পরগণে রাজপুর।	<b>३</b> २२)	সম্পূর্ণ মহাল।	নীলাম হইবেক না। 	পুর। বিষ্ণুচন্দ্র সেন রাধিকা চরণ সেন সাং বহরমপুর স্থজাগঞ্জ জেলা মুরশিদাবাদ।	••••	, 2 <b>~11</b> 9	•••

দীকা।— যে দ্বলে উপারের লিখিত বর্ণনাপত্রেব ৫. ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম ছইনে বলিয়া লিখিত আছে সেই শ্বলে উজা বুঝিতে ভইবে যে ঐ অংশের মমিত স্বতপ্র ডিসাব রাখা ছইয়া থাকে ও মহাজেব জনা বা জানানা অংশ বিক্রম হয় না।

W. MANWELL,

For Collector.

4

#### जिना मूत्रनिमाताम ।--- ज्यामाती विकास्त्रत विज्ञालन !

১৮৯৭ সালের মার্চ্চ কিন্তির বাকি খাজনা আদায় জন্য।—

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মুরশিদাবাদ জিলার অন্তর্গভ নিম্নলিখিত মহালগুলিবা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিনে বাকা রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সাল ৯ জ্লাই বাং ১৬০৪। ২৬ আঘাত তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশমাত্র বিক্রয় ছইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রম হয় না।

5	<b>\</b>	9	8	à	•	٩	ь	•
<b>ভৌজি</b> র নম্বর ।	মহাল ও প্ৰফলাৰ ন(ম।	সম্পূৰ্ণমহা- লেব সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয হইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ- মাত্র বিক্রম হটলে ঐ অংশেব সদর জমা।	বিক্ৰয় স্ইলে	কোন অংশমাত্র বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।
<b>&gt;&gt;</b>	মোজা চঙিপুর পঃ কাশিপুর।	<b>७.५०॥</b> /१	मग्रुषाञ्च	•••••	দারাকদর সৈয়দ খোকান মির্জ্জা ওরফে বৃদ্ধন সাহেব সাং কিল্লা নেজামৎ থানা সাহানগর	•	२००१८	******
8•9	মেজা রামবাটী পঃ ফতেসিং।	৬১৭/৬		এজমালি ক্যাস ⁄৪॥৶১২ তিল।	খুদিরাম প্রামাণিক সাং গুপুখরিয়া থানা ভরৎপুর দিঃ।	894/5		<i>दा∾</i> ,७ ०

E. V. LEVINGE, Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম—ইন্তেহার নামা কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাদারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের । ৬ ধারার মর্মাস্ক্রসারে নিম্নলিখিত তালুকার ১৮৯৭ ইং ২৫ শে ফেব্রুয়ারি সূর্য্যান্ত পর্যান্ত বাকা পড়া খাজানা ছেচ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৭ ইং ১০ই আগফ মোতাবেক ১৩০৪ বাজালা ২৬ শ্রাবণ রোজ মজলবার জিলা চট্টগ্রামের কালেক্টরি কাছারিতে বিনাওজরে প্রকাশা নীলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তারিখ ১৬ জুন।

তালু কেব ন খব।			বার্ষিক	<b>अप्र</b> ∤।		বাঞ্ <u>ণী</u> ।		
	ড়ালুবের নাম।	শ†লিকেব নাম।	থাজান	(ቒ ፣	থাজানা ৷	(ছচ।	মোট ৷	मच्छरः।
৫৬১৭	থানা সাত্কানিয়া মেজি। চরম্বা মহল ন্যাবাদ। তালুক কালীকিঙ্কর উপেত্র দাস, হরি কাশান দেবিদাস, রামশরণ।	কৈলাস চম্দ্র চৌধুরী, পূর্বচন্দ্র চৌধুরী, হরদাস চৌধুরী, ভারকচন্দ্র চৌধুরী দেবিদাস চৌধুরী এবং গোলোকচন্দ্র চৌধুরী সাকিনান চড়স্বা খানা সাভিকানিয়া।	110/ 22F9	99) 110/	486		`985 /a	সম্পূর্ব তা- লুক বিক্রী হইবে।

\_\_CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 18th June 1897.

J. D. Anderson,

Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchons Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following ates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postago—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জুরত্ব সিন্কোনা।

কলিকাভান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের অ্পরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট গবৰ্ধ-মেন্টের কর্মচারিগন এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালীন ছয় পৌও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিত মূল্যে ক্রয়ে সিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২।।০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫২ টাকায় ও এক পৌও টিন ১০) টাকায় পাইবেন । সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের অপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬) টাকায়, আট ঔপ টিন ৬২ টাকায় এবং এক পৌও টিন ১২) টাকায় পানতে পারিবেন কলিকাতার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেতাগণও এই ঔষধ বিক্রেয় করিলা পাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের।০, আট ঔপ টিনের ম০ ও এক পৌও টিনের ১০ ডাক মাক্ষম দিতে হইবে।

বঙ্গদেশের প্রবর্থনেন্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।
১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মুদ্য হইবে,যথা—

১ এক পোণ্ড টিন ১৮) বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৭০

॥ जास ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,,

I 何待 ,, ,, 811° ,, ,, ,, ,, ,, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং হহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপক্ষট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপুর্বক মিশান হয় নাই ভাহার গ্যারান্টা দেওয়া যাইভেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটন্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া সম্ভতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

Rs. P. Entire Gazette ... 10 per annum. Postage 0 Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Pestage For a single copy-Entire Gazette 0 Postage Parts III, IV, V, and VI sbeets or ander with an additional charge of 1 anua for every 4 sheets in excess

Postage ... 0 1 0

For Calcutta.

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. Baker.

Offg. Under-Secretary to the Govt. of Bengal,

#### বিজ্ঞাপম ৷

১৮৮৩ সাল ২১ ফেঞ্চয়ারি	।—বাঞ্চালা গৰ	বর্ণমেন্ট গেডেন্টের	মূল্য ও	ভাক্ষাত্ৰ এ	हे जगध	নিশ্ন-
নিষ্ঠিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে						

	यकः म	<b>.</b>			টাকা।
সম্পূর্ণ সেজেট	•••	•••	•••	বৎসর	٥٠,
<u>ডাকমাম্বল</u>	•••	•••		,,	<b>2</b> 11 •
ত এ ৪ ও ৫ ও ৬ খ্	থ ( যাহাতে	কারতবর্ধের	ৰ ও বজ-		
দেশের ব্যবস্থাপ	াক সভার	আইন ও	আহ্নের		
পাণ্ডুলিপি থাকে		•••	•••	,,	8,
্ ভাকমান্ত্র		•••	•••	"	5,
সম্পূৰ্ণ একখানি গেজে	টের মূল্য			,,	[●
<b>ডাক্</b> মাস্থল	_			,	. •
0 8 8 9 C 9 C	🕽 ( প্রত্যেক	৪ পূটা ব	া ভাহার		
<del>য্যুক্ত</del> সংখ্যুব	গ্ <b>ঞা</b> র মূ <del>ল্য</del>	)		44.	/ ৪ পৃষ্ঠার ঊপর যদ্ধ অধিক হয় ভাহার অভ্যেক ৪ পৃষ্ঠা প্রভি জার এক ২ আনা।
<b>উক্ষান্ত্ৰ</b>		•••	•••		. /•

ক্ৰিকাডায়।

কালকাতায় ও মক্ষ:সলে সমান মূল্য, কলিকাতায় কেবল ডাকমান্থল লাগিবে না।
ই. এন. বেকার।

वकरम्पात भवर्वायान्त्रेत अक्षिर ছ्यां वित्रकांत्रो।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Rc. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDT., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly eash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the Rupee on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Goot, of Bengal.

12th December 1882.

Note.—Rates of advertisements in the CALCUTTA GAZETTE.

Rs.
Full page, per issue ... ... 20
Helf ,, ,, ... ... 10

Casual advertisement—4 annas per line.

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেচ্ছেটের কিন্তা বাঙ্গালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজেট নেওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেছর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিন্তা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ক্যক্তি
লোল সেক্টেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তা উক্ত ছাপাখানায় কোন
কর্ম করাইতে চাহিলে ভন্মিত্ত নগদ মূল্য দিতে হইবে এভদ্ধারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেক্টোরিয়েটের আকোনীনেটের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক কার্যালয় ভিন্ন কোকিকে কোন পৃশুকাদি দেওয়া কিছা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাপন প্রাকৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

হৃষ্ণ্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণিট বাদ দিবার জ্বন্যে টাকার উপর আর ৴৽ এক আন্যা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টন, বলচেদশের গ্রথমেন্টের ছোট সেক্রেটরা।

#### ১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মুখ্যে। — কলিকাতা গেলেটে ইণতিহাৰ প্রকাশ করিবার হার এটন।—					
পুৰা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ করণের		•••		•••	3.
<b>का</b> । ४ < ; का	•••	***			>
<ul> <li>কথন ইশিঘিয়ায় প্রবাশ করিতে চইতে</li> </ul>	ৰ একং প <b>ি</b> জ	••	45		10

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-trovernor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.-Copies are still available.

#### বাঙ্গাল সেকেটারিয়েট যন্ত্রালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে ৷

বারিফার-আট-লা ও ঐ ঐ মতীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডি ফ্রিক্ট ও সেশন জ্বজ ও রেন্ট কমিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পালের শ্রীযুত সি, ডি. কিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি সাহেবের প্রাণীত বঙ্গদেশের ঐ যুত লেপ্টেনেন্ট গবনর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূম্যধিকারীর প্রজা বিষয়ক আছন সংহিতা।

#### একং খানি পুসকের মূল্য, ে পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাঙ্গাল সেক্রেটারিয়েটের আকৌন্টান্টের নিকটণ একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা যোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।/০ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। যন্তব্য।—উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলকে বলদেশের মাজিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পুনিত ওয়েষ্ট টোন হালের হাভায় স্থিত বলদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে রেছি-টারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উজ্জ সকল আইনের পৃস্তক কলিকাভার গবর্বমেন্ট প্রেশে, ধাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটাতে ক্রয় করিতে পাওয়া যায়।

কলিকাত। থোগিডেন্সী কেল যন্ত্ৰালয়ে গ্ৰণমেন্টের জন। উন্ত তেম্স পেটা সাহেব কর্তৃক মুক্তিত ও প্রকাশিত হইল। B 47a-6-7-97-1084-120



## गवर्गाम् (जाटकि।

TUESDAY, JULY 13, 1897.

### মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৩ জুলাই।

· contents.		1	
	Page.	নিৰ্বত।	
PART I Resolutions, Orders and Notifics.			नृष्ठी ।
tions of the Government of India	Nil.	প্রথম খণ্ড।—ভারতবর্ষীয় গ্রবন্মেন্টের নির্দারণ	-
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-		আদেশ ও বিক্ষাপন প্রভৃতি	নাই।
tions by the Licutenant-Governor		বিতীয় খণ্ড।—বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের নির্দারণ.	
of Bengal	Nil.	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	নাই :
PART IIA.—Orders by the Lieutenant-Gover-		বিতীয় <b>ক খণ্ড।—বঙ্গদেশে</b> র গবর্ণমেক্টের <b>আদেশ</b>	64 - 66
nor of Bengal	6566	কৃতীয় থও।—ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীভ	
PART III Acts of the Legislative Council of		स्राहेन	माइ !
Indi <b>a</b>	Nil.	চতুর্থ খণ্ড।—ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার জাইনের	., ., .
PART IV Bills of the Legislative Council of		শাঙ্গলিশি	नाइ।
India	Nil.	প্ৰথম খণ্ড।—বলীয় ব্যবন্দাশক সভার প্ৰণীত জাইন	मारे।
PART V.—Acts of the Bengal Council	Nil.	वहे थेश्व।रक्षीय वावन्द्रांशक मध्यात खाहेराना	,
PART VI.—Bills of the Bengal Council	Nil.	পাতুলিশি ,	নাই
PART VIICircular Orders by the High		সন্তম বশু।—হাই কোর্টের ও রেবিনিউ বার্ডের	
Court and Board of Revenue	Nil.	নাধারণ ভাপনপ্র	নাই :
PART VIII.—Advertisements 38	51 357	Sac	~ >   ~   ~   
Supplement	Nil.	পরিশিষ্ট গ্রব্থেটের গেলেট	नादै।

#### PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal.

দিতীয় ক খণ্ড।

वक्रान्टभत शव्यव्यव्हेत्र चाटम्म ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 3470M.—The 3rd July 1897.—Whereas a notification No. 1295M., dated the 9th March 1897, was published at page 62, Part IB of the Calcutta Gazette of the 10th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of Part IX of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Bengal Acts IV of 1894 and II of 1896, to the Jhalokati Municipality, in the district of Backergunge, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Jhalokati Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said Municipality.

H. H. RISLEY, Secy. to the Govt. of Benyal.

বঙ্গদেশের প্রীয়ত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

#### মুনিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন।

৩৪৭০ এম, নম্বর।—১৮৯৭ সাল ওরা জ্লাই।—বাখরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত ঝালকাটি মুনিসিপালিটীতে ১৮৯৪ সালের বল্পায় ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের বল্পায় ২ আইন দ্বারা সংশোধিত বল্পদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের নবম পরিচ্ছেদের বিধান প্রচলিত করণার্থে প্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ৯ই মাচ্চ তারিখের ১২৯৫ এম, নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১০ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ট খণ্ডের ৬২ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রজ্ঞাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, প্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেটের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারামতে প্রদক্ত ক্ষতান্ত্রসালের কার্য্য করিয়া এবং ঝালকাটি মুনিসিপালিটীর সন্তাগত কমিশনরদের অন্থ্রোধক্রমে মুনিসিপল আইনের উক্ত বিধান উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রচলিত করিবার অন্থ্যতি দিলেন।

এচ্, এচ্, রিসলী, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।



## गवर्गायन कार्डि

TUESDAY, JULY 13, 1897.

### মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৩ জুলাই।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

অপ্তম খণ্ড।

ইশ্তিহার প্রভৃতি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্তাহার।

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এওঁদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত ছালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাইসারে ক্রি রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত সন ১৮৯৭ ইরেজির ১১ আগস্ট তারিখে বেলা ১২ টার ময় নিলামে বিক্রম করা যাইবে। সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ২৪ জ্ন।

>	<b>1</b>		8	t .	9	9	b	•
বিশ্বর শ্বর চ	মছাল ও প্রগণার নাম।	Sec. 1   1   1   1   1   1   1   1   1   1	সম্পূৰ্মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিশ্রুয় হইবে তাহার মালিকগণের দাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয ছইলে ঐ অং- শের সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাকার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিশ্ৰুয় হইলে ভাহাৰ বাকী।
७ <u>१</u> ७०	থানে ফটীকছরি— তং আনন্দীমানওল্লা	338-(0	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হই- বেক।	1	खीनियां हेटतन नम्ही खीमजी खनमीना।	•••••	ዓ o կঙ	••••
\$ 8 \$ 8	ধানে রাউজ্ঞান, সহর— তং বসন্তরাম কতে- য়াবাদ।	e e 9 40/15	অংশ বিক্রয় হইবেক।,	১৮১৯ সালের ১১ আইনমতে জ্বমা স্বতন্ত্র হউয়া ২ নং অবশিষ্ট মালীকা- নের অংশ বাকী পাড়ায় কেবল	শ্ৰীআনন্দমোহন দে শ্ৰীআলী মহাং গং।	aa8  Jo	•••	₹5 <sub>(</sub> ७
	থানে রাউজান, ভাটিয়ারি—			তাহা বিক্রী হই- বেক ডম্ভিন্ন অন্য কোন অংশ বিক্রা হইবেক না।				
26	ভাগ্যাস ভং বকন্ধা আলী	৯७१॥√•	<b>u</b> it	১৮৫৯ সালের ১১ আইনমতে জমা স্বতন্ত্র হইয়া ২ নং অবশিষ্ট মালীকা- নের অংশ বাকী পাড়ায় কেবল তাহা বিক্রী হই-	শ্রীজান আলী শ্রীআকমল আলী গং	92244/9	,	<b>369</b> 430
,	•	•		বেক ভদ্ভিন্ন অন্য কোন অংশ বিক্রী হইবেক না।				

-	٥	٦	v	8	α	•	9	٦	
	चित्र इत्र ।	মহা <b>ল ও</b> প্রগণার লাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর ক্ষমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ নিক্রয় হই <i>লে ঐ</i> অংশ বা ঐহ অংশের বিশেষ বিবরণ গ	যে সম্পত্তি বিক্ৰয় ছইবে তাহাব মালিকগণেৰ নাম।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় ছইলে ঐ অং- লের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হুইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয হইলে তাহাঃ বাকী।
\$ 8 5 9 U 5 U S	64	থানে ভাটিয়ারি, রাউজান— তং যশমস্ত সিংহ	ડ <b>૭৮</b> હાા√૨	অংশ বিক্রয় হইবে।	১৮৫৯ সালের ১১ আইনমতে জমা স্বতন্ত্র হইয়া ৩নং অবশিষ্ট মালিকা- নের অংশ বাকী	ঞীমতা জমিলা	¢⊄ا		3 (velled 5
Š					নের অংশ বাক। পাড়ার কেবল তাহা বিক্রী হই- বেক তম্ভিন্ন অন্য কোন অংশ বিক্রী হইবেক না ।				
• { \$ \ { \$ \xeta \xeta  \xeta  \xeta	<u>ء</u> ع	থানে হাটহাজ্ঞারি, পটীয়া, রাউজ্ঞান দহর, সাতকাণিয়া— তং ক্লফকিশোর কাহ্নগোয়।	• 68@1~/9	ঐ	১৮৫৯ সালের ১১ আইনমতে জমা স্বতন্ত্র হইয়া ১ নং হিং ফজলে আহা-	শ্রীকজ্ঞতেল আ্হাম্মদ শ্রীক্জনেছম্দ।	e2846		\$ <b>(</b> 0)
05	٧	• কাঁড়ি রাজনীয়া—			মদের অংশ বাকী পড়ায় কেবল ভাহা বিক্রী হই- বেক ভদ্ভিম্ন অন্য কোন অংশ বিক্রী হইবেক না		,	•	
369 43¢	1	তং <b>খেম</b> করণ হাজা- রি।	<b>&amp;</b> 68311/6	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হই- বেক।		ঐ∱বরতন হাজারি	•••	28.01%	*****

#### সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫ কেব্রুয়ারি শেষ তারিখের বাকীপড়া ।

দিকা।—বে স্থলে উপরেধ লিখিত বর্ণনাপত্রের ৫. ৭ ও ৯ গবে কোন অংশমাত্র বিক্রম গইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ইছা ব্রিতে চইবে যে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র ছিসার রাখা চইয়া খাকে ও মহালের অন্যাব্য অন্যান্য শংশ হিঞায় হয় না

CHITTAGONG COLLECTORATE, (
Th 5th July 1897.

J.D. Anderson, Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### ইস্তাহার নামা কাছারি কালেক্টরী জিলে চট্টগ্রাম।

সন ১৮৫৯ সালের ৭ ধারার মর্যাহ্নসারে ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে নিম্নের লিখিত মহাল চট্টগ্রাম জিলার রাউজান খাস মাহল স্থিত ১৮৯৭ ইংরেজি ২৫শে মেই শেষ তারিখের খাজানা ও ছেচ বাকির জ্ঞান্তে ১৮৯৭ ইংরেজি ২৪ আগস্ট তারিখে চট্টগ্রাম কালেক্টরিতে নিলামে ধরা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ই তারিখ ৫ জ্বন।

	ক্ৰমিক	তলুকাব নম্ব।		মালিকেব নাম।	সদর জনা।		रांकी।			No. of Contract of
	মপ্র।		তাপুকার নাম।		थाकाना ।	(इंट ।	ধান্দান।	(इंह,।	মোট।	মন্তব্য
•	>	٠	9	8	α	•	9	ь	>	۶۰
	3	<u>२</u> २७৯२ <i>৯</i> ४०७	মৌজে হাপানিয়া থানা ফটীকছরী মহল নওয়া- বাদ।—- তালুক ফরাদ জাফর		<b>৮</b> ৯٩	હવાા⁄હ	<b>৬</b> ৩•	¢3•⁄°	<b>৬৮</b> ১৵०	

. CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 7th July 1897.

J. D. Anderson,

Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম—ইন্ডেহার নামা কাছারি কালেইরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ধারার মর্মান্ত্রসারে নিম্নলিখিত তালুকার ১৮৯৭ ইং ২৫ শে ফেব্রুয়ারি সূর্য্যান্ত পর্যান্ত বাকা পড়া খাজানা ছেচ আদায়ের নিমন্ত ১৮৯৭ ইং১০ই আগন্ত মোতাবেক ১৩০৪ বাঙ্গালা ২৬ শ্রাবণ রোজ মঙ্গলবার জিলা চট্টগ্রামের কালেক্টরি কাছারিতে বিনাওজ্বরে ধকাশা নীলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তারিখ ১৬ জুন।

	•		বাৰ্থিক ভম।।		राकी।			
ভালু কের নম্ম।	ভালু চের নাম।	ম†লিকের নাম।	থাজান	ছেচ (	থাজানা ৷	(इंट।	মোট।	<b>मच्छ</b> रः।
4634	থানা সাত্কানিয়া মেজা চড়ম্বা মহল নয়াবাদ।— ভালুক • কালীকিঙ্কর উপোক্ত দাস, হরি উপান দেবিদাস, রামশরণ।	কৈলাস চন্দ্ৰ চৌধুরী, পূৰ্ণচন্দ্ৰ চৌধুরী, হরদাস চৌধুরী, তারকচন্দ্ৰ চৌধুরী দেবিদাস চৌধুরী এবং গোলোকচন্দ্ৰ চৌধুরী সাকিনান চড়ম্বা থানা সাতকানিয়া।	110/ 29F9	99) 110'	984 /à	•••	985 /a	मण्णू न जा सूक विको श्रेटवा

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 18th June 1897.

J. D. Anderson,

Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6. per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জ্বন্দ্র সিন্কোনা।

কলিকাতান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট গবণ মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালীন ছয় পোঁও ক্রম্ম করিলে নিম্নলিখিত মূল্যে ক্রম্ম শিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২॥০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫১ টাকায় ও এক পোঁও টিন ১০০ টাকায় পাইবেন। সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং ছিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৬০ টাকায় এবং এক পোঁও টিন ১২০ টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেভাগণও এই ঔষধ বিক্রম করিয়া থাকেন। উপরোক্ত ছার ছাড়া চারি ঔপ টিনের।০, আট ঔপ টিনের ৪০০ থাকে পোঁও এক পোঁও টিনের ৮০ ডাক মাহল দিতে হইবে।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।
১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মৃদ্য হইবে,যথা—

১ এক পোণ্ড টিন ১৮) বা ডাক মাশুল সমেড ১৮৭০

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনীডাইন নামক অপক্রুট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্ব্বক মিশান হয় নাই তাহার গ্যারান্টী দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রম্ন করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটন্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিক্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া যাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

Rs. Entire Gazette ... 10 per annum. Postage 2 8 0 Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-Entire Gazette 0 Postage 0 Parts III, IV, V, and VI for 4 sheets with an additional charge of 1 anna for every 4 sheets in excess

Postage ... ... 0 1 0

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. BAKER.

Offg. Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন ।

১৮৮৩ সাল ২১ কেব্রেয়ারি।—বাঙ্গালা গবর্ণযেন্ট গোজেটের মূল্য ও ডাকষাহল এই স্বধি নিম্ন-লিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে:—

	যকঃসলে				<b>ोका।</b>
সম্পূৰ্ণ গেজেট	•••	•••	•••	বৎসন্ন	> 0 ~
ডাকমান্তল	•••	•••	•••	,,	रे।। •
৩৩৪৩৫৩৬খ%	( যাহাতে ব	গার <b>তবর্ষের</b> ১	ও ব <b>জ</b> -		
দেশের ব্যবস্থাপৰ	সভার ভ	গাইন ও ঘ	ণাইনের		
পাণ্ডুলিপি থাকে )		•••	•••	<b>3</b> )	8,
ভাকমান্ত্ৰ	•••		•••	79	١,
সস্পূৰ্ণ একখানি গেজেটে	व भृग्र	•••	***	,,	1•
ডাকমান্থল	•••	• • •	•••		/•
0 8 8 9 4 9 4 <b>4</b> 9	( প্রভ্যেক	8 शृंधी बा	ভাহার		
<b>ন্</b> য়ন সং <b>খ্য</b> ক গ	গৃষ্ঠার মূল্য)	•••			৪ পৃষ্ঠার উপর     রফ্ অধিক হয়     ডাহার প্রভাক     ৪ পৃষ্ঠা প্রভি ভার
					वर्ष २ जाना।
खाकशास्त्र	• ••			· ••	. 10

কলিকাভায় ৷

কালকাডায় ও মক:সলে সমান মূল্য, কলিকাডায় কেবল ডাক্মাখল লাগিবে মাঃ। ই, এন, বেকার।

वक्रम्मात भवन्याक्ति अकृष्टिः ह्या म्याक्रिती।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDT., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the Rupes on account of discount.

C. W. BOLTON, Under-Secretary to the Gove. of Bengal.

12th December 1882.

Note.—Rates of advertisements in the UALCUTTA GAZETTE.

Rs.

Full page, per issue ... ... 20

Half ,, ,, ... ... ... 10

Casual advertisement—4 annas per line.

#### বিজ্ঞাপন।

ক্লিকাতা গেচ্ছেটের কিন্তা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে র্ঞাং গেজেট দেওয়া ঘাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেশ্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিন্তা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তি বালাল সেক্টোরিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভন্মিতি নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেক্রেটারিয়েটের আকোন্টান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে ঠপ-রোক্ত ফার্য্যালয় ভিম্ন ফোন ব্যক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাপন প্র'ভৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত তাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষোন্ট বাদ দিবার জ্ঞান্তে টাকার উপর আর ৴৽ এক আনা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টন, বল্পদেশের গ্রথমেন্টের ছোট সেক্রেটরীঃ

#### ১৮৮২ সাব্দের ১২ ডিসেম্বর।

ম্ব্য ৷— কলিকাতা গে <b>ছেটে উপ</b> তিহাৰ প্ৰকাশ করিবা		हे।कार			
পুরা ওক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ কবণের	•••			***	1.0
काथ ्रका	•••	***			3
কথন কথন ইশন্তিঃর প্রকাশ করিতে হইতে	ৰ একং পীতিক	•••	#54	,	i

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-trovernor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### वाकान मिटकोर्निया विकास विकास

বারিন্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীমতীর বন্ধদেশের সিবিল সর্বিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিষ্ট্রিক্ট ও সেশন জব্দ ও রেন্ট কমিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পলের শ্রীযুত সি, ডি, ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি সাহেবের প্রাণীত বন্ধদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূম্যধিকারীর প্রজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং বানি পুসকের মূল্য, 🖎 পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রম করিতে চাহিলে বাজাল সেকেটারিয়েটের আকোনীতের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার বরচ।/০ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য ।—উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলকে বলদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাতার স্পুশনেড ওয়েষ্ট টোন হালের হাতার স্থিত বলদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে বেক্সি-টারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুশুক কলিকাভার গবর্থমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটীতে ক্রয় করিতে পাওয়া যায়।

ৰুলিকাতা থোসিডেকী বেল যন্ত্ৰালয়ে গ্ৰেপ্টের লনা ইষ্ড জেম্স পেটা সাহেব কর্তৃক মৃত্তিত ও প্রকাশিত হইল। В 470—13.7-97—1109—120





## गवर्गायन् रमाउन्हे।

TUESDAY, JULY 20, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২০ জুলাই।

CONTENTS			
	PAGE.	নিৰ্বণ্ট।	
PART I Resolutions, Orders and Notifica-			श्रुष्ठे ।
tions of the Government of India	Nil.	প্রথম বশু।—ভাবতব্যীয় গ্রব্মেণ্টেব নির্দারণ	•
PART II Resolutions, Orders and Notifica-		আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	নাই ৷
tions by the Lieutenant-Governor		ৰিতীয় <del>বস্তু।—বজুদেশের</del> স্বর্ণমে <b>টের মির্ছা</b> রণ,	
of Bengul	Nil.	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	নাই ৷
PART IIA.—Orders by the Lieutenant-Gover-		বিতীয় ক খণ্ড।—বজদেশের গ্রেগমেণ্টের আদেশ	নাই
nor of Bengal	Nel.	ভূতীয় খণ্ড।—ভারতব্যীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীভ	
PART III -Acts of the Legislative Council of		चाहेम	নাই !
India	Nil.	চত্ত্ব খণ্ড।—ভাবতবৰ্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনের	
PART IV Bills of the Legislative Council of		পাড়লিপি	ন(ই ৷
India	Nil.	প্রক্রম বঙা—বঙ্গীয় ব্যবস্থাপক সন্তার প্রণীত আইন	নাই।
PART V.—Acts of the Bengal Council	Nil.	वहे थल।वकीय वावन्दालक मछात खाईरनत	
PART VI.—Bills of the Bengal Council	Nil.	শাহুলিশি	নাই
PART VII -Circular Orders by the High		সন্তম খণ্ড।—হাই কোটেব ও রেবিনিউ বোডের	
Court and Board of Revenue	Nil.	নাধারণ জ্ঞাপনপত্র	माई।
PART VIII.—Advertisements 3	59-365	আটুম বঙ ।—ইশ্তিহাব প্রভৃতি ৩০	15 04e
SUPPLEMENT	Nil.	পরিশিষ্ট গবর্ণমেন্টের গেলেট	নাই
	i		

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्ट्रेय थए।

ইশ্তিহার এড়তি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাহার।

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ৩০ ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাস্সারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত সন ১৮৯৭ ইরেজির ১১ আগস্ট তারিখে বেলা ১২ টার সুময় নিলামে বিক্রায় করা যাইবে। সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ২৪ জুন।

j	<b>2</b>	٥	8	Œ	•	4	Ħ	l <b>à</b>
:ভৌ <del>জি</del> ব নশ্ব !	মহাল ও প্ৰগণ্য না <b>য</b> ়	স <b>ম্পূ</b> ণ মহাজেব সদৰ <del>ধ</del> ্মা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিশ্ৰুয় হইবে কিনা।	কে⁄ল মাত্র অংশ বিক্রয ১ইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রুয চইবে হাঙাৰ মালিকগণেব ন,ম ,		সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাঙাৰ বাকী	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হুইলে ভাহতর ব্যক্ষা
!	1				\ 			
৩৭	থানে ফটীকছরি—		!		-			
<b>68</b>	তং আনন্দামান ওল্লা	3360,0	সম্পূর্ণ মহাল	1	শ্রীনিমাইচরণু নন্দা		9 0 415	••
90			বিক্রয় হই-	! !	্শীমতী গুণশীলা।	,		1
ì			বেক।		1			
i !	থানে রাউজান,							! !
٥٦	সহর —				্ শ্ৰী <b>তানন্দ</b> মোহন দে	048  Jo		٠٠.١٩
668	তং বসন্তরাম ফতে-	ee 4 ha/0		১৮১৯ সালের ১১	ं भी गाना महार गरा		•• •••	, , , , , , , ,
440	য়াবাদ।		হইবেক।	আইনমতে জনা স্বতন্ত্ৰ হইয়া ২ নং	1			1
	1	! !		বতত্ত্র হ২র। ২ শং অব <b>শিষ্ট</b> মালীকা-				
			,	নের অংশ বাকী				
İ				পড়ায় কেবল				
			,	তাহা বিজী হই-	i		•	•
1			1	বেক ভদ্তিন্ন জন্য				
!				কোন অংশ বিক্ৰী	· !	•	,	
	1			হইবেক না।	ļ		1	
	<b>পানে রাউজান</b> ,		:	ļ			,	
bob	ভাটিয়ারি —		1				!	
480	তং বকস্বা আলী	२०411 <b>√</b> ०	<b>(a)</b>	১৮৫৯ সালের ১১	শ্ৰীজান জালী	922429		১৬৯৯/১০
600			:	আইনমতে জমা	শ্ৰীআকমল আলা গং	i		
		!		স্বতন্ত্ৰ হইয়া ২ নং	i	:		
i	!			জবশিষ্ট মালীকা-				
;	• .	;	,	নের অংশ বাকী				
•				পড়ায় ুকেবল	•			-
į				তাহা বিক্ৰী হই-		4	*	
1			1	বেক ভদ্তিম অন্য	• .		:	
	•	•		কোন সংশ্বিকী:	• 1			
				হইবেক না :	;	į į		

	>	٤	! 9	H	ď	<u>.</u>	9	۲	<b>à</b>
(ত : ন'	ী(জ্বর প্রব । )	ম <b>চাল</b> ও প্রগণ্য নাম।	সম্পূর্ণমহালে: সদধ ক্ষমা।	সম্পূৰ্মহাল বিক্ৰম হউবে কিনা।	কেনল মাত্র অংশ বিক্রম হউপে এ অংশ না ঐং অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পতি বিক্ <b>ষ স্টে</b> তাসাব মালিকগণেৰ নাম।		সম্পূৰ্ণ মহাল বিশ্ৰুষ হুগলে ভাহাৰ-বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হুইলে ভাগাব বাকী।
	<u></u> } 								
		থানে ভাটিয়ারি, কাটকলে		į			i I		; ;
: ۶ ا	86	্রাউজান কে যাল্যান সিংক		অঞ্চল বিকল	11.45 THE TOTAL 10	श्रीकारो स्थानग्रीकार			: 
	२७ ।	।	200-3119/4	भःभाषशः स इहेर्द्या	স্থাইনমতে জ্ব।	শ্রীমতা আকমন্নিছা শ্রীমতা জমিলা		•••	30×110×2
				. 2464 (	সাংস্থাত জনা স্বতমু হইয়া ৩ নং				1
				•	অবশিষ্ট মালিকা	•		•	!
					নের জংশ বাকী	•	. ,		i.
	!				পূড়ায় কেবন				
				4	ভাগ বিক্রী হই		i ,		1
	į				বেক ভদ্তিন্ন খন্য	1			: 4
	i	•			কোন ২ংশ বিক্ৰা	1			
	,			,	হইবেক না।	•			
		مراجع المراجع		,		•	:		
	1	থানে হাটহাজারি, পটীয়া রাউজান		, !		!			
	1_	সহর, সাতক:গিয়া	ı						
5 e . ;		ज॰. क्रसंकिट्म¦त	15×410/9	<b>(a)</b>	১৮৫৯ সালের ১১	শ্ৰীকজ্ঞলে আগ্ৰাদ	4284/6 "		303.13
. ۳ د ۶ ک	1	কান্ত্ৰগোয় ৷	, i,,,		আইনমতে জমা				
` •	•	र ।व्य-१७ मा अ		į	স্ভন্ত হইয়া ১ নং	•			<b>!</b>
				' I	হি° ফজলে গ্ৰাহা				
	;		1	İ	মদের অংশ বাকী	:			
	1			:	পডায় কেবল		:		
	i				তাহা বিক্রী হই-				
					বেক ভদ্তিন্ন সম্য	s 1			
	į				কোন অংশ বিক্ৰী				
٥:		কাঁডি রাজনীয়া -	A.4 3	,	<b>३३(वक म</b> ः;	· Security			
368		ত' খেমকরণ হাজা-	@ 197117 B		******	শানিবরতন হাজারি	•••	28 014 8 -	*** ***
२ ५ ४	19	রি।		বিকৃয় হই-					
		4	,	বেক ৷		1			

#### সন ৮৯৭ ইংরেজীর ২৫ ফেব্রুয়ারি শেষ তারিখের বাকাপড়া।

টিকা !— যে শ্বলে উপাৰেব লিখিত বৰ্নাপাৱেব ৫. ৭ ৪ ৯ ঘৰে কোন অংশমাত্র বিজয় গুইবে বলিয়া লিখিও আছে এটি ওলে ছলা এবিছে চুল্বের আন্ত্র প্রত্য আন্তর্গ কাল্যে শ্বলিয়া কাল্যে শ্বলিয়া কাল্যা 
Chittagong Collectorate, ( Th 5th July 1897. J. D. Anderson Collector.

#### জিলা চটগ্রাম।

#### ইস্তাহার নামা কাছারি কালেইরী জিলে চট্টগ্রাম।

সন ১৮৫৯ সালের ৭ ধারার মর্মান্সারে ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে নিম্নের লিখিত মহাল চট্টগ্রাম জিলার রাউজান খাস মাহল দ্বিত ১৮৯৭ ইংরেজি ২৫শে মেই শেষ তারিখের খাজানা ও ছেচ বাকির জন্যে ১৮৯৭ ইংরেজি ২৪ আগষ্ট তারিখে চট্টগ্রাম কালেক্ট্রিতে নিলামে ধরা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ই তারিখে ছেন।

-মিক	তপুকাব নম্ব।	ভ†পুকাৰ নাম।	মালিংকেৰ নাম ।	সদ্ব জন্মা।		राकी।			मस्टरा ।
নপ্ৰ।				খাজানা।	ছেচ।	<b>학</b> (화(리)	<b>(</b> ₹5	মোট।	4 खरा ।
,	₹	v	8	ά		9	<b>b</b>	۵	\$•
3	<b>?</b>	মেজি হাপানিয়া থানা কটীকছরী মহল নওয়া- বাদ।—							
,	२७३२३	তালুক ফরাদ জাফর	ওবেদর বহমান খা	<b>694</b>	6911/6	<b>60</b> •	67%	<b>৫৮১</b> %	
	<b>(</b> 0 )	·	পিং তোরাপ আলি খাঁ সাঃ পাঁচলাইশা	l					

CHITTAGONG COLLECTORATE,

J. D. Anderson,

Collector.

The 7th July 1897.

#### জিলা চট্টগ্রাম—ইন্তেহার নাম। কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মান্ত সালের নিমলিখিত তালুকার ১৮৯৭ ইং ২৫ শে ফেব্রুয়ারি সূর্য্যান্ত পর্যন্ত বাকা পাড়া খাজানা ছেচ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৭ ইং ১০ই আগস্ট মোতাবেক ১৩০৪ বাজালা ২৬ শ্রাবন রোজ মজলবার জিলা চট্টগ্রামের কালেক্ররি কাছারিতে বিনাওজরে মকাশ্য নীলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তারিখ ১৬ জুন।

			वॉर्थिक स्था।		বা∳ী।			•	
তান্দুকের নখন।	ভালুকেব নাম।	মণ্লিকের নাম।	ধানা	(इंट ।	<b>াভা</b> না।	(इंट।	মোট।	मञ्जदा।	
&७8७ <b>&amp;</b> ७३१	থানা সাত্কানিয়া মেজি। চড়ম্বা মহল নয়াবাদ।— ভালুক কালীকিঙ্কর উপোক্ত দাস, হরি ঈশান দেবিদাস, রামশরণ।	কৈলাস চন্দ্ৰ চৌধুরী, পূৰ্বচন্দ্ৰ চৌধুরী, হরদাস চৌধুরী, ভারকচন্দ্ৰ চৌধুরী দেবিদাস চৌধুরী এবং গোলোকচন্দ্ৰ চৌধুরী সাকিনান চড়ম্বা থানা সাতকানিয়া।	) 3P 9	99) 110'	986		985	সম্পূৰ্ণ ডা- লুক বিক্ৰী হইবে।	

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 18th June 1897. . .

J. D. ANDERSON,

Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following. rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জুরত্ব সিন্কোনা।

কলিকাভান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিতেন্ডেন্টের নিকট গবর্গনেটের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালীন ছয় পোঁও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিত মূল্যে স্থাব্যম্ম দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২॥০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫২ টাকায় ও এক পোঁও টিন ১০০ টাকায় পাইবেন । সর্কাসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিত্তেভেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৬২ টাকায় এবং এক পোঁও টিন ১২০ টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাতার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেভাগণ ও এই ঔষধ বিক্রয় করিয়া থাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের ।০, আট ঔপ টিনের ॥০ এক পোঁও টিনের ৮০ ডাক মান্সল দিতে ইউবে।

বঙ্গদেশের গ্রথমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন

১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে,যথা---

১ এক পৌণ্ড টিন ১৮, বা ডাক মাণ্ডল সমেত ১৮৭০

॥ আধ ,, ,, ৯<sub>)</sub> ,, ,, ,, ,, ৯॥•

l 怀存, ,, 811<sup>n</sup> ,, ,, ,, ,, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অভি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা ছইয়াছে। এবং ইছা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপক্ষট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপ্ত্রক মিশান হয় নাই তাহার গ্যারান্টা দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্গমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটস্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া যাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengals Gazette will benceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufaval.

Rg. Entire Gazette ... 10 per annum. 0 Postage 2 0 Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-Entire Gazette Postage 0 Parts III, IV, V, and . VI sheets under  $\mathbf{or}$ with аn additional of 1 charge anna for every 4 sheets in excess

Postage ... 0 1 0

For Calcutta.

The same rates as those of the mufassel, with the exception of the charge for postage E. N. Bakes.

Offg. Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন।

্রচ্চত সাল ২১ ফেব্রুয়ারি ৷—বাঙ্গালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাকমাস্থল এই শবধি নিম্ন-নলখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে :—

•	यकः भट	7			টাকা।	
সম্পূর্ণ গেডেট		•••		<b>द</b> < <b>ग</b> त	> 0~	
<u>ডাকমান্থ</u> ল		•••	•••	,,	<b>રા</b> •	
৩ ও ৪ ও ৫ ও ৬ খাও	( যাহাতে স	চার <b>তব</b> র্ষের	ও কঞ-			
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার ত	াই <b>ন ও</b> ড	শাইনের			
	•••	•••		,,	* >	
্ ভাকমান্থল		• • •		19	۶,	
সম্পূৰ্ণ একখানি গেজেটেং	<b>মূল্য</b>	•••		,,	1•	
ড <b>াকমাস্থ</b>					/ •	
৩ এ৪ও৫ এ৫ ১৯৪	( প্রত্যেক	४ शृष्टी दा	<b>ভা</b> দার			
ন্যন সংখ্যক প্	(ষ্টার মূল্য)			•	Acr	পৃষ্ঠার উপত্ত অধিক কয়
						র প্রভোক
					,	<b>টা প্রতি</b> জার
					94	২ আনা।
ডাক্যাস্থ				٠	/•	

কলিকাভায়।

কালকাতায় ও মঞ্চঃসলে সম্ভা, কলিকাভায় কেবল ডাকমাপ্স লাগিবে ন)। ই, এন নেকার :

বজনেশের প্রবৃহ্যক্তের এক্টিং ছোট সেইক্রেড্রা

#### The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Muller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 21 packing and postage Re. 1-12

\*\* The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been mute one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDE., GOVE. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

of offices under the control of Government officers are strictly eash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., insorted in either of the Gazette-, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the Rupes on account of discount.

C. W. Bollon, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

13th December 1882.

Note.—Rates of adversagements in the Calcutta Gazette

Res.

Full page, per issue ... 20

Half ,, , ... 10

Casual advertisement—4 amas per line.

#### বৈজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিন্তা বাজালা গেজেটের মূল্য অতিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজেট দেওয়া মাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেশ্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপ্রাতিরিক্ত এই মর্মের । বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গ্রন্থেরেকান্যালয় কিন্তা গ্রন্থেট কর্তৃপক্ষণের কর্তৃথাধীন কান্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তিবালাল সেকেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয়করিতে চাহিলে কিন্তা ভক্ত ছাপাখানায় কোন কর্মান্তকেটাইতে চাহিলে তল্লিমিত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেজেটারিয়েটের আকেণিটান্টের নিকট অত্রে মূল্য প্রাঠান না গেলে উপ্র রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন ফোন ব্যক্তিকে কোন পুস্তকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত দেনে গেজেটে ইশভিগ্র কি বিজ্ঞাপন প্রভৃতি প্রকাশ করা ঘাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাসান গেলে ডিকেইট বাদ দিবার জন্যে টাকার উপর আর 🔑 এক আনা পাঠাইতে হইবে।

সি, ডবলিউ বল্টন.

नक्षरम्द्रभाव शवर्षस्मरन्त्रेत (छात्रे स्मरक्रहेत्।

#### ১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর:

ম্বৰ্যা ৷ – কলিকাতা গেছেটে ইংগতিহাৰ প্ৰকাশ কাৰ্ব্য		Stary			
প্ৰা ভক্ষ প্ৰচা একং বাব প্ৰকাশ ক্ৰাণেৰ				***	,
ভঞ্জ প্ৰা	•••	,			١.,
কন্ন হখন ইশ্ডিছ'য় প্রদাশ কবিতে সহলে	ા હ કર લે જિલ્	•	•		

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A direct of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenai t-Governor of Gengal, by C. D. Field, M.A., 1110., of the Inner Temple. Barrister at-Law, and of Her Majerty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Communicipa.

Theo Rs & per copy.

Orders accommand by remittances and 5 cm as for packing and postage of each copy may be sent to the Accommant, Beng I Secretariat.

N. R. - Copios ere s'ill availeble

#### नाकाल (मटक्रिकेशितरस्र विकास विकास र्थ आह

থারিন্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীমতার বঙ্গদেশের সিবিল গন্ধিসে নিযুক্ত ব্দ্ধানের ডেপ্টিক্ট ও এন-ন ডাঙ্গ ও রেন্ট ক্মিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পানের শ্রীযুত সি, ডি. ফিলড, এম, এ, ও এল, এন, ড সাহেবের প্রণীত বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গ্রণ্র সাহেবের শাসন্থান প্রদেশের ভূষ্যাধিক।রাজ প্রজাবিষয়ক অধিন সংহিতা।

#### একং খানি গুসকের মূল্য । ে পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুশুক ক্রম করিতে চাহিলে ব্যালে সেক্রেটারিয়েটের আকৌন্টার্লেই নিক্র একং খানি পুশুকের মূল্য এবং ভাষ্টামোড়ক করিরা ডাকে পাঠাইবার খরত। ০ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্ত্রা । - উক্ত পুশুক এখন ও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকায্যোপলক্ষে বঙ্গদেশের মজিসভার আইনের প্রহোজন হহলে কলিকাতার লগ্নিচ তয়েইট টোন হালের হাতায় হিত বঙ্গদেশের গ্রণমেন্টের ব্যবস্থাপন কাষ্যবিভাগের আণিদেশ রেজি-টারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উজ্জ সকল আইনের পুস্তক কলিকাত এ গবর্ষেন্ট প্লেশে, গণ্যার স্পিস্ক কোন্দানির ব্রটিতে এয়ে করিছে পাওয়া স্থান :

কলিকভি কোন ভেন্ন কেল মন্ত্ৰিম গ্ৰাপ্তিম কেল আনুত ভেন্ন পেটা সাহেব কছুক মুক্তিও প্ৰনালেব কৰল। B 496-20 7-97-1143 --120





## গ্ৰণমেণ্ট গেজেট

TUESDAY, JULY 27, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৭ জুলাই।

CONTENTS.			
•	PAGB.	নিৰ্বণ্ট ।	
PART J Resolutions, Orders and Notifica-			न हो।
tions of the Government of India	Nil.	প্রথম <del>থও</del> ।—ভাবতব্বীয় গ্রব্দেটের নি <b>র্ছা</b> রণ	•
PART II Resolutions, Orders and Notifica-		আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	নাই
tions by the Lieutenant-Governor		ছিতীয় <del>খণ্ড।—বঙ্গদেশে</del> ব গবর্ণমেন্টের নি <b>র্ছা</b> রণ,	
of Bengal	243246	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	<b>ર</b> કળ — ૨૦૦
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-		বিতীয় ক খণ্ড।বলদেশের গ্রাবনিটের আদেশ	&9 <b>&amp;</b> 2
nor of Bengal	67—69	ড়তীয় খণ্ড।—ভাবতবৰীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত	- •
PART III Acts of the Legislative Council of		আইন	নাই
India	$oldsymbol{Nil}.$	চতুর্থ থণ্ড।—ভাবতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সন্তার আইনের	
PART IV Bills of the Legislative Council of		পাণ্ডুলিপি	নাই
India	N11.	প্রুম খণ্ড।—বঙ্গীয় ব্যবস্থাপক সন্তার প্রণীত আইন	নাই
PART V.—Acts of the Bengal Council	Nil.	ষ্ঠ থপ্ত।—বঙ্গীয় বাবস্থাপক সভার আইনের	•
PART VI.—Bills of the Bengal Council	Nil.	পাণ্ট্লিপি	নাই
PART VIICircular Orders by the High		সভ্য থণ্ড।—হাই কোটেব ও রেবিনিউ বোডের	
Court and Board of Revenue	Nil.	সাধাৰণ জ্ঞাপনপত্ৰ	নাই
PART VIII.—Advertisements	367 - 376	অটম খণ্ড।—ইশ্তিহাব প্রভৃতি	<b>৩৬৭</b> – ৩৭
SUPPLEMENT	Nil.	পরিশিষ্ট সবর্ণমেন্টের সেকেট	নাই

#### PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

## দিতীয় খণ্ড।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের নির্দ্ধাবণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MARINE DEPARTMENT.

#### The 16th July 1897.

No. 130 Marine.—The following telegram, dated the 5th July 1897, from the Secretary of State for India, relative to the grant of Bills of Health to sailing vessels and sambuks sailing from Aden to the Red Sea ports, is published for general information.

A. D. McArthur, Colonel, R.B., Secy. to the Govt. of Bengal.

Dated the 5th July 1897.

From—The Secretary of State, London,
To—The Viceroy, Simls.

Following telegram sent to Aden, 5th July—Plague. Constantinople Board of Health desire Bills of Health given to every sailing vessel and sambuk from Aden to the Red Sea ports, stating destination, number of crew and passengers, and nature of cargo.

#### The 19th July 1897.

No. 132 Marine.—The following telegram, dated the 2nd July 1897, from the Secretary of State for India, relative to the withdrawal of quarantine restrictions by the authorities in Switzerland, the imposition of which was notified in this Department Notification No. 40-Marine, dated the 19th February 1897, is published for general information:—

A. D. McArthur, Col., R.B., Secy. to the Goet. of Bengal.

Copy of a telegram, dated the 2nd July 1897, from the Secretary of State, London, to the Viceroy, Simla.

Switzerland.—Prohibition mentioned in my telegram of 16th February last has been cancelled.

#### The 20th July 1897.

No. 134 Marine.—The following telegram No. 30, dated the 8th July 1897, from H. B. M.'s Charge' d'Affaires, Teheran, relative to the imposition of quarantine restrictions in Persia, is published for general information, in continuation of this Department Notification No. 44 Marine, dated the 23rd February 1897.

A. D. MCARTHUR, Col., R.E.,

Sery. to the Govt. of Bengal.

Copy of a telegram, No. 30, dated the 8th July 1897, from H. B. M.'s Charge' d'Affaires.

Teheran, to Foreign Secretary, Simla.

By order of the Persian Government the quarantine for arrivals in Persia is to be reduced to three days. Please inform the Doctor in Seistam.

#### বঙ্গদেশের প্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের জাদেশ।

### মেরিন্ ডিপার্টমেণ্ট।

#### ১৮৯৭ সাল ১৬ জুলাই।

মেরিন্ ১৩০ নম্বর। এদন হইতে স্থাসাগরের বন্দরসমূহে পাইলভরে যে সকল জাহাজ ও সাম্বক যায় তাহাদের স্থাস্থ্যের সার্টিফিকেট দেওন সম্বন্ধে পারতবর্ষের পক্ষে শ্রীযুত টেট সেকেটরী সাহেবের ১৮৯৭ সালের ৫ জ্বাই তারিখের নিম্নলিখিত টেলিগ্রাম সাধারণের অবগত্যর্থে প্রকাশ করা গেল।

এ, ডি, ম্যাকআর্থর, কর্নেল আর, ই, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

#### ১৮৯৭ সাল তারিখ ৫ জুলাই।

সিমলায় শ্রীযুত রাজপ্রতিনিধির নিকট, লণ্ডনম্থ শ্রীযুত ফেট পেকেটরী সাহেবের টেলিগ্রাম।

৫ জুলাই তারিখে এদনে নিম্নলি িত টেলিগ্রাম প্রেরিত হইয়াছে—মড়ক। কনন্টা নিনাপালের বোর্ড অফ হেল থের ইচ্ছা এই, এদন হইতে স্থপদাগরের বন্দরসমূহে পাইলভরে গামি প্রত্যেক জাহাজ ও সাম্বককৈ স্বাস্থ্যের সার্টিফিকেট দেওয়া হয়, ও সেই সার্টিফিকেটে ঐ জাহাজ ও স্বাস্থক যে স্থানে ফাইবে, এবং তাহার মালার ও আরোহার সংখ্যা ও যে প্রকারের মাল তাহা লেখা থাকে।

#### ১৮৯৭ সাল ১৯ জুলাই।

মেরিন্ ১০২ নম্বর।— কারান্টাইন নিষেধ বিধি ধার্যকরণের যে কথা এই ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৭ দালের ১৯ কেল্ফোয়ারি তারিখের মেরিন্ ৪০ নম্বরে প্রকাশ করা গিথাছে স্থইটজার্লভের কর্তৃপক্ষের দারা দেই বিধি রহিত করণ সম্বন্ধে ভারতবর্ষের পক্ষে শুযুত ফেট সেক্টেরী সাহেবের ১৮৯৭ সালের ২ জুলাই তারিখের নিম্নলিখিত টেলিগ্রাম সাধারণের অবগত্যথে প্রকাশ করা গেল।

এ ডি ম্যাকআর্থর, কর্ণেল, আর. ই, বুজুদেশের গ্রধ্যেন্টের সেক্টেরী।

সিমলায় এ। যুত রাজপ্রতিনিধির নিকট লওনন্থ এ। যুত ফেট সেক্রেটরী সাহেবের ১৮৯৭ সালের ২ জ্লাই তারিখের টেলিগ্রামের প্রতিলিপি।

সুইটজার্লও—আমার গত ফেব্রেয়ারি মাসের ১৬ ত:রিখের টেলিগ্রামে প্রকাশিত নিষেধ রহিত করা গেল।

#### ३৮৯१ मान २० दनाहै।

মেরিন্ ১৩৪ নম্বর । — পারস্যে কারান্টাইনের নিষেধ বিধি ধার্য্য করণ সম্বন্ধে টেহেরণের এচ, বি. এম'স চার্জ ডি' আক্ষেয়রের ১৮৯৭ সালের ৮ জুলাই তারিখের নিম্নলিখিত ৩০ নং টেলিগ্রাম এই ডিপার্ট-মেন্টের ১৮৯৭ সালের ২৩ কেব্রুয়ারি তারিখের মেরিন্ ৪৪ নং বিজ্ঞাপনের অফুক্রমে সাধারণের অব-গত্যর্থে প্রকাশ করা গেল।

এ, ডি, মাকআর্থর, কর্নেল, আর, ই, • বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের সেক্টেরী।

সিমলায় শ্রীযুত ফরিন্ সেকেটরী সাহেবের নিকট টেছেরণের শ্রীযুত এচ. বি, এমসের চার্জ ডি' আন্মেরর ১৮৯৭ সালের ৮ জুলাই তারিখের ৩০ নং টেলিগ্রামের প্রতিলিপি।

পারস্যের গবন্মেন্টের আজ্ঞাক্রমে পারস্যে আগভ জাহাজের পক্ষে কারান্টাইন কমাইয়া তিন দিন করা ঘাইবে। সিটামের ডাক্তারকে ইহা জ্ঞাত করন।

## বঙ্গমহিলাগণের রচনার নিমিত্ত বাবু ব্রজমোহন দন্ত স্থাপিত পারিতোষিক।

১৮৯৭-৯৮ অব্দের জন্য বাব্ ব্রজমোহন দত্তের দেয় ৪০) টাকা পারিতোষিকের নিমিত্ত নিম্নলিখিত প্রবন্ধটী নির্দিষ্ট হইয়াছে " গার্হস্থ্য বিষয়ে নর নারীর কর্তব্য।"

#### পারিতোষিক দানের নিয়ম।

- (১) বৃদ্ধ্যহিলা মাত্রেই পারিভোষিকপ্রার্থিনী হইতে পারিবেন; এতৎসম্বন্ধে ব্য়সের কোন নিয়ম নাই।
- (২) পারিতোষিকপ্রার্থনীগণকে বঙ্গভাষাতেই হউক বা সংস্কৃত ভাষাতেই হউক কোন একটি নির্দ্ধিষ্ট প্রবন্ধ রচনা করিতে হইবে।
- (৩) এই বিজ্ঞাপন প্রচারের ভারিখ হউতে ছয় মাসের মধ্যে প্রবন্ধগুলি বিচারের জন্য সেক্রীল টেক্ট বুক্ কমিটির নিকট পাঠাইতে হইবে।
- (৪) প্রত্যেক প্রবন্ধের •সহিত পারিতোষিকপ্রার্থিনীর স্বামী, পিতা বা অন্য অভিভাবককে এই মর্মে পত্র লিখিয়া পাঠাইতে হইবে, যে, তাঁহার বিশ্বাসমতে, রচয়িত্রী, ঐ প্রবন্ধ রচনা-কালে, প্রকাশ্য বা অপ্রকাশ্য ভাবে কোন প্রকার সাহায্যই গ্রহণ করেন নাই।

১৮৯৭ অব্দের ৩১শে ডিসেম্বর তারিখের মধ্যে কলিকাতায়, (৪ নং ড়ালহাউসী, ক্ষোয়ার) প্রেসিডেন্সি সার্কেলের স্কুল সমূহের ইন্স্পেক্টরের আফিসে, সেণ্টাল টেক্ফ বুক্ কমিটির সম্পাদক মহাশয়ের নামে এই প্রবন্ধ পাঠাইতে হইবে। এই প্রবন্ধের মোড়কের (কভারের) উপর "ব্রজমোহন দত্ত পারিতোষিকের রচনা" এইরপ লিখিত থাকিবে। গাঁহার রচনা সর্কোৎক্লফ হইবে কলিকাতা গেজেটে তাঁহার নাম প্রকাশিত হইবে।

যিনি একবার পারিতোধিক প্রাপ্ত হইয়াছেন, তিনি ইচ্ছা করিলে অন্য বৎসর পূন্ধার প্রবন্ধ রচনা করিতে পারেন। যদি তাঁহার রচনা সে বারেও সর্কোৎক্রফ হয় তাহা হইলে তাঁহার নাম কলিকাতা গেজেটে প্রকাশিত হইবে, কিন্তু পারিতোধিক, রচনার গুণাস্থসারে, তাঁহার পরবর্তিনী মহিলাকে প্রদন্ত হইবে।

যদি বিচারকগণ সর্ব্বোৎক্লফ রচুনাটকেও পারিভোষিকের উপযোগী বলিয়া বিবেচনা লা করেন, ভাহা হইলে পারিভোষিক প্রদক্ত হইবে না।

কলিকাতা ১লা জ্লাই ১৮৯৭ সি, এ, মার্টিন বাঙ্গালা দেশের শিক্ষাবিভাগের ডিরেক্টর।



## गवर्गाने जारकि।

TUESDAY, JULY 27, 1897.

## यक्रनवात्र, ১৮৯१ मान २१ जूनाई ।

PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal.

দিতীয় ক খণ্ড।

वक्रालाम्य शवर्गायाचे व नारम्य ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 3703M.—The 15th July 1897.—Whereas a notification No. 2559M., dated the 8th May 1897, was published at page 118, Part IB of the Calcutta Gazette of the 12th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of Part IX of the Bengal Municipal Act, III of 188 k, as amended by Bengal Acts IV of 1894 and II of 1896, to the undermentioned area situated within the Barisal Municipality, in the district of Backergunge, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Barisal Municipality, made at a meeting, the Lieutenaut-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said area situated within the above Municipality:—

West.—West Bogura road, North Bogura road and Sakutia road.

North.-Jail khal.

South .- Kalibari road.

East .- Existing limits.

پ باست

C. E. A. W. OLDHAM,
Offg. Secy. to the Govt. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 3745M.—The 17th July 1897.—Whereas a notification No. 1598M., dated the 23nd March 1897, was published at page 75, Part IB of the Calcutta Gasette of the 24th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to sanction the levy by the Commissioners of the Asansol Municipality, in the district of Burdwan, of a tax under section 131 of the Bengal Municipal Act. III of 1884, as amended by Bengal Act IV of 1894, on carriages and on horses and other animals specified in the fifth schedule of the Act, at rates not exceeding those mentioned in the said schedule, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 86 (a) of the Act, and in accordance with the recommendations of the Commissioners of the Asansol Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the above proposal.

C. E. A. W. Oldham, Oftg. Seey. to the Gort, of B ngal.

#### বঙ্গদেশের প্রীযুক্ত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

#### मुनिमिপल ७ शनौग्र।

#### বিজ্ঞাপন।

০৭০৩ এম ্নশ্বর ।— ১৮৯৭ সাল ১৫ ছুলাই।—বাধরগঞ্জ জ্ঞিলার অন্তর্গত ব্রিশাল মুনিসি-পালিটীর মধ্যে ছিত নিম্নলিখিত ছানে ১৮৯৪ সালের বঞ্জীয় ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের ২ আইন দ্বারা সংশোধিত বঙ্গদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের নবম পরিচ্ছেদের বিধান প্রচলিত করণার্থে শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রান্থ প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ৮ মে তারিখের ২৫৫৯ এম, নং যে বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১২ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ ট খণ্ডের ১৮ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন তাপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এভদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারামতে প্রদক্ত ক্মতাস্থ্যারে কার্য্য করিয়া এবং বরিশাল মুনিসিপালিটীর সভাগত কমিশনরদের অন্থরোধক্রমে মুনিসিপাল আইনের উক্ত বিধান উক্ত মুনিসিপালিটীর মধ্যে স্থিত উক্ত স্থানে প্রচলিত করিবার অন্থ্যতি দিলেন।

পশ্চিম দীমা। — পশ্চিম বশুড়া রাস্তা, উত্তর বশুড়া রাস্তা ও সাকৃটিয়া রাস্তা। উত্তর দীমা। — জেলের খাল। দক্ষিণ দীমা। — কালীবাড়ী রাস্তা। পুলা দীমা। — বর্জমান দীমা।

> সি, ই, এ, ডবলিট, ওল্ডহাম, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের একুটিং সেকেটরী।

#### বিজ্ঞাপন।

৩৭৪৫ এম্ নরর।—১৮৯৭ সাল ১৭ ছলাই।—বর্দ্ধমান জিলার অন্তর্গত আসেনসোল মুনিসিপালিটীর কমিশনরদের দ্বারা ১৮৯৪ সালের বন্ধীয় ৪ আইন দ্বারা সংশোধিত বন্ধদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের পঞ্চম তপসীলে নির্দ্ধিত গাড়ী, ঘোড়া ও অন্যান্য জন্তর উপর উক্ত ভফ্সীলের লিখিত হারের অনধিক হারে উক্ত আইনের ১৩১ ধারামতে টাক্স আদায় করিবার অন্মতি দিতে প্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ২২ মাচ্চ তারিখের ১৫৯৮ এম, ন° এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ২৪ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ টি খণ্ডের ৭৫ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবিপ এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যা ওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্গে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া খাইতেছে যে, প্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গ্রন্থেটের প্রতি উক্ত আইনের ৮৬ (ক) ধারামতে যে ক্ষমতা প্রদন্ত হইয়াছে তদল্পারে কার্য্য করিলেন।

সি, ই, এ, ডব্লিউ ওলডগম, বিজ্বদেশের গ্রেধ্মেন্টের এক্টিং সেকেটেরাঁ।



# गवर्गायक रगदक्रि

TUESDAY, JULY 27, 1897.

মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৭ জুলাই।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्ठिय थछ।

ইশ্তিহার প্রস্তি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাহার।

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ **আইনের ৬** ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিও মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্নসারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত সন ১৮৯৭ ইরেজির ১১ আগফ তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রেয় করা যাইবে। সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ২৪ জুন।

· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		1						
, ,	3		. 8	à	. •	9	ь	1 >
তৌজির নম্ব (	মঙাল ও প্ৰগণাৰ নাম।	সম্পূৰ্ণ মহালেব সম্পৰ ক্ষমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইবে কিন্মা।	কে ল মাত্র অংশ বিক্রয হইলে ঐ অংশ বা ঐব অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্ৰম চইবে চাহাৰ মালিকগণেৰ নাম।	1	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয হইলে তাহাব বাকী।	কোন অংশ মাত বিক্ৰ ইউলে ভাহনা বাকী।
ড৭ ৬৪ ৭ •	থানে ফটাকছরি— তং আনন্দীমানওলা	33 4 ° (13	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হই- বেক।		শ্রীনিমাইচরণ নন্দা শ্রীমতী গুণশীলা।		ዓი <b>կ</b> ይ	
	খানে রাউজান,				I.	:	ı	
0 6 8 0 9 7 8 0	সহর — তং বসন্তরাম কতে- য়াবাদ।	e e 9 40/0	অংশ বিক্রয় হইবেক।	১৮৫৯ সালের ১১ আইনমতে জমা	শ্ৰীআনন্দমোহন দে শ্ৰীআলী মহাৎ গং।	   ¢¢8  20	·····	<i>خ</i> ۶ <sub>(</sub> ت
,				স্বতন্ত্র হই রা ২ নং অবশিষ্ট মালীক।- নের অংশ বাকী পাড়ায় কেবল তাহা বিক্রী হই- বেক তান্ত্রন্ত্র জন্য কোন অংশ বিক্রী হইবেক না।				•
020	ধানে রাউজান, ভাটিয়ারি— ভং বকস্বা আলী	<i>5</i> 09  9∕•	Ġ	১৮৫৯ সালের ১১ আইনমতে জমা স্বতন্ত্র হইয়া ২ নং অবশিষ্ট মালীকা- নের অংশ বাকী পড়ায় কেবল তাহা বিক্রী হই- বেক ভড়িয় অন্য কোন অংশ বিক্রী হইবেক না :	শ্রীজ্ঞান আলী গং শ্রীআকমল আলী গং	<b>ঀ</b> ঌঌ৸৵ <sup>৻</sup> ঀ		<b>ን</b> ሁ৯ቀ⁄ ን o

<b>S</b>	₹	۰	8	α		9	ь	8
ते( <b>ज</b> त वयः)	মহাজ ও প্রগণার নাম।	সম্পূৰ্ণ মহালের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হই <i>লে ঐ</i> অংশ ব: ঐং অংশেব বিশেষ বিধ্বন :	যে সম্পতি বিক্ৰঃ হইবে তাহার মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হউলে ঐ অং- শেব সদব ক্ৰমা।	সম্পূৰ্ণ ৯১ ল বিক্ৰয় ৩ লে তাহাৰ বা দী :	一万万万円 なりェイン
	খানে ভাটিয়ারি,				1	-		
86	রাউজ্ঞান				İ	! !		
69	তং যশমস্ত সিংহ	२०४७।।०/२	!	}	শ্ৰীমতা আকমন্নিছা	2228174	··· ·	306/1030
१७	•		হইবে।	আইনমতে জ্যা	1	ļ '		
				স্বতন্ত্র হইয়া ৩ নং	1			!
				অবশিষ্ট মালিকা-	1			
,				নের অংশ বাকা পড়ায় কেবল	1			]
		1		তাহা বিক্রী হই-				1
				বেক ভদ্ভিন্ন অন্য				
1		l		কোন 'ংশ বিক্ৰী		:		
1		1		হইবেক না।				
į		•						
	থানে হাটহাজারি,	ļ				~	ļ	
	পটীয়া রাউজান					<b>,</b>		
25	সহর, সাতকাণিয়া—	40	(ف)	১৮৫৯ সালের ১১	3	. A.S.O.L	1	
, २	তং ক্লম্ভাকিশোর	48¢10/9	91	আইনমতে জ্যা	শ্রীক <b>জ</b> লে আহাম্মদ শ্রীবজ্জলেছমদ।	448 W.G		70793
10	* কান্ত্ৰগোষ্ব।	!	ı	স্বতন্ত্র হইয়া ১ নং	्राव्यव्यक्षात्म् । -	1		
į		!		হিং ফজলে আহা-	ĺ	İ	· !	
i				মদের তংশ বাকী	(	!	i	
İ			1	পড়ায় কেবল	I			
i		i	1	ভাহা বিক্ৰী হই		,	!	
1	•	!		বেক ভদ্ভিন্ন অন্য				
ĺ	*.5			কোন অংশ বিক্ৰী				
2	কাঁড়ি রাজনীয়া—	A 11 & 11 /11		श्हेरवक नाः			1	
8	তং খেমকরণ হাজা-	משאוונטים		····	শ্রীশিবরতন হাজারি	•••	28 01%	•• •••
7	রি।		বিক্রয় হই-		:			
		i	বেক।				1	

#### সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫ কেব্রুয়ারি শেষ তারিখের বাকীপভা।

টীকা।—যে দ্বলে উপবেব লিখিত বৰ্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশমাত্ত বিক্রয় এইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই দ্বলে ইছা বৃথিতে চঠবে যে ও অংশের । মতার হিসাব রাখা রইয়া থাকে ও মহালের অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

CHITTAGONG COLLECTORATE, Th 5th July 1897.

J. D: Anderson, Collector. .

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### ইস্তাহার নামা কাছারি কালেক্টরী জিলে চট্টগ্রাম।

সন ১৮৫৯ সালের ৭ ধারার মর্মান্থসারে ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে নিম্নের লিখিত মহাল চট্টগ্রাম জিলার রাউজান খাস মহাল স্থিত ১৮৯৭ ইংরেজি ২৫শে মেই শেষ তারিখের খাজানা ও ছেচ বাকির জন্যে ১৮৯৭ ইংরেজি ২৪ আগন্ত তারিখে চট্টগ্রাম কালেক্টরিতে নিলামে ধরা ঘাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ই তারিখ ৫ জুলাই।

ক্ৰ মিক	! তলুকার নম্ব। :	ভালুক∣ব নাম ।	মালিকের নাম।	⊅, দ্র ব	সন্ত্র জন্ম।		বাকী।		
नश्व ।				খানা।	ছেচ।	শাকালা ৷	(कृष्ठ ।	মোট ৷	মন্ত্ৰ্য
۲ -	<b>?</b>	•	8 	α	•	9	ь	, ,	٠. ٥٠
		মেডিক হাপানিয়া থানা ফটীকছরী মহল নওয়া- বাদ।				:			
3	२७ <b>৯</b> २৯ ४०७	ভালুক ফরাদ জাফর	ওবেদর রহমান খাঁ বিং ভোরাপ আলি খাঁ সাঃ পাঁচলাইশা		७ <b>१</b> ॥/७	<b>৬৩</b> •	<b>€</b> }•/•	ሁ <b>ኮ</b> ን•⁄ •	•••

CHIPTAGONG COLLECTORATE,

J. D. Anderson,

Collector

The 7th July 18 17.

#### জিলা চট্টগ্রাম—ইন্তেহার নামা কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহান্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মান্ত্রসারে নিম্নলিখিত তালুকার ১৮৯৭ ইং ২৫ শে কেন্দ্রেয়ারি সূর্য্যান্ত পর্য্যন্ত বাকী পড়া খাজানা ছেচ আদায়ের নিমন্ত্র ১৮৯৭ ইং১০ই আগফ মোতাবেক ১৩০৪ বাজালা ২৬ শ্রাবণ রোজ মঙ্গলবার জিলা চট্টগ্রামের কালেক্ট্রি কাছারিতে বিনাওজরে প্রকাশ্য নীলামে ধরা যাইবে। ১৮৯৭ ইং তারিখ ১৬ জুন।

			বার্ষিক	<b>क्रम्</b> ।		বাশী।		
তালু কেব নম্বর।	ভালুবেৰ নাম :	া শ† লিকের ন <b>্ম</b> ।	ধাজান	(ছেচ ነ	• १ऋ१नः।	(\$51	মোট।	मच्छरा
৬৩ <b>৪৩</b> <b>৫</b> ৬১৭	থানা সাত্কানিয়া মেডি। চড়ম্বা মহল নমাবাদ। তালুক কালাকৈলর উপেজ্ঞ দাস, হরি কান দেবিদাস, র,মশরণ।	কৈলাস চন্দ্ৰ চৌধুরী, পূর্ণচন্দ্র চৌধুরী, হরদাস চৌধুরা, তারকচন্দ্র চৌধুরী দেবিদাস চৌধুরী এবং গোলোকচন্দ্র চৌধুরী সাকিনান চড়ম্বা থানা সাতকানিয়া।	110/ 29F9	99)   •⁄	986	•••	985 /a	সম্পূর্ণ তা লুক বিক্র গ্রুষ

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 18th June 1897.

J. D. Anderson,

Collector.

**6**2.

#### जिना नाग्रायानी।

#### क्षत्रिमात्रो विकस्त्रत विकाशन ।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াধালী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিধিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেইর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহ। আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৭। ১৫ সেপ্টেশ্রর তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ১ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

>	•	•	8	t	•	٩	L L	>
তোলির নদর।	মহাল ও পারগলার নাম।	সম্পূৰ্থ মহা- লেৰ সদৰ জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হটবে কিনা।		ৰে সম্পত্তি বিক্ৰয় ছইবে তাহাৰ মালিকগণেৰ নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশেব সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহাব বাকী ,	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে তাহায় বাকী।
25	नामना <b>दिः ८</b> ১।=- ১०		অংশ	হি <b>সাব পৃ</b> থক হিঃ	শ্ৰীচন্দ্ৰনাথ গুপ্ত	b-0246		8 <b>४</b> ०।•/२
١ ٠	ক্রান্তী পং দান্দরা।			।১১ ।।/৮ ডিল।	চৌধুরী গং।		9	
8 t	কিসমত মহেন্দ্র না- নারায়ণ পং শুদ্বীপ।		मण्यूंर्व	•••••	শ্রীয়তী আইজন- ন্নেছা।	• · · • • •	255122	*** • • •
. <del>5</del> . <del>5</del> 22	চাকলে বামনী জমি দারী চাং বামনী।	*****	অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ।  । আনা।	গং নাবলগান	,	<b>***</b>	0 <b>e</b> 445
					পক্ষে মাতা অভি-	1		
•				<u> </u>	ভাবক মিদ এনেলা	ł		
				† 1	জে, ডেলনি	!		
			]		সাহেবা।			
		1	খাস মং	হাল টেনিউর—	•			
১৬৭৫	চর উশ্বর রায় মধ্যে	ree(e	मम्भूर्व	•••••	আবন্ধল হাকিম	•••••	२৮।०	••••
	২ নং গঃ মঃ ম্য়াদি হাওয়ালা			1	মিঞাজি গং।			
<b>3</b> 69¢	লাছদলাল। ঐ চর মধ্যে ৩ নং	920112	(ž)	•••••	ব্ৰজ্বাম মাঝি গং		२७৶•	*****
	গঃ যঃ ম্যাদি হাওলা ব্ৰজ্ঞরাম মাঝি গং।							
	बााक गरा						! .	

LALIT KUMAR DAS, Deputy Collector in charge.

#### জিলা চট্টগ্রাম। — ইন্তাহারনামা কাছারি কালেক্টরি জিলা চট্টগ্রাম।

ইহান্বারা জানান ঘাইতেছে যে ১৮৯৭ ইংরাজির ২৫ কেব্রুমারি শেষ তারিখের বাকী পড়া ৫০০ টাকার ঊর্জ্ব জমার নওয়াবাদ তালুকাদির বাকী খাজ্ঞনা ও ছেচ আদায়ের নিমিন্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আং ১৮৭১ সালের ২ আং ১৮৫৯ সালের ১১ আং ৬ ধারার ধর্মতে ১৮৯৭ ইং তারিখ ৭ সেপ্টেম্বর মোতাবেক ১৩০৪ বাং তারিখ ২৩ জাদ্ধ রোজ মঙ্গলবার ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রারতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা ঘাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৯ জ্লাই।

	তালু - কাব মন্বব।	তালুকাব মাম।		সদর জমা।		বাকীর পরিমাণ।			
ক্ষমিক শস্বর।			মালিকেব নাম।	चाङ्गाना।	শেস।	থাজানা।	সেম।	মোট।	মশুব্য
>	٦	٥	8	α	•	9	b	۵	١.
	85;9	মোজে জ্জেখনা ধানা ক্টীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।							
	3605	তাং সেখ ওবেহুলা থাঁ হাং তাং লভিপা খাড়ুন মোজে ভূজপুর থানা ফটীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।		6 0   6 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	ab-/0	448)	રર મહાવ	a 94 he/o	<b></b>
	8282 28025 8820	তাং এয়ার আলি খাঁ হাং তাং ওবেদর রহমান খাঁ।		ر ۱۹۰۷	ەلوياد	৩৪৬॥৯	3042	७७०।/७	••••

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 23rd July 1897.

J. D. Anderson,

Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6, per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 os. tin, eight annas per 8 os. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### দ্ববন্ধ সিন্কোনা।

কলিকাজান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের অ্পরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট গবর্ণনেন্টের কর্ম্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পৌও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিত মূল্যে জ্বরম্ম দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২০০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫০ টাকায় ও এক পৌও টিন ১০০ টাকায় পাইবেন। সর্কাসাধারণে কোম্পানির বাগানের অ্পরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৬০ টাকায় এবং এক পৌও টিন ১২০ টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাতার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেভাগণও এই ঔষধ বিক্রয় করিয়া গাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের ০০, আট উপ গিনের ৮০ এক পৌও টিনের ৮০ ডাক মাম্মল দিতে হইবে।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন। ১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে, যথা—

১ এক পেণ্ডি টন ১৮) বা ডাক মাণ্ডল সমেউ ১৮৭০

॥ जास ,, ,, ३) ,, ,, ,, ,, ३॥०

1 何存 ,, ,, 811° ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনীডাইন নামক অপক্ষট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই তাহার গ্যারাটী দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্র করা যাইবে এবং কলিকাভার নিকটছ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া যাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

				Its.	Α.	r,	
Entire Gazette	•••			10	0	0	per ann <b>um</b> .
	Postage .			<b>2</b>	8	0	· •
Parts III, IV, V,	and VI, cou	ntaining the	Acts				
and Bills of the	Legislative	Councils of	India				
and Bengal		•••		4	0	0	,,
0	Postage	•••	•••	4 1	0	0	27
For a single copy							
Entue Gazette	•••			0	4	0	
•	Postage	•••	•••	0	1	0	
Parts III, IV, V,	and $\mathbf{VI}$	•••	•••	0	ī	0	for 4 sheets or under
							with an additional
							charge of 1 anna for every 4 sheets in excess
							of 4.
					_	_	<b>4</b>

Postage ... ... 0 1 (

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. Baker.

Offg. Under-Secretary to the Goot. of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন ।

৮৮৮৩ সাল ২১ ফেব্রেয়ারি।—বাজালা গবর্ণমেণ্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্মাস্থল এই স্বধি নিল্ল-নিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবেঃ—

	यकः भए	4			<b>ग्रिका</b> ।
मर्ष्युर्व (शरक्क हे	•••	•••	•••	বৎসর	> 0~
ড <b>়কমান্থ</b> ল	•••	•••	•••	13	<b>†</b>  [ •
৩ ও ৪ ও ৫ ও ৫ খৃঞ্	( যাহাতে গ	<mark>দারতব</mark> র্ষের ও	3 বজ-		
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার দ	<b>শাইন ও</b> অ	<b>1</b> হনের		
পাণ্ঠুলিপি থাকে )	•••	•••	•••	••	8,
ভাকমান্থল	•••	•••	•••	"	١,
শ <sup>ন্ত</sup> ূৰ্ণ একখানি গেজেটের	<b>गृ</b> म् र	•••	•••	,,	1•
ডাকমান্থল		•••			/ •
0 9 8 9 6 49 6 49 (	প্রত্যেক	8 शृक्षे। वा प	তাহার		
ন্যুন সংখ্যক প্	(ঠার মূল্য)	•••			🗸 ৪ প্রধার উপর
					স <sup>্দে</sup> অধিক হয়
					ভাগর প্রভাক
•					৪ পৃষ্ঠা প্রতি সার
					এক ২ জানা।
फ्रांक्याञ्चल '	•			••	/0

#### কলিকাভায় ৷

কালকাতায় ও মকঃসলে সমান মূল্য, কলিখাভায় কেবল ডাকমান্থল লাগিবে না !

🔾, এন, যেকার।

বঙ্গদেশের গবর্ধমেন্টের এক্টিং ছোট সেকেট্রী।

#### The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

• The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymne of the ancient Rights of his country-Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDT., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengales Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaic

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. BOLTON, Under-Secretary to the Govt. of Bengal,

12th December 1882.

Note.—Rates of advertisements in the CALCUTTA GAZETTE.

Rs. Full page, per issue 20 10 Casual advertisement--- annas per line.

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে এই গেভেট দেওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মাসের ২০ ভারিখের জ্ঞাপনপত্রাভিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিম্বা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ক্যেন ব্যক্তি বাজাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাখানায় কেন্ত্র কর্ম করাইতে চাহিলে তদ্মিত্ত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

°এই অবধি বাজাণ সেক্ষেটারিয়েটের আকেণিটান্টের নিকট অগ্রে মৃল্য পাঠান না গেলে উপ-.ব্যেক্ত ফার্য্যালয় ভিন্ন গোন ব্যক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশতিহার কি বিজ্ঞাপন প্রভৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মুল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিকেণিট বাদ দিবার জন্যে টাকার উপর আর ৴৽ এক আনা পাঠাইতে হইবে।

সি, ডবলিউ বল্টন,

बक्रामान्य श्रवर्थायान्य कांचे (ग्राक्रवेत)।

#### ১৮৮२ সালের ১২ ডিসেম্বর।

ম্প্র - কলিকাতা গেলেটে ইণতিহার প্রকাশ করিবা	ার হার এই২।-				B1 <b>€</b> 14
পুবা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ করণের	•••	•••		•••	2
क्योत रोक्प	•••	•••			3.
কথ্য কথ্য ইশতি হার প্রকাশ করিতে হইতে	i was offer	•••	144	•••	10

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., M.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### বাঙ্গাল সেকেটারিয়েট যন্ত্রালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে 1

বারিফার-আট-লা ও শ্রীশ্রীয়তীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিসে নিযুক্ত বর্ত্তমানের ডিষ্ট্রিক্ট ও সেশন জজ্ঞ ও রেন্ট কমিশ্যনের যেম্বর, ইনর টেম্পলের শ্রীযুত সি, ডি, ফিল্ড, এম, এ, ও এল, এল, ডি সাহেবের প্রণীত বঞ্চদেশের প্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূষ্যধিকারীর প্ৰজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুসকের মূল্য, ৫ পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুত্তক ক্রয় করিডে চাহিলে বাঙ্গাল সেক্রেটারিয়েটের আকেণ্টাণ্টের নিক্ট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং ভাহা মোড়ক করিয়া ভাকে পাঠাইৰার ধরচ।৴০ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য। -উক্ত পৃস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলকে বল্পদেশের যান্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইশে কলিকাভার স্পানেড ওয়েন্ট টৌন হালের হাতায় স্থিত বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে রেঞি-ষ্টারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুস্তক কলিকাতার গবর্ণমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটাতে ক্রয় করিতে পাওয়া ষয়ে।

#### বিজ্ঞাপন।

সাধারণকে জ্ঞাত করা যাইতেছে এরামপুর নিবাসি এরাধিকা প্রসাদ চট্টোপাধ্যায়, তদ্য পড়ি শ্রীমতা নিত্যময়া দেবি, এবং কন্যা শ্রীমতা ভূবন মোহিনি দেবি এই তিনজনায় বালি নিবাসি শ্রীযোগীম্র চন্দ্র মুখোপাধ্যামকে এবং গোঘাট নিবাসি শ্রীরামেশ্বর সেন বক্সিকে আমমোক্তার নিযুক্ত করিয়াছিলেন। এক্ষণে উহারা গুই জনায় হিসাবাদি না দেওয়াতে ৬২/দিগকে উক্ত কার্য্য হইতে অবসর দেওয়া হইয়াছে। উহাদিগের দ্বারায় যদি কেহ কোন কার্য্য করান বা টাকা লেন দেন করেন াহা আদালতে এবং সর্বাস্থানে অগ্রাস্থ্য ও নামঞ্চুর হইবেক।

#### 🛍রাধিকা প্রসাদ চট্টোপাধ্যায়।

কলিকাত। থোসিডেন্সী কেল যথালয়ে গ্ৰণমেটের জন্য জীযুত জেম্স পেটী সাহেব কর্তৃক মৃত্রিত ও প্রকাশিত হ**ইল।** 





# গবর্ণমেণ্ট গেজেট

TUESDAY, AUGUST 3, 1897.

### মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৩ আগফ।

CONTENTS	1
PAGE.	নিৰ্বণ্ট।
PART I Resolutions, Orders and Notifica-	<b>पृष्ठा</b>
tions of the Government of India Nil.	প্রথম খণ্ড।—ভারতব্যীয় গ্রব্যেতের নিষ্কারণ
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি _ নাই
tions by the Lieutenant-Governor	ছিতীয় খশু।—বঙ্গদেশের গ্রন্মণ্টের নির্দ্ধারণ,
of Bengal 247—249	আদেশ ও বিক্ষাপন প্রভৃতি ২৮৭ ২৪১
PART IIA.—Orders by the Lieutenant-Gover-	विक्रीय क थल। वक्ररभरनव गवर्गमारकेव स्नारमन अर्ड
nor of Bengal Nil.	ভূতীয় খণ্ড।—ভাবতগৰীয় ব্যবস্থাপক সভাব প্ৰণীত
PART III.—Acts of the Legislative Council of	আইন নাট
Indi <b>s</b>	চতৃৰ্থ খল্ড। —ভাবতবৰ্ষীয় ধাৰন্দাপক সভাব আছিনেৰ
PART IV Bills of the Legislative Council of	শাকুলিশি ১৩ ১০
India 13-14	প্ৰথম যাত্ৰ। —বঞ্চীৰ বাৰেন্দ্ৰাপক সন্ধাৰ প্ৰবীত আইন । নাই
PART V.—Acts of the Bengal Council Nit.	ষ্ঠ থৰু। –বঙ্গীয় বাধৰু পঞ্চ সভাৰ আইনের
PART VI.—Bills of the Bengal Council Nil.	পাতুলিপি নাই
FART VIICircular Orders by the High	সম্ভম থ । — হাই কোর্টের ও বেবিনিউ বোর্টের
Court and Board of Revenue Ntl.	নাধাৰণ জ্ঞাপনপত্ত নাই
PART VIII.—Advertisements 377—385	1
SUPPLEMENT Nil.	भविष्यष्ट गवर्गस्यरकेव त्रारक्रके वाक

#### PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

### দিতীয় খণ্ড।

বন্ধদেশের গবর্ণমেন্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MARINE DEPARTMENT.

#### The 27th July 1897.

No. 137 Marine.—The following telegram, dated the 14th June 1897, from Sir N. O'Connor, St. Petersburg, regarding the outbreak of plague, is published for general information.

> A. D. McARTHUR, Colonel, R.E., Secy, to the Goot, of Bengal.

Telegram from Sir N. O'Connor to the Foreign Office, dated St. Petersburg, 14th June 1897.

Amoy in South China, Hui in Indo-China, and Jeddah on Red Sea declared plagueinfected.

#### বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের সাজেশ।

#### মেরিন ছিপাট্রেন্ট।

#### ১৮৯৭ সাল ২৭ জুলাই।

মেরিন ১৩৭ নম্বর। — মড়কের প্রাথ্নভাব সম্বাধ্ব সেউ পিটর্সবর্গের প্রীযুভ সর এন ওকোনর সাহেবের ১৮৯৭ সালের ১৪ জুন তারিখের নিম্নলিখিত টেলিগ্রাম সাধারণের মবগত্যর্থে প্রকাশ করা গেল।

> এ, ডি, ম্যাক শর্থর, কলেল আর, ই, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরা।

ফরিন্ আফিসের এমুত সর্ এন ওকোনর সাহেবের সেন্ট পিটর্গরহাতে প্রেরঙ ১৮৯৭ সালের ১৪ জুন তারিখের টেলিগ্রাম।

দক্ষিণ চিনের অন্তর্গত আময়ে, ইণ্ডো চিনের অন্তর্গত ক্ইয়ে অপা সাগরের তটস্থ ক্ষেদায় মড়ক শংক্রামিত হইয়াছে বলিয়া ব্যক্ত করা গিয়াছে।

## বঙ্গমহিলাগণের রচনার নিমিত্ত বাবু ব্রজমোহন দত্ত স্থাপিত পারিতোষিক।

১৮৯৭-৯৮ অন্দের জন্য বাবু ব্রজ্মোহন দত্তের দেয় ৪০, টাকা পারিতোবিকের নিমিত্র নিম্নলিখিত প্রবন্ধটী নিদিষ্ট হইয়াছে " গার্হস্থ্য বিষয়ে নত নারীর কর্তব্য।"

#### পারিতে।বিক লাকের নিয়ম।

- (১) বৃদ্ধ্যহিলা মাত্রেই পারিভোষিকপ্রার্থিনা হইতে পারিবেন; এতৎসম্বন্ধে বয়সের কোন নিয়ম নাই।
- (১) পারিতোষিকপ্রার্থিনীগণকে বঙ্গভাষাতেই হউক বা সংস্কৃত ভাষাতেই হউক কোন একটি নির্দ্দিষ্ট প্রবন্ধ রচন। করিতে হইবে।
- (৬) এই বিজ্ঞাপন প্রচারের ভারিখ হইতে ছয় মাসের মধ্যে প্রবন্ধগুলি বিচারের জন্য সেণ্টাল টেকৃষ্ট বুকু কমিটির নিকট পাঠাইতে হইবে।
- (৪) প্রত্যেক প্রবন্ধের সহিত পারিভোষিকপ্রার্থিনার স্বামা, পিতা ব। অন্য অভিভাবককে এই মর্ম পত্র লিখিয়া পাঠাইতে হইবে যে, তাঁহার বিশ্বাসমতে, রচয়িত্রী, 🛎 প্রবন্ধ রচনা-ঁ কালে, গ্রাশ্য বা অপ্রকাশ্য ভাবে কোন প্রকার সাহায্যই গ্রহণ করেন নাই। 🗼

১৮৯৭ অস্কের ৩১শে ডিসেম্বর তারিখের মধ্যে কলিকাতায়, (৪ নং ডালহাউদা স্কোয়ার) প্রেসিডেন্সি সার্কেলের স্কুল সমূহের ইন্স্পেক্টরের আফিসে, সেণ্টাল টেক্ট বুক্ কণিটির সম্পাদক মহাশয়ের নামে এই প্রবন্ধ পাঠাইতে হইবে। এই প্রবন্ধের মোড়কের (কভারের) উপর "ব্রজমোহন দত্ত পারিতোষিকের রচনা । এইরূপ লিখিত থাকিবে। সাহার রচনা সক্ষোৎক্লক হইবে কলিকাতা গেজেটে ভাঁহার নাম প্রকাশিত হইবে।

যিনি একবার পারিতোষিক প্রাপ্ত হইয়াছেন, তিনি ইচ্চা করিলে অন্য বৎসর পুন দার প্রবন্ধ রচনা করিতে পারেন। যদি তাঁহার রচনা সে বারেও সক্ষোৎক্রট হয় তাহা হইলে তাঁহার নাম কলিকাতা গেজেটে প্রকাশিত হইবে, কিন্তু পারিতোষিক, রচনার গুণাল্লসারে, তাঁহার পরবর্তিনা

যদি বিচারকগণ সক্ষোৎক্রত রচনাটিকেও পারিতোষিকের উপদের্গা বলিয়া বিবেচনা না কল্পন তাহা হইলে পারিতোষিক প্রদন্ত হইবে না।

**)লা জুল**াই ১৮৯৭

সি. এ, মাটিন

বাঙ্গালা দেশের শিক্ষাবিভাগের ডিরেক্টর।



## গবর্ণমেণ্ট গেজেট

### মঙ্গলবার, ১৮১৭ সাল ৩ আগস্ট ।

## চতুর্থ থগু।

ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনের পাণ্ডুলিপি।

## ভারতবর্ষের গবর্ণমেণ্ট।

#### ব্যবস্থা বিভাগ।

নিম্নলিখিত আইনের পাণ্ট্রিপিখানি ১৮১৭ সালের ১লা জুলাই ডারিখে আইন ও ব্যবস্থা প্রণয়নার্থ ভারত-বর্ষের শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের মন্ত্রিসভায় উপস্থিত করা হইয়াছিল ঃ—

১৮৯৭ সালের ১০ নম্বর।

আদালতের রহুম বিষয়ক ১৮৭০ সালের তাইন আরও সংশোধন করণার্থ আইনের পাণ্ডুলিপি।

আদালতের রত্ম বিষয়ক ১৮৭০ সালের আইন আরও সংশোধন করা বিহিত। অতএব এতদ্বারা মিদ্রলিখিতমত বিধান করা গেলঃ—

১ ধারা i (১) এই আইনটিকে আদালতের রস্থ্য

সংক্রিপ্ত নাম ও আবক্লেব কথা।

সংক্রেব কথা।

সালের আইন বলা থাইতে

পারিবে, এবং

(২) ইহা অবিলম্বে আমলে আসিবে।

২ ধারা। আদালতের রহম বিষয়ক ১৮৭০ সালের ১৮৭০ সালের ৭ আইনের আইনের ১৯ ছ ধারার পর ১৯ছ ধারার পর ছইটা নৃতন ধারা যোগ করিবার কথা। করিতে ছইবে, অর্থাৎ:---

"১৯ জ ধারা।

জিলার প্রধান রাজ্য কর্মচারির রিকাড পরিদর্শন করিবার এ২" ইটেটের কম কবিয়া মূল্যাণধারণের কথা প্রমাণ করিবার ক্ষমতার (১) জিলার প্রধান রাজস্ব কর্মচারী থে মোকদ্দমায় তাঁহার জিলার অন্তর্গত কোন আদা-লতে প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্রের নিমিত্ত দরখাস্ত করা হয় যে কোন সময়ে সেই মোকদ্দমার বিকার্ড পরিদর্শন করিতে বা করাইতে পারিবেন এবং এরপ পরিদর্শন করিয়া বা অন্য প্রকারে তাঁহার যদি এরপ বিবেচনা হয় যে দরখান্তকারী মৃত ব্যক্তির ইফেটের মূল্য ক্য করিয়া ধরিয়াছেন তাহা হইলে তিনি যে আদালতে ঐ দরখান্ত দায়ের থাকে সেই আদালতকে ঐ ইফেটের যথার্প মূল্য সন্থক্ষে অভ্নসন্ধান করিবার আদেশ করিতে পারিবেন।

- (২) কোন আদালতকে প্র্লোক্তমতে আনেশ করা হইলে তিনি তদম্পারে অম্পদ্ধান করিবেন এবং মৃত ব্যক্তির ইটেটের যে যথার্থ মূল্য অবধারণ করা উচিত ছিল যত দূর সম্ভব তাহার কাছা কাছি মূল্য-নির্ণয় করিয়া লিপিবদ্ধ করিবেন।
- (৩) যে ব্যক্তি প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্তের
  নিমিন্ত দরখান্ত করেন আদালত ঐরপ কোন অফ্সন্ধানের প্রয়োজনার্থ জয়ং বা কমিশনের দ্বারা শপথক্রমে তাঁহার সাক্ষ্য লইতে পারিবেন এবং ঐ ইন্টেটের
  যথার্থ মূল্য প্রমাণ করিবার নিমিন্ত ঐ রাজ্ঞ্ছ
  কর্মচারী কিন্বা ঐ দরখান্তকারী আরও যে সাক্ষ্য
  আদালতে উপস্থিত করেন তাহা গ্রহণ করিতে
  পারিবেন।"

'' ১৯ ঞ ধারা। (১) প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্ত্বের নিমিত্ত প্রত্যেক প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতাব দরখাক্ত্বের সহিত প্রবেট বা ক্ষমতাপত্ত্বের উপব আদা সতের বস্তম আদায় কবিবাব প্রবালীর কথা। সহস্কে এই আইনাম্নারে যে ক্ট আদায় করা যাইতে পারে সেই

মোকদ্দমার রিকার্ড পরিদর্শন ফীর সমান টাকা আমানত করিতে হইবে।

A Bill to further amend the Court-fees Act, 1870.

(২) দরখান্ত ষদি মঞ্চুর করা হয় তাহা ছইলে (১) নিমিন্ত আদালত করা টাকা পুর্কোভ্যতে ভইবে।

আদায়যোগ্য কী স্চিত করণার্থ বে ইটাশা (২) প্রকরণাহ্সারে ব্যবহার করিতে ছইবে সেই ইটাশা ক্রয় করিবার কারীকে কেরত দেও

নিমিক্ত আদালতের আদেশাহ্নসারে ব্যক্ষিত ছইবে।

(৩) ১ প্রকরণমতে আমানত করা যে টাকা (২) প্রকরণাহসারে ব্যয়িত না হয় তাহা আমানত-কারীকে কেরত দেওয়া হইবে। ''

### অভিপ্রায় ও হেতুর বিবরণ।

যে ইন্টেট সম্বন্ধে প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্র প্রমন্ত হয় দরখান্তকারী কর্ত্ব সেই ইন্টেটের যে মূল্য অবধারিত হয় তাহার উপর ১৮৭০ সালের ৭ আইনাল্লারে আদালতের রক্ষম অরপ শতকরা একটা নির্দিষ্ট টাকা আদায় করা যাইতে পারে। ১৮৭৫ সালের ১৩ আইন এবং ১৮৯০ সালের ৮ আইনের দ্বারা সংশোধিত ঐ আইনের ৩ ক অধ্যায়ে দরখান্তকারী যে কা দিয়াছেন তাহা ন্যায় ফীর অপেক্ষা অত্যধিক দেখা গেলে ফা কেরত দিবার নিমিত্ত আর দরখান্তকারী প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্তের নিমিত্ত দরখান্ত করিবার সময় তাহার হল্তে যে সম্পত্তি আসিবে সেই সম্পত্তি কম করিয়া ধরিয়া যদি সেই হিসাবে ফী দিয়া থাকেন তাহা হইলে যে ফী দিয়াছেন এবং যে ফা তাহার দেওয়া উচিত ছিল ইহার মধ্যে যত টাকা বৈলক্ষণ্য হয় সেই টাকা পরে আদায় করিবার নিমিত্ত বিধান আছে।

- ২। কিন্তু দরখান্তকারির মূল্যবিধারণ যে ঠিক ইথা পারীক্ষা করিবার নিমিত্ত গবর্ণমেন্টের রাজস্থ কর্মচারিদিগের কোন উপায় করিয়া দেওয়া হল নাই। দেখা গিয়াছে যে আইনের এই দেয়ে কার্য্য পক্ষে কতক
  অস্থবিধা ঘটে। অতএব জিলার প্রধান রাজস্থ কর্মচারী যে মোকদ্দমায় প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্তের
  নিমিত্ত দরখান্ত করা হয় সেই বোকদ্দমার রিকার্ড পারিদর্শন করিছে পারিবেন এবং সম্পর্কযুক্ত ইফ্টেটের
  কম করিয়া মূল্য অবধারিত হইয়া থাকিলে আদালতে তাহা প্রমাণ করিতে পারিবেন আদালতের রস্ত্য বিষয়ক
  ১৮৭০ সালের ৭ আইনে এই মর্যের একটা ধারা ষোগ করিয়া জি দোষ সংশোধন করিবার প্রস্তাব করা যাইতেছে।
- ত। যাহাতে প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষযতাপত্র দিবার নিমিত্ত পরে যে কী লওয়া যাইতে পারিবে তাহা প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার পত্রের নিমিত্ত দরবাত্ত করিবার সময়ই লওয়া যাইতে পারে তজ্জন্য ঐ আইনে উত্তরা ধিকারিত্বের সার্টকিকেট বিষয়ক ১৮৮৯ সালের ৭ আইনের ১৪ ধারার অহ্মরপা বিধান সমিবেশিত করিবার প্রস্তাব্ত করা যাইতেছে। এক্ষণে যেরপা আইন আছে তাহাতে কী প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্রের নিমিত্ত দরখান্ত করিবার সময় দিতে হয় না, প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্র প্রশান্ত হয় বিষয়ক ১৮৬৫ সালের ১০ আইনের ১৮৭ ও ১৯০ ধারা খাটে না এবং আপন উত্তরাধিকারিত্ব বিষয়ক ১৮৬৫ সালের ১০ আইনের ১৮৭ ও ১৯০ ধারা খাটে না এবং আপন উত্তরাধিকারিত্ব অ্ব সাবান্ত করিবার নিমিত্ত যাহার প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্রে উপরি প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্র ত্র পার্বার প্রয়োজন নাই তিনি প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্রের নিমিত্ত আপন দরখান্তের উপর প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্র হাল হক্ পাইয়াই আপন অভাই সিদ্ধ করিতে পারেন এবং প্রার্থিত প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্র না লইলে এবং গুজুরা নির্দিন্ত কী না দিলেও তাঁহার চলে। ইহা স্পাইই বুঝা যায় যে আইনের যে এইরপ ফল হয় আইন কর্ডাদের ক্ষমন্ত এরপা অভিপ্রায় ছিল না। অতএব পাণ্ডুলিপির ২ ধারার শেষাংশ এইরপ ফল নিবারনের অভিপ্রায়ে সমিবেশিত হইয়াছে।

জে, উড্বরণ।

২৬এ জ্ব, ১৮৯৭ সাল।

জে, এম্, ম্যাক্ফার্সন, ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সেক্টেরী। Ununder Nath Bosk, Bengali Translator.



## গ্ৰণ্থেণ্ট গেজেট

TUESDAY, AUGUST 3, 1897.

মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৩ আগফ।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

অপ্তম খণ্ড।

ইশ্তিহার এভৃতি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্তাহার।

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্মলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্পারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত সন্ন ১৮৯৭ ইরেজির ১১ আগই তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। সন্ন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ২৪ জুন।

3	2	٥	8	4	ų.	<u> </u>	b	
ভৌবির নম্বর।	মহাল ও প্রগণার কাম।	স <b>ম্পূ</b> ৰ্মহালের সদ্ধ <b>লম</b> া।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় গুইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছইলে ঐ অং- শেব সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইলে তাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত বিশ্ৰুয় হইলে ভাহাৰ বাকী।
68 90	ধানে ফটীকছরি— তং আনন্দীমানওল্লা	٥)، ١٥ د د	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হই-		खीनिमां हेठत्र नन्दो खीमजी खननीन।।	•••••	৭০ ৸৬	•••••
۲٥	থানে রাউজান, সহর—	•	বেক।			44011		35.19
¢48	তং বসম্ভরাম কডে- স্নাবাদ।	€€ 1 kg/5	অংশ বিক্রয় হইবেক।	১৮৫৯ সালের ১১ আইনমতে জমা স্বতন্ত্র হইয়া ২ নং অবশিষ্ট মালীকা- নের অংশ বাকী প্ডায় কেবল তাহা বিক্রী হই- বেক তন্তিন্ন অন্য কোন অংশ বিক্রী হইবেক না।	শ্রীআনন্দমোহন দে শ্রীআলী মহাং গং।	**************************************	•	<i>६</i> ऽ८७
P# 03%	ধানে রাউজান, ভাটিয়ারি— তং বক্ষা আলী…	204ll•∕•	Ġ	১৮৫৯ সালের ১১ আইনমতে জমা স্বতন্ত্র হইয়া ২ নং অবশিষ্ট মালীকা- নের অংশ বাকী	শ্ৰীজান আদী শ্ৰীআকমল আলী গং	9334 <b>o</b> /9	•••••	3.62 <b>4</b> /3.0
				পড়ায় কেবল তাহা বিক্রী হই- বেক ভম্ভিদ্ব অন্য কোন অংশ বিক্রী  ইইবেক না।	•			

3	٠	৬	8	ď	•	9	ь	<b>à</b>
<sup>ঋ</sup> (তী <b>জি</b> র নম্বর।	মহাল ও প্ৰগণ্য নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর কমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কি না	কেবল মাত্র অংশ বিক্রম হইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশের বিশেষ বিবরণ ঃ	েয সম্পত্তি বিক্রন্ন হইবে তাহাব মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অং- শের সদর কমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হাইলে ভাহার বাকী।	কোন অং × মাত্র বিক্র য হইলে তাহার বাকী।
286 2489 7640	থানে ভাটিয়ারি, রাউজান— তং যশমন্ত সিংহ	ડ <b>૭৮</b> હાા <sub>જ</sub> ર	সংশ বিক্রয় হইবে ৷	১৮৫৯ সালের ১১ আইনমতে জমা স্বতন্ত্র হইরা ৩ নং অবশিষ্ট মালিকা- নের অংশ বাকী পড়ায় কেবল তাহা বিক্রী হই- বেক তম্ভিন্ন অন্য কোন অংশ বিক্রী হইবেক না ।	1	ه ا		) Ub1 0/) o
\$3.00 \$2\$	থানে হাটহাজারি, পটীয়া, রাউজান, সহর, সাতকাণিয়া— তং ক্লম্ভবিশোর কাহ্নগোয় ।	৬৪৫।৵৭	<b>এ</b>	১৮৫৯ সালের ১১ আইনমতে জমা স্বতন্ত্র হইয়া ১ নং হিং কজলে আহা- মদের অংশ বাকী পড়ায় কেবল তাহা বিক্রী হই- বেক তদ্ভিম্ন অন্য	প্রীকজ্জলে আহাম্মদ শ্রীক্জনেছমদ।	e	···••	\$\.
679 8696	• ফাঁড়ি রাজনীয়া— তংখেমকরণ হাজা- রি।		দৰ্শুৰ্মহাল বিজ্ঞয় হই- বেক।	কোন অংশ বিক্ৰী হইবেক না।	শ্রীশিবরতন হাজারি		>8 °   •⁄8	••••••

সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫ ফেব্রুয়ারি শেষ তারিখের বাকীপড়া।

গীকা।— ৰে দ্বলে উপবেব লিখিত বৰ্ণনাপত্ৰের ৫, ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশমাত্র বিক্রম হইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই দ্বলে ইহা ব্রিতে হইবে যে ঐ অংশের নমিত বতত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্যানা অংশ বিক্রম হয় লা।

CHITTAGONG COLLECTORATE, Th 5th July 1897.

ŀ

J. D. Anderson, Collector.

#### জিলা চট্টপ্রাম।

#### ইস্তাহার নামা কাছারি কালেইরী জিলে চট্টগ্রাম।

সন ১৮৫৯ সালের ৭ ধারার মর্মান্স্সারে ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে নিম্নের লিখিত মহাল চট্টগ্রাম জিলার রাউজান খাস হহাল দ্বিত ১৮৯৭ ইংরেজি ২৫শে মেই শেষ তারিখের খাজানা ও ছেচ বাকির জ্বন্যে ১৮৯৭ ইংরেজি ২৪ আগষ্ট তারিখে চট্টগ্রাম কালেক্টরিতে নিলামে ধরা ঘাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ইং তারিখ ৫ জ্বলাই।

ক্ৰ মিক	তশুকার নধর।	ভালুকাব নাম।	্মালিকের নাম।	সন্ধ্ৰ জ্ঞান।		বাকী।			मखरा।
नश्र ।				খানা।	ছেচ।	শাঙ্গালা।	(इंह ।	মোট।	46()
٠٠٠ ·	₹	v	8 '	α	8	9	ь	۵	۶۰
>	<u>२</u> २७৯२৯ ४०७	মেজি হাপানিয়া ধানা কটীকছরী মহল নওয়া- বাদ।— তালুক ফরাদ জাফর	ওবেদর বহমান থাঁ পিং জোরাপ আলি খাঁ স্ঃ পাঁচলাইশ।	৮৯৭	હુ <b>વ</b>   ⁄હ	\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\	\$39°	<b>⊌</b> Ы~} <sub>9</sub> ∕ 0	•••

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 7th July 1897.

J. D. Anderson,

Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম—ইন্তেহার নামা কাছারি কালেটুরি জিলে চট্গ্রাম।

ইহাদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মাস্ক্রসারে নিম্লিখিত তালুকার ১৮৯৭ ইং ২৫ শে ফেব্রুয়ারি সূর্য্যান্ত পর্যন্ত বাকা পড়া খাজানা ছেচ আদায়ের নিম্ত্র ১৮৯৭ ইং ১০ই আগফ মোতাবেক ১৩০৪ বাঙ্গালা ২৬ শ্রাবণ রোজ মঙ্গলবার জিলা চট্টগ্রামের কালেক্টরি কাছারিতে বিনাওজ্ঞারে শ্রকাশ্য নীলামে ধরা যাইবে। ১৮৯৭ ইং তারিখ ১৬ জুন।

তালু কেব নম্বৰ !			বাযিক জ্বন।।		বাকী।			
	ভ†কুকের নাম।	ম†লিংকের নাম।	থাজানা	(ছচ (	श्रीक्षांना ।	(ছচ।	মোট।	मन्डरा।
\$680 \$674	থানা সাত্কানিয়া মেজি।  চড়ম্বা মহল নয়াবাদ।  তালুক কালীকিঙ্কর  উপোক্ত দাস, হরি  ঈশান দেবিদাস,  রামশরণ।	কৈলাস চন্দ্ৰ চেধিরী, পূর্বচন্দ্র চেধিরী, ইরদাস চেধিরী, তারকচন্দ্র চেধিরী দেবিদাস চেধিরী এবং গোলোকচন্দ্র চেধিরী সাকিনান চড়ম্বা থানা সাতকানিয়া।	•\   79F9	99) 110/	486		985 /a	সম্পূর্ণ তা লুক বিফা হইবে।

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 18th June 1897.

J. D. Anderson,

Collector.

#### জিলা নোয়াখালী।

#### জমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত ছোলগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত ঘাইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহ। আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ১৫ সেপ্টেম্বর চারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লখিত আছে সেই স্বলে প্র অংশের নিমিত্ত স্বত্তর হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

\$	٠	•	8	ά	4	•	<b>~</b>	ه
ভৌব্দির নগব।	মহাল ও পরগনাব নাম।	সম্পূর্ণ মহা- লেব সদব জমা।	নম্পূৰ্ণ মছাল বিক্ৰয ছইবে কিনা।		যে সম্পত্তি বিক্রম হুইবে তাহাব মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছইলে ঐ অংশেব সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হ <b>ইলে</b> তাহাৰ বাকী	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হইলে তাহা বাকী।
74_	দাব্দরা হিঃ ১১।১। ক্রান্তী পং দাব্দরা।		অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ ।১১∘।।∕৮তিস।		৮০৯৭৬		8 <b>৮</b> ०  <b>४</b> २
84	কিসমত মহেন্দ্র না- নারায়ণ পং শুদ্দীপ।	৬৩৭/১১ •	मण्यूर्व		শ্রীমতী আইজা- মেছা।	<b></b>	255122	•••••
<b>?</b> ?	ত পুরা । । চাকলে বামনী জমি দারী চাং বামনী।	••••	অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ ।॰ আনা।	গং নাবলগান পক্ষে মাতা অভি- ভাবক মিস এনেলা	<b>२</b> ११७४	••	<b>८६५</b> ५३
			খাস মৃহ	াল টেনিউর—	জে, ডেঙ্গনি সাহেবা।			
<b>১</b> ७१¢	চর উশ্বর রায় মধ্যে  ং নং গঃ মঃ  ম্যাদি হাওয়ালা  লাছদলাল।	raa <sub>c</sub> a	मण्णृर्व		আবহুল হাকিম মিঞাজি গং।	•••••	२४।०	******
ऽ७१६	ঐ চর মধ্যে ৩ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওলা ব্রজরাম মাঝি গং।	१२०॥८	œ.	••••••	ব্ৰজ্বাম মাঝি গং		ર <b>ા</b>	•••••

LALIT KUMAR DAS, Deputy Collector in charge.

#### জিলা চট্টগ্রাম। – ইন্তাহারনামা কাছারি কালেক্টরি জিলা চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৭ ইংরাজির ২৫ কেন্দ্রেয়ারি শেষ তারিখের বাকী পড়া ৫০০) টাকার উর্দ্ধৃ জ্যার নওয়াবাদ তালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেচ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আং ১৮৭১ সালের ২ আং ১৮৫৯ সালের ১১ আং ৬ ধারার মর্মাতে ১৮৯৭ ইং তারিখ ৭ সেপ্টেম্বর মোতাবেক ১৩০৪ বাং তারিখ ২৩ জাদ্র রোজ মঙ্গলবার ধার্য্যে জিলার কালেক্টরিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৯ জুলাই।

	purlane.	তালুকাব নাম ।		স্দ্র ব	সদর জমা।		সাকীর পরিমাণ।			
ক্রমিক নম্বর।	তাপু- কার নদ্ব।		মা <b>লি</b> কৈব নংম :	খাজনা।	(मम्।	থাজানা	সেস।	মোট।	मण्डरा	
3	<b>ર</b>	v	8		•	, 9	<b>b</b>	,	۶.	
	85.9	মেতিজ জুজখলা থানা ফুটীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।	·							
	२७४१ १७४	তাং সেখ ওবেছুলা থাঁ হাং তাং লডিপা খাতুন	শ্ৰীমতী লতিফা খাতুন .		Œbr∕n	(48)	<b>ર૨૫</b> ૭	æ96420	******	
	8284	মেতিজ ভূজপুর থানা <b>ফটীকছরি মহাল ন</b> ও- য়াবাদ।								
	₹8°₹5 0548	তাং এয়ার আলি খাঁ হাং তাং ওবেদর রহমান খাঁ		ر ۱۹۰۵)	। ৩৬ <i>)</i> ।	03:5(1.2)	1042	0601761	•	

CHITTAGONG COLLECTORATE,

J. D. Anderson,

The 23rd July 1897.

Collector.

#### Cinchona Febrituge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tim,  $Rs. \ 2$  ans. 8; per eight-ounce tim,  $Rs. \ 5$ ; per pound tim,  $Rs. \ 10$ . The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for each only, at the undernoted rates: per four-ounce tim,  $Rs. \ 3$ ; per eight-ounce tim,  $Rs. \ 6$ ; per pound tim,  $Rs. \ 12$ . This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 os. tim, eight annas per 8 os. tim, and twelve annas per pound tim, in addition to the foregoing rates.

#### জ্বন্দ সিন্কোনা।

কলিকাডাছ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থারিনেডিডেন্টের নিকট গবর্ণনেটের কর্মনির্বাপ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালীন ছয় পোও ক্রেয় করিলে নিম্নলিখিত মূল্যে ক্রেয় দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২০০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫০ টাকায় ও এক পোও টিন ১০০ টাকায় পাইবেন । সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থারিনেট্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এই > হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬০০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৬০০ টাকায় এবং এক পোও টিন ১২০০ টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেভাগন এ এই ঔষধ বিক্রয় করিয়া থাকেন । উপরোক্ত ছার ছাড়া চারি ঔপ টিনের ০০০ আট ঔপ টিনের ৪০০ তাক মাস্কল দিতে হইবে।

বঙ্গদেশের গ্রন্মেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সলফেট অফ কুইনাইন। ১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মৃল্য হইবে, যথা—

১ এক পোণ্ড টিন ১৮) বা ডাক মাণ্ডল সমেত ১৮৫০

,, । শিকি <sub>•</sub>,

,, 8110

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইছা যে সিনুকোনাইন ও সিনুকোনাডাইন নামক অপক্লট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপুর্কক মিশান হয় নাই ভাহার গ্যারান্টী দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটস্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া যাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

				Rs.	A.	P.	
Entire Gazette	•••			]0	0	0	per annum.
	Postage			2	8	()	
Parts III, IV, V,	and VI, cor	taining the	Acts				•
and Bill- of the							
and Bengal		•••		4	υ	U	2,
	Pestage	•••	•••	4 1	0	0	**
For a single copy							,
Entire Gazette		•••	•••	0	4	0	
•	Postage	•••		U	1	0	
Parts III, IV, V,	and VI	•••	•••	0	1	U	for 4 sheets or under with an additional
							charge of 1 anna for
							every 4 sheets in excess of 4.
	D			- 41	,		

For Calcutta.

The same rates as there of the mutassal, with the exception of the charge for postage. E. N. BAKER.

Offg. Under-Secretary to the G co. or Bengal.

#### বিজ্ঞাপন।

্চত্ত সাল ২১ কেব্ৰয়াট্ৰ ৷ – বাঙ্গালা গ্ৰন্থেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাকমান্থল এই অব্ভি ভিন্ন, লখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে :—

3138 ° 347 54

•	यक गरन	1			७}का।
সম্পূর্ণ গে <b>জে</b> ট		•••	•••	বৎসর	50~
ড <b>়</b> কমা <b>ন্থ</b> ল	•	•••	•••	71	रे।। ०
७७६७६७६५७	( যাহাতে স্ব	চার <b>তব</b> র্ধের	ও ব <b>ল</b> -		
দেশের ব্যবস্থাপ্র	সভার অ	াইন 😮 গ	শাইনের		
পাণ্ডুলিপি থাকে )	•••	•••		,,	8,
ভাকমান্থল -	• • •	• • •	•••	"	١,
সম্পূৰ্ণ এক <b>খানি গেজেটে</b>	_	•••		19	1•
	 (	 	•••	•	/ •
० ७ ८ ७ ६ ५ ६ ५		ह पृक्षा दा	ভারার		
<b>ন্যন</b> সং <b>খ্য</b> ক গ	পৃষ্ঠার মূল্য)	•••		••	৴৽৪ পৃষ্ঠার ঊপা যদে অধিকা হা
•					ভাহার প্রভে <i>া</i> থ পৃষ্ঠা প্রভি জাব
					•
T A M Michigan "					জান্।
ाक्यास्य	•	•	••	••	. , , ,

#### কলিকাভায়।

কালকাতায় ও মঞ্চঃললে সমান মূল্য, কলিকাভায় কেবল ডাক্মাপ্সল লাগিবে না !

ই, এন, বেকার।

বঙ্গদেশের গ্রথমেন্টের এক্টিং ছোট সেক্টেরা

#### The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDT., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengales Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Guvt. of Bengal.

12th December 1882.

Note	Rates of a	lvertisements	in the Oalc	UTTA GAZETTE	
					-18s.
	ge, per issu	ıe <b></b>	•••	•••	20
Half,	,, ,,				10
	Casual a	dvertisement	4 annas pe	er line.	

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজেট দেওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপ্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গ্রবন্দের কার্য্যালয় কিম্বা গ্রবন্মেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিম্ন কোন ব্যক্তি বাঙ্গাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তুকাদি ক্রম করিতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে তিমিত্ত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেক্টোরিয়েটের আকোন্টান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-ব্যক্তি কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তিকে কোন পৃস্তকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাপন প্রাভৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণ্টি বাদ দিবার জ্ঞান্যে টাকার উপর আর ৴৽ এক আনা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টন, বঙ্গদেশের গহর্ণমেন্টের ছোট সেক্টেরী।

#### ১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

্মভাব্য ৷— কলিকাতা গৈলেটে ইণতিহাৰ প্ৰকাশ করিবা	ার হার এই২।—	•	,•		B1#11
পুরা এক পূঁচা একং বার প্রকাশ করণের	•••		•••	•••	200
कां ४ ५ की	•••	***	•	. * -	2.
ক্ষম ক্ষম ইশ্তিষার প্রকাশ করিতে হইতে	। व्हर वें कि	4.,	***	1**	10

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Reut Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### बाकान (मटक्रोडिद्स हे यहानदा विक्सार्थ पाइ ।

বারিন্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীমতীর বলদেশের সিবিল সর্বিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিন্টিক্ট ও সেশন জ্বন্ধ ও রেন্ট কমিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পলের শ্রীযু ও সি, ডি, কিলড, এম, এ, ও এল, ওল, ডি লাছেবের প্রণীত বলদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাছেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূষ্যধিকারীর প্রভা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং থানি পুলকের মূল্য, ে পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রম করিতে চাহিলে বাজাল সেকেটারিয়েটের আকেণ্টান্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।/ গাঁচ আনা পাঠাইবেন। বস্তব্য ।—উক্ত পুস্তক এখন ও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলকে বজদেশের মাজিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেড ভয়েষ্ট টোন হালের হাভায় ছিত বজদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিলে রেজি-টারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উদ্ধানকৰ আইনের পুস্তক কলিকাভার গবর্ধমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিছ কোম্পানির ধাটাতে ক্রম করিতে পাওয়া যায়।

কলিকাতা প্রেসিডেক্সী ক্ষেল যন্ত্রালয়ে গ্রেপ্টেব ক্ষ্য আয়ৃত ক্ষেম্স পেটা সাহেব কর্ত্তক মুদ্রিত ও প্রকাশিত হয়।





# गवर्गायकु भारकि

TUESDAY, AUGUST 10, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১০ আগফ।

CONTENTS.		
•	Page.	মিৰ্খণ্ট।
PART I.—Resolutions, Orders and Notifica-		<b>ग</b> रे
tions of the Government of India	Nil.	প্রথম <del>থও।—ভা</del> বতব্যীয় গ্রেপ্নেটের নি <b>ভা</b> রণ
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-		আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই
tions by the Lieutenant-Governor		ছিতীয় <del>খণ্ড।—বঙ্গদেশে</del> ব গ্ৰপ্নেণ্টের মি <b>র্ছা</b> বণ,
of Bengal 251	-254	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ২৫১ –২৫
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-	j	্ছিতীয় ক খণ্ড।—বঙ্গদেশের গ্রবন্দেটের আদেশ aiš
nor of Bengal	Nil.	ভতীয় খণ্ড ৷—ভারতব্যীয় ব্যবস্থাপ <b>ক সভার প্রণীভ</b>
PART III Acts of the Legislative Council of		े <b>जा</b> हेम
Indi <b>a</b>	51	চড়র্থ খণ্ড ৷—ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনের
PART IV Bills of the Legislative Council of		শভুলিপি নাই
India	Nil.	পঞ্চম খণ্ড।—বদ্দীয় ব্যবস্থাপক সন্তার প্রণীত আইন না
PART V.—Acts of the Bengal Council	Nil.	ষ্ঠ থপ্ত।—বঙ্গীয় ব্যবন্ধ্ংপক সভার আইনের
PART VI.—Bills of the Bengal Council	Nil.	পাতুলিপি না
PART VIICircular Orders by the High		সম্ভম থশু।—হাই কোর্টের 😮 রেবিনিউ ব্যাডের
Court and Board of Revenue	Nil.	সাধারণ জ্ঞাপনপত্র না
PART VIII.—Advertisements 38	7896	অটম বঙা—ইশ্তিহার প্রভৃতি ১৮৭ – ০
Supplement	Nil.	পরিশিষ্ট গবর্ণমেন্টের গেকেট না

#### PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

## দিতীয় খণ্ড।

বলদেশের গবর্ণমেন্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### REVENUE DEPARTMENT—(MISCELLANEOUS).

#### NOTIFICATION-No. 2286 (Mis.)

The 29th July 1897.—Dabi Prosed, late Accountant in the office of the Deputy Commissioner of Dumka, Sonthal Parganes, having been dismissed from Government service, is debarred from re-employment in any capacity under Government.

M. FINUCANE,

#### MARINE DEPARTMENT.

#### The 3rd August 1897.

No. 141 Marine.—The following telegram, dated the 23rd July 1897, from the Government of Ceylon, relative to the imposition of quarantine restrictions on arrivals from Western India, is published for general information.

A. D. McArthur, Col., R.E.,
Secy. to the Govt. of Bengal.

Copy of a telegram, dated the 23rd July 1897, from the Colonial Secretary, Colombo, to the Secretary to the Government of India, Home Department.

QUARANTINE imposed on arrivals from Western India reduced to ten days from date of departure. Prohibition of landing and transhipment limited to goods classed susceptible. Yenice Sanitary Conference revised rules will follow.

#### বঙ্গদেশের ত্রীযুত লেপ্টেনেট গ্রহর্ণর সাহেবের আদেশ।

### বেৰিনিউ ডিপার্ট মেন্ট--(বিবিধ)।

#### (विविध) २१४६ नश्चत-विकाशमा।

১৮৯৭ সাল ২৯ ছ্লাই।—সাঁওতাল পরগনার অন্তর্গত ত্মকার ডেপুটী কমিশনরের আফিসের ভৃতপূর্ব্ব আকৌন্টান্ট শ্রীদেবী প্রসাদ গবর্ণমেন্টের কর্মচ্যুত হওয়াতে পুনর্ব্বার আরু কখন কোনরূপে গবর্ণমেন্টের কর্মে নিযুক্ত হইতে পারিবে না।

**এয়, কিন্নকেন,** ব**জ**দেশের গবর্ধমেন্টের সেক্রেটরী।

#### মেরিন্ ডিপার্টমেন্ট।

#### ১৮৯৭ সাল ৩ আগফ ।

যেরিন্ ১৪১ নম্বর।—পশ্চিম ভারতবর্গহইতে আগত জাহাজের উপর কারানীটন নিষেধ বিধি ধার্য্যকরণ সম্বন্ধে সিংহলের গবর্ণমেন্টের ১৮৯৭ সালের ২৩ জ্লাই তারিখের নিম্নলিখিত টেলিএ।ম সাধারণের অবগত্যর্থে প্রকাশ করা গেল।

এ, ডি. ম্যাকআর্থর, কর্নেল আর, ই, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

ভারতবর্ষের গ্রথমৈন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের সেক্রেটরী সাহেবের নিকট কলম্বের প্রপনিবেশিক সেক্রেটরী সাহেবের ১৮১৭ সালের ২৩ ছলাই তারিখের টেলিগ্রামের প্রভিলিপি।

পশ্চিম ভারতবর্যহইতে আগত জাহাজের উপর যে কারাণ্টাইন ধার্য্য করা হইরাছে তাহা কমাইরা যাত্রার তারিব হইতে দশ দিন করা গেল। রোগ সংক্রমণ যোগ্য শ্রেণীভূক্ত মালই জাহাজ হইতে তীরে নামান ও এক জাহাজ হইতে অন্য জাহাজে ভূলিয়া দেওয়া নিষিদ্ধ। ভেনিসের সানিটরী কৃষ্করন্দের সংশোধিত বিধি পশ্চাৎ দেওয়া যাইবে।

বঙ্গদেশের গবর্থমেন্টের মেরিন্ বিভাগের ১৮১৭ সালের ৭ই আগস্ট তারিখের মেরিন্ ১৪৩ নং বিজ্ঞাপনের প্রতিলিপি।

ইটালিতে কাঁচা চামড়া আমদানির বিরুদ্ধে নিষেধাজ্ঞা রহিত হওন সম্বন্ধে ভারতবর্ষের শ্রীযুত ক্টেট সেক্রেটরী সাহেবের ১৮১৭ সালের ৩০এ জ্লাই তারিখের নিম্নলিখিত টেলিগ্রাম সাধারণের অবগতির নিমিত্ত প্রকাশিত হবল :—

সিমলায় মহিমবর শ্রীযুত রাজপ্রতিনিধি সাহেবের নিকট লণ্ডনস্থ ভারতবর্ষের শ্রীযুত ফেট সেক্রেটরী সাহেবের ১৮১৭ সালের ৩০ এ জ্লাই তারিখের টেলিগ্রামের প্রতিলিপি ৷

বিগত এলা ছ্ব তারিখের আমার টেলিগ্রাম। ইটালি। কাঁচা চামড়া আমদানির বিরুদ্ধে নিখেশজা রহিত করা হইয়াছে।

## বঙ্গমহিলাগণের রচনার নিমিত্ত বাবু ব্রজমোহন দত্ত স্থাপিত পারিতোষিক।

১৮৯৭-৯৮ অব্দের জন্য বাবু ব্রজমোহন দড়ের দেয় ৪০) টাকা পারিতোধিকের নিমিত্ত নিমুলিখিত প্রবন্ধটী নির্দ্দিন্ত হইয়াছে " গার্হস্থ্য বিষয়ে নর নারীর কর্তব্য।"

#### পারিতোষিক দানের নিয়ম।

- (১) বঙ্গমহিলা মাত্রেই পারিতোষিকপ্রার্থিনী হইতে পারিবেন; এতৎসম্বন্ধে বয়সের কোন নিয়ম নাই।
- (২) পারিতোষিকপ্রার্থিনীগণকে বঙ্গভাষাতেই হওঁক বা সংস্কৃত ভাষাতেই হওঁক কোন একটি নির্দ্দিষ্ট প্রবন্ধ রচন। করিতে হইবে।
- (৩) এই বিজ্ঞাপন প্রচারের তারিখ হইতে ছয় মাসের মধ্যে প্রবন্ধগুলি বিচারের জন্য সেঞাল টেকুফ বুকু কমিটির নিকট পাঠাইতে হইবে।
- (8) প্রত্যেক প্রবন্ধের সহিত পারিতোধিকপ্রার্থিনীর স্বামী, পিতা বা অন্য অভিভাবককে এই মর্মে পত্র লিখিয়া পাঠাইতে হইবে, যে, তাঁহার বিশ্বাসমতে, রচয়িত্রী, ঔ প্রবন্ধ রচনাকালে, প্রকাশ্য বা অপ্রকাশ্য ভাবে কোন প্রকার সাহায্যই গ্রহণ করেন নাই।

১৮৯৭ অব্দের ৩১শে ডিসেম্বর তারিখের মধ্যে কলিকাতায়, (৪ নং ছালহার্ডসী স্কোয়ার) প্রেসিডেন্সি সার্কেলের স্কুল সমূহের ইন্স্পেক্টরের আফিসে, সেট্রাল টেক্ফ বুক্ কমিটির সম্পাদক মহাশায়ের নামে এই প্রবন্ধ পাঠাইতে হইবে। এই প্রবন্ধের মোড়কের (কভারের) উপর "ব্রজমোহন শক্ত পারিতোষিকের রচনা" এইরূপ লিখিত থাকিবে। যাঁহার রচনা সর্কোৎক্রফ হইবে কলিকাতা গেজেটে তাঁহার নাম প্রকাশিত হইবে।

যিনি একবার পারিতোষিক প্রাপ্ত হইয়াছেন, তিনি ইচ্ছা করিলে অন্য বৎসর পুনর্জার প্রবন্ধ রচনা করিতে পারেন। যদি তাঁহার রচনা সে বারেও সর্ব্বোৎক্রফ হয় তাহা হইলে তাঁহার নাম কলিকাতা গেজেটে প্রকাশিত হইবে, কিন্তু পারিতোষিক, রচনার গুণাম্পারে, তাঁহার পরবর্তিনা মহিলাকে প্রদক্ত হইবে।

যদি বিচারকগণ সর্বোৎক্বন্ট রচনাটকেও পারিতোষিকের উপযোগী বলিয়া বিবেচনা না করেন, তাহা হইলে পারিতোষিক প্রদন্ত হইবে না।

কলিকাডা ১লা জ্লাই ১৮৯৭ সি, এ, মার্টিন বাজালা দেশের শিক্ষাবিভাগের ডিরেক্টর।



## গবর্ণমেণ্ট গেজেট

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১০ আগফী।

## তৃতীয় খণ্ড।

ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত আইন।

## ভারতবর্ষের গবর্ণমেণ্ট

ব্যবস্থা বিভাগ।

মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত ভারতবর্ধের ঐযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের প্রণীত নিম্নলিখিত আইনটি ১৮১৭ সালের ২২এ জ্লাই তারিখে মহিমবর ঐযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের সম্মতি লাভ করায় সাধারণের অবগতির নিমিত্ত এতদ্বারা প্রচারিত করা গেল।—

#### ১৮৯৭ সালের ১৫ আইন।

কাত্টনমেন্ট বিষয়ক আইন সংশোধনার্থ ১৮৯৫ সালের আইন রহিত করণার্থ এবং কাত্টনমেন্ট বিষয়ক ১৮৮৯ সালের আইন সংশোধন করণার্থ আইন।

কাত্যনমেন্ট বিষয়ক আইন সংশোধনার্থ ১৮৯৫ সালের আইন রহিত কর। এবং কাত্যনমেন্ট বিষয়ক ১৮৮৯ সালের আইন সংশোধিত করা বিহিত। অতএব এতদ্বারা নিম্মলিবিতমত বিধান করা গেল।—

- ১ ধারা। (১) এই আইনটিকে কার্টনমেন্ট বিষয়ক নাম ও আবছেব কখা। ১৮৯৭ সালের আইন বলা যাইডে পারিবে। এবং
- (২) ইহা অবিলয়ে আমলে আদিবে। The Cantonments Act, 1897.

১৮৯৫ সালের ৫ আইন ব্ভত ক্রিথাব কথা। ২ ধারা। কাউনমেন্ট বিষয়ক আইন সংশোধনার্থ ১৮৯৫ সালের আইন এতদ্ধারা রহিত করা গেল।

ত ধারা। কান্টনমেন্ট বিষয়ক ১৮৮৯ সালের আইনের ৩১ ধারায় " বা ১৮৮৯ সালের ১০ আই. নেব ০১ ধাবা সংশোধিত কবিবাব কথা।
তিকিৎসা সংক্রাম্ভ বা অপর কর্মচারী'' এই শব্দগুলি বসাইতে হইবে।

> জে, এম\_, ম্যাক**ন্তার্গন,** ভারতবর্ষের গবর্ধম**েন্টর** সেকেট্রী।

> > CHUNDER NATH BOSE,
> > Bengali Transliter





# গবৰ্ণমেণ্ট গোজেট

TUESDAY, AUGUST 10, 1897.

মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১০ আগফ।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्रहेम ४७।

ইশ্ভিহার এড়ভি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাহার।

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাস্সারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত সন ১৮৯৭ ইংরেজির ১১ আগই তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রেয় করা যাইবে। সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ২৪ জুন।

` <b>`</b>	<b>\</b>	<u>.</u>	8	Ċ	<b>.</b>	9	ь	
;তাৰিব সম্বব।	মহাল ও প্ৰগণার নাম।	সম্পূৰ্ণ মহাজেব সদৰ জমা;	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রম হুইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয হটবে তাহার মালিকগণেব নাম।		সম্পূর্ণ মহাল বিক্রম হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিজয হুইলে ভাহার বাকী।
৩৭	ধানে ফটীকছরি—	1	h				•	
<b>&amp;</b> 8	তং আনন্দী মান ওলা	33600	সম্পূর্ণ মহাল	••••	ঞীনিমাইচরণ নন্দী	••••	. 90 HB	
9 0	1	!	বিজয় হই-	1	্ৰীমতী গুণশীলা।	,	ı	:
	•		বেক।		!		İ	1
	'থানে রাউজান	1		i	1			
<b>&gt;</b> 0	সহর—	( )					, 1	
697	তং বসন্তরাম ফতে-	66940	অংশ বিক্রয়	১৮৫৯ স∤লের ১১	শ্রীআনন্দমোহন দে	0081100	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	१५७
448	য়াবাদ।		হইবেক।	আইনমতে জমা	ভীআলী মহাং গং।		1 1 2	
		1	; {	স্বতন্ত্র হইয়া ২ নং	ì		i I	
		1	fi 1	অব <b>শিষ্ট মা</b> লীকা-				1
		1		নের অংশ বাকী		,		
		,	, i	পড়ায় কেবল	# !		1	
			1	তাহা বিক্ৰী হই-				, •
				বেক তস্তিম অন্য		1		
	1 1 1		!	কোন অংশ বিক্রা				:
		1	! 	হইবেক না।		1		ı
<b>b</b> obo	থানে রাউজান, ভাটিয়ারি—	•						ı
৩৯৬	তং বকন্ধা আলী	৯৩৭  ৯/•	· •	১৮৫৯ সালের ১১	শ্ৰীজ্ঞান আলী	92240/9	••••	262070
445	1		!	আইনমতে জমা	শ্ৰীসাকমল আলী গং			
		ł		স্বতন্ত্ৰ হইয়া ২ নং	1	'		
			,	অবশিষ্ট মালীকা-	1 1 1			
		!	1	নের অংশ বাকী				
		1	1	পড়ায় কেবল				
		į	!	তাহা বিক্ৰী হই-				
		t i	1	বেক ভদ্তিম অন্য				
	 			কোন অংশ বিক্রী			1	
		i	1	व्हेरवक ना।				

>	2	9	8	ά		9	۲	» ·
েতীজির তৌজির নধর।	মহাজ ও প্রগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর কমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ ব। ঐং অংশেব বিশেষ বিবরণ।	• যে সম্পত্তি বিক্রন্ন হইবে তাহাব মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হইলে ঐ অং- শের সদর কমা।	দম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হুইলে তাহার বাকী।	কোন সংশ মাত্ৰ বিক্ৰয হইলে তাহা বাকী।
\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \	থানে ভাটিয়ারি, রাউজান— তং যশমস্ত সিংহ	) ७ <b>৮</b> ७॥०/२	অংশ বিক্রন্ন হইবে ৷	১৮৫৯ সালের ১১ আইনমতে জয়া অতন্ত্র হট্য়া ৩ নং অবশিষ্ট মালিকা- নের অংশ বাকী প্রভায় কেবল	শ্রীমতী জমিলা খাতুন গং।	۵/۱۱8 <i>۲</i> ۲۲		. ८ १७। १४७ ८
my		•		গভাৱ কেবল ভাষা বিক্রী হই- বেক ভদ্ভিম্ব অন্য কোন এংশ বিক্রী হইবেক না।	:			
, o o C è s	গানে হাটহাজারি, পটায়া, রাউজান সহর, সাতকাণিয়।— তং ক্লফকিশোর কাহনগেয়ে।	• ৬৪৫। <sub>৮</sub> /৭	ď	১৮৫৯ সালের ১১ আইনমতে জমা স্বতন্ত্র হইরা ১নং হিং ফজলে আহা- মদের অংশ বাকী পাড়ায় কেবল		a 28 h/4		\$ \\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \
_ 035 3698 3369	• কাঁড়ি রাজনীয়া — তং খেমকরণ হাজা- রি।	<b>۵</b> ۲۰۱۲ ک	সম্পূর্ণ মছাল বিক্রয় হই- বেক ।	গড়ায় কেবল তাহা বিক্রী হই- বেক ডদ্ভিম্ব জন্য কোন অংশ বিক্রী হইবেক না !	শ্রীশিবরতন হাজারি	•••	\$8 °1 <sub>9</sub> /8	

### সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫ ফেব্রুয়ারি শেষ তারিখের বাকীপড়া।

টীকা।— যে ক্লে উপৰেব লিখিত বৰ্ণনাপতে ব ৫, ৭ ও ৯ ঘৰে কোন অংশমাত্ৰ বিক্ৰম চইৰে বলিয়া লিখিত আছে দেই কলে ইয়া বৃধিতে ছইৰে যে এ অংশেৰ নিমিত্ত স্বতপ্ৰ তিদাৰ বাধা ছইয়া থাকে ও মহালেব অন্যান্য অংশ বিক্ৰয় হয় না।

CHITTAGONG COLLECTORATE, Th 5th July 1897. J. D. Anderson,
Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### •ইস্তাহার নামা কাছারি কালেক্টরী জিলে চট্টগ্রাম।

সন ১৮৫৯ সালের ৭ ধারার মর্মাল্পসারে ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে নিলের লিখিত মহাল চট্টগ্রাম জিলার রাউজান খাস মহাল দ্বিত ১৮৯৭ ইংরেজি ২৫শে মেই শেষ তারিখের খাজানা ও ছেচ বাকির জান্যে ১৮৯৭ ইংরেজি ২৪ আগস্ট তারিখে চট্টগ্রাম কালেক্টরিতে নিলামে ধরা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইং তারিখ ৫ জুলাই।

ক্ৰ মিক			মালিকের নাম।	সম্ব	সদ্ব জনা।		बांकी।		
मभ्रव।	ভলুকার নগর।	ভালুকাব নাম।	મા!ળા.જાત નામ !	খানা।	(इंह	শাঙ্গালা।	( <b>5</b> 5 ,	মোট।	ম্ভব্য!
3	<b>2</b>	v	8	α	•	1	ь	۵	۶۰
3	<u>२</u> २७ <b>৯</b> २৯ 	মেতিজ হাপানিয়া থানা কটীকছরী মহল নওয়া- বাদ।— তালুক করাদ জাকর			\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\	• ცი	<b>€</b> 29∕∘	৬৮১৵৽	

The 7th July 1897.

J. D. ANDERSON,

Collector.

#### জিলা চট্টপ্রাম—ইন্তেহার নামা কাছারি কালেক্ররি জিলে চট্টপ্রাম।

ইহাছারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মায়সারে নিম্নলিখিত তালুকার ১৮৯৭ ইং ২৫ শে ফেব্রুয়ারি সূর্য্যান্ত পর্য্যন্ত বাকা পড়া খাজানা ছেচ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৭ ইং১০ই আগফ যোতাবেক ১৬০৪ বাজালা ২৬ শ্রাবণ রোজ মঙ্গলবার জিলা চট্টগ্রামের কালেক্ট্রি কাড়ারিতে বিনাওজরে প্রকাশ্য নীলামে ধরা যাইবে। ১৮৯৭ ইং তারিখ ১৬ জুন।

			! বার্ষিক क्रम।।			বা <b>কী</b> । 		
তালু কেব নশ্ব ।	ভালুকেব নাম।	মণুলিকেব নাম।	থ   জা ব ব	ছেচ।	খাজানা ৷	( <b>5</b> 5	মোট।	মভাবা।
&686 &639	থানা সাত্কানিয়া মেজি চড়ম্বা মহল নয়াবাদ।— তালুক কালীকিন্তর উপোক্ত দাস, হরি ঈশান দেবিদাস, রামশরণ।	কৈলাস চন্দ্ৰ চৌধুরী, পূৰ্ণচন্দ্ৰ চৌধুরী, হরদাস চৌধুরী, তারকচন্দ্ৰ চৌধুরী দেবিদাস চৌধুরী এবং গোলোকচন্দ্ৰ চৌধুরী সাকিনান চড়ম্বা থানা সাতকানিয়া।	110/ 29F9	99) 110/	986		985 /a	সম্পূর্ণ ত লুক বিত্র হইবে।

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 18th June 1897.

J. D. Anderson,

Collector.

#### जिना सामायानी।

#### ভাষদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদারা এই সংবাদদেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেট্রর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত-আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের নাম আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৭। ১৫ সেপ্টেম্বর তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে গুলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ খরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে প্র অংশের নিমিত স্বতর হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

	5	•	•	8	t	•	•	<b>u</b>	>
	তীব্দির ম্বর।	মহাল ও পরগনার নাম।	সম্পূর্ণ মহা- লের সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইবে কি না।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় ছইলে ঐ অংশ বা ঐহ অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশের সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত বিক্ৰয় হইলে তাহায় বাকী।
	35	দান্দরাহিঃ ১১। ১০		অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ	ঞ্জী চন্দ্ৰনাথ <b>গুপ্ত</b>	<b>4</b> 0246		8 <b>४</b> ०  <b>४</b> २
•	3	কান্তী পং দান্দরা।		,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	। ८०।। ४५४ ।२० । ८८। ८५ जिला	,	0 0 0 0 0		02014
•	8 tr	কিসমত মহেন্দ্ৰ না-		मण्यूर्व	*****	শ্রীমতী আইজা-	· · · · • •	255122	••••
		নারায়ণ ় পং	_	·		<b>म्बर्</b> ।		(,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	
		<b>७</b> म्द्री <b>थ</b> ।	•			•			
	<u> </u>	চাকলে বামনী জমি-		অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ	মেঃ পি, জে, ডেলনি	२११७४	•••	44442
	`	দারী চাং বামনী।			। जाना।	গং নাবলগান			
						পক্ষে মাতা অভি-			
						ভাবক যিস এনেলা			
				 		জে, ডেলনি সাহেবা।		1	
				খাস ম	হাল টেনিউর—	*116441 1			
<b>,</b>	\ <b>49</b>	চর উশ্বর রায় মধ্যে ২ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওয়ালা	reece	সম্পূৰ্ব		আ <b>বঙ্গ</b> হাকিম মিঞাজি গং।		२४।०	••••
		माছ्ममान ।							
۵	ऽ७ <b>१</b> ७	ঞ চর মধ্যে ৩ নং গঃ মঃ ম্যাদি	१२०॥८	À	••••	ব্ৰজ্বাম মাঝি গং		२७८०	*****
		হাওলা ব্রজ্বাম মাঝি গং।							

LALIT KUMAR DAS, Deputy Collector in charge.

#### • জিলা বাকরগঞ্জ।—জমিদারি বিরুমের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ষাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জ্বিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত দ্বন কিন্তির বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সনের ২৪ সেপ্টেম্বর শুক্রবার তারিখে মোং বাং ১৩০৪ সনের ৯ আম্বিন নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭। ২ আগফ।

3	9	٧	8	•	<b>.</b>	9	<b>b</b>	>
ভৌজির নশ্ব ।	মহাল ৩৫ প্রগণার নাম ৷	স <b>ভ্</b> পূৰ্ণ মহা- লেব সদব ক্ষমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রেয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবরণ।	ষে সম্পদ্ধি বিক্রম হউবে তাহার মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রন্ন হইলে ঐ অংশের সদর কমা।	স <b>ন্</b> পূৰ্ণ মহাল বিজয় হইলে তাহার বাক <sup>ী ।</sup>	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰম্ব হৰলৈ তাহাঃ বাকী।
3699	ভালুক সৈজ্বদীন খাঁ গং পং বোজরগো- মেদপুর।		•	এজমালী ৸৶১৫ গণ্ডা অংশ নিলাম হইবে। অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না!	ক্বস্থকিশোর নিয়োগী গং।	3 · 8 b h J 8		ডাঠা। পাই
8486	পদ্মা ওরকে রম- জানপুর পং কাশীম- পুর সেহলাপট্টী।	4010)	সম্পূর্ণ মহা- লের মালিকী স্বত্ব নিলাম হইবে।	******	ছরকুষ্বি সেন গং	•	<b>3</b> 36	•••••
<b>७२</b> ३२	চক কচুপাতরা পং চক্রদ্দীপ।	<sup>૧७૨</sup> )	সম্পূর্ব মহা- লের তালুক- দারী স্বত্ত্ব নিলাম হইবে	•••	শশীকুমার বস্থ গং		७° <b>७</b> °)	
8888	ভূষখালী মহাল অধীন ৪নং নিম হাওলা পং সৈদপুর।	404.JU	সম্পূৰ্ণ নিম হাওলা নিলাম হইবে।	••	<b>अत्रकाञ्चन्द्र १९</b>	**\**	3334 <b>√</b> ∘	*** 100
<b>.</b>	ভূষখালী মহাল অধীন ৬৮1৮৪।২১৮ নং যোত।	(د ه	সম্পূৰ্যোত নিলাম হইবে।		यम्ब शः	•••••	۴°\$)	•
<b>4</b> <del>2</del> <del>2</del> <del>2</del> <del>2</del> <del>1</del>		) o 5   6   6   6   6   6   6   6   6   6	সম্পূৰ্ব হাও- লা নিলাম হইবে।		कांनीहळ्य माम १९	•••••	৮৪২৸৵৩	******

দীকা।—বে দ্বলে উপৰের লিখিত বর্ণনাপত্তের ৫. ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই দ্বলে ইহা ব্রিতে ছইবে যে ঐ অংশের নমিত ঘতত্র হিসাবে রাধা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় লা।

BELL,

Offg. Collector.

#### खिना **इते**थाय।—रेखाराजनामा काष्टाति कारमञ्जेति खिना इतेथाय।

ইহান্বারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৭ ইংরাজির ২৫ ফেব্রুয়ারি শেব তারিখের বাকী পড়া ৫০০) টাকার উর্ক্ত্র জ্যার নওয়াবাদ চালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেচ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আং ১৮৭১ সালের ২ আং ১৮৫৯ সালের ১১ আং ৬ ধারার ার্মতে ১৮৯৭ ইং তারিখ ৭ সেপ্টেম্বর মোতাবেক ১৩০৪ বাং তারিখ ২৩ ভাব্র রোজ মন্সলবার ধার্য্যে জিলার কার্লেষ্ট্ররিতে প্রকাশ্য নলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৯ জ্লাই।

	ভাপু-			স্পর জ্মা।		a.	۹۱		
মিক শ্বব ৷	ভাগু- কাব নদ্গব।	তালুকার নাম।	মালিকেব নাম।	থাজানা।	সেস।	शंकान।	দেন।	মোট।	<b>यख</b> रा ।
3	₹	v	8	¢		9	<b>b</b>	۵	3.
	84,9	মেতিজ জ্জখলা ধানা ক্টীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।							
	\$0549 \$005	তাং সেখ ওবেগুলা খাঁ হাং তাং লতিপা খাতুন	শ্ৰীমতী লতিফা খাতুন	2202110	<b>t</b> r/0	448)	<b>રર મ</b> Jઇ	e ૧ <b>૫ મ</b> હાઇ	*** ***
	0.11.	মৌজে ভূজপুর থানা ফটীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।							
	8283 38033 0698	তাং এয়ার আলি খাঁ হাং তাং ওবেদর রহমান খাঁ।	ওবেদর রহমান খাঁ	رقه۹	৩৸/৬৽	ଓଃଧାର	こいりか	OU 01/U	•••••

CHITTAGONG COLLECTORATE,

J. D. Anderson,

The 23rd July 1897.

Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জুরত্ব সিনুকোনা।

কলিকাতান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের অ্পরিক্টেণ্ডেন্টের নিকট গবর্ণ-মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পোঁও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূল্যে জ্বরম্ম দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔব্দ টিন ২ !০ টাকায়ে, আট ঔব্দ টিন ৫ টাকায় ও এক পোঁও টিন ১ ০ টাকায় পাইবেন । দর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের ম্পরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔব্দ টিন ৬, টাকায়, আট ঔব্দ টিন ৬, টাকায় এবং এক পোঁও টিন ১ ১ টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাতার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেতাগণেও এই ঔব্ধ বিক্রয় করিয়া থাকেন। উপরোক্ষ হার ছাড়া চারি ঔব্দ টিনের ।০, আট ঔব্দ টিনের ৪০ ডাক মাহল দিতে হইবে।

বঙ্গদেশের গ্রব্মেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।
১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে, যথা—

১ এক পৌও টিন ১৮, বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৭০

।। जाब ,, ,, क) ,, ,, ,, क।।॰

| 何存 ,, ,, 811° ,, ,, ,, ,, ,, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরণে প্রস্তুত করা ছইয়াছে। এবং ইছা যে নিশ্কোনাইন ও নিশ্কোনীডাইন নামক অপক্ষট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই ভাহার গগারান্টী দেওয়া যাইভেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাভার নিকটছ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া যাইভে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will benceforware be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

Entire Gazette ... 10 Û per annum. 2 Postage 8 0 Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India . . ] and Bengal Postage For a single copy-0 Entire Gazette Postage 0 Parts III, IV, V, and VI for 4 · sheets OT under with an additional of 1 charge anna for every 4 sheets in excess

Postage ... 0 1 0

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. Bakes.

Offg. Under-Secretary to the Goot. of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন।

১৮৮৩ সাল ২১ ফেব্রেয়ারি।—বাজালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্যাহল এই স্বধি নিম্ন-লিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে:—

	ન વન્ક ગડક	1			01411	
সম্পূর্ণ গেচ্ছেট	• •	•••	•••	বৎসর	2 •~	•
ডাক <b>মাস্থ</b> ল		•••	•••	"	र॥•	
७७३७६७६५७	( যাহাতে ৰ	গরতবর্ষের 🕆	<b>ও বল</b> -			
দেশের ব্যবস্থাপব	সভার দ	गरिन 🗢 🤊	গাইনের			
পাণ্ডুলিপি থাকে )	•••	•••	•••	,,	8,	
্ ভাকমাহল	•••	•••	•••	"	٤,	•
সম্পূৰ্ণ একখানি গেজেটে	র মৃশ্য	• • •	***	"	<b>; •</b>	
_ ডাকমান্থল	·	•••	•••		/ •	
0 8 8 8 8 8 B	( প্রত্যেক	8 शृंधा वा	<b>ভাহা</b> র			
<b>ন্</b> য়ন সংখ্যক '		•••		••	/০৪ পৃষ্ঠার যদ্ভ অধিক	<b>উপ</b> র হয়
					ভাহার <b>এ</b> ৪ পৃ <b>টা এ</b> ডি	<b>ভ্যেক</b>
					একং আনা!	-11 m
				•	=, \ 11-(1)	

#### কলিকাভায়।

ক্লিকাভার ও মকঃসলে সমান মূল্য, কলিকাভার কেবল ডাক্মাহল লাগিবে না। ই, এন, বেকার।

वक्रमान्त्र भवर्वस्थरणेत अक्षिर ছां म्हार्किती।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in Cadia will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDY., GOVY. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Guvi. of Bengal.

12th December 1882.

Note.—Rates of advertisements in the Calcutta Gazette.

Res.
Full page, per issue ... ... 20
Half ,, ,, ... ... ... 10

Casual advertisement--4 annas per line.

#### বিজ্ঞাপন ৷

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বাঙ্গালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওরা না গেলে ঐং গেজেট - দেওরা ঘাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মর্ঘের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গ্যন্মেন্টের কার্য্যালয় কিন্তা গ্যন্মেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তি বালাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তা উক্ত ছাপাখানায় কেনে কর্ম করাইতে চাহিলে ভন্মিক্ত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাণ সেক্টোরিয়েটের আকোন্টান্টের নিকট অণ্ডো মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন গোক্তিকে কোন পৃশুকাদি দেওয়া কিশ্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিয়ার কি বিজ্ঞাপন প্র ইতি প্রকাশ করা ঘাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিকেণিট বাদ দিবার জ্বন্যে টাকার উপর আর ৴• এক নানা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টন, • বঙ্গদেশের গ্রথমেন্টের ছোট সেক্টেরী।

#### **३५७२ मार्जित ३२ फिरमध्त ।**

ৰক্ষব্য <del>৷ - কলিকাতা গেলেটে ইণ্ডিছার প্রকাশ ক</del> রিবা	ার হার এইং।	-			हो€11
পুৰা এক পৃষ্ঠা একং বার একাশ করণের	•••	***		٠	2
कार्य श्रेका	•••	-43	. •	***	>-,
ক্ষন ক্ষম ইশ্ভিষ্ট প্ৰকাশ করিতে ভ্ইলে	APR PER	•••	***	***	,,

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### वाकाम (मदक्रोदिस्र विद्यामस्य विक्रसार्थ पाइ ।

ব্যবিষ্টার-আট-লা ও ঐশ্রিমতীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিদে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিফ্টিট্ট ও সেশন জ্ঞ ও রেন্ট কমিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পলের জীযুত সি, ডি, কিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি সাহেবের প্রণীত বৃদ্ধদেশের প্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভ্রাধিকারীর প্রজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুলকের মৃল্য, ৫, পাঁচ টাকা।

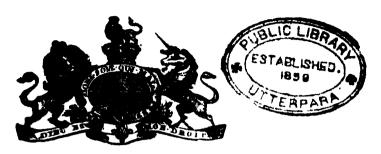
কোন ব্যক্তি উক্ত পৃস্তক ক্রয় করিতে চাছিলে বাজাল সেকেটারিয়েটের আকৌন্টান্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং ভাহা মোড়ক করিয়া ভাকে পাঠাইবার খরচ।৴৽ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। যন্তব্য ।--- উক্ত পৃক্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপদক্ষে বল্পদেশের মান্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেড শ্রেষ্ট টোন ছালের হাভায় স্থিত বলদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে বেঞি-ह्यादात बात्म निदर्शानामा निया व्यार्थनाशज शाहारेष्ठ वरेटव ।

উক্ত সকল আইনের পুশুক কলিকাভার গবর্ণযেন্ট প্লেশে, ধাকার প্লিশ্ব কোমানির বাটাতে ক্রয় করিতে পাওয়া বায়।

কালকাতা প্রেসিডেক্সা দেল মন্তালয়ে স্বর্গমেটের লম। আযুত কেম্স পেটি সাহেব কর্তৃক মুদ্রিত ও প্রকাশিত হইল।



## गवर्गायने (गटलिं।

TUESDAY, AUGUST 17, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৭ আগফী।

CONTENTS	1
Page.	মিৰ্ভ ।
FART I Resolutions, Orders and Notifica-	नृष्ठे।
cons of the Government of India Nil.	প্রশম বঞ্জ।ভাবতব্যীয় গ্রব্দেটের নিষ্কারণ
PART II Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই
nons by the Lieutenant-Governor	ৰিতীয় খণ্ড।—বঙ্কদেশের গ্রথমেণ্টের নির্দাবণ,
of Bengal	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ২৫৫২৫
FART HA Orders by the Lieutenant-Gover-	ব্লিতীয় ক বন্ত।বলদেশের গর্বমেন্টের আদেশ १১१
nor of Bengal 71 -73	্ট্রতীয় খণ্ড।—ভাবতবধীয় বাবস্থাপক সভার প্রণীত
PART III.—Acts of the Legislative Council of	্ব আইন নাই
India Nil.	ক্লুত্থ বল্ল।—ভাবতব্যীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনেৰ
Part IV.—Bills of the Legislative Council of	় পাভালপি নাই
India Nil.	প্রম্ব ব্ া—বিক্লীয় ব্যবদ্ধাপক সম্ভাব প্রণীত আইন নাই
PART V Acts of the Bengal Council Nil.	वष्ठ थश्र । वक्षीय वाचन्द्र: भक्र मछाव व्यक्टितव
PART VI.—Bills of the Bengal Council Nil.	পাণ্ডলিপি নাই
PART VII -Circular Orders by the High	সম্ভম বন্ত।হাই কোটেব ও বেশিনিউ বোডেব
Court and Board of Revenue Nil	সাধাবণ জ্ঞাপনপত্র নাই
PART VIII.—Advertisements 397—407	অটম বশু।—ইশ্তিহাব প্রভৃতি ৩৯৭ -১০৭
Supplement Nil	भवि। महे गर्वट्यटकेव त्राटकंवे नाम

#### PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal. .

## দিতীয় খণ্ড।

বলদেশের গবর্ণমেন্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MARINE DEPARTMENT.

#### The 9th August 1897.

No. 144 Marine.—The following telegram, dated the 6th August 1897, from the Government of Bombay relative to the decisions of the Fourth Quarantine Board at Alexandria, is published for general information.

A. D. McArthur, Col., R.B., Secy. to the Gott. of Bingal.

Copy of a telegram, dated the 6th August 1897, from the Secretary to the Government of Bombay,
General Department, to Bengal Works, Calcutta.

No. 4288. British Consul. Alexandria, telegraphs: Fourth Quarantine Board decided yesterday first to suppress measures in force arrivals from Hedjaz as plague no longer exists there; second, to consider pilgrimage as closed, but all vessels with pilgrims will go to Tour for regulation quarantine.

#### The 9th August 1897.

No. 146 Marine.—The following communication, dated the 26th June 1897, from Sir Francis Clare Ford, with its enclosure, relative to the Italian Maritime Sanitary Ordinance No. 5 issued with a view to prevent delays to vessels arriving in Italian ports from infected districts in India, is published for general information.

A. D. McArthur, Col., R.E., Secy. to the Govt. of Bengal.

No. 42C., dated Foreign Office, the 1st July 1897.

From-GRORGE CURZON, Esq.,

To-The Under-Secretary of State, India Office.

I am directed by the Secretary of State for Foreign Affairs to transmit to you, to be laid before the Secretary of State for India, the accompanying copy of a despatch as marked in the margin enclosing the Itelian Maritime Sanitary Ordinance No. 5, intended to obviate delays to vessels arriving in Italy from India.

No. 42C., dated Rome, the 26th June 1897.

From—Francis Clare Ford, Esq.,

To-The Marquess of Salisbury, K.G., &c., &c., &c.

I HAVE the honour to transmit herewith to Your Lordship a copy in triplicate, together with a translation of the Sanitary Maritime Ordinance marked No. 5, and dated the 20th instant, which I have received from the Department for Foreign Affairs.

The present Ordinance has been made with a view to preventing, as far as possible, delays to vessels arriving in Italian ports from infected districts in India.

It will now be possible for the owners and Captains of vessels to enlist the services, should they desire it, of Italian medical officers who would accompany the vessels from Port Said to the Italian ports to which they may be bound, and thus the delay to those vessels arriving there would be almost nominal.

#### বঙ্গদেশের ত্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

#### মেরিন ডিপার্টমেণ্ট।

#### ১৮৯৭ সাল ১ই আগস্ট।

মেরিন্ ১৪৪ নং।—আলেকজাপ্তিরাছ চতুর্থ কারান্টাইন বোর্ডের নিপ্সন্তি সম্বন্ধে বোদ্বাই গ্রন্থি মেন্টের ১৮৯৭ সালের ৬ আগন্ট তারিখের নিম্নলিখিত টেলিগ্রাম সাধারণের অবগতির নিমিত্ত প্রকাশিত হইল।

> এ, ডি, ম্যাকআর্থর, কর্নেল, আর. ই, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

কলিকাতাস্থ বঙ্গদেশের পবলিক্ ওয়ার্কদ ডিপার্টমেন্টের নিকট বোদ্বাই গবর্ণমেন্টের জেনরল ডিপার্টমেন্টের দেক্রেটরির ১৮৯৭ সালের ৬ই আগস্ট তারিখের টেলিগ্রামের প্রতিলিপি।

৪২৮৮ নং।—আলেকজান্তি রাস্থ রটিশ কপাল টেলিএাক করিয়াছেন:—চতুর্থ কারাক্টাইন বোর্ড গত কল্য এই সুইটি বিষয় স্থির করিয়াছেন, প্রথম হেজাজে আর মড়ক না থাকায় তবাহইতে আগত জাহাজাদির বিরুদ্ধে যে বিধি বলবৎ আছে তাহা রহিত করা হইবে এবং দ্বিভায়, তার্থ যাত্রা বন্ধ হইয়াছে বলিয়া বিবেচনা করা হইবে কিন্তু তার্থযাত্রির সকল জল্মানের কারাক্টাইন নিয়ম পালনার্থ টোরে যাইতে হইবে।

#### ১৮৯৭ সাল ৩ আগফ।

মেরিন্ ১৪৬ ন°।—সংক্রামক দোষে দূষিত ভারতবর্ষীয় জিলা সমূহহইতে আগত জাহাজের বন্দর প্রবেশে বিলম্ব নিবারনার্থ ইটালির গবর্ণমেন্টের সামুদ্রিক স্বাস্থ্য বিষয়ক ৫নং আদেশ সম্বন্ধায় স্যার ক্রান্সিস ক্লেয়ার কোর্ড সাহেবের ১৮৯৭ সালের ২৬এ জুন তারিখের নিম্নলিখিত পত্র ও তৎসহ প্রেরিত প্রাদি সাধারণের অবগতির নিমিন্ত প্রকাশিত হইল।

এ, ডি. ম্যাক আর্থর কর্নেল আর, ই, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরা।

৪২ $\mathrm{C}$  নং। করেন্ আপিদ। তারিব ১৮৯৭ সাল ১লা জ্লাই।

ইণ্ডিয়া আপিসের ছোট ফেট সেক্রেটরী সাহেবের নিকট জর্জ্জ কুর্জ্জন্ সাহেবের পত্র। ভারতবর্ষের পক্ষে ফেট সেক্রেটরী সাহেবের সম্মুখে স্থা ন করিবার জন্য পার্খোলিখিত রাজকীয় পত্রখানি আপনার নিকট পাঠাইবার নিমিত্ত আমি বৈদেশক বিষয়ের ফেট সেক্রেটগ্রী সাহেব কর্তৃক আদিষ্ট ছইয়াছি। ভারতবর্ষ হইতে ইটালিতে আগত জল্মানের বন্দর প্রবেশে বিলম্ব নিবারণের অভিপ্রায়ে প্রণীত ইটালির গ্রেণ্টের সামুদ্ধিক স্বাস্থ্য বিষয়ক ্লু নং আদেশ ঐ পত্রের সহিত আছে।

### ৪২C, রোম, ১৮৯৭ সলে ২০এ জুন।

শ্রীযুত মারকুইস অক**্সলিসবরি কে, জি সাহেবের নিকট ক্রান্সিস ক্রেয়ার কোর্ড সাহে**বের পত্র।

যৎকর্ত্ত বৈদেশিক বিভাগ হইতে প্রাপ্ত সামুদ্রিক স্বাস্থ্য বিষয়ক ২০ তারিখের ৫ নং আদেশের তিন খণ্ড অম্বাদসহ আপনার নিকট প্রেরণ কারতেছি।

ভারতবর্ধের দংক্রামক দোষে দুষিত জিলা হইতে ইটালায় বন্দরে আগত জল্যানের বন্দর প্রবেশে ষত দুর সম্ভব বিলম্ব নিবারণের অভিপ্রায়ে বর্তমান আদেশটা প্রণাত হইয়াছে।

জলযানের অধিকারী ও কাপ্তানের। এক্ষণে ইচ্ছা করিলে ইটালিবাসা চিকিৎসক নিযুক্ত করিতে পারিবেন। ঐ সকল চিকিৎসক পোর্ট সায়েদহইতে জলযান যে ইটালীয় বন্দরে থাইবে জলযানের সহিত সেই বন্দরে যাইবেন এবং ইহাতে ঐ সকল জলযানের ঐ বন্দরে উপস্থিত হ ওনে নামমাত্র বিলম্ব দ্বিৰে।

#### (TRANSLATION.)

#### Ministry of the Interior.

1897.—Sanitary Maritime Ordinance No. 5.—For the purpose of affording shipping and trade all the facilities consistent with the requirements of the Sanitary Service and particularly for the purpose of avoiding delays in granting free pratique to steamers which, though free from disease, have to undergo medical inspection and disinfection for the sole reason of their coming from a place infected by plague.

Seen the Law of 22nd December 1888, No. 5849 (3rd series), for the protection of hygiene and public health.

The Minister of the Interior decrees:—In cases when the owners or masters of steamers coming from Indian ports specified in the Maritime Sanitary Ordinance of the 1st of May last, and bound for Italy. make a formal application to that effect, a doctor, to be appointed in each case by this Ministry, can be embarked on such steamers at Port Said.

Section 2.—The said doctor will be entrusted with the general sanitary surveillance on board the ship during the crossing from Port Said to the Italian ports of destination, and within 24 hours preceding the arrival of the steamer in an Italian port, he is to ascertain that the disinfection of the solled articles of wearing or domestic apparel has been carried out, and will proceed to a medical examination of all persons on board.

Section 3.—It will besides be the doctor's duty to lodge, with the Harbour authorities on arival of the steamer, a written declaration showing the hygiene and sanitary conditions on board, and suggesting the treatment to be adopted. Should everything prove to be in good order, the steamer will, as far as the sanitary formalities are concerned, be admitted to free pratique. Should, however, any abnormal circumstance have been detected, the steamer will in that case have to undergo all those measures which are in respect of the various cases set forth in the Sanitary Maritime Ordinances now in force.

Section 4.—The above-mentioned doctor will be entitled to passage and first-class fare on hoard, free of charge, and his fee, which in each case shall be fixed with the approval of this Ministry, will be defrayed by the Masters of the Steamers.

Sction 5.—The dispositions of Sanitary Maritime Ordinance of 8th May last, No. 3, remain unchanged in their substance, as the present Ordinance is meant only to modify the formalities regarding the carrying out of the medical inspection and of the disinfections of such steamers as were constantly in a normal condition from the time of their departure to that of arrival.

The Prefects of the Maritime Provinces and the Harbour authorities of the Kingdom are charged with the execution of the present Ordinance.

For the Minister,
BERTARELLI.

#### ( অত্নবাদ। )

#### আভ্যন্তরিক মন্ত্রিসভা।

১৮৯৭ সাল।—সামুদ্রিক স্বাস্থ্য বিষয়ক ৫ নং আদেশ।—ধাহা স্বাস্থ্য বিভাগের আদেশের বিরোধা নহে জাহাজের ও বাণিজ্যের এরূপ সমস্ত স্থবিধা করিয়। দিবার অভিপ্রায়ে বিশেষতঃ আরোহী দের মধ্যে পীজা না থাকিলেও মড়ক দূষিত স্থান হইতে আসিতেছে কেবল মাত্র এই কারণে যে সকল ফীমরকে চিকিৎসকের পরিদর্শনের এবং সংক্রামক দোষ নাশক প্রক্রিয়ার অধান হইতে হয় সেই সকল ফীমরকে কুলের সহিত সংস্থাব করিবার অনুমতি প্রদানে বিলম্ব নিবারণের অভিপ্রায়ে প্রণীত।

সাধারণ স্বাস্থ্য রক্ষার্থ ১৮৮৮ সালের ২২এ ডিসেপ্তর ,ভারিখের ( তৃতীয় দকার ) ৫৮৪৯ ন° আইন দেখা গেল!

আন্তন্ত্রিক মন্ত্রা এই আদেশ করিলেনঃ—বিগত ১লা মে তারিখের সানুদ্রিক স্বাস্থ্য বিষয়ক আদেশের লিখিত ভারতব্যীয় বন্দরহইতে আগত যে ফীমর ইটালি যাত্রা করিতে উদ্যত হইয়াছে সেই ফীমরের অনিকারা বা কাপ্তান একজন ডাক্তারের নিমিত্ত দস্তরমত দরখাস্ত করিলে পোর্ট সায়দে ঐ জাহাজে একজন ডাক্তার তৃলিয়া দিতে পারা ঘাইবে। এ ডাক্তার প্রত্যেক স্থলেই এই মন্ত্রিসভা কর্তৃক নিযুক্ত হইবেন।

২ ধারা। ঐ জাহাজের পোর্ট সায়েদ হইতে উদ্দিট ইটাসীয় বন্দরে যাত্রা কালে উক্ত ডাক্তারের হত্তে জাহাজের স্বাস্থ্য সংক্রান্ত সাধারণ তদারকের ভার থাকিবে এবং জাহাজ কোন ইটাসায় বন্দরে উপনাত হইবার পূর্বেই ২৪ ঘন্টার মধ্যে তাঁহাকে সমস্ত দূবিত পরিধেয় বা গার্হস্তা বন্ধের সংক্রামক দোষ নাশের কথা নির্নয় করিতে হইবে এবং জাহাজন্ত সক্ষর ব্যক্তির স্বাস্থ্য কিরুপ তাহা পরীক্ষা করিয় দেখিতে হইবে।

তধারা। টামর উপনাত হইলে জাহাজের আছোর এবং তিনি থেরূপ করিবার পরামর্শ দেন জাহার একটা লিখিত বিবরণ বন্দরের কর্তৃপক্ষগণের নিকট দেওয়াও ঐ ডাক্তারের কর্ত্বর কর্ম। সমস্ত বন্দোবস্তই খদি ঠিক রক্ষের হয় ভাহ। ইইলে আছা যা লাভ বাঁনাবাঁধি নিয়ম না করিয়া ঐ টীমরকে কুলের সহিত অবাধে সংস্তব করিবার অন্তমতি দেওনা যান্দ্র। কিন্তু অস্বাভাবিক রক্ম কোন অবস্থা ধরা পঢ়িলে সামুদ্রিক স্বাস্থ্য বিষয়ক প্রচলিত আনেশে ভিন্ন ভিন্ন ভলে থেরূপ ব্যবস্থার ক্যা লেখা আছে টীমরকে সেই সকল ব্যবস্থার অধান ইহতে হটনে।

8 ধারা। উপারিলিখিত ডাক্তার বিনা খরচে তারাজে চড়িয়া বাইতে পারিবেন এবং শ্রথম শ্রেণীর খাদ্য পাইবেন এবং টীমরের কাপ্তান তার্হার ফা দিবেন ঐফা প্রত্যেক প্রলে মন্ত্রিসভার অস্থ্যাদন গ্রহণ করিয়া নির্দ্ধিট হইবে।

৫ ধারা। বিগত ৮ই মে তারিখের সান্ত্রিক স্বাস্থ্য বিষয়ক ৩ন° আদেশের মূলতঃ কোন পরিবর্তন হইল না। কারণ যে সকল ফীমর যাগার কাল হইতে আগমনের কাল পর্যান্ত স্বান্তাবিক অবস্থায়
থাকে শেই সকল ফীমরের স্বাস্থ্য সংক্রান্ত পরিদর্শন এবং সংক্রামক দোষ নাশ সম্বন্ধে যে বাধাবাধি ব্যবস্থা
আছে কেবল মাত্র তাহার পরিবর্তনের অভিপ্রায়েই বর্তনান আদেশ প্রণীত হইল।

রাজ্যের সমুদ্রকুলবর্তী প্রদেশ সকলের প্রিফেক্টগণকে এবং বন্দরের কর্তৃপক্ষগণকে বর্তুমান আদেশ কার্য্যে পরিণত করিবার নিমিত্ত আদেশ করা গেল।

রোম,

মন্থ্রির পরিবর্ণ্ডে, বার্টে রেলি।

১৮১१ माल २०८म जून।

ইভিন্না গেজেটে হোম ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৭ সালের ২৫শে জুন তারিখে ১৭৫০নং বিজ্ঞাপনে প্রকাশিত।





## गवर्गयन् राज्ति।

TUESDAY, AUGUST 17, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৭ আগফ।

PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal.

দিতীয় ক খণ্ড।

वक्रान्टभव भवर्गस्य केंद्र जातम् ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 4137M.—The 9th August 1897.—It is hereby notified for general information that on the application of the Commissioners of the Sherpur Municipality in the district of Mymensingh, the Lieutenant-Governor is pleased to declare that the provisions of section 3 of Act XX of 1887, with respect to wild birds, shall apply, so far as regards the rules framed by the Municipal Commissioners of Sherpur, to deer and hares.

C. E. A. W. OLDHAM,

Offg. Secy. to the Govt. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 4138M.—The 9th August 1897.—It is hereby notified for general information that on the application of the Commissioners of the Dacca Municipality in the district of Dacca, the Lieutenant-Governor is pleased to declare that the provisious of section 3 of Act XX of 1887, with respect to wild birds, shall apply, so far as regards the rules framed by the Municipal Commissioners of Dacca, to deer and hares.

C. E. A. W. Oldham,
Offg. Sooy. to the Govt. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 4139 M.—The 9th August 1897.—It is hereby notified for general information that on the application of the Commissioners of the Barisal Municipality, in the district of Backergunge, the Lieutenant-Governor is pleased to declare that the provisions of section 3 of Act XX of 1887, with respect to wild birds, shall apply, so far as regards the rules framed by the Municipal Commissioners of Barisal, to deer and hares.

C. E. A. W. OLDHAM,
Offg. Secy. to the Goot. of Bengel.

#### वक्राप्तरमञ्जू औयुष्ठ त्नरभेरतने गवर्गत मारहरवत चार्यम ।

#### মুনিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন।

8১৩৭ এম নং ।—১৮১৭ সাল ১ই আগস্ট।—সাধারণের অবগতির নিমিত্ত এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, ময়মনসিংহ জিলার অন্তর্গত লেরপুর মুনিসিপালিটির কমিশনরগণের প্রার্থনাক্রমে শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ধর সাহেব এই আদেশ করিলেন যে বন্য পক্ষী সম্বন্ধে ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ৩ ধারার বিধান শেরপুর মুনিসিপালিটির কমিশনরগণের প্রণীত বিধি সম্পর্কে হরিণ ও ধরগোস সম্বন্ধেও বাটিবে।

সি, ই, এ, ডবলিউ, ওল্ডহ্যায়, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের এক্টিং সেক্রেটরী।

#### বিজ্ঞাপন।

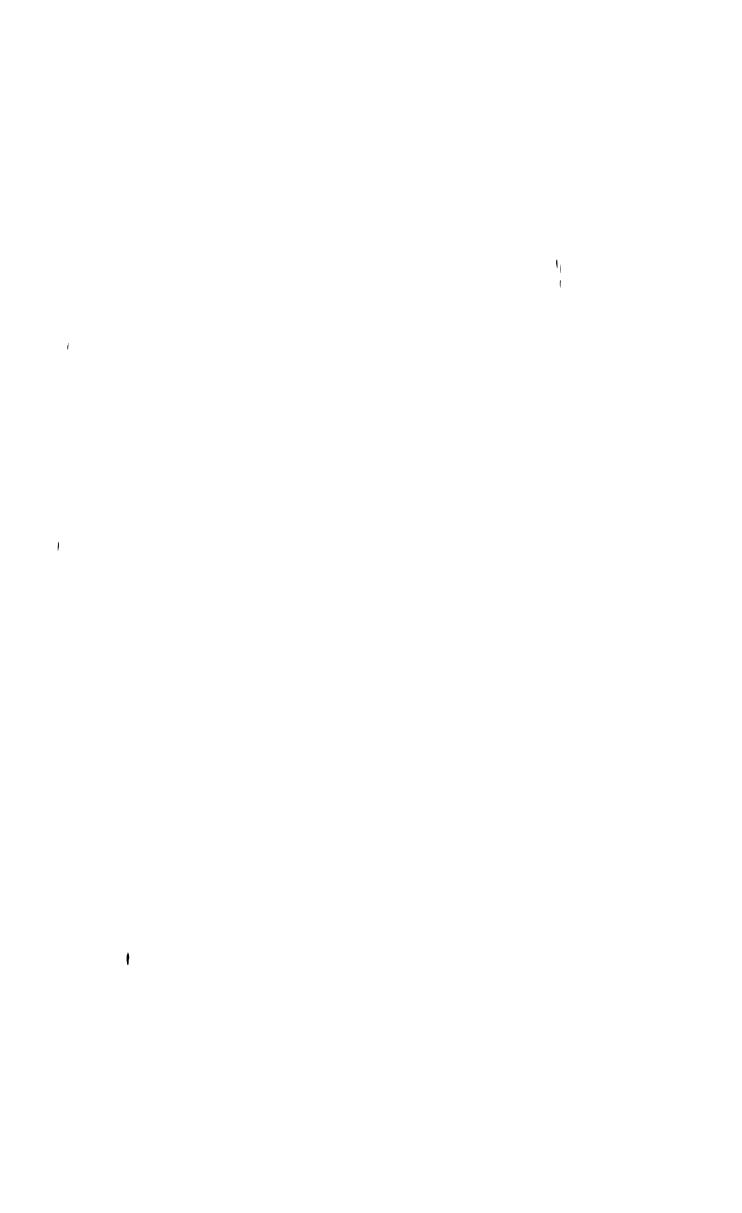
8১৩৮ এম্ নং 1—১৮৯৭ সাল ৯ই আগস্ট।—সাধারণের অবগতির নিমিত্ত এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, ঢাকা জিলার অন্তর্গত ঢাকা মুনিসিপালিটির কমিশনরগণের প্রার্থনাক্রমে শ্রীষুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব এই আলেশ করিলেন যে বন্য পক্ষী সম্বন্ধে ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ৩ ধারার বিধান ঢাকা মুনিসিপালিটির কমিশনরগণের প্রণীত বিধি সম্পর্কে হরিণ ও খরগোস সম্বন্ধেও খাটিবে।

সি, ই, এ, ডবলিউ, ওল্ডহ্যাম. বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের এক্টিং সেক্রেটরী।

#### বিজ্ঞাপন।

৪১৩৯ এম্ নং।—১৮৯৭ সাল ৯ই আগট।—সাধারণের অবগতির নিমিত্ত এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, বাধরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত বরিশাল মুনিসিপালিটির কমিশনরগণের প্রার্থনাক্রমে শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব এই আদেশ করিলেন যে বন্য পক্ষী সম্বন্ধে ১৮৮৭ সালের ২০ আই-নের ৩ ধারার বিধান বরিশাল মুনিসিপালিটির কমিশনরগণের প্রণীত বিধি সম্পর্কে হরিণ ও ধরগোস সম্বন্ধেও খাটিবে।

> সি, ই. এ, ডবলির্ড, ওল্ডহ্যাম, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের এক্টিং সেক্রেটরী।





# গ্ৰণ্মেণ্ট গেজেট

TUESDAY, AUGUST 17, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৭ আগফ।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

षष्ट्रेम थछ।

ইশ্ভিহার প্রভৃতি।

#### LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্তাহার।

#### জিলা বীরভূম — জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বীরভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত হালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজন্ম ও অন্যথে সকল দাবী আইনামুসারে বাকী বিজ্ঞান্ত আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত সন ১৮৯৭ সালের ২৭শে সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা থাইবে।

١ ،	<b>ર</b>		8	α	b	i <b>9</b>	<b>b</b>	6
তৌজীর মধর।	মহাল ও পাবগনাব নাম।		সম্পূৰ্মহাল বিজ্ঞ হইবে কিন।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বঃ এই অংশের বিশেষ বিধ্বন।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহাব মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হুইলে ঐ ক্রংশেব সদব জম।।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হটলে তাহাব থাকী।	মাত বিক্য
<b>)) नर</b> े	হেৰুকা, প্রগণা আক্বরসাহি থানা মৌড়ে- শ্বর।	700290	मण्णूर्न		ভোলানাথ ঘোষ দিগর।		8316	•••
'৯ নং	দাঁড়কা, পরগণা ইছাপুথ্রিয়া থানা লাভপুর।	\$₩0 <b>७</b> /0		এজমালি অংশ রক্ম		ال ال		৮(८ भाइ
ง ละ	খন্না, প্রগণা খটন্গা থানা সিউড়ী।	\$ 00 do d		অংশ নীলাম হইবে না।	, ,		••••	¢11₹
০ নং	জাকুনি প্রগণা স্বরপদিংহ থানা মৌড়ে- শ্বর।	<u> १</u> ८७२।८०		হইবে না।  ১৭০ ২ নং পৃথক হিসাব কাজিপুর বাগ- বাদিনী ও ভূড়ি গ্রাম মোজার রকম ধোল স্মানা এবং	সতীশ চন্দ্র মুথেখ- পাধ্যায় দিগর।	, <b>৫</b> १२ । । ०/ ०		₹\$ /•
, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	•			সাহাজাদপুর চক ও সাহাজাদপুর ন ও- য়াবাদ মোজার রকম।/	•			

জীকা।- যে প্র্লে উপবেব লিখিত বর্ণনাপত্তের ৫. ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ নাত্র বিক্রম ১উবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্ক্লে ইচা বৃদ্ধিতে ছইবে যে ঐ অংশৈর মিজ স্বতন্ত্র হিসাব বাধা ইইয়া থাকে ও উপরি লিখিত কংশ ভিন্ন মচালেব অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না।

BIBBHUM COLLECTORATE. (ated Suri, the 9th August 1897.)

#### 

#### জমিদারী বিত্র য়ের বিজ্ঞাপন ।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদদেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জ্বিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত লিওলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত ইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আহে তাহ আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ১৫ সেপ্টেম্বর রিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া খিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বত্ত হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

\$	*		6	Ċ .	<b>&amp;</b>	•		۵
তীজির ।খব।	মহাল ও প্রগন্র নাম।	সম্পূৰ্ণ মহা লেব সদব জম;।	সম্পূৰ্ণ মছাল বিক্ৰয় ছইবে কিনা।	1 .	যে সম্পত্তি বিক্লঘ এইবে তাহাব মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশেব সদর ক্রমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রম হইলে তাহার বাকী	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয হইলে ভাহা: বাকী।
<b>3</b> 24	দান্দরা হিঃ ১১। ১০ ক্রান্ডী পং দান্দরা।	. <b></b>	অংশ	হি <b>সাব পৃথ</b> ক হিঃ ১১১০॥/৮ তিলা		<b>ひっるり</b> ら		85 <b>-० </b> ०/२
8 æ	কিসমত মহেন্দ্র নানারায়ণ পং শুন্দ্বীপ।	409/33	मण्यूर्व		শ্রীমতী আইজা- মেছা।	•••••	. 255122	*** 1, •
<i>\$</i>	চাকলে বামনী জমি- দারী চাং বামনী।	******	অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ ৷৽ আনা ৷	মেঃ পি, জে, ডেলনি গং নাবলগান পক্ষে মাত। অভি-	२९०७७•		004 HD
				•	ভাবক মিদ এলেনা জে, ডেলনি সাহেবা।			
			খাদ মহ	াল টেনিউর —	2110441 1		-	
59æ	চরু উশ্বর রায় মধ্যে ২ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওলা নক্ষ্দলাল।	reele	<b>म</b> ण्णृर्व		আবগুল হাকিম মিঞাজি গং ।		२४०	•••
59 <b>4</b>	থ চর মধ্যে ৩ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওলা ব্রজরাম। মাঝিগং।	<u>१२०॥</u> ७	Ġ		ব্ৰজ্বাম মাঝি গং		२७८०	•••••

Lalit Kumar Das, Deputy Collector in charge.

encourse and I take the grantee of the form the first term of the form the first term of the first ter

#### জিলা বাকরগঞ্জ।—জ্বিদারি বিক্রমের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত জুন কিব্তির বাকী রাজস্ব ও জন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সনের ২৪ সেপ্টেম্বর শুক্রবার তারিখে মোণ বাং ১৮৯৪ সনের ৯ আহিন নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭। ২ আগফা।

,	<b>Q</b>	•	8	•	<b>.</b>	, <b>9</b>	•	>
তীজির নখর।	মহাল ও প্ৰগণাব . নাম।	্সজ্পুর্মজা- ্লেবস্দর জমা।	দম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	হেবলমাত্র অংশ বিক্রম হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় গুইলে ঐ অংশেব দদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হ <b>ইলে</b> তাহাৰ বাক <sup>ী 1</sup>	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰন্ত হইলে ভাহাৰ ব্যকী।
31599	তালুক সৈজ্বদীন যাঁ গং পং বোজরগো- মেদপুর।	•••		এজমালী ৮,১৫ গণ্ডা অংশ নিলাম হইবে। অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না।	ক্কশুকিশোর নিয়োগী গং।	3 · 8 6 4 9 8		৬।।। পাই
8184	পদ্মা ওরফে রম- জানপুর পং কাশীম- পুর সেহলাপট্টী।	(UFO)	সম্পূর্ণ মহা- লের মালিকী স্বত্ত নিলাম হইবে।		হরকুম∤র সেন গং	*** **	۵۶۴)	•••••
હંરજ્રર	চক কচুপাতরা পং চন্দ্রদ্বাপ।	<b>१७</b> २ <sub>)</sub>	সম্পূর্ণ মহা- লের তালুক- দারী স্বত্ব নিলাম হইবে		শশীকুমার বন্থ গং	•••••	৬০৮ <sub>)</sub>	******
8685	ভূষখালা মহাল অধীন ৪নং নিম হাওলা পং সৈদপুর।	<b>∢</b> ∋∉,j⊍	সম্পূৰ্ণ নিম হাওলা নিলাম হইবে।		এরকাহ্নদ্দি গং	•• ••	2224do	*****
À	তুমখালী মহাল অধীন দলচ্চি।২১৮ নং যোত।	(د ه	সম্পূৰ্থাত শীলগম হইবে।		ম্পন পং	•	(د ه ه	*****
£222	1	აი <b>ড</b> ১ ቀ∕აი	সম্পূৰ্ণ হাও- লা নিসাম হইবে।		কাশীচন্দ্র দাস গং	•• ••	<b>४८१५</b> ०७	*****

ষ্টিকা।— যে দ্বলে উপবের লিখিত এগনাশরের ৫. ৭ ও৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইবে ধলিমা লিখিত কাছে সেই দ্বলে ইছা বুঝিতে ছইবে যে ঐ কংকের মিত্ত শ্বতম্ব হিসাব রাখা হইবা পাকে ও মহালের অন্যাব্য অন্যান্য অংশ বিক্রম হয় ন!। B. Bell.,

Offg. Collector.

## জিলাচট্টগ্রাম।—ইন্তাহারনামা কাছারি কালেইরি জিলা চট্টগ্রাম।

ইহান্বারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৭ ইংরাজির ২৫ কেব্রুয়ারি শেষ তারিখের বাকী পড়া ৫০০) টাকার উর্জ্ব জমার নওয়াবাদ ভালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেচ আদারের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আং ১৮৭১ সালের ২ আং ১৮৫৯ সালের ১১ আং ৬ ধারার মর্থমতে ১৮৯৭ ইং ভারিখ ৭ সেপ্টেম্বর মোভাবেক ১৩০৪ বাং ভারিখ ২৩ ভাজ রোজ মজলবার ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রিতে প্রকাশট নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং ভাং ১৯ জ্লাই।

1				म पत्र व	সদর জমা।		নাকীর পরিমান।		
শ্রুমিক নম্বব।	তাশু- কার নগর।	ভালুকার নাম ।	মালিকের নাম।	<b>খ</b> াজানা।	সেম।	খাঙ[ন]।	দেস।	মোট।	<b>मख</b> रा ।
3	ર	•	8	α	<b>.</b>	9	ь	3	>•
	85,9	যোজে জ্জখলা থানা ক্টীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।							
Viv.	20649 208	তাং সেখ ওবেগুলা থাঁ হাং ডাং লডিপা খাতুন থ মোজে ভুজপুর থানা ফটাকছরি মহাল নও-	শ্রীমতী লতিকা খাতুন	·     & o &     & o	<b>(b</b> /o	ee8,	રર મા છ	<b>૯</b> ૧৬ મ <b>ટ</b> / ઇ	•••••
	8283	য়াবাদ।	_						
	२8°२5 ७७48	তাং এয়ার আলি খাঁ হাং তাং ওবেদর রহমান খাঁ।	ওবেদর রহমান খাঁ	رقه۹	७७५/०	086119	3042	0601/6	••••••

CHATTAGONG COLLECTORATE,

The 23rd July 1897.

্র জিলা চট্টগ্রাম।—ইস্তাহার নামা কাছারি কালেইরী জিলে চট্টগ্রাম। J. D. Anderson,

Collector.

সন ১৮৫৯ সালের ৭ ধারার মর্মামুসারে ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে নিম্নের লিখিত মহাল চট্টগ্রাম জিলার রাউজান খাস মহাল স্থিত ১৮৯৭ ইংরেজি ২৫শে মেই শেষ তারিখের খাজানা ও ছেচ বাকির জন্যে ১৮৯৭ ইংরেজি ২৪ আগস্ট তারিখে চট্ট্রাম কালেক্ট্রিতে নিলামে ধরা ঘাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইং তারিখ ৫ জুলাই।

ক্ৰমিক	· Sua			সদ্ব জয়া।			मच्डरा !		
का । मध्य ।	তপুকার মধর।	ভাপুকাৰ নাম।	মালিকেব নাম।	থাজানা।	( <b>5</b> 5 )	वाकागा।	(इं5	মোট ৷	(00)
<b>.</b>	₹	•	8	α	<b>.</b>	4	F	\$	۶۰
PU		মোজে হাপানিয়া থানা কটীকছুরা মহল ন ওয়া- বাদ।—	,				•	•	•
ָּ <b>(</b> ז יִ	\$ \$0.00 8.00	তালুক ফরাদ জ্ঞাফর	ওবেদর রহমান খাঁ পিং তোরাপ আলি খাঁ সাঃ পাঁচলাইশ		७ <b>१</b> ॥/७	<b>60.</b>	£34°	465%·	•••

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 7th July 1897.

J. D. Anderson,

## জিলা খুলনা। জমিলারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া খাইতেছে যে খুলনা জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত দ্বালাগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের খোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৫লো সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১১ টার সময় নিলাবে বিক্রম করা ঘাইবে।

>	2	٥	8	q	b	9	b	۵
ভৌন্দির নথর।	মহা <b>ল ৩</b> প্রগণাব নাম।	সম্পূর্ণ মহালের স্বাদ্য অমা।	সম্পূৰ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হুইলে ঐ অংশ বা ঐ ২ অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রন্ন হইবে তাহার মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশের সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।•	7572 (B/S/-
4413	ধূলিয়াপুর থানা কালীগঞ্জ।	398964Je	ন	।/• শীচ আনা অংশ।	দায়িনী দাসী চৌধুৱাণী।	\$ \$ \$ \$ \$ \$ \$		F281\8 <sub>2</sub>

টীকা – যে শ্বলে উপবের লিখত বর্ণনাপত্রের ৫.৭ ও ১ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রুষ স্টেইব বলিয়া লিখিত আছে সেই শ্বলে ইসা বৃথিতে সইবে যে এ অংশের মুম্মিক শ্বতম ভিসাব বাবা সুস্থা পাকে ও মুলালেব অন্য বা জন্যান্য অংশ বিক্রুষ হয় ন।

KHULNA, COLLECTORATE,

W. H. VINCENT.

The 13th August 1897. )

Collector.

#### জেলা ফরিদপুর।— জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে ফরিদপুর জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত হোলগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সংশেবের আফিসে বাকী রাজ্যস্থ ও অন্য যে সকল দাবী আইনামূলারে বাকী রাজ্যস্থের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৩ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ১৮৯৭। ১০ আগফ।

•	•	. ه	×		<b>.</b>	9	<i>i</i> -	۵
ভৌগির নদর।	মহাল ৩ প্রগণাব নাম (	সম্পূৰ্থ মহা লেব সদব শ্বমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	ক্ষেবল মাত্র অংশ বিক্রম ভটলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশের বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিশ্বয় হউৰে তাহাৰ মালিকগণেৰ নাম i	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হুটলে ঐ অং- শের সদব জমা !	সম্পূর্ণ মহান্দ বিক্রয় গুইলে ভাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হটলে তাহার বাকী।
₹৫0	পং কাশীম নগর মহাল পঞ্চাশ	৫৮৯१	ষোলখানা		: ্ ঈশ্বরচন্দ্র সাহা গয়- রহ।		ە) دە ە	•••••
6676	হাজারী। পং হাবেলী অপণা মামুদপুর সোল- পুরের অতিরিক্ত মহাল।	3.89)		•••••	প্রসন্ত্রার সেন •		? <b>&amp; 3</b> )	••••

<sup>ি</sup> কা। ব্যক্তান উপরের লিখিত বর্ণনাপুত্রের ৫.৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই দ্বলে ইহা বৃক্তিত হইবে যে ঐ অংশের মমিত খৃত্র হিসাধ রাখা হব্যা থ'চে ও মহালের অম্য বা অন্যান। অংশ বিক্রয় হয় না।

J. II. TEMPLE, Collector.

## জিলা মালদহ।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

ৈ ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতৈছে যে মালদহ জিলার অন্তর্গত নিম্নিষ্টিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজ্বস্থ ও অন্য যে সকল দাবা আইনাস্পারে বাকী রাজক্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৫ সেপ্টেশ্বর তারিখে বেলা হুই প্রহর ১ টার সময় নিসামে বিক্রয় করা যাইবে।

>	,	•	8	r	•	9	۲	•
তৌজির নশ্বর।	মহাল ও শরগনার নাম।	সম্পূর্ণ মহাতেব সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয ছইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হইবে তাঙার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে, ঐ অংশের সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হউলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে, তাহার বাকী।
<b>∖</b>	তরফ কাঁকট পার- গণা মাকরাইন।	\$¢08 d∘•	না	অর্থাৎ সম্পূর্ণ মহা- সের ।।	৩। আয়ুব খাঁ পক্ষে ইউসফ খাঁ নাবা- লক।		•••••	ર ne/2
₹∘8	তরক্ষ ফতেপুর পরগনা বাহা- হুরপুর।	29¢311•/•	<b>ন</b> 1	থাকিল। রেনিভুয়ারী অংশ অর্থাৎ সম্পূর্ণ মহা লের দেও আনা অংশ মিলাম হইবে এতদ্ব;তীত অব- শেষ্ট অংশ মিলাম হইতে মুক্ত থাকিল।	৪। বিবি কাদিরন্নে ৫। বিবি সমতন্ত্রে ৬। মহম্মদ সামিকদ্দি	মালি। মালী। না। না। না।	••••	<b>3</b> )
¢¢8		সাবইল প্র কন্তু এ রেজে	াগনা রাজ	 মগর তেজি রোলে পুর চতুর্থ কিশ্মত	৮। মহম্মদ আতাহো রামকুমার সরকার অভিভাবক পক্ষে নাবালক পুত্র রামগোপাল সর- কার।	সে <b>ন</b> । 	8940/	
७२¢	মেজ। চক উজি- য়াল পরগনা রাজনগর।	ଓଃଝଞା⁄ ତ		রেসি ডুয়ারি অংশ অর্থাৎ ১১৬ <sup>১</sup> ৪ ক্রান্তি বার আনা যোল গণ্ডা ২	কার। বিবি কেরোজা খাতুন, সাকের দ্বেসা, পালবি দ্বেসা, সামিক্দিন আখাত্মদ চোধুরী,	<b>२१</b> ७१/०		<b>₹∘৸৵</b>
	•			ক্ষান্তি অংশ নি- লাম হইবে। এত- বাতীত অবশিষ্ট অংশ নিলাম হই- তে মুক্ত থাঞ্চিল।	আজিকদিন আহাত্র মাজিকদিন আহাত্র বেসারত আলী চো আলী চৌধুরী পক্ষে ম্বেমা, ও তামিজমে	দ চৌধুরী, স ধুরী স্বয়ং ও দাখিনা খা	ামিরন্নেসা, বেসার্ত- তুন,আলিব-	•

উলিখিত মহালগুলি ১৮৯৭ সালের বাকী রাজস্ব আদায় জন্য নিলাম হইবে। ইতি টীকা—যে দ্বলে উপবেদ লিখিত বৰ্ণনাপত্তেব ৫.৭ ও ৯ ঘৱে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় চইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই হুলে ইহা ধুনিতে হইবে যে ঐ অংশেব শিমিত স্বতন্ত্র হিদাব দাখা হুইয়া থাতে ও মহাকেব অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

MALDA, COLLECTORATE

J. H. Lea,

The 10th August 1897.

Sollector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for each only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and tweive annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

## ক্সরত্ব সিন্কোনা।

কলিকাডান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিভেন্টের নিকট গবর্ণযেন্টের কর্মচারিগন এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পোও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূল্যে
ক্রম্ম সিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ওন্স টিন ২ ! । টাকাম্ন, আট ওন্স টিন ৫ - টাকায় ও এক পোও
টিন ১ ০ টাকায় পাইবেন । সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিভেন্টের নিকট নগদ মূল্য
দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ওন্স টিন ৬ টাকায়, আট ওন্স টিন ৬ টাকায় এবং এক পোও টিন
১২, টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাতার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেভাগণও এই
ঔষধ বিক্রম করিয়া থাকেন । উপরোক্ষ হার ছাড়া চারি ওন্স টিনের । , আট ঔশ ভিনের সং

বঙ্গদেশের গ্রণমেন্টের সিন্কোন। আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।

১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে, যথা—

১ এক পেণ্ডি টিন ১৮) বা ডাক মাণ্ডল সমেত ১৮৭০

॥ जार्थ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,,

1 門体 ,、 ,、 811° ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরপে প্রপ্তত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপকৃষ্ট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপুর্ব্বক মিশান হয় নাই তাহার গ্যারাটী দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটছ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্বপারিটেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া যাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengala Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

Rs. ... 10 Entire Gazette per annum. Postage Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-• Entire Gazette Postage 1 Parts III, IV, V, and VI abeera under with ۵n additional charge of 1 anna for every sheets in excess

Postage ... 0 1 0

\* For Calcutta.

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. Bakke.

Offg. Under-Secretary to the Goot. of Bengal.

১৮৮৩ সাল ২১ ফেক্রেয়ারি।—বাজালা গবর্ণযেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্যান্থল এই অবধি ভিন্ন-লিখিত হাত্তে অগ্রিয় দিতে হইবে :—

	यकः मत	7			টাকা।
সম্পূৰ্ণ গেচ্ছেট	•••	•••	•••	বৎসর	> ~
ডাকমান্থল	•••	•••	•••	7>	रे।। •
9 9 8 9 ¢ 9 6 \$ 9	( যাহাতে ৭	চারভবর্ষের	ও বজ-		
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার ভ	गरेन 🕶 🤊	<b>শাইনের</b>		
পাণ্ডুলিপি থাকে )	•••	•••	•••	,,	8,
্ ভাকমান্থল	•••	•••		"	١,
<b>স</b> ম্পূর্ণ একখানি গেজেটের	যুল্য	•••	***	,,	1•
ডাকমান্থল	•••	•••	•••		/•
0 8 8 8 8 8 B C	<i>প্ৰত্যেক</i>	৪ পৃষ্ঠা ৰা	তাহার		
ন্যন সংখ্যক প্	(ঠার মূল্য)	•••		<b></b>	/• ৪ পৃষ্ঠার উপর <sup>যক্</sup> <b>অধিক হ</b> য় ভাহার <b>এচে</b> ড়ক
,					' ৪ পূচা প্রতি সার
					একং আন) ৷
ভাক্ষাখ্য	• ••		• •	•	/•

কৰিকাভায়।

কালকাভায় ও মক:সলে সমান মূল্য, কলিকাভায় কেবল ডাকমান্থল লাগিতে না। ই, এন, বেকার।

वक्रम्मात भवर्वसम्बद्धेत अकृष्टिः ছोहे म्हाकेती।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

• The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editious, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible, I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country-Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDY, GOVY. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. BOLTON, Under-Secretary to the Goot. of Bengal,

12 h December 1882.

Note.	Rates uf	adverti <b>eem</b> en <b>ts</b>	in the Calcutta	GAZETTE.	ŀав.
Full pa	age, per i	sue	•••	•••	30
Half	Comal	edvertigement	4 annss ner lin	•••	10

#### বিজ্ঞাপম।

কলিকাতা গেজেটের কিয়া বালালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজেট  $c^{7}$ ওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেছর মাসের ২০ ভারিখের জ্ঞাপনপত্রাভিরিক্ত এই মর্ঘের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিম্বা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিম্ন কোন ন্যক্তি বালাল সেক্টোরিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাম্বানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে তম্মিত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেক্টোরিয়েটের আকেণ্টিনেটের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ্রেক্তি কার্য্যালয় ভিন্ন গোলেটে ইপভিয়ার কি বিজ্ঞাপন প্রভৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ভাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণ্টি বাদ দিবার জন্যে টাকার উপর আর ৴৽ এফ আনা পাঠাইডে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টন, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের ছোট সেক্রেটরা।

#### ১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মন্দ্ৰব্য।—কলিকাতা গেলেটে ইণাতিহার একাশ করিবা	র হাব এইং।-	-			Biel:
পুৰা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ করণের	•••				3.0
न्त्राथ १ । की	•••		••		>
কথন কথন <b>ইশভিষার প্র</b> কাশ করিতে ছইলে	<b>এकर पै</b> कि		••	100	10

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., M.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

### বাজাল সেকেটারিয়েট যন্ত্রালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে ।

বারিফার-আট-লা ও ঐ ঐ এমতীর বলদেশের সিবিল সব্বিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডি ফ্রিক্ট ও সেশন জব্দ ও রেন্ট কমিশ্যনের মেধর, ইনর টেম্পলের ঐ যুত সি, ডি. কিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি সাছেবের প্রণীত বলদেশের ঐ যুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাছেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূষ্যধিকারীর প্রজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

### একং থানি পুল্যকের মূল্য, ৫, পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাজাল সেক্রেটারিয়েটের আকৌন্টান্টের নিকট একং খানি পুত্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।/• পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য।—উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলকে বজদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকান্তার স্থানেড ওয়েষ্ট টোন হালের হাতায় ছিত বজদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে রেজি-টারের নামে শিকোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে ৷

উক্ত সকল আইনের পুত্তক কলিকাতার গবর্ণমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিন্ত কোমানির বাটীতে ক্রয় করিতে পাওয়া বায়।

#### INSOLVENCY NOTICE.

COURT FOR THE RELIEF OF INSOLVENT DEBTORS AT CALCUTTA.

In the matter of CHUNI LAL BOID AND ANOTHER, Insolvents.

Notice is hereby given that Tuesday, the 7th day of September next, is appointed for the further hearing in this matter for the purpose of declaring a dividend, and that an account in detail of the receipts and disbursements of the Official Assignee, from the 3rd day of April until the 30th day of July 1897, has been filed, and may be inspected in the Office of the Chief Clerk. Any Creditor or other person interested who may intend to establish or oppose any claim upon the Estate of the said Insolvent will be heard, notice having been given at the Office of the Chief Clerk three clear days before the hearing.

The like Notice.—In the matter of CHANDMULL JORWARMULL, Insolvents Wherein the account of the Official Assignee, from 9th February to 30th July 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

The like Notice.—In the matter of BHOYRODAN AND ANOTHER, Insolvents. Wherein the account of the Official Assignee, from 22nd July 1896 to 30th July 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

The like Notice. —In the matter of DHARUM CHAND, an Insolvent. Wherein the account of the Official Assignee, from 18th February to 30th July 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

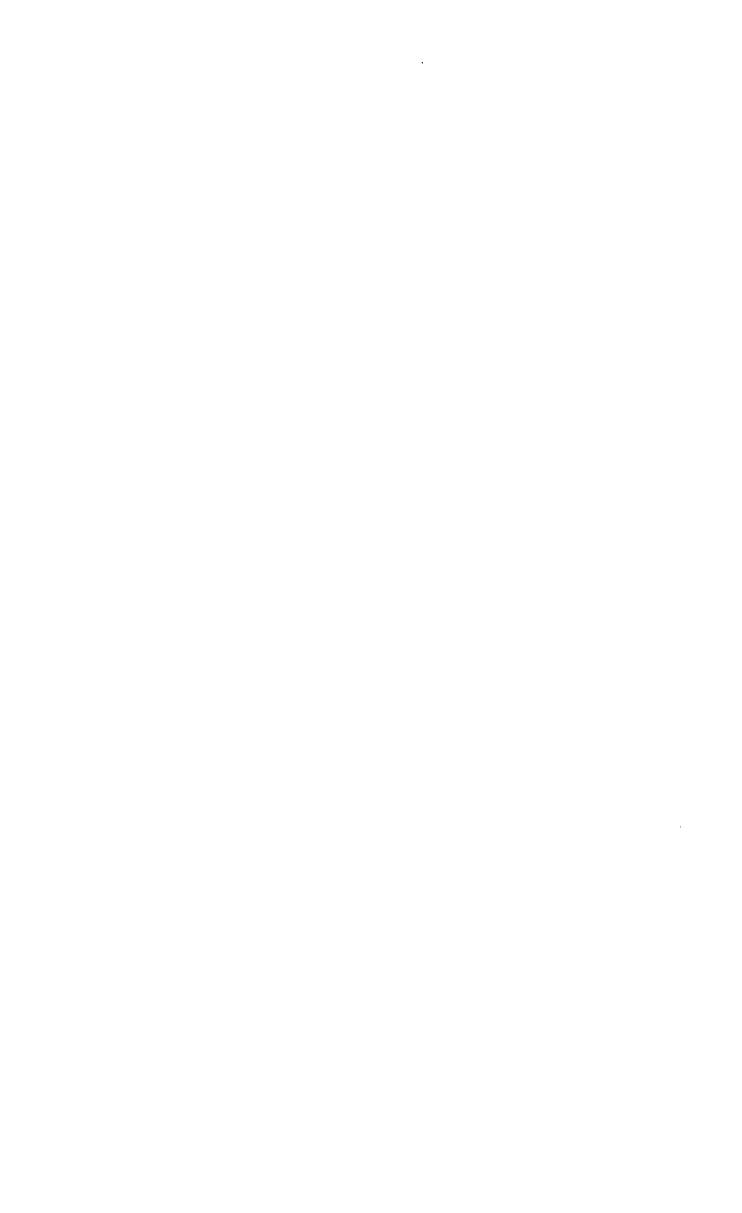
The tike Notice.—In the matter of JOHURRYLALL PAUL AND ANOTHER, Insolvents. Wherein the account of the Official Assignee, from 15th February to 30th July 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

Official Assignee's Office, Calcutta, 16th August 1897.

A. B. MILLER,
Official Assignce.

(12-1)

কালকাতা প্রেসিডেকা কেল যন্ত্রালয়ে গ্রেব্মেটের জন্য আযুত জেম্স পেটা সাহের কর্তৃক মুক্তিত ও প্রকাশিত হইল।







# शवर्वामणे श्राखि।

## मञ्जलवात, ১৮৯१ माल २८ व्यागक ।

CONTENTS.		1	
	PA	es. নিৰ্বট i	
PART I.—Resolutions, Orders and Notificions of the Government of Ir		াৈ. প্রথম শশু।—ভারতবর্ষীর গ্রবন্মেন্টের নির্ছারণ	<b>ज्</b> रे ।
PART II Resolutions, Orders and Notice	fica-		নাই।
tions by the Lieutenant Gover	rnor	বিতীয় শশু।—বলদেশের গবর্ণমেণ্টের মিছারণ	714 1
of Bengal	N		নাই
PART IIA.—Orders by the Lieutenant-Gov	ver-		নাই
nor of Bengal	N		
PART III Acts of the Legislative Council	l of	আইন	নাই
Indi <b>s</b> .	N	া. চতুর্ব খণ্ড।—ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনের	
PART IV.—Bills of the Legislative Council	of		নাই।
India	N	7 )	নাই।
PART V Acts of the Bengal Council	N		
PART VI.—Bills of the Bengal Council	N	া. পাতৃলিপি	নাই।
PART VII.—Circular Orders by the H.	igh	দৰ্ম খণ্ড।—হাই কোর্টের ও রেবিনিট ব্যেডের	
Court and Board of Revenue	1-	O States waterways	<b></b> \$
PART VIII.—Advertisements	409-4		•
SUPPLEMENT	N	1 autobal automalia anna	गाव ।
		1	

## সপ্তম খণ্ড।

হাই কোর্টের ও রেবিনিউ বোর্ডের সাধারণ জ্ঞাপনপত্র।

## সপ্তম খণ্ড।

## সরকুসর অর্ডর।

বঙ্গদেশের অন্তর্গত ফোর্ট উইলিয়মস্থ হাই কোর্টের আদেশমতে প্রচারিত সরকুলর অর্জর।

#### বর্ত্তমান বিধি।

২৪ বিধি। [সেশন জজের কালেণ্ডার পূরণ সম্বন্ধে উপদেশ।—১৮৭৯ সালের ১৪ই অফ্টোবর তারিখের নম্বর সরকুলর অর্ডর।]

(য) সেশন জজদিগকে মন্তব্যের যরে নিম্নলিখিছ বিষয়গুলি লিখিতে হইবে: - কোন বিচার মুলভবি রাখা হইলে সেই মুলতবির হেড়, কোন কয়েদির উপর নির্জ্জন কারাবাদ দণ্ডের আদেশ হইলে দেই দণ্ডের কাল, ঐ সেশনেই ভিন্ন এক মোকদ্দমায় প্রদত্ত দণ্ডের অতিরিক্ত দওস্থরপ কয়েদির উপর দণ্ডাজ্ঞার আদেশ হইলে কিম্বা কয়েদী যে দণ্ড ভোগ করিতেছে সেই দণ্ডের কাল অতীত হইলে ভোগ করিতে হইবে এমন দণ্ডাজ্ঞা প্রদন্ত হইলে সেই কথা, ছবির মীমাংসা সম্বন্ধে জজের মত অর্থাৎ ঐ মতের সহিত তাঁহার মতের ঐক্য আছে কি না এবং তাঁহার মতে মোকদ্মার সাক্ষা বিবেচনায় ঐ বিশেষ নির্ণয় ন্যায়্য কি না এবং মতভেদ হইলে সেই মতভেদের কারণ (>) এবং যে ব্যক্তি মৃত্যু দভে দশুনীয় দেই ব্যক্তির উপর যে কারণে মৃত্যু দণ্ড ভিন্ন অপর কোন দভের (কেজিদারী মোকক্ষার কার্য্য-প্রণালী বিষয়ক আইনের ৩৭৪ ধারা) আদেশ হইল ভাহা, কোন বিশেষ মোকদ্দমায় বিশেষ লঘু বা বিশেষ কঠোর দণ্ডাজ্ঞা প্রদান করিবার হেতু এবং ছাই কোর্ট যাহাতে কেজিদারী মোকদ্দমার কার্য্য-প্রণালী বিষয়ক আইনের ৩২ অধ্যায়ের প্রদক্ত সংশো-ধন করিবার ক্ষমতা পরিচালনে সক্ষম হন তজ্জন্য সাধারণতঃ যে যে বিষয়ের উল্লেখ আবশ্যক সেই সেই বিষয়।

## কেজিদারী।

১ নং, তারিখ ১২ই জুলাই, ১৮৯৭ সাল। হাই কোর্টের ফোজদারী সাধারণ বিধি ও সরকুলর অর্ডর পুত্তকের ২০ পৃষ্ঠায় ১ অধ্যায়ের ২৪ বিধির (ষ) দকার পর নিম্নলিখিত শব্দগুলি বসাইতে হইবে:—

কোন শতিষুক্ত ব্যক্তির উপর ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৭৫ ধারার অর্থান্থযায়ী অভিযোগ সম্পর্কে বর্দ্ধিত দণ্ডের আদেশ হইলে সেশন জক্ষকে মন্তব্যের যরে ঠিক পূর্ব্ববর্তী অপরাধ নির্ণয়ের তারিখ, ঐ উপ-লক্ষে প্রদক্ত দণ্ড এবং পূর্ব্বে যতবার অপরাধ সাব্যস্ত বা স্বীকৃত হয় তাহার মোট সংখ্যা লিখিতে হইবে।

CHUNDER NATH BOSE,

Bengali Translator.

<sup>(</sup>১) যে সকল স্কুলে আনেসেরের সাহায্যে মোকক্ষার বিচার হয় নেই সকল স্কুলে ঐক্লপ কারণ লিখিবার প্রয়োজন নাই।



# গবর্ণমেণ্ট গেজেট

TUESDAY, AUGUST 24, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৪ আগফ।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्रहेम थए।

• ইশ্তিহার এভৃতি।

#### LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাহার।

## जिना वीत्र**ृ**य । — अभिमाति विकासित विज्ञालि क।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বীরভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্রর সাহেবের আফিসে বাকী রাজ্বত ও অন্যয়ে সকল দাবী আইনাম্নারে বাকী রাজ্বত্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত সন ১৮৯৭ সালের ২৭লে সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

,	२	৩	8	Œ	•	٩	<b>L</b>	9
ভৌজীব মধুর।	মহাল ও পারগনাব নাম।	সম্পূর্ণ মহালেব সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয হইবে কি না।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে ঐ অংশেব সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে তাহার বাকী।
১ • ১ নং	হেৰুকা, প্রগণা আক্বরসাহি ধানা মোড়ে- শ্বর।	300200	<b>मच्चृ</b> र्न		ভোলানাথ ঘোষ দিগর।		8716	
১০৯ নং		3 to 0 0 0 0		এজমালি অংশ রকম		৯২ ৩।। ১		৮(৪ পাই।
১০৩ নং	খনা, ेপরগণা খটজা থানা সিউড়ী।	3 OB Od o	•••••	হইবে না। এজমালি অংশ রকম ।।৯।—১৫ তিল এই এজমালি অংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নীলাম হইবে না।	গিরিশ চন্দ্র চট্টো- পাধ্যায় ।	१७२/०		<b>८</b> ॥२
১৭০ নং	জাকুনি পরগণা স্বরূপদিংহ ধানা মোড়ে- শ্বর।			১৭০ २ নং পৃথক হিসাব ২ নং পৃথক হিসাব কাজিপুর বাগ- বাদিনী ও ভুড়ি গ্রাম মোজার রকম মোল আনা এবং সাহাজাদপুর নও- মাবাদ মোজার রকম।/০ জানা এই পৃথক হিসাব ভিন্ন মহালের জন্য কোন অংশনীলাম হইবে না।	সতীশ চন্দ্র মুদেখা- পাধ্যায় দিগর।	<b>4</b> 9₹  •⁄∘		₹৯ /•

টীকা।-- যে গলে উপবের লিখিত বর্ণনাপতেব ৫. ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে তেই স্থলে ইহা বৃথিতে ছইবে যে ঐ অংশের লিমিন্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে এ উপরি লিখিত অংশ ডিল মহালেব অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না।

BIEBHUM COLLECTORATE, Dated Suri, the 9th August 1897.

#### जिना (बाग्नायानी।

#### জমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত হালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্থ ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত দাইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্থের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ১৫ সেপ্টেম্বর গারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্গনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লখিত আছে সেই হলে প্র অংশের নিমিত্ত স্বত্ত হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য সংশ বিক্রয় হয় না।

<b>\$</b>		•	8	¢	•	9	· •	۶
তে জির নপর।	মহাল ও প্রগনার নাম।	সম্পূর্ণ মহা- লের সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মছাল বিক্ৰয় ছইবে কিনা।		যে সম্পত্তি বিক্রম হইবে তাহাব মালিকগণের নাম ৷	কোন তাংশ মাত্র বিক্রয় চইলে ঐ তাংশেব সদর ক্রমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রম চইলে তাহার বাকী	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহার বাকী।
75	দাব্দরা হিঃ ১১। — ১০ ক্রান্তী পং দাব্দরা।		অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ ।১/১ ।।/৮ ডিল।		४०२५७		85°०।•/२
8 &	কিসমত মহেন্দ্র নানারায়ণ পং শুদ্দীপ।	७७१/১১	मण्यूर्व		শ্রীমতী আইজা- মেছা।		255177	••• •• .
<i>\$</i> <i>\$</i> 22	চাকলে বামনী জমি দারী চাং বামনী।	•••••	অণ্শ	হিসাব পৃথক হিঃ ।॰ সামা ।	মেঃ পি, জে, ডেলনি গং ু নাবালগান পক্ষে মাডা অভি	२९९।५५•	<b></b>	<b>¢¢५</b> ५৯
			·		ভাবক মিস এলেনা জে, ডেসনি সাহেবা।			
			খাদ মহ	াল টেনিউর—			,	
<b>১</b> ৬৭¢	চর উশ্বর রায় মধ্যে ২ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওলা নজুদলাল।	raa <sub>l</sub> a	সম্পূর্ণ		আবহুল হাকিম মিঞাজি গং।	••••	<b>₹₽</b> ₽ •	
369¢	থ চর মধ্যে ৩ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওলা ব্রজরাম মাঝি গং।	<b>१२०॥</b> ৶०	Ý	•••••	ব্ৰজ্বাম মাঝি গং	•••••	<i>২৩</i> ১ <sup>,</sup> ০	••••••

Lalit Ki mar Das, Deputy Collector in charge.

## **जिना वाकरगञ्ज ।—क्यामादि विकास** विज्ञापन क।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত জন কিন্তির বাকী রাজস্বে ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সনের ২৪ সেপ্টেম্বর শুক্রবার তারিখে মোং বাং ১৬০৪ সনের ৯ আশ্বিন নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭। ২ আগস্ট।

3	9	•	8	•		1	ь	3
ভৌজির নম্বর।	মহাল ও প্রগণার কান।	সক্তৃথ মহা- লেব সদর জমা।	সম্পূৰ্মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রেয় ছউলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিৰষণ।	যে সম্পত্তিবিক্রয় হইবে ডাহার মালিকগণের নাম।	কোম অংশ মাত্র বিক্রয় হউলে ঐ অংশেব সদর জমা।	স <b>স্</b> পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহার বাক <sup>ী।</sup>	কোম অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহার ৰাকী।
<b>3699</b>	তালুক সৈজ্জীন খাঁ গং পং বোজরগো- মেদপুর।	•••••		এজমালী ৮,১৫ গণ্ডা অংশ নিলাম হইবে। অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না	ক্বঞ্চকিশোর নিয়োগী গং।	\ \\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\		<b>७। आ</b> र
8486	পদ্মা ওরকে রম- জানপুর পং কাশীম- পুর সেহলাপট্টী।	ومحادي	সম্পূর্ণ মহা- লের মালিকী স্বত্ব নিলাম হইবে।	······	হরকুমার সেন গং		334)	••••
<b>७</b> २ <b>৯</b> २	চক কচুপাতরা পং চন্দ্রদ্বীপ।	<sup>٩७२</sup> )	সম্পূর্ণ মহা- লের তালুক- দারী স্বত্ব নিলাম হইবে	• • • • •	শশীকুমার বস্থ গং	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	৬০৮	••••
8683	তুষখালী মহাল অধীন ৪নং নিম হাওলা পং সৈদপুর।	وار ۽ وه	সম্পূর্ণ নিম হাওলা নিলাম হইবে।	••	এরফাহদি গং	•• •••	333400	•••••
<b>9</b>	ভূষখালী মহাল অধীন ৬৮ ৮৪ ২১৮ নং যোত।	٥٠١)	সম্পূৰ্যোত নিলাম হইবে।		मन्त्र १९	••••	& ° \$ )	•••••
<b>e</b> २२२		S o & S   e∕ S o	সম্পূর্ণ হাও- লা নিলাম হইবে।		কাশীচন্দ্ৰ দাস গং	*****	<b>₽</b> 8₹ <b>り</b> ₀∕७	•••••

টীকা।—যে দ্বলে উপরের লিখিত বর্ণনাশত্রেব ৫, ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই দ্বলে ইহা ব্রিতে ছইবে যে ঐ অংশের নিমিত্ত শতস্ত্র হিসাব লাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রম হয় না।

B. Bell,

Offg. Collector.

## জিলাচট্টগ্রাম। – ইস্তাহারনামা কাছারি কালেক্টরি জিলা চট্টগ্রাম।

ইহারারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৭ ইংরাজির ২৫ ফেব্রুয়ারি শেষ তারিখের বাকী পড়া ৫০০) টাকার উর্দ্ধ জ্যার নওয়াবাদ দ তালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেচ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আং ১৮৭১ সালের ২ আং ১৮৫৯ সালের ১১ আং ৬ ধারার মর্থমতে ১৮৯৭ ইং তারিখ ৭ সেপ্টেম্বর মোতাবেক ১৩০৪ বাং তারিখ ২৩ ভাদ্র রোজ মঙ্গলবার ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রিতে প্রক্ শা নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৯ জুলাই।

			म भव	ভুমা।	কা	কীর পবিমা	াৰ ৷	_
চ তালু কাব নগর।	ভালুকার নাম।	মালিকের নাম।	খান্তান।	সেদ।	খাঙ্গন।।	(সম্	মোট।	<b>ম'ঙ</b> ব্য
<b>ર</b>	٠	8	· ·		9	Ь В	ه ا	3.
86.7	মেডিজ জ্জখন। থানা ক্টীকছরি মহাল ন ও- য়াবাদ।							•
2064 200	তাং সেখ ওবেহুলা থা ভাং ডাং লডিপা খাড়ন	শ্রীমতী লতিকা খাতুন	2202119	(b)	448)	રર મનુહ	@95420	•••
878	মোক্সে ভূজপ্র থানা ফটীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।							
२ <b>८</b> ०५	১ তাং এয়ার আলি খাঁ হাং	ওবেদর রহমান খাঁ	920)	<b>૭</b> ૯૫/	৩৪৬॥৯	:042	060/6	

The 23rd July 1897. জিলা চট্টপ্রাম। - ইস্তাহার নামা কাছারি কালেকুরী জিলে চট্টপ্রাম। Collector.

সন ১৮৫১ সালের ৭ ধারার মুর্যামুসারে ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে নিমের লিখিত মহাল চট্টগ্রাম জিলার রাউজান খাস মহাল স্থিত ১৮৯৭ ইংরেজি ২৫শে মেই শেষ তারিখের খাজানা ও ছেচ বাকির জন্যে ১৮৯৭ । ইংরেজি ২৪ আগষ্ট তারিখে চট্টগ্রাম কালেক্টরিতে মিলামে ধরা ধাইবে। ইতি সম ১৮৯৭ ইং তারিখ ৫ জুলাই।

-মিক			-16	≯ দেব আহা।			বাকী।		মন্ত্র)
জ্ঞানক নগব। তলুকাব নথব। ব	ভালুকাব ন:ম !	মালিকেব ন¦ম :	যাকান।	(इह।	<b>ধা</b> ছাল।।	(ছচ	মোট :	শন্তব:	
,	₹		5	Ġ	<b>&amp;</b>	4	ъ	. 2	<b>ک</b> •
>	र रण्डर <b>ड</b> १०७	মেডিজ হাপানিয়া থানা ফটীকছরী মহল নওয়া- বাদ।— তালুক ফরাদ জাফর	ওবেদর বহমান ২ঁ। পিং ভোরাপ আলি খাঁ স <b>়ং পাঁ</b> চলাইশ।	৮৯৭	\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\	L.O.	e30/0	<b>৬৮</b> ১ৡ∕ ৽	•••

The 7th July 1897.

Collector.

## किना धुनना। জমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে খুলনা জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত ্ছালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহ্নসারে বাকী াজন্মের ন্যায় আদায়ের গোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৫শে সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১১ টার সময় নিলামে বিক্রয় म्बा घारूरव ।

>	₹	"	   B 	a	•	9	b *	۵
ভৌজির নধর।	মহাল ও প্ৰগণাৰ ন্মে :	ু সম্পূর্ণ মহালের সদ্ধ জমা।	বিক্ৰম হটবে	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হুইলে ঐ অংশ বা ঐং২ অংশেব িংশেধ বিবরণ।	ষে সম্পত্তি নিক্রম হ <b>ই</b> বে ভাহার মালিকগনেব নাম।	कहरत जे	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয হইলে তাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।
9913	ধূলিয়াপুর থানা কালীগঞ্জ।	59896hJa	না	।/ <b>০ পাঁ</b> চ আনা অংশ।	দামিনী দাসী চৌধুৱাণী।	486549 <del>8</del>	•••	P78  8 3

টীক। যে দ্বলে উপবেব লিখত বৰ্ণনাশ্যের ৫.৭ ও ৯ ঘবে কে.ন অংশ মাত্র বিক্রম স্কটনে বলিয়। শিখিত আছে সেই দ্বলে ইয়া বুলিতে স্কটনে যে এ অংশেব ংমিত স্বতন্ত্র হিসাব রাশা হইয়া পাকে ও মহালেব অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রম হয় ন।।

KHULNA COLLECTORATE,

W. II. VINCENT.

Collector

The 13th August 1897. )

## জেলা ফরিদপুর। - জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে ফরিদপুর জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত ্ছালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনামুসারে াকী রাজন্মের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৩ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১১ টার সময় নিলামে বৈক্রুর করা যাইবে। ১৮৯৭। ১০ আগফ।

>	*	9	R	· .	<b>.</b>	4	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	<i>à</i>
ভৌঞ্জির নশ্ব ।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম ৷	সম্পূর্ণ ছয়- লেন স্প্র জম্ব	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রম হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হউলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিজেষ হইবে ভাহাব মালিকগণের নাম!	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় কুইলে ঐ অং- শেব সদর জম:।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় কইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র থিক্রয হটলে তাহাব বাকী।
₹₡०	পং কাশীম নগর মহাল পঞ্চাশ হাজারী।	৫৮৯২	ষোলআনা		ঈশ্বচন্দ্র সাহা গয়- বহ।	•••••	ه ۵۰۵ ره	
P\$2P	পং হাবেলী তপণা মামুদপুর সোলু- পুরের অতিরিক্ত মহাল।	3.89)	d)		প্রসন্ধকুমার সেন		<b>२७</b> ३)	,

জীকা। - যে দুনে উপবেব লিখিত বৈনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই দুলে ইহা বুঝিতে হইবে যে ঐ অংশের র্মিত খতর হিসাব রাধ, হ য়। থ'ডে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না। J. H. TEMPLE,

Collector.

## जिमा मानम्ह। — जिमाति विकट्यत विज्ञापन क ।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে মালদহ জিলার অন্তর্গত দ্মিলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিনে বাকী রাজ্বস্থ ও অন্য যে সকল দাবা াইনামুসারে বাকী রাজ্জন্তর ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৫ সেপ্টেম্বর তারিখে বেঙ্গা গুই ছের ১ টার সময় নিসামে বিক্রয় করা যাইবে।

>	,	७	8	a		9	è	•
তাব্দিব নধর।	মহাল ও প্রগনার নাম।	সম্পূৰ্ণ মহালেব সদৰ জম।।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইবে কি না।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রম চইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	হইলে, ঐ	নম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম ঘটলে তাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে, তাহাঃ বাকী।
) UU	তরক কাঁকট পর- গণা মাকরাইন।	2¢08lvo∙	<b>គា</b>	অর্থাৎ সম্পূর্ণ মহা- লের ॥০ আট আনা অংশ নিলাম হইবে। এতন্ত্য ঠীত অবশিষ্ট অংশ নিলাম হইতে মুক্ত	২। আয়ুব খাঁ স্ব ৩। আয়ুব খাঁ পক্ষে ইউসফ খাঁনাবা- লক।	<b>१७१</b> ৶•		२ ४ ८ ३
₹∘8	তরফ ফতেপুর পরগনা বাহা হুরপুর।	39¢3   <sub>9</sub> /°	না	অর্থাৎ সম্পূর্ণ মহা স্বের ৮৫ - আনা অংশ মিলাম হইবে এতদ্বংতীত অব- শিষ্ট অংশ নিলাম	৬। মহম্মদ সামিকদি ৭। মহম্মদ নাসিকদি	মালি। মালী। না। না। না। না।		3)
448	!	রাজনগর	ভৌজি রোগ	ল লিখিত আছে	৮। মহম্মদ আতাহো রামকুমার সরকার অভিভাবক পক্ষে নাবালক পুত্র রামগোপাল সর	সে <b>ন</b> । 	8940	
<b>.</b> ₩ હ <b>ર</b> α	াকস্ক এ রেজেফ মৌজা চক উজি- য়াল প্রগনা রাজনগর।		•	কশমত লিখিতআছে  রৈসি ভূয়ারি অংশ  অর্থাৎ ৮১৬ = $\frac{5}{8}$ ক্রান্তি বার আনা  যোলগণ্ডা ২ $\frac{5}{8}$	কার। বিবি কেরোজা খাতুন, সাকের দ্বেসা, পালবি দ্বেসা, সামিকণিন আহাম্মদ চৌধুরী, আজিকদ্দিন আহাম	২৭৬৭৴৽ ফুদ্ চৌধরী, ব	নভিফল্লেসা	₹∘৸৵
·				কান্তি অংশ নি- লাম হইবে। এত- ব্যতীত অবশিষ্ট অংশ নিলাম হই তে মুক্ত থাকিল।	মাজিকদ্দিন আহাম্ম বেসারত আলী চো আলী চোধুরী পক্ষে দ্বেসা, তামিজদ্বেসা	দ চৌধুরী, স ধুরী স্বয়ং সাধিনা খা	ামিরন্নেসা, ও বে <u>সা</u> বুত- তুন,আলিব-	•

উল্লিখিত মহালগুলি ১৮৯৭ সালের বাকী রাজস্ব আদায় জন্য নিলাম হইবে। ইতি টীকা –যে স্কলে উপবের লিখিত বর্ণনাপত্তের ৫. ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয হউবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্কলে নিহান শর্পে *ক*ইবে যে এই অংশের খতত্র হিদাব কাথা হইয়া থাকে ও মহাজের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিঞ্চ হয় ন।।

MALDA COLLECTORATE, The 10th August 1897.

· II. LINA,

Collector.

#### किना वर्षमान।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এডদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইডেছে যে, বর্দ্ধমান জিলার অন্তর্গত নিম্ন-লিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সালের মার্চ কিন্তির বাকী রাজন্ত্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাত্মসারে বাকী রাজন্ত্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিক্ত ১৮৯৭ সালের ২৪ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১২টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

3	<b>\</b>	9	8	C C	8	9	<b> </b>	>
তৌছির নসর।	মহাজ ও প্রগণাব নাম্।	সম্পূর্ণ মহা- লের সহর জমা!	সম্পূৰ্ণ মহাল বিজ্ঞায় হুইবে কিন্দা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রম হইলে ঐ অংশের বা ঐ অংশের বি শেষ বিধবন ৷ উল্লি- থিত অংশ ব্যতীত অন্যান্য অংশ বিক্রম হইবে না ৷	বে স≪। জি বিজ্ঞাহ হইবে ভাহার হালিকগণে ব নাম ।	কোন অংশ ঘণতা বিক্রয় ছইলে ঐ অং- শেব সদর ক্রমা।	সম্পূৰ্ণ মৃত্যুল বিক্ৰয় হৰীলে ভাৰাৰ বানীঃ	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ঘটলে ওগগর ব্যক্তী ঃ
હર	পলশোনা পং ধেঞা	ر د داراه ۰ ۹۶۰ ۱۹۶۰ - ۱۱		এই মহালে ২,৩, ৪ ও ৫ নংপৃথক	আ <b>ভ</b> ভোষ চ <b>ন্দ্ৰ</b> দিং	<b>&gt;</b> \&\&	•	באשנט
				হিসাবের মহাল বাদে ১নং পৃথক		•		
				হিসাবের মহাল নিলাম হইবে				!
				মূল মহাল ও				
				বাকি পতিয়াছে ভাহার নিলাম				
				জন্য পৃথক ইস্তাহার দে				
				ওয়া গেল।				
७२	পলশোনা পং ধেঞা	( د ایاه ۱۹۶۰	· i	এই মহালে २,७, 8 ও ৫ নং	আশুতোষ চন্দ্ৰ দিং	२०५४।१		567 Have
		1		পৃথক হিসাবের মহাল বাদে			•	,
		1		মূল মহাল				,
				निनाम श्रेटित ১ नः পृथक				
	•			হিসাবও বাকি পড়িয়াছে তা-				
				হার নিলাম				
				জন্য পৃথক ই <b>ন্ডা</b> হার দেও-				
		; ;		য়া গেল।				
•	,			* * * * * * * * * * * * * * * * * * *				

টীকা।— যে খলে উপবেৰ লিখিত বৰ্ণনাপজের ৫. ৭ ৪ ৯ লবে কোন ভাংশ মাজ বিক্রয় হউৰে বলিয়া লিখিত আছে সেই গুলে ইড! বুবিতে হউবে যে ঐ আংশের অমিছ ওতল্প হিসাবে রাথা হইয়া খাকে ও মহালেব অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

BEJOY K. BOSE.

For Collector.

#### জেলা বৰ্ষমান।—নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বর্জমান জেলার অস্তঃপাতি নিম্নলিখিত মৃহলে গ্রন্মেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অভ্সারে উক্ত বর্জমান জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৭ সনের ২৪শে সেপ্টেম্বর তারিখ মোতাবেক বান্ধলা ১৩০৪ সনের ৯ আখিন তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রম হইবেক।

খরিদারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ত্ত সকলে বাধ্য হইতে হইবে।—

#### নিলামের সর্ত্ত ;---

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্ট্রর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্দিষ্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্বা-পেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদ্ধা-রকে ইহার মালিকজ্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরস্থ রূপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদ্ধারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।

দ্বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইরাছে এবং এইক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভিনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত্ত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা ক্রমক প্রস্তা দ্বারা দত্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্থীকার করিতে খরিদারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০ টাকার অন্ধিক হইলে সমুদ্য টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার ঊদ্ধ হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ ডৎক্ষণাৎ
দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের
মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্ব্ব উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে
তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে
(যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার
ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি শবিদ্ধারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

তৌজির নম্বর।	মহাজ ও প্ৰগণাৰ নাম।			একবেব হিদাবে যত- দূব জান। যায় ভূমিব অন্মানিক পবিমাণ।		গবৰ্ণমেন্টের রাজস্ব যাহ।ধার্য্য হইয়াছে।			<b>म</b> च्छवा।
			একর	<b>ৰু</b> ড	পো:।	টাঃ	আ:	পাই।	
<b>488₽</b>	কালুওক দিঃ পং মজাকরসাহি	•••	۵	ş	<b>?</b>	8►	</td <td>۵</td> <td></td>	۵	
<b>688</b> 2	কর্জনা দিঃ পং বর্দ্ধমান	•••	9	3	36	೨೮	l	b	ĺ
U8 <b>4</b> 8	বটগ্রাম দিঃ পং মজাকরসাহি	•••	t	<b></b>	<b>?</b>	२५	4/	b	
48¢ • •	উচালন পং সমরসাহি	***	•	U	७৯	२१	لواا	હ	
4860	কৃষ্ণপুর ওরফে কামালপুর পং খণ্ডঘোষ	•••	હ	3	२२	૭હ	1/	હ	
6862	বুলচন্দ্রপুর পং সমরদাহি	***	٩	2	२२	٥٩	110/	હ	
<b>⊌8</b> €₹	নিগোন পং ধেঞা	•••	9	•	૭હ	49	العا	•	
90	ডকরপুর পং অম্বিকা .		8	U	১৫	39	1/	•	
<b>७७१</b> ०	পাঁচরখী পং জাহাঞ্জিরাবাদ	•••	8	0	39	24	- 1	٩	
6680	কোঙারডিহি পং সেরগড়	•••	•	b	<b>ಅ</b> ಶ	3	9	<b>' '</b>	
4829	কোঙারভিহি পং সেরপড়	•••	•	0	72	0	0	0	
8 \$ 90	কোণ্ডারডিহি পং সেরগড়	• • •	0	ŧ	۵	*	110	৬	
७६२७	কোণ্ডারডিহি পং সেরগড়	•••	0	0	<b>6</b> 5	•	0	•	
७६२१	কোঙারডিহি পং সেরগড়	•••	0	•	<b>??</b>	0	•	0	. •
७६७१	কোণ্ডারডিহি পাং সেরগড়	•••	•	0	۵	0	•	0	
<b>U4</b> 88	কোঞ্চারভিহি পং সেরগড়	•••	0	•	٩	•	•	•	
uetu	কোঙারভিহি পং দেরগড়	•••	0 13	•	ر ب ب	3)	0	•	• •

কালেক্টরের কাছারি জেলা বর্ধমান ছারিবং ১ জাগঞ্চ ১৮১৭

C. FISHER, . Collector.

## জिला মুরশিদাবাদ।—জমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন!

১৮৯৭ সালের ছন কিস্তির বাকির জন্য।---

১৮৫৯ মালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মুরশিদাবাদ জিলার অন্তর্গত ১৮৫৯ মালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মুরশিদাবাদ জিলার অন্তর্গত নমুলিখিত মহালগুলিবা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেইর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ২৮ সেপ্টেম্বর মোং ১৩ ৪ সালের ১৩ আখিন তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ ব ক্রম্ম হয় না।

>	*	9	8	ά	•	٩	<b>b</b>	>
<b>ভৌজি</b> র মন্বর ।	মহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূর্ণমহা- জের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় ছইলে ঐ অংশ বা ঐহ অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ- মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ডাহাব বাকী।	কোন অংশ মাজ বিক্ৰয় হইলে তাহাব বাকী।
3840	চর ছেতানী থানা বড়ুয়া।	۰۱۱۵۶۴	मग्रून्य		ধনেশ প্রকাশ গাঙ্গুলী সাং কলিকাতা নং ৯ প্রসন্ধ কুমার ঠাকুরের ক্রীট।		369)	

Opendra Chundra Mozumbar, For Collector.

## Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

## क्रवन्न मिन्दिना।

ফলিকাডাছ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিনেউডেন্টের নিকট গবণ-মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালীন ছয় পেডি ক্রয় করিলে নিম্নলিখিড মূল্যে ক্রমন্থ সিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২৮০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫২ টাকায় ও এক পেডি টিন ১০০ টাকায় পাইবেন। সর্বাসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিনেউডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬) টাকায়, আট ঔপ টিন ৬২ টাকায় এবং এক পেডি টিন ১২) টাকায় পাইডে পারিবেন কলিকাতার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔবধ বিক্রেভাগণও এই ঔবধ বিক্রয় করিয়া থাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের।০, আট ঔপ টিনের ৪০ ও এক পেডি টিনের ৬০ ডাক মাম্বল দিডে হইবে।

```
বঙ্গদেশের গবর্গমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।
১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইকে, যথা—
```

১ এক পেণ্ডি টিন ১৮) বা ডাক মাশুল সমেড ১৮৮০

।। जाय ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।।

| 何存 ,, ,, 8||° ,, ,, ,, ,, ,, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরণে প্রস্তুত করা ছইয়াছে। এবং ইছা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনীডাইন নামক অপকৃষ্ট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক যিশান হয় নাই তাহার গ্যারান্টী দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণযেন্টের কর্মচারিগণের নিক্ট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিক্ট শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিক্ট পাওয় ঘাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

Parts III, IV, V, and VI ... 0 1 0 for 4 sheets or under with an additional charge of 1 anna for every 4 sheets in excess of 4.

Postage ... ... 0 1 0

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. BAKER.

Offg. Under-Secretary to the Goot. of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন।

্চেল্ড সাল ২১ কেব্রেরারি।—বাজালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্মাস্থল এই অবধি নিম্ন লিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে:—

	यकः मत	7			টাকা।
সম্পূর্ণ গেজেট	•••	•••	•••	বৎসর	30~
ডাকমান্থল	•••	•••	•••	23	<b>!!!•</b>
০ ও ৪ ও ৫ ও ৫ খ্	( যাহাতে ব	চারতবর্ষের	ও বল-		
দেশের ব্যবস্থাপব	<b>শভার</b> ভ	गारेन 😻 🤊	<b>শা</b> ইনের		
পাণ্ডুলিপি থাকে )		•••	•••	<b>)</b> )	8,
ভাকমান্থল		•••	•••	"	١,
পশ্ৰুৰ্ব একখানি গেজেটে ডাক্যাম্বৰ	_	•••	***	"	1•
0 0 8 0 8 0 8 0 0	 ( প্রড্যেক	 ৪ প্ৰভাৰা	তাহার		/•
ন্যন সংখ্যক '					/ ০ ৪ পৃষ্ঠার উপর যদ্ভ অধিক হন ভাষার <b>এভ্যে</b> ক
•					৪ পৃষ্ঠা প্রতি সার একং সানা।
<b>डांक्यास्म</b>	• •••		••	••	. /0

## কশিকাভায়।

বলিকাভার ও মক:নলে সমান মূল্য, কলিকাভার কেবল ডাক্মান্থল লাগিবে না।

ই, এন, বেকার।

वक्रमान्य भवर्वस्थान्येव अक्षिः ছোট म्हार्के हो।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Ro. 24: packing and postage Ro. 1-12.

• The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these accient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDT., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengales Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

12th December 1882.

Note.—Rates of advertis	sements in	the CALCUTTA	GAZETTE.	
•				Rs.
Full page, per issue	•••	•••	•••	20

Full page, per issue ... ... ... 20
Half ,, , ... ... ... ... ... 10
Casual advertisement—4 annas per line.

#### বিজ্ঞাপন ৷

কলিকাতা গেজেটের কিছা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওরা না গেলে ঐং গেজেট দেওরা যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেছর মাসের ২০ ভারিখের জ্ঞাপনপত্রাভিরিক্ত এই মর্ঘের। বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গ্রবর্থেরে কার্য্যালয় কিন্তা গ্রব্থেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ক্রেন্তি বাজাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভিন্নিয়ত্ত নগদ মূল্য দিতে হইবে এভদ্ধারা এই বিচ্ছাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজান সেকেটারিয়েটের আর্কোন্টান্টের নিকট অথ্যে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তিকে কোন পুস্তকাদি দেওয়া কিছা উক্ত কোন গেলেটে ইলভিহার কি বিজ্ঞাপন প্র'ভৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মূল্যের নিমিন্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণ্টি বাদ দিবার জ্বন্যে টাকার উপর আর ৴০ এক জানা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ভবলিউ বণ্টন, বঙ্গদেশের গ্রবর্ণযেন্টের ছোট সেক্রেটরী।

#### ১৮৬৭ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মহাব্য ৷—ক্ষমিকাজা ধোলেটে ইমাজিয়াম আকাশ কয়িব	ৰ স্বাহ এইব ।-	<b>in.</b>			B141,
পুরা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ করণের	***	•••	***	•••	₹••
कांथ १ की	•••		454		>
BED BUT BUTONS AND WELL STORE	are offen				12

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LLD., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annus for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### বাঙ্গাল সেকেটারিয়েট যন্ত্রালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে।

বারিন্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীয়তীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিদে নিযুক্ত বর্দ্ধয়নের ডিষ্ট্রিক্ট ও সেশন জব্দ ও রেন্ট ক্যিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পলের শ্রীযুত সি, ডি, ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি সাহেবের প্রণীত বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গ্রণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূম্যধিকারার প্রকা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুলকের মূল্য, ৫ পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাঙ্গাল সেক্রেটারিয়েটের আকৌনীন্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা যোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।/০ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। যন্তব্য।—উক্ত পুস্তক এখন ও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপদক্ষে বন্ধদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাতার স্থানেড ওয়েইট টোন হালের হাতায় স্থিত বন্ধদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কাম্যবিভাগের আপিসে রেজি-টারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুস্তক কলিকাভার গবর্ধমেন্ট প্লেশে, থাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটীতে ক্রয় করিতে পাওয়া যায়।

কালকাত। প্রোসভেন্সা কেল যপ্তালযে গ্রেশমেটের জন। আযুত জেম্স পেটা সাত্রে কর্তৃক মৃক্তিও প্রকাশিত হইল।







# গবৰ্ণমেণ্ট গোজেট

TUESDAY, AUGUST 31, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৩১ আগফী।

CONTENTS			
	PAGE.	মিৰক।	
PART I Resolutions, Orders and Notifica-			পুঠা
tions of the Government of India	Nil.	প্রথম বভ।—ভারতব্যীয় স্বর্থেন্ট্র নিশ্বান	<b>(</b> · ,
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-		আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	নাই
tions by the Lieutenant-Governor		विजीय यश । — तकारमात्मव गवर्गरमात्केव सिक्षांत्रम्	**(14
of Bengal	261 <b>—267</b>		₹७5 - २७
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-		ৰিতীয় ক খণ্ড।—বলদেশের গার্থমেণ্টের জ্ঞাদেশ	74-94
nor of Bengal	75 <b>—7</b> 8	ভূতীয় খণ্ড।—ভাৰতগ্ৰীয় ব্যবস্থাপক সভাৰ প্ৰণীক	
PART III Acts of the Legislative Council of		আইন	নাই
	Nıl.	চতৃথ খণ্ড ৷ — ভারতব্যীয় বাৰন্দাপক সন্তার আহিনের	417
PART IV Bills of the Legislative Council of	ļ	পা <b>ত্</b> লিপি	ম/ই
India	Nil.	শক্ষম শশু।—বঙ্গীয় ব্যবস্থাপক সভাব প্রণীত আইন	নাই নাই
PART V.—Acts of the Bengal Council	Nil.	वर्षे थला वनीय वायन्याभक मन्त्राव स्थान्यत्र	₩14
PART VI.—Bills of the Bengal Council	Nil.	শাশুলিশি	ন(ই
l'ART VIICircular Orders by the High	į	স্থম বণ্ড।—ভাই কোটেঁব ও বে'বনিউ বোডেব	413
Court and Board of Revenue .	Nil.	নাধাৰণ জ্ঞাপনপত্ৰ	নাই
PART VIII.—Advertisements	429-437	No. 10 April	४२० - ४७१
UPPLEMENT	Nil.	প্রিশ্র গ্রাহ্ম ক্রিল্ড প্রিশ্র প্রাক্তি প্রিশ্র প্রাক্তির সেক্তের	
		na in interes single	नू 🗎

## PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

## দিতীয় খণ্ড।

বন্ধদেশের গবর্থমেন্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MARINE DEPARTMENT.

#### The 23rd August 1897.

No. 152 Marine.—With the previous sanction of the Governor-General in Council, the Lieutenant-Governor is pleased to declare that the rules for quarantine against plague, promulgated in the notification issued by this Department, No. 1 Marine, dated the 4th January 1897, shall cease to have effect in the port of Calcutta against vessels leaving Karachi on or after the 17th August 1897.

A. D. McArthur. Col., R.u., Secy. to the Govt. of Bengal.

#### The 23rd August 1897.

No. 153 Marine.—The following telegram, dated the 5th August 1897, from the Political Resident, Turkish Arabia, relative to the imposition of quarantine restrictions, is published for general information.

A. D. McArthur, Col., R.E., Secy. to the Govt. of Bongal.

Telegram dated Bagdad, the 5th August 1897.

From-The Political Resident in Turkish Arabia,

To-The Foreign Secretary, Simla.

QUARANTINE against arrivals from India and Baluchistan reduced to ten days from 3rd August. Prohibition against entry Shiahs and corpses from India is still in force.

#### The 23rd August 1897.

No. 154 Marine.—The following documents regarding quarantine and trade restrictions imposed in other countries in consequence of the existence of bubonic plague in India are published for general information:—

A. D. McArthur, Colonel, R.E., Secy. to the Goot. of Bengal

Letter from the Foreign Office, to the Indian Tea Association.

May 21, 1897.

With reference to my letter of the 3rd instant, I am directed by the Marquess of Salisbury to transmit to you a copy of a memorandum\* which has been received from Her Majesty's Ambassador at St...

Petersburgh, in which are set forth the regulations that are now being enforced in respect of tea and other products of Eastern origin by the Russain Customs.

Sir N. O'Conor states that no prohibition against the importation of tea is in existence, and that the process of disinfection which is described in the memoral dum, and which is only applied to the outer covering of the chests, could not possibly cause any injury to the tea.

I am, &c., (Signed) GEORGE N CURZON.

## বঙ্গদেশের শীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

## মেরিন্ ভিপার্টমেউ।

#### ১৮৯৭ সাল ২৩ আগফ।

মেরিন্ ১৫২ নম্বর।—শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব অণ্ডো মন্ত্রিস ছাধিষ্টিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের অভ্যতি লইয়া এই আদেশ করিতেছেন যে, ১৮৯৭ সালের জাভ্যয়ারি মাসের ৪ তারিখের এই ডিপার্টিমেন্টের মেরিন্ ১নং বিজ্ঞাপনে মড়কের বিরুদ্ধে যে কারান্টাইন বিধি প্রচারিত করা গিয়াছে তাছা ১৮৯৭ সালের আগন্ট মালের ১৭ তারিখে কিম্বা তাছার পর করাচী হইতে যে সকল জাছাজ ছাড়িয়া আইসে সেই সকল জাহাজ সম্বন্ধে কলিকাতা বন্দরে খাটিবে না।

এ, ডি, ম্যাকআর্থর, কর্ণেল, আর, ই, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী

## ১৮৯৭ সাল ২৩ আগফ।

মেরিন্ ১৫৩ নম্বর। – কারান্টাইন নিষেধ বিধি ধার্যকেরণ সদ্বন্ধে তুরস্কাধীন আরবের পোলিটিকাল রেসিডেন্ট সাহেবের ১৮৯৭ সালের ৫ আগন্ট তারিখের ,নিম্নলিখিত টেলিগ্রাম সাধারণের অবগতার্থে প্রকাশ করা গেল।

এ, ডি. ম্যাক**আর্থর**ে কর্নেল আর, ই বন্ধদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

বাগদাদ হইতে প্রেরিত ১৮৯৭ সালের ৫ আগফ তারিখের টেলিগ্রাম।

সিমলায় শ্রীযুত ফরিন্ সেক্রেটরী সাহেবের নিকট।

ভূকি আরবের পোলিটিকাল রেসিডেন্ট সাহেবের টেলিএ।ম।

ভারতবর্ষ ও বেলুচি স্থান হইতে আগত জ্বাহাজ্যের বিরুদ্ধে ও আগস্ট হুইতে কারান্টাইন কমাইয়া দশ দিন করা গেল। স্থাগত ভারতবর্গ হুইতে শিয়াদেব এবং শবের প্রবশ সম্বন্ধে নিষেদ্যভা<sup>1</sup> অদ্যাণি বলবৎ আছে।

## ১৮৯৭ मान २७ आपछे।

• মেরিন্ ১৫৪ নম্বর। ভারতবর্ষে বীচিফোলা মড়কের প্রাণ্ডিব হেতু অন্যান্য দেশে যে কারান্টাইন ও বাণিজ্য সম্বন্ধে নিষেধ বিধি স্থাপিত হইয়াছে তৎসম্বন্ধে নিম্নলিখিত কাগজপত্র সাধারণের অবগতির নিমিত্ত প্রকাশিত হইল!—

> এ, ডি ম্যাক অর্থর, কর্নেল আর, ই, বৃদ্ধদেশের গ্রথমেন্টের সেক্রেটরা।

ফরেন সাফিদ হইতে ইণ্ডিয়ান টি এ সাসিয়েদনে প্রেরিত পত্ত।

"১৮৯৭ সালের ২১শে যে।

আমার ৩রা তারিখের পাত্র উপলক্ষে আমি মার্ক্রি অব্ সালি স্বরির দ্বা আদিই হইয়া আপনাদিগকে শ্রীশ্রমতীর সেউপিটর্সবর্গন্থিত আদ্বাসাডারের নিকট হইতে প্রাপ্ত প্রারকলিপির বিদ্যান্ত কি শুগু প্রতিলিপি পাঠাইতেছি । ঐ স্মারকলিপিতে রুসিয়ান্ত কইম বিভাগ দ্বারা চা ও পূর্ব মহাদেশে উৎপন্ধ অপরাপর দ্বা সন্ধ্য যে সকল বিধি প্রচলিত হইতেছে তাহা বর্ণিত আছে।

স্যার এন, ও কোনার সাহেব বলেন যে চার আমদানি সম্বন্ধে কোন নিষেধাল্ডা নাই এবং স্মারক-লিপিতে সংক্রামক দোষশূন্যকরণের যে প্রণালী বর্নিত আছে এবং যে প্রণালী কেবলমাত্র বাক্তের বাহিরের আবরণে প্রয়োগ করা যায় ভাহা দ্বারা চার কোন অনিউ হইবার সম্ভাবনা নাই।

> • (সহি) জর্জ এন কুর্জন।

#### A otification by the Bourd of Trade.

London, July 9, 1897.

The Board of Trade have received, through the Secretary of State for the Colonies, the following copy of a Notice issued by the Governor of Malta, viz.:

#### Government Notice.

His Excellency the Governor, having heard the opinion of the Board of Health, has been pleased to modify Government Notice No. 118 of 7th June 1897, and to direct that the following regulations be observed, viz.:

- 1. Vessels which are not allowed to enter the Harbour, but are allowed to communicate in quarantine with the Islands of Comino and Cominotto under such restrictions as the Collector of Customs may direct.
- (a) Vessels that have on board, or have had during the voyage cases of cholcra, yellow fever or plague or cases of a disease with symptoms resembling those of cholcra, yellow fever or plague.
  - (b) Vessels with pilgrims from the East.
- (c) Vessels arriving from Arabian Perts in the Red Sea and the Persian Gulf which have not been admitted to free pratique at Suez and Port Said.
- 2. Vessels which are allowed to enter the Quarantine Harbour to coal and take in provisions under quarantine restrictions.
- (a) Vessels arriving from Rombay or Kurrachee which have not been admitted to free pratique in any port in the Adriatic or Mediterranean Sea, or which have not, to the satisfaction of the Chief Government Medical Officer, been thoroughly disinfected before being admitted to free pratique at the said port.
- (b) Vessels arriving from any port without a clean bill of health, which do not fall under any of the preceding regulations.

#### 3. Medical Inspection.

All vessels arriving at Malta shall undergo strict medical inspection.

#### 4. Passongers.

Passengers arriving from Mediterranean Ports must, before landing, declare on oath that they have not been in Bombay or Kurrachee within the last 30 days. All passengers who have been within the last 30 days in Bombay or Kurrachee shall be landed at the Lazarette and remain there, under such restrictions as may be ordered by the Port Authority, for a period not less than 7 days from the date of disinfection and not less than the number of days required to complete 30 days from the date of departure.

#### 5. Goods.

The importation of coffee coloured with substances injurious to health is prohibited.

The imortation of cotton seed from any port subject to quarantine is forbidden.

The importation of rags is prohibited.

The importation is forbidden before disinfection of the following articles, viz., wearing apparel, soiled linen and clothing, bedding materials, hides, feathers, bones and jute goods.

The importation of vines, vine shoots and fruit packed in vine leaves is prohibited. The importation of plants or roots from any port of the Mediterranean is prohibited unless the same are accompanied by a satisfactory certificate that phylloxera is not known to exist at the place of origin.

By command,

F. VELLA,

Acting Chief Secretary to Government.

## বোর্ড অব ট্রেডের বিজ্ঞাপন। লঙন, ১৮১৭ সাল ১ই ছুলাই।

মাণ্টার গবর্ণর ছারা প্রচারিত নোটসের নিম্নলিখিত প্রতিলিশি বোর্ড অব টেড উপনিবেশ সমূহের পক্ষে সেক্টেরি অব ভেটের হাত দিয়া প্রাপ্ত হইয়াছেন অর্থাৎ:—

#### গবংমেন্ট নোটিস।

বোর্ড অব হেলধের মন্ত প্রবর্ণে মহামহিম শ্রীযুত গবর্ণর সাহেব ১৮৯৭ সালের ৭ই জ্ব তারিখের ১১৮ বং গবর্ণমেন্ট নোটিস সংশোধন করিয়াছেন এবং নিম্নলিখিত বিধিগুলি মান্য করিবার আদেশ দিয়াছেন, যথা:—

- ১। যে সকল জাহাজ্ঞকে বন্দরে চুকিতে দেওয়া হয় না কিন্তু কন্টমের কালেষ্ট্রর সাহেব যে সকল নিষেধ বিধির আদেশ করেন সেই সকল নিষেধ বিধির অধীনে কোমিনো ও কোমিনটো দ্বীপদ্বের সহিত কারান্টাইনাধীনে সংজ্ঞব রাখিতে দেওয়া হয়।
  - (ক) যে সকল জাহাজে ওলাউঠা, পীত জ্বর কিছা বীচিকোলা মড়কাক্রান্ত রোগী, অথবা ওলাউঠা, পীত জ্বর বা বীচিকোলা মড়কের লক্ষণের সদৃশ লক্ষণযুক্ত কোন পীড়াক্রান্ত রোগী আছে অথবা সমুদ্রে যাত্রার কালে ছিল।
  - (খ) যে সকল জাহাজে পূর্ব মহাদেশ হইতে ভীর্থযাত্রী আছে।
  - (গ) স্থপ সাগরন্থিত ও পারস্য উপসাগরন্থিত আরবদেশের বন্দর সকল হইতে আগত যে সকল জাহাজ হয়েজে ও পোর্ট সেইদে কুলের সহিত অবাধে সংঅ্র করিবার জহুমতিপত্র পায় নাই।
  - ২। যে সকল জাহজ্ঞকে কয়লা ও খাদ্য দ্ৰব্যাদি লইবার জন্য কারাটাইন নিষেধ বিধির অধীনে কারাটাইন বন্দরে প্রবেশ করিতে দেওয়া হয়।
- ক) বোষাই বা করাচী হইতে আগত যে সকল জাহাজ আভি ুয়াটিক কিয়া ভূমধ্যন্থ সাগরের কোন বন্দরে কুলের সহিত মবাধে সংস্ত্রব করিবার অন্ন্যতিপত্র পায় নাই কিয়া যে সকল জাহাজকে উক্ত বন্দরে কুলের সহিত অবাধে সংস্ত্রব করিবার অন্ন্যতিপত্র দিবার পূর্ক্তে,গবর্ণমেণ্টের প্রধান মেডিকাল কর্মচারীর সম্ভোষ জ্বাতে পারে এরপ সম্যক্তাবে সংক্রামক দোষশূন্য করা হয় নাই।
  - (খ) প্রত্বিভাঁ কোন বিধির অধীনে আইসে না এরপ যে সকল জাহাজ কোন বন্দর হইতে অমুকৃল আছ্য সার্টিফিকেট না লইয়। আইসে।

## ৩। চিকিৎসক দ্বারা পরিদর্শন।

মাণ্টায় যে সকল জ্বাহাজ উপস্থিত হয় তাহাদের সকলগুলিই চিকিৎসক দ্বারা বিশেষ রূপে পরিদৃষ্ট চইবে।

## ৪। যাত্ৰী।

ভূমধ্যস্থ সাগরের বন্দর হইতে যে সকল যাত্রী উপস্থিত হয় ভাহাদিগকে কুলে নামিবার পূর্বে শপথ করিয়া ব্যক্ত করিতে হইবে যে ঠিক পূর্ববর্ত্তী ৩০ দিনের মধ্যে ভাহারা বোদ্ধাই বা করাচা ত ছিলনা। যে সকল যাত্রী ঠিক পূর্ববর্ত্তী ৩০ দিনের মধ্যে বোদ্ধাই বা করাচাতে ছিল ভাহাদিগকে লাজারেটোতে নামান ইইবে ও বন্দরের কর্তৃপক্ষ যে সকল নিষেধ বিধির আদেশ করেন ভদধানে ভথায় সংক্রামক দোষশূন্য হওয়ার ভারিখ হইতে ৭ দিনের কম না হয় ও যাত্রার ভারিখ হইতে ৩০ দিন পূর্ব করিতে যে কয় দিন প্রয়োজন হয় সেই কয় দিনের কম না হয় এরপ কালের নিমিত্ত থাকিতে হইবে।

#### **८। श**ाल।

স্বাস্থ্যের অনিষ্ঠকর তাব্য দ্বারা রঞ্জিত কান্ধির আমদানি নিষিদ্ধ। কারান্টাইনের অধীন কোন বন্দর হইতে তুলার বীচির আমদানি নিষিদ্ধ। ছেঁড়া নেকড়ার আমদানি নিষিদ্ধ।

সংক্রামক দোষশূন্য করণের পূর্কে নিম্নলিখিত দ্রব্যগুলির আমদানি নিষিদ্ধ, যথা, পরিধেয় বন্ধ, ময়লা লিনেন ও কাপড়চোপড়, বিছানার উপকরণ, চামড়া পালক, হাড় এবং পাটের জিনিষ। \_ .

আরুর পাতার মোড়ক করা আরুর গাছ, আরুর গাছের চারা ও কলের আমদানি নিষিদ্ধ। ভূমধ্যক সাগরের কোন বন্দর হইতেই চারা গাছ কিম্বা গাছের মূল আমদানি করা হইবে না। উৎপত্তি গানে ফিলোরেরার প্রাত্তাব আছে বলিয়া জানা নাই ইহার সন্তোষজনক সার্টিফিকেট সজে থাকিলে গাছ ও গাছের মূলের আমদানি করিতে দেওয়া হইবে।

আদেশক্রমে,

এক, ভেনা,

গবর্ণমেন্টের এক্টিং চিফ সেক্রেটরা।

Extract from the "Ceylon Government Guzette" No. 5489 of July 23, 1897.

Regulations made by the Governor, with the advice of the Executive Council, under the provisions of the Ordinance No. 3 of 1897:—

- The regulations made by the Governor, with the advice of the Executive Council, bearing date the 13th and 26th March 1897, are hereby repealed.
- 2. The landing at any place in this Island of the following goods, shipped at any port on the West Coast of India, or transhipped to any vessel from any vessel which shall have conveyed such goods from any port on the West Coast of India, is prohibited:—
  - (1) Used body linen, clothes, bedding, and other personal effects.
  - (2) Rays, including rags compressed by hydraulic pressure and transported in bales as merchandise.
  - (3) Used sacking or bags, carpets, and old embroidery.
  - (4) Green and untanned hides and skins.
  - (5) Animal refuse, claws, hoofs, horsehair, bair of animals generally, raw silk, and wool.
  - (6) Human hair.
- 3. The transhipment within any port of Ceylon of such prohibited goods from one vessel to another is prohibited.
- 4. The Principal Officer of Customs at any place at which any landing or transhipment shall take place of such prohibited goods shall, unless the Governor shall otherwise direct, cause the destruction of such goods. The cost of effecting such destruction shall be paid by the owner and consignee of such goods and by the master of the vessel by which such goods were carried. No compensation for such destruction shall be paid to any person.
- 5. Any vessel having on board any such prohibited goods shall, so long as she shall have any such goods on board, be deemed in quarantine, and such vessel and all persons and goods shall in respect of such vessel be subject to the regulations published on 2nd March 1897, relating to vessels in quarantine.

By His Excellency's command,

Colomial Secretary's Office, Colombo, July 23, 1897. E. Noel Walker, Colonial Secretary.

Regulations made by the Governor, with the advice of the Executive Council, under the provisions of the Ordinance No. 3 of 1297:—

- 1. The regulations made by the Governor, with the advice of the Executive Council, bearing date the 2nd March 1897, are hereby repealed.
- 2. Every vessel or boat coming to any place-in this Island from any place on the West Coast of India shall be subjected to quarantine for a period not exceeding ten days from the date of departure from such port.
- 3. No person shall within such period of ten days land at any place in this Island from any such vessel or boat.
- 4. No person shall at any time within such period of ten days carry, take, or convey any goods from any such vessel or boat to any place in this Island.

By His Excellency's command,

Colonial Secretary's Office,

. Colombo, July 23, 1897.

E. NOEL WALKER, Colonial Secretary. ১৮৯৭ সালের ২৩শে জ্লাই তারিখের ৫৪৮৯নং "সিংইল গবর্ণমেন্ট গেছেট" হইতে উদ্তাংশ।
১৮৯৭ সালের ৩নং অর্জিনান্সের বিধানাস্সারে একজিকিউটিব কাউন্সিলের পরামর্শমত গবর্ণর
সাহেবের প্রণীত বিধিঃ—

- ১। একজিকিউটিব কাউন্সিলের পরামর্শমত গবর্ণর সাহেবের প্রণীত ১৮৯৭ সালের ১৩ই ও ২৬শে মার্চ্চ তারিখের বিধিশুলি এতদ্বারা রহিত করা গেল।
- ২। ভারতবর্ষের পশ্চিমকূলের কোন বন্দরে জাছাজে বোঝাই করা অথবা ভারতবর্ষের পশ্চিম কুলের কোন বন্দর হইতে যে জাহাজ ঐরপ মাল আনিয়াছে সেই জাহাজ হইতে অন্য জাহাজে বোঝাই করা নিম্নলিখিত মাল সকলের এই দ্বীপের কোন স্থানে নামান নিষিদ্ধ :—
  - (১) ব্যবহৃত পরিধেয় লিনেন, কাপভ্চোপভ্, বিছানা, এবং অপর শারীরিক ব্যবহারের জিনিষ।
  - (২) ছেঁড়া নেকড়া। ইহার মধ্যে হাইড়ালিক কলের চাপে চাপা এবং বাণিজ্ঞা দ্রব্যক্ষরপ গাঁইট বন্ধ করিয়া চালান করা নেকড়াও ধরা হইল।
  - (৩) ব্যবস্থান্ত থলিয়ার কাপড় বা থলিয়া, কার্পেট এবং বস্থাদির ছুঁচে তোলা পুরাতন পাড়।
  - (৪) কাঁচা ও পাট করা নয় এরপ চামড়া ও পশুর গায়ের ছাল।
  - (৫) জাবদেহের অব্যবহার্যা দ্রব্য, নখর, খুর, বালাম চি, সমস্ত প্রাণীর চুল, কাঁচা রেশম এবং পশম।
  - (৬) মাহুষের চুল।
- ৩। সিংহলের কোন বন্দরের মধ্যে এইরূপ নিষিদ্ধ দ্রব্যের এক জাহাজ হইতে অন্য জাহাজে বেগঝাই করা নিষিদ্ধ।
- 8। ঐরপ নিষদ্ধ দ্ব্য যে কোন স্থানে নামান হয় বা এক জাহাজ হইতে অন্য জাহাজে বোঝাই করা হয় সেই স্থানের কইমের প্রধান কর্মচারী, গবর্ণর সাহেব অন্যরূপ আদেশ না করিলে, ঐরপ দ্ব্য বিনই করাইবেন। ঐরপ বিনাশ করণের খরচ মালের অধিকারী ও ঘাঁহাকে মাল পাঠান হইতেছিল তিনি এবং যে জাহাজে ঐ দ্ব্য আনীত হয় সেই জাহাজের কাপ্তান দিবেন। ঐরপ বিনালণর জন্য কাহাকেও কোঁন ক্তিপুরণ দেওয়া হইবে না।
- ৫। যে কোন জাহাজে ঐরপ কোন নিষিদ্ধ দ্রব্য থাকে উহাকে যত দিন ঐরপ দ্রব্য জাহাজের উপর থাকে ততদিন কারান্টাইনের অধীন বলিয়া গণ্য করা যাইবে এবং ঐ জাহাজ এবং ঐ জাহাজে কাছে ব লয়া উহার সমস্ত লোক ও মাল সম্বন্ধে কারান্টাইনের অধীন জাহাজ সকলের সম্পর্কে ১৮৯৭ সালের ২রা মার্চ্চ তারিখে প্রকাশিত বিধি সকলের অধীন হইবে।

মহামহিমের আদেশক্রমে.

উপনিবেশের সেক্টেরীর আফিস, কলম্বো, ১৮৯৭ সাল ২৩শে •জ্বাই।

ই, নোয়েল ওয়াকার. উপনিবেশের দেকেটরী।

১৮৯৭ সালের ৩ নং অর্ডিন:**পের** বিধানাম্বসারে ও একজিকিউটিব কৌপিলের প্রামন্মিত গর্বর সাহেবের প্রনীত বিধিঃ—

- ১। একজিকিউটিব কেশিলের পরামশ্মত গবর্ণর সংহেবের প্রণীত ১৮৯৭ সালের ২রা মার্চ্চ তারিখের বিধিগুলি এতদ্বারা রহিত করা গেল।
- ২। ভাবতবর্ষের পশ্চিম কুলের কোন স্থান হইতে যে কোন জাহাজ বা নৌকা এই দ্বাপের কোন স্থানে আইসে ভাহাকে ঐক্লপ বন্দর হইতে যাত্রার তারিখ হইতে দশ দিনের অন্ধিক কালের জন্য কারান্টাইনের অধানে রাখা যাইবে।
- ৩। ঐ রূপ কোন জাহাজ বা নোকা হইতে কোন ব্যক্তি ঐ দশ দিনের মধ্যে এই দ্বীপের . কোন স্থানে নামিতে পারিবে না।
- ৪। ঐ দশ দিনের মধ্যে কোন সময়ে কোন ব্যক্তি এরপ কোন জাহাজ বা নোকা হইতে কোন মাল এই দ্বাপের কোন স্থানে লইয়া বা বহিয়া লইয়া ঘাইতে পারিবে না।

উপনিবেশের সেকেটরীর আফিস, কলম্বো ১৮৯৭ স¦ল ২৩শে জ্লাই। মহামহিমের আদেশক্রমে, ই, নোয়েঙ্গ ওয়াকার, . উপনিবেশের সেক্রেটরি।



# गवर्गाम (गटनि

TUESDAY, AUGUST 31, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৩১ আগফ।

PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal.

দিতীয় ক খণ্ড।

वक्रान्टभत्र शवर्गरम्टकेत्र जारम्भ ।

## ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

## MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 4383M.—The 19th August 1897.—Whereas a notification No. 663M., dated the 5th February 1897, was published at page 36, Part IB of the Calcutta Gazette of the 10th February 1897, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of sections 254 to 259, 260A and 274 of Part VI of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as modified up to November 1896, to the Bally Municipality, in the district of Howrah, and whereas no valid objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is here by notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Bally Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said Municipality.

C. E. A. W. Oldham, Offg. Secy. to the Gort. of Bengal.

বঙ্গদেশের এীযুত লেপ্টেনেণ্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

মুনিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন।

৪০৮০ এম , নং ।—১৮৯৭ সাল ১৯ আগস্ট ।—হাবড়া জ্বিলার অন্তর্গত বালি মুনিসিপালিটীতে ১৮৯৬ সালের নবেছর মাস পর্যান্ত পরিবর্তিত বঙ্গদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ০ আইনের ষষ্ঠ পরিচ্ছেদের ২৫৪ অবধি ২৫৯ পর্যান্ত ও ২৬০ক ও ২৭৪ ধারার বিধান প্রচলিত করণার্থে জীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ফেব্রুয়ারি মাসের ৫ তারিধের ৬৬০ এম , নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১০ তারিধের কলিকাতা গেজেটের ১ ৪ খণ্ডের ৬৬ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত ছইবার তারিধ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে যুক্তিসিদ্ধ কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এডদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে শ্রীযুত লেপ্টেনেই গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারামতে প্রদন্ত ক্ষমতান্থ্যারে কার্য্য করিয়া এবং বালি মুনিসিপালিটীরে সভাগত কমিশনরদের অন্থ্যেধিক্রমে মুনিসিপাল আইনের উক্ত কএক ধারার বিধান উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রচলিত করিবার অন্থ্যতি দিলেন।

সি, ই. এ, ভবলিউ, ওল্ডহ্যাম, বলদেশের গবর্ণমেন্টের এক্টিং সেকেট্রী ।



# গবর্ণমেণ্ট গেজেট

TUESDAY, AUGUST 81, 1897.

মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৩১ আগফ।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

चहेम थछ।

ইশ্তিহার প্রভৃতি।

#### LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাহার।

#### জিলা বীরভূম।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বীরভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত ছোলগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজন্ম ও অন্যয়ে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী রাজন্মের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত সন ১৮৯৭ সালের ২৭শে সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে।

3	•	٠	8	α	•	٩	<b>b</b>	>
তৌজীর নখর।	মহাল ও প্রগ্নার নাম।	সম্পূৰ্ মহালেব সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশের বিশেষ বিববণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম গুরুবে ভাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে ঐ অংশেব সদর ক্রম।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাহাব বাকী।	কোম অংশ মাত্র বিক্রন্থ হউলে তাহার বাকী।
°) बर	হেৰুকা, প্রগণা আক্বরসাহি থানা মোড়ে- শ্বর।	344200	अच् <u>य</u> ुर्व	•••	ভোলানাথ ঘোষ দিগর।		8 )। ७	
)• <b>১ নং</b>		> 0 0 0 0 0		এজমালি অংশ রকম  । ১/১৯ গণ্ডা ২ দন্তা  এই এজমালি  অংশ ভিন্ন মহা- লের অন্য কোন  অংশ নীলাম  হইবে না।		৯২৩॥১	•	५(८ भारे
•৩ নং	খন্না, পরগণা খটন্দা ধানা সিউড়ী।	30402/0	•••••	]	গিরিশ চম্দ্র চট্টো- পাধ্যায়।	१७२∕∙	,	e11+
१० नः	জাকুনি পরগণা স্বরূপদিংহ ধানা মোড়ে- শ্বর।	<b>३</b> ४०२।८०		১৭০ ২ নং পৃথক হিসাব কাজিপুর বাগ- বাদিনী ও ভূড়ি গ্রাম মোজার রকম	সতীশ চন্দ্র মুখো- পাধ্যায় দিগর।	<b>∉</b> 9₹   <sub>9</sub> ∕∘	•••••	₹৯ /•
		•		ষোল জানা এবং সাহাজাদপুর চক ও সাহাজাদপুর নও- য়াবাদ মোজার রক্ম।/০ আনা এই পৃথক হিসাব ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশনীলাম হইবে না।	•			

চীকা।- যে গ্রন্থে উপবের লিখিত বন্নাপালের ৫. ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম চটবে বলিয়া লিখিত আছে সেট স্থানে ইয়া ব্রিতে ছইবে যে ঐ অংশের দমিত স্বতম্ভ হিসাব বাধা হয়ে। থাকে ও উপরি লিখিত অংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নিলাম ছইবে না।

BIRBHUM COLLECTORATE.
ated Suri, the 9th August 1897.

#### किमा (भाग्नाचानी।

#### জমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেইর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবা প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আহে তাহ। আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ১৫ সেপ্টেম্বর তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে ছলে এতৎসংযুক্ত বর্নাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই হলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা ছইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

<b>5</b>	*	•	8	¢	•	9	, <b>b</b>	>
তৌব্দির নগর।	মহাল <b>ও প</b> রগনার নাম।	সম্পূৰ্ণ মহা (জ্ঞা সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মছাল বিক্ৰম ছইবে কিনা।		যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন তাংশ মাত্র বিক্রয চইলে ঐ তাংশেব সদব ভ্ৰমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হুইলে তাহার বাকী	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হটলে ভাহা বাকী।
78 -	দাব্দরা হিঃ ১১।= ১০ ক্রান্তী পং দাব্দরা।			হিসাব পৃথক হিঃ ।১৮তিলা		৮০১৸৬	••••	8৮ <b>০ </b> •/২
8 t	কিসমত মহেন্দ্র নানারায়ণ পং শুদ্বীপ।	७७१/ <b>১</b> ১	मण्यूर्व		শ্রীমতী আইজা- মেছা।	• • • • • •	255122	••••
<b>*</b> >>	চাকলে বামনী জমি- দারী চাং বামনী।	•••••	অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ ।• আনা I	মেঃ পি, জে, ডেলনি গং নাবালগান পক্ষে মাতা অভি- ভাবক মিস এলেনা জে, ডেলনি সাহেবা।	<b>२</b> १ १ ७ ७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	<b>•••</b>	<b>€</b> €⊌43
			খাস মহ	াল টেনিউর—				
ऽ७ <b>१</b> ०	চর উশ্বর রায় মধ্যে ২. নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওলা নজুদলাল।	poola	<b>मण्णृर्व</b>		আবহুল হাকিম মিঞাজিগং।	••••	२४।०	•••••
) ' <b>ዓ</b> ቁ		ه له ۱۱۰ خه		•••	ব্ৰজ্ব⊹ম মাঝি গং		२७८०	*****

LALIT KUMAR DAS, Deputy Collector in charge,

#### জিলা বাকরগঞ্জ।—ছমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এজছারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিও মহালগুলি এবং মহালগুলি এবং মহালগুলি ও জিলার কালেইর সাহেবের আফিনে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত ছন কিন্তির বাকী রাজন্ম ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্নসারে বাকী রাজন্মের ন্যায় আদায়ের যৌগ্য তাছা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৭ সনের ২৪ সেপ্টেম্বর শুক্রবার তারিখে যোং বাং ১৬০৪ সনের ৯ অধিন নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭। ২ আগেই।

•	•	۰	8	4	6	1	b	•
তৌজির নশ্বর।	মহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূৰ্মহা- লেব সদর জমা।	সম্পূৰ্থ মহাল বিশ্লয় হউবে কিনা।	দেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হঠলে এ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	বে সম্পত্তিবিক্রয় ছউবে ভাহাব মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হউলে ঐ তথংশের সদর ক্ষমা।	সভ্যুণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাহাব বাক <sup>ী 1</sup>	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হুইলে ভাকা: বাকী।
3699	ভালুক সৈজ্জীন থাঁ গং পং বোঁজরগো- মেদপুর।			এজমালী ৸৶১৫ গণ্ডা অংশ নিলাম হইবে। অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না	রুষ্ণকিশোর নিয়োগী গং।	• 3•8⊍4√8		4 IJI 911
8485	পদা ওরফে রম- জানপুর পং কাদীম- পুর সেহলাপট্টী।	* U > U )	সম্পূর্ণ মহা- লের মালিকা স্বত্ত নিলাম হইবে।	``	হরকুমার সেন গং	••••	<b>334</b> )	••••••
<b>%</b> <& <b>&gt;</b>	চক কচুপাতরা পং চক্সদ্বীপ।	,	সম্পূর্ণ মহা- লের ভালুক- দারা স্বত্ব নিলাম হইবে		শশ*∳্মার বহু গং		نه ۱۵۰۶	******
848₹	जूयथानी गरान जशीन हनः निम राउना भः रेममभूतः।	a 0 a J 0	সম্পূৰ্ণ নিম হাওলা নিলাম হইবে।		এরকান্ড্দ্দি গং	••••	3334 <sub>0</sub> /0	*** •••
<b>(*</b>	ভূষখালী মহাল অধীন ৬৮৮৪।২১৮ নং যোত।	(۲۵ھ	সম্পূৰ্ব যোত নিল্যম হইবে।		মদন গং	****,	٥٠١)	•••••
• २ २ २	চর ক্লফপুরা মহাল অধীন ৮ নং গর- মকরবি হাওলা পং জজীবা	\$ 0 th \$ 1m/\$ 0	1		কাশীচন্দ্র দাস গং	••••	<b>684440</b>	••••••

ই কা। - যে স্থলে উপবেহ লিখিত বৰ্নাপত্ৰেব ৫, ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হুইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ইহা ৰ্খিতে ছইবে যে ঐ অংশের নিমিত্ত ৰতন্ত্ৰ হিলাব রাখা, হইয়া থাকে ও মহালেব অন্যাব্য অংশ বিক্ৰয় হয় লং। B. Bri.i.,

Offg. Collector.

ξ,

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### ইন্তাহারনামা কাছারি কালেক্টরি জিলা চট্টগ্রাম।

ইহান্বারা জানান যাইতেছে বে ১৮৯৭ ইংরাজির ২৫ কেব্রুয়ারি শেব তারিখের বাকী পড়া ৫০০) টাকার উর্ধ্ব জমার নগুয়াবাদ তালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেচ আলারের নিমিন্ত ১৮৬৮ লালের ৭ আং ১৮৭১ লালের ২ আং ১৮৫৯ লালের ১১ আং ৬ ধারার মর্মাতে ১৮৯৭ ইং তারিখ ৭ সেপ্টেম্বর মোতাবেক ১৩০৪ বাং তারিখ ২৩ ভাদ্র রোজ মল্লবার ধার্য্যে জিলার কালেক্টরিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৯ জ্লাই।

	- Tar			<b>স</b> দর	জমা। 	ব	াকীর পরিমা 	۹ ۱	
•মিক শ্বর।	তালু- কার নশর।	তালুকার নাম।	মালিকেব নাম।	थाकामा ।	সেস।	থাজানা।	দেস।	মোট।	<b>মস্থ</b> ৰ্য (
3	<b>ર</b>	٧	8	8 (*)		• 9		3	5.
	8279	মেতিজ জ্জখন। থানা ফটীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।							
	20649 2095	তাং সেখ ওবেহুলা খাঁ হাং তাং লডিপা খাডুন	শ্ৰীমতী প্ৰতিকা খাড়ন	3303110	<b>(b)</b>	448)	२२ भग्ने	a 9 4 4 JU	*** **
	8284	মোজে ভুজপুর ধানা ফটীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।							
	<b>28.43</b>	তাং এয়ার আলি বাঁ হাং। তাং ওবেদর রহমান বাঁ।	ওবেদর রছমান খাঁ	رف• ٩	<b>064/</b> 0	ଓଃଓଧାର	3042	9601/6	•••••

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 23rd July 1897.

J. D. Anderson,

Collector.

#### জিনা খুননা। জমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে খুলনা জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৫শে সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

>	₹	9	8	¢	\u00e4	9	ь	3
তৌ <b>জি</b> র নথর।	মহাল ও প্রগণাব নাম।	সম্পূর্ণ মহাদের সূদ্র ঋমা :	বিক্ৰয় হইবে	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইপে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবরণ।	্যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	। २२६० छ।	সম্পূৰ্ণ মছাল বিক্ৰয় হুইলে তাহাব বাকী।	মাতা বিক্ৰয
9913	ধু <b>লিয়াপু</b> র থানা কালীগঞ্জ।	398964J¢	না	।৴ <b>৽ পাঁ</b> চ আনা অংশ।	দায়িনী দাসী চৌধুৱাণী।	¢8७२ <b>৵ঌ</b> <mark>७</mark>		F28 \8 <sup>2</sup>

টীকা - যে স্থলে উপৰের লিখত বর্ণনাপত্রেব ৫.৭ ও ১ ঘবে কে ন অংশ মাত্র বিক্রম হইবে বলিয়া শিখিত আচে দেই স্থলে ইহা বৃথিতে চইবে যে জ তাংশেব নিমিত্ত স্বতন্ত্র ছিদার রাখ্য হইয়া থাকে ও মহালেব অন্যার্থ অন্যান্য অংশ বিক্রম হয় নঃ

KHULNA COLLECTORATE,

W. H. VINCENT.

Collector.

The 13th August 1897. )

জেলা ফরিদপুর।— জমিদারি বিক্রমের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে ফরিদপুর জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিও মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিনে বাকী রাজস্বে ও অন্য যে সকল দাবী আইনাত্মসারে শাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৩ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ১৮৯৭। ১০ সাগফ।

۶.	4	٠	; <b>8</b>	( )	<b>.</b>	' <b>9</b>	, <b>,</b>	. 9
ভৌগিব নম্ব।	মহাল ও প্ৰগণ্য নাম ৷	সম্পূৰ্ণ হ'ল- লেব সদৰ ভয়া।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রম চইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিবরণঃ	গে সম্পত্তি বিক্রম চইবে তাহাব মালিকগণেব নাম।	হটলে ঐ সং·	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় গ্ৰইবো ভাহাব বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হুংগে ভাহাব বাকী।
₹₡•	পং কাশীম নগর মহাল পঞ্চাশ	७৮৯१	ষোলআনা		ঈশ্বচন্দ্র সাহা গয়- বহ।		و، ۲۰۰۶	
667F	হাজ্ঞারী। পং হাবেন্দী তপ্পা  মামুদপুর সোল- পুরের অতিরিক্ত মহাল।	\$*89;	; •	•••••	প্রসন্ধুক্ষার সেন	******	\$ & \$	

চীকা।—যে শ্বলে উপবের দিখিত বর্ণনাপত্তের ৫.৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হউবে বলিয়া লিখিত আছে দেই দ্বলে ইহা বৃথিতে হইবে যে ঐ অংশের মিমিত ঘতত্র হিদাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্যব্য অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

J. H. TEMPLE, Collector.

#### जिना गानम् । - जिनाति विकासित विज्ञापन क ।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে যালনহ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেইর সাহেবের আফিসে বাকী রাজ্বস্থ ও অন্য য়ে সকল দাবা আইনাম্নারে বাকী রাজ্বস্থের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিক্ত ১৮৯৭। ২৫ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা তুই শ্রহর ১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে।

,	2	ه	8	(	•	9	۳	د
তৌজিব নম্বর।	মহাল ও প্রগনার নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কি না।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় ছইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হইবে তাহাব মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হউলে, ঐ অংশেব সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল কিন্তুয হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে. তাহা বাকী।
<b>306</b>	তরক কাঁকট পর- গণা মাকরাইন।	1	า	রেসিডুয়ারী অংশ অর্থাৎ সম্পূর্ণ মহা- লের ॥০ আট আনা অংশ নিলাম হইবে। এতদ্ব্য গ্রীত অবশিষ্ট অংশ নিলাম হইতে মুক্ত	৩। আয়ুব খাঁ পক্ষে ইউসফ খাঁনাবা- লক।	9699		ર મહોઢ
<b>⇒</b> , n <b>8</b>	তরফ ফতেপুর পরগনা বাহা হরপুর।	29a 211o/ o	<b>ન</b> †	রেসিভুয়ারী অংশ অর্থাৎ সম্পূর্ব মহা সের ৮৯ - আনা অংশ মিলাম হইবে এতদ্ব;তীত অব- শিক্ট অংশ মিলাম	১। সেখবাবর আলী ২। সেখ সফরদার ব ৩। সেখ আকবর ব ৪। বিবি কাদিরন্ত্রের ৫। বিবি সমতন্ত্রের ৬। মহম্মদ সামিকদ্দি ৭। মহম্মদ মাসিকদ্দি	মালি। মালী। না। না। না। না।	•••	<b>ک</b> ر
a a 8	্থানা মোজ। সাবইল প্রগনা	রাজনগর	ে তৌজি রোগ	 ল লিখিত আছে শমত লিখিত আছে	রামকুমার সরকার অভিভাবক পক্ষে নাবালক পুত্র রামগোপাল সর		8 9 H o⁄	
હ <b>ર લ</b>		७८७।८०।	•	রেসি ভূয়ারি অংশ অর্থাৎ ৮১৬ = 3 ক্রান্তি বার আনা যোল গণ্ডা ২ ৪ ক্রান্তি অংশ নি- লাম হইবে। এত- ব্যতীত অবশিষ্ট অংশ নিলাম হই তে মুক্ত থাকিল।	কার। বিবি ফেরোজা খাতৃন সাকের ম্বেশা, পালবি ম্বেসা, সামিকদিন আংগান্দ চৌধুরী, আজিকদিন আংগান্দ মাজিকদিন আংগান্দ বেসারত আলী চৌ আলী চৌধুরী পক্ষে	দ চৌধুরী, স ধুরী স্বয়ণ ও সাথিনা খা	মিরম্বেস। বেসারত ইন.আলিব	₹∘ <b>৸</b> ৵≀

উল্লিখিত মহালগুলি ১৮৯৭ সালের বাকী রাজ্বস্থ আদায় জন্য নিলাম হইবে। ইতি

টীকা—যে স্থলে উপবেৰ লিখিত বৰ্ণনাপত্তাৰ ৫. ৭ ও ৯ ঘৰে কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰম হউৰে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্কুলে ইহা বুঝিতে হইবে যে ঐ অংশেশ নিমিত্ত স্বতম্ব হিসাব কাথা হইয়া থাকে ও মহালেৰ জান্য বা আন্যান্য অংশ বিক্ৰম হয় না।

Malda Collectorate,

J. H. LEA,

The 10th August 1897.

Jollector.

#### किना वर्षमान।

#### জমিদারি বিক্রার বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওরা হাইতেছে যে, বর্দ্ধমান জিলার অন্তর্গত নিদ্ধ-লিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সালের মার্চ্চ কিন্তির বাকী রাজন্ত্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহ্নসারে বাকী রাজন্ত্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৭ সালের ২৪ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১২টার সময় নিলামে বিক্রয় করা হাইবে।

>	<b>\</b>	٠	B	a	•	9	٢	>
তৌজির নম্বর।	মহালৈ ও পেরগণাব কাম।	সম্পূৰ্ণ মহা- লের সদর জবা।	সম্পূৰ্ণ মহাৰ বিক্ৰয় ঘটবে কি সাঃ	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হবলে ঐ অংশের বা ঐ অংশের বি শেষ বি ববন। উল্লি- শিত অংশ ব্যতীত অন্যান্য অংশ বিক্রয় হববৈ মা।	ৰে সম্পত্তি বিক্লব্ন দইবে ভাৰার যালিকগণের নাম।	কোন অংশ ঘাত বিক্রয় ছইলে ঐ অং- খোর লদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাহাত বাকী।	কোন অংশ মাজ বিক্রয় ঘটনে ভাষা: বাকী গ
હર	পলদোনা পং ধেঞা	ر دلاااه ۰ ۹8 <i>و</i>		এই মহালে ২,৩, ৪ ও ৫ নং পৃথক হিসাবের মহাল বাদে ১নং পৃথক		<b>৯</b> ₹ <b>৫</b> /৬		८१८५८
				হিসাবের মহাল নিলাম হইবে				
				মূল মহাল ও				
				বাকি পড়িয়াছে ভাহার মিলাম				
				জন্য পৃথক				
				ইন্ডাহার দে				
		000.11.15.3		ওয়া গেল। এই মহালে ২,৩,				
७२	পলশোনা পং ধেঞা	18001100	••••	8 ७ ६ नः	আশুভোষ চন্দ্ৰ দিং	२०১४११		bes have
				পৃথক হিসাবের				
				মহাল বাদে				
				মূল মহাল নিলাম হইবে		! !		
				১ নং পৃথক				
	_		İ	হিসাবও বাকি				
				পড়িয়াছে তা- হার নিলাম				
				जना श्रेशक				
	· ·			ইন্ডাহার দেও-				
•				য়া গেল।				

টিকা।—যে খলে উপরের লিখিত বর্ণনাপত্তার ৫, ৭ ও ৯ ছরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই ছলে ইছা বুঝিতে ছইবে যে ঐ অংশের বিষিদ্ধ থতায় হিসাব রাখা ছইয়া থাকে ও মহালের জন্য বা জন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

Bejoy K. Boss.

Deputy Collector in Charge,

For Collector on tour.]

#### জেলা বৰ্দ্ধমান। - নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বর্দ্ধমান জেলার অস্থাণাতি নিম্নলিখিত মহুলে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি
\* স্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ভ অহুসারে উক্ত বর্দ্ধমান জেলার কালেক্ট্ররিতে ১৮৯৭ সনের ২৪শে সেপ্টেম্বর তারিখ মোতাবেক বাক্ললা ১৩০৪ সনের ৯ আশ্বিন তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক!

খরিদ্ধারগণকে নিম্মের লিখিত নিলামের সর্ত্ত সকলে বাধ্য হইতে হইবে ৷—

#### নিলামের সর্ভ ;—

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিষ্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্বাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদ্ধারকে ইহার মালিকস্থরপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরস্থ রূপে গণ্য

হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদ্ধারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।

দ্বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবং থাকিবে এবং রেভিনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা ক্লয়ক প্রজা দ্বারা দন্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ত স্থাকার করিতে খরিক্ষারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার অনধিক ছইলে সমুদ্য টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে ছইবে।

চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার উদ্ধ হইলে যত টাক। ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্ব উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি খরিদ্ধারের দায়াতে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

ে দ্ব যথব।	মহাল ও প্ৰেগণাৰ নাম।			একবেব হিসাবে যত- দূব জামা যায় ভূমিব অনুমানিক প্ৰিমাণ।			ম <b>েটব</b> (ার্য্য ছই	1	इ <b>न्</b> या।
			একর	<b>ৰু</b> ড	পো:।	क्ष	আঃ	পাই।	1
88	কালু ওক দিঃ পং মজ্জাফরসাহি		۵	<b>?</b>	২	85	•⁄	۵	
888	কজনা দিঃ পং বৰ্দ্ধমান		٩	7	22	೨೨	ı	<b>9</b>	
848	বটগ্রাম দিঃ পং মজাকরসাহি	• • •	ŧ	<b>?</b>	<b>?</b>	२५-	4/	٥	
800	উচালন পং সমরসাহি	•••	æ	v	৩৯	११	لواا	હ	
840	কৃষ্ণপুর ওরফে কামালপুর পং খণ্ডঘোষ	٠ إ	હ	2	२२	ું ૭હ	1	Ŀ	
8¢2	বু চন্দ্রপুর পং সমরদাহি	•••	٩	7	२२	৩৭	110/	હ	
8 <b>¢</b> \$	নিগোন পং ধেঞা	•••	9	*	૭હ	4.	لواا	•	
90	ডফরপুর পং অন্বিকা	•••	8	७	১৬	59	1/	9	
०१०	পাঁচরখী পং জাহাঙ্গিরাবাদ	•••	8	o	29	, 2 a	1	Ŀ	
8 & 8	কোঞ্চারডি <b>ই পং সেরগ</b> ড	•••	•	o	<b>೦</b> ಎ	3	•⁄	v	
829	কোঙারডিছি পং দেরপড়	;	•	n	72	•	0	n	
¢ <b>₹</b> 8	কোঙারডিছি পং সেরগড়	•	n	<b>ર</b>	۵	ર	110	હ	
<b>2</b>	কোঙারডিহি পং সেরগড়	••• }	•	0	۶ ۶	•	0	0	
4 4 9	কোঙারডিহি পং সেরগড়	į	0	•	<b>* *</b>	n	n	0	
609	কোভারভিহি পং সেরগড়	•••	•	n	۵	0	n	0	
<b>488</b>	কোঙারডিহি পং সেরগড়		0	•	٩	0	•	0	
t o	কোঙারডিহি পং সেরগড়		0	•	<u>د</u> ډی	3,	•	•	

ক্যনেক্টরের কাছারি জেলা বর্দ্ধমান ভারিখ২১ আগফ্ট :৮৯৭

C. FISHER,

#### জিলা ২৪ পরগণা।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারামতে সর্কসাধারণকে জ্ঞাত করা যাইতেছে যে নিম্নলিখিত জমিদারি মহালাতের সন ১৮৯৭ সালের ছ্ব কিন্তির রাজস্ব ২৮ ছ্বে সূর্যান্ত পথ্যন্ত দাখিল না হওয়ায় ঐ সমন্ত মহাল সন ১৮৯৭ সালের ২৫ সেপ্টেম্বর তারিখে জেলা ২৪ প্রগাণার কালেক্ট্রিতে বেওজর নিলামে ধরা যাইবেক।
প্রথম শ্রেণীর চিরস্থায়ী বন্দোবর্ল্ড মহাল :—

	2	9	8 🖷	α	હ	9	ь	۵	20
জুমিক লম্ব	তৌদীর নমব।	প্রগণা ও মহালের নাম।	পূবা মহা- লেব সদর জমা।	পুৱা মহাল বিক্ৰয হইবে কিনা।	যাদ একটা অংশ বিক্রয় হয় দেই অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পাত্ত নিলাম হইবেক তাহার মালিকের নাম।	যদি একটা অংশ বিক্ৰয় কবিতে হয় ভাহাৰ সদৰ জমা।	যদি পুবা মহাল বিক্রম কবিতে হয় তাদাব বাকিব পবিমান।	হয় তাহাব
	3	পং মাগুরা, কিং চেডনা দিং।	<b>৫</b> 8 २ २		শ্রীপুর ও বাগেরখোল ও রাজু মোলার চক ৩ মোজার প্রত্যেক মোজায় ॥ ৩ জানা বাদে অবশিষ্ট ॥ ৩ জানা ও জন্যান্য সমস্ত মোজা।	হরিশ্চন্দ্র রায়	a 0 ) a 4/ ?		
۲	૭હ	পং মাগুরা কিং ধাপামানপুর।	₹996 1⊌8 <mark>2</mark> ₹	•••	। ১৭৭	বাঁকেবিহারি লাল মণ্ডল দিং ।	<b>७७</b> १। ४।		৬ ৯। ৶৫ ়
<b>U</b>	æ	পং মাগুরা কিং রামেশ্বরপুর দিং।	৩১৯৬৴৫		জালিপুর দিং ১৪ মো জার প্রত্যেক মো জার ১৬ বোল আন। চক্রবেড়ে দিং ৪ মো জার প্রত্যেক মো জার ॥/১৯। — জারা ও রামেশ্বরপুর মো জার ৸/১৬(২ কাণ অংশ।	<b>ब</b>	२ <i>७</i> ७१।		2911/8
3	b t	পং মাগুরা কিং আবগাছিয়া দিং।	4			জ্বগৎচন্দ্র রায় চৌধুরী য়	**************************************		ひしょうき
ŧ	078	পং মুড়াগাছা কি হরিনারায়ণপুর	1 4/811		।।/১৪॥ = ক্রান্তী বাদে অবশিষ্ট ।/১৯৮৮৫। —ক্রান্তী।	রাজেন্দ্র নাথ রায় চৌধুরী দিং।	<b>৬৩৫৩</b> ৸৪	••••	<b>६</b> ३॥७७।
હ	90871	পং ঘড় দিং কি° রায়পুর।	७१८२ ।।- १	•••	। ৮/৬॥ = ক্রণন্তী বাদে অবশিক্ত ৮/১৩।— ক্রান্তী।	বাঁকে বিহারি লাস মণ্ডল।	1 2250 No	•••••	F007

١.	2	•	8	a	y .	9	b-	ه	70
জ মক লশ্বব	टिलेकित नम्स	প্রগণা ও মহালের নাম।	প্ব। মহ।- 'লেব স্পব ক্ষমা।	পূবা মহাল বিক্রয় হুইবে কি না		যে সম্পত্তি নিলাম চইবেক তাহাব মালি- কেব নাম।	যদি একটা অংশ বিক্রম কবিতে তথ্য তাহার সদব জ্বমা।	যদি পুরা মহাল বিক্রম কবিতে হয় তাহার বাকিরপবিমান।	যদি অংশ বিক্রয় ক বতে হয তাহাব বাকিব প্রবিমাণ।
٩	७৯२	পং আজিমাবাদ কিং হুদ। জয়- চণ্ডিপুর।	لوان 2 قاط ط		৮/৬॥ = ক্রান্তী বাদে অব শফ্ট	मात्रमा मामी	ع دا ایک	••••	७५७३०५
	७৯२। 8	কিং হুদা জয়- চণ্ডিপুর।	۳		५∕৬॥= ক্ৰান্তী বাদে অবশিষ্ট ৵১৩।− ক্ৰান্তী।	বঁকেবিহারিলাল মণ্ডল।	>Ure  /8	•••••	৯৯/১১
		পং আজিমাবাদ কিং পাথর বে ড়িয়া দিং।		• • •	।।∕ऽ।।= ক্ৰাম্ভী বাদে অবশিষ্ট ।৵৫।— ক্ৰান্তা।	ব্র <b>জেন্দ্র</b> নাথ রায় দিং।	ર. <b>૦</b>	••••	७२।8॥
	10	পং ময়দা কিং বাঁটরা।	10/8		৸১৬ – ক্রান্তী বাদে অরুশিষ্ট ১৩५ = ক্রান্তী।	স্রেন্দ্র নাথ দত্ত	<i>६</i> ७७२। ४८		\$50 H. U
	1	পং উখড়া কিং দাতারি।		মহাল।	•••••	সারদা চরণ দক্ত দিং।	••••	701/2	•••••
۲ :	२ ) ७७	পং উখড়া কৃং পাটডাঙ্গ।	ccoh/o	Ġ	•••••	वौदतश्वत प्र फि॰	•••••	3 91/2	

CHUNDER NARAIN SINGH,

For Collector.

## জিলা মুরশিদাবাদ।—জমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৯৭ সালের জুন কিন্তির বাকির জ্বন্য।—

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মুরশিদাবাদ জিলার অন্তর্গত নিদ্নলিখিত মহালগুলিবা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিনে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ২৮ সেপ্টেম্বর মোং ১৮০৪ সালের ১৩ আশ্বিন তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে হলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘরেকোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্ব হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য তংশ

	<b>.</b>		8	•	•	4		<b>.</b>
<b>তৌজির</b> শশ্বর ।	মহাল ও প্ৰগণ্য নাম।	সম্পূৰ্ণ মহা- লেব সণ্ধ জমা ৷	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হঠবে কিনা।	े (क्वलभांत अंश्म रिक्रम इंडेटल के अंश्म रा केंद्र अंश्टिम दिश्मस दिवस्य ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় চউবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ- মাত বিক্রয হইলে ঐ অংশেব সদব জম!।	্ধ শুপুৰ মহাল বিক্ৰয় হুইলে তাহাৰ বাকী।	কোন ভাংশ মাত্ৰ বিক্ৰয গুইলে ভাগাৰ বাকী।
	চর ছেতানী ধানা বজুয়া।	<b>१</b> ८ ३।। ०	म्यूप्य	••••••	ধনেশ প্রকাশ গান্থলী সাং কলিকাতা নং ১ প্রসন্ন কুমার ঠাকুরের ফ্রীট া		<b>&gt;&gt;</b> 9,	•

OPENDRA CHINDRA MOZUMDAR,
For Collector,

#### किना बनीय।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেকুর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্বে ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্পারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ২৭ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা ফাইবে।

>	1	٥	8	α	6	9	•	•
ে তীজির নদ্ধ ।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম।	সম্পূৰ্ণ মঙাত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কি না।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রম গুইলে ঐ অংশ বা ঐং অংলে: বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোম অংশ ঘাত বিক্রয় হইলে ঐ অংশেব সদর জ্বমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহাব বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয হইলে তাহাব ● ঠ্বাকী।
<b>3</b> 69	ভৌজি মহাল গ্ৰরা প্রগণে পাজ- নৌর।	] ≥870 °\?	••••	১৬৭।২ নং ডেজি গুবরা /১৪ ১৬॥, এক আনা চৌদ্দ গণ্ডা এক কড়া খোল তি ল ছুই কড়ার ভিল ছুই কাগ ভিন ংকা অংশ কেবল অংশমাত্র বিক্রয় ছইবে সম্পূর্ণ হহাল ব্লিকয় হইবেক না।	ভবানীপ্রসাদ স্থর ভারিনীপ্রসাদ স্থর দিগর।	<b>२००</b> ७		৭।১ ° সার্টিক্ষিকে- টের বাকী।

ট্যকা। - যে স্থলে উপাৰেব লিখিত বৰ্ণনাপত্তেব ৫, ৭ ও ৯ ছাবে কোন অংশ মাত্ৰ বিজয় ছইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই এনে ইছা বুকিতে হইবে যে ঐ ভংগেশব মুম্মিত স্বতম্ভ ছিলাব বাধা হইয়া পাকে ও মহালেব অনা বা অন্যান্য অংশ বিজয় হয় মা।

W. Manwell,
For Collector

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin. Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for each only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin. Rs. 6. per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native oruggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জ্বদ্ব সিন্কোনা।

কলিকাডাছ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের ম্পরিক্টেণ্ডেন্টের নিকট গবর্ব-বেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালীন ছয় পোঁও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূল্যে ভারম্ম দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২৮০ টাকায়, আট ঔপটিন ৫০ টাকায় ও এক পোঁও টিন ১০) টাকায় পাইবেন। সর্প্রমাধারণে কোম্পানির বাগানের ম্পরিক্টেণ্ডেক্টের নিকট নগদ মূল্য নিলে এইং ছিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬, টাকায়, আট ঔপ টিন ৬০ টাকায় এবং এক পোঁও টিন ১২) টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাতার অ্যানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেভাগণও এই ঔষধ বিক্রয় করিয়া ধাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের।০, আট ঔপ দিনের ৪০ ও এক পোঁও টিনের ৮০ ডাক মাম্রল দিতে ছইবে। বঙ্গদেশের গবর্গনেশ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।
১৮১৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে, যথা—
১ এক পোঁও টিন ১৮) বা ডাক মাণ্ডল সম্ভে ১৮৮০

II 역성 ,, ,, 항, ,, ,, ,, 하

【柳春 ,, ,, 811° ,, ,, ,, ,, c)

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনীডাইন নামক অপক্রট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক যিশান হয় নাই ভাহার গ্যারান্টী দেওয়া যাইভেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্র করা যাইবে এবং কলিকাভার নিকটন্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয় যাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

Rs. A. P. ... 10 Entire Gazette 0 per annum. Postage 0 Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Beugal Postage For a single copy— Entire Gazette l'arts III, IV, V, and VI for 4 sheets or under with an additional charge of 1 anna for every 4 sheets in excess

Postage ... 0 1 (

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. Baker.

Offa. Under-Secretary to the Goot, of Bengal.

of 4.

#### বিজ্ঞাপন।

:৮৮৩ সাল ২১ ফেব্রেয়ারি।—বাজালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্মাস্থল এই অবধি নিম্ন লিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে:—

	यकः मट	₹			টাকা।
সম্পূর্ণ গেডেক ট	•••	•••	•••	বৎসর	300
<u>ডাকমাস্থ</u> ল	•••	•••	•••	"	<b>t</b> 11•
৬ এ ৪ এ ৫ এ ৫ খ্ভ	( যাহাতে ব	চার <b>ভব</b> র্ষের ১	<b>ও বল-</b>		
দেশের ব্যবস্থাপব	<i>সভার</i> ভ	গাইন 🗷 🤊	গাইনের		
পাণ্ডুলিপি থাকে )		•••	•••	<b>)</b> )	8,
	•••	•••	•••	79	١,
সম্পূৰ্ণ একখানি গেজেটে	র মূল্য	•••	***	"	1•
	•••	•••	•••		/•
৩৪৪৫৫৫৬ খ্	( প্রত্যেক	৪ পৃষ্ঠাৰা	তাহার		
ন্যন সংখ্যক <sup>৬</sup>	পৃষ্ঠার মূল্য)	•••		<b></b>	/ • ৪ পৃষ্ঠার উপর বন্দ অধিক হয় ভাহার প্রভ্যেক • ৪ পৃষ্ঠা প্রভি জার একং আনা।
<b>७</b> १कशास्त्र	• ••			••	

#### কৰিকাভায়।

কলিকাতায় ও মহঃসলে সমান মূল্য, কলিকাভায় কেবল ডাকমাখল লাগিবে না।

ই, এন, বেকার।

वक्राम्यान भवर्वायात्वेत अकृष्टिः (शावे मादकवेतो ।

# The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller; M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at p-esent a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in india will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construc the hymns of the ancient Rishis of his country-Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDY., GOVY. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the came is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazette, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. BOLTON. Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

1214 December 1882.

Note - Rates of adver	tikements	in the Calcu	TIA GAZEUTE	i. Es.
Full page, per issue	•••	***	•••	20
Half ,, Casual adve	 itisement	 t4 ann <b>a</b> s per	line.	10

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাডা গেজেটের কিয়া বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজে: েৰ্ওয়া ঘাটবে না, ১৮৮৭ সালের নবেশ্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিভাপন প্রকাশ করা গেল।

গ্রবন্মেন্টের কায্যালয় কিন্তা গ্রবন্মেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ক্যেন ব্যক্তি বাকাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভদ্মিত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেক্টোরিয়েটের আকোটান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত ফার্য্যালয় ভিন্ন ফোন ব্যক্তিকে কোন পুস্তকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশতিহার কি বিজ্ঞাপন প্রভৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মুন্সের নিমিত্ত ভাকের টিকিট পাঠান গেলে ভিক্ষেতি বাদ দিবার জন্যে টাকার উপর আর ৴০ এক আনা পাঠাইতে হহবে।

সি, ডবলিউ বল্টন, वक्रापरमात्र भवर्गमार्ग्येत (ছाप्टे त्मरक्रपेता।

১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

· মন্দ্ৰয় ৷ – কলিকাতা গোলেটে ইণ্তিহার প্রকাশ কয়িবার হ	গৰ এটং ।-	<b></b>			Bial.
भक्ता ! कामकाका "ट्याटबट० द्रगालकात करान नामगण -	., , , , , ,				ર∙.
পুরা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ ক্রণের	•••	•	•••	•••	_ ` `
क्या थ १ । की	•••	***	• ••		3.
কখন কখন ইশ্চিষ্ণ প্ৰকাশ কৰিতে হুইলে এ	कर पी 🐵	•••	***	•••	1•

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant. Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### বাঙ্গাল সেকেটারিয়েট যন্ত্রালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে।

বারিন্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীমতীর বঙ্গদেশের সিবিল সন্ধিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিষ্টিক্ট ও সেশন জ্বা ও রেন্ট কমিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পালের শ্রীযুত সি, ডি. ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি, লাহেবের প্রাণীত বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূম্যধিকারার প্রজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুশুকের মূল্য, ে পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাজাল সেকেটারিয়েটের আকৌন্টান্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং ভাষা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।/০ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য।—উক্ত পুস্তক এখন ও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলক্ষে বজদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাতার স্পানেত এয়েন্ট টোন হালের হাতায় স্থিত বজদেশের গবনমেন্টের ব্যবস্থাপন কাষ্যবিভাগের আপিসে বেঞ্জি-ফারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

ডক্ত সকল আইনের পুস্তক কলিকাতার গ্রন্মেন্ট শ্লেশে, খাকার স্পিত্ব কোশানির বাটাতে ক্রয় করিতে পাওয়া যায়।

ৰ'লকাতঃ প্ৰেসিডেলা কেল ম্প্ৰাল্যে গ্ৰণ্মেটের কন্য জীয়ত কেম্ম পেটা সাহেৰ কল্পন মুদ্রিত ও প্রকাশিত হুই ল 🖫







# गवर्गामण्ड (जाटकारे)

TUESDAY, SEPTEMBER 7, 1897.

## यक्रलवात, ১৮৯१ माल १ (मर्ल्डेयत ।

CONTENTS.			
	Page.	নিৰ্ভ ।	
PART 1 Resolutions, Orders and Notific	<b>A-</b>		नुष्ठी ।
tions of the Government of Indi	ia Nil.	প্রথম <del>বও।—ভাবতবর্ষীয় গ্রব্দেটের নির্</del> ছার	q
PART II.—Resolutions, Orders and Notific	a-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রড়ভি	নাই ।
tions by the Lieutenant-Governo	or .	ৰিতীয় খণ্ড।—ব <b>ল্পদেশে</b> র গবর্ণমেক্টের নির্মাণ	
of Bengal	269—272		<b>২</b> ৬৯ — ৽ <b>৭</b> ২
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover	r.	বিতীয় ক বঙ। —বলদেশের গ্রথমেণ্টের আদেশ	
nor of Bengal	77—79	ভূতীয় খণ্ড।—ভাবতবৰীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রব	
PART III Acts of the Legislative Council of	of	আইন	নাই <sup> </sup>
India	Nil.	চতুর্থ বভ।—ভারতবর্ষীয় ব্যবন্দাপক সভার আইট	
PART IV Bills of the Legislative Council of	of	পাতৃলিপি	… … নাই।
India	Nil.	প্ৰাম খণ্ড।—ৰদীয় ব্যবস্থাপক সভাৱ প্ৰণীত আ	
PART V Acts of the Bengal Council	<b>N</b> il.	वहे थल।—वजीव वायन्द्रांशक महात छाहेर	., , ,
PART VI.—Bills of the Bengal Council .	Nil.	estanfarfor	
PART VII Circular Orders by the Hig	ı <b>h</b>	লপ্তম থণ্ড।—হাই কোটেঁর ৩ রেবিনিউ বোচে	… নাই <sup>।</sup> ←-
Court and Board of Revenue	-	RIVING WHOMOM	_
	439-455	makes at an a statement and	… নাই।
4)	Nil.	পরিশিষ্ট গ্রথমেন্টের গ্রেম্মেট	803-800
~ C & & & & & & & & & & & & & & & & & &		नात्राच्य तपनद्वदच्य दगद्वम्य	नादे।

#### PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

## দিতীয় খণ্ড।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেক্টের নির্দারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

#### বঙ্গদেশের প্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

#### মেডিক্যাল ডিপার্টমেন্ট।

মড়ক সংক্রান্ত ও নং বিজ্ঞাপন। কলিকাতা ১৮৯৭ সাল ১৭ আগস্ট।

ব্যাপক পীড়া বিষয়ক ১৮৯৭ সালের ও আইনের ২ ধারা এবং ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্টের ছোম ডিপার্টমেন্টের ৪ঠা কেব্রুয়ারি তারিখের ৩০২ নং বিজ্ঞাপন অস্নসারে প্রদন্ত ক্ষমতা পরিচালন করতঃ এবং ১৮৯৭ সালের ২৫এ যে তারিখের মড়ক সংক্রাম্ভ ও নং বিজ্ঞাপন রহিত করিয়া বৃদ্ধদেশের জীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব এই আদেশ করিলেন যে, যে সকল জলমান ও ব্যক্তি বৃদ্ধদেশের অন্তর্গত নিম্মলিখিত বন্দরগুলি ছাড়িয়া ভারতবর্ধের বহিভূতি কোন বন্দরে যাত্রা করিবে তাহারা নিম্মলিখিত বিধির বিধানগুলির অধীন হইবে।—

কৰিকাতা।	বালেশ্বর।	কলস্পয়েন্ট।
চট্টগ্রাম।	<b>हैं। मर्यानि</b> ।	পুরি।
	বিধি।	

- ১। স্থাতেরের পরিদর্শন ও সার্টিফিকেট।— ষডক্ষণ পর্যন্ত ধন্দরের স্বাস্থ্য সংক্রান্ত কর্তৃপক্ষ কোন জলযান পরিদর্শন না করেন এবং ঐ জলযানের কাপ্তান বা ভারপ্রাপ্ত ব্যক্তি ঐ কর্তৃপক্ষের নিকট হইতে নিম্নলিখিত কারমে স্বাস্থ্য সংক্রান্ত এই সার্টিফিকেট না পান যে তিনি জাহাক্তে উঠিবার সময় দিবাভাগে ঐ জলযানের কাপ্তান বা ভারপ্রাপ্ত ব্যক্তিকে, উহার কর্মচারিগণকে, উহার মাল্লাদিগকে এবং উহার আরোহী থাকিলে আরোহীগণকে পরিদর্শন করিয়াছেন এবং ঐ সকল ব্যক্তি জীবনের আশক্ষাজনক সংক্রামক রোগ এবং বীচি ফুলা মড়ক হইতে মুক্ত, ততক্ষণ ঐ জলযান উক্ত কোন বন্দর ছাড়িয়া ভারতবর্ষের বহিভূতি কোন বন্দরে যাত্রা করিবে না। কিন্তু আরোহির বেলা এই উদ্দেশ্যে নিযুক্ত কমিশন প্রাপ্ত চিকিৎসকের ১ ক্রোড়পত্র স্বন্ধপ সংযুক্ত কারমে প্রদন্ত এবং জাহাজ যাত্রা করিবার পূর্বের ১২ ঘটার অধিক না হয় তারিখযুক্ত সার্টিফিকেট বন্দরের স্বাস্থ্য সংক্রান্ত কর্তৃক পরীক্ষার পরিবর্গ্তে গৃহীত হইবে। ঐক্নপ সার্টিফিকেট স্বান্তের্য সার্টিফিকেটে সংযুক্ত করিয়া দিতে ছইবে এবং উহার অংশক্ষরপ হইবে।
- ২। স্কুনিক দেষি দূষিত ব্যক্তিদের স্নান্তর করণ।— বন্দরের আছা সংক্রান্ত কর্পক যদি এরপ বিবেচনা করেন যে ঐরপ পরিদর্শিত কোন জলযানত্থ কোন ব্যক্তি বীচিফুলা মড়কাক্রান্ত হইরাছেন কিন্তা উক্ত মড়কের সংক্রমণ হইতে মুক্ত নহেন তাছা হইলে উক্ত ব্যক্তিকে এবং তাঁহার আত্মীয়গণকে এবং চিকিৎসক নহেন এমন অম্চর বর্গকে জলযান হইতে গ্রক্থিয়েট কর্ত্বক স্থাপিত মড়কের হাঁস্পাতালে কিন্তা পরিদর্শনের স্থলে লইয়া যাইতে হইবে এবং উক্ত ব্যক্তি কিন্তা তাঁহার আত্মীয় ও অম্চরবর্গ জাহাজের যে সকল অংশে গতিবিধি করিয়াছেন সেই সেই অংশ তাঁহার সন্তোষজ্ঞনক ভাবে সংক্রামক দোষ শূন্য করিতে হইবে। যাহা মড়ক বলিয়া নির্ণয় বা বিশ্বাস করা হয় এমন কোন রোগ জাহাজে দেখিতে পাওয়া গেলে আছ্যের সার্টিকিকেটে ঐ কথা লিখিতে হইবে এবং সতর্কতা অবলম্বন করিতে হইবে।
- ত। সন্দির্গ দেব্য সংক্রোমক দোষ শূন্য করণ।— দ্বিত বা সন্দিয় সকল

  ক্রব্য কন্দরের আন্তঃ সংক্রান্ত কর্তৃপক্ষের তত্তাবধানাধীনে ২ ক্রোড়পত্রের নির্দিষ্ট প্রকারে ক্লে কিছা

  সংক্রামক দোষ নাশার্থ উনানে দোব শূন্য করিতে হইবে।
- ৪। নৃতন সাত্রের সাটিফিকেট কখন আবশ্যক ছইবে।—
  জলমানের কাপ্তান বা জারপ্রাপ্ত ব্যক্তি এই সকল বিধির বিধানাল্লারে স্বাস্থ্যের সাটিফিকেট পাইবার
  পর জলমান বন্দর হছতে যাত্রা করিবার পূর্বেকোন ব্যক্তি উহাতে গৃহীত হইবে না। কিন্তু

বন্দরের আন্ত্যু সংক্রাম্ভ কর্ত্বপক্ষ পুনরায় ঐ জলযান পরিদর্শন করিলে এবং জলযানের কাপ্তান বা ভার-প্রাপ্ত ব্যক্তি উক্ত কর্ত্বপক্ষের নিকট হইতে আর একখানি আস্থ্যের সার্টিফিকেট পাইলে লোক গৃহীত হইতে পারিবে।

- বন্দর ছাড়িয়া যাইবার অনুমতি।—(क) এই বিধির (খ) দফার বিধানাল-मारत मा इहेरन, या जनगाम डेक कान वस्पत हहेरा कात उपरित वहिल्ल कान वस्पत याहरक छेमार হইয়াছে দেই জলয়ানের কাপ্তান বা ভারপ্রাপ্ত ব্যক্তি যতক্ষণ পর্যান্ত পুর্কোক্ত প্রকারে **ভাছ্যের** যে সার্টিকিকেট লইতে হইবে তাহা না দেখান ততক্ষণ পর্যান্ত ঐ জলগানকে বন্দর ছাড়িয়া যাইবার অত্ন-মতি দেওয়া হইবে না এবং এরপ স্থাছ্যের সার্টিকিকেট না দেখাইলে বন্দর ছাড়িয়া যাইবার অভ্নয়তি দিতে অন্থীকার করা কট্টমের কর্মচারিগণের কর্ত্তব্য কর্ম।
- (খ) কিন্তু কোন অস্থানের এজেটগণ যদি এই গারান্টি দেন যে যাত্রা করিবার ৪৮ ঘটার মধ্যে তাঁহারা বন্দরের স্বাস্থ্য সংক্রান্ড কর্তৃপক্ষের কিয়া অতিরিক্ত স্বাস্থ্য সংক্রান্ড কর্তৃপক্ষের স্বাক্ষরিত শেষ প্রদত্ত স্থান্ত্রের সার্টিকিকেটের দোকর খণ্ড দেখাইবেন এবং স্বাস্থ্য সংক্রান্ত কর্ত্বপক্ষ যদি কোন কারণে ঐ সার্টিফিকেট দিতে অন্বীকার করেন তাহা হইলে তাঁহারা জলযান জাহাজ রাধিবার হানে কিরাইয়া আনিবেন তাহা হইলে কউমের কালেক্ট্র সামুদ্রিক কউম বিষয়ক আইনের ৬৬ ধারা অহুসারে বন্দর ছাভিয়া যা**ইবার অস্মতি দিতে পারিবেন**।
- সাস্য সংক্রান্ত কর্ত্রপক্ষগণ I—এই সকল বিধি অহুসারে স্বান্থ্য সংক্রান্ত কর্ম্বপক্ষের ষেং কর্ম্বরা আছে ভাহা নিম্নলিখিত ভাক্তরগণ কর্তৃক কিছা উক্ত কার্য্যের নিমিত্ত শ্রীযুত সেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব সময়ে সময়ে অপর যে সকল ডাক্তর নিযুক্ত করিবেন তাঁহাদের কর্তৃক সম্পাদিত হইবে।

#### স্বাস্থ্য সংক্রান্ত কর্ত্তপক্ষ।

কলিকাতা	•••	•••	বন্দরের স্থাস্থ্য সংক্রাম্ভ কর্তৃপক্ষ এবং অতিরিক্ত কর্ত্তপক্ষ।
চট্টগ্রাম	•••	•••	मितिन <b>मर्ज्जन</b> ।
নারায়ণগঞ	•••	•••	নারায়ণগঞ্জের সিবিল হস্পিটাল আসিফ্টাণ্ট।
বালেশ্বর	• • • •		সিবিল সজ্জ ন।
চাঁদবালি		• • •	চাঁদবালির সিবিল হস্পিটাল আসিফ্টান্ট।
<b>কলসপয়ে</b> ন্ট	•••	•••	জন্মর সিবিল হস্পিটাল আসিফান্ট।
পুরি		• • •	সিবিল সর্জ্জন।
•	-		সি, ই, এ, ডবলিউ ওল্ডহ্যাম,
			বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের একটিং সেক্রেটরী

#### স্বাস্থ্যের সার্টিফিকেট।

আমি এই সার্টিক্ষিকেট দিভো	ছ যে	
*কর্মচারী এবং কার্য্যদক্ষ খালাসি সমেত <sub>া</sub>	নামক যে জাহাজ (বা ফীমর)	ত্র বোঝাইয়ের ভুল *
माला अवः	জন আরোহী লইয়া	নিশান তুলিয়া
আরোহী ও মালাগণকে জাহাজে	যাইতে উদ্যত হইয়াত স্থোষজনক এবং আমি নিম্নলিখিত উঠিবার সময় দিবাভাগে পরিদর্শন কা রোগ বা বীচিফুলা মুভক হয় নাই।	
	प्राण पा पार्क्स्या युक्त रहा मार । मिखिहि यि —————————————————————————————————	া ও বন্দরে এক্ষণে বীচিফুল <sub>ী</sub>
†কিখা যেরপ হয়।	মড়ক, ব্যাপক ওলাউঠা, পাঁত জ্বর ব্যাপক পীড়া নাই।†	

নিম্নলিখিত ব্যক্তিগণ (ই হাদিগকে আমি চিনি কিন্তা আমার সম্ভোষজনক ভাবে ই হাদিগকে সনাক্ত কর হইমাছে) এতদর্থে যথায়ধরণে নিযুক্ত ডাক্তরগণের নিকট হইতে এতৎসণযুক্ত সার্টিকিকেট উপস্থিত করিয়াছেন।

#### ১ ক্রোডপতা।

#### পার্টিকিকেট।

আমি এডদ্বারা এই সার্টিকিকেট দিতেছি যে আমি	জাহাজের
আবোহী ঞী	ক্রিরা দেখিয়াছি যে পার্শে যেরূপ লিখিত হইল

(धनी।

शराय नाय।

যে সকল আরোহী সমুদ্রপথে বন্দর ছাভিন্না ঘাইবেন তাঁছাদের পরীক্ষার্থ ১৮৯৭ সালের ১৭ই আগফ ভারিখের মড়ক সংক্রান্ত ৩ নং বিজ্ঞাপনের ১ বিধি অহসারে বিশেষরূপে নিযুক্ত।

#### ২ ক্রোডপত্র।

দূষিত বা সন্দিশ্ধ সকল ভিতরের জামা প্রস্তৃতি, বিছানা, পোষাক, গদি, গালিচা প্রস্তৃতি নর্মাল প্রেসরে অর্থাৎ বাষ্প সছই হউক বা বাষ্প বিনাই হউক দেড় ছইতে গুই ভিগ্রা প্রেসরে তোলা উনানে সংক্রামক দোষ খ্ন্য করিতে হইবে।

কোন তোলা উনান সংক্রায়ক দোষ খ্ন্য করণক্ষম বলিয়া পাশ করিবার পূর্ব্বে কোন গদির মধ্যস্থলের তাপ যখন অন্ততঃ (দেণ্টিগ্রেড) ১০০ ডিগ্রী হয় তখন উহা দিগনাল থর্মমিটর দিয়া দেখিয়া ঐ উনানের পরীক্ষা করিতে হইবে।

সম্যক প্রকারে দোষ খ্ন্য করিতে হ**ইলে ১০ ছইতে ১৫ মিনিট ধরিয়া এই তাপ রাখিতে** হইবে। সংক্রামক দোষ নাশের জল—

(ক) করোসিব সবলিমেটের দ্রব। ছাজারে একভাগ। ইছাতে ১০ ভাগ ক্লোরাইড অফ সোড়া যোগ করিতে ছইবে।

এই দ্রব আনিলাইন রঙ বা নীলবুড়ি দিয়া রঞ্জিত করিতে হইবে। ইহা ধাতৃ পাত্রে রাখা হইবে না।

(খ) সকট্ সোপ্ (সাবান) গোলা উষ্ণ জলে একশ ভাগে পাঁচ ভাগ বিশুদ্ধ ক্রিফালাইজ কার্ব-লিক আসিডে দ্রব কিম্বা একশ ভাগে পাঁচ ভাগ অবিশুদ্ধ ক্রমাস লি কার্বলিক আসিডের

এই কার্কলিকের দ্রব বেশ কার্জে লাগিরে। বিশেষতঃ ধাতু, যন্ত্র প্রভৃতি যে সকল দ্রব্যে ১০০ ডিগ্রী সেন্টিগ্রেড তাপ কিম্বা করোসির সবলিমেট লাগান যায় না সেই সকল দ্রব্য দোষ শ্ন্য করিবার পাক্ষে খ্র কাজেই লাগিবে। যে সকল বন্দরে নির্দিষ্ট পাটেন্টের সংক্রামক দোষ শ্ন্য করিবার ভোলা উনান নাই সেই সকল বন্দরেও ঐ দ্রব ব্যবহার করিতে পারা যাইবে।



# गवर्गाने (गदन्हे।

TUESDAY, SEPTEMBER 7, 1897.

# यत्रनवात, ১৮৯१ मान १ म्हिस्त ।

PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal.

দিতীয় ক খণ্ড।

বঙ্গদেশের গ্র্বমেন্টের আদেশ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 4541M.—The 30th August 1897.—Whereas a notification, No. 2749M., dated the 18th May 1897, was published at page 133, Part IB of the Calcutta Gazette of the 19th idem, declaring the Lieutenant-Governor's intention to sanction, under section 86 of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Bengal Acts IV of 1894 and II of 1896, the levy by the Commissioners of the Asansol Municipality, in the district of Burdwan, of a fee on the registration, under section 142, of all carts kept or used in the ordinary course of business within the Municipality, and whereas no reasons have been shown to the contrary, it is notified for general information that the Lieutenant-Governor hereby sanctions the levy, by the Commissioners of the Asansol Municipality, of the said fee on the registration of carts at rates not exceeding those mentioned in section 143 of the Act.

C. E. A. W. Oldham, Offg. Secy. to the Govt. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 4561M.—The 30th August 1897.—Whereas a notification No. 2552M., dated the 7th May 1897, was published at page 117, Part IB of the Calcutta Gazette of the 12th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of sections 25 t to 260A and 274 of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Bengal Acts IV of 1894 and II of 1896, to the Bhadreswar Municipality, in the district of Hooghly, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Bhadreswar Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said Municipality.

C. E. A. W. OLDHAM, Offg. Secy. to the Govt. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 4577 M.—The 31st August 1897.—Whereas a notification No. 2687 M., dated the 15th May 1897, was published at page 128, Part IB of the Calcutta Gazette of the 19th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of sections 245, 246, 247, 248, 254 to 260 A and 274 of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as modified up to November 1896, to the Kotrung Municipality, in the district of Hooghly, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the above Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said Municipality.

C. E. A. W. Oldham, Offg. Secy. to the Govt. of Bengal.

#### বঙ্গদেশের শ্রীযুক্ত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

#### মুনিদিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন ৷

৪৫৪১ এম্, নম্বর। —১৮৯৭ সাল ৩০ আগফ। —বর্দ্ধমান জ্বিলার অন্তর্গত আদেনসোল মুনি দিপালিটার মধ্যে যে সকল গরুর গাড়া রাখা যায় বা চলিত কার্য্যসূত্রে ব্যবহৃত হয় তাহা, ১৮৯৪ সালের বল্পায় ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের ২ আইন দ্বারা সংশোধিত বঙ্গদেশের ৯ নিসিপ নিটা বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ অ'ইনের ১৪২ ধারা মতে রেজেফরা করিবার ফি উক্ত মুনিসিপালিটার কমিশ্ররদের দ্বারা আলায়ের অহ্মতি উক্ত আইনের ৮৬ ধারা মতে দেওনার্থে শ্রীযুত লেপ্টেনেট গর্বর সাহেবের অক্তিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের মে মাসের ১৮ তারিখের ২৭৮৯ এম নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১৯ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ ট খণ্ডের ১৩৩ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও তরিপক্ষে কোন কারণ দর্শনি না যাওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া মাইতেছে যে শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেব উক্ত আইনের ১৪৩ ধারার লিখিত হারের অন্ধিক হারে আসেনসোল মুনিসিপালিটার কমিশনরদের দ্বারা গরুর গাড়ী রেজেফরী করিবার উক্ত কী আদায় হইবার অহ্মতি দিলেন।

সি, ই. এ ডবলিউ, ওল্ডহ্যাম, ব**ল্লদেশে**ন গ্রব্মেন্টের একুটিং সেক্টেরী।

#### বিজ্ঞাপন ।

৪৫৬১ এম্ নম্বর ।—১৮৯৭ সাল ৩০ আগফ ।—হগলি জিলার অবর্গত ভদ্রেশ্বর মুনিসিপালিটিতে ১৮৯৪ সালের বঙ্গায় ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের বঙ্গায় ২ আইন দ্বারা সংশোধিত বঙ্গদেশের মুনিসিপালিটা বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের ২৫৪ অব্ধি ২৬০ ক পর্যান্ত ও ২৭৪ ধারার বিধান প্রচলিত করণার্দে শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্গর সাহেবের অভপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ৭ মে তারিখেব ২৫৫২ এম্ নং এক বিজ্ঞাপন ও মাদের ১২ তারিগের কলিকাতা গেজেটের ১ টি খণ্ডের ১১৭ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটাতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাদের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সমন্ধে কোন আগপত্তি উপপ্রিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগতার্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্গর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারামতে প্রদক্ত ক্ষমতাল্লসারে কার্য্য ক্রিয়া এবং ভ দেশ্বর মুনিসিপালিটীর সভাগত ক্মিশনরদের অন্বরোধক্ষমে মুনিসিপাল আইনের উক্ত বিধান উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রচলিত করিবার অনুমতি দিলেন।

সি ই এ. ডবলিউ ওল্ডহ্যাম বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের এক্টিং সেক্রেটরী।

#### বিজ্ঞাপন।

৪৫৭৭ এম্ নম্বর 1—১৮৯৭ সাল ৩১ আগষ্ট!— হুগলি জেলার অন্তর্গত কোতরজ মুনিসিপালিটীতে ১৮৯৬ সালের নবেম্বর মাস পর্যান্ত সংশোধিত বঙ্গদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের ২৪৫, ২৪৬, ২৪৭, ২৪৮ ও ২৫৪ অবধি ২৬০ ক পর্যান্ত ধারার এবং ২৭৪ ধারার বিধান প্রচলিত করণার্থে প্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের মে মাসের ১৫ তারিখের ২৬৮৭ এম্ নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১৯ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১৪ খণ্ডের ১২৮ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি উক্ত আইনরের ২২১ ধারা মতে প্রদক্ত ক্মতাল্লসারে কার্য্য করিয়া এবং উক্ত মুনিসিপালিটীরে সভাগত কমিশনর দের অন্বরোধক্রমে মুনিসিপল আইনের উক্ত বিধান উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রচলিত করিবার অন্থ্রতি দিলেন।

সি, ই, এ, ডব্লিউ, ওল্ডহ্যাম, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের এক্টিং সেক্টেরী।





# গবর্ণমেণ্ট গোজেট

TUESDAY, SEPTEMBER 7, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৭ সেপ্টেম্বর :

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

অপ্তম খণ্ড। '

ইশ্ভিহার এড়তি।

#### LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্তাহার।

#### জিলা বারভূম।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বীরভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত সন ১৮৯৭ সালের ২৭শে সেপ্টেছর তারিখে বেলা ১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

٠,	<b>ર</b>	৩	8	û	•	9	<b>F</b>	۶
তোজীর লখর।	মহাল ও প্ৰগনাব নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর ক্ষমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয হইবে কিনা।		যে সম্পত্তি বিক্রম হউবে তাহার মালিক্গণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হটলে ঐ অংশের সদব জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে ডাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিভেয হইলে তাহার বাকী।
১০১ নং	হেৰুকা, প্রগণা আক্বরসাহি থানা মোড়ে-	200290	সম্পূর্ণ	•…•	ভোলানাথ ঘোষ দিগর।		87।७	
১০৯ নং	শ্বর।  দাঁড়কা, পারগণা  ইছাপুখুরিয়া  শানা লাভপুর।	· !	•	এজমালি অংশ রকম .।১/১৯ গণ্ডা ২ দন্তী এই এজমালি		े इस्थाऽ 	•••••• !	৮(৪ পাই
১•৩ নং	খন্না, প্রগণা খটকা থানা সিউড়ী।	১৩৮৩১/৽	•••••	৷৷৯৷—১৫ ডিল	গিরিশ চন্দ্র চট্টো- পাধ্যায়।	१७२/०		6:14
90 70	াগভঙ্গে । জাকুমি প্রগণা।	\\	•	এই এজমালি অংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নীলাম হইবে না।				
1º 4.	জাকুন শরগণ। স্বরূপদিংহ খানা মোড়ে- খার।			১৭০ পৃথক হিসাব  কাজিপুর বাগ- বাদিনী ও ভূড়ি গ্রাম মোজার রকম  কোল আনা এবং  সাহাজাদপুর চক ও  সাহাজাদপুর নও-	সতীশ চন্দ্র মুখো- পাধ্যায় দিগর।	<b>৫</b>		₹ ⋒
	. !			য়াবাদ মৌজার রকম।/ তানা এই পৃথক হিসাব ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশনীলাম কইবে না।				

দী কা। - যে শ্বলে উপবের লিখিত বর্ণমাপত্তার ৫, ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া দিখিত আছে সেই শ্বলে ইহা বৃথিতে ছইবে যে ঐ অংশের মিমিত্ত অত্য হিসাব বাখা হইয়া থাকে ও উপরি লিখিত অংশ ডিয় মহালের অন্য কোন অংশ মিলাম ছইবে মা।

BIRBHUM COLLECTORATE,
Dated Suri, the 9th August 1897.

F. N. FISCHER, Collector.

#### জিলা নোয়াখালী।

#### জমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেষ্ট্রর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহ। আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ১৫ সেপ্পেন্থর তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে ছলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই দলে প্র অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

>	•	•	8	t	•	9	-	>
তৌলির নগর।	ম <b>হাল ৩৫ প</b> রগনাব নাম।	সম্পূৰ্থ মহা- লেব সদব কমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হটবৈ কিনা।	<b>इ.इ.ल.ध अः अः व</b> ा		কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰম চুইলে ঐ অংশেব সদব জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহার বাকী	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে তাহার বাকী।
~ <u>2</u>	দান্দরা হিঃ ১১।—১০ ক্রান্তী পং দান্দরা।		অংশ	হিসা <b>ব পৃথ</b> ক হিঃ IJ১০II/৮ ডিলা		৮০১৭৬	••••	8 <b>४</b> ०। <b>√</b> २
8 t	কিসমত মহেন্দ্র নানারায়ণ •পং শুন্দীপ।	७७१/১১	मण्यूर्व		শ্রীমতী আইজা- শ্লেছা।	, <b>.</b>	255177	•••••
<i>\$</i>	চাকলে বামনী জ্বমি- দারী চাং বামনী।	•••	অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ ।॰ আনা ।	গং নাবালগান পক্ষে মাত। অভি- ভাবক মিস এলেনা	<b>२</b> १ १ ७ ७ ४	•••	¢ <b>¢</b> ⊌45
			খাস মহ	াল টেনিউর—	জে, ডেলনি: সাহেবা।			
<b>5</b> 69 <i>a</i>	চর উশ্বর রায় মধ্যে ২ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওলা নজুদ্লাল।	reele	সম্পূৰ্ব		আবহুল হাকিম মিঞাজি গং।		२४-। •	******
\$ & 9 æ	ঐ চর মধ্যে ৩ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওলা ব্রজরাম মাঝি গং।	१२०॥७०	ď		ব্ৰজ্বাম মাঝি গং	•••••	२७८/०	*****

LAIAT KUMAR DAS, Deputy Collector in charge.

#### जिना राकतश्र ।- क्यामाति विकासत विकासन क।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এজদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিনে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত জুন কিন্তির বাকী রাজত্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজত্বের ন্যায় আদায়ের যৌগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৭ সনের ২৪ সেপ্টেম্বর শুক্রবার তারিখে মোং বাং ১৬০৪ সনের ৯ আশ্বিন নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭। ২ আগস্ট।

•	8	•	8	•	<b>S</b>	9	<b>b</b>	>
ভৌজির নম্বর ।	মহাল ও পরগণার দাম।	সক্ষুণ মহা- লেব সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিশ্লয় হইবে কিনা।	দেবলমাত্র অংশ বিক্রেয় ছইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেব বিবরণ।	যে সম্পদ্ধিবিক্রয় ছইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশের সদর জমা।	স <b>ম্পূৰ্ণ মহাল</b> বিক্ৰয় হইলে তাহার বাক <sup>ী।</sup>	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহায় বাকী।
<b>3699</b>	তালুক সৈক্ষনীন খাঁ গং পং বোজরগো- মেদপুর।	•••••		এজমালী ৮,/১৫ গণ্ডা অংশ নিলাম হইবে। অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না।	ক্বম্বকিশোর নিয়োগী গং।	3 · 8 ଓ મ એ 8		હাত্য। পাই
8 <b>t</b> 8U	পদ্মা ওরফে রম- জানপুর পং কাশীম- পুর সেহলাপট্টী।	و ده	সম্পূর্ণ মহা- লের মালিকী স্বত্ব নিলাম হইবে।		হরকুমার সেন গং	•••	۵۶۴)	•••••
<b>4</b> 22	চক কচুপাতরা পং চম্ম্ববীপ।	90 <del>2</del> )	সম্পূর্ণ মহা- লের তালুক- দারী স্বত্ত্ব নিলাম হইবে	<b></b>	শশীক্ষার বন্থ গং	•••••	৬০৮)	*****
8685	जूषथानी महान जशीन हनः निम् हाउना शः रेमम्पूत ।	د ن و یان	সম্পূৰ্ণ নিম হাওলা নিলাম হইবে।	······································	এরকান্থন্দি গং	<b>05.96</b> ,	3334 <sub>9</sub> /•	
<b>(a)</b>	ভূষখালা মহাল অধীন ৬৮/৮৪/২১৮ নং যোত।	٥٠٧)	সম্পূৰ্থোত নিলাম হইবে।		यम्ब १९	****	ه٠ <b>১</b> )	******
****		\$ o &\$  <b>&amp;</b> \$ •	मण्पूर्व हाउ- ना बिनाम हहेरव ।		কাশীচন্দ্র দাস গং	••••	<b>₩</b> 8₹4 <sub>9</sub> ∕∪	*****

স্থা।—যে দ্বলে উপরের লিখিত বর্ণনাপত্রেব ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই দ্বলে ইহা ব্বিতে হইবে যে ঐ অংশের নিমিত্ত অতম হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

B. Bell,

Offg. Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম।

### ইস্তাহারনামা কাছারি কালেক্টরি জিলা চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইডেছে যে ১৮৯৭ ইংরাজির ২৫ কেব্রেয়ারি শেব তারিখের বাকী পড়া ৫০০, টাকার উর্দ্ধ জমার নওয়াবাদ গালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেচ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আং ১৮৭১ সালের ২ আং ১৮৫৯ সালের ১১ আং ৬ ধারার র্যায়তে ১৮৯৭ ইং তারিখ ৭ সেপ্টেছর মোতাবেক ১৩০৪ বাং তারিখ ২৩ ভাদ্র রোজ মঙ্গলবার ধার্য্যে জিলার কালেক্ররিতে প্রকাশ্য নলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৯ জুলাই। •

	তালু-			म प्रव	ভ্যা। 	3	কীব পবিমা :	9 1	
মিক শ্বব ।	কাব নগর।	তালুকার নাম ।	মালিকেব নাম।	শক্রা।	সেস।	থাজান।	(मम ।	(मांहे।	ম <b>ন্থ</b> ব্য
,	<b>ર</b>	•	8	¢	•	9		•	٥٠
		মেডিজ জুজখনা থানা ফুটীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।						•	
	\$005 \$040 \$040 \$640	• তাং সেখ ওবেছলা খাঁ হাং তাং লতিপা খাড়ুন	শ্ৰীমতী লতিকা খাতুন	√اا <b>د</b> ه د د د	<b>€ b</b> -∕ o	448)	<b>२२</b> भग्न	æ96420	*** ***
	8 <b>&gt;</b> 8\$	মেতিজ ভূজপুর থানা ফটীকছবি মহাল নও- য়াবাদ।							
	<b>२</b> 8०२১ ७७ <b>१</b> 8	তাং এয়ার আলি খাঁ হাং তাং ওবেদর রহমান খাঁ।	ওবেদর রহমান বাঁ	<b>و</b> ه ۹	่งแห่ง	७८७॥७	3042	0601/6	•••••

CHITTAGONG COLLECTORATE,

\* The 23rd July\_1897.

J. D. Anderson,

Collector.

#### **प्यमा** कतिमभूत ।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এজদারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে করিদপুর জিলার অন্তর্গত নিম্নদিধিত বছালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজত্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাছসারে বাকী রাজত্বের ন্যায় আদারের যোগ্য তাহা আদার করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৩ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১১ টার সময় নিলাবে বিক্রয় করা যাইবে। ১৮৯৭। ১০ আগউ।

>		•	8	ď	v	1	ь	۵
ভৌশির শহর।	মহাল ও প্রগণাব নাম ৷	সম্পূর্ণ বহা- লের স্পর ক্ষমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় ছইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ ব। ঐ২ অংশেব বিশেষ বিববণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হইবে তাহার মালিকগণের নাম া	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অং- শের সদর শ্বমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় ১ছলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হটলে ডাহার বাকী।
₹ <b>¢</b> •	ণং কাশীম নগর মহাল পঞ্চাশ হাজারী।	७৮३१	যোলআনা	•••••	ঈশ্বেচন্দ্র সাহা গন্ধ- রহ।	•••••	و، ده <b>ه</b>	••••••
443F	পং হাবেলী তপ্পা মামুদপুর সোল- পুরের অতিরিক্ত মহাল।	3.89)	Á	•••••	প্রসন্ধকুমার সেন	····	<b>२७</b> 3)	

জীকা।—যে শুলে উপরের লিখিত বর্ণনাপত্তের ৫.৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই শুলে ইঙা বৃথিতে হইবে যে ঐ অংশের ক্রিমিত শুভত হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রম হয় না।

J. H. TEMPLE, Collector.

#### ইস্তাহার নামা কাছারী কালেইরী জেলা চটুগ্রাম।

্বাকী পড়া খাজানা যাইতেক্সে যে এই কাছারী সংক্রান্ত নিম্নলিখিত তালুকাদির ১৮৯৭ ইং সনের ২৫শে যেই শেষ তারিখের বাকী পড়া খাজানা ও ছেচু আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মান্ত্রসারে ১৮৯৭ ইং সনের ২০ অক্টোবর মোতাবেক ১৩০৪ বাং সনের ৪ কার্ত্তিক রোজ্ঞ বুধবার জেলা চট্টগ্রাম কালেষ্ট্রর কাছারিতে বিনা ওজ্ঞারে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইং তারিখ ২৪ আগন্ত ।

मचत	ও মহাল।		•	ৰাৰ্যিক	<b>∓</b> मा।		वाको।		
)मर (इर नभव ।	তালুকের নখর।	থানা, মৌৰাও মহালের নাম।	মালিকের নাম।	খাজানা।	ছেছ।	থাক্তানা।	CB ह्।	মোট।	মস্বৰ)
) 	₹	٥	8	*	•	9	ь	<b>,</b>	۶۰
<b>ታ</b> ዩ	263	ধানা রামু মোজে খুরলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক খএকলা।	হাৰ্কান আন্সী চৌধুরি পিং মাহামুদ হারি সিকদার সাকিন পা- ত্লা মাছুয়াখালা।	<u> </u>	<b>७</b> ३५०	২৫৩।৯৫ ১৮৯৬।৯৭ স্পূর্ব ব ৬৭৬।৯/	। ইং স-	<b>५०</b> १७८७	•
≽رد	>>>	থানা রামু মৌজে খুরালিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক বকুসালি।	মহকতে আলী চেধুরি পিং অজাগর আলী চৌধুরি সাং জলদি।	الاساسان	<b>३</b> २।।७	20000 30000	رفاد		
252	3 ts 4	থানা রামু মেজি উত্তর মিঠাছড়ি ম্হাল নয়াবাদ তালুক রপ্তম আলী।	আমির বাহ্ন চৌধুরীয়া মেহের নিছা চৌধু- রিয়া আলাছিয়ে না জির আদী চৌং সাং উত্তর মিঠাছরী ওগয়-	3-931-	344/	80340	8.119.	882120	
399	२७१	থানা রামু মোজে খুটা- খালী মহাল নয়াবাদ ভালুকমোবারক জালী।	জামিলা <b>খাডুন</b> আহা লিয়ে মৌলবি আজ- মলা খাঁ সাং ছারবাল।		٠ / ١ - ٥٥	<b>434</b> )	७७५०	२८५७	
766	. 20.	থানা রায়ু মেজি ভারুয়া- থালী মহাল নয়াবাদ তালুক মাহান্ধদ র,জা।	মোলবা মহক্ষতালী ও ছৈয়দ আলী পিং আনমার আলী চৌং সাং পাতলী মাছুয়া- খালী ওগমুরহ।	<b>c</b> c 0  0	\$8\$ <b>h</b> ∕⊌	3091%.	891/•	3►8IId•	
<b>१</b> १२	<b>₹98</b>	থানা চকরিয়া মেতিজ ভেওলামাণিকচর মহাল নয়াবাদ তালুক বিবি ভাাক।	আসমত আলী জ হা- বক্স পিং মাগন আলী সাং হরিণা থানা সাংত্কানিয়া।	رهاه	3 4 <b>5</b> 11/0	<b>€</b> 99 <sub>9</sub> ∕	<b>૧</b> ૯૯ <i>એ</i> ૦	6001/°	
<b>₹</b> ₩•	२৮७	থানা চকরিয়া মেনজে সিলখালি মহাল নয়'বাদ তালুক বিবিচ্থাক।	গোলনেছ নিছা, বল- কিচ বিবি নাকালকা কন্যা ও সেখ মাহা- স্কাদ কালু চৌং সাং জ্বদি ওগমুরহ।	9341.4.		1	ে সেপ্টে- ডিসেশ্বর বাকি।	96611/3·	•
\$ b-b-	95/8/860 848/860	থানা চকরিয়া মৌজে টেটং মহাল নয়াবাদ তালুক হরিণাস বহ- দার।	এর্মাদ আলীচেনিং পিং সেখ মাহান্ধদ জমা সাং তৈলার দ্বীপ ধানা বাঁশখালী।	980)	32312	ر لاطر ر لاطر	હ	)	

#### किना वर्कगान।

#### জমিদারি বি জরের বিজ্ঞাপন ক।

ঠ৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামুতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে, বর্দ্ধমান জিলার অন্তর্গত নিদ্ধলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সালের মার্চ্চ কিন্তির বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্নারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৭ সোলের ২৪ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১২টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

3	<b>\</b>	۰	B	¢	8	9	<b>-</b>	>
তৌদির নহর।	মহাজ ৩৪ পারজগার শীম।	সম্পূৰ্ণ মহা- লেৱ সহয় কৰা I	সম্পূৰ্ণ মহাল বিজ্ঞায় হইবে কিলা।		ষে সম্পত্তি বিজ্ঞন্থ স্ইবে ভাষার যাণিকগণের নাম।	কোন অংশ যাত্র বিক্র ছইলে ঐ অং- খের সদর জমাঃ	সম্পূৰ্ণ মহুণাল বিক্ৰয় হুইলে ভাহার বাকী।	কোন অংশ নাত বিক্রব ঘটলে ভাষার বাকী ্য
હર	পদক্ষোনা পং ধেঞা	ر دلایان <i>ه</i> ۱۹۶		এই মহালে ২,৩, ৪ ও ৫ নং পৃথক হিসাবের মহাল বাদে ১নং পৃথক হিসাবের মহাল নিলাম হইবে মূল মহাল ও বাকি পড়িয়াছে ভাহার নিলাম জন্য পৃথক ইস্তাহার দে		<b>৯</b> ₹ <b>৫</b> ∕ ৬		באשנט
હર	পলজোনা পং ধেঞা	۱۶۰۰۱ع ۱	••••	ইন্ডাহার দে ওয়া গেল। এই মহালে ২,৩, ৪ ও ৫ নং পৃথক হিসাবের মহাল বাদে মূল মহাল নিলাম হইবে ১ নং পৃথক হিসাবও বাকি পড়িয়াছে তা- হার নিলাম জন্য পৃথক ইন্ডাহার দেও- য়া গেল।	আশুভোষ চন্দ্ৰ দিং	२ <i>६</i> ८ <i>৮।</i> १		<b>፦</b> ሤ3 <b>ዛ</b> ℯ∕ <b>ͼ</b>

টী জা।—যে ছলে উপবেৰ লিখিত বৰ্নাপত্তাৰ ৫. ৭ ও ২ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই ছলে ইহা বৃঝিতে হইবে যে ঐ অংশের বিমিন্ত থতায় হিসাব বাথা হইয়। থাকে ও মহালের জান্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

Bejoy K. Bose.

Deputy Collector in Charge,

For Collector on tour.

#### क्लमा वर्षमान ।— निमामि विकाशन ।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বর্ধমান জেলার অস্থংগাতি নিম্নলিখিত মহ'লে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বস্তু আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্গু অহুসারে উক্ত বর্ধমান জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৭ সনের ২৪শে সেপ্টেম্বর তারিখ মোতাবেক বাঙ্কলা ১৩০৪ সনের ৯ আশ্বিন তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক।

খরিদ্ধারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ভ সকলে বাধ্য ছইতে হইবে।---

#### নিলামের সর্ভ ;—

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিষ্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্বা-প্রেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদ্ধা-রকে ইহার মালিকস্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরস্থ রূপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্গমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদ্ধারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।

দ্বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল অত্ত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভিনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখান্তা ক্লমক প্রজা দ্বারা দত্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ত স্থীকার করিতে খরিক্ষারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০-, টাকার অন্ধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতুর্ধ। নিলামি মূল্য ১০০০ টাকার ঊদ্ধ হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্ধাংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ
দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের
মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্ব্ব উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে
তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে
(যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার
ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি খরিদ্ধারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

তৌষিব নম্বর।	মহাল ও পরগণার নাম।		দূব জা	ন যা	বে য <b>ত</b> - ধ <b>ভূমিব</b> বিমাণ ।	1	মণ্টের পর্য্য হুই		म <b>च्छ</b> न्।
			একর	<b>∓</b> ড	পোঃ।	हेर	আ:	পাই।	
€88Þ	কালু এক দিঃ পং মজাফরসাহি	•••	۵	*	<b>?</b>	85-	•/	۵	
<b>688</b> 2	কর্জনা দিঃ পং বর্দ্দমান	•••	1	3	22	೨೮	l	o j	
<b>4848</b>	বটগ্রাম দিঃ পং মজাকরসাহি	•••	•	<b>ર</b>	<b>?</b>	२४	4/	9	
<b>684</b> •	্উচান্সন পং সমরসাহি	***	¢	b	৩৯	२१	112	હ	
U 18 8	কৃষ্ণপুর ওরফে কামালপুর পং খণ্ডঘোষ	•••	હ	3	२२	૭હ	1	હ	
6842	বুল্চজ্রপুর পং সমর্নাহি	•••	9	2	२२	७१	110	હ	
<b>⊌8</b> 4₹	নিগোন পং ধেঞা	•••	9	?	७७	65	110	•	
90	ডকরপুর পং অন্বিকা	• • •	8	O	26	39	1/	9	
७७ <b>२</b> ०	পাঁচরখী পং জাহান্তিরাবাদ	•••	; 8	0	39	24	1	હ	
8680	কোঞ্চারভিহি পাং সেরগ গ্র	•••	. •	b	७৯	2	•⁄	0	
<b>6889</b>	কোণ্ডারডিছি পং সেরপড	•••	•	0	72	0	0	0	
9 > 30	কোঙারডিহি পং সেরগড়	• • • •	0	•	۵	2	110	હ	
७६२७	কোঙারভিহি পং সেরগড়	•••	0	•	१३	•	0	•	
७०२ १	কোঞ্জারভিহি পং সেরগড়	•••	•	•	<b>?</b> ?	0	0	0	
७६७१	কোভারডিহি পং সেরগড়	•••	•	•	۵	0	0	n	
0488	কোঙারডিছি পং সেরগড় .	• • •	٥	•	٩	•	•	•	
0440	কোঙারভিহি পং সেরগড়	••	•	•	ر 2 ج	3,	n	0	

কালেক্টরের কাছারি জেলা বর্দ্ধমান ভারিখং ১ আগস্ট ১৮৯৭

C. FISHER.

#### জিলা २৪ পরগণা।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ধারামতে সর্বসাধারণকে জ্ঞাত করা ঘাইতেছে যে নিম্নলিধিত জয়িদারি মহালাতের সন্ধ ১৮৯৭ সালের ছ্ল কিন্তির রাজত্ব ২৮ ছল বৃহ্যান্ত পর্যান্ত পার্যান্ত দাখিল না ছওয়ায় ঐ সম্বত মহাল সন্ম ১৮৯৭ সালের ২৫ সেপ্টেম্বর ভারিখে জেলা ২৪ প্রগাণার কালেইরিতে বেওজর নিলামে ধরা ঘাইবেক।

প্রথম শ্রেণীর চিরস্থায়ী বন্দোবস্তী মহাল।—

3	١	٥	8		8	9	b .	•	30
क्रमिक नच्छ।	टिकिति नम्स	প্রগণা <b>ও</b> মহালের মাম।	প্রামহা- কের সদর কমা।	भ्वा घडान विक्रम घडेटव किना।	যদি একটি। অংশ বিক্রয় হয় সেই অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি নিলাম হইবেক তাহার মালিকের নাম।	যদি একটা অংশ বিক্রের করিতে হয ভারার সঙ্গর ক্যা।	ৰ্ভি প্ৰা মহাল বিক্ৰয় করিতে হয় ভাভার বাকির প রমাণ।	যদি অংশ বিক্রম করিতে হয় ভাহার বাকির পরিমাণ
3	3	পং মাগুরা, কিং চেডলা দিং।	<b>48</b> 22 62		শ্রীপুর ও বাগেরখোল ও রাজ্ মোলার চক ৩ মোজার প্রভ্যেক মোজায় ॥• আনা বাদে অবশিষ্ট ॥• আনা ও অন্যান্য সমস্ত মোজা।	<b>হরি*চন্দ্র</b> রায় ···	e = 3 e h/ ?	••••	201/3311
١	૭હ	পং মাগুরা কিং ধাপামানপুর।	12/8 2	***	भर भ9 े <b>দক্তি স্বতন্ত্র</b> হিসাব বাবে অবশিষ্ট ১/১৭(১ <mark>১</mark> দক্তি।	বাঁকেবিহারি লাল মণ্ডল দিং।	<b>७७ १</b> ११८ च्य		421201
0	40	পং যাগুরা কিং রামেশ্বরপুর দিং।	03 26/4		ভালিপুর দিং 18 মো ভার প্রভ্যেক মো ভার ১৬ বোল আনা চক্রবেড়ে দিং ৪ মো ভার প্রভ্যেক মো ভার ।।/১৯।—কান্তী ও রামেশ্বরপুর মো ভার ৬/১৬৻২ কাগ অংশ।	<b>A</b>	२ ५ ७ १ । ७ । ।		79  ~8
8	<b>F</b> #	পং মান্তরা কিং আবগাছিয়া দিং।	<b>ኔ</b> ৮8 ክ <sub>ብ</sub> / ግ	•••	ত ৰোজা বাদে অব- শিষ্ট ১০ মেজার ৭ মেজায় ১৬ বোল আনা চক কাঠালিয়া মেজায়।।/০ আনা ও বাবনপুর ও নোনা মেজায় ৮/১৮।। অংশ!	জ্বগৎ চম্প্র রায় চৌধুরী !।	re3112/3 •	••••	<del>ક</del> ન્હક્રીર
•	378	পং মুজাগাছা কিং ছবিনারায়ণপুর।			। 🗸 ১৪।। = ক্ৰান্তী বাদে অবশিষ্ট । ৮১৯ ৭ ৮। —ক্ৰান্তী।	রাজেন্দ্র নাথ রার চৌধুরী দৃং।	<b>७७</b> ६७५8	••••	\$\$   <del>\$</del>
<b>u</b>	\$     1280	পং ঘড় দিং কিং রামপুর ।	488 11 <u>2</u> 12	•••	৮/৬॥ = ক্ৰান্তী বাদে অবশিষ্ট -/১৩।— ক্ৰান্তী।	বাঁকে বিহারি লাল মণ্ডল।	<b>১</b> ১२७५०	•••••	r.J3

>	2	•	8	4	<b>u</b>	٩	<b>b</b>	•	30
क्रियक अम्मू	टिनिक नम्स ।	প্রগণঃ ও মহালের নাম :	প্রামহা- লের সদর কমা।	প্রামহাল বিক্রয় হটবে কি দা		যে সুপত্তি নিলাম ছইবেক ডাছার মালি- কের নাম।	যদি একটী অংশ বিক্রের করিতে হয় তাহার দদর জয়া।	যদি প্রামহাল বিক্রম করিতে হয় তাছার. বাকিরপরিমাণ।	যদি অংশ বিক্রন্ন ক বতে হয় তাহার বাক্রির পবিমাণ।
٩	৩৯২	পং আজিমাবাদ কিং হুদা জয়- চভিপুর।	F03019	•••	৮/৬॥ = ক্রান্তী বাদে অবশিক্ত ৮/১৩॥— ক্রান্তী।	मात्रमा मानी	304411/2	•••	<b>⊌4√3∘4</b>
•	७ <u></u> ३२। 8	পং আজিমাবাদ কিং ছদা জয়- চণ্ডিপুর।	ر. ان دناما م		৸/৬॥= ক্ৰান্তী বাদে অবশিউ /১৩।— ক্ৰান্তী।	বাঁকেবিহারিলাল গণ্ডল ৷	705611\8	•••	29192
۵	8•0	পং আজিমাবাদ কিং পাথর বেভিয়া দিং।	<i>ور</i> و83 م		।।/১৪॥= <b>কান্তী বা</b> দে অবশি <b>ক্ট</b> ।√¢।— কান্তী।	ব্ৰজেজনাথ রায় দিং।	₹°>\$1 <sub>9</sub> /64		७२।८॥
	14	भः मग्रमा किः वाष्ट्रता ।	l•⁄8		৸১৬ - ক্ৰান্তা বাদে অবশিষ্ট ১/৩५ = ক্ৰান্তী।	হরেন্দ্র নাথ দত	१३७२।४८		36. H/B
		পং উখড়া কিং দাভারি।		यश्राम ।	*****	সারদা চরণ দত্ত দিং।		301/6	
2 \$	२ऽ७७	পং উ <b>খ</b> ড়া <b>কিং</b> পাটডাকা।	acoh/c	<b>(a)</b>	•••••	वीरतश्वत रम मिः		391/2	

CHUNDER NARAIN SINGH,

For Collector.

#### किना मूत्रनिमाताम ।---क्षिमाती विकासत विकाशन।

১৮৯৭ সালের জুন কিন্তির বাকির জন্য।---

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১০ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মুরশিদাবাদ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলিবা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজত্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজত্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ২৮ সেপ্টেম্বর মোং ১৮০৪ সালের ১৮ আখিন তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইরে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতম্ব হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ ক্রিকের হয় না।

>	\$	•	8	t	•	1	•	>
ভৌজির নহর ।	মহাল ও প্রফলার কাম।	সম্পূৰ্শ মহা- জের সদর জনাঃ	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হ <b>ইলে ঐ</b> অংশ বা ঐ২ অংশের বিশেষ বিৰয়ণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।		সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰণ মইলে তাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হটলে তাজাঃ বাকী।
	চর হেতানী ধানা বঙ্গা।	**************************************	न्यू एक्स	•••••	ধনেশ প্রকাশ গাস্থুলী সাং কলিকাতা নং ১ প্রসন্ন কুমার ঠাকুরের ফ্রীট।		369)	

OPENDEA CHUNDRA MOZUMBAR,
Collector.

# किना छोषाय।

# हेलाश्य नामा काष्टात्री कारनक्रेत्री किना ठ्रोधाम ।

ইহাধারা সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধান্মতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মধাস্সারে নিমলিখিত ভারুকাদির ১৮১৭ ইংরেজী ২৫শে যেই স্ব্যান্ত পৰ্যন্ত বাকি পড়া খাজানা ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৭ ইংরেজী ২১ অক্টোবর যোভাবেক ১৩০৪ বাজালা ৫ কান্তিক রোজ রহস্পাতিবার জিলা চট্টগ্রামের কালেটকী কাছারিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা ঘাইবে,। ইতি ১৮১৭ ইংরেজ্য ভারিখ ১ সেপ্টেম্বর।

			\$ 486) 683%) \$ 286% \$ 288)	
	मळवर ।	۸	1946 विक्रम   1944	_
	्रम्	<b>.</b>	30 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	
तिकी ।	- A A	-	2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2	_
	योकांग ।	*		
म मत् कथा –		8	20 17 14 8 % 3 14 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18	
म		œ	• 49 e 6 e 6 e 6 e 6 e 6 e 6 e 6 e 6 e 6 e	
	মালাকেৰ নাম ৷	9	বাবু যোগেশ চন্দ্র রায় ফেট পক্ষে রায় কৈলাস চন্দ্র দাস বাহাতুর জেনেরল ম্যানেজার। সাং কলাউজ্ঞান। আন্দোয়ার আলী পিং বন্ধা আলী ও হামিদ উল্লা চেং স্বয়ং ও নাবালক ভাতা হুছুয়দ উল্লা, আজ্মলা ভাগ্র ছৈয়দ দিছা, জমিলা খাড়ুনের পান্দে হিং আজ্মন্লা ব্যা	
Davis Control of the second of	बाब, ' टबांबा कि लोटिकर ब.ब.	'n	ধানা সাভকাণিয়া হাল বাস-  হালী মেজি ছোট ছুহ্না  মহল নয়াবাদ ভাং ছোট  হুদ্যা।  ধালা মেজি পুইছুরী মহাল নয়াবাদ ভাং ক্ষরজিত। ধানা সাভকাণিয়া হাল বাস- ধালী মেজি পুইছুরী মহাল নয়াবাদ ভাং মোবারেক নয়াবাদ ভাং মোবারেক	
हा <u>न</u> एक व	ज ड	^		

रैं बाजा मार्डकालिया होन वाम- कम्बन बानी भिर यमुह्द बानी तिर मार रेडनात ১५७१) ১५১॥/५ १५७॥/२	\$ 609.	3/11595	*/II995	:	2/1895	a de la companya de l
i i						
ত্ত্বৰ বাৰ্থ সভিদ্যাস্থাপ্তাপ্তাপ্তাপ্ত আলা গোং বাহাং কাক সাং ব্যক্ষাক্ত	, ,	° \	<u>ک</u>	:	\$ <b>.</b>	:
		•				
ब्राक्किट्स त्मन भिः ब्राक्कित्मात्र तमन ७ व्यामाश्म (४)১५४०	¢ \$ \$ \$ \$ \$ \$ 0 \$ 0	916.	56095	:	2600/2	:
সেনের পক্ষে ও হরেন্দ্র বিজয় রায় চ্চেট পক্ষে রায়		A A to Commission				
কেলাস চন্দ্র দাস বাহাত্ত্র জেনেরল ম্যানেজার।						

CHITTAGONG COLLECTORATE, The 3rd September 1897.

J. Phillimobe,
Offg. Collector.

### किना निरोश।

### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এডদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্পারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ২৭ সৈপ্টেম্বর তারিখে বেল।
১১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

5	2	۰	8	α	6	9	•	ه
ভৌজির মম্বর।	মহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূৰ্ণ মহাজের সদয ক্ষমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কি না।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিববণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশের সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহার ধাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে ভাহাৰ বাকী।
<b>3</b> 69	তৌজি মহাল হবরা পরগণে পাজ- নৌর।	3 28 3 010/3		১৬৭।২ নং তেজি হ্বরা /১৪।১৬।।  এক আনা চৌদ্দ গণ্ডা এক কড়া যোল তি ল ছুই কড়ার তিল হুই কাগ তিন রকম অংশ কেবল অংশমাত্র বিক্রয় হইবে সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইবেক না।	ভারিণীপ্রসাদ স্থর দিগর।	२००७४७		৭।১ ০ সার্টিকিকে- টের বাকী

টীকা।— যে স্থলে উপারেব লিখিত বর্ণনাপত্রেব ৫, ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছইবে বালয়। লিখিত আছে মেই স্থানে ইছা বৃথিতে ছইবে যে ঐ স্থাংশর মুম্বিত স্থানে ব্যাসানা অংশ বিক্রয় হয় না।

W. MAXWELL,

For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce in, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, tor cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native aruggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 os. tin, eight annas per 8 os. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

### জুরন্থ সিনকোমা।

কলিকাতান্থ বোটানিকাল গাডনের অথাৎ কোন্দানির বাগানের মুপারন্টেভেনেটর নিকট গবন্ধেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এক লালন ছয় পোও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূল্যে প্রস্থা সিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২০০ টাকান্ত, আট ঔপ টিন ৫০ টাকার ও এক পোও টিন ১০০ টাকার পাইবেন। সক্ষসাধারণে কোন্দানির বাগানের মুপারিকেডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬০ টাকার, আট ঔপ টিন ৬০ টাকার এবং এক পোও টিন ১২০ টাকার পাইতে পারিবেন কলিকাতার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীর ঔপধ বিক্রেভাগণও এই ঔপধ বিক্রয় করিয়া থাকেন। উপরোক্ত হার চাড়া চারি ঔপ টিনের ০০, আট ঔপ টিনের ৪০ তাক পোও টিনের ৮০ চাক মাম্বল দিতে ইইবে।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।
১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মুল্য হইবে, যথা—

১ এক পৌও টিন ১৮, বা ডাক মাশুল সমেউ ১৮৸৽

॥ जास ,, ,, ১) ,, ,, ,, ,, ১॥•

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরণে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিম্কোনাইন ও সিন্কোনীডাইন নামক অপাকৃষ্ট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই তাহার গ্যারান্টা দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিক্ট বিক্রম করা যাইবে এবং কলিকাতার নিক্টস্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিক্ট পাওয় যাইতে পারিবে।

### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gasette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

				Rs.	A.	P.	
Entire Gazette	•••	•••	***	10	0	U	per annum.
	Postage	•••		2	8	ø	
Parts III, IV, V,	and VI. con	itaining t					••
and Bills of the							
and Bengal		•••			0	0	•
	Postage	••••	•••	4	ŏ	ŭ	<b>9</b> 1
For a single copy		•••	***	•	·	·	"
Eutire Gazette				Λ	4	Λ	
Endite Gazette		•••	•••	0 0 0	*	^	
T) / 111 T37 T7	Postage	•••	•••	Ü	Ţ	U	•
Parts III, IV, V,	and VI	•••	•••	0	1	0	for 4 sheets or under
							with an additional
							charge of 1 anna for
							every 4 sheets in excess
							of 4.
	Postage			. 0	1	0	
	- / - 6	Fur	Calcutt	a.	•		
***							

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. Baker.

Offa. Under-Secretary to the Goot. of Bengal,

### বিজ্ঞাপন।

১৮৮৩ শাস ২১ কেব্রুয়ারি ৷—বাঙ্গালা গ্রণ্মেন্ট গেজেতের মূল্য ও চাক্মাপ্সল এই শ্বাহ নিমু-লিখিত হাবে অগ্রিম দিতে হইবে:—

	<b>যকঃ</b> সং	न			টাকা।
স <b>ম্পূ</b> ণ <b>গেডে</b> ট	•••	•••	•••	হৎ সর	3 ··
<b>ডাক্সান্থন</b>	• • •		•••	73	रे॥ •
७७१७६७६५७	( যাহাভে 🤊	শ <b>্রতব</b> ধের	ও বঞ্চ-		
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার স	শাইন ও	শাহনেব		
পাহুলিপি থাকে )			•••	,,	3,
ভাকমান্ত্ৰ		•••	•••	"	١,
সম্পূর্ণ একখানি গেজেটের	মূস্য	• • •	***	,,	1•
ডাক্যান্থল		•••	•••		/•
ত ৪৪৩০ পে ৬ খাও (	প্রত্যেক	৪ পৃষ্ঠা বা	<b>ভা</b> হার		
ন্যুন সংখ্যক প্	ঠার মূল্য)	•••		<b>*</b> •	/ । ৪ পৃষ্ঠার উপর যক্ত অধিক ভয় ভাহার প্রভ্যেক , ৪ পৃষ্ঠা প্রভি জার একং আন।।
<b>डांक्याञ्चल</b>	••	•	••	••	. /•

### কলিকাভায়।

কলিকাভায় ও মহ:সলে সমান মূল্য, কলিকাভায় কেবল ডাকমাপ্সল লাগিবে না।

🔾, এন, যেকার।

वकरमान भवर्वस्थान अक्षिर (क्षांवे दमरक्षेत्र) ह

### The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, E.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Rs. 1-12.

• The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible, I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his Country-Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDY., GOVY. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTIOR

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, unumaking that he copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTIUE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the Rupee on account of discount.

C. W. BOLTON, Under-Secretary to the Goot, of Bengal,

12th 1)ecember 1882.

Note.—Rates of adver	tisement	n in the Ualcu	TTA GAZET'	T B.
•				Rs.
Full page, per issue	•••	•••	•••	20
Half ,, ,,	•••	• • •	•••	10
Casual adver	rtisemen	t4 annas per	line.	

### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গোজেটের কিছা বালালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে এই গেজেট দেওয়া মাটাবে না, ১৮৮৭ সালের নবেছর মাসের ২০ ভারিখের জ্ঞাপনপ্রাভিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন একাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কায্যালয় কিন্তা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ন্যক্তি ব্যঙ্গাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভমিমিত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেকেটারিয়েটের আকৌতাতের নিকট অগ্রে মুল্য পাঠান না গেলে ঠপ-রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন ফোন ব্যক্তিকে কোন পুস্তকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেব্লেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাপন এ ইতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মুল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাটান গেলে ডিকেন্টি বাদ দিবার জন্যে টাকার উপর আর ৴৽ এক আনা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টন, बक्रामरभात शवर्वस्थरलेत हाछ जाटक हेती।

### ১৮৮२ मार्मित ३२ फिरमध्य ।

মক্ষর।—কলিকাভা গেকেটে ইপভিছার একাশ করিবা	व्र होत्र अवेश ।-	-			होना।
পুৰা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ করণের	•••	•••	***	***	२••
काश १ की	•••	***	•	***	3
কথন কথম ইপ্ডিডার এবাপ কবিতে চইকে	ase offen		404	***	10

### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant. Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

### बाकान मिटकोदिस्मि रखानस विकसार्थ जाइ ।

বারিষ্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীষতীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিদে নিযুক্ত বর্ণমানের ডিট্রিট্ট ও সেশন জব্দ ও রেন্ট ক্মিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পলের শ্রীযুত সি, ডি, ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি সাছেবের প্রনীত বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গ্রণর সাছেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূষ্যধিকারীর প্রজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

### একং খানি পুশুকের মূল্য, ে পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রম্ন করিতে চাহিলে বাজাল সেক্রেটারিয়েটের আকৌন্টান্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।৴৽ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য।—-উক্ত পুস্তক এখন ও পাওয়া ঘাইতে পারে।

### বিজ্ঞাপন।

রাজকায্যোপদক্ষে বঞ্চদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইশে কলিকাতার স্পৃানেড শয়েষ্ট টোন হালের ছাতায় স্থিত বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কাষ্যবিভাগের আপিসে বেজি-ইণারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুস্তক কলিক;ভার গবর্ণমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটীতে ক্রয় করিতে পাওয়া যায় ।

কলিকাত; প্রোসভেন্সী কেল মন্ত্রালয়ে স্বর্গমেটের জন। **অ**মৃত কেম্দ্র পেতী সাহের কর্তুক মৃত্রিত ও প্রকাশিত ক**ই**ল ।



Mumb. 3033 [2002]





# गवर्गायन् कार्डिं।

TUESDAY, SEPTEMBER 14, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৪ সেপ্টেম্বর।

CONTRNTS.	
PA	GB. নিৰ্বটা
PART I.—Resolutions, Orders and Notifica-	भेड़।
tions of the Government of India 1	Vil. প্রথম বণ্ড।—ভাবতবর্ষীর গ্রেপ্টের নির্দাবণ
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই
tions by the Lieutenant-Governor	विष्ठीय य छ। — वक्रायानात गवर्गमातीय निर्देशन
of Bengal 273-8	
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-	বিতীয় ক খণ্ড। —বিক্লেপের গাবনিমেন্টের আছেশ নাই
nor of Bengal N	Til. ছতীয় খণ্ড।—ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভাব প্রণীত
PART III.—Acts of the Legislative Council of	আইন ন(ই
India 2	Vil. চতুর্গ বণ্ড।—ভাবতবর্ষীয় ব্যব-ছাপক সভার জাইনের
PART IV.—Bills of the Legislative Council of	পাছলিপি নাই
India	Til. প্রমাবভ।—বজীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত আছিল নাই
PART V.—Acts of the Bengal Council	Vil. वह थल।—विक्रीय वायन्द्र: शक मचात च्याहित्तत्र
PART VI.—Bills of the Bengal Council	ril. পাছলিপি নাই
PART VII.—Circular Orders by the High	সভ্য বভ।—ছাই কোটের ও রেবিনিউ বেডের
Court and Board of Revenue A	7il. নাধারণ জ্ঞাপুনপত্র নাই
PABT VIII.—Advertisements 457—4	
UPPLEMENT N	(1) mf-fred arrianced
UPPLEMENT 2V	গে. প্রশিপ্ত সর্বাহমণ্ডের সেজেট নাম

### PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

# দিতীয় খণ্ড।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের নির্দ্ধাবণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

### বঙ্গদেশের প্রীযুত লেপ্টেনেণ্ট শ্বর্ণর সাহেবের জাদেশ।

### ৪৭৬৬ জে, ডি, নং বিজ্ঞাপন।

### ১৮৯৭ সাল ২৪এ আগফ।

ক্ষোটনীয় দ্বব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ সালের ৪ আইনের ৫ ও ৭ ধারাক্রমে প্রদন্ত কষ্বতার পরিচালন করিয়া যে কএকটি বিধি প্রণীত করিবার প্রভাব করা ঘাইতেছে ভাছার নিমিলিখিত পাওুলেখ্য যে ব্যক্তিদের এতদ্বারা ক্ষতির্দ্ধি ছইবার সম্ভাবনা তাছাদিগের অবগতির নিমিত্ত উক্ত আইনের ১৮ ধারার আদেশ এবং ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের ছোম ডিপার্টমেন্টের ১৮৮৭ সালের ২রা সেপ্টেছর তারিখের ১৯৬৪ নং বিজ্ঞাপনের আদেশ অভ্নসারে প্রকাশিত করা ছইল, এবং এতদ্বারা এই মুটিস দেওয়া ঘাইতেছে যে প্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব উক্ত পাণ্ডুলেখ্য ১৮৯৭ সালের সেপ্টেম্বর মাসের চতুর্বিংশ দিবসের পর বিবেচনা করিয়া দেখিবেন।

২। উক্ত পাণ্ডলেখ্য সম্বন্ধে ঐ ভারিখের পূর্ব্বে কোন ব্যক্তির নিকট ইইভে কোন আপত্তি ব্য প্রায়র্শ প্রাপ্ত হওয়া গেলে ভাহা শ্রীমুভ লেপ্টেনেন্ট গ্রন্র সাহেব কর্ত্বক বিবৈচিত হইবে।

> সি, ডবলিউ, বোণ্টম্, বঙ্গদেশের গ্রন্থেটের প্রধান সেক্রেটরী।

মন্তব্য।---বর্ত্তমান বিধিতে যে সকল পরিবর্ত্তনের প্রস্থাব করা ঘাইতেছে তাহ। বড় অক্ষরে প্রদর্শিত চইল। পাণ্ডুলেশ্য।

স্পেটনীয় দ্রব্যবিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ সালের ৪ আইনের ৫ ও ৭ ধারাক্রমে প্রদন্ত ক্ষমতার পরিচালন করিয়া ও অত্যে মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্গর জেনরল সাহেবের মঞ্জির গ্রহণ করতঃ শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্গর সাহেব নিম্ন বন্ধ প্রভৃতি প্রদেশ সমূহে স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করণ, নিকটে রাখন ও বিক্রয় করণ কার্য্যের ব্যবস্থা করণার্থ নিম্নলিখিত বিধি প্রণয়ন করিলেন।

স্ফোটনীয় দ্রব্যবিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ সালের ৪ আইনমতে স্থানীয় গ্রবর্থমেণ্ট ভারতবর্ষীয় বন্দরবিষয়ক ১৮৮৯ সালের আইনের অর্থনির্দেশাস্থায়িক যে কোন বন্দরের জন্য ক্ষেটিনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিবার ব্যবস্থা করণার্থ বিশেষ বিধি প্রণাত করিয়াছেন বা করেন, স্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখন সম্বন্ধীয় এই সকল বিধির কোন কথা সেই বন্দর সম্বন্ধে খাটিবে না।

- (ক) গ্বর্ণমেন্টের হুকুম অনুসারে, কিম্বা
- (খ) ক্ষোটনীয় দ্রব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ সংলের
  ৪ আইনের কার্য্য সম্পাদনার্থ কিয়া কোন বারুদখানার রক্ষকস্বরূপ কি কারিগর কি সৈনিক কি নাবিক
  কি প্লিসের গোক কি অন্য কিছুস্বরূপ গবর্গযেণ্টের অধীনে নিযুক্ত কোন ব্যক্তি কর্তৃক কিয়া
  ভারতবর্ষীয় বলন্টিয়র বিষয়ক ১৮৬৯ সালের ২০
  আইন অনুস'রে বলন্টিয়রস্বরূপ য'হার নাম লেখা
  হইয়াছে এরূপ কোন ব্যক্তি কর্তৃক ঐ ঐ ব্যক্তি
  বিষয় আপন চাকরী বা কর্ত্তব্যকর্ম সম্পাদন
  উপলক্ষে—

েকোন স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করা গেনে, কিম্বা নিকটে রাখা হইনে কিম্বা বিক্রেয় করা হইলে তৎসম্বন্ধে এই সকন বিধির কোন কথা খাটিবে না। নিম্ন বঙ্গ প্রভৃতি প্রদেশ সমূহে স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করণ, নিকটে রাখন ও বিক্রেয় করণার্থ স্ফোটনীয় দ্রব্য বিষয়ক ১৮৮৪ সালের আইনমত বিধি।

### গোভার কথা।

5 1	এই সকল	বিধির	কাৰ্য্যপক্ষে	ক্ষেটিনীয় দ্ৰব্য	নিম্নলিখিতরূপে	শ্ৰেণীবন্ধ করা	যাইবে,	যথা ;
-----	--------	-------	--------------	-------------------	----------------	----------------	--------	-------

১ম শ্রেণী	•••	•••	বাৰুদ।
ংয় শ্ৰেণী	•••	•••	নাইট্রেট মিশ্র।
৩য় শ্রেণী	•••	•••	নাইট্রো-কম্পৌঞ।
<b>८</b> र्थ ध्वनी	•••	•••	ক্লোরেট মিশ্রা।
<b>ংম শ্রেণী</b>	•••	•••	ফুল্মিনেট (শব্দকারক)।
५ छे ट्यंनी	•••	•••	যুদ্ধোপকরণ।
৭ম শ্ৰেণী	•••	•••	আত্সবাজি ।

এবং কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য একাধিক শ্রেণীর বর্ণনার মধ্যে পাড়িলে যে কয়েক শ্রেণীর বর্ণনার মধ্যে পাড়ে কেবল ভাছার শেষ শ্রেণীর অন্তর্গত বলিয়া গণ্য হইবে।

১ম শ্রেণী।—বারুদ নামক শ্রেণী।

সাধারণতঃ যাহা বারুদ বলিয়া খ্যাত, "বারুদ" শব্দে কেবল ভাহাই বুঝাইবে।

২য় শ্রেণী।—নাইটেট মিশ্র নামক শ্রেণী।

যাহা সাধারণতঃ বারুদ বলিয়া খ্যাত, তাহা ছাড়া কোন প্রকার অঞ্চারের সহিত মথবা স্ফোটনগুণশ্ন্য কোন অঞ্চারাত্মক দ্রব্যের সহিত সামান্যরূপে নাইট্রেট মিশাইয়া যে কোন দ্রব্য প্রস্তুত করা যায়
তাহাতে গল্পক যোগ করা যাউক বা না যাউক, ও তাহাতে স্ফোটনীয় অন্য কোন দ্রব্য সামান্যরূপে
মিশান যাউক বা না যাউক "নাইট্রেট মিশ্রা" শব্দে ভদ্রুপ প্রস্তুভ দ্রব্য বুঝাইবে।

নাইটেট মিশ্র শ্রেণীর মধ্যে এইরূপ স্ফোটনীয় দ্রব্য, যথা---

পাইবোলিথ পুড়োলিথ পুডর সাক্সিফ্রাজিম্

ও পুকোক্ত অর্থকরণের অন্তর্গত প্রস্তুত করা কোন দ্রব্য ধরা যাইবে।

তয় শ্রেণী।—নাইট্রো-কম্পৌণ্ড নামক শ্রেণী।

রাসায়নিক সংযোগে উৎপন্ন যে দ্রব্যের ক্ষেটনীয় গুণ থাকে অথবা যাহা থাড়ুর সহিত সংযুক্ত হইলে ক্ষোটনীয় দ্রব্য উৎপন্ন করিতে পারে, এবং যাহা মহাদ্রাবকের সহিত মিশ্রিত হউক বা না হউক, এরপ যবক্ষার দ্রাবকের অথবা মহাদ্রাবক মিশ্রিত নাইট্রেটের সহিত কোন অঞ্চারাত্মক দ্রব্যের রাসায়-নিক কার্য্যক্রমে হৎপন্ন হয়, তাহাতে অন্য কোন দ্রব্য সামান্যরূপে মিশ্রিত করা যাউক বা না যাউক, ''নাইট্রো-কম্পোণ্ড'' শব্দে তদ্রপা সংযুক্ত দ্রব্য বুঝাইবে।

নাইটো-কম্পৌণ্ড শ্রেণীতে ত্রুটী বিভাগ আছে। ১ম বিভাগের মধ্যে এইরূপ স্ফোটনীয় ক্রব্য, যথা,—

নাইট্রে গ্লিসেরাইন্, ভুয়ালাইন্, গ্লাজিলাইন্, গ্লাজিলাইন্, লেথাকাকটুর, মেথিলিক নাইট্রেট,

এবং রাসায়নিক সংযোগ বা সামান্যরূপ মিশ্রণ দারা প্রস্তুত করা যে জব্যে সম্পূর্ণরূপে ব। আপ্লিকরপে নাইট্রো গিসেরাইন অথবা কোন তরল নাইট্রো-কম্পৌণ্ড থাকে, তাহা ধরা যাইবে।

২য় বিভাগের মধ্যে এইরূপ ক্ফোটনীয় দ্রব্য, যথা,---

সাধারণতঃ মাহা গনকটন্, কটন গন পোডর,
বলিয়া খ্যাত সৈই গনকটন্ স্থলজ পৌডর,
গনপেপার, নাইটো মেনাইট,
জিলয়ডাইন, পিক্রেটিজ,
গনসডট, পিক্রিক পোডর,
নাইট্টে গনকটন্, টনাইট (বা কটন পোডর).

এবং পূর্ব্বোক্ত অর্থকরণমত যে কোন নাইট্রো-কম্পোণ্ড প্রথম বিস্তাগের অন্তর্গত নহে, তাহা ধরা যাইবে:

# ৪র্থ শ্রেণী।—ক্লোরেট মিশ্রনামক শ্রেণী।

যে কোন স্ফোটনীয় জব্যে ক্লোরেট থাকে, "ক্লোরেট মিশ্রা" শব্দে সেই জব্য ব্ঝাইবে। ক্লোরেট মিশ্র শ্রেণীতে গুইটী বিভাগ আছে।

> ১ম বিভাগের মধ্যে এইরূপ স্ফোটনীয় দ্রব্য, যথা— হরসু সাহেবের ব্লাফিং পোডর, ত্রেণ সাহেবের ব্লাফিং পোডর,

এবং ক্লোরেট দিয়া প্রস্তুত করা যে কোন দ্রব্যে অংশতঃ নাইটো- গ্রিদেরাইন অথবা অন্য কোন তরল নাইটো-কম্পোণ্ড আছে, তাহা ধরা যাইবে।

২য় বিভাগের মধ্যে এইরূপ স্ফোটনীয় দ্রব্য, যথা,—

হরসি সাহেবের মূল ব্লাঞ্চিং পোডর, এরহাট সাহেবের পোডর, রেভার্লি সাহেবের পোডর, হল্পটেটার সাহেবের ব্লাফিং চার্জ,
রাইসেন সাহেবের ব্লাফিং চার্জ,
টিউটোনাইট ।

ক্লোরেট গনকটন,

এবং পূর্ব্বোক্ত অর্থকরণমত যে কোন ক্লোরেট মিশ্র প্রথম বিক্তাগের অন্তর্গত না হয়, তাহা ধরা যাইবে।

৫ম শ্রেণী। -- ফুলমিনেট (শব্দকারক) নামক শ্রেণী।

রাসায়নিক সংযোগ বা সামান্যরূপ মিশ্রণ ছারা উৎপন্ন কোন দ্রব্য পুর্বোক্ত কোন শ্রেণীর অন্তর্গত হউক বা না হউক, যদি ঐ দ্রব্যের অভিশয় স্ফোটনশীলতা বশতঃ উহা রঞ্জকের টুপীতে অথবা স্ফোটন সন্ত্রপাদন করণের অন্য কোন সরঞ্জানে ব্যবহারের উপযোগী হয়, অথবা অত্যন্ত স্ফোটনশীলতা বশতঃ ও অত্যন্ত অহায়িত্ব অর্থাৎ অতি সামান্য উত্তেজক কারণে বিশ্লিষ্ট হইয়া যাইবার প্রবণতা বশতঃ বিশেষরূপ আশঙ্কাজনক হয়, তাহা হইলে "ফুলমিনেট" শব্দে ঐ দ্রব্য বৃশাইবে।

# কুলমিনেট শ্রেণীর তুইটি বিভাগ আছে।

১ম বিভাগের মধ্যে এইরপ সংযুক্ত দ্রব্য যথা রূপার ও পারার ফুল িনেট এবং এই সকল দ্রব্য দিয়া প্রস্তুত যে দ্রব্য রঞ্জকের টুপীতে ব্যবহৃত হয়, এবং অজারাত্মক দ্রব্য যোগ করিয়া বা না করিয়া ফন্দরস কিছা কএক প্রকার ফন্দরস সংযুক্ত দ্রব্যের সহিত ক্লোরেট মিশাইয়া যে কোন দ্রব্য প্রস্তুত করা যায় এবং অজারাত্মক দ্রব্য যোগ করিয়া বা না করিয়া গন্ধক বা গন্ধকসংযুক্ত দ্রব্যের সহিত ক্লোরেট মিশাইয়া যে কোন দ্রব্য প্রস্তুত করা যায় তাহা ধরা যাইবে।

২য় বিভাগের মধ্যে এইরপ দ্বের যথা নাইটোজনের ক্লোরাইড ও আইওডাইড, ফুলমিনেট স্বর্ণ ও রোপ্য, ডায়াজেবনজোল ও ডায়াজোবেনজোলের নাইটেট ধরা যাইবে।

# ৬ষ্ঠ শ্রেণী।---যুদ্ধোপকরণ নামক শ্রেণী।

পুর্বোক্ত কোন শ্রেণীর কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য যদি কোন আধার বা কলের মধ্যে এরপে পুরিয়ার রাখা যায় বা প্রকারান্তরে এরপে কার্য্যোপযোগী বা প্রস্তুত করা যায় যে, ভাহ তে বস্পুক, কামান বা অন্য কোন আগ্নেয়াশ্রের অথবা পাহাড়াদি ভালিবার টোটা বা ছুড়িবার দ্রব্য হয় কিছা পাহাড়াদি ভালিবার বা কাঁপা গোলার নির্বিষ্কর বা অন্যরূপ পলিতা হয়, কিছা স্ফোটনীয় দ্রব্যে অ্যি দিবার নল হয় অথবা রঞ্জকের টুপী, ডিটোনেটর কোয়াগার সিগনাল, ফাঁপা গোলা টরপিলো, যুদ্ধের হাউই ও আভ্সবাজি ভিন্ন অন্য কোনরূপ কল হয়, ভাহা হইলে "যুদ্ধোপকরণ" শব্দে ঐ দ্বব্য ব্যাইবে।

# "রঞ্জকের টুপী" শব্দে ডিটোনেটর গণ্য ছইবে না।

যে কোষ বা আধার এরপ বলবিশিষ্ট ও এরপে নির্মিত ও যাহাতে এরপ পরিমাণে ফুলমিনেট শ্রোণীর স্ফোটনীয় দ্রব্য থাকে যে একটা কোষ বা আধারের স্ফোটন হইলে এরপ অন্যান্য কোষ বা সাধারের স্ফোটন যটিবে, "ডিটোনেটর" শব্দে ভদ্রাপ কোষ বা আধার বৃকাইবে।

পাহাড়াদি ভাঙ্গিবার যে পলিডা জ্বলে কিন্তু শব্দ করিয়া ফাটিয়া যায় না ও যাহাতে আপনি ফুলিড হইবার উপায় থাকে না এবং যাহা এরপ বলবিশিষ্ট ও এরপে নির্মিড ও যাহাতে এরপ পরিমাণে স্ফোটনীয় দ্রব্য থাকে যে ঐ পলিতা জ্বলিলে পাশাপাশি ঐরপ জন্য পলিত। **জ্ব**লিত হয় না ''নির্কিঘুকর পলিতা' শব্দে সেই পলিতা বুঝাইবে।

বন্দুকাদির যে টোটার কোষ ও বন্দুকাদি আওয়াজ করিবার পর উহা হইতে বাহির করিয়া লওয়া ষাইছে পারে ও যাহা এরপে বন্ধ যে এক টোটা হইতে অন্য টোটায় ক্ষোটন সংক্রামিত হয় না, 'নির্কিঘুকর টোটা' শব্দে তন্ত্রপ টোটা ব্যাইবে। রাইফল কেনিবর মেসিনগনের টোটা উপরিলিখিত প্রকারের হইলে, তাহা রাইফলের সঙ্গে একই চেষরবিশিষ্ট মেসিনগনের সহিত ব্যবহারার্থই হউক বা বিশেষ চেষরবিশিষ্ট মেসিনগনের সহিত ব্যবহারার্থই হউক, "নির্কিঘুকর টোটা" বলিতে সেই টোটাও ব্যাইবে।

ছোট বন্দৃক প্রভৃতির টোটাযে গেজ পর্য্যন্ত হইলে "নির্কিষ্
কর বিশিয়া প্রাহ্য করা যাইতে পারে তাহার সর্কাপেক্ষা বেশী
পরিমাণ ১ ইঞ্চি। যে সকল মেসিনগনের টেটা "নির্কিষ্ণ কর বলিয়া প্রাহ্য করা যাইতে পারে তাহার গেজ এই এই:

.৩০৩ ইঞ্চি করডাইট।

মার্টনি হেন্রি রাইফল, সলিড কেস।

.৪৫ ইঞ্চি গার্ডনর, গাটলিং ও নর্ডেন ফেলড (মাটিনি হেনরি চেম্বর্বিশিষ্ট বন্দুক ছাড়া)।

.৪ ইঞি।

১ম বিভাগের মধ্যে কেবল নিম্নলিখিত এবাগুলি ধরা ধায় ষ্থা,----

নির্বিযুকর টোটা।

পাছাড়াদি ভাঙ্গিবার নির্নিঘুকর পলিভা।

বোমের নিমিত্ত পলিতা ও বন্দৃ-কের নিমিত্ত টিউব ফ্রিকশন। কিস্তু একটি মোড়কের মধ্যে ৫টি পশ্তি বা ২৫টি টিউবের বেশী না থাকে এবং মোড়কটি বায়ু প্রবেশ করিতে না পারে এমন ভাবে বদ্ধা ধাতু নির্মিত চোঙ্গ ছওয়া চাই। রেলওয়ের কোয়াসার সিগনাল। রঞ্জকের টুপা। পুর্ব্বোক্ত অর্থকরণমত যে যুদ্ধোপকরণের আপনি জ্বলিবার উপায় নাই ও বাহা ১ম বিভাগের অন্তর্গত নহে, ২য় বিভাগের মধ্যে তাহাই ধরা যায়, অর্থাৎ যাহার আপনি জ্বলিবার উপায় নাই এরপ নদ্দলিখিত দ্রব্য, যথা—

নির্ব্বিত্বকর টোটা না হয় বন্দুকাদির এরপ টোটা,

কামানের, ফাঁপা গোলার, স্থড়ক করিবার, পাহাড়াদি ভাজিবার ও তদ্রপ অন্যান্য ক্যর্য্যের টোটা ও ছুড়িবার ম্বব্য,

যাহাতে কোন ক্ষোটনীয় জব্য থাকে, এরপ ফাঁপা গোলা ও টরপিডো, নির্কিল্পকর পলিতা নহে, এরপ পাহাড়াদি ভাঙ্গিবার পলিতা, ফাঁপা গোলার পলিতা, ক্ষোটনায় জব্য জন্নি দিবার নল, যুদ্ধের হায় ই,

পূর্ব্বোক্ত অর্থকরন্মত যে যুদ্দোপকরণের আপনি জ্বালিত হইবার উপায় মাছে ও যাহা ১ম বিভাগের অন্তর্গত নহে, ৩য় বিভাগে তাহাই ধরা যাইবে, অর্থাৎ যাহা আপনি জ্বালিবার উপায় আছে এপ্রকারের নিম্লিখিত দ্রব্য যথা,—

জিটোনেটর। নিক্ষত্মকর টোটা নহে এরপ বন্দুকাদির টোটা। নি ক্ষত্মকর পশিতা নহে পাছাড়াদি ভাঙ্গিবার এরপ পশিতা। ফাঁপা গোলার পশিতা।

স্ফোটনায় দ্বব্যে অগ্নি দিবার নল। যে টোটা প্রভৃতির সংগ্রির বা অংশ স্বরূপ এরূপ বন্দোবস্ত থাকে যাহা ঘর্ষণ বা আঘাত দারা তাহাতে স্ফোটন ঘটাইবার বা অগ্নি লাগাইবার উপযোগী, আপনি জ্বলিত হহবার উপায়নিশিষ্ট যুক্ষোপকরণ শব্দে তদ্রূপ যুদ্ধোপকরণ বুঝাইবে।

৭ম শ্রেণী।—-আতসবাজি নামক শ্রেণী।

# আতসবাজি শ্রেণীর ত্রইটা বিভাগ আছে।

১ম বিভাগে আত্সবাজি প্রস্তুত করিবার উপকরণাদিকে ধরিতে হইবে অর্থাৎ রাসায়নিক সংযোগ কিছা সামান্যরূপ মিশ্রণ দারা প্রস্তুত স্ফোটনায় বা আশু ক্ষুলনশাল ভাবের যে দ্রব্য আত্সবাজি প্রস্তুত করণার্থ ব্যবস্থৃত হয় ও পূর্ব্বোক্ত কয়েক শ্রেণার স্ফোটনায় দ্রব্যের অন্তর্গত না হয় ভাষা এবং পশ্চালিখিত নিয়মবিধির অধীনে ভারার ও রঞ্জিল আলোর উপকরণ।

তৈয়ারি করা আতসবাজি ২য় বিভাগের অন্তর্গত অর্থাৎ তপরি ক্রিছিত কোন শ্রেনীয় দ্রব্য এবং আতশবাজির মিশ্রেত উপকরণ যখন কোন কেসে পুরিয়া কি ন্যা কোন প্রকার কোশলে মুড়িয়া কি অন্য কোন রক্ষে পট্কা, দমা, টয়ক্যাপ বাজি, ব্যুদ্ধের হায়ুই, ভিন্ন) হায়ুই, মারুণ বাজি, লাসবাজি, চরকি বাজি, চাইনিজ কায়ার বাজি রোমান কাওল বাজি কিয়া অন্যান্য প্রকার আতসবাজি বা আতসবাজির সিগনাল বা শক্রের সিগনাল বা শক্রের নিগনাল বা শক্রের নিগনাল বা শক্রের নিগনাল বা শক্রের নিগনাল বা শক্রের নিগনাল বা শক্রের নিগনাল বা শক্রের প্রকার প্রবিশ্বিষ্ঠ উপকরণ।

কিন্তু শক্ত করিয়া নির্মিত ও বায়ু প্রবেশ করিতে না পারে এরূপে বন্ধ যে ধাতুর আবরণের মধ্যে অনধিক এক পোণ্ড রঙ্গিন আলোর এরূপ উপকরণ থাকে যাহা আপনা আপনি জ্বলিয়া উঠিতে না পারে তাহাকে "তৈয়ারি করা আতদবাজি" বিষয়া †ববেচনা করা যাইবে।

### প্রস্তুত করণ, নিকটে রাখন ও বিক্রয় করণ বিষয়ক (ক) সাধারণ বিধি।

২। এই বিধিমতে প্রদত্ত স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করিবার লাইসেন্সের নিয়মাধীনে ও ওদত্বসারে. না হইলে কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করা যাইবে নাঃ—

কন্ত,---

- (ক) কার্য্যে লাগাইবার অথবা বিক্রয়ের জন্য না হইয়া কেবল কিমীয় পরাক্ষা কার্য্যের নিমিস্ত অম্প পরিমানে কোন ক্ষোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করা গেলে তৎপ্রতি কিন্তা
- (খ) এই বিধিতে ব্যক্তি বিশেষের ব্যবহারের জন্য নিকটে রাখিবার নিমিত্ত যে পরিমাণের অহমতি দেওরা গেল বিক্রয়ের জন্য না হইয়া ব্যক্তিবিশেষের ব্যবহারার্থে নির্কিল্পকর টোটা দেই পরিমাণে ভরা গেলে ভৎপ্রভি,
  - -- এই ধারা খাটিবে না।
- ৩। যে কোন ব্যক্তি ২ বিধি লঙ্ঘন করিয়া স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করিবে তাহার ৩০০০) টাক<sup>†</sup> পর্যান্ত জ্বিমানা হইতে পারিবে।
- 8। এই বিধিমতে প্রদত্ত ক্ষোটনায় দ্রব্য নিকটে রাখিবার লাইসেপ্সের নিয়মাধানে ও তদত্বসারে। না হইলে ক্ষোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখা যাইবে না।

### কিন্তু এই বিধি নিম্নলিখিত স্থলে খাটিকে না,—

- (১) কোন ব্যক্তি বিত্র মের জন্য না হইয়া আপন ব্যবহারের নিমিত্ত
  - ু (ক) একই বাটীতে ৩০ পৌণ্ডের সমবিক পরিমাণ বাৰুদ কিন্তা উক্ত পরিমাণ বাৰুদের পরিবর্ত্তে ১৫ পোণ্ড পরিমিত অন্য কোন স্ফোটনীয় দ্বব্য কিন্তা তদশেক্ষা কম পরি-মাণ যে বারুদ তদভিপ্রায়ে মিকট রাখা না যায় তাহার পরিবর্ত্তে অন্য কোন স্ফোট-নীয় দ্বব্যের ঐ পরিমাণের অর্দ্ধেক, কিন্তা
    - খে) ১৫০ পোও পরিমাণের অনধিক যে বারুদ নির্ব্বিল্লকর টোটার মধ্যে থাকে তাহা কিছা।
      তৎপরিবর্ত্তে ৬ষ্ট শ্রেণার ১ম বিভাগের যুদ্ধোপকরণের মধ্যে যে ক্ফোটনায় দ্রব্য থাকে তাহার ১৫০ পোও কিছা তদপেক। কম পরিমাণে যে বারুদ তদভিপ্রায়ে নিকটে রাখা না যায় তাহার পরিবর্ত্তে অন্য যে ক্ফোটনায় দ্রব্য তদ্রপে মধ্যে থাকে তাহার ঐ পরিমাণ নিকটে রাখিলে তৎপ্রতি এই বিধি খাটিবে না।

ব্যতিক্রম স্থল।—এই ধারার নিয়মবিধির উপরিলিখিত অংশের কোন কথা এয়ে কোন ব্যক্তি অংশন ব্যবহারার্থে নিম্নলিখিত কোন দ্রব্য নিকটে রাখিবার মহ্মতি পাইলেন ব'লয়া বিবেচনা করিতে হুইবে না।—

- (ক) ৪ক ধারার নিয়মের অধানে না হইলে ৩য় (নাইটো কম্পোণ্ড) শ্রেণীর ১ম বিভাগের অন্তর্গত কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য, কিয়া ৫ম (ফুলমিনেট) শ্রেণীর কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য কিয়া
- (খ) স্ফোটনীয় দ্রব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় (১৮৮৪ সালের ৪ আইনের) ও ধারামত বিজ্ঞা-পনক্রমে যে স্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিতে সম্পূর্ণৰূপে নিষেধ করা গিয়াছে ভাহা, কিল্লা
- (গ) উক্ত ধারামত বিজ্ঞাপনক্রমে যে ছলে কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য নিয়মাধীনে নিকটে রাখিতে নিষেধ করা গিয়াছে সেই ছলে উক্ত সকল নিয়মাধানে না হইলে ঐ স্ফোটনীয় দ্রব্য।
- ২। বিক্রয়ের জন্য না হইয়া অবিলম্বে ব্যবহার করিবার নিমিত্তে আনাত ও অভিপ্রেড আতদব্যজি পরিমাণে যতই হউক নিকটে রাখা গেলে এবং সর্বাসাধারণের নির্বিদ্ধতার জন্য যথারীতি সাবধানতা সহকারে কোন নির্বিদ্ধ ও উপযুক্ত স্থানে ১৪ দিনের অন্ধিক কাল উহা রক্ষিত হইলে তৎ-প্রতি এই বিধি খাটিবে না।
- ু । স্ফোটনায় দ্বব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় (১৮৮৪ সালের ৪ আইন) মতে প্রণীত কোন স্ফোটন নায় দ্রব্যের চালান বিষয়ক বিধির বিধান অভ্নসারে উহা রক্ষা বা চালান করা গেলে চালান করিবা জন্য কোন বাহক বা অন্য ব্যক্তি উক্ত দ্বব্য নিকটে রাখিলে তৎপ্রতি এই বিধি খাটিবে না।

- ৪। সওদাগরী জাহাজ বিষয়ক উপস্থিত সময়ের প্রচলিত আইন সমূহের বিধানামুদারে কিছা ঐ সকল আইনমত কোন আদেশ বা নিয়মামুদারে কোন জাহাজে বারুদ, হায়ুই কিছা
  জ্বা স্ফোটনীয় স্বায় নিকটে রাখা গেলে, তৎপ্রতি এই বিধি খাটিবে না।
- ৪ক। নিম্নলিখিত নিয়মগুলির কোন একটীর অধীনে না হইলে ৩য় (নাইট্রো কম্পোগু) শ্রেণীর ১ম বিভাগের অন্তর্গত কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিতে পারা যাইবে নাঃ—
  - (ক) । কিয়া E ফার্মে প্রদত্ত লাইদেন্দের অধীনে না হইলে।
  - (খ) D কিয়া E ফারমে প্রদন্ত লাইসেন্সধারী কোন ব্যক্তিক কর্তৃক তাঁহার অধীনে কর্মকারী কোন ব্যক্তিকে প্রদন্ত ছাড় পত্রের অধীনে না হইলে। ঐ ছাড়পত্রে পেণিগুরে অনধিক পরিমাণ ঐ ক্যেটনীয় দ্রব্য রাখিবার অনুমতি থাকিবে এবং উহা ২৪ ঘন্টার অধিক বলবৎ থাকিবে না। প্রত্যেক ছাড়পত্রে অধীনস্থ কর্মকারী যে ব্যক্তিকে দেওয়া হইল তাঁহার নাম, যে পরিমাণ রাখিবার অনুমতি দেওয়া গেল তাহা এবং যে তরিখের যে ঘন্টায় দেওয়া গেল তাহা
  - (গ) E কারমে প্রদন্ত লাইসেন্সধারী কোন ব্যক্তি I)
    ফারমে প্রদন্ত লাইসেন্সধারী কোন ব্যক্তির
    অধীনে কর্মকারী কোন ব্যক্তিকে মোহাাহিত বদ্ধা
    বাক্সে করিয়া ৬০ পৌতের অনধিক ঐ স্ফোটনীয়
    দ্রব্য ঐ লাইসেন্সধারির নিকটে লইয়া যাইবার জন্য
    কিয়া E কারমে প্রদন্ত লাইসেন্সধারী কোন ব্যক্তির
    অধীনে কর্মকারী কেন ব্যক্তিকে ঐরপ বাক্সে
    করিয়া ঐ লাইসেন্সধারির নিকটে ১০০ পৌতের
    অনধিক ঐ স্ফোটনীয় দ্রব্য লইয়া যাইবার জন্য
    যে ছাড়পত্র দেন তদনুসারে না হইলে। ঐ ছাড়পত্র
    ২৪ ঘনীর অধিক বলবৎ থাকিবে না।

এই ধারার প্রয়োজনার্থ "লাইসেন্সধারী" শব্দে নিম্নলিখিত ব্যক্তিগণকেও বুঝাইবেঃ—

(১) কোন কোম্পানিকে প্রদন্ত লাইসেম্পের স্থলে ঐ কোম্পানির স্থানীয় এজেণ্ট কিম্বা কার্য্যাধ্যক্ষকে কিম্বা ঐ কোম্পানির অধীনে কর্মকারী যে ব্যক্তিকে ঐ স্থানীয় এজেন্ট বা কার্য্যাধ্যক্ষ এই ধারামত আপন ক্ষমতা পরিচালনার্থ লিখিত অনুমতি দেন তাঁহাকে। ঐ অনুমতিপত্তে জিলার মাজিষ্টেট বা মহকুমার কর্ত্তপক্ষ ক্রোড় স্থাক্ষর করিবেন।

- (২) কোন ব্যক্তি বিশেষকে প্রদন্ত লাইসেন্দের স্থলে ঐ ব্যক্তির অধীনে কর্মকারী যে ব্যক্তি এই ধারামত তাঁহার ক্ষমতা পরিচালনার্থ উপরোক্ত নিয়মাধীনে ক্ষমতা প্রাপ্ত হন তাঁহাকে।
- ে। কোন ব্যক্তি ৪ কিম্বা ৪ক বিধি লক্ষ্মন করিয়া কোন স্ফোটনীয় দ্বব্য নিকটে রাখিলে তাহার এক হাজার টাকা পর্যান্ত জরিয়ানা হইতে পারিবে।

৬। এই বিধিমতে প্রদন্ত ক্লোটনীয় দ্রব্য বিক্রয় করিবার লাইসেপের নিয়মাধীনের ও তদহুসারে মা ছইলে কোন ক্লোটনীয় দ্রব্য বিক্রয় করা ঘাইবে না।

কিন্ধু যে ব্যক্তি আপন ব্যবহারার্থে আইনমতে কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিতে পারে উহা তৎকর্ত্বক যে ব্যক্তির উহা নিকটে রাখিবার পক্ষে আইনে নিষেধ নাই তাঁহাকে বিক্রয় করণের প্রতি এই বিধি খাটিবে না।

৭। কোন ব্যক্তি ৬ বিধি লজ্জ্মন করিয়া স্ফোটনীয় এব্য বিক্রয় করিলে তাহার পাঁচশত টাকা পর্য্যন্ত জরিমানা হইতে পারিবে।

### (খ) বাৰুদ এবং কোনং স্ফোটনীয় দ্ৰব্য প্ৰস্তুত করিবার, নিকটে রাখিবার ও বিক্রয় করিবার লাইসেন্স দিবার বিধি।

৮। ১ম (বারুদ) শ্রেণীর কিন্ধা ৬ষ্ট (মুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগের কিন্ধা ৭ম (আতসবাজি) শ্রেণীর কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করিবার, নিকটে রাখিবার ও বিক্রয় করিবার কিন্ধা নিকটে রাখিবার ও বিক্রয় করিবার কিন্ধা নিকটে রাখিবার লাইসেন্দা প্রবল থাকিবার সময়ে লাইসেন্দাতা কর্তৃপক্ষ মোট যে পরিমাণের ও যে যে স্থানের অন্থ্যমাদন করেন সেই পরিমাণে তত্ত্বস্থানে উক্ত দ্রব্য প্রস্তুতাদি করিবার লাইসেন্দা কোন প্রেসিডেন্দা নগর ও উহার শাখানগরে হইলে পোলিসের কমিশনর সাহেব এবং অন্যত্ত জিলার মাজিক্টেট সাহেব কর্তৃক প্রদন্ত হইতে পারিবে।

কিন্তু কোন লাইসেপধারী ধে স্থানের প্রতি লাইসেপ খাটে সেই স্থানে একই সময়ে ২০০ পৌণ্ডের অধিক বারুদ, ৬ষ্ট (যুদ্ধোপকরণ) প্রোণীর ১ম বিভাগের যুদ্ধোপকরণ অন্তর্গত ৫০০ পৌণ্ডের অধিক কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য ও ২০০ পৌণ্ডের অধিক আত্তসবাজি অথবা ঐ সকল স্ফোটনীয় দ্রব্যের মধ্যে কোনটীর যত কম পরিমাণ লাইসেপদাতা কর্ত্বপক্ষ এতদর্গে আদেশ করেন তাছার অধিক রাখিডে পারিবেন ঐরপ লাইসেপের কোন কথায় এইরপ বিবেচনা করিতে ছইবে না।

- ৯। ঠিক পূর্ব্ব বিধিমতে প্রদন্ত প্রত্যেক লাইসেন্দের জন্য নিম্মলিখিত কা দিতে হইবে।—
- (১) ঠিক পূর্ববিত্তী বিধিতে ক্ষোটনীয় দ্রব্যের যে অভ্যুক্ত পরিমাণের উল্লেখ হইয়াছে সেই পরিমাণে কিন্তা তদপেক্ষা ন্যুন পরিমাণে ঐ দ্রব্য প্রস্তুত করিবার, নিকটে রাখিবার ও বিক্রয় করিবার প্রত্যেক লাইসেপের জন্য ২০০ টাকা ফী।
- (২) ঠিক পূর্ববিত্তী বিধিতে ক্লোটনীয় দ্রব্যের যে পরিমাণের উল্লেখ হইয়াছে তাহার অর্দ্ধেক পরিমাণে কিছা তদপেক্ষা ন্যন পরিমাণে ঐ দ্রব্য প্রস্তুত করিবার, নিকটে রাখিবার ও বিক্রয় করিবার প্রত্যেক লাইন্যেন্সের জন্য ১০) টাকা ফী।
- (৩) ঠিক পূর্ববিত্তী বিধিতে ক্ষোটনীয় দ্রব্যের যে পরিমাণের উল্লেখ চইয়াছে ভাছার সিকি পরিমাণে কিন্তা তদপেক্ষা ন্যুন পরিমাণে ঐ দ্রব্য প্রস্তুত করিবার, নিকটে রাখিবার ও বিক্রয় করিবার প্রত্যেক লাইনেনের জন্য ৫, টাকা ফী।
- (৪) ঠিক পূর্ববিত্তী বিধিতে ক্লোটনীয় দ্রব্যের যে অভুক্ত পরিমানের উল্লেখ হইয়াছে সেই পরিমানে কিম্বা ভদপেক্ষা নৃত্ন পরিমানে ঐ দ্রব্য নিকটে রাখিবার ও বিক্রয় করিবার জন্য ১০) টাকা কী।

- (৫) ঠিক পূর্ববর্তী বিধিতে ভোটনীয় জব্যের যে পরিমাণের উল্লেখ হইয়াছে ভাহার অর্ক্তেন পরিমাণে কিয়া তদপেকা ন্যুন পরিমাণে ঐ ক্রব্য নিকটে রাখিবার ও বিক্রয় করিবার জন্য ৫) টাকা ফী।
- (৬) ঠিক পূর্ববিত্তী বিধিতে ক্ষোটনীয় ক্রব্যের যে পরিমাণের উল্লেখ হইয়াছে তাহার সিকি পরিমাণে কিম্বা তদপেকা ন্যুন পরিমাণে ঐ ক্রব্য নিষ্পটে রাখিবার ও বিক্রম করিবার জন্য ২॥ তাকা ফী, এবং
  - (৭) ক্ষোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিবার প্রত্যেক লাইসেন্সের জন্য।। আনা কী।
- ১০। ৮ বিধিমতে প্রদত্ত প্রত্যেক লাইসেন্স এতংসংযুক্ত ওক্ষনীলের A বা B, কিছা ক্লবিশেষে C চিহ্নিত ফারমে প্রদত্ত হইবে এবং ঐ ফারমের নির্দ্ধিট নিয়মসমূহের অ্বীন হইবে।
- ১১। যে সকল নিয়মের অধানে ৮ বিধিমতে লাইসেপ্স প্রদন্ত হয় যে কোন ব্যক্তি তাহার কোন নিয়ম ভঞ্জ করেন, তাঁহার পাঁচশত টাকা পর্যস্ত জরিমানা হইতে পারিবে।
  - (গ) অন্যান্য ক্ষোটনীয় দ্রব্য **প্রস্তুত করিবার লাইসেন্স** দিবার বিধি।
- ১২। ৮ বিশির উল্লিখিত স্ফোটনীয় দ্রব্য ছাড়া অন্যান্য স্ফোটনীয় দ্রশ্য প্রস্তুত করিবার লাইসেপ মন্ত্রিসভার্থিতিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব প্রত্যেক ছলে যত কা, যে ফারম, যে মিয়াদ এবং যে যে নিয়্ম নির্দেশ করেন সেই ফী দিলে সেই কার্মে সেই মিয়াদের জন্য এবং সেই নিয়মাধানে মন্ত্রিসভার্থিতিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব কর্তৃক প্রদত্ত হইবে।

কিন্তু মন্ত্রিসভাধিন্তিত জীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব ঐরপ কোন লাইসেপের বেলা, স্ফোটনীয় দ্বব্য প্রস্তুত করিবার লাইসেপ যে প্রকার ও যে পরিমাণ স্ফোটনীয় দ্বব্য সম্পর্কীয় হয় সেই প্রকার ও সেই পরিমাণ স্ফোটনীয় দ্বব্য নিকটে রাখিবার লাইসেপের জন্য পরে যে সকল নিয়ম নির্দিষ্ট হইয়াছে সেই সকল নিয়ম নির্দেশ করিবেন।

- ১৩। যে সকল নিয়মের অধানে ১২ বিধিমত লাইসেপ প্রদক্ত হয় কোন ব্যক্তি তাহার কোন নিয়ম ভঙ্গ করিলে তাঁহার ৩০০০) টাকা পর্যান্ত জরিমানা হইতে পারিবে।
  - (ম) অন্যান্য ক্ষোটনীয় দ্রব্য অলপা পরিমাণে নিকটে রাখিবার লাইদেক দিবার বিধি।
- ১৪। লাইসেপদাতা কর্মচারী যে যে স্থানের অন্থ্যোদন করেন ৮ বিধির উল্লিখিত স্ফোটনীয় দ্ব্য ছাড়া অন্য স্ফোটনীয় দ্ব্য সেই সেই স্থানে নিকটে রাখিবার লাইসেপ উক্ত স্ফোটনীয় দ্ব্য যদি ৫ম (ফুলমিনেট) শ্রেণীর না হয় ও একই সময়ে যে পরিমাণ উক্ত দ্ব্য নিকটে রাখা ধাইবে ভাছা ৬ প্রিমেণ কর্মক না হয় তাহা হঠলে কোন প্রেসিছেপা নগরে ও উহার শাখা নগরে পোলীসের কমিশনর সাহেব কর্ম্বক এবং অন্যক্ত জিলার মাজিষ্টেট সাহেব কর্ম্বক প্রদক্ত হইবে।
- ১৫। ১৪ বিধিমতে প্রদক্ত প্রত্যেক লাইসেন্স এতৎস'যুক্ত তফসীলের D চিক্লিড কারমে প্রদক্ত হইবে, এবং ঐ কারমের নির্দিষ্ট নির্মসমূহের অধান হইবে। ঐরপ প্রত্যেক লাইসেন্সের জন্য ৫, টাকা ফা দিতে হইবে।
- ১৬। যে সকল মিয়মের অধীনে ১৪ বিধিমত লাইসেন্দ্র প্রদক্ত হয় কোন ব্যক্তি তাহার কোন মিয়ম ভঙ্গ করিলে তাহার ১০০০, টাকা পর্য্যস্ত জরিমানা হইতে পারিবে।
  - (৩) সাধারণতঃ স্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিবার লাইসেন্স দিবার বিধি।
- ১৭ ৷ ৮৩ ১৪ বিধিমতে যে লাইদেশ দেওয়া যায় ম্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিবার জন্য তদ্ভিন্ন অন্য লাইদেশ যদি উক্ত স্ফোটনীয় দ্রব্য ৫ম (ফুলমিনেট) শ্রেণার না হয়, তাহা হইলে স্থানীয় গ্রব্যেন্ট কর্তৃক নিম্নলিখিত কার্য্যপ্রণালী অমুসারে প্রদক্ত হইতে পারিবে:…
- (১) দরখান্তকারী জিলার মাজিষ্টেট সাহেবর নিকট, কিন্তা প্রেসিডেন্দ্রী নগর ও উহার শাখা নগরে হইলে পোলীসের কমিশনর সাহেবের নিকট একখানি লিখিত দরখান্ত অর্পন করিবেন। যে ভানে স্ফোটনীয় দ্রব্য রাখিবার প্রস্তাব করা হয় (ঐ স্থান পরে ইহাতে বাকসখানা বলিয়া উল্লিখিত হইল) তাহার ও তাহা যেখানে থাকে ভাহার একখানি নক্সা (যে কোন ইন্ফেল অনুসারে প্রস্তুত) ঐ দরখান্তের সঙ্গে দিতে হইবে।
  - (২) দরখান্তে নিম্নলিখিত বিষয়গুলির মধ্যে যেগুলি খাটে তাছার বিশেষ বিষরণ থাকিবে, অর্থাৎ—
  - কে) যে জমির উপর বারুদখানা থাকে তাহার চৌহন্দী এবং ঐ স্থান বেইন করিয়া যে পরিমাণ জমী ফাঁকা রাখিতে হইবে ও যে ইমারতাদি হইতে পৃথক করিয়া উহা ফাঁকা রাখিতে হইবে তাহা কিছা বাৰুদখানা বা উহার কোন অংশের এবং অন্যান্য ইমারতাদির মধ্যে যে দুরত্ব রাখিতে হইবে ভাহা।

যিদি মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত প্রীয়ৃত গবর্ণর জেনরল সাহেব কর্তৃক কিয়া মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত প্রীয়ৃত গবর্ণর জেনরল সাহেবের মঞ্জুরি লইয়া স্থানীয় গবর্ণমেন্ট কর্তৃক এতদর্থে সর্ব্বাপেক্ষা কম দ্রত্বের একটী টেবিল নির্দিষ্ট হইয়া থাকে তাহা হইলে দ্রত্ব সম্বন্ধীয় গবর্ণমেন্টের তালিকায় ঐ স্ফোটনীয় দ্রব্যের জন্য (যে পরিমাণ অভিপ্রেত সেই পরিমাণ গুদামজাত করা হইলে) যে দূরত্ব নির্দিষ্ট হইয়াছে বারুদখানা ও নানা প্রোণীর ইমারতাদির মধ্যে দূরত্ব তদপেক্ষা কম করিয়া রাখিতে হইবে না।

- (খ) বারুদখানার বা তৎসংক্রান্ত সকল মাটির চিবী ও ইমারভাদির অবস্থান, প্রক্লান্ত ও নির্মাণ প্রধানী এবং উহাদের এক হইতে অন্যের দূরত্ব।
- (গ) যে পরিমাণ স্ফোটনীয় দ্রব্য এবং সম্পূর্ণৰূপেই হউক বা আংশিক রূপেই হউক উহার মিশ্রিত উপকরণগুলির যে পরিমাণ একই সময়ে বারুদখানার সীমার মধ্যে লইয়া ঘাইবার অস্কৃমতি দিতে হইবে. এবং
- (ঘ) কোন ইমারতাদি যে স্থানে আছে বা যেরপে অবস্থিত বা যেরপে নির্মিত তৎসংক্রান্ত বিশেষ কোন অবস্থা হৈতৃক অথবা কোন কার্য্যপ্রণালীর ভাব বশতঃ বা অন্য কোন কারণে দরখান্তকারা যে বিশেষ কোন নিয়মের প্রস্তাব করেন তাহা।
  - (৩) উক্ত দরখান্ত পাওয়া গেলে,
- ক) জিলার মাজিফ্রেট সাহেব অথবা স্থল বিশেষে পোলীসের কমিশনর সাহেব ঐ দরখাশুর নোটিস প্রকাশ করাইয়া একটি দিন ধার্য্য করিয়া দিবেন। প্রশুবিত স্থানে বাফদখানা স্থাপন সম্বন্ধে যে ব্যক্তিদেব আপত্তি থাকে তাঁহারা শুননীর দিনের অন্যুন পূর্ব সাত দিন পুর্ব্ধে উক্ত জিলার মাজিফ্রেট বা পোলাসেব কমিশনর সাহেবের এবং দরখাশুকারির নিকট তাঁহাদের উপস্থিত হইয়া আপত্তি করিবার স্বিভিপ্রায় আছে ইহার নোটিস এবং তাঁহাদের নাম, ঠিকানা ও ব্যবসায়ের কথা এবং তাঁহাদের আপত্তির হেও্র সংক্ষিপ্ত বিবরণপত্র পাঠাইয়া দিলে ঐ দিনে তাঁহাদের আপত্তি শুনা যাইবে।
- খে) যে স্থলে প্রস্তাবিত বাৰুদখানা কোন মিউনিসিপালিটা বা কোন বন্দরের কর্তৃপক্ষের এলাকার সামার মধ্যে কিলা উহার এক মাইলের মধ্যে থাকে, সে স্থলে দরখান্তকারী দরখান্তের এবং জিলার মাজিস্ট্রেট বা পোলিসের কমিশনর সাহেব কর্তৃক যে দিন শুননি হইবে তাহার নোটিস ঐ কর্তৃ-পক্ষের উপার জারী করাইবেন।
- (গ) জিলার মাজিষ্টেট বা পোলিদের কমিশমর সাহেব শুন্মির দিনের অন্যুত্র এক মাস পুরের দরখাশুকারির ব্যয়ে ঐ ২ নোটিস প্রকাশ ও জারি করাইবেন।
- ্ম) জিলার মাজিফেট বা পোলীদের কমিশনর সাহেব তাঁহার নিকট দরখান্ত করা যাইবার পার যত শীঘু স্থাপা হয়, শুননার দিন ধার্য্য করিবেন এবং ঐরপে যে সময় ধার্য্য হয় তাহা দরখান্তকারা কর্তৃক নোটিসগুলি প্রকাশ ও জারী করণ হইতে উক্ত এক মাস অতীত হইবার পর যত শীদু সম্ভব হয় হইবে।
- ( ও ) দরখান্ত বিবেচনা করিয়া দেখিয়া ও যেরপে তদম্ভ করা আবশ্যক বিবেচনা হয় ভাগ করি-বার পর, জিলার মাজিফ্রেট বা পোলিসের কমিশনর সাহেব প্রস্তাবিত স্থানে ঐরপ নৃতন বাৰুদখানা স্থাপন সম্প্রেন সম্পূর্ণরূপ অমত করিতে পারিবেন অথবা তাহা করিতে বিনা সর্প্তে কিলা অতিরিক্ত নিয়ম বা সতর্কতাসূচক সর্প্ত করিয়া সম্মতি দিতে পারিবেন।
- (চ) ওদন্ত শেষ হইলে, জেলার মাজিক্টেট বা পোলাসের কমিশনর সাহেব তাঁহার অন্পরোধ সহিত ঐ দরখান্ত স্থানীয় গবর্ণমেন্টে প্রেরণ করিবেন। স্থানীয় গবর্ণমেন্ট তাহার পর, জিলার মাজিক্টেট বা পোলিসের ক্রিশনর সাহেবের অন্পরোধান্ন্যায়া কিলা যেরূপ উপযুক্ত বিবেচিত হয় তদ্রুপ অতিরিক্ত নিয়ম ও সতর্কতার সর্ভ যোগ করিয়া দিয়া হয় প্রার্থিত লাইসেন্স দিউে পারিবেন, নয় ঐ রূপ লাইসেন্স দিতে অস্থীকার করিতে পারিবেন।

কিন্তু যদি প্রস্তাবিত বারুদখানা কোন বসতবাটী, বড় রাস্তা, স্ত্রীট, সাধারণের গমনাগদনের তুই মুখ খোলা পথ বা সাধারণ স্থান হইতে ২০০ গজের কম দূর হয় কিয়া যদি স্থানীয় গবর্গমেণ্ট অন্য কোন কারণে পরামর্শসিদ্ধ বিবেচনা করেন তাহা হইলে লাইসেন্দ্র দিবার পূর্কে স্ফোটনীয় জব্যের কোন ইনস্পেক্টরের দারা ঐ স্থান পরিদর্শন করাইবার পর তাঁহার মত গ্রহণ করিবেন।

যে পরিমাণ দূরত্ব রক্ষা করিতে হইবে যদি তাহার একটি টেবিল নির্দ্দিষ্ট হইয়া থাকে তাহা হইলে ঐ স্থলের নিমিন্ত সর্ব্বাপেক্ষা যে কম দূরত্ব ঐরূপে নির্দ্দিষ্ট হইয়াছে তৎসম্বন্ধীয় বিধান লঙ্গন করা না হয় ইহা দেখিলেই যথেষ্ট হইবে।

কিন্তু দূরত্বের টেবিল প্রচারিত হইবার পূর্বে দেওয়া হইয়াছে
এমন কোন লাইসেন্স নৃতন করিয়া লইবার জন্য দরখান্ত হইলে
যদি স্ফোটনীয় দ্রব্যের ইন্স্পেক্টর এরূপ পরামর্শ দেন য়ে দূরত্বের
টেবিল মান্য না করিয়াও বিনা বিপদে লাইসেন্স নৃতন করিয়া
দেওয়া যাইতে পারে তাহা হইলে স্থানীয় গবর্গমেন্ট ঐ টেবিল মান্য
করিতে হইবে এরূপ আদেশ না দিয়াও লাইসেন্স নৃতন করিয়া
দিতে পারিবেন।

- ছো স্থানীয় গবর্ণমেন্ট লাইসেন্স দিলে উহা জিলার মাজিক্টেট বা পোলীদের কমিলনর সাহেবের নিকট পাঠাইয়া দিবেন। ঐ বারুদখানার ব্যবহার হইতে পারিবার নিমিত্ত লাইসেন্স অন্থায়িক উহার নির্মাণ কার্য্য যথেন্টরপ হইয়াছে তাঁহারা ইহা হ্রন্থোধমতে জানিলে ঐ লাইসেন্স দৃঢ় করিবেন। কিন্তু যাবৎ ঐরপে দৃঢ়ীক্বত না হয় তাবৎ ঐ লাইসেন্স বলবৎ হইবে না।
  - ১৮। ১৭ বিধিমতে প্রদত্ত প্রত্যেক লাইলেন্সের জন্য ২০, টাকা ফী দিতে ছইবে।
- ১৯। ১৭ বিধিমতে প্রদন্ত প্রত্যেক লাইদেশ এতৎ সংযুক্ত তফদীলের E চিহ্নিত কার্ময় প্রদন্ত হুইবে এবং ঐ ফার্মের নির্দ্ধিট নিয়ম সমূহের অধীন হুইবে।

১৯ ক। অত্যে ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের মঞ্জুরি দইয়া এবং যে কোন নিয়ম বা নিষেধ করা আবশ্যক বিবেচিত হয় তদধীনে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট ১৭ বিধি অনুসারে কোন ভাসমান বারুদখানায় স্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিবার অনুমতি দিতে পারিবেন ও ঐরূপ সকল বিশেষ স্থলে ১৭ বিধির নির্দিষ্ট কার্য্যপ্রণালীর ও লাইসেন্সের চিহ্নিত কার্যমের আবশ্যক্ষত পরিবর্ত্তন করিবার আদেশ দিতে পারিবেন।

২০। যে সকল নিয়মের অধীনে ১৭ বিধিমত লাইদেপ প্রদন্ত হয় কোন ব্যক্তি তাহার কোন নিয়ম ভঞ্জ করিলে তাহার ১০০০) টাকা পর্য্যস্ত জরিমানা হইতে পারিবে।

২)। মন্ত্রিসভাবিষ্ঠিত জীয়ুত গবর্ণর জেনরল সাহেব প্রভ্যেক ছলে যে ফী, যে ফারম ও যেং নিয়ম নির্দেশ করেন সেই ফী দিলে সেই ফারমে সেইং নিয়মাধীনে তৎকর্তৃক ৫ম (ফুলমিনেট) প্রোণীর ক্ষেটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিবার লাইসেপ প্রদত্ত হইবে।

২ং। যে সকল নিয়মের অধীনে ২১ বিধিমত লাইলেপ প্রদন্ত হয়, কোন ব্যক্তি ভাহার কোন নিয়ম ভল করিলে ভাহার ১০০০) টাকা পর্যান্ত জরিষানা হইতে পারিবে।

### (ঙ) অন্যান্য ক্লোটনীয় দ্রব্য বিক্রয় করিবার লাইলেন্স দিবার বিধি।

২৩। ৮ বিধির উদ্লিখিত স্ফোটনীয় দ্রব্য ছাড়া অন্য স্ফোটনীয় দ্রব্য বিক্রেয় করিবার লাইসেপ প্রেসিডেন্সী নগর ও উছার শাখানগরে পোলীসের ক্ষিপনর সাহেব কর্তৃক, এবং অন্যত্ত জিলার মাজি-ক্টেট সাহেব কর্তৃক উক্ত দ্রব্য নিকটে রাখিবার লাইসেপ প্রাপ্ত ব্যক্তিকে প্রদন্ত হইতে পারিবে।

২৪। ২৩ বিধিয়তে প্রদন্ত প্রভ্যেক লাইন্সেলের জন্য 👣 টাকা কী দিতে ছইবে।

২৫। ২৩ বিধিমতে প্রদন্ত প্রত্যেক লাইলেন্স এতৎসংযুক্ত ভফ্নীলের  ${f F}$  চিষ্ণিত কারমে প্রদন্ত হইবে এবং ঐ কারমের নির্দিষ্ট নিয়মসমূহের অধীন হইবে।

২৬। যে সকল নিয়মের অধীনে ২৩ বিধিমত লাইসেপ প্রদন্ত হয় কোন ব্যক্তি ভাহার কোন নিয়ম ভল করিলে, ভাহার ৫০০, টাকা পর্য্যন্ত জরিমানা হইতে পারিবে।

### (**চ) অভিরিক্ত** বিধি।

২৭। এই বিধিতে নিম্নে যে কর্মচারিদের উল্লেখ করা হইল তাঁহারা যথাক্রমে পশ্চালিখিত ছানের মধ্যে নিম্নোক্ত কর্ম সকল করিবার ক্ষমতা প্রাপ্ত হইলেন।—

- (ক) ক্ষোটনীয় দ্রব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ সালের
  ৪ আইনক্রমে প্রদত্ত কোন লাইসেন্স অনুসারে
  যে কোন স্থান, গাড়ী বা জলযানে কোন ক্ষোটনীয়
  দ্রব্য প্রস্তুত করা, নিকটে রাখা, ব্যবহার করা
  বিক্রেয় করা, চালান করা বা আমদানী করা
  হইতেছে কিষা কোন ক্যোটনীয় দ্রব্য ঐ
  আইন কিষা ঐ আইনমত বিধি লঙ্খন করিয়া
  প্রস্তুত করা, নিকটে রাখা, ব্যবহার করা, বিক্রয়
  করা, চালান করা বা আমদানী করা হইয়াছে বা
  হইতেছে বলিয়া তাঁহাদের বিশ্বাস করিবার কারণ
  আছে সেই স্থান, গাড়ী বা জলযানে প্রবেশ
  করিবার ও তাহা দেখিবার ও পরীক্ষা করিবার।
- (খ) তাহার মধ্যে ক্ফোটনীয় দ্রব্যের জন্য তালাস করিবার।
- (গ) তাহার মধ্যে প্রাপ্ত কোন স্ফোটনীয় দ্রব্যের নমুনার মুল্য দিয়া তাহা গ্রহণ করিবার, এবং
- (ষ) তথায় প্রাপ্ত যে কোন ম্ফোটনীয় দ্রব্য সম্বন্ধে এরূপ বিশ্বাস করিবার কারণ থাকে যে উক্ত আইনের কিয়া উক্ত আইনমত বিধির বিধান লঙ্খন করা হইয়াছে তাহা আপন বিবেচনানুসারে গ্লত করি-বার, আটক করিবার, স্থানান্তরিত করিবার ও সর্বা-সাধারণের নিরাপন্তার নিমিত্ত আবশ্যক হইলে, নফ করিবার।

# श्न।

# কর্মচারী।

ইছাপুরের বারুদের কারখানার স্পারিন্টেণ্ডেন্ট। ইছাপুরের বারুদের কারখানার আসিফান্ট স্থারিন্টেণ্ডেন্ট।

আপন২ জেলার মধ্যে আপন্থ এলাকার স্থানের মধ্যে। उनीरज।

... সমস্ত জেলার মাজিফ্রেট। অন্তর্গত জেলার गाकित्छेटित अधीन সমস্ত মাজিফ্টেট। কলিকাতা নগরে ও সহর- কলিকাতার পুলিসের কমিশনর পুলিসের ক্যিশনর হইতে বিশেষমতে তদর্থে ক্ষমতাপ্ৰাপ্ত হইলে ইন্স্পে-क्टदात भटनत निम भन्धांत्री ना হন এমন সমস্ত পুলিসের কর্মচারী।

# কিন্তু-

- (১) যখনই ইছাপুরের বারুদের কারখানার স্থপারিণ্টেণ্ডেণ্ট বা আসিফাণ্ট স্থপারিণ্টেণ্ডেণ্ট কিম্বা জেলার মাজি-ক্রেটের অধীন কোন মাজিফ্রেট ঐরূপ কোন স্ফোট-নীয় দ্রব্য ধ্বত করেন, আটক করেন বা স্থানান্তরিত করেন তাঁহাকে তখনই ঐ বিষয় জেলার মাজিফ্রেটকে রিপোর্ট করিতে ছইবে, এবং
- উক্ত কারখানার স্থূপারিন্টেণ্ডেন্ট বা আসিফান্ট স্থূপারি-ণ্টেণ্ডেণ্ট কিম্বা জেলার মাজিস্ট্রেটের অধীন কোন মাজিক্টেট অত্যে জেলার মাজিক্টেটের মঞ্জরি না হুইয়া এরপ কোন ক্ফোটনীয় দ্রব্য শফ করিবেন না।
- ২৮। কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিবার লাইদেন্স-প্রাপ্ত কোন ব্যক্তি আপনার বারুদখানা বা লাইসেম্পপ্রাপ্ত প্রেমিস-সন্বন্ধে উক্ত স্ফোটনীয় দ্রব্য দিয়া বিক্রয়ের নিমিত্ত বা স্থন্য কোন প্রয়োজনার্থ ছোট ছোট বন্দুক প্রভৃতির কোন টেটো পুরণ করেন বিশিয়া তাঁহাকে ঐ স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করিবার লাইসেন্স ইতে इक्टा ना।

কিন্তু তাঁহার নিম্নণিথিত ব্যবস্থাগুণি পাণন করিতে হইবে, অর্থাৎঃ—

- (১) যে ঘরে ইরূপ পূরণ কার্য্য চলিতেছে সেই ঘরে পঁচ পোণ্ডের বেশী বারুদ কিম্বা অপর কোন ক্ফোটনীয় জব্যের যে পরিমাণ স্থানীয় গবর্ণমেন্ট এতদর্থে নির্দ্দিষ্ট করেন সেই জব্যের সেই পরিমাণের বেশী থ'কিবে না। কিন্তু উহা লইয়া নির্বিদ্ব টোটা প্রস্তুত করা হইনে থাকিতে পারিবে।
- (২) ঐরপ পূরণ কর্য্য চিনিবার সময় টোটা প্রস্তুত করি-বার সহিত যাহার সংস্তব নাই এরূপ কোন কার্য্য ঐ ঘরে করা যাইবে না।
- (৩) ঐরপ পূরণ কার্য্য চিনিবার সময় ঐ ঘরে অ'গুন বা কোন প্রকার রুত্রিম আনো থাকিবে না। কিন্তু এরপ গঠন, অবস্থান বা রকমের আ'নো থাকিতে পারিবে যাহা হইতে অাগুন লাগিবার বা স্ফোটন হইবার কোন আশঙ্কা নাই।
- (8) যে ঘরে ঐ পুরণ কার্য্য চলে তাহা বারুদখানা হইতে পৃথক করা হইবে কি উহার খুব নিকট থাকিবে এবং বারুদখানা হইতে উহার যেরূপ দূর হইবার কথা লাইসেন্সদায়ী কর্তৃপক্ষ লাইসেন্সে লিখিয়া দেন তত দূরে হইবে। এবং
- (৫) দখী নকার লাইসেন্সদায়ী কর্কৃপক্ষকে নুটিস দিবেন যে, এই বিধি অনুসারে টোটা যেরূপ পুরণ করিবার অনুমতি দেওয়া হইল তাঁহার তক্রপ পুরণ কার্য্য চালাইবার অভিপ্রায় অংছে।

২৮ ক। কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিবার লাইসেন্স-প্রাপ্ত কোন ব্যক্তি আপনার বারুদখানা বা লাইসেন্স প্রাপ্ত প্রেমিস সম্বন্ধে টোটা পূর্ব করিয়া, চার্জ্জ প্রস্তুত করিয়া শুদ্ধ করিয়া, ঝাড়িয়া, লাগাইয়া দিয়া বা অন্য রক্ষে কেবলমাত্র আপন স্কড়ঙ্গে কিয়া খনিতে কিয়া আপনার চালান অথবা আপন কর্তৃত্বাধীন কোন খাদ বা ওয়ার্কে ব্যবহারার্থ উক্ত স্ফোটনীয় দ্রব্য উপযোগী করেন বা প্রস্তুত করেন বলিয়া ভাঁহাকে ঐ স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করিবার লাইসেন্স লইতে হইবে না।

কিন্তু তাঁহার নিম্নলিখিত ব্যবস্থাগুলি পানন করিতে হইবে, অর্থাৎঃ—

- (১) যে কারখানায় এরপ উপযোগীকরণ বা প্রস্তুতকরণ কার্য্য চলে তথ য় ১০০ পোণ্ডের বেশী বারুদ কিয়া অপর কোন ক্ষোটনীয় দ্রব্যের যে পরিমাণ স্থানীয় গ্রণমেন্ট ভদর্থে নির্দ্ধিষ্ট করেন সেই দ্রব্যের সেই পরিমাণের বেশী থাকিবে না।
- (২) এরূপ উপযোগীকরণ বা প্রস্তুত করণ কার্য্য চলিবার সময় এ কার্য্যের সহিত যাহার সংব্রুব নাই এরূপ কোন কার্য্য উক্ত কার্স্থানায় করা যাইবে না।
- (৩) উক্ত কারখানা বারুদখানা হইতে পৃথক রাখা হইবে কিন্তু উহার খুব নিকটে থাকিবে এবং বারুদখানা হইতে উহার যেরূপ দূর হইবার কথা লাইসেম্পদ'য়ী কর্ত্তৃপক্ষ লাইসেম্পে লিখিয়া দেন তত দূরে হইবে।
- (৪) এক প্রকার স্ফোটনীয় দ্রব্য পরিবর্ত্তিত করিয়া অন্য প্রকার স্ফোটনীয় দ্রব্য করা হইবে না ও উহা নফ বা বিশ্লিফ করিয়া উহার উপাদান বাহির করা হইবে না। এবং
- (৫) দখীলকার লাইসেন্সদায়ী কর্ত্তৃপক্ষকে নুটিস দিবেন যে, এই বিধি অনুসারে যেরূপ উপযোগীকরণ বা প্রস্তুত করণ কার্য্যের অনুমতি দেওয়া হইল তাঁহার তদ্ধপ কার্য্য চালাইবার অভিপ্রায় আছে।

ঘ। সাধারণ বিধি।

- ২৯। এই সকল বিধিমতে প্রদন্ত প্রত্যেক লাইসেপ যেং নিয়মাধীনে প্রদন্ত হয়, তাহার কোন নিয়ম লজ্জ্যন হইলে ঐ লাইসেপ রহিত করা যাইতে পারিবে।
- ৩০। ক্ষোটনীয় দ্বব্য প্রস্তুত করিবার, নিকটে রাধিবার বা বিক্রয় করিবার লাইসেপপ্রাপ্ত কোন ব্যক্তির মৃত্যু ছইলে কি তিনি দেউলিয়া ছইলে কিম্না মানসিক প্রামে অপারগ কি অন্য রকমে অক্ষম ছইয়া পড়িলে, উক্ত লাইসেপপ্রাপ্ত ব্যক্তির কর্ম যে ব্যক্তি চালান তাঁহার থ লাইসেপদায়া কর্ত্বপক্ষের নিকট মূল লাইসেপের অবলিট কাল থ লাইসেপক্রমে কার্য্য করণার্থে আপান নামে নৃতন লাইসেপ গাইবার নিমিত্ত দরখান্ত করিতে হইলে যুক্তিসিদ্ধ যে কাল আবশ্যক সেই কালের জন্য কার্য্য চালা ইবার নিমিত্ত ক্ষেটনীয় দ্রব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় (১৮৮৪ সালের ৪) আইনমতে কি থ আইনক্ষমে প্রণীত বিধিমতে সম্পত্তি—দণ্ড বা অন্য কোন দণ্ড ছইতে পারিবে না। এক টাকা দিত্র থ নৃতন লাইসেপ দেওয়া যাইবে।
- ়০১'। এই সকল বিধিমতে যে ফী আদার করা যাইবে তাহা "ছাপা করা ইউল্পি" যোগে লওয়া যাইবে। লাইসেন্দ পাইবার কি লাইসেন্দ নৃতন করিয়া লইবার দরখান্ত, তৎসম্বন্ধে অন্য রক-মের বিধান না ইইয়া থাকিলে সাদা কাগজে লেখা যাইবে। তক্রপ লাইসেন্দ দিতে হইলে বা নৃতন করিয়া দিতে হইলে যে ফী লওয়া যাইতে পারে দেই ফীর ভূল্য মূল্যের "ছাপা করা ইফীলা" কাগজে লাইসেন্দগুলি লিখিতে হইবে।

- ৩২। ১২ বিধিমতে ক্ষেটিনীয় জব্য প্রস্তুত করিবার লাইদেন্দ কিন্তা ২১ বিধিমতে এম (কুলমিননেট) প্রেণীর কোন ক্ষেটিনীয় জব্য নিকটে রাখিবার লাইদেন্দ ছাড়া অন্য সকল লাইদেন্দের মিয়াদ ষে বৎসরের জন্য ঐ লাইদেন্দ দেওয়া যায় সেই বৎসরের ৩১ ডিলেম্বর তারিখে কুরাইবে। ১২ ও ২১ বিধিমতে প্রদন্ত লাইদেন্দ ঐং লাইদেন্দের লিখিত মিয়াদের জন্য প্রবল্প থাকিবে। কিন্তু কোন লাইদেন্দের মিয়াদ অতীত হইবার পূর্কে দরখান্ত করা গেলে ও প্রথম বারের কি দিলে ঐ লাইদেন্দ নৃতন করিয়া নেওয়া যাইতে পারিবে। কিন্তু যদি ভাবগভিকের এয়প পরিবর্ত্তন হইয়া খাকে যে আছন ও বিধি অস্থসারে নৃতন লাইদেন্দ দেওয়া যাইতে পারে ব। অথবা যদি লাইদেন্দাতা কর্ত্তৃপক্ষ লাইদেন্দ্র দিতে আপত্তি আছে বিবেচনা করেন তাহা হইলে উহা নৃতন করিয়া দেওয়া যাইবে না।
- ৩৩। এই সকল বিধিমতে প্র জ লাইসেন্স হারান গেলে কি দৈবাৎ নম্ভ হইলে লাইসেন্সপ্রাপ্ত ব্যক্তি॥॰ আট আনা ফা দিলে দোকর লাইসেন্স পাইতে পারিবেন।
- ৩৪। এই সকল বিধি অহসারে প্রদন্ত লাইসেন্দ্রধারী কি ঐরপ লাইসেক্রমে কার্য্যকারী কোন ব্যক্তি, স্ফোট্রনীয় দেব্য সমুহের কোন ইন স্পেক্তর কোন মাজিক্রেট, কি পোলিস উপ্লেখনর অধ্যক্ষ কি পোলিসের উর্দ্ধ্ তন পদধারী কোন পোলিসের কর্মচারী তাঁহার প্রতি ঐ লাইসেন্দ্র উপন্থিত করিবার আদেশ করিলে, উহা উপন্থিত করিতে বাধ্য হইবেন।
- ৩৫। মাজিষ্টেটেরা কি অন্য যে কর্ত্বপক্ষেরা এই সকল বিধিক্রমে কার্য্য করেন তাঁহাদিগকে আপনং শাসনসংক্রাম্ভ উপরিছ কর্ত্বপক্ষের ও ছানীয় গবর্ণমেটের কর্ত্বভাষীনে আপন কর্ত্বব্য কর্ম সম্পাদন করিতে হইবে।
- ৩৬। পূর্ববর্ত্তী বিধিসমূহ অনুসারে লাইসেন্স দিবার ক্ষমতাপ্রাপ্ত কোন কর্ত্তৃপক্ষ উচিড বোধ করিলে লাইসেন্সের উপর লিখিত আজ্ঞা দিয়া ভারতবর্ষীয় অন্ত বিষয়ক ১৮৭৮ সালের ১১ আইনমত উক্ত প্রকারের লাইসেন্সের ন্যায় প্র লাইসেন্স কলবৎ হইবে, এই আদেশ করিতে পারিবেন।
- ৩৭। যে ব্যক্তিরা ভারতবর্ষীয় অস্ত্র বিষয়ক ১৮৭৮ দালের ১১ আইনক্রমে কি ঐ আইনমতে প্রণীত বিধিক্রমে ঐ আইনের অর্থমত যুদ্ধোপকরণের মধ্যে গণ্য কোন ক্ষেটিনীয় দ্রব্য আইনমতে রাখিতে পারেন তাঁহারা আপনং ব্যবহারার্থ যুক্তিযুক্ত পরিমাণে ঐরপ ক্ষেটিনীয় দ্রব্য এই সকল বিধিমতে লাইসেন্দ্র বিনা রাখিতে পারিবেন।

# তফসীল।

Aঁফারম।

( ५ शादा (नश । )

इक्टान्न त्यारग

টাকা ফী।

বাৰুদ কিল্পা ৬ষ্ট ( যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগের অন্তর্গত কিল্পা ৭ম ( আতসবাজি ) শ্রেণীর অন্তর্গত কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করিবার, বিক্রম করিবার ও নিকটে রাখিবার লাইসেন্স।

প্রেসিডেন্সী নগরে এবং উহার শাখানগরে পোলিসের কমিশনর সার্হেব কর্ক এবং অন্যত্ত জিলার মাজিস্টেট সাহেব কর্তৃক প্রদন্ত ।

লাইদেক প্ৰাপ্ত ব্যক্তির নাম প্ৰভৃতি ও বাসন্থান।	যে স্থানে ব্যবসা হয বা কৃষ্টি বা দোকান খাকে।	কোন এক সময়ে যত কোটনীয় জব্য বাথ। যাইবে তাহার সর্কাপেকা বেশী পরিমাণ।	বংসবের মধ্যে যাত্র। প্রস্তুত করিতে হইবে তাহা কত ও কি প্রকারেব।	বংসবেব মধ্যে য'হা শিকটে রাখিতে ও বিক্রয় কবিতে হইবে তাহা কত ও কি প্রকারেব।	যে ভারিখে লাউনেন্দের থিয়াদ অতীত হয়।
					১৮৯ সালের ৩১ ডিসেম্বর ।
জিলা	1/		( স্থা	क्त I) ·	To the second
<b>১৮৯ সাল</b>	<b>७</b> ११	। राह्य ।		त	'

### নিয়ৰ ৷

- ১। এই লাইদেশ স্ফোটন ম জব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ সালের ৪ আইনের ও ঐ আইন ক্রমে প্রনীত বিধির নিয়মাধীনে দেওয়া গেল।
- ২। স্থানীয় গ্রন্থিকট সময়ে সময়ে যে কারমের আদেশ করেন লাইলে ল প্রাপ্ত ব্যক্তি লেই কারমে যত স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করা গোল, হাতে যত মেছিত থাকে এবং যত বিক্রয় হয় তাহার কাগজ্ঞপত্র ও হিলাব রাখিবেন।
- ৩। কোন মাজিটোটে ধা ইনস্পেটুরের নিম্নপদস্থ নহেন এমন কোন পোলিদের কর্মচারী কাদেশ করিলেই লাইদেল প্রাপ্ত ব্যক্তি তাঁ হাকে আপন মেশ্বিত দ্রুরা এবং প্রস্তুত ও বিক্রয় সম্বন্ধীয় বহি দেখাইবেন।
- ৪। ক্ষোটনীয় বব্য কোন তাস্তুতে কিয়া কম মজবুত রূপে নির্মিত কোন বিশ্বভিত্তের মধ্যে প্রস্তুত করিতে হইবে এবং ঐ স্থান কেবল মাত্র ঐ কার্য্যের জন্য ব্যবস্থৃত হইবে, এবং কোন বদত বাটী হইতে নিম্নলিখিত রূপ দৃশ্ব থাকিবে।—
  - (ক) বারুদ **হইলে, ১০০** গজ,
  - (খ) ৬ষ্ঠ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগের অথবা ৭ম (আতসবাজি) শ্রেণীর স্ফেট-নীয় দ্রব্য হইলে, ৫০ গজ।

এবং কোন বড় রাভা, ক্রীট, হুই মুখ খোলা ব্রুমারনের পথ, কিয়া সাধারন ছান হইতেও
ঐ পরিমাণ দূর ছইবে। ছোট ছোট বন্দুক প্রভৃতির জন্য টোটা
পূরণ কার্য্য করিতে ছইলে, ঐ কার্য্য, যদি ভাল বিবেচনা করা
হয় তবে, কোন বিল্ডিটের উপরকার ঘরে করা যাইতে
পারিবে। কিন্তু যে ঘরে ঐ কার্ম্য চলিতেছে সেই ঘরে ফোটনীয় দ্রব্যের ৫ পোতের বেশী (নির্বিঘ্ টোটার মধ্যগত
ফোটনীয় দ্রব্য ছাড়া) থাকিবে না। অপর সকল হলেই প্রস্তুতকরণ
কার্য্য একটি একতালা বিল্ডিটে চালাইতে ছইবে।

- ৫। এই লাইসেপ্সমত স্ফোটনায় দ্রব্য বিক্রয় কর। গেলে ঐ বিক্রয় কার্য্য লাইসেপের লিখিত বাটীতেই সম্পন্ন করিতে হইবে।
- ৬। ষাহাকে ১৩ বংলবের নৃষ্ণে ব্য়ক্ষ বলিয়া বোধ হয় এমন কোন ছেলেকে ক্ষেটিনীয় জব্য বিক্যু করা হইবে না।
- ৭। শাইসেশপ্রাপ্ত ব্যক্তির নিকট যে ন্ফোটনীয় দ্রব্য থাকে তাহা স্থানীয় প্রবর্গনেট কর্ত্তক নির্দ্দিষ্ট কর্মচারির অনুগোদিত কোন শক্তরূপে নির্মিত এবং জ্বলনশীল নছে এমত বিলাভিঙ্কে রাখিতে হইবে অথবা কোন বসতবাটা, বড় রাভা, ইটা, গ্রই মুখ খোলা সাধারণের পথ বা সাধারণ ছান হইতে ৪ নং নিয়ামের নির্দ্দিষ্টমত দুরে অবস্থিত একটি দহনভয়রহিত সিন্দুকে রাখা বাইবে। ঐ সিন্দুক এরপে এন্তত ও বন্ধ করিতে হইবে যেন অহমতি প্রাপ্ত হয় নাই এমন লোকে উহার নিকট যাইতে না পারে এবং যেন বাহির হইতে উহার কোন বিপদ না হয় এমন করিয়া উহার কায়দা করা হয়।

কিন্তু ৫০ পৌণ্ডের অনধিক পরিমাণ বাৰুদ কিন্তা ঐরপে যাহা রক্ষিত হয় নাই এরপ বারুদের প্রতি পৌণ্ডের পরিবর্ত্তে ৬ষ্ট শ্রেণীর ১ম বিভাগের যুদ্ধোপকরণের অন্তর্গত ক্ষোটনীয় জব্যের ২ পৌণ্ড অথবা ৭ম (আতসবাজি) শ্রেণীর কোন ক্ষোটনীয় জব্যের ঐ পরিমাণ কোন বসতবাটীর মধ্যে কিন্তা পূর্ব্বোক্তমত বিলভিত্ত ছাড়া অন্য বিলভিত্তের মধ্যে কেবল মাত্র ক্ষোটনীয় জব্য রাথিব'র নিমিন্ত ব্যবস্থত কোন আধারে রাশা বাইতে পারিবে। আরও এই বিধান করা গেল যে ৬ঠ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর প্রথম বিভাগের শ্ফোটনীয় দ্রব্য ছাড়া যে কোন শ্ফোটনীয় দ্রব্যের আপনি জ্লিয়া উঠিবার উপায় আছে তাহা দহনভয়রহিত সিন্দুকে রাখা যাইবে না।

- ৮। স্ফোটনশীল বা অত্যন্ত জ্বলনশীল সমন্ত দ্রব্য বা পদার্থ প্র স্ফোটনীয় দ্রব্য হইতে এবং যে কোন হার বা বিলভিজের অংশ বা দহনভয়রহিত দিন্দুক বা আধারে ভহা থাকে তাহা হইতে এরপ দ্রে রাখিতে হইবে যাহাতে কোন বিপদাশকা না হয় এবং যে কোন ব্যক্তি ঐ ঘর বা বিলভিত্তের অংশ বা দিন্দুক বা আধারে প্রবেশ করে তাহার নিকট বা তাহার বুট বা জুতা সংলগু বা বুট বা জুতায় কোন লোহা বা ইস্পাত থাকিবে না।
- ১। যে বিলভিত্ত কেবল স্ফোটনীয় দ্বব্য প্রস্তুত করিবার বা রাখিবার জন্য ব্যবহৃত হয় তাহার কিয়া দহনভয়রহিত সিম্পুকের কিয়া আধারে ভিতরদিকে প্রস্তুত করিবার জন্য প্রস্তুত করিবার জন্য প্রস্তুত করিবার জন্য প্রস্তুত করিবার জন্য প্রস্তুত করিবার জন্য
- ১০। ৬ট (যুদ্দোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগের কিম্বা ৭ম (আতদবাজি) শ্রেণীর ২ম বিভাগের অন্তর্গত ৫ পৌণ্ডের অধিক পরিমিত সমস্ত স্ফোটনীয় দ্রব্য এবং ১ পৌণ্ডের অধিক পরিমিত অন্য সকল স্ফোটনীয় দ্রব্য শব্দ বাক্স, থলিয়া, কানেস্তারা বা অন্য আধারে রাধিতে হইবে। থ বাক্স প্রস্তৃতি এরপে নির্মাণ ও বন্ধ করিতে হইবে যে থ স্ফোটনীয় দ্রব্য তাহার ভিতর হইতে বাহিরে আদিতে না পারে। এবং উক্ত দ্রব্য যদি সাধারণের নিকট বিক্রমার্থ প্রদর্শিত হয় বা বিক্রীত হয় তাহা হইলে উক্ত দ্রব্য ধাকিবার বাহিরের আধারের উপর বত্ব অক্সরে ছেকা দিয়া কিম্বা শক্ত করিয়া লাগান লেবেল বা অপর মার্কা দিয়া উক্ত স্ফোটনীয় দ্রব্যের নাম লাগাইয়া দিতে হইবে।
- ১১। এই লাইসেন্সমতে যে প্রভ্যেক প্রকার ক্ষোটনায় দ্রব্য রাখা যাইতে পারে ভাহার ও ঐরপ অন্য দ্রব্যের মধ্যে এরপ ও এমন পদার্থের ব্যবধান শাকিবে অথবা এরপ ফাঁক থাকি ব ষাহাতে ঐরপ একটা ক্ষোটনীয় দ্রব্যে অগ্নি লাগিলে বা ক্ষোটন ঘটলে ভাহা অপরটিতে সংক্রামিত হইতে না পারে।—
  . কিন্তু এক শ্রেণীর ফোটনীয় দ্রব্য সকল একতা রাখা যাইতে পারিবে এবং বারুদ নির্বিশ্বকর পলিভার সহিত রাখা যাইতে পারিবে।
- ১২। \* লাইনেপ্সপ্রাপ্ত ব্যক্তি ভারতবর্ষীয় অন্ত বিষয়ক ১৮৭৮ সালের ১১ আইনমতে প্রনীত বিধির ১১ বিধির আদেশাস্থসারে আপান দোকান বা ব্যবসায় স্থানে একটা সাইনবোর্ড লাগাইয়া দিবেন। ও আপান দোকানে ঐ আইনের ২৮ ধারার একধানি নকল লটকাইয়া দিবেন।
- ১৩। \* দাইসেপ্সপ্রাপ্ত ব্যক্তি ভারতবর্ষীয় অন্তবিষয়ক ১৮৭৮ সালের ১১ আইনমতে নির্দ্দিট কারবের ৮ বা ৯ নং ফারৰ অহ্যায়িক শাইসেপ্যারী প্রত্যেক ক্রেডার লাইসেপ্য ক্রয় করিবার সময়ে নিম্নলিখিত ক্যান্তলি পৃষ্ঠশিপি করিয়া দিবেন ঃ—
  - (ক) বিক্রীত দ্রব্য ষাহাকে অর্পণ কর। যায় সেই ব্যক্তির নাম ও ঠিকানা।
  - (খ) বিক্রীত দ্রব্যের **প্রকৃতি** ও পরিমাণ।
  - (গ) বিক্রয়ের তারিখ।

এবং ঐ পৃষ্ঠলিপিতে আপনার স্বাক্ষর সংযোগ করিবেন।

<sup>়</sup> শ লাইদেশদ'ত। কর্ত্তুপক্ষ লাইলেনের উপর লিখিত আজাক্রমে যদি এরপ অ'লেশ করেন যে এই লাইদেশ ভারতর্যীয় অস্ত্র বিষয়ক ১৮৭৮ সালের ১১ আইমতে প্রদন্ত ঐরপ লাইদেলের ন্যায় ফলবৎ ছইবে তাতা হইলেই কেবল এই নিয়মগুলি দ্যোগ কবিয়া দিতে হইবে।

### B ফারম।

(৮ ধারা দেখ।)

ইফ্টাম্প যোগে

টাকা ফী।

বারুদ কিয়া ৬৯ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগের অন্ত-র্গত কি ৭ম (আতসবাজি) শ্রেণীর অন্তর্গত কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য বিক্রেয় করিবার ও নিকটে রাখিবার লাইসেন্স।

প্রেসিডেন্সী নগরে এবং উহার শাখানগরের পোলীসের কমি-শনর সাহেব কর্তৃক এবং অন্যত্র জিলার মাজিস্টেট সাহেব কর্তৃক প্রদন্ত।

লাইদেক প্রাপ্ত ব্যক্তির নাম প্রভৃতি ও <াসস্থান।	যে জানে ব্যবসায় হয় বা কুঠি বা দোক'ন থাকে।	কোটনীয় জব্য রাখা ঘাইবে তাহার দ্রবাণেক্ষা বেশী	বংসরের মধ্যে যে ক্রোটনীয় দ্রব। নিকটে রাখিতে ও বিক্রুয়  করিকে হইবে তাহা  কত ও কি একারের।	
				১৮৯ সালের ৩১ ডিসেম্বর।
জিলা ১৮৯ সাল তাং	}	মে¦ছর। — নিয়ম।	(স্থা <b>স</b> র	न्त ।)

- ১। এই লাইসেপা স্ফোটনীয় দ্ব্যে বিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ সালের ৪ আইনের ও ঐ আইন ক্রমে প্রণীত বিধির নিয়মাধীনে দেওয়া গেল।
- ২। স্থানীয় গবর্ণমেন্ট সময়েং যে কারমের আদেশ করেন লাইসেপাপ্রাপ্ত ব্যক্তি সেই ফারমে যত স্থোটনীয় দ্রব্য হাতে মৌজুদ থাকে এবং যত বিক্রয় হয় তাহার কাগজপাত্র ও হিদাব রাখিবেন।
- ৩। কোন মাজিষ্টেট বা ইন্স্টেরের নিম্নপদস্থ নহেন এমন কোন পোলিসের কর্মচারী আদেশ করিলেই লাইসেপপ্রাপ্ত ব্যক্তি তাঁহাকে আপান মৌজুদ দ্রবা এবং বিক্রয় সম্বন্ধীয় বহী ও কাগজপত্র দেখাইবেন।
- ৪। এই লাইসেপ্সমত স্ফোটনীয় দ্রব্য বিক্রন্ন করা গেলে ঐ বিক্রম কার্য্য লাইসেপ্সের লিখিত বাটীতে সম্পন্ন করিতে হইবে।
- ৫। যাহাকে ১৩ বৎসরের ন্যুন বয়ক্ষ বলিয়া বোধ হয় এমন কোন ছেলেকে ক্ষোটনীয় দ্রব্য বিক্রয় করা ছইবে না।
- ৬। স্ফোটনীয় দ্বব্য স্থানীয় গবর্গমেণ্ট কর্কুক নির্দ্দিষ্ট কর্মচারির
  অনুমোদিত কোন শক্তরপে নির্দ্ধিত ও জ্বলনশীল নহে এমত বিল্ভিঙ
  রাখিতে হইবে অথবা কোন বসত্বাটী, বড় রাভা, ফ্রীট, গুই মুখ খোলা সাধারণের
  পথ, বা সাধারণ ছান হইতে নির্দ্দিষ্টমত দূরে \* অবস্থিত একটা দহনভদ্মরহিত

৬ষ্ঠ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগের কিয়া ৭ম (আতসবাজি) শ্রেণীর ক্ফোটনীয় দ্রব্য হইলে, ৫০ গজ।

<sup>\*</sup> বারুদ হইলে, ১০০ গজ।

সিম্পুকে রাখা যাইবে। ঐ সিম্পুক এরপে গুল্পত ও বন্ধ করিতে হইবে যেন অভ্নয়তি প্রাপ্ত হয় নাই এমন লোক উহার নিকট ধাইতে না পারে ও যেন বাহির হইতে উহার কোন বিপদ না হয় এমন করিয়া উহার কায়দা করা হয়।

কিন্ত ৫০ পৌণ্ডের অন্ধিক পরিমাণ বারুদ কিন্তা ঐরপে যাহা রক্ষিত হয় নাই এরপ বারুদের প্রতি পৌণ্ডের পরিবর্ত্তে ৬ প্র প্রোনার ১ম বিভাগের (মুদ্ধোপকরণের) অন্তর্গত ক্ষোটনীয় দ্রব্যের ২ পৌণ্ড অথবা ৭ম (আতসবাজি) শ্রেণীর কোন ক্ষোটনীয় দ্রব্যের ঐ পরিমাণ কোন বসতবাটীর মধ্যে কিন্তা পুর্ব্বোক্তমত বিল্ভিঙ ছাড়া অন্য বিল্ভিঙের মধ্যে কেবলমাত্র ক্ষোটনীয় দ্রব্য রাখিবার নিমিত্তে ব্যবহৃত কোন আধারে রাখা যাইতে পারিবে।

আরও এই বিধান করা গেশ যে ৬ষ্ঠ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভা-গের অন্তর্গত স্ফেণ্টনীয় দ্রব্য ছাড়া যাহার অ'পনি জ্বলিয়া উঠিবার উপায় অছে এমন অন্য কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য দহনভয়গ্রহিত সিন্দুকে রাধিতে হইবে না।

৭। ক্ষোটনীয় বা আশুল্বনশীলভাবের বস্তু বা পদার্থ সকল ঐ ক্ষোটনীয় দ্বব্য হইতে এবং যে গৃছে বা বিল্ডিণ্ডের অংশে দহনভয়রহিত দিন্দুক বা আধারে উহা থাকে তাহা হইতে এরপ দূরে রাখিতে হইবে যাহাতে কোন বিপদ ঘটতে না পারে এবং যে কেছ দেই গৃছে বা বিলডিঙের অংশে অথবা দহনভয়রহিত দিন্দুকে বা অধারে প্রবেশ করেন তিনি কোন লোহ বা ইম্পাত নিকটে রাখিতে পারিবেন না বা উহার জুতা বা বুটের উপরে বা জুভায় বা বুটে উহা সংলগু থাকিবে না।

৮। যে বিল্ডিঙ কেবলমাত্র স্ফোটনায় জব্য রাখিবার জন ব্যবস্থত হয় তাহার কিয়া উপারলিখিত দহনভয়রহিত সিন্দুকের কিয়া আধ্বরের ভিতরদিকে কোন লোহা বা ইস্পাত বাহির হইয়া পাকিবে না।

- ১। ৬ ঠ (যুদ্ধোপিকরণ শ্রেণীর ১ম বিভাগের কিন্না ৭ম (আন্তসবাজি) শ্রানির ২য় বিভাগের অন্তর্গত ৫ পোডের অধিক পরিমিত সমস্ত ক্ষোটনায় দ্রব্য এবং ১ পোডের অধিক পরিমিত অন্য সকল ক্ষোটনায় হব্য শক্ত বায়, থলিয়া, কানেস্তারা বা অন্য আধারে রালিতে হইবে। ঐ বাজ প্রভৃতি এরপে নির্মাণ ও বন্ধ করিতে হইবে যে ঐ ক্ষোটনায় দ্রব্য তাহার ভিতর হইতে বাহিরে আসিতে না পারে। এবং উক্ত দ্রব্য যদি সাধারণের নিকটে বিক্যার্থে প্রশ্বিত হয় বা বিক্ষাত হয় তাহাইলে উক্ত দ্রব্য থাকিবার বাহিরের আধারের উপার বড়ং অক্ষরে ছেঁকা দিয়া কিন্ধা শক্ত করিয়া লাগান লেবেল বা অপার মার্কা দিয়া উক্ত ক্ষোটনীয় দ্রব্যের নাম লাগাইয়া দিতে হইবে।
- ১০। এই লাইদেশ্বমতে যে প্রত্যেক প্রকার ক্ষোটনীয় দ্রব্য রাখা যাইতে পারে তাহার ও ঐরপ অন্য দ্রব্যের মধ্যে এরপ ও এমন পদার্থের ব্যবধান থাকিবে অথবা এরপ ফাঁক থাকিবে যাহাতে ঐরপ একটা ক্ষোটনীয় দ্রব্যে পণ্ন লাগিলে বা ক্ষোটন ঘটলে তাহা অপরটিতে সংক্রামিত হইতে ন পারে। কিন্তু একই শ্রোলীর স্ফোটনীয় দ্রব্য সকল একত্র রাখা যাইতে পারিবে এবং নির্বিঘুকর পলিতার সহিত বারুদ রাখা যাইতে পারিবে।
- ১১। \* লাইসে সঞাপ্ত ৰাক্তি ভারতবর্ষীয় অন্ত বিষয়ক ১৮৭৮ সালের ১১ আইনমতে প্রনাত বিধির ১১ বিধির আদেশ অহুসারে আপান দোকনে বা ব্যবসায় স্থানে একটা সাইনবোর্ড লাগাইয়। দিবেন ও আপান দোকানে ঐ আইনের ২৮ ধারার একখানি নকল লটকাইয়া দিবেন।
- ১২। শাইসেপপ্রাপ্ত ব্যক্তি ভারতবর্ষীয় অন্তবিষয়ক ১৮৭৮ সালের ১১ আইনমতে নির্দ্ধিষ্ট কারমের ৮ বা ৯ নং কারম অনুযায়িক লাইসেপ্যারী প্রত্যেক ক্রেডার লাইসেপে ক্রয় করিবার সময়ে নিম্নলিখিত ক্যাণ্ডলি পৃষ্টলিপি করিয়া দিবেন।—
  - ক) বিক্রীত দ্রব্য যাঁহাকে অর্পণ করা যায় সেই ব্যক্তির নাম ও ঠিকানা।

ত্বাইনেক্সাভাক কুণিক লাইলেকে ই উপাব লিখিত আ জাজামে যাল এগণ আছেল ক্ৰেন যে এই লাইদেক ভাৰতবংশীয় ভালবিদ্যক ১৮৭৮ সালের ১৮ আ নামেন্ত প্রতি শ্রীক্ষণ লাগে টেকের নায়ে ক্লেবং ইউবে এক ক্রিলেই কেবল এই নিষ্ম্ভ ল যাগ্ ক্রিয়া দিকে হউবে।

- (খ) বিক্রীত দ্রব্যের প্রকৃতি ও **প**রিমাণ।
- (গ) বিক্রমের তারিখ।

. এবং ঐ পৃষ্ঠলিপিতে আপনার স্বাক্ষর সংযোগ করিবেন।

C ফারম।

(৮ ধারা দেখ।)

इक्टान्न त्यारम ॥० व्याना को।

বারুদ কিন্তা ৬ট ব্যুদ্ধোপকরণ) শ্রোণীর ১ম বিভাগের অন্তর্গত কিন্তা ৭ম (আতসবাজি) শ্রোণীর অন্তর্গত কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিবার লাইসেপা।

কোন প্রেসিডে স্বী নগরে এবং উহার শাখানগর সমূহে পোলিসের কমিশনর সাহেব কর্তৃক এবং অন্যত্র জিলার মাজিষ্টেট সাহেব কর্তৃক প্রদত্ত।

লাইদেক্সপ্ৰাপ্ত ব্যক্তিব নাম প্ৰভৃতি ও বাসস্থান।	বৎসাদের মধ্যে যে স্ফোট- নীয় জব্য নিকটে বাশিতে হ বে তাহা কত ও কি প্লকাবেব।	যে <b>শ্ব'নে</b> স্ফোটনীয় জব্য নিকটে রাথা মাইবে ও ভাহার সম্পূর্ণ বিবরণ।	কোন এক সময়ে যত ক্ষোটনীয় স্কব্য রাখিতে পারিখে তাহার সর্বা- পেক্ষা বেশী পরিমাণ।	যে তারিখে লাইদেকেব মিয়াদ অতীত হয়।
ı				১৮৯ সালের ৩১ <b>শে</b> ডিসেম্বর।
জিলা ১৮৯ সাল তাং	}(মাহর		- (স্বাক্ষর) র	
		নিয়ন।		

- ১। এই লাইলেকা ক্লোটনীয় দ্রব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ লালের ৪ আইনের ও ঐ আইনক্রমে প্রনীত বিধির নিয়মাধীনে দওয়া গেল।
- ২। স্ফোটনীয় দ্বা স্থানীয় গ্রবর্গনেও কর্তুক নির্দিষ্ট কর্মচারির অনুমোদিত কোন শক্তরূপে নির্মিত এবং জ্বানশীল নহে এমন বিলডিঙের
  মধ্যে রাখিতে হইবে অথবা কোন বসত বাটী, বড় রাজা, ফ্রাট, গ্রই মুখ খোলা সাধারন্ধের পথ কিল্লা সাধারণের স্থান হইতে নির্দিট্ট মত দুরে " অবন্থিত একটি দহনভয়রহিত
  সিন্দুকে রাখা ঘাইবে এবং উহা এরূপে নির্মিত ও বদ্ধ হইবে ফ্রেন যে ব্যক্তিরা অহ্মতিপ্রাপ্ত
  হন নাই তাহারা উহার নিকটে ঘাইতে না পারেন ও ফ্রেন বাহির হইতে উহার কোন বিপদ সম্ভাবনা
  না থাকে।

<sup>\*</sup> বারুদ হইলে ১০০ গজ। ৬৯ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগের অথবা ৭ম (আতসবাজি) শ্রেণীর স্ফোটনীয় দ্রব্য হইলে, ৫০ গজ।

কিন্ত ৫০ পৌণ্ডের অনধিক পরিমাণ বারুদ কিন্তা ঐরপে যাহা রক্ষিত হয় নাই এরপ বারুদের প্রতি পৌণ্ডের পরিবর্তে ৬ষ্ট শ্রেণীর ১ম বিভাগের (মুদ্ধোপকরণের) অন্তর্গত ক্ষেটিনীয় দ্রব্যের ২ পৌণ্ড অধবা ৭ম (আতসবাজি) শ্রেণীর কোন ক্ষেটিনীয় দ্রব্যের ঐ পরিমাণ কোন বসত বাটীর মধ্যে কিন্তা পুর্বোক্তমত বিদ্ভিত্ত ছাড়া অন্য বিদ্ভিত্তের মধ্যে কেবলমাত্র ক্ষেটেনীয় দ্রব্য রাখিবার নিমিত্তে ব্যবস্থত কোন আধারে রাখা যাইতে পারিবে।

আরও এই বিধান করা গোল যে ৬ষ্ঠ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভ'গের অন্তর্গত স্ফোটনীয় দ্রব্য ছাড়া যাহার আপনি জ্বলিয়া উঠিবার উপায় অ'ছে এমন অন্য কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য দহনভয়-রহিত সিন্দুকে রাখিতে হইবে না।

- ০। ক্ষোটনীয় বা আশুজ্বলনশীল ভাবের বস্তু বা পদার্থ সকল ঐ ক্ষোটনীয় দ্রব্য হইতে এবং যে সৃত্বে বা বিল্ডিভের অংশে, দহনভয়রহিত সিন্দুক বা আধারে উহা থাকে তাহা হইতে এরপ দ্রে রাখিতে হইবে যাহাতে কোন বিপদ ঘটিতে না পারে এবং যে কেছ সেই সৃত্বে বা ইমারতের অংশে অথবা দহনভয়রহিত সিন্দুকে বা আধারে প্রবেশ করেন তিনি কে'ন লোহ বা ইম্পাত নিকটে রাখিতে পারিবেন'না বা তাঁহার জুতা বা বুটের উপরে বা জুতায় বা বুটে উহা সংলগু থাকিবে না।
- 8 । যে বিল্ডিও কেবল মাত্র ক্ষোটনীয় দ্রব্য রাখিবার জন্য ব্যবস্থত হয় তাহার উপরি লিখিও দহনভয়রহিত সিন্দুকের কিন্তা আধারের ভিতর দিকে কোন লোহা বা ইস্পাত বাহির হইয়া থাকিবে না।
- ৫। ৬ষ্ঠ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগের কিন্তা ৭ম (আত্তদবাজি) শ্রেণীর ২য় বিভাগের অন্তর্গত ৫পোতের অধিক পরিমিত সমস্ত স্ফোটনীয় দ্রব্য এবং ১ পোতের অধিক পরিমিত অন্য সকল স্ফোটনীয় দ্রব্য শক্ত বাক্স, থলিয়া, কানেস্তারা বা অন্য আধারে রাখিতে হইবে। এ বাক্স প্রভৃতি এয়পে নির্মাণ ও বদ্ধ করিতে হইবে যে ঐ স্ফোটনীয় দ্রব্য তাহার ভিতর হইতে বাহিরে আসিডে না পারে।
- ৬। এই লাইদেশমতে যে প্রত্যেক প্রকার ক্ষেটিনীয় দ্রব্য রাখা ঘাইতে পারে ভাহার ও ঐরপ জন্য দ্রব্যের মধ্যে এরপ ও এমন পদার্থের ব্যবধান থাকিবে অথবা এরপ কাঁক থাকিবে ঘাহাতে ঐরপ একটা ক্ষেটিনীয় দ্রব্যে অগ্নি লাগিলে বা ক্ষেটিন ঘটিলে, ভাহা অপরটীতে সংক্রামিভ হইতে না পারে।
  কিন্তু একই শ্রেণীর ক্ষ্ণোটনীয় দ্রব্য সকল একত্র রাখা য ইতে পারিবে এবং নির্বিঘুকর পলিতার সহিত ব্যক্তি রাখা যাইতে পারিবে।
- ৭। লাইসেন্দ্রপ্রাপ্ত ব্যক্তি ক্রয় করিবার সময়ে যে বিক্রেডার স্থানে ক্রয় করেন ডৎকর্ত্বত ও তাঁছার স্বাক্ষরক্রমে আপন লাইসেন্দ্রে নিম্নলিখিত কৃথাগুলি পৃষ্টলিপি করাইয়া লইবেন।—
  - (क) ফুড দ্রব্য যাহাকে অর্পণ করা যায় সেই ব্যক্তির নাম ও ঠিকানা।
  - (খ) ক্রীড দ্রব্যের প্রফুডি ও পরিমাণ।
  - (গ) ক্রয়ের তারিখ।

# কারম। (১৪ ধারা দেখ।)

ইফ্টাম্পাহোগে ৫, টাকা की।

### স্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিবার লাইসেপ ।

প্রেসিডেন্দী নগরে এবং উহার শাখানগর সমূহে পোলীদের কমিশনর সাহেব বর্ত্ত্ব এবং অন্যত্ত্র জিলার মাজিস্টেট সাহেব কর্ত্ত্ব প্রদত্ত ।

ল(ইদেক প্রাপ্ত ব নাম প্রভৃতি ও ব:সন্তান।	ন্যুবসায়ের বা দে।ক।- নেব জ্থান ।	যে ৫ ক∤বেন কেন্ট- নীয় প্রবা (	ু কোন এক সময় যত কোট- নীয় ভ্ৰন্য (৬০ পৌত্তেব স্মধিক না হয়) রাশ; যাইবে তাহার সাধী পোক্ষা বেশী পরিমাণ।	যে তারিখে লাইলেকেব মিয়াদ অতীত হয়।
জিলা ১৮৯ সান তা	}	(মাহর।)	(স্থাস	 দর)
		শিয়ম ।		

- ১। এই লাইসেপ স্ফোটনীয় দ্রব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ সালের ৪ আইনের ও ঐ আইনক্রমে প্রনীত বিধির নিয়মাধীনে দেওয়া গেল।
- ২। স্ফোটনীয় দ্ব্য শক্তরপে নির্মিত বিল্ডিঙের মধ্যে রাখিতে হইবে, ঐ বিল্ডিঙ কেবলমাত্র ঐ কার্য্যের জন্য ব্যবহৃত হইবে এবং বসতবাটী হইতে পৃথক থাকিবে। উহা বড় রাভা, জীট, ছই মুখ খোলা সাধারণের পথ কিম্বা সাধারণের স্থান হইতে এরপ দুরে অবস্থিত হইবে যাহাতে কোন বিপদ ঘটিতে না পারে এবং উহা এরপে নির্মিত ওবদ্ধ হইবে যেন যে ব্যক্তিরা অমুমতি প্রাপ্ত হন নাই তাঁহারা উহার নিকটে যাইতে না পারেন ও যেন বাহির হইতে উহার কোন বিপদ সম্ভাবনা না থাকে।

কিন্তু ১৫ পৌণ্ডের অনধিক পরিমাণ ঐরপ কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য পূর্কোক্তমত বিল্ডিও ছাড়া অন্য বিল্ডিঙের মধ্যে কেবলমাত্র স্ফোটনীয় দ্রব্য রাখিবার নিমিত্তে ব্যবস্থত কোন আধারে রাখা ঘাইতে পারিবে।

- ৩। স্ফোটনীয় বা আশুলনশীল ভাবের বস্তু বা পাদার্থ সকল ঐ স্ফোটনীয় দ্রব্য হইতে এবং যে বিল্ডিঙ বা আধারে উহা থাকে তাহা হইতে এরপ দুরে রাখিতে হইবে যাহাতে কোন বিপদ ঘটিতে না পারে।
- ৪ । যে বিল্ডিঙ কেবল মাত্র স্ফোটনীয় দ্রব্য রাখিবার জন্য ব্যবহৃত হয় তাহার কিন্তা আধারের ভিতরদিকে কোন লোহা বা ইস্পাত বাহির হইয়া থাকিবে না ।
- ৫। ১ পৌণ্ডের অধিক পরিমিত ঐরপ দকল স্ফোটনীয় দ্রব্য শক্ত বাল্ল, ধলিয়া, কানেন্ডারা বা অন্য আধারে রাখিতে হইবে। ঐ বাল্ল প্রভৃতি এরপে নির্মাণ ও বদ্ধ করিতে হইবে যে ঐ স্ফোটনীয় দ্রব্য ভাষার ভিতর হইতে বাহিরে আদিতে না পারে।
- ৬। এই লাইসেপ্সমতে যে প্রত্যেক প্রকার স্ফোটনীয় দ্রব্য আইনমন্তে রাখা যাইতে পারে ভাহার ও ঐরপ অন্য দ্রব্যের মধ্যে এরপ ও এমন কোন পদার্থের ব্যবধান থাকিবে অথবা এরপ কাক ধাকিবে যাহাতে ঐরপ একটা স্ফোটনীয় দ্রব্যে অগ্নি লাগিলে বা স্ফোটন ঘটিলে ভাহা অপরটিতে কোন মতেই সংক্রামিত হইতে না পারে।
- ৭। লাইসেপাপ্তাপ্ত ব্যক্তি ক্রম করিবার সময়ে যে বিক্রেডার স্থানে ক্রম করেন তৎকর্ত্ব ও ঠানার আক্ররতমে আপন লাইসেপে নিম্নলিখিও বিশেষ বিবরণগুলি পৃষ্ঠলিপি করাইয়া লইবেন —
  - (ক) ক্রীত ব্রব্য <sup>ই</sup>।ছাকে অর্পণ করা যায় সেই ব্যক্তির নাম ও ঠিকান।।
  - (খ) ক্র**াত দ্রব্যের এক্ততি ও প**রিমাণ।
  - (গ) ক্রারে তারিখ<sub>়া</sub>

৮। লাইসেম্বারী ক্ষোটনীয় দ্রব্য প্রাপ্তির ও বাহির করিয়া দিবার একখানি রেজিফুরী রাখিবেন। উহাতে নিম্নলিখিত বিষয়গুলি লেখা থাকিবেঃ—

# প্রাপ্তির স্থলে—

- (ক) প্রাপ্তির তারিখ।
- (খ) যে যে ব্যক্তির নিকট হইতে পাওয়া গেল তাঁহাদের নাম ও ঠিকানা।
- (গ) যে প্রকারের ক্ফোটনীয় দ্রব্য পাওয়া গেল।
- (घ) যে পরিমাণ পাওয়া গেল। বাহির করিয়া দিবার স্থলে—
- (ক) বাহির করিয়া দিবার ভারিখ।
- (খ) যে ব্যক্তিকে বাহির করিয়া দেওয়া গেল তাঁহার নাম ও ঠিকানা।
- (গ) যে প্রকারের স্ফোটনীয় দ্রব্য বাছির করিয়া দেওয়া গেল।
- (ঘ) যে পরিমাণ বাহির করিয়া দেওয়া গেল।

### E. ফারম।

( ১৭ বিধি দেখ ৷ )

ইফাম্প যোগে ২০, টাকা ফী

**ट्यांग्रेनीय ज्ञाना निकटी दाशि**नाव ना**र्टन**न ।

স্থামীয় গবর্ণমেন্ট কর্ত্তক প্রদত্ত।

লাইনেক প্রাপ্ত ব্যক্তির নাম ও বাসক্ষান :	বে বারুদধানা সম্বন্ধে লাইসেন্স ধাটে তাছা থাকিবাব ভারগার চতুঃসীমা।	বাকদধানা সংক্রান্ত বিসভিত্ত ও ওয়ার্কের অবস্থান, ভাব ও নির্মাণপ্রণাঞ্চী।	যে প্রকাবের স্ফোটনীয জব্য রা <b>খি</b> তে হইবে তাহা।	বাকদশানার মধ্যে ও ভাহার থাকিবার জাযগার চতুঃসীমার মধ্যে এক কালে যে প্রিমাণ ক্লোটনীয দ্রুরা বাশা যাইবে।	যে তাবিখে লাইং দংকেৰ মিযাদ অতীত হয় :
		•			,
জিলা ১৮৯ <b>নাল</b>	(यादन ।				

### লিয়ম।

- ১। এই লাইসেপ স্ফোটনীয় দ্রব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ সালের ৪ আইনের ও 🗳 আইনক্রয়ে প্রণীত বিধির নিয়মাধীনে প্রদন্ত হইল।
- ২। লাইসেন্সে যে পরিমাণ স্ফোটনীয় দ্রুব্যের উল্লেখ খাছে বারুদখানার এক কালে ভাছার অধিক পরিমাণ স্ফোটনীয় দ্রব্য থাকিবে না।
- ৩। লাইসেন্সের নির্দ্ধিষ্ট স্ফোটনীয় দ্রব্য বা দ্রব্য সমূহ, তাহাদের আধারপাত্র এবং সেই সমস্ত স্ফোটনীয় দ্রব্য রাখিবার জন্য যে সকল হাতিয়ার ও যন্ত্রাদির শ্রয়োজন, কেবল তাহাই রাখিবার জন্য বাকদখানা ব্যবস্থুত চইবে।
- ৪। বারুদখানার অভ্যন্তর ভাগ ও তথাকার বেঞ্চ, আলমারি এবং অন্যান্য সরঞ্জাম এরপে নির্মাণ করিতে ছইবে অথবা মুড়িতে বা আরত করিতে ছইবে যে কোন স্থানে লোহা বা ইম্পাত বাহির ছইয়া না থাকে, এবং কোনরপ কাকর, লোহা, ইম্পাত অথবা তদ্রপ কোন পদার্থ এরপ ভাবে পৃথক হইয়া না পড়ে যাহাতে কোননায় দ্রব্যের সহিত ভাহাদের সংস্পূর্ণ ঘটিতে পারে। ঐ অভ্যন্তর ভাগ বেঞ্চ, আলমারী এবং সরঞ্জাম যুক্তেমুক্ত রূপে যতদূর সন্তব কাঁকরশ্ন্য করিয়া রক্ষা করিতে ছইবে এবং অন্য প্রকারেও পরিকার রাখিতে ছইবে। যদি জলসংযোগে বিপজ্জনক ছইয়া উঠে এরপ কোন ক্যোটনায় দ্রব্য রাথিবার কথা থাকে ভাহা ছইলে ঐ দ্রব্যে যাহাতে জল না লাগিতে পারে তজ্জন্য মধারীতি সাবধান ছইতে ছইবে।
- । বাৰুদ্ধানায় উপযুক্তমত বিহাত প্রিচালক দণ্ড সংযুক্ত করিতে হইবে, এবং তাহা বৎ-সরে অন্ততঃ একবার করিয়া পরীক্ষা করিতে হইবে।
- ৬। বারুদখানা অথবা কেনে ঘরের কে ন অংশ বা অংশে মেরামত করিবার পূর্কে, যতদুর সম্ভব সমস্ত ক্ষোটনায় দ্রব্য অথবা ভাষার মিশ্রিত উপকরণাদি সরাইয়া উহাকে পরিক্ষার করিতে হইবে এবং ঐ ঘব বা ভাষার অংশ সম্পূর্ণরূপে খোয়াইতে হইবে। এই রূপে খোয়াইবার পার ক্ষোটনায় দ্রব্য যভক্ষণ আবার ঐ ঘরে বা বাক্দখানার অংশে লংয়া না যাওয়া হয় তভক্ষণ এই সকল নিয়ম খাটিবে না।
- ৭। এইরপে ধোয়াইবার পার ভিন্ন বারুদখানার কোন অংশের মধ্যে অথবা উহার মেরামতের জন্য যে দকল হাতিয়ার বা যন্ত্রা,দির ব্যবহার করিতে হইবে ভাছা কেবল কাষ্ট্র, তামা, পিতল অথবা অন্য কোমল ধাতু বা পদার্থে নির্মিত কিন্ধা কোন নিরাপদ এবং উপযুক্ত পদার্থে আচ্ছাদিত হওয়া আবশ্যক।
- ৮। পাকেটশ্ন্য উপযুক্ত কারিকরের কাপড় অথবা উপযুক্ত জুতা ব্যবহার করিয়া ও ঝাড়া দিয়া বা অন্য প্রকারে অথবা যে কোন উপায় ওবলম্বন করিয়া বাৰুদখানার মধ্যে অগ্নি, বিলাতি দেসলাই, অথবা যে কোন দ্রব্য বা পাদার্থে স্ফোটন বা অগ্নি উৎপত্তি হওয়া সম্ভব তাহা, অথবা লোহা, ইস্পাত বা কাকর আনয়ন বন্ধ করিবার জন্য বিহিত বিধান করিতে হইবে। কিন্তু যে ক্রত্রিম আলোকের নির্মাণ প্রণালা, অবস্থান, ও প্রকৃতি বিবেচনায় অগ্নি বা স্ফোটনজনিত বিপাদের সম্ভাবনা নাই, এই বিধি দারা সেরপা আলোক আনয়ন রহিত করা হইবে না।
  - বাৰুদ্ধানার কোন অংশে কেছ ধূমপান করিবে না।
- ১০। কোন বয়ঃপ্রাপ্ত ব্যক্তির তত্ত্বাবধান ও তাঁহার সাক্ষাতে ভিন্ন ১৬ বৎসর অপেকা অপ্প বয়ক্ষ ব্যক্তি বাৰুদখানায় নিযুক্ত হইবে না অথবা প্রবেশ করিবে না।
- ১১। লাইসেন্দপ্রপ্র বাক্ষণানায় আইনমতে যে তুই বা ততোধিক প্রকারের স্ফোটনীয় দ্রব্য রাখা যাইতে পারে তাহা একই বাক্ষণানায় রাখা যাইতে পারিবে যদি তাহারা পরস্পর পৃথক করিয়া রক্ষিত হয় এবং তাহাদের মধ্যে এরপ পদার্থে নির্মিত এবং এরপ প্রকৃতির ব্যবধান থাকে অথবা এতটা মধ্যবর্ত্তী স্থান থাকে বাহাতে একটায় আগুন লাগিলে বা স্ফোটন হইলে সেই আগুন বা স্ফোটন আর একটায় কোন মতেই গিয়া লাগিতে না পারে। এইরপ তুই বা ততোধিক স্ফোটনীয় দ্রব্য রাখার নিম্নলিখিত বিশেষ বিধান হইল:—
- (ক) (১) বাৰুদ, (২) নাইট্রেট মিশ্র (৩) নাইট্রো-কম্পোণ্ড ও (৪) ক্লোরেট মিশ্র, শ্রেণীর-নানা স্ফোটনীয় জব্য এবং ৬৪ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগের নির্ধিল্পকর পলিতা এবং ৬৪ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীয় ২য় বিভাগের যে নানা প্রকার স্ফোটনীয় জব্যে লোহা বা ইস্পাত বাহির হইয়া না থাকে তাহা একতা রাখিতে হইলে মধ্যে স্থান রাখা অথবা ব্যবধান দেওয়া আবশ্যক না হইতে পারে।
- খে) .৬ষ্ঠ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগে যে সকল স্ফোটনীয় দ্রব্যের উল্লেখ আছে ত হাও মধ্যে স্থান বা ব্যবধান না দিয়াও একত্র রাখা যাইতে পারে।
- (গ) ৬ৡ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ২য় বিভাগের যে সকল স্ফোটনীয় জ্বো লোহা বা ইস্পাত বাহির হইয়া থাকে ভাহাও মধ্যে ব্যবধান বা স্থান না দিয়াও একত্র রাখা ঘাইতে পারে।

- (ঘ) ৬৪ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ৩য় বিভাগের নানা প্রকারের ক্ষেটনীয় দ্রব্য মধ্যে ছান বা ব্যবধান না দিয়া রাখা যাইতে পারে।
- (৩) ৭ম (আত্সবাজি) শ্রেণীর নানা প্রকার স্ফোটনীয় জব্যের মধ্যে স্থান ও ব্যবধান না দিয়া একত্র রাখা যাইতে পারে।

পূর্ব্বে যেরপ উক্ত ছইল উদ্ভিন্ন হই বা ভভোধিক প্রকারের ক্ষোটনীয় দ্রব্য এক বাক্দখানার রক্ষিত হইবে না।

- ১২। লাইসেপপ্রাপ্ত ব্যক্তি এবং বাৰুদখানায় বা তাহার নিকটে নিবুক্ত প্রত্যেক ব্যক্তিই ঐ বাৰুদখানায় আগুন লাগিয়া বা স্ফোটন হইয়া যাহাতে হুর্ঘটনা উপস্থিত না হয়, যাহাতে অনুমতিপ্রাপ্ত ব্যক্তি ভিন্ন আর কেহ বাৰুদখানা বা তাহার স্ফোটনীয় শ্রব্যের নিকট যাইতে না পারে তজ্ঞন্য বিহিত রূপে সাবধান থাকিবেন এবং যাহাতে আগুন লাগে বা স্ফোটন হয় এবং যাহা বাৰুদখানার কার্য্যের জন্য যুক্তিযুক্ত রূপে আবশ্যক নহে এরপ কোন কার্য্য করিতে নিরন্ত থাকিবেন।
- ১৩। লাইসেন্সধারী স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রাপ্তির ও বাহির করিয়া দিবার একখানি রেজিফ্টরী রাখিবেন। উহাতে নিম্নলিখিত বিষয়-গুলি লেখা থাকিবেঃ—

প্রাপ্তির স্থলে--

- (ক) প্রাপ্তির তারিখ।
- (খ) যে ব্যক্তির নিকট হইতে পাওয়া গেল ভাঁহার নাম ও ঠিকানা।
- (গ) যে প্রকারের স্ফোটনীয় দ্রব্য পাওয়া গেল।
- (ঘ) যে পরিমাণ পাওয়া **গেল।** বাহির করিয়া দিবার স্থলে —
- (ক) বাহির করিয়া দিবার তারিখ।
- (থ) যে ব্যক্তিকে বাছির করিয়া দেওয়া গেণ ভাঁছার নাম ও ঠিকানা।
- (গ) যে প্রকারের স্ফে'টনীয় দ্রব্য বাহিরকরিয়া দেওয়া গেল।
- (घ) যে পরিমাণ বাছির করিয়া দেওয়া গেল।

l' ফার্ম। (২৩ বিধি দেখ।)

ইফ্টাম্প যোগে 🖒 টাকা ফা।

(काठेगोत्र क्रवर विक्रत्र कतिवात नाइटन•म ।

কোন প্রেসিডেন্সা নগরে বা উহার শাখা নপরসমূচে পোলিসের কমিশনর সাহেব কর্তৃক এবং অন্যত্র জিলার মাজিস্টেট সাহেব কর্তৃক প্রদত্ত।

লাইদেকপ্রাপ্ত ব্যক্তিব নাম প্রভৃতি ও বাসন্থান।	ব্যবসাহয়েব ২া দোকামের স্থান।	যে প্ৰকংবেৰ কেন্ট্ৰীয অংৰাবিজ্ঞ কৰা ঘটিৰে।	ষে ভাবিধে লাইদেনেন মিযাদ অভীত ছয়।
জিলা ১৮৯ সাল <b>১</b>	sit । } (মে	(হর।	্স্থাকর।)

### নিয়য।

- ১। এই লাইনেন্দ ক্ষোটনীয় দ্রব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ সালের ৪ আইনের ও ঐ আইন-ক্রমে প্রণীত বিধির নিয়মাধীনে দেওয়া গেল।
- ২। ছানীয় গবর্ণমেন্ট সময়ে সময়ে যে কারমের আদেশ করেন লাইসেন্স প্রাপ্ত ব্যক্তি সেই কারমে যত স্ফোটনীয় দ্বব্য মৌচ্ছুদ থাকে এবং যত বিক্রয় হয় ভাছার কাগক্ষপত্র ও হিসাব রাখিবেন।
- ৩। যাছাকে ১৩ বংসরের ন্যুনবয়ক্ষ বলিয়া বোধ হয় এমন ছেলেকে কোটনীয় দ্রব্য বিক্রয় করা হইবে না।
- 8। ১ পোঁণ্ডের অধিক পরিমিত কোন ক্ষোটনীয় দ্রব্য সাধারণের নিকট বিক্রমার্থ প্রদর্শিত হইলে বা বিক্রীত হইলে শক্ত বাক্স, ধলিয়া, কানেন্ডারা বা অন্য আধারে রাখিতে হইবে। ঐ বাক্স প্রভৃতি এরণে নির্মাণ ও বন্ধ করিতে হইবে যে ঐ ক্ষোটনীয় দ্রব্য তাহার ভিতর হইতে বাহিরে আসিতে না পারে। এবং উক্ত দ্রব্য থাকিবার বাহিরের আধারের উপর বড়ং অক্ষরে ছেঁকা দিয়া কিছা শক্ত করিয়া লাগান লেবেল বা অপর মার্কা দিয়া উক্ত ক্ষোটনীয় দ্রব্যের নাম ও " Explosive" এই শক্টি লাগাইয়া দিতে হইবে।

### MARINE DEPARTMENT.

### The 4th September 1897.

No. 167 Marine — The following Notifications Nos. 172 and 173, dated the 24th August 1897, issued by the Government of Burma, removing quarantine restrictions against vessels arriving from Karachi, are published for general information.

A. D. Moarthur, Colonel, R.R., Secy. to the Govt. of Bengal.

Copy of a Notification No. 172, dated the 24th August 1897, by the Government of Burma, General Department.

In exercise of the power conferred by Act I of 1870, and with the previous sanction of the Governor-General in Council, the Lieutenaut-Governor directs that the rules for quarantine against plague at the ports of Akyab, Moulmein, and Bassein, which were published in this Department Notifications Nos. 13, 17, and 18, dated the 20th, 25th, and 26th January 1897, respectively, shall be cancelled from this date, so far as they relate to vessels arriving from Karachi.

Copy of a Notification No. 173, dated the 24th August 1897, by the Government of Burma, General Department.

In exercise of the power conferred by Act I of 1870, and with the previous sanction of the Governor-General in Council, the Lieutenant-Governor directs that the rules published in this Department Notification No. 1, dated the 1st January 1897, as amended by Notification No. 101, dated the 27th May 1897, for quarantine against plague in respect of vessels arriving from Karachi, shall be cancelled from this date.

# মেরিন্ ভিপার্টমেন্ট।

### ১৮৯৭ সাল ৪ সেপ্টেম্বর।

মেরিন্ ১৬৭ নম্বর।--করাচীছইডে আগত সকল জাহাজের বিরুদ্ধে করান্টাইন নিষেধ বিধি রছিড করণার্থ ব্রহ্মদেশের গবর্ণমেন্টের প্রচারিত ১৮৯৭ সালের ২৪ আগফ ভারিখের ১৭২ ও ১৭৩ নং নিম্মণ লিখিত বিজ্ঞাপন সাধারণের অবগভ্যর্থে প্রকাশ করা গেল।

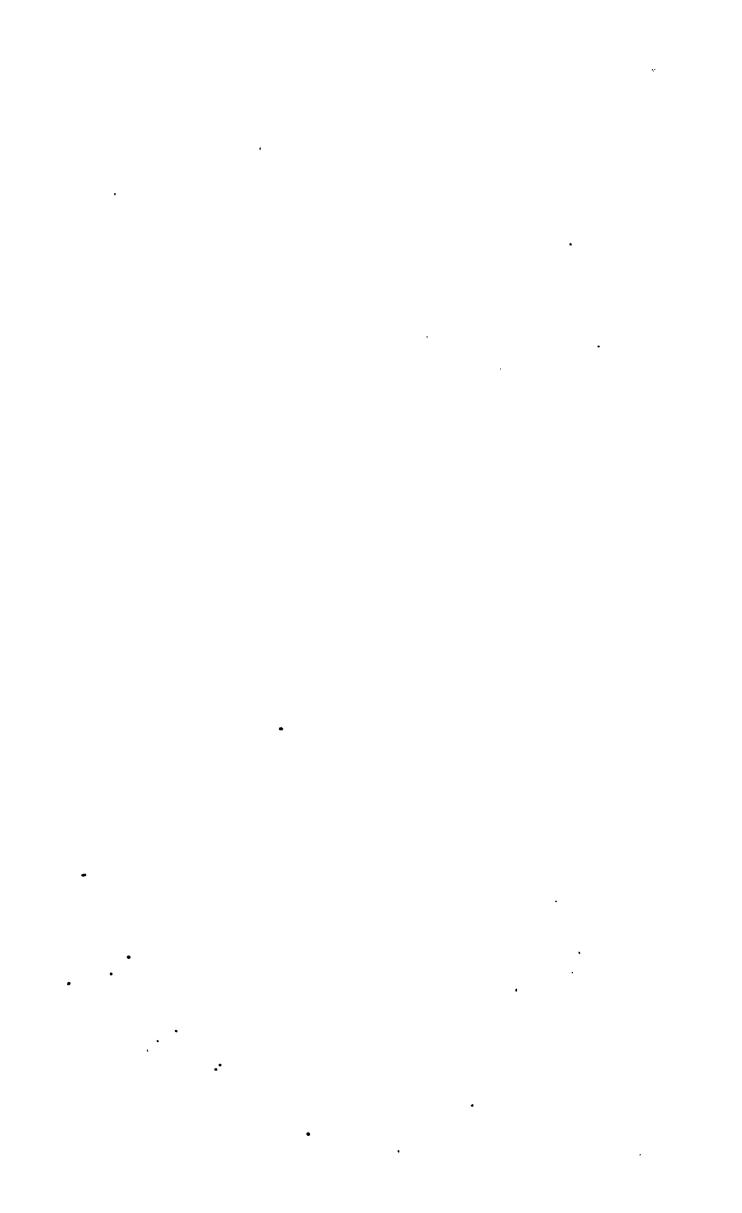
> এ, ডি, মাকআর্থর, কর্ণেল, আর, ই, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

ব্রহ্মদেশের গবর্ণযেক্টের জেনরন্স ডিপার্টযেক্টের ১৮৯৭ সালের ২৪ আগস্ট তারিখের ১৭২ নং বিজ্ঞাপনের প্রতিনিপি।

শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব ১৮৭০ সালের ১ আইনমতে প্রদন্ত ক্ষমতাস্থসারে কার্য্য করিয়া এবং মন্ত্রিসভাধিতিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের অসমতি অত্যে পাইয়া এই আজ্ঞা করিলেন যে, আক্যাব, যৌলমেন ও বেসিনের বন্দর সমূহে মড়কের বিৰুদ্ধে যেং ক্ষারান্টাইন বিধি ক্রমান্বয়ে এই ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৭ সালের ২০, ২৫, ও ২৬ জান্মারি তারিখের ১৬, ১৭ ও ১৮ নং বিজ্ঞাপনে প্রকাশিত হইয়াছে সেইং বিধি করাচী হইতে আগত জাহাজের সহিত যত দূর সম্পর্ক রাখে তত দূর অদ্যকার তারিখ হইতে রহিত হইবে।

ব্রহ্মদেশের গবর্ণমেন্টের জেনরল ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৭ সালের ২৪ আগফ তারিখের ১৭৩নং বিজ্ঞাপনের প্রতিলিপি।

শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব ১৮৭০ সালের ১ আইনমতে প্রদক্ত ক্ষমতাল্লগরে কার্য্য করিয়।
এবং মন্ত্রিসভাধিষ্টিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের অন্থমতি অত্যে পাইয়। এই আজ্ঞা করিলেন যে
করাচী হইতে আগত জাহাজ সম্বন্ধে মড়কের বিক্তরে যে কারান্টাইন বিধি এই ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৭
সালের মে মালের ২৭ ভারিখের ১০১ নং বিজ্ঞাপন দ্বারা সংশোবিত ১৮৯৭ সালের ১ জাল্লয়ারি
ভারিখের ১নং বিজ্ঞাপনে প্রকাশ করা গিয়াছে ভাষা অদ্যকার ভারিখ ইইতে রহিত হইবে।





# গ্রণমেণ্ট গ্রেডেট

TUESDAY, SEPTEMBER 14, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৪ সেপ্টেম্বর।

PART VIII.

ADV.ERTISEMENT.

ष्यष्टेय थए।

ইশ্ভিহাম এভৃতি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিবরক ইতাহার।

#### किना वीत्रज्य।---क्यामाति विकासत विकाशन क।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওরা যাইতেছে যে বীরভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত হালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেষ্ট্রর সাহেবের আকিসে বাকী রাজন্ম ও অন্যয়ে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী জিক্সের ন্যায় আদায়ের যোগ্য ভাছা আদায় করিবার নিমিত্ত সন ১৮৯৭ সালের ২৭শে সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১ টার সময় মলামে বিজ্ঞায় করা যাইবে।

۲	ર	٠	8	•	•	٦	•	,
ভৌন্সীর নধব।	মহাল ও পর্যালার নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর ক্লমা।	नच्चृत महान विक्रम हरेद किमा।		ৰে সম্পত্তি বিক্ৰয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশের সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে ভাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে ভাহার বাকী।
৽১ ৰং	হেৰুকা, প্রগণা আক্বরসাহি খানা মোড়ে- শ্বর।	34420	मन्पूर्व	••••	ভোলানাথ ঘোষ দিগর।		8 ) l &	
•> नः	ইছাপুখ্রিয়া থানা লাভপুর।	36.0%		এজমালি অংশ রক্ষ  । ১১৯ গণ্ডা ২ দন্তী  এই এজমালি  অংশ ভিন্ন মহা- লের অন্য কোন  অংশ নীলাম  হইবে না।		250113		<b>५</b> ८३ शाहे
•৩ নং	খন্না, পরগণা খটজা ধানা সিউড়ী।	3050200	•••••	এজমালি অংশ রক্ষ  ॥৯।—১৫ তিল  এই এজমালি অংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নীলাম  হইবে না।	, <b>, , , ,</b>	१७२/•	•••••	दा।२
१० नर	আকুনি প্রগণা শ্বরপদিংহ ধানা মোড়ে- শ্বর।	3r04lJ0	••••	১৭০ পৃথক হিসাব কাজিপুর বাগ- বাদিনী ও ভূড়ি গ্রাম মোজার রকম যোল আনা এবং সাহাজাদপুর চক ও সাহাজাদপুর নও- য়াবাদ মোজার রকম।/০ আনা এই পৃথক হিসাব ভিন্ন মহালের জন্য কোন অংশনীলাম হইবে না।		¢9₹  φ'ο		₹3 /•

জীকা।- যে খলে উপরের লিখিত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই দ্বলে ইহা বৃথিতে ছইবে যে ঐ অংশের মিজ মতন্ত্র হিদাব রাখা হইয়া থাকে ও উপরি লিখিত অংশ তির মহালের অন্য কোন অংশ নিলাম ছইবে না।

BIRRHUM COLLECTORATE, ated Suri, the 9th August 1897.

#### क्रिमा बाग्नाचामी।

#### জ্মিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোরাখালী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিধিত-লেগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত ইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজকের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে ভাহ। আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ১৫ সেপ্টেম্বর রিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে ছলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ১ মরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছইবে বলিয়া খিত আছে সেই দলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতর হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

\$	•	•	8	e.	•	٩	<u> </u>	>
তীব্দির খর।	মহাল ও পরগনার নাম।	সম্পূর্ণ মহা- লের সদব কমা।	नष्णूर्व महोल विक्रम हरेदव कि मा।	কেবলমাত্র অংশ বিক্র হইলে ঐ অংশ বা ঐহ অংক্রের বিশেষ প্রবিশ্বপ		কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশেব সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহার বাকী ,	কোম অংশ মাত্র বিক্রয় হাইলে ভাহা। বাকী।
<b>5</b> ₹	দান্দরা হিঃ ১১।=:১•		অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ	<b>এ চন্দ্ৰনা</b> ধ গুপ্ত	b0246		8 <b>৮०</b> ।∳१
3	कास्त्री शः माम्मद्रा।			। ১১ । । /৮ ভিল।	,			
8 t	কিসমত মহেন্দ্র	७७१/১১	সম্পূর্ণ		শ্ৰীমতী আইজা-		256177	••••
	নানারায়ণ পং				মেছা।			
٠,,	७मॄीथ ।							
<u>۲</u> ۲	চাকলে বামনী জমি-	•••	অংশ			२१०७५:	,444	44442
,	দারী চাং বামনী।			।॰ वाना।	গং নাবালগান			
					পক্ষে মাতা অভি- ভাবক মিস এলেনা			
					खापक । सग खरणना एक, एजिस			
			 		সাহেবা।	1	(	
			ধাস মহ	াশ টেনিউর—				
59 <b>e</b>	চর উশ্বর রাম মধ্যে -২ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওলা	reele	मन्मू <b>र्व</b>		আবহুৰ হাকিম মিঞাজি গং।	•••••	२४।	•••
	बक्षनान।							
59 <b>¢</b>	প্র চর মধ্যে ৩ নং গঃ মঃ ম্যাদি	१२०॥७०	<b>(a)</b>	••••	ব্ৰহ্মমাৰি গং	•••	२७७	******
	গ্ৰু বং ব্যান হাওলা ব্ৰজ্পবাম মাঝি গং।							•

LALIT KUMAR DAS, Deputy Collector in charge.

#### জিলা বাকরগঞ্জ ।—জ্বিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এভদ্ধারা এই সংবাদ দেওস্না বাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্রর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত দ্বন কিন্তির বাকী রাজত্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনামুসারে বাকী রাজত্বের ন্যায় আদায়ের যৌগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সনের ২৪ সেপ্টেম্বর শুক্রবার তারিখে মোং বাং ১৩০৪ সনের ৯ আশ্বিন নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭। ২ আগস্ট।

١	<b>.</b>	٠	8	t		9		•
ভৌজিব নম্বর।	মহাল ও প্রগণার কান ৷	সম্পূর্ণ মহা- লের সদর কমা।	সম্পূৰ্থ মহাল বিশ্বয় হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রন্ন ছইলে এই অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবর্গ।	যে সম্পত্তি বিদ্রুত্ব হইবে ভাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ শাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশের সদর ক্রমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে ভাহার বাকী	কোন অংশ মাজ বিক্ৰয় হইলে ভাহায় বাকী:
3699	ভালুক সৈজ্জীন খাঁ গং পং বোজরগো- মেদপুর।	•••		এজমালী ৮১/১৫ গণ্ডা অংশ নিলাম হইবে। অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না!	ক্বফ্ষকিশোর নিয়োগী গং ।	3 · 8 b 4 J 8		હાঠ।। পাই
8484	পদ্মা ওরফে রম- জানপুর পং কাশীম- পুর সেহলাপট্টী।	**************************************	সম্পূর্ণ মহা- লের মালিকী স্বত্ব মিলাম হইবে।		হরকুমার সে <b>ন গং</b>	••••	<b>334</b> )	
<b>७२</b>	চক কচুপাতরা পং চক্সদ্বীপ	<b>१७२</b> )	সম্পূর্ণ মহা- লের ভালুক- দারী অভ নিলাম হইবে		শশীকুমার বস্থ গং	•••••	60F)	•••••
8684	जूषपानी गरान ज्यीन ८नः निम राउन। १९ रेमम्पूद ।		সম্পূৰ্ণ নিম হাওলা নিলাম হইবে।		এরকান্ত্রদ্ধি গং	** **	3334 <sub>9</sub> /•	******
Ġ	ভূষধালা মহাল অধীন ৬৮/৮৪/২১৮ নং যোত।	ارد.و	সম্পূৰ্ণ যোত নিলাম হ <b>ইবে</b> ।	•••••	यमन १९	••••	<b>6.</b> 3)	•••••
<b>4</b> 272	চর ক্লফপুরা মহাল আধীন ৮ নং গর- মকররি হাওলা পং জজীরা।	) • 62  4/2 •			कानीह्य मान शः	••••	<b>⊭8₹4</b> ₽⁄0	•••••

জ্ঞা।—যে দ্বলে উপরের লিখিত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও১ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছইবে বলিয়া লিখিত জাছে লেই দ্বলে ইহা বৃথিতে ছইবে যে ঐ জংশের বিক্রয় হয় না।

B. Bell,

Offg. Collector.

#### জেলা বর্দ্ধমান। - নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বর্জমান জেলার অসংপাতি নিম্নলিখিত মহলে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্গু অন্নুসারে উক্ত বর্জমান জেলার কালেক্ট্ররিতে ১৮৯৭ সনের ২৪শে সেপ্টেম্বর তারিখ মোতাবেক বান্ধলা ১৩০৪ সনের ৯ আশ্বিন তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় ছইবেক।

**খ**तिकात्रग्रातक निष्युष निमारमञ्जू मक्त वाक्ष इहेर्छ इहेर्ट ।---

#### নিলামের সর্ভ;—

- প্রথম। নিলামের সময়ে কালেষ্ট্রর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্দিন্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্বা-পেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদ্দা-রকে ইহার মালিকক্ষরপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরস্থ রূপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি অত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ অত্ব খরিদ্ধারের প্রতি পর্যাপ্ত হইবে,
- শ্বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের শ্বারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইরাছে এবং এইক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভিনিউ কার্য্যকারকগণ শ্বারা প্রস্তুত হওরা জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা ক্বয়ক প্রজা শ্বারা দত্তখত হইরাছে তাহাদের স্বত্ত স্থীকার করিতে খরিকারগণ বাধ্য হইবে।
- তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার অন্ধিক হইলে সমুদ্য় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
- চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার ঊশ্ক হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্মে উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি শ্রিদারের দায়াত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

তৌষিব নম্বব।	মছাল ও প্ৰগণাৰ নাম।		দূর 🥸	ান: যা	াবে যত- - ভূমিব বিমাণ।	1	মণ্টেব (14) হই		ર, જીવા
- "		-	একর	<b>ৰ</b> ড	পোঃ।	हे।	আৰু:	শাই।	-
588b	কালু এক দিঃ পং মজাফরসাহি	•	۵	ţ	२	85	✓	۵	
888	কর্জনা দিঃ পং বর্দ্ধমান	•••	٦	7	>6	೨೨	l	٥	
5848.	বটগ্রাম দিঃ পং মজাকরসাহি	•••		२	<b>ર</b>	२४	4/	٥	
58¢ o	উচালন পং সমরসাহি	••	e	o	७৯	११	الا	Ŀ	
860	কৃষণপুর ওরফে কামালপুর পং খণ্ডঘোষ	• • •	15	7	<b>?</b> ?	૭હ	1/	Ŀ	
867	বুলচন্দ্রপুর পং সমরন:ছি	•	9	2	<b>\$</b> \$	٩٥	110	હ	
58¢ \$	নিগোন পং ধেঞা	••	<b>.</b> 9	۲	<b>৩</b> %	4 \$	112	•	
90	ডফরপুর পং অন্বিকা		8	3	7:4	29	1	3	
५७२ ॰	পাঁচরখা পং জাহালিরাবাদ	• • •	8	0	39	30	1	હ	
8480	কোঙারডিগি পং সেরগত	• • • •	•	O	৩৯	, 2	•⁄	9	
58 <b>29</b>	কোঙারভিহি পং দেরপড়		•	0	72	۰	0	0	
8 9 20	কোঙারভিহি পং সেরগড়		0	*	۵	+	110	ı	
७११७	কোঙারভিহি পং সেরগড়	•••	•	•	۶	•	0	•	
⊅ <b>∉</b> २ 9	কোঙারডিহি পং সেরগড়	• · · ·	۰	•	११	•	0	•	
2604	কোঙারডিহি পং সেরগড়	• • •	o	•	۵	•	0	0	
488	কোণ্ডারভিহি পং সেরগড়	•••	•	•	٩	•	•	0 !	
0110	   কোঙারডিহি পং সেরগড়			•	<u>ڏي</u> ون	رد	•	•	•

কালেক্টরের কাছারি জেলা বর্দ্ধমান ভারিখং ১ আগফ ১৮১৭

#### জিলা ২৪ পরগণা।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারামতে সর্বসাধারণকে জ্ঞাত করা যাইতেছে যে নিম্নলিখিত জমিদারি মহালাতের সন্ ১৮৯৭ সালের জুন কিন্তির রাজস্ব ২৮ জুন সূর্যান্ত পর্যান্ত দাখিল না হওয়ায় ঐ সমন্ত মহাল সন ১৮৯৭ সালের ২**৫ সেপ্টেম্বর** তারিখে জেলা ২৪ পরগণার কালেক্টরিতে বেওজর নিলামে ধরা যাইবেক।

প্রথম শ্রেণীর চিরস্থায়ী বন্দোবস্তী মহাল।—

١ د	2	9	8	a	<b>b</b>	9	<b>b</b>	>	٧٠
ক্ৰিক লম্ব।	्र जीव नम्ब	প্রগণা ও মহালের নাম :	প্ৰ। মহা- লেন সদৰ জমা।	প্ৰ। মহাল বিক্ৰয হুইবে কিন।।	যদি এক নি অংশ বিভয় হয় দেই অংগেশ বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি নিলাম হুইবেক তাহাব মালিকেব ন¦ম।	যদি একটা অংশ বিক্রম করিতে হয ভাহাব সদর ক্ষমা।	যদি প্ৰা মহাল বিক্ৰম কৰিতে হয় তাছাব বাকিব প্ৰিমাণা	যদি অংশ বিক্রয় কবিডে হয় তাহাব বাকিব পাবিমাণ
<b>3</b>	3	পং মাগুরা কিং চেতলা দিং।	a 8 2 2 h 2		শ্রীপুর ওবার্গেরখেল ও রাজু মোলার চক ৩ মে)জার প্রত্যেক মোজায় ॥• খানা বাদে অবশিষ্ট ॥• খানা ও খন্যান্য সমস্ত মোজা।	হরি∗চন্দ্র র†য় …	a 0 3 a h / 2		3M/2311
2	હહ	পং মান্তরা কিং ধাপামানপুর।	2996 1883	•••	১২ ১৭ <sup>২</sup> দন্তি স্বভন্ত হিসাব বাদে অবশিষ্ট ১১৭১১ দন্তি।	বাঁকেবিহারি লাল মণ্ডল দিং।	৬৬ গাত চা		৬৯।৫।
<b>o</b>	45	পং মান্তরা কিং রামেশ্বরপুর দিং।	5 2 2 P		জালপুর দিং ১৪ মে জার প্রভ্যেক মেন জার ১৬ যোল ১৩ চক্রবেড়ে দিং ১১ জার প্রভ্যেক মৌ- জার ॥/১৯।— জান্তী ও রামেশ্বরপুর মৌ- জার ॥/১৩(২ কাগ জার ॥/১৩(২ কাগ	ď	२ ५ ७ १ । । ।		
8	<b>F</b> ¢	পং মাগুরা কিং আবগাছিয়া দিং।	26840/ 9		ত মোজা বাদে অব- শিষ্ট ১০ মোজার ৭ মোজায় ১৬ যোল আনা চক কাঠালিয়া মোজায়।।/০ আনা ও বাবনপুর ও নোনা মোজায় ৮/১৮।। জংশ!	জগৎচন্দ্র রায় চেধ্বিরী	• 2611294	•••••	<b>४</b> ७७/२
*	028	পং যু ভাগাছা কি হরিনারায়নপুর	e 32232   4/811		।।/১৪॥ = ক্রান্তী বাদে অবশিষ্ট ।/১৯৮১৫। —ক্রান্তী।	রাজেন্দ্র নাথ রায় চৌধুরী দিং !	<b>408048</b>	•••••	@\$  @O
હ	9	পং মড় দিং কিং রায় পুর।	6982 11 <del>2</del>	•••	५/७॥ = कास्त्री वारम षर <sup>ल</sup> ाठे √ऽ७:— कास्त्रो ।	বীকে বিহারি লাল মণ্ডল।	3340Ho	••••	P.093

2	٠	8	à	y	9	b	۵	70
ভৌজিব লগ্ন	প্ৰগণা ও মহালেব নাম।	প্ৰ। মহ†- লেব সদব জন্ম†।	প্ৰামহাল বিক্ৰয় হ <sup>‡</sup> বে কিনা	হয় তবে দেই তাংশের	যে সম্পত্তি নিলাম ভউবেক তাহাব মালি কেব নাম '	যদি একটী অংশ বিক্রম কবিতে হম তাহার দদর কমা।	যদি পুৰা মহাল বিক্ৰয় কবিতে হয় তাহাব বাকিরপবিমাণ।	যদি অংশ বিক্রম ক বতে হয 'তাহার বাকিব প্রিমাণ :
৩৯২	পং আজিমাবাদ কিং হুদা জয়-	اه اه دهم	•••	৸/৬।' = জান্ধী বাদে অব শঠ		304011/2		<b>७५</b> ४३० <b>५</b>
७৯२। 8	চণ্ডিপুর। পং আজিমাবাদ কিং হুদা জয়-	ار ادده ا		ক্ৰান্তী। ৮/৬॥= ক্ৰান্তী বাদে অবশিষ্ট প্ৰস্থা–		304411/8	•••	ಎಎ।೬)
8.0	চণ্ডিপুর। পং আজিমাবাদ কিং পাথর	وروه اروه ۱۶		কান্তী। ।//১৪॥= ক্রান্তী বাদে অবশিষ্ট ।//৫।—	1	२०১४।७/७५		७२।८॥
) ¢ 08	বৈভিয়া দিং। পংময়দা কিং বাঁটরা।	180P.	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	জান্তী। ১১৬ – ক্রান্তা বাদে অবশেষ ১৩५ =	্সুরে <u>জ্</u> র নাথ দত্ত	१৯७२। ८४		360 W.B
২ ৽৩৬	। পং উখড়া কিং । দাতারি।	@8911e/8	্পুর মহাল।	কান্তী। 	সারদা চরণ দক্ত : দিং।		301/b	
२ ५ ७७७	পং উখডা কিং পাটডাঙ্গা।	aa oh/	ঐ		বারেশ্বর দে দিং		391/2	

CHUNDER NARAIN SINGH,

For Collector.

#### জিলা মুরশিদাবাদ।—জমিদারা বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৯৭ সালের জন কিস্তির বাকির জন্য।---

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মুরশিদাবাদ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিথিত মহালগুলিবা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকা রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবা প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাল্যে বাকা রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আহে ভাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ২৮ সেপ্টেরর মোং ১৩০৪ সালের ১৩ আখিন তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাহবে। যে গুলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ সংশের নিমিত স্বতম্ব হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

>	<b>\</b>	•	``	ά	•	9	<b>b</b>	•
ভৌজি <i>র</i> নখব ।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম।	সম্পূর্ণ মহা- লের সদব জমা।	সক্ষণ মহাল বিভয় চঙকৈ কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রম চইলে ঐ অংশ ব। ঐ২ অংশেব বিশেষ বিব্রবণ।	যে সম্পাত্ত বিক্ৰম হইবে তাহাৰ মালিকগণেৰ	কোন অংশ- মাত্র বিক্রম হ‡লে ঐ অংশেব সদব জমা।	সম্পূৰ্মহাল বিক্ৰম্ম <b>ইউলে</b> ডাহাব বাকী।	কোন অংশ *মাত্ৰ বিক্ৰয হইলে ভাচাৰ বাকী:
3800	চর <b>েতানী ধানা</b> বভুয়া।	48 ञ्रा॰	मञ्जूषय	! :	ধনেশ প্রকাশ গান্তলা সাং কলিকাতা নং ১ প্রসন্ন কুমার ঠাকুরের ফ্রীট।		۱	•

OPENDRA CHUNDRA MOM MDAR,

Collector.

किना ठोषाय।

# रेखाशत माग काष्टाती काल्य हैती किमा ठ्रोधाय।

ইংছারা সংবাদ দেওয়া যাইভেচ্ছে যে ১৮৬৮ সালের

छाम्राद्व	1	d	K.	म प्रवे क्या		राकी		
	শাল: শোলা ও তাত্তিক লাম:	ম্লিকিং নাম	10.00	(e)	प्र स्रो	- SE	<b>1</b>	म्बद्धा
	*	9	30	8	,	-	<b>.</b>	^
~ 00	ৰানা সাতকাণিয়া হাল বাস- ধালী মোজে ছোট ছমুয়া মহল নয়াবাদ ডাং ছোট ছমুয়া।	বাবু থোগেশ চন্দ্ৰ রায় কেট পশক রায় কৈনাস চন্দ্ৰ দাস বাহাতুর জেনেরল মানেজার।	9 8 8	ຄ,~ຈຸ <b>ຂ</b>	∞	e v	<b>ለ</b> 	1 年 2 章 (1 年 2 章 (1 年 2 年 8 日 2 年 2 年 2 年 2 年 2 年 2 年 2 年 2 年 2 年 2
N	ধানা সাতকাণিয়া হাল বাস- শালী মেজি পুইছরী মহাল নয়াবাদ ডাং কুফরঞ্জিত।	সোলোক চন্দ্ৰ সিকদার পিং রায়সেবক সিক <sup>া</sup> র সাং কলাউজান।	• 49.69	र⁄कीज़िक	9.8186	:	₹ 7	
00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	ৰানা সাতকাণিয়া হাল বাস- খালী মেডিক পুইছুৱা মহাল নয়াবাদ ভাং মোবারেক অালী বন্ধা আলী।	আনোয়ার আলী পিং ব্যা আলী ও হামিদ উলা চেং ফ্রং ও নাবালক ভাতা হৈয়দ উলা. আজ্মলা ভয়ি ছৈয়দয়িছা, জমিলা খাছুনের পক্ষে হিং আজ্ মলাখা, মতিয়র রহ্মান ক্যং, ও নাবালক এজাহার মিঞার পদেক হিং।	6,5,8,8	5 / 1 8 8 V	9 9 9 8 11 0	9/19AC	3) A . 9 . 9 . 9 . 9 . 9 . 9 . 9 . 9 . 9 .	Nat   at 表表である   abt b

Offy. Collector.

:		:	J. Phillimore,
>/Inns	\$\frac{\pi}{4}\times	<b>SEG</b> 82	
:	:	:	
२ / । <b>२</b> १	% %	C. 609.5	
9/IS98	°/   ขจ	915.	
56095	ه که این م پهر	a > > 4 o / o	
২০ থানা সাতকাণিয়া হাল বাস- কব্দর আলী পিং মস্ত্র আলী চেং সাং তৈলার- ১৬৩৭, ১৬১॥/৬ ১৬৬॥/২ ৪২০ শালী মোজে চাশ্বল মহাল শ্বীপ।	৪১ । ৪৭৭ খানা সাতকাণিয়া হাল বাসখালী নেজামত আলী পিং মাহাং রক্ষি সাং ব্যরখাইন মেজি চাফল মহাল নয়াবাদ	রাজচন্দ্র সেন পিং রাজকিশোর সেন ও বংশীমোহন ৫১১५%। সেনের পক্ষে ও শ্বরেন্দ্র বিজয় রায় স্টেট পক্ষে রায় কৈলাস চন্দ্র দাস বাহাহুর জেনেরল য্যানেজার।	
থানা সাতকাণিয়া হাল বাস- শালী মোজি চাম্বল মহাল নুমাবাদ তাং ডাজমিছা	চৌং। ধানা সাভকাণিয়া হাল বাসধালী মেজি চান্ধল মহাল নয়াবাদ	ভাং আবহুল মজিদ। ৪৫৬৬ ধানা সাতকাণিয়া মেডিজ ৪৫৬৬ চূড়ামণি মহাল নয়াবাদ তাং	•
° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° °	7 5 80 E	9998 440	i

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 3rd September 1897.

#### জেলা ফরিদপুর।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে ফরিদপুর জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাত্মসারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৩ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ১৮৯৭। ১০ আগফ।

•	2	9	B	<u> </u>	<u> </u>	9	b	6
তৌদির নম্ব।	মহাল ৩ প্ৰগণাৰ নাম (	সম্পূর্ণ সংগ্র লেব স্পর জমা ৷	সম্পূৰ্ণ মহাল্ বিক্ৰম হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় ছইলে ঐ অংশ বা ঐহ অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে ঐ অং- শেব সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে তাহার বাকী।
२००	পং কাশীম নগর মহাল পঞ্চাশ হাজারী।	৫৮৯২	ষোলআনা		ঈশ্বরচন্দ্র সাহা গয়- রহ।	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	ه ه ې د ه ه	
<b>७</b> ६३४	পং হাবেলী তপ্পা মামুদপুর সোল- পুরের অতিরিক্ত মহাল।	3 " 8 9 3			প্রসন্ত্রার সেন		? <b>&amp;</b> \$)	•••••

টিক্ল।— যে দ্বন্ধে উপবেব দিখিত বর্ণনাপত্রের ৫.৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিভয় কইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই শ্বলে ইচা বুলিতে কইবে যে ঐ অংশের মুমিত ছাত্র হিমাব বাধা কইবা থ'কে ও মহালেব জন্য ব্যাজনান্য অংশ বিভায় হয় না।

J. II. TEMPLE, Cocketor.

#### ইস্তাহার নামা কাছারী কালেইরা জেলা চটুগ্রাম।

ইহার দ্বারা জ্ঞানান যাইতেছে যে এই কাছারী সংক্রান্ত নিম্নলিখিত তালুকাদির ১৮৯৭ ইং সনের ২৫শে মেই শেষ তারিখের বাকী পড়া খাজানা ও ছেচ্ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ সাইনের ৬ ধারার মর্মান্নসারে ১৮৯৭ ইং সনের ২০ অক্টোবর মোতাবেক ১৩০৪ বাং সনের ৪ কার্ত্তিক রোজ বুধবার জেলা চট্টগ্রাম কালেক্ট্রর কাছারিতে বিনা ওজ্ঞরে প্রকাশ্য নিলামে ধরা ঘাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইং তারিখ ২৪ আগটে।

মম্বর	ও মহাল।			বার্গিক	ভ ম∤।		বাকী।		
নং বেং নগ্ৰ।	ভালুকের নধ্ব।	থানা, মৌশা ও মহালেব নাম।	ম।লিকের নাম।	খাজান।	(Æ₽́I	খা গান।।	(55	ষোট।	মন্ত
,	<b>?</b>	ه	8	ď	•	9	F	>	١٠
<b>৮</b> ቴ	242	থানা রামুমোজে খুরলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক খএকলা।	হার্কান আলী চৌধুরি পিং মাহামুদ হারি সিকদার সাকিন পা তলী মাছুয়াখালী।	ଓବଧାନ	৬৯५०	১৮৯৬।৯৭ স্পূর্ব ব ৬৭৬।৵	৬৯५०	<b>`•</b> ₹७८७	
<b>፦</b> ঙ	344	থানা রামু মৌজে খুরূলিয়া মহাল নয়াবাদ ভালুক বকুসালি।	মহব্বত আলী চৌধুরি পিং আজগর আলী চৌধুরি সাং জলদি।		<b>৯</b> २॥७	२७०८७ २ <b>८</b> ৮ ८७	გს <sub>)</sub> ს• ৸∕ હ		
><>	\$\ <b>6</b> €	থানা রামু মেজি উত্তর মিঠাছড়ি মহাল নয়াবাদ তালুক রস্তম আলী।	আমির বাহ্ন চৌধুরীয়া মেহের নিছা চৌধু- রিয়া আহালিয়ে না জির আলী চৌং সাং উত্তর মিঠাছরী ওগয়- রহ।	309310	2647	80340	801190	88२।८०	
399	२७१	থানা রামু মেজি খুটা খালী মহাল নয়াবাদ ভালুকমোবারক জালী।	জামিলা খাতুন আহা লিয়ে মৌলবি আজ মলা খাঁ সাং হারবাল।		30//0	٠٥٥)	<b>৬</b> ৩५०	२८४५७	
) p p	. 200	থানা বামু মেজি ভারুয়া- খালী মহাল নয়াবাদ তালুক মাহান্ধদ রাজা।	মে নিবী মহরবঙালী ও ছৈয়দ আলী পিং আনয়ার আলী চেং সাং পাডলী মাছুয়া- খালী ওগয়রহ।	& & o     o	383 h/ b	১७१। <sub>०</sub> /०	891/•	2F8:19•	
१११	<b>₹98</b>	থানা চকরিয়া মোজে ভেওলামাণিকচর মহাল নয়াবাদ তালুক বিবি ম্থাক।	আসমত আলী জ্বাহা বন্ধ পিং মাগন আলা সাং হরিণা থান। সাতকাণিয়া।	১৫৩৯)	} ⊌ <b>৮</b>   ∕ •	& 9 9 g/	હ હહે છે જ	<b>৬৩৩ </b> ∕ ∘	
<b>&gt; b- 0</b>	२৮७	থানা চকরিয়া মেবিজ্ঞ সিলখালি মহাল নয়াবাদ তালুক বিবিচ্পাক।	কিচ বিবি নাবালকা কন্যা ও সেখ মাহা-	ବରଓା'୶∙	৯১।১৮৮	শ্বর,	সেপ্টে- ডিসেম্বর	3141411/30	
•		•	ন্ধাদ কালু চৌং সাং জন্মদি ওগয়রছ।			৪০৬ ৮৯/৩	া বাকি। ৩০॥• ৬০ <b>৬</b> ১১•		•
१५५	ዓ <u>৮ </u> ৫ ዓ৮ 8 ዓ8 ৫ ዓ ০	থানা চকরিয়া মৌজে টেটং মহাল নয়াবাদ ভালুক হরিদাস বহ- দার।	এর্সাদ আলীচেনং পিং সেখ মাহান্ধদ জমা সাং তৈজারদ্বীপ থানা বাঁশখালী।	960)	3210/4	i /	હુઇ મૃ⁄ ૦	₹88 <b>h/</b> ∘	1

#### জিলা বর্দ্ধমান।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে, বর্দ্ধমান জিলার অন্তর্গত নিশ্ন-ালখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সালের মার্চ্চ কিন্তির বাকী রাজক্ষ ও অন্য যে সকল দাবী আইনাত্মসারে বাকী রাজক্ষের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৭ সালের ২৪ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১২টার সময় নিলামে বিক্রম করা ঘাইবে।

<b>&gt;</b>	1	•	8	a a	,	9	٢	>
তৌভির নম্বর ।	মাছ'লৈ ও পেবলাণ্ড নাম্।	সম্পূর্ণমহা- জের সহর জমা	সম্পূৰ্ণ মহাল বিজ্ঞায় ঘটতে কিলাঃ	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশের বা ঐ অংশের বি শেষ বিবরণ। উদ্ধি- থিত অংশ ব্যতীত অন্যান্য অংশ বিক্রয় হইবে মা।	ষে সম্পত্তি বিজ্ঞন্ন হইবে ভাষার ঘালিকগণের	्कास कारण गांक विकास स्ट्रेटल थे कार- (णेत अमृत कमा।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইতে ভাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয ঘটনে ৬৭০। বাকী ঃ
હર	প্ৰস্থানা পং ধেঞা	د دلاه ۱۳۰۶		৪ ও ৫ নং পৃথক হিসাবের মহাল বাদে ১নং পৃথক হিসাবের মহাল নিলাম হইবে মূল মহাল ও বাকি পড়িয়াছে তাহার নিলাম জন্য পৃথক ইস্তাহার দে		<b>৯</b> ₹ <b>৫</b> /৬		บระหจ
હર	পলশোমা পং ধেঞা	98 n n		ওয়া গেল। এই মহালে ২,৩, ৪ ও ৫ নং পৃথক হিসাবের মহাল বাদে মূল মহাল নিলাম হইবে ১ নং পৃথক হিসাবও বাকি পাড়িয়াছে তা- হার নিলাম জন্য পৃথক ইন্ডাহার দেও- য়া গেল।	আশুতোষ চ <b>ন্দ্ৰ</b> দিং	२०১৮।१		bres have

ট্লিজা।— যে স্কলে উপৰেব লিখিত বৰ্ণনাপত্তেৰ ৫, ৭ ও ৯ ঘৱে কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হউবে বলিষা লিখিত আছে দেই স্কলে ইহা বুকিতে হউবে যে ঐ অংশের নিম্ভি শ্বতপ্ত হিসাধ বাথা ভূইয়াপাকে ও মহালের অন্য বা জন্যান্য অংশ বিক্ৰয় হয় না।

BEJOY K. BOSE.

Deputy Collector in Charge,

For Collector on tour.

#### জিলানদীয়া।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

্ত্রী ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আকিসে বাকী রাজস্থে ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজস্থের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ২৭ সেপ্টেশ্বর তারিখে বেল ১১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

>	2	٥	8	¢	ė.	9	-	•
তৌজির নম্বব ।	মহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কি না।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয হ <b>ইলে ঐ অংশ</b> বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশের সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহাব বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহাৰ বাকী।
<b>১</b> ৬٩	তৌজি মহাল হবরা প্রগণে পাজ- নোর।	7 98 7 ⊝ o/ 7	•••••	১৬৭।২ নং তেজি হ্বরা /১৪।১৬।।  এক আনা চেজি গণ্ডা এক কড়া যোল তি ল ঘুই কড়ার তিল ঘুই কাগ তিন রকম অংশ কেবল অংশমাত্র বিক্রয় হইবে সম্পূর্ণ হহাল বিক্রয়	ভবানীপ্রসাদ স্থর তারিণীপ্রসাদ স্থর দিগর।	२००७४७		৭।১ ° সার্টিফিকে- টের বাকী।

টিক। — যে স্থলে উপরের লিখিত বর্ণনাপত্রেব ৫, ৭ ও ১ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছইবে বলিখা লিখিত আছে সেই স্থলে ইঙা বুঝিতে ছইবে যে ঐ অংশের নিমিত স্বতন্ত্র হিমাব বাধা হইয়া থাকে ও মছালের অনা বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

W. MAXWELL,

For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 2$  ans. 8; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 5$ ; per pound tir,  $Rs.\ 10$ . The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, ter cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 3$ ; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 6$ ; per pound tin,  $Rs.\ 12$ . This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 os. tin, eight annas per 8 os. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জ্বদ্ব সিন্কোনা।

কলিকাতাছ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিক্টেণ্ডেন্টের নিকট গবণ-মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পোঁও ক্রয় করিলে নিমলিখিত মূল্যে প্রবন্ধ দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২।। টাকাম, আট ঔপ টিন ৫ টাকায় ও এক পোঁও টিন ১০ টাকায় পাইবেন। সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিক্টেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬, টাকায়, আট ঔপ টিন ৬, টাকায় এবং এক পোঁও টিন ১২, টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাতার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেজাগণও এই ঔষধ বিক্রয় করিয়া গাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের ।০, আট ঔপ দিনের ॥০ ও এক পোঁও টিনের ৮০ চাক মাস্থল দিতে ইইবে।

বঙ্গদেশের গবর্গমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।
১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মুল্য হইবে,যথা—

১ এক পেণ্ডি টিন ১৮, বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৭০

॥ আধ ,, ,, ৯) ,, ,, ,, э)। ।

l 阿奇 ,, ,, 811° ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কৃইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিদ্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপকৃষ্ট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই তাহার গ্যারাকী দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটস্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিকেন্ডেন্টের নিকট পাওঃ। যাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will benceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal. Rs. .. 10 Entire Gazette per annum. Postage Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-Entue Gazette Postage 0 l'orts III, IV, V, and VI sheets or with additional ananna for of 1 charge every 4 sheets in exesss of 4.

Postage ... 0 1 0

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. Baker.

Offg. Under-Secretary to the Gart, of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন।

১৮৮৩ সাস ২১ ফেব্রুয়ারি।—বাঙ্গালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাকমাস্থল এই শবাহ্ব নিম্ন.

> হারে অগ্রিম দিতে হইবেঃ—

	यकः भट	4			টাকা।
সম্পূর্ণ গেডেন্ট	•••	•••	•••	বৎসর	> 0~
ভাকমান্থৰ	• • •		•••	"	रा। ॰
७७४७०७७५%	( যাহাতে দ	চারতবর্ষের	ও বঙ্গ-		
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার হ	গাইন 🗷	<b>ত্যাইনের</b>		
পাণ্ডুলিপি থাকে )			•••	<b>3</b> 1	3)
ভাকমান্থল		• • •	• • •	"	١,
সম্পূর্ণ একখানি গেজেটের	त भुन्तर		***	,,	1•
			* * *	,-	/•
0 0 8 0 6 19 6 40	( প্রত্যেক	৪ পুঠা বা	তাহার		
ন্যুন সংখ্যক গ	প্∌ার মূল্য)	•••		<b></b>	
<b>७ कि गाञ्च</b>		•	•••	•	/•

#### কৰিকাভায় ৷

কলিকাতার ও মক: দলে সমান মূল্য, কলিকাভার কেবল ভাকমাশ্বল লাগিবে না।

ই, এন, যেকার।

বল্পদেশের গবর্ণমেন্টের এক্টিং ছোট সেকেটরী ।

#### The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDT., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C, W. Bolton, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

13/h December 1882.

Note.—Rates of adver-	rtiscments	in the CALCI	jtta Gazett	ъ.
				Rs.
Full page, per issue	•••			20
Half ,, ,,	•••	•••	•••	10
Casual advo	rtisement	t1 an <b>nas</b> pe	r line.	

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বাঙ্গালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজেট ুদেওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপ্রাতিরিক্ত এই মর্ম্বের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিম্বা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ন্যক্তি বাঙ্গাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে তম্মিত্ত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাঙ্গাল সেক্ষেটারিয়েটের আকে তীতের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন গোন ব্যক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশতিহার কি বিজ্ঞাপন প্রাকৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেতি বাদ দিবার জ্ঞন্যে টাকার উপর আর ৴০ এক আনা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টন, বঙ্গদেশের গ্রবর্থমেন্টের ছোট দেকেট্রী।

#### ১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মন্তব্য ৷— কলিকাতা গেছেটে ইণতিহার প্রকাশ করিব	ার হার এই২।-				Bio1:
প্ৰা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ করণের	•••		•••	٠.,,	₹••
काध शका		***	**	***	3.,
কখন কখন ইশ্তিষার একাশ করিতে হইলে	। यक्र में फि	***	***	***	1-

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### बाकान मिटकोतिस्य विखानस्य विकसार्थ पाट ।

বারিষ্টার-আট-লা ও এীএীয়তীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিদে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিট্টিই ও সেশন 🖛 ও রেন্ট কমিশ্যনের যেশ্বর, ইনর টেম্পলের জীযুত সি, ডি, কিলড, এম, এ, ও,এল, এল, ডি नाइट्यत बनीज वहरात्मत बीयुज म्हल्येको भवर्षेत्र माहरवत मामनाधीन धरमरमत ज्याधिकातीत এজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

একং খানি পু**ল্ঞা**কের মূল্য, **৫**্ পাঁচ টাকা।

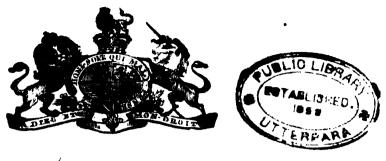
কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রম করিতে চাহিলে বাঙ্গাল সেকেটারিয়েটের আকৌন্টান্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।৴০ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। বস্তুব্য।—উক্ত পুস্তুক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলকে বল্পদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেছ ওরেষ্ট টোন হালের হাডায় স্থিত বঙ্গদেশের গবর্ণযেত্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে রেজি-ক্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুশুক কলিকাভার গবর্ধমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিন্ধ কোম্পানির ধাটীতে ক্রয় করিতে পাওয়া বায়।

ৰ্লিৰাতা থেসিতেকী কেল যৱালয়ে গ্ৰেমিটের জন্য জীযুত জেম্স পেটা সাহেব ৰুজুক মুল্লিত ও প্রকাশিত হুইল ।



## गवर्गायक (शदलि

TUESDAY, SEPTEMBER 21, 1897.

### মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২১ সেপ্টেম্বর।

CONTENTS.	1		
F	PAGE.	নিৰ্বন্ট।	
PART 1.—Resolutions, Orders and Notifica-			न् हे।
tions of the Government of India	Nil.	প্রথম থণ্ড।—ভারতবর্ষীয় গবর্ণমেটের নির্দারণ	
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-	ļ	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	নাই
tions by the Lieutenant-Governor	1	বিতীয় খণ্ড।—বলদেশের গবর্ণমেন্টের নির্দারণ,	
of Bengal	Nil.	<b>আদেশ ও</b> বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	নাই
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-	1	বিতীয় ক ব <b>ও।—বলদেশে</b> র গবর্ণমেণ্টের <b>আদেশ</b>	F3-F3
	<b>—83</b>	ভূতীয় খণ্ড।—ভারতব্যীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত	
PART III Acts of the Legislative Council of		আইন	নাই
	Nil.	চতুর্থ থণ্ড।—ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সন্ভার আইনেব	
PART IV Bills of the Legislative Council of	i	ু পাতৃলিপি	নাই
India	Nil.	পঞ্চম থণ্ড।—বদীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত আইন	নাই
PART V.—Acts of the Bengal Council	Nil.	ষ্ঠ থণ্ড।—বঙ্গীয় বাবন্ধাপক সম্ভার আইনের	
PART VI.—Bills of the Bengal Council	Nil.	পাতৃলিপি	নাই
PART VIICircular Orders by the High	- 1	সপ্তম থণ্ড।—হাই কোটের ও রেবিনিউ বোডের	
	Nil.	সাধারণ জ্ঞাপনপত্র	নাই
PART VIII.—Advertisements 473-	<b>-487</b>	অটুম থণ্ড।—ইশ্তিহার প্রভৃতি ।	90 -81
	Nil.	পরিশিষ্ট গবর্ণমেটের গেকেট	নাই

#### PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal.

দ্বিতীয় ক খণ্ড।

वक्रान्टभत शवर्वस्थित जाटमभ ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 487 T.M.—The 6th September 1897.—Whereas a notification No. 2442M., dated the 30th April 1897, was published at page 112, Part IB of the Calcutta Gazette of the 5th May 1897, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisious of section 260 of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Bengal Acts IV of 1894 and II of 1896, to the Netrokona Municipality, in the district of Mymensingh, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Netrokona Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said Municipality.

C. E. A. W. Oldham,
Offg. Secy. to the Govt. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 622 T.M.—The 11th September 1897.—Whereas a Notification No. 821 M., dated the 13th February 1897, was published at page 46, Part IB of the Calcutta Gazette of the 17th idem, sanctioning the extension of the provisions of Part IX of the Bengal Municipal Act III of 1884, as amended by Acts IV of 1894 and II of 1896, to the Baruipur Municipality in the district of the 24-Parganas, and whereas the Municipal Commissioners resolved, under Section 222 of the Act, to bring the provisions of Part IX into operation within the Municipality, with effect from the 1st April 1898, thus exceeding the limit of time fixed by the proviso to the aforesaid Section, it is therefore necessary to renew the sanction then accorded. It is accordingly notified, for general information, that in the exercise of the powers vested in the Local Government by Section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Baruipur Municipality made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the said part of the Municipal Act to the above Municipality.

C. E. A. W. Oldham,
Offg. Secy. to the Govt. of Benyal.

#### বঙ্গদেশের প্রীযুক্ত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

#### মুনিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন ।

৪৮৭ টি, এম, নম্বর।—১৮৯৭ সাল ৬ সেপ্টেম্বর।—ময়মনসিংহ জিলার অন্তর্গত নেত্রকোণা মুনিসিপালিটাতে ১৮৯২ সালের বলীয় ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের বলীয় ২ আইন দ্বারা সংশোধিত বল্পদেশের মুনিসিপালিটা বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের ২৬০ ধারার বিধান প্রচলিত করণার্থে শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ৩০ আপ্রিল তারিখের ২৪৪২ এম, নং এক বিজ্ঞাপন ১৮৯৭ সালের মে মাসের ৫ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ ষ্ট খণ্ডের ১১২ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটাতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে, শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারামতে প্রদক্ত ক্ষমতাত্বসারে কার্য্য করিয়া এবং নেত্রকোণা মুনিসিপালিটীরে সভাগত কমিশনরদের অন্তরোধক্রমে মুনিসিপল আইনের উক্ত বিধান উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রচলিত ভুকরিবার অন্তর্মাত দিলেন।

সি, ই, এ, ডবলিউ, ওল্ডহ্যাম, বঙ্গদেশের স্বর্থেটের এক্টিং সেকেট্রী।

#### বিজ্ঞাপন ।

৬২২ টি, এম, নম্বর।—১৮৯৭ সাল ১১ সেপ্টেম্বর।—২৪ পরগনা জিলার অন্তর্গত বারুইপুর মুনিসিপালিটীতে ১৮৯৪ সালের ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের ২আইন দ্বারা সংশোধিত বঙ্গদেশের মুনিসিপালিটীতে ১৮৯৪ সালের ৩ আইনের নবম পরিচ্ছেদের বিধান প্রচলিত করণার্থে ১৮৯৭ সালের ১৩ কেন্দ্রেমারি তারিখের ৮২১ এম, নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১৭ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১৪ খণ্ডের ৪৬ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও এবং মুনিসিপল কমিশনরেরা উক্ত আইনের ২২২ ধারামতে ১৮৯৮ সালের ১ আপ্রিল হইতে উক্ত মুনিসিপালিটীতে নবম পরিচ্ছেদের বিধান প্রচলিত করিবার জন্মে কম্পনা করা প্রযুক্ত উক্ত ধারার নিয়ম বিধির নিরূপিত কাল অতিক্রম হওয়ায় তৎকালে প্রদূহ অন্থমতি নৃত্তন করিয়া দেওয়া আরশ্যক হওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, প্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারামতে প্রণক্ত ক্ষমতান্থসারে কার্য্য করিয়া এবং বাক্ইপুর্রুম্বনিসিপালিটীতে প্রচলিত করিবার অন্থ্যতি দিলেন।

সি, ই, এ, ডবলিউ ওল ্ডহাম, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের এক্টিং সেক্রেটরী।





# गवर्गाम् जाउन

TUESDAY, SEPTEMBER 21, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২১ সেপ্টেম্বর।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

**ज्रहेय ४७** !

ইশ ভিহার এভৃতি।

#### LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিবমূক ইন্তাহার।

#### জিলা বীরভূম।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওরা ঘাইতেছে যে বীরভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিও মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আর্কিসে বাকী রাজত্ব ও অন্যথে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী রাজত্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত সন ১৮১৭ সালের ২৭শে সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে।

۵	•		8	[	en.	٩	<b> </b>	
ভৌজীর মধুর।	মহাল ও প্ৰগ্নাব নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদ্ব ক্রমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰেয় হইৱে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐহ অংশের কিশেষ বিবর্গ।	যে সম্পত্তি বিক্রন্ন হউবে জাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম ভাইলে ঐ অংশেব সদব ক্রমং।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হউলে ভাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয ভইলে তাহার বাকী।
১০১ নং	হেৰুকা, প্রগণা আক্বরসাহি ধানা মোড়ে- শ্বর।	200290	मण्ट्र	••••	ি ভোলানাথ ঘোষ দিথ্য।	•••••	8316	
১০১ নং	দাঁড়কা, পরগণা ইছাপুখুরিয়া ধানা লাভপুর।	3500/0		এজমালি অংশ রক্ম  । ১১৯ গণ্ডা ২ দন্তী  এই এজমালি  অংশ ভিন্ন মহা- লের অন্য কোন  অংশ নীলাম  হইবে না।		<b>داا</b> ن ډه		<b>८</b> (८ स्रीड्र
<b>১</b> •৩ নং	খন্না, প্রগণা খটজা ধানা সিউড়ী।	ه لر <b>دن خان د</b>		!	গিরিশ চন্দ্র চট্টো- পাধ্যায়।	902/•	•••••	@ } <b>?</b>
১৭০ নং	জাকুনি পরগণা: স্বরূপদিংহ থানা মোড়ে-। শ্বর।	<u> १</u> ८०२।८०		১৭ পৃথক হিসাব  বাজিপুর বাগ- বাদিনী ও ভুড়ি  গ্রাম মোজার রক্ম  ধোল আনা এবং  সাহাজাদপুর চক ও	সতীশ চন্দ্র মুখো- পাধ্যায় দিগর।	\$931100°		₹\$ /•
				সাহাজাদপুর নও- য়াবাদ মোজার রকম।/০ জানা এই পৃথক হিসাব ভিন্ন মহাসের জন্য কোন জংশনীলাম হইবে না।	••			

জীকা। - যে শ্বলে উপারেব লিখিও বৰ্ণনাপত্তিব ৫. ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম হউবে বলিয়া দিখিত আছে দেই শ্বলে ইহা বুকিতে ছউবে যে ঐ অংশের প্রিক্তি শ্বতঃ হিসাব বাধা হইয়া থাকে ও উপার লিখিত জংশ ডির মহালের জন্য কোন জংশ নিলাম হইবে নঃ।

the 9th August 1807.

F. N. FISCHER, Collector.

#### জিলা বর্জমান।

#### জমিদারি বিক্ররের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ শ্বারামতে এডজারা এই সংবাদ দেওয়া যাইডেছে যে, বর্জমান জিলার অন্তর্গত নিম্ন-লিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আজিসে ১৮৯৭ সালের মার্চ্চ কিন্তির বাকী রাজক্ষ ও অন্য যে সকল দাবী আইনাছসারে বাকী রাজক্ষের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৭ সালের ২৪ সেপ্টেছর তারিখে বেলা ১২টার সময় নিলামে বিক্রম করা যাইবে।

>	2	•	8		<b>b</b>	9	<b>,</b>	>
তৌশির নছক।	মহাল ও পরজাণার নাম।	সম্পূর্ণ মহা- লের সহর ক্ষমী !	নত্প মহাল বিজ্ঞায় ঘটনে কি না।	কেবদমান অংশ বিক্রর হইলে ঐ অংশের বা ঐ অংশের বি শেষ বিবরণ। উল্লি- থিত অংশ ব্যতীত অন্যান্য অংশ বিক্রয় হইবে মা।	ৰে সম্পত্তি বিজ্ঞয় গইবে ভাগার যালিকগণেব নাম ৷	কান অংশ বাস্ত বিক্রয় হইলে ঐ অং- শের সদর ক্রমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাষার বাজী।	কোন অংশ মাজ বিক্লয় ঘটনে ভাষাব বাকী J
<b>७</b> २	পলশোনা পং ধেঞা	ع د داراه م ۱۹۶۰		এই মহালে ২,৩, ৪ ও ৫ নং পৃথক হিসাবের মহাল বাদে ১নং পৃথক হিসাবের মহাল নিলাম হইবে মূল মহাল ও বাকি পাড়িয়াছে ভাহার নিলাম জন্য পৃথক ইন্তাহার দে ওয়া গেল।	আ <b>শু</b> তোষ চম্দ্র দিং	>₹ € / 'હ	•••••	いろといる
<b>.</b>	পুলশোনা পং ধে <b>ঞা</b>	۱۵۰۰۱۱ ک	•	এই মহালে ২,৩,  8 ও ৫ নং পৃথক হিসাবের মহাল বাদে মূল মহাল নিলাম হইবে ১ নং পৃথক হিসাবও বাদি পড়িয়াছে তা- হার নিলাম জন্য পৃথক ইস্তাহার দেও- য়া গেল ৷	আশুভোষ চন্দ্ৰ দিং	₹ & 2 1~19		b-63 ha/e

টী দা।—যে ছলে উপবেৰ লিখিত বৰ্ণনাপত্তৰ ৫.৭ ও ৯ ঘৱে কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই লালে ইহা বৃথিতে হইবে যে ঐ অংশের নমিত খতল হিসাং বাধা হটয়া থাকে ও মহালেধ জনাবা অন্যান্য অংশ বিক্লয় হয় না।

Bejoy K. Bose.

Deputy Coll ctor in Charge,

For Collector on tour.

#### জিলা বাকরগঞ্জ।—জ্মিদারি বিরুয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেকুর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত দ্মন কিন্তির বাকী রাজন্ম ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজন্মের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সনের ২৪ সেপ্টেম্বর শুক্রবার তারিখে মোং বাং ১৮৯৪ সনের ৯ আম্বিন নিলাযে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭। ২ আগফ।

<b>&gt;</b>	*	•	8	•	<b>.</b>	9		•
ভৌতির নম্বর।	মহাল ও প্রগণাব কাম।	সম্পূর্ণ মহা- লের সদর ক্ষমা ৷	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্লয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	काम कश्य माळ निक्रम इडेटन के कश्रमत मध्य क्रमा ।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাহার বাক <sup>ী ।</sup>	কোম অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাচ/ব বাকী।
3699	ভালুক সৈক্ষীন খাঁ গং পং বোজরগো- মেদপুর।			এজমালী দুটু ৫ গণ্ডা অংশ নিলাম হইবে। অন্য কোন অংশ নিলাম ইইবে না 1	ক্লফকিশোর নিয়োগী গং।	) • 8 U H J 8		હાया। পাই
8184	পদ্মা ওরকে রম- জানপুর পং কাশীম পুর সেহলাপট্টী।	ومرده	সম্পূর্ব মহা- লের মালিকী স্বত্ব নিলাম হইবে।		হরকুমার সেন <b>গং</b>	<b></b>	222)	•••••
<b>७२</b>	চক কচুপাতরা পং চম্মদ্বীপ।		সম্পূর্ণ মহা- লের ভালুক- দারী স্বত্ব নিলাম হইবে	•	শশীকুমার বহু গং	•••••	(5 ° br)	*****
8484	তুষখালী মহাল অধীন ৪নং নিম হাওলা পং সৈদপুর।		সম্পূৰ্ নিম হাওলা নিলাম হইবে।		এরফাহ্দি গং	** **	333hg∕•	,
<b>(2)</b>	ভূষখালা মহাল অধীন ৬৮/৮৪/২১৮ নং যোত।	رد،و	সম্পূৰ্যোত নিলাম হইবে।	••••	মদন গং	••••	<b>6.2</b> )	•••••
<b>e</b> २२२	চর কৃষ্ণপুরা মহাল অধান ৮ নং গর- মুকররি হাওলা পং জজীরা।	ი <b>৬১</b> Ιφ/১ ი	मण्ण्व हाख- ना बिनाम हहेरव ।		कामीह्यसमात्र शः	•••••	<b>৮</b> ८२५ <sub>१</sub> /७	*****

উকা।— যে দ্বলে উপরের লিখিত বর্ণনাপত্রেব ৫, ৭ ৫৯ খরে কোম অংশ মাত্র বিক্রম হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই দ্বলে ইছা বৃথিতে হইবে যে ঐ অংশের মমিত ঘতত্র হিসাব হাখা হইয়া থাকে ও মহালেয় অন্য বা জন্যান, অংশ বিক্রয় হয় মা। B. Bell.,

Offg. Collector.

#### জেলা বৰ্দ্ধমান। – নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বর্ধমান জেলার অক্ষণাতি নিম্নলিখিত মহলে প্রবর্ণমেক্টের যে মালিকি স্থা আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্প্ত অস্থ্যারেউক বর্ধমান জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৭ সনের ২৪শে সেপ্টেম্বর তারিখ মোতাবেক বাক্লা ১৩০৪ সনের ৯ আশ্বিন তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক।

খরিদারগণকে নিমের লিখিত নিলামের সর্ভ সকলে বাধ্য হইতে হইবে।---

#### নিলামের সর্ভ;—

প্রথম : নিলামের সময়ে কালেক্ট্র সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিন্ত করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্বাপ্রাক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের শ্বরিদ্ধারকে ইহার মালিকজ্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরন্থ রূপে গণ্য
হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি ক্ষত্ত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ত্ব শ্বরিদ্ধারের প্রতিত্তি প্রয়াপ্ত হইবে।

দ্বিভায়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের দারান্ত্র যে সকল অতু অর্পণ হইয়ার্থে এবং এইক্ষণ যে সকল পাটা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভিনিউ কার্য্যকারকাণ দারা প্রস্তুত হওয়' জ্বমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা ক্লমক প্রজা দারা দত্তখত হইয়াছে তাহাদের অত্ত জীকার ক্রিতে খরিদ্যার্যাণ বাধ্য হইবে।

তৃতায়। নিলামি মূল্য ১০ -, টাকার অনধিক হইলে সমুদ্য টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার উক্ত ইইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অব্বা ঐ দিবস কোন পর্ব উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (য়ে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি প্রবিদ্ধারের দায়াত্বে এই মহাল পুমরায় নিলাম হইবে।

জব মহাল ও পরগণার নাম।		দূৰ জা	ন। যা	া,ৰ যত- ে ভূমিব বিমাণ ।			রাজস্ম ইয়াছে।	ম্ভা∢া 1
		একর	<b>∓</b> ড	(°ii: 1	वितः	আঃ	পাই।	
৮ কালু ওক দিঃ পং মজাফরসাহি	•••	۵	<b>?</b>	२	85	✓	۵	
১ কজনা দিঃ পং বৰ্দ্ধমান	• • •	1	>	7F	೨೮	l	ט	
৪ বটগ্রাম দিঃ পং মজাফরসাহি	•••	¢	ş	<b>?</b>	२४	4/	٥	
· উচালন পু: সমরসাহি	•••		U	೦ಶ	२१	112	હ	
<ul> <li>ক্লঞ্চপুর ওরফে কামালপুর পং খণ্ডঘোষ</li> </ul>	•••	ં હ	2	२२	૭હ	1	હ	
১ বুলচন্দ্রপুর পং সমরদাহি	٠.	9	7	<b>\$ ?</b>	٥٩	110/	હ	
২ নিগোন পং ধেঞা	•••	٩	<b>?</b>	૭હ	\$2	العا	•	
৩ ডকরপুর পং অশ্বিকা		, 8	o	<b>3</b> 6	39	1	3	
<ul> <li>পাঁচরখী পং জাহালিরাবাদ</li> </ul>	•••	8	0	29	30	1	હ	
😮 কোভারডিহি পং সেরগড়	•••	•	O	<b>೦</b> ৯	7	9/	v	
৭ কাঙারডিহি পং সেরপড়	• • • •	•	0	72	•	•	•	
৪ কোভারডিছি পং সেরগড়	• • • •		<b>ર</b>	۵	*	110	હ	
৬ কাভারভিহি পাং সেরগড়	•••	•	•	42	•	•	•	
৭ কোভারভিছি পং সেরগড়	•••	•	•	<b>₹</b> ₹	•	0	•	
০৭ কোভারডি <b>হি পং সেরগড়</b> •	• • •	•	۰	۵	•	•	•	
৪ কোণ্ডারডিহি পং সেরগড়	•••	•	•	9	•	•	•	
<b>ু</b> কোণ্ডারডিহি পং সেরগড়		•	•	ر بی	١,	•	•	•

ক'লেক্টরের কাছারি জ্বো বর্দ্ধমান ভারিখং ১ আগক ১৮৯৭

#### किना २८ भद्रशना।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারামতে সর্বসাধারণকে জ্ঞাত করা যাইতেছে যে নিম্নলিখিত জমিলারি মহালাতের সন ১৮৯৭ সালের জুন কিস্তির রাজস্ব ২৮ জুন সূর্য্যান্ত পর্ব্যন্ত পর্ব্যন্ত পর্ব্যন্ত পর্ব্যন্ত পর্বাহ্য বিশ্বনা হওয়ায় ঐ সম্ভ মহাল সন ১৮৯৭ সালের ২৫ সেপ্টেম্বর তারিখে জ্ঞো ২৪ প্রগণার কালেইরিতে বেওজর নিলামে ধরা যাইবেক।

প্রথম শ্রেণীর চিরস্থায়ী বন্দোবস্তী মহাল।—

	2	•	8	t	5	٩	b	>	>=
कियक अर्थव	ভৌঙীর নমুর।	শ্রপশা এ মহালের নাম।	প্রামহা- লের সদর কথা।	भ्वा महान विक्रम हरेद किमा।	যদি একটা অংশ বিক্রয় হয় তবে দেট অংশের বিশেষ বিবৰণ।	বে সম্পত্তি মিলাম ছইবেক তাহার বালিকের কাম।	যদি একটা অংশ থিক্রার করিতে হয় ভাষার দদর ক্যা।	যদি প্ৰা মহাল বিক্ৰয় করিতে হয় ভাষার বাকির পরিমাণ।	যদি অংশ বিক্রয় কবিট হয় তাহাব বাকির পবিমা
	3	পং মাগুরা, কিং চেক্তলা দিং।	<b>८</b> ८२२ ५२		শ্রীপুর ও বাগেরখোল ও রাজু মোলার চক ৬ মোজার প্রভাক মোজায় ॥• আনা বাদে অবলিট ॥• আনা ও অন্যান্য সমস্ত মোজা।	হরিশ্চন্দ্র রায় …	८०५६५/२	••••	3►(/33)
	હહ	পং মাগুরা কিং ধাপামানপুর।	२ <b>०१४</b>   । ८/८ <mark>५</mark> 	•••	4२ ५৭ <sup>२</sup> দম্ভি <b>স্বভন্ত</b> হিসাব বাদে অবশিষ্ট ১/১৭ <sub>১</sub> ১ দম্ভি।	বাঁকেবিহারি লাল মঙল দিং ৷	७७ १॥८ छ।		( S ) ( S )
	¢ O	পং মাশুরা কিং রামেশ্বরপুর দিং।	0) 26/ ¢		আলিপুর দিং ১৪ মো- জার প্রভ্যেক মো- জার ১৬ ষোল আনা চক্রবেড়ে দিং ৪ মো- জার প্রভ্যেক মো- জার ॥/১৯। — কান্তা ও রামেশ্বরপুর মো- জার ৮/১৬(২ কাগ অংশ।	À	<i>६७७</i> ६।।७।३		7911
	re	পং মান্তরা কিং আবগাছিয়া দিং।	à⊳844 9		ও মোজা বাদে অব- শিষ্ট ১০ মোজার ৭ মোজার ১৬ ঘোল আনা চক কাঠালিয়া মোজায়।।/০ আনা ও বাবনপুর ও নোনা মোজায় ৮/১৮।। অংশ!	জ্বগৎচন্দ্র রায় চেধুরী	►621123°		b~6.0/
	038	পং যু ভাগাছা কিং হরিনারায়ণপুর	1		।।/১৪॥ = ক্রান্তী বাদে অবশিষ্ট ।	রাজেন্দ্র নাথ রায় চৌধুরী দিং।	604048	•••••	43110
•	3831	পং যড় দিং কিং' রায়পুর I	15984 15 17 2	•••	দ⁄ঙা। = ক্রান্তী বাদে অবশিক্ত ৮১৩।— ক্রান্তা।	বাঁকে বিহারি লাজ মণ্ডল।	332040	•••••	اله ۱۰

•	2	•	8	a	ي		<b>b</b>	۵	>•
	(छोकित बचत	প্রগণা ও মহাজের কাম।	প্রা মহ্ব- লের সদর জমা।	প্রামহাল বিজয় হ\$বে কি মা		যে সম্পত্তি নিগম হউবেক তাহার মালি কের নাম।	যদি একটা অংশ বিক্রন্ন করিতে হয় তাহাব সদব ক্ষমা।	যদি প্রামহাল বিক্রয় কবিতে হয় ভাষাব বা করপবিমাণ।	ক বতে হয় তাহাব ব্যক্তিৰ
9	<b>১৯</b> ২	পং আজিমাবাদ কিং ছদ। জয়- চভিপুর।	F102019	•••	৮/৬॥ = ক্ৰান্তী বাদে অবশিক্ট ৮/১৩,— ক্ৰান্তী।		ļ	••••	64v}•4
	9 <b>৯</b> २। 8	পং আজিমাবাদ কিং হদা জন্ম- চণ্ডিপুর।	ان ( دوط ح	•••	৮∕৬॥= ক্ৰান্তী বাদে অবশিষ্ট √১৩।— ক্ৰান্তী।	বাঁকেবিহারিলাল মুখল।	20re11\8	••••	زلااوو
		পং আজিমাবাদ কিং পাধর বেভিয়া দিং।		•••	।1/3811= कांडी বাদে অবশিষ্ট ।/41- कांडो।	ব্ৰজেন্দ্ৰনাথ রায় দিং।	२०১४।७/५५		७२।८॥
1	it ,	পং ময়দা কিং বাঁটরা।	o∕8		৸১৬ —ক্ৰান্তা বাদে অবশিষ্ট ১৩৮ = ক্ৰান্তা।	হরেন্দ্র নাথ দত্ত	२ <i>৯७</i> २।৶8	;	360 H, G
1		পং উখড়া কিং দাতানি।		यशन।		সারদাচরণ দক্ত দিং।	•••••	301/4	•••••
٠,	२ ऽ ७७	পং উষড়া কিং প:উডাঞ্চা।	ee 04/0	٠	•••••	বীরেশ্বর দে দিং		ै 3 श/२	

CHUNDER NARAIN SINGH,

For Collector.

#### किना यूत्रनिमावाम ।--क्रियमात्री विक्रास्त्रत विकालन।

১৮৯৭ সালের জন কিন্তির বাকির জন্য।--

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মুরশিদাবাদ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলিবা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজত্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজত্বের নায়ে আদায় হইবার আদেশ আঠে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ২৮ সেপ্টেম্বর মোং ১৩০৪ সালের ১৩ আখিন তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্গনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে প্র অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের জন্য বা অন্যান্য অংশ এক্সম হয় না।

•	3	•	8	4	•	٩		٠
ভৌভির নগর ।	মহাল ৩৪ প্রফলার কাম ৷	স <b>™ু</b> -মিহা- জের সদর শ্বমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হ <b>ই</b> বে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয হইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিবর্গ।	যে সম্পত্তি বিক্রয ছইবে তাহার মালিকগণের নাম।		সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় ছইলে ভাছাৰ বাকী।	্কোন অংশ মাঞা বিক্রয় হইলে ভাগার বাকী।
7840	চর <b>হে</b> ভানী ধানা বভুয়া।	982  •	न्यून्य	•••••	ধনেশ প্রকাশ গান্থলা দাং কলিকাতা নং ১ প্রদন্ধ কুমার ঠাকুরের ফ্রীট।		31-9)	

किमा छोटा द।

# ইন্ডাহার নামা কাছারী কালেক্টরী কিলা চট্টগ্রাম।

बेशफाजी সংবাদ দেওয়া ঘাইডেছে যে ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধান্মতে ১৮৫৯ সালের ১১ জাইনের ৬ ধারার মশ্বাস্থারে নিমলিষিত ভালুকাদির ১৮১৭ ইংৱেজী ২৫শে মেই স্ব্যাত্ত পৰ্যন্ত বাকি পড়া খাজানা ছেছ আদামের নিমিত্ত ১৮১৭ ইংরেজী ২১ অক্টোবর মোভাবেক ১৬,৪ বালালা ৫ কাত্তিক রোজ রহস্পতিবার জিলা চটাগ্রামের কালেইবী কাছ।বিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা ঘাইবে,।ইতি ১৮১৭ ইংরেজা তারিখ ১ সেপ্টেম্বর।

বাবু হোগেশ চন্দ্ৰ বায় টেট পশ্ক বায় কৈলাস চন্দ্ৰ ২২৪৩, দাস বাহাত্ত্ব জেন্দ্ৰেল ম্যানেজার। সাং কলাউজ্ঞান। সাং কলাউজ্ঞান। সাং কলাউজ্ঞান। স্থানোয়ার জালী পিং ব্যুল আলী ও হাসিদ উল্লা চে ১৯৬৬, স্মুল আলী পিং ব্যুল আলী ও হাসিদ উল্লা চে ১৯৬৬, স্মুল ভ্রাব্লিক নাতা হৈয়দ উল্লা আজ্মলা ভ্রি	মানীকেব নাম।  বু যোগেশ চন্দ্ৰ বায় ফেট পশ্কে বায় হৈ  দাস বাহাতুর জেন্দেরল ম্যানেজার।  সাং কলাউজ্ঞান।  বেনায়ার আলী পিং ব্রা আলী ও হারি  ব্যয়ং ও নাবালক নাভা হৈয়দ উলা ভ
--	---

	See   \ \	\$\text{\absolute}{\text{\absolute}}	٠٠٠ ٢٠ ١٠٠ ١٠٠ ١٠٠ ١٠٠ ١٠٠ ١٠٠ ١٠٠ ١٠٠ ١	J. PHILLINOBE,	Offil. Collector.
	x /!! 9 9 5 - 9 1 /! 5 9 5	\$\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\	6,602.	}	
	( ) 9 ×	, y	ও ব্ৰেশ্ট্রোহন ৫১১৭০০ ফুট পক্ষে রায় স ম্যানেজার।		
Ĺ	बाना माउकानिया राम वाम- कम्मद जामो निर्मसम्बद जानो ८६९ मार रेडमाद- भानो त्योत्क ठावन यहांम बीम	নুয়াবাদ তাং ওাজাম্থ। ৫৯ চি <sup>১</sup> । ৪৭ পানা সাতকাণিয়া হাল বাসখালী নেজাম্ভ জালী পিং যাহাং র্ফি সাং ব্রেখাইন			
	१० वाना माउकाविश हाम वाम ह ४२० वाने त्योख हायन यहांन	न्हावाम छार अजावधा (होर। वाना माउकाविहा हान दामयानो	মৌজে চাম্বল মহাল ন্যাবাদ ভাং অংবলুল মজিদ। ৪০৬৬ ধানা সাতকানিয়া মৌজে চূড়াম্ন মহাল ন্যাবাদ ভাং		

CHITTAGONG COLLECTORALE, | The Soft September 1893.

\$

#### জেলা করিদপুর।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে ফরিদপুর জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজক্ষ ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী রাজক্ষের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৩ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ১৮৯৭। ১০ আগস্ট।

3	<b>\</b>	9	R	1	<b>.</b>	9		*
তৌলির মধর।	মহাল ও প্ৰগণ্ব নৃম।	সম্পূর্ণ হয়। শেব শ্বর কথা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় ছইলে ঐ অংশ ব। ঐহ অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হইবে তাহাব মালিকগণের মাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হইলে ঐ অং শেব সদব ক্ষম।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় ভইলে তাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রন্ন হইলে ভারাব বাকী।
२००	পং কাশীম নগর মহাল পঞ্চাশ হাজারী।	ひとふそ	ষোলআনা	•••••	ঈশ্বরচন্দ্র সাহা গয়- বহ।	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	و، ٢ ره	••••••
R\$72	পং হাবেলা ভপ্পা মামুদপুর সোল- পুরের অতিরিক্ত	<b>3</b> • <b>8 9</b> <sub>2</sub>	: !	•••••	প্রসন্নকুমার সেন		२७५)	

টিক'।— ছে লুলে উপবের শিখিত বর্ণনাপত্তের ৫.৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম এইবে বলিমা লিখিত আছে দেই স্থলে ইতা বৃথিতে এইবে যে ঐ অংশের মিমিত ক্ষম্ভ মুহিদার বাধা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা জনগন্য অংশ বিক্রম এই না।

J. H. Temple, Collector.

700 Δ + 1 + Δ + 00Y

#### ইস্তাহার নামা কাছারী কালেকুরী জেলা চট্টগ্রাম।

ইছার দ্বারা জানান ঘাইতেছে যে এই কাছারী সংক্রান্ত নিম্নলিখিত তালুকাদির ১৮৯৭ ইং সনের ২৫শে মেই শেষ তারিখের ৰাকী প্ডা খাজানা ও ছেচু আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মান্সারে ১৮৯৭ ইং সনের ২০ অক্টোবর মোতাবেক ১৩০৪ বাং সনের ৪ কার্ত্তিক রোজ বুধবার জেলা চট্টগ্রাম কালেক্ট্রর কাছারিতে বিনা ওজরে প্রকাশ্য নিলামে ধরা ঘাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইং তারিখ ২৪ আগন্ট।

নখ্ব	েও মহাল।			বাহিক ভ মা। :			বাকী।		
ऽत्तर (वर नभव ।	ভালুকেব নম্ব I	থানা মৌশাও মহালেব নাম।	ম্লিকেব নাম।	থাক্স(ন) ৷	८इह।	থাজান।	( to be	<b>८</b> माउ ।	भ
٠	1 3	v	8	t	•	9	ь.	۵ ا	>
<b>৮</b> ৫	242	খানা রামুমোজে খুরুলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক খএকলা।	হাৰ্কান আন্সী চোধুরি পিং মাছামুদ হারি সিকদার সাকিন পা- তলা মাছুয়াখালী।	69510			। ইং স- 1কি।   ৬৯५	3.49(0	
br (L	344	থানা রামু মৌজে খুর্নলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক বকুশালি।	মহব্বত জালী চৌধুরি পিং জাজগর আলী চৌধুরি সাং জলদি।		<b>ઢ</b> રાાહ	३७०८७ २ <b>६</b> ৮ ८७	. ,		
> > >	340	থানা রামু মোজে উত্তর মিঠাছড়ি মহাল নয়াবাদ ভালুক রস্তম আলী।		209210	<b>5</b> ₹₹/	80540	8.119.	88 ₹ I ৶ o	
399	२७१	থানা রামু মোজে খুটা খালী মহাল নয়াবাদ তালুকমোবারক আলী।	জামিলা খাতুন আহা লিয়ে মৌলবি আজ- মলা খাঁ সাং হারবাল।	1	ه ۱۲۰۰	÷ 5¢,	७७५०	२८४५७	
766	. २००	ধানা রামু মোজে ভারুয়া- ধালী মহাল ন্যাবাদ ভালুক মাহাহ্মদ রাজা।	নেলবা মহন্দতালী ও ছৈয়দ আলী পি° আনয়ার আলী চে° সাংপাতলী মাছুয়া খালী ওগয়রহ।	@@ 011 0 S	8 <b>3 h</b> ⁄ હ	ऽ७१। <sub>%</sub> ०	891/•	2 P-8:10 •	
२१२	<b>২</b> 98	থানা চকরিয়া মোজে ভেওলামাণিক চর মহাল নত্রাবাদ তালুক বিবি প্রাক।	সাতকাণিয়া।					<b>৬৩৩∣</b> ∕ ० ়	•
	२४७	থানা চকরিয়া মেবিজ্ঞ সিলখালি মহাল নয়াবাদ তালুক বিবি ভ্রাক।	গোলনেছ নিছা, বল- কিচ বিবি নাবালকা কন্যা ও সেখ মাহা ক্ষদ কালু চৌং সাং জলদি ওগয়রছ।	936100		SESIL BO	সেপ্টে- ডিসেশ্বর বাকি।	9661 <u>1</u> 722	•
<b>২</b> ৮৮	95/4 05 848/450	থানা চকরিয়া মোজে টেটিং মহাল নয়াবাদ তালুক হরিদাস বহ- দার।	এর্নাদ আলী চৌং পিং সেখ মাহান্ধদ জ্বমা সাং তৈলারদ্বীপ ধানা বাঁশখালী।	960)	ا ا		કત મહોડ છે હું હું મ⁄ે	₹88 k o	:

#### জিলা নদীয়া।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ২৭ সেপ্টেম্বর তারিখে বেল।
১১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

5	: 1	ا د ا	8	ď	<b>5</b>	9	<b>-</b>	•
ভৌক্তিব নধ্ব।	্ মছাল ও প্ৰগণার নাম।	সম্পূৰ্মহালেব সদ্ধ ক্যা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হউবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিশ্রুয গুইলে ঐ অংশ বা ঐং অংলেঃ বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে ঐ অংশেব সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিজয় হইলে ভাহাৰ বাকী।
369	তৌজি মহাল গ্ৰর। প্রগণে গজ- নোর।	3830043		১৬৭।২ নং তেজি প্ররা /১৪ ১৬॥% এক আনা চেজি গণ্ডা এক কড়া মোল তিল পুই কাগ তিন রকম অংশ কেবল অংশমাত বিক্রঃ হইবে সম্পূর্ণ মহাল বিত্রঃ	ভবানীপ্রসাদ স্থর ভারিনীপ্রসাদ স্থর দিগর।	20040		৭৷১ - সার্টিফিকে- টের বাক

টকা। যে শ্বলে উপাৰেৰ লিখিত বৰ্ণনাপত্তৰ ৫, ৫ ৫ ৯ গাৰে কোন জংশ চাত্ৰ থিজায় ছইবে বলিয়া লাখিত আছে দেই কলে ইঙা বুৰিতে ৬টবে যে ঐ জংশেৰ নিমিত্ব ক্তম্ব ৩৮খাৰ ৰাখ্ ৬টয়া পাকে ও মহালেৰ জান বা জানানা অংশ বিজয় হয় না।

W. MAXWELL,

For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febr fuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six prands at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tim, Rs. 2 ans. 8: per eight-ounce tim, Rs. 5; per pound tim, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, fr cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tim, Rs. 3; per eight-ounce tim, Rs. 6, per pound tim, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native imagists in Calcutta. Postage – Four annas per 4 oz. tim, eight annas per 8 oz tim, and tweever annas per pound tim, in addition to the foregoing rates.

#### জুরত্ব সিন্কোনা।

কলিকাড়ান্ত বোটানিকাল গাড়নের অধাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট গবন্-মেন্ট্রের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পোঁও ক্রয় করিলে নিম্নালিখিও মূল্যে খুরলু দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি উপ টিন থাত টাকাল, আট উপ টিন ৫০ টাকায় ও এক পোঁও টিন ১০) টাকায় পাইবেন । সক্ষদাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি উপ টিন ৬) টাকায়, আট উপ টিন ৬০ টাকায় এবং এক পোঁও টিন ১০) বৈক্যা পাইডে পারিবেন কলিকাভার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় উষধ বিক্রেভাগনও এই উমধ বিক্রয় করিয়া গাকেন। উপরোক্ত চাব ছাড়া চারি উপ টিনের ০০, আট উপ্ গিনের ০০

```
বঙ্গদেশের গ্রথমেণ্টের সিনকোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সলফেট অফ কুইনাইন।
      ১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল ছইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য ছইবে, ষধা---
                ১ এক পোঁও টিন ১৮, বা ডাক মাণ্ডল সমেত ১৮৭০
                                   ۸, ,, ,,
                            ,, 8110 ,, ,,
                                                       "
      পরীকা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং
ইছা যে সিন্ধোনাইন ও সিন্ধোনীভাইন নামক অপকৃষ্ট কারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই
ভাষার গ্যারান্টী দেওয়া যাইভেছে। ইয়া নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয়
কৰা ঘাইবে এবং কলিকাভার নিকটছ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের হুপারিভেডেটের নিকট পাওয়া
যাইতে পারিবে।
                                       NOTICE.
     The 21st February 1883 .- The subscription to, and postage for, the Bongali Gazette will
henceforward be at the following rates, payable in advance :-
                                    For the Mufassal.
                                                Rs.
                                            ... 10
     Entire Gazette
                                                            per ansum.
                      Postage
     Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts
      and Bills of the Legislative Councils of India
      and Bengal
                     Postage
     For a single copy-
       Entire Gazette
                      Postage
                                                 0
     Parts III, IV, V, and VI
                                                             for 4 sheets or
                                                              with
                                                                             additional
                                                                      an
                                                             charge of I anua for
                                                             every 4 sheets in excess
                       Postage
                                              ... 0 1
                                    For Calcutta.
     The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.
                                                        E. N. BAKER.
                                          Offg. Under-Secretary to the Goot. of Bengal.
                                       বিজ্ঞাপত।
     ১৮৮৩ লাল ২১ কেব্ৰেয়ারি ।--বাজালা সবর্গমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্যান্থল এই অবধি নিশ্ব-
লিখিত হারে শুগ্রিম দিতে হইবে :—
                                  उक्:मान
          সম্পূর্ণ গেডেট
          ৩ ও ৪ ও ৫ ও ৬ বঙ ( যাহাতে কারতবর্ধের ও কল-
               দেশের ব্যবস্থাপক সভার আটম 👁 আইমের
               পাণ্ডুলিপি থাকে )
                    ভাক্ষাস্থ
          সম্পূর্ণ একখানি গেডেটের মূল্য
                    ডাকমাম্বল
                                            ...
          ৩ ৪ ৪ ও ৫ ও ৬ খণ্ড ( প্ৰত্যেক ৪ পৃঠা ৰা ভাষায়
                   ন্যুন সংখ্যক পৃষ্ঠার মূল্য)
                                                                     / ৪ পৃষ্ঠার উপর
                                                                       ৪ প্রা প্রতি দার
                                                                       একং আনা।
                 डान्याञ्च ...
```

কলিকাভায় । কলিকাভায় ও মকঃসলে সমান মূল্য, কলিকাভায় কেবল ডাকমাঞ্জ লাগিবে না ।

> ই, এম, বেকার। এজনেশের গব্ধমেন্টের একুটিং ছোট সেক্রেটরা।

#### The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

\*The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDY., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

12th December 1882.

Note.—Rates of adver	tisement.	8 in the Calcutta	GAZETTE	T) -
Full page, per issue	•••	••	•••	Rs. 20
Half ,, ,,	 	 4 - 4 1im	•••	10
Half ,, ,,	•••		•••	

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়। না গেলে ঐং গেঞেট দেওয়া ঘাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপঞাতিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিন্ত্রা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তি বালাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তুকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তু া উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভন্নিমিত্ত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেকেটারিয়েটের আকেণিটান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন গোক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাপন প্র'ভৃতি প্রকাশ করা ঘাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণিট বাদ দিবার জ্ঞান্যে টাকার উপর আব ৴০ এক আনা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টন, বলদেশের গ্রব্মেন্টের ছোট দেক্রেটরা:

১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মন্তব্য।— কলিকাতা,গোলেটে ইণতিহার প্রকাশ করিবার হার এইং।						
পুৰা এক পুঞ্চা একং ধার প্রকাশ করণের	•••	•••			२०५	
काथ १ छ।	•••	**1		**-	>	
STE STEEN SECOND STEEN SECOND STEEN	COSS Plus		***		, ,	

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B. -- Copies are still available.

#### বালাল সেকেটারিয়েট যন্ত্রালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে।

বারিষ্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীমতীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিসে নিযুক্ত বর্ত্মমানের ডিষ্টিষ্ট ও সেশন জ্ঞ জ ও রেন্ট কমিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পলের জীযুত সি, ডি. ফিলড, এম, এ, ও এল. এল. ডে সাহেবের প্রণীত বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেউ গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভ্যাধিকারার প্ৰজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুস্তকের মৃদ্য, ৫, পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাজাল সেকেটারিয়েটের আকেতিতির নিকা একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।৴৽ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য ।--- উক্ত পুস্তক এখন ও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকায্যোপদক্ষে বলদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেড কেয়য় টোন ছালের ছাতায় ছিত বলদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে বেছি ক্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উজ্জ সকল আইনের পুস্তক কলিকাতার গবর্ণমেন্ট গ্লেশে, ধাকার স্পিঞ্চ কোম্পানির বাটাডে ক্রু করিন্ডে পাওয়া যায়।

#### INSOLVENCY NOTICE.

COURT FOR THE RELIEF OF INSOLVENT DEBTORS AT CALCUTTA.

In the matter of RAMASEWAR BARRICK AND ANOTHER, Insolvents.

Notice is hereby given that Tuesday, the 7th day of December next, is appointed for the further hearing in this matter for the purpose of declaring a dividend, and that an account in detail of the receipts and disbursements of the Official Assignce, from the 2nd day of May 1896 until the 31st day of August 1897, has been filed, and may be inspected in the Office of the Chief Clerk. Any Creditor or other person interested who may intend . to establish or oppose any claim upon the Estate of the said Insolvent will be heard, notice having been given at the Office of the Chief Clerk three clear days before the hearing.

The like Notice.—In the matter of SRIDAM CHUNDER SEAL, an Insolvent. Wherein the account of the Official Assignee, from 1-th April to 31st August 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

The like Notice.—In the matter of ISSUR DASS JUGGERNATH, Insolvents. Wherein the account of the Official Assignee, from 10t., March to 31st August 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

The like Notice.—In the matter of RAMRICK DASS NUNDRAM, Insolvents. Wherein the account of the Official Assignce, from 30th March to 31st August 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

The like Notice.—In the matter of HADJEE SALLAY MAHOMED ELIAS, an Insolvent. Wherein the account of the Odicial Assignee, from 16th September 1896 to 31st August 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

The like Notice. -- In the matter of JUMMNA DASS, an Insolvent account of the Official Assignee, from 19th September 1896 to 31st August 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

The like Notice. -In the matter of NOONCORUN MULL AND OTHERS, Insolvents Wherein the account of the Official Assignce from 12th May to 31st August, 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

Official Assignee's Office, Calcutta, 17th September 1897.

A. B. MILLER,

Official Assignee.

(13-1)

কালবাতা প্রেফিডেলা কেল যন্ত্রালয়ে গ্রেশ্যেটের জন্য প্রযুক্ত জেম্স পেটা গাহেব কর্তৃক মুক্তিত ও প্রকাশিত হইল। B 64a - 20-9-97-1524 -120







## गवर्धायने प्रायति।

TUESDAY, SEPTEMBER 28, 1897.

### মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৮ সেপ্টেম্বর।

CONTENTS	1		
	PAGB.	मिन्हे।	
PART I Resolutions, Orders and Notifica-			नृष्ठे।
tions of the Government of India	Nil.	প্রথম বন্ধ।—ভারতব্যীর গ্রন্থেটের নির্দারণ	`
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-		আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	নাই
tions by the Lieutenant-Governor		ছিতীয় <del>খণ্ড।—বঙ্গদেশের গবর্ণমেটের নির্দ্ধারণ,</del>	
of Bengal	Nil.	আদেশ ও বিক্ষাপন প্রভৃতি	নাই
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-		বিতীয় ক বও।—বঙ্গদেশের গ্রথমেণ্টের আদেশ	be
nor of Bengal 8	586	ভূতীয় বন্ত।—ভারতব্যীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত	
PART III Acts of the Legislative Council of	1	আইন	40-6
India 5	364	চড়র্থ বভা-ভারতবর্ষীর বাবস্থাপক সভার আইনের	_
PART IV Bills of the Legislative Council of		পাতৃলিপি	3¢-36
India	15-16	প্ৰায় বন্ত।—বন্ধীয় ব্যবস্থাপক সন্ধার প্ৰণীত আইন	নাই
PART V Acts of the Bengal Council	Nil.	वहे थल।वजीव वायन्द्रांशक मछात आहेरनद	
PART VI.—Bills of the Bengal Council 3	5-46	শাতৃলিশি	vr—8
PART VII.—Circular Orders by the High		সম্ভ্রম খণ্ড।—হাই কোর্টের ও রেবিনিউ বোডের	_
Court and Board of Revenue	3	নাধারণ জ্ঞাপনপত্ত	,
PART VIII.—Advertisements 489	-499	আঠম বও।—ইশ্তিহার প্রভৃতি	865 855
BUPPLEMENT	Nil.	পরিশিষ্ট গবর্ণযেক্টের গেডেট	নাই

#### PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal.

দ্বিতীয় ক খণ্ড।

व्यापारणय शवर्यस्य क्रिय पारमण ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 661T.M.— The 15th September 1897.—Whereas a Notification No. 1925M., dated the 3rd April 1897, was published at page 85. Fart IB. of the Calcutta Gazette of the 7th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of Part IX of the Bengal Municipal Act III of 1884, as amended by Bengal Act IV of 1894, to such portion of the Kotechandpur Municipality in the district of Jessore, as a comprised in the area the boundaries of which are stated below, and whereas no valid objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above posification within the Municipality it is bereby notified for general information that above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Kotechandpar Munioipelity, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said area of the Municipality.

The aforesaid boundaries are :-

On the North. - Kotechandpur, Muchipara, Musulmanpara and Dhopapara.

On the East.—Syedtola, and a line from it to the Municipal tank at Ba i Bamund h.

On the South.—Katakhal and the river Bhairth.
On the West.—The river Bhairth, Kotechandpur, Mitterpara Ghât Road and Mitterpara.

U. E. A. W. OLDHAM, Offg. Secy. to the Goot. of Bengal.

#### वक्राम्तरभव और ज त्नरिके तन्त्रे भवर्गत मारहरवत आरम्भ ।

#### মুনিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন।

৬৬১ টি, এম; নম্বন--১৮৯৭ সাল ১৫ সেপ্টেম্বর।--যশোহর জিলার অন্তর্গত কোটটাদ-পুর মুনিসিপালিটীর যে অংশের সীমা নিম্নভাগে দেওয়া গেল সেই অংশে ১৮৯৪ সালের বজার ৪ আইন ছারা সংশোধিত বঙ্গদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের নব্য পরি-চ্ছেদের বিধান প্রচলিড করণার্থে শ্রীযুড লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮১৭ সালের ৩ আপ্রিল তারিখের ১৯২৫ এম নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ৭ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ 🗵 খণ্ডের ৮৫ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার ভারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে যুক্তিসিদ্ধ কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়তে সাধা রণের অবগত্যর্থে এতজ্বারা এই সংবাদ জেওয়া ঘাইডেছে যে, এযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারাক্রমে প্রদন্ত ক্ষমতাস্থসারে কার্য্য করিয়া এবং কোটচাঁদপুর মুনিসিপালিটীর সভাগত কমিশনরদের অহুরোধক্রমে মুনিসিপল আইনের উক্ত বিধান উক্ত মুনিসিপালিটীর উক্ত সীমার মধ্যে প্রচলিত করিবার অভ্যাতি দিলেন।

পূৰ্কোক্ত সামা এই, —

উত্তর সীমা।—কোটটামপুর, মুচিপাড়া, মুদলমামপাড়া ও ধোপাপাড়া।

পূর্ব সীমা।--সৈয়েদটোলা এবং ঐ স্থান হইতে বাজিবামুনদার মুনিসিপল পুক্ষরিণা পর্যান্ত এক রেখা।

मिक्न मीया।--काष्ट्र। थान ७ टिंड्य नम।

পশ্চিম দীমা। - ভৈরব নদ, কোটচাঁদপুর, মিত্রপাড়া, ঘাটের পথ ও মিত্রপাড়া।

সি. ই, এ, ডবলিউ, ওল্ড হ্যাম, বঙ্গদেশের গবর্ণফেন্টের একুটিং সেকেটরী।



# গবর্ণমেণ্ট গেজেট।

# मञ्जनवात, ১৮৯१ मान २৮ म्हिन्द्र ।

# তৃতীয় খণ্ড।

ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত আইন।

## ভারতবর্ষের গবর্ণমেণ্ট ৷

#### ব্যবস্থা বিভাগ।

মন্ত্রিসভাধিহিত ভারতবর্ষের শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের নিম্নলিখিত আইনটী ১৮৯৭ সালের ২২এ কুলাই তারিখে মহিমবর শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব কর্তৃক অন্নমোদিত হওয়ায় নাধারণের অবগতির নিমিত্ত এডদ্বারা প্রচারিত করা গেল।—

## ১৮৯৭ সালের ১৪ আইন।

কোন কোন আইনের উল্লেখের স্থবিধা করণার্থ আইন।

কোন কোন আইনের উল্লেখের স্থবিধা করিবার বিধান করা বিহিত। অতএব এতদ্বারা নিম্নলিখিতমত বিধান করা গেলঃ—

নাম ও ভাবেছেব কথা।

১ ধারা। (১) এই আইনটাকে সংক্ষেপ নাম বিষয়ক ১৮৯৭ সালের ভারতবর্ষীয় আইন বলা যাইতে পারিবে, এবং

#### (২) ইহা অবিলয়ে আমলে আসিবে।

২ ধারা। তফসীলের প্রথম তিন ঘরের বর্ণিত আইনের, উল্লেখ করিবার জন্য ঐ তফসীলের চতুর্থ

যরে যে সংক্ষেপ নাম দেওয়া হইল, উল্লেখ করিবার জন্য কোম রীতির

তফসীলের বাণিত আইনেব উল্লেব্যতিক্রম না ঘটাইয়া যাবতীয় প্রয়োজনার্থ, উহার সেই সংক্ষেপ নামে উপে
করা যাইতে পারিবে।

#### তফদীল।

\$	2		8	
বংসর।	নম্ব ৷	বিষয়।	সংকেশ নাম ৷	
) <del>-</del>	२	গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরিগণকে প্রধান সেক্রেটরির ক্ষমতা পরিচালন করিবার ক্ষমতা প্রদান করণার্থ।	গবর্ণযেন্টের দেক্রেটরী বিষয়ক ১৮৩৪ সালের আইন।	
७४७१	8	ঞ্জীশ্রতীর সকল প্রজ্ঞাকে ভূমি অধিকারে রাখিবার ক্ষমতা দেওনার্থ।	ভূসম্পত্তি বিষয়ক ১৮৩৭ সালের আইন।	
7202	₹ €	চরমপত্র	চরমপত্র বিষয়ক ১৮৩৮ সালের আইন।	
८७५८	२৯	যেত্বিক বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ	যেত্ক বিষয়ক ১৮৩১ সালের আইন।	
,,	٥٠	উত্তরাধিকারিত্ব বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ	উত্তরাধিকারিত্ব বিষয়ক ১৮৩৯ সালের আইন।	
"	७२	কোন কোন স্থলে স্থাদিবার সম্বন্ধে	হুদ বিষয়ক ১৮৩৯ সালের আইন।	
2287	٥.	ইফ ইণ্ডিয়া কোম্পানির শাসনাধীন দেশের অন্তর্গত	জাহাজের রেজিন্টরী করণবিষয়ক ১৮৪১	
		বন্দরের কিন্তা দেশীয় রাজা বা রাজ্যের কিন্তা তাঁহা-	সালের ভারতব্যীয় আইন।	
		দের প্রজাদের জাহাজ বা জলযান যাহাতে বিক্রোরি-		
		য়ার ৩য় ও ৪র্থ বৎসরের আইনের ৫৬ অধ্যায়াহুসারে		
		মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিভ ভারতবর্ষের শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল	•	
		সাহেৰের ক্বত এক ঘোষণাম্বসারে রটিশ জাহাজের		
		অধিকার পাইতে স্বত্তবান্ হয় তজ্জন্য যে		
		বিধি পালন করিতে হইবে সেই বিধি নির্দেশ		
		করণার্থ ৷		
		উত্তরাধিকারিত্বের বিষয়ী স্থাবর এবং অস্থাবর সম্পত্তির	উত্তরাধিকারিত্ব ( সম্পত্তি সংরক্ষণ) বিষ্-	
"	79	অন্যায়রপে দখল নিবারণার্থ।	য়ক ১৮৪১ সালের আইন।	
	1	উইলকারিদিগের সম্পত্তির যে অবশিক্টাংশ সম্বন্ধে বিলি	ইলিউসরি আপয়েন্টমেন্ট এবং শিশু-	
"	₹8	ব্যবস্থা হয় নাই তৎসম্বন্ধে, ইলিউসরি আপয়েন্টমেন্ট	দিগের সম্পত্তি বিষয়ক ১৮৪১ সালের	
		সম্বন্ধে, আদালতের আদেশাহ্নারে অক্ষমতাধান	অভিন। .	
		ব্যক্তিদিগের কর্ত্তক সম্পত্তির হস্তান্তর সম্বন্ধে, এবং		
		ঐরপ সকল ব্যক্তির সম্পত্তির অধিকতর সম্ভোব-		
		জনক ভাবে কার্য্যাধ্যক্ষতা সম্বন্ধে এবং অন্যান্য		
		বিষয় সম্বন্ধে ইংলভে যেরপে আইন পরিচালিত হয়		
		ভাহার সহিত শ্রীশ্রীমতীর স্থাপ্রম কোটের জজদিগের		
		কর্ত্তক পরিচালিত আইনের অধিকতর সাদৃশ্যের		
		বিধান করণার্থ।		
		যোত্রহীনদের সম্পত্তির যে ডিবিডেও অর্থাৎ অংশের	্যাত্রহীনদের সম্পত্তি বিষয়ক ( যে ডিবি-	
"	२٩	দাওয়া না হয় তাহা বিলি করিয়া দেওনের।	ডেভের দাওয়া না হয়, তদিষয়ক; ১৮৪: শালের আইন।	
•••		ভারতবর্ষের কোম্পানি বাহাছরের অধিকারের মধ্যে	দাসত বিষয়ক ১৮৪৩ শালের ভারতব্যায়	
2 <b>&gt;</b> 80	•	গোলামী অবস্থার বিষয়ী আইন নির্ণয় ও সংশোধন	षाह्य।	
_		করণের ৷		
•		ক্ষেণ্ডের বিহাত্বের আদালতে উকীলদিগকে নিযুক্ত	ব্যবহারাজাবদের সম্বন্ধীয় ১৮৪৬ সালের	
7 <b>&gt;8</b> @	2	করণ ও মেহনতানা দেওনের বিষয়ী আইন শুধরি-		
1	•	वाता		
		ן אור ן	1	

## তফদীল।—(চলিতেছে।)

```	2	9	8		
ৰৎস্ব ৷	নশ্ব ৷	िवस्य ।	সংক্ষেপ নাম।		
<b>3689</b> २०		কোম্পানি বাহাত্রের শাসিত দেশের মধ্যে এছস্তত্ত্ব নামক স্বত্ব নির্ণয় ও প্রবল করণের দ্বারা ঐ দেশের মধ্যে বিদ্যার সাহায্য করণের।	1 .		
2282	20	স্থপ্রিম কোর্টের কার্য্যকারকদিগকে ব্যবসা করিছে নিষেধ করণের।	স্থেম কোর্টের কার্য্যকারকদিগের ব্যবসায় করণ বিষয়ক ১৮৪৮ সালের আইন।		
>>0 .	æ	ভারতবর্ষের সমুদ্রের তীরস্থ বন্দরে ২ অবাধিতরূপে বাণিজ্য হওনের।	সমুদ্রকুলে বাণিজ্য বিষয়ক ১৮৫০ সালের ভারতবর্ষীয় আইন।		
19	>>	১৮৪১ সালের ১০ আইন শুধরিবার	জাহাদ্দের রেজিফরী করণ বিষয়ক ১৮৪১ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্গ ১৮৫০ সালের আইন।		
<b>3</b> 1	25	সরকারী হিসাবীর ক্রটি প্রযুক্ত ক্ষতি নিবারণের	সরকারী হিসাবকারিদের ক্রটি বিষয়ক ১৮৫০ সালের আইন।		
,,	75-	বিচারকর্তাদের রক্ষা করণের	বিচার বিভাগীয় কর্মচারিদের রক্ষার্থ ১৮৫० সালের আইন।		
,.	۵۷	i e	আপ্রেণ্টিস বিষয়ক ১৮৫০ সালের আইন		
"	२ऽ	বাঙ্গলা দেশের চলিত ১৮৩২ সালের ৮ আইনের ১ ধারার মূল নিয়ম কোম্পানি বাহাগ্রের শাসিত সকল দেশে চালাইবার।	জাতিনিবন্ধন অক্ষনতা দুরাকরণার্থ ১৮৫০ সালের সাইন ।		
,,	<b>७</b> 8	শ্রীযুত গবর্ণর জেনরঙ্গ বাহাণ্ডরের ভন্মর কোজেন হইতে যে যে লোককে কয়েদ করিবার ভকুম হয় তাহাদিগকে প্র্কাপেক্ষা ভালমতে কয়েদ করিয়া রাখিবার।	রাজ্জকীয় কয়েদিবিষয়ক ১৮৫০ সালের আইন।		
2247	<b>b</b>	সরকারী রাস্তা ও সাঁকোর উপর মাস্তল বদাইতে গ্রণমেন্টকে ক্ষমতা দেওনের।	আইন।		
2 pr a \$	<b>b</b>	ক্ষেদারী মোকদমার কার্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন এবং দেওয়ানী মোকদমার কার্য্য- প্রণালী বিষয়ক আইন অনুসারে মকঃসলের পার- ওয়ানা জারী করণার্থে কলিকাতা, মাত্রাজ ও বোস্বাইয়ের সরিক সাহেবকে মেহনতানা দেওনের বিষয়া।	সেরিফের ফী বিষয়ক ১৮৫২ সালের আইন		
٠, ا	٥٥	বিদেশীয়দিগকে দেশবাসী বলিয়া পরিগণিত করিবার বিধান করণার্থ।	দেশবাদী বলিয়া পরিগণিত করণ বিষয়ক ১৮৫২ সালের ভার শ্বধীয় আইন।		
3 <b>F</b> &O	2	ভূম্যধিকারী কি ঠাছাদের গোমাশতা অথবা সরবরাহ- কারদের যে সরকারী ও পোলিসের কার্য্য নিলাই করিতে হয় ও যে সরকারী খরচ দিতে হয় তৎ- সম্পর্কে এদেশীয় লোকেরা যে২ আদালতের অধীন আছে শ্রীশ্রীমতী মহারানীর সকল প্রজার সেই সেই আদালতের অধীন হওনের যোগ্যতার বিষয়ে যে সন্দেহ আছে তাহা ভঞ্জনের আইন।	ভূম্যধিকারিদের সরকারা খরচ ও কর্ত্তব্য বিষয়ক ১৮৫৩ সালের আইন।		
,,	२०	কোম্পানি বাহাহুরের আদালতের মধ্যে উকীলদের বিষয়ী আইন সংশোধনের।	ব্যবহার।জীবদের সধ্বদ্ধীয় ১৮৫৩ সালের আইন।		
2 p. 48	৫১	<b>ইঙ্গলণ্ডীয় আইন যেং স্থলে খাটে সেই</b> ং স্থলে ভূমি হ <b>ন্তান্তর ক</b> রণের নিয়ম সংজ করিবার।	ভূমি হস্তান্তর করণ বিষয়ক ১৮৫১ সালের আইন।		

# তফদীল ৷—(চলিতেছে ৷)

,	₹	v	s
बरगव ।	নম্ব	रिषष्ठ ।	সংক্ষেপ নাম।
>>ce	22	ইপ্ললণ্ডায় আইন যেং স্থলে থাটিতে পারে সেই সেই স্থলে ওয়াসিলাতের বিষয়ের এবং গুর্বল অধিকার- ক্রমে যাহারা দখীলকার হয় তাহারা ভূমির যে উদ্ভ- মতা করে তদ্বিয়ের।	
3)	25	অছিদের কি আডমিনিস্টেটরদের কি শুলাভিষিক্ত ব্যক্তিদের কোন২ নোকসানের বিষয়ে নালিশ করিবার ও তাহাদের নামে নালিশ হইবার ক্ষমতা দেওনের।	1
"	30	থে ক্ষতির বাবৎ দাবীর নালিশ ছইতে পারে এমত ক্ষতির দারা কোন ব্যক্তির মৃত্যু হইলে ভাহার পরিবারের ঐ ক্ষতি পুরণ পাইবার বিধান করণের।	·
"	२७	মৃত ব্যক্তিদের যে ইফেটের উপর বন্ধকক্রমে কোন টাকার দায় থাকে তাহার কার্য্য নির্ব্বাহের বিষয়ের আইন সংশোধন করিবার।	বন্ধকী মহালের কার্যনির্বাহ বিষয়ক ১৮৫৫ সালের আইন।
,,	48	ইউরোপীয় ও আমেরিকাদেশীয় বন্দুয়ানদের দ্বীপালর প্রেরণ দভের পরিবর্ত্তে খাটনীর দণ্ড নিরূপণ করণের।	দওরপে প্রযুক্ত শ্রমদণ্ড বিষয়ক ১৮৫৫ সালের আইন।
,,	२४	অধিক স্থদ লইবার আইন রদ করিবার	হুদ বিষয়ক আইন রহিত করণার্থ ১৮৫৫ সালের আইন।
3246		বিল অফ লেডিঙ্গ অর্থাৎ মাল বোঝাই করিবার এক- রারনামা বিষয়ক আইন সংশোধন করিবার। ভারতবর্ণের মধ্যে ডাঙ্গায় শ্রীশ্রীমতীর যে ফোজ আছে ইউরোপীয় সৈনিকগণের তাহা ছাড়িয়া চলিয়া যাওয়া নিবারণের উৎক্লফ্টতর বিধান করণার্থ।	বিল অফ লেডিজ অর্থাৎ মাল বোঝাই করিবার একরারনামা বিষয়ক ১৮৫৬ সালের ভারতবর্ষীয় আইন। পালাতক ইউরোপীয় সৈনিকগণ বিষয়ক
3649	\$ .	হিন্দু বিধবাদের বিবাহের আইনঘটিত সকল বাধা রহিত করিবার। কলিকাভায় উনিবনিটি সংস্থাপনের ও চার্টর দেওনের	সালের আইন। কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয় বিষয়ক ১৮৫৭
,,	22	রাজ্য বিপারীত অ <b>পরাধ নিবারণ করিবার ও সেই</b> অপরাধের বিচার ও দণ্ড করিবার ।	সংলের আইন। রাজ্যের বিৰুদ্ধে অপরাধ বিষয়ক ১৮৫৭ সালের আইন।
,	२२	বোরাইয়ে উনিবর্গিটি সংস্থাপনের ও চার্টর দেওনের	বোদ্বাই বিশ্ববিদ্যালয় বিষয়ক ১৮৫৭ সালের আইন।
••	₹ <b>å</b>	কোন্ত্রল সম্পত্তি জব্দ হইবার আজ্ঞা করিবার ও ভাহা-কিরিয়া পাইবার বিধান করিবার।	জ্ঞকরণ বিষয়ক ১৮৫৭ সালের আইন।
,,	۱ ۶۹	মাজ্রাজে উনিবর্সিটি সংগ্রাপানের ও চার্টর দেওনের	মান্দ্রাজ্ঞ বিশ্ববিদ্যালয় বিষয়ক ১৮৫৭ সালের আইন।

# তফদীল।—(চলিতেছে।)

\$	२	9	8
ৰ ৎ সব।	নখু ৷	· विषय।	সংক্ষেপ নাম ৷
} <b>&gt;</b> ¢¢ <b>&gt;</b>	و	রাজ্যের বিপরীত অপারাধা যে লোকদের কয়েদ হইবার ছকুম শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল বাহা- হুরের ছজুর কোন্দেল হইতে হয় ভাহাদিগকে গ্রেফ্টার করিবার ও কয়েদ র।খিবার আইন সংশো- ধন করিবার।	द्रांष्ट्रकीय करम्भी विषयक ১৮৫৮ সালের আইন।
"	68	রাজকীয় চার্টর দ্বারা স্থাপিত আদালতে ক্ষিপ্ত লোক সম্পর্কীয় কার্য্যের বিধি করিবার।	(স্থাপ্রম কোর্টে) ক্ষিপ্তগণের বিচার সম্বন্ধীর কার্য্য বিষয়ক ১৮৫৮ সালের আইন।
,,	<b>ં</b>	ক্ষিপ্ত যে লোকের। স্থাপ্রম কোর্টের এলাকার মধ্যে না থাকে ভাহাদের ইস্টেট রক্ষা করিবার আরও উত্তম বিধান করিবার।	(জিলা কোর্টের অধান) ক্ষিপ্রব্যক্তিগণ
••	, <b>૭</b> ૯	কেপা লোকদের অভায়ের	বাতলাগার বিষয়ক ১৮৫৮ সালের ভারত- বর্ষীয় আইন।
; p-4.9	; <b>3</b>	সওদাগরী জাহাজী লোকদের আইন সংশোনের	পওদাগরা জাহাজ বিষয়ক ১৮৫৯ সালের ভারতবর্ষীয় আইন।
**	: •	রত করা বা জব্দ করা সম্পত্তির উপর দাওয়া হইলে সেই দাওয়ার বিচার করিবার বিধানের।	জব্দকরণ বিষয়ক ১৮৫৯ সালের আইন।
**	٥٤	কোনং স্থলে কারিগর কি কর্মকারক কি মজুর চুক্তি ভঙ্গ করিলে ভাহাদের দণ্ডের বিধান করিবার	1
3 berly a		রেলরোতে ও সরকারী অন্য কর্মেতে যাহারা খাটে ভাহাদের মুনিবদের সজে ঐ কর্মকারিদের কোনং বিবাদ ত্তরায় নিশান্তি করিবার বিধান করণের।	নিযোক্তা ও কর্মকারকগণের (বিবাদ) সম্ব- দ্বীয় ১৮৬০ সালের আইন।
• ,,	22	। সাহিত্য ও বিদ্যাঘটিত ও দানাদি কার্য্যের সমাজ বেজিষ্টরা করিবার।	সভা রেজিফরীকরণ বিষয়ক ১৮৬• সালের আইন।
14	<b>98</b>	সম্প্রতিকার গোলযোগের কালে সরকারী কার্য্যকারক সাহেবেরা ও অন্য লোকেরা যে সকল জরিমানার ও চাঁদার টাকা আদায় করিলেন ও যে২ কর্ম করি- লেন ভাহার নিমিত্ত তাঁহাদিগকে দায় হইতে মুক্ত করিবার।	গবর্ণে ক্রের কর্মচারিদের ক্ষণ্ডিনিক্ ডি বিষয়ক ১৮৬০ সালের আইন।
,,	89	১৮৫৭ সালের ২,২২ এবং ২৭ আইনে যে যে উপাৰি উল্লিখিত হইয়াছে কলিকাতা, মাম্রাজ ও বোদ্বাই বিশ্ববিদ্যালয়কে ভঙ্জিম্ব অন্য উপাধি দিবার ক্ষমতা প্রদানার্থ।	ভারতব্যায় বিশ্ববিদ্যালয় (উপাধি) বিষ- য়ক ১৮৬• সালের আইন।
25B)	æ	পোলীদের বিধান করিবার	পুলিস বিষয়ক ১৮৬১ সালের আইন। ডাক গাড়া বিষয়ক ১৮৬১ সালের আইন।
77	১৬	ডাকের গাভির অহমতিপত্র দিবার ও ভাষার বিধান করিবার।	
८६४	9	গবণমেন্টের মোহর ব্যবহার করণ বিষয়ী আইন সংশোধনের।	গবর্ণমেন্টের মোহর বিষয়ক ১৮৬২ সালের আইন।
2 <del>-</del> - 60	٧٤ .	কেবল শিশ্পাদি কর্ম্মে কি কিমিয়া বিদ্যাতে যে মদিরার ব্যবহার হয় ভাষার উপর একসাইসের মাস্থল আদায় করিবার বিশেষ বিধান করণার্থ।	আবকারী (উগ্র সরাব) বিষয়ক ১৮৬৩ সালের আইন।

#### তকসীল।—(চলিতেছে)।

٠		o	8
बरम्य	নখ	বিষয়।	मश्रकः संग
১৮৬৫	2	ধর্মার্থে দত্ত ভূম্যাদির তত্ত্বাবধারণ কার্য্য গবর্ণমেন্টের ত্যাগ করিবার ক্ষমতা দানার্থ।	ধর্মার্থে দক্ত সম্পত্তি বিষয়ক ১৮৬৩ সালের আইন।
"	20		
"	60	ইভিয়া গেজেটে কোনং আজ্ঞা ও অন্যান্য বিষয় প্রচা রিত হইলে তাহা বলবৎ করণার্থ।	
768	٠	ভিন্নদেশীয় ব্যক্তিদের বিষয়ে গবর্ণমেন্টকে ক্ষমভা বিশেষ দান করিবার।	বিদেশীয় ব্যক্তিগণ বিষয়ক ১৮৬৪ সালের আইন ১
"	ی		কশাঘাত দণ্ড বিষয়ক ১৮৬৪ সালের আইন।
•,	20	১৮৫১ সালের ৮ আইন (অর্থাৎ গবর্ণমেন্টকে সরকারী রাস্তার ও সাঁকোর উপর মাস্থল বসাইবার ক্ষমতা দেওনের আইন) সংশোধন করিবার।	ম। হল বিষয়ক ১৮৬৪ সালের ভারতবর্ষীয় আইন।
٠,	39	রাজকীয় ট্রুটীর পদ সংস্থাপনের	রাজকীয় ঐথী বিষয়ক ১৮৬৪ সালের আইন।
) r.e c	<b>₹</b> 3	কারিত্ব ব্যবন্ধা নিরূপণ ও সংশোধনার্থ।	চরমপারের অভাবে পারসীদের মধ্যে উত্তরাশিকারিত্ব বিষয়ক ১৮৬৫ সংসের
) <del>-</del> 66	Œ	জ্ঞারতবর্ষের বাণিজ্ঞ্য বিষয়ক আইন কোন কোন অংশে সংগ্রেশাধন করণার্থ।	মোরিণ ও ফায়র ইন্সিউরেন্স পলিসি কাহার:ও নামে সিথিয়া দেওন বিষয়ক ১৮৬৬ সালের আইন।
17	₹₡	েনার্ট উলিয়ম ্ ও মাম্রাজ ও বোম্বাই রাজধানীর হাই- কোটে যে২ কোম্পানির কাগজ ও টাকা গচ্ছিত হইয়াছে তাহা ভারতব বর গবর্ণমেন্টের হস্তগত কবলার্থ।	বেওয়ারিস গচ্চিত টাকা বিষয়ক ১৮৬৬ সংলের আইন।
<b>6</b> 6 6 <b>4</b>	ኔሤ	কোন ২ বিচারালয়ের কর্তু ক্ষাদিগকে কিয়ৎকালীন কর্মকরণার্প নিযুক্ত করিবার ক্ষমতা প্রদান করণের।	একটিং জজ বিষয়ক ১৮৬৭ সালের আইন
,,	<b>?</b> @	মুদ্রায়ন্তের ও সম্বাদণতের বিধান করণার্থ এবং রিটনীয় । ভারতবর্বে মুদ্রিত পুশুকের কয়েক প্রস্থ রক্ষা ও ঐ ২ পুশুক রেজিইনী করণার্থ।	মুজাযন্ত্র সম্বন্ধায় ও পুশুকের রেজিষ্টর । করণ বিষয়ক ১৮৬৭ সালের আইন।
<b>6-9</b> 0	3		দারান্টাইন বিষয়ক ১৮৭০ সালের ভারত- ব্যীয় আইন।
.,	æ	গবর্ণমেণ্টের হস্তগত টাকা পাইবার দরখাস্ত হইলে ে রাজধ নীর হাইকোর্টের প্রতি সেই দরখাস্তের খরচের বিধান করিবার ক্ষমতা প্রদান করণার্থ।	বওয়ারিন গচ্ছিত টাকা বিষয়ক ১৮৭° সালের আইন।
,,	<b>b</b>	বালিকাবধ নিবারণার্থ ব	'লিকারধ নিবারণার্থ ১৮৭ - সালের আইন।
,, ₹		জাদালতের রক্ষম বিষয়ক ১৮৭° সালের আইনের অ পুই স্থানে যে ভ্রম হংয়াছে ভাহা সংশোধন করণার্থ	াদালতেওর রস্থম বিষয়ক ১৮৭° সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৭° সালের আইন।
,,   *	۹ ،	ভারতব্যীয় দণ্ডবিধির আইন সংশোধন করিবার ভা	ারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৭০ সালের আইন।

# তফসীল।—(চলিতেছে।)

2	۱ ۲ ۱	9	8
·	 	· · · ·	
∢९मव।	নপ্ৰ ৷	বিষয় :	<b>ਸ</b> ኖር <b>ሙ</b> 의 ፈተት :
ऽभ्वर	<u>و</u> ا	যে ব্যক্তিরা খ্রীফীয় কি ইছদী কি হিন্দু কি মুসলমান কি পারসা কি বৌদ্ধ কি শিখ কি জৈন ধর্ম স্থাকার না করেন তাঁহাদের বিবাহ প্রথার বিধান করণার্থ।	বিশেষ বিবাহ বিষয়ক ১৮৭২ সালের আইন।
••	۵۵	ভারতবর্থীয় দণ্ডবিধির আইনে ''মুদ্রা'' শব্দের যে অর্গ করা গেল তংসংশোধনার্থ।	ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইন সংশোধনার্থ ১৮৭২ সালের আইন।
259¢	æ	কোন কোন দেশীয় সৈনিকের স্বত্ব ও দারিত্ব সম্বন্ধে	ভস্দিক্ না করা সিপাহী বিষয়ক ১৮৭৫ সালের আইন।
,,	٥٠	সন্দেহ মোচনার্থ। ক্ষোজদারী মোকদম। আদে বিচার করণের ক্ষমতা পক্ষে হাইকোটের কার্য্যপ্রণালীর বিধান করণার্থ।	এডবোকেট জেনরলের ক্ষমতা বিষয়ক ১৮৭৫ সালের আইন।
٠,	30	প্রবেট ও দ্রব্য নিরূপণাধিকারিত্ব পাত্র বিষয়ক আইন সংশোধন করিবার।	প্রবেট ও ধনাগ্যক্ষতা বিষয়ক ১৮৭৫ সালের আইন।
3 <b>৮</b> 9७	<b>)</b> ) હ	ডাক গড়ৌ বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ	ডাক গাড়া বিষয়ক ১৮৬১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৭৬ সালের আইন।
\$ <b>6</b> -0 €	<b>,</b>	Jo la siloca a series	প্রবেট ও ধ্নাধ্যক্ষতা বিষয়ক ১৮৭৭ সংলের আইন।
••	8	নানা রাজধানীর মাজিফেটদের আদালতের কার্য্য- প্রণালীর বিধান করণার্গ ও বিচারাধিপত্য রন্ধি	প্রেসিডেন্সি মাজিস্টেটের আদালতের রথম বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন।
55-98	> > > > >	করণার্থ। ব্রেজিফারীকরণ বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন ও মোকদ্দমার মিয়াদ বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন সংশোধনার্থ।	রজিউরী করণ বিষয়ক আইন ও মোক- দমার মিয়াদ বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৭৯ সালের আহন।
366	۶ ۲		ভারতবর্বের দণ্ডবিধি আইম সংশোধন করণার্থ ১৮৮২ সালের আইম।
766	۶   ی	করণার্থ ।	জাইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৩ সালের আইন।
786	8 3	কলিকাতা, মাজ্রাজ ও বোদাইয়ের বিশ্ববিদ্যালয় কর্ত্ব সম্মানার্থ উপাধিপ্রদান বিষয়ক কাইন সংশোধন করনার্থ।	া ভারতবরীয় বিশ্ববিদ্যালয়ের সম্মানার্গ া উপাধি বিষয়ক ১৮৮৪ সালের অভিন।
366	-a	সম্পত্তি হস্তান্তর করণ বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	সম্পত্তি ইস্তান্ত্র করণ বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৫ সালের আইন।
,	,   ;	১৮৮১ সালের আব্কারী আইন, আবকারী বিষয়ব বঙ্গদেশের ১৮৭৮ সালের আইন ও সামুদ্রিক কফা বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	চ আবকারা আইন এবং সামুদিক কন্টম
,	, 30	হানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের আইন সংশোধনার্থ	র স্থানীয় কভৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮২ সালের আইন।
	1		

# তফসীল।—( চলিতেছে)।

3	2	٠	8
ৰৎ <b>শ</b> ব।	নম্ব ;	বিষয়।	সংক্রেপ নাম।
) <b>৮৮</b> ৬	2	ক্কবিছাড়া অন্য উপায়ে যে আয় হয় তাহার উপর কর নির্দারণার্থ।	আয়কর বিষয়ক ১৮৮৬ সালের ভারত- বর্ষীয় আইন।
"	8	চুক্তি বিষয়ক ১৮৭২ সালের ভারতবর্ণীয় আইনের ২৬৫ ধারা সংশোধনার্থ।	আইন সংশোধনার্থ ১৮৮৬ সালের আইন
,,	7.	কেজিদারী মোকদ্মার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন ও অন্য কোনং তাইন সংশোধন করণার্থ।	
21	72-	১৮৫৮ সালের ৩৬ আইন সংশোধনার্থ	বাতৃলাগার বিষয়ক ১৮৫৮ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণাণ ১৮৮৬ সালের আইন।
3669	*	সামুদ্রিক কন্টম বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন, ১৮৮১ সালের আবকার্রা আইন ও তারিক বিষয়ক ১৮৮২ সালের ভারতব্যীয় আইন সংশোধন করণার্থ।	সামুদ্রিক কন্টম বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৭ সালের আইন।
,,	b	সাক্ষ্য বিষয়ক ১৮৭২ সালের ভারতব্যীয় আইন সংশোধনার্থ।	শাক্ষ্য বিষয়ক ১৮৭২ সাজের ভারতব্যীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৭ স;লের আইন।
"	Œ	ফোজদারী মোকদ্মার কার্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধনার্থ।	কেজিদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণানী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৭ সালের আইন।
"	بي	কোম্পানি বিষয়ক ১৮৮২ সালের ভারতব্যীয় আইন সংশোধনার্থ।	কোম্পানি বিষয়ক ১৮৮২ সালের ভারত- বর্ষীয় আইন সংশোধন করণর্থ ১৮৮৭ সালের আইন।
> <del></del>	٥	ইফ্টাম্প বিষয়ক ১৮৭৯ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধনার্থ।	ইফ্টাম্প বিষয়ক ১৮৭৯ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন।
<b>,</b> ,	2	পেট্রোলিয়মের উপর কন্টম মাস্থল আদায়ের বিধান করণার্থ।	পেট্রোলিয়মের ক <b>উয মান্থ</b> ল বিষয়ক ১৮৮৮ সালের আইন।
••	ь	কোন কোন টোল আদায় করা আইন সঙ্গত কি না সেই বিষয় সম্বন্ধীয় সন্দেহ দূর করণার্থ।	টোল বিষয়ক ১৮৮৮ সালের ভারতবর্ষীয় আইন 1
,,	3 .	দেওয়ানী মোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইন ও রাজধানীস্থ ছোট আদালত বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	রাজধানীস্ত ছোট আদালত বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন।
,,	22	টেলিপ্রাফ বিষয়ক ১৮৮৫ সালের ভারতবর্ষীয় জাইনে একটা ধারা যোগ করণার্থ।	(রাজধানীস্থ) টেলিগ্রাফ বিষয়ক ১৮৮৮ সালের ভারতবর্ষীয় আইন।
,,	34	মেরিন বিষয়ক ১৮৮৭ সালের ভারতব্যীয় আইন সংশোধন করণার্ব।	মেরিন্ বিষয়ক ১৮৮৭ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের ভারতবর্ষীয় আইন।
7629	<b>b</b> •	সামুদ্রিক কটম বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন এবং তারিক বিষয়ক ১৮৮২ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ।	সামুদ্রিক কন্টম বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮১ সালের আইন !

# তফদীল—(চ**লিতে**ছে।)

	₹	9	8		
बंदम्बः	নহর।	বিবয়।	সংক্ষেপ নাম।		
> <b>~~</b>	२ •	১৮৫৮ সালের ৩৬ আইন সংশোধন করণার্থ।	বাতুলাগার বিষয়ক ১৮৫৮ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৯ সালের আইন।		
) <b>- 2</b> - (	ર	১৮৬৪ সালের ১৭ আইন, ১৮৬৫ সালের ১০ আইন, ১৮৭৪ সালের ২ আইন ও ১৮৮১ সালের ৫ আইন সংশোধন করণার্থ।			
,,	૭	১৮৮৪ সালের ৬ ও ৭ আইন সংশোধন করণার্থ	টীয় জাহাজ বিষয়ক ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯০ সালের আইন।		
3,	3•	১৮৬৭ সালের ২৫ আইন সংশোধন করণার্থ	মুদ্রাষদ্র সম্বন্ধীয় এবং পৃস্তকের রেজেন্টরী করণ বিষয়ক ১৮৬৭ সালের আইন সংশোধনকরণার্থ ১৮৯০ সালের আইন।		
,,	28	পেট্রোলিয়ম বিষয়ক ১৮৮৬ সালের আইনের ভক্সীল সংশোধন করণার্থ।	পেট্রোলিয়ম বিষয়ক ১৮৮৬ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯০ সালের আইন।		
,,	<b>ડ</b> હ	জম্ম, মৃত্যু ও বিবাহ রেজিষ্টরীকরণ বিষয়ক ১৮৮৬ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	জন্ম, মৃত্যু ও বিবাহ রেজিফরীকরণ বি মুক ১৮৮৬ সালের আইন সংশোগ করণার্থ ১৮৯০ সালের আইন।		
"	72	দেশান্তর গমনবিষয়ক ১৮৮৩ সালের ভারত্বর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ।	দেশান্তর গমন বিষয়ক ১৮৮৩ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯০ সালের আইন।		
<b>?</b> )	75	লবণ বিষয়ক ১৮৮২ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশো- ধন করণার্থ ১৮৯০ সালের আইন।	লবণ সম্বন্ধীয় ১৮৮২ সালের ভারতব্যীয় আইন সংশোধনার্থ ১৮৯০ সালের আইন		
7627	3	পারের ভূমিতে গো মেষাদির <b>প্রবেশ</b> বিষয়ক ১৮৭১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ এবং ভাহার সহিত ১৮৮৩ সালের ১৮ আইন সন্মিলিত করণার্থ।	পরের ভূমিতে গো মেষাদির প্রবেশ বিষ- রক ১৮৭১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯১ সালের আইন।		
"	ર	পৃষ্টানদিগের বিবাহবিষয়ক ১৮৭২ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ।	খৃষ্টানদিগের বিবাহবিষয়ক ১৮৭২ সালের ভারতবর্থীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯১ সালের আইন।		
71	ی	সাক্ষ্যবিষয়ক ১৮৭২ সালের ভারতবর্ষীয় আইন এবং কোজদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালীবিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	সাক্ষ্যবিষয়ক ১৮৭২ সালের ভারতব্যীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯১ সালের আইন।		
"	8	কৌজদারী যোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	কৌজদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষ- য়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯১ সালের আইন।		
,,	Œ	বন্দর বিষয়ক ১৮৮৯ সালের ভারতবর্দ্ধীয় আইন সংশো- ধন ও উহাতে অতিরিক্ত কথা সংযোগ করণার্থ।	বন্দর বিষয়ক ১৮৯১ সালের ভারতবর্ষীয় আইন।		

# তফসীল।—(চলিতেছে।)

٠	2	۳	8
বৎসর ৷	নম্ব।	विषय ।	সংক্রেপ নাম !
7697	હ	ভারতবর্ষীয় সওদাগরী জ্ঞাহাজ বিষয়ক কয়েকটী আইন সংশোধন করণার্থ।	ভারতবর্ষীয় সওদাগরী জাহাজ বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯১ সালের আইন।
"	9	১৮৪১ সালের ১০ আইন সংশোধন করণার্থ	জাহাজের রেজিফরী করণ বিষয়ক ১৮৪১ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯১ সালের আইন।
"	à	বাণিজ্য দ্রব্যের মার্কা বিষয়ক ১৮৮৯ সালের ভারত- ব্রুষীয় আইন ও সামুদ্রিক কন্টম বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	বাণিজ্য দ্রব্যের মার্কা বিষয়ক ভারতব্যীয় আইন এবং সামুদ্রিক কটম বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯১ সালের আইন।
"	2 °	ভারতবর্ষের দণ্ডবিধি আইন ও কোজদারী মোকন্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশো- ধন করণার্থ ৷	_
**	٥٤	দেশাস্ত্যস্তরিক বাষ্পীয় পোত বিষয়ক ১৮৮৪ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	দেশান্ত্যম্ভরিক বাষ্পীয় পোড বিষয়ক ১৮৮৪ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯১ সালের আইন।
7 <b>2</b> 5	. •	ধৃষ্টীয়ানদের বিবাহ বিষয়ক ১৮৭২ সালের ভারতবর্ষীয় জাইনের ষষ্টাখ্যায়াস্থসারে সাধন করা কোন কোন বিবাহ সিদ্ধ করণার্থ :	বিবাহ সিদ্ধ করণার্থ ১৮৯২ সালের আইন :
٠,	le.	মিয়াদ বিষয়ক ১৮৭৭ সালের ভারতব্যীয় আইন ও দেওয়ানী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ।	মিয়াদ বিষয়ক ভারতবর্ষীয় আইন ও দেওয়ানী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ ১৮১২ সালের আইন।
> <b>৮৯</b> ৩	æ	রটিষ ভারতবর্ষের সীমার বহিভুতি রাজ্যের মধ্যে মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত জীযুত গবণর জেনরল সাহেবের যে বিচারাধিকার আছে, যে সকল রটিয আদালত সেই রাজ্যের মধ্যে ঝা সম্বন্ধে সেই বিচারাধিকার পরিচালন করেন, সেই সকল রটিয আদালত যে সকল প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা দেন, কোন স্থলে রটিয ভারতবর্ষের মধ্যে সেই সকল প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা তামিল করা আইন সঞ্কত করণার্থ।	আজ্ঞা ) বিষয়ক ১৮৯৩ সালের আইন।
7 <b>►</b> 98	<b>+</b>	বন্দর বিষয়ক ১৮৮৯ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধনার্থ।	বন্দর বিষয়ক ১৮৮৯ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৪ সালের আইন।
,,		ফোজদারী মোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন এবং ভারতব্যীয় দণ্ডবিধি আইন সংশোধন করণার্থ।	আহন। কোজদারী আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৪ সালের ভারতব্যীয় আইন। •
53	ري	সামুদ্রিক ও অগি বিষয়ক বিমাপত্ত ও নিলামের সার্টি- ফিকেট সহজে ইন্টাম্প বিষয়ক ১৮৭৯ সালের ভারতব্যীয় অংন সংশোধন করণার্প।	ইফ্রাম্প বিষয়ক ১৮৭৯ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্গ ১৮৯৪ সালের আইন।

# তক্সীল।—(চলিতেছে।)

>	۶	4	8
₹८भव ।	নম্ব ।	বিষয়।	সংক্ষেপ নাম।
7228	9	বন্দিদের ১৮৭১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ	বন্দিদের ১৮৭১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৪ সালের আইন।
"	2 0	কৌজদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	কৌজদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশো- ধন করণার্থ ১৮৯৪ সালের আইন।
<b>≯►⊅</b> €	9	ভারতবর্ষের দণ্ডবিধি আইন, ১৮৬৪ সালের ৬ আইন এবং ভারতবর্ষের ডাক্ঘরের ১৮৬৬ সালেরআইন সংশোধন করণার্থ।	ভারতবর্ষীর কোজদারী আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৫ সালের আইন।
"	8	ক্ষেদারী মোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের জাইনের ৩৬৬ ও ৩৭১ <b>ধারা সংশোধন</b> করণার্থ।	কেজিদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশো- ধন করণার্থ ১৮৯৫ সালের আইন।
,,	9	দে ওয়ানী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইনের এবং পঞ্জাবের আইন বিষয়ক ১৮৭২ সালের আইনের কোন কোন ধারা সংশোধন করণার্থ।	পঞ্জাবের আইন বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৫ সালের আইন।
77	٢	১৮৬১ সালের ৫ আইম (পুলিসের বিধান করিবার আইন) সংশোধন করণার্থ ।	পুলিস বিষয়ক ১৮৬১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৫ সালের আইন।
,,	30	দেওয়ানী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইনের ৬৩২ ও ৬৫২ ধারা সংশোধনার্থ ।	দেওয়ানী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষ- য়ক আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৫ সালের আইন।
>~>%	٥	দেশান্তর গমন বিষয়ক ১৮৮৩ সালের ভারতব্যীয় আইন সংশোধন করণার্থ।	দেশাস্তর গমনবিষয়ক ১৮৮৩ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন কর- গার্থ ১৮৯৬ সালের আইন।
••	9	তারি <b>ফ বিষয়ক ১৮৯</b> ৪ সালের ভারতব্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ।	তারিক বিষয়ক ১৮৯৪ সালের ভারত- ব্যীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৬ সালের আইন।
"	8	বন্দর বিষয়ক ১৮৮৯ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ।	বন্দর বিষয়ক ১৮৮৯ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৬ সালের আইন।
"	•	ভিন্ন দেশের বিচারাধিপত্য বিষয়ক ও অপরাধি- দিগকে স্থ স্থ দেশে প্রেরণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	ভিন্নদেশের বিচারাধিপত্য বিষয়ক ও অপরাধিদিগকে স্থ স্থ দেশে প্রেরণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের আইন সংশো- ধন করণার্থ ১৮৯৬ সালের আইন।
,,	16	ভারতবর্ষের দণ্ডবিধি আইন সংশোধন করণার্থ	ভারতব্বের দণ্ডবিধি আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৬ সালের আইন।
"	۵-	রাজধানীস্থ ছোট আদালত বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	রাজধানীস্থ ছোট আদাসত বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৬ সালের আইন।

## তফসীল।—(সমাপ্ত।)

<b>)</b>	8	٧	৪ সংক্ষেপ নাম।	
বৎসর।	मचत्र ।	ৰিষয়।		
ን ሥ <b>ል</b> ሁ	۵	রেলওয়ে বিষয়ক ১৮৯০ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ।	রেলওয়ে বিষয়ক ১৮৯০ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৬ সালের আইন।	
,,	22	ব্যবহারাজীবদিগের সম্বন্ধীয় ১৮৭৯ সামের আইন সংশোধন করণার্থ।	ব্যবহারাজীবদিগের সম্বন্ধীয় ১৮৯৬ সালের আইন।	
"	30	কেজিদারী যোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	কোজদারী <b>মোকদ্মা</b> র কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশো- ধন করণার্থ ১৮৯৬ সালের আইন।	
, ,	30	অশ্বাদির সর্দ্ধি ও কুষ্টরোগ সম্বন্ধীয় ১৮৭৯ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	অস্থাদির সদি ও কৃষ্টবোগ সম্বন্ধীয় ১৮৭৯ সালের আইন সংশোধনকর-	
,,	১৬	ভারতবর্ষের ডাক ঘরের ১৮৬৬ সালের আইন সংশো- ধন করণার্থ ।	ণার্থ ১৮৯৬ সালের আইন। ভারতবর্ষের ডাক্যরের ১৮৬৬ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৬	
3229	3	(সরকারী কর্মকারকদের আচরণের বিষয়ের তদার- কের নিয়ম করণের) ১৮৫০ সালের ৩৭ আইন সংশোধন করণার্থ	সালের আইন। রাজকীয় কর্মচারিদের সম্বন্ধে অহ্নসন্ধান বিষয়ক ১৮৫০ সালের আইন সংশো- ধন করণার্থ ১৮৯৭ সালের আইন।	
,,	36	ইক্টাম্প বিষয়ক ১৮৭৯ সাঙ্গের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ।	ইফ্টাম্প বিষয়ক ১৮৭৯ সালের ভারত- বর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৭ সালের আইন।	



# গবর্ণমেন্ট গেজেট।

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৮ সেপ্টেম্বর।

# চতুর্থ খণ্ড।

ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনের পাওুলিপি।

# ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্ট।

#### ব্যবস্থা বিভাগ।

নিম্নলিখিত আইনের পাণ্ট্লিপিখানি ১৮৯৭ সালের ২রা সেপ্টেম্বর তারিখে আইন ও ব্যবস্থা প্রণয়নার্থ ভারতবর্ষের শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের মন্ত্রি-সভায় উপস্থিত করা হইয়াছিল।

১৮৯৭ দালের ১২ আইন।

ভাকের গাভ়ি বিষয়ক ১৮৬১ সালের আইন আরো সংশোধন করণার্থ আই মের পঞ্জিপি।

ডাকের গঃডি বিষয়ক ১৮৬১ শালের আইন আরে<sup>†</sup> সংশোধন করা বিহিত। অতএব এতদ্ধারা নিম্নলিখিত-মত বিধ:ন করা গেলঃ—

১ ধারা। এই আইনটীকে ভাকের গাড়ি বিষয়ক (১৮৬১ সালের) আইন সংশো-সংক্ষিত্ত নাম। ধন করণার্থ ১৮৯৭ সালের আইন

বলা যাইতে পারিবে।

চচঙ১ **সালের** ১৬ আই-নেব ১ ধাবার মিয়মণবৃধি বাহত কবিবাব কথা। ২ ধারা। ডাকের গাড়ি বিষয়ক ১৮৬১ সালের আই-নের ১ ধ:রার নিয়মবিধি রহিড করা গেল।

১৮৬১ দালের ১৬ আইনের ২০ ধারার পর নৃতন
ধারা যোগ করিবার কথা।

ত ধারা। উক্ত আইনের
২০ ধারার পর নিম্নলিখিত
ধারাটী যোগ করিতে হইবে
অর্থাৎ:—

''২০ক ধারা। (১) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট স্থায় শাসনা
গিনি প্রদেশ সকলে কিম্বা উক্ত

ক্ষাতার কথা। প্রদেশ সকলের কোন অংশে

এই আইনের অভিপ্রায় ও
উদ্দেশ্য অন্থসারে কার্য্য করিবার জন্য স্থানীয় রাজ-

A Bill to further amend the Stage-Carriages Act, 1861.

কীয় গেজেটে বিজ্ঞাপন দিয়া বিধি অণয়ন করিতে পারিবেন ৷

- (২) বিশেষ ভাবে এবং পুর্বোলিখিত ক্ষমতা সাধা-রণের ব্যতিক্রম না ঘটাইয়া ঐরূপ বিধিতে —
  - (ক) আইনাম্থায়িক লাইসেপের ফারম, এবং
    যে সকল নিয়মে লাইসেপ দেওয়া
    যাইতে পারিকে তাহা এবং যে সকল
    ছলে লাইসেপ রহিত করিতে পার।
    যাইবে তাহা নি.র্দশ করিতে পার।
    যাইবে।
  - (খ) ভাকের গাভির পরিদর্শনের ব্যবস্থা করিতে। পারা যাইবে। এবং
  - (গ) ভাকের গাড়ির ঘোডাকে যত আড়া চালান যাইতে পারিবে তাহার সংখ্যা ও দৈর্ঘ্য কত হইবে এবং উহাদিগকে কি রকম সাজ পরাইতে ইইবে ও কেমন করিয়া যুতিতে হইবে তৎসম্বন্ধে ব্যবস্থা করিতে পারা ধাইবে।
- (৩) এই ধারাস্থসারে কোন বিধি প্রণয়ন করিব:র সময় স্থানীয় গবর্ণমেন্ট এইরূপ আদেশ করিচে পারি-বেন যে ঐ বিধি ভল্প করিলে একশত টাকা পর্যান্ত অর্থদণ্ড হইতে পারিবে।"

#### উদ্দেশ্য ও হেতুর বিবরণ।

কৃতি মাইলের অধিক পথ যাইবার জন্য যে সকল গাজি সাধারণতঃ ব্যবস্থত হয় ডাকের গাজি বিষয়ক ১৮৬১ সালের (১৮৬১ সালের ১৬ আইনের) আইনের ১ ধারার নিয়মবিধি জহুসারে কেবল সেই সকল গাজি সম্বন্ধে উক্ত আইন খাটে। এই নিয়মটী জহুবিধাজনক দৃষ্ট হইয়াছে। কারণ যে সকল ডাকের গাজির আইন মানিয়া চলা উচিত সেই সকল ডাকের গাজি অনেক সময় কৃতি মাইলের কম পথও গমনাগমন করে। এই নিমিত্ত পাণুলিপির ২ ধারায় উপরি উক্ত নিয়মবিধি রহিত করিবার প্রস্তাব করা যাইতেছে।

২। ইছাও দৃষ্ট হইয়াছে যে এই আইনের বিধানগুলির সহায়তা পক্ষে যে সকল বিধি প্রণয়ন করা আবশাকে ইহাতে সেই সকল বিধি প্রণয়ন করিবার ক্ষমতা না ধাকায় কার্যতঃ ইহা অসম্পূর্ব হইয়াছে। কোন লাইসেপাপ্রাপ্ত গাড়ির ঘোড়াকে যত আড়া চালান যাইতে পারিবে তাহার দৈর্ঘ্য কত হইবে এইয়প নানা কুদ্র কুদ্র
বিষয়ের ব্যবস্থা করণার্থ এবং সাধারণতঃ শাসনবিভাগায় কর্তৃপক্ষদিগকে এই আইনটীকে কার্য্যে পরিণত করিতে
পারিচালিত করিবার জন্য সহকারী বিধির আবশ্যকতা ভূয়োদশ নে সপ্রমাণিত ইইয়াছে। এইয়প বিধি প্রণয়ন
করিতে যে ক্ষমতার প্রয়োজন পাঞ্লিপির ৩ ধারায় স্থানীয় গবর্ণযেউকে সেই ক্ষমতা প্রদান করা অভিপ্রেত।

৩রা আগস্ট, ১৮৯৭ সাল।

জে, উভ্বরণ। জে. এম\_, ম্যাকফার্সন, ভারতবর্ধের গবর্গমেন্টের সেক্রেটরী।

CHUNDER NATH BOSE,

Bengali Translator.



# गवर्गायने जाउन्हे

# यक्नवात, ১৮৯१ मान २৮ (मुश्टियत।

#### ষষ্ঠ খণ্ড।

বঙ্গীয়া ব্যবহাপক সভার আইনের পাঙুলিপি।

## वक्राप्तानित भवर्गामिक ।

#### ব্যবস্থা বিভাগ।

#### ৪-৫৬ এস, আর,—বিজ্ঞাপন।

১৮৯৭ সাল ১৭ই ছ্লাই।—লবন বিষয়ক ১৮৬৪
গালের বল্পীয় ৭ আইন সংশোধন করণার্থ নিম্নলিখিত
গাইনের পাঞ্লিপিখানি অভিঞায় ও হেডুর বিবরণসহ
লেলেনের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের মন্ত্রিগভার ব্যবস্থাপন কার্য্য চালাইবার নিমিত্ত বিধিসমূহের
১৪ বিধি অস্থলারে সাধারণের অবগতির নিমিত্ত প্রকালিত করা গেল।—

সি. ই, এ. ভবলিউ, ওল্ডছ্যায়, বঙ্গদেশের গবর্ণযেন্টের একুটিং সেক্রেটরী।

ক্সদেশের লবণবিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ আইনের পাওলিপি।

# স্থচীপত্র।

#### প্রথম অধ্যায় i

#### मृहना ।

#### ধারা ।

- ১। नः क्ल नाम, व्याखि ও भावत्स्व कथा।
- २। वरिष कर्तियात ७ वीहास्वात कथा।
- ७। वर्षनिर्द्धाः नंत कथा।

A B ll to Amend the Salt-Law in Bengal.

# দ্বিতীয় অধ্যায়।

কর্তৃত্ব ও শিরিস্তা বিষয়ক বিধি।

#### ধার ।

- ৪ । বোর্ডের কর্ডন্ডের কথা।
- কালেক্টরের কর্ম ও তাছার কর্ম সম্পাদনার্থ কোন ব্যক্তির নিয়োগের কথা।
- ৬। স্বণ রাজস্ব সম্পর্কীয় কর্মচারিদের কিছা ভাঁহাদের কর্ম সম্পাদনার্থ ব্যক্তিদের নিয়ো-গের কথা।
- ৭। **শবণ রাজন্ম সম্পর্কীয় অধীন কর্মচারিদের** নিয়োগ, দণ্ড ও পদচ্যতির কথা।

# তৃতীয় অধ্যায়।

লবণ, লবণাক্ত মৃত্তিকা বা সোর। পোঞ্চানকরণ খননকরণ, সংগ্রহকরণ, স্থানান্তরকরণ, চালানকরণ, শুদামজাতকরণ, নিকটে-রাখন ও বিক্রয়করণ বিষয়ক বিধি।

#### वादा ।

৮। লবণ বা সোরা পোপ্তান করিবার কিন্ধা অক্ত-ত্রিম লবণ বা লবণাক্ত মৃত্তিকা খনন সংগ্রহ বা ছানান্তর করিবার বা নিকটে রাখিবার নিমিত্ত লাইনেপ লইতে হইবার কথা। थाता ।

- ১। লাইসেন্সের লিখিও বিষয় ও কারমের ও লাইসেন্সের নিমিত ফীর কথা।
- ১০। লাইসেপ রহিত বা ছগিত করিবার ক্ষমতার কথা।
- ১১। লাইসেন্স ব্যাভিরেকে লবণাক্ত মৃত্তিকা খনন সংগ্রহ বা ছানান্তর করিবার বা নিকটে রাখিবার অস্থ্যতি সূচক বিধি প্রণয়ন করিবার ক্ষমতার কথা।
- ১২। লবণের কারখানা **বা গুণামজাত করিবার**অন্মতিপ্রাপ্ত **হান হইতে লবণ বা**সোরা স্থানান্তর করিবার কথা।
- ১৩। স্থান নির্দেশ করিয়া ও ঐ স্থানে লবণ, লবণাক্ত মৃত্তিকা ও সোরা স্থানান্তর করণ, চালানকরণ, গুদামজাতকরণ, নিকটে রাখন বা বিক্রয় করণের ব্যবস্থ। করিয়া বিধি প্রশয়ন করিবার ক্ষমতার কথা।
- ১৪। ঐরপে নির্দ্ধিউ স্থানে লবণ, লবণাক্ত মৃদ্ভিকা বা সোরা চালান করিবার বা নিকটে রাখিবার সম্বন্ধে নিয়মের কথা।
- ১৫। কেন কোন ছানে লবণাক্ত মৃত্তিকাকে বেআইনী বলিয়া ব্যক্ত করিবার ক্ষমতার কথা।

# চতুর্থ অধ্যায়।

তালাস, গ্রেক্তার **ও** ধৃত করিবার ও বিচারের ক্ষমতার কথা।

- ১৬। মাজিয়্টেটের ভালাস করিবার ওয়ারেন্ট বাহির করিবার ক্ষমভার কথা
- ১৭। বিশেষমতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত কর্মচারিদিগের প্রতি ওয়ারেক্ট বিনা তালাস করিবার ও গ্রেড্রার করিবার ক্ষমতা দিবার কথা।
- ১৮। খোলা জায়গায় ভালাস, ধৃত ও এেক্টার করিবার ক্ষমতার কথা।
- ১৯। **ভালাস** ও এেস্টার ষেরপে করিতে ছইবে ভাহার কথা।
- ২০। যে দ্বব্য তালাস বা পরীক্ষা করিতে ছংবে ডাহা যে ব্যক্তির নিকট থাকে আদিই ছংলে তাঁহার ডাহা বন্তা খুলিয়া ওজন করিতে কিম্বা ছানান্তর বা মৌক্ত করিতে বাধ্য হইবার কথা।
- ২১। ব্রেক্তার করা ব্যক্তিদিগকে ইনস্টেরের নিকট পাঠাইবার কথা।

ধারা।

- ২২। ইন্স্পেক্টরের কার্য্যপ্রাণালীর কথা।
- ২৩। বাহাদের সহত্তে সন্দেহ হয় ইবৃস্পেইতার এরপ ব্যক্তিদিগকে সমম করিবার ক্ষমভার কথা।

#### পঞ্চম অধ্যায়।

গ্রামের মণ্ডল ও অপর ব্যক্তিদের কর্ত্তব্য কন্মের কথা।

- ২৪। আমের যণ্ডল ও কোন কোন বিভাগের কর্ম-চারিদের—
- (ক) এই আই নমতে দগুনীয় **অপরাধের সম্বাদ দিডে** এবং
- (খ) ঐরপ অপরাধ নিবারণ করিতে এবং
- (গ) লবণ রাজস্ব সম্পর্কীয় কর্মচারিদের সাহায্য করিতে বাধ্য হইবার কথা।
- ২৫। মালিক প্রভৃতির বেত্তাইনী লবণ পোঞ্জানের
   ভৃতিস দিতে বাধ্য হইবার কথা।

# ষষ্ঠ অধ্যায়।

অপরাধ, দণ্ড ও ক্ষতিপূরণের কথা।

- ২৬। ৮. ১২, ১৪ বা ১৫ ধারা উল্লেড্যন করিবার, বেআইনী লবণ গ্রহণ বা রক্ষা করিবার কিন্ধা বিধি, লাইসেন্দ্র বা পর্মিট উল্লেড্যন করিবার দণ্ডের কথা।
- ২৭। ২৬ ধারামতে বিভায়বার ও ভাহার পর অপরাধ সাব্যস্ত হইলে দভের কথা।
- ২৮। কোন কোন ব্যক্তির অসদাচরণের কথা।
- ২১। বেআইনা লবণ পোপ্তানের হৃটিস না দিবার দণ্ডের কথা।
- ৩ । যে মাজিফ্টেটদের কর্তৃক **অপরাধ বিচার্য্য** তাঁহাদের কথা।
- ৩১। অভিযোগের মিয়াদের কথা।
- ७२। जन्मक द्रश्नित कथा।
- ৩৩। জব্দ দ্ব্যে উদ্ধার করিবার কথা।
- ৩৪। সরলভাবে ক্ল ভ কার্য্যের নিমিত্ত দণ্ড বা ক্ষতি-পূরণ দিতে না হইবার কথা।
- ৩৫। ক্ষতিপুরণের জ্বন্য মোকদ্দমার কথা।

## সপ্তম অধ্যায়।

় বিবিধ বিধান।

- ৩৬। কোন কোন কর্মচারিকে বিশেষ ক্ষমতা প্রদান করিবার অন্ন্যুতির কথা।
- ৩৭। বিধি প্রণয়ন করিবার সাধারণ ক্ষয়ভার কথ:।
- ৩৮। বিধির পাণ্ডলেখ্য প্রকাশ করণের কথা।
- ৩১। বিধি চূড়ান্তরপে প্রকাশ করণের করা।

#### বঙ্গদেশের লবণবিষয়ক আইন সংশোধন করণার্ধ আইনের পাণ্ডুলিপি।

বঙ্গদেশের যে সকল অংশ উপস্থিত সময়ে ভারত-বর্ষীয় লবণবিষয়ক ১৮৮২ সালের আইনের অধীন নয় লবণবিষয়ক যে আইন সেই সমস্ত অংশে প্রবল আছে ভাহার সংশোধন করা বিহিত। অতএব এতদ্বারা নিম্নলিধিতমত বিধান করা গেল।—

#### প্রথম অধ্যায়।

#### मूहना।

- ১ ধারা। (১) এই আইনটিকে বঙ্গদেশের লবধ-লংকেণ নাম ব্যাপ্তিও বিষয়ক ১৮৯ সালের আইন জাবভের কথা। বলা ঘাইতে পারিবে।
- (২) ভারতবর্ষীয় শবণবিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন উপান্থত সময়ে যে দকল প্রদেশে প্রচলিত আছে ইহা ভান্তর উপান্থত সময়ে বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের শাসনাধান সমস্ত প্রদেশে প্রচলিত হন্নরে কিন্তু স্থানীয় গবর্ণমেন্ট কলিকাতা গেজেটে বিজ্ঞাপন দিয়া সময়ে সময়ে কোন স্থানকে এই ধারা ও ২ ধারা ভিন্ন এই আইনের সমস্তটির বা কোন স্থাংশের কাষ্য হইতে মুক্ত করিতে পারিবেন। এবং
- (৩) ইহা ঐযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের সম্মতি প্রাপ্ত হইবার পর যে দিবস কলিকাতা গেজেটে প্রথম প্রকাশিত হয় সেই দিবসে আমলে আদিবে।
- ২ ধারা। ঐ দিবসে ও ঐ দিবস হইতে লবণবিষয়ক ১৮৬৪ সালের আইন
  বহিত কবিবাৰ ও বাঁচাও লবণবিষয়ক ১৮৬৪ সালের
  আইন সংশোধনার্থ ১৮৭৩

শালের বন্ধীয় ১ আইন রহিত হইবে।

#### কিশ্ব---

- (ক) শবণবিষয়ক ১৮৬৪ সালের উক্ত আইন অন্ধ্যারে কিয়া ঐ আইনের দ্বারা রহিত করা কোন আইন অন্ধ্যারে যে সমস্ত লাইসেন্দ প্রদ্ধুত হইয়াছে, অনদেশ, বিধি ও নিয়োগক্বত হইয়ছে বিজ্ঞাপন প্রকাশত হইয়াছে ও ক্ষমতা অর্পিত হইয়াছে তৎসমুদয় যত দ্র এই আইনের সহিত সক্ষত হয় তত দ্র যথাক্রয়ে এই আইন অন্ধ্যারে প্রদত্ত, ক্লত, প্রকাশিত, নির্দ্দিট ও অর্পিত হইয়াছে বিদয়া বিবেচনা করা যাইবে।
- (খ) উক্ত ভারিখের পূর্বে অপর যাহা কিছু ক্বভ হয় কিছা যে কোন অপরাধ করা হয় কিছা যে কোন জরিয়ানা বাদও ভোগের আদেশ হয় কিছা যে কোন কার্য্য আরম্ভ

করা হয় উক্ত আইনগুলি রহিড ছইবার দক্তন ভাহার কোন ব্যতিক্রম ছইবে না। ৩ ধারা। (১) বিষয় বা সংযুক্ত বাক্যাবলিডে অর্থ নির্দেশের কথা। থাকিলে এই আইনে—

- (ক) ''লবণ'' বলিতে সোডিশ্বমের **ক্লোরাইড** এবং
  - (/০) অফুত্রিম লবণ, এবং
  - ( ে ॰ ) কোন লবণ দ্বব্য বা লবণাক্ত মৃত্তিকা হইতে প্রস্তুত করা বা উৎপন্ন লবণ বা লবণ দ্ববও বুৰাইবে।
- (খ) "ৰুক্টিমে লবণ'' বলিতে স্বভঃ উৎপ্ৰ লবণ, লবণের স্বাভাবিক সঞ্চয় ও লবণের প্রস্ফোটনকে বুঝাইবে।
- (গ) ''লবণাক্ত মৃত্তিকা'' বলিতে যে মৃত্তিকা স্বভাবতঃ লবণাক্ত কিম্বা যাহার সহিত লবণ মিশ্রিত ছাছে সেই মৃত্তিকাকে বুঝাইবে।
- (ঘ) "সোরা" বলিতে পোটাশের নাইটেট বুকাইবে এবং স্থানীয় গবর্থমেন্ট কলিকাতা
  গেজেটে বিজ্ঞাপন দিয়া সময়ে সময়ে
  যে কোন স্থান এতদর্থে নির্দ্ধিষ্ট করেন
  সেই স্থানে ঐ বিজ্ঞাপনের লিখিড
  সোডা ও পটাশের সকল প্রকার
  কার্থনেট, নাইটেট বা সল্ধেটকেও
  বুঝাইবে।
  - (৩) (৴৽) এই আইন কিম্বা লবণ রাজক্ষ সম্বন্ধীয় উপস্থিত সময়ের প্রচলিত অপর কোন আইন, কিম্বা
  - ( < ০ ) এই আইন বা পূর্ব্বোক্তয়ত অপর কোন আইন অহুসারে প্রণীত কোন বিধি বা আদেশ, কিম্বা
  - (১০) এই আইন বা পূর্বোক্তমত অপর কোন আইন অনুসারে প্রদত্ত কোন লাইসেন্স বা পর্মিট --

উল্লেখন করিয়া যে লবণ, লবণাক্ত মৃত্তিকা বা সোরা । কোন খালাড়িতে বা খালাড়ি হইতে কিম্বা কোন গবর্ণ-মেন্টের গুদাম বা ভাঙারে কি গুদাম বা ভাঙার হইতে পোপ্তান করা হয়, খনন করা হয়, সংগ্রাহ করা হয়, বভাবন্দি করা হয়, গুদামঞ্জাত করা হয়, জল্যান হইতে নামান হয় চালান করা হয় বা স্থানান্তরিত করা হয় দিখা নকটেরাখা হয় 'বেজাইনা লবণ '' বলিতে সেই লবণ, লবণাক্ত মৃত্তিকা বা সোরাকে বুকাইবে।

কিন্তু যে লবণাক্ত মৃতিকা কেবল খনন বা সংগ্রহ করা হইরাছে ত'হা ১৫ ধার্মতে বিজ্ঞাপিত কে ন হানের সীমার মধ্যে পাওয়া না গেলে বেআইনী বলিরা বিবেচিত হইবে না।

- (চ) "পোপ্তান" শব্দে অফুত্রির লবণ বা লবণাক্ত যুক্তিকা খনন, সংগ্রাহ ও ছ<sup>1</sup>নান্তর করণ এবং লোণা জল কি মুক্তিকা কিয়া অপর কোন দ্রব বা পদার্থ ছইডে যে সকল প্রক্রিয়া ছারা লবণ পৃথক করা হয় ভাছার প্রভ্যেক প্রক্রিয়া এবং লবণ বা লোরা পরিকার বা বিশুদ্ধ করনের প্রভ্যেক প্রক্রিয়াও গণ্য।
- (ছ) যে কোন ছান লবণ বা সোরা পোঞ্জানের নিমিত কিছা মাছল দিবার অপেক্ষার উহ<sup>1</sup> গুদামক্ষাত করিবার বা রাখিবার নিমিত ব্যবহার করা হয় কিছা ব্যবহারার্থ অভিপ্রেড হয় ''লবণের কারখানা" বলিতে সেই ছানকে বুকাইবে,

এবং ছানীয় গবর্ণনেউ কলিকাতা গেজেটে বিজ্ঞাপন দিয়া কোন লবণের কারখানার দীয়ার অন্তর্গত যে সকল বাঁধ, ক্ললপ্রণালী, জলাশয়, ভূমি, বিলডিঙ ও পতিত ছান সময়ে সময়ে এতদর্খে নিদ্দিউ করেন ঐ শব্দময়ে ভাছাও গণ্য।

কিন্ত সামুদ্রিক কউম বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন অনুসারে নিযুক্ত বা লাইসেপ্তথাপ্ত কোন ওয়েরছেসিকে বুৰাইবে না।

- (জ) কোন লবণের কারখানার মধ্যে যে নিন্দিট ছান লবণ বা সোৱা পোপ্তানের নিমিড ব্যবস্থত হয় এবং সরকারী হিসাবের মধ্যে খালাড়ি বলিয়া অভক্রভাবে লিখিত হয় ''ধালাড়ি'' শব্দে সেই ছানকে বৃঝাইবে।
- এই আইন কিয়া লবণ রাজয় সয়য়য়য় উপছিত সময়ের প্রচলিত অপর কোন
  আইন অন্সারে যে কোন মূল্য, মায়ল
  ফা, ট্যায় বা জরিমানা বসান ষায় বা
  যাহা জব্দ করিবার বা যে টাকা দিবার
  আনেশ করা হয় তাহা হইতে যে
  রাজয় উৎপয় হয় বা হইতে পারে
  ''লবণ রাজয়'' বলিতে সেই রাজয়েক
  বুবাইবে।

(ট) ''বোর্ড বলিতে উপস্থিত সময়ে বঞ্চদেশের শ্রীযুক্ত লেপ্টেনেন্ট গ্রথর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশ সমূহের নিমিত রেবিনিউ বোর্ডকে বুঝাইবে।

- (ঠ) "কালেক্টর" শব্দে কোন জিলার বাজ্ঞর কার্য্য নিকাচের ভারপ্রাপ্ত প্রধান কর্ম--চারাকে বুঝাইবে।
- (ড) 'লবল রাজন্দ সম্পর্কীয় কর্মচারী' বলিডে

  এই আইনমত লবল রাজন্দ সম্পর্কীয়
  কর্মচারীর সমস্ত বা কোন কর্মতা পরিচালনার্থ কিছা সমস্ত বা কোন কর্তব্যকর্ম সম্পাদনার্থ ৬ ধারাম্নারে নিযুক্ত
  কোন ব্যক্তিকেও বুঝাইবে।

- (ছ) "ইন্স্টের" বলিতে এই আইন অন্সারে
  দঙ্গীর অপরাধের অভিযোগের বিচার
  করণার্থ বিশেষসতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত অবন
  রাজস্ব সম্পর্কীয় কোন কর্মচারীকে
  বুবাইবে।
- (ন) ''লাইসেপপ্রাপ্ত ব্যক্তি'' বলিতে যে ব্যক্তিকে এই আইনের তৃতীয় অধ্যায় অভ্নারে কোন লাইলেপ প্রদন্ত হয় সেই ব্যক্তিকে বুবাইবে।
- (ভ) ''কারাদণ্ড'' বলিডে ভারওবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের অর্থনির্দেশমত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড বুবাইবে।
- (খ) ''ছান'' শব্দে কোন বাটী, বিলডিঙ, দোকান, তাঁবু বা জলযানও গণ্য, এবং
- (দ) "ধারা" শব্দে এই আইনের কোন ধারা বুকা-ইবে।
- (২) কোন ব্যক্তির চাকর বা এজেন্ট ঐ ব্যক্তির জন্য লবণ নিকটে রাখিলে বা ছানান্তরিত করিলে তাহা এই আইনের প্রয়োজনার্থ ঐ লবণ ঐ ব্যক্তি কর্তৃক স্বরং নিকটে রাধা বা ছলভেলে ছানান্তরিত করা হইয়াছে বলিয়া বিবেচিত হইবে।

# দ্বিতীয় অধ্যায়।

কর্তৃত্ব ও শিরিস্তা বিষয়ক বিধি।

৪ ধারা। স্থানীয় গববর্ণমেন্টের সাধারণ কর্তৃত্বাধীনে লবণ বিভাগের কার্য্য নিব্দা হের ও লবণ রাজস্ব আদায়ের উপর বোর্ডের কর্তৃত্ব থাকিবে।

৫ ধারা। ডিবিসনের কমিশনর সাছেবের কিন্তৃ।
কালেন্টনের কর্ম ও
ভাষার কর্ম দশাদনার্থ অপার যে কর্মচারির আদেশ
কোন ব্যক্তির নিয়োগের করেন তাঁছার কর্তৃত্ব ও
কথা।
আদেশাধীনে, কালেক্টর সাহেব
আপান জিলার মধ্যে লবণ রাজস্ব আদার কার্য্যের
ও এই আইনের বিধান কার্য্যে পরিণত ক্রিবার
ভারপ্রাপ্ত হইবেন।

কিন্তু ছানীয় গবন্যেন্ট কলিকাডা গেজেটে বিজ্ঞাপন প্রকাশিত করিয়া সময়ে সময়ে কোন জিলার বা জিলার অংশে কালেক্টর সাহেবের অধীনে কিন্তা কালেক্টর সাহেবের সমস্ত বা কোন কর্ত্ব্যকর্ম সম্ভা পরিচালনার্থ কিন্তা সমস্ত বা কোন কর্ত্ব্যকর্ম সম্পাদনার্থ অপার কোন কর্মচারীকে নিযুক্ত করিডে পারিবেন, এবং এরপা কোন নিয়োগ রহিত করিডে পারিবেন।

৬ ধারা। (১) মন্ত্রিসক্তাধিন্তিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনবল রাজ্ম সম্পর্কীর
কর্মচারিদের কিঘা ভাঁছাদের কর্ম সম্পাদনার্থ রাজ্জদের নিয়োগের কথা।
করেন সম্মন্ত্র সময়ে তত
ব্যক্তিকে নাম উল্লেখ করিয়া বা তাঁছাদের পদের বলে
লবল রাজ্ম সম্পর্কীয় কর্মচারী স্বরূপ কিছা লবণ
রাজ্ম সম্পর্কীয় কোন কর্মচারীর এই আইনমত সমস্ত
বা কোন ক্ষমতা পরিচালনার্থ অথবা সমস্ত বা কোন
কর্ত্ব্য কর্ম সম্পাদনার্থ নিযুক্ত করিতে পারিবেন।

(২) পুর্বোক্তমত ক্ষমতা পরিচালনার্থ কিম্বা কর্ত্তব্য-কর্ম সম্পাদনার্থ নিযুক্ত কোন ব্যক্তিকে স্থানীয় গবর্ধ-মেন্ট যেরূপ আখ্যা উপযুক্ত বিবেচনা করেন সেইরূপ আখ্যা দিয়া নিযুক্ত করিতে পারা ঘাইতে পারিবে।

৭ ধারা। স্থানীয় গবর্ণমেন্টের মঞ্জুরি লইয়া বোর্ড
সময়ে সময়ে যে সকল আদেশ
দ্বন বাঙ্কস্থ সম্পানীয় প্রদান করেন কালেক্ট্র কিম্বা
অধীন কণ্ণচারিদেব নিয়োগ
দভ ও পদ্চাতিব কথা।
বিস্তুক্ত কোন কর্মচারী তদধীনে

- (ক) যত ব্যক্তিকে উপায়ুক্ত বিবেচনা করেন লবন রাজস্ম সম্পর্কীয় অধীন কর্মচারী স্বরূপ সময়ে সময়ে তত ব্যক্তিকে নিয়ুক্ত করিতে পারিবেন, এবং
- (খ) অথোগ্যতা কিষা লবণ বিভাগের বিধি বা শাসনভঞ্জের নিমিত্ত কিষা অসাবধানতা কর্তুব্যকর্মে অবহেলা বা অপর কোন অসদাচরণের নিমিত্ত পুলিসের কর্মচারী ছাড়া ঐরপে নিযুক্ত কোন ব্যক্তিকে ষে কোন সময়ে তদন্ত করিবার ও তদ-ন্থের কথা লিপিবদ্ধ করিবার পর জ্বরি-মানা করিতে, কর্ম হইতে স্থগিত করিতে, নামাইয়া দিতে বা পদচ্যুত করিতে পারিবেন।

# তৃতীয় অধ্যায়।

লবণ, লবণাক্ত মৃত্তিকা বা সোরা পোগ্রানকরণ, খনন করণ, সংগ্রহকরণ, স্থানান্তরকরণ, চালানকরণ, গুদামজাতকরণ, নিকটে রাখন ও বিক্রয়করণ বিষয়ক বিধি।

লবণ বা সোরা পোপ্তান করিবার কিখা অকৃত্রিম লবণ বা লবণাস্ত স্থতিকা খনন, সংগ্রহ বা ন্থামান্তর কবিবাব বা নিকটে রাখিবার নিমিত্ত লাইদেক লইতে হইবার কথা।

৮ ধারা। কালেক্টর কর্ত্তৃক প্রদন্ত লাইদেন্দ অস্থলারে ভিন্ন—

(ক) স্বৰ বা সোৱা পোখান করা যাইবে না, এবং (খ) অক্টুপ্রিম লবণ এবং ১১ ধারামতে প্রনীত বিধি অভুসারে না ছইলে, লবণাক্ত মৃত্তিক। খনন করা, সংগ্রেছ করা, ছানা-স্তর করা বা নিকটে রাখা যাইবে না।

লাইনেকের নিধিত ইবার। (১) ৮ ধারামৃ-বিষয় ও ফারমের ও লাই- সারে প্রদন্ত প্রত্যেক লাই-সেলের নিমিত ফীর কথা। সেন্দ্রে—

- (ক) উহা যে ব্যক্তিকে প্রদন্ত হয় তাঁহার নাম;
- (খ) যে সীমার মধ্যে পোঞ্জান, খনন, সংগ্রহ বা স্থানাম্ভর করা যাইবে এবং যে সীমার মধ্যে নিকটে রাখা যাইতে পারিবে ভাগা, এবং
- (গ) পোখান, খনন, সংগ্রহ বা স্থানাম্ভরকরণের পর যে স্থানে লবণ, সোরা বা লবণাক্ত যুক্তিকা গুদামজ্ঞাত করা ঘাইবে তাহা

লিখিত ইইবে এবং ৩৭ ধারামতে প্রণীত বিধির
অধানে বোর্ড কলিকাতা গেজেটে বিজ্ঞাপন দিয়া সময়ে
সময়ে যেরপ নির্দ্ধিট করেন ঐ লাইসেন্দ সেইরপ
কারমে হইবে ও উহাতে সেইরপ সকল নিয়ম ,থাকিবে
ও উহা সেইরপ ফী দিবার নিয়মাধীন হইবে।

(२) কালেক্টর যে কোন সময়ে ঐরপ কোন লাই-দেশ তলব করিতে এবং ঐরপে নির্দিষ্ট নিয়মান্ত্রসারে তাগ পরিবর্ত্তিত বা সংশোধিত করিতে পারিবেন।

১০ ধারা। লাইসেন্সপ্রাপ্ত ব্যক্তির এই আইন্মত কোন অপরাধ সাব্যস্ত হইলে গাইদেল বভিড বা বোর্ড ঐক্সপ কোন লাইসেন্স হাগত কবিবাব স্ব্যাতার কথা। একং কান লাইসেন্সের কোন নিয়ম ভঙ্গ হইলে উহা স্থগিত বা রহিত করিতে পারিবেন।

১১ ধারা। কোন ব্যক্তি বা কোন শ্রেণীর ব্যক্তি-मिश्रांक काटन्ड्रेस्त्र निक्रे लाई-লাইদেন্স ব্যতিরেকে লব-সেপ ব্যতিরেকে বিধির ণাক্ত মৃত্তিকা খনন, সংগ্ৰহ, নিৰ্দ্দিষ্ট কোন স্থানে লবণাক্ত বা স্থানান্তর কবিবার বা মিকটে বাখিবাব অনুমতি-মৃত্তিকা খনন, সংগ্ৰহ বা স্থানা-স্থাতক বিধি প্ৰাণয়ন কৰিবাৰ ন্তর করিবার কিম্বা নিকটে ক্ষ্ম গ্ৰাব কথা। রাখিবার অহমতি দিবার নিমিত্ত স্থান<sup>ীয়</sup> গবর্ণমেণ্ট সময়ে সময়ে বিধি প্রণয়ন করিতে পারিবেন।

এবং ঐরপ খনন, সংগ্রহ বা স্থানান্তরকরণ বা নিকটে রাখন কার্য্যের দীমা নির্দেশ ও ব্যবস্থা করিবার জন্য যেরপা উপযুক্ত বিবচনা করেন ঐ বিধিতে সেইরূপ বিধান করিতে এবং ঐরপে পাওয়া বা নিকটে রাখা লবণাক্ত মৃত্তিকার ষেরূপ ব্যবহার করা যাইতে পারিবে ভাহা নির্দ্ধিট করিতে পারিবেন। লবণের কাবধানা বা শুদামলাত করিবার অমু-মতিপ্রাপ্ত স্থান চইতে লবণ কোন বিধি প্রণাত হইয়া বা দোরা দ্থানান্তব করিবাব থাকিলে ভাহা মান্য করিয়া— কথা।

- (ক) গবণমেন্টের নিমিন্ত কিশ্বা বোর্ড হইতে গুদাম-জ্ঞান্ত করিবার অভ্নমতিপ্রাপ্ত কোন স্থানে চালান করিবার নিমিন্ত না হইলে, লবণ বা সোরা কোন লবণের কারখানা হইতে স্থানাস্তরিত করা যাইবে না। এবং
- (খ) কালেক্টর কিন্তা এতদর্থে বিশেষমতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত লবন রোজস্ব সম্পর্কীয় কোন
  কর্মচারী কর্তৃক প্রদন্ত পর্মিট অমুসারে
  না হইলে এবং মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত
  গবনর জেনরল সাহেব ভারতব্যীয়
  লবন বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইনমতে
  যে মাস্থল স্থাপিত করেন সেই মাস্থল
  ও কোন লবন সন্বন্ধে গবন্মেন্টকে কোন
  চার্জ দেয় হইলে সেই চার্জ প্রদন্ত না
  হইলে, গুদামজাত করিবার অমুমতিপ্রাপ্ত প্রেরপ কোন স্থান হইতে ঐ লবন
  স্থানাস্তরিত করা ঘাইবে না।

কাম নির্দেশ কবিয়া ও

ঐ ব্যাদে লবণ, লবণাতন
মৃত্তিকা ও দোরা স্থানান্তর
করণ, চালানকরণ, গুদামকোতকরণ, নিকটে রাখন
না বিক্রেফকবণের ব্যবস্থা
কবিয়া বিধি প্রণম্ম করিবার
কমতাব কথা।

- (ক) কোন কউমের বন্দরের চতুর্দ্ধিকে বা যে স্থানে লবণ বা সোরা পোঞ্জান হয় তাহার চতন্দিকে বেষ্টান করিয়া কোন স্থান নির্দেশ করিতে পারিবেন;
  - (খ) যাহা লবণোৎপাদক স্থান বলিয়া বিবেচিড হইবে এরূপ স্থান সকল নির্দেশ করিতে পারিবেন; এবং
  - (গ) ঐরপ কোন স্থান বা কোন কোন স্থানের মধ্যে লবণ, লবণাক্ত মৃত্তিকা ও সোরা স্থানান্তর করণের, চালান করণের, শুদামজ্জাত করণের, নিকটে রাখনের ও বিক্রয় করণের ব্যবস্থা করিতে পারিবেন।

১৪ ধারা । (১) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট ১৩ ধারার (গ)
দক্ষামতে প্রণীত বিধিক্রমে যে
পরিমাণ নির্দিষ্ট করেন কোন
পোর। চালান কবিবার বা ব্যক্তি ঐ ধারাস্থসারে নির্দিষ্ট
নিকটে ব্যধিবার সম্পন্ধে কোন স্থানের মধ্যে ভাহার
নিষ্দের কথা।

অধিক পরিমাণ লবণ, লবণাক্ত

মৃত্তিকা বা সোৱা---

(ক) ঐ লবণ ১২ ধারার (খ) দকাল্লসারে প্রদত্ত পর্মিট ক্রমে স্থানাস্তরিত হইতেছে কিম্বা এই ধারার (২) প্রকরণাত্মসারে প্রদত্ত বিশেষ পর্মিট ছারা রক্ষিত এইরূপ না হইলে; কিছা

(খ) এ লবণ, লবণাক্ত মৃত্তিকা বা সোরা কোন ভিশ্নদেশীয় বন্দর বা স্থান হইতে উক্ত স্থানের অন্তর্গত কোন বন্দর বা স্থানে আইনমতে আমদানী করা হইয়াছে এবং উহার উপার যে আমদানী মাম্মল আদায় হয় তাহা প্রদত্ত হইয়াছে বলিয়া কোন কস্টামের কর্মচারির স্থান্দরিত একখানি সার্টিফিকেট দ্বারা উহা রক্ষিত এইরপানা হইলে,—

চালান করিবেন না বা নিকটে রাখিবেন না।

(২) কালেক্টর কিশ্বা কোন ডেপুটী কালেক্টর বা আসিফান্ট কালেক্টর কিশ্বা এডদর্থে বিশেষমতে ক্ষমডা-প্রাপ্ত লবণ রাজস্ব সম্পর্কীয় কোন কর্মচারী যে ব্যক্তি-দিগকে উপযুক্ত বিবেচনা করেন তাঁহাদিগকে নিজ্বের ব্যবহারের জন্য অথবা ১৩ ধারাহ্মারে নির্দ্দিষ্ট কোন স্থান হইতে বাহির করিয়া লইয়া যাইবার জন্য ঐ ধারার (গ) দফামতে প্রণীত বিধিক্রমে যে পরিমাণ নির্দ্দিষ্ট হয় তাহার অধিক পরিমাণ লবণ নিকটে রাখিবার অহ্মতি দিয়া বিশেষ পর্মিট দিতে পারিবেন।

১৫ ধারা। (১) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট কলিকাতা গেজেটে বিজ্ঞাপন দিয়া এরূপ ব্যক্ত কোন কোন স্থানে লব- করিতে পারিবেন যে, সে লক্ষ্য ব্যক্ত করিবাব স্থমন বা সংগ্রহ করা হইয়াছে তাহী যদি ঐ বিজ্ঞাপনের লিখিত কোন স্থানের সীয়ালের মধ্যে দেখা মাম কোনা হইলে

কোন স্থানের সীমান্তের মধ্যে দেখা যায় তাহা হইলে বেআইনী বলিয়া বিবেচনা করা যাইবে।

(২) কোন ব্যক্তি ক্লযি কার্য্য বা ইমারতী কার্য্যের প্রয়োজনার্থ ভিন্ন (১) প্রকরণামুসারে বিজ্ঞাপিত কোন স্থানে লবণাক্ত মৃত্তিকা খনন বা সংগ্রহ করিবেন না বা নিকটে রাখিবেন না।

# চতুর্থ অধ্যায়।

তালাদ, গ্রেক্তার ও ধৃত করিবার ও বিচারের ক্ষমতার কথা।

মালিট্টেটেট তালাস করি-বার ওয়ারেণ্ট বাহিব করি-বার ক্ষমতার কথা। সন্তর্গত কোন স্থানে—

> (ক) এই আইনাম্নারে প্রদন্ত লাইসেপ ব্যতি-রেকে লবণ বা লোরা পোপ্তান করা, খনন করা, সংগ্রহ করা বা স্থানাম্ভর করা হইতেছে, কিম্বা,

- (খ) লবণের স্বাভাবিক সঞ্চয় আছে, কিম্বা
- (গ) বেজাইনী লবণগুদামজ্ঞাত করা বা লুক্কায়িত আছে—

এইরপ সংবাদ পাইয়া সংবাদদাতার শপথ বা প্রতিজ্ঞা পূর্বক জবান বন্দি গ্রহণ করিবার পর ঐ লবণ বা সোরা তালাস করিবার নিমিত্ত অথবা হুলভেদে ঐ লবণ সঞ্চয় পরিদর্শন করিবার নিমিত্ত ওয়ারেন্ট বাহির করিতে পারিবেন।

- (২) ঐরপ প্রত্যেক জ্ববানবন্দি লিখিয়া লইতে হইবে ও সংবাদদাতা ও মাজিফ্টেট কর্তৃক স্বাক্ষরিত হইবে।
- ১৭ ধারা। (১) যখনই এতদর্থে বিশেষমতে
  ক্মতাপ্রাপ্ত লবণ রাজস্ব সম্পক্মতাপ্রাপ্ত লবণ রাজস্ব সম্পক্মতাপ্রাপ্ত লবণ রাজস্ব সম্পক্রারেণ্ট বিনা তালাস
  করিবার ও গ্রেপ্তাব করিবাব
  ক্ষমতা দিবার কথা।

  ১৭ ধারা। (১) যখনই এতদর্থে বিশাস্ত্র নাকণ বাজস্ব সম্পক্রারেণ্ড বিনা তালাস
  করিবার করিবার করিবার করিবার করিবার করিবার করিবার

যে তাঁহার ক্ষমতাধীন কোন স্থানে —

- (ক) এই আইনাহসারে প্রদন্ত লাইসেন্স ব্যতি-রেকে লবণ বা সোরা পোগ্তান করা, খনন করা, সংগ্রহ কর, বা ছানান্তর করা হইতেছে, কিম্বা
- (খ) বেআইনা লবণ গুদামজাত বা লুকায়িত আছে—

এবং ডালাস করিবার ওয়ারেন্ট লইবার জন্য বিলম্ব করিলে উহার আবিকার ঘটিবে না, তিনি তখনই সাধ্যমত—

- (৴৽) যদি কোন সংবাদদাতা থাকে তবে তাহার নাম, বাসস্থান ও পৌশা।
  - (১০) যে স্থানে এবং যে ব্যক্তির নিমিত্ত বা যে
    ব্যক্তির কর্তৃক লবণ বা সোরা
    লইয়া বেআইনীমতে কার্য্য করা
    হইতেছে সেই স্থান যথায় ও
    সেই স্থানের বিবরণ এবং সেই
    ব্যক্তির নাম, এবং
  - (১০) উক্ত লবণ বা সোরার আহ্মানিক পরিমাণ ও প্রকার এবং তৎ-দম্বন্ধে কোন অপরাধ যে ক্বত হইতেছে তাহা বিশ্বাস করিবার হেতু—

লিপিবদ্ধ করিবেন এবং তদনম্ভর দিবাভাগে বা রাত্রিকালে যে কোন সময়ে ঐ স্থানে প্রবেশ ও তাহা তালাস করিতে পারিবেন,

এবং এই আইনমতে জব্দকরণ যোগ্য যে বেআইনী লবণ ও অপর দ্বব্য দেখিতে পান তৎসমন্তই ধৃত করিয়া লইয়া যাইতে পারি:বন, এবং ঐ লবণ বা সোরা পোপ্তান করিবার জন্য কিম্বা লবণ স্বতঃ উৎপাদিত করাইবার নিমিত্ত বা স্বতঃ উৎপাদিত হইবার সাহায্যার্থ ঐ স্থানে যে কোন ওয়ার্ক নির্মিত হয় তাহা নউ করিতে পারিবেন,

এবং ঐ লবন বা সোরার পোগ্তান, খনন, সংগ্রহ বা ছানাম্ভরকরণ কার্য্যে কিম্বা ঐরপ বেআইনী লবন শুদামজ্ঞাত বা গোপনকরন কার্য্যে সংস্পৃক্ত কোন ব্যক্তিকে গ্রেম্ভার করিতে পারিবেন।

(২) এই ধারামতে যে ব্যক্তিকে গ্রেফ্টার করা হয় কোন ইন্স্পেট্ররের নিকট তাহার হাজির হইবার জন্য যথেইরপ জামিন ডিপস্থিত করা গেলে তালাসকারী কর্মচারী তাহার জামিন লইবেন।

১৮ ধারা। লবণ রাজস্ব সম্পর্কীয় কোন কর্মচারী কিয়া পুলিস, ভূমি রাজস্ব বা ক্ষিত ও এত্যাৰ কবিবার ক্ষমভার কথা।
তার কথা।
তার কথা।
তার সংস্কৃতি সংস্কৃতি বিভাগের স্বাধারণের গ্রমনাগ্রমনের প্রে

কিম্বা বসতবাটী ছাড়া কোন খোলা জায়গায়—

- (ক) যে কোন ব্যক্তি, জল্মান, যান, জন্ত, বন্তা বা আবরণের নিকটে, মধ্যে বা উপরে এই আইন অনুসারে জন্স হইবার যোগ্য কোন বস্তু আছে বলিয়া তাঁহার সন্দেহ করিবার যুক্তিযুক্ত কারণ থাকে ভাহা ভালাস করিতে পারিবেন, এবং
- (খ) যে কোন বস্তু এই আইন অস্থ্যারে জব্দ হইবার যোগ্য বলিয়া তাঁহার বিশ্বাস করিবার কারণ থাকে ভাহা ধৃত ও আটক করিতে পারিবেন, এবং
- (গ) যে কোন ব্যক্তিকে এই আইন অস্থ্যারে দওনীয় কোন অপরাধ করিতে দেখা থায় ভাহাকে ওয়ার।ট ব্যভিরেকে গ্রেফ্টার করিতে পারিবেন।

১৯ ধারা। এই অধ্যায় অস্থ্যারে যে সকল তালাস তালাসও গ্রেন্ডাব যেকপে কবিতে হইবে তাহাব কথা যথাক্রমে কোজদারী মোকদ-মার কার্য্যপ্রশালী বিষয়ক / ১৮৮২ সালের আইনমতে ক্বত তালাস ও গ্রেন্ডার সহ-শ্বায় উক্ত আইনের বিধান অন্থ্যারে করিতে হইবে।

২০ হারা। (১) যে কোন কর্মচারী এই আইনমত কোন তালাস করেন কিম্বা এই আইন অহুথা জব্য তালাস বা আইনের বা এই আইন অহুপরীক্ষা করিতে হইবে তাহা যে ব্যক্তির নিকট থাকে সারে প্রনীত কোন বিধির কোন প্রবাদ্ধি হইলে ভাষার তাহা কোন প্রয়োজনার্থ কোন লবণ, করা থালাছর বা মৌজ্ত ক্রিমা করেন তিনি যে কোন ক্রিচে বাধ্য হইবার কথা।

স্কল্প, যান, জল্মবান, মাল বা

বন্তা তালাস করিতে ইচ্ছা করেন কিম্ব। যে কোন লবণ, লবণাক্ত মৃত্তিকা বা সোরা পরীক্ষা করিতে ইচ্ছা করেন তাহা যে ব্যক্তির অব্যবহিত দখলে বা কর্মৃত্বাধীনে থাকে তাহাকৈ অবিলয়ে ও ঐ কর্মচারী যে প্রকারে আজ্ঞা করা উপযুক্ত বিবেচনা করেন দেই প্রকারে—

- (ক) ঐরপ কোন জন্ম, যান, বা জ্বলয়ানের বোঝাই খালাস করিবার, মাল বা বস্তা খুলিবার এবং ঐশ্বপ কোন লবন, লব-শাক্ত মৃত্তিকা বা সোরা ওজন করিবার, কিয়া
- (ব) প্রশ্নপ তালাস, পরীক্ষা বা ওজন সমাপ্ত হইবার পুর্বের বা পরে প্রশ্নপ কোন জন্ত, যান, মাল বা বস্তা যাবং অন্য আদেশ না হয় তাবং কোন স্থবিধা-মত ছালে সরাইয়া লইয়া যাইবার কিয়া ঐ য়াল বা বস্তা কোন স্থবিধামত ছানে মৌজ্বদ করিয়া রাখিবার—

' আদেশ করিতে পারিবেন।

- (২) যদি উক্ত ব্যক্তি ঐরপ কোন আদেশ পালন করিতে অপারগ হন তাহা হইলে পূর্ব্বোক্ত কর্মচারী যে প্রকারে আদেশ করেন সেই প্রকারে ঐ জ্বন্ধ, যান, জলযান, মাল বা বস্তা ভারমুক্ত করাইতে, খুলাইতে, ছানাম্ভরিত করাইতে বা মোক্দ করাইতে পারিবেন কিছা ঐ লবন, লবনাক্ত মৃত্তিকা বা সোরা ওজন করাইতে পারিবেন, এবং উক্ত কর্মচারী উক্ত ব্যক্তির স্থানে ঐরপ করিবার শ্বনচা আদায় করিয়া লইতে পারিবেন।
- ২১ ধারা। (১) যখনই কোন ব্যক্তিকে এই
  অধ্যায়ের বিধানমতে এেজার
  কেলা হয় এবং ১৭ ধারার (২
  দিগকে ইনম্পেট্রেন নিকট
  পাঠাইবার কথা।
  করা না হয় তখনই যে ব্যক্তি

ভাষাকে খ্রেক্তার করেন তিনি তাহাকে অবিলয়ে সর্বা-পেকা নিকটছ ইন্স্পেট্ররের নিকট পাঠাইরা দিবেন কিলা যে স্থান যুক্তিযুক্তনত দুর ধদি সেই স্থানের মধ্যে কোন ইন্স্পেট্রর না থাকেন ভাহা হইলে ভাহাকে সর্বাপেকা নিকটন্থিত পুলিস ফেশনের ভারপ্রাপ্ত কর্মচারির নিকট পাঠাইরা দিবেন।

- (২) যখন কোন ব্যক্তিকে (১) প্রকরণমতে কোন পুলিস ফৌশনের ভারপ্রাপ্ত কর্মচারির নিকট পাঠান হয় তখন ঐ কর্মচারী সর্প্রাপেকা নিকটছ ইন্স্পেট্ররের নিকট সমনপ্রাপ্ত হইলেই হাজির হইবার জন্য ভাহার জামিন লইবেন কিলা যদি জামিন দেওয়া না হয় ভাহা হইলে স্বয়ং ঐ ব্যাক্তিকে হেফাজত করিয়া ঐ ইন্স্পেট্ররের নিকট পাঠাইয়া দিবেন।
- ২২ ধারা। (১) এই আইন অহুসারে দগুনীয়
  কোন অপরাধ করিয়াছে বলিয়া
  ইনশেষ্ট্রের কার্যা- অন্তিযুক্ত কোন ব্যক্তি কোন
  প্রবাদীর কথা।
  ইন্স্টেরের নিকট আনীত
  ইইলে কিশ্বা জামীনে তাঁহার সন্মুধ্যে উপস্থিত হইলে,

ইন্স্প্টের যেরপ তদম্ভ উপযুক্ত বিবেচনা করেন সেই রপ তদম্ভ করিবার পর হয়—

- (ক) ঐ ব্যক্তিকে ছাড়িয়া দিবেন, নয়
- (খ) বিচারাধিকারবিশিক্ট কোন মাজিক্টেটের নিকট উপস্থিত হইবার জন্য তাহার জামীন লইবেন, কিছা জামীন দেওয়া না হইলে তাহাকে হেকাজত করিয়া ঐরপ কোন মাজিক্টেটের নিকট পাঠাইয়া দিবেন।
- (१) কোন পুলিস ফেশনের ভারপ্রাপ্ত কোন কর্মচারী কোন ধর্ত্তর মোকদমার অহুসদ্ধান করণ সম্বয়ে
  কোজদারী মোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২
  সালের আইন অনুসারে যে সকল ক্ষমতা প্রিচালন
  করিতে পারেন ও যে সকল বিধানের অধীন হন এই
  ধারাহ্যায়িক কার্য্যাহ্নটানের প্রয়োজনার্থ ইন্স্পেট্রর
  তজ্প্য ক্ষমতা পরিচালন করিতে পারিবেন এবং সেই
  সকল বিধানের অধীন হইবেন।

কিন্তু অভিযোগ আর অধিক দূর চালান বাঞ্চনীয় নয় যদি ইন্স্পেট্রর কোন কারণে এরপ বিবেচনা করেন তাহা হইলে তিনি অভিষুক্ত ব্যক্তিকে কোন মাজিটেটের নিকট পাঠাইতে কিন্তা কোন মাজিটেটের নিকট তাহার উপস্থিত হইবার জন্য জামীন লইতে বাধ্য হইবেন না। ২৩ ধারা : (১) কোন ব্যক্তি এই আইন অনুসারে

যাহাদের সন্ধান সভাল দণ্ডনীয় কোন অপারাধ করিহয় ইনস্পেটরের একণ মাছে বলিয়া তাহার সম্বন্ধে
বাভিলিগতে সমন কবিবার কোন ইন্স্পেটরের সন্দেহ
করিবার কারণ থাকিলে ঐ
ইন্স্পেটর আপানার হেন্তু লিপিবদ্ধ করিবার পার ঐ
ব্যক্তিকে তাঁহার নিকট উপস্থিত হইবার জন্য সমন
করিতে পারিবেন।

(২) ঐরপ কোন ব্যক্তি ইন্স্পেট্টরের নিকট উপ-স্থিত হইলে, তাহার সম্বন্ধে ২২ ধারার বিধান অভ্সারে কার্য্য করিতে হইবে।

# পঞ্চম অধ্যায়।

প্রামের মণ্ডল ও অপর ব্যক্তিদের কর্ত্তব্যকর্মের কথা।

ধানের মণ্ডল ও কোন মাণ্ডল ও কোন বালের বিভাগে কর্মচানি-দের— অফীন, আবকারী ও বন বিভা-গের প্রত্যেক কর্মচারির পক্ষে...

(ক) এই আইনমতে দণ্ডনীয় কোন অপরাধ করিবার প্রভিপ্রায়ের কিন্তা ফ্রুড
এই আইন মতে দণ্ডনীয়
অপবাধেব স্থাদ দিতে
এবং
তাহা স্ব-ইন্স্প্রেরর নিন্ন
পদন্ত না হন স্বন্ধ রাজ্যস্থ
সম্পূর্কীয় এরূপ কোন কর্মচারিকে জ্ঞাপন করা,

- (খ) সাধ্যমত সমস্ত মৃক্তিবৃক্ত উপায় প্রয়োগ ধারা প্রস্নপ কোন অপরাধ নিবারণের ঐনপ অপরাধ নিবারণ নিমিত বাধা প্রদান করা ও উহা করিতে এবং নিবারণ করা, এবং
- (গ) লবণ রাজস্থ সম্পর্কীয় কোন কর্মচারির নিকট হইতে কোন মুটিস বা অন্থরোধ লবণ রাজস্ব সম্পর্কীয় কর্মচারিদের সাহায্য করিতে বাধ্য হইবার কথা।

  এই আইনের কোন বিধান কার্য্যে পরিণত করিতে সাহায্য

করা----

**অবশ্য কর্তব্য হইবে** ।

২৫ ধারা। যে সমন্ত মালিক, প্রজা, অধীন প্রজা

মালিক প্রভৃতির বে
জাইনী লবণ পোপ্তানের জ্বমী অধিকার বা ভোগ করেন
কৃষ্টিদ দিতে বাধ্য হইবার যাহার উপার কোন বেআইনা
কথা।

সবণের পোখান আছে তাঁহারা
ও তাঁহাদের এজেন্টেরা ঐ বিষয় অবগত হইবামাত্র, যুক্তিযুক্ত ওজর না থাকিলে কোন মাজিক্টেট কিছা লবণ বা
পুলিস বিভাগের কোন কর্মচারির নিকট ঐ বিষয়ের
মুটিদ দিতে বাধ্য হইবেন।

# यष्ठं अशु'य।

অপরাধ, দণ্ড ও ক্ষতিপূরণের কথা।

৮, ১২ ১৪ বা ১৫ ধাবা উল্লেখ্যন করিবাব, বেআইনী প্রথণ গ্রহণ বা রক্ষা করিবার, কিম্বা থিধি, লাইসেজ বা পর্মিট উল্লেখ্যন করিবার দণ্ডের কথা।

- (ক) ৮ ধারা বা ১২ ধারা উল্লন্ড্যন করিয়া লবণ বা সোরা পোখান বা ছানান্তর করে, কিয়া
- (খ) ৮ ধারা উল্লহ্মন করিয়া অফু ত্রিম লবণ বা লবণাক্ত মৃত্তিকা খনন, সংগ্রহ বা স্থানান্তর করে বা নিকটে রাখে, কিয়া
- (গ) ১৪ ধারা উল্লন্ড্যন করিয়া লবণ বা লবণাক্ত মৃত্তিকা বা সোরা চালান করে বা নিকটে রাখে, কিছা
- (খ) ১৫ খারার (২) প্রকরণ উল্লন্ড্যন করিয়া লবণাক্ত মৃত্তিকা খনন করে, সংগ্রহ করে বা নিকটে রাখে, কিছা
- (৬) এই আইন কি উপস্থিত সময়ের প্রচলিত
  অপার কোন আইন খারা বা আইন অমৃলারে তাঁহার প্রতি যে কোন ক্ষমতা
  প্রদন্ত হয় সেই ক্ষমতার পরিচালনক্রমে
  ভিন্ন কিছা যে কোন কর্তব্যকর্ম অপিত
  হয় তাহার সম্পাদনক্রমে ভিন্ন বেপাইনী

লবণকে বেআইনী জানিয়া বা বেআইনী করিয়া বিশ্বাস করিবার কারণ থাকিতেও ভাছা গ্রহণ করে কিশ্বা আইনসঙ্গত ওঙ্গর ব্যতিরেকে ভাছা রক্ষা করে, কিশ্ব

(চ) এই আইন অমুসারে প্রণীত কোন বিধি কিন্তা এই আইন অমুসারে প্রদন্ত কোন লাইসেন্দ বা পমিটের কোন নিয়ন উল্লন্ডন করিয়া কিছু করে—

তাহার ঐরপ প্রভ্যেক অপরাধের নিমিত্ত পাঁচশত টাকা পর্য্যন্ত জরিমানা কিন্তা ছয় মাস কাল পর্য্যন্ত ক রাদও বা উভয় দণ্ডই হইতে পারিবে।

২৭ ধারা। কোন ব্যক্তির পূর্বে ২৬ ধারামত কোন
অপরাধ কিছা লবণ বিষয়ক
২৬ ধারামতে বিভীয়বার
ও তাহার পর অপরাধ
লাব্যন্ত হইলে দভের কথা।
বিষয়ক
১৮৬৪ সালের আইনের ৫
ধারামত কোন অপরাধ সাব্যন্ত
হইবার পর উক্ত ২৬ ধারামত
কোন অপরাধ সাব্যন্ত হইলে. ২৬ ধারামত প্রথম কোন
অপরাধের নিমিত্ত যে দও হয় তদতিরিক্ত তাহার ছয়
মাস কাল পর্যন্ত কারাদও হইতে পারিবে।

এবং ঐরপ প্রত্যেক ব্যক্তির ২৬ ধারামত পরে কোন অপরাধ সাব্যস্ত হইলে তাহার ঠিক পূর্ববার অপরাধ সাব্যস্ত হইবার সময় সে যতকাল কারাদণ্ড প্রাপ্ত হইবার যোগ্য হইয়াছিল তদরিক্ত তাহার প্রত্যেক-বার হয় মাস কাল পর্যান্ত কারাদণ্ড হইতে পারিবে।

২৮ ধারা। যদি লবণ রাজস্ব সম্পর্কীয় কোন কর্মচারী কিছা প্রামের মণ্ডল কিছা
পুলিস, কইটম, আফান, আবকারী বা বন বিভাগের কোন
কর্মচারী—

- (ক) এই আইন বা এই আইন ত মুসারে প্রণীত কোন বিধি উল্লজ্জান করিয়া কোন কার্য্য করেন কিন্তা কোন কার্য্য না করিবার অপরাধে অপরাধা হন, কিন্তা
- (খ) কোন ব্যক্তির ক্ষতি করিবার বা বিরক্তি জন্মাইবার অভিপ্রায়ে এই আইন বা এই আইন অমুসারে প্রণীত কোন বিধিক্রমে তাঁহার প্রতি যে কোন ক্ষমতা প্রদত্ত হয় বিরক্তিজনকভাবে বা অনাবশ্যকমতে সেই ক্ষমতার ব্যবহার করেন,—

তাহা হইলে ঐরপ প্রত্যেক অপরাধের নিমিন্ত
তাহার পাঁচশত টাকা পর্যান্ত জরিমানা হইতে পারিবে।
২৯ ধারা। যে ব্যক্তি ২৫ ধারামতে হুটিস দিতে
বোজাইনী লবণ পোগ্ত:
নের মুটিস না দিবার দভের
কথা।

প্রবৃক্ত ঐ হুটিস না দেয় বা
দিতে বিলম্ব করে তাহা হইলে
তাহার পাঁচশত টাকা পর্যান্ত

कतियांना श्रदेख शांतित्व।

ত ধারা। দ্বিতীয় শ্রেণীর মাজিস্টেটের ক্ষমতার অন্যুন
ব্য মাজিপ্টেটদের কর্ত্ব এই আইনমত
ক্ষা। সমস্ত অপরাধ বিচরিত হইবে।
ত) ধারা। এই আইন ত কোন অপরাধ কৃত
হইবার পর ছয় মাসের মধ্যে
অভিযোগের হিয়ালের
তৎসহক্ষে কোন নালিস উপ-

আহ্য হইবে না।

4411

তং ধারা। কোন মাজিফ্টেটের নিকট এই আইন অন্নসারে কার্য্যান্নষ্ঠান হইলে, নিম্নলিখিত দ্রব্য, অর্থাৎ —

স্থিত করা না গেলে ঐ নালিস

- (क) मग्छ दिषाहें ने नदन;
- (খ) যে সকল জন্ত, যান ও জলযান বেআইনা লবণ বহন করিবার জন্য ব্যবস্থত হয় বা ব্যবস্থত:ইবার অভিপ্রায় থাকে তাহঃ;
- (গ) যে সকল মাস, বস্তা ও আবরণের ভিতর বা মধ্যে বেআইনী লবণ পাওয়া যায় ভাহা, এবং
- (ঘ' লাই সেব্দ ব্যতিরেকে লবণ, লবণাক্ত ই জিকা বা সোরা পোগুনি, খনন, সংগ্রহ বা ছানান্তর করিবার নিমিত্ত কিন্ধা এই আইনের বা এই আইন অনুসারে প্রণীত কোন বিধির বিধানের বিক্তমে অরুতিন লবণ কার্য্যে লাগাইবার নিমিত্ত যে সকল যন্ত্র, হাতিয়ার, পাত্র ও মাল মশলার প্রয়োগ করা হয় বা প্রয়োগ করিবার অভিপ্রায় থাকে তাহা

মোকন্দমার বিচারকারী।মাজিফ্টেটের আজ্ঞাক্রমে জন্দ করা যাইতে পারিগে

৩৩ ধারা। ৩২ ধারামতে জব্দ করিবার স্পাজ্ঞ। করা গেলে কালেক্টুর ৩৭ ধারার ক্ষ দ্রবা উদ্ধাব করি-বাব কথা।
(ভ) দকামুসারে যে কোন বিধি প্রণীত হয় তদধানে জব্দ দ্রব্যের

অধিকারীকে কালেক্টর যেরূপ জারমানা উপযুক্ত বিবেচনা করেন সেইরূপ জারিমানা দিয়া ঐ দ্রব্য উদ্ধার করিবার অনুমতি দিতে পারিবেন।

৩৪ ধারা। এই আইনক্রমে কিছা এই আইন অন্থ-সারে প্রণাত কোন বিধিক্রমে সরল ভাবে কৃত কার্যোর নিম্ম্ভ দণ্ড বা ক্ষতিপ্রণ দিতে না ছইবার কথা। কর্তব্যকর্ম অর্পিত হয় বা ক্ষমতা প্রদক্ত হয় তিনি ডদমুসারে

সরলভাবে কোন কার্য্য বা কোন আজ্ঞা করিলে সেই কার্য্য বা আজ্ঞার জন্য তাঁহার কোন দণ্ড হইতে পারিবে না বা কোন ক্ষতিপুরণ দিতে হইবেনা।

৩৫ ধারা। (১) পুর্বোক্তমত কোন কর্তব্যকর্ম বা ক্ষমতার ব্যপদেশে কিয়া ক্ষতিপ্রণেরক্ষম্য মোক্ষ পুর্বোক্তমত কোন কর্তব্যকর্ম বা ক্ষমতা অতিক্রম ক্রিয়া যে কোন কার্য্য করা হয় কিছা করা হইয়াছে বলিয়া আদালভ বিবেচনা করেন ভদ্ধারা অনিষ্ট হইয়াছে বলিয়া
কথিত হইলে ভদ্মিন্ত কোন ব্যক্তির পক্ষে কভিপ্রণার্থ
প্রত্যেক গোকদ্বমা—

- (ক) যে অনিষ্ট সম্বন্ধে নালিস হয় যদি সেই অমিষ্ট হইবার পর তিন যাস অতাত হইলে ঐ যোকদ্দমা উপস্থিত করা হয়, কিয়া
- (খ) যদি বাদী এক মাস পূর্ব্বে প্রতিবাদীকে যে অনিষ্ট সম্বন্ধে নালিস হয় তাহার প্রচুর বিবরণ সমেত মোকদ্দমা উপস্থিত করি-বার দিখিত স্থাটিস দিয়া না থাকেন— ভাহা হইলে ডিসমিস করা যাইবেঃ
- (২) ঐরপ প্রত্যেক মোকদ্বনার আরজাতে পুর্ব্বোক্তমত একটি স্থটিস যে প্রতিবাদীর উপর জারী করা হইয়াছে এছ কথা ও ঐরপ জারী করিবার তারিখ প্রকাশ থাকা চাই এবং প্রতিবাদা ক্ষতি প্রণার্থ কোন প্রস্তাব করিয়াছেন কি না ও করিয়া থাকিলে কি প্রস্তাব করিয়াছেন ইহারও ঐ আরজিতে উল্লেখ থাকা
- (৩) উক্ত মৃটিস যে সময়ে ও যে প্রকারে জারী করা হইল বাদী তাহা নির্দেশ করিয়া উহার একখানি নকলে পৃষ্ঠলিপি করিবেন কিন্তা ঐ নকলের সজে ঐ নির্দেশপত্র দিবেন এবং ঐ নকল আরজীতে সংযুক্ত করিয়া দিতে হইবে।

#### সপ্তম অধ্যয়।

#### বিবিধ বিধান।

কোন কোন কৰ্মচাৰীকে ৩৬ ধারা। ছানীয় গ্র্ক-বিশেষ ক্ষমতা প্রদান করি-বাব অধুমতিব কথা। প্রনাম করিন প্রদাতিব কথা। প্রদাতিব কথা।

- (১) লবণ রাজস্ব সম্পর্কীয় কোন কর্মচারির প্রতি---
  - (ক) ১২ ধারার (খ) দকা অহুসারে পর্মিট দিবার;
  - (খ) ১৪ ধারার (২) প্রকরণ মতে বিশেষ পর্মিট দিবার; কিছা
  - ্গ) এই আইন মতে দণ্ডনীয় অপরাধের অভিযোগের বিচার করিবার—

বিশেষ মতে ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেন ; কিছা

(২) লবণ রাজস্ব সম্পর্কীয় কোন কর্মচারিকে কিছা পুলিস, ভূমিরাজস্ব বা কন্টম বিভাগের কোন কর্মচারিকে ১৭ ধারাজমে অদন্ত সমস্ত বা কোন ক্ষমতা পরিচালনার্থ বিশেষ ক্রিয়া ক্ষমতা প্রদান ক্রিডে পারিবেন। ৩৭ ধারা। স্থানীয় গবর্ধমেন্টকে ইন্ডিপূর্কে যে সমস্ত বিধি প্রণয়ন করিবার সাধা-বণ ক্ষম চাব কথা। প্রদক্ত হইয়াছে ঐ গবর্ণমেন্ট ভদতিরিক্ত সময়ে সময়ে নিম্ন-

লিখিত সমন্ত বা কোন বিষয়ের ব্যবস্থা করণার্থ বিধি প্রণয়ন করিতে পারিবেন, অর্থাৎ ঃ—

- (ক) কোন খালাড়ীতে বা কোন খালাড়ী হইতে লবণ বা দোরা পোখান, জমা গুদাম-জাত, বিক্রয় বা ছানান্তর করণের:
- (খ) যাহার উপর মাস্থল দেওয়া হয় নাই এরপ লবণ জ্বমা বা গুলামজাত করণার্থে ব্যব-হান কোন খেরা স্থানে বা কোন যেরা স্থান হইতে লবণ বা সোরা জ্বমা, গুলাম-জাত ও স্থানান্তর করণের;
- (গ) এই আইন অন্থসারে যে কোন লাইসেপ্য পর্মিট, পাস, সার্টাফকেট, দাখিলা, রওয়ানা বা ঐরপ কোন দলিল প্রদত্ত হয় বা বাহির হয় তাহার জন্য যে ফী চার্জ করিতে হইবে তাহার;
- (ঘ) ধৃত বা জব্দ করা দ্রুব্যের বিলি ব্যবস্থার ও গোয়েন্দা প্রভৃত্তিকে পুরস্কার দিবার ;
- (ঙ) লবণের উপর মাহল দিবার;
- (চ) এই আইন অনুসারে লবণ রাজস্ব সম্পর্কীয় কর্মচারিদের ক্বত আছ্রোর উপার যে সকল স্থলে, যে কর্মচারিদের নিকট ও মে সকল নিয়মাধানে অপৌল হইতে পারিবে তাহার:

- (ছ) আমদানী করা লবণ ব্যবসায়ীদের ও আব-কারী লবণ পোগুনকারীদের সংখ্যা, পরিমাণ ইত্যাদি সম্বলিত যে সকল রিটণ দিতে হইবে তাহার;
- (জ) সাধারণতঃ, এই আইনের বিধান কার্য্যে পরিণত করণের।

তদ ধারা। (১) ছানীয় গবর্ণনেন্ট এই আইনক্ষিন পাড়লেখ্য প্রকাশ
ক্ষণের কথা।
বার পুর্বেষ প্রস্তাবিত বিশির
ছারা যে ব্যক্তিদের ক্ষতির্ভির
হইবার সম্ভাবনা তাঁহাদের অবগাতর নিমিন্ত উহার
একখানি পাণ্ডুলেখ্য প্রকাশিত করিবেন।

- (২) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট যে প্রকার আদেশ করেন উক্ত পাণ্ডুলেখ্য সেই প্রকারে প্রকাশিত করিতে ইইবে।
- (৩) যে তারিখে বা যে তারিখের পর ঐ পাণ্ডু লেখ্য বিবেচনা করিয়া দেখা হইবে তাহা নির্দ্দেশ করিয়া ঐ পাণ্ড্লেখ্যের সহিত একখানি হুটিস প্রকাশিত করিতে হইবে।
- (৪) ঐরপে নির্দিষ্ট তারিখের পূর্ব্বে স্থানীয় গবন-মেন্ট কোন ব্যক্তির নিকট হইতে ঐ পাণ্ডলেখ্য সম্বন্ধে কোন আপত্তি বা পরামর্শ প্রাপ্ত হইলে তাহা বিবেচনা করিয়া দেখিবেন।

৩৯ ধারা। এই আইন অনুসারে প্রাণীত সমস্ত বিধি
কলিকাতা গেজেনে প্রকাশিত
বিধি চূড়াভরূপে প্রকাশ
করা যাই ব এবং বিধিগুলি
বে যথ,রাতি প্রাণীত হইয়াছে
প্রসাপ প্রকাশিত করাই তাহার সিদ্ধান্ত প্রমাণ হইবে।

#### অভিপ্রায় ও হেনুব বিবরণ।

এই পাতুলিপিখানির প্রধান উদ্দেশ্য এই এই :--

- (क) রওয়ান। প্রণালী রহিত করণার্থ বিধান কর। :
- (খ) বল্লদেশের গবর্ণমেণ্টকে উড়িষ্যার লবণ বিভাগের কার্য্যনির্কাহভার পুনর্কার গ্রহণ করণার্থ সক্ষম করা; এবং
- (গ) আইনে এরপ কয়ে ফটি পরিবর্ত্তন ক। যাহা ভূরোদর্শনক্রমে সবণ রাজ্ঞস্থের হিতার্থে আইনে সন্ধিবেশিত করা আবশ্যক বলিয়া দৃষ্ট হইয়াছে।
- ২। এই কারণে ১৮৬৪ সালের বঙ্গায় ৭ অংইনটি পাণ্ডলিপির দ্বারা রহিত করা হইল। ১৮৭৩ সালের বঞ্চায় ১ আইন দ্বারা সংশোধিত উক্ত আইন পাটনা, ভাগল পুর ও উড়িয়া। বিভাগ এবং কলিকাতা নগর ছাড়া সমস্ত বঞ্চদেশে এক্ষণে প্রচলিত আছে। প্রথমোক্ত স্থানগুলিতে ১৮৮২ সালের ১২ আইনটি প্রচলিত হওয়াতে তথায় প্রবেষ্ধিক আইনটি আর বলবৎ নাই।
- ত। ত (ক ধারায় 'লবন' শব্দের যে অর্থ নিদেশ করা ছইয়াছে তাহা ১৮৬৪ সালের বজীয় আইনের ত ধারার প্রদক্ত অর্থ অপেকা বেশা ঠিক ও সম্পূর্ণ এবং 'যাহা খাদ্যের সহিত ব্যবহৃত হয় বা ব্যবহৃত হইবার অভিপ্রায় খাকে' এই নিয়মটী নৃত্ন অর্থ নির্দেশক্রম রহিত হওয়ায় 'লবন' শব্দের অর্থের প্রসর রিক্তি ছইয়াছে।
- ৪। ৩(৪) ধারায় 'বেজাইনা লবণের' যেরপ অর্থ করা হইয়াছে তাহাতে লবণাক্ত মৃত্তিকাও উক্ত শব্দ ছয়ের অর্থ মধ্যে গণ্য হইবে। লবণাক্ত মৃত্তিকা খাদ্যের সহিত ব্যবস্থত হয় না বা ব্যবস্থত হইবার জন্য অভিপ্রায় থাকে না বলিয়া ১৮৬৪ সালের বক্ষায় আইনের ৩ ধারায় প্রদত্ত ''লবণ' শব্দের অর্থ মধ্যে গণ্য হয় না।

- ৫। শিরিতা ও কর্ড বিষয়ে ১৮৬৪ সালের বঙ্গীয় আইনে যেরপ বিধান আছে ৪ ছইতে ৭ পর্যান্ত ধারাগুলিতে তাহার অপেক্ষা অধিকতর সম্পূর্ণরূপ বিধান করা ছইন। ঐ তুইটী বিষয়ে উক্ত আইনটি অসম্পূর্ণ বিদান করা ছইন। ঐ তুইটী বিষয়ে উক্ত আইনটি অসম্পূর্ণ বিদান করা ছইন।
- ৬। ৮ হইতে ১৫ পর্যান্ত ধারাগুলি লবণ বিষয়ক বোদ্বাই ও মাক্রাজের আইনের রুদ্ধ রুদ্ধ বিধান অবলয়ন করিয়া প্রণীত হইয়াছে। উক্ত ধারাগুলির দারা অফুত্রিম লবণ ও লবণাক্ত মৃত্তিকা কিন্তা সোরার পরিমাণ যতই হউক না. তৎসম্বন্ধীয় কার্য্যের কর্তন্ত করিবার ক্ষমতা প্রদত্ত হইয়াছে।
- ৭। কউমের বন্দর এবং লবণ বা সোরার কারখানার নিকটবর্তী ছানে লবণের চলাচলের ব্যবস্থা করণার্থ ১২ ও ১৬ ধারা হুইটিতে ক্ষমতা রক্ষিত হুইয়াছে।
- ৮। ১১ ধারামতে প্রণাত বিধি অনুসারে না হইলে কোন পরিমাণ লবণাক্ত মৃত্তিকাই নিকটে রাখা হাইতে পারিবে না ৮ ধারায় এই যে কঠোর নিষেধাত্মক ব্যবস্থা আছে শ্রীযুত লেন্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব দাঁড়ামত হকুষ দিয়া যাহাতে সেই ব্যবস্থার কঠোরতা হ্রাস করিতে পারেন ১১.১৩ ও ১৪ ধারায় এইরপ বিধান করা হইয়াছে। পালা লবণ বিক্রয়ার্থ পোপ্তান করিবার জন্য যে ব্যক্তিরা বছ পরিমাণে লবণাক্ত মৃত্তিকা সংগ্রহ করে তাহাদেব বিরুদ্ধে মোকদ্দমা করিবার ক্ষমতা রক্ষা করিয়াও দরিদ্র শ্রেণীদের বর খরচের জন্য যে অম্পা পরিমাণ লবণাক্ত মৃত্তিকার প্রয়োজন হয় লবণোৎপাদক স্থানের অধিবাসীদিগকে তাহা নিকটে রাখিবার অনুমতি এই সকল ধারান্সসারে দেওয়া যাইতে পারিবে।
- ১। মাস্রাজে লবণ সম্পর্কীয় কর্মচারিরা ভালাস. পরিদর্শন, ধ্বতকরণ, গ্রেজ্ঞারকরণ, ভদন্তকরণ, জামিন
  লওন ও ছাড়িয়া দেওন সম্বন্ধে যে সকল ক্ষমতা পরিচালন করেন ১৬ হইতে ২৩ পর্যান্ত ধারাক্রমে লবণ রাজস্ম
  সম্পর্কীয় কর্মচারীদিগকে সাধারণতঃ তদত্তরপ ক্ষমতা প্রদন্ত হইয়াছে। বিশেষ জ্ঞকরি ছল ভিম্ন কোন মাজিস্টেটের
  নিকট ওয়ারাণ্ট লইয়াই কেবল ভালাস করা খাইতে পারিবে। যে ছলে ঐরপ ওয়ারাণ্ট লওয়া না হয় সে ছলে
  কর্মচারী যে সম্বাদ পাইয়া কার্য্য করিলেন তাঁহাকে ভাহা লিপিবদ্ধ করিতে হইবে।
- ১•। পাণ্ট্লিপির অবশিষ্ঠাংশে কেবল কতকগুলি অতিরিক্ত বিধান আছে। এই গুলির অধিকাংশই ভারতবর্ষীয় লবণ বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন এবং লবণ বিষয়ক মান্দ্রাজ ও বোম্বাইয়ের আইন অবলম্বনে প্রণীত হইয়াছে।

এচ্. এচ্, রিস্লী। বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

১৮১१ मान, ५३ क्लारे।

CHUNDER NATH BOSE,

Benguli Transator.



# গবর্ণমেণ্ট গেজেট।

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৮ শে সেপ্টেম্বর।

#### সপ্তম খণ্ড।

হাই কোর্টের ও রেবিনিউ বোর্ডের সাধারণ জ্ঞাপনপত।

বঙ্গদেশের অন্তর্গত কো**র্ট** উইলিয়মস্থ হাই কো**র্টের আদেশমতে প্র**চারিত সরকূলর অর্ডব।

[किमाती]

२ बः। তারিখ ১৮৯৭ সাল २৭ এ জাগাই।

ছাই কোর্টের (কেজিদারী) সাধারণ বিধি ও সরকুলর অর্ডর পুস্তকের ৫১ পৃষ্ঠার ১ অধ্যায়ের ৬১  $\Lambda$  বিধির পর নিম্নলিখিত বিধিটী সন্ধিবেশিত করিতে ছইবে :—

#### সামরিক পেন্সন প্রাপ্ত দেশীয় ব্যক্তি।

৬১ B। [ অপরাধ সাব্যক্ত হওয়ার পর সামরিক পেন্সন্থাপ্ত দেশীয় ব্যক্তির উপর দণ্ডাজ্ঞ।—
১৮৯৭ সালের ২ রা আগফ তারিখের ২ বং সরকুলর অর্ডর।] মাজিস্টেটেরা সামরিক পোন্সনপ্রাপ্ত
দেশীয় ব্যক্তিদিগের ক্বত অপরাধের নিমিত্ত দণ্ডাজ্ঞা প্রদান করিবার সময় অপরাধ সাব্যক্ত হইলে ঐ
পোন্সনপ্রাপ্ত ব্যক্তিগণ পোন্সন রহিত হওন স্বরূপ অতিরিক্ত দণ্ডেরও অধীন হইবে অনেক সময় তাঁহাদের
এই বিশ্বাসের উল্লেখ করিয়া থাকেন এবং এই বিষয় বিবেচনা করিয়া অপরাধীদিগকে কিরপ
কঠোর দণ্ড দিবেন ভাহার নিম্পত্তি করিয়া থাকেন, এ কথা হাই কোর্টের গোচরে আনীত হইয়াছে।
মাজিস্টেটদিগের এই কার্য্যপ্রণালী ঠিক নহে। কারণ যে সকল পোন্সন প্রাপ্ত ব্যক্তির ঐরপে অপরাধ
সাব্যক্ত হইবে তাঁহাদের পোন্সন নিশ্চিতই রহিত হইবে এই কথা ধরিয়া লইয়া ঐরপ কার্য্যপ্রণালী
জন্মত হয়। ভার ত্বর্ষের সেনা বিষয়ক ব্যবহার ১ বালমের ২ খণ্ডের দেশীয় সৈনিক সম্বন্ধ

"প্রভ্যেক পেকার ভাবতঃ এই নিয়মে প্রদন্ত হয় যে পেকারধারী ভবিষাতে দদাচবণ করিবেন। পেকারধারী কোন ভ্রুতব অপরাধে অপরাধী দাবান্ত হইলে কিয়া বিশেষ অদদাচরণ দোহে দোবী হইলে দক্ষ্পিকিশে বা আংশিকভাবে পোকার আটকাইয়া রাখিবার বা বহিত কবিবাব স্বাভ্যুত্ব গ্রাথিবার বা বাহিত কবিবাব স্বাভ্যুত্ব গ্রাথিকা।"

পার্শেদ্ধ ও ৯১৬ আর্টিকেল অমুসারে এই সকল বিষয়ের ব্যবস্থা হয় এবং ঐ আর্টিকেলের শব্দের প্রতি মাজিস্টেটনের মনোযোগ আকর্ষণ করা যাইডেছে। কোন হলে পেন্সন কমাইয়া দিতে হই ব কি না এই কি না অথবা পেন্সন সম্পূর্বভাবে রহিত করিতে হইবে কি না এই বিষয়ের নিপান্তির সম্পূর্ব ভার এই আর্টিকেল অমুসারে গবর্ণমেন্টের ছভে আছে এবং এই বিষয় নিপান্তি করিবার সময় আদালত এতোক ছলে প্রকৃত পক্ষে / দণ্ডাজা করেন গবর্ণমেন্ট তাহা যথাযধরে প্রতিবিচনা করিয়া দেখেন। স্থতরাং এরপ ফলে পোন্সন রহি প্রত্রায়ে অপরাধ্ব সাব্যক্ত হওয়ার নিশ্চিত ফল ইহা যেন মাজি

ফ্রেটেরা ধরিয়া না লন।



# गवन्यन् कार्डि

TUESDAY, SEPTEMBER 28, 1897.

# मञ्जलवात, ১৮৯१ माल २৮ म्हिश्त ।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्ट्रेय थन्छ।

ই ভিহার এডডি

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাহার।

#### জ্ঞিলা চট্টগ্রাম। ইন্তিহার নামা কাছারি কালেক্ট্ররী জ্বিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জ্ঞানান যাইতেছে যে, ১৮৯৭ ইং ২৫ মে শেষ তারি:খর অনাদায় ১০) টাকার ঊর্দ্ধ জ্ঞমার নওয়াবাদ ও খাষ তরফ তালুকাদির বাকা খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মর্ম্মাতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ বাং তাং ১২ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার নিলামের দিন ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রর কাছারিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

	. ==			erren					
				<b>স</b> কর	⇒মা⊹	41	কীৰ পৰিমাণ		
ক্রমিক নখরু।	তালুকার নপর।	মৌজা, থানা, মহাল ও তালুকাব নাম।	মালিকেব নাম।	<b>শা</b> শানা।	ছেই ৷	থাঙ্গন।	( <b>55</b> i	মোট।	মপ্তব্য
	₹	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	8	à	•	9	<b>.</b>	۵	<u>.</u> .
3	5.708 442	মেছাল নাকলিয়া থানা সহর মহাল নওয়াবাদ।— তাং আহাম্মদ আলী ও মাহাং ইছপ ও কোর্ব্বান আলী ও আজগর আলী ও শ্রীমতী স্থরবিবি।			4 061/6	O6  •/\$	>\b 1•⁄•	€ U   à	
			1114 1 511 1 .		1	1			_

CHITTAGONG COLLECTOBATR,

The 22nd September 1897.

F. P. Dixon,

For Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম।--ইন্ডিহার নামা কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইংছারা জানান ঘাইতেছে যে ১৮৯৬ ইং ২৬ ভিসেম্বর শেষ তারিখের অনাদার ৫০) টাকার উর্দ্ধ জনার নওয়াবাদ তালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেছ আদারের নিমিত্ত ১৮৯৭ সাং ৬ এপ্রিল তারিখে নিলাম হইয়া তদাদ্দরে যে সমস্ত তালুকা বায়না জব্দ হইয়াছে দেই সমস্ত তালুকাদির বাকী আদারের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ও ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সাং ১১ আইনের ৬ ধারার মর্ম্ময়তে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ সালের বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার শার্ম্যে জিলার কালেক্ট্রী কাছারিতে প্রকাশ্য ছানি নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৬৯৭ ইং ভাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

ক্ৰ মিক	তপুকার নহর।	মৌৰা খানা, মহাল ও		সদ্ব জনা।		ৰাকী।			
मभ्र ।	उर्गाप्त न वंत्र ।	তানুকার নাম।	মালিকের নাম।	খান্সানা।	(इह।	थाओग।	ছেছ	মোট।	मच्चर
٥	₹	9	8	α	4	1	<b>b</b>	۵	<b>5•</b>
	8676	মোজে জ্জখনা থানা কটীকছ্বী মহাল নওয়া- বাদ।				 			
7	२७४१४	তালুক এয়ার আলি খাঁ,	ওবেদর রহমান খাঁ	२७88,	36640	! ৬ <b>৯</b> ৩,	والعاون	900120	
	166	হাং তাং ওবেদর রহ-	ও মেহের আলি		. /	! /			1
	7482	यान याँ।	र्था ।			1			

The 22nd September 1897.

For Collector.

#### जिना मूत्रामाताम ।-- अभिमाती विकासत विकालन !

#### ১৮৯৭ সালের ছ্ব কিন্তির বাকির জন্য।---

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এজদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মুরশিদাবাদ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলিবা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিভ আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিন্ত ১৮৯৭ সালের ২৮ সেপ্টেম্বর যোং ১৩০৪ সালের ১৩ আখিন তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ননাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিন্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

\$	2	9	8	Ġ	•	9	•	•
<b>তে</b> । মধুর ।	মহাল ও শ্রগণার নাম :	সম্পূর্ণ মহা- জেব সদর কমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় ছইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হ <b>ইলে</b> ঐ অংশ বা ঐ২ অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ- মাত্র বিক্রয় হটলে ঐ অংশের সদর জম।।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় স্ইলে তাহাৰ বাকী।	
	চর <b>ছেতানী থানা</b> বজুয়া।	• II & R P	नियूनस		ধনেশ প্রকাশ গান্থুলী সাং কলিকাডা নং ১ প্রসন্ন কুমার ঠাকুরের ফ্রীট।		٠.	•••••

OPENDRA CHUNDRA MOZUMBAR,

Collector.

किना हो। द

# हेकाशत मामा काष्ट्रात्री काल्मड्रेती किमा ठऐग्राम।

ইহাক্ষারা শংবাদ দেওয়া যাইভেছে যে ১৮৬৮ সালের ৭ জাইন ও ১৮৭১ সালের ২ জাইনের বিধান্যতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মুর্যারে নিমলিধিত ভালুকাদির ১৮৯৭ ইংরেজী ২৫শে যেই স্ব্যান্ত পাৰ্যন্ত বাকি পাতা শাজানা ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৭ ইংরেজী ২১ অক্টোবর মোডাবেক ১৩০৪ বালালা ৫ কাত্তিক রোজ রহস্পতিবার জিলা চট্টাপামের কানেকুরী কাছারিতে একাশ্য শিলাথে ধরা যাইবে,। ইতি ১৮১৭ ইংরেজা তারিখ ১ সেপ্টেম্বর।

जासरक्व बन्धन	क्षांत्र, (मांचा क किविश्वक्षित ग्राम	LICE EXACTLY A	B. #.	ir b	,	त्राकी		
			<b>1</b>		थामाना	<b>8</b> 8.	(a)	में केंद्रियों
_	~	Đ	on .		æ	-	ه.	A
7 000	ধানা কাভকাণিয়া হাল বাস- খালী মোজে ছোট ছম্য়া মহল নয়াবাদ তাং ছোট ছম্য়া।	বাৰু যোগোশ চন্দ্ৰ রায় ষ্ঠেট পাক্ষে রায় কৈসাস চন্দ্ৰ দাস বাহাতুর জেনেরস মানেজার।	9 8 8 8	9/69 8	- <del>-</del> <del>-</del> <del>-</del> <del>-</del> <del>-</del> <del>-</del> <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> - <del>-</del> <del>-</del> - <del>-</del>	n)	<u>ক্র</u>	2 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4
								১১.০৪   ০৫ হুৰ্ত্তে ৬৪.৪৬, ১৯১৩   ১৪ ক্ৰিক ১৯১৪   ১৫ হুৰ্ত্তে ৬৭৪   १०
- 2	থানা সাতকাণিয়া হাল বাস- খালী মেজিক পুইছুরী মহাল নয়াবাদ ডাং ক্লয়র্জিত।	গোলোক চন্দ্র সিকদার পিং রাম্সেবক সিকশ্র সাং কলাউজান।	ે પ્ કો. (જે કે)	9-1-4- 5-6-1-4-	3/0/5	:	<b>3/61%</b> P	১১২৫ ইপ্রক
00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	थांना माञ्काविह्या हाल दाम- थांनी त्यीत्क पृहेक्वी यहान नग्नादाम छार त्यावात्वक ब्यानो दृष्टा व्यानी।	আনোয়ার আলী পিং বন্ধা আলী ও হামিদ উলা চেং। অয়ং ও নাবালক ভাতা হৈছ্যদ উলা, আজ্মলা ভাগি হৈয়দমিছা, জমিলা খাডুনের পক্ষে হিং আজ্ঞ- মলা খা, মতিয়র রহমান হয়ং ও নাবালক এজাহার মিঞার পদেক হিং।	(ગુગુલ ૧	9 8 8 8		a/1945	316.476	5   1   2   2   2   2   2   2   2   2   2

:	:	: :
\$\/!sas	۲)48	C 6098
<u>:</u>		:
<b>२</b> /॥ <b>१</b> ९९	٤٠٨	e > 0 0 0
3/11/3/	·/   ชจ	9
6095	60319.	a > > 40 ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° °
ইং থানা সাভকাশিয়া হাল বাস- কল্পন্ন আলী শিং মন্ত্ৰন্ন জালী চৌং সাং তৈলান্ত- ১৬০৭১ ১৬১॥/৬ ১৬৬॥/২ ।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।	৪১৭ পানা সাতকাণিয়া হাল বাস্থালী নেজামত জালী পিং মাহাং রক্ষি সাং বারখাইন মেজি চাধল মহাল নয়াবাদ তাং আবহুল মজিদ।	ধানা সাতকাণিয়া মোজি রাজচত্র সেন পিং রাজকিশোর সেন ও বংশীমোহন ৫১১৬/৬ চূড়ামণি মহাল নয়াবাদ তাং সেনের পাক্ষে ওয়ারে জেনেরল ম্যানেজার। মহেশ চন্দ্র, চৈতন্যচরণ। কৈলাস চন্দ্র দাস বাহাহ্র জেনেরল ম্যানেজার।
শালা সাতকাণিয়া হাল বাস- শালী মেজি চাম্বল মহাল ন্যাবাদ তাং ভাজমিছা	ধানা সাতকাণিয়া হাল বাসধালী মেজি চাম্বল মহাল ন্য়াবাদ ভাং আবহুল মজিদ।	শানা সাতকাণিয়া মেডিজ চূড়ামণি মহাল নয়াবাদ তাং মহেশ চন্দ্ৰ, চৈতন্যচরণ।
* 8	4 4 4	# 9.

CHITTAGONG COLLECTORATE, | In 3rd September 1897.

J. Phillimore,
Offy. Collector.

#### ইস্তাহার নামা কাছারী কালেইরা জেলা চট্টগ্রাম।

ইহার বারা জানান যাইতেছে যে এই কাছারী সংক্রাপ্ত নিম্নলিখিত তালুকাদির ১৮৯৭ ইং সনের ২৫শে মেই শেষ তারিখের ।কৌ পড়া খাজানা ও ছেচু আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫২ সালের ১১ দাইনের ৬ ধারার মর্থাস্থপারে ১৮৯৭ ইং সনের ২০ অক্টোবর যোতাবেক ১৩০৪ বাং সনের ৪ কার্ত্তিক রোজ বুধবার জেলা চট্টগ্রাম্ দালেট্টর কাছারিতে বিনা ওজ্পরে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইং তারিখ ২৪ আগন্ট।

মম্বর	ও মহাল।			বার্ষিক	ভযা।		বাকী।		
न्द (त्रर नचत्र।	ভালুকের নম্বর I	থামা, মৌশা ও মহাজের নাম।	মালিকের নাম।	খাজানা।	त्रहा	शकामा।	<b>ए</b> ह।	(मांहे।	মস্থব্য
3	₹	٠	8	ŧ	•	9	•	•	١٠
re	545	ধানা রামুমোজে ধুরুলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক খএরুজা।		& 9 &I &	ሁ <b>ል</b> ቀ∘	च्यून र ७१७।०/०	ইং স 1কি। ১৯৮	)• <b>२७</b> (७	
₽ß	344	থানা রামু মৌজে খুরুলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক বকুসালি।		/ (إماموا	<b>ે</b> રાાહ	20°00 20°00	ه م الا • ال	, <b>१</b> ८৯(১	
	<b>)</b> 6¢	থানা রামু মোজে উত্তর মিঠাছড়ি মহাল নয়াবাদ ভালুক রম্ভম আলী।	আমির বাহু চৌধুরীয়া	3.9310	344/	80)4	8 • II e) «	888100	
99	२७१	ধানা রামু মোজে খুটা- খালী মহাল নয়াবাদ ভালুকমোবারক আলী।	জামিলা খাতুন আহা- লিয়ে মৌলবি আ <b>জ-</b> মলা খাঁ সাং হারবাল		• ⁄اد ٥٥	<b>२</b> 3 <b>2</b> )   	७७५०	२8४५७	
) <del> </del>	₹@•	থানা রামু মেজি ভারুয়া- খালী মহাল নয়াবাদ ভালুক মাহাক্ষদ রাজা।	মেলিবী মহন্বতালী ও ছৈয়দ আলী পিং আনমার আলী চেং সাং পাতলী মাছুয়া- খালী ওগয়রহ।	& & o     o	383 h/V	\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \	891/•	728119°	
११२	<b>२</b> १ १ १	থানা চকরিয়া খোঁজে ভেওলামাণিক চর মহাল নয়াবাদ তালুক বিবি ভাাক।	আসমত আলী জাহা- বন্ধ পিং মাগন আলী সাং হরিণা ধানা সাতকাণিয়া।		3 4 bil/ a	<b>¢</b> ዓዓ <sub>ቃ</sub> ⁄	a (5 (5 ) =	<b>७७७</b> /∙	
<b>₹</b> ₩0	२ <b>५</b> ०	ধানা চকরিয়া মেডিজ সিলখালি মহাল নয়াবাদ তালুক বিবি ম্প্রাক।	গোলনেছ নিছা, বস- কিচ বিবি নাবালকা কন্যা ও সেখ মাহা- স্থাদ কালু চোং সাং জলদি ওগয়বহ।	१३५। ४०		কিন্তীর ৬০৬ ৮৮/৩	সেপ্টে- ডিসেম্বর বাকি। ৩০॥-	   ૧હહા/ <b>/</b> ১	
(beb	१४  <b>१०४</b> 8५8  <b>१</b> ५०	থানা চক্রিয়া মৌজে। টেটং মহাল নয়াবাদ ভালুক হরিদাস বহ- দার।	. এৰ্সাদ আলী চৌং পিং সেখ মাহান্ধদ জমা সাং তৈলারদ্বীপ ধানা বাঁশখালী।	460)	797IAR		• دنیه ه ی ه ۱۹۷ی	₹88 W •	

#### জিলা চট্টগ্রায।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিধিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজত্বর ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত সন ১৮৯৭ ইংরেজির ২৬শে নবেশ্বর তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ১৮ সেপ্টেম্বর ।

3	<b>\</b>	• .	6	t	8	9	b	>
তৌঞ্জর নম্বর I	ম্হাল ও প্রস্থার নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর ক্ষমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিধবণ।	যে সম্পত্তি বিক্রন্ন চইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছইলে ঐ অং- শেব সদব ক্ষমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয হইলে ডাহাৰ ৰাকী।
₹°₹ 3°59 3₹ <b>₩</b> ₹	থানে শাতকানীয়া মোং গারাজীয়া তংমোং গারাজীয়া বাং তং মঞ্চত রাম হাজারি।		সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰী হই- বেক।		শ্রীযুক্ত বাবু কৈলাস চন্দ্র দাস মেনে- জার জ্ঞাং আবহুল কর্ত্তা খাঁ শ্রীদাহ মঞা গং।		U • 40/•	
. ७७• २२०३ ১ <b>२</b> 8०	তরফ মেডিজ লোহা গারা— বাং তং মঞ্চত রাম হাজ।রি।		œ	<b></b>	শ্রীগমির সিং হাজাবি শ্রীআবস্থল কর্তা বাঁ গং।		   ७३৮॥ <i></i> ८२	
৬৬৭ <u>২</u> ০১৭( ১৭৯৪)	, a	@ >> /&	Š		শ্রীদেশ হাবিব আহা শ্মদ চৌং জাং তথ পিতা মকবুল আলী চৌংপাকে।	,- <sup>!</sup>	86129	

সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫মেই শেষ তারিখের বাকি,পড়া।

চীক। - যে দ্বলে উপবেব লিখত বৰ্ণনাপত্ৰের ৫, ৭ ও ১ ঘবে কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় ছইবে বলিয়া দিখিত আছে সেই স্থলে ইহা বৃথিতে হৰীবে যে এই অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্ৰ ছিদাৰ রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্যাৰা অন্যান্য অংশ বিক্ৰয় হয় ন। ।

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 24th September 1897.

F. P. Dixon,
For Collector.

#### জিলা নোয়াখালী। নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ধ-মেন্টের যে মালিকিস্বত্ব আহে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত অন্নসারে উক্ত নোয়াখালী জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৭ সনের ৯ নবেম্বর তারিখ মোতাবেক বাঙ্গলা ১৩০৪ সনের ২৪ কার্ত্তিক ভারিখে প্রকাশ্য নিলাম বিক্রয় হইবেক।

খরিদারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ত্ত সকলে বাধ্য হইতে হইবে।— নিলামের সর্ত্ত।—

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাচেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দিষ্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্ব্বাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদারকে ইহার মালিক স্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য হইয়াছে তাহা চিরস্থরপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদারের প্রতিত পর্য্যাপ্ত হইবেক খরিদারগণ শতকরা ২৫, টাকা হারে আখরাজাত শর্ছ স্বরূপে সদর রাজস্ব বাদ পাইবে।

দ্বিতীয়। চালিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণে যে সকল পাট্টা বর্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেন্ডেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা কৃষক প্রজা দ্বারা দক্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্বীকার করিতে খ্রিদারগণ বাধ্য হইবে।

ভৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার অন্ধিক হইলে সমুদ্য় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার ঊর্জ্ব হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের
একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন এক ১ দিন গণ্য
হইয়া তদবধি ১৫ দিবদে ২ প্রত্বের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না
হয় অথবা ঐ দিবদ কোন পর্কোপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম
যে দিবদ কাছারি হইবে দেই দিবদ ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিজহইবেক (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত ছইবে
এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জ্ঞারি হইয়া অনাদায় খরিদারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

<b>मश्च</b> रा !	বাজ শ্ব	<b>আখ</b> বাজাও স্বরণে সদব বাদ	হা ¦	হিমরে শ্ব হুইয়া	বাজ	যায  কি	ব্ব হি ব জান I অনুম বিমাণ	যতদূ ভূ/মব	মহাত্র ও প্রগণার নাম।	তীব্যিব ৰপুৰ
•		•		8			•		*	,
			লা:	আ:	ों दें।	পোঃ	রো:	ુ હા:		
		শতকরা টাকা হ	3	•	<del>४</del> २	0	0	२१	আনন্দচন্দ্র গড়গড়া পরগণ। ভূলুয়া।	600
		(2)	•	•	\$8	•	•	٩	ঐ এ বিতীয় খণ্ড	6 P.S
		(de	હ	4/	ಶಿಟ	•	0	' ৩৭	জিম্বে ছৈয়দ আকবর পরগণা স্থন্দীপ।	५ <b>ऽ</b> २
		• 🐞	•	Ħ	3	•	•	3	জিংহে হৈয়দ আকবর পরগণা রামভদ্র চক্র ।	58¢
			•	•	3	•	0	3	চণ্ডিপুর রাস্তা	6 L P

কালেক্টরের কাছারি জেলা নোয়াখালী।

8. K. Agasi,
Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for eash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 os. tin, eight annas per 8 os. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জুরত্ব সিন্কোনা।

কলিকাভান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট গর্ধ-বেন্টের কর্মচারিগন এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পোও ক্রেয় করিলে নিম্নাথিও মূল্যে ধ্রেয় সিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২।। টাকায়, আট ঔপ টিন ৫১ টাকায় ও এক পোও টিন ১০০ টাকায় পাইবেন । সর্ব্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৬০ টাকায় এবং এক পোও টিন ১২০ টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেভাগনও এই ঔষধ বিক্রেয় করিয়া থাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের ।০, আট ঔপ টিনের ম০ ও এক পোও টিনের ৮০ ভাক মাস্থল দিতে হইবে।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।
১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে,যথা—

১ এক পোও টিন ১৮, বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৭০

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপক্রেট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপুর্বক মিশান হয় নাই তাহার গ্যারান্টা দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটন্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া ষাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

				Rs.	A.	Р.	
Entire Gazette	•••			10	0	0	per annum.
	Postage			2	8	Ú	•
Parts III, IV, V,	and VI, con	ntaining th	ie Acts				•
and Bills of the							
and Bengal		•••		4	0	0	<b>?</b> >
Ū	Postage	•••	•••	4 1	0	0	22
For a single copy							~
Entire Gazette	•••			0	4	0	
	Postage	•••	•••	0	1	0	
Parts III, IV, V,	and VI	•••		0	1	U	for 4 sheets or under
. , .							with an additional
		•					charge of 1 anna for
							every 4 sheets in excess
							of 4.
	Postage			0	1	0	)

Postage ... 0 1 0

For Calcutta.

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage. E. N. BAKER.

Offg. Under-Secretary to the Goot. of Bengal,

#### বিজ্ঞাপন।

১৮৮৩ সাল ২১ কেব্রেয়ারি।—বাজালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাকমাহল এই অবধি নিম্ম-লিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে :—

•	यकः मटन				টাকা।
সম্পূর্ণ গেচ্ছেট	•••	•••	•••	বৎসর	> 0~
ডাকমান্তল	•••	•••	•••	75	रा। •
৩ ও ৪ ও ৫ ও ৫ খ্	( যাহাতে 🖘	ার <b>তব</b> র্ষের	ও বঙ্গ-		
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার অ	रिव 👁	আইনের		•
পাণ্ডুলিপি থাকে )	•••	•••	•••	,,	8,
ভাক্ষাত্রল		•••		79	١,
সম্পূর্ণ একখানি গেজেটের	র মূপ্য	•••	***	,,	<b>[ •</b>
ডাকমান্থল	•••	•••			<i>;</i> •
৩ ৪ ৪ ৫ ৫ ৫ ৬ খণ্ড	( श्वराग्रक ८	ং পৃষ্ঠা বা	তাহার		
<b>ম্</b> য়ন সং <b>খ্য</b> ক গ	পৃষ্ঠার মূল্য)	•••		••	/০ ৪ পৃষ্টার উপ <sup>ত্র</sup> যদ্জ অধিক হর ভাহার <b>প্রভো</b> ক ৪ পৃষ্টা প্রভি জার একং আনা।
डांकशासन					/ 0

#### কশিকাভায়।

কলিকাডায় ও মক:শলে সমান গূল্য, কলিকা<mark>ডায় কেবল ডাকমাপ্রল লা</mark>র্মিতে না। ই, এন, বেকার।

বলদেশের গবন্থেন্টের এক্টিং ছোট দেকেট্রী।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

\*The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDT., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly eash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

. C. W. BOLTON, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

12th December 1882.

Note.—Rates of adver	tisement	s in the Calcutt	A GAZETTE	
Full page, per issue	•••	•••	•••	Rв. 20
Half ,, ,,	···	t4 ennes ner 1	ine	10

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজেট দেওয়া ঘাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মর্ঘের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিন্তা গবর্ণমেন্ট কর্তুপক্ষদের কর্তত্তাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ক্রেন ক্রক্তি বাঙ্গাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয়করিতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ডম্মিমিত নগদ মল্য দিতে হইবে এডদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেকেটারিয়েটের আকেতিটের নিকট অগ্রে মুল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত ফার্য্যালয় ভিন্ন গেলি ব্যক্তিকে কোন পুস্তকাদি দেওয়া কিছা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাপন প্রভৃতি প্রকাশ কর। মাইবে না।

মল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিকেণিট বাদ দিবার জ্বন্যে টাকার উপর আব ৴০ এক কানা পাঠাইতে হইবে ৷

সি. ডবলিউ বল্টন,

বলদেশের গ্রহ্মেন্টের ছোট সেকেটরী।

১৮৮२ माल्यत ১२ ডिम्बर ।

মখাব্য ' কলিকাতা গেছেটে ইণতিহাব প্রকাশ করিব	ার হাব এট'ং	1			। कार्य
প্ৰা এক পৃষ্ঠা একং বার একাশ কবণেৰ			•••	•••	₹••
क्यां र का		••,			>
কখন কখন উপতিষ্ঠার 🖭 াশ কবিতে ভইতে	ય હકર વેલ્ડિં		**	-	f ø

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Lan Bord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Feld, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civit Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annus for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B .-- Copies are still available

#### বাঙ্গাল সেকেটারিয়েট যন্ত্রালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে 1

বারিফার-আট-লা ও শ্রীশ্রীমতীর বঙ্গদেশের সিবিল দব্ধিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিষ্ট্রিক্ট ও সেশন জজ ও রেণ্ট কমিশ্যনের মেম্বর, ইনর টেপ্পলের শ্রীযুত নি, ডি. কিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি সাহেবের প্রণাত বঙ্গদেশের গ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের শাসনাধান প্রদেশের ভ্রয়াধকারার প্রজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুস্তকের মূল্য, ৫, পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাজাল সেকেটারিয়েটের আকৌন্টান্টের নিকট একং খানি প্রতক্রে মূল্য এবং তাগ্র নোড্ক করিয়া তাকে পাঠাইবার বরচ।/ • পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য।—উক্ত পুস্তক এখন ও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকায্যোপদক্ষে বঙ্গদেশের যদ্ভিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাতার স্পানেড ওয়েষ্ট টোন হাসের হাতায় স্থিত বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিজ্ঞাপের আপিসে রেক্সি-ফ্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুস্তক,কলিকাতার গবর্ণমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটীতে ক্রয় করিতে পাওয়া ষায়।

কলিকাতা প্রোসভেক্টা কেল যথ্রালয়ে গ্রেণ্মেটের জন। এইত জেম্স পেটা সাহেব কর্তৃক মৃত্রিত ও প্রকাশিত হইল।





# गवर्गाम् (जादलि ।

TUESDAY, OCTOBER 5, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৫ অক্টোবর।

CONTENTS.		Ì	
	PAGE.	নিৰ্থট ।	
FART I.—Resolutions, Orders and Notifica-			न हे।
tions of the Government of India	$N_{i}$ ?.	প্রথম পশু।—ভারতব্যীর গ্রব্মেণ্ডের নির্দ্ধারণ	,
PAET II.—Resolutions, Orders and Notifica-		আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রস্কৃতি	নাই
tions by the Licutenant-Governor	!	ছিতীয় <del>খণ্ড।—বঙ্গদেশে</del> ব গবর্ণমেন্টেব নির্দ্ধাবণ,	
of Bengal 303	3 - 306	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ভ	ود ساده و
PART IIA.—Orders by the Lieutenant-Gover-		विजीय क थल।विकासिय गवर्गाय विवास ।	নাই
nor of Bengal	Nil.	ভৃতীয় খণ্ড।—ভাবতব্যীয় ব্যবস্থাপক সভাব প্ৰণীত	
PART III Acts of the Legislative Council of	į	আইন	না ই
India	Nil.	চতুৰ্থ থণ্ড ৷ —ভাবতৰ্যীয় ব্যবস্থাপক সভাৰ আইনেৰ	
PART IV Bills of the Legislative Council of	1	পাতৃলিপি	ন/ই
India	Nil.	পঞ্ম বন্ধ।—বঙ্গীয় ব্যবস্থাপক সভাব প্ৰণীত আইন	নাই
PART V Acts of the Bengal Council	Nil.	হঠ খণ্ড ৷বঙ্গীয় বাবন্ধ প্ৰক সভাৰ আইনের	.,
PART VI.—Bills of the Bengal Council	Nil.	পাণ্ঠলিপি	নাই
1'ABT VII Circular Orders by the High	i	দুৰুম খণ্ড।—ছাই কোটেৰ ও বেবিনিউ বোডেৰ	., .
Court and Board of Revenue	5	সাধারণ জ্ঞাপনপত্র	=
PART VIII.—Advertisements 501	l511	5.46	05 65
SUPPLEMENT	Nil.	পরিশিষ্ট গবর্ণমেন্টের গেলেট	নাই
	- 1		

#### PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal-

দ্বিতীয় খণ্ড।

বল্লেশের গবণমেক্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MARINE DEPARTMENT.

The 28th September 1897.

No. 174 Marine.—The following notifications, Nos. 2133, 2144, 2145 and 2146, issued under the provisions of the Pilgram Ships' Act, 1895, and published by the Government of India, are republished for general information.

> A. D. McARTHUR, Col., R.E., Secy. to the Goot. of Bengal.

No. 2133, dated Simla, the 17th September 1897.

NOTIFICATION - By the Government of India, Home Department.

In exercise of the powers conferred by section 58 of the Pilgrim Ships' Act (XIV of 1895), the Governor-General in Council is pleased to direct that the following clause shall be inserted after clause (3) of Rule 67 of the rules published in the Notification of the Government of India in the Home Department, No. 262, dated the 5th October 1896:—

(4) If the owner or agent neglects or refuses, on presentation, as provided by clause (3) of the cancelled ticket, to refund to the pilgrim the passage money paid by him, such owner or agent shall be punishable with fine which may extend to two hundred rupees, and with a further fine which may extend to twenty rupees for each day after the day on which the ticket was presented, during which the refund remains unpaid.

No. 2144, dated Simla, the 17th September 1897.

NOTIFICATIONS—By the Government of India, Home Department.

In exercise of the power conferred by section 5, clause (1), of the Pilgrim Ships' Act, 1895 (XIV of 1895), the Governor General in Council is pleased to cancel the Notification of the Government of India in the Home Department, No. 261, dated the 5th October 1896.

No. 2145.

In exercise of the power conferred by section 19, sub-section (1), of the Pilgrim Ships' Act, 1895 (XIV of 1895), and in supersession of the orders contained in the Notification of the Government of India in the Home Department, No. 260, dated the 5th October 1896, the Governor-General in Council is pleased to order that every pilgrim ship shall contain at least sixteen superficial feet and ninety-six cubic feet of space available for each pilgrim in the between deck on which he is accommodated.

#### No. 2146.

In exercise of the powers conferred by section 58 of the Pilgrim Ships'Act, 1895 (XIV of 1895), the Governor-General in Council is pleased to direct that the following amendment shall be made in the rules published in the Notification of the Government of India in the Home Department, No. 262, dated the 5th October 1896:—

(i) In rule 74, after the word "rules," the following shall be insorted, namely:—

"and of Articles 3 and 31 to 41 (both inclusive) set forth in Part B of

Annexure I to the Paris Convention of 1894."

(ii) In Form VI, for the Statement headed "Pilgrims," the following shall be substituted, namely:-

## Pilgrims.

	NAMES	og attryo	I GRIMS.	Number	OF REMAILE	Pilakins	ACCOM	OF INFANTS CONE YEAR O CANYING PIC RED IN PRECI COLUMNS	P ACE GUIMS
	1st class.	2nd class.	lowest class.	lst class.	2nd class.	Lowest Class.	lat class.	2nd class.	Lowest class.
			-	:				1	,
								i 	,
Total .	1	!			:		1		
*		1		•			1		

J. P. HEWE

### वस्राप्तरभात्र औयूञ लार्ल्यतन्ते भार्यत्र आरम्भ ।

#### মেরিন ডিপার্টমেণ্ট।

#### ১৮৯৭ সাল ২৮এ সেপ্টেম্বর।

মেরিন্ ১৭৪ নম্বর —তীর্থযাতিদিগের জ্ঞাহাজ্ঞবিষয়ক ১৮৯৫ সালের আইনের বিধানমতে প্রচাবিত এবং ভারতবর্গের গবর্ণমেন্ট কর্ত্বক প্রকাশিত ২১৩৩, ২১৪৪, ২১৪৫ ও ২১৪৬ নং বিজ্ঞাপন সাধারণের অবগত্যথে প্রকাশ করা গেল।

এ. ডি. ম্যাকআর্থর, কর্নেল, আর, ই,

কলদেশের গবনমেন্টের সেক্রেটরী।

সিমলা, ২১৩৩ নম্বর, ১৮৯৭ সাল ১৭ই সেপ্টেম্বর।

#### ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের বিজ্ঞাপন।

মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুক্ত গবর্ণর জেনরল সাহেবের প্রতি তীর্থযাত্রিদিগের জাহাজবিষয়ক ১৮৯৫ সালের ১৪ আইনের ৫৮ ধারাক্রমে প্রদক্ত ক্ষমতাস্থসারে কার্য্য করিয়া তিনি এই আদেশ করিলেন যে, ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৬ সালের ৫ অক্টোবর তারিখের ২৬২ নং বিজ্ঞাপনে প্রকাশিত বিধির ৬৭ বিধির ৩ দকার পর নিম্নলিখিত দকা দিতে হইবে:—

(৪) বাতিল করা টিকিট (৩) দফার বিধানমতে দেখান গোলে জাহাজের অধিকারী বা এজেন্ট গনি তার্থযাত্রিকে তাঁহার দত্ত জাহাজ ভাড়ার টাকা ফেরড দিতে শৈথিলা বা অস্বাকার করেন তাহা হইলে সেই অধিকারির বা এজেন্টের ২০০) টাকা পর্য্যন্ত অর্থদণ্ড হইতে পারিবে এবং ঐ টিকিট দেখাইবার তারিখের পর যত দিন ঐ ভাড়ার টাকা ফেরড দেওয়া না হয় তাহার দিন প্রতি আরও ২০) টাকা পর্যান্ত অর্থদণ্ড হইতে পারিবে।

> সিমলা ২১৪৮ নম্বর, ১৮৯৭ সাল ১৭ই সেপ্টেম্বর। ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের বিজ্ঞাপন।

মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযু ৬ গবর্ণর জেনরল সাহেবের প্রতি তীর্শ্বযাত্তিদিগের জাহাজ বিষয়ক (১৮১৫ সালের ১৪ আইনের) ১৮৯৫ সালের আইনের ৫ ধারার (১) দফামতে যে ক্ষমতা প্রদত্ত হইয়াছে তদন্সারে কার্য্য করিয়া তিনি, ভারতবর্ণের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৬ সালের ৫ অক্টোবর তারিখের ২৬১ নং বিজ্ঞাপন রহিত করিলেন।

#### २८४६ नश्रत ।

মন্ত্রিসভাধিন্তিত শ্রীযুক্ত গবর্ণর জেনরল সাহেব তীর্থগাত্রিদিগের জাহাজবিষয়ক ( ১৮৯৫ সালের ১৪ আইনের ) ১৮৯৫ সালের আইনের ১৯ ধারার (১) প্রকর্ত্রন্যতে প্রন্তু ক্ষমভান্ত্রসারে কার্য্য করিয়া এবং ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৬ সালের ৫ অক্টোবর তারিখের ২৬০ নং বিজ্ঞাপনের লিখিত আজ্ঞা রহিত করিয়া এই আদেশ করিলেন যে তীর্থযাত্রির প্রত্যেক জাহাজে প্রত্যেক তীর্থযাত্রির নিমিত্ত তাঁহাকে যে মধ্যের তৃতকে থাকিবার স্থান দেওয়া হয় সেই তৃতকে অম্বতঃ ধোল বর্গ কৃত ও ছিয়ানকাই যন কুট স্থান থাকা চাই।

#### ২১৪৬ নম্বর।

মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের প্রতি তার্থনাত্রিদিগের জাহাজবিষয়ক (১৮৯৫ সালের ১৪ আইনের) ১৮৯৫ সালের আইনের ৫৮ ধারামতে যে ক্ষমতা প্রদত্ত হইয়াছে তদহ্সারে কার্য্য করিয়া তিনি ভারতবর্ণের গবর্ণমেণ্টের হোম ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৬ সালের ৫ অক্টোবর ভারিখের ২৬২নং বিজ্ঞাপনে প্রকাশিত বিধিতে নিম্নলিখিত সংশোধন করিবার আদেশ করিলেন,—

(১) ৭৪ বিধিতে "বিধির" শদের পর নিম্নলিখিত কথাগুলি সন্ধিবেশ করিতে ইইবে, এথা—
"এবং ১৮৯৪ সালের পারিস কন্তেন্সনের ১ নং সংযুক্ত প্রাদির ট খণ্ডে সন্নিবিষ্ট ৩ ও৬১
ইইতে ৪১ পর্যান্ত আর্টিকেলের ।

(২) ষষ্ঠ ফারমে "ভীর্থবাত্রী" এই শীর্ষবৃক্ত বিবরণপত্তের পরিবর্ণে নিম্নলিখিত বিবরণপত্ত দিতে হইবে, যথা—

#### তীর্থযাত্রী।

. <u></u>	পুৰুষ তীৰ্থ	, যাত্রি <b>দিগের</b>	ा नाय ।		বিধাত্তি- দিগের		দিগের <b>ক</b> ম ব	मक्त এव	তীর্থযাত্তি- ত বৎসরের থাকিলে ।
	প্রথম শ্রেণী ;	দ্বিতীয শ্ৰেণী।	নিম্বতম জোণী।	, প্রথম খেনী।	শিতীয শ্ৰেণী।	নিশ্বতম শ্ৰেণী।	কোনা কান্য	বিতীর শ্রেণী।	নিম্বতম ক্লেণী।
মোট :									

জে, পি, হিউয়েট, ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

বঙ্গদেশের গবর্ণযেন্টের মেরিষ্ ডিপার্টযেন্টের ১৮৯৭ সালের ২৮ সেপ্টেম্বর তারিখের মেরিষ্ ১৭৫ নং বিজ্ঞাপনের প্রতিলিপি।

সমস্ত সিনদ্ প্রদেশ মড়কমুক্ত এই কথা ব্যক্ত করণার্থ এবং সমস্ত নিষেধবিধি উঠাইয়া দিবার অনুমতি প্রদানার্থ ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের ১৮৯৭ সালের ১১ই সেপ্টেম্বর ভারিখের নিম্নলিখিত টেলিগ্রাম সাধারণের অবগতির নিমিত্ত এতদ্বারা প্রকাশিত হইল।

> এ, ডি, ম্যাকআর্থর, কর্বেল, আর, ই, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

সিমলাম্ব হোম ডিপার্টমেন্ট হইতে। কলিকাভাস্থ বন্ধদেশের মেরিন্ ভিপার্টমেন্টের নিকট।

সিম্বলা, ১৮৯৭ সাল ১১ই সেপ্টেম্বর।

সিলজের চীক্ কমিশনর, স্বাস্থ্যবিষয়ক ২১১০ ড্যাস্ ২১১৭ নং, আবার ২১ আগন্থ তারিখের ২০১১ ড্যাস্ ২০১৮ নং টেলিগ্রামের অহুক্রমে সমস্ত সিনদ্ প্রদেশে মড়কমুক্ত বলিয়া ব্যক্ত করা গেল, সিনদ্ প্রদেশ হইতে আগত ভ্রমণকারা সম্বন্ধে সকল পরিদর্শন ও নিষেধবিধি রহিত করিতে হইবে। সিনদ্ প্রদেশ হইতে নেকড়া চোকড়া প্রস্তৃতি আমদানীর বিরুদ্ধে নিষেধাজ্ঞা রহিত করণার্থ ভারতবর্ধের গবর্থমেন্ট বিজ্ঞাপন প্রকাশ করিতেছেন।



# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৫ ই অক্টোবর।

#### मुख्य थु ।

হাই কোর্টের ও রেবিনিউ বোডের সাধারণ জ্ঞাপনপত্রঃ

বঙ্গদেশের অন্তর্গত ফোর্ট উইলিয়মস্থ হাই কোটের জাদেশমতে প্রচারিত।
দেওয়ানী।

১৮৯৭ সালের ১৬ই সেপ্টেম্বর তারিখের ১ নং বিধি।

দেওয়ানী সাধারণ বিধি ও সরকুলর অর্ডর পুস্তকের ৩৮২ পৃষ্টায় ৭ অধ্যায়ের ১ বিধির ১৮ উপ-বিধির পর নিম্মলিখিত উপবিধিটা বসাইতে হইবেঃ—

১২ ক। (৩৭২ পৃষ্ঠাস্থ) ৩ উপবিধিতে যাহা কিছু থাকে তাহা সত্ত্বেও অপর রকমে উকাল হইবার উপযুক্ত হইলেও কোন ব্যক্তি যদি কলিকাতা, আলাহাবাদ, মান্দ্রাজ ও বোদ্ধাই এই কয় বিশ্ববিদ্যালয়ের কোন একটীর গ্রাজ্বয়েট ইন্ল না হন তাহা হইঙ্গে তাঁহাকে কলিকাতার ছোট আদালতে ওকালতী করিতে দেওয়া হইবে না।

১৮৯৭ সালের ১লা সেপ্টেম্বর তাবিথের কলিকাত। গেলেটের ১ মতের ১১৫ প্রথম এবং ঐ মানের ১১ তার্বিধের আসাম গেলেটের ২ মণ্ডের ৮৫২ প্রথম প্রকাশিত।

CHUNDER NATH BOSE,

Bengali Translator.



# গবণমেণ্ট গেজেট

TUESDAY, OCTOBER 5, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৫ অক্টোবর।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

অপ্তম থও।

ইশ্তিহার প্রভৃতি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাহার।

#### জিলা চট্টগ্রাম। ইন্তিহার নামা কাছারি কালেক্টরী জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইতেছে যে, ১৮৯৭ ইং ২৫ মে শেষ তারিখের অনাদায় ১০) টাকার ঊর্দ্ধ্য জমার নওয়াবাদ ও খাষ তরফ তালুকাদির বাকা খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মুর্ম্মতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেশ্বর মোং ১৩০৪ বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার নিলামের দিন ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্ররী কাছারিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

			জমা৷	-	নাকী।		
	মালিকের নাম।	শালানা।	<b>(≅5</b> )	<b>ধাজ</b> ানা ৷	(B)	মোট।	মন্ডব্য
٩	8	a		9	<b>+</b>	۱ د	3.
মহাল নওয়াবাদ।— তাং আহাম্মদ আলী ও মাহাং ইছপ ও কোকা	জব্বার আলী সদাগর ন জানিবে শ্রীমতী ময়মুনা খাতৃন ও করিমন্নিছা পক্ষে হিং হ্লরল হক্ ও আছকা খাতৃন, নেজা- মত আলী চৌধুরী ও মণীক্র চক্র ঘোষ, যোবা- রেক আলী, আবঙ্গ		<b>ર</b> ૭હા∕ હ	७७॥०/३	261120	৫৩।৯	
	আলী ও আবণ্ডল হাকিম স্বয়ং তৎ নাবালেগ ভ্ৰাতা আলামিঞা ও	1					
-	মোজে বাকলিয়া থানা সহব মহাল নওয়াবাদ।———————————————————————————————————	তাল্কার নাম।  তাল্কার নাম।  তাল্কার নাম।  তাল্কার নাম।  তাং আবাকলিয়া থানা সহর মহাল নওয়াবাদ।  তাং আহাম্মদ আলী ও জব্বার আলী সদাগর আলী ও আজগর আলী ও জ্ঞীমতী হারবিবি।  তাং আহমা খাড়ুন ও করিমন্নিছা পক্ষে হিং হারল হক্ ও আছফা খাড়ুন, নেজা- মত আলী চেশ্বিরী ও মণীন্দ্র চন্দ্র ঘোষ, মোবা- রেক আলী, আবঙ্ল রহমান ও নেজামত আলী ও আবগুল হাকিম স্বয়ং তৎ নাবালেগ	বি নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাং আহাম্মদ আলী ও জব্বার আলী সদাগর ৬৮৬।  তাং আহাম্মদ আলী ও জব্বার আলী সদাগর ৬৮৬।  তাল্কাব আলী ও আজগর আলী  তাল্কাব আলী ও করিমন্নিছা  পক্ষে হিং ভ্রবল হক্ ও আছ্কা খাতুন, নেজা- মত আলী চেমুরী ও মণীন্দ্র চন্দ্র ঘোষ, মোবা- রেক আলী, আবহুল রহমান ও নেজামত আলী ও আবহুল হাকিম  স্বয়ং তৎ নাবাকেগ ভাতা আলামিঞা ও	বি তালুকার নাম।  তালুকার নাম।  তালুকার নাম।  তালুকার নাম।  ত ৪  হিছিল  হেছি।  ত ৪  হেছিল  ত আহলান্দ আলী ও জব্বার আলী সদাগর ৬৮৬। ০ ২৩৬। ০ ৬  মাহাং ইছপ ও কোকান আলিবে শ্রীমতী ময়মুনা আলী ও আজগর আলী ও শ্রীমতী মুরবিবি।  পক্ষে হিং মুরল হক্ ও আছ্কা খাড়ুন, নেজান্ত আলী চেম্বুরী ও মণীন্দ্র চন্দ্র ঘোষ, মোবা- রেক আলী, আবঙ্গল রহমান ও নেজামত আলী ও আবঙ্গল হাকিম স্বয়ং তৎ নাবাকেগ ভাতা আলামিঞা ও	বি তালুকার নাম।  তালুকার নাম।  তালুকার নাম।  তালুকার নাম।  ৪  বি বি তাং আহাম্মদ আলী ও জব্বার আলী সদাগর ড৮৬। ০ ২৩৬। ৮৬ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৬। ০৮১ ০৯ ০৯ ০৯ ০৯ ০৯ ০৯ ০৯ ০৯ ০৯ ০৯ ০৯ ০৯ ০৯	মালক্ষের নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।  তাল্কাব নাম।	মালকের নাম।  তালুকার নাম।  তালুকার নাম।  তালুকার নাম।  তালুকার নাম।  তালুকার নাম।  তালুকার নাম।  তালুকার নাম।  তালুকার নাম।  তালুকার নাম।  তালুকার নাম।  তালুকার নাম।  তালুকার নাম।  তালুকার বালা সহর মহাল নওয়াবাদ।  তাং আহাম্মদ আলী ও জব্বার আলী সদাগর ডাহাংইছপ ও কোকান আলী ও আজগর আলী ও আজগর আলী ও আজগর আলী ও আছকা বাভুন, নেজান্ মত আলী চৌধুরী ও মণীন্দ্র চন্দ্র ঘোষ, যোবা- রেক আলী, আবঙ্ল রহমান ও নেজান্যত আলী ও আবঙ্গল হাকিম ক্ষমং তৎ নাবালেগ ভাতা আলামিঞা ও

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 22nd September 1897.

F. P. Dixon,

For Collector.

#### জিঙ্গা নোয়াখালী। নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহাবে গবর্ণ-মেন্টের যে মালিকিম্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অহুসারে উক্ত নোয়াখালী জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৭ বনের ৯ নবেম্বর মোতাবেক বাঙ্গলা ১৩০৪ সনের ২৪ কার্তিক তারিখে প্রকাশ্য নিলাম বিক্রয় হইবেক।

ধরিদারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ভ সকলে বাধ্য হইতে হইবে।— নিলামের সর্ভ।—

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিষ্ট করেন ভাহার উপরে যে ব্যক্তি সর্ব্বাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মন্ত হইবে ভাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদারকে ইহার মালিক শ্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য হইয়াছে ভাহা চিরন্থরূপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদারের প্রতিপ্র্যাপ্ত হইবেক খরিদারগণ শভকরা ২৫ টাকা হারে আখরাজ্ঞাত খরছ শ্বরূপে সদর রাজস্ব বাদ পাইবে।

দিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের দারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইকণে যে সকল পাট্টা বর্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখান্ত। ক্রমক প্রজা দ্বারা দস্তথত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্বীকার করিতে খরিদারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার অনধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার ঊর্দ্ধ্ব হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের
একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন এক ১ দিন গণ্য
হইয়া তদবধি ১৫ দিবসে ২ প্রত্বরে মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না
হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্কোপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম
যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিতহইবেক (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে
এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায় ধরিদারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হউবে।

ভৌজিব নদ্ধ ।	মছাল ও প্ৰগণাৰ নাম।	যঙ্গ ভূমি	বৰ হি ব জান ব অসুম বিমাণ	! যায় গাৰিক	419		151	আখবাজাত খবছ স্বক্ষে সদব ব্যক্তস্থ বাদ।	म छेदा ।
	₹		· •			8		α	·
=,		'	 বো:	পো:	<u> </u>	- অ/:	পা	-	-
<b>e</b> 6-6-	আনন্দচন্দ্র পড়গড়া পরগণা	२٩	•	0	4	•	2	শতকরা ২৫,	
	<b>ज़नू</b> शा।	!			ĺ			টাকা হারে।	
465	ঐ ঐ ছিতীয় খণ্ড	9	•	•	18	•	•	•	
५८७	জিন্ধে ছৈয়দ আকবর পরগণ। স্বন্দীপ।	७१	•	•	26	4/	હ	•	
\$8€	জিন্ধে ছৈয়দ আকবর পর্যগণা রামভন্ত চক্র ।	3	•	•	) >	H	•	Ú	
466	চভিপুর রান্তা	3	0	•	3	•	•	•	

কাহে**ট্র**:রর কাছাার জেলা নোয়াখালী,।

S. K. Agasti, Collector.

किमा ठिक्कास ।

ছভাহার দাম। কাছারী কালেইরী জিলা চট্টগাম।

ইহায়ারী সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে ১৮৬৮ দালের ৭ অফ্নি ও ১৮৭১ দালের ২ আইনের বিধান্মতে ১৮৫৯ দালের ১১ আইনের ৬ ধারার মর্শাদ্দারে নিল্লিখিত ভালুকাদির ১৮১৭ ইংৰেজী ২৫শে মেই স্ঠাক পৰ্যন্ত বাকি পড়া বাজনা ছেছ আদায়ের নিমিত ১৮১৭ ইংরেজী ২১ অফ্লোবর মোডাবেক ১৩০৪ বালালা ৫ কাজিক রোজ রহস্পতিবার জিলা চটুএাযের কালেট্রনী কাছারিতে প্রকাশ্য নিলামে ধ্রা যাইবে,। ইতি ১৮৯৭ ইংরেজ তারিখ ১ সেক্ষের।

ड!लह्ब			16 16 16 16 16 16 16 16 16 16 16 16 16 1	ia Ja		. The		
<u>-</u> अ अ	थाना. (प्रामा ५ ७)जुटकर नाप	प्रभाग	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		A P P P P P P P P P P P P P P P P P P P	(8) (8)	(A)	मख्या
	~	9	Gr	d d	a)	•		Λ
2 2 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	ৰানা সাভকানিয়া হাল বাস- খালী মোজি ছোট ছুন্স । ছুনুসা।  বালা সাভকানিয়া হাল বাস- বালা মাডকানিয়া হাল বাস- ৰালা মাতকানিয়া হাল বাস- ৰালা মাতকানিয়া হাল বাস- খালী মোজি পুইছুরী মহাল নয়াবাদ ভাং কুষ্ণরাঞ্জত।	শানা সাভকাণিয়া হাল বাস- বাবু মোগেশ চক্র রায় ফেট পাকে রায় কৈলাস চক্র খালী মোগিজ ছেট ছাইয়া।  ছহ্যা।  থালা সাভকাণিয়া হাল বাস- গোলোক চক্র সিকদার পিং রামসেবক সিকণার ধালা সাভকাণিয়া হাল বাস- কালোয়ার আলী পিং বছা হালী ও হামিদ উলা চেং ব্যাবারে প্রছিরী মহাল ব্যয়ং ও নাবোলক ভাভা হৈয়দ উলা, আজ্মলা ভামিল আরাবাদ ভাং মোবারেক	४ ४ % है । १५ १५ १५ १५ १५ १५ १५ १५ १५ १५ १५ १५ १५ १	१ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १	9 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8	2 % 6	9.61.4 9.9.5 9.61.4 9.9.5 9.61.4 9.9.5	The state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the s
	जानी यक्षा जाने।	হেরণাম্থা, জান্সা বাহুনের াসেবাহ্য এজা- ম্লাখা, মতিরুর রহমান কৃষ্ণ ও নাবালক এজাহার মিঞার পক্ষে হিং।						

Offy. Collector.

* *	ধানা সাতকাণিয়া হাল বাস- খানী মোজে চাম্বল মহাল নয়াবাদ ভাং ভাজন্তিছা	१० थाना माफकाशिक्षा हाम याम- कम्मक षामी भिर मझ्हत कामी ८६९ मार रेडमात- ३६०१, ३६३॥/५ १६६॥/२ भारी स्मारी स्मार्ज हामम महाम में में भा समारी स्मारीक छार उध्यक्षिका	. روههٔ د	34511/4	<b>₹/  </b> 995	:	>	: .
7 7 8	र्का मञ्ज्याविष्ठा हान दामचानी समा मञ्ज्याविष्ठा हान दामचानी	63 (চীং। 844 থামা সাভকাপিয়া হাল বাসখালী নেজায়ত জালী পিং মাহাং রফি সাং বারখাইন	6.00.0		8 5)	:	\$ \$	:
399 8 999 8		রাজচন্দ্র সেন পিং রাজকিশোর সেন ও বংশীয়েছন ৫১১৭৯০ সেনের পক্ষে ওস্থরেন্দ্র বিজয় রায় ঠেট পক্ষে রায় কৈলাস চন্দ্র দাস বাহাতুর জেনেরল ম্যানেজার।	63549/0	<u>م</u> ق	e/•995	:	200	:
HITTAG	CHITTAGONG COLLECTORATE,							J. Риплионв,

CHITTAGONG COLLECTORATE, The 3rd September 1897.

## ় ইস্তাহার নামা কাছারী কালেক্টরী জেলা চট্টগ্রাম।

ইহার দ্বারা জানান যাইতেছে যে এই কাছারী সংক্রাম্ভ নিম্নলিখিত তালুকাদির ১৮৯৭ ইং সনের ২৫শে মেই শেষ তারিখে বাকী পড়া খাজানা ও ছেচ্ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫১ সালের ১ আইনের ৬ ধারার মন্মান্স্লারে ১৮৯৭ ইং সনের ২০ অক্টোবর মোতাবেক ১৩০৪ বাং সনের ৪ কার্ত্তিক রোজ বৃধ্বার জেলা চট্টগ্রা কালেক্ট্রর কাছারিতে বিনা ওজরে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইং তারিখ ২৪ আগন্ট।

নম্ব	ও মহাল।			বার্থিক	ভমা।		वांकी।		
 ১নং বেং নম্ব।	তালুকের নম্বর I	থানা মৌজাও মহালেব নাম।	মালিকেব নাম।	খাজানা।	ছেছ।	থাজানা।	ছেচ্।	যোট।	ম্ভ
3	•	٧	8	•	•	9	<b>b</b>	۵	٥٠
٢٤	243	থানা রামু মোজে খুরুলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক খএরুলা।	হার্কান আন্সী চৌধুরি পিং মাহামুদ হারি সিকদার সাকিন পা- তনী মাছুয়াধানী।	ଓ ୩୯/୬/	ሁልዛ፡	ম্পূৰ্ব ব ও৭৬।৯/০	ৰ ইং স 1কি। ১৯৮০	<b>3•</b> ₹ <b>७</b> ৻७	
<b>≻</b> હ	244	থানা রামু মৌজে থুরূলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক বকুসালি।	মহব্বত আলী চৌধুরি পিং আজগর আলী চৌধুরি সাং জলদি।	6 <b>66</b> 11/0	<b>ે</b> રાાહ	३७०,७ २ <i>६</i> ४४,७	30 0 • h (	१५३(३)	
242	\$⊌ <b>¢</b>	থানা রামু মেডিজ উত্তর মিঠাছড়ি মহাল নয়াবাদ তালুক রম্ভম আলী।	আমির বাহু চৌধুরীয়া		<b>&gt;</b> > > < > •	80340	80110	8831200	
399	<b>२७</b> १	থানা রামু মোজে খুটা- খালী মহাল নয়াবাদ তালুকমোবারক আলী।	জামিলা খাতুন আহা- লিয়ে মৌলবি আজ- মলা খাঁ সাং হারবাল		2021/0	\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \	00 <b>4</b> 0	२८४५७	
766	₹₡•	থানা রামু মোজে ভারুয়া- থালী মহাল নয়াবাদ ভালুক মাহাল্পদ রাজা।	মেলিবী মহম্বতালী ও ছৈয়দ আলী পিং আনমার আলী চেণিং সাং পাতলী মাছুয়া- খালী ওগয়রহ।	& & 0     0	<b>383 h∕</b> ⊌	30910/0	891/•	2►8Ⅱ <b>작</b> ●	
२१२	<b>₹98</b>	থানা চকরিয়া মেজি ভেওলামাণিক চর মহাল নয়াবাদ ভালুক বিবি স্থাক।	আসমত আলী জাহা- বক্সপিংমাগন আলী সাং হরিণা থানা সাতকানিয়া।	3102)	১৬৮।/.	<b>(</b> ₹ <b>9 9</b> <sub>9</sub> √	ه لای ه	&טט , • <b> </b>	
₹₩٥	<b>২৮</b> ৩	থানা চকরিয়া মেবজ সিলখালি মহাল নয়াবাদ তালুক বিবি স্থাক।	গোলনেছ নিছা, বল- কিচ বিবি নাবালকা কন্যা ও সেখ মাহা- স্থাদ কালু চৌং সাং জলদি ওগয়বহ।	৭৯৬  ৯/•	•	২ ৯৮। ১১ ১৮৯৬ ইং ম্বর, কিন্তীর ১০৬ দঃ/৩	সেপ্টে- ডিসেম্বর বাকি।	1 1 1 1 1 1 1	
२४४	- ዓቃነፈ ፡ 8৬8 ৫৬ ፡	থানা দকরিয়া মৌজে টেটং মহাল নয়াবাদ তালুক হরিদাস বহ- দার।	এর্সাদ আলী চৌং পিং সেখ মাহান্ধদ জনা সাং তৈলারদ্বীপ ধনা ধাঁশখালী।	960)	3 23 lo/U	900110	५० भर्थ <b>२</b> ७० भर्	₹88 1√•	

#### জিলা চট্টগ্রায়।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিবিভ বহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত সন ১৮৯৭ ইংরেজির ২৬শে নবেম্বর তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রায় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ১৮ সেপ্টেম্বর ।

>	<b>\</b>	9	8	t	<u>.</u>	9	<b>•</b>	>
তৌব্দির নধর I	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম ।	সম্পূর্ণমহাজের সদর জমা।	সম্পূৰ্মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	(करन मांज अःग विक्रम इंडेरन के अःग वा केर अःरागव विरागव विवत्ता।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয ছউলে ঐ অং- শেব সদর ক্রমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হ <b>ইলে</b> তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে ভাহায় ৰাকী।
२०२ ১०১१ ১२ <b>৮</b> २	থানে শাতকানীয়া মোং গারাজীয়া তংমোং গারাজীয়া বাং তং মঞ্জত রাম হাজ্ঞারি।		সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰী হই- বেক।		শ্রীযুত বাবু কৈলাস চন্দ্র দাস মেনে- জার জাং আবহুল কর্তা খাঁ শ্রীদায় মিঞা গং।	••••	U0 40/0	******
७७ <b>०</b> २२० <b>৯</b> ५ <b>१</b> ८०	তরফ মোজে লোহা গারা— বাং তং মঞ্চত রাম হাজারি।		Ò		শ্রীগমির সিং হাজারি শ্রীআবহুল ফর্ত্তা বাঁ গং।		७७४॥७२	••••
%	1	\$ > \r	<b>Q</b>		শ্রীসেখ হাবিব আছা শ্রদ চৌং জাং তৎ পিতা মকবুল আর্ল চৌং পক্ষে।	<u>.                                    </u>	85-114	

সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫মেই শেষ তারিখের বাকি পড়া।

দীকা।— যে জ্বলে উপরেব লিখত বর্ণনাপত্তের ৫. ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইবে বলিয়া দিখিত আছে দেই গ্রলে ইহা বুঝিতে হইবে যে এ অংশেখ নমিত্ত স্বতঃ হিদাব রাধা হইয়া থাকে ও মহালের জন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 24 th September 1897.

F. P. Dixon,
For Collector.

1

#### জিলা চট্টগ্রাম।—ইন্ডিহার নামা কাছান্নি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৬ ইং ২৬ ডিসেম্বর শেষ তারিখের অনাদায় ৫০) টাকার ঊর্দ্ধ জমার নওয়াবাদ তালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৭ সাং ৬ এপ্রিল তারিখে নিলাম হইয়া তদাদ্দরে যে সমস্ত তালুকা বায়না জব্দ হইয়াছে সেই সমস্ত তালুকাদির বাকী আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ও ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সাং ১১ আইনের ৬ ধারার মর্ম্মতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ সালের বাং তাং ১১ অগ্রহায়ন রোজ রহস্পতিবার ধার্য্যে জিলার কালেইরী কাছারিতে প্রকাশ্য ছানি নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৬৯৭ ইং জাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

ক্র মিক	তশুকার মধ্ব।	स्मिना थाना. महान ख		সদ্ব ড	<b>সমা</b> ।		বাকী।		etma x i
নম্ব ৷	। अनुकास भवत ।	তালুকার নাম।	মালিকেব নাম।	थाकाना।	<b>ছে</b> ছ।	খাজান।	( <b>55</b>	মোট।	<b>મજ</b> ∢
\$	2	v	8	ά	<b>b</b>	9	ь	۵	5•
	8₽7₽	মোজে জুজখনা থানা কটীকছরী মহাল নওয়া বাদ।—							
2	२७৮१৮	তালুক এয়ার আন্সিখাঁ,	ওবেদর রহমান যাঁ	२७88)	১৬৬५०	رادها	טפוףט	900120	•••
	7482	হাং তাং ওবেদর রহ- মান খাঁ।	ও মেহের আলি খা।				,		

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 22nd September 1897.

F. P. Dixon,

For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 2$  ans. 8; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 5$ ; per pound tin,  $Rs.\ 10$ . The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 3$ ; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 6$ ; per pound tin,  $Rs.\ 12$ . This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postago—Four annas per 4 os. tin, eight annas per 8 os. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### দ্ববদ্ব সিন্কোনা।

কলিকাডান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট গবণ-মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পোও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূল্যে মুরম্ম নিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২॥ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫১ টাকায় ও এক পোও টিন ১০ টাকায় পাইবেন। সর্কসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬, টাকায়, আট ঔপ টিন ৬, টাকায় এবং এক পোও টিন ১২, টাকায় পাইডে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔবধ বিক্রেডাগণও এই ঔষধ বিক্রয় করিয়া থাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের।০, আট ঔপ টিনের ॥০ ও এক পোও টিনের ৮০ ছাক মাস্থল দিতে ইইবে।

```
বঙ্গদেশের গ্রব্যেণ্টের সিনকোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সলফেট অফ কুইনাইন।
     ১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে, যথা---
                ১ এক পৌও টিন ১৮, বা ডাক মাণ্ডল সমেত ১৮৭০
                                   ۵, ,, ,,
   ,,
                              ,, 8110 ,, ,,
     পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং
টহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনীডাইন নামক অপকৃষ্ট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই
তাহার গ্যারান্টা দেওয়া ষাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয়
করা ধাইবে এবং কলিকাতার নিকটস্থ শিবপূরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া
ষাইতে পারিবে।
                                      NOTICE.
     The 21st February 1883 .- The subscription to, and postage for, the Bengah Gazette will
hence forward be at the following rates, payable in advance :-
                                   For the Mufassal.
   Ks. A. P.
  ... 10 0 0 per annum.
     Entire Gazette
                      Postage
    Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts
     and Bills of the Legislative Councils of India
     and Bengal
                     Postage
     For a single copy-
  ... 0
      Entire Gazette
                      Postage
  ... 0
    Parts III, IV, V, and VI
   for 4 sheets or
   with
  additionac
   d II
   charge of I anna for
   every 4 sheets in excass
   of 4.
                       Postage
                                    For Calcutta.
    The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage
   E. N. BAKER.
   Offg. Under-Secretary to the Goot, of Bengal.
                                       বিজ্ঞাপন।
     ১৮৮৩ সাল ২১ ফেব্রেয়ারি।—বাজালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্যান্থল এই অব্ধি ভিন্ন-
দিবিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে :—
                                  यकः मत्म
   টাকা।
          সম্পূর্ণ গেজেট
  100
                    ডাকমাম্বল
          ৩ ও ৪ ও ৫ ও ৬ খণ্ড ( যাহাতে কারতবর্ষের ও বল-
               দেশের ব্যবস্থাপক সভার আইন ও আইনের
               পাণ্ডলিপি থাকে )
                    ভাক্যান্থল
  ...
  "
          শুপূর্ণ একখানি গেজেটের মুল্য
  10
                    <u>ডাক্যাম্বল</u>
         ৩ ৪ ৪ ৫ ৫ ৫ ৬ বও ( প্রভ্যেক ৪ পৃষ্ঠা বা ভাছার
   ८०४ श्रीत कर्ब
                  মূল সংখ্যক পৃষ্ঠার মূল্য) ...
  ষ্ণ কৃষিক হয়
  ভাহার প্রভোক
  ৪ পৃষ্ঠা প্রতি সার
  একং আনা।
                 ७ कियाचन ...
  কৰিকাঙায়।
```

কলিকাডায় ও মকংগলে সমান গুল্য, কলিকাডায় কেবল ভাকমামল লাগিয়ে না।

ই, এন, বেকার। বঙ্গদেশের গবর্গমেন্টের এক্টিং ছোট সেক্টেটরা। The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

• The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPPL., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly easi.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Guzettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the Rupee on account of discount.

C. W. BOLTON, Under-Secretary to the Gove of Bengal.

12th December 1882.

NOTE. - Rates of advertisements in the CALCUTTA GAZETTE.

Full pa	ge, per issue	•••	***	•••	20
Half		•••	•••		10
	Casual adve	i tisem <b>en</b> f	4 ann <b>a</b> s pe	r line.	

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বাঙ্গালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজেট দেওয়া মাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মাসের ২০ ডারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিদ্যাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিন্তা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষণের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ক্যেন্তি বান্ধাল সেক্টোরিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভ্রিমিন্ড নগদ মৃল্য দিতে হইবে এভদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বান্ধান সেকেটারিয়েটের আকেনিটান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে ইপ-রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন ফোন ব্যক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিয়া উক্ত কোন গেলেটে ইশভিচার কি বিজ্ঞাপন প্রাকৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণিট বাদ দিবার জ্বন্যে টাকার উপর আর ৴৽ এক জানা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টন, বল্লদেশের গ্রথমৈন্টের ছোট সেক্রেটরী।

১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

২খন্য 'কলিকাতা গেলেটি ইম্বতিহার প্রকাশ কনিব	ার ভার এইং।	•			होका।
পুষা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ করণের	•••		•••	•••	२•५
नाव १ के।	•••	•••	**		3
ক্ষ্ম ক্ষ্ম ইল্ডিছার একাল ক্রিডে চ্ইটে	म अवर पीक		101	200	10

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### বাজাল সেকেটারিয়েট যন্তালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে।

বারিষ্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীমতীর বঙ্গদেশের সিবিল সন্মিসে নিযুক্ত বর্নমানের ডিষ্ট্রিক্ট ও সেশন জক্ত ও রেন্ট কমিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পলের শ্রীযুত সি, ডি, ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি সাহেবের প্রাণীত বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবনর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূম্যধিকারীর প্রজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুস্তকের মৃল্য, ६, পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রম্ন করিতে চাহিলে বাজাল সেক্রেটারিয়েটের আকে নিটান্টের নিকট একং থানি পুস্তকের মূল্য এবং ভাষা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার ধরচ।/ • পাঁচ আনা পাঠাইবেন। বস্তব্য ।—উক্ত পুস্তক এখন ও পাওয়া যাইডে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলক্ষে বঞ্চদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেড এয়েইট টোন হালের হাতায় হিত বজদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগ্নের আপিসে রেজি-ফ্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

ডক্ত সকল আইনের পুস্তক কলিকাতার গবর্থমেন্ট প্লেশে, গাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটীতে ক্রয় করিতে পাওয়া যায়।

কলিকাতা প্রোস্টেন্সী কেল যুদ্ধালয়ে গ্রুপমেন্টের জন্য জ্রীণত জেমস প্রেট সাহের কর্তৃক মুক্তিও ও প্রকাশিত ছবল ।





# গবর্ণমেণ্ট গোজেট

TUESDAY, OCTOBER 12, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১২ অক্টোবর।

CONTENTS.	
PAGE	মি <b>ৰ</b> ও ।
PART I Resolutions, Orders and Notifica-	•१ हे।
tions of the Government of India 79-80	প্রথম বণ্ড।—ভাবতব্যীয় গ্র-চেন্টের নিধাবণ
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ৭৯৮
tions by the Lieutenant-Governor	ছিতীয় <del>বও। — বঙ্গদেশে</del> ব গ্রপ্মেটের <b>নির্ছা</b> রণ,
of Bengal Nil.	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-	বিতীয় ক থও।—বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের আদেশ নাই
nor of Bengal Nil.	ড়তীয় থণ্ড।—ভাবতব্যীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত
PART III.—Acts of the Legislative Council of	অংইন নাই
India Nil.	~
PART IV Bills of the Legislative Council of	পাতৃলিপি মাই
India Nil.	
PART V Acts of the Bengal Council Nil.	
PART VI.—Bills of the Bengal Council Nil.	
PART VII -Circular Orders by the High	সন্তম থভা,।—হাই কোটেব ও রেবিনিত বেডের
Court and Board of Revenue Ni'.	a magazina .
PART VIII.—Advertisements 513—529	
Supplement	
	I

#### PART I.

Resolutions, Orders and Notifications of the Government of India.

#### প্রথম খণ্ড।

ভারভবর্ষীয় প্রব্যেন্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রস্তৃতি।

#### ORDERS OF THE GOVERNMENT OF INDIA.

#### FINANCE AND COMMERCE DEPARTMENT.

#### NOTIFICATION.

Simla, the 27th September 1897.

No. 43278.-R.—In exercise of the power conferred by section 28, clause (a), of the Indian Salt Act, 1882 (XII of 1882), and in supersession of paragraph 2 of the Notification of the Government of India in the Department of Finance and Commerce, No. 769, dated the 11th February 1888, the Governor-General in Council is pleased to make a rule that, in respect of the districts of the Orissa Division in the territories administered by the Lieutenant-Governor of Bengal, anything to be done under the said Act by the Commissioner of Northern India Salt Revenue shall, on and with effect from the 1st day of October 1897, be done by the Commissioner of Excise, Bengal.

J. F. FINLAY, Secy. to the Goot, of India.

## ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের আদেশ।

#### রাজস্ব ও বাণিজ্য সম্পর্কীয় কার্য্যবিভাগ ।

#### বিজ্ঞাপন।

সিমলা, ১৮৯৭ দাল ২৭এ সেপ্টেম্বর।

৪০২৭ এশ্ আর নং।—মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব ভারতবর্ষীয় লবণবিষয়ক ১৮৮২ সালের ১২ আইনের ২৮ ধারার (ক) দফাক্রমে প্রদত্ত ক্ষমতা পরিচালন করতঃ এবং ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্টের রাজস্ব ও বাণিজ্য সম্পর্কীয় কার্যাবিভাগের ১৮৮৮ সালের ১১ই ফেব্রুয়ারি তারিখের ৭৬৯ নং বি এপেনের ২য় পারাগ্রাফ রহিত করিয়া এই বিধি করিলেন যে উক্ত আইনাল্সারে উত্তর ভারতবর্ণের লবণ রাজস্বের কমিশনরকে ঘাহা যাখা করিতে হয় বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের শাসনাধান প্রদেশের অন্তর্গত উড়িষ্যা খণ্ডের জিলাসমূহ সম্বন্ধে তাহা ১৮৯৭ সালের অক্টোবর শাসের ১ম দিবস হইতে বঙ্গদেশের আবকারী কমিশনর কর্ত্বক ক্বত হইবে।

জে, এফ্, ফিন্লে, ভারতবর্ধের গ্বর্ণমেন্টের সেক্টেরী।



# गवन्यन् कार्यन

TUESDAY, OCTOBER 12, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১২ অক্টোবর।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

जहेम थछ।

ই**শ্তিহার এভৃতি**।

#### LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাহার।

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### ইন্ডিহার নামা কাছারি কলেক্টুরী জ্বিলে চট্টগ্রাম।

ইহান্বারা জানান যাইতেছে যে, ১৮৯৭ ইং ২৫ মে শেষ তারিখের অনাদায় ১°, টাকার ঊর্দ্ধ্য জমার নওয়াবাদ ও খাষ তরফ তালুকাদির বাকা খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ খারার মর্ম্মতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার নিলামের দিন ধার্য্যে জিলার কালেক্টরা কাছারিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

				স দর	জমা।	; ! !	বাকী।		
ঞ্জমিক নম্বর।	তালুকাব নপব।	মৌজা, থানা, মহাল ও তালুকাব নাম।	মালিকেব নাম :	<b>ধা</b> চ্ছানা।	ছেই।	া থাজানা।	ছেছ।	মোট।	मख्रा ।
,	<b>ર</b>	٥	8	a	\ \ \ \ \ \	9	<b>b</b>	2	3.
	৮৮৭	মোজে বাকলিয়া থানা সহর মহাল নওয়াবাদ।—							-
3	२०५७8	তাং আহাম্মদ আলী ও	জব্বার আলী সদাগর	<b>৬৮</b> ৬। ৽	<b>૨</b> ૭હા/હ	७७॥%	36112°	@ U S	
	c c a	মাহাং ইছপ ও কোঝান							
		আলী ও আজগর আলী ও শ্রীমতী স্পরবিবি।				1			
		। उ धामका इद्यादाद।	পক্ষে হিং স্থৱল হক্ ও আছফা খাতুন, নেজা-						
			মত আলী চৌধুরী ও			ŀ			
			মণীন্দ্র চন্দ্র ঘোষ, মোবা-			! !			
			রেক আলী, আবতুল			!			
İ			রহমান ও নেজামত			' ;	}		
			আলী ও আবহুল হাকিম						
			স্বয়ণ তৎ নাবালেগ						
			ভাত৷ আলা <b>মিঞা</b> ও						
			ইছুমাইল হিতৈষী উক্ত আবগুল হাকি <b>ম</b> ।						
			All All attach I						

The 22nd September 1897.

F. P. Dixon,

For Collector

#### জিঙ্গা নোয়াখালী। নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবণ-মেন্টের যে মালিকিখত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অনুসারে উক্ত নোয়াখালী জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৭ সনের ৯ নবেম্বর মোতাবেক বাঙ্গলা ১৩০৪ সনের ২৪ কার্ত্তিক তারিখে প্রকাশ্য নিলাম বিক্রয় হইবেক।

খরিদারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্গু সকলে বাধ্য হইতে হইবে।— নিলামের সর্গু।—

- প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্ন্ধাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদারকে ইহার মালিক শ্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য হইয়াছে তাহা চিরন্ধরূপে গণ্য হইয়। এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবেক খরিদারগণ শতকরা ২৫, টাকা হারে আখরাজাত খরছ স্বরূপে সদর রাজস্ব বাদ পাইবে।
- ধিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের দারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণে যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে ভাষা বলবৎ থাকিবে এবং রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা ক্লম্বক প্রজা দারা দস্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্থীকার করিতে খরিদারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০ টাকার অন্ধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০ টাকার উর্দ্ধৃ হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের
একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন এক ১ দিন গণ্য
হইয়া ডদবধি ১৫ দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না
হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্কোপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম
যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিতহইবেক (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে
এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার নায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায় খরিদারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

তেীঞ্জিব নথব ।	মহাল ও প্ৰগণাব ⊷,⊼।	যতণ ভাষ	বেব হি ব জান ব অনুষ্ বিমাণ	i যায থানিক	ব{জ	<b>ઝ</b> ( ર	reti	আশ্বাজাত থবছ সকপে সদৰ বাজস্ব বাদ।	1
<del>-</del>	· ·	-	• •		-	 \		ď	' ৬
		<b>4</b> :	বোঃ	(41:	i (:	ভা :	প†:		
3000	আনন্দচন্দ্র গড়গড়া পরগণা	२१	o	n	<b>,</b> P-5	0	2	শতকরা ২৫,	1
	<b>ज़्</b> नूशा ।				1			টাকা হারে৷	
3 <b>6 1</b> 2	এ এ দ্বিতীয় খণ্ড	٩	•	•	\$8	n	a	: کې	i,
ऽ७ऽ२	জিম্বে ছৈয়দ আকবর পরগণা স্বন্দীপ ৷	७१	0	n	৯৬	4/	હ	ঐ	1
\$68€	জিম্বে হৈয়দ আকবর প্রগণা রামভদ্র চক্র ।	3	0	o	3	{}	0	á	
466	চণ্ডিপুর রাস্তা	3	o	0	3	n	•	•	

কালে**ট্র**রের কাছারি জেলা নোয়াবালী।

S. K. Agasti,
Collector.

किना ठाउँ भी भ

# ইন্ডাহার নামা কাছারী কালেইবী জিলা চট্টগ্রাম।

১৮১৭ ইংরেজ ৭০ মই স্ঠান্ত পঠ্নত বাকি পড়া খাজানা ছেছ বাদায়ের নিমিত্ত ১৮১৭ ইংরেজী ২১ অক্টোবর মোডাবেক ১৩০৪ বাঞ্চালা ৫ কার্ত্তিক রোজ রহস্পতিবার জিলা চট্টাথামের ইহাষারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধান্যতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার ম্ধায়্সারে নিমলিখিত ভালুকাদির কালেইবী কছি নিতে এক শা নিলামে ধ্রা ঘাইবে,।ইতি ১৮৯৭ ইংরেজ তারিখ ১ সেপ্টেম্বর।

ट न <b>टक</b> व		-	A P	স্দৰ্ভয়া	,	- February		
भूष	श्रीतः, त्मोण ७ टामुरक्व नाम	मानी हुक व न म	4 (9 म)	( E	स्	er er	A)E	मुख्या ।
-	ď	9	<b>G</b> D			F	P	R
√ ° ∞	থানা সাতকানিয়া হাল বাস- খালী মেজি ছোট ছন্ন্না মহল ন্যাবাদ ভাং ছোট ছন্না।	শানা সাতকাশিয়া হাল বাদ- বাবু ঘোগেশ চন্দ্ৰ রায় ফেট পাক্ষে রায় কিলাস চন্দ্ৰ খালী মেজি ছোট ছন্দ্রয়া দাস বাহাতুর জেনেরল ম্যানেজার। মহল নয়াবাদ ভাং ছোট ছন্দুয়া।	€ 88 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8	ନ ଦେଶ ୪ ୪	\$ 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20	A	<u>क</u> • • •	3世28   20年 東京で
9 %	থানা সাতকাণিয়া হাল বাস- ধালী ঘোজে পুৰ্ছ্ত্ৰী মহাল নয়াবাদ ডাং ক্ষণ্ণৱঞ্জিত।	গোলোক চন্দ্ৰ সিকদার পিং রাম্সেব্ক সিক্সার সাং কলাউজান।	∘ <b>પ</b> દા <b>લ</b> ૧	3/6  46	2/6156	:	<b>3</b> ∕6	
00 ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° °	শানা সাতকাণিয়া হাল বাস- বালী মোজে পুইছুরী মহাল নয়াবাদ ডাং মোবারেক জাল, বুঙা আলী।	জানোয়ার আলী পিং বক্সা আলী ও'হামিদ উলা চেং স্বয়ং ওনাবালক লাতা হৈয়দ উলা, আজমলা ভাগ ছৈয়দশ্বিহা, জমিলা খাড়নের পান্দে হিং অজি- ম্লাখা, মডিয়ের রহমান স্বয়ং ও নাবালক এজাহার মিঞার পান্দে হিং।	( <del>1</del>	% %	©	<b>গ</b> ্যসূদ্	9.74°991	2   2   2   2   2   2   2   2   2   2

Offy. Collector.

J. Риплиове,

न्यायाम ७। ७ जन्मम्।	•						
ভ্ৰত্ৰ পাৰা সাতকাণিয়া হাল বাসখালী মোজে চাম্বল মহাল নয়াবাদ ভাং আবন্তৰ মজিদ।	ভ্ঠু হোলা সাতকাণিয়া হাল বাসখালী নেজামত জালী পিং মাহাং রফি সাং বারখাইন মেজি চাম্বল মহাবাদ ভাং জাবতুল মজিদ।		° (   8 8 9	% 7	:	~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~	:
मिटिक म	রাজচত্ত্র সেনা পিং রাজকিলোর সেন ও বংশীয়েহন ৫১১৭৯ সেনের প্রেশ ওস্রেন্দ্র বিজয় রায় ঐট প্রেন্দ্রায় সৈন্দ্রন্দ মন্দ্র লগ্ন রাশ্নের কেন্দ্রন্ত্র স্প্রান্ত্র	* 5 7 7 8	<u>2</u>	د <i>ب</i> ویه د . • اواه		e % २ ३ ४	:

CHITTAGONG COLLECTORAID. ,
The 3rd September 1897.

#### ইস্তাহার নামা কাছারী কালেইরী জেলা চট্টগ্রাম।

ইছার দ্বারা জানান যাইতেছে যে এই কাছারী সংক্রাপ্ত নিম্নলিখিত তালুকাদির ১৮৯৭ ইং সনের ২৫শে মেই শেষ তারিখের বাকী পড়া খাজানা ও ছেচ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ শ্বারার মর্মাল্লসারে ১৮৯৭ ইং সনের ২০ অক্টোবর মোতাবেক ১৩০৪ বাং সনের ৪ কার্ত্তিক রোজ বৃধ্বার জেলা চট্টগ্রাম কালেক্ট্রর কাছারিতে বিনা ওজরে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইং তারিখ ২৪ আগস্ট।

নম্ব ৫	ও মহাল।			বাৰ্যিক	জমা।		বাকী।		
१ ८वर	তালুকেব মধুব †	পানা. মৌশা ও মহালেব নাম।	ম লিকেব নাম	থাকুনা।	(ହେଞ୍	থাজান।।	(\$\(\bar{b}\)\	মোট।	ম
,	٤	<b>v</b>	*	α	4	9	ь	۵	
					<u> </u>	` 			
brû	252	খানা রামু মৌজে খুরুলিয়া		1		२००११०		l	
		মহাল নয়াবাদ তালুক	পিং মাহামুদ হারি	ĺ		7296190			
		খএকলা।	সিকদার সাকিন পা			় স্পূৰ্ণ ব	1কি।	1.0500	
		u u	তলা মাছুয়াখালা।			ଓ ୩ଓIn⁄ º			ì
					1	ا عن ورن			
<b>≥</b> 46	255	থানা রামু মৌজে থুরূলিয়া	মহব্বত আলী চৌধুরি	60011/0	25116	२०० है	00 h	, २५०(०	1
		মহাল নয়াবাদ তালুক	পিং আজগর আলী		1	1			1
		বক্সালি।	চৌধুরি সাও জনদি।			1			
<b>₹</b> 5	3.6¢	থানা রামু মোজে উত্তর	আমির বাহু চৌধুরীয়া	309310	1 255	8.34	80110	ं 88२।৶৽	·
		মিঠাছড়ি মহাল নয়াবাদ			!				
		তালুক রস্তম আলী।	तिया जाशानित्य ना	i i		1	İ		
			জির আলী চেং সাং	4	!	1			i
			উত্তর মিঠাছ ছী ওগয়			1			:
			রহ।						
	२७१	থানা রামু মোজে খুটা-	1	be the base	+ 5	, <b>23</b> 0)	0040	२८५७	İ
99	701	रानी महान नशावाप	(	1		•			
		তালুক মোবারক আলী।		1		!			
		1	1 ( 2)	1	•	3:501 /-	9417	la ou l	
6-6-	200	থানা রামু মোজে ভারুয়া-	1	1 4 4 11	182 h/v	30419/6	07 / <b>"</b> 	228119.	!
		খালী মহাল নয়াবাদ	1	1					1
		ভালুক মাহান্ধদ রাজা।	আনয়ার জালী চৌং		1				i
			সাং পাতলা মাছুয়া-			1			1
		- (	খালী ওগয়রহ।		1	-			!
9 8	२ 9 8	থানা চকরিয়া মৌজে	1		٠ / ١١٠١ (	( 99 <sub>9</sub>	115000	400!/ n	1
		ভেওলামাণিক চর মহাল		1		1		; 	1
		নয়াবাদ তালুক বিবি প্রাক				:		· ·	
			সাতকাশিয়া।		· ·				
<b>b</b> - 0	२४७	থানা চকরিয়া মেডিজ	গোলনেছ নিছা, বল-	928120	والاد	دلهااطه ۶	0010150	11	
		সিল্থালি মহাল নয়াবাদ				Sra6 €			
		তালুক বিবি স্থাক।	কন্যা ও সেখ মাহা		1	স্থর,	ডি <b>দেশ্ব</b>	9661/30	1
			खन कालू छी॰ माः		•	কিন্তার	বাকি।	19911/38	
	1		জনদি ওগয়রহ।		1	80640	ارد ا		
					]	904110	50 he/3"	1	
<b>b-b-</b>	96/606	থানা চকরিয়া মৌজে	वर्माम जानी टर्गः भिः	91619.	. <b>5.551.78</b>	į.		₹88 h∕ •	
	8,7814.60	টেটং 'মহাল নয়াবাদ	সেখ মাহাঞ্দ জ্মা	(90)	ן איז רפירי  -	ردسور	60470	₹88 W o	ĺ
		তালুক হরিদাস বহ-	ং তৈলাবদ্বীপ		1				
		फात ।	थाना वानवाली।	1		•			

CHITTAGONG COLLECTORATE,

BAGALA PRASANA MAZUMADER,

The 31st August 1897.

For Offg. Collector.

#### জিলা চটাগ্ৰাম।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিন্ত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজন্ম ও অন্য যে সকল দাবী আইনামুসারে বাকী রাজন্মের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার মিমিত্ত সন ১৮৯৭ ইংরেজির ২৬শে নবেম্বর তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রায় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ১৮ সেপ্টেম্বর ।

١	<b>\</b>	٠	8	t	9	٩	ь	•
ভৌক্ষিব নম্বর I	ফ্রাল ও প্রগণাব নাম।	সম্পূর্ণমহালের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কি মা।	কে।ল মাত্র অংশ বিক্রয হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম কইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছউলে ঐ অং- শেব সদর ক্রম।।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাহাব বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহাঃ বাকী।
२ n २ ১ r ১ q ১ २ b - २	থানে শাতকানীয়া মোং গারাজীয়া তং মোং গারাজীয়া বাং তং মঞ্জত রাম হাজ্ঞারি।	<-7¢ \9	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰী হই- বেক।		শ্ৰীযুত ৰাবু কৈলাস চক্ৰ দাস মেনে- জাৱ জাং আবণ্ডল কৰ্ত্তা খাঁ শ্ৰীদাহ মিঞা গণ।	••••	00 ha/o	
७७ <b>०</b> २२० <b>৯</b> ১ <b>१</b> ८०	তরফ মৌজে লোহা গারা— বাং তং মঞ্চত রাম হাজ।রি।		<b>B</b>		শ্রীগমির সিং হাজারি শ্রীআবহুল কর্তা খাঁ গং।		ું ૭৯৮॥	•••••
<b>৬</b> ৬ <u>৭</u> ২ <b>°</b> ১ <mark>৭</mark> ১৭৯৪	,		J. P. C. C. C. C. C. C. C. C. C. C. C. C. C.		শ্রীদেশ হাবিব আহা সদ চৌং জ্ঞাং তথ পিতা মকবুল আল চৌং পক্ষে।	-	8५/११	

সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫মেই শেষ তারিখের বাকি প্রতা।

টীকা ৷-- যে শ্বলে উপবেৰ লিখত বৰ্ণনাপত্ৰেৰ ৫.৭ ও ৯ ঘৰে কে ন অংশ মান বিক্রম হইবে বলিয়া শিখিত আছে দেই ফলে ইচা ব্থিতে হ**ই**বে যে ঐ অংশেৰ নামত স্বতম্ব হিমাৰ বাখা হটয়া থাকে ও মহালেৰ জন্য বা জন্যান্য অংশ বিক্রম হয় ন ঃ

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 24th September 1897.

F. P. Dixon,
For Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম।—ইন্ডিহার নামা কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহায়ারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৬ ইং ২৬ ডিসেম্বর শেষ তারিখের অনাদায় ৫০) টাকার ঊর্দ্ধ জ্ঞমার নওয়াবাদ তালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেছ আদারের নিমিন্ত ১৮৯৭ সাং ৬ এপ্রিল তারিখে নিলাম চইয়া তদাদরে যে সমস্ত তালুকা বায়না জব্দ হইয়াছে সেই সমস্ত তালুকাদির বাকী আদারের নিমিন্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ও ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সাং ১১ আইনের ৬ ধারার মর্ম্মমতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ সালের বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার ধার্য্যে জিলার কালেইরা কাছারিতে প্রকাশ্য ছানি নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৬৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

ক্ৰমিক নপ্ৰ।	তলুকাব নম্ব।	মৌৰা থানা. মহাল ও তালুকাব নাম।	মালিকেব নাম।	সদ্ধ জ্বা।		বাকী :			મ હત્
				থাজানা।	(55)	थाकांना ।	(\$\varphi\)	মোট ৷	i
3	₹	٠	8	ά		, 	ъ	د	۶۰
3	8678 50848 868 388	মোজে জ্জখলা থানা কটীকছরী মহাল নওয়া বাদ।—  তালুক এয়ার আলি থাঁ।, হাং তাং ওবেদর রহ- মান খাঁ।	ওবেদর রহমান ২ ও মেহের আহি খাঁ।	1 ′	১৬৬৸৽	৬৯৩,	७१।७७	૧૭ <b>૦</b>   એછ	<b></b>
Снтт	ragong Coli	LECTORATE,		,	į		· 1	F. P. Div	os,

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanie Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 2$  ans. 8; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 5$ ; per pound the,  $Rs.\ 10$ . The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens,  $frecash\ only$ , at the undernoted rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 3$ ; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 6$ . per pound tin,  $Rs.\ 12$ . This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 os. tin, eight annas per 8 os. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জুরত্ব সিণ্কোনা।

কলিকাডান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট গবণ-মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পৌও ক্রম্ম করিলে নিম্নলিখিও মৃল্যে ক্রম্ম সিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন বালে টাকায়, আট ঔপ টিন ৫১ টাকায় ও এক পৌও টিন ১০ টাকায় পাইবেন। সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬ টাকায়, আট ঔপ টিন ৬ টাকায় এবং এক পৌও টিন ১২) টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেডাগণও এই ঔষধ বিক্রেম্ম করিয়া থাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের ০০, আট ঔপ দিনের ৪০ বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।
১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে;যধা—

১ এক পৌও টিন ১৮) বা ডাক মাণ্ডল সমেত ১৮৮০

॥ जास ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরেপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইছা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপকৃষ্ট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই তাহার গ্যারান্টা দেওয়া ঘাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা ঘাইবে এবং কলিকাতার নিকটছ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্বপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া ঘাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

Rs. A. P. ... 10 0 0 per annum. Entire Gazette ... 2 Postage 0 Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-0 O Entire Gazette Postage Parts III, IV, V, and VI U for 4 sheets with additional an charge of 1 unua for every 4 sheets in excess

Postage ... 0
For Calcutta.

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage E. N. Bakes.

Offg. Under-Secretary to the Goot, or Bengal.

#### বিজ্ঞাপৰ ৷

১৮৮৩ দলে ২১ ফেব্রেয়ারি ৷—-বালালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ভাক্ষান্থল এই শবহি দ্বিদ্র লিখিত হারে অপ্রিম দিতে হইবে :—

यकः मटन			টাকা।					
সম্পূৰ্ণ গেচ্ছেট	•••	•••	•••	বৎসর	> ~			
ডাক <b>মাস্</b> ল		•••		"	<b>*11 •</b>			
9 9 9 9 8 9 8 9 8 9 8 9 8 9 8 9 8 9 8 9	( যাহাতে 🔻	গর <b>ভব</b> ধের	ও বজ-					
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার অ	ালন 👁 খ	गरेत्वद्र					
পাগুদিপি থাকে )	•••	•••	•••	,,	8,			
ভাক্ষাস্প	•••	•••	٠	"	١,			
সম্পূৰ্ব <b>একখানি গেজেটে</b> র	মূল্য	•••	***	"	( •			
ডাকমান্থৰ		•••			1.			
o 3 # 3 @ 9 & \$\\$ (	প্ৰভ্যেক ।	<b>४ शृक्षा</b> वा	তাহার					
ন্যুন সংখ্যক প্ •	होत भृमा)	•••			/ ৪ পৃষ্টার উপর ষদ অধিক হয় ভাহার <b>প্রভো</b> ক ৪ পৃষ্টা প্রতি দারে			
T f a we was					একং আন!।			
ख†क्याञ्चन	• • •	• ••		a,	. , -			

#### কৰিকা ভাষ় !

ঞলিকাভার ও মহঃদলে সমান মূল্য, কলিকাভার কেবল ডাক্ষাখল লাগিবে না।

ই, এন, বেকার।

वकामान भरनी शरकीय अकृषिः (छाउँ मिर्क देशे।

#### The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, MA., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDT., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengales Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., unserted in either of the Gazette, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the Rupes on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

12th December 1882.

Note. - Rates of advertisements in the Calcutta Gazette.

Full page, per issu	e	•••	•••	Ks. 20
Half, .,	***	•••		10
Casual ac	lvertisem <b>ent-</b>	4 ann <b>a</b> s pe	r line.	

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গোজেটের কিছা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওরা না গেলে ঐং গেভেট নেওরা যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেশ্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপ্রাতিরিক্ত এই মর্ঘের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কাষ্যালয় কিম্বা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ক্যক্তিবালাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুশুকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে তিমিত্তি নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেকেটারিয়েটের আকোনীতের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত ফার্য্যালয় ভিম্ন ফোন ব্যক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেচ্ছেটে ইশভিহার কি বিশ্বাপন প্রাকৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

ষ্ট্রোর নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণিট বাদ দিবার জ্বন্যে টাকার উপর আর ৴০ এক বানা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টন, বলদেশের গবর্ণযেন্টের ছোট সেক্লেটরী।

১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মুখ্যে। – কলিকাতা গেলেটে ইণাতিহার প্রকাশ কনিকার হাব এটং।—					
প্ৰা এক পৃষ্ঠা এক্ষ্য ধার প্রকাশ করণের	••	•••		***	२०५
का ४ ५ के।	••.	***	.~		>-,
ক্ষম ক্ষম উশ্বিষার প্রকাশ করিতে চুইটো	। धकर गीक		***	évie	ţ•

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant. Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annus for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### वाकान (मटक्नेविदारे विकास दिक्से विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विक

বারিষ্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীমতীর বঙ্গদেশের সিবিগ সর্ব্বিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিষ্টিষ্ট ও সেশন জ্ঞ ও রেন্ট ক্মিশ্যনের মেম্বর, ইনর টেম্পলের জীযুত সি, ডি. ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি সাহেবের প্রণীত বঙ্গদেশের প্রীযুত লেপ্টেনেউ গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভ্রম্যধিকারার প্ৰজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং থানি পুশুকের মূল্য, ৫ পাচ টাকা।

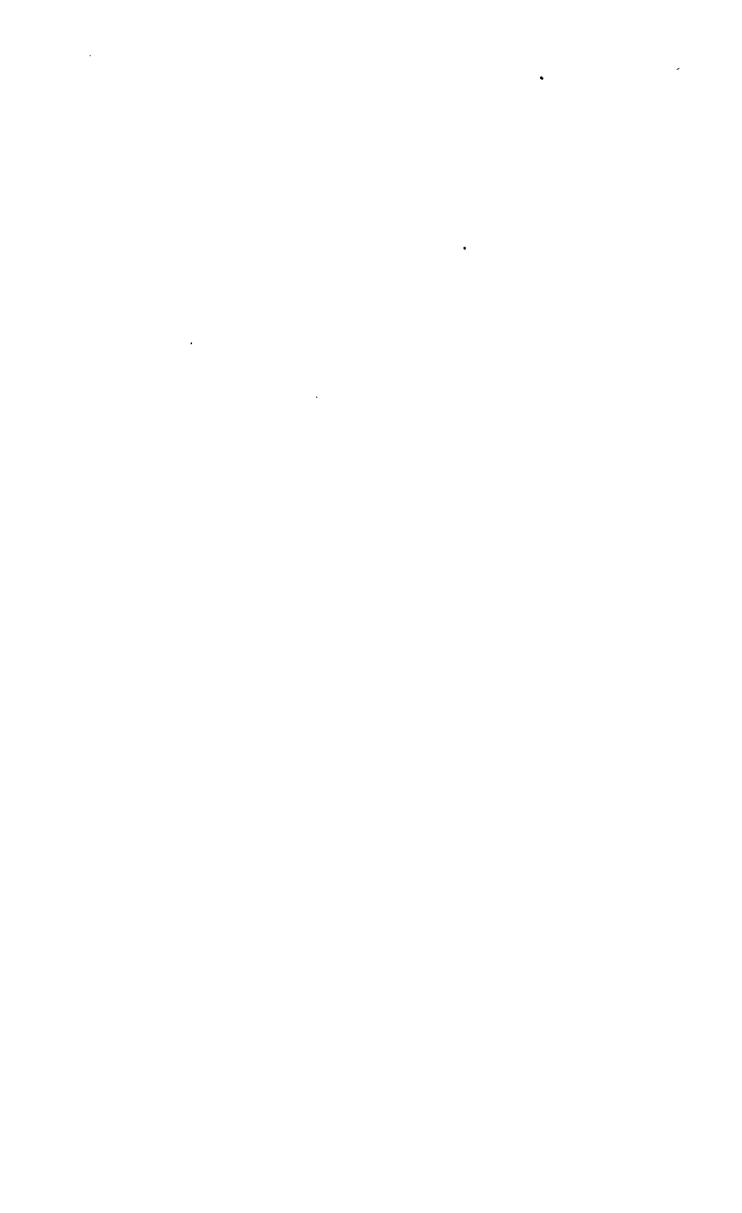
কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তুক ক্রয় করিতে চাহিলে বাজাল সেকেটারিয়েটের আকেটিটের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং ভাষা মোড়ক করিয়া ভাকে পাঠাইবার ধরচ।৴০ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। যম্ভব্য ।- উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলকে বল্পদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেড ·মেষ্ট টৌন হালের হাভায় স্থিত বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিনে রেজি-ক্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুশুক কলিকাভার গবর্ণমেন্ট গ্লেশে, ধাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটীতে ক্রয় করিতে পাওয়া বায়।

কলিকাতা প্রোসঙেন্দ্রী কেল যন্ত্রালয়ে গ্রবমেটের কন্য জ্বযুত্ত কেম্স পেটি সাতের কর্তৃক মুক্তিত ও প্রকাশিত হুইল 🔋



Aumb. 3038 [9096]

REGISTERED No. 3.



# गवर्गायन् कार्कि।

TUESDAY, OCTOBER 19, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৯ অক্টোবর।

CONTENTS.	1		
4	Pagn.	मिर्च ।	
PART I Resolutions, Orders and Notifica-			नुका ।
tions of the Government of India	Nil.	<b>প্রথম বঞ্চ।—ভা</b> বতবর্ষীয় গ্র <b>ণ্মেণ্টের মিদ্ধার</b> ণ	
PART IIResolutions, Orders and Notifica-		আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	নাই :
tions by the Lieutenant-Governor		विजीय वश्व । वक्करमात्मव शवर्गस्यक्ति विद्यालय	
of Bengal	Nil.	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	মাই।
PART 11A.—Orders by the Lieutenant-Gover-		ছিতীয় ক খণ্ড।—বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের জ্ঞাদেশ	নাই।
nor of Bengal	Nil.	ভৃতীয় খণ্ড।—ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত	
PART III Acts of the Legislative Council of		काहेंग	নাই :
India	Nil.	চতুর্ব বস্তঃ—ভারতব্যীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনের	-114
PART IV Bills of the Legislative Council of		পাছলিপি	নাই :
India	Nil.	পঞ্চম থণ্ড।—বজীয় ব্যবস্থাপক সভাব প্ৰণীত আইন	নাহ। নাই।
PART V.—Acts of the Bengal Council	Nil.	ষ্ট বঞ্জ।বজীয় বাবন্দ্রাপক সভার আইনের	-1147
PART VI.—Bills of the Bengal Council	Nil.	শাভূলিশি	माई।
PART VIICircular Orders by the High		সৰম খণ্ড।—ছাই কোটেব ও বেবিনিউ বোডেব	*1* 1
Court and Board of Revenue	Nil.	সাধারণ জ্ঞাপমপত্র	নাই।
PART VIII.—Advertisements 52	5535	No. of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of Contract of	पार । इटक— इटक
SUPPLEMENT	Nil.	প্রিশিষ্ট স্বর্থমেন্টের স্বেচ্ছট	समि:

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्ट्रेय थए।

ইশ ডিহার এভৃতি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিবয়ক ইন্তাহার।

## জিলা চট্টগ্রাম। ইন্ডিহার নামা কাছারি কলেক্ট্রনী জিলে চট্টগ্রাম।

ইহান্বারা জানান যাইতেছে যে, ১৮৯৭ ইং ২৫ মে শেষ তারি.শ্বর জনাদায় ১০) টাকার ঊর্ধ্ব জমার নওয়াবাদ ও শাষ তরফ ভালুকাদির বাকা খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার স্বর্দ্মতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেশ্বর মোং ১৩০৪ বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার নিলামের দিন ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রী কাছারিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

নধর। নধর। তালুকার নাম। বালিকের নাম। বালিকের নাম। বালিকের নাম। বিচরা থালানা। বিচরা থালানা। বিচরা থালানা। বিচরা থালানা। বিচরা বালিনা বিচরা থালানা সহর মহাল নওয়াবাল।— তাং আহামাদ আলী ও জব্বার আলী সদাগর জানিবে শ্রীমতী ময়মুনা খাতুন ও করিমন্তিছা পক্ষে গুলুন, নেজামত আলী ও আজগর আলী ও শ্রীমতী মুরবিবি। বিচরারী ও মণীন্দ্র চন্দ্র দোব, যোবা। রেক আলী, আবহুল রহমান ও নেজামত আলী ও আবহুল হাকিম স্বয়ং তথ নাবালেগ ভাতা আলামিঞা ও ইছুমাইল হিতৈবী উক্ত					সদর জমা:			वाकी ।		
মেডিজ বাকলিয়া থানা সহর মহাল নওয়াবাদ।— তাং আহাম্মদ আলী ও জকারে আলী সদাগর আলী ও আজগর আলী ও জীমতী মুরবিবি।  তাজ চিং মুরল হক্ ও আছফা খাতুন, নেজা- মত আলী চেম্বিরী ও মনীম্ম চন্দ্র ঘোষ, যোবা- রেক আলী, আবতুল রহমান ও নেজামত আলী ও আবতুল হাকিম স্বয়ং তৎ নাবানেগ ভাতা আলামিঞা ও ইচ্মাইল হিতৈষী উক্ত			মৌজা, থানা, মঙাল ও তালুকাব নাম ।	মালিকেব নাম।	শাভানা।	<b>ছে</b> ।	থাজান৷	(EB	মোট।	মশ্বব্য
১ ২০১৪ বাং আহাম্মদ আলী ও জকার আলী সদাগর ৬৮৬। ২০৬। ৬ ৬৬। ৫১ ছিল ও কার্মান আলী ও আজগর আলী বাড়ন ও করিমন্ত্রিছা পক্ষে হিং হরল হক্ ও আছকা খাড়ন, নেজান্ত আলী কালী ও আল কালী, আল হন্দ্র বিধি। বিক আলী, আবহুদ্র রহমান ও নেজামত আলী ও আবহুল হাকিম হুয়ং তথ নাবাকেগ ভাতা আলামিঞা ও ইচুমাইল হিতৈষী উক্ত	3	٩	8	8	a ·	4	9	<b>b</b>	>	3•
মাহাং ইছপ ও কোকান জানিবে শ্রীমতী ময়মুনা আলী ও আজগর আলী খাতৃন ও করিমন্তি।  ও শ্রীমতী মূরবিবি।  পক্ষে হিং মুরল হক্ ও আছফা খাতুন, নেজা- মত আলী চেমুরী ও মণীন্দ্র চন্দ্র ঘোষ, যোবা- রেক আলী, আবহুল রহমান ও নেজামত আলী ও আবহুল হাকিম স্বয়ং তৎ নাবানেগ ভাতা আলামিঞা ও ইছুমাইল হিতৈষী উক্ত	•	bb9!		,				:	}	
আলী ও আজগর আলী খাতুন ও করিমন্নিছা ও শ্রীমতী মূরবিবি। পক্ষে হিং মূরল হক্ ও আছফা খাতুন, নেজা- মত আলী চেধুরী ও মণীন্দ্র চন্দ্র ঘোষ, মোবা- রেক আলী, আবহুল রহমান ও নেজামত আলী ও আবহুল হাকিম হয়ং তৎ নাবাদেগ ভাতা আলামিঞা ও ইছুমাইল হিতৈষী উক্ত	3	२०५७8	তাং আহাম্মদ আলী ও	कस्वाद यानी मनागद	160-161 o	२७७/ ७	७७॥० व	19/0	4012	
ও শ্রীমতী শ্বরবিবি। পক্ষে হিং শ্বরল হক্ ও আছফা খাতুন, নেজা- মত আলী চৌধুরী ও মনীক্ষ চন্দ্র ঘোষ, যোবা- রেক আলী, আবহুল রহমান ও নেজামত আলী ও আবহুল হাকিম স্বয়ং তৎ নাবাদেগ ভাতা আলামিঞা ও ইচুমাইল হিতৈষী উক্ত		600	মাহাং ইছপ ও কোৰ্কান	জানিবে শ্রীমতী ময়মুনা				'	4	
ও আছফা খাতুন, নেজা-  মত আলী চেধুরী ও  মলীন্দ্র চন্দ্র ঘোষ, মোবা- রেক আলী, আবহুল  রহমান ও নেজামত  আলী ও আবহুল হাকিম  হয়ং তৎ নাবালেগ  ভাতা আলামিঞা ও  ইচুমাইল হিতৈষী উক্ত	-		আলী ও আজগর আলী	খাতুন ও করিমন্নিছা		1	1	:	1	
মত আলী চৌধুরী ও  মণীজ্ঞ চল্দ্র ঘোষ, মোবা- রেক আলী, আবহুল  রহমান ও নেজামত আলী ও আবহুল হাকিম ক্ষয়ং তৎ নাবাদেগ ভাতা আলামিঞা ও ইচুমাইল হিতৈষী উক্ত			ও শ্রীমতী মুরবিবি।	পক্ষে হিং মুরল হক্		į.				
মণীন্দ্র চন্দ্র ঘোষ, মোবা- রেক আলী, আবহুল রহমান ও নেজামত আলী ও আবহুল হাকিম স্বয়ং তৎ নাবালেগ ভ্রাতা আলামিঞা ও ইচুমাইল হিতৈষী উক্ত				ও আছফা <mark>খাতুন, নেজ</mark> া-						
রেক আলী, আবহুল রহমান ও নেজামত আলী ও আবহুল হাকিম স্বয়ং তৎ নাবাদেগ ভাতা আলামিঞা ও ইচুমাইল হিতৈষী উক্ত	- {			মত আলী চৌধুরী ও			i	! ! { }		
রহমান ও নেজামত আলী ও আবচ্চল হাকিম স্বয়ং তৎ নাবালেগ ভ্রাতা আলামিঞা ও ইচুমাইল হিতৈষী উক্ত				মনীক্স চক্র যোষ, যোৱা-	İ					
আলী ও আবহুল হাকিম স্বয়ং তৎ নাবাদেগ ভাতা আলামিঞা ও ইচুমাইল হিতৈষী উক্ত				রেক আলী, আবঙ্গ	:		1		,	
স্বয়ং তৎ নাবাদেগ ভ্ৰাতা আলামিঞা ও ইছুমাইল হিতৈষী উক্ত				রহমান ও নেজামত		ì	1	! !	1	
ভ্ৰাতা আলামিঞা ও ইছুমাইল হিতৈষী উক্ত	,			আলী ও আবগুল হাকিম	1		1		i	
ইছুমাইল হিতৈষী উক্ত				স্বয়ং তৎ নাবাদেগ	1					
			1	ভ্ৰাতা আলামিঞা ও	1		1			
				ইছুমাইল হিতৈষী উক্ত	1				į	•
બીવર્રેન દામના				আব্দুল হাকিম।	1					

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 22nd September 1897.

F. P. Dixon,

For Collector,

### জিপা নোয়াখালী। নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবণ-মেন্টের যে মালিকিন্ত আহে তাহা নিম্নলিখিত মিলামের সর্ত্ত অহুসারে উক্ত নোয়াখালা জেলার কালেইরিতে ১৮৯৭ সনের ৯ নবেম্বর মোতাবেক বাল্পলা ১৩০৪ সনের ২৪ কার্ত্তিক তারিখে প্রকাশ্য নিলাম বিক্রয় হইবেক।

খরিদারগণকে নিমের লিখিত নিলামের সর্ভ সকলে বাধ্য হইতে হইবে।— নিলামের সর্ভ।—

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেইর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিষ্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্ব্বাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত ইইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদারকে ইহার মালিক জ্বরূপে গণ্য করিতে ইইবেক এবং যে রাজক্ষ ধার্য ইইয়াছে ভাষা চিরক্তরপে গণ্য ইইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদারের প্রতি পর্যাপ্ত ইইবেক খরিদারগণ শতকরা ২৫০ টাকা হারে আখরাজ্ঞাত খরছ স্বরূপে সদর রাজস্ব বাদ পাইবে।

দ্বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের দারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণে যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে ভাষা বলবৎ থাকিবে এবং রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা কৃষক প্রজা দারা দস্তখত হইয়াছে ভাষাদের স্বত্ব স্থীকার করিতে খরিদারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০ টাকার অন্ধিক হইলে সমুদ্য টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০ টাকার উর্দ্ধ হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের
একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন এক ১ দিন গণ্য
হইয়া তদবধি ১৫ দিবসে ২ প্রাহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না
হয় অথবা ঐ দিবস কোন পার্কোপিলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম
যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিতহইবেক (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে
এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জ্ঞারি হইয়া অনাদায় খরিদারের দায়ীত্বে এই মহাল পুন্রায় নিলাম হইবে।

ভৌ <b>লি</b> ব নপ্তৰ ।	মহাল ও প্রগণার নাম।		। यञ्चन जाना बार्य ।		আৰ্থবাজাত থবছ সকপে দদৰ রাজ স্থ বাদ।	মগুৰঃ ;			
٠	2		•		<u>-</u>	8		a	<b>b</b>
		હ:	বো:	শো:	<u> </u>   tit:	আ	পা:		
3000	আনন্দচন্দ্র গড়গড়া পরগণ	२٩	n	0	<b>&gt;</b>	o	2	শভকরা ২৫,	
	<b>ज्ला</b> रा।				!			টাকা হারে।	
2622	এ এ দিতীয় শশু	9	•	•	18	n	0	<u>à</u>	
५ <b>८</b> ७८	জিম্বে ছৈয়দ জাকবর পরগণা স্থাদীপ।	৩৭	0	۰	৯৬	4/	હ	d)	·
268¢	জিম্বে ছৈয়দ আকবর পরগণা	٥	•	•	>	11	0	(é)	
6	রামভন্ত চক্র ।								
2475	চণ্ডিপুর রান্ডা	2	o	0	١	0	•	0	

किना होन्याय।

हें जाश ब मार्ग का हा वी कि टिन हो जो मार्ग ।

ইগছারা সংবাদ দেওয়া ঘাইডেছে যে ১৮৬৮ সালের ৭ অহিন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মুর্যারে নিমুলিবিড ভালুকাদির ১৮১৭ ইংরেজী ২৫শে মেই সূর্যান্ত পর্যন্ত বাকি পড়া খাজানা ছেছ বাদায়ের নিমিত্ত ১৮১৭ ইংরেজী ২১ অক্টোবর মোভাবেক ১৩•৪ বাঞ্চালা ৫ কান্তিক রোজ রহস্পতিবার জিলা চট্টগ্রামের কালেক্টব্ৰী কাছারিতে একাশ্য বিলামে ধরা ঘাইবে,। ইতি ১৮১৭ ইংরেজা তারিব ১ সেপ্টেম্বর।

,	Cat.	A	1928   26 호현대
	त्माहे ।	<b>d.</b>	3000 3000 3000 3000 3000
- - - -	6	•	a)
	थिवित	•	9.080.4 9.4 9.4 9.8 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18
अस्य क्या	CRE	•	3/e3/s 3/146 3/188
F.	4	us	१५८०) १५८५ १५८५
	प्रतिहेत्र इति	9	বাবু হোগেশ চন্দ্ৰ বায় ফেট পদে বায় কৈনাস চন্দ্ৰ দাস বাহাতুর জেনেবল ম্যানেজার।  গোলোক চন্দ্ৰ সিকদার পিং রাম্সেবক সিকদার  সাং কলাউজান।  ভানোয়ার জালী পিং বলা জালী ও হায়িদ উলা চে ।  স্বয়ং ও নাবালক ভাতা হৈ য়দ উলা, আজ্মলা ভিয়ি  হৈয়দলিছা, জ্যিলা বাহুনের পদে হিং আজ্-  যুলা বা, মডিয়র রহ্যান ক্যাং ও নাবালক এজাহার
	শ্লি, মৌজা ও তংশুকেব ল ম	*	ধানা সাতক্ৰিয়া হাল বাস- ধালী মেডিজ ছোট ছম্য়া মহল ন্য়াবাদ তাং হোট হম্যা। ধালা সাতকাৰিয়া হাল বাস- ন্য়াবাদ তাং ক্ষগ্ৰভ্ৰী মহাল নামা সাতকাৰিয়া হাল বাস ধালী মেডিজ পুইছ্ৰী মহাল নামাৰাদ তাং মেবাবারেক জালী বুলা জালী।
टाल्टक्व	H44	^	* 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0

: : :	:	:
>   1995	ς <b>`</b> 48	e,6995
:	:	<u>:</u> :
₹\  @\$\ 	۲) کم	€ <b>%</b> 9 9 <b>%</b>
3621/8	· /   • • /	عاو <b>.</b>
(p03.8	& 6 S ) \$\sigma\$	a 5 5 40/o
३० थाना मार्कमितिश शम वाम- कम्बन वामी मिर गङ्ग वामी तिर मार्ग तिर मार रेडनात- ३७७१, ३७३।/७ है१७६॥/२ यामी त्योष्टि शम्बन यशम वीम। स्थित।	৪৯ চাও । ৪৭৭ থানা সাতকাণিয়া হাল বাসবালী নেজামত আলী পিং মাহাং রফি সাং ব্রেথাইন যৌজে চাথল মহাল নয়াবাদ	৪৫৬৬ খানা সাতকাণিয়া মোজে বাজচন্দ্রসেন পিং রাজ্জিশোর সেন ও বংশীযোহন ৫১১৬%। চূড়ামণি মহাল নয়াবাদ জাং সেনের পক্ষে ও হরেন্দ্র বিজয় রায় ফেট পক্ষেরায় মহেশ চন্দ্র, চৈতন্যচরণ। কিলাস চন্দ্র দাস বাহাত্তর জেনেরল ম্যানেজার।
থানা সাতকাগিয়া হাল বাস- খালী মোজে চাছল মহাল নুয়াবাদ তাং ডাজাছছা	(हो९। थोबा माञ्काबिक्षा हान वामसानी धर्मोत्क्र हाथन यहान बद्यावाम ७१९ व्याव्यून यक्षिम।	ধানা সাতকাণিয়া মেডিজ চূড়ামণি মহাল নয়াবাদ তাং মহেশ চন্দ্ৰ, চৈতন্যচরণ।
3 2 2	7 500	3) 3) 5) 6)

CHITTAGONG COLLECTORAIE, The Std September 1897

J. Риплимоне,
Обу. Совестог.

## ইন্তাহার নামা কাছারী কালেইরী জেলা চট্টগ্রাম।

ইহার ছারা জানান যাইতেছে যে এই কাঁছারী সংক্রাপ্ত নিম্নলিধিত তালুকাদির ১৮৯৭ ইং সনের ২৫শে মেই শেষ তারিখের শ্রাকী পড়া থাজানা ও ছেচু আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ খাইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধান্যতে ১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মান্নসারে ১৮৯৭ ইং সনের ২০ অক্টোবর মোতাবেক ১৩০৪ বাং সনের ৪ কার্ত্তিক রোজ বৃধবার জেলা চট্টগ্রাম ক্রালেক্টর কাছারিতে বিনা ওজরে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইং তারিখ ২৪ আগন্ত ।

শশর '	ও মহাল।	•		ৰাৰ্ষিক	ভমা।		যাকী।		
भ्यः (त्रः मध्तः।	ভালুকের মখর।	থানা, মৌশাও মহালের নাম।	মালিকেব দাম।	থাজানা।	নেছে।	थाकामा।	(क्हा	মোট।	मच्चर
٠	<b>ર</b>	٠	8	æ	•	۹ ا	ь	۵	١٠
rt	262	ধানা রামু মোজে খুরলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক খএরুলা।	1		५ <b>२</b> ५०	২৫৩॥৯৩ ১৮৯৬।৯৭ স্পূর্ণ ব ৬৭৬।৯/০	ইং স- াকি।   ৬৯५°	<b>ऽ•</b> २७८७	
M	344	খানা রামু যৌজে খুরলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক বকুসালি।			<b>ે</b> સ્વાહ	30°(0 20°10	30) 0•h/6	2 <b>5</b> 2(2	
242	<b>५७</b> ०	ধানা রামু মেজি উত্তর মিঠাছড়ি মহাল নয়াবাদ তালুক রম্ভম আলী।	, ,		<b>3</b> ₹₹/•	80340	8 - 11 9 - 8	887120	
399 .}	২৩৭	ধানা রামু মোজে খুটা- ধালী মহাল নয়াবাদ ভালুকমোবারক আলী।	সং। জামিলা খাতুন আহা- লিয়ে মৌলবি আজ- মলা খাঁ লাং হারবাল		2021/0	₹3¢)	७७५०	२८४५७	
) ) 	₹₡•	থানা রামু মেচিজ ভারুয়া- খালী মহাল নয়াবাদ ভালুক মাহাল্পদ রাজা।	মোলবী মহরবজালী ও ছৈয়দ আলী পিং আনমার আলী চেং সাং পাতলী মাছুয়া- খালী ওগয়রহ।	@@ 0   o	383 W	ऽ७१।৵•	891/•	ه (۱۹۹۹ عج ۱۹۹۱	
<b>२</b> १२	<b>২</b> 98	থানা চকরিয়া মেণিজে ভেওলামাণিক চর মহাল নয়াবাদ তালুক বিবি ভাাক।	আসমত আলী জাহা- বক্স পিং মাগন আলী	3402)	3 66 11 / 0	<b>€</b> ¶ ¶ ∞⁄	@ 15eJ 0	<b>७७७।∕</b> ०	
<b>₹</b> ₽•	₹ <b>⊁</b> 'O	থানা চকরিয়া মেবিজ্ঞ সিলখীলি মহাল নয়াবাদ তালুক বিবি প্রাক।	গোলনেছ নিছা, বল- কিচ বিবি নাবালকা কন্যা ও সেখ মাহা- অদ কালু চোং সাং জলদি ওগয়বহ।	৭৯৬। ৯		কন্তীর ৪০৬ ৮৯/৩	সেক্টে- ডিসেম্বর বাকি। ৩০॥•	1661/ <b>/</b> 5 •	
₹₩₩	9 <b>&gt; ¢ o&gt;</b> 868  <b>¢</b> 60	থানা চকরিয়া মৌজে টেটং মহাল নয়াবাদ তালুক হরিদাস বহ- দার।	এসাদ আলীচোঁং পিং সেখ মাহান্ধদ জমা সাং তৈলারদ্বীপ থানা বাঁশখালী।	<b>443</b> )	797IV		ه د له ه ه ه ه ۱۷ ه ه	₹88 ५∕ •	

CHITTAGONG COLLECTORATE,

BAGALA PRASANA MAZUMADER,

The 31st August 1897.

For Offg. Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজত্বের ন্যায় অদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিক্ত সন ১৮৯৭ ইংরেজির ২৬শে নবেশ্বর তারিখে বেলা ১২ টার সমন্ন নিলামে বিক্রায় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ১৮ সেপ্টেম্বর ।

١	<b>ર</b>	9	8	t .	b .	9	ь	•
ভৌঞ্জির নম্বর ।	মহাল ও প্রগণার সাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর ক্ষম।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় গুটলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিববণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছইলে ঐ অং- শের সদর কমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রম হুইলে তাহার বাঞ্চী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰথ হইলে ভাৱাঃ বাকী।
, 2.54 2.54 2.4►4	থানে শাতকানীয়া মোং গারাজীয়া তং মোং গারাজীয়া বাং তং মঞ্জত রাম হাজারি।	5.201/9	সম্পূর্ণ মহান্স বিক্রী হই- বেক।		শ্রীযুত বাবু কৈলাস চন্দ্র দাস মেনে- জার জাং আবগুল কর্ত্তা খাঁ শ্রীদায় মিঞা গং।	•••••	00 he/o	
५२० <b>२</b> ५२० <b>२</b> ५ <u>२</u>	তরক মেডিজ লোহা গারা বাং তং মঙ্গত রাম হাজারি।		ď	•••••	শ্রীগমির সিং হাজারি শ্রীজাবহুল কর্ডা বাঁ গং।	••••	७३४॥४२	••••
<u>- 668</u> - 590 - 590 - 590 - 590	1		<b>B</b>		শ্রীদেশ হাবিব আহা শ্রদ চৌং জাং তৎ পিতা মকবুল আল চৌং পক্ষে।	,-	86119	

সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫মেই শেষ তারিখের বাকি পড়া।

টীকা।—যে দ্বলে উপরের লিখত বর্ণনাপত্তের ৫.৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া শিখিত আছে দেই দ্বলে ইহা বৃথিতে হইবে যে 🗳 অংশের নমিত্ত স্বতন্ত্র হিদাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালেব অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

The 24th September 1897.

F. P. Dixon,
For Collector.

<sup>-</sup> CHITTAGONG COLLECTORATE,

## জিলা চট্টগ্রাম।—ইতিহার নামা কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাদারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৬ ইং ২৬ ডিসেম্বর শেষ তারিখের অনাদায় ৫০) টাকার উর্দ্ধ জ্বমার নওয়াবাদ তালুকাদির বাক খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৭ সাং ৬ এপ্রিল তারিখে নিলাম হইয়া তদান্দরে যে সমস্ত তালুকা বায়না জন্দ হইয়াছে সেই সমস্ত তালুকাদির বাকী আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ও ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সাং ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মমতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর যোং ১৩০৪ সালের বাং তাং ১১ অগ্রহায়ন রোজ রহস্পতিবার ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রবী কাছারিতে প্রকাশ্য ছানি নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৬৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

ক্ৰ মিক		কার লছব। মৌৰা খানা, মভাল ও	-16	সদ্র জমা।		বাকী।			<b>মন্ত</b> ্য ৷
নপ্ব।	তপুকার নম্ব।	তাৰুকাৰ নাম।	মালিকের নাম।	थाकाना।		थात्रामा ।	ছেছ।	মোট।	489
3	3	٥	8	ά	<b>.</b>	٩	ь	<b>a</b>	۶۰
	8272	মৌজে জুজখলা থানা ফটীকছরী মহাস নওয়া বাদ।—							
,	\$0595 455 \$685	তালুক এয়ার আলি খাঁ। হাং ভাং ওবেদর রহ- মান খাঁ।	ওবেদর বহমান ৼঁ। ও মেহের আলি খাঁ।	1	১৬৬ ৸৽	હ <b>ઢ</b> ૭,	واله اله	१७०।८७	•••

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 22nd September 1897.

F. P. Dixon,

For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for each only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native aruggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 os. tin, eight annas per 8 os. tin, and twoive annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জুরত্ব সিনুকোনা।

কলিকাডাছ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিনেউণ্ডেন্টের নিকট গবর্ণ-মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছর পোঁও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূলে<sup>5</sup> প্ররম্ম সিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔব্দ টিন ২০০ টাকায়, আট ঔব্দ টিন ৫০ টাকায় ও এক পোঁও টিন ১০০ টাকায় পাইবেন। সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিনেটেণ্ডেন্টের নিকট নসদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔব্দ টিন ৬০০ টাকায়, আট ঔব্দ টিন ৬০০ টাকায় এবং এক পোঁও টিন ১২০০ টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔবধ বিক্রেভাগণও এই ঔবধ বিক্রয় করিয়া ধাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔব্দ টিনের ০০০, আট ঔব্দ টিনের ৪০০ এক পোঁও টিনের ৮০ ছাক মাস্কল দিতে হইবে। বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।
১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে,যথা—

১ এক পোণ্ড টন ১৮) বা ডাক মাণ্ডল সমেভ ১৮৭০

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অন্তি বিশুদ্ধরূপে অস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনীডাইন নামক অপক্লফ ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই তাহার গ্যারাকী দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটস্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া

ষাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gasette will benceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

Rs. per annum. Entire Gazette Postage 0 Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-Entire Gazette Postage Parts III, IV, V, and VI sheets or with an additional charge of 1 anna for every 4 sheets in excess of 4.

Postage ... ... 0 1 0

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. Bakes.

Offg. Under-Secretary to the Goot. of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন।

১৮৮৩ সাল ২১ ফেব্রেয়ারি।—বাঙ্গালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ভাক্মাস্থল এই স্বধি নিম্ন-লিখিত হারে স্থাম দিতে হইবে :—

	<b>যকঃ</b> সং	<b>.</b>			চাকা।
সম্পূর্ণ গেডেট	•••	•••	•••	বৎসর	3 0~
ডাক <b>যাম্ব</b> ল	•••	•••	•••	73	र॥•
৩৩৪৩৫৩৬খ/৩	( যাহাতে	<b>ন্ঠারতবর্ষের</b> ১	<b>उ रक</b> -		
্দেশের ব্যবস্থাপক	সভার '	षारेन 💌 🤊	গাইনের		
পাণ্ডুলিপি থাকে )	•••	•••	•••	,,	8,
	• • •	•••	•••	"	٥,
সম্পূৰ্ব একখানি গেজেটের	মূল্য	•••	***	"	1 •
ডাক্যাস্থল	•••	•••	•••		<b>y</b> * ●
৩৪৪৫৫৫৬ খাও (	প্রড্যেক	৪ পৃষ্ঠা বা	ভাহার		
<b>ন্</b> য়ন সংখ্যক প্	ষ্ঠার মূল্য)	•••		<b>D</b> •	/০ ৪ পৃ যদ্ভ
•					ভাহার

তাহার **প্রভো**ক ৪ পৃ**ঠা প্রভি** জার একং জানা।

**फारक्योध्य** ... ...

#### া দ্বাকাকার।

কলিকাডায় ও মৃকঃশলে সমান মূল্য, কলিকাভায় কেবল ডাকমাখল লাগিয়ে না।

रे, अब, (यकाद।

रक्राप्टब्स भवर्रायान्त्र अक्षिः ছোট সেকেটরী।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Ro. 24: packing and postage Ro. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very propert been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Rxtract from Preface.

OFFICE OF SUPDE., GOVE. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. Bolton,
Under-Secretary to the Gort. of Bengal.

12th December 1882.

Note.—Rates of advertisements in the Calcutta Gazette.

Full p	age, j	per issue	•••	100		$_{20}^{ m Rs.}$
Half			•••	•••	•••	10
	Са	sual adve	rtisem en	t—4 ann <b>a</b> s per	line.	

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিন্তা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওরা না গেলে ঐং গেজেট দেওরা যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেশ্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গ্রবন্ধেটের কার্য্যালয় কিন্তা গ্রবন্ধেট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ক্যক্তি বাজাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভাগিত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাত সক্রেটারিয়েটের আকোন্টান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গ্লেসে উপ-রোক্ত ফার্য্যালয় ভিষ্ক নাম ব্যক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাপন প্রাস্থৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মৃল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণিট বাদ দিবার জ্ঞান্যে টাকার উপর আর ৴৽ এক জানা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টন, বলদেশের গ্রর্থমেন্টের ছোট সেক্রেটরী।

১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মহাব্য।— কলিকাতা গেলেটে ইণতিহার প্রকাশ করিবার হাব এইং।—						
পুষা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ করণের	•••	•••	•••		₹••	
क्यांथ ४१का	***	***		***	2	
ক্থন ক্থম ইশ্চিষার প্রকাশ ক্রিতে চ্ছতে	। अकर गेरिक	. •	***	***	10	

### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annus for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N. R.—Copies are still and the secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### বাজাল সেকেটারিয়েট যন্ত্রালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে।

বারিফার-জাট-লা ও শ্রীশ্রীয়তীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিসে নিযুক্ত বর্দ্ধয়ানের ডিষ্টিট্র ও সেশন জক্ষ ও রেন্ট কমিশ্যনের মেম্বর, ইনর টেম্পলের জীযুত সি, ডি, ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি সাহেবের প্রণীত বল্পদেশের শ্রীয়ত লেপ্টেনেউ গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভ্রম্যধিকারীর প্ৰজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

### একং বানি পুস্তকের মূল্য, ে পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তুক ক্রম্ন করিতে চাহিলে বাজাল সেকেটারিয়েটের আকেটিটান্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।৴০ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য।—উক্ত পুস্তুক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্যো**পলক্ষে বল্পদেশের মান্ত্রিসভা**র আইনের **প্রয়োজন হইলে কলিকা**ভার স্পানেড ওয়েষ্ট টোন হালের হাতায় স্থিত বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিনে রেক্ষি-ফ্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুস্তক কলিকাতার গবর্ণমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিন্ত কোম্পানির বাটীতে কয় করিতে পাওয়া যায়।

কলিকাতা পোনিডেন্সী কেল মন্তালযে গ্ৰেশমেটেৰ জন্য জীযুত কেম্ম পেটা মাহেৰ কণ্ঠক মুক্তি ও প্ৰকাৰিত সইল 🙊





# गवर्गायकु (जाटकार

TUESDAY, OUTOBER 96, 1897.

# यक्तवात, ১৮৯१ माल २७ ऋडोवत ।

CONTRN'TS.	T.
Pag	I. [#46]
PART L.—Resulutions, Orders and Nephica-	<b>नुष्ठा</b>
tions of the Government of India 81 - 8	
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রকৃতি 🕝 ৮১ 🗕৮১
tions by the Lieutenant Governor.	विकीत थक।स्कारमान्य गर्नाट्यान्येत विकीतन्
of Bengal N	ৈ আনেশ ও বিভাগন প্রভৃতি নাই
PART IIA.—Orders by the Lieutenant-Gover-	বিভীয় <b>ক খণ্ড।—বজনেশের গবর্ণমেন্টের আন্দেশ</b> . ৮১—১৮
nor of Bengal 87 - 8	৪ তুটার বত।—ভারতববীয় বাবদ্বাপত সভার প্রণীত
PARR RLL - Agen of the Legislative Council of	व्यक्ति नाई
India N	
PART IV.—Bills of the Legislative Council of	শুপুদিশি । माहे।
ladis N	
PART V Acts of the Bengal Council N	र्थे वक म्यानिय सम्बन्धः महाव <b>वहरे</b> टमः
PART VI.—Bills of the Bengal Council N	ট. পাছলিপি नारे।
PART VIICircular Orders by the High	স্থম খণ্ড ৷—হাই কোটেব ৩ রেবিনিট বোর্ডের
Court and Board of Revenue N	
PAST VIII.—Advertisements 537—5	14 আইম বঙ।—ইশ্তিহার প্রভৃতি ১৩৭—৫৪।
Supplement Ni	

#### PART I.

Resolutions, Orders and Notifications of the Government of India.

## थ्रथम ४७।

ভারভবর্ষীয় গবর্ণমেন্টের নির্দারণ, আবেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

# ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের আদেশ।

११७७ वर ।

# ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের।

হোম ডিপার্টমেও।

ৰাছ্য বিষয়ক।

नियमा, ১৮৯৭ गोम ১১३ पाद्धीरद ।

#### বিজ্ঞাপন।

যেহেড়ু উত্তর-পশ্চিম এদেশ ও অধোধ্যার অন্তর্গত কনখল নামক ছানে কোন কোন ব্যক্তি মড়কা-ক্রান্ত হংয়াছে এবং মন্ত্রিসভাধিন্তিত শ্রীমুক্ত গবর্ণর জেনরল: সাহেরের এইরপ প্রভাতি জন্মিয়াছে ধে লোকজনকে জওয়ালপুর কৌশন হইকে কি জওয়ালপুর কৌশনে রেল পথে যাইতে দিলে মড়কের প্রচার হইবার আশক্ষা আছে,

অভএব মান্ত্রসজাধিষ্টিভ শ্রীবৃত গবর্ধর জেনরল সাহেব ব্যাপক প্রীড়া বিষয়ক ১৮৯৭ সালের ৩ আইনের ২ ধারার (১) প্রকরণাহ্লসারে প্রদন্ত ক্ষমতার পরিচালন করিয়া এই আজা করিলেন যে অপর আদেশ না হওয়া পর্যান্ত জ্বওয়ালপুর ফেশন হইতে কি জ্বওয়ালপুর ফেশনে রেল পথে যাইবার টিকিট দেওয়া হইবে না।

> জে, পি, হিউয়েট, ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরীর নিকট উত্তর-পশ্চিম প্রদেশ ও অযোধ্যার গবর্ণমেন্টের ১৮৯৭ সালের ১৯এ অক্টোবর তারিখের টেলিগ্রামের উদ্ধৃতাংশ।

থে সকল ব্যক্তির অ,গানী সন্থতী অমাবস্যা ও পৌর্নমাসী মেলার মধ্যে হরিছারে যাইবার অভিপ্রায় আছে তাঁহাদিগকে সতর্ক করিয়া দেওয়া যাইতেছে যে হরিছার মুনিসিপল ইউনিয়নের অন্তর্গত এবং হরিছার হইতে এক মাইল মাত্র দূরে অবস্থিত কনখল নগরে মড়কের প্রাহ্রভাব হইয়াছে। গ্যনেচ্ছুক ভীর্ষধান্তিগণকে এই পরামশ দেওয়া যাইতেছে যে তাঁহারা যেন উপস্থিত সময়ে হরিছারে না যান। কারণ সেখানে গেলে তাঁহাদের বিপদ ও অন্থবিধা ঘটিবে।



# गवर्गाम (गदन्हे।

TUESDAY, OCTOBER 26, 1897.

# यक्रलवात्र, ১৮৯१ माल २७ व्यक्तिवत्र।

PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal. দিতীয় ক খণ্ড।

वक्रांत्रचेत्र शवर्वत्यत्केत्र चारमन।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 1083 T.M.—The 16th October 1897.—It is hereby notified for general information that on the application of the Commissioners of the Nasirabad Municipality, in the district of Mymensingh, the Lieutenant-Governor has been pleased to declare that the provisions of section 3, Act XX of 1887, with respect to wild birds, shall apply, so far as regards the rules framed by the Commissioners of the aforesaid Municipality, to have and deer.

H. H. RISLEY, Secy. to the Govt. of Bengal.

## वक्राप्तान विष्यु ए लालि तन्त्रे भवर्गत मारहरवत्र व्यापना ।

## মুনিমিপল ও স্থানীয়।

#### विकाशन ।

১০৮৩ টি, এম্ বং ।—১৮৯৭ সাল ১৬ই আট্টোবর।—সাধারণের অবগতির নিমিত এতদ্বারা এই সংকাশ দেওয়া বাইতেছে যে ময়মন্বিংছ জিলার অন্তর্গত নসীরাবাদ মুনিলিপালিটির ক্ষিণনরগণের প্রার্থনাক্রমে শ্রীষ্ঠ ক্রেপ্টের্মেট্র গব্
গ্রি সাহের এই কথা ব্যক্ত ক্রেলের হে ব্রা পক্ষী সম্বাহ ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ৩ ধারার বিধান উক্ত মুনিলিপালিটির ক্মিণনরগণের প্রনীত বিধির বেলা খ্রগন ও ছরিণ সম্বন্ধেও খাটিবে।

এচ, এচ, রীসলি, বঙ্গদেশের প্রথমেন্টের সেক্টেরী।



# गवर्गाम् (मार्क्रि

TUESDAY, OCTOBER 26, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৬ অক্টোবর।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्ट्रेय थए।

ইশ্ভিহার এড়ভি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্তাহার।

## জিলা চট্টগ্রাম। ইতিহার নামা কাছারি কলেকুরী জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইতেছে যে, ১৮৯৭ ইং ২৫ মে শেষ তারি:খর অনাদায় ১০) টাকার ঊর্দ্ধ জমার নওয়াবাদ ও বাষ তরফ ভালুকাদির বাকা বাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার বর্ষষ্ঠিত ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার নিলামের দিন ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রী কাছারিতে একাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

			100	ল কর	<b>च्या</b> ।	वाकी।			
,	তাপুকার নপর।	মৌজা, থানা, মহাল ও ভালুকার নাম।	মালিকের শাম।	वाकामा ।	<b>(ह</b> ई।	ধাজানা।	(FF I	মোট:	মন্তব্য
3	<b>?</b>	•	8	` a	•	9	<b>&gt;</b>	<b>)</b>	3•
	<b>৮৮</b> 9	যোজে বাকলিয়া থানা সহর মহাল নওয়াবাদ।							
3	₹•১७8 <b>¢¢</b> ১	তাং আহাম্মদ আদী ও মাহাং ইছপ ও কোর্বান আদী ও আজগর আদী ও শ্রীমতী মুরবিবি।	জানিবে শ্রীমতী ময়মুনা	<b>45</b> 410	<b>२७७</b> ।/७	७६॥०/ప	<b>ે</b> લાઅ∘	4012	•••••
			ও আছফা খাতুন, নেজা- যত আলী চৌধুরী ও মণীন্দ্র চন্দ্র ঘোষ, মোবা-	1 ,					
			রেক আলী, আবহুল রহমান ও নেজ্ঞামত আলী ও আবহুল হাকিম						
			স্বয়ং তৎ নাবাদেগ ভাতা আলামিঞা ও ইছুমাইল হিতৈষী উক্ত স্বৰ্গল হাকিম।						

CHITTAGONG COLLECTORAGE,

The 22nd September 1897.

F. P. Dixon,

For Collector.

### জিপা নোয়াখালী। নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জেলার অন্তঃপাতি নিম্মলিখিত মহালে গবধ-মেন্টের যে মালিকিছাত্ব আহে তাহা নিম্মলিখিত নিলামের সর্ত্ত অহুসারে উক্ত নোয়াখালা জেলার ন কালেষ্ট্ররিতে ১৮৯৭ সনের ৯ নবেছর মোতাবেক বাল্লা ১৩০৪ সনের ২৪ কার্ত্তিক ভারিখে প্রকাশ্য নিলাম বিক্রম হইবেক।

খরিদারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ভ সকলে বাধ্য ছইতে ছইবে।— নিলামের সর্ভ।—

- প্রথম। নিলামের সময়ে কালেইর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিত করেন ভাছার উপার যে ব্যক্তি সর্ব্ধাপেকা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদারকে ইহার মালিক অরপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজন্ম ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরন্থরুপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি অত্ত আছে ঐ রম্পূর্ণ অত্ত খরিদারের প্রতি পর্যাপ্ত হইবেক খরিদারগণ শতকরা ২৫০ টাকা হারে আখরাজাত খরছ অরপে সদর রাজন্ম বাদ পাইবে।
- ছিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের দারায় যে সকল স্বন্ধ অর্পণ হইয়াছে এবং
  এইক্ষণে যে সকল পাট্টা বর্তমান আছে এই নিলামে ভাষা বলবৎ থাকিবে এবং
  রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখান্তা
  ক্রমক প্রজা দারা দন্তথত হইয়াছে ভাষাদের স্বন্ধ জীকার করিতে খরিদারগণ
  বাধ্য হইবে।

ভৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার অনধিক হইলে সমুদয় টাকা ভৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার উর্জ্ব হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের
একাংশ ভৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন এক ১ দিন গণ্য
হইয়া ভদবধি ১৫ দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না
হয় অথবা ঐ দিবস কোন পার্কোপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় ভবে তাহার পরে প্রথম
যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিতহইবেক (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল ডাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে
এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জ্বারি হইয়া অনাদায় খরিদারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

তীবির শ্বব ।	মহাল ও প্ৰগণাব নাম।	যতগু ভূ,মং	বৰ হি ব জান ভ অনুম 'বমাণ	া যায় বানিক	বাৰ	(মেণ শ্ব য হ'হয়	াহা	আৰ্থরাজাত থবছ স্থরূপে সদর বাড স্থ বাদ।	मख्दाः।
<b>,</b>	?		৩		<u> </u>	8		a	•
**		<b></b> :	বো:	শো:	ों:	আঃ	91:		
err	আনন্দচন্দ্র গড়গড়া পরগণ	۶ ۹	0	•	<b>&gt;</b>	0	2	শভকরা ২৫,	
	्र <b>नू</b> शा ।							টাকা হারে।	
<b>4</b>   2	ঐ ঐ দ্বিতায় খণ্ড	٩	•	•	\$8	•	•	(4)	
७ऽ२	জিম্বে হৈয়দ আকবর পরগণা স্বন্দীপ।	9	•	•	26	4/	હ	٩	
484	জিছে ছৈয়দ আকবর পর্যগণা রামভন্ত চক্র ।	3	•	•	7	11	•	<u>a</u>	
418	চভিপুর রাস্তা	, 3	•	•	3	•	•	0	

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### জমিদারি বিক্রমের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫২ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া **মাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্মত** নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আব্দিসে বাকী রাজত্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত সন্ ১৮৯৭ ইংরেজির ২৬শে নবেষর তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রের করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ১৮ সেপ্টেম্বর।

,	<b> </b>	•	8		. •	1	b	•
ভৌত্তিব নখন ।	মহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহাজের ১.দর কমা।	সম্পূৰ্থ মহাল বিক্ৰয় ছইবে কিলা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পন্তি বিক্লয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।		সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে ভাহা বাকী।
२०२ <u>)•</u> ऽ१ ऽ१४२	ধানে শাতকানীয়া মোং গারালায়া তং যোং গারালীয়া বাং তং মঞ্চত রাফ হাজারি।	5.201/S	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰী হই- বেক।		শ্রীযুত বারু কৈলাস চন্দ্র দাস মেনে- জার জাং আবদ্ধল কর্তা খা শ্রীদাহ মিঞা গং।		0 0 Ha/+	
७७• २२•৯ ১ <b>१</b> 8•	তরফ মেডিজ লোহ গারা বাং তং মঞ্চত রাম হাজারি।	1	Œ		শ্রীগমির সিং হাজার্গ শ্রীআবহন ফর্তা হাঁ গং।	1	७३४॥ ४२	•••••
१०५१ १८०१ १८०१	1	,   1 	Ď	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	শ্ৰীদেখ হাবিব আহা শ্ৰদ চৌং জাং তৎ পিতা মকবুল আৰু চৌং পক্ষে।	-	81/19	

সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫মেই শেষ ত্যারিখের বাকি পড়া।

টীকা।—বে বালে উপরের লিখত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ছবে কে,ন তাংশ মাত্র বিক্রম হইবে বলিয়। নির্থিত আছে দেই ব্যক্তে, হইবে যে এ জংশে নিমিত্ত মতান্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালেব তান্য বা তান্যান্য অংশ বিক্রম হয় না।

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 24th September 1897.

F. P. DIXON,
For Collector.

## জিলা চট্টগ্রাম।—ইতিহার নামা কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৬ ইং ২৬ ডিসেম্বর শেষ তারিখের অনাদায় ৫০) টাকার ঊর্দ্ধ জ্ঞমার নওয়াবাদ তালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৭ সাং ৬ এপ্রিল তারিখে নিলাম হইয়া ডদান্দরে যে সমস্ত তালুকা বায়না জন্দ হইয়াছে সেই লম্মন্ত তালুকাদির বাকী আদাহের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ও ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সাং ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মমন্ত্রে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ সালের বাং তাং ১১ অগ্রহারণ রোজ রহস্পতিবার ধার্য্যে জিলার কালেষ্ট্ররী কাছারিতে প্রকাশ্য ছানি নিলামে ধরা ঘাইবে। ইতি ১৬৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

<b>ক্ৰ</b> মিক		মৌলা পানা, মহাল ও তালুকাব নাম।		र, हर प	<b>1</b> f.c.	বাকী।			भक्टरा
নগ্ৰ।	তপুকাব নমর।		ম্লিকের নাম।	খান্ধানা।	<b>(\$</b> ₹!	व्यक्तिमः ।	(et i	মোট।	4661
,	٠,	•	8	<b>a</b>	•	1	ir	2	5•
>	248F 4PP 5CP4P 8P2P	মোজে জুজখনা থানা ফটাকছরা মহাল ন ওয়া বাদ।— তালুক এয়ার আলি থাঁ, হাং তা ওবেদর রহ- মান থাঁ।		1	<b>১</b> ৬৬ <b>৸</b> ৽	હ <b>ઢ</b> છ્ <sub>)</sub>	ولر ۱۹	400110	•••

CHITTAGONG COLLECTORATE,

F. P. Dixon,

The 22nd September 1817.

For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six notions at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce ten, Rs, 2 ans. 8; per eight-ounce tim, Rs, 5; per pound tin, Rs, 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for each only, at the undernoted rates: per four ounce tim, Rs, 3, per eight-ounce tim, Rs, 6; per pound tim, Rs, 12. Thus medicine is also sold by the principal European and Native eruggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tim, eight annas per 8 oz. Sin, and tweeve annas per pound tim, in addition to the foregoing rates.

#### কুরত্ব সিন্কোনা।

কলিকাডাছ বোটানিকাল গাওঁনের অর্থাৎ কোন্দানির বাগানের মুপরিনেটণ্ডেনেটর নিকট গবে। মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পৌও ক্রয় করিলে নিম্নিমিও ফুল্যে প্রবন্ধ সিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি উপ চিন ২।। টাকায়, আট উপ চিন ৫, টাকায় ও এক পৌও চিন ১০) টাকায় পাইবেন। সর্বসাধারণে কোন্দানির বাগানের মুপরিনেটণ্ডেনেটা নিকট নগ্ন মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি উপ চিন ৬) টাকায়, আট উপ চিন ৬, টাকায় এবং এক পৌও চিন ১২) টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় উষধ বিক্রেডাগনও এই উষধ বিক্রেয় করিয়া থাকেন। উপরোক্ত ছাব ভাড়া চারি উপ চিনের ।০, আট উপ্ গিনের ।০ ও এক পৌও চিনের ৭০ চাক সাম্বন্ধ দিতে ২হবে।

বঙ্গদেশের গ্রথমেণ্টের সিনকোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সলফেট অফ কুইনাইন। ১৮৯৬ সালের ১লা. এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মৃদ্য হইবে, যথা-

১ এক পৌও টিন ১৮, বা ডাক মাগুল সমেত ১৮৭০

۵, ,, ,,

। শিকি " 8110 ¢,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে: এবং চল যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপাকৃষ্ট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপুর্বক মিশান হয় নাই ভাহার গ্যারান্টা দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাভার নিকটন্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া ষাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.-The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance :-For the Mufussal.

			.,	Rs.	A.	P.	
Entire Gazette	•••			10	0	0	per annum
	Postage			2	8	0	
Parts III, IV, V.	and VI, con	taining th	e Acts				•
and Bills of the							
and Bengal		•••		4	0	0	<b>)</b> ,
•	Pestage		400	4 1	0	0	29
For a single copy							,,
Entire Gazette			•••	0	4	0	
	Postage			0	1	0	
Parts III, IV, V,	and VI	•••		0	1	U	for 4 sheets or under
,,,,,,							with an additional
							charge of 1 anua for
							every 4 sheets in excess
							of 4.
	Postago	,		()	1	()	

For Calcutta.

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage E. N. BAKER.

Offo. Under-Secretary to the Good, of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন ।

১৮৮৩ দাল ২১ ফেক্সেয়ারি।—বাঙ্গালা গ্রথমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ভাকমান্ত্র এই শ্রান্ধ হ্রেন্ন লিখিত হারে মার্ডাম দিতে হছবে :---

	यकः भ	<b>4</b>			টাকা।
मच्चून (शरक्ष ह		•••	•••	বৎসর	> 0~
ড <b>়কমান্তল</b>	• • •		•••	"	<b>211 •</b>
ट ला ६ ७ व ७ ७ ७ ५ ५७	( যাহাতে	ক্ষারতবর্ষের	ও বঞ্চ-		
দেশের ব্যবস্থাপক	সন্ভার '	আইন ও	শাহনের		
<b>পাণ্</b> ঙলিপি থাকে )	•••	•••		<b>»</b> ;	۲,
ভাক্যাস্প		•••	•••	"	۲ ۶
শশ্ৰুণ একখানি গেজেটের	মুশ্য	••		1+	10
ড <b>াক্মাস্থল</b>	•••	• • •			, •
0 9 8 9 6 9 6 49 C	( প্রত্যেক	8 शृक्षे। य	ভাষার		
ন্যুন সং <b>খ্যক</b> প্	(ষ্ঠার মূল্য)			).	৪ পৃষ্ঠার উপব     বন্দ অধিক হয়     ভাহার প্রভাক     ৪ পৃষ্ঠা প্রভি দার     ব্রু      ব্রু      ব্রু      ব্রু      ব্রু      ব্রু      ব্রু      ব্রু      ব্রু      ব্রু      ব্রু      ব্রু      ব্রু      ব্রু      ব্রু      ব্রু      ব্রু      ব্রু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু      বু
ংকিমাস্থল		••	••		একং স্থান <sup>†</sup> । . /•

#### ক্ৰিকাডায় ৷

ক্ৰিকাড়ায় । ১৯:এলে সম্প্ৰ গুল্য, ক্লিকাডায় কেবল ডাক্মাপ্ৰল লাগিনে না।

ই, এন, গেকার 🔻

दल दल दल जाव निवर्धिय अकृष्टिः (छा है दलह क्रास्त्रे ।

# · The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

The Ri<sub>k</sub>-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at p-esent a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDY., GOVY. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies fo the Calcutta Gazette or of the Bengatee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly eash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettos, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bongal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the Rupee on account of discount

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

12th December 1882.

Note - Rates of advertisements in the Calcutta Gazette.

Full page, per issue	•••	r <b>0</b> k		Rs. 20
Half ,	***		•••	10
Casual adve	itisement	t—4 annas per	line.	10

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বাঙ্গালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেঙেট দেওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মালের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপ্রাতিরিক্ত এই মুর্যোর বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কাখ্যালয় কিম্বা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের ক্রত্তাধীন কাখ্যালয় ভিন্ন ক্যেনি ব্যক্তি বাজাল সেক্টোরিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাখানায় কেনি কর্ম করাইতে চাহিলে তমিমিত্ত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাঙ্গাল সেকেটারিয়েটের আকেণিটান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে ওঁত. রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তিকে কোন পুস্তকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিগর কি বিজ্ঞাপন প্রাসৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ভিক্ষেত্রিত বাদ দিবার জ্ঞান্যে টাকার উপর স্কার 🗸 🗴

সি. ডবলিউ বল্টন.

कल्लात भवर्षायान्त्रेत एका हे तमर कहेता ।

১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

খন্তব্য।— কলিকাতা গেছেটে ইণ্ডিহাব প্রকাশ করিব	র হার এইং।				ĭit≠:
প্ৰা এক প্ৰচা একং বাৰ প্ৰকাশ করণের	•••			,,,,	٧.,
আধ পূ হা	***	-44	.~		<b>5-</b> ,
ক্ষম কংল ইশাতি হার অকাল করিতে চইলে	ca . 1/45				

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-st-Law, and of Her Majesty's Bengal Civit Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### वाकाम मिटकोतिया विकास विकास विकास ।

বারিষ্টার-অটা-লা ও শুশ্রীয়তীর বলদেশের সিবিল সাজিসে নিযুক্ত বর্দ্ধয়ানের ডিষ্টিক্ট ও সেশন ক্ষম্প ও রেন্ট ক্মিশ্যনের যেম্বর, ইনর টেম্পলের শ্রীযুত সি, ডি. কিলড, এম, এ, ও এল. এল, ডি লাছেবের প্রনাত বলদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূষ্যধিকারার প্রশাবিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং থানি পুস্তকের মৃদ্য, ৫, পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাচ্চাল সেক্রেটারিয়েটের আকৌন্টান্টের নিকই একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা যোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।/ - পাঁচ আনা পাঠাইবেন। যন্তব্য — উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলক্ষে বন্ধদেশের যন্ত্রিসভার আইনের প্রস্নোজন হইলে কলিকাভার স্পানেত ওয়েষ্ট টোন হালের হাভায় হিড বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কাথ্যবিভাগের আপিসে রেছি। ফ্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুস্তক কলিকাভার গবর্ধমেন্ট প্লেশে, থাকার স্পিন্ধ কোম্পানির ধাটীতে ক্রান্ত করিতে পাওয়া যায়।

কালকাতা প্রেনিডেকা জেল যন্ত্রালয়ে গ্রেবমেন্টের জন্য জ্ঞযুত তে মৃদ্র পেটা সাহেব কর্কুক মৃত্রিত ও প্রকাশিত হ'বল ।

Mumb. 3040 [3.80]

REGISTERED No



# गवर्गाम् (गदल्हे।

TUESDAY, NOVEMBER 2, 1897.

# **गञ्जल**रात, ১৮৯१ माल २ नत्वन्नत्र।

CONTENTS.	
Pagi	s. নিৰ্ভট ।
PART 1 Resolutions, Orders and Notifica-	পূচা
tions of the Government of India 83-8	
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ৮০-৮৭
tions by the Lieutenant-Governor	খিতীয় খণ্ড।—বঙ্গদেশের গাওপমেন্টের নির্দারণ
of Bengal 337—-33	৪ আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ৩১৭ – ৩০৬
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-	বিতীয় ক বও।—বঙ্গদেশের গর্বমেন্টের আদেশ নাই
nor of Bengal Nil	
PART III Acts of the Legislative Council of	<b>आ</b> डेन नांडे
India Nil	the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the s
PART IV Bills of the Legislative Council of	পাতৃলিপি নাই
India Nii	
PART V Acts of the Bengal Council Ni	1
PART VI.—Bills of the Bengal Council Ni	
PART VIICircular Orders by the High	সম্ভম বণ্ড।—হাই কোটেব ও রেবিনিউ ব্যাহেট্র
Court and Board of Revenue Ni	,
PART VIII.—Advertisements 545—55	
Name = 1	A Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Company of the Comp
DUPPLEMENT	ा पात्राच्य ग्रिपटिमद्र देशदेक वार्

#### PART 1.

Resolutions, Orders and Notifications of the Government of India.

## প্রথম খণ্ড।

ভারতবর্ষীয় গবর্ণমেন্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন এত্তি।

# ভারতবর্ষের প্রবর্ণমেন্ট।

## সমর বিভাগ।

## বিচার সম্পর্কীয়।

১১৪৮ নং।—ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সমর বিভাগের ১৮৯৭ সালের ৯ই জুলাই তারিখের ৭৫০ নং বিজ্ঞাপনের অমুক্রমে এবং শ্রীধৃত গবর্ণর জেনরল সাহেবের ১৮৯৫ সালের ৩রা মে তারিখের ৪৬০ নং আদেশে প্রকাশিত বিধি এবং এ পর্যান্ত প্রকাশিত যে সকল বিধির এতদ্বারা প্রকাশিত বিধির সহিত সঙ্গতি না থাকে সেই সকল বিধি রহিত করিয়া মাজ্রসভাধিন্তিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব কান্টনমেন্ট বিষয়ক ১৮৮৯ সালের ১৩ আইনের ২৬ ও ২৭ ধারাম্লারে নিম্নলিখিত বিধিগুলি প্রণয়ন করিলেন এবং এই আদেশ করিলেন যে ইহা রটিশ ভারতবর্ষের অন্তর্গত সকল কান্টনমেন্টে আমলে আনা হয়:—

#### অর্থ নির্দ্দেশের কথা।

#### )। अरे मकन विश्विष्ठ—

- (ক) "বাজার" শব্দে দেশীয় সৈনিকদিগের থাকিবার গৃহশ্রোণী ছাডা আর যে সকল জ্ঞান ভারতবর্ষবাসা ব্যক্তিদিগের দখলের নিমিত্ত স্বতন্ত্র করিয়া রাখা হয়, সেই জ্ঞান বুঝাইবে।
- (খ) "রেজিমেন্টের বাজার" এই শব্দম্বয়ে রেজিমেন্টের কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধান কোন বাজার বৃষাইবে।
- (গ) "সংক্রামক বা স্পর্শাক্রামক রোগ" এই শব্দগুলিতে ওলাউঠা, কুষ্ঠ, এন্টেরিক জ্বর, উপদংশ এবং প্রত্যেক সংক্রামক বা স্পর্শাক্রামক পীড়া বৃঝাইবে।
- (ঘ) "ট্টাট' লব্দে সাধারণের যাহার উপার চলিবার স্বত্ব আছে এমন প্রত্যেক পথ, রান্তা, গলি, চক্তর, উঠান, যুঁজি, সড়ক, বা ফাঁকা জায়গা বৃঝাইবে এবং কোন সরকারা দাঁকো বা তোলা রান্তার উপার চলাচলের ও হাঁটিবার পথও ব্ঝাইবে। ঐ সকল পথ প্রভৃতির পুমুখ খোলা থাকুক আর নাই থাকুক কিলা ভ হার উপার ইয়ারভ থাকুক আর নাই থাকুক ভাহাতে আদিয়া যাইবে না।

২। (১) কান্টনমেন্টের কর্তৃপক্ষের হাতে যভ টাকা খাকে ইাম্পাভাল বা ভিসপেন্দানিব কথা। ভাহাতে যভদূর সম্ভব হয় ভিনি ভতদূর—

- (ক) কান্টনমেন্টের ভিতরেই হউক কি বাহিরেই হউক আবশ্যক সংখ্যক হাঁস্পাতাল বা ডিস্পেন্সরি করিয়া দিবেন এবং রাখিবেন, কিছা
- (খ) ষে সর্ভ করা উপযুক্ত বোধ করেন সেই সর্ত্তে কার্টনমেন্টের অন্তর্গত বা বৃহিভূ ত আপনার অরক্ষিত কোন হাঁম্পাতালে বা ডিসপেন্দিরতে সাহায্য দলে করিতে পারিবেন।
- (২) এই বিধি অনুসারে যে সকল হাঁস্পাতাল বা ডিসপেন্দরি রক্ষিত বা সাহায্য প্রাপ্ত হইবে তাহার প্রত্যেকটিতে সংক্রামক বা স্পর্শাক্রামক রোগাক্রান্ত ব্যক্তিদের চিকিৎসার নিমিত্ত ওয়ার্ড থাকিবে।
- ৩। ২ বিধি অল্পারে রক্ষিত বা সাহায্য প্রাপ্ত প্রত্যেক স্গাম্পাতাল বা ডিন্পেন্সনির ভার এক জন ডাক্তারের হাতে থাকিবেন স্থানীয় গবর্গথেনী এই ডাক্তারকে কান্সাতাল বা ডিন্পেন্সবির ভাব যে রকমে নিযুক্ত করিতে বলিয়া দেন তাঁহাকে সেই রকমে নিযুক্ত ডাক্তাবের হাতে থাকিবার কথা। করিতে হইবে।
- ৪। ২ বিধি অহুসারে রক্ষিত প্রত্যেক হাঁস্পাতাল বা ডিসপেন্সরির জন্য কান্টনমেন্ট বিষয়ক ১৮৮৯সালের আইনের ২৩ ধারা ক্রমে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি ১৮৮৯ সালের আইনের ২৩ ধারা ক্রমে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি কান্টনমেন্ট কণ্ডের উপার যে কর্তৃত্ব জর্পিত হইয়াছে সেই কর্তৃত্বাধীনে অবিশ্যক্ষত অধস্তন সিরেস্তা নিযুক্ত করিতে হইবে।
  - ধ। কাউনমেন্টের কর্তৃপক্ষের হল্তে যে টাকা থাকে ভাহাতে যতনূর সম্ভব হয় তিনি ২ বিধি
    অনুসারে রক্ষিত বা স।হায্য প্রাপ্ত প্রত্যেক হাঁস্পাতাল বা
    চিকিংলা সংক্রান্ত নবলাম প্রভৃতি।
    তিস্পেন্সরিতে তওদুর
    - (ক) আবশ্যক সম্ভ ভৈষজ্যন্তব্য, অন্ত্রানি, সরঞ্জাম ও আসবাব:

- (খ) যে সকল রোগী ইাম্পাভালে থাকিবে ভাছালের নিমিত্ত উপযুক্ত সংখ্যক খাটিরা, বিছানা এবং কাপ ড, এবং
- (গ) আর জার যে দকল জ্ব্যা আবশ্যক হয় তাহা যোগাইয়া দিকে।
- ৬। ২ বিধি অনুসারে রক্ষিত বা সাহায্য প্রাপ্ত প্রত্যেক হাঁম্পাতাল বা ডিস্পেন্সরি মন্ত্রি-সভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব কিম্বা স্থানীয় গবর্ণমেন্ট দিবিল হাঁম্পাতাল দংক্রান্ড বিধি থাটিবার হাঁস্পাতাল বা ডিস্পেন্সরি পরিচালনের নিমিত্ত সাণারণ ভাবে বা বিশেষ করিয়া যে বিধি প্রণয়ন করেন সেই বিধি অভুসারে কিন্তা মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব বা স্থানীয় গবর্ণমেন্ট যেরূপ উপযুক্ত বোধ করেন তদমুসারে পরিবর্তিত ঐ সকল বিধি অনুসারে রক্ষিত হ**ই**বে।
- ৭। ২ বিধি অনুসারে রক্ষিত বা সাহায্য প্রাপ্ত প্রত্যেক হাঁস্পাতাল বা ডিস্পেসরিতে কাত্টনমেন্টের প্রীভিত দরিদ্র ব্যক্তিরা, কাত্টনমেন্টস্থ যে সকল ব্যক্তি বিলা বাহম চিকিৎসিত পীড়িত ব্যক্তির সংক্রামক বা স্পর্শাক্রামক রোগ ভোগ করিতেছে তাহারা এবং কার্টনমেন্টের কর্তৃপক্ষের অহুমোদন সহ অপর যে কোন পীড়িত ব্যক্তি বিনা ব্যয়ে চিকিৎসিত হইতে পারিবে। এবং তাহারা যদি হাঁস্পাতা ল অবস্থানকারী রোগী শ্বরূপ চিকিৎসিত হয় তাহাহইলে হয় তাহাদিগকে বিন। ব্যয়ে পথ্য দিতে হহবে কিয়া ভার±াপ্ত ভাক্তার আদেশ করিলে কার্টনমেন্টের কন্তপক্ষ যে ইন্ফেল নির্দ্ধারণ করিবেন সেই ইচ্ফেল অমুসারে ভাহাদিগকে খোরাকির টাকা দিতে হইবে।

किं छे अधिक मगरम श्रामीम भवर्गया कर्क प्रकार मान प्रामी स्थापन कार्या अधिक श्रामी विषय कर्मिन 25 P122114 2945 ৩৩৮ ধারা অনুসারে ডিক্রামত খাতকদের নিম্নতম যে খোরাকির টাকা নিদ্দিষ্ট আছে ঐ খোরাকির আইন। টাকা তাহার অপেকা কম হইবে না।

৮। যে পীড়িত ব্যক্তি ২বিধি অহুদারে র**ক্ষিত বা** সাহায্যপ্রাপ্ত হাঁস্পাতালে বা ডিসপে**স**রিতে ঠিক পুরুবর্ত্তী বিধি অন্প্রসারে বিনা ব্যয়ে চিকিৎসিত হইবার অনুপ-টাকা দিয়া চিকিৎসিত বোগিব কথা। যুক্ত তিনি কাউনমেটের কর্তৃপক্ষ যে সর্গু নির্দ্ধারণ করা উপযুক্ত বোধ করেন সেই সর্গু অন্নসারে ঐরপ হাঁস্পাতাল বা ভিসপেন্সরিতে চিকিৎমার্থ ভর্ত্তি হইতে পারিবেন।

১। ২ বিধি অনুসারে রক্ষিত বা সাহাধ্যপ্রাপ্ত কোন হাঁস্পাতাল বা ডিসপেন্সরির ভারপ্রাপ্ত যে দকল ব্যক্তি দংক্রামক বা স্পর্ণা-ক্রামক কোগ জোগ কবিতেত্তেন সেই সকল ব্যক্তিকে উপস্থিত হইণাৰ নিমিত্ত বিশ্বা হাঁম্পাড়ালে বা ডিস্পেন্সবিতে থাকিবাব নিমিত্ত আদেশ কবিবাব ক্ষমতাৰ কথ।।

ডাক্তারের আপাত: দৃষ্টিতে যদি এরপ বিশ্বাস করিবার কারণ ধাকে যে কাউনমেন্ট নিবাদী কোন ব্যক্তি সংক্রামক বা স্পর্শাক্রামক রোগ ভোগ করিতেছে তাহাহইলে তিনি তফসালের নিদিষ্ট ফার্মে কিম্বা তদমূরপ কোন কারমে লিখিত মুটিস দিয়া ঐ ব্যক্তিকে ঐ মুটিসের নির্দ্ধিষ্ট সময়ে ইাস্পাডালে বা ডিসপেন্সবিতে উপস্থিত

হুইবার নিমিত্ত আদেশ করিবেন এবং প্রয়োজন হুইলে পরীক্ষা করিয়া ঐ ব্যক্তি প্রকৃত পক্ষে ঐ রোগ ভোগ করিতেছে না কিছা এখন আর ভোগ করি তছে না ভারপ্রাপ্ত তাক্তারে যদি এই প্রভাতি না হয় ভাহা হইলে এবং যক্তক্ষণ ঐ প্রভাতি না হয় ত চক্ষণ বিনা অনুমতিতে হাঁস্পাতাল বা ডিদপেনার চ্যাডিয়া মা ঘাইবার মিমিড আদেশ করিবেন।

কিন্তু রোগের প্রকৃতি এবং রোগগ্রাস্ত ব্যক্তির অবস্থা এবং তাঁগার সাধারণতঃ চারিদিকের অবসা বিবেচমায় ভারপ্রাপ্ত ভার্লারের যদি এরূপ বাধ করেন যে ঐ ব্যক্তিকে ইাস্পাতালে বা ভিসপেন্সরিতে হাজির করান যুক্তিসঙ্গত নহে তাগ হইলে তিনি ঐ ব্যক্তিকে হাজিরা হহতে মুক্তি দিতে পারিবেন এবং ষেত্রপ উপায় অবলম্বন করা এবং আদেশ দেওয়া উপযুক্ত বোধ করেন সেইরূপ উপায় ै **অবঙ্গন্ধন করিতে এবং আদেশ দিতে পারিবেন** ।

১০। ২ বিধি অনুদারে রক্ষিত বা সাহায়গুপ্রাপ্ত কোন হাঁস্পাতাল বা ডিস্পেন্সরির ডাক্তার যদি কা-উনমেন্টের কমাণ্ডিং আপিসরের নিকট লিখিয়া এই কথা , ক্লাতীমনেট কইছে ভাড়াইবার ক্ষম-রিপোর্ট করেন যে কোন ব্যক্তি ৯ বিধির বিধানাম্বযায়া মুটিস পাইয়া হাঁস্পাতাল বা ডিস্পেন্সরিতে হাজির হইতে অত্মীকার করিয়াছেন কি হাজির হন নাই কিনা ঐ ব্যক্তি হাঁম্পাতালে বা ডিস্পেস্বিতে হাজির হইয়া ঐ ভাক্তারের বিনা অহমতিতে হাঁপোতার বা ভিদ্পেপরি ছাতিয়া গিয়াছেন তাচাহইলে কমাণ্ডি শাশিদর যুক্তিসঙ্গত বিবেচনা করিলে নিধিত আদেশ প্রদান করিয়া ঐ ব্যক্তিকে ২৪ ঘটার মধ্যে ক.উনমেট ছাড়িয়া যাইকে আজ্ঞা করিতে পারিবেন এবং তাঁহার লিখিত অলুমতি বিনা এ ২৪ ঘন্টার অধিক কাল কান্টনমেন্টে খাকিতে কিম্বা কান্টনমেন্টে কিরিয়া আদিতে নিষেধ করিতে পারিবেন।

বেশ্যা বা বেশ্যালয় স্থানাশুবিত ক্বণের ১১। কান্টনমেন্টের কর্ত্তৃপক্ষ লিখিত ভূটিস দিয়া কান্টনব্যান্তির বিদ্যালয় কিছা কান্টমেন্টের কোন নির্দ্ধিন্ট অংশে—

- (ক) বেশ্যালয় রাখা, কিন্তা
- (খ) কোন প্রকাশ্য বেশ্যার অবস্থান নিষেধ করিতে পারিবেন।

প্রকাশ্য বেশাদিগকে বেভিমেটের বাজার ছইডে ডাড়াইবার কথা!

১২। কোন প্রকাশ্য বেশ্যাকে কান্টনমেন্টের মধ্যে অবন্থিত রেজিমেন্টের বাজারের সীমার মধ্যে বাস করিতে দেওয়া হইবে না।

১৩। কোন ব্যক্তি কাত্টনমেত্টের সীমামধ্যন্থ কোন রান্তায় বা

কল্পাল্য স্থানে বেশ্যার্ভির নিমিত্ত দাঁড়াইয়া থাকিবে না কিন্তা

অবৈধ মৈথুনার্থ কোন ব্যক্তিকে অহ্বান করিবে না।

কিন্তু যে ব্যক্তিকে আহ্পান করা হয় সেই ব্যক্তি কিয়া কাণ্টনমেণ্টে নিযুক্ত এবং কাণ্টনমেণ্টের কমাণ্ডিং আফিসর কর্তৃক এতদর্থে বিশেষরূপে ক্ষমতা প্রাপ্ত রটিশ মিলিটরি পুলিস দলের কোন ব্যক্তি ১৮৮৯ সালেব ১৩ কিয়া কাণ্টনমেণ্ট বিষয়ক ১৮৮৯ সালের আইনের অর্থমত কোন আপিসর নালিশ না করিলে কোন আইন। ব্যক্তি এই বিধি ডক্টের জন্য অভিযুক্ত হইবে না।

#### দভের কথা।

দণ্ডের কথা।

#### ১৪। কোন ব্যক্তি-

- (ক) ১০ বিধি অন্নসারে ভাহাকে কান্টনমেন্টে থাকিতে কি কান্টমেন্টে পুনরায় প্রবেশ করিতে নিষেধ করা গেলেও কমাণ্ডিং আপিসরের লিখিত অন্নমতি বিনা কান্টনমেন্টে থাকিলে কিন্তা কান্টনমেন্টে পুনরায় প্রবেশ করিলে, কিন্তা
- (খ) ১১ বিধি অন্থায়ী স্থটিস অন্সারে কার্য্যনা করিলে, কিম্বা
- (গ) ১৩ বিধি ভঙ্গ করিলে—

তাহার পঞ্চাশ টাকা পর্য্যন্ত অর্থদণ্ড কিম্বা ৮ দিন কাল পর্য্যন্ত কারাদণ্ড হইতে পারিবে।

১৫। যে ব্যক্তি ঠিক পূর্ববর্ত্তা বিধির (ক) ও (গ) দফামুসারে দঙ্নীয় কোন অপরাধ করেন কিখা করিয়াছেন বলিয়া অভিযুক্ত হন কান্টনমেন্টে নিযুক্ত পুলিস দলভুক্ত যে কোন ব্যক্তি তাঁখাকে বিনা ওয়ারেন্টে গ্রেক্তার করিতে পারিবেন, কিন্তু—

- (৴৽) অভিযোক্তা বা গ্রেক্তারকারী কর্ম চারী যে ব্যক্তির নাম ও ধাম জ্ঞানেন সে ব্যক্তিকে

  ঐরপে গ্রেক্তার করা হইবে না।
- (৮০) যে ব্যক্তি তাঁহার নাম ও ধাম দিতে স্বীকার করেন সেই ব্যক্তি যে নাম ও ধাম দিলেন তাহা অপ্রক্তত এইরপা সন্দেহ করিবার যুক্তিসঙ্গত হেতু না থাকিলে তাঁহাকে ঐরপে গ্রেক্তার করা হইবে না। নাম ও ধাম অপ্রকৃত বলিয়া সন্দেহ করিবার যে যুক্তিসঙ্গত হেতু আছে,ইহা প্রমাণ করিবার ভার গ্রেক্তারকারী কর্মচারীর উপর গাকিবে।
- (১০) যে ব্যক্তিকে এইরপে গ্রেম্ভার করা হয় তাঁহার নাম ও ধাম নির্ণীত হইবার পর তাঁহাকে আর আটকাইয়া রাখা হইবে না।
- (।॰) যে ব্যক্তিকে এইরপে গ্রেম্ভার করা হয় তাঁহাকে মাজিফ্রেটের আদেশ ভিন্ন মাজিফ্রেটের সম্মুখে উপস্থিত করিবার নিমিত্ত যে সময় আবশ্যক হয় তাহা অপেক্ষা বেশী সময় আটক করিয়া রাখা হইবে না। এবং
- (৮০) (ক) যে ব্যক্তিকে আহ্বান করা হয় তাঁহার কিছা কান্টনমেন্ট বিষয়ক ১৮৮৯ সালের আইনের অর্থানুষায়ি যে আপিসরের সাক্ষাতে নিয়মভল করা হয় তাঁহার অনুরোধক্রমে না হইলে, কিছা
  - (খ) কান্টনমেন্টে নিযুক্ত এবং কান্টনমেন্টের কমাণ্ডিং আপিসরের নিকট হইতে এতদর্থে বিশেষরূপে ক্ষমতাপ্রাপ্ত রটিয় মিলিটরী পুলিস দলের বে ব্যক্তির সাক্ষাতে নিয়মভঙ্গ করা হয় সেই ব্যক্তি কর্তৃক কিছা তাঁছার অন্নরোধক্রমে ন শহইলে—

১৩ বিধিভঙ্গের নিমিত্ত কোন ব্যক্তিকে এইরূপে এেক্টার করা যাইবে না।

১৮৮৯ मालिय ३० कावेसः ডারিখ \_\_\_\_\_ ১৮৯৭ সাল।

পি, জে, মেটলাণ্ড, যেজর জেনরল, ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।



# गवर्गामि (जारकि।

TUESDAY, NOVEMBER 2, 1897.

# यञ्चलवात्र, ১৮৯१ माल २ नद्वत्रत्र।

PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

দিতীয় খণ্ড।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### JUDICIAL DEPARTMENT.

#### NOTIFICATION-No. 1184J.D.

The 25th October 1897.—It is hereby notified for general information that, under section 2 of Act II (B.C.) of 1867 (an Act to provide for the punishment of public gambling and the keeping of common gaming, houses), the Lieutenant-Governor authorises the extension, from the 1st November 1897, of the provisions of the said Act to the town of Nabadwipa, in the district of Nadia.

C. W. BOLTON,

Chief Secy. to the Goot. of Bengat.

## वक्राप्तरभव औयुङ लार्क्टानके भवर्गत्र मारहरवत्र षार्प्तम ।

## জুডিশ্যন ডিপার্টথেণ্ট।

১৮১৭ সাল ২৫এ অক্টোবর। সাধারণের অবগতির নিষিত এতদ্বারা এই সংবাদ দেওরা যাই-তেছে যে বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাছেব সামান্য দুফ্তকীভার এবং সাধারণ দ্যুতগৃহ রাখিবার দণ্ডবিধায়ক ১৮৬৭ সালের বঙ্গীয় ২ আইনের ২ ধারাস্সারে ১৮১৭ সালের ১লা নবেছর ্লাতারিখ হইতে উক্ত আইনের বিধান নদীয়া জিলার অন্তর্গত নববীপ নগরে প্রচলিত করিবার জন্মতি দিলেন।



# गवर्गायक (शदलं

TUESDAY, NOVEMBER 2, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২ নবেষর।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

অন্তম খণ্ড।

ই**শ্তিহার এ**ভৃতি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাহার।

### জিলা চট্টগ্রাম।

### ইন্ডিহার নামা কাছারি কলেক্টরী জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাদ্বারা জানান যাইতেছে যে, ১৮৯৭ ইং ২৫ মে শেষ তারিখের অনাদায় ১০০ টাকার ঊর্দ্ধ্ জমার নওয়াবাদ ও খাষ তরফ তালুকাদির বাকা খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মর্ম্মতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার নিলামের দিন ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রী কাছারিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

,				 সদর <sup>1</sup>	জ-মা।		া বাকী। 		
জ্ঞমিক মস্ব।	ভালুকাব নগব।	মৌজা, থানা. মহাল ও ভালুকাব নাম।	মালিকেব নাম।	<b>থাজা</b> না।	<b>ছে</b> ছ ৷	খাজানা ৷	(ছড়	মোট।	મ <b>જ</b> ્યુ
3	<b>?</b>	8	8	¢	•	•	er	a	5*
3	\$ 0 \$ 08 \$ 0 \$ 08	মোজে বাকলিয়া থানা সহর মহাল নওয়াবাদ।— তাং আহাম্মদ আলী ও মাহাং ইছুপা ও কোর্বান আলী ও আজগর আলী ও শ্রীমৃতী হুরবিবি।	জব্বার আলী সদাগর জানিবে শ্রীমতী ময়মুনা খাতুন ও করিমন্নিছা পক্ষে হিং হুরল হক্ ও আছফা খাতুন, নেজা- মত আলী চোধুরী ও মণীন্দ্র চন্দ্র ঘোষ, মোবা- রেক আলী, আবহুল রহমান ও নেজামত আলী ও আবহুল হাকিম স্বয়ং তৎ নাবালেগ ভাতা আলামিঞা ও	<b>৬৮</b> ৬ •	<b>₹</b> ७ <b>७</b>  ⁄ ७	७६॥﴿ ५	১৬॥৵৽	<b>৫</b> ৩ ৯	
			ইছুমাইল হিতৈষী উক্ত আবণ্ডল হাকিম।						

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 22nd September 1897.

F. P. Dixon,

For Collector.

### জিলা নোয়াখালী। নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবন-মেন্টের যে মালিকিম্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অহুসারে উক্ত নোয়াখালী জেলার কালৈক্টরিতে ১৮৯৭ সনের ৯ নবেম্বর মোতাবেক বাজলা ১৩০৪ সনের ২৪ কার্ত্তিক তারিখে প্রকাশ্য নিলাম বিক্রয় ইইবেক।

খরিদারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ত্ত সকলে বাধ্য হইতে হইবে।— নিলামের সর্ত্ত।—

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের থে উচ্চ মূল্য নিদ্ধিন্ট করেন তাহার উপার যে ব্যক্তি সর্ব্বাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদারকে ইহার মালিক শ্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং থে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরন্থরূপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবেক খরিদারগণ শতকরা ২৫) টাকা হারে আখরাজাত খরছ শ্বরূপে সদর রাজস্ব বাদ পাইবে।

দ্বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবশুের কার্য্যের দারায় যে সকল স্বত্ন অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণে যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্ত্য ক্রমক প্রজ্ঞা দ্বারা দস্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্বীকার করিতে খ্রিদারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০০ টাকার অনধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০০ টাকার ঊর্দ্ধ, হইলে বত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের
একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন এক ১ দিন গণ্য
হইয়া তদবধি ১৫ দিবদে ২ প্রত্রের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না
হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্কোপনক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম
যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিতহইবেক (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে
এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায় খরিদারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

েতীব্দিব নপ্রবা	একবেব হিসাবে গভদূব কানা যায় মহাল ও প্ৰগণাব নাম। ভূমিব ভানু মানিক প্ৰিমাণ।		া যায় মানিক	: গ্ৰণ <b>মেণ্ডেৰ</b>			আখিবাজাত থবচ সকপে দদৰ বাজস বাদ।	भ ख्वा ।	
2	ર		'n			8		à.	*
		હાર	(41:	গো:	ថ្ង	আ	পাঃ	· '	
3000	আনন্দচন্দ্র গড়গড়ী পরগণ	२१	0	ú	٢٠٠	0	3	শতকরা ২৫,	
	ভূলুয়া।	1						টাকা হারে।	
7022	এ এ দ্বিতীয় খণ্ড	9	•	•	₹8	0	0	(a)	
<b>५८</b> ७८	জিম্বে ছৈয়দ আকবর পরগণ। স্বন্দীপ।	৩৭	0	0	. ৯৬ 	4/	હ	<b>©</b>	
<b>3</b> ⊌8¢	জিম্বে ছৈয়দ আকবর পরগণা রাম্ভুক্ত চক্র ।	۲	0	0	<b>.</b>	11	0	Á	
6696	চণ্ডিপুর রান্তা	2	o	0	2	0	o	0	

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত হোলগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্পারে দাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত সন ১৮৯৭ ইংরেজির ২৬শে নবেম্বর তারিখে বেলা ১২ টার দময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ১৮ সেপ্টেম্বর ।

3	<b>\</b>	હ	8	<b>t</b>	S.	9	b	<b></b>
ভৌ <b>লি</b> র নথর।	মহাল ও প্রগণার নাম ।	সম্পূৰ্ণ মহাজেব সদৰ জম্ব।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কি মা।	কেবল মাত্ৰ অংশ বিক্ৰয় হুইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে ভাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম ছইলে ঐ অং- শেব সদর ক্ষমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয হইলে তাহা বাকী।
२०२ ১०১१ ১२৮२	থানে শাতকানীয়া মোং গারাঙ্গীয়া তং মোং গারাঙ্গীয়া বাং তং মঞ্চত রাম হাজ্ঞারি।		সম্পূর্ণ মহান্স বিক্রী হই- বেক।		শ্রীযুত বাবু কৈলাস চন্দ্র দাস মেনে- জার জাং আবহুল কর্তা খাঁ শ্রীদাহ মিঞা গং।		ن ، <b>۱۹۵</b> ۰	
७७• २२०৯ ১ <b>१</b> ८०	ভরফ মেডিজ লোহা গারা— বাং ডং মঞ্চত রাম হাজারি।		Ğ		শ্রীগমির সিং হাজারি শ্রীআবহুল কর্ডা খাঁ গং।	1	७३৮॥ /२	
<u>७७१</u> १८० १८८१	_		ď		শ্রীদেখ হাবিব আহা শ্বদ চৌং জাং ভং পিতা মকবুলআলী চৌং পক্ষে।	-	85/19	

সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫মেই শেষ তারিখের বাকি পড়া।

টীকা।--যে স্থলে উপবেধ লিখত বৰ্ণনাপত্তির ৫.৭ ও ১ ঘবে কোন অংশ মান বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে দেহ স্থলে ইহা ব্যারতে হইবে থে ও অংশে কিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাধ রাশা ইইয়া থাকে ও মহালেব অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না

The 24th September 1897.

F. P. DIXON,
For Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম।--ইন্ডিহার নামা কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাদ্বারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৬ ইং ২৬ ডিসেম্বর শেষ তারিখের অনাদায় ৫০, টাকার ঊর্দ্ধ জমার নওয়াবাদ তালুকাদির বাকী ধাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৭ সাং ৬ এপ্রিল তারিখে নিলাম হইয়া তদান্দরে যে সমস্ত তালুকা বায়না জব্দ হইয়াছে সেই শমস্ত তালুকাদির বাকী আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ও ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সাং ১১ আইনের ৬ ধারার মর্ম্মতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ সালের বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রী কাছারিতে প্রকাশ্য ছানি নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৬৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

<b>ক্ৰ</b> মিক	তলুকার নম্বর।	মৌৰা থানা. মহাল ও		अमृत ड	P#1		মন্তব্য ৷		
মস্ব।	७नूकात सरता	তালুকাব নাম।	মালিকেব নাম।	থাজানা।	<b>ছে</b> ছ।	थाकाग।	ছেছ	মোট।	460)
<b>,</b>	2	v	8	ά	•	9	ь	۵	<b>&gt;•</b>
>	748P 44P 50P4P 8P7P	মোজে জুজখলা থানা ফটীকছরী মহাল নওয়া বাদ।— তালুক এয়ার আলি খাঁ, হাং তাং ওবেদর রহ- মান খাঁ।	ওবেদর রহমান ২ঁ। ও মেহের আলি খাঁ।		<b>১</b> ৬৬ ৸৽	৬৯৩,	७११८७	૧૭ <i>૦</i> (એછ	

Chittagong Collectorate,

The 22nd September 1897.

For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, tor cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native gruggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and tweive annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### দ্ববন্ধ সিনকোনা।

কলিকাডাস্থ বোটানিকাল গাডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিক্টেণ্ডেন্টের নিকট গবর্ণ **যেন্টের** কর্মচারি**গণ এবং অপ**র কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পৌও ক্রয় করিলে নিমলিখিত স্থলেগ ভবত্ব সিনুকোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২।।। টাকায়, আট ঔপ টিন ৫১ টাকায় ও এক পৌঙ টিন ১০) টাকায় পাইবেন। সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিক্টেওক্টের নিকট নগদ মূল দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চাল্লি ঔপ চিন ৬, টাকায়, আট ঔপ টিন ৬২ টাকায় এবং এক পৌও চিন ১২) টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেডাগণ্ও এই केष्ट विक्रम कविया शास्क्रम । छेश्राताक शत हाजा हाति खेल हित्यत । . चाहे खेल हित्यत । । **७ এक পोक हित्त**र मन छोक गाञ्चल मिटल श्रेटर ।

বঙ্গদেশের গ্রথমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।
১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মুল্য হইবে, যথা—

১ এক পৌও টন ১৮) বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৭০

।। আধ ,, ,, ৯, ,, ,, ৯।। ।

1 阿存 , , 811 , , , , , , , , ,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কৃইনাইন অতি বিশুদ্ধরণে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিম্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপকৃষ্ট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপুর্বক মিশান হয় নাই ভাহার গ্যারাটী দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাভার নিকটস্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া যাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

... 10 Entire Gazette per annum 2 Postage 8 0 Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy— Entire Gazette 0 0 . . . ... 0 Postage 0 1 Parts III, IV, V, and VI sheets or with additional anna for an of 1 charge every 4 sheets in excess

Postage ... ... 0 1 (

The same rates as those of the mutassal, with the exception of the charge for postage E. N. Bakes.

Offa. Under-Secretary to the Good of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন।

১৮৮৩ শাল ২১ ফেব্রেয়ারি।—বাঙ্গালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ভাকমাস্থল এই অব্ধি নিম্ন লিখিত হাবে অগ্রিম দিতে হইবে:—

होका । यकः मटन मन्त्रुन (शटक हे 5R 25 <u>ডাকমাস্থ</u> ০ ও ৪ ও ৫ ও ৬ খণ্ড ( যাহাতে কারতবধের ও শঞ্-দেশের ব্যবস্থাপক সভার আইন ও আইনেন পাণ্ডলিপি থাকে 🕦 ভাক্ষাস্থল ١, দ্রার্থ একখানি গেজেটের মল্য .. ৩ ৪ ৪ ৬ ৫ % ৬ খণ্ড ( প্রভ্যেক ৪ পৃষ্ঠা বা ভাষার ন্যুন সংখ্যক পৃষ্ঠার মূল্য) ८ । ४ प्रकाव छेराज অধিক হয় See ক্রেছে)ছ ভাহার ৪ পটা অভি জার

> এক**ং আন**।। ...

#### ক**িকাভা**র।

কলিকাডায় ও মঞ্চললে সম্মি মূল্য, কলিকাডায় কেবল ডাক্ষাস্থল লাগিবে না।

(५) क्या शुन

इ, এब, । वकात ।

্তদেশের গবর্ণথেতের এক্টিং ছোট সেকেটরী।

#### The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible, I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of hic country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPUT., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies fo the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazette-, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Govi. of Benyal.

12/h December 1882.

NOTE - Rates of advertisements in the CALCUTTA GAZETTE.

Full page, per issue	•••	•••	•••	20
Half ,, ,,	•••	•••		10
Cusual adve	rtisem <b>en</b> t	4 ann <b>a</b> s per	r line.	

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিছা বাঙ্গালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজেট েদওয়া গাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেশ্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপ্রাতিরিক্ত এই মূর্মের বিশ্বাপন প্রকাশ করা গেল।

গ্রবন্দেন্টের কায্যালয় কিছা গ্রবন্দেন্ট কর্তৃপক্ষণের কতৃত্বাধীন কায্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তিব্যক্তাল সেক্টোরিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিছা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভিন্নিয়েট নগদ মূল্য দিতে হইবে এভদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাঙ্গাল সেক্টোরিয়েটের আকেণ্টিান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ. রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন গোলি ব্যক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশতিহার কি বিক্ষাণন প্রাকৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণিট বাদ দিবার জ্ঞানে টাকার উপর আর ৴০ এক বানা পাঠাণতে হইবে।

সি, ডবলিউ বল্টন,

বঙ্গদেশের গ্রথমেন্টের ছোট সেক্টেরী:

১৮৮২ স্যালের ১২ ডিসেম্বর।

মখন্য কলিকাত। গেলেটে ইণতিহার প্রকাশ করিব	ার হার এইং।—				<b>61€</b> 1∙
পুৰা এক পূজা একং বার প্রকাশ কর্ণের	•••		•••		₹••
জাধ পৃত্তা	•••	•••	.~		>
ক্ষন কংন ইশ্চি ছাব অকাশ ক্রিতে ব্টাতে	न ८०२ गॅरिक		***	*	1.

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy. may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### বাজাল সেকেটারিয়েট যন্ত্রালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে ।

বারিফার-অটা-লা ও ঐঐমতীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিষ্টিই ও সেশন জ্ঞক ও রেন্ট কমিশ্যনের যেম্বর, ইনর টেম্পলের জীযুত সি, ডি, ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি माह्यदात अभी ७ वक्रामा मेत्र अयुष्ठ व्याप्टिया भववंत्र माह्यदात भामनाशीन आरमाम प्रमाशिकाती व প্ৰজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুস্তকের মূল্য, ৫ পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুল্কক ক্রয় করিতে চাহিলে বাজাল সেকেটারিয়েটের আকেটিটাটের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইৰার খরচ।৴৽ পাঁচ আনা পাঠাইবেন : বস্তুব্য।—উক্ত পৃস্তুক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলক্ষে বল্পদেশের মান্ত্রসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাতার স্পানেড ওয়েষ্ট টৌন হালের হাভায় স্থিত বঙ্গদেশের গবর্ণযেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাপের আপিনে রেক্সি-ফ্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুস্তক কলিকাভার গবর্ণমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিম্ব কোম্পানির বাটীতে ক্রয় করিতে পাওয়া যায় ।

কলিকাতা থোসিডেন্সী কেল যন্ত্ৰালয়ে গ্ৰেপমেন্টের জন্য জ্বৈত্ব জেম্স পেটা সাহের কর্তৃক মুক্তিত ও প্রকাশিত হইল ।





# गवर्गाम् (माउन्हे

TUESDAY, NOVEMBER 9, 1897.

### মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৯ নবেম্বর।

CONTENTS.	1
PAG	R. मिर्चके ।
PART I Resolutions, Orders and Notifica-	नुष्ठे।
tions of the Government of India 89-9	0 প্রথম খণ্ড।—ভারতবরীয় গ্রণমেণ্টের নির্ছারণ
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ৮৯—১০
tions by the Lieutenant-Governor	বিতীয় খণ্ড।—বঙ্গদেশের গ্রব্দেন্টের নির্দারণ,
of Bengal Ni	ৈ আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই।
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-	ছিতীয় ক খণ্ড।—বঙ্গদেশের গ্রবন্দেটের আদেশ ৮৯ – ৯৩
nor of Bengal [89—9	
PART III Acts of the Legislative Council of	खारेन नारे।
India Ni	ে। চতুৰ্ব বভা-ভাৰতব্যায় ব্যবস্থাপক সভার আইনের
PART IV Bills of the Legislative Council of	পাতৃলিপি নাই।
India Ni	
PART V.—Acts of the Bengal Council 9-1	
PART VI.—Bills of the Bengal Council Ni	
PART VII.—Circular Orders by the High	সন্তম থণ্ড।—হাই কোটের ও রেবিনিট বোর্ডের
Court and Board of Revenue No	1 '
PART VIII.—Advertisements 553—56	2 অনুমুখন — উশ্তিহার প্রভৃতি ১৫০ – ১৬৫
Supplement Ni	
	1

#### PART I.

Resolutions, Orders and Notifications of the Government of India.

#### প্রথম খণ্ড।

ভারতবর্ষীয় গবর্ণমেন্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন এছতি।

#### GOVERNMENT OF INDIA.

No. 2327, dated Simla, the 23rd October 1897.

NOTIFICATION-By the Government of India, Home Department.

WHEREAS cases of plague have occurred in Kankhal and in the neighbourhood of Hardwar, and there is consequently danger of an outbreak at Hardwar if large numbers of persons assemble there:

In exercise of the powers conferred by section 2, sub-section (1) of the Epidemic Diseases Act (III of 1897), the Governor-General in Council is pleased to direct that no tickets to travel by railway to Roorker, Landhaura, Lhaksar, Pathri, Jawalapur and Hardwar shall be sold from the 23rd day of October 1897 till the 16th day of November 1897.

# ভারতবর্ষের গবর্ণমেণ্ট।

২৩২৭ নং। সিমলা, জারিখ ২৩ এ অফ্রোবর ১৮৯৭ সাল ।

#### ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের বিজ্ঞাপন।

যেহেতু কনখলে এবং হরিশ্বারের নিকটবর্ত্তী স্থানে কোন কোন ব্যক্তি মড়কাক্রান্ত হইয়াছে, স্থতরাং হরিশ্বারে অধিক সংখ্যক লোক একত্রিত ইইলে সেখানে মড়কের প্রান্তর্ভাবের আশঙ্কা আছে,

অতএব মন্ত্রিসভাধিন্তিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব ব্যাপক পীড়া বিষয়ক ১৮৯৭ সালের ত আইনের ং ধারার (১) প্রকরণাভ্সারে প্রদেভ ক্ষমতা পরিচালন পূর্বক এই আদেশ করিলেন যে ১৮৯৭ সালের অক্টোবর মাসের ২৩শ দিবস হইতে ১৮৯৭ সালের মবেম্বর মাসের ১৬শ দিবস পর্যান্ত রেল পথে রুড়কি, লক্ষোরা, লাক্সর, পাধ্রি, জওয়ালপুর, এবং হরিদ্বার ঘাইবার টিকিট বিক্রয় করা যাইবে না ।



# गवर्गयने (गदन्हे।

TUESDAY, NOVEMBER 9, 1897.

### यक्रलवात्र, ১৮৯१ माल ৯ नदवहत्र।

PART IIA.

Orders by the Licutemant-Governor of Bengal. দিতীয় ক খণ্ড। বৃদ্ধদেশের গর্ণব্যেক্টের আদেশ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 1208 T.M.—The 27th October 1897.—Whereas a notification No. 3646S., dated the 13th July 1897, was published at page 170, Part IB of the Calcutta Gazette of the 14th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of sections 1 to 8, 10 to 12 and 26 to 33 of the Bengal Vaccination Act, V of 1880, as amended by Act II of 1887, to certain places in the Rampur Hat subdivision of the district of Birbhum, within the limits noted below, and whereas no objection has been raised to the proposal within six weeks from the date of the publication of the above notification within the places referred to, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 1 of Act V of 1880, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the aforesaid sections of the Act to those places, viz., Rampur II at, Khalasıpara, Bogtoi, Kalisara and Brahmanigram—

Bounded on the-

North.—By the Railway Volunteers' Rifle Range and the Dighi tank.

South .- By the Shanghata stream.

East.—By the western boundaries of villages Dakhalbati, Benegram, Khanpura and Kumedda.

West .- By the eastern boundary of village Srifala.

II. H. RISLRY, Secy. to the Goot. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 1252T.M.—The 29th October 1897.—Whereas a notification No. 41 42M., dated the 9th August 1897, was published at page 193, Part IB of the Calcutta Gazette of the 11th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to confirm the rules set forth below, which were framed by the Commissioners of the Barisal Municipality, in the district of Backergunge, under section 8, Act XX of 1887, for the protection of wild birds and game within the limits of the above Municipality, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified that the said rules are confirmed by the Lieutenant-Governor under clause 4, section 3 of the Act, and are published for general information, under clause 5, section 6 of the General Clauses Act I of 1887:—

Rules under Section 3 of Act XX of 1887 for the Barisal Municipality.

Rules.

- 1. "Wild birds" for the purposes of these rules shall include jungle-fowl, pea-fowl, partridges, quail, plover, whistling toal, painted snipe, cotton teal and every bird killed for the sake of its plumage.
- 2. The Local Government having by notification declared that the provision of section 3, Act XX of 1887, shall apply to haves and deer, the following rules will apply to those animals as well as to wild birds.
- 3. The breeding season for the purposes of these rules shall extend from the 1st April to the 30th September.
- 4. Whoever during the breeding season has in his possession within the limits of the Municipality of Barisal any wild bird, deer, or hare, recently killed or taken or exposes for

#### वक्राप्तरमञ्जूष विष्यु क त्वर्णियन के भवर्गत मारहरवत व्याप्तम ।

#### মুনিসিপল ও স্থানীয়।

১২০৮ টি, এমু নং 1—১৮৯৭ সাল ২৭এ অক্টোবর 1—১৮৮৭ সালের ২ আইনের দ্বারা সংশোধিত বলদেশে গোবীজে টিকাদান বিষয়ক ১৮৮০ সালের ৫ আইনের ১ হইতে ৮ পর্য্যন্ত, ১০ হইতে ১২ পর্যন্ত এবং ২৬ হইতে ৩৩ পর্য্যন্ত ধারার বিধান বীরভূম জিলার অন্তর্গত রামপুরহাট মহকুমার অন্তর্গত কোন কোন ছানে নিম্নলিখিত সীমার মধ্যে প্রচলিত করণার্থ শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের অন্তিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ১৩ই জ্বলাই তারিখের ৩৬৪৬ এস্ নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১৪ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ টি খণ্ডের ১৭০ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উল্লিখিত স্থান সমূহে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি ছয় সপ্তাহের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারবের অবগতির নিমিত্ত এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি ১৮৮০ সালের ৫ আইনের ১ ধারাক্রমে প্রদক্ত ক্ষমতান্ত্রসারে কার্য্য করিয়া উক্ত আইনের প্রের্গক্ত ধারাগুলি ঐ সকল স্থানে অর্থাৎ রামপুরহাটে, খালাসিপাড়ায়, বগটিয়ে, কালিসারায় এবং ব্রাহ্বনীগ্রামে প্রচলিত করিবার অনুমতি দিলেন ঃ—

উত্তর সামা।—বেল ওয়ের বল িটায়রদের চাঁদমারি লক্ষ করিবার স্থান এবং দিঘী পুক্ষরিণী।
দক্ষিণ সীমা।—সান্যাটা নদী।
পূর্ব্বসীমা।—দখলবাটা, বেণেগ্রাম, খাঁপুরা এবং কুমেদ্দা গ্রামের পশ্চিম সীমা।
পশ্চিম সীমা।—জীকল গ্রামের পূর্ব্ব সীমা।

এচ্, এচ্, রীসন্সি, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্টেরী।

#### বিজ্ঞাপন।

১২৫২ টি. এম্ নং ১৮৯৭ সাল ২৯এ অক্টোবর।—বাখরগঞ্জ জিলার মন্তর্গত বরিশাল মুমিসিপালিটির সীমার মধ্যে, বন্যপক্ষী ও শীকারোপযোগী পশু রক্ষা করণার্থ উক্ত মুমিসিপালিটির কমিশনরগণ কর্তৃক ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ও ধারামতে প্রণীত মিশ্রপদর্শিত বিধি দৃঢ় করণার্থ শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ৯ই আগেই তারিখের ৪১৪২এম নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১১ তারিখের কলিকতো গেজেটের ১ টি খণ্ডের ১৯৩ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুমিসিপালিটিতে প্রকাশত হইবার তারিখ হইতে এক মাসের মধ্যে, উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে উক্ত বিশ্বিশুলি শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেব কর্তৃক উক্ত আইনের ও ধারার ৪ দফারুমে দৃঢ়ীক্বত হইল এবং সাধারণের অবগত্যর্থে সাধারণ ধারা বিষয়ক ১৮৮৭ সালের ১ আইনের ও ধারার ৫ দফারুমারে প্রকাশিত হইল ঃ—

বরিশাল মুনিসিপালিটির নিমিত্ত ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ৩ ধারাভ্নারে প্রণীত বিধি ৷

#### বিধি।

১। এই ২ বিধির কার্য্য পক্ষে "বন্য পক্ষী" শব্দে বন্য কৃকুট ময়ুর, ভিতির পক্ষী. বটের পক্ষী, টিটির পক্ষী, সিস দেওয়া বালহাঁয়, রঞ্জিত কাদা খোঁচা, তৃলা বালহাঁয়, (কটন্টিল্) এবং থে সকল পক্ষীতে পালকের জন্য মারা হয় সেই সকল পক্ষীত বুঝাইবে।

স্থানীয় গবর্ণমেক্ট বিজ্ঞাপনক্রমে ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ও ধারার বিধান খরগোস ও হরিণের প্রতি বর্ত্তিবে, এই আদেশ করায় নিম্নলিখিত বিধি যেরূপ বন্য পক্ষির প্রতি বর্ত্তে সেই রূপ ঐং জন্মর প্রতিও বর্তিবে।

- ৩। এই২ বিধির কার্য্যপাক্ষে প্রসব করিবার ঋতু এপ্রিল মাদের ১ তারিখ হইতে সেপ্টেম্বর মাদের ৩০ তারিখ পর্যান্দ্র ব্যাপ্ত হইবে।
- ৪। প্রদাব করিবার ঋতুর কালের মধ্যে বরিশাল মুনিসিপালিটির সীমার মধ্যে কোন ব্যক্তির নিকট সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন বন্য পক্ষী, হরিণ, বা খরগোস থাকিলে কিয়া কোন ব্যক্তি জাবিত

sale any such bird or animal, living or dead, shall be liable to a fine not exceeding Rs. 5 for each bird or animal.

- 5. Whoever during the breeding season imports into the town the plumage of any kind of wild bird, recently killed or taken or the fur or skin of any hare or deer recently killed or taken, shall be liable to a fine not exceeding Rs. 5 for the plumage of every such bird or the fur or skin of every such hare or deer.
- 6. In the case of a second conviction the fine may extend to Rs. 10 for each such hird, hare, deer, plumage fur or skiu.
- 7. Wil birds, plumage, fur or skin, &c., in respect in which a conviction has been had under Rules 4, 5 and 6 shall be conficated.
- 8. A reward, not exceeding half the fine imposed and realised under Rules 4, 5, and 6, may be granted by the adjudicating Magistrate to any person who has afforded information leading to a conviction for a breach of any of the above sules.

H. H. Basluv, Secy. to the Gent. of Bengal, বা মৃত তদ্রপ কোন পক্ষী বা জন্ত বিক্রমার্থে দেখাইলে প্রত্যেক পক্ষীর বা জন্তর নিমিত্ত তাহার ৫, পাঁচ টাকার অনধিক অর্থ দণ্ড হইতে পারিবে।

- ৫। কোন ব্যক্তি সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন প্রকার বন্য পক্ষার পালক কিন্তা সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন খরগোদের বা ছরিণের লোম বা চর্ম প্রসব করিবার ঋতুর কালের মধ্যে সহরে আমদানী করিলে তদ্রপা প্রত্যেক পক্ষার পালকের কিন্তা তদ্রপা প্রত্যেক খরগোস বা ছরিণের লোমের বা চর্মের নিমিন্ত তাহার ৫, টাকার অনধিক অর্থদণ্ড ইইতে পারিবে।
- ৬। দ্বিতীয়বার অপরাধ প্রমাণ হইলে ঐরপ প্রত্যেক পক্ষী, খরগোস, হরিণ, পালক, লোম বা চর্মের নিমিন্ত ১০, টাকা পর্য্যন্ত অর্থদণ্ড হইতে পারিবে।
- ৭। যে সকল পক্ষী, পালক, লোম ও চর্ম প্রভৃতি সম্বন্ধে বিধির ৪,৫,৬ ধারামতে অপরাধ প্রমাণ করা হইয়াছে তাহা জব্দ হইবে।
- ৮। উপরোক্ত বিধির ৪,৫,৬ ধারা লক্তান জন্য অপরাধ যাহাতে প্রমাণ হয় এমত সন্ধান বে ব্যক্তি দেন, বিচারকারী মাজিস্টেট উক্ত কএক ধারামতে যে অর্থদণ্ড ধার্য্য হইয়া আদায় করা থায়, ভাহার অর্দ্ধেকের অন্ধিক তাঁহাকে পুরন্ধার দিতে পারিবেন।

এচ্, এচ্, রীসলি, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরা।





# গবর্ণমেণ্ট গেজেট।

### गङ्गनवात. ১৮৯१ मान ১ न(वश्रत ।

## পঞ্চম খণ্ড।

বন্ধীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত আইন।

# বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্ট।

#### ব্যবস্থা বিভাগ।

মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত বন্ধদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের প্রনীত নিম্মলিখিত আইনটী ১৮৯৭ সালের ৭ই সেপ্টেম্বর তারিখে শ্রীযুত মান্যবরের সম্মতি লাভ করায় এবং ১৮৯৭ সালের ৫ই অক্টোবর তারিখে মহিমবর শ্রীযুত রাজপ্রতিনিধি ও গবর্ণর জেনরল সাহেব কর্ত্বক অন্যোদিত হওয়ায় সাধারণের অবগতির নিমিত্ত এতদ্বারা প্রকাশিত করা গেল।—

ছোট নাগপুরের পরিবর্ত্তিত বন্দোবস্ত বিষয়ক ১৮৯৭ সালের আইন।

সূচীপত্র।

# প্রথম অধ্যায়।

#### मृहना ।

ধারা।

- ১। সংক্ষিপ্ত নাম, ব্যাপ্তি ও আরভের কথা।
- ২ । রহিত ছইবার কথা।
- ৩। অর্থ নির্দেশের কথা।

# দ্বিতীয় অধ্যায়।

.জমের দখলসংক্রান্ত নিয়ম বা খাটনির পরিবর্ত্তে বন্দোবন্ত করিবার ও ঐ নিয়ম বা খাটনি লিপিবদ্ধ করিবার কথা।

 ৪। ইচ্ছাপুর্বক জমির দখলসংক্রান্ত নিয়ম বা খাটনির পরিবর্ত্তে বন্দোবস্ত কৃরিবার কথা।

CHOTA NAGPUR COMMUTATION ACT, 1897.

ধরা ।

- জমির দখল সংক্রান্ত নিয়ম বা খাটনি উহার
  পরিবর্তে ক্বত বন্দোবন্ত সমেত বা তদ্যতীত
  লিপিবদ্ধ করিবার আদেশ দিবার ক্ষমতার
  কথা।
- ঙ। লিখন প্রস্তুত করিতে হইবে, ইহার কথা।
- ৭। লিখন প্রকাশিত করিবার কথা।
- ৮। রাজস্ব কর্মচারিদের আদেশের বিৰুদ্ধে আপী-লের কথা।
- ৯। কমিশনর বা বোর্ড কর্তৃক পুনরালোচনার কথা।
- ১°। পরিবর্ত্তিত বন্দো**ৰ**স্তের আরম্ভ ও ফলের কথা।
- ১১। স্বেচ্ছাপ্র্বক পরিবর্ত্তিত বন্দোবস্তের খরচের কথা।
- ১২। লিখনের ও অবশ্য কর্তব্য পরিবর্ত্তিত বন্দো-বন্তের ধরচের কথা।

# তৃতীয় অধ্যায়।

#### বিধির কথা।

- ১৩। বিধি প্রণয়ন করিবার ক্ষমতার কথা।
- ১৪। বিধি প্রণীত ও প্রকাশিত করিবার কার্য্যপ্রণালীর কথা।

### ১৮৯৭ সালের ৪ আইন।

ছোট নাগপুরের কোন কোন অংশে জ্ঞমির দখল-সংক্রান্ত নিয়ম বা খাটনির পরিবর্ত্তে অপর বন্দোবস্ত সম্বন্ধে ব্যবস্থা করণার্থ আইন।

যেহেতু ছোট নাগপুর ভিবিসনের অন্তর্গত কএকটি জেলায় খাজানা ছাড়া জমির দখলসংক্রান্ত নিয়ম বা খাটনির পরিবর্তে ইচ্ছাপুর্বাক অপর বন্দোবস্ত করণ সম্বন্ধীয় আইন সংশোধন করা বিহিত এবং উক্ত সকল জেলায় পুর্বোক্তমত সকল নিয়ম বা খাটনি উহার পরিবর্তে ক্লত বন্দোবস্ত সমেত বা তদ্যতাত লিপিবদ্ধ করিবার অবশ্য কর্ত্ব্যতা সম্বন্ধে বিধান করা বিহিত।

অতএব এতদ্বারা নিম্নলিখিতমত বিধান করা যাইতেছে।—

#### প্রথম অধ্যায় ৷

#### मूठना ।

- ১ ধারা। (১) এই আইনটিকে ছোট নাগপুরের পরিবর্ত্তিত বন্দোবস্ত বিষয়ক দংক্রিপ্ত নাম, ব্যাপ্তি ও ১৮৯৭ সালের আইন বলা আবড়ের কথা। যাইতে পারিবে।
- (২) ইহা ছোটনাগপুর ডিবিসনের অন্তর্গত হাজারি-বাগ, লোহারডগা, পালামে ও সিংহভূম জেলায় প্রচলিত হইবে! এবং
- (৩) স্থানীয় গবর্ণমেণ্ট কলিকাতা গেচ্ছেটে বিজ্ঞাপন দিয়া তদর্থে যে দিবস নিরূপিত করেন ইহা ঐরূপ কোন জেলায় বা ।উহার কোন অংশে সেই দিবসে স্থামলে আসিবে।
- ২ ধারা। ছোটনাগপুরের ভূমাধিকারী ও প্রজ্ঞার কার্য্যপ্রণালীবিষয়ক ১৮৭১ সালের আইনের ২৫ ও ২৬ ধারা এতদ্ধারা রহিত করা গেল।
  - ও ধারা। (১) বিষয় বা সংযুক্ত বাক্যাবলীতে অর্থনির্দেশের কথা। বাকিলে, এই আইনে —
    - (ক) স্থানীয় গবর্থযেন্ট সময়ে সময়ে যে কোন কর্মচারিকে নাম করিয়া বা তাঁহার পদোপলক্ষে এই আইনমত কোন রাজস্থ কর্মচারির কোন কর্ম সম্পাদন করিতে নিযুক্ত করেন " রাজস্থ কর্মচারী" বলিতে সেই কর্মচারিকে বুঝাইবে।
    - (খ) "জমির দখল সংক্রান্ত নিয়ম বা খাটনি' বলিতে খাজানা ছাড়া জমির দখল-সংক্রান্ত সকল নিয়ম বা খাটনিকে বুবাইবে।

- (গ) দেশাচার অস্থসারে রায়তদের যে সঁকল রকুমত বা আবওয়াব আপান ভূমাধি-কারীকে দিতে হয় 'নিয়ম'' বলিডে তাহাও বুঝাইবে। এবং
- (য) "ক্লবিবৎসর" বলিতে কোন স্থানে ক্লবি-কার্ষ্যের প্রয়োজনার্থ যে বৎসর প্রচলিত থাকে সেই বৎসরকে বুঝাইবে।
- (২) ক্লমিকার্য্যের প্রয়োজনার্শ বিশেষ কোন স্থানে কোন্ বংসর প্রচলিত আছে স্থানীয় গবর্গমেন্ট ইহা সম্পেহের স্থল বলিয়া বিবেচনা করিলে, স্থানীয় পবর্গ-মেন্ট কলিক।তা গেজেটে বিজ্ঞাপন দিয়া যথাক্রমে যে বে তারিখে ঐ বংসর আরম্ভ ও শেষ হয় বলিয়া বিবেচনা করিতে ইইবে তাহা ব্যক্ত করিতে পারিবেন।

# দ্বিতীয় অধ্যায়।

জমির দখলসংক্রান্ত নিয়ম বা খাটনির পরিবর্তে বন্দোবস্ত করিবার ও ঐ নিয়ম বা খাটনি লিপিবদ্ধ করিবার কথা।

৪ ধারা। (১) জমির দখলসংক্রাম্ভ কোন নিয়ম বা ইচ্ছাপূর্বক জমির দখল সংক্রাম্ভ নিয়ম বা খাটনির ভোগ করা হইলে, ঐ জমির পবিবর্তে বন্দোবন্ত কবিবার প্রজা কিছা ঐরপা নিয়ম বা কথা। খাটনির উপকার পাইবার অ্তবান্ ব্যক্তি ঐরপা নিয়ম বা খাটনির পরিবর্তে বন্দোবন্তের জন্য রাজস্থ কর্মচারির নিকট লিখিয়া দর-খান্ত করিতে পারিবেন।

- (২) তদনম্ভর, (১) প্রকরণাহ্নসারে অপর যে ব্যক্তিদের ঐবপ দরখান্ত করিবার অত থাকে রাজস্ব
  কর্মচারী তাঁহাদের প্রত্যেকের উপর একখানি হুটিদ
  জারী করাইবেন এবং ঐ দরখান্ত বিবেচনা করিয়া
  দেখিবার জন্য একটি দিন ধার্য্য করিবেন। এবং সেই
  দিনে কিছা তাহার পর যে কোন দিন পর্য্যন্ত শুনানি
  মূলতবি রাখা হয় সেই দিনে তিনি ঐ বিষয়ের অহ্নসন্ধান লইতে ও ঐরপ নিয়ম বা খাটনির পরিবর্তে
  যত টাকা তাঁহার বিবেচনায় উপযুক্ত ও ন্যায্যরূপে
  দেয় হয় তাহা দ্বির করিতে প্রব্ত হইবেন।
- (৩) উক্ত টাকার হিসাব করিবার সময় প্রাচীন দেশাচার অমুসারে প্রজা যে সকল নিয়ম বা খাটনি সম্বন্ধে দায়ী রাজস্ব কর্মচারী ভাহার প্রতি এবং ঐ হিসাব করিবার সময়ে ঐ নিয়ম বা খাটনির নগদান মূল্যের প্রতি লক্ষ্য রাখিবেন।

কিন্তু রকুমৎ ভিন্ন নিয়ম বা খাটনির ছলে, তৎ-পরিবর্ত্তি যে টাকা দেয় হয় তাহা প্রজার দেয় বার্ষিক খাজানার সিকির বেশী হইবৈ মা।

कश्चित कथलगरकान्छ निग्रम ৰা খাটনি উহার পরিবর্তে কৃত বন্ধেবন্ত সমেত বা ভৰ্যভাত লি৷পৰ্ক কৰিবাৰ ভা:দেশ দিবাব ক্ষমতাব 4911

৫ ধারা। (১) ছানীয় গবর্ণ-মেন্টের বিবেচনায় কোন স্থলে বিহিত্ত বোধ হইলে স্থানীয় গবৰ্ণমেন্ট ঐ স্থলে---

- (ক) কোন স্থান বা কোন মহাল, মধ্যস্ত বা উহার কোন অংশের অন্তর্গত জমি জমির দখলসংক্রান্ত যে সকল নিয়ম বা খাটনির অধান কোন রাজস্ব কর্ম-চারী কর্তৃক ভাহার একটি লিখন প্রস্তুত করা হউক এবং ঐক্লপ নিয়ম বা খাট-নির পরিবর্তে বন্দোবন্ত করা হউক,
- (খ) পুর্ব্বোক্তমত নিয়ম বা খাটনির পরিবর্ত্তে কোনরূপ বন্দোবস্ত ব্যতীত কোন রাজস্ব কর্মচারা কর্তৃক পুর্কোক্তমত একটি লিখন প্রস্তুত করা হউক---

এইরূপ আদেশসূচক আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

- (২) কদিকাতা গেজেটে এই ধারাম্থায়িক কোন আজ্ঞার বিজ্ঞাপনই ঐ আজ্ঞা যে যথারীতি করা হইয়াছে ভাছার সিদ্ধাস্ত প্রমাণ হইবে।
- (৬) নিয়ম বা খাটনির লিখন ১৩ ধারামতে প্রণীড বিধি অমুসারে প্রস্তুত করিতে হইবে i
- ৬ ধারা। (১) ৫ ধা গ্রাহ্মারে কোন আজ্ঞা দেওয়া হইলে পর রাজস্ব কর্মচারী পিখন প্রস্তুত কবিতে নিম্নলিখিত বিশেষ বিবরণ সম্ব-ভইবে, ইহার কথা। লিভ একটি লিখন প্রস্তুভ করিতে প্রব্রু হইবেন, অর্থাৎ ঃ---

  - প্রত্যেক প্রজার নাম। (ক)
  - (খ) তাহার ভূমাধিকারির **নাম**। (গ) যে সময়ে লিখন প্রস্তুত হইতেছে সেই সময়ে তাহার ভোগ করা জমির জন্য যত খাঞ্জানা দিতে হয়।
  - (ঘ) ঐরপ সমস্ত বা কোন জমি জমির-দখলসংক্রান্ত যে সকল নিয়ম বা খাট-নির অধীন।
  - (৪) ঐরপ নিয়ম বা খাটনির পরিবর্তে যত টাকা রাজস্ব কর্মচারির বিবেচনায় ন্যায়-মতে দেয় বলিয়া বোধ হইতে পারে। **্ এবং**
  - (চ) রেবিনিউ বোর্ড কর্তৃক সময়ে সময়ে অপর যে সকল বিশেষ বিবরণ নির্দিষ্ট হয়।
- (২) ঐরপ নিয়ম বা খাটনির পরিবর্তে দেয় টাকার পরিমাণের হিসাব করিবার সময় রাজস্ব কর্মচারী ৪ ধারার (৩) প্রকরণের বিধানাস্থসাল্পে কার্য্য করিবেন।

৭ ধারা। (১) রাজস্ব কর্মচারী ৬ ধারাহ্যায়িক লিখন প্রস্তুত করিলে পর লিখন প্রকাশিত করি-১৩ ধারামতে প্রণীত বিধির कःव कथा। निर्मिष्ठे ध्वकारत ७ निर्मिष्ठे কালের নিষিত্ত ঐ লিখনের একখানি পাণ্ডলেখ্য ঐ স্থানে অকাশিত করাইবেন এবং প্রকাশিত করিবার কালের মধ্যে ঐ লিখনের অন্তর্গত কোন দকা সম্বন্ধে বা ঐ লিখন হইডে কোন কথা ছাড় হইয়া থাকিলে তৎসন্থন্ধে কোন আপত্তি করা হইলে ভাহা গ্রহণ করিয়া বিকেচনা করিয়া দেখিবেন।

- (২) ১৩ ধারামতে প্রণীভ বিধি অভুসারে আপত্তি-গুলির বিবেচনা ও নিষ্পত্তি করা হইলে 🖨 কিধির নিদিট একারে লিখন চূড়ান্তরূপে এন্তত ও একাশিত করা যাইবে 1
- (৩) ভিন্ন ভিন্ন ছান, মহাল, মধ্যস্বত্ত বা উছার অংশের জন্য (১) প্রকরণ বা (২) প্রকরণ অন্নসারে পৃথক পৃথক পাণ্ডুলেখ্য বা লিখন প্রকাশিত করা ঘাইতে পারিবে।

৮ ধারা। (১) রাজস্ব কর্মচারির এই অধ্যায়মত কোন আদেশের বিৰুদ্ধে ডেপুটা कर्चा विदय কমিশনরের নিকট আপীল

আদেশেৰ হিৰুদ্ধে আপী-চলিবে কিম্বা যদি রাজস্ব কর্ম-লেব কথা। চারী নিজেই ডেপুটি কমিশনর

ছন ডাহা হইলে ডিবিসনের কমিসশরের নিকট আপীল

- (২) ডেপুটি কমিশনর (১) প্রকরণমতে কোন আপী-্লর নিম্পত্তি করিলে তাঁহার আদেশের বিরুদ্ধে ক্ষি-শ্ৰৱের নিকট আপীল চলিবে।
- (৩) স্বাপীল সম্বন্ধীয় দেওয়ানী যোকদ্দ্যার কার্য্য\_ প্রণালী বিষয়ক আইনের বিধান যডদূর (১) প্রকরণ বা (২) প্রকরণমত সকল আপীল সম্বন্ধে খাটিবে।
- (৪) ষে ছলে কমিশনর ডেপুটি কমিশনরের সহিত একমত হন দে স্থলে ঐ আদেশ চূড়ান্ত হইবে। কিন্ধ অন্যান্য স্থলে কমিশনরের আদেশের বিয়াদ্ধে রেবিনিউ বোডে আপীল চলিবে।
- (৫) ১ প্রকরণমত প্রত্যেক আপীল যে আদেশের বিৰুদ্ধে আপীল হয় ভাহার তারিখ হইতে ভিন মাসের মধ্যৈ এবং (২) প্রকরণ কিম্বা (৪) প্রকরণমত প্রত্যেক অপৌন যে আদেশের বিৰুদ্ধে আপীল হয় তাহার তারি-খের এক মাসের মধ্যে উপস্থিত করিতে হইবে।
- ৯ ধারা। কমিশনর কিম্বা রেবিনিউ বোর্ড এই অধ্যায়মতে প্রস্তুত কোন লিখ-কমিশনৰ বা বোৰ্ড কৰ্তৃক নের কিম্বা ঐরপ লিখনের পুনরালোচনার কথা। কোন অংশের ঐ লিখন চূড়ান্ত. **রূপে প্রকাশিত হইবার** তারিখ হইতে হুই বৎসরের মধ্যে কোন সময়ে পুনরালোচনা হইবার আদেশ করিতে পারিবেন, কিন্তু তাহাতে যে কোন নিম্পত্তির বিরুদ্ধে ৮ ধারাম্বসারে আপাল করা হইয়াছে ভাহার থেন ব্যাঘাত না হয়।

কিন্তু যাবৎ সম্পর্কযুক্ত পক্ষদিগকৈ উপন্থিত হইয়া বিচায্য বিষয় সম্বন্ধে ভাহাদের বক্তব্য বলিবার যুক্তি-যুক্ত হটিদ দেওয়ানাহয় তাবৎ ঐরপ কোন আদেশ দেওয়া হইবে না। •

১ • ধারা। (১) কোন, স্থান বা মহাল বা মধ্য-স্বত্ব বা উছার অংশের জন্য পরিবর্তি ও ব স্পোবত্তের এই অধ্যায় অভ্নারে জমির -আবস্তু ও ফলের কথা। দখলসংক্ৰান্ত কোন নিয়ম বা খাটনির পরিবর্ত্তে বন্দোবস্ত করা হইলে লিখন চূড়াল্পর**পে একাশিত হইবার ঠিক পরবর্তী ক্ল**ষি বৎসরের আরম্ভ হইতে ঐ বন্দোবস্ত কার্য্যকর হইবে এবং সেই সময় হইতে ঐ স্থান বা মহাল বা মধ্যস্বত্ব **অংশের কোন প্রজা**র উপর জ্বমির বা উহার দখলসংক্রাস্ত কোন নিয়ম বা খাটনি ছাপন কর। আইনবিৰুদ্ধ হইবে এবং ঐ স্থান বা মহাল বা মধ্যস্বস্থ বা উছার অংশের মধ্যে ঐরপ নিয়ম বা খাটনি দিবার বা চাহিবার নিমিত্ত সমস্ত চুক্তি ও রক্ষণার্থক নিয়ম ব্যৰ্থ হইবে।

- (২) জমির দখল সংক্রান্ত নিয়ম বা খাটনির পরি-বর্ত্তে কোন প্রজার দেয় বলিয়া রাজস্ব কর্মচারী এই অধ্যায় অভ্নারে যত টাকা অব্ধারিত করেন তাহা ঐ প্রজার দেয় খাজানার অংশ বলিয়া বিবেচিত হইবে এবং ডদহুসারে আদায় করা যাইতে পারিবে।
- ১১ ধারা। (১) কোন ব্যক্তি পরিবর্তিত বন্দো
  বন্তের জন্য ৪ ধারাস্থসারে
  বেজাপ্র্কি পরিবর্তিত দরখান্ত করিলে ঐ ধারামতে
  বন্দোবন্তের ধবচেব কথা।
  অসুমান করা হয় রাজস্ব কর্মচারী তত টাকার সমস্ত বা
  কোন অংশ তাহাকে অগ্রিম আমানত করিবার আদেশ
  ব-রিত্তে পারিবেন।
- (২) কোন ছলে ৪ ধারাম্থায়িক কার্য্য সমাপ্ত হইলে উক্ত কার্য্যের মোট খরচ রাজস্ব কর্মচারী সমস্ত অবস্থা বিবেচনায় যে অম্পাত উপযুক্ত বিবেচনা করেন ভূমাধিকারী ও প্রজার মধ্যে সেই অম্পাতা-মুসারে বন্টন করিয়া দিবেন এবং যে টাকা ঐরপোবন্টন করিয়া দেওয়া হয় তাহা ভূমিরাজন্মের বাকীর ন্যায় আদায় করা যাইতে পারিবে।
- (৩) কোন ব্যক্তি (১) প্রকরণাম্নসারে যত টাক।
  আমানত করেন যদি তাহা (২) প্রকরণমতে তাহার
  প্রতি যে টাকা বন্টন করিয়া দেওয়া হয় সেই টাকার
  বেশী হয় ভাহা হইলে কার্য্য সমাপ্ত হইলে ঐ বাড়তি
  টাকা তাঁহাকে কেরত দেওয়া যাইবে।
- ১২ ধারা। (১) ৫ ধারামতে যে কোন আজ্ঞা করা যায় কোন স্থান বা কোন লিখনেব ও অনুশা-কপ্তরা পারবর্তিত বন্দো-বস্তেব খনচেব কথা।
   করিতে গাধর্ণমেন্টের যে খরচ লাগে সেই খরচ কিন্তা স্থানায় গবর্ণমেন্ট ভাছার যে অংশের আদেশ করেন সেই অংশ স্থানীয় গবর্ণমেন্ট সমস্ত অবস্থা বিবেচনা করিয়া যে অমুপাত স্থির করেন

নেই অনুপাতামুদারে ঐ ছান, মহাদ, মধ্যস্তত্ত্ব ব্

অংশের অন্তর্গত জমির ভূম্যধিকারী ও প্রজাদের দিতে

হইবে ৷

(২) কোন ব্যক্তি পূর্কোক্ত খরচের যে অংশ দিবার দারী হন উক্ত ছান, মহাল, মধ্যস্থত্ব বা অংশ সহজে প্রাপ্য ভূমিরাজন্তের বাকীর ন্যায় গ্রন্মেন্ট কর্তৃক ভাছা আদায় করা যাইতে পারিবে।

ব্যাখ্যা।—এই ধারায় "মধ্যস্থত্ব" শব্দে কোন স্থান, মহাল বা মধ্যস্বত্বের অন্তর্গত সমস্ত নিক্ষর ও লাখেরাজ মধ্যস্থত্ব ও যোতও বৃঝাইবে।

# তৃতীয় অধ্যায়।

#### বিধির কথা।

১৩ ধারা। স্থানীয় গবর্ণমেন্ট কলিকাতা গেজেটে বিজ্ঞাপন দিয়া সময়ে সময়ে বিধি প্রণয়ন <sup>করিবার</sup> নিম্নলিখিত কার্য্যের নিমিত্ত ক্ষমতাব ৰুগা।
বিধি প্রণয়ন করিতে পারি-

বেন-

- (১) এই আইনক্রমে বা এই আইন জন্মারে রাজস্ব কর্মচারিদিগের উপর যে কোন কর্ত্তব্য কর্ম স্থাপিত হয় তাহা সম্পাদনে তাহাদের যে কার্য্যপ্রণালী অন্সরণ করিতে ছইবে তাহার ব্যবস্থা করিবার নিমিত্ত। এবং স্থানীয় গবর্ণমেন্ট ঔরপ বিধিক্রমে যে কোন রাজস্ব কর্মচার)কে----
  - (ক) মোকদ্দমার বিচার করণার্থ কোন দেও-য়ানী আদালত কর্তৃক যে কোন ক্ষমতা পরিচালিত হয় সেই ক্ষমতা,
  - (খ) কোন জমিতে প্রবেশ করিবার ও তাহা জরিপ করিবার, তাহাতে চিহ্ন দিবার ও তাহার মানচিত্র প্রস্তুত করিবার ক্ষমতা, এবং
  - (গ) বল্লদেশের জরিপ করণবিষয়ক ১৮৭৫ সালের আইন অহুসারে কোন কর্ম-চারী কর্ত্তৃক যে কোন ক্ষমতা পরিচালিত হইতে পারে সেই ক্ষমতা—

প্রদান করিতে পারিবেন।

- (৩) দ্বিতীয় অধ্যায়ামূসারে যে প্রকারে লিখন প্রস্তুত করিতে হইবে তাহা নির্দ্দিষ্ট করিবার নিমিত;
- (৪) ৭ ধারাম্বসারে যে প্রকারে ও যত কালের জন্য লিখনের পাণ্ডলেখ্য প্রকাশিত করিতে হইবে তাহা এবং যে প্রকারে কোন লিখনের পাণ্ডলেখ্য সম্বন্ধে

আপত্তির নিষ্পত্তি করিতে হইবে তাহা নির্দ্ধিষ্ট করিবার নিমিত্ত।

- (৫) ৭ ধারাহ্নসারে যে প্রকারে সিখন চূড়ান্ত-রূপে প্রকাশিত করিতে হইবে তাহা নির্দ্দিট করিবার নিষিত। এবং
- (৬) সাধারণতঃ দ্বিতীয় অধ্যায়ের বিধান কার্য্যে পরিণত করণে রাজস্থ কর্মচারি-দিগের অস্থসরণের নিমিত্ত।

১৪ ধারা। (১) ১৩ ধারামতে বিধি প্রণীত করিবার পুরে স্থানীয় গবনমেন্ট
কনিবাব কাগ্যপ্রণালীব কথা। প্রস্তাবিত ্রবিধি হইতে যে
ব্যক্তিদের ক্ষডিরদ্ধি হইবার
সম্ভাবনা ভাহাদের অবগতির নিমিত্ত উহার একটী
পাণ্ডলেখ্য প্রকাশিত করিবেন।

(२) স্থানীয় গবর্ণমেন্টের বিবেচনায় যে প্রকারে প্রকাশিত করিলে স্থার্থযুক্ত ব্যক্তিদিগকে জানাইবার পক্ষে যথেষ্ট হয় ঐ পাণ্ড্রেখ্য সেই প্রকারে প্রকাশিত করিতে হইবে।

কলিকাতা; |
১৮৯৭ সাল ;
১৯ অক্টোবর।

কি শ্ব ঐরপ প্রত্যেক পাণ্ডুলেখ্যই কলিকাতা গেজেটে প্রকাশিত করিতে হইবে।

- (৩) ঐ পাণ্ডলেখ্যের সহিত একটা প্রটিস প্রকাশিত করিতে হইবে। উহা প্রকাশিত করণের তারিখের পর এক মাস অতাত হইবার পুর্বে না হয় এমন যে দিনে বা যে দিনের পর ঐ পাণ্ডলেখ্যের বিবেচনা করিয়া দেখা যাইবে ঐ প্রটিসে সেই দিনের উল্লেখ থাকিবে।
- (৪) ঐরপে উলিখিত দিনের পরে ঐ পাণ্ড-লেখ্য দদ্ধদ্ধ কোন ব্যক্তির নিকট হইতে স্থানীয় গদ্ধমেন্ট যে কোন আপস্তি বা প্রস্তাব প্রাপ্ত হন ঐ গর্বমেন্ট ভাষা বিবেচনা করিয়া দেখিবেন।
- (৫) এই আইনমতে প্রণীত হইরাছে বলিয়া প্রতীয়-মান কোন বিধি কলিকাতা গেজেটে প্রকাশিত করা গেলে ঐ প্রকাশিত করণই ঐ বিধি যথানিয়মে প্রণীত হইবার সিদ্ধান্ত প্রমাণ হইবে।
- (৬) এই আইনমতে প্রণীত সমস্ত বিধি স্থানীয় গবর্ণমেন্ট কর্তৃক সময়ে সময়ে সংশোধিত, পরিবর্দ্ধিত বা রহিত হইতে পারিবে।

এফ, জি, উইগ্লি, বঙ্গদেশের গবর্গমেন্টের ব্যবস্থা বিভাগে একটিং আসিফান্ট সেকেট্রী। Chunder Nath Bose, Bengali Translator,



# গবর্ণমেণ্ট গেজেট

TUESDAY, NOVEMBER 9, 1897.

মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৯ নবেম্ব।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

অপ্তম খণ্ড।

ইশ্তিহার এভৃতি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্তাহার।

#### জিনা চট্টগ্রাম। ইস্তিহার নামা কাছারি কলেক্টরী জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইতেছে যে, ১৮৯৭ ইং ২৫ মে শেষ তারি,খর অনাদায় ১০) টাকার ঊর্দ্ধ্ব জমার নওয়াবাদ ও খাষ তরক তালুকাদির বাকা খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মর্ম্মতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার নিলামের দিন ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রী কাছারিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

				न प्रव	ভ মা ৷		বাকী।		
ক্রমিক মম্বর।	তালুকার নগর।	মৌকা, খানা, মহাল ও তালুকাব নাম।	মালিকেব নাম।	শ্ৰানা।	ছেই।	शंकान।	ছেছ।	যোট।	মস্বব্য।
,	2	٠	8	¢		9	b-	2	>•
	<b>5-6-9</b>	মোজে বাকলিয়া থানা সহর মহাল নওয়াবাদ।—							
3	₹•308	তাং আহাম্মদ আলী ও	जस्तात जानी मनागत	एकता o	२७७/ ७	७७॥%	3611000	৫৩।৯	••••
	ct à	মাহাং ইছপ ও কোৰ্কান	জানিবে শ্রীমতী ময়মুনা						
	•	আলী ও আ <del>জ</del> গর আলী	খাতৃন ও করিমলিছা						
١		ু ও ঐমতী হুরবিবি।	পক্ষে হিং হুরল হক্				1		
١			ও আছফা খাতুন, নেজা-		Ì				
			মত আলী চৌধুরী ও						
			মনীব্ৰু চব্ৰু ঘোষ, মোবা-						
			রেক আলী, আবত্বল		; !				
			রহমান ও নেজামত		į		' !		
			আলী ও আবগুল হাকিম		1		'		
			স্বয়ং ডৎ নাবালেগ	!					
			ভ্ৰাতা আলা মিঞা ও		1				
			ইছমাইল হিতিষী উক্ত				I		
			আবগুল হাকিম।						

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 22nd September 1897.

F. P. Dixon,

For Collector.

#### জিঙ্গা নোয়াখালী। নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াশালী জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবণ-মেন্টের যে মালিকিস্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত অন্নসারে উক্ত নোয়াখালী জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৭ সনের ৯ নবেম্বর মোতাবেক বাললা ১৩০৪ সনের ২৪ কার্ডিক তারিখে প্রকাশ্য নিলাম বিক্রয় ইইবেক।

খরিদারগণকে নিম্মের লিখিত নিলামের সর্গু সকলে বাধ্য হইতে হইবে।—
নিলামের সর্গু।—

- প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দিষ্ট করেন ডাহার উপার যে ব্যক্তি সর্বাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদারকে ইহার মালিক অন্ধপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ম ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরস্করপে গণ্য হইয়া এই মহালে পবর্ধমেন্টের যে মালিকি অত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ অত্ব খরিদারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবেক খরিদারগণ শতকরা ২৫) টাকা হারে আখরাজ্ঞাত খরছ অরপে সদর রাজস্ম বাদ পাইবে।
- দ্বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের হারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণে যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখান্তা ক্রমক প্রজা দ্বারা দন্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্বীকার করিতে খরিদারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০০ টাকার অনধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০০ টাকার ঊর্দ্ধ, হইলে যড টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের
একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন এক ১ দিন গণ্য
হইয়া তদবধি ১৫ দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না
হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্কোপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম
যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিতহইবেক (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে
এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায় খরিদারের দায়ীতে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

ভৌজির নশ্বব ।	মহাল ও প্ৰগণ্বি নাম।	একবেব হিদাবে যতদূব জানা যায় ভূমিব অনুমানিক প্রিমাণ।		যতদ্ব জানা যায় বিশ্বমেণ্ডের ত বাজস্ব যাহা সং		বাজস্ব যাহা			મજીવા (
>	ર		 ৩			8		ď	•
		<b>ા</b>	বো:	পো:	हेरः	আঃ	পা:		<del></del>
abb	আনন্দচন্দ্ৰ গড়গড়ী প্ৰগণা	२٩	0	•	ь۶	0	2	শতকরা ২৫)	
	ভূনুয়া।							টাকা হারে।	
643	জ জ বিভীয় বঙ	9	•	•	२8	0	•	(a)	
\$ <b>2</b> 8	জিম্বে ছৈয়দ আকবর পরগণা স্থানীপ ।	७१	0	•	ಎહ	4/	Ŀ	(P)	
\ <b>68</b> €	জিম্বে ছৈয়দ আকবর পরগণা রামভন্ত চক্র ।	<b>!</b>	0	•	3	11	0	લું	
428	চণ্ডিপুর রাস্তা	3	0	•	2	•	•	0	

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহাসপ্তলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনামুসারে শাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার মিমিত সন ১৮৯৭ ইংরেজির ২৬শে নবেম্বর তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ১৮ সেপ্টেম্বর !

3	<b>ર</b>	9	8	¢	6	9	ь	•
ভৌক্রিব নখর (	মহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূৰ্ম হ:৫ পৰ নধর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কি মা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিধবণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হইবে ডাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাঞ বিশ্রুয ছইলে ঐ অং- শেব সদব জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রম হইলে তাহাব বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ভাহা বাকী।
3-39 3-39	থানে শাতকানীয়া মোং গারাজীয়া তং মোং গারাজীয়া বাং তং মজত রাফ হাজারি।	i	সম্পূর্ণ মহাঙ্গ বিক্রী হই- বেক।		শ্রীযুত বাবু কৈলাস চম্দ্র দাস মেনে- জার জাং আবগুল কণ্ডা খাঁ শ্রীদার মিঞা গং।		O o ho/ o	
७७ <b>॰</b> २२०৯ ১ <b>१</b> ८०	তরক মেতিজ লোহা গারা— বাং তং মঞ্চত রাম হাজারি।		Ğ		শ্রীগমির সি॰ হাজারি শ্রীআবগুল ফন্ডা খাঁ গং।		े । । । । । । । । ।	
PUU PEC-5 PUU PUU PUU PUU PUU PUU PUU PUU PUU PU	]	€ > ►   ✓ \	ď		শ্রীসেখ হাবিব আহা শ্বদ চৌং জাং ভং পিতা মকবুল আলী চৌং পক্ষে।		8म्स्	

সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫মেই শেষ তারিখের বাকি পড়া।

জীকা।—যে স্বলে উপবেঁব লিখত বৰ্ণনাপটেশৰ ৫,৭-৫ ৯ ঘৰে কে ন অংশ মান বিক্লম হইবে বলিয়া শিখিত আছে দেহ স্থলে ইহা বুৰিতে হছৰে যে এ অংশেৰ মিমিজ স্বতম্ভ ছিলাব বালা কইয়া পাকে ও মহালেব অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্ৰম হয় ন.।

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 24th September 1897.

F. P. DINON,
For Collector.

#### किना योनपर।

#### নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মালদহ জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ত আহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অনুসারে উক্ত মালদহ জেলার কালেক্ট্রিতে ১৮৯৭ সনের ২০ ডিসেম্বর তারিখে যোতাবেক বাঙ্গালা ১৩০৪ সনের ৬ পৌষ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক!

**यतिकात्रभगत्क निरम्नत निर्धिण निमारमत मर्ज मकत्म वाक्षा इटेरण इटेरव ।—** 

#### নিলামের সর্ত ;—

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্ট্রর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিষ্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্ব্বাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদ্ধারকে ইহার মালিক স্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরস্থরপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ত আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ত খরিদ্ধারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।

দ্বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের দারায় যে সকল স্বত্ত অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা ক্লয়ক প্রজা দারা দস্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ত স্থাকার করিতে খরিদ্দারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার অনধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার উদ্ধ হইলে যত টাকা ভাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসেৎ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্ব্ব উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়-কারি খরিন্দারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

			1	* ** * ** * * * * * * * * * * * * * *
्रकोक्टिन राध्ये ।	মহাল ৩৫ প্ৰগণ্য নাম ৷	একবেব হিসাবে যতদুব জানা থায ভূমিব অন্মানিক প্রবিমাণ।	গ্ৰণমেন্টেৰ ৰাজস্ব থাক। ধাণ্য ১ই- ফাড়ে।	<b>२ %</b> ता ।
२० नः	বিটোরী ধোবরা মহালের	একর, ৬১, পোল ১৩০—২৩৬		এই মহালের এজমালী অবিভক্ত গবর্ণমেন্টের ॥০ খাট আনা অংশ
	অবিভক্ত এজমালী ॥ আট আনা অংশ। পারগন। কাশিমনগর।			নিলাম হইবে। তৃতীয় ঘরে মোট মহালের রকবা দেখান হইল। চতুর্থ ঘরে গবর্ণমেন্টের।। আটি আনা অংশের রাজস্থ দেখান হইল। এই মহাল বর্তমান সনের জন্য ইজারা বন্দো- বস্ত আছে আগামী ১৮৯৮ সালের ৩১ণে মার্চ্চ তারিখে ইজারার ম্যাদ শেষ হইবে আগামী ১৮৯৮ সালের ১লা এপ্রেল হইতে নিলাম খরিদ্ধার এই মহালের মালিক স্বরূপ গণ্য হইবে।
) ৫৪ নং	।।		3934 112 2	এই মহালের অবিভক্ত এজমালী গবর্ণমেন্টের ॥ তথাট আনা অংশ নিলাম হইবে। তৃতীয় ঘরে মোট মহালের রকবা দেখান হইল। চতুর্থ ঘরে গবর্ণমেন্টের ॥ তথাট আনা অংশের রাজস্ব দেখান হইল। আগামী ১৮৯৮ সালের ১লা এপ্রেল হইতে নিলাম খরিদ্দার এই মহালের মালিক স্বরূপ গণ্য হইবে।
∉२८ बर	ভোরাপাড়া সোণাপুর। প্রগ্না কাশিমনগর।	> > > ->	393 4 33	্রাগামী ১৮৯৮ সালের ১লা এপ্রেল চইতে নিলাম খরিদার এই মহালের মাজিক স্বরূপ গণ্য হইবে।

কালেক্টরের কাছারি জেলা মালদহ ভারিখ ২৮শে অক্টোবর ১৮৯৭।

J. H. Lea, Collector.

#### জিলা নোয়াখালি।

#### क्रिमाति विक्रासन विकासन।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬, ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ১১ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নামাখালি জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেষ্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজন্ম ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজন্মের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৮। ৪ জাহ্মারি তারিখে নিলামে বিক্রম্ন করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তার ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশমাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

>	2	٥	8	ά	Ŀ	1	<b>&gt;</b>	۵
ভৌজির মধ্র।	মহাল ও প্ৰগণার নাম।	সম্পূৰ্থ মহা- লেব সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হুইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রম ছউলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিববণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম স্টবে তাহার মালিকগণেব নাম।	তাহার মালিকগণের হইলে, ঐ অং-		কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয হইলে তাহাৰ বাকী।
\$77	বামনি জমিদারী চাকলে বামনী।	<b>&gt;&gt;&gt;•</b> 9,	मण्ण्रं		বাবু উপেন্দ্রচন্দ্র দত্ত মোনছারত্থাব মিয়া ফেবজা ফেট ও বাবু রঘুনাথ প্রসাদ তেওয়ারি গং।	••	a.aa  977	••••
			খাস মহ	লি টেনিউর —				
2002	চর শুলুকিয়ার ৯ <b>নং</b> গ° মং হাওলা	<b>63 5</b> 46	मण्णृर्व		তয়াজন্দিন ঘাট মাজি।		2820∕€	•••••
১৬৬২	আবহুল রহমান। চর মধ্ধরা গং মং হাওলা আজম- ভুলা গং ৮০ নং	9 o b+ h <sub>g</sub> / 9	ঐ		ত্রৈলোক্যনাথ গুহ অভিস্থাবক জানিবে সচিনাথ গুহ।		200  2	<b></b>
১৬৭১	দখল। চর গাজির ১ নং দখল।	२०२१।७८	ď		জমিয়ত খালি	•••••	   8৮9 • 	
১৬৭১	के हरत २ वर मथन	70091177	এ		<b>ં</b>		७१७।/७	
7 <i>6</i> 26.	চর আলেকজভারের ১ নং গং মং	80 h/9	T DE		নবকুমার বস্থ	•••	८०७००	
<b>ን</b> ሁ <mark>ታ</mark> ሁ	জ চরের ২ নং গং মং হাওলা।	<b>48242</b>	<u>À</u>	••••	ঐ		39010	•••

S. K. Agasti, Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম।—ইন্ডিহার নামা কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইংছারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৬ ইং ২৬ ডিসেম্বর শেষ তারিখের জনাদার ৫০) টাকার ঊর্দ্ধ জ্বমার নওয়াবাদ তালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেছ আদারের নিমিত্ত ১৮৯৭ সাং ৬ এপ্রিল তারিখে নিলাম কইয়া তদান্দরে যে সমস্ত তালুকা বায়না জব্দ হইয়াছে দেই সমস্ত তালুকাদির বাকী আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ও ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সাং ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মায়তে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ সালের বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ হচস্পতিবার ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রী কাছারিতে প্রকাশ্য ছামি নিলামে ধরা খাইবে। ইতি ১৬৯৭ ইং তাং ১৬ লেল্টেম্বর।

ক্রমিক নপর।	তশুকাব নথব।	মৌৰা ধানা, মহাল ও তালুকাব নাম।		সদ্ব ভ	7या ।			মভুৱা।	
	७५ूकाव सदत्।		মালিকেব <b>নাম</b> ।	থাঞ্চানা।	ছেছ	शकाग।	ছেছ।	মেট।	শস্তব্য
3	₹	U	8	ά	•	9	F	۵	5•
3	50PdP 8P7P	মোজে জুজখনা থানা ফটীকছরী মহাল নওয়া বাদ।— তালুক এয়ার আলি খাঁ,	ওবেদর রহমান খাঁ	<b>₹७88</b> 5	<b>১</b> ৬৬ <i>५</i> ०	<b>७</b> ३७,	دالواون	9001J <b>U</b>	•••
	768P-	হাং তাং ওবেদর রহ- মান খাঁ।	ুও মেহের জালি খাঁ।						

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 22nd September 1897.

F. P. Dixon,

For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 2$  ans. 8; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 5$ ; per pound tin,  $Rs.\ 10$ . The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 3$ ; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 6$ ; per pound tin,  $Rs.\ 12$ . This medicine is also sold by the principal European and Native aruggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### দ্বর দিনকোনা।

কলিকাতান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অথাৎ কোম্পানির বাগানের স্থারিকেন্ডেনের নিকট গবর্ণ বেন্টের কর্মচারিগন এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পৌও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূলেট ধুরম্ম সিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২॥ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫১ টাকায় ও এক পৌও টিন ১০, টাকায় পাইবেন স্পর্কাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থারিটেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬, টাকায়, আট ঔপ টিন ৬১ টাকায় এবং এক পৌও টিন ১২, টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাতার প্রাথানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেন্ডাগণ্ড এই ঔষধ বিক্রয় করিয়া থাকেন। উপরোক্ত হার চাড়া চারি ঔপ টিনের।০, আট ঔপ্ টিনের।।০ ও এক পৌও টিনের ৮০ ডাক মাস্থল দিতে ইইবে। বঙ্গদেশের গবর্গমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন। ১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে, যথা—

১ এক পৌও টন ১৮, বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৭০

॥ जास ,, ,, ३) ,, ,, ,, ,, ३॥०

| 何存 ,, ,, 8ilo ,, ,, ,, ,, c)

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরণে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপক্রষ্ট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই ভাহার গ্যারান্টী দেওয়া যাইভেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্গমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং ক্লিকাভার নিকটস্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া ষাইভে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

R.s. ... 10 0 U Entire Gazette per annum. Postage Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-0 Entire Gazette Postage 0 1 . . . Parts III, IV, V, and VI for 4 sheets or with additiona an charge of 1 anna for every 4 sheets in excess of 4.

Postage ... 0 1 (

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. Bakes.

Offa. Under-Secretary to the Goot, of Benaal.

#### বিজ্ঞাপন।

১৮৮৩ সাল ২১ ফেব্রুয়ারি।—বাঞ্চালা গবর্ণমেণ্ট গেজেটের মূল্য ও ডাকমাস্থল এই অবহি নিম্না লিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে :— মকঃসলে টাকা।

	यकः मट	4			টাকা।
সম্পূর্ণ গেডেট	•••	•••	•••	বৎসর	> 0~
ডাকমা <b>ন্থ</b> ল	***	•••	•••	"	रे॥ •
৬৩৪৩৫৩৫খ%	( যাহাতে ব	গার <b>তব</b> র্ষের ১	<b>ও বল</b> -		
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার ভ	াইন 😻 🤊	গাইনের		
পাণ্ডুলিপি থাকে )	• • •	•••	•••	,,	8,
্ ভাক্যান্থল	• • •	•••	•••	"	۶ ۶
সম্পূৰ্ণ একখানি গেজেটের	্মূ <b>ল্য</b>	•••		,,	<b>1</b> •
	•••	•••			∕•
৩৪৪৫৫৫৬ ব্ ৩	প্রভ্যেক	8 शृक्षे वा	ভাহার		
<b>ন্</b> যন সং <b>খ্য</b> ক প্	(ষ্ঠার মূল্য)	•••	•	<b>p•</b>	/ । । পৃষ্টার <b>উপ</b> র বন্দ অধিক হন্ন ভাহার <b>প্রভো</b> ক ৪ পৃষ্টা প্রভি আর একং আন্যা।
ভাক্ষান্থল	• ••			1.	

#### ক্ৰিকাভায় ৷

কলিকাভায় ও মকঃশলে সমান মূল্য, কলিকাভায় কেবল ডাক্মান্থল লাগিলে না।

ই, এন, গেকার।

ব**ল্লেনের গব**র্ণখেন্টের এক্টিং ছোট সেক্রেটরী।

#### 'The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: parking and postage Re. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible, I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

Office of Supdt., Govt. Printing, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

12th December 1882.

Note.—Rates of advertisements in the CALCUTTA GAZETTE

Full page, per issue	•••		•••	168. 20	
Half ,, ,,	•••			10	
Casual advertisement—4 annas per line.					

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বাঙ্গালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেডেট নেওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিন্তা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কতৃত্তাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ক্রেভি বাজাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ডমিমিভ নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাঞ্চাল সেকেটারিয়েটের আকেণিটান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ. রোক্ত ফার্য্যালয় ভিম্ন ফোন ব্যক্তিকে কোন পুস্তকাদি দেওয়া কিছা উক্ত কোন গেজেটে ইশতিহার কি বিজ্ঞাপন প্রাস্থৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মূল্যের নিমিন্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণিট বাদ দিবার জ্বন্যে টাকার উপর আর ৴০ এক আনা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টন, বলদেশের গ্রহ্মেন্টের ছোট সেক্রেটরী।

#### ১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মক্ষব্য :— কলিকাতা গেলেটে ইণতিহার <b>একা</b> শ করিব	ার ভাব এইং।	-		•	টাকা
প্ৰা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ করণের	•••		•••		२०९
काध श्का	•••	***	.~		>
ক্ৰম ক্ৰম ইশ্ভিষাৰ প্ৰহাল ক্ৰিতে চইতে	ল একং প্ৰিক	<b>.</b> .			19

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy ma) he sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### बाकान मिटकोतिया विवासिय विकासार्थ जाए ।

বারিন্টার-অটা-লা ও শুশ্রীমতীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিট্টিক্ট ও সেশন জ্জ ও রেন্ট কমিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পলের এইযুক্ত সি, ডি, ফিল্ড, এম, এ, ও এল, এল, ভি শাহেবের প্রণাত বল্পদেশের এীযুত লেপ্টেনেউ গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভ্রাধিকারার প্ৰজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং থানি পুস্তকের মৃঙ্গ্য, ৫, পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাঙ্গাল সেকেটারিয়েটের আকোন্টান্টের নিকা একং থানি পুস্তকের মূল্য এবং ভাহা মোড়ক করিয়া ভাকে পাঠাইবার ধরচ।/০ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য ।—উক্ত পৃস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপদক্ষে বঙ্গদেশের যান্ত্রসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেড ক্রেইট টৌন ছালের হাভায় স্থিত বল্পদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে রেক্সি-ফ্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

টিফু সকল আখনের পুস্তুক কলিক¦ভার গবর্ণমে**টি প্লেশে, ধাকার স্পিত্ত কে**য় করিণ্ড পাওয়া ষায়

কলিকাতা প্রেসিডেন্সী কেল যঞ্জালয়ে গ্রেপমেটের জন। শ্রীযুত কেম্স পেটা সাহেব কর্তৃক মুক্তিত ও প্রকাশিত কর্বল



# गवर्गाम् (भारक्रि

TUESDAY, NOVEMBER 16, 1897.

## যঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৬ নবেশ্বর।

CONTENTS.	1
P	AGB. মির্থন্ট।
PART I Resolutions, Orders and Notifica-	न्हें।
tions of the Government of India 91	—92 প্রথম বশু।—ভাবতবর্ষীয় গ্রেবিষ্টের মির্ছারণ
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ১১১
tions by the Lieutenant-Governor	বিতীয় খণ্ড।—বল্লেলের গ্রথমেন্টের মির্ছারণ.
of Bengal	মেনে আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রফৃতি নাই
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-	বিতীয় ক খণ্ড।—বছদেশের গবর্ণমেটের আদেশ ু. ১৫—১০:
nor of Bengal 95-	
PART III.—Acts of the Legislative Council of	कारेन ् नारे
Indi <b>a</b>	Nil. हजूर्य थल।—जावजनरीत वावन्तालक मजात आवेरमव
PART IV Bills of the Legislative Council of	পাছ্লিপি ১৭১
	19 প্রমুখন্ত।বঙ্গীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত আইন নাই
PART V.—Acts of the Bengal Council	Nil. वह थल।—वजीत वांचलांभक मर्छात चाहिरमत
PART VI.—Bills of the Bengal Council	AVII. शाष्ट्रजिशि नारे
PART VII.—Circular Orders by the High	সক্ষ বভ।—হাই কোটের ও রেবিনিট বেডের
Court and Board of Revenue	NU. नाशात्रण कार्णमण्ड मारे
PART VIII.—Advertisements 563-	
Supplement	NSI. श्रीतिशिक्षे श्रीवर्षीयपारिकार शायको वि
	i .

#### PART I.

Resolutions, Orders and Notifications of the Government of India.

### প্রথম খণ্ড।

ভারতবর্ষীয় গবর্ণমেন্টের নিষ্কারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি!

#### GOVERNMENT OF INDIA.

#### FINANCE AND COMMERCE DEPARTMENT.

#### NOTIFICATION.

# SEPARATE REVENUE. STAMPS.

Simla, the 22nd October 1897.

No. 4718S.R.—In exercise of the power conferred by section 9 of the Indian Stamp Act, 1879 (I of 1879), the Governor-General in Council is pleased to make the following rule:—

The stamp duty payable under article 22 of Schedule I to the Indian Stamp Act, 1879, on copies of maps or plans certified to be true copies shall be denoted by means of an eight-anna adhesive Court-fee Stamp.

J. F. Finlay, Sacy. to the Govt. of India.

# ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের আদেশ।

রাজস্ব ও বাণিজ্য সম্পর্কীয় কার্য্যবিদ্ধাণ ।

বিজ্ঞাপন।

স্তান্ত্ৰ রাজস্ব। ইট্টাম্প বিষয়ক।

সিমলা, ১৮৯৭ সাল ২২ অক্টোবর।

89১৮ এস, আর, নম্বর।—মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের প্রতি ভারতবর্ষীয় ইফাম্প বিষয়ক ১৮৭৯ সালের ১ আইনের ৯ ধারামতে যে ক্ষমতা প্রদত্ত হইয়াছে তদমুসারে কার্য্য করিয়া তিনি নিম্নলিখিত বিধি প্রণয়ন করিলেন।

ম্যাপ বা নক্সার যে নকল সম্বন্ধে প্রক্রুত নকল বলিয়া সার্টিফিকেট দেওয়া হয় সেই নকলের উপর ভারতবর্ষীয় ইফাম্প বিষয়ক ১৮৭৯ সালের আইনের ১ তফসীলের ২২ দকামতে যে ইফাম্প মাহল দিতে ইয় তাহা আট আনার আটাল কোর্ট ফী ইফাম্প লাগাইয়া দিতে হইবে।

> জে, এফ, ফিন্লে, ভারতবর্ষের গবণমেন্টের সেক্রেটরী



# गवर्गाम (माद्या ।

TUESDAY, NOVEMBER 16, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৬ নবেম্বর।

PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal. দিতীয় ক খণ্ড। বৰুদেশের গ্ৰধ্মেন্টের খাদেশ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 1378 T.M.—The 4th November 1897.—Whereas a Notification No. 1263 M., dated the 3rd March 1897, was published at page 61, Part IB of the Calculta Gazette of the 10th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of Part IX of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Acts IV of 1894 and 11 of 1896, to Wards Nos. VI and VII of the North Barrackpore Municipality, in the district of the 24-Parganas, and whereas objections which have been accepted as valid have been raised to the proposed extension of Part IX to certain portions of the wards abovementioned within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the modified recommendation by the Commissioners of the North Barrackpore Municipality made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the portions of Wards Nos. VI and VII of the Municipality included within the boundaries specified below:—

The area bounded on the west by the Ganges, on the south by the Mannapara road, on the east by the Rampada Marik's road, Kalitola, the Feeder road and Satgopepara road, and on the north by the southern extremity of the Gunpowder Factory (with the exception of Posuri Bazar and the Jalapara), both sides of the Feeder road from Kalitola road to the northern terminus of Baruipara road, and the northern side of the Sreedhor Bansidhor road from the Kalitola road to the southern terminus of Baruipara road, and both sides of Mukherjeepara road.

H. H. Risley, Secy. to the Goot. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 1412T.M.—The 8th November 1897.—Whereas a notification No. 485T.M., dated the 6th September 1897, was published at page 211, Part IB of the Calcutta Gazette of the 15th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of sections 261 and 273 (2) and (3) of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Bengal Acts IV of 1894 and II of 1896, to the Netrakona Municipality, in the district of Mymousingh, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Netr. kona Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said Municipality.

H. H. RISLEY, Secy. to the Gort. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 1225T.M.—The 26th October 1897.—It is hereby notified for general information that the Lieutenant-Governor is pleased, in the exercise of the power conferred on him by section 414 of the Calcutta Municipal Consolidation Act, II of 1888, to confirm the following revised

#### वक्ररमरभव औयु छ त्मरिष्ठे रानके भवर्गत्र मारहर तत आरम्भ ।

#### মুনিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন।

১৩৭৮ টি, এম্নং।—১৮৯৭ সাল ৪ নবেম্বর।—২৪ শ্রগনা জিলার অন্তর্গত উক্তর বারাকপুর মুনিসিপালিটীর ৬ ও ৭ নং পল্লীতে ১৮৯৪ সালের ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের ২ আইন দ্বারা সংশোধিত বঙ্গদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের নবম পরিচ্ছেদের বিধান প্রচলিত করণার্থে শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ৩ মাচ্চ তারিখের ১২৬৩এম. নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১০ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ টি খণ্ডের ৬১ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলে এবং উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটাতে প্রকাশিত হইবার তা'রখ অবধি এক মাসের মধ্যে, উপরোক্ত পল্লীর কোনং অংশে নবম পরিচ্ছেদ প্রচলনের প্রস্তাব সম্বন্ধে এক মাসের মধ্যে যেং আপত্তি উপস্থিত করা গিয়াছিল তাহা যুক্তিসিদ্ধ বলিয়া গ্রাহ্য হওয়ায় সাধারণের অবগতার্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্গর সাহেব স্থানায় গবর্গনেটোর প্র ও উক্ত আইনের ২২১ধারামতে প্রস্কু ক্ষবভাহ্দ রে কার্য্য করিয়া এবং উক্তর বারাকপুর মুনিসিপালিটীর সন্থাত কমিশনরদের পরিবর্জিত অন্বরোধক্রমে মুনিসিপাল আইনের উক্ত বিধান উক্ত মুনিসিপালিটীর ৬ ও ৭ নং পল্লীর নিম্ননিদ্ধিট সীমার মধ্যে প্রচলিত করিবার অহ্মতি দিলেন।

ঐ স্থানের পশ্চিম সামা গঙ্গা, দক্ষিণ সামা মান্নাপাড়া রোড, পূর্ব সামা রামপদ মারিকের রোড়া কালীতলা, কীডর রোড সন্দোপপাড়া রোড, এবং উত্তর পিহারবাজার ও জলাপাড়া ভিন্ন বারুদ্দনার দক্ষিণ সামার শেষ পর্যান্ত কাডর রোডের হই পার্য এবং কালীতলা রোড হইতে বারুইপাড়া রোডের উত্তর সামার শেষ পর্যান্ত কাডর রোডের হই পার্য এবং কালীতলা রোড হইতে বারুইপাড়া রোডের দক্ষিণ সীমার শেষ পর্যান্ত জীধর বংশীধর রোডের উত্তর পার্য এবং মুখ্যাপাড়া রোডের হই পার্য।

এচ্, এচ্, রীসলি, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্টেরী।

#### বিজ্ঞাপন।

১৪১২ টি এম, নম্বর। – ১৮১৭ সাল ৮ নবেশ্বর।—ময়মনসিংহ জিলার অন্তর্গত নেত্রকোণা মুনিসিপালিটাতে ১৮৯৪ সালের বন্ধায় ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের বন্ধায় ২ আইন দ্বারা সংশোতি বঙ্গদেশের মুনিসিপালিটা বিষয়ক ১৮৮২ সালের ০ আইনের ১৬১ গারার ও ২৭০ ধারার (২) ও ২০০ প্রকরণের হিধান প্রচলিত করণার্থে শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্বর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ৬ সেপ্টেম্বর তাারখের ৪৮৫ টি, এম, নং এক বিজ্ঞাপন ও মাসের ১৫ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ ৪. খণ্ডের ২১১ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধ কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্বর সাহেব স্থানায় গবর্বনেটো প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধ্রোমতে প্রদক্ত ক্ষমত। অনুসারে কার্য্য করিয়া এবং নেত্রকোণা মুনিসিপালিটাতে করিবার অনুমতি দিলেন।

এচ্, এচ্. রাসলি, বঙ্গদেশের গ্রেণ্মেন্টের সেন্তেট্রা।

#### বিজ্ঞাপন ।

১২২৫ টি, এম ্নং 1—১৮৯৭ দাল ২৬ অক্টোবর। সাধারণের অবগতির নিমিত্ত এতদ্রা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, শ্রাযুত সেপ্টেনেট গবর্গর দাহেবের প্রতি কলিকাভার চুনিদিপাল আইন সংগ্রহ করণ বিষয়ক ১৮৮৮ দালের ২ আইনের ৪১৪ ধারাক্রমে যে ক্ষমতা প্রদত্ত ইইয়াছে তদহুসারে

bye-laws framed by the Commissioners of the Calcutta Municipality under section 413 of the said Act:—

Revised Bye-laws for the Regulation of Cow-houses.

- 1. Every new cow-house, cattle-shed and stable constructed on a new site, and every extension of an existing cow-house, cattle-shed and stable to a new site, shall be a detached building and not within 15 feet of any other inhabited building, and shall be provided with a paved passage behind the manger at least 2 feet in width.
- 2. Before beginning to build the sanction of the Commissioners shall be obtained, and with the application a plan of the premises and sections of the building in which it is proposed to carry on the business shall be sent in for approval, and the plan shall show the provision made or proposed to be made for the drainage, lighting, ventilation and water supply of the same, and shall also turnish a site plan of the locality showing the buildings and streets within 40 feet of the premises.
- 3. Every cow-house, cattle-shed and stable or building in which an animal is kept shall be subject to section 335, and be properly lighted and ventilated by the owner to the satisfaction of the Commissioners.
- 4. Every cow-house, cattle-shed, stable or building, etc., shall be well paved by the owner with asphalte, iron, stone or bricks-on-edge with cement pointing, flag stones set in cement, or other suitable impermeable material, and shall have a channel or gutter sloping towards a gully or cess-pool which shall be situated outside the shed.
- 5. Every cow-shed, etc., shall be provided by the owner with an adequate supply of filtered water. If a cistern is used, it shall be situated outside the shed, and its waste pipe shall terminate in the open air and be cut off from all direct communication with the drains.
  - 6. No wells shall be allowed on the cow-shed premises.
- 7. Every shed shall be provided on the outside but protected from the rain with an iron bin or other suitable receptacle for keeping dung or other refuse. All cow-dung retained for the preparation of cakes shall be kept in this receptacle, and not allowed to accoumulate on the ground.
- 8. Every person occupying a cow-shed shall keep in it only such number of cows as shall be specified in his license. The space for each cow shall not be less than 500 cubic feet in the case of country cows, and 600 cubic feet for cows imported from the North-West Provinces and other places and for buffaloes. In all cases the actual measurements of the sheds shall be taken as the basis of calculation for cubic space; provided that no height of the shed in excess of 15 feet shall be taken into account in estimating the cubic space. The stalls for single cows shall not be less than 4 feet in width, and a double stall for cows shall not be less than 7 feet 6 inches in width. The stall partitions, if any, shall not extend in front line of the manger and shall leave a clear open space above the manger.
  - 9. Every shed shall be kept clean to the satisfaction of the Commissioners.
- 10. Every cow-shed, etc., shall be thoroughly flushed and cleansed twice a day; the first time before 7 A.M., each day.
- 11. Every person occupying a cow-shed shall cause all dung manure to be removed daily in a properly constructed vehicle before 7 A.M.
- N.B.—A person who has paid his trade refuse fees shall be held to have discharged his liability under this bye-law.
- 12. No person occupying a cow-shed shall allow it to be used for any purpose other than that for which it is licensed, or shall keep or permit to be kept therein any fowl or any pig.

কার্য্য করিয়া ডিনি কলিকাডা মুনিসিপালিটীর কমিশনরগণ কর্ত্বক উক্ত আইনের ৪১৩ ধারাস্থসারে প্রণীত নিম্নলিখিড সংশোধিত উপবিধি দৃঢ় করিলেন :—

গোয়াল ঘর সমস্কে ব্যবস্থা করিবার নিমিত্ত সংশোধিত উপবিধি।

- ১। কোন নৃতন জায়গায় প্রস্তুত করা প্রত্যেক নৃতন গোয়ালঘর, গোমহিষাদির চালা ও আস্তাবল এবং যে গোয়ালঘর, গোমহিষাদির চালা ও আস্তাবল একণে আছে তাগার প্রত্যেকের কোন নৃতন জায়গা পর্যান্ত বাড়ান স্বতন্ত্র বিল্ডিং হইবে এবং অন্য যে বিল্ডিক্টে লোক আছে তাহার ১৫ কুটের মধ্যে হইবে না এবং ভাহাতে গোমহিষাদির জাব খাইবার যে পাত্র থাকে ভাহার পশ্চাদিকে অন্তঃ ২ কুট চওড়া পাকা পথ করিয়া দিতে হইবে।
- ২। প্রস্তুত করিতে আরম্ভ করিবার পূর্বে কমিশনরদের মঞ্বি লইতে হইবে। যে প্রেমিসের এবং যে বিল্ডিজে কার্য্য চালান হইবে দরখান্তের সহিত সেই প্রেমিসের এবং সেই বিলডিজের সেকশনের এক খানি নক্শা অন্যোদনের নিমিত্ত পাঠাইতে হইবে, এবং তাহার জল নিকাশেরা, আলোর, বাতাস খেলিবার ও জল সরবরাহের যে বিধান করা হয় বা বিধান করিবার প্রস্তাব করা হয় ঐ নক্শায় তাহা দেখাইতে হইবে এবং উহাতে ঐ পল্লীর ও নক্শায় তাহা দেখাইতে হইবে। ঐ প্রেমিস হইতে ৪০ ফুটের মধ্যে যে সমস্ত বিল্ডিং ও ফ্রীট আছে পল্লীর নক্শায় তাহা দেখাইতে হইবে।
- ৩। যে গোয়ালঘরে, গোমহিষাদির চালায় ও আস্তাবলে কিমা বিল্ডিজে কোন জন্ধু রাখ যায় ভাষা ৩৩৫ ধারার নিয়মাধীন হইবে ও কমিশনরদের সম্ভোষজনক হয় মালিক ভাষাতে আলোর ও বাভাস খেলিবার এরপ উপযুক্ত উপায় করিয়া দিবে।
- 8। মালিক প্রত্যেক গোঁয়ালঘর গোঁমহিষাদির চালা, আন্তাবল বা বিলডিং প্রস্কৃতির মেজে আন্ফাল্ট, লোহা, পাতর কিম্বা ইট দিয়া খাদরি করিয়া সামেণ্ট দিয়া তাহার বাইন মারিয়া, সীমেণ্টে ফাগ টোন বৃদাইয়া কিম্বা যাহাতে জল প্রবেশ করিতে পারে না এমন কোন উপযুক্ত দ্বব্য দিয়া ভাল করিয়া পাকা করাইয়া দিবে এবং ময়লার গর্তের দিকে গড়ানিয়া নালা করাইবে, প্র ময়লার গর্ত্ত চালার বাহিরে থাকিবে।
- ৫। মালিক প্রত্যেক গোয়ালঘর প্রভৃতিতে যথেষ্ট পরিষ্কৃত জল যোগাইবে। জলাধার বা, ট্যাল্ক রাখা হইলে তাহা চালার বাহিরে থাকিবে এবং তাহার ওয়েষ্ট পাইপ ফাঁকায় শেষ হইবে ও সাক্ষাৎ সম্বন্ধে ড্রেনের সহিত তাহার যোগ থাকিবে না।
  - ৬। গোয়ালবাড়ির প্রেমিনে পাতকুয়া করিতে দেওয়া হইবে না <sub>।</sub>
- ৭। প্রত্যেক চালার বাহিরে যে খানে র্টির জল না পড়িতে পায় এমন ছানে গোবর বা জন্য আবর্জনা রাখিবার জন্যে লোহার বিন্ বা জন্য উপযুক্ত পাত্র রাখাইয়া দিতে হইবে। যুঁটে করিবার জন্যে যত গোবর রাখা হয় ভাহা এই পাত্রে রাখিতে হইবে, মাটিতে জমা করিতে দেওয়া হইবে না।
- ৮। গরুব চালার দখীলকারের লাইসেন্সে যত গরুর কথা লেখা থাকে সে তথায় কেবল ততগুলি গরু রাখিবে। দেশী গরু হইলে এক একটা গরু থাকিবার স্থান ৫০০ ঘন ফুটের কম হইবে না এবং উত্তর পশ্চিম-প্রদেশ বা অন্যান্য স্থানহইতে আনীত প্রত্যেক গরুর স্থান ও প্রত্যেক মহিষের স্থান ৬০০ ঘন ফুটের কম হইবে না। সকল স্থানেই চালার প্রকৃত পরিমাণ ধরিয়া ঘন ফুটের হিসাব করিতে হইবে। কিন্তু ঘন ফুট হিসাব করিবার সময় চালার ১৫ ফুটের অধিক যে উচ্চতা থাকে তাহা ধরা যাইবে না। এক একটা গরু থাকিবার স্থান ৪ ফুটের কম প্রশন্ত হইবে না, ও যোড়া গরু থাকিবার স্থান ৭ ফুট ৬ ইঞ্জির কম হইবে না। থাকিবার স্থানের বিভাগ থাকিলে তাহা জাব খ ইবার পাত্রের সমুখ লাইনে থাকিবে না এবং জাব খাইবার পাত্রের উপর খানিকটা খোলা থাকিবে।
  - ১। প্রত্যেক চালা কমিশনরদের সন্তোষজনকরপে পরিকার রাখিতে হইবে।
- ১০। প্রত্যেক গরুর চালা প্রভৃতি দিনে গুইবার ভাল করিয়া ধুইতে ও পরিক্ষার করিতে হইবে।
- ১১। গরুর চালার প্রত্যেক দখলিকার উপযুক্তরপে প্রস্তুত করা গাড়িতে প্রতিদিন দকালে ৭ টার পূর্কে সমস্ত গোবরের সার স্থানান্তর করাইবে।
- মশুব্য যে ব্যক্তি অবৈর্জন। ফেলিবার ফী দিয়াছে এই উপনিধিমতে তাহাব আব দায়িত্ব পাকিবে না এইরপ বিবেচন। করা যাইবে।
- ১২। যে জ্বন্য গৰুর চালার লাইসেপ দেওয়া হয় ঐ চালার দখীলকার তাহা ভিন্ন অন্য কোন কাজের জন্য উহা ব্যবহার করিতে দিবে না। এবং সেই দখীলকার তথায় কুঠুটাদি পক্ষা কিয়া শ্বর শাবক রাখিবে না এবং রাখিতে দিবে না।

- 13. These bys-laws shall not, except in special cases, apply to any cow-house in which less than five cows are kept without the express orders of the Commissioners.
- 14. Every license-holder shall be bound to keep hung up in a conspicuous place in his cow-shed such license and to show it to any legally authorised person requiring its production.

Rule 15.—" Every person occupying a cow-shed shall give notice in writing within 24 hours to the Inspect r of the ward in which the cow-house, etc., is situated of the existence of any contagious or infectious or dangerous disease amongst his cows, and shall destroy or allow to be destroyed all milk in his cow-shed which there shall be reason to think has been liable to contamination. The Inspector of the ward, on receiving information of the existence of any contagious or infectious disease in any cow-house, shall give infination of the fact to the Police Inspector of the section for the purpose of segregating the diseased animals; it shall be the duty of the person occupying the cow-shed to get the cow-house cleansed, disinfected and limewashed."

Rule 16.—" No person suffering from any loathsome, contagious or infectious disease shall live in or enter any cow-nouse in which milch-cows or milch-buffaloes are kept or shall take any part in the conduct of the trade or business of cow-keeper or purveyor of milk; and every person affected with such disease in any cow-house shall remove or shall be removed immediately therefrom, and the part of the cow-house in which the sick person shall have been shall be thoroughly cleansed, disinfected and limewashed."

H. H. RIBLEY,
Secy. to the Goot. of Bengal.

- ১৩। যে গোয়ালঘরে ৫টা গরুর কম গরু রাখা হয় বিশেষ বিশেষ কারণ ছাড়া অন্য কারণে কমি-শন্রদিগের স্পষ্ট আদেশ ব্যতীত সেই গোয়ালঘর সম্বন্ধে এই সকল উপবিধি খাটিবে না।
- ১৪। প্রত্যেক লাইসেন্দারী আপন গরুর চালার কোন প্রকাশ্য স্থানে লাইসেন্দ টাল্লাইয়া রাখিতে বাধ্য হইবে এবং আইন অনুসারে ক্ষমতাপ্রাপ্ত কোন ব্যক্তি তাহা দেখাইতে বলিলে দেখাইতে বাধ্য হইবে।
- ১৫ বিধি। গরুর মধ্যে কোন সংক্রামক বা স্পর্শ ক্রামক বা সঙ্কটজনক রোগ উপস্থিত হইলে গরুর চালা প্রভৃতি যে ওয়ার্ডে থাকে গরুর চালার দখীলকার সেই ওয়ার্ডের ইনস্পেট্ররের নিকট ২৪ ঘন্টার মধ্যে তাহার লিখিত নোটিস দিবে। ও তাহার গরুর চালার মধ্যন্থিত যত হন্ধ দূষিত হইয়াছে বিলিয়া বিবেচনা করিবার কারণ থাকে তাহা নফটুকরিবে কিয়া নফ করিতে দিবে। কোন গোয়ালঘরে সংক্রামক বা স্পর্শ ক্রোগ উপস্থিত হওয়ার সংবাদ পাইলে ওয়ার্ডের ইনস্পেট্রর রোগগ্রন্থ জন্ম পৃথক করিবার নিমিত্ত দেই সেকশনের পোলীসের ইনস্পেট্ররকে ঐ কথা জানাইবেন। গোয়ালঘরের দখীলকারকে গরুর চালা পরিক্রার করিয়া দিতে হইবে, দোষ শ্ন্য করিয়া দিতে হইবে এবং কলি ফিরা-ইয়া দিতে হইবে।

১৬ বিধি। যে গোমালঘরে গ্রন্ধবতী গরু বা গ্রন্ধবতী মহিষ রাখা হয় সেই গোমালে স্থাজনক, সংক্রামক বা স্পাশাক্রামক রোগগ্রন্ত কোন ব্যক্তি থাকিবে না ও যাইবে না এবং। ঐরপ ব্যক্তি গোমালার কিম্বা গ্রন্ধ সরবরাহ করিবার কার্য্য করিবে না। গরুর গোমালে উক্ত রোগগ্রন্ত কোন ব্যক্তির এইরপ কোন রোগ হইলে সে তৎক্ষণাৎ সেখান হইতে সরিয়া যাইবে অথবা ভাহাকে তৎক্ষণাৎ সেখানহইডে সরাইয়া দিতে হইবে। গরুর গোমালের যে অংশে পীড়িত ব্যক্তি ছিল সেই অংশ ভাল করিয়া পরি কার করিতে, দোষখ্ন্য করিতে ও কলি ফিরাইয়া দিতে হইবে।

এচ্, এচ্, রীসলি,

বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।



# গবৰ্ষেণ্ট গেজেট

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৩ নবেষর ।

# চতুর্থ থগু।

ভারতব্রীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনের পাঞ্লিপি।

# ভারতবর্ষের গবর্ণমেক্ট

#### ব্যবস্থা বিভাগ।

নিদ্রনিষ্ঠিত আইমের পাণ্ডুলিপিথানি ১৮৯৭ সালের ১৫ই অক্টোবর তারিখে আইন ও ব্যবস্থা প্রণয়নার্থ ভারতবর্ষের শ্রীযুত গবর্ণর জেনরঙ্গ সাহেবের মন্ত্রিসভার উপস্থিত করা হইয়াছিল।—

১৮৯१ मालित ১९ नः।

অধিকার বহিছু তি স্থানে ক্বত অপারাধ সম্বন্ধে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইন সংশোধন করণার্থ আইনের পাণ্ডুলিপি।

অধিকার বহির্ভূত ছানে ক্যন্ত অপরাধ সম্বন্ধে ভারত-বর্ষের দণ্ডবিধির আইন সংশোধন করা বিহিত। অত-এব এতদ্বারা নিম্নলিখিতমত বিধান করা গেল।—

- ১ ধারা। (১) এই আইনটিকে ভার তবর্ষের দশু-বিধির আইন সংশোধন কর-দংকেণ নাম ও আরভ ইবাব কথা।

  গার্থ ১৮৯৮ সালের আইন ক্সা

  যাইডে পারিবে, এবং
  - (१) ইহা অবিলয়ে আমলে আসিবে।

২ ধারা। ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৪ **ধারা** 

১৮৬০ দালেব ৪৫ আই-দেব ৪ ধাবার পরিবর্তে মুভন ধারা বদাইবাব কথা। এতদ্বারা রহিত করা গেল এবং তৎপরিবর্ণ্ডে নিম্নলিখিত ধারাটি সন্ধিবেশিত হইল, অর্থাৎ—

অধিকাৰ বহিত্তি স্থানে কৃত অপৰাধ সধলে আইন বাটিবাৰ কথা। '৪ ধারা। (১) রটিশ ভারতবর্ষের বহিছুত কোন ছানে ঞীঞীমতীর কোন এদে-শীয় ভারতীয় ৫জা কর্ত্বক,

- (২) ভারভবর্ষের কোন দেশীর রাজা বা অধিপতির শাসনাধীন দেশে অপর কোন রচিশ প্রজা কর্তৃক,
- (৩) ভারতবর্ষের কে'ন দেশীয় রাজা বা অধিপতির শাসনাধান দেশে মহারাণীর কোন চাকর, রটিশ প্রজা হউন আর নাই হউন, তাঁহার কর্তৃক—

কোন অপরাধ ক্বত হইলে তৎসম্বন্ধে এই আইনের বিধান খাটবে।

ব্যাখ্যা।—রটিশ ভারতবর্ষের ভিতরে করা গেলে যে কার্য্য এই আইনাম্নারে দণ্ডনীয় হয় রটিশ ভারত-বর্ষের বাহিরে সেই কার্য্য করা হইলে এই ধারার '' অপারাধ '' শব্দে ভাহাও বুঝাইবে।

#### छेनाइत्रन।

- (ক) ক নামক একজন কুলি এদেশবাসী ভারতীয়
  প্রজা। সে উগাণ্ডায় একটা হত্যা
  করে। রটিশ ভারতবর্ষের যে কোন
  স্থানে তাহাকে পাওয়া যায় তথায় তাহার
  বিচার এবং হত্যাপরাধ সাব্যক্ত হইতে
  পার্নিধে।
- (\*) শ একজন ইউরোপীয় রটিশ প্রজা। সে আফগানস্থানের প্রান্তদেশের ধে দিকে রটিশ আধিপত্য সেই দিকের অসত। ক্রাতিদিগের দেশে একটা বলাৎ

A Bill to amend the Indian Penal Code in relation to Extra-territorial Offences.

কারের অপরাধ করে। রটিশ ভারত-বর্ষের যে কোন ছানে ভাছাকে পাওয়া যায় তথায় ভাছার বিচার এবং বলাৎ-কারাপরাধ সাব্যক্ত হইতে পারিবে।

- (গ) গ নামক একজন বিদেশীয় ব্যক্তি পঞ্জাব গবর্ণমেন্টের অধীনে চাকরী করে। সে বিদ্দে একটী হত্যাপরাধ করে। রটিশ ভারতবর্ষের যে কোন স্থানে তাহাকে পাওয়া যায় তথায় ভাহার বিচার এবং হত্যাপরাধ সাব্যস্ত হইতে পারিবে।
- (ঘ) ঘ একজন ইন্দোরবাসী রটিশ প্রজা। সে গুকে বোম্বাইরে একটী হত্যাপরাধ করিতে উত্তেজিত করে। ঘ হত্যাপ-রাধের সহায়তাকরণাপরাধে অপ-রাধী।'।

র টিশা ভারতবর্ষের ভিডর রটিশা ভারতবর্ষের বাচিবে কৃত অপারাধের সগায়তা করিবার কথা। ৩ ধারা। ভারতবর্ষের দণ্ড-. বিধির আইনের ১০৮ ধারার পর নিম্নলিখিত ধারাটী যোগ করিতে হইবে, অর্থাৎ—

"১০৮ ক ধারা। যে কার্য্য রটিশ ভারতবর্ষে ক্রন্ড হইলে অপরাধ হয় কোন রটিশ ভারতবর্ষের ভিত্ব ব্যক্তি রটিশ ভারতবর্ষে থাকিয়া রটিশ ভারতবর্ষের বাহিরে সে কত অপানাধের সহায়ত। কার্যার কথা।

যে কার্য্য রটিশ ভারতবর্ষের বাহিরে সে কার্যার কথা।

হুশারে অপরাধের সহায়তা করা হয়।

#### উদাহরণ।

ক রটিশ ভারতবর্ধে থাকিয়া খ নামক গোয়ার এক জন বিদেশীয় বংক্তিকে গোয়াতে একটী হত্যাপরাধ করিতে উত্তেজিত করে। ক হত্যাপরাধের সহায়তা করণ অপরাধে অপরাধী।"

#### অভিপ্রায় ও হেতুর বিবরণ।

ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্ট বিষয়ক ১৮৩৩ সালের আইনের (৪র্থ উইলিয়মের ৩য় ও ৪র্থ বৎসর; ৮৫ অধ্যায়)
৪৩ ধারাক্রমে প্রদন্ত ক্ষমতাহ্নসারে ১৮৬০ সালে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইন প্রনীত হয়। বোদ্বাইয়ের ক্ষোজ্ঞদারা মোকন্দমা বিষয়ক ৭নং পুস্তকের ১০০ পৃঠায় ১৮৭৮ সালের রাজ্ঞী বনাম এলমফৌন মোকন্দমা দেখ।

- ২। তাহার পর পার্লেমেন্ট ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভাকে অধিকারবহিভূতি স্থানে ক্বত অপরাধ সম্বন্ধে আইন করিবার বিবিধ ক্ষমতা প্রদান করিয়াছেন। কিন্তু ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনে তদমূরপ সংশোধন করা হয় নাই। ভিন্নদেশের বিচারাধিপত্য বিষয়ক এবং অপরাধিদিগকে স্ব স্থ দেশে প্রেরণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের ২১ আইনের ৮ ধারা প্রনয়ন করিবার সময় প্র্যাত্রায় না হইলেও বছল পরিমাণে ঐ উক্ত ক্ষমতামত কার্য্য করা হইয়াছে। কিন্তু ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইন অধিকারবহিভূতি স্থানে কতদূর খাটে তাহা ঐ আইনেই নির্দিষ্ট খাকা বাঞ্ছনায় বলিয়া বোধ হয়। বঙ্মান সময়ে ঐ আইনে এই বিষয় যেরূপে নির্দিষ্ট আছে তাহা অসম্পূর্ণ এবং তাহা পাঠ করিয়া ভ্রম জন্মিতে পারে। আবার ঐ সকল বিধান একত্র সংগ্রাহ করা ছাড়া আরও কিছু বেলা করা আবশ্যক। অতএব বর্ত্তমান পাণ্ডুলিপিখানি প্রস্তুত করা হইয়াছে। দণ্ডবিধির আইন সংশোধন করণার্থ সময়ে যে ভিন্ন ভিন্ন আইন প্রনীত হইয়াছে শেষে তৎসমুদ্য সংগ্রাহ করিবার প্রস্তুত করা হইয়াছে। কিন্তু সংগ্রাহ করেণ ও সংশোধন কার্য্য পৃথক রাখাই ভাল।
- ত। অধিকারভুক্ত স্থানে ক্বত হইলেই অপরাধের বিচার হইতে পারে ইংরাজী আইনের এই নীতিটি বাঁটি কমান লার নীতি। আসামার জবাব সম্বন্ধীয় প্রাচীন বিধি হইতেই বোধ হয় ইহার উদ্ভব। অন্যান্য জাতিরা এই নীতি গ্রহণ করে নাই—হলের আন্তর্জাতিক আইনের ৩ য় সংস্কলের ২০৬ পৃষ্টা এবং ইণ্ডিয়ান লা রিপোর্টের বোদ্বাই সিরিজের ৫ নং পৃস্তকের ৩৬২ পৃষ্ঠায় (১৮৮১ সালের) রাজ্ঞী বনাম মুর্গা চেট্রির মোকদ্দমায় জজ্ঞ ওয়েট সাহেবের রায় দেখা পার্লামেন্ট ভারতবর্ষের অবস্থার প্রতি দৃষ্টি রাখিয়া ইংলণ্ডের বিচার প্রথার ব্যতিক্রম করিয়া ভারতবর্ষের ব্যবস্থাপক সভাকে কোন কোন স্থলে অধিকারবহিভূতি স্থানে ক্বত অপরাধ সম্বন্ধে ব্যবস্থা করিবার ক্ষমতা দিয়াছেন। এই সিকল। ক্ষমতার পূর্ণ মাত্রায় পরিচালন করা ন্যায্য বলিয়া বোধ হয়। বর্ত্তমান পাঞ্লিপিখানিতে সেই উদ্দেশ্য সাধিত হইবে। তাহা হইলেও কতকগুলি অনিয়ম ধাকিয়া যাইবে, কিন্তু প্রলামেন্টের নৃতন আইন ব্যতীত ঐ সকল অনিয়ম সংশোধিত হইতে পারে না।

#### धाता मश्चा यखतः।

২ ধারা ।—এই ধারায় দওবিধির আইনের ৪ ধারা রহিত করিয়া তৎপরিবর্তে ন্তন ধারা বসাইবার প্রস্তাব করা ছইয়াছে।

সূতন ধারার (১) দকার ভারতবর্ষীয় কো পিল বিষয়ক ১৮৬৯ সালের আইনের (ভিক্টোরিয়ার ৩২ ও ৩৬ বৎসরের ৯৮ অধ্যায়) ১ ধারার শব্দাবলি অভ্নস্থত হইয়াছে এবং উহা ভিন্নদেশের বিচারাধিপত্য বিষয়ক এবং অপ্রাধিদিগকে অভ্যাদেশে প্রেরণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের ২১ আইনের ৮ ধারার (১) দকার অভ্যরূপ।

ন্তন ধারার (২) দকায় "রটিশ প্রজা" এই শব্দয় ব্যবহার করিয়া ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্ট বিষয়ক ১৮৬৫ সালের আইনের (ভিক্টোরিয়ার ২৮ ও ২৯ বৎসর, ১৭ অধ্যায়) ১ ধারার শব্দের অস্পরণ করা হইয়াছে। ১৮৭৯ সালের ২১ আইনের ৮ ধারার (২) দকা কেবল ইউরোপীয় রটিশ প্রজা সম্বন্ধে খাটে। পাণ্ডলিপির ন্তন ধারার (২) দকা দারা উক্ত ৮ ধারার (২) দকার প্রসর বিদ্ধিত হইবে। এমন অনেক রটিশ প্রজা আছে যাহারা আইনের অর্থনির্দ্দেশমত ইউরোপীয় ব্রিটিশ প্রজাও নহে আর এদেশীয় ভারতবর্ষীয় প্রজাও নহে। যথা সিংহলবাসী, টাসমানিয়াবাসী কিশ্বা ফ্রেট সেটেলমেন্টবাসী।

৩ ধারা সম্বন্ধে বক্তব্য এই যে ভারতবর্যের কেন্সিল বিষয়ক ১৮৬১ সালের আইনের (ভিক্টোরিয়ার ২৪ ও ২৫ বৎসর, ৬৭ অধ্যায়) ২২ ধারাক্রমে ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রতি "শ্রীশ্রীমতীর সহিত বন্ধুত্বসূত্ত্বে আবদ্ধ সকল রাজা ও রাজ্যের অধিকার মধ্যন্থ ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সকল চাকরের " নিমিত্ত আইন করিবার ক্ষমতা এদত্ত হইয়াছে। ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৪ ধারাক্রমে উক্ত আইনের বিধান "ইহার পূর্বের কোম্পানি বাহাগুরের সজে কোন রাজ্যের কি দেশের যে সন্ধি কি করার হইয়া থাকে তাহার নিয়মান্সারে, কিয়া ভারতবর্ধের কোন গবর্ণমেন্টের দ্বারা শ্রী শ্রীমতী মহারাণীর নামে যে সন্ধি কি করার করা গিয়াছে কিম্বা পরে করা যায় তাহার নিয়মাহসারে, ঐশ্রীমতীর সঙ্গে সন্ধিসূত্রে আবদ্ধ কোন রাজা বা রাজ্যের অধিকার মধ্যস্থ" মহারাণীর প্রত্যেক চাকর সম্বন্ধে খাটান হইয়াছে। কি ভারতব্যীয় জাইনে কি ইংলণ্ডীয় আইনে গবর্ণমেন্টের যে সকল কর্মচারী রটিশ প্রজ্ঞা তাঁহাদের এবং যে সকল কর্মচারী তাহা নয় তাঁহাদের মধ্যে কোন প্রভেদ করা হয় নাই। অতএব ইণ্ডিয়ান লা রিপোর্টের বোম্বাই সিরিজের ১৬ নং পুস্তকের ১৭৮ পৃষ্ঠায় (১৮৯১ সালের) ভারতবর্ধের অধীশ্বরী বনাম নাটওয়ারাই মোকদ্দ্যায় রায় নাকচ করিবার নিমিত্ত "রটিশ প্রজা হউন আর নাই হউন" এই শব্দগুলি পাণ্ডুলিপিতে সন্ধিবেশিত করা ছইল। ঐ রায়ে এইরপ মত প্রকাশ করা হয় যে গবর্ণমেন্টের যে কর্মচারী কোন দেশীয় রাজ্যের প্রজা তিনি ৰুটিশ ভারতবর্ষের বাহিরে যে অপরাধ করেন ভজ্জন্য তাঁহার রটিশ ভারতবর্ষের **ভিত**রে বিচার হইতে পারে না। ইহার জন্য ফৌজদারী মোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক সাইনে যে সংশোধন করা আবশ্যক হয় তাহা করা যাইবে।

সাধারণ ধারা বিষয়ক ১৮৯৭ সালের ১০ আইনের ৩ ধারার (২৭) দফায় "ভারতবর্ষ " শব্দের অর্থ-নির্দ্দেশ করা হইয়াছে। ঐ অর্থনির্দ্দেশ অর্থ করণ বিষয়ক ১৮৮৯ সালের আইনে (ভিক্টোরিয়ার ৫২ ও ৫৩ বৎসর, ৬৩ অধ্যায়) ঐ শব্দের অর্থনির্দ্দেশের সহিত মিলে।

ও ধারা। এক ব্যক্তি রটিশ ভারতবর্ষে থাকিয়া এক জন পটু গাজকে গোয়ায় একটা হত্যা অপরাধ করিতে উত্তেজিত করায় বোদ্বাই হাইকোর্ট তাহার কোন অপরাধ হয় নাই এই মর্মে রায় প্রকাশ করাতে (ইণ্ডিয়ান লা রিপোটের বোদ্বাই দিরিজের ১৯ নং পুস্তকের ১০৫ পৃষ্ঠায় ১৮৯৪ দালের ভারতবর্ষের অধীশ্ররা বনাম গণপৎরাও মোকজমা দেখা) বোদ্বাই গবর্ণমেন্ট যে পরামর্শ দেন দেই পরামর্শ কার্য্যে পরিণত করিবার অভিপ্রায়ে এই ধারাটী প্রণীত হইয়াছে। হত্যাকারী যদি এদেশায় ভারতীয় প্রজা হইত তাহা হইলে বোধ হয় বর্তমান আইন তাহার সম্বন্ধে খাটিত, কিন্তু এবিষয়ে কোন তর্কবিতর্ক হয় নাই। ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার রটিশ ভারতবর্ষের সকল ব্যক্তিরই নিমিত্ত আইন করিবার ক্ষমতা আছে এবং যে সকল লোক অপর লোককে অপরাধ করিতে উত্তেজিত করে তাহারা রটিশ ভারতবর্ষে থাকিয়া কেন যে নিরাপদে ঐরপ করিতে পারিবে তাহার কোন কারণই দেখা যায় না।

এম্, ডি. কালমাস

জে, এম্, ম্যাকৃফার্সন,

১৮৯৭ সাল ৭ই অক্টোবর।

ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের দেক্রেটরী।

CHUNDER NATH BOSE,

Bengali Translator.



# গবর্ণমেণ্ট গেজেট

TUESDAY, NOVEMBER 16, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৬ নবেম্বর।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्रहेम ४७।

ইশ্ভিহার প্রভৃতি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাহার।

#### জিলা চট্টগ্রাম। ইন্ডিহার নামা কাছারি কলেক্টরী জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান ষাইতেছে যে, ১৮৯৭ ইং ২৫ মে শেষ তারিখের অনাদায় ১০, টাকার উদ্ধৃ জমার নওয়াবাদ ও খাষ তরফ ভালুকাদির বাকা খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ খারার বর্ষায়তে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার নিলামের দিন ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রী কাছারিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

				স দব	क मा ।		अकी ।		
মিক শ্বব ।	ভাগুকাব মগব।	মৌজা, খানা, মহাল ও তালুকাব নাম।	মালিকেব নাম !	থাজানা।	(55	ু থাজান:	(55)	মেটিঃ	भ <b>ञ्</b> ता !
>	<b>ર</b>	•	8	a a	*	9	F	ه	5•
	<b>bb</b> 9	মেতিজ বাকলিয়া থানা সহর মহাল ন ওয়াবাদ।—			: : !	:			
3	२०५७8	তাং আহাম্মদ আলী ও	জব্বার আলী সদাগর	<b>৬৮৬।</b> •	२७७।/७	<b>७७॥%</b> ३	36/100	৫৩১	••••
	t t a	মাহাং ইছপ ও কোঝান	জানিবে শ্রীমতী ময়মুনা			:			
		আলী ও আজগর আলী	খাতুন ও করিমন্নিছা			1		·	
		ও শ্রীমতী স্থরবিবি।	পক্ষে হিং মুরল হক্		1	ı			
			ও আছ্ফা <b>খাড়ুন</b> , <b>নেজা</b> -		i	•			
			মত আলী চৌধুরী ও	:   	i	1			
			মণীক্র চক্র ঘোষ, মোবা-	ĺ	1	*			
			রেক আলী, আবছুল		!				
			রহমান ও নেজামত						
			আলী ও আবণ্ণল হাকিম	! !	•				
			স্বয়ং তৎ নাবাজেগ						
			ভাতা আলা মিঞা ও	Ì	4			;	
			ইছুমাইল হিতৈষী উক্ত			I			
			জাবগুল হাকি <b>ম</b> ।	1		i			

The 22nd September 1897.

F. P. Dixon.

For Collector.

#### জिना ग्रानम् ।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মালন্হ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্থে ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী রাজস্থের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২০ ডিসেম্বর তারিখে বেলা গ্রই এহর ১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

5	3	٥	8	a	! 	9	<b>b</b>	>
তৌজির নশ্ব।	মহাল ও প্রগনার নাম।	সম্পূর্ণ মহালেব সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রম গুটলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হউবে ভাহাব মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাগ্র বিক্রয় ১ইলে. ঐ অংশেব সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল কিন্তুম চইলে তাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে, তাহার বাকী।
<b>(</b> )	কাশিমপুর পর- গণা কাশিমপুর।	રહ્યા ૮૮૭૪	না	৩১টা মৌজা আছে		369040		<b>b</b> -\$10
	-6		جـــ	এই সম্পূর্ণ মহালের বিচাৰ বিভিন্ন জংগ্র				
				নীচের লিখিত অংশ- হিসাব খোলা আছে				1
	তাহা নিলাম		•	ISAIIA CAIAII AICS			(	ı
	1			র মধ্যে (৯)৫ ছি <sup>ন</sup> প	খাতুন ; গোলাম আমজাদ আলাবে		•	1
	অংশ		2 2 C4 C4 C4 C4 C4 C4 C4 C4 C4 C4 C4 C4 C4	म नद्दार (काळ चा	মুরজাঁহা নেসা প্রে	•		1
	1	• ,	<u>এফালকোর</u>	া, গাজিপুর, খোদ্দ-				ı
	1			ন সাজ মুন্ন ওবন া. জলকর গাজিপুর,	1			1
	1		- 1	াং জারে, জোতম্বি,	:			1
				পাড়া, পাহাড়াভিটা.	1			
				লানী, বিল দহভারা,			H	
	The state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the s			বানীপুর, মবারকপুর,	শশিভূষণ নন্দী ; ি	-7		
	1			মুজইল, মুলতানপুর	চন্দ্র থোকদার আ		. *	1
				৷৷২ দ্বীপ অংশ ও	ও সাবির মহম্মদ			
6	1 -			ম <b>ণি, স্বজইল ও উত্ত</b> র	চৌধুরী, জহর ম			1
'	1 , ,	মৌজার।/:		="	নেসা; সমনজান ে			
			1	-	1			1

উল্লিখিত রেসিডুয়ারী অংশ ১৮৯৭ সালের সেপ্টেম্বর কিন্তির বাকী রাজস্ব আদায় জন্য নিলাম হইবে।

চীক!—যে স্বলে উপবেৰ লিখিত ধৰ্ণনাপত্ৰেৰ ৫, ৭ ও ১ ঘৰে কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰম ১১বে ৰ লিখা লিখিত আছে দেই স্থলে ২হা ব্ৰিচে হইবে যে ঐ অংশেন নিমিত স্বতপ্ৰ হিসাব রাখা হইমা থাকে ও মহালেৰ অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্ৰম হয় না।

MALDA COLLECTORATE,

J. H. LEA,

The 1st November 1897.

Collector.

#### किना हो। श्री श्री ।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনামুসারে শাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার মিফিন্ত সন্ ১৮৯৭ ইংরেজির ২৬শে নবেম্বর তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন্ ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ১৮ সেপ্টেম্বর ৷

>	<b>\</b>	•	8	t	હ	9	ь	<b>&gt;</b>
কৌৰিয় নম্ব ।	মহাল 🤙 প্রগণার নাম ।	সম্পূৰ্মহাটোৱ ১, ধৰ জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হটবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় ছইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হউবে তাহার মালিকগণেব নাম।	কোম অংশ মাত্র বিক্রয় ছউলে ঐ অং- শেব সদর শ্বমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয হুইলে ভাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহা বাকী।
२०२ ১ <u>-১</u> 9 ১२४२	থানে শাতকানীয়া মোং গারাজায়া তংমোং গারাজায়া বাং তং মঞ্চত রাম হাজারি ।	20261/9	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রী হ <b>ই</b> - বেক।	••••	শ্রীষুত বাবু কৈলাস চম্দ্র দাস মেনে- জার জাং আবহুল কন্তা খাঁ শ্রীদাহ মিঞা গং।		u o no/o	
७७• २२०৯ ১ <b>१</b> ८०	তরক মেডিজ লোহ গারা— বাং ডং মঞ্চত রাম হাজারি।		ď	•••••	শ্রীগমির সিং হাজারি শ্রীআবহুল কঠা বাঁ গং।		<b>ં</b> અખા <sub>એ</sub> ર	•••••
\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\	1		, is		শ্রীদেশ হাবিব আহা স্মদ চৌং জাং ডৎ পিভা মকবুল আলী চৌং পক্ষে।	-	8 <b>৮</b>  }9	

সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫মেই শেষ তারিখের বাকি পড়া।

জীকা।— যে ল্বলে উপবের লিখত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ১ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই ল্বলে ইছা বৃথিতে চইবে যে এ আংশেব মিম্বিত অভয় ছিলাব রাখা কইয়া থাকে ও মহালেব অন্য ব। অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় নাঃ।

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 24th September 1897.

F. P. DIXON,
For Collector.

#### জিলা যালদহ।

#### নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়৷ যাইতেছে যে মালদহ জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ধষেক্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ব্ত অহুসারে উক্ত মালদহ জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৭ সনের ২০ ডিসেম্বর তারিখে মোতাবেক বালালা ১৩০৪ সনের ৬ পৌষ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রায় হইবেক!

**यदिकाद्रशगटक निरम्बद निर्मिछ निर्मारमद मर्ख मकल वाक्ष्य इहेटछ इहेटव ।—** 

#### নিলামের সর্ত্ত :---

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্ট্রর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিষ্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্ব্বাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদ্ধারকে ইহার মালিক অরপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরস্থরপে গণ্য হইয়া এই মহালে গ্রথমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদ্ধারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।

দিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের দারায় যে সকল শত্ত অর্পন হইয়াছে এবং এইক্ষণ যে সকল পাটা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে ভাষা বলবৎ থাকিবে এবং রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল বোদখাস্তা ক্লমক প্রজা দারা দন্তখত হইয়াছে তাহাদের শ্বত্ত স্থাকার করিতে খরিদ্ধারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার অনধিক হইলে সমুদর টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০ চীকার ঊদ্ধ হইলে ষত টাকা ভাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি পঞ্চদশ দিবদের দিবদে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবদ কোন পর্ব্ব উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবদ কাছারি হইবে দেই দিবদ ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা দরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়ন কারি খরিকারের দায়ীতে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

ভৌজিব নশ্ব।	মহাল ও প্ৰগণাধ নাম।	একবেব ছিসাবে গ্রাপ্তমণ্টেব যতদূব কানা যায় রাজস্ব যাহা ভূমিব অন্মানিক ধাষ্য এই পরিমান। হাছে।	মন্তবা I
		একৰ, ৰুড পোল টা: আ: পা:	1
१० न१	বিটোরী ধোবরা মহালের . অবিস্তক্ত এজমালী ॥ আট আনা অংশ। পরগনা কাশিমনগর। .	\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\	নিলাম হইবে । তৃতীয় ঘরে মোট মহালের রকবা দেখান হইল। চতুর্থ ঘরে গবর্ণমেন্টের ।। আট আনা অংশের রাজস্ব দেখান হইল। এই মহাল বর্ত্তমান সনের জন্য ইজারা বন্দো- বস্তু আছে আগামী ১৮৯৮ সালের ৩১ণে মার্চ্চ ভারিখে ইজারার ম্যাদ শেষ হইবে আগামী ১৮৯৮ সালের ১লা এপ্রেল হইতে
<b>১</b> ৫৪ নং	। ।   ।   ।   ।   ।   ।   ।   ।   ।   ।	393¢ II > ₹	নিলাম খরিন্দার এই মহালের মালিক স্বরূপ গণ্য হইবে। এই মহালের অবিজ্ঞক্ত এজমালী গবণমেন্টের।।  কাট আনা অংশ নিলাম হইবে। তৃতীয় ঘরে মোট মহালের রকবা দেখান হইল। চতুর্য ঘরে গবর্ণমেন্টের।।  কাট আনা অংশের রাজস্ব দেখান হইল। আগামী ১৮৯৮ সালের ১লা এপ্রেল হইতে নিলাম খরিন্দার এই মহালের মালিক স্বরূপ গণ্য হইবে।
€ <b>२8 न</b> ९	<b>ভোরাপা</b> ড়া সোণাপুর। পরগনা কালিমনগর।	55p2	আগামী ১৮৯৮ সালের ১লা এপ্রেল হইতে নিলাম খরিদ্ধার এই মহালের মালিক স্বরূপ গণ্য হইবে।

কালেক্টরের কাছারি জেলা মালদহ ভারিষ ২৮শে অক্টোবর ১৮৯৭।

J. H. LIEA, Collector.

#### জিলা নোয়াখালি।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬, ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ১১ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া বাইতেছে যে বোমাখালি জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আ্লিসে বাকী, রাজন্ত ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজন্তের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮। ৪ জামুয়ারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশমাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

3	,	3	8	à	4	•	<b>\</b>	>
ভৌক্তির নখর	মহাল ও পরগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহা- পের সদর ক্ষম।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেংলমাত্র অংশ বিক্রয় ছইলে ও অংশ বা ঐ> অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইপে, ঐ অং- শেব সদর শ্বমাঃ	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় ছইলে ভাহাব বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহাৰ বাকী।
433	বামনি জনিদারী চাকলে বামনী।	<b>333•9</b> ,	नण्वं		বাবু উপেচ্ছাচন্দ্ৰ দক্ত মোনছারত্বাব মিয়া কোজা ফেট ও বাবু রয়ুনাধ প্রসাদ তেওয়ারি গং।		६०६६॥७३३	•••
			খাস মহ	াশ টেনিউর —				
\$ <b>44</b> \$	গং মং হাওলা	७७४५७	मण्णृर्व		ওয়াজ্ঞদিন ঘাট মাজি।		282√¢	*****
১৬৬২	আবহুল রহমান।  চর মবধরা গং মং  হাওলা আজ্বম- ভুল্লা গং ৮০ নং  দখল।	9°54°4	<b>(4)</b>		ত্রৈ <b>লো</b> ক্যনাথ গুহ অভিজ্ঞাবক জানিবে সচিনাথ গুহ।	••••	20012	···••
\$695	हत शांख्यित ३ नः स्थम ।	२०२१।७८	<b>(a)</b>		জমিয়ত শালি		85-910	
<b>3693</b>	ঐ চরে ২ নং দখল	20021122	· 👍		٩		७१७।/७	
ንቡኑቡ.	চর আনেকজভারের ১ নং গং মং হাওলা।	804/9	Þ		নবকুমার বস্থ		১৩৬৵৯	•••••
3686	.धे চরের २ नः গং মং হাওলা।	\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\	<b>D</b>	••••	Ġ.		39010	•••••

S. K. AGASTI, Collector.

#### জিলা চট্টগ্রায়।—ইভিহার নামা কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জ্ঞানান যাইতেছে যে ১৮৯৬ ইং ২৬ ডিসেম্বর শেষ তারিখের অনাদায় ৫০) টাকার উদ্ধ জ্ঞার নওয়াবাদ তালুকাদির বাকী ধাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৭ লাং ৬ এঞিল তারিখে নিলাম কর্মা তদান্দরে যে সমস্ত তালুকা বারনা জব্দ হইরাছে সেই নমস্ত তালুকাদির বাকী আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ লাং ৭ আং ও ১৮৭১ লাং ২ আং ও ১৮৫৯ লাং ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মমতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ লালের বাং তাং ১১ অগ্রহায়ন রোজ রহস্পতিবার ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রী কাছারিতে প্রকাশ্য ছানি নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৬৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

ক্ৰমিক		বে মৌজা পামা. মছাল ও		সম্র জয়া।		वांकी ।			मखरा !
নপ্র (	<b>তলুকার ন</b> ম্ব।	তাশুকার নাম।	মালিকেব ন!ম ।	থাঞ্জানা ৷	(EE)	থাখান।	(FE	যোট।	મજાર)
>	₹	٥	8	α	•	1	<b>b</b>	>	۶۰
	8676	মৌজে জুজখনা থানা কটীকছরী মহাল নওয়া বাদ।—							
7	२७४१४	তালুক এয়ার আলি বাঁ,	ওবেদর রহমান 🖑	२७88)	36640	ردها	واواو	900120	•••
	7482	হাং তাং ওবেদর রহ- মান খাঁ।	ও মেহের আলি <b>খাঁ</b> ।				ļ		

CHITTAGONG COLIECTORATE,

F. P. Dixon,

The 22nd September 1897.

For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking strapounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 2$  ans. 8; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 5$ ; per pound tin, is. 10 The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 3$ ; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 6$ ; per pound tin,  $Rs.\ 12$ . This medicine is also sold by the principal European and Native dauggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জুরত্ব সিন্কোনা।

কলিকাডাছ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থারক্টেণ্ডেন্টের নিকট গবর্গ-মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পোঁও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূল্যে ম্বুরম্ম দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২॥০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫১ টাকায় ও এক পোঁও টিন ১০০ টাকায় পাইবেন। সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থারিকেন্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে সর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৬১ টাকায় এবং এক পোঁও টিন ১২০ টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেভাগণও এই ঔষধ বিক্রয় করিয়া থাকেন। উপরোক্ষ হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের।০, আট ঔপ টিনের।০ ও এক পোঁও টিনের ৮০ ডাক মান্ত্রল দিতে ইইবে।

বঙ্গদেশের গ্রথমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সলফেট অফ কুইনাইন 📭 ১৮৯৬ সালের 'লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে, যথা---১ এক পেভি টিন ১৮, বা ভাক মাণ্ডল সমেভ ১৮৸৽ ð, " , 2110 **| 阿春 ,**, ,, 8||0 ,**,** ,, 4) পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং हेश य जिन्द्रकानाहेन ७ जिन्द्रकानी छाहेन नामक अशक्के कारतत महिल हेक्का पूर्वक मिनान इस नाहे ভাহার গ্যারান্টা দেওয়া বাইভেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিফ্র ক্রা ঘাইবে এবং কলিকাতার নিকটস্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া ষাইতে পারিবে। NOTICE. The 21st February 1883 .- The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance :-For the Mufassal. Entire Gazette ... 10 0 per annum ... 2 Postage 0 8 Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-0 Eutire Gazette Postage 0 Parts III, IV, V, and VI under an additional charge of 1 anna for every 4 sheets in excess of 4. Postage For Calcutta. The same rates as those of the mutassal, with the exception of the charge for postage E. N. BAKER Offg. Under-Secretary to the Goot, of Bengal, বিজ্ঞাপন। ১৮৮७ मान २১ किव्ह्याति ।--वानाना भवर्गयके (भएकछित मना ७ जाकमायन अहे सर्वाह विप्र-লিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে :— यकः मत्न সম্পূর্ণ গেচ্ছেট ৩ ও ৪ ও ৫ ও ৬ খণ্ড ( যাহাতে কারভবর্ষের ও বল-দেশের ব্যবস্থাপক সভার আইন 🗷 আইনের পাণ্ডলিপি থাকে ) ভাক্ষাস্থল সম্পূর্ণ একখানি গেজেটের মূল্য ডাক্যাস্থল ৪৪৬৫ ব ৬ বঙ ( প্রত্যেক ৪ পৃষ্টা বা ভাছার ম্যুন সংখ্যক পৃষ্ঠার মূল্য) ৴৽৪ পুট্রে উদর ' ৪ পটা প্রতি ভার একং আনা। ডাক্যান্থল কলিকাভায়।

> ক্ৰিকাডায় ও মকঃগলে সমাম মূল্য, কলিকাডায় কেবল ডাৰুমাখল লাগিবে না। ই, এন, বেকার।

> > ব**ল্পদেশের গব**র্ণমেন্টের একুটিং ছোট সেকেটরী।

#### The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

• The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible, I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construc the hymns of the ancient Rishis of his country-Extract from Preface

OFFICE OF SUPDY., GOVY. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly east.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazotte-, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. BOLTON, Under-Secretary to the Govt. of Bengal,

13th December 1882.

Note - Rates of advertisements in the CALCUITA GAZETTE

Full p	age, per issue	•••	***	•••	Rs. 20
Half.		•••	•••	• • •	10
	Casual adve		-4 annas pe	r line.	

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিন্তা বালালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে এই গেজেট দে এয়া ঘাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেশ্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপ্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিদ্যাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিন্তা গবর্ণমেন্ট কর্তপক্ষদের কর্তত্তাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তি ব্যক্তাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাখানার কোন কর্ম করাইতে চাহিলে তমিমিত্ত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বান্ধান সেকেটারিয়েটের আকেতিতির নিকট অগ্রে মুল্য পাঠান না গেলে উপ. ব্যক্তি কাৰ্য্যালয় ভিন্ন ফোন ব্যক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাণান প্রভৃতি প্রকাশ করা ঘাইবে না।

মুল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিকেণিট বাদ দিবার জ্ঞান্যে টাকার উপর আর 🗸 🗸 এক আনা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টন, বলদেশের গ্রথমেন্টের ছোট লেকেট্রী

১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মন্তব্য।—কলিকাতা গেলেটে ইণ্ডিহার একাশ কয়িব।	র হাব এইং।	-			, Breni
প্ৰা এক পূজা একং বার প্রকাশ কবণের	•••		•••	***	₹••
আৰ পৃষ্ঠা	•••	•••			>
কথ্য কথ্য ইপ্তি হার একাপ কবিতে চইলে	ase of s		>00	Pre	1.

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., L.L.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annus for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available

#### वाकान (नटक्रहेर्विद्युष्टे बखानद्य विक्रशार्थ चाट्ह ।

ৰারিন্টার-জটা-লা ও শ্রীশ্রীষতীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিদে নিযুক্ত বর্ণধানের ডিট্টিক্ট ও সেশন জব্দ ও রেন্ট ক্মিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পলের শ্রীযুত সি, ডি. ফিলড, এম, এ, ও এল. এল, ি নাছেবের প্রনীত বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাছেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূষ্যধিকারীর প্রজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুশুকের মূল্য, ৫, পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রম করিতে চাহিলে বাজাল সেক্রেটারিয়েটের আকৌন্টান্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং ভাষা যোড়ক করিয়া ভাকে পাঠাইবার খরচ।/ • পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য।—উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপদক্ষে বঙ্গদেশের মাজিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেত ওয়েন্ট টোন হালের হাভায় স্থিত বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কায্যবিভাগের আপিসে বেজি-ফারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুশুক কলিকাভার গবর্ধমেন্ট প্লেশে, থাকার স্পিশ্ব কোম্পানির বাটাতে ক্রয় করিছে পাওয়া বায় ।

কালকাতা প্রেসিডেন্সী কেল যথালয়ে গ্রন্মেটের জন্য আযুত কেম্স পেটা সাহের কর্ত্তক মুদ্রিত ও প্রকাশিত হুইল !





# गवर्गाम् जारकि

TUESDAY, NOVEMBER 23, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৩ নবেম্বর।

CONTENTS.	
Page.	নিষ্ট।
lart IResolutions, Orders and Notifica-	পুষ
tions of the Government of India Nil.	প্ৰপম বস্ত।—ভাৰতব্যীয় গ্ৰণ্মেটের নিষ্কাৰণ
FART II.—Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই
tions by the Lieutenant-Governor	খিতীয় বশু।—-বঙ্গদেশের গ্রন্মেন্টের নির্দারণ,
of Bengal 339- 340	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ৩৩৯ -৩
l'ART IIA.—Orders by the Lieutenant-Gover-	ছিতীয় <b>ক বশু।—বঞ্চদেশে</b> ব গ্র <b>র্থেটের আদেশ</b> ১০০ –১১
nor of Bengal 103111	ড়তীয় থগু।—ভাবতবৰীয় ব্যবন্ধাপক সভাব প্ৰণীত
PART III.—Acts of the Legislative Council of	আইন নাই
Indi <b>a </b>	চড়ৰ্ব থন্ত ৷—ভাবতবৰ্ষীয় ব্যবস্থাপক সভাৱ আইনেৰ
PART IV Bills of the Legislative Council of	পাভূলিপি নাই
India Nil.	পঞ্চম থণ্ড।বলীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত আইন । নাই
PART V.—Acts of the Bengal Council Nil.	ষষ্ঠ থণ্ড।—বঙ্গীয় বাৰশ্বাপক সভার আইনের
PART VI.—Bills of the Bengal Council Nil.	পাতৃলিপি নাই
PART VII.—Circular Orders by the High	সম্ভদ থশু।—হাই কোর্টেব ও রেবিনিউ বোর্টের
Court and Board of Revenue 7-8	সাধারণ জ্ঞাপমপত্র ৭
PART VIII.—Advertisements 573—582	অটুম খণ্ড।—ইশ্তিহার প্রভৃতি ৫৭৩ – ৫৮
SUPPLEMENT Nil.	পৰিশিপ্ত সৰ্বব্যাহন্টৰ সেজেট নাই

#### PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

# দিতীয় খণ্ড।

বলদেশের গবর্ণযেক্টের নির্মারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MARINE DEPARTMENT.

The 15th November 1897.

No. 187 Marine.—The following notification No. 2876, dated 29th October 1897, issued by the Government of India, Home Department, under the provisions of section 58 of the Pilgrim Ships Act, XIV of 1895, is published for general information.

A. D. McArrhum, Colonel, R.E., Secy. to the Goot. of Bengal.

No. 2376, dated Simla, the 29th October 1897.

NOTIFICATION-By the Government of India, Home Department.

In exercise of the powers conferred by section 58 of the Pilgrim Ships Act, XIV of 1895, the Governor-General in Council is pleased to direct that the following rule thall be substituted for rule 22 of the rules published with the Notification of the Government of India, in the Home Department, No. 262, dated the 5th October 1896:—

22. The upper deck and the between decks of every pilgrim ship shall be either of wood, or of iron or steel sheathed with wood and caulked.

## বঙ্গদেশের প্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

# মেরিন্ ডিপার্টমেন্ট।

#### ১৮৯৭ শাল ১৫ নবেম্বর।

মেরিন্ ১৮৭ নম্বর 1—তার্থধাঞ্জাদিগের জাহাজ বিষয়ক ১৮৯৫ সালের ১৪ আইনের ৫৮ ধারার বিধানমতে ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের প্রকাশিত ১৮৯৭ সালের অফ্টোবর মাসের ২৯ তারিখের ২৩৭৬ নং নিম্নলিখিত বিজ্ঞাপন সাধারণের অবগত্যর্থে প্রকাশ করা গেল।

> এ, ডি, ম্যাকআর্থর, কর্নেল, আর, ই, বঙ্গদেশের গ্রন্মেন্টের সেক্টেরী।

२७१७ वः, मिम्ना ১৮৯१ मान २৯ पङ्घावत ।

#### ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের বিজ্ঞাপন।

মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের প্রতি তীর্থযাত্রিদের জাহাজবিষয়ক ১৮৯৫ সালের ১৪ আইনের ৫৮ ধারামতে যে ক্ষমতা প্রদক্ত হইয়াছে তদ্স্পারে কার্য্য করিয়া তিনি এই আদেশ করিলেন যে, ভারতবর্ধের গবর্ণযেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৬ সালের ৫ অক্টোবর তারিখের ২৬২ নং বিজ্ঞাপনের সঙ্গে প্রকাশিত বিধির পে বির্ব্তি নিম্নলিখিত বিধি দেওয়া যায়।—

২২। তীর্থাত্রীদিগের প্রভ্যেক জাহাজের উপরকার ভূতক ও মধ্যের ভূতক কাষ্টের হ**ং**বে কিছা ক টে মোড়া ও কালাপাতি করা লোছা বা ইস্পাতের হইবে।



TUESDAY, NOVEMBER 23, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৩ নবেম্বর। PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal দিতীয় ক খণ্ড। বন্ধদেশের গবৰ্ণমেন্টের আদেশ।

## ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 1431 T.M.—The 9th November 1897.—Whereas a Notification No. 4140M., dated the 9th August 1897, was published at page 192, Part IB of the Calcutta Gazette of the 11th idem, declaring the intention of the Lieutentant-Governor to confirm the rules set forth below, which were framed by the Commissioners of the Sherpur Municipality, under section 3, Act XX of 1887, for the protection of wild birds and game within the limits of the above Municipality, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified that the said rules are confirmed by the Lieutenant-Governor under clause 4, section 3 of the Act, and are published for general information under clause 5, section 6 of the General Clauses Act I of 1887:—

Rules under Section 3 of Act XX of 1887 for the Sherpur Municipality. Rules.

- 1. "Wild bird" for the purposes of these rules shall include jungle-fowl, pea-fowl partridges, quail, plover, whistling teal, painted snipe, cotton teal, and every bird killed for the sake of its plumage.
- 2. The Local Government having by notification declared that the provision of section 3, Act XX of 1887, shall apply to haves and deer, the following rules will apply to those animals as well as to wild birds.
- 3. The breeding season for the purposes of these rules shall extend from the 1st April to the 30th September.
- 4. Whoever during the breeding season has in his possession, within the limits of the Municipality of Sherpur, any wild bird, deer or hare, recently killed or taken, or exposes for sale any such bird or animal, living or dead, shall be hable to a fine not exceeding Rs. 5 for each bird or animal.
- 5. Whoever during the breeding season imports into the town the plumage of any kind of wild bird recently killed or taken, or the fur or skin of any hare or deer recently killed or taken, shall be liable to a fine not exceeding Rs. 5 for the plumage of every such bird, or the fur or skin of every such hare or deer.
- 6. In the case of a second conviction the fine may extend to Rs. 10 for each such bird, hare, doer, plumage, fur or skin.
- 7. All birds, plumage, fur or skin, &c., in respect of which a conviction has been had under rules 4, 5 and 6, shall be confiscated.
- 8. A reward, not exceeding half the fine imposed and realised under rules 4, 5, and 6, may be granted by the adjudicating Magistrate to any person who has afforded information leading to a conviction for a breach of any of the above rules.

H. H. RISLEY,

Secy. to the Goot. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 1432 T.M.—The 9th November 1897.—Whereas a Notification No. 4141M., dated the 9th August 1897, was published at page 192, Part IB of the Calcutta Gazette of the 11th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to confirm the rules set forth below, which were framed by the Commissioners of the Dacca Municipality, under section 3.

# বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেল্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

# মুনিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন।

১৪৩১ টি, এম\_, নম্বর ।—১৮৯৭ সাল ৯ নবেম্বর ।—শেরপুর মুনিসিপালিটীর সীমার মধ্যে বন্য পক্ষী ও শীকারোপযোগী পশু পক্ষ্যাদি রক্ষাকরণার্থ উক্ত মুনিসিপালিটীর কমিশনরগণ কর্ত্বক ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ৩ ধারামতে প্রণীত নিম্নলিখিত বিধি দৃঢ় করণার্থ শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ৯ আগফ তারিখের ৪১৪০ এম\_, নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১১ ভারিখে কলিকাতা গেজেটের ১ ১ খণ্ডের ১৯১ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব উক্ত আইনের ৩ ধারার ৪ দক্ষামতে উক্ত বিধিগুলি দৃঢ় করিয়া সাধারণ ধারা বিষয়ক ১৮৮৭ সালের ১ আইনের ৬ ধারার ৫ দক্ষা অনুসারে সাধারণের অবগত্যর্থে প্রকাশ করিলেন।

শেরপুর মুনিসিপালিটার নিমিত ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ৩ ধারাহুসারে প্রণীত বিধি।

- ১। এইং বিধির কার্য্য পক্ষে ''বন্ধ পক্ষী'' শব্দে বন্য কুকু ট, ময় র, তিতির পক্ষী, বটের পক্ষী টিটির পক্ষী, সিস দেওয়া বালহাঁস, রঞ্জিত কাদা খোঁচা তৃলা বালহাঁস, (কটন্টিল) এবং যে সকল পক্ষীকে পালকের জন্য মারা হয় সেই সকল পক্ষীও বুঝাইবে।
- ২। স্থানীয় গবর্ণমেন্ট বিজ্ঞাপনক্রমে ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ৩ ধারার বিধান খরগোস ও হরিণের প্রতি বর্ত্তিবে, এই আদেশ করায় নিম্নলিখিত বিধি যেরপ বন্য পক্ষীর প্রতি বর্ত্তে সেইরপ ঐং জন্তর প্রতিও বর্ত্তিবে।
- ৩। এইং বিধির কার্য্যপক্ষে প্রসব করিবার ঋতু এপ্রিল মাসের ১ তারিখ হইতে সেপ্টেম্বর মাসের ৬০ তারিখ পর্য্যন্ত ব্যাপ্ত হইবে।
- ৪। প্রসব করিবার ঋতুর কালের মধ্যে শেরপুর মুনিসিপালিটার দীমার মধ্যে কোন ব্যক্তির নিকট সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন বন্য পক্ষী, হরিণ, বা খরগোদ থাকিলে কিম্বা কোন ব্যক্তি জীবিত বা মৃত তদ্রপ কোন পক্ষী বা জম্ব বিক্রয়ার্থে দেখাইলে প্রত্যেক পক্ষীর বা জম্বর নিমিত্ত ভাষার ৫, পাঁচ টাকার অনধিক অর্থদণ্ড হইতে পারিবে।
- ৬। কোন ব্যক্তি সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন প্রকার বন্য পক্ষীর পালক কিছা সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন খরগোসের বা হরিণের লোম বা চর্ম প্রসব করিবার ঋতুর কালের মধ্যে সহরে আমদানী করিলে তদ্রপ প্রত্যেক পক্ষীর পালকের কিছা তদ্রপ প্রত্যেক খরগোস বা হরিণের লোমের বা চর্মের নিমিত্ত তাহার ৫) টাকার অনধিক অর্থদণ্ড হইতে পারিবে।
- ৬। বিতীয়বার অপরাধ প্রমাণ হইলে ঐরপ প্রত্যেক পক্ষী, খরগোস, হরিণ পালক, লোম ব্ চর্মের নিমিত্ত ১০) টাকা পর্য্যন্ত অর্থদণ্ড হইতে পারিবে।
- ৭। যে সকল পক্ষী, পালক, লোম ও চর্ম প্রভৃতি সম্বন্ধে বিধির ৪, ৫, ৬ ধারামতে অপরাধ প্রমাণ করা হইয়াছে তাহা জব্দ হইবে।
- ৮। উপরোক্ত বিধির ৪, ৫, ৬ ধারা লজ্মন জন্য অপরাধ যাহাতে প্রমাণ হয় এমত সন্ধান যে ব্যক্তি দেন, বিচারকারী মাজিফ্রেট উক্ত কএক ধারামতে যে অর্থদণ্ড ধার্য্য হইয়া জাদায় করা যায়, তাহার অর্দ্ধেকের অনধিক তাঁহাকে পুরস্কার দিতে পারিবেন।

এচ্, এচ্, রৌসলি, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

#### বিজ্ঞাপন ৷

১৪৩২ টি, এম , নম্বর । —১৮৯৭ সাল ৯ নবেম্বর ।—ঢাকা মুনিসিপালিটার সীমার মধ্যে বন্য পক্ষী ও শীকারোপযোগী পশু পক্ষ্যাদি রক্ষা করণার্থ উক্ত মুনিসিপালিটার কমিশনরগণ কর্তৃক ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ৩ ধারামতে প্রণীত নিম্নলিখিত বিধি দৃঢ় করণার্থ শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহে-বের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ শালের ৯ জাগন্ট তারিখের ৪১৪১ এম , নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১১ তারিখের কলিকাভা গেজেটের ১ টি খণ্ডের ১৯২ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটাতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন তাপিত্তি

Act XX of 1887, for the protection of wild birds and game within the limits of the above Municipality, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified that the said rules are confirmed by the Lieutenant-Governor under clause 4, section 3 of the Act, and are published for general information under clause 5, section 6 of the General Clauses Act I of 1887:—

# Rules under Section 3 of Act XX of 1887 for the Dacca Municipality. Rules.

- 1. "Wild bird" for the purposes of these rules shall include jungle-fowl, pea-fowl, partridges, quail, plover, whistling teal, painted snipe, cotton teal and every bird killed for the sake of its plumage.
- 2. The Local Government having by notification declared that the provision of section 3, Act XX of 1887, shall apply to haves and deer, the following rules will apply to those animals as well as to wild birds.
- 3. The breeding season for the purposes of these rules shall extend from the 1st April to the 30th September.
- 4. Whoever during the breeding season has in his possession, within the limits of the Municipality of Dacca, any wild bird, deer or hare, recently killed or taken, or exposes for sale any such bird or animal, living or dead, shall be liable to a fine not exceeding Rs. 5 for each bird or animal.
- 5. Whoever during the breeding season imports into the town the plumage of any kind of wild bird recently killed or taken, or the fur or skin of any hare or deer recently killed or taken, shall be liable to a fine not exceeding Rs. 5 for the plumage of every such bird or the fur or skin of every such hare or deer.
- 6. In the case of a second conviction the fine may extend to Rs. 10 for each such bird, hare, deer, plumage, fur or skin.
- 7. All birds, plumage, fur or skin, &c., in respect of which a conviction has been had under rules 4, 5 and 6, shall be confiscated.
- 8. A reward, not exceeding half the fine imposed and realised under rules 4, 5 and 6, may be granted by the adjudicating Magistrate to any person who has afforded information leading to a conviction for a breach of any of the above rules.

H. H. RISLEY,
Secy. to the Govt. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 1437 T.M.—The 9th November 1897.—Whereas a notification No. 2538 M., dated the 7th May 1897, was published at page 116, Part IB of the Calcutta Gazette of the 12th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of sections 254 to 260, 260 A and 274 of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Bengal Acts IV of 1894 and II of 1896, to the Muktagacha Municipality, in the district of Mymensingh, and whereas objections which have been accepted as valid have been raised to the proposed extension of the said provisions to certain portions of the Municipality within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the modified recommendation of the Commissioners of the Muktagacha Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the portions of the Municipality included within the boundary specified below:—

On the north by the Aiman river, on the east by the Dowla bill, on the south by the Subarnakhally Road, and on the west by the Hari Datta's Road.

H. H. Bisley,
Secy. to the Gool. of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন ।

১৪৭৯ টি, এম, নম্বর।—১৮৯৭ সাল ১২ নবেম্বর।—সাধারণের অবগত্যর্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, শ্রীমৃত লেপ্টেনেনট গবর্ণর সাহেবের প্রতি কলিকাতার মুনিসিপল আইন সংগ্রহকরণ বিষয়ক ১৮৮৮ সালের ২ আইনের ৪১৪ ধারামতে যে ক্ষমতা প্রদত্ত হইয়াছে ওদহুসারে কার্য্য করিয়া তিনি উক্ত আইনের ৪১৬ ধারামতে কলিকাতা মুনিসিপালিটীর কমিশনরদের প্রণীত নিমতলা ও শানগর এবং কাশী মিত্রের শবদাহ ঘাটে জ্বালানি কাষ্টের হার প্রভৃতি বিষয়ক নিম্নলিখিত সংশোধিত উপবিধি দৃঢ় করিলেন।

# কলিকাতা কর্পোরেশন।

# শবদাহ ঘাটে খরচ।

শবদাহ ঘাটে শবদাহকরণসম্বন্ধীয় উপবিধির মধ্যে ১৯ নং বিধি সংশোধন করাতে এক্ষণে এইরূপ পাঠ করিতে হইবে, যথা —

							টাকা	অ!না	পাই
মণকবা ।/১০ আনাব ভি		ন স্থাদিবি কা	ষ্ঠ ৫৴ মণ			•••	3	111	હ
স্থ দবিব সরু চেলা ৮ অ	恑		•		•••		•	J	9
পঞ্চা ৮ আটি	• • • •	•••		•••			•	1	6
পাটকাটি ৬ আটি	• • • •			•••			٥	ď	و
থাটিব কলসী (একটা)					•••		•	•	۵
পিণ্ড					•••		•	•	•
ষুত৴• ছটাক .	• •				- •		•	,	•
না।॰ শোষা							•	1	٥
৴০ আনা গজেব কাপড	<b>২ গ</b>				• •	• • • •	•	ı	•
গ্ৰাণ ২ থান .	•••	• • •	•••				•	)	•
<del>স্</del> ল কান্ত / <sub>°</sub> ছটাক				•			٥	1	•
গ্ৰহ্মণ .		•	•	•••			•	レ	၁
ভোম	• •	••			•••		v	•	৬
					মো	<b>.</b>			
শ বংসারেব কম বয়সো		শী লাগিত	লও উপরে	াক্ত দরে দি	তে হইবে। 	·	, ,	ll.	9
*	র ছেলেদেব				তে হ <b>ইবে</b> ।		>	<i>و</i> ا	<b>&amp;</b>
*	র ছেলেদেব						>	·	
" শনং	র ছেলেদেব				তে হ <b>ইবে</b> ।		>	·	
শান্ধ বিষয়ক লোকদেব	র ছেলেদেব গরের ও :				তে হ <b>ইবে</b> ।		>	لاال	<b>\</b>
" শানং ধূৰ বয়ক্ষ লোকদেব	র ছেলেদেব গরের ও :  ডেলেদেব	কাশী মিতে 	ত্রর ঘাটে বি 	নস্থ <b>েল</b> †কদে 	তে হ <b>ইবে</b> । দর দাহ করিব 		>	112	•
শীনং পূর্ব রয়ক্ষ জোকদেব - বংসবের কম বয়সেব	র ছেলেদেব গরের ও :  ডেলেদেব	কাশী মিতে 	ত্রর ঘাটে বি 		তে হ <b>ইবে</b> । দর দাহ করিব 		> ► •	וו עו עו	•
দশ বংসারের কম বযসে শীনা পূর্ব রয়ন্ক লোকদেব - বংসারের কম বয়সেব দ্বালামী কাষ্ঠ ৫৴ মণ ভাম	র ছেলেদেব গরের ও :  ডেলেদেব	কাশী মিতে 	ত্রর ঘাটে বি 	নস্থ <b>েল</b> †কদে 	তে হ <b>ইবে</b> । দর দাহ করিব 		>	ישו עו ער וו	<b>y</b>
শানং ধূৰ বয়স্ক লোকদেব • বংসবের কম বয়দেব ধূলানী কাঠ ৫৴ মণ	র ছেলেদেব গরের ও :  ডেলেদেব	কাশী মিতে 	ত্রর ঘাটে বি 	নস্থ <b>েল</b> †কদে 	তে হইবে। দ্র দাহ করিব  জব্য।		> > •	11J	•
শানং বি বয়স্ক লোকদেব - বংসবের কম বয়দেব বালানী কাঠ ৫৴ মণ	র ছেলেদেব গরের ও :  ডেলেদেব	কাশী মিতে 	ত্রর ঘাটে বি 	নস্ব <b>েল</b> †কদে  	তে হ <b>ইবে</b> । দর দাহ করিব 		> ► •	ישו עו ער וו	<b>y</b>
শানং (ব বয়স্ক লোকদেব • বংসবের কম বয়দেব বুলোনী কাঠ ৫৴ মণ	র ছেলেদেব গরৈর ও :  ডেলেদেব 	কাশী মিকে  পূৰ্ব বয়ন্ষ ৫ 	ত্রর ঘাটে বি   লোকদের দ 	শস্থ লোকদে  াহ করিবার 	তে হইবে। দ্র দাহ করিব  জব্য।	ক্রে <b>খ</b> রা	> > •	11J	<b>9</b>
শীনং বিরক্ষ লোকদেব বংসাবের কম বয়দেব বালানী কাঠ ৫৴ মণ ভাম	র ছেলেদেব গরৈর ও :  ডেলেদেব 	কাশী মিকে  পূৰ্ব বয়ন্ষ ৫ 	ত্রর ঘাটে বি   লোকদের দ 	শস্থ লোকদে  াহ করিবার 	তে হইবে। নি দাহ করিব  জব্য। 	ক্রে <b>খ</b> রা	> > •	11J	<b>9</b>
শানং ব্ৰ বয়স্ক লোকদেব • বংসবের কম বয়দেব ব্ৰালানী কাঠ ৫৴ মণ	র ছেলেদেব গরৈর ও :  ডেলেদেব 	কাশী মিকে  পূৰ্ব বয়ন্ষ ৫ 	ত্রর ঘাটে বি   লোকদের দ 	শস্থ লোকদে  াহ করিবার 	তে হইবে। নি দাহ করিব  জব্য। 	ক্রে <b>খ</b> রা	> > •	112 112 112	<b>9</b>

মন্তব্য ।---বাঞ্চলা, তিন্দি, উড়িয়া এবং ইংবাজী ভাষায় এই সকল উপবিধিব এক থান নকল শ্বদাহ খাটে প্রবেশ কবিবার পথেব পার্ম্বে সকলের নজরে পড়ে এমম জাযগায় একথান তক্তায় টাঙ্গাইয়া রাখিতে ছইবে।

> এচ্, এচ্, রীস্লি, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটিরী।

#### NOTIFICATION.

No. 4786M.—The 15th November 1897.—Whereas a notification No. 4539M., dated the 30th August 1897, was published at page 205, Part IB of the Calcutta Gazette of the 1st September 1897, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of Part X of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Bengal Acts IV of 1894 and II of 1896, to the North Barrackpore Municipality, in the district of the 24-Parganas, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the North Barrackpore Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said Municipality.

H. H. RISLEY,

Secy, to the Govt. of Bengal.

উপস্থিত করা না যাওয়াতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে. শ্রীযুত সেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব উক্ত আইনের ৩ ধারার ৪ দকামতে উক্ত বিধিগুলি দৃঢ় করিয়া সাধারণ ধারা বিষয়ক ১৮৮৭ সালের ১ আইনের ৬ ধারার ৫ দকা অভ্নারে সাধারণের অবগত্যর্থে প্রকাশ করিদেন।

#### ঢাকা মুনিসিপালিটীর নিমিত্ত ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ও ধারাস্থসারে প্রণীত বিধি। বিধি।

- ১। এইং বিধির কার্য্য পক্ষে "বন্য পক্ষী" শব্দে বন্য ক্রুট, ময়ুর, তিতির পক্ষী, বটের পক্ষী, টিটির পক্ষী, সিস দেওয়া বালহাঁস, রঞ্জিত কাদা খোঁচা, তৃলা বালহাঁস, (কটন্টিল) এবং যে সকল পক্ষীকে পালকের জন্য মারা হয় সেই সকল পক্ষীও বুঝাইবে।
- ২। স্থানীয় গবর্ণমেন্ট বিজ্ঞাপমক্রমে ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ও ধারার বিধান খরগোস ও হরিণের প্রতি বর্ত্তিবে, এই আদেশ করায় নিম্নলিখিত বিধি যেরূপ বন্য পক্ষীর প্রতি বর্ত্তে সেইরূপ ঐংজ্ঞুর প্রতিও বর্ত্তিবে।
- ৩। এই২ বিধির কার্য্যপক্ষে প্রসব করিবার ঋতু এপ্রিল মাসের ১ তারিখ হইতে সেপ্টেম্বর মাসের ৩০ তারিখ পর্যান্ত ব্যাপ্ত হইবে।
- 8। প্রসব করিবার ঋতুর কালের মধ্যে ঢাকা মুনিসিপালিটীর সীমার মধ্যে কোন ব্যক্তির নিকট সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন বন্য পক্ষা, হরিণ, বা খরগোস থাকিলে কিম্বা কোন ব্যক্তি জাবিত বা মৃত তদ্রূপ কোন পক্ষা বা জন্ত বিক্রয়ার্থে দেখাইলে প্রত্যেক পক্ষার বা জন্তর নিমিত্ত তাহার ৫, পাঁচ টাকার অনধিক অর্থদণ্ড হইতে পারিবে।
- ৫। কোন ব্যক্তি সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন প্রকার বন্য পক্ষীর পালক কিন্তা সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন খরগোসের বা হরিণের লোম বা চর্ম প্রস্বান করিলে তদ্রাপ প্রত্যেক পক্ষীর পালকের কিন্তা তদ্রাপ প্রত্যেক খরগোস বা হরিণের লোমের বা চর্মের কিন্তা তাহার ৫, টাকার অনধিক অর্থনণ্ড হইতে পারিবে।
- ৬। দ্বিতীয়বার অপরাধ প্রমাণ হইলে ঐরপ প্রত্যেক পক্ষী, খরগোস, হরিণ, পালক, লোম বা চর্মের নিমিক্ত ১০, টাকা পর্যান্ত অর্থলণ্ড হইতে পারিবে।
- ৭। যে সকল পক্ষা, পালক, লোম ও চর্ম প্রভৃতি সম্বন্ধে বিধির ৪, ৫, ৬ ধারামতে অপরাধ প্রমাণ করা হইয়াছে তাহা জব্দ হইবে।
- ৮। উপরোক্ত বিধির ৪, ৫, ৬ ধারা লজ্বন জন্য অপরাধ যাহাতে প্রমাণ হয় এমত সন্ধান যে ব্যক্তি দেন, বিচারকারী মাজিফ্টেট উক্ত কএক ধারামতে যে অর্থদণ্ড ধার্য্য হইয়া আদায় করা যায়, তাহার অর্দ্ধেকের অনধিক তাঁহাকে পুরস্কার দিতে পারিবেন।

এচ্, এচ্. द्रोमनि, वक्रफ्रानंद গवर्गस्यक्रिते ।

#### বিজ্ঞাপন।

১৪৩৭ টি, এম, নম্বর ।— ১৮৯৭ সাল ৯ নবেম্বর ।—ময়মনসিংহ জিলার অন্তর্গত মুক্তাগাছা মুনিসিপালিটাতে বল্পীয় ১৮৯৪ সালের ৪ আইন ও বল্পীয় ১৮৯৬ সালের ২ আইন ছারা সংশোধিত বল্পদেশের মুনিসিপালিটা বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের ২৫৪ অবধি ২৬০ পর্যান্ত ও ২৬০ক এবং ২৭৪ ধারার বিধান প্রচলিত করণার্থ শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ৭ মে তারিখের ২৫৩৮ এম, নং এক বিজ্ঞাপান ঐ মাসের ১২ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১৪ খণ্ডের ১১৬ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও এবং উক্ত বিজ্ঞাপান উক্ত মুনিসিপালিটাতে প্রকাশিত ইইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত মুনিসিপালিটার কোন২ অংশে উক্ত সকল বিধান প্রচলনের সম্বন্ধে যে২ আপত্তি উপস্থিত করা গিয়াছিল তাহা যুক্তিসিদ্ধ বলিয়া গ্রাহ্য হওয়ায় সাধারণের অবগত্যর্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব স্থানায় গবর্ণমেন্টোর প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারামতে প্রদন্ত ক্ষমতাহ্লসারে কার্য্য করিয়া এবং মুক্তাগাছা মুনিসিপালিটার সভাগত কমিশনরদের পরিবর্ত্তিত অহ্নরোধন্ধ্রথম মুনিসিপাল আইনের উক্ত বিধান উক্ত মুনিসিপালিটার নিম্মনিদ্ধিট সীমার মধ্যে প্রচলিত করিবার অহ্নমতি দিলেন।

উত্তর সামা।—আয়মন নদা।
পূর্ব্ব সীমা।—দোলা বিল।
দক্ষিণ সীমা।—স্থবর্ণখালী রোড।
পশ্চিম সীমা।—হরিদত্তের রোড।

এচ্, এচ্, রীসন্সি, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।



# পবর্ণমেন্ট গেজেট।

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৩ নবেম্বর।

#### मश्रम थए।

হাই কোটের ও ব্লেগিনিউ বোর্ডের সাধারণ জ্ঞাপনপত্র।

বঙ্গদৈশের অন্তর্গত কোর্ট উইলিয়মস্থ হাই কোর্টের আদেশমতে প্রচারিত সরক্লর অর্ডর।

বর্তমান বিধি।

[দেওয়ানী ।]

২।—উকীল হইবার নিমিত্ত আবশ্যক গুণের কথা।

(৩) ছাই কোটের অধীন আদালত সমূহে নিম্ন-লিখিত ব্যক্তিগণকে উকীলম্বরূপ ভর্ত্তি করিতে পার্য যাইবে. অর্থাৎ:—

প্রথমতঃ, যে কোন ব্যক্তি কলিকাতা, আলাহাবাদ,
মাস্রাজ ও বোদ্বাই এই কয় বিশ্ববিদ্যালয়ের যে কোন
একটির বাচিলার অফ্লা উপাধি কিন্তা উক্ত বিশ্ববিদ্যাল
লয়গুলির একটীর লাইদেশিয়েট অফ্লা বলিয়া
লাইদেশ প্রাপ্ত হন তাঁহাকে। কিন্তু উকীল স্বরূপ
ভর্তি হইবার নিমিত্ত তাঁহার দরখান্ত তাঁহার ঐরপ
উপাধি বা লাইদেশ পাইবার এক বৎসরের মধ্যে
কিন্তা হাই কোট কোন বিশেষ কারণে ইহার অপেক্ষা
বি বেশী সময় দেন সেই বেশী সময়ের মধ্যে করিতে
হইবে।

২ নং বিধি, ভারিখ ১৮৯৭ সাল ২২এ সেপ্টেম্বর।

হাই কোটের (দেওয়ানী) সাধারণ বিধি ও সরকুলর অর্ডরের ৩৭২ পৃষ্টায় ২ খণ্ডের ৭ অধ্যায়ের ১ বিধির ৩ দফার প্রথম পারাগ্রাফের শেষ পংক্তির ''হইবে'' এই শঙ্কারি পর নিম্নলিখিত শঙ্কাল যোগ করিতে ইইবেঃ --

কিন্তু আলাহাবাদ বিশ্ববিদ্যালয়ের যে বাচিলার অফ লা ঐ রপে দরখান্ত করেন তাঁহার বাচিলার তাফ ছাট উপাধি পাইয়া থাকা চাই এবং তিনি যে জিলাতে সাধারণতঃ ওকলেতা করিবার অভিপ্রায় করেন সেই জিলার চলিত দেশীয় ভাষা পড়া, লেখা এবং কহা সম্বন্ধে জিলার জজের আদেশান্সারে গৃহীত একটা পরীক্ষায় তাঁহার উক্তার্ক হওয়া চাই।

১৮৯৭ সালের ৮ই দেপ্টেম্বর তাবিধেব কলিকাত: গেছেটেব ১ খণ্ডেব ১১৬১ পৃষ্ঠায় এবং ঐ মাদেব ১৮ই তা বিধেব ঝাসাম গেলেটেব ০ খণ্ডেব ৮৬৯ পৃষ্ঠায় প্রকাশিত।

## বঙ্গদেশের অন্তর্গত ফোর্ট উইলিয়মস্থ হাই কোর্টের আদেশ মতে প্রচাঞ্চিত সরকুলত্ত অর্ডর।

বর্ত্তমান বিধি।

#### [क्फानी।]

#### কার্যের নিমিত ইণ্ডেন্ট।

[বিচার বিভাগীয় পাঠের জন্য বাৎসরিক ও বিশেষ প্রয়োজনীয় ইণ্ডেন্টের কথা।—১৮৯০ সালের ১০ই ডিসেম্বর তারিখের ৭ নং সরকুলর অর্ডর।]—(ক) অস্থ-মোদিত বিচার বিভাগীয় পাঠের জন্য বাৎসরিক ইণ্ডেন্ট প্রতি বৎসর ১লা কেক্রেয়ায়ি তারিখের পর না হয় এমন তারিখে পরবর্তী ১লা আগফ্ট অবধি ৩১শে জুলাই পর্যান্ত বার মাসের জন্য সরবরাহের নিমিত্ত ফৌনরির স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট দাখিল করিতে চইবে।

(খ) বিশেষ প্রয়োনীয় ইণ্ডেন্ট বংসরের যে কোন সময়ে পাঠান ঘাইডে পারে এবং ডদমুসারে বংসরের যে কোন সময়ে দ্রব্য সরবরাহ করা মাইবে কিন্তু এইরূপ সকল ইণ্ডেন্ট হাই কোটের মারকত পাঠাইডে হইবে। ৩ নং। তারিখ ১৮৯৭ সাল ২৫ এ সেপ্টেম্বর।

(কেজিদারী) সাধারণ বিধি ও সরক্লর অর্ডর পুস্ত-কের ক্রোড়পত্রের ২ পৃষ্ঠায় প্রদক্ত ১৮৯০ সালের ১০ই ডিসেম্বর তারিখের ৭ নং সরক্লর অর্ডরের পরিবর্গ্তে নিম্নলিখিত সরক্লর অর্ডরিট সন্ধিবেশিত করিতে হইবে:—

#### কারমের নিমিত্ত ইডেন্ট।

[বিচার বিভাগায় কারমের নিমিত্ত বাৎসরিক ও জারুরি ইণ্ডেণ্ট—১৮৯৭ সালের ২৫এ সেপ্টেম্বর তারিখের ৩ নং সরকুলর অর্ডর।]—

- (ক) ১লা আগন্ট হইতে পরবর্তী ৩১ এ জুলাই পর্য্যন্ত ১২ মাসের জন্য অভ্যোদিত বিচার বিভাগীয় কার-মের সরবরাহের নিমিত্ত বাৎসরিক ইণ্ডেন্ট প্রতি বৎসর ১লা জাভ্যারির পর না হয় এমন তারিখে ন্টেশনরির স্পরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট দাখিল করিতে হইবে।
- (খ) জরুরি ইণ্ডেন্ট বৎসরের যে কোন সময়ে পাঠান যাইতে পারিবে এবং তদমুসারে বৎসরের যে কোন সময়ে দ্রব্য সরবরাহ করা যাইবে। কিন্তু ঐরপ ইণ্ডেন্ট হাই কোর্টের হাত দিয়া পাঠাইতে হইবে।
- (গ) টেশনরি বিষয়ক ১৮৯০ সালের বিধিপৃস্ত-কের ১১ পৃষ্ঠায় ৮ বিধির প্রতি মনোযোগ আকর্ষণ করা যাইতেছে। ঐ বিধিতে এই কথা লিখিত আছে যে কোন কর্মচারী কোন দ্রব্যের যে পরিমাণ চাহিয়া পাঠান তাহা যদি ঐ দ্রব্যের গড় খরচের উপর শত-করা ১০ ভাগের বেশী হয় তাহা হইলে ইণ্ডেন্টে সম্ভোষ-জনক কৈফিয়ত না লিখিলে ১০ ভাগ বেশীর উপর যে অধিক পরিমাণ ইণ্ডেন্ট করা হয় তাহা পাশ করা হইবে না। ভবিষ্যতে সকল স্থলেই এই বিধি কড়াকড় রক্ষমে কার্য্যে পরিণত করা হইবে।

CHUNDER NATH Bose,

Bengali Translator.



# गवर्गायन कार्या

TUESDAY, NOVEMBER 23, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৩ নবেশ্বর।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

অইম খণ্ড।

ইশ ভিহার এড়তি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাহার।

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### ইন্ডিহার নামা কাছারি কলেক্ট্রী জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইতেছে যে, ১৮৯৭ ইং ২৫ মে শেষ তারি,খর অনাদায় ১০) টাকার ঊর্দ্ধ্ব জমার নওয়াবাদ ও খাষ তরফ ভালুকাদির বাকা খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার শর্মাতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার নিলামের দিন ধার্য্যে জিলার কালেইরী কাছারিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

, <b>3</b> -12-11-1	1	, , ,	-:	1		-			
		1		সদ্ব জনা।			व <b>ि</b> ।		
क्रियक मचत्र ।	1 ~	মৌজা, থানা, মহাল এ তালুকাব নাম।	মালিকেব লাম।	<b>খালা</b> ন।।	(55)	থাকান।	ছেছ।	মোট।	মন্তব্য ;
3	•	•	8	1 0	•	9		2	>•
	<b>bb</b> 9	মেতিজ বাকলিয়া থানা সহর মহাল নওয়াবাদ।—					1		
3	२०५७८	তাং আহাম্মদ আলী ও	জব্বার আলী সদাগর	1500 n	<b>4</b> 0141/16	७७॥० ৯	36110/0	(0)2	••••
	tta	মাহাং ইছপ ও কোকান	•		i		1		
}		আলী ও আজগর আলী	•				i 		
		। ও শ্রীমতী স্বরবিবি।	পক্ষে হিং হুরল হক্	Í			<u> </u>		
		,	ও আছকা খাড়ুন, নেজা	•	1				
,	,		মত আলী চৌধুরী ও						
			মণীম্প্র চন্দ্র ঘোষ, মোবা				,	1	
			রেক আলী, আবঙ্গ		1			i	
		1	রহম্বি ও নেজামত	1	1				
		1	মালী ও আবণ্ডল হাকিম	!				1	
	1	1	স্বয়ণ ৬৫ নাবাঞ্গে	1					
			ভাতা আলামিঞা ও		!				
			ইছুমাইল হিতৈষী উক্ত						
			আবগুল হাকিম।		1	1			

CHITTAGONG COLLECTORACK,

The 22nd September 1897

F. P. Dixon,

For Collector.

#### জিলা যালদহ।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মালদহ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্বেও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২০ দ্বিসেদ্ধর তারিখে বেলা দুই প্রহর ১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

>	:	. 9	8	(	•	9	b	>		
তোঁ জিব মন্বর ।	মহাল ও প্ৰগ্নার নাম।	্সম্পূর্ণ মহাজোব : সদর জ্ঞাম।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয চইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিজ্ঞয চইলে ঐ অংশ ব। ঐং অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম স্টেবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হুইলে, ঐ অংশেব সদৰ জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল ি ক্ৰয় হইলে তাহাৰ বাৰী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রর হইলে, ভাহাব বাকী।		
<b>6</b> P3	কাশিমপুর পর- গণাকাশিমপুর।	२७३३ भर्य ०	না	এই মহালে মোট ৩৯টা মৌজা আছে	শিবগোবিন্দ থোক- দার, বিবি মরহুতন	3690 he		<b>४</b> २।०		
•				এই সম্পূর্ণ মহালের	1					
				নীচের লিখিত অংশ-						
	i		•	হিসাব খোলা আছে	The state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the s					
	তাহা নিলাম			a area or afor	খাড়ন; গোলাম হোসেন চৌধুরা মূকা					
	(১) এই সন্মূন		विश्वाप्त (साम्या	র মধ্যে (৯।৫ দ্বীপ	1 7 7 1 1 1 1 1 1 1 1 1					
	}		<i>্তহা</i> লকে। হ	া, গাজিপুর, খোদ্দ-	হরজাঁহা নেসা পক্ষে আমিলন নেসা ও নজি- বন নেসা ; মধুসূদন ঘোষ, পিয়ারী খান্ম,					
				া, সাজেশুমা, বেশের- া, জলকর গাজিপুর,						
				া জন্ম সাজে <sub>বুল,</sub> বহা <b>জী</b> র, জোতম্বি,						
	1		•	পাড়া, পাহাড়ীভিটা,	7000					
	t .			লানা, বিল দহভারা,	त्रन नमी खत्र ७ व	"কটা নাৱায়	र राजी। जासा संजयको श्रीका	3		
	ĺ			বানীপুর, মবারকপুর.						
	1	-		স্জইল, স্থলতানপুর	চন্দ্র থোকদার আহি					
	ì		(	I২ দ্বীপ জংশ ও	ও আবির মহম্মদ					
4	(৩) গুহিল সাহ	াবাজপুর নলা	তোর, জোত	মণি, স্বজইল ও উত্তর	চৌধুরী, জহর মং	হশ্মদ চৌধুরী	ও কিশোর			
•	জেহি	মোজার।/২	গাণ্ডা অংশ	ı	নেসা; সমনজান বে	মসা ও পর্বর্ড	গী নেসা।			
				1		ļ				

উদ্লিখিত রেসিডুয়ারী ত'শ ১৮৯৭ সালের সেপ্টেম্বর কিন্তির বাকী রাজস্ব আদায় জন্য নিলাম হইবে।

দ্বীকা—যে স্থলে উপবেব লিখিত বৰ্ণনাপাত্ৰেৰ ৫. ৫ ও ৯ ঘৰে কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় চঠবে বালিখা লিখিত আছে সেই স্কলে ইহা বৃৰিতে চইবে যে ঐ অংশের মিষিত স্বতন্ত্ৰ হিসাব বাৰা হঠয়। থাকে ও নিহাকে আলা বা জন্যাল্য অংশ বিক্ৰয় হয় না।

MALDA COLLECTORATE,

J. H. LEA,

The 1st November 1897.

Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### জমিদারি বিক্রমের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত বহালগুলি এবং মগলের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্পারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত সন্ন ১৮৯৭ ইংরেজির ২৬শে নবেম্বর তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রায় করা যাইবে। ইতি সন্ন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ১৮ সেপ্টেম্বর ।

٠. د	<b>\</b>	9	8	<b>t</b>	<b>.</b>	9	ь	•
তোলির মখর।	মহাল ও প্ৰগণার নাম ।	সক্ষুৰ্ণ মহাচের সদর ক্ষমা।	সম্পূৰ্মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা;	কেবল মান অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবৰণ।	যে সুস্পত্তি বিক্ৰয় হইবে তাহাৰ মালিকগণেৰ নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম ছউলে ঐ অং- শের সদর জম।।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রম হইলে তাহার বাকা।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে ভাহাঃ ৰাকী।
२०२ ১ <u>-১</u> 9 ১२৮२	খানে শাতকানীয়া মোং গারাঙ্গীয়া তংমোং গারাঙ্গীয়া বাং তং মঞ্চত রাম হাজারি।	1	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰা হই- বেক।		শ্রীযুত বাবু কৈলাস চন্দ্র দাস মেনে- জার জাং আবহুল ফণ্ডা খাঁ শ্রীদাহ মিঞা গং।		৩০५৯/০	
७७० २२०৯ <b>১१</b> ८०	তরক মৌজে লোহা গারা— বাং তং মঞ্চত রাম হাজারি।		Œ		শ্রীগমির সিং হাজার শ্রীতাবহুল ফর্তা খাঁ গং।	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	७७५॥ १२	
P86P (	1	<b>₹</b> 3₽ ∕╚	4		শ্রীদেখ হাবিব আহা শ্রদ চোং জ্ঞাং ডৎ- পিতা মকবৃল আলী চোং পক্ষে।		8 <b>৮</b>   19	

সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫মেই শেষ তারিখের বাকি পড়া।

টীকা।- যে স্থলে উপনেব লিখত বৰ্ণনাপতেরৰ ৫, ৭ ও ৯ ঘৰে কে.ন অংশ মাত্র বিক্রয় ইইবে বলিয়া শিখিত আছে সেই স্থলে ইহা বুৰিতে চহবে যে এ অধ্যেত্র মিমিত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা স্ট্রা থাকে ও মহালেব অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

CHITTAGONG COLLICTORATE,

The 24th September 1897.

F. P. DIXON,
For Collector.

#### किना योगपर।

#### নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মালদহ জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ত আহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অম্পারে উক্ত মালদহ জেলার কালেক্ট্রিতে ১৮৯৭ সনের ২০ ডিসেম্বর তারিখে মোভাবেক বাঞ্চালা ১৩০৪ সনের ৬ পোষ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক।

খরিদ্ধারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ভ সকলে বাধ্য হইতে হইবে।—

#### নিলামের সর্ত :---

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্ট্রর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্ব্বাপেক্ষা **অধিক** মূল্য দিতে সন্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদ্ধারকে ইহার মালিক স্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরস্থন্ধপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ধমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদ্ধারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।

দিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্জমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা কৃষক প্রজা দ্বারা দস্তখন্ত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্বীকার করিতে খরিক্ষারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার অনধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার উদ্ধ্র হইলে যত টাকা ভাক হংয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্ব উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (বে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার নায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়-কারি খরিন্দারের দায়ীতে এই মহাল পুনরায় নিলাম হউবে।

তৌ <del>জি</del> ব ন শ্ব ।	মহাল ও প্ৰস্ণাব নাম।	এক।বৰ হিলাবে গ্ৰপ্নেত্ৰ যতদুৰ শ্লামাণ বাগৰ যাহা পুনিৰ অনুমানিক ধাগ্য হই- প্ৰিমাণ । ২ চেছ ।	મજારા દ
२० नः	বিটোরী ধোবরা মহালের . অবিভক্ত এজমালা ॥ আট আনা অংশ। প্রগনা কাশিমনগর।	একৰ. কড পোল টা: আ: পা: ১৩০২৩৬ ১০৫   ৯/১০	এই মহালের এজমানী অবিভক্ত গবর্ণমেন্টের ॥০ গাট আনা অংশ নিলাম হইবে। তৃতীয় ঘরে মোট মহালের রকবা দেখান হইল। চ'ুর্থ ঘরে গবর্ণমেন্টের।।০ আট আনা অংশের রাজস্ব দেখান হইল। এই মহাল বর্তমান দনের জন্য ইজারা বন্দো-
) १४ सर्	•	00525-70 2920 IN 5	বস্তু আছে আগামী ১৮৯৮ সালের ৩১শে মার্ক তারিখে ইজারার ম্যাদ শেষ হইবে আগামী ১৮৯৮ সালের ১লা এপ্রেল হইতে নিলাম খরিদ্ধার এই মহালের মালিক স্বরূপ গণ্য হইবে। এই মহালের অবিভক্ত এজমালী গবন্ধেন্টের।।• আট আনা সংশ নিলাম হইবে। তৃতীয় ঘরে মোট মহালের রকবা দেখান হইল। চতুর্থ ঘরে গবর্ণমেন্টের।।• আট আনা অংশের রাজস্ব দেখান হইল। আগামী ১৮৯৮ সালের ১লা এপ্রেল হইতে নিলাম খরিদ্ধার এই মহালের মালিক স্বরূপ গণ্য হইবে।
e২৪ নং	ডোরাপাড়া সোণাপুর। পরগনা কাশিমনগর।	550-7-0 248 % 22	আগামী ১৮৯৮ সালের ১লা এপ্রেল হইতে নিলাম খরিদ্ধার এই মহালের মালিক স্বরূপ গণ্য হইবে।

কালেক্টরের কাছারি জেলা মালদহ ভারিখ ২৮শে অক্টোবর ১৮১৭।

J II. LEA, Collector.

#### कित्रा भाषाचानि ।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩, ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ১১ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালি জিলার অন্বর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেষ্ট্রর সাহেবের আদিসে বাকী রাজন্ম ও অন্য হে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজন্মের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮। ৪ জাহ্মারি তারিখে নিলামে বি ক্রয় করা ঘাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপতের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশমাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

>	2	ا ق	×	à	8	•	-	6
ভৌজির মধ্ব।	মহাল ও প্রগণাব নাম।	সম্পূর্ণ মহা লের সদধ জম: ৷	সম্পূৰ্মহাল বিক্ৰম হইবে কিনা।	কে লমাত অংশ বিক্রয় ছইলে ঐ অংশ বা ঐ ২ অংশের বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্ৰন্ন হইবে তাহাৰ মালিকগণের নাম।	কোন অবংশ মাত্র বিক্রয় হইলে, ঐ অবং- শের সঞ্চর শমা।	সম্পূৰ্মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাহাব বাকী ;	কোন অংশ মাত্র বিক্রব হইলে তাহার বাকী।
422	বামনী জমিদারী চাকলে বামনী।	>>>• <b>9</b> ,	मच्चृर्य		বাবৃ উপেন্দ্রচন্দ্র দত্ত মেনেজার অব হিস কোর্জন ফেট ও বাবু রঘুনাগ প্রসাদ তে ওয়ারি গং।	 	6 • 6 6 HP 2 2	••••
			খাদ মহ	ল টেনিউর —				
2667	চর শুলুকিয়ার ৯ নং গং মং হাওলা	63 <b>6</b> 45 ;	म च्टूर्ग	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	·য়াজদিন ঘাট মাজি।		\$8≥4/€	•••••
<b>ડહહર</b>	আবগুল রহমান। চর ম্বধ্রা গং মং হাওলা আজ্ঞ্ম- ভুজা গং ৮০ মং	9 o b h g/9	À		ৈলোক্যনাথ গুছ অভিস্থাবকজানিবে সচিনাথ গুছ।		50012	
১৬৭১	দখল। চর গাজির ১ নং দখল।	२०२१। 🎝 🎖	ď	•••	জমিয়ত আলি		86410	···········
ን ፅ <b>ባ</b> ን ን ፅ ታ ፅ ·	থা চরের ২ নং দখল চর আলেকজভারের ১ নং গং মং	3¢¢≥  33 ¢8∘4∕9	<b>A</b>		ঐ নবকুমার ব <b>হু</b> …		७१७ / <b>७</b> ১७ <b>७</b> /৯	•••••
ንሌትሁ	शांउना। धे हत्त्रत २ मः ११ मः शांउना।	<b>48242</b>	À	••••	Œ	•••••	39000	••••

S. K. AGASTI, Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম।—ইভিহার নামা কাছারি কালেইরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৬ ইং ২৬ ডিসেম্বর শেষ তারিখের জনাদায় ৫০) টাকার উর্দ্ধ জ্ঞমার মওয়াবাদ তালুকাদির বাতী থাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৭ সাং ৬ এপ্রিল তারিখে নিলাম হইয়া তদান্দরে যে সমস্ত তালুকা বায়না জন্দ হইয়াছে সেই সমস্ত তালুকাদির বাকী আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ লাং ৭ আং ও ১৮৭১ লাং ২ আং ও ১৮৫৯ লাং ১১ আইনের ৬ ধারার মর্ম্মতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ লালের বাং তাং ১১ অগ্রহারণ রোজ রহস্পতিবার থার্য্যে জিলার কালেরুরী কাছারিতে প্রকাশ্য ছানি নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৬৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

ক্রমিক মন্বর।	তশুকার নম্ব।	েমীকা থানা, মহাল ও তালুকাব নাম।	মালিকেব মাম ।	সদর জনা।					
	তিশুকার শরব।			থাকানা।	<b>ছে</b> ছ।	वाक्रामा ।	ছেছ।	মোট।	<b>মন্ত</b> 41∤
>	2	٠	8	ď	•	1	۲	۵	۶۰
>	748P 4PP 50PdP 8P7P	মোজে জ্জখনা থানা কটীকছরী মহাল নওয়া বাদ।— তালুক এয়ার আলি বঁ।, হাং তাং ওবেদর রহ- মান খাঁ।	ওবেদর রহমান <sup>হঁ</sup> । ও মেহের আলি খাঁ।	२७88)	ኃሁሁክ০	હ <b>ઢ</b> ૭,	טשוףט	4७ ન અંહ	•••

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 22nd September 1897.

F. P. DIXON,

For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for each only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 os. tin, eight annas per 8 os. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জুরত্ব সিনকোনা।

কলিকাতান্থ বোটানিকাল গাডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থারিকেন্ডেনেটর নিকট গবর্ধ-বেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পোও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূল্যে প্রস্মু দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২॥ তাকায়, আট ঔপ টিন ৫১ টাকায় ও এক পোও টিন ১০ টাকায় পাইবেন। সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থারিকেন্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ দিন ৬ টাকায়, আট ঔপ টিন ৬১ টাকায় এবং এক পোও টিন ১২ টাকায় পাইতে পারিকেন কলিকাভার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেম্বাগণও এই ঔষধ বিক্রয় করিয়া থাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের।০, আট ঔপ্ টিনের।০ ও এক পোও টিনের ৮০ ডাক মায়ক দিতে হইবে।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন ১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে,যথা—

১ এক পৌণ্ড টিন ১৮) বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৭০

।। আধ " ٥,

। শিকি <u>,</u>, ,, 8110 2) 4) " "

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইছা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাভাইন নামক অপক্লট কারের সহিত ইচ্ছাপ্র্কক মিশান হয় নাই ভাহার গ্যারান্টা দেওয়া যাইভেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণযেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটন্থ শিবপুরের কৌম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওস্কা ষাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance :-For the Mufassal.

Entire Gazette ... 10 0 per annum. Postage 2 8 0 Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-Entire Gazette Postage 0 ... Parts III, IV, V, and VI for 4 sheets or with with an additional charge of 1 anna for an every 4 sheets in excess Postage

For Calcutta.

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage E. N. BAKER.

Offg. Under-Secretary to the Goot. of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন ।

১৮৮৩ দাল ২১ ফেব্রুয়ার।—বাজালা প্রথমেন্ট পেজেটের মূল্য ও ডাক্যাহল এই অবধি নিম্ন লিখিত হারে অগ্রিম দিতে হহবে:---

यकः मृत्व					गेका।
সম্পূর্ণ গেডে ট	•••	•••	•••	বৎসর	3.5
ডাকমাহন	•••	•••	•••	,,	रे।। •
৩৩৪৩৫৩৬খ%	( যাহাতে ব	লারভবর্ধের	<u> ७</u> गङ-	,,	***
দেশের ব্যবস্থাপক					
পাণ্ডুলিপি খাকে )		•••	•••		<b>.</b>
ভাকমান্ত্র		•••	•••	,,	¥) \-
শশ্ৰ একখানি গেজেটের	। <b>भू</b> ना	••	••	"	۶, ا•
T. Van erviner	•	• • •	•••	,,	·
D 3 8 3 6 49 6 40 (	<i>প্ৰ</i> ড্যেক	৪ প্ৰটাৰা	তাহার		, •
ন্যুত্র সংখ্যক প্	(क्रोत मृन्ह)		• • • •		/• ৪ পৃষ্ঠাৰ উপৰ
					ব্যক্ অধিক হয়
			•		ভাহার অভ্যেক
					৪ পৃষ্ঠা প্রতি জার
OF the second					<b>५ कर जाना।</b>
क्रीक्याञ्चल	•••	• • •			/>
	ব	(BIS/BE)			

THE PERM

কলিকাভায় ও মঞ্চানলে সমান মূল্য, কলিকাভায় কেবল ভাক্ষাপ্তল লাগিনে না।

🔾, अब, ८वक:ब 🔻

বস্থানের স্বর্থেন্টের এক্টিং ছোট সেকেটরী।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible, I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface

OFFICE OF SUPDY., GOVY. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengales Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. BOLTON, Under-Secretary to the Goot. of Bengal.

12th December 1882.

Note.—Rates of advertisements in the Calcutta Gazette.

Full p	age, per issue	•••	•••	•••	Rs. 20
Half		•••			10
	Casual adver	rtisemen'	t—4 annas per	· line.	

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা সেজেটের কিন্তা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজেট দেওয়া ঘাইবে মা, ১৮৮৭ সালের নবেন্থর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মূর্ম্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গ্রবন্ধেন্টের কার্য্যালয় কিন্তা গ্রবন্ধেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ন্যক্তি বালাল সেকেটারিয়েট ছাপাখানা হইডে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে তন্মিত্ত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্ধারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাঞ্চাল সেক্ষেটারিয়েটের আকোন্টান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ্র রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিয়ার কি বিজ্ঞাপন প্রাকৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মূল্যের নিমিন্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণিট বাদ দিবার জ্বন্যে টাকার উপর আর ৴০ এক সানা পাঠাইতে হইবে।

> সি. ডবলিউ বল্টন; বল্পদেশের গ্রথমেন্টের ছোট সেক্রেটরী।

#### ১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মক্ষর্য।—কলিকাতা গেলেটে ইণতিহার ≪কাশ করি	াবাব হাব এইং।-	-			हें। ♦ ११
প্ৰা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ করণের	•••	•••	•••	***	٠,
कार श्रका	•••	***	**		>-,
ক্ষম কংম ইশ্চিষ্ট প্ৰকাশ ক্ষিতে হই	ल कर गीक	• •	***	<b>6-40</b>	14

## FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LLD., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Kent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### वाकान (मटक्कोद्रिद्स्र यखानद्र विक्रसादर्थ पाट्य ।

বারিন্টার-অটা-লা ও এট্রীমতীর বলদেশের সিবিল সন্ধিসে নিযুক্ত বর্তমানের ডিঞ্জিই ও সেশন
জ্বাজ্ব ও রেন্ট কমিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পলের শ্রীযুত সি, ডি, ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি
সাহেবের প্রনীত বলদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবনর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভ্রাধিকারীর
একা বিষয়ক আইন সংহিতা।

একং খানি পুস্তকের মূল্য, ৫ পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রম করিতে চাহিলে বাজাল সেক্টোরিয়েটের আকোনীন্টের নিকট একং বানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা যোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার বরচ।/ • পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য — উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপদক্ষে বলদেশের মাজ্রসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেড ওয়েষ্ট টৌন হালের হাভায় ছিত বলদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে রেছি-ফ্রীরের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উদ্ধা সকল আইনের পুস্তক কলিকাতার গবর্ধমেন্ট প্লেশে, গাকার স্পিষ্ক কোম্পানির বাটাতে ক্রয় করিতে পাওয়া যায়।

#### বিজ্ঞাপন ।

সাধারণকে এতদ্বারা অবগত করা যাইতেছে যে চাকা জিলার অন্তর্গত মুন্দিগঞ্জের নিকট ধলেশ্বরী নদীর তটে প্রতি বৎসর যে কার্ত্তিক বাফণী মেলা হইয়া থাকে তাহা খুঞ্চীয় ১৮৯৭ সালের ২৫এ নবেশ্বর অর্থাৎ বাজালা ১৬০৪ সালের ১১ই অগ্রহায়ণ তারিখে আরম্ভ হইয়া ১৮৯৮ সালের ৫ই জ্বাস্থ্যারি তারিখ পর্যান্ত থাকিবে। ব্যবসায়ী ও বিক্রেতাগণ ও অন্যান্য ব্যক্তি এই ছয় সপ্তাহ কালের মধ্যে ক্রয় বিক্রম করিতে পারিবেন।

জিলা বোর্ডের আপিস, ঢাকা, ১৮৯৭ সাল ২৮এ অক্টোবর।

কে, মহম্মদ ইউস্থফ্, চেমারম্যানের পরিবর্ত্তে।

ক্ষিকাতা প্রেলিডেক্টা কেল যন্ত্রালয়ে গবর্ণমেন্টের কলা জীবৃত কেম্ন পেটা সাহেব কর্তৃক মৃত্রিত ও প্রকাশিত হইল।





# गवर्गाम् जाउन्ह

TUESDAY, NOVEMBER 3., 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৩০ নবেশ্বর।

CC	,	N	T	К	`	1	*

					I AUB.
PART I RO	tions of t	he Gover	n <b>m</b> en	of India	$m{Nit}$ .
, ART 11 2.	tions by t				
	of Bengal		•••	••	34135 <b>2</b>
PART IIA	-Orders by	the Lie	utcn <b>a</b> r	t-Gover-	
	nor of Be	ngal	•••	••.	113115
PART III	Acts of th	e Legisla	itive C	ouncil of	
	India	•••		<b>.</b>	. Nil.
PART IV	Bills of the	e Legisla	tive C	ouncil of	
	India		•••	•••	Nil.
PART VA	cts of the	Bengal (	Counci	l	Nil.
PART VI	Bills of the	Bengal	Counc	li	Nil.
PART VII					
	Court and	i Board	of Rev	enue	uil.
PART VIII	-Advertis	ements		•••	583-593
S upplement		•••	•••		Nil.

			וופוף ו
প্রথম বন্ধ।—ভারতবর্ষীর	গ্ৰপ্ৰেমণ্ডের	মিছারণ	
आएमम ७ वि	জ্ঞাপন প্রভৃতি	.,	নাই।
ষিতীয় বও।—বঙ্গদেশেব	গ বৰ্ণমেণ্টেৰ	শিষ্ঠারণ.	
আদেশ ও বি	জ্ঞাপন প্রভৃতি	••	345012
ৰিতীয় ক খণ্ড।—বঙ্গদেশেব	গবৰ্ণমেণ্টের ভ	ाटमण .	330-330
ভূতীয় খণ্ড।—ভারতব্যীয়	ব্যৰন্থাপৰ সং	डाव खनीक	-
আইন		•••	माই।
চতুৰ্থ থণ্ড।—ভাবতখ্যীয়	ব্যবস্থাপক সভা	র আইনের	
<b>ী</b> পা <b>তৃলি</b> পি		•••	नाइ ।
भक्षम चल ।वर्णीय वावनह			নাই ৷

সাধারণ ভাপনপত্ত ... নাই : অষ্ট্রম খণ্ড।—ইশ্তিহার প্রভৃতি ... ,.. ৫৮০—৫৯০ পরিশিষ্ট গবর্ণমেন্টের গেলেট ... নাই :

নাই |

#### PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

# দিতীয় খণ্ড।

वज्ञात्मर भवन्याराकेत्र निक्षात्रम, जारमण । विकाशन अपृति।

# প্লেগ-বিষয়ক বিজ্ঞাপন। -- ৯ নম্বর।

## पार्किलिक, ১৮৯१ माल ১०ই नरवरुत।

ব্যাপক পাঁড়া বিষয়ক ১৮৯৭ সালের আইনের ২ ধারার (১) প্রকরণ ও ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের ছোম ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৭ সালের ৪ঠা কেব্রুয়ারি ভারিখের ৩০২ নং বিজ্ঞাপন অহসারে প্রদক্ষ ক্ষমতার পরিচালন করিয়া বঙ্গুদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব প্লোগ বিষয়ক ১০ই কেব্রুয়ারি ভারিখের ১, ৪ ও ৫ নং বিজ্ঞাপন ও ১২ই মার্চ্চ ভারিখের ৬ ও ৭ নং বিজ্ঞাপনক্রমে নির্দ্ধিট ব্যবস্থা রাহ্তি করিয়া বুবনিক প্লেগের প্রচার নিবারণার্থ নিম্নলিখিত ব্যবস্থা নির্দ্ধেশ করিলেন। —

## প্রথম ভাগ। — প্লেগ কমিশনের নিয়োগ।

১। বল্পদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাছেবের শাসনাধীন দেশের মধ্যে যাহাতে ব্বনিক প্রেগ ছইতে না পারে ও ছইলে তাহার প্রচার হইতে না পারে তন্ধিমিত্ত যে সকল উপায় অবলম্বন করিতে ছইবে তৎসম্বন্ধে গবর্ণমেন্টকে জিলার ও রেলওয়ের কর্মচারীদিগকে, ডিপার্টমেন্ট সকলের প্রধান রাজপুরুষদিগকে ও মুনিসিপালিটী ও জিলা বোর্ড সকলকে পরামর্শ প্রদান করিবার জন্য এবং অতঃপর অন্য যে সকল কর্ত্তব্যকর্মের ভার নিম্নলিখিত ব্যক্তিদিগের প্রতি অর্পিত হয় তাহা নির্বাহার্থে একটী প্রেগ কমিশন ছইবেন বলিয়া ঐ সকল ব্যক্তিকে নিযুক্ত করা গেল।—

য <b>ন্ধদেশে</b> র গবর্ণমেন্টের মেডিকাল ডিপার্টি	মেন্টের সেক্রেটর	ী, মান্যবর এচ্	, এচ্,	
तिमनी, मि, जाहे, हे,	•••			সভ;পতি
মান্যবর সার পেট্রিক প্লেক্ষ্যোর, নাইট, সি,	আই, ই,		· }	
মান্যবর এম, সি, টর্ণর, 🔑 \cdots	•••	•••		
বেক্সল চেম্বর অব কমার্সের সভাপতি	•••	•••		
বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের পবলিক ওয়ার্কস ডিপ	<b>ার্ট্রমেন্টের সে</b> রে	<b>ক</b> টরী	;	
বঞ্চদেশের সিবিল হাঁস্পাতাল সমূহের ইনস্পে	ক্টর জেনরল	•••		
বঙ্গদেশের সানিটরা কমিশনর		• • •	• • •	
কলিকাতার মেডিকাল কলেজের প্রিন্সিপাল	•••			
ব্রিগেড সর্জন লেপ্টেনেন্ট কর্নেল আর, সি, য	<b>নভার্স</b>	•••		
ব্রিপেড সর্জন লেপ্টেনেন্ট কর্নেল জে, ও বা	<b>ইয়েন</b>		[	সভা
ব্রিগেড সর্জন লেপ্টেনেন্ট কর্নেল সি, এচ্, জ্ব	হবেয়ার	•••	}	413) 1
ব্রিগেড সর্জন লেপ্টেনেন্ট কর্নেল ই, জি, রন্	<b>দ</b> ল			
সর্জন <b>লেপ্টেনেন্ট</b> কণে <b>ল জে</b> , লিউটাস	•••	•••		
সর্জন মেজর এ, ডবলিউ, ডি, লাহি	•••	•••		
বঙ্গদেশের পোলাসের ইনস্পেক্টর জেনরল	•••	•••		
কলিকাতা করপোরেশনের সভাপতি	•••			
ভাক্তর মহেন্দ্রলাল সরকার	•••	•••		
ডাক্তর কৈলাস চন্দ্র বস্থ	•••	•••	}	
মহিমবর শ্রীযুত রাজপ্রতিনিধির অনারারি ব	শাসিফাণ্ট সর্জন	মোলবী জহিক	क्रोन ।	
আহাম্মদ	•••	•••		
বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের পবন্দিক ওয়ার্কস ডিপ	ার্টমেন্টের ছোট	সেত্রে টরী, ডব	) लिप्डे.	
ব্যাক্ষস্ শুইদর	•••	•••	•••	সেত্রে টরী।

দিতীয় ভাগ।—গ্রাম ও মুনিদিপালিটির বহিভূতি নগর সম্বন্ধীয় বিধি।

২। শ্রেগ কর্তৃপক্ষের নিয়োগ।—যেখানে প্লেগ হইবার আশঙ্কা আছে এরপ প্রত্যেক স্থানে জিলার মাজিস্টেট কমিশনর সাহেবের সাধারণ উপদেশ মান্য করিয়া প্লেগের প্রচার নিবারণার্থ যে সকল উপায় আবশ্যক জিলার মাজিস্টেটের সাধারণ আদেশাস্সারে তাহা উদ্ভাবন ও কার্য্যে পরিণত করিবার নিমিত্ত নামোলেখ করিয়া কিছা সরকারী পদধারী বলিয়া বিশেষ কর্মচারীদিগকে নিযুক্ত করিতে পারিবেন। এই সকল বিধি অহুসারে কোন স্থানের নিমিত্ত যে বিশেষ কর্মচারীরা নিযুক্ত হন তাহারা প্রেগ কর্তৃপক্ষ বলিয়া খ্যাত হইবেন।

- ত। জ্বমির মালিকদের কর্ত্তরকর্ম।—প্রত্যেক প্রামের মণ্ডল, জ্বমির প্রত্যেক অধিকারা ও দবীলকার ও তাহার এজেন্ট এবং গবর্গমেন্ট বা কোট অব ওয়ার্ডস কর্তৃক রাজস্ব আদায় কার্য্যে নিযুক্ত প্রত্যেক ব্যক্তিকে তাঁহার সম্পান্তির মধ্যে প্লেগ হইলে প্রত্যেক প্লেগাক্রান্ত ব্যক্তির বিষয় সর্বাপেক্ষা নিকটপ্র পোলীস স্টেশনে তৎক্ষণাৎ রিপোর্ট করা সম্বন্ধে, পীড়িত ব্যক্তিদিগকে ও তাহাদের পরিচারক প্রভৃতিকে স্বতম্ব রাখা সম্বন্ধে, যাহারা প্লেগাক্রান্ত ইইয়াছিল তাহাদের বাড়ীর সংক্রামক দোষ নফ্ট করা সম্বন্ধে এবং মৃত ব্যক্তিদের স্ব স্থ ধর্মাহ্ণগত প্রথাহ্নসারে দেহের সৎকার সম্বন্ধে যাহাতে নিম্নলিখিত বিধানগুলি সম্পূর্ণ-রূপে পালিত হয় তিন্নিক্তি যথাসাধ্য চেন্টা করিতে হইবে।
- ৪। ফেশনের ও অওট-পোটের কর্মচারাদিগের ও প্রাম্য পোলীস ও চেকাদারা পঞ্চায়তের কর্ত্তর্য কর্ম।—কোন স্থানে ব্বনিক প্রেগের প্রাত্তর্তার হুইয়াছে বলিয়া ব্যক্ত করা হুইলে যদি তথা হুইতে কোন চেকািদারের প্রামে কোন লোক আসিয়া পহুঁছায় তাহা হুইলে ঐ চেকািদারকে অবিলয়ে ঐ লোকের নাম ও যে গৃহস্থের বাটীতে সে বাস করিতেছে তাহার নাম আপন পোলীস স্টেশনে বা আউট-পোটে রিপোট করিতে হুইবে ও তাহার পর এরপ নূতন লোক আসিয়া পহুঁছিলেই সেই কথা রিপোট করিতে হুইবে। উপরি লিখিও কর্ত্তর্য কর্মটি ঠিকভাবে সম্পাদিত হুইতেছে কি না, চেকািদারা পঞ্চায়তের মেম্বর্রাদগের তাহা দেখিতে হুইবে। পোলীস ফেশনে ও আউট পোটে একখানি বিশেষ তালিকা রাখা যাইবে এবং ঐরপে যে সকল নাম রিপোট করা যায় তাহা ঐ ভালিকায় তারিখ দিয়া লিখিতে হুইবে। রেলওয়ে পোলীস ১৩ বিধি অহুসারে ফেশনের কর্মচারের নিকট প্রেগাফান্ত স্থান হুইতে আগত যে সকল রাহীলােকের নাম ও ঠিকানা রিপোট করেন তিনি ঐ বিশেষ তালিকায় তাহাও লিখিবেন। তিনি আরও ঐ বিশেষ তালিকার লিখিত ব্যক্তিদের তাহার এলাকায় পহুঁছিবার ঠিক পরবর্তী দশ দিন ধরিয়া ঐ ব্যক্তিদের আন্থ্যের অবস্থা সম্বন্ধে আপনার নিকট বিশেষ রিপোট আনাইবেন।
- ৫। বেশী ইন্দুর বা বানর মরিতেছে এরূপ জানিতে পারিলে প্রত্যেক চৌকীদারের তাহা রিপোর্ট করিতে হইবে।
- ৬। পোলীস ফেশন বা আওঁট পোফের কর্মচারী আদেশ করিলেই ঐ পোলীস ফেশন বা আওঁট-পোফের এলাকার মধ্যন্থিত কোন রেলওয়ে ফেশনে প্রত্যেক চৌকীদারকে ২৪ ঘটা মোতাএন থাকিতে হইবে ও পারে সরকুলর বা পোলীস বিভাগের শুকুম ক্রমে যে যে কর্তব্যকর্ম নির্দ্দিষ্ট হয় ঐ রেলওয়ে ফেশনে থাকিয়া সেই সেই কর্তব্যকর্ম করিতে হইবে।
- ৭। রেলওয়ে ঊেশনে চেকিদারদের হাজির থাকিতে হইবে।—পোলীসের ি ট্রিক্ট স্থপারি ক্টেভেন্ট জিলার মাজিউটের সহিত পরামশ করিয়া এইরপ বন্দোবস্ত করিবেন যে তাঁহার জিলার অন্তর্গত যে সকল রেলওয়ে ঊেশনের নাম অতঃপর সময়ে সময়ে বিজ্ঞাপিত হইবে সেই সকল রেলওয়ে ঊেশনে হই ছই জান রবেশী চেকিদার ২৪ ঘন্টাই হাজির থাকিবে। এই বন্দোবস্ত ডিট্রিক্ট স্থপারিনেউভেন্টের আজ্ঞাধীনে পোলীস ঊেশন বা আউট-পোঊের কর্মচারীকে করিতে হইবে, এবং ২৪ ঘন্টা কর্ম করিবার পর ঐ ছই ছই জন চেকিদার বা ঐ চেকিদারের দল নিয়মিত রূপে রিলিব হয় ও প্রত্যেক ব্যক্তি দিন ছই আনা হারে খোরাকা পায় ইহার নিমিত্ত ঐ কর্মচারির জ্বাৎদিহি থাকিবে। মাজিউটে যেরপ বন্দোবস্ত করিবেন সেইরপ বন্দোব্স্ত অন্সারে ঐ খোরাকী জিলা বোর্ডের তহবীল বা জিলার অন্য কোন তহবীল হইতে প্রদন্ত হইবে।
- ৮। বিশেষ তালিকার লিখিত ব্যক্তির মৃত্যুর রিপোর্ট হইলে তদন্ত করিতে হইবে।—
  ৪ বিধির উল্লিখিত বিশেষ তালিকায় যে ব্যক্তির নাম লেখা হয় তাহার কিল্পা দে যে বাড়ীতে থাকে সেই বাড়ীর কোন ব্যক্তির পাঁড়া কি মৃত্যু হইয়াছে এরপ সন্থাদ পাওয়া গেলে, মৃত ব্যক্তির এতৎসংযুক্ত লিপির লিখিত মত প্লেগের লক্ষণ আছে কিল্পা ছিল কি না ইহা নির্গ্য করণার্থ ফেশনের বা আউট-পোন্টের কর্মাচারী তদন্ত করিবেন এবং ঐ তদন্ত সন্থান্ধে যাহা করিলেন ফেশনের রোজনামচায় লাল সেহাই দিয়া তাহার রিপোর্ট লিখিয়া রাখিবেন, এবং সর্ব্বাপেক্ষা নিকট্ছ প্লেগ কর্তৃপক্ষকে ঐ কথা জানাইবেন।
- ৯। প্রামে মৃত্যুর সংখ্যা অধিক হইলে তদন্ত করিতে হইবে।—কোন প্রাম হইতে যে সকল মৃত্যুর কথা রিপোর্ট করা হয় তাহার সংখ্যা সচরাচর যত মৃত্যু ঘটে তাহার বেশী হইলে, বিশেষতঃ দ্বুর হইয়া হঠাৎ মৃত্যু সংখ্যা প্রস্নপ বেশী হইলে, বৃবনিক প্লেগের লক্ষণ বিদ্যমান ছিল কি না ইচা নির্বাহ করণার্থ ফেশনের বা আউট-পোন্টের কর্মচারী অবিলম্বে তদন্ত করিবেন এবং বঙ্গীয় পোলাসের ১৮৯৭ সালের মার্চ্চ মাসের ২ নং সরকুলরের নির্দিষ্ট ''সিবিল সর্জনের নিকট মৃত্যুর যে সাপ্তাহিক বিবরণ্থ পত্ত।' দিতে হয় তাহা পাঠাইবার সময় মৃত্যুর প্রে বর্ধিত হারের প্রতি সিবিল সর্জনের দৃষ্টি আকর্ষণ করিবেন।

- ১০। পূর্শ্ববর্তী বিধিয়ত তদন্তের ফল সিবিল সর্জনের নিকট রিপোর্ট করিতে ছইবে।—ঠিক পূর্ববর্তী বিধি হুইটির কোন বিধি অহুসারে তদন্ত করিয়া যে ফল হয় স্টেশনের বা আউট-পোর্টের কর্ম্মচারী তাহা অবিলয়ে সিবিল সর্জন ও সর্বাপেকা নিকটন্ত প্লোগ কর্ত্মপক্ষের নিকট রিপোর্ট করিবেন এবং ফৌশনের যে রোজনামচা প্রতিদিন পাঠান হয় ডিফ্রিক্ট স্থপারিক্টেণ্ডেন্ট ও মাজিফ্টেটের অবগতির নিয়িত্ত ডাহাতে লাল সেহাই দিয়া ঐ কথা লিখিবেন।
- ১)। মাজিফেট ও পোলাদের বড় কর্মচারীদিগকে তত্ত্বাবধান করিতে হইবে।—এই ব্যবস্থায় যে সকল বিধি নির্দিট হইল তদহুদারে যথারীতি কার্য্য করা হইতেছে কি না যাহাতে মাজিফেটেরা ও পোলাদের বড় কর্মচারীরা জিজ্ঞাদা করিয়া ও তদন্ত লইয়া তাহা ভাল করিয়া বুঝাইয়া লইতে পারেন এই নিমিত্ত তাঁহারা যখনই পারিবেন চেকীদারদের যে সাপ্তাহিক কুচকাওয়াজে সকল চেকীদার একত্র হয় তাহাতে উপস্থিত হইবেন।
- ১২। প্লেগ কর্তৃপক্ষকে জিলার ও প্রায়্য পোলীলের সাহায্য করিতে হইবে।—এই ব্যবস্থা অফ্সারে প্লেগ কর্তৃপক্ষকে যে দকল কর্ত্তব্যকর্ম সম্পাদন করিতে হইবে তাহা সম্পাদন করিতে পারিবার নিমিক্ত তাঁহাদের যে সাহায্যের প্রয়োজন হয় জিলার ও গ্রাম্য পোলীস তাঁহাদিগকে দেই সাহায্য প্রদান করিবেন।
- ১৩। রেলওয়ে পোলীসের কর্ত্ব্যকর্ম।—রেলওয়ে পোলীসের আসিফান্ট ইন্স্পেট্টর জেনরল দিগকে জিলার পোলীসের সহিত সর্বান্তঃকরণে একযোগে কার্য্য করিতে আদেশ করা যাইতেছে। তাঁছারা এইরপা বন্দোবন্ড করিবেন যে, ট্রেন আসিয়া পঁছছিলেই রেলওয়ে পোলীস প্রেগাক্রান্ত স্থান হইতে আগত রাহীলোকদের নাম ও বাসস্থানের তালিকা প্রস্তুত করে। যে সকল টিকিট লওয়া হয় তাহার সহিত এই তালিকাগুলি মিলাইয়া দেখিবার পার টেশন পোলীসে পাঠাইয়া দেওয়া যাইবে। কোন রাহী ঠিক নাম বা ঠিক বাসস্থান বলে নাই এরপা সন্দেহ করিবার কারণ থাকিলে, সে যে নাম ও বাসস্থান বলিয়াছে তাহা সত্য কি না জানিবার জন্য ৭ বিধির লিখিত একজন চোকীদারকে তাহার সহিত পোঠান যাইবে। যে সকল বিধি রেলওয়ে ফেশনে পালিত হইবার জন্য নিদ্ধিট ইইয়াছে তদম্যায়ী ঠিক কিক কার্য্য ইইতেছে কি না ও কোন রাহী মধ্যবর্জী কোন ফেশনে নামিয়া নৃতন টিকিট লইয়া পারীক্ষা ও পারিদর্শন এড়াইতেছে কি না ইহা দেখিবার জন্য প্রত্যেক আসিফান্ট ইন্স্পেট্রর জেনরলের নিমিত্ব এরপা কয়েকজন লোক মঞ্জুর করা যাইবে যাহারা নিম্নত যাতায়াত করিয়া এই সকল বিষয়ে লক্ষ্য করিবে।
- ১৭। রেসওয়েতে ষাইতেং পথে নামা। —কোন রাহী প্লেগাক্রান্ত কোন স্থান হইতে আসিতেছে ইহা গোপন করিবার জন্য নৃতন টিকিট পাইবার অভিশ্রায়ে কোন মধ্যবন্তা ফেশনে নামিলে, রেলওয়ে পোলীস ভাহার নাম ও ভাহাকে যে নৃতন টিকিট দেওয়া হইল ভাহার নম্বর লিখিয়া লইবেন ও নীচের ফেশনে ঐ সম্বাদ পাগইয়া দিবেন। ভাহা হইলে ঐ ব্যক্তি নামিলেই ভাহাকে প্রিদর্শনাধীনে রাখা মাইতে পারিবে।
- ১৫। শ্রেগ কর্ত্পক্ষের কর্ত্র্বর্ক্য।—প্রবর্ত্তী বিধি অন্ন্সারে সন্থাদ পাইলেই কিন্তা যথমই শ্রেগ কর্তৃপক্ষ বাড়াতে গিয়া দেখা আবশ্যক বিবেচনা করেন তখনই তিনি লক্ষিত স্থানে যাইবেন, এবং যদি ঐ স্থান বাড়া কি বাসস্থান হয় এবং তিনি তথায় প্রবেশ করিতে চাহিলে উহার দথীলকারেরা তাঁহাকে তথায় প্রবেশ করিতে না দেয় ও তথাকার কোন ব্যক্তি শ্লেগাক্রান্ত হইয়াছে কি না ইহা নির্বয় করণার্থ তাঁহার যুক্তিযুক্তরূপ স্থবিধা করিয়া না দেয় তাহা হইলে ঐ কর্তৃপক্ষ ঐ বাড়ীবা উহার কোন অংশে বলপ্রক প্রবেশ করিতে পারিবেন এবং তথায় কোন ব্যক্তিকে প্রেগাক্রান্ত দেখা গোলে কিন্তা প্রেগাক্রান্ত বলিয়া সন্দেহ করা গোলে কিন্তা সে সন্তব্যত ( যথা কোন প্রেগাক্রান্ত রোগীর সহিত এক বাড়ীতে বাস করিবার দক্ষন) রোগের বীজা,প্রাপ্ত হইয়াছে বলিয়া তাঁহার বিবেচনা হইলে সেই ব্যক্তিকে ডাক্তর দিয়া পরিক্ষা করাইবার জন্য আটক রাখিতে পারিবেন। উক্ত প্রেগ কর্তৃপক্ষ স্থয়ং ডাক্তর না হইলে গর্হাকি বা কোন স্থানীয় কর্তৃপক্ষের চাকরীতে নিযুক্ত সর্ব্বাপেক্ষা নিকটপ্র ডাক্তরকে অবিসন্তে সন্থাদ পাঠাইবেন এবং ঐ ডাক্তর ঐ স্থানের জন্য প্রেগাকর্তৃপক্ষ নিযুক্ত হইয়া থাকুন বা না থাকুন ঐ লক্ষিত স্থানে আসিয়া রোগীকে পরীক্ষা করিতে ও ডাহার সন্থন্ধে রিপোট করিতে বাধ্য হইবেন। রোগী প্রেগাক্রান্ত বলিয়া প্রমাণ হইলে প্রেগ কর্তৃপক্ষ আপন বিবেচনামতে ৪৩ হইতে ৫২ পর্যন্ত বিধিগুলি যত দূর খাটে তত্ত্বর ঐ সকল বিবি অহ্নসারে কার্য্য করিতে পারিবেন।
- ১৬। প্লেগ কর্তৃপক্ষ প্রত্যেক ছলেই মৃত্যুর কারণ সন্ধন্ধে তদস্ত করাইতে পারিবেন এবং আপনার প্রতীতি না হংলে ঐ মৃত্যু প্লেগে মৃত্যু বলিয়া গণ্য করিতে পারিবেন।
- ১৭। প্লেগ কর্তৃপক্ষ বলিয়া এই সকল বিধি অম্পারে নিযুক্ত প্রত্যেক ডাক্তর যাহাদিগকে খুঁজিয়া বাহির করেন বা পূর্ববর্তী বিধির বিধানাম্পারে যাহাদের বিষয়ে সমাদ পান ভাহাদের সকলকেই

পরীক্ষা করিছে পারিবেন এবং যাহারা প্রেগাক্রান্ত হইয়াছে কিছা প্রেগাক্রান্ত বলিয়া তাঁহার সন্দেহ হয় যথাক্রমে সেইং ব্যক্তিদের থাকিবার জন্য জিলার মাজিক্রেট কিছা এতদর্থে জিলার মাজিক্রেট কর্তৃক বিশেষমতে নিযুক্ত কর্মচারী যে সকল স্থান নিরূপিত করেন সেই সেই স্থানে তাহাদিগকে আটক ও স্বতন্ত্র করিয়া রাখিতে পারিবেন। লোকদিগকে স্বতন্ত্র রাখিবার জন্য জিলার মাজিক্রেট কিছা এতদর্থে তাঁহাহইতে বিশেষমতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত কর্মচারী কোন খালি জায়গা বা বিল্ডিঙ্ অধিকার করিয়া তাহা দখলে রাখিতে পারিবেন। ৫৫ বিধি অনুসারে ক্ষতিপ্রণার্থ যে টাকা ধার্য্য হয় ঐ জায়গা বা বিল্ডিঙ্কর অধিকারী বা দখালকারকে ক্ষতিপ্রণার্থ সেই টাকা পরে দেওয়া যাইবে।

- ১৮। এই দকল বিধি অন্থদারে যে ভাক্তর প্লেগ কর্তৃপক্ষ বলিয়া নিযুক্ত হন তাঁহার যদি এরপ বিশ্বাদ করিবার কারণ থাকে যে, যে বিল্ডিঙ বা বাটী বসত বাটী স্বরূপ ব্যবহার করা হইতেছে কি বদত বাটী স্বরূপ ব্যবহার করিবার অভিপ্রায় আছে দেই বিল্ডিঙ বা বাটীতে কোন প্লেগাক্রান্ত ব্যক্তি আছেন কি ছিলেন কিছা তাঁহার যদি এরপ বোধ হয় যে ঐরপ কোন বিল্ডিঙ বা বাটী এরপ অস্বাস্থ্যকর অবস্থায় আছে যে তাহা মন্থ্যের বাদের অযোগ্য তাহা হইলে তিনি লিখিত আদেশ দিয়া ঐ বাটীর বসতবাটীস্বরূপ আর ব্যবহার হওয়া নিষেধ করিতে পারিবেন। ঐরপ নিষেধ করা গেলে উক্ত কর্মচারী যতদিন ঐ বাটী মন্থ্যের বাদের নিমিত্ত ব্যবহার করিবার জন্য আবার লিখিত অন্থতি না দেন ততদিন ঐ বাটীর কোন অধিকারী বা দখীলকার উহা মন্থ্যের বাদের নিমিত্ত ব্যবহার করিবেন না ও করিতে দিবেন না। এই বিধি জারি করিবার নিমিত্ত যদি কাহাকেও ঐ বাটী হইতে জোর করিয়া সরান আবশ্যক হয় উক্ত কর্ম্ব্রেরী তাহা করিতে পারিবেন।
- ১৯। এই সকল বিধি অন্ন্সারে থে ডাক্তর প্লেগ কর্তৃপক্ষ বলিয়া নিযুক্ত হন তিনি যদি এরপ বিবেচনা করেন যে, যে প্রামে বুবনিক প্লেগের প্রাত্তিবি ইইয়াছে সেই প্রামের লোকদিগকে ৫০ বিধিতে যে রকম বলা গিয়াছে সেই রকমে প্রাম হইতে দুরে প্রিত কোন স্থানে কিছু কালের নিমিত্ত রাখা আবশ্যক তাহা ইইলে তিনি জিলার মাজিস্টেটের নিকট ঐ মর্মে রিপোর্ট করিবেন এবং ঐ মাজিস্টেট প্র প্রামের লোকদিগকে তদন্সারে বাটী ছাড়িয়া যাইতে আদেশ করিতে পারিবেন। এইরপ স্থলে ঐ সকল বাটী সম্পূর্ণরূপে দোযশূন্য করা ইইয়াছে বলিয়া যতদিন কোন ডাক্তর সার্টিকিকেট না দেন ততদিন বাটাগুলি পুনরায় দখল করিতে পারা যাইবে না।
- ২০। কোন আমে প্লেগ দেখা দিলে যতদিন রোগ সম্পূর্ণরূপে অদৃশ্য না হয় ততদিন চারি পাশের আমের লোকদিগকে এই বলিয়া সতর্ক করিয়া দিতে হইবে, তাহারা যেন দৃষিত গ্রামের সহিত কোন সংঅব না রাখেন।
- ২১। সর্বসাধারণের কর্ত্তব্যের কথা।—কোন প্লেগ কর্ত্তৃপক্ষ কোন ব্যক্তিকে স্বতন্ত্র থাকিবার নিমিত্ত কিম্বা তাঁহার বাটা কি কাপড় চোপড় আসবাব প্রভৃতি দোষশূন্য করিবার নিমিত্ত আদেশ করিলে কিম্বা এই সকল বিধির মধ্যে পড়ে এমন অপর কোন বিষয় সম্বন্ধে কোন আদেশ করিলে ঐ ব্যক্তি যথারীতি সেই আদেশ পালন করিবেন।

# তৃতীয় ভাগ। —মুনিদিপাল টোন ও কাউনমেউ দদন্ধীয় বিধি।

২২। নিম্নলিখিত বিধিগুলি প্রত্যেক মুনিসিপালিটী এবং কান্টনমেন্ট সম্বন্ধে খাটিবে। ২৬ ছইতে ৪২ পর্যন্ত বিধি এবং ৫৫ ছইতে ৫৭ পর্যান্ত বিধি এবং বেসরকারী হাঁস্পাতাল ও ক্যাম্প স্থাপন সম্বন্ধে প্রস্তাবাদি প্রস্তুত করণের সহিত এবং স্থলভেদে প্লেগ কমিশন কিম্বা হেল্থ আপিসর কর্তৃক ঐ প্রস্তাবাদি মঞ্চুর হওনের সহিত ৪৬ বিধির যতদূর সম্পর্ক থাকে ততদূর পর্যান্ত ঐ বিধি অবিলম্বে আমলে আদিবে। ঐ সকল বিধি অবিলম্বে জিলার চলিত ভাষায় তরজমা করিয়া জিলার মাজিস্টেটের, কান্টনমেন্টের কর্তৃপক্ষের এবং মুনিসিপাল কমিশনরদের আপিসে রাখা থাইবে এবং উহার এক এক খণ্ড ঐ সকল আপিসের এবং জিলার মাজিস্টেট, কান্টনমেন্টের কর্তৃপক্ষ এবং কলিকাতার কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান্ অপর যে২ প্রকাশ্য স্থানের কথা বলেন সেই সেই প্রকাশ্য স্থানের এমন জায়গায় লটকাইয়া রাখিতে ছইবে যে সকলে উহা দেখিতে পায়, এবং মুনিসিপালিটা বা কান্টনমেন্টের সক্ষার চেঁডুরা দিয়া এই কথা প্রকাশ্যরূপে ঘোষণা করা ঘাইবে যে ঐ সকল বিধির এক খণ্ড নকল ঐন্ধপে লটকাইয়া দেওয়া হইয়াছে এবং আসল বিধি মুনিসিপাল কমিশনরদের কিয়া কান্টনমেন্টের কর্তৃপক্ষের কাপানে দেখিতে পাওয়া যাইবে। যে মাত্র জিলার মাজিস্টেটের কিয়া কান্টনমেন্টের কর্তৃপক্ষের কিয়া কলিকাতা হইলে কর্পোরেশনের চেয়ারম্যানের এইরূপে প্রতীতি হয় যে কোন মুনিসিপালিটা কিয়া কান্টনমেন্টের মধ্যে কোন ব্যক্তির প্রেগ হইয়াছে বে সেখন হইতে রোগ সহস্তেই ঐ মুনিসিপালিটাতে বা কান্টনমেন্টে যাইতে পারে তংকণ ও বাক্ত

বিধিগুলি ঐ মুনিদিপালিটী বা কার্টনমেন্টে আমলে আদিবে। যখনই এইরূপ ঘটিকে ভখনই উপরের লিখিত প্রণালীতে বিধিগুলি প্রকাশিত করিতে হইবে।

- ২৩। হেল্থ আপিসর বলিতে কাছাকে ব্ঝাইবে সেই কথা।—নিদ্নলিখিত বিধিতে "হেল্থ আপিসর" বলিতে জিলার সিবিল সার্জনকে ব্ঝাইবে এবং সিবিল মেডিকেল আপিসর, কোন কান্তন-মেন্টের ভারপ্রাপ্ত মিলিটরি মেডিকল আপিসর, কোন জিলা, মহকুমা বা মুনিসিপাল ডিপ্পেনসরির চিকিৎসা কার্য্যের ভারপ্রাপ্ত আসিস্টান্ট সার্জন এবং জিলার মাজিস্টেট কর্ত্ব ২৪ বিধি অভ্নারে নিযুক্ত ডাক্তরকেও ব্ঝাইবে। কলিকাতায় হেল্থ আপিসর বলিতে কলিকাতার ছেল্থ আপিসরকে ব্ঝাইবে এবং কোন আসিস্টান্ট হেল্থ আপিসরকেও ব্ঝাইবে।
- ২৪। হেল্থ আপিদরের নিয়োগের কথা।—যে সকল মুনিসিপালিটী বা কান্টনমেন্টে প্লেগ হইবার আশক্ষা আছে জিলার মাজিন্টেট কমিশনরের সাধারণ উপদেশের অধীনে সেই সেই জিলায় ও কান্টনমেন্টে তাঁহার (জিলার মাজিন্টেটের) সাধারণ উপদেশাহ্লদারে প্লেগের প্রচার নিবারণার্থ সকল প্রকার উপায় স্থির করিবার এবং তদহুসারে কার্য্য করিবার নিমিন্ত নাম ধরিয়া বা পদের উল্লেখ করিয়া হেল্থ আপিসর নিযুক্ত করিতে পারিবেন এবং তাঁহার বেতন নির্দারণ করিতে পারিবেন। ঐ হেল্থ আপিসরের কর্ত্ব্যকর্ম সম্পাদনে সাহায্য করিবার নিমিন্ত তিনি যেরপে অধন্তন কর্ম্মচারির দল নিযুক্ত করা আবশ্যক বিবেচনা করেন সেইরপ অধন্তন কর্ম্মচারির দলও নিযুক্ত করিতে পারিবেন এবং তাঁহাদের বেতন নির্দারণ কবিতে পারিবেন। এই বিধি অহ্নসারে কার্য্য করিবার নিমিন্ত জিলার মাজিন্টেট কতকন্তালি মুনিসিপালিটী ও কান্টনমেন্ট একত্রে লইয়া তাহাদের গুলাকা ভুক্ত সমন্ত স্থানের নিমিন্ত এক জন হেল্থ আপিসর ও অধন্তন কর্মচারির একটা দল নিযুক্ত করিতে পারিবেন। কলিকাতায় কর্পো-রেশনের চেয়ারম্যান স্থানীয় গ্রন্মেন্টের উপদেশাধীনে এই সকল ক্ষমতার পরিচালন করিবেন।
- ২৫। রেলওয়ে টেশনে টোন পোলাসের কর্ত্তরকর্মের কথা।—কোন রেলওয়ে টেশন কোন মুনিসিপালিটার সীমার ভিতরে কি নিকটে থাকিলে রেলওয়ে পোলাস টোন পোলাসের সহিত এক যোগে টেন পৌছিলে তাহার নিকটে থাকিবার এবং দুখিত স্থান হইতে আগত যে সকল রাহী নামেন তাঁহাদিগের নাম ও বাসস্থানের তালিকা প্রস্তুত করিবার বন্দোবস্ত করিবেন। যে সকল টিকিট জড় করা হয় তাহার সহিত এই তালিকা মিলাইয়া টোনের পোলাস ফেশনে পাঠাইতে হইবে। কোন রাহী নাম ও বাসপ্থান মিথা করিয়া বলিয়াছেন এরপ সন্দেহ হইলে তাঁহার কথার সত্যাসত্য নির্বাধি টোন পোলীসের যে সকল লোক তথায় উপস্থিত থাকেন তাঁহাদের একজনকে তাঁহার সঙ্গে পাঠান হইবে।
- ২৬। দুযিত স্থান হইতে লোক আসিলে টোন পোলীসের তাহা রিপোর্ট করিবার এবং তাহাদিগকে পরিদর্শনাধানে রাখিবার কথা।—দেশের যে সকল অংশ বুবনিক প্লেগাক্রান্ত হইরাছে সেই সকল
  অংশ হইতে আসিয়া যে সকল লোক টোন পোলীসের বিটের সীমার মধ্যে কিছুকালের নিমিত্ত বা
  দ্বায়ীরূপে বাস করেন টোন পোলাসকে অবিলয়ে তাঁহাদের প্রত্যেকের নাম পোলীস ফেশনে রিপোর্ট
  করিতে হইবে। সমস্ত টোন পোলাস ফেশনে যে বিশেষ তালিকা বা লিফি রাখিতে হইবে তাহাতে
  এইরূপে যে সকল নাম পাওয়া যায় তাহা এবং প্রবেত্ত্রী বিধিতে যে সকল নামের উল্লেখ করা গেল
  তাহা লিখিয়া লিখিবার তারিখ শুদ্ধ লিখিতে হইবে। এই বিশেষ তালিকার বা লিফির একখানি
  নকল জিলার কিছা কান্টনমেন্টের মাজিফ্রেটের নিকট এবং হেল্থ আপিসরের নিকট পাঠাইতে
  হইবে এবং সমস্ত নৃতন নাম তাহাদিগকে অবিলয়ে জানাইতে হইবে। যে সকল ব্যক্তির নাম
  বিশেষ তালিকায় লেখা হয় তাহাদিগের আগ্লমনের তারিখ হইতে দশ দিন কাল অতীত না হওয়া
  পর্যান্ত টোন পোলাসের তাহাদের স্বান্থ্য সমন্ত্র দৈনিক রিপোর্ট দাখিল করিতে হইবে। কলিকাতায় ঐ
  তালিকা ও রিপোর্ট পোলীসের কমিশনর সাহেব ও হেল্থ আপিসরের নিকট পাঠাইতে হইবে।
- ২৭। দূষিত স্থান হইতে আগত রাহীরা পথিমধ্যে থামিয়া নূতন টিকিট লইলে রেলওয়ে পোলীদের কর্ত্তব্যক্ষী।—কোন দূষিত শ্বান হইতে আগত কোন রাহী ঐরপ স্থান হইতে আসিয়াছেন ইহা লুকাইবার অভিপ্রায়ে নূতন টিকিট লইবার নিমিন্ত কোন মধ্যবর্তী ফৌশনে নামিলে রেলওয়ে পোলীস তাঁহার নাম এবং যে নূতন টিকিট দেওয়া হইল তাহার নম্বর লিখিয়া লইবেন এবং ঐ রাহা ট্রেন হইতে নামিলে যাহাতে তাঁহাকে পরিদর্শনের অধানে রাখিতে পারা যায় ভদ্মিত্তি ঐ সংবাদ ঐ রেলওয়ে লাইনের নীচের ফৌশনে পাঠাইবেন।
- ২৮। কোন ব্যক্তির বুবনিক প্লেগ ইইলে কিম্বা ঐ রোগে মৃত্যু ইইলে টোন পোলীদের তাহা রিপোর্ট করিতে ইইবে।—কোন টোন পোলীদ ফেশনের ভারপ্রাপ্ত কর্মচারী কোন ব্যক্তির বুবনিক প্লেগ ইইবার কিম্বা ঐ রোগে মৃত্যু ইইবার সংবাদ পাইলে অবিলম্পে দেই কথা জিলার বা কার্টনমেন্টের মাজিফ্টেটের নিক্ট রিপোর্ট করিবেন এবং ডিফ্টিট্ট স্থপারিন্টেণ্ডেট এবং মাজিফ্টেটের অবগতির নিমিত্ত ঐ কথা ফেশনের

রোজনামচায় লাল সেছাইতে লিখিবেন। কলিকাতায় পোলীসের কমিশনর এবং ছেল্থ আপিসরের নিকট ঐরপ রিপোর্ট করিতে হইবে।

- ২১। অন্যপ্রকারে বিশেষ ক্ষমতা প্রদন্ত না হইলে টোন পোলীদের কেবল রিপোর্টই করিতে ইইবে। শাসন সংক্রান্ত কিয়া স্বাস্থ্য সংক্রান্ত কর্তৃপক্ষের লিখিত আদেশাস্ত্রসারে ভিন্ন অন্য কোন প্রকারে কোন পোলীস কর্মচারী পীড়া বা মৃত্যুর কথা রিপোর্ট করা ছাড়া এই ভাগের বিধি অন্ত্রসারে আর কোন বার্য্য করিবেন না। বাড়ীর কর্ত্ত দেখিতে চাহিলে তিনি ঐ আদেশ দেখাইতে বাধ্য।
- ৩০। মাজিস্টেটের এবং বছ বছ পোলাসের কর্মচারীদের তত্ত্বাবধান করিতে হইবে।—মাজি-স্টেট এবং পোলীসের বজ বছ কর্মচারীদিগকে স্বয়ং ঘন ঘন পরিদর্শন করিয়া দেখিতে হইবে যে, উপরি-লিখিত যে সকল বিধিতে পোলীসের কর্তব্যকর্ম নির্দ্দিট হইয়াছে তদস্পারে কড়াকড়ি রকমে কার্য্য করা হইতেছে কি না।
- ৩১। হেল্থ আপিসরকে পোলীসের সাহায্য করিতে হইবে।—এই বিজ্ঞাপনের লিখিত বিধি অভুসারে কার্য্য করণার্থ হেল্থ আপিসর যেরূপ সাহায্য আবশ্যক বিবেচনা করেন পোলীসের সমস্ত কর্মচারির তাঁহাকে সেইরূপ সাহায্য করিতে হইবে। কলিকাভায় কর্পোরেশনের চেয়ারম্যানের প্রার্থন। জনে পোলীসের কমিশনর ঐরূপ সাহায্য করিবেন।
- ৩২। পরিদর্শন কমিটী।—হেল্থ শাপিসরের এই সকল বিধি অন্ন্যায়ী কর্ত্তবর্কের্ম সম্পাদনে তাঁহাকে সাহায্য করিবার নিমিন্ত জিলার বা কান্টনমেন্টের মাজিয়েটি প্রতি মুনিসিপালিটী ও কান্টনমেন্ট পরিদর্শন কমিটী নিযুক্ত করিতে পারিবেন। প্রত্যেক কমিটীতে সাধারণতঃ মুনিসিপালিটীর প্রত্যেক ওয়ার্ডের নিমিন্ত কিয়া কান্টনমেন্টের কোন নিদ্ধিন্ট অংশের নিমিন্ত চারিজন করিয়া সভ্য গাকিবেন। তাঁহাদের গুইজন হিন্দু এবং গুইজন মুসলমান হইবেন। হেল্থ আপিসর যখন পরিদর্শনার্থ ঘুরিবেন তখন তাঁহার সঙ্গে সঙ্গে যাওয়া, স্বাস্থারক্ষার নিমিত্ত যে সকল উপায় অবলম্বন করা হয় তাহার প্রয়োজনীয়তা বুঝাইয়া দেওয়া, ঐ গুলি কার্য্যে পরিণত করণে সাহায্য করা এবং যে সকল অভিযোগ করা হয় তাহা এবং ক্ষমতার যে সকল অপব্যবহারের কথা জানিতে পারেন তাহা রিপোন্ট করা ঐ সকল সন্ত্যের প্রধান কর্ত্তব্যকর্ম হইবে। সন্তব্ হইলে প্রত্যেক কমিটার হিন্দুসভ্যদের মধ্যে অন্তওঃ একঙ্কন এবং মুসলমান সভ্যদের মধ্যে অন্তওঃ একজন চিকিৎসাব্যবসায়ী থাকিবেন। কলিকাতায় কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান পোলীদের কমিশনরের সহিত পরামর্শ করিয়া কমিটা নিযুক্ত করিতে পারিবেন। যে সকল স্থানে অবিবাদীদের মধ্যে বৃত্তসংখ্যক বাজি হিন্দু বা মুসলমান নহেন সেই সকল স্থানে যে ওয়ার্ডে যে সকল জাতির ও ধর্মের লোকদিগের সম্বন্ধে বিধিগুলি প্রধানতঃ খাটিবে সম্ভব হইলে সেই ওয়ার্ডের কমিটাতে সেই জাতিব ও ধর্মের প্রতিনিধি থাকিবে।
- ৩৩। স্বাস্থ্য সংক্রান্ত সাধারণ সভর্কতা। –কোন মুনিসিপালিটা বা কাণ্টনমেণ্টে জিলার মাজি-স্ফেট কিম্বা তাঁহার নিকট হইতে এই বিষয়ে ক্ষমতা প্রাপ্ত কোন মাজিফ্টেট কিম্বা কান্টনমেন্টের মাজিফ্টেট এইরূপ সাধারণ আদেশ প্রচার করিতে পারিবেন যে কোন নির্দ্দিউ স্থানে কোন নির্দ্দিউ তারিখের মধ্যে স্বাস্থ্য রক্ষার্থ কয়েকটী সামান্য সাধান্য সভকভার কার্য্য করা যাইবে যথা, বাড়ার কলিফিরান, পায়খানা পরিষ্ণার করা, ময়লা এব জ্ঞাল সরাইয়া ফেলা এবং যে সকল প্রাচীরাদিতে আলো আসার ও বাতাস খেলার ব্যাঘাত হয় সেই সকল প্রাচীরাদি সবাইয়া ফেলা। এবং উক্ত স্থান নিবাসী সকল ব্যক্তি ঐ সকল আদেশ পালন করিতে বাধ্য হইবে। কলিকাতায় কর্পেরেশনের চেয়ার্য্যান এই সকল ক্ষমতার পরিচালন করিবেন। ঐ সকল ব্যক্তি ঐ সময়ের মধ্যে হুটিদের নির্দ্দিষ্ট কার্য্যাদি সম্পন্ন না করিলে হেল্থ আপিদর জিলার কিপা কাউনমেন্টের মাজিস্টেটের মঞ্জুরি লইয়া এবং কলিকাতঃ হইলে কর্পোরেশনের চেয়ারমণনের মঞ্জুরি ল<sup>ং</sup>য়া অবস্থান্নসারে আপনার অভিপ্রায়ের যেরূপ ন্নটিস দেওয়া তাবশ্যক বোধ করেন সেইরূপ ত্রিদ দিবার পর স্থোদিয় এবং সুর্যান্তের মধ্যে যে কোন সময়ে ঐ সকল প্রেমিদে প্রবেশ করিয়া উপরিলিখিত কাষ্য সকল করিতে পারিবেন। কিন্তু দেশের প্রচলিত রীতি অনুসারে যে জীলোক সন্দাস্থারণের সম্মুখে বাহির হন না, কোন বাড়ার কোন মহাল সেই স্ত্রীলোকের দখলে থাকিলে হেল থ আপিদর অন্ততঃ এক দন্ট। পূর্ব্বে ঐ মহালে প্রবেশ করিবার অভিপ্রায়ের মুটিস দিবেন এবং তিনি ঐ মহালের যে অংশে প্রবেশ করিতে ইচ্ছা করেন সেই অংশ হইতে সরিয়া যাইবার নিমিত্ত ঐ স্ত্রালোকের সারপ্রকার যুক্তিসম্পত স্থবিধা করিয়া দিবেন। যে খরচা হয় ভাহা জিলার মাজিস্টেটের বিবেচনায় এবং কলিকাতা হইলে কর্পোরেশনের চেয়ারম্যানের বিবেচনায় র্যাহাদিগকে ন্যায্যভাবে দায়ী বলিয়া ধরা যাইতে **পারে তাঁ**হাদিগের নিকট হইতে বঙ্গদেশের মুনিসিপালিটা বিষয়ক ১৮৮৪ সালের আইনের ১২০ হইতে ১২৯ পর্য্যন্ত ধারায় যে প্রকারে খরচা আদায় করিবার বিধনে করা হইয়াছে সেই প্রকারে কিদা স্থলভেদে কলিকাতার মুনিসিপাল আইন সংগ্রাহকরণ বিষয়ক ১৮৮৮ সালের আইনের ৬ অধ্যায়শমুযায়ী রেটস্থরূপ আদায় করা যাইতে পারিবে।

৩৪। অস্বাস্থ্যকর বাটী ও চালা ঘরের বক।—যদি কোন প্রেমিস বা চালা ঘরের বুক এরপ অস্বাস্থ্যকর অবস্থায় থাকে যে হেল্থ আপিদরের মতে তাহার অধিবাদীগণের বুবনিক প্লেগাক্রান্ত হওয়ার বিশেষ সম্ভাবনা, তাহা হইলে ভিনি ঐ প্রেমিসের বা বুকের অধিকারীকে হুটিস দিয়া ভাহার সমস্তটা বা কতকাংশ নির্দ্দিউ সময়ের মধ্যে 🖁পরিকার করিতে আদেশ করিবেন। হেল্থ আপিসর যে প্রকারে পরিক্ষার করা আবশ্যক মনে করিবেন সেই প্রকারে পরিক্ষার করিতে হইবে। প্রয়োজন বোধ করিলে হেলথ আপিসর কোন উপযুক্ত ইঞ্জিনিয়ারের সহিত পরামর্শ করিয়া বায়ু ও আলোকের পথ রোধ করিতেছে এরপ গাঁথনি, ব্যবধান প্রাচার বা বাটার দেয়ালের অংশ ভাঙ্গিয়া ফেলিতে অধিকারীকে আদেশ করিতে পারিবেন। অধিকারী যদি নিদিষ্ট সময়ের মধ্যে ভুটিদের লিখিত কার্য্য না করেন. তাহা হইলে হেল্থ আশিসর, ডিফ্রিক্ট মাজিফ্রেট, কান্টনমেন্ট মাজিফ্রেট, অথবা, কলিকাভায় হইলে,কর্পোরেশনের চেয়ার্মানের অন্নমতি লইয়া সূর্য্যাদয় ও সূর্য্যান্তের মধ্যে যে কোন সময়ে ঐ প্রেমিসে প্রবেশ করিবেন ও প্রেকালিখিত সমুদায় কার্য্য সম্পাদন করিবেন। তবে প্রেমিসে প্রবেশ করিবার প্রকো তিনি অবস্থা বিবেচনায় যেরূপা ভুটিস যুক্তিযুক্ত মনে করেন সেইরূপ ন্রটিস দিয়া অধিকারীকে নিজের অভিপ্রায় জানাইবেন। এদেশের প্রচলিত রীতি অন্নসারে সাধারণের সন্মুখে বাহির হন না এরপ কোন জীলোক কোন মহলে বাস করিভেছেন এরপ হইলে, হেল্থ আপিসর সেই মহলে প্রবেশ করিবার অভিপ্রায় জানাইয়। অন্ততঃ এক ঘন্টার স্লটিস দিবেন এবং তিনি মহলের যে অংশে প্রবেশ করিতে ইচ্ছা করেন দেই অংশ হইতে ঐ স্ত্রালোক ধাহাতে বাহির হইয়া ঘাইতে পারেন তাঁহাকে এরূপ সমস্ত যুক্তিযুক্ত স্থবিধা প্রদান করিবেন। এই সকল কার্য্য করিতে যে খুরচ হইবে তাহা ১৮৮৪ সালের বঞ্চীয় মুনিসিপাল আইনের ১২০ হইতে ১২১ ধারার উল্লিখিত প্রকারে অথবা কলিকাতার মুনিসিপাল আইন সংগ্রহকরণ বিষয়ক ১৮৮৮ সালের আইনের ষষ্ঠ অধ্যায়ের অধীনে রেট বলিয়া আদায় হইতে পারিবে। অধিকারার নিকট হইতে অথবা ডিফ্রিক্ট মাজিষ্টেট কিল্লা, কলিকাতার হইলে, কর্পোরেশনের চেমার্থগনের মতে যিনি খরচের জন্য দায়া তাঁহার নিকট হইতে এই খরচ আদায় করা যাইতে পারিবে।

৩৫। অত্যধিক দংখাক লোকপূর্ব বসতবাটা।—সদি কোন বাটাতে এত অধিক দংখ্যক লোক বাদ করে যে হেল্প আপিদরের মতে উহার অধিবাদাগণের প্রনিক প্লেগাক্সান্ত হইবার বিশেষ সন্তাবনা, তাহা হইলে ডিফ্টিকু মাজিন্টেট, কান্টনমেন্ট মাজিক্টেট, অথবা, কলিকাতায় হইলে, কর্পোরেশনের চেয়ারমান দকলে দেখিতে পায় ঐ বাটার এরপ স্থানে হাটদ মারিয়া অধিকারা কিদ্ধা দখালকার যদি বসতবাটীতে এক্ষতপক্ষে বাদ করিতেছেন এর শ হয় তবে তাহাকে, কিদ্ধা ঐ বসতবাটীর প্রজাবাদ্যকে আদেশ করিবেন থেন হাটদের লেখামত ২৪ ঘন্টার মধ্যে উক্ত বসতবাটীর প্রজাবা অপার অধিবাদার সংখ্যা কমাইয়া বাটার ভিড় কমাইয়া দেন অথবা বাটা একেবারে খালি করেন। হাটদের লিখিত আদেশ অনুদারে কাম্য না হইলে ডিফ্টিকু মাজিক্টেট, কান্টনমেন্ট মাজিক্টেট, অথবা, কলিকাতায় হইলে দ্বনিস্পালিটার চেয়ার্যানে বাটার দকল অধিবাদাকেই আপান ক্ষমতায় বাহির করিয়া দিতে পারিবেন ক্ষ। কেরপ প্রকারে ও যে পরিমাণে আবশ্যক বোধ হয় সেই প্রকারে ও দেই পরিমাণে অধিবাদীরে সংখ্যা ক্যাইয়া দিতে পারিবেন। যে সকল অধিবাদীকে এইরপে বাহির করিয়া দেওয়া হইবে আবশ্যক হইলে তাহাদিগকৈ কিছু কালের জন্য বাসস্থানের যোগাড় করিয়া দিতে হইবে।

৩৬। নেকজা কুজান নিষেধ।—মুনিসিপালিটা বা কান্টনমেন্টের চাকর ছাড়া আর কেহ রাজ্ঞা বা আরু কোন খান হইতে নেকড়া বা আরু কোন আবর্জ্জনা কুড়াইতে পারিবে না। এবং হেল্থ আপিসর যে সকল নিয়ম নির্দেশ করেন সেই সকল নিয়মান্সারে ভিন্ন অন্য কোন রকমে নেকড়া বা অন্য কোন আবর্জ্জনা এক স্থান হইতে অন্য স্থানে লইয়া ঘাইতে পারা ঘাইবে না। কেহ রাজ্ঞায় বা অন্য কোন স্থানে নেকড়া বা অন্য কোন আবর্জ্জনা কুড়াইলে পোলাসকর্তৃক ধ্বত হইতে পারিবে। ঘাহারা নেকড়া কুড়ায় ভাহাদের বাটাতে বা নেকড়া রাখিবার স্থানে যে নেকড়া থাকে ডিফ্রিক্ট মাজিফ্রেট, কান্টনমেন্ট মাজিফ্রেট অথবা, কলিকাভায় হইলে, কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান ভাহা দোষশ্ন্য করিতে বা আপন বিবেচনামতে মন্ট কারতে পারিবেন।

৩৭। ইাস্পাতালের ব্যবস্থা। হেল্থ আপিসর যে ছান উপযুক্ত বিবেচনা করেন ডিট্রিকু মাজিকেট, কান্টনমেন্ট মাজিকেট, অথবা কলিকাতায় হইলে, কপোরেশনের চেয়ারম্যানের পক্ষে প্রোগালান্ত রোগীদিগকে স্বতন্ত্র করিয়া রাখিবার জান্য তথায় কোন হান বাছিয়া লইয়া তাছাতে হাস্পাতাল নির্মাণ করা বা পজার স্থান নয় এরূপ যে কোন বাটা হাস্পাতালরূপে পরিণত করা আইন সঙ্গত কার্য হইবে। এরূপ হাস্পাতালে জালোকদিগের সামাজিক অবস্থাদি বিবেচনায় থাকিবার স্বতন্ত্র ও যথোপযুক্ত বন্দোবস্ত করিতে হইবে। যতদিন এ স্থান বা বাটা ডিট্রিকু মাজিকেট কান্টনমেন্ট মাজিক্টেট

বা চেয়ারম্যানের দখলে থাকিবে ততদিন উহার অধিকারী বা পাট্টাদার তাঁহার কাছে যুক্তিযুক্ত ভাড়ার বেশী কিছু দাবী করিতে পারিবেন না। বাড়ী ছাড়িয়া দিবার পুর্বের মাজিন্ট্রেট, কাউনমেউ মাজিন্টেট অথবা চেয়ারম্যান উহার ভিতর ও বাহিরভাগ সম্পূর্ণরূপে পরিষ্কৃত ও দোষশ্ব্য করাইবেন।

- ৮০০০ থাকিবার স্থানের বন্দোবস্ত ।— প্লেগাজান্ত হইয়াছে বলিয়া যাহাদিগকে সন্দেহ করা যায় তাহাদিগকে স্বতন্ত্র করিয়া রাখিবার জন্য, কিয়া এই সকল ব্যবস্থান্থপারে যাহাদিগকে বাটী ছাড়িতে বাধ্য করা হইয়াছে তাহাদের বাসের জন্য কোন স্থান বাছিয়া লইয়া তাহাতে বাসন্থান নির্মাণ করা বা প্জার স্থান নয় এরপ যে কোন বাটী বাসন্থান রপে পরিণত করা ডিফ্টিকু মাজিট্রেট, কান্টনমেন্ট মাজিট্রেট, অথবা, কলিকাতায় হইলে, মুনিসিপালিটীর চেয়ারম্যানের পক্ষে আইনসঙ্গত কার্য্য হইবে। যতদিন ঐ স্থান বা বাটী ডিফ্টিকু মাজিট্রেট, কান্টনমেন্টের কর্ত্পক্ষ বা চেয়ারম্যানের দখলে থাকিবে তত দিন উহার অধিকারী বা পাট্যাদার যুক্তিযুক্ত ভাড়ার বেশী কিছু দাবী করিতে পারিবেন না। বাটী ছাড়িয়া দিবার পূর্ব্বে মাজিট্রেট, কান্টনমেন্ট মাজিট্রেট বা চেয়ারম্যান উহার ভিতর ও বাহির ভাগ সম্পূর্ণরূপে পরিক্ষত ও দোষশূন্য করাইবেন।
- ৩৯। ক্যাক্টরি হইতে রিপোর্ট।—ব্বনিক প্লেগাক্রান্ত হইয়াছে বলিয়া ব্যক্ত হওয়া স্থান হইতে আগত কোন লোককে কার্য্যে নিযুক্ত করিবার সময় প্রত্যেক ক্যাক্টরির দখীলকারকে ঐ কথা এবং নিযুক্ত ব্যক্তির নাম ও বাসস্থান জিলার মাজিক্টেটকে লিখিয়া রিপোর্ট করিতে হইবে। কলিকাতায় ঐরপ রিপোর্ট কর্পোরেশনের চেয়ারম্যানের নিকট করিতে হইবে।
- এই বিধিতে উল্লিখিত ' ফ্যাক্টরি " অর্থে এক্লপ কোন বাটী বুঝাইবে যেখানে কোন দ্রব্য বা দ্রব্যের অংশ প্রস্তুত বা পরিবর্ত্তিত বা মেরামত বা ভূষিত বা সম্পূর্ণ বা প্রকারান্তরে ব্যবহারের বা বিক্রমের উপযোগী করণের কিন্না তদান্ত্যজ্ঞিক কোন কার্য্য চালান হয় এবং যেখানে তদ্রূপ কার্য্যের সাহায্যার্থ বাষ্পা, জল বা তন্য কোন যন্ত্রচালক শক্তির ব্যবহার হয়।
- ৪০। বাটী ওয়ালা কর্ত্ব রিপোর্ট।—যদি কোন বাটীতে কোন লোকের হঠাৎ দ্বুর হয় এবং দ্বুরের সহিত গলা, বগল বা কুঁ চ্কির বীচি ফুলিয়া উঠে, কালী থাকে. বুকে বেদনা বা চাপ অহুভূত হয় বা রোগী প্রলাপ বকিতে থাকে তাহা হইলে, অথবা এইরপ দ্বুরে বা এইরপ কোন লক্ষণ যুক্ত হইয়া যদি রোগার মৃত্যু হয়, তাহা হইলে ঐ বাটীর অধিকারী বা অধিকারী না থাকিলে ঐ বাটীর দখীলকার অথবা যে ব্যক্তি ঐ বাটীর বা উহার কোন অংশের ভাড়া আদায় করেন তিনি তৎক্ষণাৎ সর্ব্বাপেক্ষা নিকটছ থানায় ঐরপ পীড়ার বা মৃত্যুর রিপোর্ট করিবেন। কলিকাতার মুনিদিপাল আইন সংগ্রহকরণ বিষয়ক ১৮৮৮ সালের আইনের ১৮৬ ধারা অহুসারে বাটীতে মৃত্যু হইলে যে ব্যক্তি তাহার সংবাদ দিতে বাধ্যু, কলিকাতায় হইলে, তাহাকে হেল্থ আপিসরের নিকট বা সর্ব্বাপেক্ষা নিকটছ থানায় রিপোর্ট করিতে হইবে।
- 8)। বুবনিক প্লেগাক্রান্ত বলিয়া ব্যক্ত হইয়াছে এমন কোন স্থান হইতে আগত কোন লোক কোন বাটীতে আছেন বা ছিলেন এরূপ হইলে ঐ বাটীর অধিকারী বা অধিকারী তথায় না থাকিলে, যে ব্যক্তি ঐ বাটীর বা উহার কোন অংশের ভাড়া আদায় করেন তিনি (১) এইরূপ বাটীতে কোন লোকের কোন পীড়া হইলে ভাহা প্রকাশ হইবামাত্র অথবা (২) তথায় কোন লোকের মৃত্যু হইলে মৃত্যু ঘটিবামাত্র সর্বাপেক্ষা নিকট স্থ থানায় রিপোর্ট করিবেন। যে ব্যক্তি কলিকাতার মুনিদিপাল আইন সংগ্রহকরণ বিষয়ক ১৮৮৮ সালের আইনের ১৮৬ ধারা অহ্নসারে বাটীতে মৃত্যু হইলে যে ব্যক্তি ভাহার সংবাদ দিতে বাধ্যু কলিকাতায় হইলে, তাহাকে হেল্থ আপিসরের নিকট বা সর্বাপেক্ষা নিকট স্থানায় রিপোর্ট করিতে হইবে।
- 8২। চিকিৎসক কর্ত্বক রিপোর্ট ।— যদি কোন চিকিৎসক কোন বাটীতে এৰূপ কোন পীড়ার চিকিৎসা করেন যাহা ব্বনিক প্লোগ বলিয়া বিবেচনা করিবার তাঁহার হেতু আছে তাহা হইলে তিনি তৎক্ষণাৎ সর্বাপেক্ষা নিকটপ্ত থানায় ঐ পীড়ার রিপোর্ট করিবেন। কলিকাতায় হেল্থ আপিসরের নিকট ঐ রিপোর্ট করিতে হইবে।
- ৪৩। বাটী ওয়ালা কর্তৃক সংক্রামক দোষনাশকরণ, পরিক্ষারকরণ প্রস্কৃতি।—যে কোন বাটীতে প্লেগ হইয়াছে তাহার অধিকারী ও দখীলকার এবং দেই বাটীতে বাস করে এমন কোন পরিবারের কর্তা বাটী পরিক্ষার ও দোষশূন্য করা, বিছানা কাপড় চোপড় ও এইরূপ প্রকারের অন্য কোন মব্য নই করা বা দোষশূন্য করা, প্রেমিসের স্বাস্থ্য সম্বন্ধীয় অবস্থার উন্নতি করা, উপথুক্ত 'ইঞ্জিনিয়ারের সহিত পরামর্শ করিয়া বায়ু ও আলোকের গমনাগমনের পাগ রোধ করিতেছে এরূপ ব্যবধান, প্রাচীর বা বাটীর দেয়ালের অংশ ভাঁকিয়া কেলা এবং অন্য কোন স্বাস্থ্যসংক্রান্ত বিষয় সম্বন্ধে হেল্থ আপিসর

যে আদেশ প্রচার করেন সেই আদেশ পালন করিবেন এবং হেল্থ আপিসরকে পরিদর্শন করিবার জন্য বাটী বা প্রেমিসে প্রবেশ করিতে দিবেন। কিন্তু প্রবেশকালে হেল্থ আপিসর ৬২বিধি অনুসারে নিযুক্ত কমিটির একজন সভ্যকে সঙ্গে লইতে চেন্টা করিবেন। কিন্তু যদি কোন মহল এরপ কোন গ্রীলোকের দখলে থাকে যিনি দেশের রাতি অনুসারে সাধারণের সন্মুখে বাহির হন না ভাহা হইলে হেল্থ আপিসর হুটিস না দিয়া এবং প্রক্রপ জীলোককে চলিয়া যাইবার অবসর না দিয়া প্রক্রপ মহলে প্রবেশ করিবেন না। সন্তব হইলে এইরপ পরিদর্শনের সময় হেল্থ আপিসর সর্ব্বদাই পরিবারম্থ কোন পুরুষকে সঙ্গে লইবেন।

- 83। হেল্থ আপিসর কর্ত্বক সংক্রামক দোষ নাশকরণ, পরিক্ষারকরণ প্রভৃতি।—আবশ্যক বোধ করিলে হেল্থ আপিসর নিজে বাটীর দোষ নাশকরণ সন্বন্ধে এবং পূর্ববর্তী বিধির লিখিত অন্যান্য বিষয় সন্বন্ধে কার্য্য করিবেন। দাহ্য এবং ইউকনির্মিত নয় এরপ কোন গৃহ প্রভৃতি পূড়ান বা অন্য কোন প্রকারে নউ করা আবশ্যক ও সাধ্য মনে করিলে হেল্থ আপিসর জিলার মাজিইটে, কান্টনমেন্ট মাজিইটে অথবা কলিকাতায় কর্পোরেশনের চেয়ারম্যানের নিকট ঐ বিষয়ে রিপোর্ট করিবেন এবং তাঁহার আদেশমত কার্য্য করিবেন। যদি দোষ অন্য কোন প্রকারে সন্তোষজ্ঞনক রূপে নউ করা না যায় তাহা হইলে জিলার মাজিইটে বা তাঁহার অমুপস্থিতিতে তাঁহার কার্য্যের ভারপ্রপ্রে মাজিইটে অথবা কান্টনমেন্ট মাজিইটে এবং কলিকাতায় কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান যে কোন চালা ঘর বা অন্য কোন অস্থায়ী গৃহ প্রভৃতি পূড়াইবার আদেশ করিতে পারিবেন। যে সকল লোক এত গরিব যে গৃহ প্রভৃতি পোড়ান বা ভাঙ্গা হইয়াছে তাহা নিজেদের খরচে পুনরায় নির্মাণ করাইতে পারিবে না ভাহাদিগের তিনি ক্ষতি পূরণ করিয়া দিবেন।
- ৪৫। প্রবেশ ও পরীক্ষা করিবার ক্ষমতা।—কোন বাটীর অধিকারী এবং দখীলকার হেল্থ আপি-সরকে তাঁহার প্রেমিশে প্রবেশ করিতে দিবেন এবং তিনি যে কোন ব্যক্তিকে বুবনিক প্রেগাক্রান্ত বলিয়া বিবেচনা করিবার কারণ আছে মনে করেন ভাহাকে পরীক্ষা করিতে দিবেন। যদি ও ব্যক্তি এরূপ কোন দ্বীলোক হন যিনি এ দেশের রীতি অল্পারে সাধারণের সম্মুখে বাহির হন না তাহা হইলে তাঁহার পরীক্ষা যেয়ে ডাক্তার, যেয়ে হাঁস্পাতাল এসিফান্ট অথবা অন্য কোন দ্বীলোক দিয়া করিতে হইবে।
- ৪৬। স্বতন্ত্র করিয়া রাখা।—(১) ঠিক পূর্ববর্ত্তী বিধি অন্থসারে কোন ব্যক্তিকে পরীক্ষা করিয়া দেখিবার পর যদি হেল্থ আপিসর এরপ সন্দেহ করেন যে ঐ ব্যক্তি শ্লেগাক্তান্ত অথবা শ্লেগের দোষযুক্ত হইয়াছেন তাহা হইলে তিনি ঐ ব্যক্তিকে হাঁম্পাতালে পাঠাইয়া দেওয়াইতে পারিবেন এবং সেখানে তাঁহার আটক থাকিবার, খাইবার ও চিকিৎসার বন্দোবস্ত করিতে পারিবেন। ঐ ব্যক্তি যে বাটীতে বাস করেন সেই বাটীতে অপর গাঁহারা বাস করেন হেল্থ আপিসর তাঁহাদিগেরও সকলকে স্বতন্ত্র করিয়া রাখিবার ক্যাম্পে পাঠাইতে পারিবেন এবং তাঁহাদিগকে দশ দিন পরিদর্শনের অনীনে আটক রাখাইতে পারিবেন।
- (২) বিশেষ জাতি, শ্রেণী, একাছবর্জী পরিবার বা পরিবার সমিতির দ্বারা বা নিমিন্ত বেসরকারী প্রেগ হাঁস্পাতাল বা স্বতন্ত্র করিয়া রাখিবার ক্যাম্পের বন্দোবস্ত করা হইলে এবং উক্ত হাঁস্পাতাল বা ক্যাম্প সমস্ত প্রয়োজনীয় দ্রব্যে সজ্জিত হইলে এবং হেল্থ আপিসর বা কলিকাতায় প্রেগ কমিশনের প্রেদিডেন্টের নিকট তন্ধিমিন্ত ক্ষমতাপ্রাপ্ত ঐ কমিশনের অন্ততঃ গুইজন মেম্বর লিখিয়া ঐরপ হাঁস্পাতাল এবং ক্যাম্পের স্থান, প্রান, আদবাব, পৃথক করিয়া রাখিবার ও চিকিৎসাদির বন্দোবস্তের অন্নয়োদল করিলে যদি পীড়িত লোকেরা অথবা যাহাদিগকে সন্দেহ করা যায় তাহারা ইচ্ছা করে তাহা হইলে তাহা গিকে সরকারী হাঁস্পাতালে বা ক্যাম্পে না লইয়া গিয়া তাহারা যে জ্বাতি, শ্রেণী বা পরিবারভুক্ত সেই জাতি, শ্রেণী বা পরিবারের ব্যবহারের নিমিত্ত প্রস্তুত বেসরকারা হাঁস্পাতালে বা স্বতন্ত্র করিয়া রাখিবার ক্যাম্পে স্থান থাকিলে তাহাদিগকে তথায় লইয়া যাওয়া যাইতে পারিবে।
- (৩) সরকারী ও বেসরকারা উভয়বিধ ক্যাম্প এবং হাঁম্পাতালে দ্বীলোকদিগের জন্য পৃথক ও উপযুক্ত স্থানের বন্দোবস্ত করিতে হইবে। এবং যে দ্বীলোক দেশের রীতি অহসারে সাধারণের সন্মুখে বাহির হন না তাঁহাকে ক্যাম্প বা হাঁম্পাতালে লইয়া যাইবার সময় ও তথায় তাঁহার থাকিবার সময় তাঁহার আক্রু কড়াকড়ি ভাবে রক্ষা করিতে হইবে।
- (ম) হেল্থ আপিদর যে দকল সভর্কভার উপায় অবলয়ন আবশ্যক বিবেচনা করেন কেব-দেই দকল সভর্কভার দিকে দৃষ্টি রাখিলে পাড়িত ব্যক্তিদের আত্মীয়, বন্ধু হাকিম বৈদ্য ও পুরোহিত নিগকে নিনের বেলায় অবাধে তাঁহাদের কাছে যাইতে দেওয়া হইবে।
- (৫) পাড়িত ব্যক্তির পরিবারভুক্ত যে সকল লোক তাঁহার সেবায় নিযুক্ত থাকেন তাঁহাদিগকেও সরবারী বা নেসরকারী হাঁম্পা,ভালে প্রবশ করিতে দিতে পারা যাইবে। কিন্তু তাঁহাদিগকে হাঁম্পাভালে

মুমাইতে দেওয়া হইবে না। হাঁস্পাতালের কম্পাউণ্ডে তাঁহাদের নিদ্রার জ্বন্য উপযুক্ত স্থানের বন্দোবস্ত করা হয় তথায় তাঁহাদিগকে মুমাইতে হইবে।

১ম ব্যাখ্যা। — এই বিধি অনুসারে যে সকল হাঁস্পাতাল করা হয় তাহা দুরে অথবা অন্থবিধাজনক স্থানে নির্মাণ করিবার প্রয়োজন নাই।

২য় ব্যাখ্যা। — কলিকাতায় যে সকল লোক (২) দকার স্থবিধা পাইতে ইচ্ছা করেন তাঁহারা অবি-লম্বে প্লেগ কমিশনকে পাত্র লিখিবেন এবং প্লেগ উপস্থিত হইলে তাঁহারা যে উপযুক্ত হাঁস্পাতাল ও ক্যাম্পের বন্দোবস্তু করিতে সক্ষম ভদ্বিয়ে উক্ত কমিশনের প্রতীতি জন্মাইবেন। অন্যত্র হেল্থ আপি-সরের নিকট দরখাস্ত করিতে হইবে।

৩য় ব্যাখ্যা। —কলিকাভায় যদি হেল্থ আপিসর রিপোর্ট করেন যে বেসরকারী হাঁস্পাভালে ও ক্যাম্পে রোগীদিগকে স্বভন্ত করিয়া রাখার ও তাঁহাদিগের চিকিৎসার বন্দোবন্তে তাঁহার সন্তোষ জন্মিতেছে না অথবা যে সকল নিয়মে ঐরপ ক্যাম্প বা হাঁস্পাভাল খুলিতে দেওয়া হইয়াছিল সেই সকল নিয়ম পালন করা হইতেছে না ভাহা হইলে প্লেগ কমিশনের আজ্ঞাক্রমে উক্তরপ হাঁস্পাভাল ও ক্যাম্প বন্ধ করিতে পারা ঘাইবে। অন্যত্র হেল্থ আপিসরের রিপোর্টের উপার নির্ভর করিয়া জিলার মাজিস্টেট বেসরকারী হাঁস্পাভাল ও ক্যাম্প বন্ধ করিবার ক্ষমভার পরিচালন করিবেন।

- 89। যে ব্যক্তিকে সরকারা বা বেসরকারী হাঁস্পাতালে লইয়া যাওয়া যায় যদি কোন গুলে সেই ব্যক্তির সঙ্গে বন্ধু বান্ধব বা পরিচারকাদি যান তাহা ছইলে তাঁহাদিগের মধ্যে যাঁহারা রোগীর সেবায় নিযুক্ত নহেন তাঁহাদিগকে হেল্থ আপিসর হাঁস্পাতালের কাছেই স্বতন্ত্র করিয়া রাখিবার জন্য প্রস্তুত যে খোলার ঘর বা তাঁবুতে থাকিতে বলেন তাহাতে থাকিতে হইবে এবং যতদিন না হেল্থ আপিসর যাইবার অন্ন্মতি দেন ততদিন তাঁহাদিগকে ঐ স্থানে থাকিতে হইবে।
- ৪৮। এইরপে স্বতন্ত্র থাকিবার সময় যদি কোন ব্যক্তির ব্বনিক প্লেগ হয় তাহা হইলে হেল্থ আপিসর তাঁহাকে কোন সরকারা বা বেসরকারা হাঁস্পাতালে পাঠাইবেন এবং পূর্রবন্তী বিধিতে যে ব্যবস্থা করা হইল তাঁহার বন্ধু বান্ধব ও পরিচারকদিগকে সেই বিধির অধীন করিতে পারিবেন।
- ৪৯। কোন রোগীর ব্বনিক প্লেগে মৃত্যু হইলে যে বাড়ীতে তিনি পীড়িত ছিলেন বা মরিয়াছেন হেল্থ আপিসর সেই বাড়ীতে অপর যে সকল লোক থাকেন তাঁহাদিগকে সতন্ত্র রাখিবার ক্যাম্পে পাঠাইতে ও তথায় তাঁহাদিগকে ১০ দিন আটক করিয়া রাখিতে পারিবেন। কিন্তু যে সকল ডাক্তর, হাকিম বা বৈদ্য কোন সময়ে রোগী দেখিতে যান তাঁহাদের সম্বন্ধে এই বিধি খাটিবে না। এবং পোসাদার মৃতদেহ বাহক, পোসাদার শোককারী এবং যে সকল বন্ধু বান্ধব মৃত ব্যক্তির সেবায় নিযুক্ত ছিলেন না তাঁহাদিগের সম্বন্ধেও এই বিধি খাটিবে না। এই বিধি অহ্নসারে যে সকল ব্যক্তিকে আটক করিয়া রাখা হয় জিলার মাজিফ্রেট কিন্তা কান্টনমেন্ট মাজিফ্রেট অথবা কলিকাতায় কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান তাঁহাদিগকে তাঁহাদিগের নিজ্ব নিজ্ব অবস্থার উপযোগা হারে খোরাকী দিতে পারিবেন।
- ৫০। রাস্তা বা পালী খালি করিতে হইবে।—কোন মুনিসিপালিটা বা কাউনমেন্টের কোন অংশে ব্বনিক প্লেগ প্রবল ইইলে জিলার মাজিট্টেট বা কাউনমেন্ট মাজিট্টেট অথব। কলিকাতায় কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান গবর্ণমেন্টের মঞ্জুরি লইয়া কোন রাস্তা, মহলা বা অন্য স্থানের অবিাসাদিগকে উহাদের বাসগৃহ খালি করিয়া দূষিত পালী হইতে দূরে কোন স্থানে কিছু দিনের নিমিন্ত যাইবার আদেশ করিতে পারিবেন। জিলার মাজিট্টেট বা কাউনমেন্ট মাজিট্টেট অথবা কলিকাতায় কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান প্রয়োজন হইলে এইরূপ লোকদিগকে কিছু দিনের জন্য থাকিবার স্থান দিতে পারিবেন। প্রত্যেক গৃহস্থামিকেই তাঁহার অমুপস্থিতি কালে তাঁহার বাটাও সম্পত্তির তত্ত্বাবধানের জন্য উপযুক্তরূপ বন্দোবস্ত করিতে দেওয়া হইবে এবং স্থলভেদে মুনিসিপাল কমিশনরেরা অথবা কাউনমেন্ট মাজিট্টেট খালি বাটা চোকাদিবার বন্দোবস্ত করিবেন। বাটা ছাড়িয়া দিবার পর হেল্থ আপিসর ঐ বাটাগুলি সম্পূর্ত্রেশে পরিক্ষার ও দোষশ্ন্য করিবার বন্দোবস্ত করিবেন এবং বাটাগুলি দোষশ্ন্য হইয়াছে এইরূপ সার্টিফিকেট প্রদন্ত না হওয়া পর্যান্ত অধিবাসীদিগকে উহাতে ফিরিয়া আসিতে দেওয়া হইবে না।
- ৫১। আদেশ পালন করিতে হইবে।—যে ব্যক্তির সম্বন্ধে পূর্কোক্ত বিথিমতে কার্য্য করা যায় এবং যে ব্যক্তিকে সামরিক মেঙিকাল কর্তৃপক্ষ কিয়া কলিকাতার বন্দরের হেল্থ আপিদরের আজ্ঞাক্রমে কোন হাঁশ্পাতালে পাঠান যায় হেল্থ আপিদর তাঁহাদের কোন পরিদর্শনের ঘরে, সরকারী বা বেসরকারা গাঁশ্পাতালে অথবা স্বতন্ত্র হইয়া থাকিবার স্থানে যাওয়া ও থাকা সম্বন্ধে এবং শ্যা, বস্ত্র ও প্রকা দ্বা জ্বালাইয়া দ্বেওয়া বা দোষশ্ন্য করা সম্বন্ধ কিয়া স্থাস্থ্য সংক্রান্ত অন্য কোন বিষয়

সম্বন্ধে যে কোন আদেশ করেন তাহা তাঁহাদিগকে পালন করিতে হইবে। হেল্থ আপিসরের লিখিড অমুমতি ব্যতিরেকে ঐরপ কোন স্থান হইতে তাঁহারা চলিয়া যাইবেন না।

- ৫২। মৃতদেহের কি করিতে ছইবে।—মৃত ব্যক্তির বৃদ্ধুদিগকে মৃতদেহ লইয়া আপান আপান ধর্মাচার অন্ন্সারে দাহ করিবার বা কবর দিবার অন্ন্যতি দেওয়া যাইবে। কিন্তু হেলথ আপিসর কৈছা অন্য আছ্য সংক্রান্ত বা লাসন সংক্রান্ত কর্তৃপক্ষ মৃতদেহ দাহ করিবার বা কবর দিবার ছানে লইয়া যাইবার যে সময়, পথ ও প্রণালীর আদেশ করেন তাহা তাঁহাদিগকে পালন করিতে ছইবে। মৃত ব্যক্তির আত্মীয় বা বৃদ্ধুবর্গ তাঁহার মৃতদেহ লইয়া না যাইলে বা লইয়া যাইতে অন্থীকার করিলে, হেল্থ আপিসর মৃতদেহ সম্বন্ধে মৃত ব্যক্তির ধর্মান্ন্যায়ী ব্যব্দা করিবেন। যে সকল ইউরোপীয়ান বা মুসলন্মানের প্রেণে মৃত্যু হয় তাঁহাদের মৃতদেহ সন্তব হইলে অন্ততঃ ছয় ফুট মাটির নীচে পুঁতিতে ছইবে। কোন অন্যাদিত গোরস্থানে কবর দেওয়া না হইলে, কবরের স্থান লোকের বাসস্থান হইতে দুরে হইবে এবং এরূপ স্থানে হইবে যে কোন জল সরবরাহের স্থান বা জলাশয় দুষিত ছইবার সন্তাবনা না থাকে। যে কবিন ও কাপতে মৃতদেহ আচ্ছাদিত থাকে মৃতদেহের সহিত্ত তাহা পুঁতিয়া কেলা না হইলে বিনফ করিতে হইবে। যে সকল স্থলে দাহ করিবার প্রথা, সে সকল স্থলে মৃত দেহটীকে সচরাচর যে ঘাটে শবদাহ করা হয় সেই ঘাটে অথবা অন্য স্বতন্ত্র স্থানে প্রথান্সারের সম্পূর্ণরূপে দাহ করিতে হইবে। মৃতদেহের সহিত যে বন্ধাদি আনা হয় তাহা প্রথান্নসারে পোড়াইয়া কেলিতে হইবে অথবা দোষশ্ন্য করিতে হইবে।
- ৫৩। রোগী লইয়া যাইবার যান।—জিলার থাজিফেট কিম্বা কাতনমেন্ট মাজিফেট অথবা কলিকাতায় কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান প্রেগাক্রান্ত ব্যক্তিদিগকে অথবা যাঁহাদিগকে রোগাক্রান্ত ব্রলিয়া সন্দেহ করা যায় তাঁহাদিগকে বিনা ভাড়ায় লইয়া যাইবার জ্বন্য সহজে দৃষ্টি আকর্ষণ করে এমন করিয়া রং দেওয়া উপযুক্ত যানের বন্দোবস্ত করিবেন। এইয়প যান যে কোন সরকারী বা বেসরকারী রাস্তা দিয়া চালাইয়া বা ব্রিয়া লইয়া যাওয়া আইনসঙ্গত কার্য্য হইবে।
- ৫৪। সরকারী যান দোষশূন্য করিতে হইবে।—যে কোন সরকারী বা বেসরকারী যান প্রেগের দোষযুক্ত কোন ব্যক্তি কর্ত্বক অথবা যে ব্যক্তিকে উক্তরূপ দোষযুক্ত বলিয়া সন্দেহ করা যায় ভাঁহা কর্ত্বক ব্যবহৃত হইয়াছে তাহা পুনর্বার ব্যবহার করিবার পুর্বে সম্যক্রপে দোষশূন্য করিতে হইবে এবং অন্ততঃ চনিশ ঘন্টা বাতাস ও সূর্য্যের আলোকে রাখিতে হইবে। এবং উহার যে সকল সাজসজ্জা হেল্থ আপিসরের মতে উপযুক্ত রূপে দোষশূন্য করা যায় না তাহা অগ্নি ছারা নই করিতে হইবে।

# চতুর্থ ভাগ। — সাধারণের প্রতি খা টিবার বিধি।

- ৫৫। ক্ষতিপূরণ।—এই সকল ব্যবস্থা অমুসারে ক্বত কোন কার্য্যের জন্য কোন ব্যক্তির বিশেষ ক্ষতি বা হানি হইলে জিলার মাজিট্রেট কিম্বা কার্টনমেন্ট মাজিট্রেট অথবা কলিকাতায় কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান আপন বিবেচনামুসারে উক্ত ব্যক্তিকে ক্ষতিপূরণ দিতে পারিবেন। কিন্তু কোন ব্যক্তিই ক্ষতিপূরণ পাইবার অধিকার আছে বলিয়া কোন ক্ষতিপূরণের দাবী করিতে অধিকারী হইবেন না। ক্ষতি পূরণের দাবীর মামাংসার সময় মাজিট্রেট কিম্বা কার্টনমেন্ট মাজিট্রেট অথবা কলিকাতায় চেয়ারম্যান ৩২ নিয়মাম্সারে নিযুক্ত ক্মিটীর সহিত প্রামর্শ করিবেন কিন্তু ঐ ক্মিটীর প্রামর্শাহ্সারে কার্য্য করিতে বাধ্য হইবেন না।
- ৫৬। কর্তৃত্ব।—হেল্থ আপিসর বা কান্টনমেন্ট মাজিস্টেট বা শ্লেগের কোন কর্তৃপক্ষকে এই বিধিগুলি অনুসারে যে সমস্ত ক্ষমতা প্রদন্ত হইল তাহা জিলার মাজিস্টেটের অথবা কলিকাতায় কপো-রেশনের চেয়ারম্যানের সাধারণ কর্তৃত্বাধীনে পরিচালন করিতে হইবে।
- ৫৭। খরচ।—এই বিধিগুলি কার্য্যে পরিণত করিতে যে খরচ হইবে সে সমস্ত খরচ ৩৩ ৩ ৪ বিধির বিধানের অধীনে প্রথমতঃ মুনিসিপাল বা ডিফ্রিক্ট ফণ্ড হইতে অথবা ছানীয় কর্তৃপক্ষদিগের (গুরুতর প্রয়োজনার্থ) ঋণ বিষয়ক ১৮৯৭ সালের আইনাত্মসারে ক্বত ঋণ হইতে দেওয়া ফাইবে। কিন্তু জিলার মাজিস্টেট কিন্তুা কাণ্টনমেন্ট মাজিস্টেট অথবা কলিকাতায় কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান যে কোন ব্যক্তি স্থপতেদে বঙ্গদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের আইন বা কান্টনমেন্ট আইন বা বিধি অথবা কলিকাতার মুনিসিপাল আইন সংগ্রহকরণ বিষয়ক ১৮৮৮ সালের আইন অনুসারে অনুরূপ অবস্থায় ক্রিশিনরদিগকে যে টাকা দিতে দায়ী তাহা তাঁহার নিকট আদায় করিতে পারিবেন।



TUESDAY, NOVEMBER 30, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৩০ নবেম্বর।

PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal. দিতীয় ক খণ্ড। বৰুদেশের গ্রন্মেন্টের আদেশ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 4924M.—The 18th November 1897.—Whereas a notification No. 3898M., dated the 26th July 1897, was published at page 182, Part IB of the Calcutta Gazette of the 28th idem, declaring the Lieutenant-Governor's intention to sauction, under section 86 of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Bengal Acts IV of 1894 and II of 1896, the levy by the Commissioners of the Kharar Municipality, in the district of Midnapore, of a fee on the registration, under section 142, of all earts kept or used in the ordinary course of business within the Municipality, and whereas no objections have been raised to the proposal within one month from the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that the Lieutenant-Governor hereby sanctions the levy by the Commissioners of the Kharar Municipality of the said fee on the registration of carts at rates not exceeding those mentioned in section 143 of the Act.

H. H. RISLEY,

Stoy. to the Govt. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 4926M.—The 18th November 1897.—Whereas a notification No. 4098M., dated the 7th August 1897, was published at page 191, Part IB of the Calcutta Gazette of the 11th, idem, declaring the Lieutenant-Governor's intention to sanction the levy by the Commissioners of the Ramjibanpore Municipality, in the district of Midnapore, of a fee on the registration, under section 142 of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Benga Acts IV of 1894 and II of 1896, of all carts kept or used in the ordinary course of business within the Municipality, and whereas no objections have been raised to the proposal within one mouth from the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power conferred upon him by section 86 of the Act, the Lieutenant-G versor sanctions the levy of the said fee by the Commissioners of the Ramjibus pore Municipality at rates not exceeding those mentioned in section 143 of the Act.

H. H. RISLEY,
Secy. to the Govt. of Bengal.

## বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেণ্ট গবর্গর সাহেবের আদেশ।

## মুনিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন।

৪৯২৪ এম্ , নম্বর ।—১৮৯৭ সাল ১৮ নবেম্বর ।— মেদিনী পুর জেলার অন্তর্গত ধড়ার মুনিসিপাদিটির মধ্যে কার্য্য চলনের সাধারণ নিয়মাস্থ্যারে যে সকল গরুর গাড়ী রাখা যায় বা ব্যবহার হয়
উক্ত মুনিসিপালিটীর কমিশনরদের কর্ত্বক ১৮৯৪ সালের বর্জায় ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের বর্জায়
২ আইন দ্বারা সংশোধিত বঙ্গদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের ১৪২ ধারামতে
ভাহার রেজিন্টরী করণের উপার কা আদায় হইবার নিমিত্ত উক্ত আইনের ৮৬ ধারামতে অস্থমতি দিছে
শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ২৬ জ্বলাই তারিখের ৩৮৯৮ এম
নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ২৮ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১৪ খণ্ডের ১৮২ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা
গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিশালিটীতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত
প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এতদ্বারা এই সংবাদ
দেওয়া যাইতেছে যে শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব উক্ত আইনের ১৪৩ ধারার লিখিত হারের অন্থিক
হারে খড়ার মুনিসিপালিটীর কমিশনরদের দ্বারা গরুর গাড়ী রেজিন্টরী করিবার নিমিন্ত উক্ত ফী
আদায় হইবার এতদ্বারা অস্থমতি দিলেন।

এচ, এচ, রोসলি, বঙ্গদেশের গবর্থমেন্টের সেক্রেটরী।

#### বিজ্ঞাপন ।

৪৯২৬ এম্ , নম্বর ।—১৮৯৭ সাল ১৮ নবেম্বর । —মেদিনীপুর জিলার অন্তর্গত রামজীবনপুর মুনিসিপালিটীর মধ্যে কার্য চলনের সাধারণ নিয়মাহ্লসারে যে সকল গরুর গাড়ী রাখা যায় বা ব্যবহার হয়, উক্ত মুনিসিপালিটীর কমিশনরদের কর্তৃক ১৮৯৪ সালের বঙ্গীয় ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের বঙ্গীয় ২ আইন দ্বারা সংশোধিত বঙ্গদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের ১৪২ ধারামতে তাহার রেজিউরী করণের উপার কা আদায় হইবার নিমিত্ত অহুমতি দিতে প্রীযুত লেপ্টেনেট গবনর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ৭ আগস্ট তারিখের ৪০৯৮ এম্ নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মালের ১১ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১৪ খতের ১৯১ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যা ওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে ধ্যে, প্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্নর সাহেবের প্রতি উক্ত আইনের ৮৬ ধারামতে যে ক্ষমতা প্রদন্ত হইয়াছে তদনুসারে কার্য্য করিয়া তিনি উক্ত আইনের ১৪০ ধারার লিখিত হারের অনধিক হারে রামজীবনপুর মুনিসিপালিটীর কমিশনরদের দ্বারা উক্ত কী ভাদায় হইবার অহ্নমতি দিলেন।

এচ**ু, এচ**ু রীসন্সি, বঙ্গদেশের প্রণ্মেন্টের সেক্টেরী।



# गवध्यक् फार्डिं

TUESDAY, NOVEMBER 30, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৩০ নবেশ্বর।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

অইম খণ্ড।

ই× ডিহার গুড়াত।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্তাহার।

## জিলা বাকরগঞ্জ।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত সেপ্টেম্বর কিন্তির তলবী বাকী রাজ্বস্থ ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজক্ষের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সনের ৫ জাহ্মারি তারিখ মোণ ১৮০৪ সনের ২২ পৌষ বুধবার নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ সাল তারিখ ১৩ নবেম্বর।

	<b>1</b>	•	8	•	<u>.</u>	1	<b>b</b>	>
্ <sup>©</sup> ভৌতিব নম্বর।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নমে ৷	সম্পূর্ণ মহা- লের সদব কমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিশ্বৰ হইবে কিনা।		যে সম্পত্তিবিক্রয় হইবে তাহাব মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশেব সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হউলে ভাহাব বাকী	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহাৰ বংকী।
8484	পদ্মা ওরকে রম- জানপুর পং কাশীয পুর দেহলাপট্টী।	*******	সম্পূর্ণ মহা- লের মালিক স্বত্ত মিলাম হইবে।		হরকুমার সেন গং		२०२८)	•••••
86.4	চর সমসদী বালি- গাও পং সায়েন্তা নগর।	i ,	À		দক্ষিণাকুমার রায় চৌধুরী গং।		98426	•••••
8986	চর জঙ্গলা পং উত্তর সাবাজপুর।	968)	ď	••••	হরিমোহন ঘোষাল	••, ••	رطو	
3 9 2 4	মেজি। চিক্নীকান্দা পং চন্দ্ৰদ্বীপ।			এজমালী —    প্র   । ( १ = 3	1 1		•••	२७३५७४
7973	ভালুক বিশ্বনাথ সেন পং খাঞ্জাবাহাত্ব নগর।	{ { { { } } { } { } { } { } { } { } {	সম্পূর্ণ মহাল নিলাম হইবে।		্রামনারায়ণ সেন গং	•••	               	*** ***
٩٤٥٢	তালুক ফতে মাছামুদ পং খাঞ্জাবাহাগুর- নগর ।	१७৮७৯	À	•••••	রাখালচভ্র রায় চৌধুরী গং।	•• •.	25/4	******
3499	তালুক সৌজুদ্দিন খাঁ গং পং বোজরগো- মেদপুর।			এজমালী—  ৸১১৫ গণ্ডা অংশ নিলাম হইবে। এত  স্বাতীত অন্য কোন অংশ। নিলাম হইবে না।		3 ° 8 ° 4 J 8 '	•••••	الا ( ر <b>و</b> اه و

3	<b>1</b>	9	8	¢ .		,	ъ	,
ত্য জব নথব :	মহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সম্পঃ জমা।	সম্পূৰ্ণমঙাল বিক্ৰয় হটুবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ নিক্রণ হইলে ঐ অংশ বা ঐথ অংশের বিশেষ বিবৰণ	्य मन्ना छ। ८ क्य इंड्र	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হইলে ঐ অং শেব সদব ক্রমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাষার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰম হটলে তাহার বাকী।
¢78¢	কিশমত তেওভা, পাওতা, রূপার- জোর গং পং বোজরগোমেদ-	¢38 <sub>9</sub> /•	সম্পূৰ্মহাল নিলাম হইবে।	••••	দেবনাথ দক্ত চৌধুরী গং।		224777	,
२१०৮	পুর। জমিদারী পং উত্তর সাবাজপুর।	2898 4¢	ď	•••	আনন্দ চন্দ্র রায় গং।		3¢3√8	
	<ul><li>১০ গণ্ডা জমিদারী</li><li>তপে হাবেলী</li><li>সীলিমাবাদ।</li></ul>	7.84.9911	<b>d</b>	••••	সোদানিনী গুপ্তা গং।	••	2224¢II	•••••
<b>८२</b> ८७	চর উমেদ মহালাধীন ৬৪ নং যোত পং জঞীরা।	364%0	সম্পূৰ্ যোত নিলাম হইবে।		হরিচরণ হাওলাদার গং।	••••	२७४५/७	•••••
<b>€</b> ₹8७	চর পদ্মা মহালাধীন ১ নং গরমকররি তালুক গুপিক্কঞ্ বন্দ্যোপাধ্যায় পং দক্ষিণ সাবাজপুরঃ		সম্পূর্ণ তালুক নিলাম হইবে		বিহারী লাল রায় চেধ্রিরী ।	•••	(48)	••• ••

<sup>ি</sup> কা। যে স্থলে উপবের লিখিত বর্ণনাপত্তোৰ ৫, ৭ ৭৯ ঘতে কোন অংশ মাত্র বিক্রেয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্বলে টহা বৃ'ধতে ছইবে যে ঐ জ্ঞা । মিত ঘততা হিসাব রংখা হইয়া থাকে ও মহাদেয় অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় লা।

B. Bell,

Offg. Codector.

#### জিলা ঢাকা।—জমিদারী বিক্রণের বিজ্ঞাপন ।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে ঢাকা জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত গলতালি ব মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেকুর সাহেবের আফিনে বাকা রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও বস্থাক্রমে বাকা রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ৬ই জান্মারি তারিশে লামে বিক্রয় ক্রা ঘাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত ছে সেই স্থলে প্র অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

,	2	•	8	¢	<b>b</b>	۹	b-	<b>;</b>
তীব্দিব নথব।	মহাল ও প্রগণাব নাম।	সম্পূৰ্ণ মহালেব সদৰ জম:।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্লেয় হুইবে হি না।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রম ছউলে ঐ তাংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্ৰম ছউৰে ভাহাৰ মানিকগণেৰ নাম।	কোন ভাংশ নাত্ৰ বিক্ৰয ভইলে ঐ ভাংশেব সদব ক্ষমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰা হইলে ভাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰম গইলে ডাহ'ৰ বাকী।
78	পং বন্দরখোনা মং মামুদরাজা।	ኃሤ9 º ዛજ ኃ•Ⅱ		অবশিষ্ট	শশীকুমার পোন্দার গং।	<b>३</b> ऽ७॥द⁄२ ५	••	२७१॥२।
٥٥٠,	চর মৃজাপুরের মধ্য- গত সালিনা ওরকে চক হরিচরণ।	983)	<b>ষোলআ</b> নী	••••	ক্লফচন্দ্র সাহা গং	·	3 9 <del>৮</del> 4 ቀ⁄	••••••

DACCA COLLECTORATE, The 18th November 1897. OKHOY COOMAR SEN,
For Collector.

## জেলা বাঁকুড়া। নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাঁকুড়া জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিড মহালে গবর্ণমেক্টের যে মলিকি স্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অম্লুসারে উক্ত বাঁকুড়া জেলার কালেক্ট্ররিডে ১৮৯৮ সনের ১লা কেব্রুয়ারি তারিখ মোতাবেক বাজলা ১৩০৪ সনের ২০শে মাঘ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক ৷

খরিদ্দারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ত সকলে বাধ্য হইতে হইবে,—

#### নিলামের সর্ত্ত।---

- প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিট্ট করেন ভাষার উপর যে ব্যক্তি সর্বাপোকা অধিক মূল্য দিতে সন্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিন্ধারকে ইয়ার মালিক স্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরছরপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিন্ধারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।
- ষিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের ছারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইরাছে এবং
  এই ক্ষণ যে সকল পাটা বর্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং
  রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ ছারা প্রস্তুত হওয়া জ্মাবন্দী যে সকল খোদখান্ত।
  ক্রমক প্রজা ছারা দস্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্থাকার করিতে খরিদ্ধারগণ বাধ্য
  হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০ টাকার অনধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার ঊর্দ্ধ্ব হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্ব্ব উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি ধরিদ্দারের দায়িত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

ভৌ <b>জি</b> ব নশ্ব ।	মহাল ও প্ৰস্থাত নাম।	একবেব ছিলাবে যত- পূব জানা যার ভূথির অফুমানিক প্রিমাণ।	গ্ৰপ্টেমণ্টেৰ বাদস্য যাহ। ধাৰ্য্য হাই- স্থাতে ।	मच्चग्र।
<b>ل</b>	আমরাণী পরগণে বিস্পুর ···	মোট মহালের ৩ কাগ অংশ।	।১০ চারি আনা দশ- পাই মান।	থানা বিষ্ণুপুর সামিল ভাগেদিখা গ্রাম— নিবাসী দিনময়া দেবীর বিরুদ্ধে ১৮৯৫ ৯৬ সালের ৭৩৯ নং সার্টিফিকেট জারিতে গবর্ণমেন্ট কর্ডুক প্রকাশ্য নিসামে খরিক। করা হইয়াছে।

কালেক্টরের কাছারি, জেলা <sup>ইা</sup>কুড়া, ভারিষ২৽শে নবেম্বর ১৮৯৭। G. E. MANISTY,

Collector.

#### किना योनपर।

#### জমিদারি বিক্রমের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মালদহ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেট্রর সাহেবের আফিসে বাকী রাজ্বস্থ ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী রাজ্বস্থের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২০ ডিসেম্বর তারিখে বেলা পুই প্রহর ১ টার সময় নিলায়ে বিক্লয় করা যাইবে।

5	,	ه	8	<b>a</b>	•	٩	ь	>
তৌজিব নম্বব।	মহাল ও প্ৰগন্ধ নাম।	সম্পূৰ্ণ মহালেব সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিজয গুইলে ঐ অংশ ব। ঐং অংশের বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রুয় চউবে ভাচার মালিকগণেব নাম।	হইলে, ঐ	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় ছউলে ভাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রঘ হইলে, ডাহাব বাকী।
<b>6</b> Þ3	কাশিমপুর পর- গণা কাশিমপুর।	રહ્યા મહે∘	ন্	এই মহালে মোট ৩৯টীমোজা আছে এই সম্পূর্ণ মহালের	1	36904		p-510
	গুলি যাহার ও তাহা নিলাম : (১) এই সম্পূর্ণ তাহা (২) ইন্দ্রস্কল, মালং প্রজ্ঞা গৃহিল, বাউল বিল মুদাফ ও সা -(৩) গুহিল সাহ	জন্য স্থতন্ত্ৰ ( হইবেক না যথ  মহালের ৩  , ভিত্তরজোই,  য়া: গোপালপ  পতি ঐপতি , দেওগাঁও, না  , বিল আন্ধা পারনা, বিল ভ খালিমনগর  হাজাদপুর মে	তনটা পৃথক থা;  ওয়ালতোর থ্র, ছমপুর র, জোডজ লতোর,পান রক, বিল ও হাতিয়া, ভ ন, বদিকপুর জার, ভেগত	নীচের লিখিত অংশ- হিসাব খোলা আছে  র মধ্যে (৯)৫ দ্বীপ  র, গাজিপুর, খোর্দ্দ- র, জলকর গাজিপুর, গাহালীর, জোতমনি, পাড়া, পাহাড়ীভিটা, লানী, বিল দহভারা, বানীপুর, মবারকপুর, অজইল, অলভানপুর  াই দ্বীপ অংশ ও মনি, স্বজইল ও উত্তর	নেসা স্বয়ং ও উ আবেদ হোসেন, জ খাতুন; গোলাম আমজাদ আলাবেগ হুরজাঁহা নেসা পদে	জ্বরণ নেসা  নিবেদা খাড়  হোদেন   হোদেন   ক আমিলন   বেগাষ, পি  হয়ং ও হৃদর  রায়ণ পাল  বেচন্দ্র নারায়ণ  হয়রীলাল   বেগাধুরী প  হয়দ চৌধুরী প  হয়দ চৌধুরী	পক্ষে মৃজ্যা ন, ও আমন চাধুরী মৃজ্যা নেসা হুরং ও নসা ও নজি- ায়ারী খানম া মোহন পাল ও হুরেন্দ্র কেন্দ্রী হুরং কে রবিউলা েও কিশোর	

উল্লিখিত রেসিডুয়ারী অংশ ১৮৯৭ সালের সেপ্টেম্বর কিন্তির বাকী রাজস্ব আদায় জ্বন্য নিলাম হইবে।

টীকা--ত্ত স্তবেব লিখিত বর্ণনাপত্তেব ৫, ৭ ও ৯ গবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই স্থলে ইহা বৃথিতে হইবে যে ঐ অংশের নিমিত স্বতন্ত্র হিসাব হাথা ২০মা পাতে ও সহালেব অনা বা অন্যান্য এংশ বিক্রম হয় না।

MALDA COLLECTORATE,

The 1st November 1897.

J. H. LITA.

Collectur.

#### জিলা নোয়াখালি।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬, ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ১১ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালি জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজন্ম ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজন্মের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৮। ৪ জাহুয়ারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে ছলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশমাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই ছলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রম হয় না।

5	•		8	ά	<u>u</u>	•	<b>*</b>	৯
ভৌদিন মধুর।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম।	সম্পূৰ্ণ মহা- লেব সদব কমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐ ২ অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পতি বিক্ৰয় হইবে তাহাব মালিকগণেৰ নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে, ঐ অং শের সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রম হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রন্ন হইলে তাহার বাকী।
<b>₹3</b> 3.	বামনী জমিদারী চাকলে বামনী।	<b>333</b> •9,	मम्पूर्व		বাবু উপেব্সচন্দ্র দত্ত মেনেজার অব মিস কোর্জন ফেট ও বাবু রঘুনাথ প্রসাদ তে ওয়ারি গং।		<b>4</b> ∘44 1√22	
			খাদ মহ	াল টেনিউর —		,		
2442	চর শুলুকিয়ার ৯ নং গং মং হাওলা আবঙ্গ রহমান।	७३४४५	≯,ऋंब		ওয়াজ্ঞদিন ঘাট মাজি।	······································	28∞√€	*****
১৬৬২	চর মৃত্ধরা গং মং। হাওলা আজ্ম- ভুলা গং ৮০ নং। দখল।	9 o <del>b</del>	<b>Q</b>		ত্ৰৈলোক্যনাথ গুছ অভিভাবক জানিবে সচিনাথ গুছ।	•••••	200119	
८९४	চর গাজির ১ নং দখল।	१०२१। 🌙 ८	(في		জমিয়ত আলি		86410	•••••
3693	এ চরের ২ নং দখল	24421122,	(g)		(a)	•••••	७१७।/७	•••••
) 65-15 <sub>.</sub>	চর আলেকজণ্ডারের ১ নং গং মং হাওলা।	<b>(8.49</b>	<b>A</b>	,	নবকুমার বহু	••••	১ ৩৬৯/৯	•••••
3 6 <b>3-6</b>	ঐ চরের ২ নং গং মং হাওলা।	<b>48242</b>	<b>@</b>	*****	À	• • • • •	390100	*** ***

S. K. AGASTI, Collector

## **जिला वर्कमान।—जमानि विकास विज्ञान क।**

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, বর্জমান জিলার অন্তর্গত নিম্ন-পিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সালের জুন কিন্তির বাকী রাজত্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্নাবের বাকী রাজত্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিন্ত আগামী ১৮৯৮ সালেছ ৫ জাম্মারি তারিখে বেলা ১২টার সময় নিলামে বিক্রম করা যাইবে।

` `	١	٠	В	<b>*</b>	હ	9	•	>
ভৌজির শহর।	মহাল ও প্রলণাব শীম্ ৷	সম্পূর্ণ মছা- লের সহর জন্ম	সভ্পূৰ্ণ মহাদ বিজ্ঞায় ঘটৰে কিন্দা	কেবলমাত্র অংশ নিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বি শেষ বিবরণ।	বে সম্পত্তি বিক্রন্থ ছইবে ভাষার স্থালিকগণের নাম।		সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইচেন ডাহার বাকী।	4   mr 1 a 169 d
94	মহাল পাটুলী পর গণা পাটুলী।	<b>€</b> 9Ы% 40		কেবল মূল মহাল নিলাম হইবে অন্যান্য অংশ নিলাম হইবে না।	নবিনচন্দ্র চৌধুরী দিং।	<b>₹₽≥</b> ○ /5 ∘		88(€

টাকা।—যে ম্বলে উপরেব লিখিত বর্ণনাপত্রেব ৫.৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হউবে বলিয়া লিখিত আছে দেই ম্বলে ইছা বৃথিতে হউবে যে ঐ অংশের নিমিত্ত থতায় হিসাবে রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা জন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

C. FISHER,

Collector.

### **किना** वीत्र ज्या । — कामनाति विकास विकास विकास का

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বীরভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিবিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাংহবের আফিসে বাকী রাজন্ম ও অন্যয়ে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী রাজন্মের নাায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ১১ই জাম্মারি তারিখে বেলা ১ টার সম্য নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে।

	,	٠,	૭	8	α	•	٩	•	۵
<u> </u>	ভৌজীব নগর।	মহাল ও পরগনার নাম।	সম্পূর্ণ মহাজের সদব জ্বমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয হইবে কিনা।		যে সম্পত্তি বিক্রম হুইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন তাংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ জংশের সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাক্র বিক্রম হইলে তাহার বাকী।
	२७४ <b>न</b> ९	আমজাপান্সন পর- গণা খটন্সা থানা সিউজী।	!	•	এজমালি অংশ— দেবীপুর, দড়ি- বাজে জমি বাজে আপ্তি, দেবীপুর, জলল জমা ও আমড়াপালন মো- জায় রকম যোল আনা, এই অংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশনীলাম হইবে না।	স্থরেন্দ্র নারায়ণ সেন দিগর।	<b>๔</b> 8⊌ห⊿่∘		

চীকা।- যে শহলে উপরের লিখিত বর্ণনাপত্তের ৫. ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিশ্রেয় ১ইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ইহা ব্রিতে ছইবে বে ঐ তংশের নিমিত্ত স্বতম্ব বিষাধ বইয়া থাকে ও উপদ্ধি লিখিত জংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না।

BIRRHUM COLLECTORATE,
Dated Suri, the 18th November 1897.

F. N. FISCHER, Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for eash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জ্বন্ব সিন্কোনা।

কলিকাজান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট গবণ-বেন্টের কর্মচারিগন এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পৌও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূল্যে জ্বরন্থ দিনকোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২॥ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫ টাকায় ও এক পৌও টিন ১০ টাকায় পাইবেন। দর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপন্থিভেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬ টাকায়, আট ঔপ টিন ৬ টাকায় এবং এক পৌও টিন ১২ টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেডাগনও এই ঔষধ বিক্রয় করিয়া গাকেন। উপরোক্ত ছার ছাড়া চারি ঔপ টিনের।০, আট ঔপ টিনের।০ ও এক পৌও টিনের ৮০ ডাক মাস্থল দিতে ইইবে।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের সিনকোন। আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সলফেট অফ কৃইনাইন।

১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে,যথা—

১ এক পোণ্ড টিন ১৮, বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৭০

।। जास ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।।•

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা ছইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনীডাইন নামক অপক্লফ ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপুর্বক মিশান হয় নাই তাহার গ্যারাকী দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটন্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিক্টেণ্ডেক্টের নিকট পাওয়া ঘাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

```
Rs.
  ... 10
   0
Entire Gazette
  per annum.
  2
  8
   0
                  Postage
Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts
 and Bills of the Legislative Councils of India
 and Bengal
                  Pestage
For a single copy-
   0
   4
  Entire Gazette
                  Postage
   0
   1
   0
Parts III, IV, V, and VI
   for
  sheets
  OT
   under
  with
   additional
  of 1
  charge
  anna for
  every 4 sheets in excess
```

Postage ... 0 1 0

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. BAKER.

Offg. Under-Secretary to the Goot, of Bengal.

## বিভাগন।

১৮৮৩ নাল ২১ কেব্ৰেয়ারি।—ৰাজালা গ্ৰথমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্ষাছল এই অবধি নিম্ন লিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে :---

म जायम । मध्य रराप •—	,				2.4.	
	यकः मट	7			টাকা।	
সম্পূৰ্ণ গেজেট	•••	•••	•••	বৎসর	300	
ভাকমান্ত্ৰ	•••	•••	•••	"	<b><!--!! •</b--></b>	
৩৩৪৩৫৩৫ <b>খেও</b> (	ষাহাতে গ	চারতবর্ষের	ও বল-			
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার উ	गारेन 💌 🖰	শাইনের			
পাগুলিপি থাকে )	•••	•••	•••	••	8,	
ভাক্ষাত্রল	•••	•••	•••	79	3,	
সস্ব একখানি গেজেটের	মূল্য	•••	***	"	8, 5, (*	
<b>ডাক্</b> যান্থল	•••	•••	•••		/•	
0 8 8 8 8 9 V V V V V	প্রত্যেক	৪ পৃষ্ঠা ৰা	ভাহার			
ন্যুন সংখ্যক প্	ভার মূল্য)	•••		••	/• ৪ যদ্ভ ভাহ	
		E			8 9	টা প্রতি পার পানা।
<b>फॉक्याचन</b>			• •		/.	

কলিকাভায়।

কলিকাডায় ও মক:শলে সমান মূল্য, কলিকাডায় কেবল ডাক্যান্থল লাগিবে না। रे, अब, (यकाव ।

ব**জ্বদেশের গবর্ণমেন্টের একটিং ছোট** সেক্রেটরী।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12. The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible, I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country-Extract from Preface

OFFICE OF SUPDY., GOVY. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the Rupee on account of discount.

> C. W. BOLTON, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

12th December 1882.

Note. - Rates of advertisements in the CALCUTTA GAZETTE. Rs. Full page, per issue 20 Half 10 Casual advertisement—4 annas per line.

#### বিজ্ঞাপন ।

কলিকাতা গেজেটের কিন্তা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওরা মা গেলে ঐং গেজেট দেওয়া ঘাইবে মা, ১৮৮৭ সালের নবেছর মাসের ২০ ভারিখের জ্ঞাপনপঞাতিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গ্রব্যেন্টের কার্য্যালয় কিন্তা গ্রব্যেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তি বাজাল সেকেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ডমিমিড নগদ মূল্য দিতে হইবে এডদ্ধারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেক্টোরিয়েটের আকেণ্টিান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ্রেক্তিক কার্য্যালয় ভিন্ন শোন ব্যক্তিকে কোন পুস্তকাদি দেওয়া কিন্তা উক্ত কোন গেজেটে ইশতিহার কি বিজ্ঞাপন প্রাকৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

স্ল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণিট বাদ দিবার জ্বন্যে টাকার উপর আর 🗸 🗝 এক আনা পাঠাইতে হইবে।

সি. ডবলিউ বল্টন

वक्रापटमारा भववंदमार्केत ह्यां ट्रेन्टक हेरी।

#### ১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মক্ষরা।—কলিকাতা গেছেটে ইণতিহার একাশ কণিব	াব হাব এই ।	_			5 ·
প্ৰা এক সৃষ্ঠা একং ধার অক্যাশ কবণেৰ	•••		•••		200
আধ প্ৰতা	•••	•••	,		3 " "
কথম কথম ইশ্বিষার প্রতাশ কবিতে চটতে	न प्रकर गिकि	•	14	***	

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Larutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Hengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### बाकान मिटकिरोतिसारे यञ्जानस्य विकासार्थ आहि।

বারিফার-আই-লা ও শ্রীশ্রীমতীর বঙ্গদেশের সিবিল সন্ধিসে নিযুক্ত বদ্ধমানের ডিষ্টিট্ট ও সেশন জ্বাক্ত ব্রেক্ট কমিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পালের শ্রীযুত সি, ডি. কিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি লাছেবের প্রনীত বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূম্যধিকারার আজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

## একং থানি পুলুকের মূল্য । ।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রম করিতে চাহিলে বাঙ্গাল সেকেটারিয়েটের আকেণ্টান্টের নিক্ট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা যোড়ক করিরা ডাকে পাঠাইবার খরচ।/০ পাঁচ আনা পাঠাহবেন মন্তব্য।—উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া ঘাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপসক্ষে বলদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রহ্যোজন হইলে কলিকান্তার স্পানেড করেন্ট টোন হালের হাতায় ভিত বলদেশের গ্র্থমেন্টের ব্যবস্থাপন কাণ্যবিভাগের আপিসে বেজি-ফ্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুত্তক কলিকাভার গবর্ণমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিন্ধ কালিভে ক্রাই করিভে পাওয়া বায়।

#### বিজ্ঞাপন ।

সাধারণকে এতদ্বারা অবগত করা ঘাইতেছে যে ঢাকা জিলার অন্তর্গত মুন্দিগঞ্জের নিকট ধলেশ্বরী নদার তটে প্রতি বৎসর যে কার্ত্তিক বাৰুণী মেলা হইয়া পাকে তাহা গুটীয় ১৮৯৭ সালের ২৫এ নবেল্বর অর্থাৎ বালালা ১৩০৪ সালের ১১ই অগ্রহায়ণ তারিখে আর্ছ হইয়া ১৮৯৮ সালের ৫ই জানুয়ারি তারিখ পর্যান্ত থাকিবে। ব্যবসায়ী ও বিক্রেভাগণ ও অন্যান্য ব্যক্তি এই ছয় সপ্তাহ কালের মধ্যে ক্রয় বিক্রয় করিতে পারিবেন।

জিলা বোর্ডের আপিস, ঢাকা, ১৮৯৭ সাল ২৮এ অক্টোবর।

কে, মহম্মদ ইউকুফ্, চেযাবম্যানের পরিবতে:

কলিকাতা শোগতেনী কেল যঞ্জালয়ে গ্ৰেণমেন্টেৰ কন্য শীযুত তেম্ম পেটি মাতেৰ কতৃক যুদ্ধিত ও একাগিত চইল 👉





TUESDAY, DECEMBER 7, 1897.

# यञ्चलवात, ১৮৯१ माल १ फिरमञ्जर।

CONTENTS.	
PA	GE. निर् <b>े</b> ।
Part 1Resolutions, Orders and Notifica-	न हो।
tions of the Government of India 2	Vil. প্রথম বশু।—ভারতবর্ষীর গ্রব্দেটের শিশ্বারণ
Part II.—Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই
tions by the Lieutenaut-Governor	विजीय थेथ ।—वक्रामान्य भवन्यातिक विश्वासन्
of Bengal 353	359 আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ৩৫৩—৩৫২
PART IIA.—Orders by the Lieutenant-Gover-	विक्रीय क थल।—वनरमरमंत्र गवर्गस्य कारमं ১১१—১১৮
nor of Bengal 117-	118 ভূতীয় খণ্ড।—ভারতবর্ষীয় ব্যবন্দাপক সভার প্রণীভ
PART III Acts of the Legislative Council of	আইন নাই
India 21—	-22 চতুর্ব বঙ ৷—ভারতধ্বীয় ব্যবস্থাপক সভায় আইনের
PART IV Bills of the Legislative Council of	পাতৃলিপি ২১—২২
India	Vil. প্ৰাম বভ।—বদীয় ব্যবস্থাপক সভাৱ প্ৰণীত আইন নাই
PART V Acts of the Bengal Council A	Vil. वर्ष्ठ थर्थ ।—तकीय वागन्दाशक मखात आहेरमध
PART VIBills of the Bengal Council	Vil. পাণ্ডলিপি নাই
PART VIJ Circular Orders by the High	সম্ভম থণ্ড।—হাই কোর্টের ও রেবিনিউ বোর্টের
Court and Board of Revenue A	Vil. সাধাবণ জ্ঞাপনপত্ত নাই
PART VIII Advertisements 595-	- 605 । অটুম বঙা — ইশ্তিহার প্রভৃতি ৫৯৫ – ৬-৫
Supplement A	iil. পরিশিপ্ত সবর্ণমেটের সেকেট নাই

#### PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

# দিতীয় খণ্ড।

वक्रमान्त्र शवर्वध्यव्येत निर्कातन, चाल्लन ଓ विश्वालन वाञ्चि ।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের মুনিসিপাল (মেডিক্যাল) ডিপার্টমেণ্টের সেজেটেরির নিকটি প্রেরিত ভারতবর্ষের গবর্ণমেণ্টের সেজেটেরী শ্রীযুক্ত জে, পি, হিউয়েট সি, আই, ই, সাহেবের ২৫০৫ নং পত্র।

হোম ভিপাটমেন্ট। সাক্ষা বিষয়ক।

কলিকাতা, ২১শে নবেম্বর ১৮৯৭ সাল।

আপনার ১৫ই তারিখের সাঙ্কেতিক টেলিপ্রামে যে লেখালেখি শেষ হয় তাহারই জেরস্করপ বঙ্গ-দেশের গবর্ণমেন্টের অবগতির নিমিন্ত হেজাজে তীর্থযাত্ত্রা করিবার চলিত কালের মধ্যে ঐ তার্থযাত্ত্রা সম্বন্ধে ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্ট ব্যাপক পীড়া বিষয়ক ১৮৯৭ সালের আইন অনুসারে ২০শে তারিখের ২৪৯৫ নং যে বিজ্ঞাপন প্রচারিত করিরাছেন তাহার একখানি নকল প্রেরণ করিতে আদিই হইয়াছি।

- ২। আমার এই অন্নরোধ যে ঐ সকল আদেশের মর্ম যাহাতে অবিলম্নে এবং বিস্তৃতভাবে জানান হয় এবং যে সকল হেতুতে ঐ সকল আদেশ প্রচার করা হইরাছে তাহা বুঝান হয় তজ্জন্য যে সকল উপায় অবলম্বন করা সম্ভব ভাহা অবলধিত হয়। জিলার মাজিট্টেটিদিগের দারা, মুসলমান-দিগের ধর্ম সম্বন্ধীয় প্রধান প্রধান ব্যক্তিদিগের দারা, তার্ধাত্রীদিগের দালালদিগের দারা এবং বজদেশের গ্রন্থিটি অন্য যে উপায় ভাল বিবেচনা করেন তদ্ধারা যাহাতে তার্থগ্যনেচ্চুক ব্যক্তিগণকে এ বংসর হেজাজে যাইতে বিরত করা যায় তৎপক্ষে যত চেটা করা কর্ত্ব্য ভাহাও করা উচিত।
- ৬। ভারতবর্ষের যে সকল অংশ হইতে তীর্থগমনের নিয়েধ আজ্ঞা প্রত্যাহার করা হইয়াছে হেজাজে গমনার্থ জাহাজে চড়াইবার নিমিত্ত সেই সকল অংশ হইতে ভীর্থযাত্রীদিগকে করাচি এবং চট্টগ্রামে পাঠাইবার বন্দোবস্ত করা সম্বন্ধে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট এবং আড্মিনিফ্রেশন সমূহের নিকট যে সারকুলার প্রেরণ করা হইয়াছে বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের অবগতির নিমিত্ত আমি তাহারও একখানি নকল পাঠাইতেছি। দৃষ্ট হইবে যে আপনার ৬ই তারিখের টেলিগ্রামে যে প্রস্তাব করা হইয়াছে ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্ট তাহা আছা করিয়াছেন এবং বঙ্গদেশ আসাম এবং উত্তর-পশ্চিম প্রদেশ ও অযোধ্যার পূর্ব্ব ভাগের তীর্থবাত্রীদিগকে প্রথমতঃ একটা প্রাদেশিক পরিদর্শনের ক্যাম্পে পরিদর্শনাধানে আটকাইয়া রাখিয়া এবং তথা হইতে স্পোলল টেনে এবং একজন জবাবদিহিসম্পন্ন কর্মচারির জিমায় তাঁহাদিগকে রাণীগঞ্জের সেক্রাল ক্যাম্পে প্রেরণ করিয়া তাহার পর চট্টগ্রামে জাহাজে চডাইয়া দেওয়া হইবে। যে সকল স্থানীয় গবর্ণমেন্ট এবং আড্মিনিফ্রেশনের সহিত এই কার্য্যের সংক্রব আছে তাঁছারা যে সকল বন্দোবস্ত করেন তৎসন্বন্ধে বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টকে সংবাদ দিবার নিমিত্ত এবং রাণাগজে গমন করিবার নিমিত্ত যে সকল লোক প্রাদেশিক ক্যাম্পে থাকেন তাঁছাদের সংখ্যা সম্বন্ধে এবং তাঁহারা যত সময় পরিদর্শনাধীন থাকিয়াছেন তৎসম্বন্ধে সময়ে সময়ে সংবাদ দিবার নিমিত্ত ঐ সকল স্থানীয় গবর্ণমেন্ট এবং আড্মিনিফ্রেশনকে আদেশ করা হইয়াছে। আমার এই অন্নরোধ যে প্রাদেশিক ক্যাম্প হইতে রাণীগঞ্জে তার্থযাত্রী গ্রহণ করিবার বন্দোবস্ত সম্বন্ধে বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্ট ঐ সকল স্থানীয় গবর্ণমেন্ট এবং আড্মিনিফ্রেশনের সহিত লেখালেখি করেন। বঙ্গদেশের এবং অপর প্রদেশের ভার্থযাত্রীদিগকে রাণীগঞ্জে গ্রহণ করিবার নিমিত্ত এবং ভাহাদিগকে চট্টগ্রামে পাঠাইয়া দিবার এবং তথায় জাহাজে চড়াইয়া দিবার নিমিত্ত যে সকল বন্দোবস্ত করা হয় তৎসন্ধন্ধ সংবাদ প্রাপ্ত হইলে ভারতবর্ষের গবনমেন্ট আব্লাদিত হইবেন।
  - ৪। পরিদর্শনের ক্যাম্প ভিন্ন অন্য কোথাও টিকিট বিক্রম করা হইবে না এবং আমার এই অন্ধরোধ যে এই আদেশ জারি করিবার নিমিত্ত এবং তার্থযান্ত্রীদিগের দালালদিগকে ইহা জানাইবার নিমিত্ত উপায় অবলমন করা হয়। বন্দোবন্তের বিষয় জাহাজের এজেন্টদিগকে অবগত করিবার নিমিত্ত এবং কত জাহাজ পাওয়া যাইতে পারে হতদূর সন্তব তাহার সংখ্যা নির্দয় করিবার নিমিত্ত, যে যে তারিখে ঐ সকল জাহাজ রওয়ানা হইবে সেই সেই তারিখ নির্দয় করিবার নিমিত্ত এবং ঐ সকল জাহাজ করাটি হইতে কি চট্টামে হইতে ছাত্বি ভাহা নির্দয় করিবার নিমিত্ত বোদাইয়ের গবর্গনেন্টকে অন্ধরোধ করা হইয়াছে। চট্টাম হইতে যে সকল জাহাজ রওয়ানা হইবে তৎসন্থল্প যে সংবাদ সংগ্রহ করা হাইতে পারে বিজ্ঞানের গবর্গমেন্টকে তাহা এবল করিবার নিমিত্ত বোদাইয়ের গবর্গমেন্টকে অন্ধরোধ করা হইয়াছে।

শাব্দাজ প্রেসিডেন্দী হইতে এবং মহীশ্র ও হাইদরাবাদ রাজ্য.হইতে যে সকল তীর্থযাত্রী
গমন করিবে ভাহাদিগকে করাচিতে কিথা চট্টগ্রামে জাহাজে চড়ান হইবে এই বিষয় এখন ও বিবেচনাধীন
রহিয়াছে এবং এবিষয়ে আর এক পত্র প্রেরণ করা যাইবে।

জে, পি হিউয়েট্র, ভারতবর্ধের গবর্ধমেন্টের সেক্টেরী।

ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী শ্রীযুক্ত জে, পি, হিউয়েট্ সি, আই, ই, সাহেবের নিকট হইতে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট সম্হের নিকট প্রেরিত ২৫০৯। ১৪ নং সারকুলার।

হোম ডিপার্টমেন্ট। স্থান্দ্য বিষয়ক।

কলিকাতা, ২১শে মবেমর ১৮৯৭ সাল।

হেজাজে তীর্থযাত্রা করিবার চলিত কালের মধ্যে ঐ তার্থযাত্রা সম্বন্ধে ভারতবনের গ্রন্মেন্ট ব্যাপক পীড়া বিষয়ক ১৮৯৭ সালের আইন অন্ধারে ২০শে তারিখের ২৪৯৫ নং যে বিজ্ঞাপন প্রচারিত করিয়াছেন আপনার অবগতির নিমিত্ত তাহার একখানি নকল প্রেরণ করিতে আদিন্ট ইইয়াছি।

- ২। আমার এই অনুরোধ থে ঐ সকল অন্দেশৰ মর্য যাছাতে অবিলয়ে এবং বিস্তৃতভাবে জানান হয় এবং যে সকল হৈতুতে ঐ সকল আনেশ প্রচার করা হইয়াছে তাহা বৃথান হয় তজ্জন্য যে সকল উপায় অবলগন করা সন্থব তাহা অবলগিত হয়। জিলাব মাজিট্টেটিদিগেব গারা, মুসলমান-দিগের ধর্ম সন্ধন্ধীয় প্রধান প্রধান ব্যক্তিদিগের গারা, তার্থ যাত্রীদিগের দালালিদিগের গারা এবং আপানারা অন্য যে উপায় ভাল বিবেচনা করেন তদ্ধারা যাহাতে তার্থগমনেচ্ছুক ব্যক্তিগণকে এবংসর হেজাজে যাইতে বিরত করা যায় তৎপক্ষে যত চেন্টা করা কর্ত্ব্য তাহাও করা উচিত।
- ৩। দৃষ্ট হইবে যে কেবলমাত্র সিন্ধু প্রদেশের করাচি বন্দরে এবং নিম্ন বঙ্গের চট্টগ্রাম বন্দরে তীর্থযাত্রীদিগকে জাহাজে চড়িতে দেওয়া হইবে। চট্টগ্রাম দিয়া যে পথ তাহা বঙ্গদেশ, আদাম এবং উত্তর-পশ্চিম প্রদেশ ও অযোধ্যার পূর্ন ভাগের লোকদিগের নিমিত্ত এবং করাচি দিয়া যে পথ তাহা সিন্ধু ও অপার ইণ্ডিয়ার লোকদিগের নিমিত্ত। উত্তর-পশ্চিম প্রদেশ ও অযোধ্যা, পঞ্জাব, মধ্য-প্রদেশ, আসাম ও নিকটবত্ত্বী দেশায় রাজ্য, রাজপুতানা এবং মধ্য-ভারতবর্ণের যে সকল লোক তার্থ গ্রমনের ইল্ছা পরিজ্যাগ না করিবেন তাঁহাদিগকৈ প্রস্পৃতানা ও মধ্য ভারতব্য হইলে এজেনিতে

জড করিতে ইইবে ও তথায় তাঁহাদিগকে অন্ততঃ ১০ দিনের জন্য একজন কমিশনপ্রাপ্ত ডাক্তা-রের বিশেষ তত্ত্বাবধানে আটকাইয়া রাখিতে হইবে। যে সকল তার্থযাত্রী করাচিতে জাহাজে চ্চিত্তেন উহিাদিগকে প্রাদেশিক পরিদর্শনের ক্যাম্প হইতে একবারে বন্দরে পাঠান যাইবে এবং যে সকল তীর্থ-গাত্রী চট্টগ্রামে জাহাজে চড়িবেন তাহাদিগকে প্রথমতঃ প্রাদেশিক ক্যাম্প হইতে রাণাগঞ্জস্তিত সেকুলি কণম্পে পাঠাইয়া পরে ৬গা হইতে বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্ট যে সকল বন্দেবস্ত করিবেন ভদ্মসারে চট্টগ্রামে পাঠান হইবে। যে সকল তার্থগমনেচ্ছুক ব্যক্তি ১০ দিন পরিদর্শনাধীন থাকিয়াছেন এবং যাঁহাদের সংক্রামকদোষশ্রাতা সম্বন্ধে সার্টিফিকেট দেওয়া হইয়াছে কর্তৃপক্ষেরা উত্তাদিগকে লইতে প্রস্তুত আছেন আশনার। সিন্ধু বা বঙ্গদেশ চইতে এই সংবাদ প্রাপ্ত চইবামাত্র তাঁহাদিগকে স্থলভেদে করাটি বা রাণীগঞ্জে পাঠাইয়া দেওয়া ইইবে। কত জাহাজ পাওয়া যাইতে পারে এবং কোনু তারিখে ঐ সকল জাহাজ ছাড়িবে তাহারই উ।র ইহা নির্ভর করিবে। প্রাদেশিক ক্রন্ত্র হইতে তার্থযাত্রীদিগকে স্পোণল ট্রেনে এবং একজন জবাবদিহিসপদ্ধ কর্মচারির জিন্মায় পাঠাইতে হইবে। দেশীয় রাজ্য হইতে প্রাদেশিক পরিদর্শনের ক্যাম্পে তীর্থযাত্ত্রী গ্রহণ করা সগল্পে ও সকল রাজ্যস্থিত পলিটিকাল কর্তৃপক্ষদিগকে পত্রলেখা আবশ্যক হংবে। হেজাজে যাইবার টিকিট কেব্লয়াত্র পরিদর্শনের ক্যাম্পে বিক্রয় করা যাইতে পারিবে এবং আমার এই অনুরোধ যে এই আদেশ জারি করিবার জন্য এবং বোম্বাই ও বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সহিত পরামর্শ করিয়া জাহাজের এজেন্ট এবং তীর্থযাত্রীদিগের দালালদিগকে ইছা জানাইবার জন্য যে সকল উপায় অবলম্বন করা আবশ্যক তাহা অধলম্বিত হয় ৷

৪। আমার এই অনুরোধ যে পরিদর্শনের ক্যাম্পের নিমিন্ত একটা স্থান অবিলয়ে পছন্দ করা হয়, এই পত্রে যে সকল উপদেশ প্রদন্ত হইল অদন্তসারে কার্য্য করিবার পক্ষে যত শাদ্র সম্ভব বন্দো-বন্ত করা হয় এবং যে সকল বন্দোবন্ত করা হয় ভাহার সংবাদ ভারতবর্ষের সর্বাহেন্ট এবং বোদ্বাই ও বল্পদেশের গবর্গমেন্টকে প্রেরণ করা হয়। করাচি বা রাণীগঞ্জে যাইবার নিমিত্ত যত লোক প্রাদেশিক ক্যাম্পে থাকেন তাঁহাদের সংখ্যার এবং তাঁহারা যত সময় পরিদর্শনাধান থাকিয়াছেন ভাহার এক এক-খানি সাময়িক বিবরণ দিবার নিমিত্ত এবং প্রাদেশিক ক্যাম্প হইতে তীর্থযাত্ত্রীদিগকে স্থলভেদে করাচি বা রাণীগঞ্জের ক্যাম্পে পাঠাইবার জন্য বোদ্বাই ও বঙ্গদেশের গবর্গমেন্টের সহিত পরাম্প্রক্রিয়া বন্দোবন্ত করিতে হইবে।

জে, পি, হিউন্নেট্, স্তারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

২৪৯৫ নম্বর।

# ভারতবর্ষের গবর্ণমেট।

হোম ডিপার্টমেণ্ট।

স্বাস্থ্য বিষয়ক।

কলিকাতা, ১৮৯৭ সাল ২০এ নবেম্ব

#### বিজ্ঞাপন।

ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৭ সালের ২০এ কেব্রুয়ারি তারিখের ৬২৫ নং বিজ্ঞাপনে ব্যাপক পীড়া বিষয়ক ১৮৯৭ সালের ৩ আইনের ২ ধারার (১) প্রকরণের প্রদক্ত ক্ষমতামু-সারে এই আদেশ করা হয় যে ১৮৯৭ সালে হেজ্ঞাজে তীর্থযাত্রার কালে ঐ তীর্থযাত্রা ছগিত থাকিবে।

ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্ট এরপ আবশাক বিবেচনা করেন না যে তীর্থযাত্রার চলিত কালের মধ্যে তীর্থযাত্রা একবারে বন্ধ করা হয়। কিন্তু বোধাই প্রেদিডেন্সাতে মড়কের প্রাতৃত্রির বছদূর ব্যাপ্ত হইয়া পাডায় তুরন্ধস্থন্ধ ইউরোপের সমস্ত গবর্ণমেন্ট ইউরোপে মড়ক যাওয়ার আশার্ধ। আছে বলিয়া দৃচতা সহকারে যে মড প্রকাশ করিয়াছেন ভাষা বিবেচনা করিয়া এবং তীর্থগমনেচ্ছুক ব্যক্তিগল কর্তৃক্ক ভারতবর্ধের দূষিত স্থান হইতে অদূষিত স্থানে মড়ক ব্যাপ্ত হইবার যে আশার্ধ। আছে তাষা বিবেচনা করিয়া ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্ট উক্ত তীর্থযাত্রীগণকে সাবধানে নিয়মের অধীন করা নিতান্ত আবশ্যক মনে করেন।

অতএব মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনগল সাহেব ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্ট-মেন্টের ১৮৯৭ সালের ২০এ ফেব্রুয়ারি তারিখের ৬২৫ নং বিজ্ঞাপন রহিত করিলেন।

মান্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব আরও আদেশ করিলেন যে অন্য আদেশ না হওয়া পর্যাস্ত সিন্ধু ভিন্ন বোদ্বাই প্রেসিডেন্সির অপর কোন অংশের কোন স্থায়ী বা অস্থায়ী অধিবাসীকে মেক্কায় তীর্থযাত্রায় যাইবার অভিপ্রায়ে ভারতবর্ষের কোন বন্দরে জাহাজে চড়িতে দেওয়া হইবে না।

মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব নিম্নলিখিতমত আদেশও করিলেন:---

(১) সিন্ধু প্রদেশের করাচি বন্দর এবং নিম্নবন্ধ প্রদেশের চট্টগ্রাম বন্দর ভিন্ন অপর কোন বন্দর চইতে ,মেক্কায় তীর্থযাত্রার অভিপ্রায়ে কোন ব্যক্তিকে জাহাজে চড়িতে দেওয়া হইবে না। এবং কোন ব্যক্তি কর্ত্বক মডকের বীজ ব্যাপ্ত হইবার আশঙ্কা সম্পূর্ণরূপে দূর হইয়াছে বলিয়া যডক্ষণ পরিদর্শনার্থ নিরূপিত কোন হানের ভারপ্রাপ্ত ভাক্তারের প্রতীতি না জন্মে ততক্ষণ তাঁছাকে তথায় পরিদর্শনা নির্যাধা না গেলেও এবং পরিদর্শনের স্থান হইতে জাহাজে চড়িবার স্থানে তীর্থযাত্রীদিগকে লইয়া যাইবার নিমিত্ত যে কর্মচারী নিযুক্ত হন সেই কর্মচারী ঐ ব্যক্তিকে জাহাজে চড়িবার স্থানে লইয়া না গেলেও তাঁচাকে জাহাজে চড়িবেত দেওয়া হইবে না।

- (২) তীর্থগমনেচ্ছুক পরিদর্শনাধীন যাত্রীগণকে আটকাইয়া রাখিবার নিমিত্ত যে সকল স্থান নিরূপিত হয় তন্তির অপর কোন স্থানে হেজাজে যাইবার টিকিট বিক্রয় করা যাইবে না।
- (৩) ভারপ্রাপ্ত ডাক্তারের যতক্ষণ এইরূপ প্রতীতি না হয় যে, যে সকল ব্যক্তি হেজাজে যাইবার অভিপ্রায়ে সিন্ধু প্রদেশ ভিন্ন বোদ্বাই প্রেসিডেন্দির অপর কোন অংশে প্রবেশ করিয়াছেন তাঁচাদের মধ্যে মড়ক দেখা দিবার আশঙ্কা সম্পূর্ণরূপে দূর হইয়াছে ততক্ষণ সেই সকল ব্যক্তিকে পরিদর্শনের ক্যাম্পে বা তাঁবুতে রাখা হইবে। তাহার পর তাঁহাদিগকে বাড়ী পাঠান যাইবে ।

উপরিলিখিত সতর্কতা সহকারে হেজাজে তার্থযাত্রা করিতে দেওয়া যাইতে পারে ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্ট এইরপ সিদ্ধান্ত করিলেও সমস্ত অবস্থা বিবেচনায় এবং তুরস্ক গবর্ণমেন্ট যে কড়াকড় করোকাইনের নিয়ম ধার্য্য করিয়াছেন তাহা বিশেষভাবে বিবেচনা করিয়া এবং আরব দেশে উপস্থিত
হইয়া তার্থগমনেচ্ছুক ব্যক্তিগণকে সম্ভবতঃ যে অম্বিধা ও নিএহ ভোগ করিতে হইবে তাহা বিবেচনা করিয়া ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের দৃঢ় বিশ্বাস এই যে তার্থগমনেচ্ছুক ব্যক্তিরা আগামী তার্থযাত্রার
কাল পর্যান্ত আপনাদের সঙ্কম্প হইতে বিরত থাকিলে মুবুদ্ধির কার্য্য করিবেন।

স্তারতবর্ষের গবর্ণমেন্ট খুব সম্প্রতি যে সংবাদ পাইয়াছেন তাহা হইতে জ্ঞানা যায় যে হেজাজে এখনও হোর অশান্তি চলিতেছে এবং মেকায় গমন করিলে ধন প্রাণ নাশের আশক্ষা আছে।

> জে, পি, হিন্তয়েট্, ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

मुनित्रिशाल जिलाउँ रमणे ।

মেডিক্যাল।

৫০৭১ নং মেডিক্যাল।

কলিকাডা, ১৮১৭ সাল ২৬ এ নবেম্বর।

ব্রীযুত ই, আর. হেন্রী, সি, এস্, সাহেবের নিকট প্রেরিত বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেকেটরী শ্রীযুত এচ্, এচ্, রিস্লী, সি, আই, ই, সাহেবের পত্র।

আপনার অবগতির নিমিত্ত হেজাজে তীর্থযাত্রা করিবার চলিত কা লের মধ্যে ঐ তীর্থযাত্রা সম্বন্ধে ভারতবর্ষের গবর্গমেন্টের এই মাসের ২১ তারিখের ২৫০৫ নং পত্রের প্রতিলিপি পাঠাইতে আদিষ্ট ইইয়াছি।

- ২। ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের উক্ত পত্তের ২ পারাগ্রাফ সম্বন্ধে এই আপিসের পোলিটিকাল ডিপার্টমেন্ট হইতে আদেশ প্রদত্ত হইবে। এরূপ আশা করা যায় যে তীর্থযাত্রীদিগকে সতর্ক করিয়া দেওয়াতে অনেক মুসলমার্নই এই বৎসর হেজাজ যাত্রা হইতে নিহন্ত হইতে পারে।
- ৩। ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের পত্রের ৩ পারাত্রাকের লিখিত প্রকারে তার্থমাত্রীদিগকে চট্টগ্রাম হইতে প্রেরণ করিবার যে সকল বন্দোবস্ত করিতে ইইবে শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব আপনাকে ভাহার ভার প্রদান করিতে স্থির করিয়াছেন। আমার অন্থরোধ এই যে আপনি আবশ্যকমত ভাস্ত করিবার পর বন্ধদেশ ও অন্যান্য প্রদেশের তীর্থমাত্রীদিগকে রাণীগঞ্জে প্রহণ করিবার নিমিত্ত এবং ভাহাদিগকে চট্টগ্রামে পাঠাইয়া তথা হইতে জাহাজে উঠাইবার জন্য যে সকল বন্দোবস্ত করিবার প্রভাব করেন যতদুর সম্ভব তাহার সম্পূর্ণ ও বিস্তারিত বিবরণ সম্বলিত একখানি রিপ্টে শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের অবগতির নিমিত্ত ও ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টকে জ্ঞাপন করিবার নিমিত্ত অর্পণ করেন। এ বিষয়ে আপনাকে নিম্নলিখিত মন্তব্যও জ্ঞাপন করণার্থ আদিট হইয়াছি।
- 8। রাণীগঞ্জ ক্যাম্প।—কোন জাহাজেই এক হাজারের বেশি লোকের জায়গ। হইতে পারে না, এই জন্য ঐ ক্যাম্প এরূপ বড় ছওয়া চাই যে উহাতে প্রায় এক হাজার লোক ধরিতে পারে। সানিটরী ক্মিশনরের সহিত পরামর্শ করিয়া ক্যাম্পের নক্সা ক্রিডে হইবে এবং যদি সম্ভব হয়

ভাছা হইলে এরপ বন্দোবন্ত করিতে হইবে যেন ক্যাম্পের কোন অংশে সংক্রামক রোগ দেখা দিলে সমস্ত তীর্থযাত্রীকে আটক করিয়া রাখা আবশ্যক হইয়া না পতে। ক্যান্সে পর পর ভিন্ন ভিন্ন ভীর্থযাত্রীর দলকে থাকিতে হইবে বলিয়া জল সরবরাহ ও পাইখানা সম্বন্ধে ও যে প্রণালীতে মল ছানাম্ভর ও ভাগার বিলিব্যবস্থা করিতে হইবে তৎসম্বন্ধে বিশেষ দৃষ্টি রাখিতে হইবে। তার্থযাত্রীদিগকে ক্যান্দে জাটক করিয়া রাখিবার সময় তাহাদিগের খাদ্য সরবরাহ করা আবশ্যক হইবে; এছলে মন্তব্য এই যে, এই বিষয়ে ও জী যাত্রীদিগের বাসা দিবার সম্বন্ধে কিরূপ বন্দোবন্ত করা উচিত ভদ্বিয়ে প্রধানং জন কয়েক তার্থযাত্রীর দালালের সহিত পরামর্শ করিলে ভাল হয়। ক্যাম্পের কিয়দংশে উৎক্লয়তর গাকিবার জায়গার বিধান করিয়া ভাহা উচ্চ শ্রেণীর ভীর্থযাত্রীদের জন্য স্বভন্ত করিয়া রাখা উচিভ কি না ইহাও আপনাকে বিবেচনা করিয়া দেখিতে হইবে। তীর্থযাত্রীর দালালদের থাকিবার वत्कावस कता हारे, छाराता क्यांत्मरे जाभनात्मत व्यवमा हानारेत। এमहस्त मस्वा এर या माधातन ভীর্থযাত্রীরা যে অংশ দখল করিবে দালালদের থাকিবার স্থান ভাষা হইতে পৃথক রাখিতে হইবে ৷ ক্যাম্প তীর্থযাত্রীদিগকে গ্রহণ করিবার উপযুক্ত হইলেই এধানং মুসলমান, দালাল ও গ্রাম্য চৌকীদার দ্বারা ঐ কথা যতদুর সম্ভব প্রচার করিতে হইবে। গমনেচ্ছু তীর্থযাত্রীরা যাহাতে কলিকাতায় প্রবেশ না করিয়া একবারে ক্যাম্পে যায় ভাহাদিগকে এইরূপে উৎসাহিত কর। বাঞ্চনীয়। সামার পারামর্শে, যে পুথ দিয়া তীর্থঘাত্রীদের ঘাওয়া উচিত প্রত্যেক জিলায় তাহার বিজ্ঞাপন দিলে ও তীর্থঘাত্রাদিগকে আটকাইয়া ক্যাম্পে লইয়া যাইবার জন্য নৈহাটী ও রাণীগঞ্জে বা ধানায় দালাল রাখিলে ঐ অভিপ্রায় সিদ্ধ হইতে পারে।

- ে। টিকিট বিক্রয়।--ভীর্থযাত্রীদিগকে আটক করিয়া রাখিবার জন্য যে সকল স্থান নির্দ্দিট হয় ছেম ডিপার্টমেন্টের ২০এ নবেম্বরের ২৪৯৫ নং বিজ্ঞাপন অনুসারে কেবল সেই সকল স্থানেই হেজাজে ষাইবার টিকিট বিক্রয় করা যাইতে পারিবে। এই নিয়মটি বহুলোকে জানিতে পারিলে ও এই নিয়মান্ত্র সারে ভালরপ কার্য্য করিতে পারিলেই উপস্থিত প্রস্তাবটির অধিক পরিমাণে সফলতা লাভ করিবার সম্ভাবনা। এই বৎসরের প্রথম কয়েক মাস বহুসংখ্যক তীর্থযাত্রী বোম্বাইয়ে টিকিট ক্রয় করিয়া জাহাজে উঠিতে না পা ওয়ায়, কলিকাতা হইতে যে সকল তীর্থযাত্রী লইয়া যাইবার ফীমার বা পাইলভরে গামা আরবদেশীয় জাহাজ স্থপদাগরে বা পারস্য উপদাগরে যায় ভাহাতে উঠিতে পারিবে এই আৰু। করিয়া কলিকাভায় আসিয়াছিল। যাহাতে পুনর্বার এরপা না হইতে পারে ভন্নিমিত্ত সাবধান হইতে হইবে। এ বিষয়ে পরামর্শ এই যে, আপনি এখানে ও বোদাইয়ে এবং অপার ইণ্ডিয়ার সম্ভ বভং নগর ও সহরে এই কথা প্রচার করিয়া দিবেন যে কোন টিকিটে যদি কোন ক্যাম্পের ভারপ্রাপ্ত কর্মচারীদের স্বাক্ষরিত এমন সার্টিফিকেট লিখিত না খাকে যে (১) ঐ টিকিট ঐ ক্যাম্পে বিক্রয় করা হইয়াছে এবং (২) টিকিটধারীকে প্রস্থান করিবার সময় পর্যান্ত পরিদর্শনাধীনে আটক রাখা হইয়াছিল, ভাহা হইলে ঐ টিকিট কায়েম টিকিট বলিয়া আহ্য করা মাইবে না। ভীর্থগমনেচ্ছুক সকল ব্যক্তিকে ইহাও পরিক্ষার করিয়া বুঝাইয়া দিতে হইবে যে, যাহার জেন্দায় ফিরিয়া আসিবার টিকিট ক্রয় করিবার টাকা নাই ভাহাকে রাণীগঞ্জ ক্যাম্পে গ্রাহণ করা ঘাইতে পারিবে না। যে তীর্থযাত্রীরা অন্যান্য প্রদেশ হইতে আসিবে তাহাদের ইতিপূর্কেই টিকিট লইয়া আসা আবশ্যক।
- ৬। রাণীগঞ্জ ইইতে চট্টগ্রামে গমন।—নির্দিষ্টসংখ্যক তীর্থযাত্রী গ্রহণ করণার্থ চট্টগ্রামে কোন জাহাজ প্রস্তুত আছে রাণীগঞ্জে এই সমাদ প্রাপ্ত হওয়া গেলেই, ক্যাম্পের ভারপ্রপ্ত কর্মচারী পরিদর্শনিধীন ব্যক্তিদের মধ্য ইইতে ঐ সংখ্যক লোক বাছাই করিবেন ও ভাহাদিগকে ডাক্তারের ছারা পরীক্ষা করাইবেন। তাহার পার তাহাদিগকে প্রহরীর জিন্মায় স্পেশল ট্রেনে কৃষ্টিয়ায় লইয়া যাইতে ইইবে। তথা ইইতে চাঁদপুরে যাইবার জন্য তাহারা একখানি স্পেশল ট্রেনে কৃষ্টিয়ায় লইয়া যাইবার জন্য তাহারা একখানি স্পেশল ট্রেন ক্রামারে উঠিবে। তাহাদিগকে চট্টগ্রামে লইয়া যাইবার জন্য চাঁদপুরে একথানি স্পেশল ট্রেন তৈয়ারি থাকা চাই। আমার অম্বরোধ এই যে, যে সকল রেলওয়ে ও তীমার কোম্পানির সহিত এ কার্য্যের সংস্ত্রব আছে তাঁহাদের সহিত দেখালেখি করিয়া এই সকল বন্দোবশুঘটিত প্রত্যেক বিষয় স্থির করা হয় এবং রাণীগঞ্জ ইইতে চট্টগ্রাম যাত্রার পথে কোন্ কোন্ ছানে তার্থযাত্রীরা আহার করিবার জন্য নামিতে পারিবে তৎপ্রকাশক একখানি টাইম টেবিল সম্বেত সম্পূর্বরূপে ঐ সকল বিষয় রিপোর্ট করা হয়। যাত্রাকালের মধ্যে তাহাদিগকে কি প্রকারে জল সরবরাহ করা যাইবে ইহাও উল্লেখ করিতে ইইবে। কৃষ্টিয়ায় জাহাজে উঠা, চাঁদপুরে জাহাজ ইইতে নামা এবং চট্টগ্রামে জাহাজে উঠা এই সকল কার্য্য দিবাভাগে করা বিশেষ আবশ্যক।
- ৭। চট্টপ্রামে জাছাজে উঠা।—চট্টপ্রাম হইতে তীর্থযাত্রীদের জাহাজ ছাড়িবার সমস্নের স্থান প্রহণার তার্থবাত্রীদের জাহাজ বিষয়ক ১৮৯৫ সালের আইনের ৮ ধারাস্থলারে চট্টপ্রামের পোর্ট আপিসরকে নিযুক্ত করা হইবে। উক্ত আইন ও উক্ত আইন অস্থলারে প্রণীত বিধির বিধানমতে ঠিক করা হইতেছে ইহা দেখা তাঁহার কর্ত্তব্য কর্ম হইবে।

তীর্থ যাত্রীদিগকে জাহাজে উঠাইয়া দিবার সন্থকে কোন গোলযোগ হইবার আশঙ্কা নাই। চাঁদপুর হইতে যে ট্রেনে ভাহাদিগকে লইয়া আসা হইবে ভাহা জাহাজের পার্শ্বে আনা হইবে এবং তৎ
কালের জন্য প্রস্তুত জেটীর উপর দিয়া ভাহারা জাহাজে উঠিবে। ভাহারা নগরে প্রবেশ করিতে কিয়া
চট্টগ্রামের অধিবাসীদের সহিত কোনরূপ সংস্রব রাখিতে না পারে ইহা দেখিবার জন্য পোর্ট আপিসরকে আদেশ করা হইবে।

- ৮। জাহাজের দ্রব্য সামগ্রী।—আপনি দেখিকেন ষে, চট্টগ্রাম হইতে যে সকল জাহাজ ছাড়ে ভৎসম্বন্ধে কোন সমাচার প্রাপ্ত হওয়া গেলে বোষাইয়ের গবর্ণমেন্ট এই গবর্ণমেন্টকে ঐ সমাচার দেন উক্ত গবর্ণমেন্টকে এইরপ অন্ধরোধ করা হইয়াছে। কিন্তু বোষাইয়ের এজেন্ট ও জাহাজ ওয়ালাদের চট্টগ্রাম বন্দরের অবস্থা সম্বন্ধে সবিশেষ অভিজ্ঞতা না থাকিতে পারে এবং এই বিষয়ে অনভিজ্ঞতা বশতঃ ও বড়ে চট্টগ্রামের ক্ষতি হইয়াছে বলিয়া আশকা থাকায় ঠাহারা আপন আপন অভিপ্রায় ব্যক্ত করিতে তত ইচ্ছ্ ক না হইতে পারেন এই বিবেচনায় আপনাকে এই পরামর্শ, দেওয়া যাইতেছে যে, আপনি আলোর বয়ার ও নলবের বন্দোবস্ত, ভাটার সময় চড়ায় কত জল থাকে, জাহাজ সজ্জিত করিবার, মেরামত করিবার ও দ্বব্য সামগ্রী পাইবার কিরপে স্ববিধা আছে, চট্টগ্রাম সম্বন্ধীয় এইরপ সকল প্রধানং বিবরণ কলিকাতার পোর্ট আপিসরের নিকট হইতে জানিয়া লইয়া সাধারণতঃ যে সকল জাহাজ ওয়ালা হেজাজে যাত্রী লইয়া যায় তাহাদিগের নিকট ঐ সকল বিষয়ের একটি সংক্ষেপ বিবরণ পাঠিইয়া দিবেন।
- ১। যাত্রাকালের জন্য খাদ্য সরবরাহ।—পরিশেষে, তীর্থযাত্রীদের জাহাজ বিষয়ক ১৮৯৫ সালের আইনের ১২ ও ১৮ ধারা এবং ৩১ ও ৩২ বিধির প্রতি আপনার দৃষ্টি আকর্ষণ করিতেছি। এরপ বিশ্বাস করা যায় যে তীর্থযাত্রীরা সাধারণতঃ জাহাজে উঠিবার পূর্কেই আপনং খাদ্য ক্রয় করিয়া জাহাজে লইয়া আইসে। জাহাজে উঠিবার যেপ্রণালীর একণে প্রস্তাব করা যাইতেছে তদমুসারে উক্তরূপ করা সম্ভব হইবে বলিয়া বোধ হয় না। আমার অম্বরোধ এই যে আপনি জাহাজের দালাল ও চার্টররদের সহিত লেখালেখি করিয়া এই বিষয়ে বিশেষ ভদন্ত লইবেন ও খাদ্য সরবরাহ সম্বন্ধে কিরূপ বন্দোবস্ত করা উচিত তৎসম্বন্ধে রিপোর্ট করিবেন।

এচ্, এচ্, রিসলী। বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।



TUESDAY, DECEMBER 7, 1897.

# यञ्चलवात्र, ১৮৯१ माल १ **ডि**म्बित्र ।

PART HA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal. দিতীয় ক খণ্ড। বৰুদেশের গ্ৰথমেন্টের আদেশ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 5099 M.—The 26th November 1897.—Whereas a notification No. 640 T.M., dated the 15th September 1897, was published at page 217, Part IB of the Calculta Gazette of the 22nd idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of section 252 of Part VI of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Bengal Acts IV of 1894 and II of 1896, to the Barisal Municipality, in the district of Backergunger and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Barisal Municipality, made at a meeting, the Licutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Manicipal Act to the said Municipality.

H. H. Rislky, Secy. to the Goot. of Bengal.

বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

#### মুনিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন।

৫০৯৯ এম,নম্বর 1—১৮৯৭ সাল ২৬ নবেম্বর। —বাশবগঞ্জ জিলার অন্তর্গত বরিশাল মুনিসিপালিটীতে ১৮৯৪ সালের বঙ্গীয় ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের বঙ্গীয় ২ আইন ছারা সংশোধিত বঙ্গদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের ষষ্ঠ পরিচ্ছেদের ২৫২ ধারার বিধান প্রচলিত করণার্থ প্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ১৫ সেপ্টেম্বর তারিখের ৬৪০ টি, নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ২২ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১1ট খণ্ডের ২১৭ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রভাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে প্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারামতে প্রদন্ত ক্ষমতাহ্লারে কার্য্য করিয়। এবং বরিশাল মুনিসিপালিটীতে প্রচলিত করিবার অহ্মতি দিলেন।

এচ্, এচ্, রিসলী, বন্ধদেশের গবর্গমেন্টের সেক্তেটরী।



# गवर्गिक (गर्जि ।

## मक्रवात. ১৮৯**१ मा**ं १ ডिट्मम् त ।

# চতুর্থ খণ্ড।

ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সম্ভার আইনের পাণ্ডুলিপি।

# ভারতবর্ষের গবর্ণমেণ্ট

ব্যবস্থা বিভাগ

নিম্নলিখিত আইনের পাণ্ট্লিপিখানি ১৮৯৭ সালের ৫ই নবেম্বর ভারিখে আইন ও ব্যবস্থা প্রণয়নার্থ ভারতবর্ষের শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের মন্ত্রি-সভায় উপস্থিত করা হইয়াছিল।—

১৮৯৭ সালের ১৯ নম্বর।

পেট্রোলিয়ম বিষয়ক ১৮৮৬ সালের আইন অধিক-তর সংশোধন করণার্থ আইনের পাণ্ডলিপি।

পেট্রোলিয়ম বিষয়ক ১৮৮৬ সালের আইন অধিক-ভর সংশোধন করা বিহিত, অতএব এতদ্বারা নিম্ন-লিখিতমত বিধান করা গেল।—

১ ধারা। (১) এই আইন-দংক্ষেপ নাম ও আর-ত্তের কথা। ১৮৯৭ সালের আইন বলা যাইতে পারিবে, এবং

(২) ইহা অবিলয়ে আমলে আসিবে ৷

২ ধারা। পেটোলিয়ম
১৮৮৬ নালের ১২ জাই- বিষয়ক ১৮৮৬ সালের
নেব ও ধারায় 'পেটো- আইনের ও ধারায় (১) দফার
নির্দেশ বসাইবার কথা।
বসাইতে ছইবে, অর্থাৎ—

'(১) ''পেট্রোলিয়ম'' শব্দে--

ক) যে সকল তরৰ পদার্থ মাটিয়া তৈল, রান্ধন ভৈল, ব্রহ্মদেশায় তৈল, কেরো- সাইন, প্যারাফাইন তৈল, খনিজ তৈল, পেট্রোলাইন, গ্যাসোলাইন, বেঞ্জোল, বেঞ্জোলাইন ও বেঞ্জাইন নামে সাধারণতঃ খ্যাত;

- (খ) যে কোন আশুদ্ধলনশীল তরল পদার্থ পেট্রোলিয়ম বা পাথরিয়া কয়লা বা শ্রেটাকার প্রস্তুর বা উদ্ভিজ্জ বস্তুজাত মৃক্তিকাদি ব। অন্য কোন আলকাতরার ভূল্য দ্রুব্য হইতে বা পেট্রোলিয়মজাত কোন বস্তু হইতে প্রস্তুত হয়, এবং
- (গ) অন্য দ্বেরের সহিত পুর্বের্যক্ত কোন তরল পদার্থ মিশাইয়া যে কোন তরল ব। আটাল মিশ্র হয় —

তাহাও গণ্য।

কিন্তু যে কোন তৈল সাধারণতঃ মস্থা করিবার নিমিত্র ব্যবস্থাত হয়, এবং খাহার প্রভানিগম স্থল ফারণ-হিটের তাপমান যজের তুইশত অংশ বা তর্পার হয় পোট্রোলিয়ম শব্দে তদ্রাপা কোন তৈল বুঝায় না।

১৮৮৯ সালের ১২ আইনের ৪ ধারায় নি এলিখিত প্রকরণটি
প্রকরণ যোগ করবার কথা। যোগ করিতে হইবে, অর্থাৎঃ—

' (৩) মজ্জিদভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব রাজকীয় গেজেটে বিজ্ঞাপন প্রকাশ করিয়া নৃতন ব

A Bill to further amend the Petroleum Act, 1886.

পরিবর্ত্তিত পরীক্ষা ও ঐ সকল পরীক্ষার আয়োজন ও প্রয়োগার্থ উপদেশ নির্দেশ করিয়া এই আইনের ভক্ষসীলের পরিবর্ত্তন বা তাহাতে যোগ করিতে পারি-বেন। এবং ঐ ভক্ষসীল পরিবর্ত্তিত হইলে বা

উহাতে যোগ করা গেলে এই আইনে ঐ তক্ষসীলের উল্লেখ হইলে ভাহার এইরূপ অর্থ করিতে হইবে যেন উপস্থিত সময়ের ঐরপে পরিবর্ত্তিত বা যোগ করা ঐ ভক্ষসীলের উল্লেখ হইয়াছে।"

#### অভিপ্রায় ও হেতুর বিবরণ।

রং, বার্নিশ ও ঐরপ অন্যান্য যে সকল দ্রব্যের মধ্যে আশুক্তুলনশীল পদার্থ থাকে ভাহার আমদানী, ভাহা নিকটে রাখা ও ভাহা চালান দিবার সম্বন্ধে সভর্কতা অবলম্বনের আবশ্যকতা বিষয়ে ভারতবর্ষের গর্বমেন্টকৈ জ্ঞাত করা হইয়াছে ও এই বিষয়ে ঐঞ্জীমতীর ষ্টেট সেক্টেরী সাহেবের সহিত লিখন পঠনাদিও
হইয়াছে। এই জন্য পাণ্ডলিপির ২ ধারাক্রমে এক্ষণে প্রভাব করা যাইতেছে যে, পেট্রোলিয়ম বিষয়ক
১৮৮৬ সালের আইনের (১৮৮৬ সালের ১২ আইন) বিধান উক্ত রূপ পদার্থ সম্বন্ধেও খাটিবে। যে সকল তরল
পদার্থ ইতিপূর্বেই "পেট্রোলিয়ম " শব্দের অর্থের অন্তর্গত করা হইয়াছিল তাহার কোনটির সহিত অপর দ্রব্য
মিশাইয়া তরল বা আটাল মিশ্র প্রন্ধুত হইলে ভাহাও যাহাতে ঐ শব্দের অর্থ মধ্যে গণ্য হয় এইভাবে উহার অর্থ
প্রসারিত করা গেল। এই উপলক্ষে অর্থনির্দেশটি উৎক্রুক্টতর আকারে রচিত হইল, কাজের পরিবর্ত্তন
এই যে কএকটি শব্দ সংযোগ করিয়া দেওয়া হইয়াছে মাত্র।

২। আইনের তক্ষণীলে যে সকল পরীক্ষা ও যন্ত্র নির্দ্ধিট ছইয়াছে তদ্ভিন্ন অন্য পরীক্ষা ও যন্ত্রও কোন কোন ছলে প্রয়োগ করিলে ছবিধা ছইতে পারে দেখা গিয়াছে। এই কারণে পাণ্ডুলিপির ৩ ধারা ছারা আইনের ৪ ধারায় যে সংযোগ বিহিত ছইল ভাছা এই অভিপ্রায়ে করা গেল যে তাহার বলে মন্ত্রিসভাধিন্তিও শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব ইভিন্না গেজেটে সময়ে নুসময়ে বিজ্ঞাপন দিয়া ঐ তপসীল পরিবর্ভিত বা উহাতে সংযোগ করিতে পারিবেন।

সি, এম, রিবাজ।

জে, এম, ম্যাককাস ন,

ভারতবর্ধের গবর্থমেন্টের সেক্রেটরী। Chunder Nath Bose, Bengali Translator.

১৮৯৭ সাল ২৭এ অক্টোবর।



# গবর্ণমেণ্ট গেজেট

TUESDAY, DECEMBER 7, 1897.

# यक्लवात, ১৮৯१ माल १ ডिमেश्रत।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्ट्रेय थल।

ইশ্ভিহার প্রভৃতি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিবয়ক ইন্ডাহার।

#### জিলা বাকরগঞ্জ।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালগুলি এবং মহালগুলি এবং মহালগুলি এবং মহালগুলি এবং মহালগুলি এবং মহালগুলি এবং মহালগুলি ও জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত সেপ্টেম্বর কিন্তির তেলবী বাকী রাজন্ম ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী রাজন্মের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সনের ও জাম্বয়ারি তারিখ মোং ১৩০৪ সনের ২২ পৌষ বৃধবার নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ সাল তারিখ ১৩ নবেম্বর।

,	•	•	8	a	•	9	•	>
ভীজির নশ্বর।	মহাল ও প্ৰগণার লাম।	সম্পূর্ণ মহা- লের সদব ধ্যমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰন্ন হইবে কিনা।	त्करनमाञ्च अश्य विक्रम बहेदन औ अश्य दो और अश्रमंत्र विदयम विवत्रमः।	যে\সভান্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোম অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশের সদর	স <b>ন্দুৰ্থ মহাল</b> বিক্ৰম্ন হইলে ভাহার বাক <sup>ী।</sup>	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহায় বাকী।
3084	পদ্মা ওরকে রম- জানপুর পং কাশীম- পুর সেহলাপট্টী।	euru)	সম্পূৰ্ণ মহা- লের মালিকী শক্ত মিলাম হইবে।	<b></b>	হরকুমার সেন গং	·	₹• <b>₹</b> 8)	
<b>₩•</b> €	চর সমসদী বালি- গাও পং সায়েন্ডা- নগর।	288¢)	(d)	•. •	দক্ষিণাকুমার রায় চৌধুরী গং।	•••••	98426	*****
1986	চর জ <b>ন্মলা পং উত্তর</b> সাবাজপুর।	948)	ė,	•••••	হরিমোহন ধোষাল	•• ••.	<b>≥</b> ►)	•••••
934	মেজি। চিকনীকান্দী পং চম্জন্বীপ।	•••••	••••	এজমালী—  Iপ্রাা(৭ = \frac{5}{8}  তিল অংশ নিলাম হইবে এত-  ন্তাতি অন্য কোন অংশ  নিলাম হইবে না।	অধিনী কুমার দক্ত গং।	८७८४५१		₹ <b>७</b> ऽ५ <i>७</i> ७
<b>&gt;&gt;</b> 8.	ভালুক বিশ্বনাধ সেন পং খাঞ্জাবাহাছুর- নগর।	£9 010/3311	সম্পূর্ণ মহাল নিলাম হইবে।		রামনারায়ণ সেন গং	*****	78519411	•••••
PGG	তালুক কতে মাহামুদ পং খাঞ্জাবাহাহ্র- নগর।	ه ار خان ۹	ď	•••••	রাখালচন্দ্র রায় চৌধুরী গং।	*** ***	25/4	*****
<b>699</b>	ভালুক সৌচ্ছদ্দিন খাঁ গং পং বোজ্বগো- মেদপুর।	······································	•	এজমালী—  4 ১/১৫ গণ্ডা  অংশ নিলাম  হইবে। এড-  হাজীড অন্য  কোন অংশ  নিলাম হইবে  না।	ক্টম্থকিশোর নিয়োগী গং।	3 · 8 · 4 · J 8		१८८८।

,	1	9	8	t	• .	9	ь	>
তৌজির নম্বব :	মহা <b>ল ও প</b> র্গণার নাম।	সম্পূর্ণ মহাজের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইবৈ কিনা।	क्विन भोज अश्म विक्रम इंडेटन के अश्म वा केश अश्टमंत्र विटमंद विवसन	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোম অংশ মাত্র বিক্রন্ন হইলে ঐ অং- শের সদর ক্রমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রেয় হুইলে ভাছার বাকী।	কোন অংগ মাত্র বিক্রন্থ হইলে তাহা বাকী।
4784	কিশমত তেওডা, পাওডা, রূপার- জোর গং পং বোজরগোমেদ- পুর।	¢28%	मन्पूर्व ग्रहान बिनाग इस्टेर ।		দৈবনাথ দক্ত চৌধুরী গং।		ا ( ال المد	•••••
२ <b>१०৮</b>	জমিদারী পং উত্তর দাবাজপুর।	78981%¢	œ ·	••••	আনম্দ চক্র রায় গং।		۵√۶ دعر	••••
2826	(১ • গণ্ডা জমিদারী তপে হাবেলী সীলিয়াবাদ।	2 · 8¢  v 3	<b>d</b>	•••••	८मीमामिनी <b>छछा</b> ११:।	••	<sup>cto</sup> zd 272∾ell	
<b>e</b> २ e 15	চর উয়েদ মহালাধীন ৬৪ বং যোত পং জ্ঞানা	<i>७५</i> ४७	সম্পূৰ্বোড নিলাম হইবে।	•••••	ছরিচরণ হাওলাদার গং।	••••	२७४०	•••••
<b>€</b> ₹8७	চর পদ্মা মহালাধীন ১ নং গরসকররি তালুক গুপিক্লঞ বন্দ্যোপাধাায় পং দক্ষিণ সাবাজপুর:		স <b>স্পূ</b> ৰ্ তালুক ৰিলাম হইবে		বিহারী <b>লাল রা</b> য় চৌধুরী ।			•••••

টিকা।—যে স্থলে উপরের লিখিত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ৪১ ছরে কোন অংশ মাত্রবিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই দলে টছা ব্বিতে ছইবে য ঐ অংশের নিমিত বত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য জিগে বিক্রয় হয় লা।

B. Bell,

Offy. Collector.

#### জিলা ঢাকা।—জমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ পারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে ঢাকা জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেটুর সাহেবের আফিসে বাকা রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকা রাজস্বের ন্যায় আদার হইবার আদেশ আছে তাহা আদার করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ৬ই জান্মারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্নাপত্তার ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

3	2	9	8	ď	` <b>5</b>	•	<b>&gt;</b>	•
ভৌঞ্জির নম্বর।	মহাল ও পরগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিঞ্জয় হ≩বে কিনা।	কেবলমাত্ৰ অংশ বিক্ৰয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ নিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় ছইবে তাহাব মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রথ হুইলে ঐ অংশেব সদব ক্যা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হটলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রন্থ হটলে ডাহার বাকী।
· 78	भः वन्मत्रत्यां सः सामूनतां का	369044 3•11	•	অবশিষ্ট	শশীকৃষার পোদ্দার গং।	<b>৯</b> ১৬॥৵૨ ৸	•••••	<b>२</b> ७१;;•
2.70	চর মৃজাপু <b>রের মধ্য-</b> গত সালিনা ওরকে চক হরিচরণ।	, ,	ষোলজানী	•••	কৃষণচন্দ্র সাহা গং		39640	*** .*

DACCA COLLECTORATE,
The 18th November 1897.

OKHOY COOMAR SEN,
For Collector.

## জেলা বাঁকুড়া।

#### নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাঁকুড়া জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ণমেন্টের যে মলিকি স্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অম্লুসারে উক্ত বাঁকুড়া জেলার কালেক্ট্রবিতে ১৮৯৮ সনের ১লা কেক্রেয়ারি তারিখ মোতাবেক বাজ্লা ১৩০৪ সনের ২০শে মাঘ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক।

খরিদ্ধারগণকে নিম্মের লিখিত নিলামের সর্ভ সকলে বাধ্য হইতে হইবে,—

#### নিলামের সর্ভ।---

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিষ্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্ব্বাপেকা অধিক মূল্য দিতে সন্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিন্ধারকে ইহার মালিক স্থরপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ম ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরস্থরপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ত্ব খরিন্ধারের ঐতি পর্য্যাপ্ত হইবে।

দ্বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং
এই ক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং
রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জ্মাবন্দী যে সকল খোদখান্তা
ক্রুষক প্রজা দ্বারা দন্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ত স্থাকার করিতে খরিদ্ধারগণ বাধ্য
হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার অন্ধিক হইলে সমুদ্য় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০ টাকার ঊর্দ্ধ হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্ম উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি খরিদ্দারের দায়িত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

ভৌজিব নম্ব।	মহাল ও প্রগণার নাম।	একবের ছিসাবে যত- দূব জানা যায় ভূষির অস্ফানিক পরিমাণ।	গ্ৰণ্ডিমণ্টের রাজস্ব যাহা ধার্য্য হই- য়াছে।	- মন্তব্য !
br o	আমরাণী পরগণে বিস্পুর ···	মোট মহালের ৩ কাগ অংশ।	<b>l</b>	থানা বিষ্ণুপুর সামিল ভাগেদিখা গ্রাম- নিবাসী দিনমরী দেবীর বিরুদ্ধে ১৮৯৫ ৯৬ সালের ৭৩৯ নং সার্টিফিকেট জারিতে গবর্গমেণ্ট কর্ত্তৃক প্রকাশ্য নিলামে খরিদ করা ছইয়াছে।

কালেক্টরের কাছারি, জেলা বাঁকুড়া, ভারিখ২০শে নবেছর ১৮৯৭

G, E. Manisty,

Collector .

#### किना बनीस।

#### নিলামি বিজ্ঞাপন :

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকিশ্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অহুসারে উক্ত নদীয়া জেলার কালেক্ট্রবিডে ১৮৯৮ সনের ১০ই জাহুয়ারি তারিখ মোতাবেক বাল্ললা ১৩০৪ সনের ২৭শে পৌষ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় ইইবেক।

খরিদ্ধারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্গু সকলে বাধ্য হইতে হইবে। —

#### নিলামের সর্ত্ত।---

- প্রথম। নিলামের শময়ে কালেক্ট্র সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিষ্ট করেন ভাহার উপর যে ব্যক্তি সর্ব্বাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে ভাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রম্ন হইবে। এই মহালের খরিদ্ধারকে ইহার মালিক স্বন্ধপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে ভাহা চিরস্বন্ধপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকিস্বত্ব আছে এই সম্পূর্ণ স্বত্ব শ্রিদ্ধারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।
- ধিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের দারায় থে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণ থে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভে-নিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী থে সকল খোদখাস্তা ক্লমক প্রজ্ দ্বারা দন্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্থাকার করিতে খরিদ্ধারগণ বাধ্য হইবে।
- তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার অনধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
  চতুর্ব। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার উর্দ্ধ হইলে যত টাকা ডাক হইয়া ধাকে তাহার চতুর্থাংশের
  একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি
  পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ
  দিবস কোন পর্ব্বে উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি
  হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানও
  করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার
  ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি খরিদ্ধারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায়
  নিলাম হইবে।

ভৌ <b>ন্ধি</b> ব নশ্বব ।	মুঙাল ও প্রগণায় ৰাখ 1	একবেৰ হিনাবে যতদূৰ মান: যায ভূমিৰ অনুমানিক প্ৰিমাণ!	গৰণমেন্টেব বাজস্থ থাহা ধাৰ্য্য হই- ফাছে।	মন্তব্য:
> • å 9	সিমুলিয়া পরগণে <b>শ্রীনগর</b>	একর — ২০.৮৬ অর্থাৎ ৬৩/২। বিঘা।	টাং আয়ং পাং ১৬ <sub>)</sub> ০ <i>০</i>	· -

কালেক্টরের কাছারি জেলা নদীয়া ত িখ ৪ঠা ডিসেম্বর ১৮৯৭ সাল।

R. A. Rossiter, For Collector.

#### জিলা নোয়াখালি।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬, ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ১১ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে ষে, নােয়াখালি জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজন্ম ও অন্য যে সকল দাবা প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজন্মের নাায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮। ৪ জান্ম্যারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন আংশনাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য ব্যব্দানার অংশ বিক্রয় হয় না।

>	1	٥	8	ά	<b>હ</b>	•	1	>
তীজির #স্বব ।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম ৷	সম্পূর্ণ মহা- লের সদব কমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় ছইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহাব মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে, ঐ অং শেব সদর জম।।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহাব বাকী।	কোন অংশ মাজ বিক্রম হুইলে তাহার বাকী।
<b>\$3</b> 5	বামনী জমিদারী	<b>333</b> 09,	मण्णृर्व		বাবু উপেন্দ্রচন্দ্র দক্ত		٥٠٥٥١١٠٥٥	
133	চাকলে বামনী।	,	, ,,		মেনেজার অব্যিস		•	
					কোৰ্জন ফেট ও	<u>.</u>		
		!			বাবু রঘুনাথ প্রসাদ		i	
					তেওয়ারি গং।			
				, i		,		
			খাদ মহ	াল টেনিউর —			į	
443	চর শুলুকিয়ার ৯ নং	७३৮५५	সম্পূর্ব		ওয়াজনিন ঘাট	•••••	38204	••••
	গং মং হাওলা	;	•		মা <del>জি</del> ।			
	আবুগুল রহমান।	0 - 1-4- /0	<b>A</b>		ত্রৈলোক্যনাথ গুহ		اره در	
५७७	চর মৃথ্ধরা গংমং	90240/9	GI .	••••	অভিভাবক জানিবে	!		
	হাওলা আজ্জন- ভূলাগং৮০ নং	i			সচিনাথ গুহ।	6 5 7		
	प्रथम।			j 1			,	
८९४	চর গাজির ১ <b>ন</b> ং	303918	À		জ্মিয়ত আলি	i • • • • • • •	86910	
	मर्थल।	( = ( 118/6	7				200	
5693	এই চরের ২ নং দখল	20021122	ď		Ġ		७१७।/७	
હું જ	চর আলেকজেণ্ডারের		À		নবকুমার বহু	•••••	3040	••••
	১ নং গং মং			ı				
	হাওলা।			;			,	
3 B P B	ঐ চরের ২ নং গং	<b>48242</b>	<u>à</u>		À		390100	
	মং হাওলা।					İ	İ	

S. K. Agasti, Collector.

### জিলা বর্দ্ধমান ।--- জমিদারি বিক্র 🚉 বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া হাইতেছে যে, বর্দ্ধমান জিলার অন্ধর্গত নিশ্ব নিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সালের জুন কিন্তির বাকী রাজত্ব ও জন্ম যে সকল দাবী আইনান্সারে বাকা রাজ্ঞত্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিক্ত আগামী ১৮৯৮ সালে: ৫ জান্মারি তারিখে বেলা ১২টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে

•	2	•	8	¢.	9	, 9 İ		2
তৌভির নগন্ধ।	মহাল ও প্ৰস্ণাৰ ন†মু∣	সম্পূর্ণ মছা- লের সহার জনা !	সম্পূৰ্ণমহ ল বিজ্ঞান্ত হৈব কি শা।	কেবলমাত অংশ বিশ্রুয় হইলে ঐ অংশ বা ঐ ২ অংশের বি- শেষ বিবৰণ।	নে সম্পত্তি বিজ্ঞ ছইবে ভাষার যালিকগণেব নাম (	I_S >	সম্পূৰ্ণ মহাল বিজয় হইলে ডাহাব বাজী।	i allow ta 1869 24
<b>9</b> ₹	মহাল পাটুলী পর গণা পাটুলী।	<i>৫</i> ዓ৮ <b>১ ৸</b> ৩		কেবল মূল মহাল নিলাম হইবে অন্যান্য অংশ নিলাম হইবে না।	নবিনচন্দ্ৰ চৌধুৱী	₹ <b>₽</b> \$○ \ <b>`</b> \$ •		88(4

টক। - যে স্থানে উপাৰেব লিখিত বৰ্ণনাপাৰেব ৫, ৭ ও ৯ ছাৰে কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হাবে বলিখ লিখিত জাছে দেই দলে ইচা বৃথিতে হটাৰো আই আংশের নিমিত শ্বাস্ত্ৰ হিমানে বাৰণ চইয়া খাকে ও মহালের জন্য ব্যক্ষান্য অংশ বিক্ৰয় হয় না।

C FISHER, Collector.

#### জিলা বারভূম।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বারভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখি মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাংহাবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্যয়ে সকল দাবী আইনাহ্সারে বাং রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ১১ই জাহ্মারি তারিখে বেলা ১ টার সম্নিলামে বিক্রায় করা যাইবে।

>	ર		8	ά	৬	٩	b	٦
তৌজ <b>ী</b> ব নগব।	ম <b>হাল</b> ও প্ৰথ্নবি নাম।	1	সম্পূৰ্ণ মহাল বিজেষ হুইবে কিনা।	কে .ল মাত্র অংশ বিশ্রুষ চইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় চইবে তাহাব মালিকগণের নাম	কোন অংশ মাজ বিক্রম চটলে ঐ অংশেন সদব জম:।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইলে ভাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাজ বিক্লয় হইলে ভাষার বাকী।
२७ <b>८ व</b> ९	আমড়াপালন পর- গণা খটজা থানা সিউড়ী।	1		এজমালি অংশ— দেবীপুর, দড়ি- বাজে জমি বাজে আপ্তি, দেবীপুর, জকল জমা ও আমড়াপালন মৌ- জায় রকম যোল আনা, এই অংশ ভিন্ন মহ;লের এন্যা কোন অংশ নীলাম হইবে না।		446hJ0		<b>34/9</b>

চীকা।- যে গুলে উপরের লিখিত বর্ণাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিও আছে দেই শুলে ইছা বুঝিতে ছইবে যে ঐ জংশ নিমিত স্বতঃ হিসাব-বাধা হইয়া থাকে ও উপরি লিখিত অংশ ডির মহালের জন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না।

BIRBHUM COLLECTORATE,

Dated Suri, the 18th November 1897.

F. N. Fischer, Collector.

#### জিলা নদীয়া। জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপান।

১৮৫৯ সালের ১০ আইনের ৬ ও ১০ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেইর সাহেবের আফিসে বাকী রাজক্ষ ও অন্য যে সকল দাব এচলিত আইন ও বাবস্থাক্রমে বাকা রাজক্ষের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ১০ জাহ্যারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত ব্রন্থাপত্তির ৫,৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেইস্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখ। ইইয়া খাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

5			8	a	`	•	<b>b</b>	•
ডে¦জিব নম্বন।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম ৷	। সম্পূৰ্ণ মহাপেব স্থ্য খ্যা।	সম্পূৰ্মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় স্টলে ঐ অংশ ব। ঐ অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় চইবে	কোন অংশ মাত্র থিক্রয় হঃলে ঐ অংশেব সদর ক্ষমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হউলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাএ বিক্রণ হইলে তাহা বাকী।
2	মহা <b>ল</b> আলমপুর পর- গণে আলমপুর।	৯২৯৬৬॥/৮ পুলিস ১০৪৯/১৫	না	১। ০ নং অংশ । ৫৮৪। ৫১০ উক্ত অংশ ব্যতীত অন্য অংশ বিক্ৰয় হইবেক না।	কালী প্ৰসন্ধ ঘোষ	४२७७ <b>१</b> /७ পুলিস ৪৮२।৫		२ ७३॥ ४८
১৬৭নং	মহাস হ্বরা প্রগণে পাচ নউর।	১৯৪১৩।৵১ পুলিস রেভিনিন্ট ২১৩।৴৪	না	১৬৭া২ নং অংশ /১৪ ১৬॥,৮০ উক্ত জংশ ব্যত্ত অন্য অংশ বিক্রয় হইবে না।	সারদা প্রসাদ স্থর ভবানীপ্রসাদ স্থর অন্ধপূর্ব। দাসী দিগর।	२००७५७ পृक्षिम २२/७	••••	9  4

EGIBLE. ]

Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 2$  ans. 8; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 5$ ; per pound tin,  $Rs.\ 10$ . The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for each only, at the undernoted rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 3$ ; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 6$ ; per pound tin,  $Rs.\ 12$ . This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 os. tin, eight annas per 8 os. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### खुत्रच मिन्दकाना।

কলিকাডান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের হুপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট গবণ-মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পৌও ক্রয় করিলে নিম্নালখিও মূল্যে প্রবন্ধ দিনকোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২০০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫০ টাকায় ও এক পৌও টিন ১০০ টাকায়, পাইবেন । সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের হুপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য । দলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৬০ টাকায় এবং এক পোও টিন ১২০ টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔবধ বিক্রেডাগণও এই ঔষধ বিক্রা গাকেন। উপরোক্ষ হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের ।০, আট ঔপ টিনের ।০ ওবং পোও টিনের ।০ বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।

১৮৯৬ সালে ১লা এপ্রিল ছইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে,যথা---

ঠ এক পৌণ্ড টিন ১৮, বা ডাক মাণ্ডল সমেত ১৮৭০

川 呵ゃ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপক্ষট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই ভাহার গ্যারাকী দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটছ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া ঘাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will benceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

Rs. ... 10 per annum. Entire Gazette 2 8 Postage . . . Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-Λ Entire Gazette Postage ... ... Parts III, IV, V, and VI sheets or for 4 with additional an charge of 1 anua for every 4 sheets in excess of 4.

Postage ... ... 0 1 0

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. BAKER.

Offg. Under-Secretary to the Goot. of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন।

১৮৮৩ সাল ২১ ফেব্রুয়ারি।—বাঙ্গালা গবর্ণমেণ্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্যান্থল এই অবধি নিম্ন লিখিত হারে অগ্রিম দিতে ছইবেঃ—

	यकः मत	7			টাকা।	
সম্পূৰ্ণ গেজেট	.,.	•••	•••	বৎসর	> 0~	
<u>`</u> ডাকমাস্থল	•••			,,	रा। •	
৬ এ ঃ ও ৫ ও ৬ খাও	( যাহাতে দ	নারতবর্গের	ও বঞ্চ-			
দেশের ব্যবস্থাপ	<i>সভার</i> ৭	শাইন 😉 '	<b>আইনের</b>			
পাণ্ডুলিপি থাকে )		•••	•••	,,	*,	
ভাকমাহল	•••	•••	•••	"	٠ ۲	
শ <b>স্পূৰ্ণ একখানি গেজেটে</b>	র মূল্য	••	***	"	1•	
<b>ডাক্</b> মাস্থ্ৰ	•••	•••	•••		. •	
D 0 8 0 6 7 5 40	( প্রত্যেক	৪ পৃষ্ঠা বা	তাহার			
<b>ন্</b> য়ন সংখ্যক •	পৃষ্ঠার মূল্য)	•••		••	ষদ্ধ ভা <b>হ</b> া ৪ পু	পৃষ্টার <b>উপ</b> র অধিক হয়। বৈ <b>প্রভো</b> ক টা প্রভি জার আনা।
ডাক্ষাস্থল .	••	••		•	. />	

#### কলিকাঙায়।

কলিকাডায়, ও ধকঃশলে সমান মূল্য, কলিকাডায় কেবল ডাকমাখল লাগিবে না ।

🔾, এন, বেকার।

ৰ লালেশের গবর্ণয়েক্টর এক্টিং ছোট সেক্রেটরী।

#### The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

. The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible, I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country-Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDY., GOVY. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengales Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. BOLTON, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

12th December 1882.

NOTE.—Rates of advertis	ements in	the CALCUTTA	GAZETTE.	
Full page, per issue	•••	***		Rs. 20
Half ,	•••			10
Casual adverti	sement	4 annas per lin	е.	

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বালালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজেট দেওয়া গাইবে মা, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মাসের ২০ ভারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিভাপন একাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিন্তা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ক্রেক্তি বাঙ্গাল সেকেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিছা উক্ত ছাপাখানায় কোন কৰ্ম করাইতে চাহিলে ভদ্মিতি নগদ মূল্য দিতে হইবে এভদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেকেটারিয়েটের আকোটান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন শোন ব্যক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন শেজেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাপন প্রভৃতি প্রকাশ করা ঘাইবে না।

মুল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিকেণ্টি বাদ দিবার জম্যে টাকার উপর আর 🗸 🗸 এক ৰানা পাঠাইতে হইবে।

> नि. खर्चनिष्टे वन्हेंस. वक्राप्रत्मतः भवर्गस्य कित क्रिके त्मरक वेती।

#### ১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

১ খব্য – কলিকাতা গেলেটে ইপতিহার প্রকাশ করিবা	র হার এটং।	•		विका
· পুৰা এক পুঞা একং বার <b>অ</b> কাশ করণের	•••		•••	 200
काश পृक्षा	•••	***		 >-,
কথ্য কথ্য ইপড়িছায় প্রকাশ করিতে ভইতে	478			

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### वाजाज मिटकोतित्रहे यञ्जाजतः विक्रशार्थ जाटह ।

বারিন্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীমতীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিদে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিষ্ট্রিষ্ট ও সেশন জ্বজ্ব ও রেন্ট কমিশ্যনের মেম্বর, ইনর টেম্পলের শ্রীযুত সি, ডি, ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি নাছেবের প্রনীত বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূষ্যধিকারীর প্রজ্ঞা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুস্তকের মূল্য, ে পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রম করিতে চাছিলে বাজাল সেক্রেটারিয়েটের আকেনিটান্টের নিকট একং থানি পুস্তকের মূল্য এবং ভাষা মোড়ক করিয়া ভাকে পাঠাইবার খরচ।/ ০ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য।— উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া ঘাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলকে বলদেশের মাজিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেড ব্য়েষ্ট টৌন হালের হাভায় ছিত বলদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে বেজি-ফ্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুস্তক কলিকাতার গবর্ধমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিন্ত কোম্পানির ঘাটাতে ক্রং করিতে পাওয়া যায়।

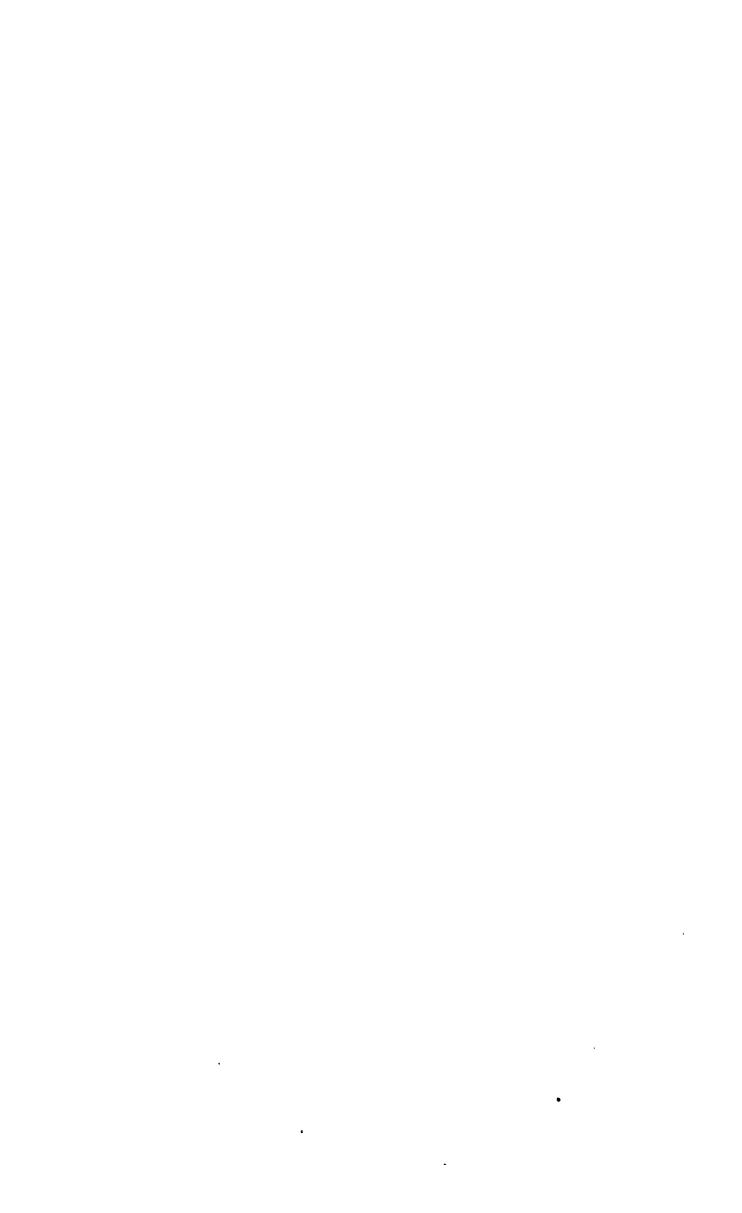
#### বিজ্ঞাপন ।

সাধারণকে এতদ্বারা অবগত করা যাইতেছে যে ঢাকা জিলার অন্তর্গত মুন্দিগঞ্জের নিকট ধলেশ্বরা নদীর তটে প্রতি বৎসর যে কার্ত্তিক বাৰুণী যেলা হইয়া থাকে তাহা খৃটীয় ১৮৯৭ সালের ২৫এ নবেম্বর অর্থাৎ বান্ধালা ১৩০৪ সালের ১১ই অগ্রহায়ণ তারিখে আরম্ভ হইয়া ১৮৯৮ সালের ৫ই জ্বাস্থ্যারি তারিখ পর্যান্ত থাকিবে। ব্যবসায়ী ও বিক্রেভাগণ ও অন্যান্য ব্যক্তি এই ছয় সপ্তাহ কালের মধ্যে ক্রয় বিক্রয় করিতে পারিবেন।

জিলা বোর্ডের আপিস, ঢাকা, ১৮৯৭ সাল ২৮এ অক্টোবর।

কে, মহম্মদ ইউস্ক্, চেয়ারম্যানের পরিবর্তে।

কলিকাতা শোসিডেন্দ্ৰী কেল যন্ত্ৰালয়ে গবৰ্ণমেটের জন। উষ্যুত ভেম্স পেটা সাহেব কণ্ট্ৰ মৃত্তিত ও প্রকাশিত হইল।



REGISTERED No. 3.

Mumb. 3046 [2088]





# গবর্ণমেন্ট গেজেট।

TUESDAY, DECEMBER 14, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৪ ডিসেম্বর।

CONTENTS.	i		
	PAGE.	নিৰ্বন্ট।	
PART I Resolutions, Orders and Notifica-	ĺ		श्रुवेश :
tions of the Government of India	Nil.	শ্রথৰ খণ্ড।—ভারতবর্ষীর গ্রপ্নেটের নির্ছারণ	•
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-		আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	माই।
tions by the Lieutenant-Governor	1	বিভীয় খণ্ড।—বলদেশের গ্রথমেন্টের নির্ছারণ,	., .,
of Bengal	Nil.	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	নাই।
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-		বিভীয় ক বও।—বঙ্গদেশের গ্রথমেণ্টের আবেশ	132-38.
nor of Bengal 11	9—120	ভতীয় খণ্ড।—ভারতবর্ষীয় বাবন্দাপক সভার প্রণীত	
VART III Acts of the Legislative Council of		चार्रेन	ৰাই।
India	Nil.	চতুর্ব খণ্ড ৷—কারতব্যীর ব্যবস্থাপক সভার আইনের	
PART IV Bills of the Legislative Council of		পাছলিশি	নাই :
India	Nil.	প্রায় খণ্ড। বজীয় বাবস্থাপক সভার প্রবীত আইন	নাই।
PART V Acts of the Bengal Council	Nil.	वर्षे थल।वजीत वावन्तानक मछात्र खाडिटबर	,,,,,,
PART VIBills of the Bengal Council	Nil.	শাহুলিশি	मारे।
PART VII Circular Orders by the High		সঙ্ম খণ্ড।—ছাই কোর্টের ৩ বেবিনিউ বোর্ডের	-11 1
· Court and Board of Revenue .	Nil.	সাধারণ জ্ঞাপনপত্র	मारे ।
PART VIII.—Advertisements 6	07619	জ্ঞার বন্ধ।—ইশ্তিহার প্রভৃতি	509-632
SUPPLEMENT	Nil.	পরিশিষ্ট গবর্ণমেন্টের গেলেট	লাই।
		1	

#### PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal.

দিতীয় 🔻 পণ্ড।

वक्रान्त्यः श्वन्त्याकेव चारम्य ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 5267M.—The 1st December 1897.—It is hereby notified for general information that the Lieutenant-Governor is pleased, in the exercise of the power conferred on him by section 414 of the Calcutta Municipal Consolidation Act, II of 1888, to confirm the following revised bye-law relating to the wearing of metal tickets by the drivers of carts, which has been framed by the Commissioners of the Calcutta Municipality under section 412 of the said Act:—

"Every driver of a registered cart shall, at all times while acting as such driver, wear a metal ticket exposed to view, marked or engraved with a number corresponding with the registration number of the cart; and such ticket shall, on application, be delivered by the Commissioners free of cost at the time of the registration of the cart to the owner or the person in charge at the time for the use of the driver of the cart for the time being. On the expiry of the period for which such license is granted, the owner or person in charge of the cart is bound to return such ticket to the Commissioners. But in the case of the words or figures on the metal ticket becoming disfigured or obliterated, or of a metal ticket being lost or stolen within the period for which such ticket is issued, a duplicate ticket may, with the sanction of the Commissioners, to issued on payment of a fee of two rupees."

H. H. RISLEY, Secy. to the Gort, of Bengui.

বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেণ্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

#### মুনিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন।

৫২৬৭ এম্, নম্বর।—১৮৯৭ সাল ১ ডিসেম্বর।—সাধারণের অবগত্যর্থে এডদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেবের প্রতি কলিকাতার মুনিসিপল আইন সংগ্রহ বিষয়ক ১৮৮৮ সালের ২ আইনের ৪১৪ ধারামতে যে ক্ষমতা প্রদত্ত হইয়াছে ভদ্মসারে কার্য্য করিয়া তিনি গরুর গাভির গাভ়ওয়ানদের ধাতৃনির্মিত টিকিট ধারণ করণ সম্বন্ধে উক্ত আইনের ৪১২ ধারাক্রমে কলিকাতা মুনিসিপালিটীর কমিশনরদের প্রণীত নিম্নলিখিত সংশোধিত উপবিধি দৃঢ় করিলেন।

"রেজিন্টরীকরা গরুর গাভির প্রত্যেক গাভওয়ান গাড়ী চালাইবার সময়ে সকলে দেখিতে পায় এমন করিয়া একখানি ধাতৃনির্মিত টিকিট ধারণ করিবে। গরুর গাড়ির রেজিন্টরার যে নম্বর ঐ টিকিটে সেই নম্বর চিক্লিত বা খোদিত থাকিবে। দরখান্ত করা হইলে, যখন যে গাড়ওয়ান থাকে তাহার ব্যবহারের জন্য গাড়ী রেজিন্টরী করিবার সময়ে কমিশনরগণ বিনা খরচায় এইরূপ একখানি টিকিট গাড়ির মালিক বা গাড়া যে ব্যক্তির জিলায় পাকে তাহাকে দিবেন। যে সময়ের নিমিত্ত লাইসেপ দেওয়া যায় তাহা অতীত হইলে গাড়ির মালিক কিছা যে ব্যক্তির জিলায় গাড়ী থাকে সেই ব্যক্তি কমিশনরগণকে ঐ টিকিট কিরাইয়া দিতে বার্য। কিছু যে সময়ের নিমিত্ত শাতৃনির্মিত টিকিট দেওয়া যায় যায় যায় যায় যায় বাচুরি যায় তবে ওই টাকা কি দেওয়া গোলে কমিশনরগণের মঞ্জ্রির যে দোকর টিকিট দেওয়া যাইতে পারিবে।

এচ্, এচ্, রিসলী, বঙ্গদেশের গবর্গমেন্টেস সেক্রেটরী :



# গবর্ণমেণ্ট গেজেট

TUESDAY, DECEMBER 14, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৪ ডিসেম্বর।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

অপ্তম খণ্ড।

ইশ্ভিহার প্রভৃতি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্তাহার।

#### জিলা বাকরগঞ্জ।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এডদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত সেপ্টেম্বর কিন্তির তলবী বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সনের ৫ জাহুয়ারি তারিখ মোং ১৩০৪ সনের ২২ পেষি বুধবার নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ সাল তারিখ ১৩ নবেশ্বর।

,	2	٥	8	a	<b>.</b>	9	ь	۵
ভৌক্তির নধর।	মতাল ও প্ৰগণাৰ কাম।	সম্পূৰ্ণ মহা- লেব স্বব ক্ষমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রে হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় চইবে তাহার মালিকগণেও নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হইলে ঐ অংশেব দদব জমা।	স <b>ভ্</b> পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাহাৰ বাক <sup>ী।</sup>	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে ভাষা বাকী।
8484	পদ্মা ওরফে রম- জানপুর পং কাশীম- পুর সেহলাপট্টী।		সম্পূর্ণ মহা- লের মালিকী স্বত্ব নিলাম হউবে।		হরকুমার সেন গং		<b>२०२8</b> ,	
8 ts • &	চর সমসদী বালি- গাও পং সায়েস্তা- নগর।	3884)			দক্ষিণাকুমার রায় চৌধুরী গং।		48426	
8 <b>9</b> 8৮	চর জঙ্গলা পং উত্তর সাবাজপুর।	968)	Ġ	···· <b>···</b>	হরিমোহন ঘোষাল	** **	رحمد	
) 4 < ¢	মোজা চিকনাকান্দা পং চন্দ্ৰদ্বীপ।	•	••••	এজমালী—    সং।। (৭ = \frac{5}{8}    তিল অংশ নি  লাম হইবে এত  দ্বাতীত অন্য  কোন অংশ  নিলাম হইবে		১৩১৯৸ঀ	•••	रेष्ट्र घर्म
\$ \$ \$	তালুক বিশ্বনাথ সেন পং খাঞ্জাবাহাতর নগর।	( 9 o le > )	সম্পূর্ব মহাল নিলাম হইবে।		রামনারায়ণ সেন গং		3831 <i>6</i> /411	******
PGG	তালুক ফতে মাহামুদ পং খাঞ্জাবাহাত্র- নগর!	96673	ঐ		রাখালচন্দ্র রায় চৌধুরী গং।		25/4	••••••
5 <b>ଓ</b> ୩ዓ :	তালুক সৌজুদ্দিন খাঁ গং পং বোজরগো- মেদপুর।	•••		এজমালী—		3 ^ 8 © 4 J 8		२ ७१ च २ २ १ १
ļ			!	নিলাম হইবে না!			•	

>	<b>.</b>	٥	8	Ċ	<b>.</b>	9	۲	۵
তৈ জিব নম্বৰ	মহাজ ও প্রগণার নাম।	সভ্পূৰ্ণমহালেব সদ্ব জম্ব।	ুসম্পূৰ্ম গ্ৰহাল   বিক্ৰম ভইবে   কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় চইলে ঐ অংশ বা ঐ <sub>১</sub> অংশের বিশেষ বিবৰণ	C4 4 4 11 @ 14 Tabl 55 C4	কোন তাংশ মান বিক্রয় হইলে ঐ তাং- শেবসদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিশ্ৰুষ কইলে তাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হইলে ভাহাব বাকী।
¢28¢	কিশমত তেওভা, পাওভা, রূপার- জোর গং পং বোজরগোমেদ-	¢384°	সম্পূৰ্ণ মহাল নিলাম হইবে।	•••••	দেবনাথ দক্ত চৌধুরী গং।		ددلامه	••••
२१८৮	পুর। জমিদারী পং উত্তর শাবাজপুর।	289819/4	(g)		আনন্দ চন্দ্র রায় গং।	•••••	ऽ७५.√५ 	
7976	(১০ গণ্ডা জমিদারী তথেপ খাবেল। সানিমাবাদ।	2.80[381	ď		দোদ।যিনী গুপ্তা গং।		332011	*****
azau	চর উমেদ মহালাধীন ৬৪ ন° যেতি পং জজীরা।	<b>3</b> (4,0)	সম্পূর্ণ যোত নিলাম হইবে।	•··••	হরিচরণ হাওলাদার গং ৷		<b>২৩</b> ১৯৬	
<b>€</b> ₹83	চর পদা মহালাধীন ১ নং গরমকররি তালুক গুপিক্লাও বন্দ্যোপাধ্যায় পং দক্ষিণ সাবাজপুরঃ		ĺ		विश्वती लाल द्वास ८		/ <b>/</b> //	·

ট কা।— যে শ্বলে উপবের লিখিত বর্ণনাপত্তার ৫, ৭ ৭৯ ঘবে কোন অংশ মা এবি এয় হছতে এলিয়া লিখিত আছে সেই শ্বলে ইচা বু এতে চইবে ্য এ অংশেশুর মিমিত ঘতত্র হিসাবে ব'থ৷ হইয়া থাকে ও মহালেয় অন্য বা জন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় লা।

B. Dell,

Offg. Contector.

#### জিলা ঢাকা। -জমিদারী বিক্রমের বিজ্ঞাপন

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে ঢাকা জিলাব জন্ধতি নিম্লিখিত মহালগুলিব মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকা রাজস্ব ও জন্ম যে সকল দাবা প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকা রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ৬ই জান্ত্রারি তারি, <sup>খ</sup> নিলামে বিক্রয় কবা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ যাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিও আছে সেই স্থলে ও অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য সংশ্বিক্য হয় না।

3	٤	ષ્	8	ά	9	, ,	ь	
তৌঞ্জির নশ্বর।	মহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মঙাল বিক্ৰম ১ইবে কিন,।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রম হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিষ্কান	যে সম্পত্তি বিক্রম ছইবে তাহাব মালিকগণেব শাম।		। মুম্পুণ মঙাল (বিজ্ঞু চইলে (ভাগৰ বাকী।	কোন অংশ মাএ বিক্ৰম হটলে ভাহার বাকী।
. 78	পং বন্দরখোনা মং মামুদরাজা।	3490Ha 3•11	· 	অবশিষ্ট	শশীকুম∣র পোদ্ধার গং।	ે કેટહા!જેર મ	•	રહવા(રા
ى د • د	চর মৃজাপুরের মধ্য- গত সালিনা ওরকে চক হরিচরণ।	98 <del>१</del> )	যোলআনী	•••	রুষ্ণচন্দ্র সাহা গং		39640/	*** <b>*</b>

DACCA COLLECTORATE, The 18th November 1897. OKHOY COOMAR SEN,
For Collector.

### জেলা বাঁকুডা। নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওটা ঘাইতেছে যে বাঁকুড়া জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ণমেন্টের যে মলিকি স্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অন্তসারে উক্ত বাঁকুড়া জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৮ সনের ১লা কেব্রুয়ারি তারিখ মোতাবেক বাজলা ১৩০৪ সনের ২০শে মাঘ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক।

খরিন্দারগণকে নিমের লিখি গ নিলামের সর্ত সকলে বাধ্য হইতে হইবে,—

#### নিলামের সর্ত্ত :---

- প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিট্ট করেন ভাহার উপর থে ব্যক্তি সর্প্রাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সন্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদ্ধারকে ইহার মালিক স্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরস্থরপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদ্ধারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।
- দিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং
  এই ক্ষণ যে সকল পাটা বর্তমান আছে এই নিলামে তালা বলবৎ থাকিবে এবং
  রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা
  ক্রমক প্রজা দ্বারা দস্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্বাকার করিতে খ্রিদ্ধারগণ বাধ্য
  হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০ টাকার অনধিক হইলে সমুদ্য় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতুর্গ। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার ঊর্দ্ধ্য হউলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ ডৎক্ষণাথ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি পঞ্চদণ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্ব উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে ভোহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই শ্বিস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার নাম বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি খরিদ্যারের দায়িত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

েচাজিব সপুব।	মছাল ও প্রগণার নাম ৷	একবেব হিসাবে যত- দূর জানা যায ভূমিব অমুমানিক পর্বিমাণ।	গ্রন্থেত্টব রাজস্ব যাহা ধার্য্য হউ- য়াছে:	মন্তব্য।
<b>b</b> ~ o	আমরাণী পরগণে বিস্থপুর ···	মোট মহালের ৩ কাগ জংশ।	1	থানা বিষ্ণুপুর সামিল ভাগেদিখা গ্রাম- নিবাসী দিন্ময়ী দেবীর বিরুদ্ধে ১৮৯৫ ৯৬ সালের ৭৩৯ নং সাটফিকেট জ্ঞারিতে গবর্ণমেন্ট কর্ত্তক প্রকাশ্য নিসামে খরিদ করা হইয়াছে।

কালেক্টরের কাছারি, জেলা <sup>ই</sup>াকুড়া, ভারিখ২৽শে নবেশ্বর ১৮৯৭ G: E. MANISTY,

Collector

#### किला बमीशा।

#### নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকিস্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্জ অভ্নারে উক্ত নদীয়া জেলার কালেষ্ট্ররিতে ১৮৯৮ সনের ১০ই জ্ঞাভ্নয়ারি তারিখ মোতাবেক বাঙ্গলা ১৩০৪ সনের ২৭শে পৌষ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় ইইবেক।

খরিদ্ধারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ভ সকলে বাধ্য হইতে হইবে। —

#### নিলামের সর্ত্ত।---

- প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্দিষ্ট করেন তাহার উপর
  যে ব্যক্তি সব্বাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সমত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয়
  হইবে। এই মহালের খরিদ্ধারকে ইহার মালিক স্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং
  যে রাজস্ম ধার্ঘ্য হইয়াছে তাহা চিরন্থরপে গণ্য হইয়া এই ম্হালে গবর্ণমেন্টের যে
  মালিকিস্বত্ব আছে এ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদ্ধারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।
- দ্বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভে-নিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা ক্লমক প্রজন্ম দ্বারা দন্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্থাকার করিতে খরিদ্ধারগণ বাধ্য হইবে।
- তৃত্যা । নিলামি মূল্য ১০০) টাকার অনধিক হইলে সমুদ্য় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে ।
  চতুর্থ । নিলামি মূল্য ১০০) টাকার উর্দ্ধা হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্যাংশের
  একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবিধি
  পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ
  দিবস কোন পর্ব্ব উপালক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি
  হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত
  করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে ) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার
  নায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি খরিদ্দারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায়
  নিলাম হইবে ।

ভৌজিব নস্ব !	মহ†ল ও প্ৰগণ্ধ নাম।	একবেব হিসাবে যতদূব জান। যায পৃমিব <b>অমুমানিক</b> প্ৰিমাণ।	গ্ৰণ্ডমণ্টেব বাক্সস্থ যাত। ধায্য হই- য়াছে।	मफ्दा
7.098	সিমুলিয়া পরগণে শ্রীনগর	একর— ২০.৮৬ অর্থাৎ ৬০০/২। বিঘা।	টা: আ: পা:	

কালেক্টরের কাছারি জেলা নদীয়া তারিখ ৪ঠা ডিসেম্বর ১৮৯৭ সাল।

R. A. Rossiter,
For Collector.

#### জিলা নোয়াখালি ৷

.....

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

্রচনত সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬, ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ১১ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, নোয়াখালি জিলার অন্তর্গত নিমলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজত্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজত্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮। ৪ জাল্লয়ারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশমাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

\$	<b>1</b>		8	a	<u>,</u>	1 +	-	ه
ভৌজিব #খব।	ুমহাল ও প্ৰগণাব নাম।	সম্পূৰ্ণ মহা লেব সদব জম।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেংলমাএ অংশ বিক্রম ছইলে ঐ অংশ বাঐ ২ অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পতি বিক্রম গ্রীবে	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় চইলে, ঐ অং শেব সদর জম।।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় কইলে ভাষাৰ বাকী;	কোন অংশ মাত্ত বিক্রম ইউলৈ তাহার বাকী।
£22	বামনী জমিদারী চাকলে বামনী।	\$\$\$ <b>•</b> 9,	मण्ण्र्		বাবু উপেব্দুচন্দ্র দত্ত মেনেজার অব মিস কোর্জ্জন ফেট ও বাবু রঘুনাগ প্রসাদ তে ওয়ারি গং।		a.aa  J3	
			খাস মহ	ল টেনিউর —				
2007	চর শুলুকিয়ার ৯ নং গং মং হাওলা আবহুল রহমান।	७३৮५७	मण्णूर्		ওয়াজনিন ঘাট। মাজি।		>8≈√¢	•••••
<b>১</b> ७ <sup>,</sup> ५२	চর মগধরা গং মং হাওলা আজ্ব ভূলা গং ৮০ নং দখল।	ዓ o b h ø/ ዓ	4		ত্রৈলোক্যনাথ গুহ অভিভাবকজানিবে সচিনাথ গুহ।		200119	<b></b>
८९४८	চর গাজির ১ নং দখল।	२०२१७.८	Ì		জমিয়ত আলি		86910	•••••
3693	এই চরের ২ নং দখল	20021122	٩		Š		७१७।/७	••••
১৫৮৫	চর আসেকজেণ্ডারের ১ নং গং মং হাওলা।	80 h 9	À		নবকুমার বহু	•••	206%	•••••
7626	ঐ চরের ২ নং গং মং হাওলা।	48949	À	•	è		390'00	••••••

S. K. AGASTI, Collector.

## किमा वर्षमान। -- कमामाति विकस्य विकाशन कः।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, বর্দ্ধমান জিলার অন্ধর্গত নিশ্ব-লিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সালের জ্বন কিন্তির বাকী রাজ্জন্ম ও অনা যে সকল দাবী আইনাম্পারে বাকী রাজ্জন্মের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত আগামী ১৮৯৮ সালের ৫ জামুয়ারি তারিখে বেলা ১২টার সময় নিলামে বিক্রয় করা হাইবে।

› 	3	•	8	¢	હ	9	•	>
তৌঙ্গির নগর।	মহাল ও প্রগণার নাম ৷	সম্পূর্ণ মছা ক্ষের সম্বর অমা !	সম্পূৰ্ণ মহ ল বিজ্ঞায় ছইবে কি না।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐব অংশেব বি- শেষ বিব্বণ।	ষে সম্পৃতি বিক্রন্ন ছইবে শুহার হালিকগণের ন্যুম।	ERTH . O THIS	ावक्य स्ट्र	কোন আংশ মাত্র বিক্রয় ঘটলে ভাগার বাকী।
9	মহাল পাটুলী পর গণা পাটুলা।	<i>৫</i> ዓ৮ <b>৬</b> կ৩		কেবল মূল মহাল নিলাম হইবে অন্যান্য অংশ নিলাম হইবে না।	নবিনচত্ত্ব চৌধুরী দিং।	२ <b>४०००</b>  / <b>১</b> ०		88(&

টাক। — যে স্থলে উপবেৰ লিখিত বৰ্ণনাপৱেৰ ৫.৭ ও ৯ ঘৰে কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰম হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ইহা বুঝিতে হইবে যে ঐ অংশেয় নিমিত ২৩% হিসাধে বাখা হইমা থাকে ও মহালের অন্যান্য অংশ বিক্ৰম হয় না।

> C. Fisher, Collector.

#### জিলা বারভূম।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া থাইতেছে যে বারভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্যয়ে সকল দাবী আহনাভ্নসারে বাকী রাজস্বের নাায় আদায়ের যোগ্য ভাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ১১ই জাত্ময়ারি তারিখে বেলা ১ টার সম্ম নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

5	ર	٥	8	a	•	۱ ۹	· <b>b</b>	2
ভৌজীব মধুব।	মহাল ও প্ৰধানাৰ নাম।	সম্পূৰ্ণ মহালেব সদব জ্বা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হটুৱে কিনা।		যে সম্পত্তি বিক্রম কইবে তাকাব মালিকগণের নাম।	कान ज्ञश्म मात्र विक्य इडेटल के कारम्य मध्य	সম্পূর্ণ মছাল বিক্য গ্রহলে ভাহাব বাকী।	মাতা বিক্রয়
২৩৪ <b>ন</b> ং	আমড়াপালন পর- গণা খটজা থানা সিউড়ী।			এজমালি অ'শ - দেবীপুর, দড়ি- বাজে জমি বাজে আপ্তি, দেবীপুর, জন্মল জমা ও আমড়াপালন মো- জায় রকম যোল আনা, এই অংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নীলাম হইবে না।	স্থরেন্দ্র নারায়ণ দেন দিগর।	<b>৫</b> ৪৬ <b>৸</b> ৶৽		U4/ <b>\$</b>

দীকা। - যে শ্বলে উপবেব লিখিত বণনাপত্তেব ৫. ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হউবে বলিয়া দিখিত আছে দেই শ্বলে ইহা বৃথিতে ছউবে থে ঐ অংশেই নিমিত স্বতন্ত্র হিসাব কাথা ইইয়া থাকে ও উপরি লিখিত অংশ ভির মহালের জন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না।

BIRBHUM COLUECTORATE.

Lated Sur:, the 18th November 1897.

#### ্জেলা ত্রিপুরা।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন খ।

५०० नः-

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৫ ও ১৩ ধার।মতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে যদি নিম্নের লিখিত বাকী রাজস্থ আগামী রাজস্ব দিবার শেষ দিনে অর্থাৎ ১৮৯৮ ইং ১২ জাল্লয়ারি তারিখে বা তৎপূর্বে না দেওয়া হয় তাহা হইলে ত্রিপুরা জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্রর সাহেবের আ্ফাসে উক্ত বাকী রাজ্ঞ্যের জন্য ১৮৯৮ ইং ২৫শে মার্চ্চ তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইং ৩ ডিসেম্বর ১৮৯৭।

>	2	•	8	è	•	٩	•	<u>.</u>	>•
ভৌজির নধর।	মহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর জমা	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হু হু বে কি না।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রম চইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্ৰয় হইৰে ভাহাব মালিক- গণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে ঐ অংশেব সদব জমা।	বিক্ৰয় হইদে	কোন অংশমাত্র বিক্রম হইলে তাহার বাকী।	যে দাবিব জন নিলাম হটটে তাহার প্রকা ও পরিমাণ
3200	মেয়াদি বন্দোবন্তী জোয়ার দৌল-	لوه و یا د د ک	मण्पृर्व		উমা নাথ ঘোষ গং	**	<b>3</b> ዓ ካ <sub>ቀ</sub> / ଓ		দেওয়ানী আদালত
	তপুর পং বর-				1			,	াকা মহাল
	দাখাত ১২৬১								हें २५८न
	সন হইতে							সেপ্টেম্ব <b>ে</b>	
	১৬১০ পর্যান্ত	i I	:		!			বাকী ১৭	hg/5 外後 1
	৫০ বৎসর।	1	1		,				 
		1			1		j	l	i

টাক:।— যে স্থলে উপঞ্জ বৰ্ণনাশতেৰ ৫, ৭ ও ৯ ঘৰে কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইবে ৰলিয়া লিণ্ডি আছে দেই স্থলে ইঞা বুকিতে হইবে যে ঐ অংশেব নিমিস্ত মৃতস্ত্ৰ হিদাৰ বাশা ছইয়া থাকে ও মহালেৱ অন্য ৰা অন্যান্য অংশ বিক্ৰয় হয় দা।

্বে২ প্রকারের বান্ধির এই ইস্তাহাবের ফারম ব্যবহার হাইবে তাহা আইনের ৫ ধাবাতে উল্লিখিড আছে ৩বং তদসুসারে ১০ ছবেব বিধবণ লিখিতে চইবে।

TIPPERA COLLECTORATE,

J. KENNEDY,

The 7th December 1897.

Cortector.

#### জিলা রাজসাহা। — জমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ : ারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে রাজশাহী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনান্সারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮। ইং ১১ই জান্ত্রারি মোঃ ১৩০৪ বাং ২৮ পৌষ তারিখ্যকলবার বেলা ২। ২টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

,	<b>t</b>	•	8	¢	• · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	9	b,	<u>``</u>
ভৌনীর দদর।	<b>মহাল ও</b> প্রগন্রে নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সলর জমা।	MANA CLEAN	কেবলমাত্ৰ অংশ বিজয় হুইলে ঐ জংশ বা ঐং জংশেব বিশেষ বিৰবণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হ'ইবে ভারাব মালিকগণের ময়ে।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছইলে ঐ অংশের সদর ভয়।।	নম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় ছইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিঞ্চয় হইলে তাহার বাকী।
২৩৪ নং ৬ ছিস্যা বিশেষ নং ১।	হাটরা দিগর পরগ <b>ে</b> তেগাছী I	า พองหม่ง	•1	* ॥৵৽ আনা .	ধনরাজ মল ওরফে ঝড়ুবাব্, বজাজ হীরালাল বাব্ বজাজ গিরীধারী বজাজ।	<b>የ</b> ሥነ ዛ/ የ		. > ^>

\* উল্লিখিত অংশ ব্যতীত অন্য ৰা অন্যান্য অংশ বিক্ৰয় হইবে না।

দীৰণ .— যে ছলে উপবের লিখিত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ছারে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই ছাং। ইহা বৃশ্বিতে হইবে যে ঐ অংশের মামন্ত মতন্ত্র ছিদাব বাখা হইয়াখাকে ও মহালের জনা বা জন্যানা অংশ বিক্রয় হয় না।

RAJSHAHI COLLECTORATE,

R. S. Greenshields,

The 7th December 1897.

Collector.

#### क्षिमा बमीया।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিনে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিক্ত ১৮৯৮ সালের ১০ জাল্মারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫,৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিক্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া খাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

>	1	9	8	α	6	9	<b>•</b>	•
তৌজির নধর।	মহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহালের স্পর জমা। কিনা।		কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবয়ব।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হ <b>ই</b> থে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় চন্নলে ঐ অংশের সদব ধ্রমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিজয় হইলে তাহাব বাকী।
, ,	মহাল আলমপুর পর- গণে আলমপুর।	৯২৯৬৬॥/৮ পুলিস ১০৪৯।১৫	<b>ล</b> า	১। ০ নং অংশ । ৮৬ ৪। ৮১ ০ উক্ত অংশ ব্যতীত অন্য অংশ বিক্রয় হইবেক না।	কালী প্ৰসন্ধ ঘোষ	৪২৬৩৭/৩ পুলিস ৪৮২।৫		२ ३ १ । ४ ८
১৬৭ <b>নং</b>	মহাল গুবড়া পরগণে পাচ নউর !	১৯৪১৩।৯/১ পুলিস রেভিনিউ ২১৩।/৪	ना	১৬৭।২ নং অংশ /১৪।১৬।।৯/০ উক্ত অংশ  ব্যতীত অন্য অংশ বিক্রয় হইবে না।	সারদা প্রসাদ স্থর শুবানীপ্রসাদ স্থর, অন্ধর্মর্থনা দাসী দিগর।	-	••••	91130

E. A. GAIT, Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 os. tin, eight annas per 8 os. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জ্বদু সিন্কোনা।

কলিকাডাছ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট গবণ বেন্টের কর্মচারিগন এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালীন ছয় পোঁও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূল্যে ধ্রুমা সিনকোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২॥০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫২ টাকায় ও এক পোঁও টিন ১০, টাকায় পাইবেন। সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য শিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬, টাকায়, আট ঔপ টিন ৬২ টাকায় এবং এক পোঁও টিন ১২, টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেন্ডাগণও এই ঔষধ বিক্রয় করিয়া থাকেন। উপরোক্ষ হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের ।০, আট ঔপ টিনের ।০

বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের সিনকোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সলফেট অফ কুইনাইন

১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে,যথা—

১ এক পৌণ্ড টিন ১৮, বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৭০

।। जार्थ ,, ,, के, ,, ,, ,, ,, ,, ,,

| 阿ি , , , 8||° , , , , , , , , ,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপকৃষ্ট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই ডাহার গ্যারান্টী দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিক্ট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিক্ট শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিক্ট পাওয়া যাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

				Tro.	Λ.	r,	
Entire Gazette	•••			10	0	0	per annum.
	Postage			2	8	0	•
Parts III, IV, V.					Ū	v	<b>&gt;&gt;</b>
and Bills of the							
and Bengal			•••		0	0	<b>)</b> ,
-	Postage	• • •	•••	1	0	0	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
For a single copy	·						
Entire Gazette		•••	•••	0	4	0	•
	Postage		•••	0	1	0	
Paxta III, IV, V,	and <b>VI</b>	•••		0	1	• 0	for 4 sheets or under
di	l'osta <b>go</b>		••	. 0	1	0	with an additional charge of 1 rnua for every 4 sheets in excess of 4.

The same rates as those of the dufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. Baker.

Offg. Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন।

১৮৮৩ সাল ২১ কেব্রুয়ারি।—বাজালা গবর্ণমেণ্ট গেজেটের মূল্য ও ডাকমাহুল এই অবধি নিত্র লিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে ঃ—

	यक:मट	7			টাকা।
সম্পূৰ্ণ গেজেট	•••	•••		<b>হৎ স</b> র	3 **
<sup>`</sup> ডাক্মান্থৰ	• • •	•••	•••	71	<b>रे</b> ।। •
ত এঃ ও ৫ ও ৫ খ্	( যাহাতে 🔻	গারতবর্ষের 🔻	<b>उ वक</b> -		
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার জ	াইন ও অ	विद्यम		
<b>পাণ্ডুলিপি থা</b> কে )	•••	•••		,,	\$1
ভাক্যান্থল	• • •	•••	•••	"	>>
ল পূর্ণ একখানি গেজেটে	র মৃপ্য	• • •		,,	į •
— .hamham.	•••			•	, •
0086666	( প্ৰড্যেক	৪ পৃষ্ঠা বা	ভাহার		
ন্যুন সং <b>খ্য</b> ক <sup>গ</sup>	रें छे रत मृन्हा)	•••		٠.	/ । ৪ পৃষ্টার উপর বাদ অধিক হয় ভাহার আন্তোক ৪ পৃষ্ঠা প্রভি জার একং আন।।
<b>ए कि या चूल</b>					. /•
	3	க <b>்</b> னை.¢.20 எ ∣			

কলিকাভার ৷

কলিকাডায় ও মক্ষণতে সমান মূল্য, কলিকা**ডায় কেবল ডাক্মাত্রল লাগি**তে না

विकास अवर्शिया अकृष्टिः (शांष्टे स्मारकेती।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construct the hymns of the ancient Rights of him country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDE., GOVE. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted

to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one amus in the Rupes on account of discount

C. W. BOLTON,
Under-Secretary to the Govt. of Benyal.

12th December 1882.

NOTE.—Rates of advertisements in the UNLOUTTA GAZETTE

				Rs.
Full page, per issue Half ,	***	₹ ● ●	•••	20
				10
Casual adve	itisement	l4 anuas per	line.	

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিন্তা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজেট দেওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেন্বর মাসের ২০ ভারিখের জ্ঞাপনপত্রাভিত্তিক এই মর্মের বিভাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিন্তা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষণের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ক্যেন্ডি বালাল সেক্টোরিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয়করিতে চাহিলে কিন্তা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ডন্নিমিত্ত নগদ মূল্য দিতে ছইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাণ সেক্টোরিয়েটের আকোন্টান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইলভিহার কি বিজ্ঞাপন প্র'ভৃতি প্রকাশ করা মাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণ্টি বাদ দিবার জ্ঞান্যে টাকার উপর আর 🔑 এক আন্যা পাঠাইতে হইবে।

সি. ডবলিউ বল্টন,

বল্পদেশের গ্রহ্মেন্টের ছোট সেক্টেরী:

#### ১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

ষক্ষরা ৷— কলিকাতা গেলেটে ইণতিহার একাশ করিবার হার এটং।—					
প্ৰা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ করণের	•••		•••	••	200
<b>জাধ পৃষ্ঠা</b>	•••	•••		***	>
কথন কথ্য উপ্চিছার প্রকাশ করিতে চইতে	। जन्म पेकि	•	**	• •	1.

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan. Member of the Rent Commission.

Price Rs 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annus for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### ৰাজ্যল সেকেটারিয়েট যন্ত্রালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে।

বারিন্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীয়তীর বলদেশের সিবিল সর্বিসে নিযুক্ত বর্দ্ধয়নের ডিষ্ট্রিক্ট ও সেশন জ্বান্ধ বের ক্রিন্দ্রের যেশ্বর, ইনর টেম্পালের শ্রীযুত সি, ডি. ফিলড, এম, এ, ও এল. এল, ডি সাছেবের প্রাণীত বলদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাছেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূয্যধিকারীর ব্যান্ধ আইন সংহিত্য।

#### একং খানি পুশুকের মূল্য, 🖎 পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রম করিতে চাহিলে বাজাল সেক্রেটারিয়েটের আকৌকান্টের নিক্ট একং থানি পুস্তকের মূল্য এবং ভাষা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার ধরচ।/০ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। যন্তব্য।—উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া যাইডে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকায্যোপলকে বন্ধদেশের যজিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেত ওয়েষ্ট টৌন হালের হাভায় স্থিত বন্ধদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্যবিভালের আপিলে বেজি-ফ্রীরের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উপ্ত সকল আইনের পৃস্তক কলিকাভার গবর্ণমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিল্ল কোন্থানির বাটীড়ে কয় ক্রিডে পাওয়া যায় ৷

#### বিজ্ঞাপন।

গবর্ণমেন্টের ১৮৮১ সালের জ্বন মাসের ২৯ তারিখের আজ্ঞাত্মসারে নেভিক্ল গ্রাহকক্ষরপ পোর্ট-কমিশনরেরা নিম্নলিখিত যে সকল দ্রব্য অধিকারে লইয়াছেন ভাহার মূল্য ১০০) টাকার অধিক হওয়াতে ১৮৮০ সালের ৭ আইনের ৭৬ ধারার বিধানমতে তাহার বর্ণনা সাধারণের অবগত্যথে প্রকাশ করা গেল :--

ভারিখ।	श्रां था था था था था था था था था था था था था	জাচব্যৰ ৰণ্ 🕆 ।			l .	যে স্থানে পা এয়া গেল।	যে স্থানে আছে।
5	ર	,			8	œ	16
ং৪শে নবে- স্থর ১৮৯৭ সাল ।	8 Pl, a, \	শাল (মাটা তুলার) ভিন্নং রন্সের ডোরা কাটা সৃতীবন্ধ ভিল (ভোগা কাটা ও শাদা) বেগুনিয়া রংপ্লের ডোরা কাটা কটন রোল তূলা ও পাট মিশ্রিত শাদা চাদর লাল রপ্লের সৃতীকাপাড় লাল রপ্লের সৃতীকাপাড় লাল রপ্লের সৃতীবন্ধ (চেক) কাশ্মিরী চাদর নাল ও সবুজ ফুানেল নীল রপ্লের সৃতীবন্ধ (চেক) সোখিন রন্ধিন শাড়ী (সৃতী). রেশম ও সৃতা মিশ্রিত চাদর নামা রপ্লের সামান্য বন্ধাদি মিশ্রিত টের্চা বৃননের কাল রপ্লের রোল গা.ঢ় নীল রপ্লের মোটা সার্জ ভিন্নং রপ্লের ঘোটা সার্জ ভিন্নং রপ্লের ভোরাকাটা ফুানেল কাল আলপাকা কাল সার্জের শাল ১ খানি শাদা ও ১ খানি নীল রপ্লের টের্চা বৃননের মিহি সার্জ ভসর কাপড় পাটকলা ব্রন্ধের সার্জ	28 2 2202 02220 a 20 a 22 222	?? ?? ?? ?? ?? ?? ?? ?? ?? ?? ?? ?? ??	)                 	হগলী পাইকী	পোর্ট কমি শনরদের হাবড়ার ড ইয়ার্ডে।

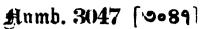
এ, জিন, হফ্,

কলিকাতা, ২৪শে নবেম্বর ১৮৯৭ সাল।

আসিফান্ট কনসারভেটর।

কালকাতা প্রেমিটেকী কেল মগ্রালয়ে গ্রেক্টের জন। জ্বত্ত তেম্য পেট্র মাতের কর্ত মুক্তি ও প্রকাশত এইল ।







# शवर्वाञ्च (शरक्रि)।

TUESDAY, DECEMBER 21, 1897.

# यक्नवात्र, ५৮৯१ मान २১ ডिमেश्रत ।

CONTENTS.	1		
	Page.	মেশ্ট।	
PART 1.—Resolutions, Orders and Notifica-			नुष्टे।
tions of the Government of India	Nil.	<b>অখন খণ্ড।—ভারতবর্তীর</b> গবর্ণমেটের নির্দারণ	•
PART II.—Resolutions, Orders and Notifics.	1	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	নাই।
tions by the Lieutenant-Governor	1	विकीय वर्षः ।विकासमानित गवर्गायानीय विकीयमः	
of Bengal	Nil.	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	ন(ই)
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-		विक्रीय क चे । कारमरमर गवर्गरमर के ब्र कारमम	माই।
nor of Bengal	Nil.	ভাটীর বভ।-ভারতবর্তীর ব্যবস্থাপক সভাব প্রণীত	
VART III Acts of the Legislative Council of		चारेव	নাই <sup>1</sup>
Indis	Nil.	চতুর্ব থক। ভারতখরীর বাব-ছাপক সভার আইনে।	-11
PART IV Bills of the Legislative Council of		শাক্তমিশি	নাই।
India	Nil.	পঞ্চ বৰ :বৰীৰ ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত জাইন	माई।
PART V.—Acts of the Bengal Council	Nil.	वर्षे वक्षा-वकीय कार-वालक मकात काहरमत	
PART VI.—Bills of the Bengal Council	Nil.	भाकिति।	নাই।
I'ART VII.—Circular Orders by the High		স্বায় বার্চ । আই কোর্টের ও রেবিনিট বোর্টের	,
Court and Board of Revenue	Nil.	সাধারণ জাপনপত্ত	নাই ৷
TART VIIIAdvertisements	321 <del>634</del>	and a second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second sec	& <b>2</b> 3 <b>4</b> 08
S TPPLEMENT	Nil.	পরিশিক্ট সবর্গাইকটেকীর সেবেলট	নাই
		A	

TART VIIL

ADVERTISEMENT.

ष्ट्रेय ४७।

ইম ভিহার অভূতি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাছার।

### জিলা বাকরগঞ্জ।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারী এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্রর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত সেপ্টেম্বর কিন্তির তলবী বাকী রাজন্মে ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহুসারে বাকী রাজন্মের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সনের ৫ জাহুয়ারি তারিখ মোং ১৩০৪ সনের ২২ পৌষ বৃধবার নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ সাল তারিখ ১৩ নবেম্বর।

3	2		8	å	<b>5</b>	۹ .	<b>b</b>	
ভৌজিয় নধ্ব।	মহাল ও প্ৰগণাব লাম।	সম্পূৰ্ণ মহা- লেব সদৰ কমা।	ু সম্পূৰ্ণমহাল বিশ্বত ইংবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রম হুইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবর্ষণ।	যে সম্পত্তিবিক্রম হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিশ্ৰুয় হইলে ভাগাব বাকী	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰন্ত হইলে ভাষা বাকী।
8486	পদ্মা ওরফে রম- জানপুর পং কাশীম- পুর দেহলাপট্টী।	(040°)	সম্পূর্ণ মহা- লের মালিকী স্বস্ত্র নিলাম হইবে।		হরকুমার সেন গং		२०२८)	
8 <b>⊍∘</b> ¢	চর সমসদী বালি- গাও পং সায়েন্তা- নগর।	2884)	ď		দক্ষিণাকুমার রায় চৌধুরী গং।		984,14	
8986	চর জঙ্গলা পং উত্তর সাবাজপুর।	91-8)	Ġ	•••••	হরিমোহন ঘোষাল	• • 21	رهو	 
3 9 2 0	মেজি চিকনীকান্দী পং চন্দ্ৰস্থাপ।	······		এজমালী —    ১   ১   ১   ৪   ৪      তিল অংশ নি-  লাম হইবে এত-  স্বাতীত অন্য  কোন অংশ  নিলাম হইবে  না ।	<b>श</b> ् ।	२७२ ৯ ५१	• • •	२७४५७
7953	তালুক বিশ্বনাথ সেন পং খাঞ্জাবাহাগুর নগর ।	Œ901 <b>0∕}</b> }	সম্পূৰ্ মহাল নিলাম হইবে।		রাম্নারায়ণ সেন গং	****	ऽ8२। <b>৵</b> ⊭॥	•••••
PEGC	তালুক ফতে মাধাযুদ পং প্লাঞ্জাবাহাত্তর- নগর।	१७४७) क	Ē	••••••	রাখালচন্দ্র রায় চৌধুরী গং।	·· ·	৯২/৮	. 866.966
১৬৭৭	তালুক সৌজ্বদিন খাঁ গং পং বোজরগো- মেদপুর।	•••••		এজমালী –  4 ১/১ ৫ গণ্ডা অংশ নিলাম হইবে : এড- ছ্যতীত অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না !	ক্বফকিশোর নিয়োগী গং।	3 · 8 º h J 8	••••	१०।८८

,	,	١	۰	8	ť	•	9	ь	አ
	তৌজির নম্ব ৷	মহাল ও প্রগণাব নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইবে কি না।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রম ছটলে ঐ অংশ বা ঐ অংশের বিশেষ বিবৰণ	যে সম্পত্তি বিক্ৰয় ছইবে তাহাব মালিকগণেব নাম।	.কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অং শের সদর শ্বমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হুইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয হইলে তাহা। বাকী।
	¢78¢	কিশমত তেওডা, পাওডা, রূপার- জোর গং পং বোজরগোমেদ-	¢38 <sub>9</sub> /•	সম্পূৰ্ন মহাল নিলাম হইবে।	••••	দেবনাথ দত্ত চৌধুরী গং।		ا ( در ال	••••
	२९०৮	পুর। জমিদারী পং উত্তর দাবাজপুর।	289814€	ď		আনন্দ চন্দ্র রায় <sup>গং</sup> ।	•••••	2¢2√8	•••••
	१८८८	<ul><li>১০ গণ্ডা জ্বামদারী</li><li>তৎেপ হাবেলী</li><li>সীলিমাবাদ।</li></ul>	208619911	Œ	•••••	সোদামিনী গুপ্তা গং।	•• ••	2224¢II	*****
•	<b>०</b> २०७	চর উমেদ মহালাধীন ৬৪ নং যোত পং জঞীরা।	264%0	সম্পূর্ণ যোত নিলাম হইবে।	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	হরিচরণ হাওলাদার গং।	••••	२७४५/७	•••••
	<b>4</b> 280	চর পদ্মা মহালাধীন ১ নং গরমকররি তালুক গুপিক্বফ বন্দ্যোপাধ্যায় পং দক্ষিণ সাবাজপুর।		সম্পূৰ্ব তালুক নিশাম হইবে		বিহারী লাল রায় চেধ্রী।		(83)	•••••

টা কা। - যে স্থানে উপাৰে লিখিত বৰ্ণনাপালেৰ ৫, ৭ ৭০ ৯ ঘাৰে কোন অংশ মাত্ৰজিজৰ হুইতে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থানে ইছা বুলিতে ছুইতে যে ঐ আংশের নিমিত্ত খতত্র হিসাবে ক'ব। ইইয়া পাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রায় হয় লং।

B. Bell,

Off g. Collector.

#### জিলা ঢাকা।-জমিদারী বিক্রমের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে ঢাকা জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকা রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকা রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ৬ই জান্ত্রয়ারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই-শুক্ত প্রতাদ্ধার নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

>	2	•	8	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	. 5	9	<b>b</b>	>
তৌব্দির নম্বব।	মছ্লে-ও প্ৰগণাব নাম।	সম্পূৰ্ণ মহালেব সদৰ ক্ষমা।	সম্পুণ মহাল বিক্রম হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রম হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিব্রবণ।	থে সম্পত্তি বিক্রয ছইবে তাহাব মালিকগণেব নাম।		সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহাব বাকী।	কোন অংশ মাঞ বিক্ৰয় হইলে তাহাৰ বাকী।
· 78	পং বন্দরখোলা মং মার্দরাজা।	369∘4o∕ 3•11	•	অবশিফ	শশীকুমার পোদ্ধার গং:	<b>એ</b> ડહાાંજર મ		२७१।२।
٥٧٥	চর মৃজাপুরের মধ্য- গত সালিনা ওরফে চক হরিচরণ।		ষোলআনী		ক্লফচন্দ্র সাহা গং		3 <b>ዓ</b> ታ ዓ <sub>የ</sub>	,

DACCA COLLECTORATE,
The 18th November 1897.

OKHOY COOMAR SEN.

For Collector.

## জেলা বাঁকুড়া।

## নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতন্তারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাঁকুড়া জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ণমেন্টের যে মলিকি শ্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত অন্ধ্রসারে উক্ত বাঁকুড়া জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৮ সনের ১লা কেক্টেমারি তারিখ মোতাবেক বাললা ১৩০৪ সনের ২০শে মাঘ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রম হইবেক ১

খরিদ্ধারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ত সকলে বাধ্য হইতে হইতে,---

#### নিলামের সর্গু ৷---

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিষ্ট করেন ভাহার উপর যে ব্যক্তি সর্বাপেকা অধিক মূল্য দিতে সন্মত হইবে তাহার নিকট এই মন্পত্তি বিক্রম হইবে। এই মহালের খরিদ্দারকে ইহার মালিক অরপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজন্ম ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরম্থরপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ত খরিদ্দারের শ্রুতি পর্য্যাপ্ত হইবে।

বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের ছারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ ছইয়াছে এবং
এই ক্লণ যে সকল পাট্টা বর্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং
রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ ছারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখান্তা
ক্রমক প্রজা ছারা দল্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্বীকার করিতে খরিদ্ধারগণ বাধ্য
হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার অনধিক হইলে সমূদ্য় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০০ টাকার উর্ধ্ব ইইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদব্ধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্বে উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত ইইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি খরিদ্দারের দায়িত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

ভৌক্তির মধ্ব।	মহাল ও প্রগণার নাম।	একরের ত্রিসাবে যত- দূব জানা যায ভূষির অন্যুমানিক প্রিয়াণ।	गवर्गत्मटकेत ताक्ष्य यादा धार्या इंडें- प्राटक्ष	<b>मश्च</b> वा।
br o	আমরাণী পরগণে বিষ্ণুপুর	··· মোট মহালের ৬ কাগ অংশ।	•	থানা বিষ্ণুপুর সামিল ভাগেদিখা গ্রাম- নিবাসী দিনময়ী দেবীর বিরুদ্ধে ১৮৯৫ ৯৬ সালের ৭৩৯ নং সার্টিকিকেট জারিতে গবর্থমেন্ট কর্ত্তুক প্রকাশ্য নিলামে খরিদ করা হইস্লাছে।

ভালেক্টারের কাছারি, জেলা <sup>ই</sup>াকুড়া, ডারিখ২০শে নবেম্বর ১৮৯৭। G. E. MANISTY.

Collector.

## किना बमीशा।

#### নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ণমেণ্টের যে মালিকিশ্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অহুসারে উক্ত নদীয়া জেলার কালেক্ট্রবিডে ১৮৯৮ সনের ১০ই জাহ্নয়ারি তারিখ মোতাবেক বাঙ্গলা ১৩০৪ সনের ২৭শে পৌষ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় ইইবেক।

খরিদ্ধারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ত্ত সকলে বাধ্য হইতে হইবে। —

#### নিলামের সর্ত।--

- প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্ট্র সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্দিষ্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্ব্বাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রম হইবে। এই মহালের খরিদ্ধারকে ইহার মালিক অরপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরস্থরপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকিস্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদ্ধারের প্রতি পার্য্যাপ্ত হইবে।
- দ্বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভে-নিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা ক্রমক প্রজা দ্বারা দশুখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্থীকার করিতে খরিক্ষারগণ বাধ্য হইবে!
- তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার অনধিক হৃইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
  চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার উর্দ্ধ হইলে যত টাকা ডাক হইয়া বাকে তাহার চতুর্থাংশের
  একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি
  পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ
  দিবস কোন পর্ব্ব উপালক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি
  হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত
  করা হইয়াছিল ভাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার
  নায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি খরিক্ষারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায়
  নিলাম হইবে।

েতীজিব নম্বর ৷	মহাল ও প্রগণার নাম।	একবেব জিলাবে যতদূব জান: যায় ভূমিব অফুমানিক প্ৰিমাণ।	গৰণমেকেব বাজস্ব যাহা ধাৰ্য। হই- মাছে।	<b>•</b> মশ্ভব্য।
J. 29	সিমুলিয়া পরগণে শ্রীনগর	একর— ২০.৮৬ অর্থাৎ ৬৩/২। বিঘা।	টা: আ: পা: ১৬ <sub>)</sub> • •	

কালেক্টরের কাছারি জেলা নদীয়া ভারিখ ৪ঠা ডিসেম্বর ১৮৯৭ সাল।

R. A. Rossiter,
For Collector.

#### জিলা নোয়াখালি।

### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬, ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ১১ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে, নোয়াখালি জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিলে বাকী রাজক্ষ ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজক্ষের ন্যায় আদায় হইবার আলেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৮। ৪ জায়য়ারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে। যে ছলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশমাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই ছলে ঐ অংশের নিমিত অতন্ত হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

>		٥	8	t	s.	,	-	۵
ভৌজির রুধব।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম।	সম্পূর্ণ মহা- লের সদর কমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হটুৱে কিনা।	কেব্লমাত্ত জাংশ বিক্লেয় হইলে ঐ অংশ বা ঐহ অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পাতি বিক্রম ভইবে ভাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিঞ্চয় হইলে, ঐ অং শের সদর জযা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহাৰ বাকী।	কোম অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে তাহাব বাকী।
<b>\$</b> 33	বামনী জমিদারী চাকলে বামনী।	>>>• <b>9</b> ,	मण्पूर्व	••••	বাবু উপেপ্রচম্দ্র দত্ত মেনেজার অব মিস কোর্জন ফেট ও বাবু রঘুনাথ প্রসাদ তেওয়ারি গং।	j .	@ • @ @     & } }	
			খাদ মহ	াল টেনিউর				
2002	গং মং হাওলা	७১৮५७	मण्पूर्व		ওয়াজন্দিন ঘাট মাজি।		38৯√€	•••••
<u> ५७७२</u>	আবজ্প রহমান। চর মগধরা গংমং হাওলা আজম- ভুলাগং৮০ নং দখল।	9 o b h <sub>9</sub> /9	<u> </u>		ত্রৈলোক্যনাথ গুহ অভিভাবকজানিবে সচিনাথ গুহ।		50018	
८९७८	l _ i	२०२१। 🎝 ८	<b>એ</b>	••••	জমিয়ত আলি		8४-१।०	
3693		20021122	(a)		Ġ		6901/4 <sub>7-</sub>	<b></b>
3464	চর আনেকজেণ্ডারের ১ নং গং মং হাওলা।		Ď	•••••	নবকুমার বস্থ	••••	১৩৬৯/৯	•••••
১৫৮৫	ঐ চরের ২ নং গং মংহাওলা।	48242	Ġ	••••	<b>L</b>		39010/2	*****

S. K. Agasti, Collector.

#### जिन। वर्षमान।—कमिनाति विकासन विकाशन क।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, বর্জমান জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সালের জুন কিন্তির বাকী রাজন্ম ও অন্য যে সকল দাবী আইনামুসারে বাকী রাজন্মের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত আগামী ১৮৯৮ সালের ৫ জামুয়ারি তারিখে বেলা ১২টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

>	3	٠	8	¢	4	9	r	•
তৌজির নয়র।	মহাল ৩৪ পরলণার নাম।	সম্পূর্ণ মহা- লের সম্বর ক্ষমা	সম্পূৰ্ণ মহ ল বিজ্ঞায় ঘটৰে কি শাঃ	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বি- শেষ বিবরণ।	বে সম্পতি বিজ্ঞন্থ হইবে শুহার হাতিকগনের নাম ৷	<u> </u>	「スカスを育りっ	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছইলে ভাগার বাকী ট
44	মহাল পাটুলী পর- গণা পাটুলী।	e ዓሥ <b></b> ሁ ለነጋ		কেবল মূল মহাল নিলাম হইবে অন্যান্য অংশ নিলাম হইবে না।	নবিনচভ্ৰ চৌধুৱী দিং।	₹ <b>₽</b> ₽○ /3 •		88(&

দীকা।—যে ভলে উপবেব লিখিত বর্ণনাপত্তার ৫. ৭ ও ৯ ঘবে কোন তাংশ মাত্র বিক্রম হইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই শ্বলে ইহা বৃথিতে হইবে যে ঐ তাংশের নিমিত্ব শতপ্র হিসাধ রাখা হইয়া থাকে ও মহালের তান্য বা জান্যান্য তাংশ বিক্রম হয় না।

C. FISHER,

Collector,

## জিলা বারভূম।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওরা যাইতেছে যে বীরভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্রর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্যয়ে সকল দাবী আইনামুসারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ১১ই জামুয়ারি তারিখে বেলা ১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে।

3	٠,	9	8	a	•	9	<b>b</b>	۵
তৌজীর মধর।	মহাল ও প্ৰগ্নাৰ নাম।	সম্পূর্ণ মহাজেব সদর জমা।	मच्चृत भड़ांन विक्रय डहेरव कि मा।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয হউলে ঐ অংশ বা এ২ অংশের বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্ৰম হইবে তাহাব মালিকগণের নাম।	কোন তাংশ মাত্র বিক্রথ হইলে ঐ জংগেব সদর জম।।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহাব বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিশ্রুয় হইলে তাহার বাকী।
২৩৪ নং	ু আমুকাপালন পর- গণা খটলা থানা দিউড়ী।		•	এজমালি অংশ— দেবীপুর, দড়ি- বাজে জমি বাজে আপ্তি, দেবীপুর, জঙ্গল জমা ও আমড়াপালন মো- জায় রকম যোল আনা, এই অংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নীলাম হইবে না।		€84HJ0		U4/9

দীকা।- বে শ্বলে উপরের লিখিত নংলাপত্তের ৫. ৭ ৩ ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রেয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই দ্বলে ইহা বৃথিতে ছইবে বে ঐ অংশে<sup>ব</sup> নিমিত স্বতন্ত্র হিদাব রাখা হইয়া থাকে ও উপদ্ধি লিখিত অংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না।

BIRBHUM COLLECTORATE,

Dated Suri, the 18th November 1897.

## ে জেলা ত্রিপুরা।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন খ।

Bee at-

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৫ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে যদি নিম্নের লিখিত বাকী রাজন্ত্ব আগামী রাজন্ত্র দিবার শেষ দিনে অর্থাৎ ১৮৯৮ ইং ১২ জাল্লয়ারি তারিখে বা তৎপূর্বেন না দেওয়া হয় তাহা হইলে ত্রিপুরা জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেষ্ট্রের সাহেবের আফিনে উক্ত বাকী রাজন্ত্বের জন্য ১৮৯৮ ইং ২৫শে মার্চ্চ তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইং ৩ ডিসেম্বর ১৮৯৭।

5	3	5	8	<b>(</b>	•	9	<b>b</b>		30
ভৌজির নপর।	মহাল ও প্রগণার নাম !	সম্পূর্ণ মহালের সদর জমা	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হউবে কি না ।	কেবলমার অংশ বিক্রুর ভইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিবরণ।	্যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিক- গণের নাম।	কোন অংশ মাজ বিক্ৰয় হইণে ঐ অংশের সদব জমা।	বিক্ৰয় চইশে	কোন অংশমাত্র বিক্রয় হটলে তাহাব বাকী।	যে দাবির জন্য নিলাম হউবে তাহাব প্রকাব ও পরিমাণ।
3200	মেয়াদি বন্দোবন্তী জোয়ার দৌল- তপুর পং বর- দাখাত ১২৬১ সন হইতে ১৩১০ পর্য্যন্ত ৫০ বৎসর।		সম্পূৰ্ণ	<b>v</b>	উমা <b>নাথ ঘোষ গং</b>	•••	39 hg/&	১৮৯৭ সেপ্টেম্বরে	দেওয়ানী জাদালত াকী মহাল ইং ২৮শো ার দেয় 10/৬ পাই।

টীকা।—যে স্থলে উপক্ৰক বৰ্ণনাপত্ত্বেৰ ৫,৭ ও ৯ ঘৰে কোন অংশ মাঞ্চিক্তা হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই শ্বলে ইহা বৃথিতে হইবে যে ঐ অংশেব নিমিত্ত স্বতন্ত্ৰ ছিদাব রাশা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

্ষেৎ প্রকারের বাকির এই ইন্ডাহাবের ফাবম ন্যবহার হুইবে ভাহা আইনের ৫ ধারাতে উল্লিখিত আছে ৫বং তদশুসাবে ১০ ঘবের বিধবণ লিখিতে হুইবে।

TIPPERA COLLECTORATE,

J. KENNEDY,

The 7th December 1897.

Cutlector.

#### জिना ताक्रमारो ।- क्रियमाती विकास विकास विकास क ।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে রাজশাহী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত হোলগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেষ্ট্রর সাহেবের আফিনে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে । ক্লিরাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য ভাষা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮। ইং ১১ই জাহ্মারি মোঃ ১৬০৪ বাং ২৮ পৌষ ভারিশ্ব ফেলবার বেলা ২। ২টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

>	₹	•	8		•	1	ь	3
তৌশীর মখর।	মহাল ও প্ৰগন্ধ নাম।	ग≈पृर्वभक्षारल त अन्दरक्षपाः	प्रकार ग्रहास	কেবলমাত অংশ বিক্রয় হ'বলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হউবে তাহার মালিকগণের সাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হয়তে ঐ অংশের সদর ভ্রমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় গুইলে ভাহাৰ বাকী।	কোন অংশ শাত্ৰ বিক্ৰন্ন কইলে তাহার বাকী।
(৩৪ নং	হাটরা দিগর পারগণে ভেগাছী।	20 c HeJ □		* il৵● আনা	ধনরাজ্ঞ মল ওরকে  ঝড়ু বাবু বজাজ  হীরালাল বাবু  বজাজ গিরীধারী বজাজ ৷	er>40		١٠ ٥٠)

\* উল্লিখিত অংশ বাজীত অন্য ৰা অন্যান্য অংশ বিক্ৰয় হইবে না।

টীক'।— যে স্থলে উপাবেব লিখিত বর্ণনিপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ছত্তে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছইতে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে উচা বৃথিতে হ উতে যে ঐ অংশের মামত স্থতন্ত্র হিসাব রাখা হউমা থাকে ও মহালের জন্য বা অন্যান্য অংশ থিকেয় হয় না।

RAJSHAMI COLLECTORATE,

R. S. Greenshields,

Collector.

#### জিলা ২৪ পরগণা।

এতদ্বারা সর্বসাধারণকে জ্ঞাত করা যাইতেছে নিম্নলিখিত জমিদারি মহালের সম ১৮৯৭ সালের সেপ্টেম্বর কি**ন্তি**র রাজস্ব ২৮ সেপ্টেম্বর সূর্য্যান্ত পর্যান্ত দাখিল না হওয়ায় ঐ সমন্ত। মহাল সন ১৮৫১ সালের ১১ জাইনমতে সর্ব ১৮৯৮ সালের ১০ জাইয়ারি তারিখে জেলা ২৪ পরগণার কালেক্টারিতে বেওজর নিলামে ধরা যাইবেক।

১। প্রথম শ্রেণীর চিরস্থায়ী বন্দোবস্তী মহাল।—

>	2	9	8	t .	<b>5</b>	9	<b></b>	>	316
अधिक मध्य ।	ভৌঙীর নম্ব।	শরগণা ও মহালের নাম।	প্রা মহা- লেব সদব জমা।	প্ৰা মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	যদি একটী অংশ বিশ্লয় হয় তবে দেই অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি নিলাম হইবেক তাহাব মালিকের নাম।	যদি একটা অংশ বিক্রয় হয় তাহার সদব ক্রমা।	যদি প্রা মহাল বিক্রয় করিতে হয় তাছার বাকির পরিমাণ।	যদি অংশ বিক্রয় করিছে হয় তাহার বাকির পরিমাণ
*	<b>€</b> ∪	পৃং মাগুরা কিং রামেশ্বরপুর। পৃং মাগুরা কিং আবগাছিমা দিং।	۵ ۵ ۵ ۵ ۲ 8	•••	মোজে চাকারবেড়ে  ,, পার্বভিপুর,  ,, রামচম্রপুর,  এই চারি মোজায় ।  ॥ = ক্রান্ডি বাদে  অবশিক্ট ॥/১৯।—  কান্ডি।  মোজে রাম্ম্ররপুর  ১৬ ৸ কাগ বাদে  অবশিক্ট ১৪ মোজায়  ১৬ আনা।  মোজে চক কাটালে  ।১০ বাদে॥/• আনা।  মোজে বাবনপুর ও  নোনা প্রত্যেক মো-  জায় প্রা। বাদে  অবশিক্ট ১ ১৮॥	বঁকে বিহারি দাদ মণ্ডল। জগৎচন্দ্র রায় চৌধুরী দিং।	4364110-		47(U
3	302	দ পং মান্তরা, কিং ইন্দ্রপালা দিং।	<b>፦</b> 8 <b>¢ ካ₊</b> ⁄- ບ ୱ 8	পুরা মহাল।	আনা। অবশিষ্ট আবগাছিয়া দিং ৭ মোজরা প্রত্যেক মোজায় ১৬ আনা।	यानमाञ्चमतो टमरी मि॰।	•••••	١٠ د اداده	
8	ر 1780ء 1	পং ঘড় দিং কিং রায়পুর I	-		৮/৬॥ = ক্রান্তি বাদে অবশিষ্ট ৮:৩।—	বাঁকে বিহারি লাল মণ্ডল।	<b>33</b> ₹७५०		30001140
	ora	পং আজিমাবাদ কিং হুদারস- খালি দিং।	ر اا858ھر ا		কান্তি। ৩৩ মোজার মধ্যে ৩২মো- জায় গঠ৫ আনা বাদে অবশিক্ট (১৫ গণ্ডা।	বাঁকে বিহারী লাল মণ্ডল।	<b>3•</b> 04/9	••••	34/6
<b>.</b>	७ <b>३</b> २ 	প' আজিমাবাদ কিং হুদাজ্জয়- চঙিপুর।		•••	৮/৬।। = ক্রান্তি বাদে অবশিষ্ট ৮/১৬। ক্রান্তি।	বিশ্বেশ্বর লালা	201411/5		4 e 0   1 / 3 3

অফ্যয়	49	۱

### গবর্ণমেন্ট গেজেট, ১৮১৭ সাল ২১ ডিসেম্বর।

( )	<b>ર</b>	9	8	a	4	9	۲	>	30
क्रिक क्रमें	ट्योकित मधत।	শ্রগণ! ও মহালেব নাম ৷	भूवा महा- लित जनत कमा।	পুৰা মহাল বিক্ৰম হইবে কি ল।।	যদি একটা অংশ বিক্রয় ছয সেই অংশের বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি নিলাম হইবেক তাহার মালিকের নাম।	যদি একটা অংশ বিক্রয় হয় তাহার সদর জমা।	যদি পুনা মহাল বিক্রয় করিতে হয় তাহার বা- কির পরিমাণ।	যদি অংশ বি- ক্রম করিতে হয় তাহার বাকির প্রিমাণ।
4	७३२।	পং আজিমাবাদ কিং হুদাজয়-	<b>6</b> 03010		৮/৬॥= বাদে অবশিষ্ট ৮/১৩।— ক্ৰান্তি।	বাঁকেবিহারি লাল মণ্ডল দিং।		••••	२६७।८७
•	8 • 7	চণ্ডিপুর। পং আজিমাবাদ	F98711		দক্তা। – ক্রান্তি বাদে	বাঁকে বিহারী	<b>68911/20</b>		22 14/911

1301-

नान मधन पिश

চণ্ডিলাল সিং দিং

অৱশিষ্ট

ক্রান্তি।

পুরা

১ মহাল।

আলিপুর,

কিং ছদারাম-

ক্রম্বপুর দিং। ১৫২১ পংবালিয়া কিং ১৮২৫ দ

দেশিতপুর।

60.

সন ১৮৯৭। ১৮ ডিসেম্বর।

CHUNDER NARAIN SINGH.

والوااعاوا

For Collector.

## **जिमा न**मीशा ।

## জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জিলার অন্তর্গত বিশ্বলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্রর সাহেবের আফিনে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী চিলিও আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকা রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ত জান্বয়ারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এওৎসংযুক্ত বননাপত্তের ৫,৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ইবে বিলিয়া লিখিও আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয়

•	2	ی	8	a	5	٩	<b>F</b>	,
তীজির সধর।	ম <b>হাল ও প</b> রগণ্ধি নাম !	সম্পূৰ্ণ মহাজেব সদ্ধ ক্ষা ৷	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় ছইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয চউলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিব্যব্য	যে সম্পত্তি বিক্ৰয় হইবে ভাহার মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হুছলে ঐ অংশেব সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহাব বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰম হইলে তাহাব ্ৰাকী।
<b>5</b>	মহাল জালমপুর পর গণে আলমপুর।	৯২৯৬৬॥/৮ প্রনিস ১০৪৯।১৫	ค่า	১। ০ নং অংশ । ৯৬ ৮৪॥ ৯/১ ০ উক্ত সংশ ব্যতীত অন্য অংশ বিক্রয় হইবেক না।	কালী প্রসন্ধ ঘোষ	৪২৬৩৭/৩ পুলিস ৪৮২।৫		₹ <b>9</b> 2   <b>6</b> /8
<b>७७ नन्</b>	মহাল গুবাড়া পরগণে পাচ নউর।	১৯৪১৩।৮/১ পুলিস বেভিনিউ ২১৩ /৪	คา	১৬৭।২ নং অংশ /১৪ ১৬।।৯/০ উক্ত অংশ ব্যতীত অন্য অংশ বিভায় হইবে না।	সারদাপ্রসাদ স্থর ভবানীপ্রসাদ স্থর, সম্মপূর্ণ। দাসী দিগর।	২০০৬৸৩ পুলিস ২ং৴৩	••••	9115 •

E. A. GAR, Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native dauggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 os. tin, eight annas per 8 os. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### কুরত্ব সিন্কোনা।

কলিকাডাম্ব বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেভেন্টের নিকট গবর্ণ মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালীন ছয় পৌও ক্রেয় করিলে নিম্নলিখিও মল্যে স্তবন্ত্র সিনকোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২॥০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫২ টাকায় ও এক পৌও টিন ১০, টাকার পাইবেন। সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিক্টেণ্ডেক্টের নিকট নগদ মুল নিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি জম্প টিন ৬, টাকায়, আট ঔপ টিন ৬, টাকায় এবং এক পৌশু টিন ১২, টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ভ্রম্ব বিক্রেন্ডাগুণও এই खेबर विक्रम कविमा भारकत। छेशरताक शत हाछा शति खेम हित्तत । , जाहे खेम हित्तत ।। ও এক পৌঞ্জ টিনের দন ডাক মাস্থল দিতে হইবে।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সলকেট অফ কুইনাইন।

১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে,যথা—

১ এক পৌণ্ড টিন ১৮, বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৭০

٥١١٥ رھ

8110 ¢, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইল যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপকৃষ্ট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপুক্ষক মিশান হয় নাই ভাষার গ্যারান্টী দেওয়া ঘাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা ঘাইবে এবং কলিকাতার নিকটস্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিটেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া ধাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance :-For the Mufussal.

Rs. Р. Entire Gazette ... 10 0 () per annum. Postage Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-Entire Gazette Postage 0 1 0 Parts III, IV, V, and VI sheets or with additionar an charge of 1 enna for every 4 sheets in excess of 4.

Postago 1

For Calcutta. The summe rates as there of the mufassal, with the exception of the charge for postage. E. N. BAKER.

Offg. Under-Secretary to the Goet. of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন।

১৮৮৬ সাল ২১ কেব্রুয়ারি।—বাজালা গ্রথমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্যান্থল এই অবধি নিদ্রা বিড হারে অগ্রিম দিডে হইবে:—

	यक:मर≠	7	চাকা।			
সম্পূর্ণ গেছেট	•••	•••	•••	বৎসর	3 • ~	
<u>`</u> ডাকমান্তল	•••	•••	•••	"	<b>₹</b> 11:•	
৩৩৪৩৫৩৬খাও (	যাহাতে 🕶	ণর <b>ভব</b> র্ষের <sup>-</sup>	<b>७ र<i>छ</i>-</b>			
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার জ	িল 😻 🤨	गरंदार			
পাণ্ডুঙ্গিপি খাকে )	•••	•••		,,	8,	
ভাকমাত্রল	•••	•••	•••	"	١,	
সপূৰ্ব একখানি গেজেটের	মূল্য	••	***	,,	1•	
ডা <b>কমাস্থল</b>		•••	,		, •	
৩০৪৩০৩৬ খড়(	প্রত্যেক গ	৪ পৃষ্ঠা বা	ভাষার			
ন্যুন সংখ্যক পৃ	क्षेत्र यूना)	•••		<b>- در</b>	/ • ৪ পৃষ্টার উপর যদ অধিক হর ভাহার <b>প্রভা</b> ক ৪ পৃষ্টা প্রভি আর	

#### ক্ৰিকাডায় ৷

কলিকাডায় ও মঞ্চঃশলে সমান মূল্য, কলিকাডায় কেবল ডাক্মাপ্স লাগিবে না। ই. এন, বেকায়

वक्टपराभव शवर्वायरकेद अकृषिः ह्यां प्रतक्रवेती।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. I'rice Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible, I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDT., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

ডাক্যায়ল

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengales Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is propaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers or officer under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettos, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the Rupee on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Goot, of Bengal.

13th December 1882.

NOTE - Rates of advertisements in the Calcutta Gazette.

| Ra. | Ra. | 20 | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 | | 10 |

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে এই গেজেট দেওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপানাতিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিছা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষণের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ক্রেন ব্যক্তি বালাল সেক্টোরিয়েট ছাপাখানা হইতে পৃস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিছা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভ্রিমিত নগদ মূল্য দিতে হইবে এভদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেকেটারিয়েটের আকেণিটান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাটান না গেলে উপ্রেক্তি কার্য্যালয় ভিন্ন গেলেটে ইলভিহার কি বিজ্ঞাণন প্রকাশ করা যাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণিট বাদ দিবার জ্বন্যে টাকার উপর আর 🗸 ৫ এক আনা পাঠাইতে হইবে।

সি. ভবলিউ বল্টম, ৰঙ্গদেশের গ্রব্যেন্টের ছোট দেকেট্রী।

## ১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মন্তব্য ৷— কলিকাতা গেছেটে ইণতিহার প্রকাশ করিবার ছার এটং ৷—						
পুৰা এক পৃষ্ঠা একং বাব প্ৰকাশ কৰণের		•••	•••		٠,	
আধ পৃষ্ঠা	•••	•••		***	30%	
ক্ষন ক্ষম ইশ্চিয়ার প্রবাশ করিতে ছইলে		***	. •	1.		

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annus for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Scoretariat.

N.B .- Copies are still available.

#### বাজাল সেকেটারিয়েট যন্ত্রালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে 1

বারিন্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীমতীর বঙ্গদেশের সিবিল সন্ধিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিফ্টিট্ট ও সেশন জ্বা ও রেন্ট কমিশ্যনের মেম্বর, ইনর টেপ্পলের শ্রীযুত সি, ডি, ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি লাহেবের প্রানীত বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবনর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূম্যধিকারীর গ্রাক্স বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুস্তকের মৃদ্য, ৫ পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাঙ্গাল সেকেটারিয়েটের আকৌটান্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।/০ পাঁচ আনা পাঠাইবেন ্ মন্তব্য।—উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া ঘাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

র্জকার্য্যোপদক্ষে বঙ্গদেশের মান্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেত ওরেষ্ট টোন হালের হাভায় ছিত বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে বেদ্ধি-ঞ্চারের নামে শিরোনামা দিয়া থা র্যনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পৃশু<sup>ন্</sup> কলিকাভার গবর্ণমেন্ট প্লেশে, ধাকার শিশান্ত কোলানির ধাটাতে ক্রান্ত করিতে পাওয়া যায়।

## বিজ্ঞাপন।

গবর্ণমেন্টের ১৮৮১ সালের জ্বন মাসের ২৯ তারিখের আজ্ঞান্ত্রসারে নেভিক্ত আহকজরপ পোর্ট-কমিশনরেরা নিম্নলিখিত যে সকল ক্রব্য অধিকারে লইয়াছেন ভাহার মূল্য ১০০) টাকার অধিক হওয়াছে ১৮৮০ সালের ৭ আইনের ৭৬ ধারার বিধানমতে তাহার বর্ণনা সাধারণের অবগত্যর্থে প্রকাশ করা গেলঃ—

ভাবেয় ৷	াপণের নম্ব।	হ <sub>ু</sub> ংই বৰ্ণ <b>ন</b> া :			কাছাকাছি মূল্য।	যে স্থানে পাওয়া গেল।	যে স্থানে আছে।
3	<b>ર</b>	•			8	r	*
৪শে নবে- ৪ পি ব্য ১৮৯৭ বিল ।	t, •a, <	শাল (মেটা তুলার) ভিন্নং রজের ডোরা কাটা সৃতীবন্ধ ডিল (ডোরা কাটা ও শাদা) বেগুনিয়া রংজের ডোরা কাটা কটন রোল তুলা ও পাট মিশ্রিত শাদা চাদর লাল রজের সৃতীকাপড় লাল রজের পশমা কম্বল কাশারা চাদর লাল, সবুজ ও কাল রজের সার্জ লাল ও সবুজ ফুানেল নীল রজের সৃতীবন্ধ (চেক) সোধিন রজিন শাড়ী (সৃতী) রেশম ও সৃতা মিশ্রিত চাদর নানা রজের সামান্য বন্ধাদি . মিশ্রিত টেচা বুননের কাল রজের রোল গাঢ় নীল রজের মোটা সার্জ ভিন্নং রজের ডোরাকাটা ফুানেল কাল আলপাকা কাল সার্জের শাল ১ খানি শাদা ও ১ খানি নীল রজের টেচা বুননের মিছি সার্জ ভসর কাপড় পাটকিলা রজের সার্জ টেচা বুননের মিছি সার্জ ভসর কাপড় পাটকিলা রজের সার্জ টেচা বুননের স্তী চাদর	\$8 \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \	), ), ), ), ), ), ), ), ), ), ), ), ), )	) । । ।	হগলী পাইন্ট	পোর্ট কমি শনরদের হাব ভার ড ইয়ার্ডে।

পোর্ট কমিশনরদের আপিস,

এ, জি, হক্,

কলিকাতা, ২৪শে মবেছর ১৮৯৭ সাল। <sup>)</sup>

আসিষ্টান্ট কনসারভেটর।

কলিকাত। শোসিডেকী কেল যশ্রালয়ে গ্রবমেটের জন। জিযুত কেম্স পেট্র সাছের কর্তৃক মৃত্রিত ও প্রকাশিত চই ল ।

B 81a-20-12-97: -1991 - 120



# অতিরিক্ত গবর্ণমেণ্ট গেজেট।

## নঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২১ ডিসেম্বর।

## চতুর্থ থণ্ড।

ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনের পাণ্ডুলিপি।

## ভারতবর্ষের গবর্ণমেণ্ট ।

## ব্যবস্থা বিভাগ।

নিম্মলিখিত আইনের পাণ্ডুলিপিখানি ১৮৯৭ সালের ১৫ই অক্টোবর তারিখে আইন ও ব্যবস্থা প্রণয়নার্থ ভারতবর্ষের শ্রীযুত গ্রন্র জেনরল সাহেবের মন্ত্রি-সভায় উপস্থিত করা হইয়াছিল।—

১৮৯৭ সালের ১৮ নম্র।

ক্যেজদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইনের পাণ্ডলিপি।

স্ফুচীপত্র।

হেতুবাদ।

প্রথম খণ্ড।

यू हुना ।

১ প্রথম অধ্যায়।

ধারা ।

১। সংক্ষেপ নামের কথা। আরস্ভের কথা। ব্যাপ্তির কথা।

২। আইন রহিড হইবার কথা। রহিত করা আইন অস্থায়িক বিজ্ঞাপনাদির ধারা।

ফ জিদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক
আইনের ও অন্য রহিত করা আইনের
উল্লেখ হইলে তাহার কথা।
পূর্ব্ব পূর্ব্ব আইনে ব্যবহৃত শব্দের কথা।

থাৰ ক্ষা প্ৰথম ব্যবহাত শংকর কথা।
"অভিবাকেট জেনরল।"
"জামিন লইবার উপযুক্ত অপরাধ।"
"জামিন লইবার অনুপযুক্ত অপরাধ।"
"চার্জ।"
"চীক জান্টিস।"
"ক্ষার্ক অফ দি ক্রোন।"

"ধর্ত্তব্য অপরাধ।" "ধর্ত্তব্য মোকদ্দমা।"

"নালিশ।"

''ইউরোপীয় রটিষ প্রজা।"

''হাই কোর্ট।''

"তদন্ত।"

"অহুসন্ধান।"

"বিচার ঘটিত কার্য্য।"

"অধর্ত্তব্য অপরাধ।"

''অথর্তব্য মোকদমা।"

''অপরাধ।"

"পোলীস থানার অ**ধ্যক্ষ**।"

" স্থান।"

A Bill to consolidate and amend the law relating to Criminal Procedure.

" উকিল।"

"পোলীস থানা।"

" রাজকীয় অভিযোক্তা।"

" মহকুমা।"

" সমনের মোকক্ষা।"

" বিচার।"

" ওয়ারতের মোকদমা।"

যে যে শব্দে কার্য্যের উল্লেখ আছে ভাহার কথা।

দণ্ডবিধির আইনে কোন শব্দের যে অর্থ আছে সেই অর্থ থাকিবার কথা।

 ৫ । দণ্ডবিধির আইনমৃত অপারাধের বিচারের কথা ।

অন্যান্য আইনের বিৰুদ্ধ অপরাধের বিচারের কথা।

## দ্বিতীয় খণ্ড।

কৌজদারী আদালত ও কার্য্যালয়ের সংস্থাপন ও ক্ষমতার বিধি !

২ দ্বিতীয় অধ্যায়।

কেজিদারী আদালতের ও কার্য্যালয়ের সংস্থাপনের বিধি।

ক।—কেজিদারী আদালতের নানা শ্রেণী বিষয়ক বিধি।

৬। কেজিদারী আদালতের নানা শ্রেণীর কথা।

খ।—দৈশিক বিভাগের বিধি।

৭। সেশন খণ্ডের ও জিলার কথা।

খণ্ড ও জিলা পরির্ত্তবন করিবার ক্ষমতার কথা।

যাবং পরিবর্ত্তন না হয় বর্ত্তমান খণ্ড ও জিলা থাকিবার কথা।

রাজধানী শুলি জিলা বলিয়া গণ্য হইবার কথা।

৮। জিলা মহকুমায় বিভক্ত করিবার ক্ষমতার কথা।

এইক্ষণকার মহকুমা থাকিবার কথা।

গ।—রাজধানীর বহিঃস্থ আদালতের ও কার্য্যালয়ের বিধি।

১। সেশন আদালতের কথা।

১ । জিলার মাজিফেটের কথা।

ধার।।

১১। জিলার মাজিস্টেটের পদ খ্ন্য হইলে যে ব্যক্তি কিয়ৎকালের নিমিত্ত সেই পদে থাকেন তাঁহার কথা।

১২। অধঃস্থ মাজিফ্রেটদের কথা। উহাদের বিচারাধীন স্থানের সীমার কথা।

১৩। মাজিস্টেটের প্রতি মহকুমার অধ্যক্ষতা ভার দিবার ক্ষমভার কথা।

> জ্ঞিলার মাজিক্টেট সাহেবের প্রতি ক্ষমতা-প্রণের কথা।

১৪। বিশেষ মাজিফ্রেটদের কথা।

১৫। মাজিয়্টেটদের বেঞ্চের কথা। বিশেষ আদেশ না থাকিলে বেঞ্চ যে ক্ষমভা পরিচালন করিতে পারিবেন তাহার কথা।

১৬। বেঞ্চের কার্য্যপদ্ধতি দর্শাইবার বিধি প্রণয়ন করিবার ক্ষমতার কথা।

১৭। মাজিফ্রেটনের ও বেঞ্চদের জিলার মাজিফ্রেট সাহেবের অধীন থাকিবার কথা। মহকুমার মাজিফ্রেটের অধীন থাকিবার কথা। আসিফান্ট সেশন জজদের সেশন জজের অধীন থাকিবার কথা।

য ।—প্রেসিডেপী মাজিস্টেটের আদালত বিষয়ক বিধি।

১৮। **থেসিডেন্সী মাজি**স্টেট নিযুক্ত করিবার কথা।

১৯। তাঁহাদের বিচারাধান স্থানের সীমার কথা।

२०। द्याचाइरम्रद পেটि मिन्न आमानएउत कथा।

२)। श्राम गाजिएक्रिके कथा।

(ও)।—শাস্তিরক্ষার্থ জটিসদিগের বিষয়ের বিধি।

২২। মফঃসলের শান্তিরক্ষার্থ জন্টিসদের কথা।

২৩। রাজধানীর শাস্তিরক্ষার্থ জফিসদের কথা।

২৪। বর্তমান শান্তিরক্ষার্থ জফিসদের কথা।

२৫। পদোপলকে শাস্তিরক্ষার্থ জঞ্চিসদের কথা।

চ।—ছগিত ও অবস্ত হইবার বিধি।

২৬। জজদের ও মাজিফ্রেটদের স্থগিত ও অব-স্থত হইবার কথা।

২৭। শান্তিরকার্থ জ্ঞাফিসদের স্থগিত ও অবস্থত হইবার কথা।

৩ তৃতীয় অধ্যায়।

আদালতের ক্ষমতা বিষয়ক বিধি।

ক।—এত্যেক আদালতের বিচার্য্য
অপারাখের বর্ণনা।

২৮। দণ্ডবিধির আইনমত অপারাধের কথা।

২৯। অন্য আইনমত অপরাধের কথা।

৩০। প্রাণ দভের অপরাধ ভিন্ন অপরাধের কথা।

ধারা ৷

- °খ।—নানা শ্রেণীর আদালত যে যে দণ্ডাজ্ঞা দিতে পারিবেন তদ্বিষয়ক বিধি।
- ৩১। হাই কোর্ট ও সেশনের জজ সাহেব যে যে দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন তাহার কথা।
- ৩২। মাজিস্টেটেরা যে যে দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন তাহার কথা।
- ৩৩। অর্থদণ্ডের টাকা না দেওয়াতে মাজিস্ফেটদের কারাদণ্ডের আজ্ঞা করিবার ক্ষমতার ক্যা।
- ৩৪। কোনং জিলার মাজিক্টেট সাহেবদের উচ্চ-ভর ক্ষমতার কথা।
- ৩৫। একই বিচারে অনেক অপরাধের প্রমাণ হইলে ভাহার দণ্ডাজ্ঞার কথা। অত্যধিক যত কাল দণ্ড হইবে ভাহার
- গ।—নিয়মিত ও অতিরিক্ত ক্ষমতা বিষয়ক বিধি।
- ৩৬। মাজিফেটদের মিয়মিত ক্ষমতার কথা।

**本**智 1

- ৩৭। মাজিক্টেটদের প্রতি অতিরিক্ত ক্ষমতা দিবার কথা।
- ৩৮। জিলার মাজিস্টেট সাংহ্ব যে ক্ষমতা দিতে পারেন তাহার নিম্মের কথা।
- শ। ক্ষমতার প্রদান, স্থিতি ও বিলোপ বিষয়ক বিধি।
  - ৩৯। ক্ষমতা প্রদান করিবার নিয়মের কথা।
  - ৪ । কর্মচারিরা স্থানাস্তরে প্রেরিড হইলে তাঁহা-দের ক্ষমডা প্রবল থাকিবার কথা।
  - ৪১। ক্ষমতা রহিত হইতে পারিবার কথা।

## তৃতীয় খণ্ড।

সাধারণ বিধান।

### ৪ চতুর্থ অধ্যায়।

মাজিক্টেটদিগকে ও পোলীসকে ধৃত করণ কার্য্যে নিযুক্ত ব্যক্তিদিগকে সাহায্য ও সংবাদ দিবার বিধি।

- ৪২। কোনং স্থলে সকল লোকের মাজিফ্রেটের ও পোলীসের সাহায্য করিতে হইবার কথা।
- ৪৩। পোলীস কর্মচারী ভিন্ন ওয়ারন্ট সাধনকারী . ব্যক্তিকে সাহায্য করিবার কথা।
- 88। কোনং অপরাধের সন্ধান সকল লোকের দিতে হইবার কথা।
- ৪৫। গ্রামের মণ্ডল, পাটওয়ারি, ভ্যাধিকারী প্রভৃতির কোন কোন বিষয় রিপোট করিতে বাধ্য হইবার কথা।
  - এই ধারার প্রয়োজনার্থ কোন কোন স্থলে জিলার মাজিষ্টেটের দ্বারা আমের মণ্ডলের নিয়োগের কথা।

#### ৫ পঞ্চ অধ্যায়।

ধৃতকরণ, পলায়ন ও পুনঃ ধৃতকরণ বিষয়ক বিধি।
ক।—সাধারণতঃ ধৃতকরণ বিষয়ক বিধি।

ধারা ।

- ৪৬। যেরপে য়ড় করিতে হইবে তাহার কথা। ধরিবার উদ্যোগের বাধা দিবার কথা।
- ৪৭। যাহাকে ধরিবার চেফা হয় সে কোন স্থানে প্রবেশ করিলে সেই স্থান অন্নেষণ করিবার কথা।
- ৪৮। **প্রবেশ** করিতে না পাইলে কার্য্যপ্রণালীর কথা।
  - অন্তঃপুরের দারাদি ভাঙ্গিয়া খুলিবার কথা।
- ৪৯। মুক্তির উদ্দেশে হার ও জানালা ভালিয়া খুলিতে পারিবার কথা।
- ৫০। অনাবশ্যকমতে বদ্ধ না করিবার কথা।
- ৫১। ধৃত ব্যক্তির গা তলাশের কথা।
- ৫২। যে প্রকারে স্ত্রীলোকের গা তলাশী করিতে হইবে তাহার কথা।
- ৫৩। সাংঘাতিক অন্ত লইবার ক্ষমতার কথা।

খ।—ওয়ারত বিনা ধৃত করিবার বিধি।

- <sup>৫৪</sup>। যে স্থলে পোলীস ওয়ারন্ট বিনা ধ্বত করিতে পারেন ভাষার কথা।
- ৫৫। ভ্রমণকারি ব্যক্তি ও রীতিমত দয়্য প্রভৃতিকে ধৃত করিবার কথা।
- ৫৬। পোলাসের কর্মচারী ওয়ারন্ট বিনা ধ্বত করিবার নিমিক্ত আপন অধীন কর্ম-চারিকে প্রেরণ করিলে কার্য্যপ্রণালীর কথা।
- ৫৭। নামধাম জানাইতে অস্থীকার করিলে ভাহার
   কথা।
- ৫৮। অপরাধীকে ধরিবার জন্য অন্য এলাকায় যাইবার কথা।
- ক) সামান্য ব্যক্তিদের দ্বারা ধৃত হওয়ার কবা ধৃত ব্যক্তিকে লইয়া বাহা করিতে হইবে তাহার কথা।
- ৬•। ধৃত ব্যক্তিকে মাজিইটের কিম্বা পোলীস

  থানার অধ্যক্ষের নিকটে উপস্থিত

  করিবার কথা।
- ৬১। ধৃত ব্যক্তিকে ২৪ ঘন্টার অধিক আটক করিয়া না রাখিবার কথা।
- ৬২। ধৃত করণ বিষয়ে পোলাদের রিপোর্ট করি-বার কথা।
- ৬৩। ধৃত ব্যক্তিকে ছাড়িয়া দিবার কথা।
- ৬৪। মাজিস্টেটের দৃষ্টিগোচরে যে অপারা**ধ করা** ধায় তাহার কথা।

- ৬৫। মাজিস্টেটের দ্বারা বা সাক্ষাতে ধরিবার কথা।
- ৬৬। পলাইলে পশ্চাৎ২ যাইবার ও পুনর্কার ধরিতে পারিবার কথা।।
- ৬৭। ৬৬ ধারামত ধৃত করণের প্রতি ৪৭ ও ৪৮ ও ৪৯ ধারার বিধান বর্জিবার কথা।

## ৬ ষষ্ঠ অধ্যায়।

উপস্থিত করাইবার পরওয়ানা বিষয়ক বিধি।

ক।---সম্মের বিধি।

৬৮। সমনের পাঠের কথা। সমন যে জারী করিবে তাহার কথা।

৬৯। সমন কি রূপে জারী করা যাইবে তাহার কথা।

সমনের রসীদে স্বাক্ষর করিবার কথা।

- ৭০। সমন ঘাঁহার নামে দেওয়া থায় তাঁহাকে না
   পাওয়া গেলে জারী করিবার কথা।
- १३। तमीन ना भा उम्रा शिल कार्या खनानीत कथा।
- ৭২। গ্রথমেন্টের কি রেলওয়ে কোম্পানির কর্ম-কারকের উপর সমন জ্ঞারী করিবার কথা।
- ৭৩। স্থানীয় সীমার বহিছ ত স্থানে সমন জারী করিরার কথা।
- ৭৪। তদ্রপ স্থলেও যে ব্যক্তি সমন জারী করেন তিনি উপস্থিত না থাকিলে সমন জারী হইবার প্রমাণের কথা।

খ।—ধ্বত করিবার ওয়ারন্ট বিষয়ক বিধি।

৭৫। ধ্বত করিবার ওয়ারন্ট লিখিবার পাঠের কথা।

ধৃত করিবার ওয়ারন্ট প্রবল থাকিবার ক্থা।

- ৭৬। আদালত যে স্থলে হাজিরজামিন লইবার আজ্ঞা করিতে পারেন তাহার কথা। নিবন্ধপত্র পাঠাইবার কথা।
- ৭৭। যাছাদের নামে ওয়ারত দিতে হইবে তাহার কথা।

অনেক লোককে ভয়ারতী দিবার কথা।

- ৭৮। ভূম্যধিকারী প্রভৃতির নামে ওয়ারন্ট লিখিয়া দিতে পারিবার কথা।
- ৭৯। পোলীসের কর্মচারীকে যে ওন্নারন্ট দেওয়া যায় ভাহার কথা।
- ৮০। ওয়ারন্টের মর্ম জ্ঞাত করিবার কথা।
- ৮)। ধৃত ব্যক্তিকে অবিলম্বে আদালতের সমুখে আনিবার কথা।
- ৮২। ওয়ারন্ট যে স্থানে জারী হইতে পারিবে তাহার কথা।

ধারা।

- ৮৩। বিচারাধীন স্থানের বহির্ভূত স্থানে জারী করণার্থে মাজিফ্রেটের নিকট ওয়ারণ্ট পাঠাইবার কথা।
- ৮৪। এলাকার বহিভূতি স্থানে জ্বারী করণার্থ পোলীসের কর্মচারীকে ওয়ারন্ট দিবার কথা।
- ৮৫। যাহার নামে ওয়ারন্ট বাহির হয় তাহাকে ধরা গেলে পর যাহা করিতে হইবে তাহার কথা।
- ৮৬। ধৃত ব্যক্তিকে যে মাজিফ্টেটের নিকট আনা যায় তাঁহার কর্তব্যের কথা।
- গ।—ঘোষণাপত্র ও ক্রোক করণ বিষয়ক বিধি।
- ৮৭। পলাতক ব্যক্তির নিমিত্ত ঘোষণার কথা।
- ৮৮। পলাতক ব্যক্তির সম্পত্তি ক্রোক করিবার কথা।
- ৮৯। ক্রোকক্কত সম্পত্তি ফিরিয়া দিবার কথা।

য। -পরওয়ানা সংক্রাপ্ত অন্যান্য বিধি।

- ৯০। সমনের পরিবর্ত্তে কি তদতিরিক্ত ওয়ারন্ট দিবার কথা।
- ৯১। উপস্থিত হইবার নিবন্ধপত্র লইবার ক্ষমতার কথা।
- ৯২। উপস্থিত হইবার নিবন্ধপত্রের নিয়ম ভঙ্গ হইলে ধ্বত করণের কথা।
- ৯৩। এই অধ্যায়ের বিধানগুলি সাধারণতঃ সম-নের প্রতি ও ধরিবার ওয়ারন্টর প্রতি বর্ত্তিবার কথা।

#### ৭ সপ্তম অধ্যায়।

দঙ্গীল ও অন্যান্য অস্থাবর সম্পত্তি বলপূর্বক উপস্থিত করাইবার এবং অন্যায়মতে অবৰুদ্ধ ব্যক্তির সন্ধান দিবার পরওয়ানা বিষয়ক বিধি। ' - -

ক।—উপস্থিত করাইবার সমন বিষয়ক বিধি।

- ৯৪। দলীল কি অন্য দ্রব্য উপস্থিত করাইবার সম-নের কথা।
- ৯৫। পত্র ও ভাড়িত বার্তা সম্বন্ধে কার্য্প্রণাদীর কথা।

খ।—তলাশী পরওয়ানা বিষয়ক বিধি।

- ৯৬। তদাশী পর ওয়ানা যে স্থলে বাহির হইতে পারে তাহার কথা।
- ৯৭। পরওয়ানায় স্থান নির্দেশ করিতে পারিবার কথা।
- ৯৮। যে গৃহাদিতে চোরা জব্য কি ক্লত্রিম দলীলাদি থাকার অসমান হয় ভাহাতে অন্বেষণ করিবার কথা।

৯৯। এলাকার বাহিরে তলাশক্রমে কোন দ্রব্য পাওয়া গেলে তাহা লইয়া কার্য্য করিবার কথা।

> গ।—জন্যায়মতে অবরুদ্ধ ব্যক্তিদিগকে প্রকাশ করণের বিধি।

১০০। অন্যায়মতে অবরুদ্ধ ব্যক্তিদিগকে তলাশ করিবার কথা।

য। - তলাশ সংক্রান্ত সাধারণ বিধি।

১০১। তলাশী পরওয়ানা যাহার নামে দিতে হ**ইবে** তৎপ্রভৃতির কথা।

১০২। বদ্ধস্থান যে ব্যক্তির জিম্মায় থাকে তাহার ভঙ্গাশ করিবার অন্ন্যতি দিতে হইবার কথা।

১ ০ । সাক্ষাদের সন্মুখে তলাশ করিতে হইবার কথা।

> যে স্থানে তলাশ হয় সেই স্থানবাসির উপস্থিত হইতে পারিবার কথা। গু।—বিবিধ বিধি।

১০৪। দলীলাদি উপস্থিত করা গেলে তাহা আটক করিয়া রাখিবার ক্ষমতার কথা।

১০৫। মাজিফ্রেটের সাক্ষাতে অন্থেষণ ছইবার আজ্ঞার কথা।

## চতুর্থ খণ্ড।

অপরাধ নিবারণ বিষয়ক বিধি।

### ৮ অষ্ট্রম অধ্যায়।

শান্তিভঙ্গ না করিবার ও সদচারণের জামিন বিষয়ক বিধি।

ক।—অপরাধ নির্ণয় হইলে শান্তিভঙ্গ না করিবার জামিনের বিধি।

১০৬। অপারাধ নির্ণয় হইলে শান্তিভল না করিবার মুচলকার কথা।

খ। অন্যন্থলে শান্তিভঙ্গ না করিবার জামিন ও সদাচরণের জামিন বিষয়ক বিধি।

১০৭। অন্য স্থলে শাস্তিভঙ্গ না করিবার জামিন দিবার কথা।

১০৮। ১০৭ ধারামতে কার্য্য করিতে ক্ষমতাপন্ন না হইলে মাজিফ্রেট প্রভৃতির কার্য্য-প্রণাদীর কথা।

১ ° ৯ । ভ্রমণকারি ও সন্দেহযুক্ত ব্যক্তিদের স্থানে সদাচরণের জামিন সইবার কথা।

১১০। পাকা বদমাইসদের স্থানে সদাচরণের জামিন লইবার কথা। ধারা।

১১১। ইউরোপীয় বেটুয়াদের সম্বন্ধীয় উপবিধির কথা।

১১২। যে আজ্ঞা করিতে হইবে ভাছার কথা।

১১৩। যে ব্যক্তি আদালতে উপস্থিত থাকেন তৎসম্বন্ধে কাৰ্য্যপ্ৰণালীর কথা।

১১৪। তদ্রপে কোন ব্যক্তি উপস্থিত না থাকিলে সমন কি ওয়ারন্ট দিবার কথা।

১১৫। ১১২ ধারামত আজ্ঞার নকল সমনের কি ওয়ারন্টের সজে দিতে ছইবার কথা।

১১৬। স্বরং অন্থপিছিত থাকিবার অন্ন্যতি দিবার ক্ষমতার কথা।

১১৭। সম্বাদের সত্যতা সম্বন্ধে তদস্তের কথা।

১১৮। জামিন দিবার আজ্ঞার কথা।

১১৯। অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ছাড়িয়া দিবার কথা।

গ।—জামিন দিবার আজ্ঞার পর সর্বাত্ত কার্য্যাস্থ্রটানের বিধি।

১২০। যে সময়ের নিমিত্ত জ্যামিন দিবার আদেশ হয় ভাহার আরজ্যের কথা।

১২১। নিবন্ধপত্রে যাহা যাহা থাকিবে ভাছার কথা।

১২২। জামিন অগ্রাহ্য করিতে পারিবার কথা।

১২৩। জামিন না দিলে কারাদণ্ডের কথা। কার্য্যান্নষ্টানের কাগজপাত্র কখন হাই কোটে কি সেশন আদালতে অর্পন করিতে হুইবে ভাহার কথা।

যে প্রকারের কারাদণ্ড হই..ব ভাহার কথা।

১২৪। জামিন না দেওয়া প্রযুক্ত যাহারা কারাবদ্ধ হয় ভাহাদিগকে ছাভি়য়া দিভে পারিবার কথা।

১২৫। শাস্তিভঞ্জ না করিবার কোন নিবন্ধনপত্ত জিলার মাজিস্টেট সাহেবের অকর্মণ্য করিতে পারিবার কথা।

১২৬। জামিনকে ছাড়িয়া দিবার কথা।

#### ৯ নবম অধ্যায়।

#### বেআইনীমত জনতাবিষয়ক বিধি।

১২৭। মাজিফ্টেটের কিম্বা পোলীসের কর্মচারির জাজ্ঞামতে জ্বনতা ভল্গ হইবার কথা।

১২৮। জ্বনতা ভঙ্গ করিবার জ্বন্যে সৈন্য ছাড়া অপর লোক লইয়া বল প্রয়োগের কথা।

১२৯। रेमनामन वावशास्त्र कथा।

১৩০। জনতাভল করিবার নিমিত্ত মাজিস্টেটের আজ্ঞাছইলে সৈন্যাধ্যক্ষের কর্তব্য কর্মের কথা।

১৩১। জনতা ভঙ্গ করণার্থে সনন্দপ্রাপ্ত সেনা-পতিদের ক্ষমতার কথা।

১৩২। এই অধ্যায়মতে কর্ম হইলে অভিযোগ না হইবার কথা। शंता।

## ১০ দশম অধ্যায় :

## সাধারণের অনিউজনক বিষয়ের বিধি।

১৩৩। অনিউজনক বিষয় স্থানান্তর করিতে নিয়মা-ধীন আজ্ঞা করিবার কথা।

১৩৪। আজা কি**ছা ভা**হার **জ্ঞাপনপা**ত্র দিবার কথা।

১৩৫। ঘাহাকে আজ্ঞা করা বার তাহার সেই আজ্ঞা মানিবার,

> কিল্লা কারণ দশ্ভিবার কি পঞ্চায়ৎ নিযুক্ত হইবার দাওয়ার কথা।

১৩৬। ভদ্রপ না করিবার ফলের কথা।

১৩৭। কারণ দর্শাইতে উপস্থিত হইলে কার্য্য-প্রণাদীর কথা।

১৩৮। পঞ্চায়তের দাওয়া করা গেলে কার্য্য-প্রশালীর কথা।

১৩৯। পঞ্চায়ত মাজিফ্টেটের আজ্ঞা যুক্তিযুক্ত নির্ণয় করিলে যাহা কর্ত্তব্য ভাহার কথা।

১৪০। আজ্ঞা চূড়ান্ত করা গেলে কার্য্যপ্রণালীর কথা।

আজ্ঞা অমান্য করা গেলে কলের কথা।

১৪১। পঞ্চারৎ নিযুক্ত না করা গেলে কি ভাহার।

যত প্রকাশ না করিলে, কার্য্যপ্রণালীর

কথা।

১৪২। তদৰ কাৰ্য্য চলম কালে নিষেধ দৃচক আজ্ঞার কথা।

১৪৩। সাধারণের অনিষ্টজনক কার্য্য বারস্থার না হইবার বা না চলিবার বারণ করিতে মাজিফ্রেটের ক্ষমতার কথা।

## ১১ একদিশ অধ্যায়।

অনিষ্টজনক বিষয় ব' বিপদাশঙ্কা ঘটিত জাবশ্যক স্থলে কিয়ৎকালীন আজ্ঞা বিষয়ক বিধি।

১৪৪। অনিউজনক বিষয় বা বিপদাশকা ঘটিত আবশ্যক স্থলে একবারে চূড়ান্ত আজ্ঞা করিবার ক্ষমতার কথা।

## ১२ चामण व्यथाय ।

## স্থাবর সম্পত্তি সম্বন্ধীয় বিবাদ বিষয়ক বিধি।

১৪৫। ভূমণাদিবিষয়ক কোন বিবাদদ শান্তিভজের সন্তাবনা হইলে কার্য্যপ্রকালীর কথা। দখলে থাকিবার তদন্দের কথা। যে পক্ষের দখলে খাকে ঘাবৎ আইনমতে বেদখল না হয় ভাষার দখলে থাকিবার কথা। ধারা।

১৪৬। বিবাদীয় বিষয় ক্লোক করিবার ক্ষমতার ক্থা।

১৪৭। স্থাচ্ছন্দ্যভোগস্থত্ব প্রভৃতি বিষয়ের বিবা-দের কথা।

১৪৮। স্থানীয় ডদন্ত লইবার কথা। খরচা বিষয়ে আজ্ঞার কথা।

### ১৩ ত্রয়োদশ অধ্যায়।

## পোদীদের নিবারণাত্মক কার্য্য বিষয়ক বিধি।

১৪৯। ধর্ত্তব্য অপরাধ পোলীসের নিবারণ করিতে হইবার কথা।

১৫০। ঐ অপরাধ করিবার কম্পনার সংবাদ পাইলে ভাহার কথা।

১৫১। ঐ অপরাধ নিবারণার্থে ধ্বত করিবার কথা।

১৫২। রাজকীয় সম্পত্তির হানি নিবারণের কথা।

১৫৩। বাটখারা ও মাপিবার যন্ত্রাদি দৃষ্টি করি-বার কথা।

## পঞ্চম খণ্ড

পোলীসে সংবাদ দিবার ও তাঁহাদের অত্নসন্ধান করিবার ক্ষমতার বিধি।

## ১৪ চতুর্দ্ধশ অখ্যায়।

১৫৪। थर्खत्र (यांकक्ष्मात्र मःतान नितात कथा।

১৫৫। অধর্ত্তব্য মোকদ্দমার সংবাদ দিবার কথা। অধর্ত্তব্য মোকদ্দমার অভ্নসক্ষান লইবার কথা।

১৫৬। ধর্ত্তব্য মোকদমার অহসন্ধান লইবার কথা।

১৫৭। ধর্ত্তব্য অপরাধ সংঘটনের সন্দেহ হইলে কার্য্যপ্রশালীর কথা।

স্থানায় অন্নসন্ধান না লইবার স্থানার কথা।
পোলীল থানার কথাক অন্নসন্ধান লইবার
বিশিষ্ট হেতু না দেখিলে তাহার
কথা।

১৫৮। ১৫৭ ধারামভ রিপোর্ট কিন্ধপে পাঠাই ত হইবে ভাহার কর্মা।

১৫১। অনুসন্ধান বা প্রথম স্থলীয় তদন্তের ক্ষয়ত'র কথা।

১৬০। সাক্ষীদিগকে উপস্থিত করাইতে পোলীদের কর্মচারির ক্ষমতার কথা।

১৬১। পোলীসের ছারা সাক্ষিদের সাক্ষ্য গ্রহণের কথা।

১৬২। পোলীসের নিকট যে উক্তি করা যার তাহাড়ে স্বাক্ষর করিতে না হইবার ও ভাহা সাক্ষ্য স্বরূপ গ্রাহা না হইবার । ধারা r

১৬৩। প্রার্ক্তি মা দিবার কথা।

১৬৪। উক্তি ও স্থীকার বাক্য লিপিবন্ধ করিবার ক্ষমতার কথা।

১৬৫। পোলীস কর্মচারির দ্বারা জলাশের কথা।

১৬৬। যে ছবে পোশীস ধানার এক অধ্যক্ষ অন্য অধ্যক্ষকে তলাশী পরওয়ানা দিবার আদেশ করিতে পারিবেন তাহার কথা।

১৩৭। চক্রিশ ঘন্টার মধ্যে অভ্নসন্ধান সমাপ্ত হইতে না পারিলে কার্য্যপ্রণালীর কথা।

১৬৮। অধীনস্থ পোলীদ কর্মচারী কর্তৃক অহ্ন-সন্ধানের রিপোর্টের কথা।

১৬৯। প্রমাণের ন্যুত্রতা হইলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে মুক্ত করিবার কথা।

১৭০। উপযুক্ত প্রমাণ থাকিলে মোকদমা মাজি-ফ্রেটের নিকটে পাঠাইবার কথা।

১৭১। বাদিদের কি সাক্ষিদের পোলীদের কর্মচারির সঙ্গে না ঘাইতে হইবার কথা।
বাদিদিগকেও সাক্ষিদিগকে আটক করিয়া
না রাখিবার কথা।

বাদী বা সাক্ষী স্থীকার নাকরিলে প্রহরির জিমায় প্রেরিত হইবার কথা।

১৭২। সম্পশ্ধান কার্য্যের রোজনামচার কথা।

১৭৩। পোলীদের কর্মচারির দ্বিপোর্টের কথা।

১৭৪। আত্মহত্যা প্রকৃতি তদস্ত লইয়া পোলীদের রিপোর্ট করিবার কথা।

১৭৫। ব্যক্তিদিগকে সমন করিবার ক্ষমভার কথা।

১৭৬। মাজিকেটের ছারা মৃজ্যুর কারণের তদন্ত কাইকার কথা।

প্রোধিত দেহ উঠাইতে পারিরার কথা।

## ষষ্ঠ খণ্ড।

মোকদ্দমা চালাইবার কার্য্যপ্রপালী বিষয়ক বিধি।

১৫ প্রকাদশ অধ্যায়।

তদস্ত ও বিচারকার্য্যে কৌজদারী আদালতের বিচারাধিকারেদ্ধ বিধি।

ক। তদন্ত লইবার ও বিচার করিবার স্থান বিষয়ক বিধি।

১৭৭। সাধারণতঃ তদস্ত লইবার ও বিচার করি-বার খানের কথা।

১৭৮। ভিন্ন সেশন খণ্ডে মোক দ্বমার বিচার হই-বার জাজা দিতে পারিকার কথা।

১৭৯। যে জিলায় ক্রিয়া করা যায় কি যে জিলায় ক্রিয়ার ফল প্রকাশ হয় ইহার একতর জিলার অভিযুক্ত ব্যক্তির বিচার হইতে পারিবার কথা। ধারা।

১৮০। অন্য অপবাধের সহিত লখক থাকা প্রযুক্ত কোন ক্রিয়া অপরাধ হইলে বিচার করিবার স্থানের কথা।

১৮১। ঠগ হইবার কি ভাকাইত দলের লোক হই-বার কি হেফাজত হইতে পলাইবার ইত্যাদির কথা।

> অপরাধভাবে অবিহিত ব্যর্হারের ও অপ-রাধভাবে বিশ্বাস মাতকতা করণের কথা।

#### চুরি করগের কথা।

১৮২। অপরাধ য়ে স্থানে করা গেল তাছা নিশ্চয় না হইলে, কিয়া কেবল একস্থানে না করা গেলে, কিয়া অপরাধ নিয়ত করা গেলে কিয়া অনেক কার্য্য লইয়া অপরাধ হইলে তদস্ত ও বিচার করিবার স্থানের কথা।

১৮৩। যাত্রাক্রমে পথে অপরাধ করিলে তাছার কথা।

১৮৪। রেলওয়ে ও টেলিগ্রাক ও ডাক্যর ও অস্ত্র বিষয়ক আইত্রের বিরুদ্ধে অপরাধের কথা।

১৮৫। কোন্ জিলায় তদস্ত লওয়া যাইবে বা বিচার ছইবে এবিষয়ে সন্দেহ হইলে হাই কোর্টের দ্বারা ইহা নির্ণয় হইবার কথা।

১৮৬। বিচারাধীন স্থানের বাহিরে অপরাধ করা গেলে সমন কি ওয়ারকী দিবার ক্ষমভার কথা।

> ধরিলে পর মাজিক্টেটের কার্য্যপ্রণলীর কথা।

১৮৭। অধীন মাজিনেউটের এক্লারত হইলে কর্ত্ত-ব্যের কথা।

১৮৮। রটিষ প্রজ্ঞার রটিষ ভারতবর্ষের বাহিরে অপারাধ করিলে ভাগদের দায়ের কথা। অভিযোগের ভদন্ত লওয়া উচিত এই বিষয়ে পালিটিকাল এক্ষেন্টের সার্টি-ফিকেট দিবার কথা।

১৮৯। সাক্ষ্যে ও দলালের প্রতিলিপি প্রামাণ-স্বরূপ গ্রাহণ করিতে আজ্ঞা করিবার ক্ষমতার কথা।

## খ। — কার্য্যারজ্ঞের আবশ্যক নিয়মবিষয়ক বিধি।

১৯•। মাজিফ্রেটেরা যে অপরাধ গ্রাহ্য করিতে পারিবেন তাহার কথা।

১৯১। অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রার্থনামতে যোকদ্দমা হন্তান্তর বা সমর্পণ করিবার কথা।

১৯২। শাজিভেটদের মোকদ্দমা হস্তান্তর করিবার কথা।

১৯৩। সেশন আদাসত যে অপরাধ গ্রাহ্য করিতে পারিবেন তাহার কথা।

১:৪। ছাই কোর্ট যে অপরাধ গ্রাহ্য করিবেন ভাহার কথা।

১৯৫। রাজকীয় কার্য্যকারকদের আইনসিদ্ধ ক্ষয়ত। অবজ্ঞা করণ হেতৃক অভিযোগের কথা। সাধারণের ন্যায়বিচারের বিরুদ্ধে কোনং অপরাধহেতৃ অভিযোগের কথা। দলীল প্রমাণস্বরূপে উপস্থিত করা

দলীল প্রমাণস্বরূপে উপস্থিত করা গেলে ভৎসম্পর্কীয় অপরাধের অভি-যোগের কথা।

ষে প্রকারের অভ্যতি পাওয়া আবশ্যক ভাহার কথা।

১৯৬। রাজবিরুদ্ধ অপরাধের অভিযোগের কথা।

১৯৭। বিচার কর্তাদের ও রাজকীয় কার্য্যকারক-দের নামে অভিযোগের কথা।

> অভিযোগ সম্বন্ধে গবর্ণমেন্টের ক্ষমতার কথা।

১৯৮। চুক্তিভঙ্গ ও অপবাদ ও বিবাহ সম্পর্কীয় অপরাধের অভিযোগের কথা।

১৯৯। পারদার সংক্রান্ত কিয়া বিবাহিতা দ্রী-লোককে ফুসলাইয়া লওন বিষয়ক অভিযোগের কথা।

১৬ (सां 🕶 व्यथाय ।

## যাজিফ্রেটদের নিকট নালিশ করিবার বিধি।

় ২০০। বাদির পরীক্ষা লইবার কথা।

২০১। যাজিষ্টেট নালিশ শুনিতে ক্ষমতাপন্ন না হইলে কাৰ্য্যপ্ৰণালীর কথা।

২০২। পরওয়ানা দিতে বিলম্ব করণের কথা।

২০৩। নালিশ ডিসমিস করিবার কথা।

## ১৭ मश्रुमम ज्याशा ।

## মাজিফেটদের সমুখে কার্য্যারম্ভ করিবার বিধি।

২০৪। পরওয়ানা দিবার কথা।

২০৫। অভিযুক্ত ব্যক্তির উপস্থিত না হইবার অহ্ন-মতি দিতে মাজিস্টেটের ক্ষমতার কথা।

## ১৮ जहीमन जशाश ।

## সেশন আদালতের কি হাই কের্টের বিচার্য্য মোকদ্দমার তদন্ত বিষয়ক বিধি!

২০৬। বিচারার্থ সমর্পণ করিবার ক্ষমতার কথা।
২০৭। সমর্পণার্থে প্রথমে তদন্ত সইবার কার্য্যপ্রশালীর কথা।

ধারা !

২০৮। উপস্থিত সাক্ষ্য এহণের কথা। আরো সাক্ষ্য উপস্থিত করাইবার পার-ওয়ানার কথা।

২০৯। যে ছলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ছাড়িয়া দেওয়া যাইবে তাহার কথা।

২১০। কখন অভিযোগপত্র প্রস্তুত করিতে হইবে তাহার কথা।

> অভিযুক্ত ব্যক্তিকে অভিযোগ বৃঝাইয়া দিবার ও অভিযোগপত্রের নকল দিবার কথা।

২১১। বিচার কালে প্রতিবাদীর সপক্ষ সাক্ষিদের নাম নির্ঘটের কথা। অন্য নাম নির্ঘটের কথা।

২১২। মাজিফ্রেটের তদ্রপ সাক্ষীদিগকে পরীক্ষা করিবার ক্ষমতার কথা।

২১৩। বিচারার্থে সমর্পণ করিবার আজ্ঞার কথা।

২১৪। ইউরোপীয় রটিষ প্রজার সছিত রাজধানী নগরের বাহিরে একত্র অভিযুক্ত ব্যক্তির কথা।

২১৫। ২১৩ কি ২১৪ ধারামতে বিচারার্থে সমর্পণ অসিদ্ধ করিবার কথা।

২১৬। অভিযুক্ত ব্যক্তিকে সমর্পণ করা গেলে প্রতিবাদীর সাক্ষিদিগকে সমন দিবার কথা।

> অনাবশ্যক সান্ধির খরচা আমানৎ না ছইলে তাহাকে সমন করিতে অস্থীকার করি-বার কথা।

২১৭। বাদিদের ও সাক্ষিদের নিবন্ধপদ্রের কথা। উপস্থিত হইতে কি নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিতে স্থীকার না করিলে হেফাজতে রাখিবার কথা।

২১৮। মোকদ্দমা সমর্পণ ছইলে জ্ঞাত করিবার কথা।

অভিযোগপত্র প্রভৃতি হাই কোর্টে বা সেশন আদালতে পাঠাইবার কথা।

ইংরাজী অন্থবাদ হাই কোটে পাঠাইতে হইবার কথা।

২১৯। অতিরিক্ত সাক্ষিদিগকে সমন করিবার ক্ষমতার কথা।

২২০। বিচারের অপেকায় অভিযুক্ত ব্যক্তিকে হাজতে রাখিবার কথা।

়১৯ উনবিংশ অধ্যায়।

অভিযোগের বিধি।

অভিযোগ লিখিবার পাঠের বিধি।

২২১। অভিযোগপত্তে অপরাধ নির্দ্ধিষ্ট করিবার কথা।

অপারাধের বিশেষ নামই বিশিষ্ট বর্ণনা ছইবার কথা। ধারা ৷

অপরাধের নাম নিরূপণ না হইলে যেরূপ বর্ণনা হইবে তাহার কথা। অভিযোগপত্রে যে অস্থমান হইবে তাহার কথা। অভিযোগপত্র যে ভাষায় লেখা যাইবে তাহার কথা। পুর্বেষ্ক অপরাধ নির্ণয় হইলে অভিযোগ-পত্রে তাহা লিখিবার কথা।

- ২২২। সময়ের ও স্থানের ও ব্যক্তির বিশেষ বিবরণের কথা।
- ২২৩। অপরাধ কি প্রকাে করা গিয়াছিল এই কথা যে স্থলে ব্যক্ত করিতে হইবে ভাহার কথা।
- ২২৪। যে আইনকমে অপরাধের দণ্ড হয় সেই আইনমত অর্থে অভিযোগণত্তের শব্দের ্ অর্থ গৃহীত হইবার কথা।
- २२६। ख्यात करनत कथा।
- ২২৬ ! অভিযোগপত্র বিনা বা অসম্পূর্ণ অভিযোগ-পত্র সহিত সমর্পণ করা গেলে কার্য্য-প্রণালীর কথা।
- ২২৭। অভিযোগপত্র পরিবর্ত্তন করিতে আদা লতের ক্ষমতার কথা।
- ২২৮। যে২ স্থলে পারিবর্ত্তন হইলেই বিচারের কার্য্য চলিতে পারে তাহার কথা।
- ২২৯। যে স্থলে নৃতন বিচারের আজ্ঞা কিম্বা বিচার স্থগিত হইতে পারিবে তাহার কথা।
- ্ত । পরিবর্ত্তিত অভিযোগপত্রের লিখিত অপ-রাধ হেতৃক অসমতি পাইবার প্রয়োজন হইলে মোকদ্মার কার্য্য স্থগিত রাখিবার কথা।
- ২৩১। অভিযোগপত্ত পরিবর্ত্তিত হইলে সাক্ষি-দিগকে পুনশ্চ ডাকিতে পারিবার কথা।
- ২৩২। প্রকাতর ভ্রম ছইলে তাহার ফলের কথা।

অভিযোগ সংযোগ করিবার কথা।

- ২৩৩। <mark>ভিন্ন২ অপরাধে ভিন্ন</mark>২ অভিযোগ হই-বার কথা।
- ২৩৪। এক বৎসরের মধ্যে এক প্রকারের 
  শপরাধ তিনবার করিবার অভিযোগ
  একত হইতে পারিবার কথা।
- ২৩৫। গুই কি তদধিক অপরাধের 'বিচারের কথা।

  একই অপরাধ গুই সংজ্ঞার মধ্যে আইলে
  তাহার কথা।

  নানা ক্রিয়ার দ্বারা এক অপরাধ হইলে
  কিপ্ত সমবেত হইয়া অন্য অপরাধ
- ২৩৬। কি অপারাধ হইয়াছে এই বিষয়ের সন্দেহ স্থলের কথা।

ু হইলে তাহার কথা।

ধারা ।

- ২৩৭ । কোন ব্যক্তির নামে এক অপরাধের অভি যোগ হইলে ভাহার অন্য অপরাধ যে স্থলে নিধয় হইতে পারিবে ভাহার কথা।
- ২৩৮। যে অপরাধের প্রমাণ হয় জাহা অভিযোগের অপরাধ মধ্যে রা গেলে তাহার কথা।
- ২৩৯। যে২ ব্যক্তিদের অন্তিযোগ একত্র করা যাইতে পারে তাহাদের কথা।
- ২৪০। জনেক অভিযোগ হইমা একের প্রমাণ হইলে অন্য সকল অভিযোগ উঠাইমা লইবার কথা।

## ২০ বিংশ অধ্যায়।

মাজিস্টেটেরা সমন দিয়া যে মোকদ্দমার বিচার করেন ভাহার বিধি।

- ২৪১। সমন দিয়া যে মোকদ্দমার বিচার হয় ভাছার কার্য্যপ্রণালীর কথা।
- ২৪২। অভিযোগের মর্ম জানাইবার কথা।
- ২৪৩। অভিযোগের সভ্যতা স্বীকার করিলে অপ-রাধ নির্ণয়ের কখা।
- ২৪৪। তদ্ধপ স্থাকার না হইলে যাহা কর্তব্য তাহার কথা।
- ২৪৫। মুক্ত করণের কথা। দণ্ডাজ্ঞার কথা।
- ২৪৬। অপরাধ নির্ণয়, নালিশ বা সমনে আবদ্ধ না থাকিবার কথা।
- ২৪৭। বাদা উপস্থিত না হছুলে ভাহার কথা।
- २८৮। नामिन उठारेश नरेव द कथा।
- ২৪৯। বাদী না থাকিলে কার্য্যান্নন্তান বন্ধ করিবার ক্ষমতার কথা।
- ২৫০। ভুচ্ছ বা হংখদায়ক মাত্র অভিযোগের কথা।

#### ২১ একবিংশ অধ্যায় !

- যে মোকদ্দমায় ওয়ারন্ট বাহির হয় মাজিস্টেটদের দারা তাহার বিচার হইবার বিধি।
- ২৫১। যে মোকদ্দমায় ওয়ারন্ট বাহির হয় তদি ষয়ের কার্য্যপ্রণালীর কথা।
- ২৫২। অভিযো**গের সপক্ষ সাক্ষ্যের** কথা।
- ২৫৩। অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ছাড়িয়া দিবার কথা।
- ২৫৪। অপরাধের প্রমাণ শছে দেখা গেলে অভি-যোগপত্ত লিখিবার কথা।
- ২৫৫। উত্তরের কথা।
- ২৫৬। প্রতিবাদের কথা।
- ২৫৭! অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রার্থমামতে সাক্ষ্য উপ-স্থিত করাইবার কথা।
- २ ८৮। यूक्कतर १ तथा।
  - দোষী মির্ণয় করণের কথা।
- ২৫৯। বাদী উপস্থিত না থাকিবার কথা।

## ২২ দাবিংশ অধ্যায়।

#### সরাসরী বিচারের কথা।

#### ধারা।

- ২৬০। সরাসরী বিচার করিবার ক্ষমতার কথা।
- ২৬১। ন্যুন ক্ষমতাপ্রাপ্ত মাজিস্টেটদের বেঞ্চের প্রতি ক্ষমতা প্রদান করিবার কথা।
- ২৬২। যে২ মোকদ্দমায় সমন ও ওয়ারন্ট দেওয়া যাইতে পারে সেই সেই মোকদ্দমায় কার্য্যপ্রণালী খাটিবার কথা। কারাদভের মিয়াদের কথা।
- ২৬৩। যে মোকদ্দমায় আপীল নাই সেই মোকদ্দমায় রিকার্ডের কথা।
- ২৬৪। যে মোকদ্দমার উপর আপাল হ**ইতে** পারে সেই মোকদ্দমায় রিকার্ডের কথা।
- ২৬৫। রিকার্ড ও নিম্পান্ত যে ভাষায় লিখিতে **হইবে তাহা**র কথা।

## বেক্ষের কেরাণী রাবিতে পারিবার কথা।

## ২৩ ত্রয়োবিংশ অধ্যায়।

## হাই কোর্টেশ্ব ও সেশন আদালতের সন্মুখে বিচারের বিধি।

### ক।—উপক্রমণিকা।

- ২৬৬। "হাই কোর্ট" শব্দের অর্থের কথা।
- ২৬৭। ছাই কোর্টে জুরির দারা বিচার হইবার কথা।
- ২৬৮। সেশন আদালতে ছ্রির দারা বা আসে-সরদের সহকারিতায় বিচার হইবার কথা।
- ২৬৯। সেশন আদালতে জ্বির দ্বারা বিচার হয় স্থানীয় গবর্ণমেন্টের এই আজ্ঞা করিতে পারিবার কথা।
- ২৭০। সেশন আদালতে রাজকীয় অভিযোক্তা ছারা বিচারের কার্য্যের অস্থ্রান হইবার কথা।

## খ।—কার্য্যারছের বিধি।

- ২৭১। বিচার আরম্ভ করপের কথা। অপরাধ স্থীকার করিলে ভাছার কথা।
- ২৭২। **অপরাধ ছীকার না করিবার** কি বিচার হইবার দাওয়ার কথা।
  - জ্রির কি আসে**দরদের পরিবর্তন না** হইয়া ক্রমশঃ বহু অপরাধীর বিচার হইতে পারিবার কথা।
- ২৭৩। অভিযোগের প্রতিপোষণ হইতে না পারিলে যে কথা লেখা যাইবে ভাহার কথা। ঐ লিখিত কথার ফলের কথা।

## গ। জ্রি নির্কাচনের বিধি।

#### ধারা।

- ২৭৪। কত জন সইয়া জুরি হইবে ভাহার কথা।
- ২৭৫। সেশন আদালতে ইউরোপ কি আমেরিকা- ·
  দেশীয় লোক ভিন্ন অন্য লোকদের
  বিচারার্থ জুরির কথা।
- ২৭৬। গুলিবাঁট দারা জ্বি মনোনীত হইবার কথা।

বর্ত্তমান রীতি চলিবার কথা।

- থাঁহাদিগকে সমন দেওয়া যায় নাই তাঁহা-দিগকে কখন গ্রহণ করিতে পারা যায় তাহার কথা।
- বিশেষ জুরির সহযোগে বিচার হ**ই**বার কথা।
- ২৭৭। জ্রির নাম ডাকিবার কথা। জ্রির কোন ব্যক্তির বিষয়ে আপত্তির কথা।
- কারণ না জানাইয়া অপত্তি করিবার কথা।
- ২৭৮। আপত্তির কারণের কখা।
- ২৭৯। আপত্তি নিষ্পত্তির কথা। যে জ্বরেরে বিরুদ্ধে আপত্তি গ্রাহ্য হয় তাঁহার স্থানে অন্য লোক নিয়োগের কথা!
- ২৮০। জুরির প্রধান ব্যক্তির কথা।
- ২৮১। জ্বরদিগকে শপাথ দিবার কথা।
- ২৮২। জুরর উপদ্বিত থাকিতে না পারিলে ঘাহা কর্ত্তব্য তাহার কথা।
- ২৮৩। আসামীর পীড়া হইলে জুরিকে বিদায় করিয়া দিবার কথা।

## ঘ :--- আসেসর নির্বাচনের বিধি।

- ২৮৪। আসেসরদিগকে যেরপে মনোনীত করা যাইবে তাহার কথা।
- ২৮৫। আসেসর উপস্থিত থাকিতে না পারিলে । যাহা কর্ত্তব্য তাহার কথা।
- ও।—অভিযোগের ও প্রতিবাদের সমাপ্তি পর্য্যন্ত মোকন্দমার বিচারের বিধি।
- ২৮৬। অভিযোগের মোকদমার সূচনার কথা। সাক্ষিদের পারীক্ষা লইবার কথা।
- ২৮৭। মাজিফ্রেটদের সমুখে অভিযুক্ত ব্যক্তির পরীক্ষা লওয়া গেলে তাগ প্রমাণস্বরূপ গ্রাহ্য হইবার কথা।
- ২৮৮। প্রথমস্থলীয় ওদন্ত লইবার সময়ে যে সাক্ষ্য দেওয়া যায় তাহা গ্রাহ্য হইবার কথা।
- ২৮৯। অভিযোগের সাক্ষীদের পরীক্ষার পর কার্য্যপ্রাগালীর কথা।
- ২৯০। প্রতিবাদের কথা।

২৯১। সাক্ষীদের পরীক্ষা সইতে ও ভাহা-দিগকে সম্ম করিতে অভিযুক্ত ব্যক্তির অধিকারের কখা।

২১২। অভিযোক্তার উত্তর দিবার অধিকারের কথা।

২৯৩। জুরির কি আসেসরদের ছারা ছানাদি দৃষ্ট ছইবার কথা।

২৯৪। ছুরির কোন ব্যক্তির কি আসেসরের পরীক্ষা যে ছলে লওয়া হইতে পারিবে ভাহার কথা।

২৯৫। অধিবেশন করিবার দিনাম্ভর নিরূপণ হইলে জুরির কি আসেসরদের উপস্থিত হইবার কথা।

২৯৬। জুরিকে বদ্ধ রাখিবার কথা।

চ। স্থারির বিচারিত মোকদ্দমায় বিচার সমাপ্তির বিধি।

২৯৭। জুরির প্রতি উপদেশের কথা।

২৯৮। জজ সাহেবের কর্ত্ব্য কর্মের কথা।

২৯৯। জুরির কর্তব্য কর্মের কথা।

৩০০। বিবেচনা করিবার জন্য জ্রির বিরলে যাইবার কথা।

৩০১। মীমাংসা জানাইবার কথা।

৩০২। জুরির ঐক্যবাক্য না হইলে কার্য্যপ্রণালীর কথা।

৩.৩) প্রত্যেক অভিযোগ ধরিয়া মীমাংসা করি-বার কথা।

> ব্দুরিকে জজ সাহেবের জিজ্ঞাসা করিতে পারিবার কথা।

প্রশ্ন ও উত্তর দিখিয়া রাখিবার কথা ।

৩০৪। মীমাংসা সংশোধনের কথা।

৩০৫। ছাই কোর্টে মীমাংসা যে সময়ে প্রবল ভূ ছইবে ভাষার কথা।

অন্যন্থলে জ্রিকে বিদায় দিবার কথা।

৩০৬। মীমাংসা সেশন আদালতে যে সময়ে। প্রবল হইবে তাহার কথা।

৩০৭। জ্রির মীমাংসার সহিত সেশন জব্ধ সাছে-বের মতের অনৈক্য ইইলে কার্য্যপ্রণাদীর কথা।

ছ।—জ্রেকে বিদায় দিবার পর অভিযুক্ত ব্যক্তির পুন বিভিন্ন পুন বিভিন্ন বিধি।

৩০৮। জ্রিকে বিদায় করিয়া দিবার পর অভিযুক্ত ব্যক্তির পুনশ্চ বিচার হইবার কথা।

জ। আসেসরদিগের সহকারিতায় থে মোকদ্দ্যার বিচার হয় তাহার সমাপ্তির বিধি।

৩০৯। আসেসরদের মত দিবার কথা। নিশান্তির কথা। ধারা।

ৰ ।—পূৰ্ব্বে অপরাধ নির্ণয় হইয়া থাকিলে কার্য্যপ্রাণালী বিষয়ক বিধি।

৩১ । পূর্বে অপরাধ নির্বয় হইরা থাকিলে কার্য্য-প্রশালার কথা।

৩১১। পূর্ব্ব অপরাধ নির্ণয়ের সাক্ষ্য যে স্থলে দেওয়া যাইতে প্রারিবে তাহার কথা।

 কাই কোর্টের ছ্রেরদের ফর্দের ও উক্ত কোর্টের ছ্রেরদিগকে ভাকিবার বিধি।

৩১২। বিশেষ জুরির সংখ্যার কথা।

৩১৩। সাধারণ ও বিশেষ জুরির নামের ফর্দের কথা।

> যে কর্মচারী কর্দ্দ প্রস্তুত করেন তাঁহার স্ববিবেচনামতে কর্ম করিবার কথা।

৩১৪। প্রাথমিক ও সংশোধিত ফর্দ প্রকাশ করি-বার কথা।

৩১৫। রাজধানী নগরে জ্রির কর্ম করিতে যত জনকে সমন করিতে হইবে তাহার কথা। অতিরিক্ত সমনের কথা।

৩১৬। রাজধানীর বাহিরে জুরির ব্যক্তিদিগকে সমন করিবার কথা।

৩১৭। সৈনিক জুরির কথা।

৩১৮। জ্বরির কোন ব্যক্তি উপস্থিত না হইলে তাহার কথা।

ট।-- সেশন আদাসতের জুররদের ও আসেসরদের নাম নির্ঘণ্ট করিবার ও তাহাদিগকে সমন দিবার বিধি।

৩১৯। জুরর ও আসেদর স্বরূপ কর্ম করিতে হইবার কথা।

৩২০। বর্জিত ব্যক্তিদের কথা।

৩২১। জ্বরির ও আসেসরদের নামের নির্ছটের কথা।

७२२। निर्घले अठात कतिवाद कथा।

৩২৩। নির্ঘটের প্রতি আপত্তির কথা।

৩২৪। নির্বক সংশোধনের কথা। বৎসরং ঐ পত্র সংশোধনের কথা।

৩২৫। বিশেষ জুরিদের নির্ঘ**ন্টপা**ত্র প্রস্তুত করিবার কথা।

৩২৬। জুরর ও আসেসর্বদিগকে জিলার মাজিস্টেট সাহেবের সমন করিবার কথা।

৩২৭। অন্য জুররদিগকে কি আসেসরদিগকে সমন করিবার ক্ষমভার কথা।

৩২৮। সমনের পাঠের ও ভাহাতে যাহা লিখিত থাকিবে ভাহার কথা।

৬২৯। গৰৰ্ণমেন্টের কি রেশওয়ের কর্মচারিকে কখন অব্যাহতি দেওয়া ঘাইবে ভাহার কথা।

৩৩০। আদালতের জ্বরে র ক নাসেসরের উপ-স্থিত না হওয়ার সুমতি দিতে পারিবার কথা। বিশেষ জ্বাদিগকে বুনরায় জ্বিজ্বপ কাব্য করিবার দা গহুতে বার মাসের জ্বা জ্বাদালতের নিজ্তি দিতে পারি-বার কথা।

৩৩১। জ্বাধির যে ব্যক্তিরা কি যে আসেসরের।
ডপাস্থত হন তাঁ: হাদের নামের নির্ঘটের
কণা

৩৩২। জ্বরে কি আসেসর অনুপদ্থিত **হইলে** দভের কথা।

ঠ। হাই কোট সম্বন্ধে বিশেষ বিধান।

৩৩৩। আডবোকেট জেনরলের অভিযোগ না চালাহবার ক্ষমতার কথা।

৩৩৪। অধিবেশনের সময়ের কথা

৩৩৫। অধিবেশন করিবার স্থানের কথা। ভাধিবেশনের নোটিস দিবার কথা।

৬৬৬। ইউরোপীয় রাচ্য প্রজার বিচার হইবার স্থানের কথা।

## ২০ চত্*ৰি*কংশ অধ্যায় ।

তদন্ত ও বিচার সংক্রাম্ভ সাধারণ বিধি।

৩৩৭। সহায়ের ক্ষমা করিতে প্রস্তাব করি**ষ**ার কথা।

৩৬৮। ক্ষমার প্রস্তাব করিতে আদেশ দিতে পারি-বার কথা।

৩৩৯। যাহাকে ক্ষমা করিবার প্রস্তাব করা হয় ভাহাকেও বিচারার্থে সমর্পণ করিবার আজ্ঞা করিতে পারিবার কথা। .

৩৪<sup>০</sup>। অভিযুক্ত ব্যক্তির উকীল নিযুক্ত করিবার অ ধকারেব কথা।

৩৪১। অভিযুক্ত ব্যক্তির আহ্নষ্ঠানিক কার্য্য বৃথিতে না পারিলে তদ্বিষয়ের কথা।

৩৪২। অভিযুক্ত ব্যক্তির পরীক্ষা করিতে পারি-বার কথা।

৩৪৩। কোন কথা প্রকাশ করিবার প্রবৃত্তি না দিবার কথা।

৩৪৪। আন্টানেক কার্য্য স্থগিত রাখিবার বা তাহার দিনান্তর নিরূপণ করিবার কথা। হেকাজতে ফিরাইয়া দিবার কথা। ফিরাইয়া পাঠাইবার যুক্তিসঙ্গত কারণের কথা।

৩৪৫ । অপরাধ সম্বন্ধে রফা করিবার কথা।

৬৪৬। মোকদ্দমা মকঃসল মাজিফ্রেটের ক্ষমতার বহিভূতি হইলে তাঁহার যাহা কর্ত্তব্য তাহার কথা। ধারা।

৩৪৭। মোকদ্দমা বিচারার্থে সমর্পণ করা ভাটত তদম বা বিচারকার্য্য আরম্ভ হইবার পারে মাজিস্টেট এমত জ্ঞান করিলে তাঁহার কর্তব্যের কথা।

৩৪৮। পুনের মুদ্রা বা ইফাম্প আইন বা সম্পত্তি গম্বন্ধে যাহাদের অপরাধ নির্ণয় হইয়াছে ভাহাদের বিচারের কথা।

৩৪৯। মাজিফেট উচিতমত কঠিন দণ্ডের আজ্ঞা করিতে না পারিলে যাহ কর্তব্য ভাহার কথা।

৩৫০। সাক্ষ্যের এক অংশ এক মাজিস্টেটের ও অন্য অংশ অন্য মাজিস্টেটের দারা লিপিবদ্দ হইলে সেই সাক্ষ্যক্রমে অপ-রাধনির্বয় বা বিচারার্থে সমর্পণ হইবার কথা।

৩১১। অপরাধারা অদাসতে আইলে তাহাদিগকে আটক করিয়া রাখিবার কথা।

৩৫২। আদালত মুক্তদার হওয়ার কথা।

## ২৫ পথ বিংশ অধ্যায়

তদন্তে ও বিচারকার্য্যে যে প্রকারে সাক্ষ্য লইতে ও লিপিবদ্দ করিতে হইবে তদ্বিষয়ক বিধি।

৩৫৩। অভিযুক্ত ব্যক্তির সাক্ষাতে সাক্ষ্য লইবার কথা

৩৫৪। বাজধানী নগরের বাহিরে সাক্ষ্য লিখিবার নিয়মের কথা।

৩৫৫। সমনের মোকদ্দমায় এবং প্রথম ও দ্বিতীয় শ্রোণীর মাজিস্টেটের দ্বারা কোনং অপরাধের বিচারকালে নথীর কথা।

৩৫৬। রাজধানী নগরের বাহিরে অন্য সকল মোকদমায় নথীর কথা।

> ইংরাজী ভাষায় সাক্ষ্য দিবার কথা। <sup>ক</sup> মাজিফ্রেটের কি জজের সাক্ষ্য লিখিত না হইলে মন্মাত্মক লিপির কথা।

৩৫৭। সাক্ষ্য যে ভাষায় নিপিবদ্ধ করা যাইবে ভাহার কথা।

৩৫৮। ৩৫৫ ধারার উলিখিত ছলে মাজিফ্রেটের স্থেচ্ছার কথা।

৩৫৯। ৩৫৬ কি ৩৫৭ ধারামতে সাক্ষ্য যেরপে লিখিতে দইবে তাহার কথা।

৩৬০। সাক্ষ্য লওয়া সমাপ্ত হইলে যাহা কর্ত্তব্য ভাহার কথা।

৩৬১। সাক্ষ্য অহ্বাদ করিয়া অভিযুক্ত ব্যক্তির কি তাহার উকীলের নিকটে ব্যক্ত হই-বার কথা। •

৩৬২। প্রেসিভেন্সা মাজিফ্রেটের আদালভে সাক্ষ্য লিপিবদ্ধ করণের কথা।

' ৩৬৩। সাক্ষীর আচরণ বিষয়ে মন্তব্যকথা।

৩৬৪। অভিযুক্ত ব্যক্তির সাক্ষ্য লিখিবার নির্মের কথা।

৬৬৫। ছাই কোর্টে সাক্ষ্য যেরপে দিখিয়া লওয়া যাইবে ভাহার কথা।

## ২৬ ষড়বিংশ অধাায়। নিশভিবিষয়ক বিধি।

৩৬৬। নিম্পত্তি যে প্রকারে প্রকাশ করিতে হ**ইবে** ভাহার কথা।

৬৬৭। যে ভাষায় নিষ্পত্তি দিখিতে হইবে তাহার কথা।

> নিপত্তিপত্তে যাহা লেখা থাকিবে তাহার কথা।

একতর অপরাধ নির্ণয়ের কথা।

১৬৮। প্রাণদণ্ডের আজ্ঞার কথা।

দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের আজ্ঞার কথা।

৬৬৯। আদালতের নিষ্পত্তি পরিবর্ত্তন না করিবার কথা।

৩৭০। শ্রেসিডেন্সী মাজিষ্টেটের নিম্পত্তির কথা।

৩৭১। অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নিষ্পত্তি বুঝাইয়া ও নকল দেওয়া যাইবার কথা।

> যে ব্যক্তির প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা হয় তাহার কথা।

৩৭২। নিম্পত্তি যে স্থলে অল্পরাদ করিতে **হইবে** ভাহার কথা।

৩৭৩। সেশন আদালতের নিপ্রতিপত্তের ও দণ্ডাজ্ঞার নকল জিলার মাজিস্ট্রেট সাহেবের নিকট পাঠাইবার কথা।

## ২৭ সপ্তবিংশ অগায়।

দৃঢ় করণার্থ দণ্ডাজ্ঞা অর্পণ বিষয়ক বিধি।

৩৭৫। আরো ভদস্ত বা অভিরিক্ত প্রমাণ লইতে আজ্ঞা করিবার ক্ষমতার কথা।

৩৭৬। দণ্ডাজ্ঞা দৃঢ় কি অপারাধ নির্নয় অন্যথা করিতে হাই কোর্টের ক্ষমতার কথা।

৩৭৭। দণ্ডাজ্ঞা দৃঢ় করিবার কিছা ন্তন দণ্ডের আধ্তঃতে ছইজন জজের স্বাক্ষর করি-কথা।

७१४। य ७८७४ इहेटन कार्या श्रामीत कथा।

৩৭৯। দণ্ডাজ্ঞা দৃঢ় হইবার জ্বন্য হাই কোর্টে অর্পিত হইলে কার্য্যপ্রশালীর কথা।

৩৮০। আসিফ্টান্ট সেশন জজের ও ৩৪ ধারামতে, ক**র্ম**কারী মাজিফ্টেটের ক্বন্ত দণ্ডাজ্ঞা দৃঢ় করণের কথা।

## ২৮ অপ্তাবিংশ অধ্যায়। আজ্ঞা শাধন বিষয়ক বিধি।

ধারা।

৩৮১। ৩৭৬ ধারামতে জাজ্ঞাক্রমে কার্য্য কর।ইবর কথা।

৬৮২। অন্তরাপত্যার প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা গোলি সাধন করিবার কথা।

৩৮৩। অন্য ছলে দ্বীপান্তর প্রেরণ কি কার।-দণ্ডের আজ্ঞা সাধনের কথা।

৩৮৪। সাধনার্থ ওয়ারটের শিরোনামার কথা।

৩৮৫। ওয়ারণ্ট যাহাকে দিতে হইবে ভাছার কথা।

৩৮৬। অর্থদণ্ড আদায়ের ওয়ারন্টের কথা।

৩৮৭। ঐ ওয়ারন্টের ফলের কথা।

৩৮৮। কারাদণ্ডাজ্ঞা সাধন স্থগিত রাখিবার কথা।

৩৮৯। কে ওয়ারন্ট দিতে পারেন ইহার কথা।

৩৯০। কেবল কশাঘাত দণ্ডের আজ্ঞামত কার্য্য ছইবার কথা।

৩৯১। কারাদণ্ডের সহিত কশাঘাত দণ্ডের আজ্ঞা হইলে ঐ আজ্ঞা সাধনের কথা।

৩৯২। ঐ দণ্ড যেরপে সাধন হইবে তাহার কথা। আঘাতের ঊর্দ্ধ্যার কথা।

৩৯৩। ভাগং করিয়া না মারিবার কথা। মুক্ত থাকার কথা।

৩৯৪। অপরাধীর শরীর অস্তম্ভ থাকিলে ঐ দও না হইবার কথা। দণ্ডসাধন স্থগিত হইবার কথা।

৩৯৫। ৩৯৪ ধারামতে দণ্ড হইতে না পারিলে যাহা কর্ত্তব্য তাহার কথা।

৩৯৬। পলাতক বন্দিদের উপর দণ্ডাজ্ঞা সাধন করিবার কথা।

৩১৭। এক অপরাধের দণ্ডভোগী অপরাধীর উপর অন্য অপরাধের দণ্ডের কগা।

৩৯৮। **৩৯**৬ ও ৩৯৭ ধারা সম্বন্ধে বাঁচাইবার ক্থা।

৩৯৯। অপ্পবয়স্ক অপরাধীদিগকে চরিত্র সংশো-ধনালয়ে বদ্ধ করিবার কথা।

৮০০। দণ্ডাজ্ঞা সাধন হইলে ওয়ার
 করাইয়া
 পাঠাইবার কথা।

## ২৯ উনত্রিশ অগ্যায়।

দও স্থগিত রাথিবার ও ক্ষমা করিবার ও পরিবর্তন করিবার বিধি।

8°১। দণ্ড ছগিত রাখিবার কি ক্ষমা করিবার ক্ষমতার কথা।

৪০২। দও পরিবর্ত্তন করিবার ক্ষমতার কথা।

## ৩০ ত্রিংশ অধ্যায়।

## পূৰ্ব নিৰ্দ্ধোষ নিৰূপণ কি অপরাধ নির্ণয় বিষয়ক বিধি ।

#### ধারা ৷

৪০৩। যে ব্যক্তি একবার অপরাধী কি নির্দ্দোষী বলিয়া নির্ণয় ছইল তাহার সেই অপ-রাধে পুনরায় বিচার না হইবার কথা।

## সপ্তম খণ্ড।

## আপীল ও অর্পণ ও সংশোধন করণের বিধি।

## ৩১ একত্রিংশ অধ্যায়।

## আপীলের বিধি।

- 8 8 । প্রকারান্তরের বিধান না থাকিলে আপীল না হইবার কথা।
- ৪০৫। ক্রোকক্বত সম্পত্তি ফিরিয়া পাইবার প্রার্থনাপত্র অগ্রাহ্য করিবার আজ্ঞার উপর আপীলের কথা।
- ৪০৬। সদাচরণের জামিন দিবার আজ্ঞার উপর আপীল করিবার কথা।
- ৪•৭। দিতীয় কি তৃতীয় শ্রেণীর মাজিয়েটের দণ্ডাজ্ঞার উপা আপীলের কথা।
  প্রথম শ্রেণীর মাজিয়েটের প্রতি আপীল
- ৪০৮। আসিষ্টান্ট সেশন জজ বা প্রথম শ্রেণীর মাজিষ্টেটের আজ্ঞার উপর আপীলের কথা।

হস্তান্তর করিয়া দিবার কথা।

- ৪০৯। সেশন আদালতে আপীল কিরপে শুনা ঘাইবে ভাহার কথা।
- 8১০। সেশন আদালতের দণ্ডাজ্ঞার উপর আপী-লের কথা।
- 8১১। প্রেসিডেন্দী মাজিস্টেটের দণ্ডাজ্ঞার উপর আপীলের কথা।
- 8১২। অভিযুক্ত ব্যক্তি দোষ স্বীকার করিলে কোনং স্থলে আপীল না হইবার কথা।
- ৪১৩। ক্ষুদ্রং মোকদ্দমায় আপীল না হইবার কথা।
- 8) ৪ । সরাসরিমতে অপরাধ নির্ণয় হইলে কোনং স্থলে ভাষার উপর আপীল না হইবার কথা।
- ৪'১৫। ৪১৩ ও ৪১৪ ধারার নিয়মবিধির কথা।
- ৪১৬। ইউরোপীয় রটিষ প্রজাদের দণ্ডের আজ্ঞ। বর্জিত হইবার কথা।
- ৪১৭। নিদোষ করণের আজ্ঞার উপর গবর্ণয়ে তের পক্ষে আপীল করিবার কথা।
- ১৮। কোন্ বিষয়ে আপীল গ্রাহ্য হইতে পারিবে ভাহার কথা।

ধারা।

- ৪১৯। আপীলের দরখান্তের কথা।
- । ৪২০। আ**পেলান্ট কারাবদ্ধ থাকিলে কার্য্যপ্রণা**-লীর কথা।
  - ৪২১। আপীল সরাসরীমতে অ**গ্রাহ্ম করিবার ক্ষম**-ভার কথা।
  - ৪২২। আপীল শুনিবার নোটিসের কথা।
  - ৪২৩। আপীল লইয়া আপীল আদালত কি করিতে পারিবেন তাছার কথা।
  - ৪২৪। নিম্ন আপীল খাদালতে নিষ্পত্তির কথা।
  - ৪২৫। ছাই কোর্টে আপীলক্রমে যে আজ্ঞ-করা যায় ভাহা অধঃস্থ আদালভে জ্ঞাত করাইবার কথা।
  - ৪২৬। আপীল উপস্থিত থাকিতে দণ্ডাজ্ঞা স্থগিত করিবার কথা।
    - হাজিরজ্ঞামিন দিলে আপোলান্টকে মুক্ত করিবার কথা।
  - ৪২৭। নির্দ্দোষ করণের উপর আপীল হইলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ধৃত করিবার কথা।
  - ৪২৮। অধিক প্রমাণ লইতে কি লইবার আজ্ঞা করিতে আপীল আদালতের শ্বন্যতার কথা।
  - ৪২৯। আপীল আদালতের জজদের যতজনের একমত হয় ততজনের ভিয়মত ২ইলে কার্য্যপ্রশালীর কথা।
  - ৪৩০। আপীল হইয়া যে আজ্ঞা হয় তাহা চূড়ান্ত হইবার কথা।
  - ৪৩১। তাপীল উঠিয়া যাইবার কথা।

#### ৩২ দ্বালিংশ অধ্যায়।

#### প্রশার্পণের ও সংশোধনের বিধি।

- ৪৩২। প্রেসিডেন্দী মাজিফ্রেটের হাই কোর্টে প্রশ্না-র্পন করিবার কথা।
- ৪৩৩। হাই কোর্টের নিষ্পত্তি অহ্নসারে যোকদ্দমা নিষ্পত্তি করিবার কথা।

খরচা বিষয়ক আজ্ঞার কপা।

- ৪৩৪। হাই কোটের আদে বিচারাধিপত্যক্রমে কোন প্রশ্ন উথিত হইলে পশ্চাৎ বিবে-চনার নিমিত্ত তাহা রাখিবার কথা। বিবেচনার নিমিত্ত রাখা গেলে কার্য্য-প্রণালীর কথা।
- ৪৩৫। অধীন আদালতের কাগজপত্র আনাইবার ক্ষমতার কথা।
- ৪৩৬। সমর্পণ করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবার কথা।
- ৪৩৭। তদন্ত লইবার আজ্ঞা করিতে পারিবার কথা।

৪৬৮। হাই কোর্টে রিপোর্ট করিবার কথা।

- ৪৩৯। হাই কোর্টের সংশোধন করিবার ক্ষমতার কথা।
- ৪৪০। আদালতের স্বেচ্ছাধীনে উভয় পক্ষের কথা শ্রবণ করিবার কথা।
- ৪৪১। প্রেসিডেন্সী মাজিক্টেট আপন নিপ্রতির যে যে হেতু জানান হাই কোর্টের তাহা বিবেচনা করিবার কথা।
- 88২। হাই কোর্ট যে আজ্ঞা করেন তাহা অধ্যস্থ আদালতে বা মাজিফ্টেটকে জ্ঞাত করি-করিবার কথা।

## অফ্টম খণ্ড।

বিশেষ আহ্নষ্ঠানিক কার্য্যের বিধি।

## ৩৩ ত্রেয়স্ত্রিংশ অধ্যায়।

- ইউরোপ ও আমেরিকাদেশীয়দিগের বিরুদ্ধে ক্ষেজিদারী আনুষ্ঠানিক কার্য্যবিষয়ক বিধি।
  - ৪৪৩। ইউরোপীয় রটিষ প্রজারা অপরাধ করিলে থে মাজিফ্টেটেরা সেই অপরাধের তদন্ত লইয়া বিচার করিবেন তদ্বি-সয়ের কথা।
  - ৪৪৪। সেশন জজের ইউরোপীয় রটিষ প্রজা হইবার কথা। আসিফান্ট সেশন জজের তিন বৎসর

আসিফান্ট সেশন জজের ।৩ন বংশর কর্ম করিবার ও বিশেষ ক্ষমতা প্রাপ্ত হইবার কথা।

- ৪৪৫। ইউরোপীয় রটিষ প্রজা অপরাধ করিলে ভাহা গ্রাহ্য হইবার কথা।
- ৪৪৬। মফঃস্থল মাজিফ্রেটেরা যে দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন তাহার কথা।
- ৪৪৭ ন যে স্থলে সেশন আদালতে ও যে স্থলে হাই কোর্টে সমর্পণ করিতে হইবে তাহার কথা।
  - ৪৪৮। এক অপরাধের জন্য প্রাণদণ্ড কি ষাবজ্জীবন দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ড হইতে পারিলে ও অন্য অপরাধের নিমিত্ত তদ্রূপ দণ্ড হইতে না পারিলে অপরাধের বিচারের কথা।
  - 88৯। সেশন আদালত যে দণ্ডের আজ্ঞা দিতে পারিবেন ভাহার কথা।

সেশন জজ আপানার ক্ষমতা ন্যুন জ্ঞান করিলে কার্য্যপ্রধালীর কথা।

৪৫০। ছাই'কোটে বা সেশন আদাসতে,জুরি বা আসেসরদের কথা। ধারা।

- ৪৫১। জিলার মাজিস্টেটের নিকট ইউরোপীয় রটিষ প্রজার জুরির দাওয়া করিবার স্বত্বের কথা।
  - কোনং স্থলে অন্য আদালতে মোকদ্দমা পাঠাইবার কথা।
- ৪৫২। ইউরোপীয় রটিব প্রজার সহিত এদেশীয় ব্যক্তির নামে অভিযোগ হইলে বিচারের কথা।
  - এদেশীয় লোকের স্বতন্ত্র বিচার হইবার দাওয়ার কথা।
- ৪৫০। কোন ব্যক্তি আপনার পক্ষে ইউরোপায় রটিষ প্রজান্ধরূপ কার্য্য ইইবার দাওয়া করিলে কার্য্যপ্রণালীর কথা।
- ৪৫৪। উক্ত অবস্থার দাওয়া না করিলে তাহা ত্যাগ করা গেল জ্ঞান হইবার কথা।
- ৪৫৫। ইউরোপীয় রটিষ প্রজা না হইয়া কোন ব্যক্তির এই অধ্যায়মতে বিচার হইলে তাহার কথা।
- ৪৫৬। ইউরোপীয় রটিষ প্রজাকে বেআইনীমতে আটক করিয়া রাখা গেলে আপনাকে হাই কোর্টের সমুখে উপস্থিত করিবার আজ্ঞা প্রার্থনা করিবার অধিকারের কথা ।
- ৪৫৭। তদ্রপ প্রার্থনা হইলে কার্য্যপ্রণালীর কথা।
- ৪৫৮। হাই কোর্ট যে যে স্থানে তদ্রূপ আজ্ঞা করিতে পারেন তাহার কথা।
- ৪৫৯। যে যে আইনে মাজিফ্টেটদের ও সেশন আদালতের প্রতি বিচার করিবার ক্ষমতা প্রদক্ত হয় তাহা খাটিবার কথা।
- ৪৬০। ইউরোপের কি আমেরিকার লোকদের বিচারার্থ জুরির কথা।
- ৪৬১। ইউরোপ ও আর্মেরিকা দেশীয় লোকের সহিত অন্য জাতীয় লোকের অভিযোগ হইলে জুরির কথা।
- ৪৬২। ৪৫০. ৪৫১ কি ৪৬০ ধারামতে সমন করিয়া জুরি নিযুক্ত করিবার কথা।
- ৪৬৩। ইউরোপীয় রটিষ প্রজাদের বিক্রদে কেজিদারী আত্মগানিক কার্য্য চালাইবার কথা।

## ৩৪ চতুস্তিংশ অধ্যায়।

## ক্ষিপ্তমনা ব্যক্তিদের সম্বন্ধীয় বিধি।

- ৪৬৪। অভিযুক্ত ব্যক্তি ক্ষিপ্তমনা হইলে যাহা কক্তব্য তাহার কথা।
- ৪৬৫। সেশন আদালতে কি হাই কোটে সমর্গিত ব্যক্তি ক্ষিপ্ত হইলে যাহ। কর্ত্তব্য ভাহার কথা।

৪৬৬। অহুসন্ধান বা বিচারের অপোক্ষায় কিপ্ত ব্যক্তিকে মুক্ত করিবার কথা। তাঁহার রক্ষণের কথা।

৪৬৭। তদম্ভ কি বিচারকার্য্যে পুনশ্চ প্রায়ক্ত হই-বার কর্থা।

৪৬৮। অভিযুক্ত ব্যক্তি মাজিক্টেটের কি আদা-লতের সশ্বুখে উপস্থিত হইলে ইভিকর্ত্তব্য তার কথা।

৪৬৯। অভিযুক্ত ব্যক্তিকে কিপ্ত দেখা গেলে যাহা কর্ত্তব্য তাহার কথা।

৪৭০। অভিযুক্ত ব্যক্তি কিপ্ত হওয়া প্রযুক্ত নিরপরাধী নির্ণয়ের কথা।

৪৭১। উক্ত প্রকারে যাহাকে নিরপরাধী করা যায়
তাহাকে নির্কিন্দে আটক রাখিবার কথা।
হানীয় গবর্ণমেন্টের আজ্ঞাক্রমে কারাবদ্ধ
অপরাধী ক্ষিপ্ত ব্যক্তিদিগকে এক প্রদেশ
হইতে অন্য প্রদেশে পাঠাইবার আজ্ঞা
দিতে মন্ত্রিসভাধিন্তিত শ্রীযুত গবর্ণর
জেলরল সাহেবের ক্ষমতার কথা।

কোনং কার্য্য হইতে ইনস্পেট্রর জেনরল সাহেবকে স্থানীয় গ্রবর্ণমেন্টের মুক্ত করণের ক্ষমতার কথা।

8৭২। ক্ষিপ্ত ব্যক্তিকে ইনস্পেক্টর জেনরলের দৃষ্টি করিবার কথা।

৪৭৩। বদ্দ ক্ষিপ্ত ব্যক্তি অভিযোগের উত্তর দিতে সক্ষম,রিপোর্ট হইলে কর্তব্যের কথা।

৪৭৪। ৪৬৬ কি ৪৭১ ধারামতে বদ্ধ কিপ্ত ব্যক্তি মুক্ত হইবার যোগ্য প্রকাশ হইলে তাহার কথা।

৪৭৫। সাত্মীয়ের ভত্তাবধানে ক্ষিপ্তকে অর্পন করিবার কথা।

#### ৩৫ পঞ্জিংশ অধ্যায়।

বিচার কার্য্য সম্বন্ধীয় কোন কোন অপরাধের মোক-দ্দমার আন্নন্ধানিক কার্য্য বিষয়ক বিধি।

৪৭৬। ১৯৫ ধারার লিখিত স্থলে কার্য্যপ্রণালীর ক্ষা

৪৭৭। সেশন আদালতের সন্মুখে তদ্ধপ অপরাধ হইলে ঐ আদালতের ক্ষমতার কথা।

৪৭৮। অসুসন্ধানের কার্য্য সমাপ্ত করিয়া হাই কোর্টে কি সেশন আদালতে সমর্পন করিতে দেওয়ানী ও রাজস্বসম্পর্কীয় আদালতের ক্ষমভার কথা।

৪৭৯। তদ্রপ স্থলে দেওয়ানী বা রাজস্ব সম্পর্কীয় আদাসতের কর্তব্যের কথা।

৪৮০। কোনং স্থলে অবজ্ঞা হইলে যাহা কর্ত্তব্য ভাহার কথা।

863। এই क्रि साकक्रमात्र नथीत कथा।

ধারা ।

৪৮২। ৪৮০ ধারামতে মোকদ্দমা লইয়া কার্য্য হওয়া উচিত নয় আদালতের এমত বোধ হইলে কার্য্যপ্রণালীর কথা।

৪৮৩। রেজিফ্টার বা সব-রেজিফ্টার ৪৮০ ও ৪৮২ ধারামতে দেওয়ানী আদালত বলিয়া জ্ঞান যে স্থলে হইবে তাহার কথা।

৪৮৪। অপরাধী আজ্ঞাক্রমে কার্য্য করিলে কিম্বা অপরাধ স্বীকার করিলে ভাহার মুক্ত হইবার কথা।

৪৮৫। উত্তর দিতে কি দলীল উপস্থিত করিতে স্বীকার না করিলে কোন ব্যক্তিকে কারাবদ্ধ করিবার কি হেকাজতে রাখি বার কথা।

৪৮৬। অবজ্ঞার মোকদ্দমায় অপরাধ নির্ণয় ছইলে তাহার উপর আপীলের কথা।

৪৮৭। ১৯৫ ধারার উল্লিখিত অপরাধ কোনং জজের কি মাজিক্টেটের সমুখে করা গেলে তাঁছাদের সেই অপরাধের বিচার না করিবার কথা।

## ৩৬ ষট্ত্রিংশ অধ্যায়।

দ্রী ও সম্ভানাদির ভরণপোষণের বিধি।

৪৮৮। দ্রী ও সন্তানাদির ভরণপোষণের আজ্ঞার কথা।

সেই আজ্ঞা প্রবল করিবার কথা।

৪৮৯। র্ত্তি পরিবর্তন করিবার কথা।

8৯•। ভরণপোষণের আজ্ঞা প্রবল করিবার কথা।

৩৭ সপ্তত্তিংশ অধায়।

হাবিয়াস কর্পস ভাবাপন্ন আজ্ঞার বিধি।

৪৯১। হাবিয়াস কর্পস নামক পারওয়ানার ভাবা-পার আজ্ঞা দিবার কথা।

## নব্য খণ্ড।

অতিরিক্ত বিধান।

৩৮ অপ্তিত্তিংশ অধ্যায়।

রাজকীয় অভিযোক্তাদের সম্বন্ধীয় বিধি।

৪৯২। রাজকীয় অভিযোক্তা নিযুক্ত করিবার ক্ষমতার কথা।

৪৯৩। যেই মোকদ্দমা চালাইবার ভারপ্রাপ্ত হন দেইং মোকদ্দমায় সকল আদালতে রাজকীয় অভিযোক্তার উত্তর প্রত্যুক্তর করিতে পারিবার কথা।

> বেসরকারী কোন ব্যক্তির উকীল তাঁছার আজ্ঞাধীন থাকিবার কথা।

- 8>৪। অভিযোগ উঠাইয়া দিলে ভাছার কলের কলা।
- ৪৯৫। অভিযোগ চালাইবার অন্নমতির কথা।

## ৪৯ উনচত্তারিংশ অধ্যায়।

#### ছাজিরজামিন বিষয়ক বিধি।

- ৪৯৬। যে ছলে হাজিরজামিন লওয়া ঘাইতে পারে তাহ। লইতে হইবার কথা।
- ৪৯৭। হাজিরজামিন লইবার অযোগ্য যে ছলে হাজিরজামিন লওয়া যাইতে পারিবে তাহার কথা।
- ৪৯৮। হাজিরজামিন লইবার কি উহা কমাইরা দিবার আজ্ঞা করিবার ক্ষমতার কথা।
- ৪৯৯। অভিযুক্ত ব্যক্তির ও জামিনদের নিব**ন্ধ**-পত্রের কথা।
- ৫০০। হেকাজত হইতে মুক্ত হইবার কথা।
- ৫০১। প্রথমে যে ছাজিরজামিন লওয়া যায় তাহা প্রচুর না হইলে প্রচুর জামিন দিবার আজ্ঞা করিবার ক্ষমতার কথা।
- ৫০২। প্রতিভূদের মুক্ত হইবার কথা।

## ৪০ চত্বারিংশ অধ্যায়।

#### माक्षीरमत পরীক্ষার্থ কমিশন বিষয়ক বিধি।

- ে০। যে স্থলে সাক্ষীর স্বয়ং অন্পস্থিত থাকিবার

  অন্নমতি দেওয়া যাইতে পারে তাছার

  কথা।
  - কমিশন দিবার ও তাহার কার্য্যপ্রণাদীর কথা।
- ৫০৪। সাক্ষী রাজধানী নগরের মধ্যে থাকিলে ক্ষিশনের কথা।
- শেকীর পরীক্ষা লইতে পক্ষদের ক্ষমতার কথা।
- ৫ ৮৬ । অধন্তন মকঃখল মাজিস্টেটের কমিশন দিবার জন্য প্রার্থনা করিতে পারিবার কথা।
- ৫০৭। কমিশন ফিরিয়া পাঠাইবার কথা।
- 🛾 🗣। 🛮 ভদম্ভ কি বিচারকার্য্য স্থগিতথাকিবার কথা।

## ৪১ একচত্বারিংশ অধ্যায়।

শাষ্য বিষয়ক বিশেষ বিধি।

- ১। চিকিৎসক সাক্ষীর সাক্ষ্যের কথা।
   চিকিৎসক সাক্ষীকে সম্ম করিতে পারিবার কথা।

ধারা।

- ৫১১। পূর্কে অপরাধ নির্ণয় বা নির্দ্ধোষ হওনের প্রমাণ যেরপে করা ঘাইবে ভাহার কথা।
- ৫১২। অভিযুক্ত ব্যক্তির অমূপস্থি তিতে সাক্ষ্য লিপিবদ্ধ হইবার কথা।

## ৪২ দাচত্বারিংশ অধ্যায়।

#### নিবন্ধপত্র বিষয়ক বিধি।

- ৫১৩। মুচলকার পরিবর্ত্তে আমানতের কথা।
- ৫১৪। নিবন্ধপত্রের টাকা দণ্ড হইলে কার্য্যপ্রণা-লীর কথা।
- ৫১৫। ৫১৪ ধারামত আজ্ঞার উপর আপীল হইবার ও ঐ আজ্ঞা সংশোধনের কথা।
- ৫১৬। কোন কোন নিবন্ধপত্রক্রমে আদেয় অর্থদণ্ড
   আদায় করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবার
   কথা।

#### ৪৩ ত্রিচত্বারিংশ অধ্যায়।

## সম্পত্তি লইয়া কার্য্য হইবার বিধি।

- ৫১৭। বে দ্রব্য সম্পর্কে অপরাধ করা যায় ভাহা লইয়। যাহা করিতে ছইবে এই বিষয়ের আজ্ঞার কথা।
- ৫১৮। জিলার মাজিফ্রেট সাহেবের বা মহকুমার মাজিফ্রেটের প্রতি দ্রব্য অর্পণসূচক আজ্ঞা ছইবার কথা।
- ৫১৯। অভিযুক্ত ব্যক্তির নিকট যে টাকা পাওয়া বায় তাহা নির্দ্দোষী ক্রেতাকে দিবার কথা।
- ৫২০ ৷ ৫১৭, ৫১৮ বা ৫১৯ ধারামত আ**জ্ঞা** স্থগিত করিবার কথা ৷
- ৫২১। অপারাধ সম্পর্কীয় ও অন্য বিষয় বিন্ফ করিবার কথা।
- ৫২২ । স্থাবর দ্রব্যের অধিকার কিরিয়া দিবার ক্ষমতার কথা।
- ৫২৩। ৫১ ধারামতে প্রাপ্ত বা চোরা দ্রব্য পোলীস কর্তৃক ধৃত হইলে, কার্য্যপ্রণালীর কথা। দ্রব্যের স্বামী অজ্ঞাত হইলে যাহা কর্ত্ব্য তাহার কথা।
- ৫২৪। ছয় মাসের মধ্যে দাওয়াদার উপস্থিত না হইলে কার্য্যপ্রালীর কথা।
- ৫২৫। আশুক্ষমশীল দ্রব্য বিক্রম করিতে পারিবার কথা।।

## ৪৪ চতুশ্চত্ত্বাবিংশ অধ্যায়। কৌজদানী মোকদমা ছন্তান্তর করণ বিষয়ক বিধি।

#### ধাকা ৷

- ৫২৬। হাই কোর্টের মোকদ্দমা হস্তান্তর করি-বার কি স্বয়ং বিচার করিবার ক্ষমভার কথা।
  - এই ধারামতে প্রার্থনা ছইলে রাজকীয় জভিযোক্তাকে নোটিস দিবার কথা।
  - এই ধারামত প্রার্থনা হইলে দিনান্তর নির-পাণের কথা।
- শংগ। মাজিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুক্ত গাবর্ণর জেনরল

  সাহেবের কেজিনারী মোকদ্দমা ও

  আপীল হস্তান্তর করিবার ক্ষমতার কথা।
- ৫২৮। মোকদ্দমা জিলার বা মহকুমার মাজি-উটের উঠাইয়া লইবার কি অর্পণ করি-বার ক্ষমত র কথা।
  - ক্ষিলার মাজিক্টেট সাহেবকে বিশেষ প্রকা রের সকল মোকদ্দমা উঠাইয়া লইবার ক্ষমতা দিতে পারিবার কথা।

## ৪৫ পঞ্চ গ্রারিংশ অধ্যায়।

## অনিয়মিত আহুষ্ঠানিক কার্য্যবিষয়ক বিধি।

- ৫২৯। স্পনিয়মিত জিয়াহেতুক আঞ্ঠানিক কাৰ্য্য ব্যৰ্থনা হইলে তাহার কথা।
- ৩০। অনিয়্মিত যে কার্য্য ছারা আঞ্চানিক কার্য্য অসিদ্ধ হয় ভাহার কথা।
- eus। অমুপযুক্ত স্থানে আমুষ্ঠানিক কার্য্য হইবার কথা।
- ৫৩২। অনিরমিতরূপে ব্যক্তিকে সমর্পণ করা গেলে ভাহা যে ছলে সিদ্ধ করা যাইতে পারে ভাহার কথা।
- ৫৩৩। ১৬৪ বা ৬৬৪ ধারার বিধান পালন না করিবার কথা।
- ৫৩৪। ৪৫৪ (২) ধারার নির্দ্দিউ প্রশ্ন জিল্লাসা করিতে ক্রটি হইবার কথা।
- ৫৩৫। অভিযোগপত্ত প্রস্তুত না হইবার ফলের কথা।
- ৫৩৬। আসেসরদের বিচার্য্য মোকদ্দমার জুরির ভারা বিচার হইবার কথা।
  - জুরির বিচার্য্য মোকদ্দমার আসেসরদের জারা বিচার হইবার কথা।
- ৫৩৭। অভিযোগপতে কিশ্বা আগ্নন্তানিক কার্য্যে ভ্রম কি প্রযাদপ্রযুক্ত নিস্পত্তি কি দণ্ডাজ্ঞা অন্যথা হইবার কথা।
- ৫৩৮। আইটানিক কার্য্যে রীতির দোষ থাকাতে কোক বেআইনী না ছইবার ও কোক-কারী ব্যক্তি অনধিকার প্রবেশকারী বলিয়া জ্ঞান না হইবার কথা।

## ৪৬ ষট্চত্তারিংশ অধ্যায়।

## বিবিধ বিধি।

#### ধারা ৷

- ৫৩৯। যে যে কোটের ও যে যে ব্যক্তিদের সমুখে আফিডেবিট করা ঘাইতে পারিবে ভাঁহাদের কখা।
- ৫৪০। শুরুতর সাক্ষীকে সমন করিবার কিছা উপস্থিত ব্যক্তির পরীক্ষা লইবার ক্ষমতার কথা।
- ৫৪১। কারাদণ্ডের স্থান মির্ন্দেশ করিবার ক্ষমতার কথা।
  - দেওয়ানী জেন্সে বন্ধ অভিযুক্ত বা নির্নীতাপরাধ ব্যক্তিদিগকে ক্ষোজদারী জেলে
    পাঠাইকার ও ভাহাদের দেওয়ানী
    জেলে ফিরিয়া আদিশার কথা।
- ৫৪২। কারাবদ্ধ ব্যক্তির পারীক্ষার জন্যে তাহাকে আনাইতে আজ্ঞা করিতে প্রেসিডেন্সী মাজিফ্রেক্টের ক্ষমতার কথা।
- ৫৪৩। দোভাষির যথার্বই অর্থ করিতে হইবার কথা।
- ৫৪৪। বাদিদের ও সাক্ষীদের খরচের কথা।
- ৫৪৫। অর্থদণ্ডের টাকার একাংশ খরচ বা ক্ষতি-পূরণস্বরূপ দিতে আদালতের ক্ষমতার কথা।
- ৫৪৬। পরবর্ত্তী যোকদ্দমায় সেই টাকা ধরিবার কলা।
- ৫৪৭। যে টাকা দিবার আজ্ঞা হয় ভাহা অর্থদত্তের ন্যায় আদায় ছইতে পারিবার কথা।
- esr। नथीत नकन पिरात कथा।
- ৫৪৯। কোট মার্শ্যন ছারা যাছাদের বিচার হইবে এরপ ব্যক্তিদিগকে সৈন্যসংক্রান্ত কর্ত্বশক্ষদের হুল্ডে সমর্পণ করিবার কথা।

তজ্ঞপ ব্যক্তিদিগকে ধৃত করিবার কথা।

- ৫৫০। পোলীদের উচ্চপদস্থ কর্মচারীদের ক্ষমতার কথা।
- ৩৫১। অপহত দ্বীলোককে ফিরাইয়া দেওনের
  ক্ষমতার কথা।
- ৫৫২। রাজধানী নগরে যে ব্যক্তিকে অকারণে প্রহরির জিম্মায় দেওয়া যায় ভাহার হানিপুরণের কথা।
- ৫৫৩। জয়ীন জাদালতের কাগজপত্র পরিদর্শন
  করিবার বিধি সনক্ষপ্রাপ্ত হাই কোর্টের
  প্রগর্মন করিতে পারিবার কথা।
  - জন্যান্য কার্য্যের নিষ্কিক্ত জন্যান্য ছাই কোর্টের বিধি করিনার ক্ষমন্তার কথা।

৫৫৪। পাঠের কথা।

৫৫৫। যে ছলে জজ বা মাজিক্টেট আপনি স্বার্থ-যুক্ত থাকেন তাহার কথা।

ee৬। আদালতের ভাষা ছির করিতে পারিবার কথা।

৫৫৭। মাজিসভাধিন্তিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের বা ছানীয় গবর্ণয়েন্টের ক্ষমতাত্মসারে সময়ে সময়ে কার্য্য হইবার কথা।

eer। চলিত মোকদমার কথা।

eea। নিলাম কার্য্যে লিপ্ত কর্মচারীদের সম্পত্তি
ক্রম না করিবার বা না ডাকিবার কথা।

৩০ । স্থামী কর্তৃক বলাৎকার অপরাধ সম্বন্ধে
 বিশেষ বিধানের কথা ।
 প্রথমবার অপরাধী বিষয়ক বিধি ।

ধারা।

 ৬১। দণ্ডাজ্ঞা দিবার পরিবর্ত্তে সদাচরণের পরীক্ষার নিয়ম করিয়া আদাসতের ছাভিয়া দিবার ক্ষমতার কথা।

৫৬২। অপরাধী আপন মুচলকার নিয়ম পালন না করিলে বিধানের কথা।

৫৬৩। অপরাধীর বাসস্থান সম্বন্ধে নিয়মের কথা।

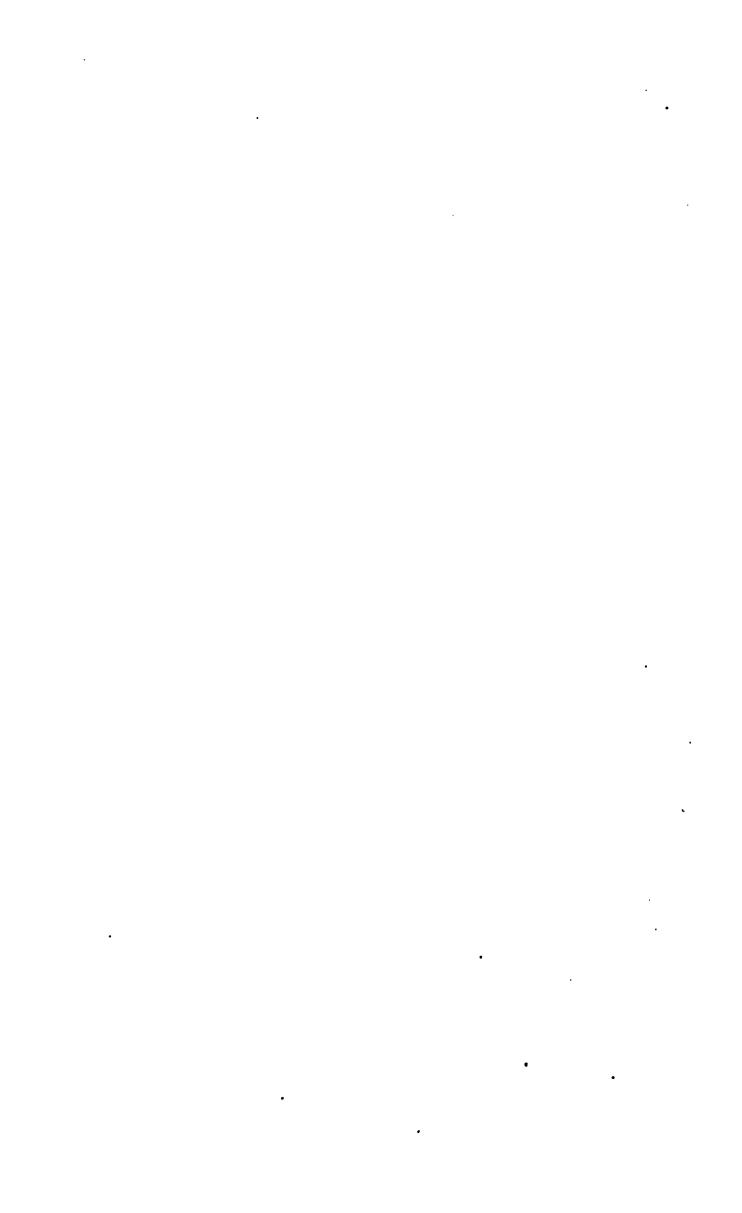
৫৬৪। ভত্তাবধানের আজ্ঞার কথা।

৫৬৫। তত্তাবধানের আজ্ঞা ছইলে তাহার কলে। কথা।

প্রথম তকসীল।—যে যে আইন রহিত হইল।
ছিতীয় তকসীল।—অপারাধের বিবরণ পত্তের টেবিল।
তৃতীয় তকসীল।—মকঃশল মাজিফ্রেটের নিয়মিত
ক্ষমতার কথা।

চতুর্থ তকসীল।—মাজিফেটদের প্রতি যে অতিরিক্ত ক্ষমতা দেওয়া ঘাইতে পারে তাহার কথা।

शक्ष्म **एकमीन**।—शार्ठ विवस्तक।



## ফৌজদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইন সংগ্রহ ও সংশোধন করণার্থ আইনের পাণ্ডুলিপি।

কৌজদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইন সংগ্রহ ও সংশোধন করা বিহিত, এই হেতৃ এতদ্বারা নিম্নলিখিতমত বিধান করা গেল।—

## প্রথম খণ্ড।

## ञ्घना ।

#### ১ প্রথম অধ্যায়।

১ ধারা। (১) এই আইন "কোজদারী মোকদ্দমার কার্যপ্রপালী বিষয়ক ১৮৯৮ দংক্ষেণ নামের কথা। আবত্তের কথা। ইইডে পারিবে এবং ইহা ১৮৯৮ সালের মাসের দিবসে প্রবল হইবে।

- (২) এই আইন সমস্ত রটিষ ভারতবর্ষে ব্যাপ্ত হইবে কিন্তু বিপারীত ভাবের ব্যাপ্তির কথা।
  বিশেষ বিধান না থাকি:ল এই আইনের কোন কথায় এক্ষণে যে বিশেষ কি স্থানীয় আইন প্রচলিত আছে তাহার কিন্তা উপস্থিত সময়ের প্রচলিত অন্য আইনক্রমে যে বিশেষ বিচারাধিকার কি ক্ষমতা প্রদত্ত কিন্তা যে বিশেষ প্রকারের কার্য্যপ্রণালী নির্দিষ্ট হইয়াছে তাহার কোন বিল্প হইবে না, কিন্তা ইহার কোন কথা—
  - (ক) কলিকাতা ও মাস্দ্রাজ ও বোম্বাই নগরের পোলীসের কমিশনর সাহেবের প্রতি কিম্বা কলিকাতা ও বোম্বাই নগরের পোলীসের প্রতি ;
  - শ্ব) মান্দ্রাজ প্রেসিডেন্দ্রর প্রামপতিদের
     প্রতি; কিছা
    - (গ) বোম্বাই প্রেসিডেন্সীর গ্রাম্য পোলীস কর্ম-চারিদের প্রতি

#### ---বর্ত্তিবে না।

কিন্তু স্থানীয় গবর্ণমেন্ট উপযুক্ত বিবেচনা করিলে, মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনবল সাহেবের মঞ্জুরি লইমা রাজকীয় গেজেটে বিজ্ঞাপন দিয়া এই আইনের কোন বিধান প্রয়োজনীয় পরিবর্ত্তন সহঁ ঐরূপ বর্জিত ব্যক্তিদের সম্বন্ধে প্রচলিত করিতে পারিবেন।

২ ধারা। (১) এই আইনের প্রথম তফ্দীলে যে যে
আইনের উল্লেখ হইরাছে ঐ
আইন রহিত হইবাব তফ্দীলের চভূর্থ ঘরে যে পারিকথা।
মাণ- নিদ্দিউ হইল ১৮৯৮
সালের মাদের দিবদে ও ঐ
দিবদ হইতে সেই সেই আইন সেই পরিমাণ রহিত করা

যাইবে, কিন্তু তৎকালে যে বিচারাধিকার কি যে প্রকারের কার্য্যপ্রণালী না থাকে কি না অবলম্বিত হয় এই রাহিত্য বলে তাহা পুনজ্জীবিত হইবে না, কিম্বা তৎকালে যে কারাদণ্ড বৈধ থাকে এই রাহিত্যক্রমে তাহা অবৈধ হইবে না।

- (২) এতৎক্রমে রহিত করা, কি এতদ্বারা রহিত করা আইন ক্রম আইন ক্রম বহিত করা আইন ক্রম থারিক বিজ্ঞাপনাদির ক্রম। কোন আইনক্রমে যে সকল বিজ্ঞাপন প্রকাশিত, ঘোষণাপত্র প্রচারিত, ক্রমতা প্রদন্ত, পাঠ নিরূপিত, স্থানীয় সীমানিদিট, দণ্ডাজ্ঞা দত্ত ও আজ্ঞা ও বিধি ও নিরোগ ফ্রত হইয়া ১৮৯৮ সালের মাসের দিব-সের অব্যবহিত পূর্বের্ব প্রচলিত থাকে, তৎসমুদম্ম এই আইনের তত্তৎ বিষয়ক ধারাক্রমে প্রকাশিত, প্রচারিত প্রদন্ত, নিরূপিত, নিদ্দিট, দত্ত ও ক্বত বলিয়া জ্ঞান করা ঘাইবে।
- ৩ ধারা। (১) এই আইন প্রচলিত হইবার পূর্বে প্রনীত কোন আইনে কৌজ-ফৌজদাবী মোকদ্মাব माती মোকদমার কার্য্যপ্রণালী কার্য্য প্রণালী বিষয়ক আই-নেব ও জান্য বাহত কৰা विषयक ১৮৬১ मालित २० আইনেধ উল্লেখ হইলে আইনের কিম্বা ১৮৭২ সালের ه ر আইনের কিন্তা সালের ১০ আইনের কি তাহার কোন অধ্যায়ের কি ধারার কিম্বা এই আইনক্রমে রহিত করা জন্য আইনের উল্লেখ হইয়া থাকিলে, এই আইনের কিম্বা তত্তৎ বিষয়ক এই আইনের অধ্যায়ের কি ধার।র উল্লেখ হই-রাছে যথাসাধ্য এমত জ্ঞান করিতে হইবে।
- (২) এই আইন প্রচলিত হইবার পূর্নের প্রণীত কোন আইনে 'মাজিফ্টেটের প্ৰ প্ৰ আইনে ব্যব-ক্ষমতা (কি 'পুর্ব ক্ষমতা') মতে কর্মকারী কর্মচারী" ও "অধঃস্থ প্রথম শ্রেণীর মাজিস্ফেট'' ও ''অধঃস্থ দ্বিতীয় শ্রেণীর যাজিফেট'' এইং শব্দ থাকিলে, ভদ্মারা যথা-ক্রমে ''প্রথম শ্রেণীর মাজিফ্রেট'' ও ''দ্বিতীয় শ্রেণীর মাজিক্টেট'' ও "তৃতায় শ্রেণীর মাজিফ্টেট' বুঝ ইবে বলিয়া জ্ঞান করিতে হইবে, ''জিলার খণ্ডের মাজিফুটে'' শব্দে 'মহকুমার মাজিফেট'' বুঝাইবে বলিয়া জান করিতে হইবে, ''জিলার মাজিফ্টেট'' শব্দে ''জিলার মাজিফ্টেট'' এবং ''পোলীদের মাজিফ্টেট' শদ্দে 'থেসি-ডেন্সী মাজিফ্রেট'' বুঝাইবে বলিয়া জ্ঞান করিতে হুইরে এবং 'জাইণ্ট দেশন জজ'' শঞ্চে ''আডিশনল সৈশন জজ'' বুঝাইবে।
- 8 ধারা। (১) এই আইনে নিম্নলিখিত কথা ও অর্থনির্দেশের কথা। শক্সের যে অর্থ নিম্নে করা যাইতেছে, বিষয়ের কিম্না পূর্ব্বা। পার কথা দারা ভাবান্তর প্রকাশ না ছইলে দেই কথার ও শব্দের সেই অর্থ ধরিতে হইবেঃ—
- (ক) যে কোন ব্যক্তির বিৰুদ্ধে কোন নালিশ করা হয় কিম্বা এই আইনমত আমুষ্ঠানিক কার্য্য উপস্থিত

করা কি উপস্থিত করিবার চেষ্টা,করা হয় ''অভিযুক্ত'' বলিতে সেই ব্যক্তিকেও বুঝাইবে।

- (খ) ''আওবোকেট জেনরল'' এই শব্দে গ্রণবেনট আডবোকেটকে অথবা
  বেখানে আডবোকেট জেনরল
  কৈ গ্রনমেন্ট আডবোকেট নাই সেখানে তৎকার্য্য
  পক্ষে স্থানীয় গ্রনমেন্ট সময়ে সময়ে যে কর্মচারীকে
  নিযুক্ত করেন ভাঁছাকেও ব্রাইবে।
- রি) দ্বিভায় তফসালের লিখিতমতে কিন্তা যৎকালে
  অন্য যে আইন প্রচালিত থাকে
  ভামিন লইবাৰ উপযুক্ত তদল্লসারে কোন অপারাধের
  আগামন লইবাৰ অমৃগযুক্ত অপারাধ।"
  নিমিন্ত হাজিরজামিন লেভ্রা
  যাহতে পারিলে "জামিন লইবার উপযুক্ত অপারাধ" শব্দে
  সেই অপারাধ ব্ঝাইবে। "জামিন লইবার অন্পায় ক্র
- ্ঘ) চার্জে একাধিক দকা থাকিলে " চার্জ'' অন্তি-যোগ শব্দে চার্জের যে কোন দকাও বুঝাইবে।
- (ও) "চীফ জফিস" শব্দে পঞ্জাবের চীফ কোর্টের "চীফ জষ্টিম।" ও রাছ্মণের রিফার্ডারের আলা-শতের পদজ্যেষ্ঠ জজ সাহেবও

#### বাচ্য।

- (চ) এই আইনের দ্বারা ক্লার্ক অফ দি ক্রোনের কওঁব্য বলিয়া যে কর্ম নিদ্দিট ইইয়াছে চীফ জটিস সাহেব সেই কর্ম নিক্ষাস্থ্রার্থে যে কর্মচারাকে বিশেষমতে নিযুক্ত করেন, "ক্লার্ক অফ দি ক্রোণ' শব্দে তাঁহাকেও বুঝাইবে।
- ছে) এই আইনের দ্বিতীয় তফদীল অন্থুসারে কিন্তা

  যৎকালে যে কোন আইন

  "ধর্ত্তর অপনাধ।"

  "ধর্ত্তর মোকদ্দমা।"

  অচলিত পাকে তদন্ত্সারে
  পোলীসের কর্মচারী রাজধানী

  নগরের ভিতরেই হউক আর বাহিরেহ হউক যে অপরাধের নিমন্ত ও যে মোকদ্দমায় ওয়ারকী বিনা ধ্বত
  করিতে পারেন "ধর্ত্তরে অপরাধ" ও "ধর্ত্তর মোকদ্দমা"

  শব্দে সেই অপরাধ ও মোকদ্দমা বুঝাইবে।
- (জ) ''পোলাদের ক্মিশ্মর বিলিতে পোলাদের ভেপুটি ক্মিশ্মরকেও বৃঝাইবে।
- (ঝ) জ্ঞাত কি সজ্ঞাত কোন ব্যক্তি অপারাধ করিয়া ছেন কিন্না এই আইনমত আন্নষ্ঠানিক কার্য্য হইবার পক্ষে আন্ত রকমে যোগ্য হইয়াছেন এই আইন অন্নসারে কার্য্য উপস্থিত করিবার উদ্দেশে কোন মাজিস্টেটের নিকট বাচনিক কি লিখিত এরূপ বর্ণনা করা গেলে, "নালিশ" শঙ্গে তাহা বুঝাইবে। পারের ভূমিতে গোমেঘাদির প্রবেশ বিষয়ক ১৮৭১ সালের আইনমত নালিশও ইহার অন্তর্গত, কিন্তু কোন পোলীস কর্মচারির রিপোট ইহার অন্তর্গত নয়।

- (এ) ''দেশন আদালত'' বলিতে দেশন জঞ্জ' আডিশনল দেশন জজ ও আদিফান্ট দেশন জজকেও বুঝাইবে।
  - (ট) "ইউরোপীয় রটিষ "ইউবোপীয় রটিয প্রকা।" প্রজ্ঞা" শব্দে ইহাদিগকে ভু বুঝাইবে।
    - (/০) শ্রীশ্রীমতী মহারাণীর যে কোন প্রজা এেটির ও সায়রলও সংযুক্ত রাজ্যে কিছা
      শ্রীশ্রীমতী মহারাণীর কোন ইউরোপীয়
      কি আমেরিকা দেশীয় কি অফ্রেলীয়
      উপনিবেশে কি অধিক্রত দেশে কি নব-জীলও উপনিবেশে কি উন্মাণা কি নেটাল উপনিবেশে জন্ম গ্রহণ করেন কি প্রজাধিকার প্রাপ্ত হন কি চিরবাদী হন, তিনিও
    - (১০) তাঁহার ঔরস পুত্র কন্যা কি পোত্র পোত্রী কি দোহিত্র দোহিত্রী।
- (ঠ) ইউরোপীয় রটিষ প্রজাদের নামে কিন্না ইউ রোপীয় রটিষ প্রজাদের সহিত জন্য ব্যক্তিদের নামে অভিযোগ ইইলে, যে কার্য্যান্নফান হয় তৎসম্পর্কে "হাই কোর্ট'' শব্দে কলিকাতার ও মাজ্রাজের ও বোদ্বাইয়ের হাই কোর্ট ও উত্তর-পশ্চিম প্রদেশের হাই কোর্ট ও পঞ্জাবের চাফ কোর্ট ও রাদ্ধণের রিকার্ডার ব্যাইবে।

জন্য স্থলে ''হাই কোর্ট'' শব্দে কোন স্থানীয় চক্রের
মধ্যে ফোজদারী মোকদমার আপীল গ্রাহ্য কিন্না দেই
মোকদমার পুনদ্ ফি করণার্থ উচ্চতম আদালত বুঝাইবে;
কিন্না উপস্থিত সময়ের প্রচলিত কোন আইনক্রমে
তদ্রূপ কোন শাদালত সংস্থাপন করা না গেলে, মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব এতদর্থে যে
কর্মচারীকে নিযুক্ত করেন ''হাই কোর্ট'' শব্দে তাঁহাকেও ব্রাহবে।

- (ড) বিচারের পূর্বে এই আইনমতে মাজিফ্টেট বা আদালত কর্ত্তৃক যে তরন্তের, কার্য্য করা যায় বা যে তদস্তে কোন বিচার করা না যায় ''তদস্ত' শব্দে তাহাও বাচ্য।
- (६) এই আইনমতে প্রমাণ সংগ্রহ করিবার জন্য পোলীসের দ্বারা কিন্তা এতৎ-শক্ষে মাজিস্টেটের নিকট ক্ষমতা প্রাপ্ত (মাজিফ্রেট রা পোলীস কর্মচারী দ্বাড়া) কোন ব্যক্তি দ্বারা যে সকল কার্য্যের অন্নৃষ্ঠান হইবার অন্নুমতি আছে '' সন্ত্রসন্ধান শব্দে তাহাও বাচ্য।
- (৭) যে কার্য্যের অন্নষ্ঠান কালে আইনমতে সাক্ষ্য শবিচাৰ ঘটিত ক্র্যা।"

  পারে "বিচার ঘটিত কার্য্য'

  শব্দে সেই কার্য্য বুকাইবে। তাহার ফলস্বরূপ অপর প্রত্যেক কার্য্যান্নষ্ঠানও তাহার অন্তর্গত।

- (ভ) বে অপরাধ হইলে ও যে মোকদমায় পোলীদের কর্মচারী রাজধানী নগরের
  "অধর্ত্তর অপবাধ।"
  ভিতরেই হউক আর বাহিরেই
  হউক ওয়ারন্ট বিনা ধ্রত
  করিতে না পারেন "অধর্ত্তর অপরাধ" ও "অধর্ত্তর
  মোকদমা" শব্দে দেই অপরাধ ও সেই মোকদমা
  ব্র্যাইবে।
- (থ) ষৎকালে যে কোন আইন প্রচালত থাকে তৎক্রমে যে কোন কার্য্য বা ক্রটি 'অপরাধ।'' দওনীয় হয় তাহাই ''অপরাধ'' শক্ষে বাচ্য।
- দি) পোলীস থানার অধ্যক্ষ থানাঘরে অন্থপস্থিত
  থাকিলে, কিয়া পাড়া বশতঃ
  "পোলীস থানাব আপন কর্ম করিতে অশক্ত
  অধ্যক্ষ।"
  হইলে তৎপারবর্তী নিম্ন পদের
  যে কর্মচারী কনফেবলের উর্দ্ধুতন পদস্থ হইয়া থানাঘরে
  উপস্থিত থাকেন, "পোলাস থানার অধ্যক্ষ" শক্ষে
  তাঁহাকেও বুঝাইবে, কিয়া স্থানায় গবর্ণমেন্ট আদেশ
  করিলে, অন্য যে পোলীস কর্মচারী তজ্রপে উপস্থিত
  থাকেন তাঁহাকেও বুঝাইবে।
  - (্ধ) ''স্থান'' শক্তে বাটী ও ইমারও ও তাঁৰু ও জল্মান কি অপর গঠিত ''স্থান।'' জিনিশও বুকাইবে।
- (ন) কোন আদালতের কার্যান্নন্তান সম্বন্ধে

  "উকাল" শব্দ ব্যবস্থত হইলে

  "উকাল" শব্দ ব্যবস্থত হইলে

  উপস্থিত সময়ের প্রচলিত
  কোন আইনক্রমে উক্ত আদালতে কর্ম করিতে ক্ষমতাপন্ন উকাল বা মোক্রার ব্যায় এবং (১) তদ্রাপ ক্ষমতাপন্ন হাই কোটের আডবোকেট ও উকাল ও আটনি ও

  (২) আদালতের অন্ন্যতিক্রমে তৎ কার্যান্নন্তানে কর্ম
  করিতে নিযুক্ত কোন ব্যক্তিও উক্ত শব্দে বাচ্য।
- পি)। যে আজ্জাবা স্থান এই আইনের কার্য্যপক্ষে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট সাধারণ মতে বা বিশেষ মতে
  পোলীস থানা বলিয়া ব্যক্ত করেন "পোলীস থানা"
  শব্দে সেই স্থান ব্ঝাইবে ও প্থানীয় গবর্ণমেন্ট এতদর্থে
  যে কোন স্থানীয় চক্র নির্দেশ করেন, ভাহাও
  ব্ঝাইবে।
- কে) ''রাজকীয় অভিযোক্তা'' শব্দে ৪৯২ থারা

  "রাজকীয় অভিযোক্তা।"

  ত রাজকীয় অভিযোক্তার

  আদেশক্রমে কার্য্যকারী কোন ব্যক্তিকে ও কোন হাইকোর্টে আদেই কোজদারী বিচারাধিকারক্রমে কার্য্য-

কালে শ্রীশ্রীমতী মহারাণীর পক্ষে যে ব্যক্তি অভিযোগ চালান সেই ব্যক্তিকেও বুঝাইবে।

- (ব) '' মহকুমা " শব্দে এই আইন মতে কর।

  বা রাখিয়া দেওয়া জিলার

  মহকুমা বুঝাইবে।
- ্ভ) '' সমনের মোকদ্দমা '' শব্দে ওয়ারক্টের "সমনের মোকদ্দমা নয় কোন অপারাধ সংক্রান্ত এরপ মোকদ্দমা বুঝাইবে।
- ্ম) চার্জ লিখিত হইবার পর আদালতে যে সকল কার্য্যাল্টান হয় ''বিচার'' শব্দে তাহা বুঝাইবে ও অপরাধীর প্রতি কোন দণ্ডাজ্ঞা হইলে তাহাও বুঝাইবে।

অভিযুক্ত ব্যক্তি আদালতে উপস্থিত হইবার সময় হইতে বিংশ ও দ্বাবিংশ অধ্যায়মত কার্য্যান্ন্র্চানও ইহার অন্তর্গত।

- (য) মৃত্যু কি দ্বীপাস্তর প্রেরণ কি ছয় মাসের অধিক কালের কারাবাস যে অপ্-রাধের দণ্ড "ওয়ারন্টের মোক-দ্বা" শব্দে সেই অপরাধ সংক্রাস্ত মোকদ্বা বৃঝাইবে।
- (২) যে যে শব্দে ক্বত কার্য্যের উল্লেখ আছে যে যে শব্দে কার্যের উল্লেখ তৎসমূদয় অবৈধ ক্রটির প্রতিও আছে তাহার ক্র্যা। বর্তিবে। এবং

এই আইনে যে যে শব্দ ও পদ ব্যবহৃত হইমাছে ভারতব্যীয় দণ্ড বিধিদণ্ডবিধিব আইনে কোন
শব্দেব যে অথ আছে
দেই অথ থাকিবাব কথা। থাকিলে ও ইহাতে হাতপুর্বেধ
না হইয়া থাকিলে ঐ দণ্ড বিধির
আইনে যথাক্যে দেই দেই শব্দের ও পদের যে যে
অর্থ আছে দেই সেই অর্থে ব্যবহার হইয়াছে জ্ঞান করিতে
হইবে।

- ৫ ধারা। (১) ভারতবর্ষীয় দওবিধির আইনমত
  দগুনিগির আইনমত জ্ঞান সমুদ্য অপারাধের অন্থসন্ধান
  রাদেব বিচাবের কথা। ও তদন্ত ও বিচার ও তৎসংক্রণান্ত অন্যরূপকার্য্য ইহার
  পার প্রাদন্ত বিধান অন্থসারে হইবে।
- (২) অন্য কোন আইনমত অপরাধের অন্নসন্ধান
  ত তদন্ত ও বিচার ও তংঅন্যান্য আইনের বিরুদ্ধ
  অন্যান্যে বিচাবের কথা।
  বিধান অন্নসারেই হইবে, কিন্তু
  সেই অপরাধের ওদন্ত বা বিচারের প্রণালী বা স্থান
  নিয়ামক উপস্থিত সময়ের প্রচলিত কোন ব্যবস্থা
  থাকিলে তাহা মানিতে হইবে।

# দ্বিতীয় থণ্ড।

ক্ষেজদারী আদালত ও কার্য্যালয়ের সংস্থাপন ও ক্ষমতার বিধি।

২ দ্বিতীয় অধ্যায়।

কেজিদারী আদালতের ও কার্য্যালয়ের সংস্থাপনের বিধি ৷

ক।—কোজদারী আদালতের নানা শ্রেণী বিষয়ক বিধি।

৬ ধারা। রটিষ ভারতবর্ষে হাই কোর্ট ভিন্ন এবং কৌজনাবী আদালতের নানা শ্রেণীর কথা। এই আইন ব্যতীত অন্য যে আইন য্ৎকালে প্রচলিত থাকে ভৎকালে ভৎক্রমে সংস্থাপিত

আদালত ভিন্ন পাঁচ শ্রেণীর ফোজদারী আদালত থাকিবে; যথা,

- ১। দেশন আদালত।
- ২। প্রেসিডেন্সী মাজিফেট।
- ৩। প্রথম শ্রেণীর মাজিফ্রেট।
- ৪। দ্বিতীয় শ্রেণীর মাজিফ্রেট।
- ে। তৃতীয় শ্রেণীর মাজিফেট।

খ।—দৈশিক বিভাগের বিধি।

৭ ধারা। (১) রাজধানী ব্যতিরিক্ত প্রত্যেক প্রদেশ একটি সেশন খণ্ড হইবে কিম্বা নোনা সেশন খণ্ডের ও জিলার কথা। ইইবে এবং এই আইনের অভি-প্রায়ামুসারে প্রত্যেক সেশন খণ্ড একটি জিলা কি নানা

- (২) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট ঐং খণ্ডের ও জিলার সীমা,

  বস্তু ও জিলা পরির্ত্তন
  করিবার ক্ষমতার কথা।

  মতি গ্রাহণ পূর্বেক, সংখ্যা
  পরিবর্ত্তন করিতে পারিবেন।
- (৬) এই আইন প্রচলিত হইবার সময়ে যেং সেশন
  যাবং প্রিবর্ত্তন না হয়
  বর্ত্তমান থণ্ড ও দিলা মতে পরিবর্ত্তন করা না গেলে
  থাকিবার কথা। যত কাল প্রবির্ত্তন করা না
  যায় ততকাল তৎসমুদ্য় সেশন

খণ্ড ও জিলা থাকিবে।

জিলার সমষ্টি হইবে।

(৪) এই আইনের অভিপ্রায়ন্সারে এত্যেক রাজধানীগুলি জিলা রাজধানী এক একটী জিলা বলিয়া গণ্য ১ইবার কথা। বলিয়া গণ্য হইবে।

৮ ধারা। (১) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট রাজধানীর বহিঃস্থ কোন জিলা মহকুমায় বিভক্ত করিবার ক্ষমতার কথা।

ক্ষিলা মহকুমায় বিভক্ত করিবার ক্ষমতার কথা।

মহকুমায় পরিণত করিতে পারিবেন ও কোন মহকুমার সীমা পরিবর্তন করিতে পারিবেন। (২) জিলার বর্ত্তমান যে সকল মহকুমা সচরাচর এইক্ষণকার মহকুমা থাকি-বার কথা।

গিয়া থাকে তৎসমুদর এই আইনক্রমে ফ্লন্ড কলিয়া জ্ঞান

করা যাইবে।

### গ।—রাজধানীর বহিঃস্থ আদালতের ও কার্য্যালয়ের বিধি।

- ৯ ধারা। (১) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট প্রত্যেক সেশন ধারের নিমিত্ত এক একটী সেশন আদালতের কথা। সেশন আদালত সংস্থাপন করি-বেন এবং তদ্রাপা আদালতের এক এক জন জজ নিযুক্ত করিবেন।
- (২) তদ্রপ এক কি একাধিক আদালতে বিচারাধি-কার পরিচালন করিবার নিমিত্ত স্থানীয় গবর্ণমেন্ট আডিশনল সেশন জজ ও আসিস্টান্ট সেশন জজ নিযুক্ত করিতে পারিবেন।
- (৩) এই আইন প্রচলিত হইবার সময়ে যে সকল সেশন আদালত থাকে তৎসমুদয় এই আইনমতে সংস্থাপিত বলিয়া জ্ঞান করা যাইবে।
- ১০ ধারা। (১) রাজধানীর বহিঃস্থ প্রত্যেক জিলায়
  জিলার মাজিট্রেটের কখা।
  প্রথম শ্রেণীর মাজিস্টেট নিযুক্ত
  করিবেন, যিনি জিলার মাজিস্টেট নামে খ্যাত
  হইবেন।
- (২) স্থানীর গবর্ণমেন্টে সময়ে সময়ে প্রথম শ্রেণীর কোন মাজিফ্টেটকে তিন মাসের অন্ধিক কালের নিমিত্ত আডিশনল জিলার মাজিফ্টেট স্থরূপ নিযুক্ত করিতে পারিবেন, এবং এই আইন্মত জিলার মাজিফ্টেটের যে সমস্ত বা যে কোন ক্ষমতা স্থানীয় গবর্ণমেন্ট আদেশ করেন ঐ আডিশনল জিলার মাজিফ্টেটের সেই সমস্ত বা সেই ক্ষমতা হইবে।
- ১১ ধারা। জিলার মাজিস্টেটের পদ শূন্য হওয়া

  জিলার মাজিটেটের পদ
  শূন্য হইলেযে ব্যক্তি
  কিমংকালের নিমিন্ত দেই
  পদে গাকেন ভাঁচার কথা।
  তিনি স্থানীয় গ্রন্থিমেন্টের আজ্ঞা পাইবার অপোক্ষায় এই
  আইনক্রমে জিলার মাজিট্টেটের যে সকল ক্ষমতা ও
  কর্ত্তব্য নির্দ্ধারিত হইল, সেই সকল ক্ষমতা পরিচালন
  করিবেন ও সেই সকল কর্তব্য কর্ম নির্দ্ধাহ করিবেন।
- ১২ ধারা। (১) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট জিলার মাজিক্ষেট জিল্প অন্য যত ব্যক্তিকে
  কথা।
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিন্ত
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিন্ত
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিন্ত
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিন্ত
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিন্ত
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিন্ত
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিন্ত
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিন্ত
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিন্ত
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিন্ত
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিন্ত
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্ষিণা
  ক্মিণ

যে যে স্থানীয় চক্রমধ্যে এই আইনক্রমে প্রাপ্ত সমুদয়
বা কোন ক্রমতা পরিচালন
ভাগেদের বিচারাধীন করিতে পারিবেন, স্থানীয়
গ্রর্থমেন্ট কিন্তা স্থানীয় গ্রর্ণ
মেন্টের কর্তৃত্বাধীনে জিলার মাজিক্রেট সময়েং তাহা
নির্পয় করিয়া দিতে পারিবেন।

(২) তদ্রপে নির্ণয় করিয়া না দিলে ঐ ব্যক্তিরা লাখারণতঃ উক্ত জিলার সর্বস্থলে উক্ত বিচারাধিকার ও ক্ষমতা পরিচালন করিতে পারিবেন।

১৩ ধারা। (১) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট প্রথম কি দ্বিভীয়

ক্ষেত্র প্রতিব প্রতি মহকুমার অধ্যক্ষতা ভাব দিবার
ক্ষমতার কণা।

ক্ষিত্র ভার দিতে, পারিবেন
এবং প্রয়োজনমতে ঐ অধ্য-

ক্ষতা ভার হইতে তাঁহাকে মুক্ত করিতে পারিবেন।
(২) সেই মাজিস্টেট মহকুমার মাজিস্টেট নাফে

(২) দেই মাজিফেট মহকুমার মাজিফেট নামে ব্যাত হইবেন।

্তি) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট ক্ষিত্র ক্ষমতাপণের কথা।

(৩) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট আপানার এই ধারামত ক্ষমতা জিলার মাজিফ্রেট সাহেবের প্রতি অর্পণ করিতে পারিবেন।

১৪ ধারা । (১) স্থানীয় গবর্ণমেণ্ট রাজধানীর বহিঃস্থ কোন স্থানীয় চক্রে বিশেষ কথা।

কথা।

কথা।

কথানকদ্দ্দ্যা সম্পর্কে কিয়া বিশেষং
নানা প্রকারের মোকদ্দ্দ্যা সম্পর্কে কি সাণারণতঃ সকল
মোকদ্দ্যা সম্পর্কে কোন ব্যক্তির প্রতি এই আইনক্রমে
দক্ত কি দেয় প্রথম কি দ্বিতীয় কি তৃতীয় শ্রেণীর মাজিক্রেটের সকল কি অন্যত্তর ক্ষমতা প্রদান করিতে

(২) সেইং মাজিক্টেট বিশেষ মাজিক্টেট নামে খ্যাত ইইবেন।

পারিবেন।

- (৩) যন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহে
   বেরু অন্ন্যতি গ্রহণ পূর্বক স্থানীয় গবর্ণমেন্ট যদ্রপ নিয়ম বিহিত বোধ করেন তদ্রপ নিয়মে স্বীয় কর্তৃত্তা-ধীন কোন কর্মচারির প্রতি (১) প্রকরণক্রমে প্রদত্ত ক্ষমতা অর্পণ করিতে পারিবেন।
  - (৪) আদিটাট ডিট্রিট্ট স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিম্ন-শ্রেণীস্থ কোন পোলীস কর্মচারির প্রতি এই ধারামতে কোন ক্ষমতা দেওয়া ঘাইবে না, এবং শান্তি রক্ষার্থ ও অপরাধ নিবারণার্থ ও অপরাধীদিগকে মাজিটেটের সমুখে আনিবার জন্য তাহাদের অপরাধ আবিকার পূর্বাক তাহাদিগকে ধ্বত করণার্থ ও আটক করিয়া রাখিবার নিমিত্ত এবং উপস্থিত সময়ের প্রচলিত আইন-ক্রমে ঐ কর্মচারির অপর যে কর্ম করিতে হয় সেই কর্ম সম্পাদনার্থ আবশ্যক না হইলে ঐরপ কোন ক্ষমতা দেওয়া ঘাইবে না।

১৫ ধারা। (১) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট কোন তুই কি
- ভদধিক জন মাজিস্টেটকে
মালিট্টেটদেব বেংগেব রাজধানীর বহিঃস্থ কোন স্থানে
কথা:
বিচারকার্য্যে বেঞ্চস্করপ বসিডে

আদেশ করিতে পারিবেন ও আদেশ প্রদান করিয়া সেই বেঞ্চের প্রতি এই আইনক্রমে দক্ত কি দেয় প্রথম কি বিতীয় কি তৃতীয় শ্রেণীর মাজিফ্রেটদের যে কোন ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেন, ও স্থানীয় গবনমেন্ট যে সামার মধ্যগত স্থানে তাঁহাদের দারা যে যে মোক-দ্মমার বা যে যে প্রকারের মোকদ্দমার বিচার হওয়া উচিত জ্ঞান করেন তাঁহাদিগকে সেই সীমার মধ্যে প্র ক্ষমতাক্রমে সেইং মোকদ্দমার বিচার করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

(২) এই ধারামত কোন আজ্ঞায় অন্যরূপ বিধান না ধাকিলে, যে মাজিফ্রেটেরা বিশেষ আদেশ না থাকিলে অধিবিফ কার্য্যে প্ররুত্ত হন কোন ফেল্ডল পাবিবল ভাষাব কার্য্য প্রাটিনের অন্যতর ব্যক্তি উচ্চ-কার্য্য প্রাটিনের ভাষাবিক তার্য্য প্রাটিনির আইনক্রমে প্রদত্ত সেই শ্রেণীর মাজিফ্রেটের ক্ষমতা প্রাপ্ত হইবেন এবং এই আইনের অভিপ্রায়স্থসারে যতনুর সন্তব সেই শ্রেণীর

মাজিফ্রেট বলিয়া গণ্য হইবেন।

১৬ ধারা। স্থানীয় গবর্ণমেন্ট কিম্বা জিল্পার মাজিতেইট সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের
বেক্টের কার্যাপদ্ধতি দশাইবাব বিধি প্রণয়ন কবিবার
ক্ষমতাব কথা।
জিলার মধ্যে মাজিফ্রেটদের
বেক্টের কার্য্যপদ্ধতির বিধি
প্রণয়ন করিতে পারিবেন। সেই বিধি এই আইনসঙ্গত হইবে, তন্মধ্যে এই২ বিষয়ের বিধান থাকিবে।

- (ক) যে থে প্রকারের মোকদ্দমার বিচার হইবে।
- (খ) অধিবেশনের সময় ও স্থান।
- (গ) বিচারকার্য্য চালাইবার জ্ঞান্যে কে কে অধি-বিষ্ট হইবেন।
  - ঘ) অধিবিষ্ট মাজিস্টেটদের মতের অনৈক্য হইলে ষেরূপে তাঁহাদের বিবাদ নিষ্পত্তি করা যাইবে।

১৭ ধারা। (১) ১২ ও ১৩ ও ১৪ ধারামতে নিযুক্ত
সমুদ্য মাজিফ্টেট ও ১৫ ধারামতে সংস্থাপিত সমুদ্য বেঞ্চ
জলাব মাজিফেট সাহেবের
অধান থা।কবাব কথা।
জলার মাজিফেট সাহেবের
অধান হইবেন, ও তিনি উক্ত
মাজিফেটেদের ও বেঞ্চদের মধ্যে কর্ম বিক্তাগ করিয়া
নিবার সম্বন্ধে সময়েং এই আইনের সম্পত বিবি করিতে
কিন্তা বিশেষ আজ্ঞা করিতে পারিবেন; এবং

(২) মহকুমার মাজিস্টেট ভিন্ন মহকুমার মধ্যে যত

মহকুমাব মাজিটেব
ভাগান থাকিবাব কথা।

তাহারা সেই মহকুমার মাজিভৌটেরও অধীন হইবেন। কিপ্ত এই বিষয়ে জিলার

মাজিস্টেট সাহেবের সাধারণ কর্ড্ব থাকিবে।

(৩) যে সেশন জজের আদালতে আসিফ্টান্ট সেশন

জ্ঞাসিষ্টাণ্ট সেশন জন্ধদেব সেশন অভেব অধ<sup>া</sup>ন থাকি-বার কথা।

জজেরা বিচারাধিকারক্রমে কার্য্য করেন তাঁহারা তাঁহার অধীন হইবেন ও তিনি উক্ত আসি-ফার্ট সেশন জজদের মধ্যে কর্ম

বিভাগ করিয়া দিবার সম্বন্ধে সময়েং এই আইনের সঙ্গত বিধি করিতে পারিবেন।

- (৪) সেশন জজ স্বয়ং অপরিহার্য্য কারণে অম্ব-পস্থিত হইলে কি কর্ম করিতে অশক্ত হইলে, আসিন্টান্ট সেশন জজ কর্তৃক কোন জরুরি দরখান্ত বা বিষয়ের নিম্পত্তি হইবার নিমিত্তও বিধি প্রণয়ন করিতে পারি-বেন এবং ঐবপ দরখান্ত বা বিষয় লইয়া কার্য্য করণার্থ আসিন্টান্ট সেশন জজের বিচারাধিকার থাকিবে।
- (৫) জিলার মাজিফেট সাহেব কিন্না ১২ ও ১৩ ও ১৪ ও ১৫ শারামতে নিযুক্ত কি সংস্থাপিত মাজিফেট কি বেঞ্চ ইহার পর স্পাইত: যতদুর ও যজ্রপ বিধান হইয়াছে ভদ্ভিম্ন স্থলে সেশন জজ সাহেবের অধীন হইবেন না।

## <sup>ঘ</sup>। প্রেসিডেপী মাজিক্টেটের আদালত বিষয়ক বিধি।

১৮ ধারা। (১) প্রত্যেক রাজধানীর মাজিস্টেট
হইবার নিমিত্ত যত ব্যক্তির
প্রেসিডেনী মালিট্রেট
প্রিয়ক্ত কবিবার কথা।
সময়েং তাঁহাদিগকে নিযুক্ত
করিবেন। তাঁহারা ইহার পর প্রেসিডেন্সী মাজিস্টেট
নামে অভিহিত হইবেন, এবং প্রত্যেক রাজধানীতে
তন্মধ্যে একজন প্রধান মাজিস্টেটের পদে নিযুক্ত
ছইবেন।

- (२) নিম্নলিখিতমতে প্রাপ্ত ক্ষমতাক্রমে প্রধান মাজিক্টেট যে বিধি প্রণয়ন করেন পূর্বোক্ত গুই কি ডদ-ধিক ব্যক্তি সেই বিধি মানিয়া বেঞ্জরপ একত্র বসিতে পারিবেন।
- ১৯ ধারা। প্রত্যেক প্রেসিডেন্সী মাজিস্টেট যে রাজধানার নিমিন্ত নিযুক্ত হয়েন উলেদের বিচানাধীন তাহার সীমার অন্তর্গত সকল ছানের সীমার কথা। ছানে, এবং বন্দর ও বন্দরীয় মাক্ষ বিষয়ক যে আইন যৎকালে প্রবল থাকে তদত্ব-সারে ঐ নগরের বন্দরের ও বন্দরে পিঁছছিবার নৌকাগম্য কোন নদীর কিছা জলপথের যে সীমা নির্দিন্ট থাকে. সেই সীমার মধ্যে বিচারাধিকারক্রমে কার্য্য ক্রিবেন।

২০ ধারা। ১৮৭৭ সালের আপ্রিল মাসের ১ তারিবোষাইযের শেটি সেশন
আদালতের কথা।
আদালতের বোষাই নগরে যে
যে বিচারাধিকার ছিল, বোষাই নগরে প্রত্যেক প্রেসিডেন্সী মাজিফ্রেট সেই সমুদ্য বিচারাধিকার পরিচালন
ক্রিবেন।

কিন্ত বোম্বাই মুনিসিপালিটী সম্বন্ধে যৎকালে বে আইন প্রচলিত থাকে তৎক্রমে আপীল কেবল প্রধান মাজিউটের নিকট হইবে!

- ২১ ধারা ৷ এই আইনমতে কোন প্রধান মাজিষ্টেটকে
  প্রধান মাজিটেটের কগা।
  কিষা এই আইন প্রচলিত
  ইইবার অব্যবহিত পূর্ব্বে বলবৎ যে কোন আইন কি
  বিধিমতে কোন সীনিয়র বা প্রধান মাজিষ্টেটের ছারা
  যে সকল ক্ষমতা পরিচালন করিবার আদেশ থাকে
  প্রধান মাজিষ্টেট স্থীয় বিচারাধীন স্থানের সামার মধ্যে
  সেই সকল ক্ষমতা পরিচালন করিবেন, এবং নিম্নজিখিত
  বিধয়ের যে বিধি এই আইনের বিধান সক্ষত হয়
  স্থানীয় গ্রন্থিতে পারিতে পারিবেন, যথা,
  - (ক) নগরের অন্তর্গত মাজিক্টেটদের নানা আদালতে কার্য্য নিকাছ ও বিলি করিবার ও রীতি নির্দেশ করিবার বিধি।
  - (খ) মাজিস্টেটদের বেঞ্চ যে যে সময়ে ও ছানে অধিবিষ্ট হইবেন তাহার বিধি।
  - (গ) যাঁহাদিগকে লইয়া ঐ বেঞ হইবে তদ্ধি-যয়ের বিধি।
  - (য) অধিবিষ্ট মাজিক্টেটদের মডের অটনক্য হইলে ভাহা যেরপে নিশান্তি করা যাইবে ভাহার বিধি।
  - (ও) জিলার মাজিফেটের অধীন মাজিফেট দিগের উপার কর্তৃত্ব করিবার তাঁহার যে সাধারণ ক্ষমতা আছে তদমুসারে অপার যে কোন বিষয় শইয়া তিনি কার্য্য করিতে পারিতেন তাহার বিধি।
  - (ঙ)।—শান্তিরক্ষার্থ জফিসদিগের বিষয়ের বিধি।

২২ ধারা। মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত ভারতবর্ষের শ্রীযুত ফ্রান্তবক্ষার্থ গবর্ণর জেনরল সাহেব রাজ-ছাইদদের কথা। ধানী ভিন্ন রটিষ ভারতবর্ষের সমুদয় কি কোন ছান সম্পর্কে,

এবং প্রত্যেক স্থানীয় গবর্ণমেন্ট পূর্ব্বোক্ত রাজধানী ভিন্ন স্থীয় শাসনাধীন দেশ সম্পর্কে,

রাজকীয় গেজেটে জ্ঞাপনপত্র প্রকাশ করণ পূর্ব্বক যে ইউরোপীয় রটিষ প্রজাদিগকে যোগ্য জ্ঞান করেন তাঁহাদিগকে জ্ঞাপনপত্রে দিখিত দেশমধ্যে বা দেশের নিমিত্ত শান্তিরকার্থ জঞ্চিসের কর্ম করিবার নিমিত্ত নিযুক্ত করিতে পারিবেন।

বত ধারা। কলিকাতা ও মান্দ্রাজ ও বোম্বাই নগর
সম্পর্কে ছানীয় গবণমেন্ট রাজকীয় গেজেটে জ্ঞাপন প্রকাশ
করণ পূর্কক, ভিন্নাধিকারদেশের
প্রজা ভিন্ন রটিষ ভারভবর্ষের মধ্যবাসী যে কোন ব্যক্তিদিগকে শান্তিরকার্য জান্টিসের কর্ম করিবার যোগ্য

জ্ঞান করেন, তাঁহাদিগকে ঐ জ্ঞাপনপত্তের লিখিত নগরের সীমার মধ্যে ঐ কর্মে নিযুক্ত করিতে পারি-বেন।

২৪ ধারা। (১) যে প্রত্যেক ব্যক্তি কোন হাই
কাটের প্রচারিত কোন কমিকাটিসদের কথা।
তিজ্ঞ রাজধানী ভিন্ন রটিয
ভারতবর্ষের কোন অংশের মধ্যে ও জন্যে তছলে
শান্তিরক্ষার্থ জান্টিসের কর্ম করিতেছেন তিনি ২২ ধারামতে মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবণর জেনরল সাহেব
কর্তৃক উক্ত সকল নগর ভিন্ন রটিয ভারতবর্ষের সমস্ত
ছানের শান্তিরক্ষার্থ জান্টিসদের কর্ম করিতে নিযুক্ত
হইয়াছেন, এমত জ্ঞান করিতে হইবে।

(২) যে ব্যক্তি ডদ্ৰূপ কোন কমিশন প্ৰাপ্ত হইয়া এইক্ষণে উক্ত কোন নগরের সামার মধ্যে শান্তিরক্ষার্থ জফ্টিসের কর্ম্ম করেন, তিনি ২৩ ধারামতে স্থানীয় গবর্ণ-মেন্টকর্ত্ব নিযুক্ত হইয়াছেন এমত জ্ঞান করিতে হইবে। ২৫ ধারা। স্বস্থপদের বলে শ্রীযুক্ত গবর্ণর ক্রেনরল সাহেব ও শ্রীযুঙ গবণ্র भरमाभलरक गास्त्रिकार्थ জেনরল সাহেবের মন্ত্রিসভার জষ্টি সদের কথা। নিয়মিত সভ্যগণ ও ২াই কোর্টের সমুদয় জজ ও রাছুণের রিকার্ডার সাহেব রটিষ ভারতবর্ধের অন্তর্গত সমস্ত স্থানের মধ্যে ও ভল্লিমিক্ত শান্তিরক্ষার্থ জঞ্চিদ হইয়া থাকেন দেশনের জজ ও জিলার মাজিফ্রেট সাহেবেরা যে স্থানীয় গবর্ণ-মেন্টের অধীনে কর্ম করিতেছেন, সেই স্থানীয় গবর্ণ-মেন্টের শাসনাধীন দেশের সমস্ত স্থানের মধ্যে ও ভন্নিমিত্ত শান্তিরক্ষার্থ জন্টিস হইয়া থাকেন। এবং প্রেসিডেপী মাজিফ্রেটেরা যে রাজধানী নগরের মাজি-ক্টেট হন সেই নগরের মধ্যে তথাকার শান্তিরকার্থ জ্ঞ ঠিনও হইয়া থাকেন।

### চ।—স্থগিত ও অবসৃত হইবার বিধি।

২৬ ধারা। রাজকীয় সনন্দক্রমে সংস্থাপিত হাই
কোট ভিন্ন কৌজদারা আদালকাদেব ও মাজিট্টেদেব তের সকল জক্ত ও সকল
ক্ষণিত ও অবস্ত হইবার
কথা।
কর্তৃক কর্ম হইতে স্থগিত কি

অবস্থত হইতে পারিবেন।

কিন্তু এইক্ষণে কেবল মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবই যে জজ ও মাজিভৌটদিগকে কর্ম হংতে ছগিত কি অবসৃত করিতে পারেন জন্য কোন কর্ত্বপক্ষ ভাঁহাদিগকে কর্ম হইতে ছগিত কি অবসৃত করিবেন না।

২৭ ধারা। মাজ্রসভাধিন্তিত জারতবর্ষের ঐযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব শান্তি-শান্তিরকার্থে কটিসদের ব্যাত ও অবসত ছইবার কথা। হিসাতে করেন তাঁছাকে তিনি স্থাতিত রাখিতে কি পাদচ্যুত করিতে এবং ছানীয় গবর্ধযেও শান্তিরকার্থ যে কোন জ্ঞকিসকে নিযুক্ত করেন তাঁহাকে সেই গবর্ণমেণ্ট ছগিত রাখিতে কি পদচ্যুত করি:ত পারিবেন।

# ত তৃতীয় অধ্যায়।

### আদালতের ক্ষমতা বিষয়ক বিধি।

ক ।—প্রত্যেক আদালতের বিচাষ্য অপরাধের বর্ণনা।

২৮ ধারা। এই আইনের

দশুবিধিণ অংইনমত অপ- অন্যান্য বিধানের নিয়মারাধেরকথা।

ধানে ভারতবর্ষীয় দশুবিধির
আইনমত কোন অপরাক্ত

- (ক) হাই কোট কর্তৃক, অথবা
- (খ) সেশন আদালত কতৃক অথবা
- (গ) ঐ অপরাধ অপর যে কোন আদালতের বিচার্য্য বলিয়া দ্বিতীয় তফসীলের অস্ট্রম ঘরে দেখান গেল সেই আদালভ কর্ত্তুক

### —বিচারিত হইতে পারিবে। উদাহরণ।

আনন্দকে অপরাধযুক্ত নরহত্যা চার্জে সেশন আদালতে সোপরর্দ্ধ করা গেল। তাহার মাজিফ্টেটের বিচার্ঘ্য ইচ্ছাপূর্ব্যক পীড়া জন্মান অপরাধটা মাত্র সাব্যস্ত হইতে পারিবে।

২৯ ধারা। (১) অন্য আইনমত অপারাধ হইলে
সম্য আইনমত স্পানাধ্যে
কথা।

তিক্ত আদাসত ঐ অপারাধ্যের
বিচার করিবেন।

(২) যদি কোন আদালতের উল্লেখ না থাকে, তবে হাই কোর্ট কি এই আইনমতে সংস্থাপিত কোন আদালত তাহার বিচার করিবেন।

কিন্তু---

- (ক) এইরপ যে অপরাধে ৭ বৎসরের অধিক কাল পর্য্যন্ত কারাদণ্ড হইতে পারে প্রথম শ্রেণীর কোন মাজিয়্টেট সেই অপরাধের বিচার করিবেন না;
- (খ) এইরপ যে অপরাধে তিন বৎসরের অধিক কাল পর্য্যন্ত কারা দণ্ড হইতে পারে দ্বিতীয় শ্রেণীর কোন মাজিস্টেট সেই অপরাধের বিচার করিবেন না; এবং
- (গ) এইরপ যে অপরাধে এক বৎসরের অধিককাল পর্য্যস্ত কারাদণ্ড হইতে পারে তৃতীয় শ্রেণীর কোন মাজিয়্টেট সেই অপরাধের বিচার করিবেন না।

৩ ধারা। (১) পঞ্জাবের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর
সাহেবের শাসিত দেশে এবং
আন্মাধের কথা।
অপনাধের কথা।
ক্রিন্তির ও আসামের প্রধান ক্রি-

শনর সাহেবদের শাসিত দেশে এবং অন্যং প্রদেশের যে যে অংশে ভেপ্টা কমিশনরেরা কি আসিফান্ট কমি-শন্বেরা থাকেন সেইং অংশে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট ২৯ ধারায় ভাবান্তরের কথা থাকিলেও জিলার মাজিষ্টেট সাহেবকে মাজিষ্টেটস্বরপ প্রাণদণ্ডের অপরাধ ভিন্ন সমুদয় অপ-রাধের বিচার করিবার ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেন। (২) এই ধারার বিধান নিম বন্ধ সম্বন্ধেও খাটিবে।

## খ।—নানা শ্রেণীর আদালত যেং দণ্ডাজ্ঞা দিতে পারিবেন তবিষয়ক বিধি !

হাই কোর্ট ও দেশনের ৩১ ধারা। (১) হাই কোর্ট ₩জ সাহেব যে যে দণ্ডের আইনমত যে কোন দভের আজা করিতে পারিবেন আজ্ঞা দিতে পারিবেন। তাহার কথা।

- (২) সেশন জজ কি আডিশনল সেশন জজ সাহেব আইনমত যে কোন দভের আজ্ঞা দিতে পারিবেন, কিন্তু তদ্রপ কোন জজ প্রাণ দণ্ডের আজ্ঞা দিলে তাহা হাই কোর্টের অহ্নোদনসাপেক থাকিবে।
- (৩) আসিফান্ট সেশন জজ প্রাণদণ্ড ও সাতবৎ-সরের অধিক মিয়াদের দ্বীপান্তঃ প্রেরণ দণ্ড ও সাত বৎসরের অধিক কালের কারাদণ্ড ভিন্ন আইনমত যে কোন দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন। কিন্তু আসি-ফাল্ট সেশন জজ চারিবৎসরের অধিক কালের কারা-দভের আজ্ঞা কি কোন দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের আজ্ঞা করিলে তাহা সেশন জজ বা আডিশনল সেশন জজ সাহেবের অভ্যোদন সাপেক্ষ থাকিবে।

৩২ ধারা। (১) মাজিফেট-মাজিট্রেটেরাযে যে দণ্ডে<sup>র</sup> দের আদলত নিম্নলিখিত দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন ভাছার কথা। আজ্ঞা করিতে পারিবেন, যথা

(ক) প্রেসিডেন্সী মাজি-স্টেটদের ও প্রথম শ্রেণীর মাজিফ্রেটদের আদালত

আইনমত নিজ্জ<sup>'</sup>ন কারা-দণ্ড সমেত গুইবৎসরের অন্ধিক কালের কারাদও। এক হাজার টাকার অন-ধিক অর্থ দণ্ড ;

কশাঘাত দণ্ড।

(খ) দ্বিতীয় শ্রেণীর মাজিফ্রেটদের আদালত আইনমত নিজ্জ ন কারাদণ্ড সমেত ছয় মাসের অনধিক কালের কারা-मिछ ;

ধুইশত টাকার অন্ধিক অর্থ-

(গ) তৃতীয় শ্রেণীর মান্সিক্টেটদের আদালত

দও। কশাঘাত দও। মাদের অন্ধিক কালের কারাদও। টাকার অন্ধিক 10 100 to অর্থদণ্ড।

(২) কোন মাজিফ্টেটের আদালত আইনমত যে২ দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারেন তমধ্যে একাধিক যে কোন দণ্ড একত্র করিয়া আইনসঙ্গত সংযুক্ত দণ্ডের আজ করিতে পারিবেম ।

(৩) দিতীয় শ্রেণীর কোন মাজিফেট এডদর্থে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের স্থানে বিশেষ করিয়া ক্ষমতা না পাইলে, তাঁহার আদালত কশাঘাত দভের আজ্ঞা করিবেন না।

৩৩ ধারা (১) অর্থদণ্ডের টাকা না দেওয়াতে আইন-মতে যত কালের কারাদণ্ড অর্থদণ্ডের টাকা না দেও-মাজিফ্টেটের হইতে পারে য়াতে মাজিট্রেটদের কাবা-দক্তেৰ আছেল ক্রিবাৰ আদালত ঐরপ ক্রটি ঘটিলে ক্ষমতার কথা। ভতকালের কারাদণ্ড मिएछ পারিবেন।

#### কিন্ধু---

- (ক) ততকালের কারাদণ্ড যেন এই আইনম্ভ মাজিফ্রেটের ক্ষমতার অতিরিক্ত না হয়।
- (খ) মাজিফ্রেটদের দ্বারা কোন মোকদ্দমার নিষ্পান্তি-হইলে যদি মূলদভের একাংশ কোনং জ্ল সম্বন্ধ নিয়ম-বলিয়া কারাদভের আক্ত বিধিব কথা। হইয়া থাকে তবে অর্থ দভের টাকা না দেওয়াতে কারাদণ্ডস্বরূপ ভিন্ন তিনি ঐ অপ-রাধের দণ্ডস্বরূপে যতকালের নিমিত্ত কারাদণ্ডের আজ্ঞা করিতে ক্ষমতাপন্ন হন অর্থদণ্ড না দেওয়া প্রযুক্ত **ডাহার চতুর্থাংশের অধিক কালের কারা**দণ্ডের আ<mark>জ্ঞা</mark> দিবেন না।
- (২) ৩২ ধারামতে মাজিফ্রেট অত্যধিক যতকালের মূল কারাদণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারেন, এই ধারামত কারাদণ্ড ভদতিরিক্ত হইতে পারিবে।

৩০ ধারামতে বিশেষ ক্ষমতাপ্রাপ্ত ৩৪ ধারা। জিলার মাজিষ্টেট সাহেবের कान<sup>२</sup> किलाव गांकिटड्रें আদাসত প্রাণদণ্ড কিম্বা সাত সাহেবদেব উচ্চতর ক্ষমতার বৎসরের অধিক কালের দ্বীপা-ম্ভর প্রেরণ দণ্ড কিম্বা সাত বৎ-

সরের অধিক কালের কারাদণ্ডের আজ্ঞা ছাড়া আইন-সম্মত যে কোন দভের আজ্ঞা করিতে পারিবেন, কিন্তু চারি বৎসরের অধিক কালের কারাদণ্ডের আজ্ঞা এবং কোন দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের আজ্ঞা সেশন জজ বা আডিশনল সেশন জজ সাহেবের অহুমোদনসাপেক্ষ থাকিবে ।

- ৩৫ ধারা ৷ (১) একই মোকদ্দমায় কোন ব্যক্তির পুই কি ভতধিক স্বতন্ত্র অপুরা-একট বিচাবে অনেক ধের প্রমাণ হইলে তাহার যে অপ্রাধের প্রমাণ হইলে যে অপরাধের প্রমাণ হয় ঐ তাহার দণ্ডাজার কথা। আদালত দেইং অপরাধের যে যে দণ্ড করিডে সক্ষম হন ঐ ব্যক্তির সেই২ দণ্ডের
- আজ্ঞা করিতে পারিবেন। কারাদভের কি দ্বীপাস্তর প্রেরণ দভের আজ্ঞা হইলে আদালত যে ক্রমের আদেশ করেন সেই ক্রমে এক দণ্ড ভোগ হইলে পর অন্য দণ্ডের আরম্ভ হইবে।
- (২) ঐ আদালত একই অপরাধের নিমিত্তে যত দুর দণ্ড করিতে ক্ষমুতাপন্ন হন, ঐ সমুদয় অপরাধের দভ মসষ্টি ভদভিরিক্ত বলিয়া অপরাধীকে উপরিস্থ

আদালতে বিচার হইবার নিমিত্তে প্রেরণ করা আবল্যক হইবে না।

কিন্ত (ক) কোন স্থলে সেই অভাধিক যত জাল দত ব্যক্তির চৌদ্দ বৎসরের অধিক হইবে তাহার কথা। কারাদণ্ডের আজ্ঞা হইবে না।

- (খ) আরো ৩৪ ধারামতে কর্মকারী মাজিস্টেট ভিন্ন অন্য মাজিস্টেটের দারা সেই মোকদমার বিচার হইলে, তিনি স্বীয় নিয়মিত ক্ষমতাক্রমে যৎপরিমাণে দণ্ড করিতে পারেন, পূর্বোক্ত দণ্ড সমুদ্য় তাহার বিশুণের অধিক না হয়।
- (৩) একই বিচারে অনেক অপরাধের প্রমাণ হইলে এই ধারামত সংযুক্ত মণ্ডাজ্ঞা দৃঢ় করণের কি আপীলের সময়ে একই আজ্ঞা বলিয়া গণ্য হইবে।

ব্যাখ্যা। —পৃথক করা যাইতে পারে এরপ যে সকল অপরাধ ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইনের ৭১ ধারার বিধানের অন্তর্গত ভাষা এই ধারার অর্থমতে স্বতন্ত্রং অপরাধ নয়।

### উদাহরণ।

- (ক) আনন্দ এমন একটি হাজামায় লিপ্ত হয় যাহা চলিবার সময় ও যাহার সাধারণ উদ্দেশ্য সাধনার্থ বলরাম চক্রকে গুরুতর পীড়া দেয়। এই ধারার অর্থ-মতে আনন্দ স্বতন্ত্রং অপরাধ করে নাই, কিন্তু বলরাম করিয়াছে।
- ্খ) আনন্দ চৌর্যাভিপ্রায়ে অযথারূপে কোন বাটাতে প্রবেশ করে এবং তথায় সম্পত্তি চুরি করে। আনন্দ স্বতন্ত্রং অপরাধ করে নাই।

গ। — নিয়মিত ও অতিরিক্ত ক্ষমতা বিষয়ক বিধি।

৩৬ ধারা। জিলার মাজিক্রেট ও মহকুমার মাজিক্রেট ও প্রথম ও দ্বিতীয় ও

মাজিট্টেদের নিয়মিত তৃতীয় শ্রেনীর মাজিক্রেটদের
ক্ষমতার কথা।

প্রতি নিম্নে যথাক্রমে যে যে
ক্ষমতা প্রদত্ত হইয়া তৃতীয় তকসীলে নির্দিট হইয়াছে,
তাঁহারা সেইং ক্ষমতা প্রাপ্ত হইয়াছেন। এই
ক্ষমতাকে তাঁহাদের "নিয়মিত ক্ষমতা" বলে।

ত্ব ধারা। স্থানীয় গবর্ণমেণ্ট কি জিলার মাজিস্টেট সাহেব যে শ্রেণীর মাজিস্টেটকে মাজিট্টেদের প্রতিজ্ঞতি রিক্ত ক্ষমতা দিবার কথা। চতুর্থ তক্ষসীলে নির্দ্দিট হই-

মাছে, কোন মহকুমার মাজিক্টেটকে কিম্বা প্রথম কি বিভীয় কি ভৃতীয় প্রোণীর কোন মাজিক্টেটকে তাঁহারা নিয়মিত ক্ষমতার অতিরিক্ত ছানীয় গবর্ণমেন্ট কি ছল বিশেষে জিলার মাজিক্টেট সাহেব সেই ক্ষমতা দিতে পারিবেন।

জিলার মাজিট্টে সংগ্রে
যে ক্ষমতা দিতে পারেন,
ভাহার নির্মের কথা। প্রতি যে ক্ষমতা অর্পিত হইল
ভাহার নির্মের কথা। প্রতি যে ক্ষমতা অর্পিত হইল
ভাহা ছানীয় গ্রণ্মেন্টের
কর্ম্মতা প্রিচালন করিতে হইবে।

য।—ক্ষমতার অনান, ছিভি ও বিলোপ বিষয়ক বিধি।

৩৯ ধারা। (১) এই আইনমতে ক্ষমতা প্রদান
করিতে হইলে, স্থানীয় গবর্ণক্ষমতা প্রদান করিবার
নিয়মের কথা।
দের নাম করিয়া বা পদোপলক্ষে তাঁহাদিগকে কিম্বা সকল শ্রেণীর কর্মকারকদের
পদসংক্রান্ত ধ্যাতি ধ্রিয়া সেই কর্মকারকদিগকে ঐং
ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেন।

- (২) উক্তরপ অভ্যেক আচ্ছা যে ভারিখে ক্ষমতা-প্রাপ্ত ব্যক্তিকে ভ্যাত করা যায়, সেই ভারিখ অবধি কলবৎ হইবে।
- ৪০ ধারা। কোন ব্যক্তি গ্রথমেন্টের কর্মসংক্রান্ত
  কণ্ডাবিরা স্থানান্তরে
  প্রেরত হইলে তাহাদের চক্রের সর্বত্ত এই আইনক্রমে
  ক্রমতা প্রবল থাকিবার কোন ক্রমতা প্রাপ্ত ইইলে
  কথা।

  যদি একই স্থানীয় গ্রেপমেন্টের
  অধীন ভদ্রাপ স্থানীয় চক্রে ভঙ্গুল্য প্রকারের সমান কি
  উচ্চতর পদে নিযুক্ত হন, তবে স্থানীয় গ্রবর্ণমেন্ট প্রকারান্তরের আজ্ঞা না করিলে কি না ক্রিয়া থাকিলে
  তিনি যে স্থানীয় চক্রে প্রেরিত ইইয়াছেন সেই স্থানীয়
  চক্রে সেই ক্রম্ভা পরিচালন ক্রিতে থাকিবেন।

### উদাহরণ।

ক নামক মাজিস্টেট কিয়ৎকালের জন্য সেকেটরী আফিসে নিযুক্ত হন। যখন তিনি সেই জিলায় কি অন্য জিলায় মাজিস্টেট শ্বরূপ আপন পদে প্রত্যাবর্ত্তন করেন তখন নৃতন করিয়া ক্ষমতাপ্রাপ্ত না হইয়াও মাজিস্টেটের ক্ষমতার পরিচালন করিতে পারিবেন।

8১ ধারা। (১) এই আইনক্রমে ছানীর গাবর্গমেন্ট বা ডদধান কোন কর্মচারী ক্ষমতা রহিত হইতে গারিবার কথা। ক্ষমতা প্রদান করেন, উক্ত গাবর্গমেন্ট ভাহার সমস্ত বা কোন ক্ষমতা স্বহিত করিতে পারিবেন।

(২) জিলার মাজিস্টেট কর্তৃক প্রদন্ত কোন ক্ষমতা ঐরপে জিলার মাজিস্টেট কর্তৃক রহিত করা যা**ইডে** পারিবে।

# তৃতীয় খণ্ড।

### সাধারণ বিধান।

৪ চতুর্থ অধ্যায়।

মাজিক্টেটদিগকে ও পোলীসকে ও ধ্বত করণ কার্য্যে নিযুক্ত ব্যক্তিদিগকে সাহায্য ও সংবাদ দিবার বিধি।

কোনং স্থলে সকল **৪২ ধারা।** (ক) মাজিস্টেট লোকেব মাজিট্টের ও বা পোলীসের কর্মচারী যাহাকে পোলীদেব সাহায্য করিছে ছইবার কথা। ব্যক্তিকে ধরিবার জ্বন্যে,

- খাল কি টেলিগ্রাফ কি রাজকীয় সম্পত্তির হানির চেষ্টা নিবারণার্থে, কিয়া
- (গ) দালা কি হলমা দমন করণার্থে, কিষা বেআইনীমতে জনতা কিম্বা পাঁচজন কি পাঁচজনের অধিক লোকের যে জনতায় সাধারণের শান্তির বিদ্ন হইবার সম্ভাবনা সেই জনতা ভালিয়া দিবার জন্যে---

মাজিটেট কি পোলীসের কর্মচারী যে কোন ব্যক্তির যুক্তিমত সাহায্য চাহেন, রাজধানীর ভিতরেই হউক কি বাহিরেই হউক, সেই ব্যক্তির তাঁহার সাহায্য করিতেই হইবে।

৪৩ ধারা। পোলীস কর্মচারী ভিন্ন অন্য কোন ব্যক্তির নামে ওয়ারন্ট লিখিয়া শোলীস কর্মচারী ভিন্ন দেওয়া গেলে, যে ব্যক্তির নামে ওয়ার উ <u> শাধনকারী</u> ব্যক্তিকে লাহায্য করিবার লিখিয়া দেওয়া যায় সেই ব্যক্তি যদি নিকটে থাকিয়া ওয়ারত সাধন করিতে প্রবৃত্ত হন, তবে অন্য কোন ব্যক্তি ঐ ওয়ারন্ট সাধন কার্য্যে তাঁহাকে সাহায্য করিতে পারিবেন।

৪৪ ধারা। (১) কোন ব্যক্তি রাজধানীর ভিতরেই হউক কি বাহিরেই হউক কোন২ অপরাধের সন্ধান ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইনের সকল লোকের দিতে হইবাব **34**5, 5**2**5**क**, 5**22**, 5**2**0, 5**2**8, **১**২৪ক, ১২৫, ১২৬, ১৩°, 380, 388, 384, 384, 386, 004, 000, 008, טבי, טבי, טבט, טבא, טבי, טבי, טבי, טבי, טבי, USS, 802, US¢, 8UU, 885, 8¢0, 8¢4, ৪৫৮, ৪৫৯, ও ৪৬০ ধারামতে দণ্ডনীয় কোন অপরাধ করণের বা অন্য কোন ব্যক্তির করিবার কম্পনার কথা জানিতে পাইলে, যে মাজিক্টেট কি পোলীসের যে কর্ম-কারক সর্ব্বাপেক্ষা নিকটে থাকেন তাঁহাকে অগেণি জ্ঞানাইবেন। যদি না জ্ঞানাইবার যুক্তিসিদ্ধ কারণ ধাকে তবে সেই কারণের প্রমাণ করিবার ভার তাঁহার প্রতি বর্ত্তিবে।

(২) যে কোন কার্য্য রটিষ ভারতবর্ষে ক্বত হইলে অপরাধ হয় এই ধারার প্রয়োজনার্থ ''অপরাধ'' শব্দে ভাহাও বুঝাইবে।

৪৫ ধারা। (১) নিম্নলিখিত কোন বিষয় সম্বন্ধে কোন সন্ধান পাইলে প্রত্যেক থামের মণ্ডল, পাটও. যারি, ভূমাধিকাবী প্রভৃতির আম্য মণ্ডল, আম্য পাটওয়ারি, কোন কোন বিষয় রিপোর্ট আম্য চৌকিদার, আম্য পোলীস করিতে বাধ্য হই শর কথা। কর্মচারী, ভূমির অধিকারী বা मधीनकात এবং এইরূপ কোন অধিকারা বা দখীলকারের এজেন্ট, এবং গবর্ণমেন্ট কিম্বা কোর্ট অব ওয়ার্ডের পক্ষে ভূমির রাজস্ব বা খাজানা আদায় কার্য্যে নিযুক্ত প্রত্যেক কর্মচারিকে সর্বা**পেকা নিকট**ন্থ মাজিফ্রেট ও সর্বা পেকা নিকটন্থ পোলীস ফেশনের ভারপ্রাপ্ত কর্মচারী

(খ) কিন্তা শান্তিভক নিবারণার্থে, কি রেলওয়ে কি । এই হুই জনের মধ্যে যিনি বেশী নিকটে থাকেন তাঁছাকে অবিলম্বে সেই সন্ধান জানাইতে হইবে---

- (ক) তিনি যে প্রামের মণ্ডল, পাটওয়ারি চৌকি-দার বা পোলীস কর্মচারী, কিম্বা যে গ্রামে ভূমি অধিকার বা দখল করেন, কিম্বা এজেণ্ট থাকেন, কিম্বা রাজস্ব বা খাজানা আদায় করেন সেই গ্রামে কোন প্রসিদ্ধ চোরাদ্রব্যের গ্রাহক বা বিক্রেডার নিয়ত বা কিয়ৎকালীন বাস করা मयस्य ।
- (খ) যে ব্যক্তিকে ঠগ, দম্যু, পলায়িত কয়েদি কিম্বা ঘোষিত অপরাধী বলিয়া তিনি জানেন কিম্বা ন্যায্যরূপে সন্দেহ করেন সেই আমের মধ্যে কোন স্থানে ভাহার সক্ষা আসা সম্বন্ধে কিম্বা সেই প্রায়ের ভিতর দিয়া তাহার চলিয়া যাওয়া সম্বন্ধে।
- (গ) ধে অপরাধের নিমিত্ত হাজিরজামিন লওয়া যাইতে পারে না সেই অপরাধ কিম্বা ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ১৪৬. ১৪৪, ১৪৫, ১৪৭ কিম্বা ১৪৮ ধারা-মুসারে দণ্ডনীয় কোন তাপুরাধ সেই আমের ভিতর বা নিকটে ক্বত হওয়া সম্বন্ধে বা ক্বত হইবার অভিপ্রায় থাকা मश्रुकः ।
- (ঘ) সেই গ্রামের ভিতর বা নিকটে কোন আক-শ্মিক বা অপঘাত মৃত্যু কিন্তা সন্দেহ-জনক অবস্থায় কোন মৃত্যু ঘটা সম্বন্ধে।
- (ও) যে কার্য্য রটিষ ভারতবর্ষের ভিতর করিলে ভারতবর্যের দণ্ডবিধির আইনের নিম্ন-লিখিত ধারাগুলির মধ্যে, অর্থাৎ, ৩০২. 008, Ubt, Ubt, Ubt, Ubs, Ube, 036, 039, 035, 033, 802, 800, 804, 885, 8¢0, 8¢9, 8¢≥, 8¢2, এবং ৪৬০ এই ধারাগুলির মধ্যে কোন ধারাত্সারে দণ্ডনীয় অপারাধ হয় তাহা রুটিষ ভারতবর্ষের বাহিরে সেই গ্রামের নিকটে কোন স্থানে করা সম্বন্ধে কিছা করিবার অভিপ্রায় থাকা সম্বন্ধে।
- (চ) শৃঙ্খলা রক্ষার ব্যাঘাত হওয়া সম্ভব কিম্বা অপরাধ নিবারণের ব্যাঘাত হওয়া সম্ভব কিছা শরীর বা সম্পত্তি নিরাপদ থাকি-বার ব্যাঘাত হওয়া সম্ভব এমন যে বিষ-য়ের সন্ধান দিবার জন্য জিলার মাজি-ফ্রেট অত্যে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের মঞ্জুরি লইয়া সাধারণ বা বিশেষ ভকুমক্রমে তাঁহাকে আদেশ প্রদান করিয়াড়েন সেই বিষয় সম্বন্ধে।

- (২) এই ধারায়
  - (৴৽) 'গ্রাম' শব্দে গ্রামের জমিও বুকাইবে। এবং
  - (৴৽) যে কার্য্য রুটিষ ভারতবর্ষের ভিতর করা হইলে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের নিম্নলিখিত ধারাগুলির मरश्र, जर्शाव, ७०२, ७०८, ७४२, UDZ, UDU, UD8, UD6, UD6, 029, 026, 022, 80¢, 80¢ 804, 885. 8¢0, 8¢9, 8¢4 ৪৫৯, এবং ৪৬০ এই ধারাগুলির যধ্যে কোন ধারাত্মসারে দওনীয় হয় মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব কর্তৃক ভারত-বর্ষের কোন অংশে স্থাপিত বা রাখিয়া দেওয়া কোন আদালত বা কর্তৃপক্ষ কর্তৃক যে ব্যক্তি সেই কার্য্য সম্বন্ধে অপরাধী বলিয়া ঘোষিত হন 'বোষিত অপরাধী বলিতে সেই ব্যক্তিকেও বুঝাইবে।
- (৩) যে প্রামের নিমিত্ত অন্য কোন আইনাহসারে

  ক্রেম ধারাব প্রযোজনার্থ কোন প্রাম্য মণ্ডল নিযুক্ত করা
  কোন কোন ভলে জেলাব হয় নাই জেলার মাজিটেউট
  মাজিটেউটেব দার। প্রামেব স্থানীয় গবর্ণমেন্ট এতদর্থে যে

  নতলেব নিয়োগোব কথা।

  সকল বিধি প্রণয়ন করিবেন
  ভদধীনে এই ধারার প্রয়োজনার্থ সময়ে সময়ে সেই
  প্রামে একজন কি ডদধিক প্রাম্য মণ্ডল নিযুক্ত করিতে
  পারিবেন।

#### ৫ পঞ্চম অধ্যায়।

ধ্বতকরণ, পলায়ন ও পুনধ্বতকরণ বিষয়ক বিধি।

ক।—সাধারণতঃ ধ্রতকরণ বিষয়ক বিধি।

৪ । ধারা। (১) ধ্রভ করণ সময়ে পোলীদের কর্ম
ত্যরণে ধৃত করিতে

হইবে তাহাব কথা।

ক্ষেত্র তাহাব কথা।

ক্ষেত্র তাহাকে আটক করিয়া র'খিবেন। কিন্তু যদি

সেই ব্যক্তি কথা কি কর্মধারা আটক থাকিবার সম্মাভ

দেখায় ভবে ভাহাকে স্পর্শাদি করিবার প্রয়োজন
নাই।

(২) তাহাকে ধরিবার উদ্যোগ হইলে যদি সেই

ব্যক্তি বলক্রমে বাধা দেয় কিম্বা

দিনার কথা।

করে, তবে পোলীসের ঐ কর্মচারী কি অন্য ব্যক্তি ঐ ব্যক্তিকে ধরিবার জন্যে থাহা

আবশ্যক তাহাই করিতে পারিবেন।

(৩) যে অপরাধে প্রাণদণ্ড বা যাবজ্জীবন দ্বীপান্তর
দণ্ড হয় না সেই অপরাধে অন্তিযুক্ত কোন ব্যক্তি
হইলে এই ধারার কোন কথায় তাহার প্রাণহানি করিবার
অধিকার জন্মে না।

89 ধারা। যাহাকে ধৃত করিতে হইবে সেই ব্যক্তি
কোন স্থানে প্রবেশ করিয়াছে
যাহাকে ধরিবার চেষ্টা হয়
দে কোন স্থানে প্রবেশ
কবিবার কথা।
কবিবার কথা।
কবিবার কথা।
করিবার কথা।
করিবার কথা।
করিবার কথা।
করিবার কথা।
করিবার কথা।
করিবার কথা।
করিবার করেকান পোলীদের

কর্মচারির এমত বিশ্বাস করিবার হেন্দু থাকিলে তিনি ঐ স্থান বাসির কি রক্ষকের অন্থমতি চাহিলে, তাঁছার কর্ত্তব্য যে পূর্ব্বোক্তরপো কার্য্যকারী ঐ ব্যক্তিকে কি পোলীসের সেই কর্মচারিকে অবাধে প্রবেশ করিতে দেন ও সেই স্থানে অন্থেষণ করিতে সর্ব্বপ্রকারে যুক্তি-মত স্বিধা করিয়া দেন।

৪৮ ধারা। যদি ৪৭ ধারামতে উক্ত স্থানে প্রবেশ করিতে না পারা যায়, ওয়ারন্ট-প্ৰবেশ কৰিছে নাপাইলে ক্রমে কার্য্যকারী ব্যক্তি যে কার্যাপ্রণালীর কথা। কোন ছলে, এবং যে ছলে ওয়ারন্ট বাহির হইতে পারে কিন্ধু যে ব্যক্তিকে ধ্বত করিতে হইবে তাহাকে পালাইবার স্থযোগ না দিয়া ওয়ারন্ট প্রাপ্ত হওয়া যায় না, সেই স্থলে পোলীদের কর্ম-চারী সেই স্থানে প্রবেশ করিয়া অরেষণ করিতে পারিবেন ও অাপনার ক্ষমতা ও অভিপ্রায় জ্ঞাত করিয়া উপযুক্তমতে প্রবেশ করিবার অন্নমতি চাহিলে পর, যদি অন্য কোন প্রকারে প্রবেশ করিতে না পারেন, তবে তথায় প্রবেশ করিবার জন্যে যে ব্যক্তিকে ধরিতে হইবে সেই ব্যক্তির কি অন্য যাহার হউক ঘরের কি স্থানের সদর কি ভিতর দ্বার কি জানালা ভালিয়া খুলিয়া প্রবেশ করিতে

কিন্ত যদি উক্ত স্থান যে ব্যক্তিকে ধ্বত করিতে হইবে
তান্তের প্রারাদি
ভালিয়া খ্লিবাব কথা। অধিক্বত অন্তঃপুর হয় ও সেই
স্ত্রীলোক যদি স্বজাতীয় আচারমতে প্রকাশ্য স্থানে না যায়, উক্ত ব্যক্তি কি পোলীসের
কর্মচারা তাহাকে স্থানান্তরে যাইবার অনুমতি জানাইয়া
ও সক্ষপ্রকারে তাহার স্থানান্তরে যাইবার যুক্তিমতে
স্থবিধা করিয়া দিয়া ঐ অন্তঃপুরের দ্বারাদি ভালিয়া
তথায় প্রবেশ করিতে পারিবেন।

পারিবেন।

৪৯ ধারা। ধৃত করিবার ক্ষমতাপ্রাপ্ত কোন পোলী
্ম্ ক্রিব উদ্দেশ্যে দার ও
জানালা ভাঞ্চিয়া খ্লিতে
পাবিবাব কথা।

করিয়া তথায় আবদ্ধ হইলে
আপনাকে কি অন্য ব্যক্তিকে মুক্ত করিবার নিমিত্ত
সেই গৃহের বা স্থানের সদর কি ভিরত দার কি
জানালা ভাঞ্চিয়া খুলিতে পারিবেন।

ধারা। ধৃত ব্যক্তির পলায়ণ নিবারণের জন্য

যত দুর আবশ্যক হয় তাহাকে

অনাবশ্যকমতে বন্ধ না

তদাধিক কয় দিয়া আটক
করিবার কথা।

করিয়া রাখিতে ছইবে না
।

৫) ধারা। ষে ওয়ারকে হাজিরজামিন লইবার বিধান না থাকে পোলীলের গৃত ব্যক্তির গা তলাশের কোন কর্মচারী এমত ওয়ারক-কথা। ক্রমে কোন ব্যক্তিকে গুড করিলে কিছা ওয়ারকে হাজিরজামিন লইবার বিধান থাকিতেও গৃত ব্যক্তি তাহা দিতে না পারিলে, এবং

কোন ব্যক্তিকে ওয়ারট বিনা গ্রন্থ করা গেলে কিছা ওয়ারটক্রমে সামান্য কোন ব্যক্তি কর্ত্ব গ্রন্থ করা গেলে ও আইনমতে ভাহার হাজিরজামিন লইডে না পারা গেলে কিছা সে দিতে না পারিলে,

যে কর্মচারী ভাহাকে ধৃত করিলেন কিন্তা ভাহাকে কোন সামান্য ব্যক্তি ধৃত করিলে উক্ত সামান্য ব্যক্তি সেই ধৃত ব্যক্তিকে পোলীসের যে কর্মচারির হত্তে সমর্পণ করেন, তিনি ঐ ব্যক্তির গা তলাশা করিয়া ভাহার প্রয়োজনীয় পরিধেয় বন্ধাদি ভিন্ন ভাহার নিকট অন্য যত দ্বব্য পান ভাহা লইয়া নির্কিন্নে রাখিতে পারিবেন।

ৰং ধারা। কোন দ্বীলোকের গা তলাদী করা আবৃশ্যক হইলে, লজ্জাদীলযে প্রকাবে স্থালোকের 
গা তলাদী করিতে হইবে 
ভাচার কথা।

এই কার্য্য করিতে হইবে।

৫৩ খারা। যে কর্মচারী কি অন্য ব্যক্তি এই আইনমতে কোন ব্যক্তিকে ধ্রত
সাংঘাতিক অন্ত লইবার
করেন, ধ্রত ব্যক্তির সঙ্গে কোন
কমেতার কথা।
আক্রমণ করিবার অন্ত থাকিলে
তিনি তাহা লইতে পারিবেন এবং তদ্রপো যে যে অন্ত
লন, এই আইনের আদেশমতে তাঁহার ধ্রত ব্যক্তিকে
যে আদালতের কি কর্মচারির সম্মুখে উপস্থিত করিতে
হইবে সেই আদালতের কি কর্মচারির নিকট সেইং
আন্ত সমর্পণ করিবেন।

# খ।—ওয়ারণ্ট বিনা ধ্বত করিবার বিধি।

৫৪ ধারা। (১) পোলাসের কর্মচারী মাজিফ্রেটের যে দ্বলে পোলীস ওয়া-রুষ্ট বিনাধত করিতে পারেন পাইয়াও এইং ব্যক্তিকে ধরিতে ভাষার কথা। পারিবেন, অর্থাৎ,

প্রথম। - যে কোন ব্যক্তি ধর্ত্ব্য কোন অপরাধে
লিপ্ত হইরাছে বা যুক্তিসিদ্ধমতে যাহার
নামে তদ্রপ কোন অপরাধে লিপ্ত
থাকার নালিশ করা যায়, কিম্বা যাহার
তদ্রপ অপরাধে লিপ্ত থাকার বিশ্বাসযোগ্য সন্ধান পাওয়া যায় বা যুক্তিমত
সংশ্ব হয় ভাহাকে।

ছিতীয়। — গৃহ ভাজিয়া প্রবেশ করিবার কোন যন্ত্র আইনসিদ্ধ কারণ বিনা কোন ব্যক্তির নিকট থাকিলে ভাহাকে। আইনসিদ্ধ কারণ থাকিবার প্রমাণের ভার ঐ ব্যক্তির উপার বর্ডিবে।

তৃতীয়। — এই আইনাম্বসারে কিম্বা স্থানীয় গবর্ণ-মেন্টের আজ্ঞাক্রমে অপরাধী বলিয়া যাহার নাম খোষণা হয় তাহাকে।

চতুর্থ।—চোরা দ্রব্য বলিয়া যুক্তিমতে যে দ্রব্যের বিষয়ে সংশয় থাকিতে পারে কোন ব্যক্তির নিকটে এমত দ্রব্য পাওয়া গোলে এবং ঐ দ্রব্য সম্বন্ধে সে কোন অপরাধ করিয়াছে এরূপ যুক্তিসিদ্ধ সন্দেহ থাকিলে তাহাকে।

পঞ্চম।—কোন ব্যক্তি পোলীদের কর্মচারির কর্ত্ব্যকর্ম করণ সময়ে ভাষার বাধা জন্মাইলে
কিন্তা আইনমত হেকাজত হইতে পলাইলে কি পলাইবার উদ্যোগ করিলে,
ভাষাকে।

ষষ্ঠ।— এ এ এই মহারাণীর পশ্টন হইতে কিন্তা

যুদ্ধ জাহাজ হইতে পলাতক বলিয়া

অথবা এ এ এই মহারাণীর ভারতবর্ষী র

মেরিণ সর্বিসের লোক বলিয়া এবং

ঐ সর্বিস হইতে বেআইনীমতে অহ্নপাছত আছে বলিয়া যে ব্যক্তির বিষয়ে

যুক্তিমত সংশার ধাকে তাহাকে। এবং

সপ্তম।—যে কার্য্য রটিষ ভারতবর্ষের ভিতর করা হইলে অপরাধ বলিয়া দণ্ডনীয় হইড সে কার্য্য রটিষ ভারতবর্ষের বাহিরে কোন স্থানে ক্বত হওয়ার স্থলে যে ব্যক্তি ভাহাতে শিপ্ত হইয়াছে কিষা যে ব্যক্তির বিরুদ্ধে এরপ যুক্তিযুক্ত অভিযোগ করা হইয়াছে বা বিশ্বাসজ্ঞাক সংবাদ পাওয়া গিয়াছে বা যুক্তিসঙ্গত সন্দেহ আছে যে সে সেই কার্য্যে লিপ্ত ছিল এবং যে ব্যক্তিকে ডজন্য অপরাধী-দিগকে স্ব স্থ দেশে প্রেরণ করা বিষয়ক কোন আইনাম্সারে কিয়া পালাতক অপরাধী বিষয়ক ১৮৮১ সালের আইনা-হুসারে কিম্বা অন্য কোন রকমে রটিয ভারতবর্ষের ভিতর ধুত করা বা হাজতে রাখা যাইতে পারে ভাছাকে।

অষ্টম।—যে কোন ব্যক্তি ৫৬৫ ধারার অর্থনির্দ্দেশমন্ত পোলীসের তত্ত্বাবধানের সর্ত ভঙ্গ করে ভাহাকে।

(২) এই ধারা কলিকাতা ও বোদ্বাই নগরের পো-দ্বীসের প্রতি বর্ত্তে।

(৩) ওয়ারন্ট বিনা ধুড করণ সম্বন্ধে এই আইনের বিধান ছানার গবর্ণমেন্ট যেরূপ পরিবর্তন 'বিহিত বোধ করেন সেইরপ পরিবর্তন সহিত ছান্য পোলীসের লোক বা চেকিলার সহজে খাটিবে, ছান্যার প্রবর্গমেন্ট এইরপ আদেশ করিতে পারিবেন।

ধ্ব শ্বরা। (১) পোলীস অমণকাবী ব্যক্তি ওক্লীতি-মত দম্মগ্রন্থতিকে ধৃত করি বার কথা।

ব্যক্তিবিদগকে খ্রিতে কি ধ্রা-ইতে পারিবেন।

- (ক) যদি উক্ত ধানার সীমার মধ্যে কোন ব্যক্তিকে এরপ অবস্থায় আত্ম গোপন করিবার যত্ব করিতে দেখা যায় যাহাতে বিশ্বাস করিবার কারণ থাকে যে সে ধর্তব্য অপার্যশ্র করিবার অভিপ্রায়েই ভদ্রপ যত্ব করিতেছে; কিম্বা
- (খ) উক্ত থানার সীমার মধ্যে যে ব্যক্তির দিন-পাড়ের স্পান্ট সঙ্গতি না থাকে কিছা যে ব্যক্তি হ্বছোধমতে আপনার র্ভান্ত জানাইতে না পারে; কিছা
- (গ) যে ব্যক্তি প্রসিদ্ধ রাতিমত দহরে কি দোষভাবে পরগৃহ প্রবেশকারা কি চোর
  হয়, কিছা চোরা দ্রব্য চোরা জ্বানিয়া
  গ্রহণ করা যে ব্যক্তির অভ্যাস আছে,
  কিছা যে ব্যক্তি নিয়ত বলপূর্বক অপ
  হয়ণ করে কিছা অপহরণ করণার্থে
  নিয়ত হানির ভয় দেখায় বা দেখাইবার
  চেক্টা করে বিশ্বা প্রসিদ্ধ।
- (২) এই ধারা কশিকাতা ও বোম্বাই নগরের পোলী-দের প্রতি বর্ত্তে।

৫৬ ধারা। (১) আইনমতে যে ব্যক্তিকে ওয়ারন্ট বিনা ধৃত, করা থাইতে পারে গুরাবর্ট বিনা গুত করিবাব নিমিত্ত আপন অধীন কর্ম- অমুপস্থিতিতে সেই ব্যক্তিকে চারিকে প্রেরণ কবিলে কার্য্য- ওয়ারন্ট বিনা ধরিবার জন্যে প্রণালীয় কথা। আপনার অধীন কোন কর্ম-কর্মচারিকে আজ্ঞা করিলে, ভাঁছাকে আজ্ঞাপত্র দিবেন। যে অপরাধের নিমিত্ত যে ব্যক্তিকে ধরিতে হইবে আজ্ঞাপত্রে এইং কথা নির্দিষ্ট থাকিবে।

- (২) এই ধারা কলিকাতা ও বোম্বাই নগরের পোলীসের প্রতি বর্ত্তে।
- ৫৭ ধারা। (১) যে অপরাধ অধর্তন্য কোন ব্যক্তি

  এমত অপরাধ পোলীস কর্মনাম ধামজানাইতে অখীকার করিলে তাহার কথা।

  হইলে ও সেই ব্যক্তি ঐ কর্মচারির আদেশমতে
  আপনার নাম ও বাসস্থান জ্ঞানাইতে খীকার না
  করিলে কিন্তা যে নাম ও বাসস্থান জ্ঞানায় তাহা ঐ
  কর্মচারির মিধ্যা বলিয়া বিশ্বাস করিবার কারণ থাকিলে

  ঐ কর্মচারা, সেই ব্যক্তির নাম বা বাসস্থান নিশ্তিসতে

  জ্ঞানিবার নিমিত ভাছাকে ধ্রত করিতে পারিবেন।

- (२) ঐ ব্যক্তির প্রকৃত নাম ও বাষ্ট্রান নিশ্চিত মতে জান। গোলে যদি সে জাদেশ ইইলেই কোন মাঞ্ছি-ক্রেটের সমুখে উপ্রিছ্ড ছুইবার জন্য রটিষ ভারতবর্ষের অধিবাসী এক কি একাধিক ঠিক ও উপযুক্ত জামিনদারের সছিত নিবন্ধপত্র লিখিয়া দেয় তাহা হইলে তাহাকে ছাড়িয়া দেওয়া যাইরে।
- (৩) ধৃত করিবার দ্রায়য় ছইতে চবিবেশ ঘণ্টার মধ্যে তালার প্রকৃত নাম ও বাস্থান নিশ্চিত্যতে জানা না গেলে, কিছা সে ঐ নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিতে বা ক্লামিনানার দিতে অপারগ ছইলে. তাহাকে বিচাবাধিকার-বিশিক্ত সর্বাপেকা নিকট্ছ মাজিকেটের নিকট অবিশ্বন্থে পাঠাইতে ছইনে।

৫৮ ধারা। এই অধ্যায়মতে কোন ব্যক্তিকে ধ্রুড
করিবার ক্ষমতাপন্ন হইয়া সেই
ব্যক্তিকে ওয়ারন্ট বিনা ধরিবার
কথা।
নিমিত পোলাসের কর্মচারী
সেই ব্যক্তির পশ্চাৎ২ রুটিষ
ভারতবর্ধের যে কোন স্থানে মাইতে পারিবেন।

৫৯ ধারা। (১) ধর্ত্তব্য যে অপরাধের নিমিন্ত হাজির জামিন লওয়া যাইডে শামান্য ব্যক্তিদের ঘারা বৃত হওয়াব কথা। পারে না কোন সামান্য ব্যক্তি আপনার দৃষ্টিগোচরে কোন ব্যক্তিকে তদ্রপ অপরাধ করিতে দেখিলে তাহাকে কিন্তা অপরাধী বলিয়া যাহার নাম ঘোষণা হইয়াছে তাহাকে ধরিতে পারিবেন।

এবং অনাবশ্যক বিলম্ব না করিয়া তদ্রপ ধ্রত
ব্যক্তিকে পোলীসের কর্মরত ব্যক্তিকে গোলীসের কর্মকরিতে হইবে তাহার কথা।
বন। পোলীসের কর্মকারক
না ধাকিলে তাহাকে নিকট্ম পোলীস থানায় লইয়া
যাইবেন।

- (१) 🗳 ব্যক্তি ৫৪ ধারার বিধানের মধ্যে আইলে এরপ বিশ্বাস করিবার কারণ না থাকিলে, পোলীস কর্মচারী ভাহাকে পুনর্কার ধরিবেন।
- (৩) ঐ ব্যক্তি অধর্তব্য অপরাধ করিয়াছে এরপ বিশ্বাদ করিবার কারণ থাকিলে, এবং পোলীস কর্ম-চারির আদেশমতে সে নাম ও ধাম জানাইতে »স্বীকার করিলে কিম্বা যে নাম ও ধাম জানায় উক্ত কর্মচারী তাহা মিখা বিলিয়া বিশ্বাদ করিবার কারণ দেখিলে, ৫৭ ধারার বিধানমতে তাহাকে লইয়া কার্য্য করিবেন। সে কোন অপরাধ করিয়াছে এরপ বিশ্বাদ করিবার যথেষ্ট কারণ না থাকিলে, তাহাকে অগোণে মুক্ত

৬০ ধারা। পোলীসের কর্মচারী গুয়ারন্ট বিনা

গ্রহণ ব্যক্তিকে মাজিট্রে
টেব কিখা পোলীস থানার
আগচ্ছেব নিকটে উপস্থিত
করিবাব কথা।

না করিয়া এবং জ্ঞামিন বিষয়ে
এই আইনের বিধান মানিয়া তাঁহার নিকটে কিশ্ব

পোলীস ধানার অধ্যক্ষের নিকটে ঐ ধৃত ব্যক্তিকে লইয়া যাইবেন কি পাঠাইবেন।

৬১ ধারা। (১) মোকন্দমার তাবদ্ব্যাপার বিবেচনায়
 ত্য়ারন্ট বিনা ধৃত ব্যক্তিকে

বৃত্ত ব্যক্তিকে ২৪ ঘণ্টার যুক্তিমতে যত কালা আটক
আধিক অ ১০ কবিয়া না
করিয়া রাখা যুক্তিসলত পোলীব্যবিবাৰ কথা।

সের কোন কর্মচারী তাহা তদ-

ধিক কাল আটক করিয়া রাখিবেন না এবং ১৬৭ ধারামতে কোন মাজিক্টেটের বিশেষ আজ্ঞা না থাকিলে তাহকে চ বিশ াকীর অধিক কাল রাখিবেন না . তাহাকে যে স্থানে গ্রেক্তার করা গেল সেই স্থান হইতে মাজিক্টেটের আলালতে প্রভূতিতে যত সময় লাগে ঐ চবিশে ঘণীর মধ্যে সেই সময় ধরিতে ইইবে না।

(২) ১৮৬১ সালের ৫ আইনমতে রোলভূক্ত পোলীসের কর্মচারা কর্তৃক যে আটক রাখা হয় কেবল ভাহারই সহিত এই ধারার বিধানের সম্বন্ধ।

৬২ ধারা। পোলীস থান র কোন অধ্যক্ষের ক্ষমতাধীন স্থানে কোন ব্যক্তি।
ধত কবল বিষয়ে পোলী- ওয়ারন্ট বিনা ধরা গেলে
দেব রিপোর্ট করিবার কথা।
ও তাহার হাজিরজ্ঞমিন দিবার
অমুমতি হউক আর নাই হউক ঐ কর্মচারী জিলার
মাজিস্টেটের নিকটে কিন্তা তাঁহার আদেশমতে মহকুমার মাজিস্টেটের নিকটে কিন্তা ঐ কথার রিপোর্ট
করবিবন।

৬৩ ধারা। পোলীসের কর্মচারী কর্তৃক যে ব্যক্তি
ধৃত হইয়াছে নিজে মুচলক।
ধৃত ব্যক্তিকে চাড়িয়া কি জামিন না দিলে কিয়া
দিবাৰ কথা।
মাজিফ্টেটের বিশেষ ভাজ্ঞা না
হইলে ভাহাকে চাডিয়া দেওয়া থাইবে না।

৬৪ ধারা। মাজিফেটের দৃষ্টিগোচরে তাঁহার
বিচারাধীন স্থানের মধ্যে কোন
মাজিটেটের দৃষ্টিগোচবে যে অপরাধ করা যায়
তাহার কথা।
কিছা কোন ব্যক্তির প্রতি
অপরাধীকে ধরিবার আজ্ঞা দিতে, এবং জামিন সম্বন্ধে
এই আইনের বিধান মানিয়া াহাকে প্রহরির জিশ্মায়
সমর্পন করিতে পারিবেন।

৬৫ ধারা। কোন মাজিক্টেট যৎকালে যে অবস্থায়
যে ব্যক্তিকে ধরিবার ওয়ারন্ট
মালিট্টের খারা বা দিডে ক্ষমতাপন্ন হন, তৎকালে ও সেই অবহায় তিনি
আপন বিচারাধীন স্থানের মধ্যে সেই ব্যক্তিকে ধরিডে
বা আপনার সাক্ষাতে ধরিবার আজ্ঞা দিতে পারি
বেন।

ওও ধারা। আইনমত হেকাজত হইতে কোন ব্যক্তি পলাইলে কি ভাহাকে গলাইলে শশ্চাং শশ্চাং যাইবাব ও পুনবার ধাতে শাহিবার কথা। হাজের হেকাজত হইতে সে প্লাম কি ভাহাকে ছাড়াইয়া

দেওয়া ধার সেই ব্যক্তি তৎক্ষণাৎ ভাষার পশ্চাৎং যাইয়া রটিষ ভারতবর্ষের যে কোন স্থানে ভাষাকে পুন কার ধরিতে পারিবেন।

৬৭ ধারা। যে ব্যক্তি ৬৬ ধারামতে ধ্বত করেন তিনি ওয়ারন্টক্রমে কার্য্য না ৬৬ ধারামত ধৃতক্রবেণর প্রতি ৪৭ ও ৪৮ ও ৪৯ ধারার বিধান বিশ্বনার কথা। হইটোও ঐ ধ্বত করেণ কার্য্যের প্রতি ৪৭ ও ৪৮ ও ৪৯ ধারার বিধান বর্ত্তিবে।

# ৬ ষষ্ঠ অধ্যায়।

উপস্থিত করাইবার পর ওদানা বিষয়ক বিধি।

#### ক। -- সমনের বিধি।

৬৮ ধারা। (১) এই আইনমতে কোন আদালত ধে

সমন দেন তাহা ওই কেতা

করিয়া লি:খয়া দেওয়া ঘাইবে
ও তাহাতে উক্ত আদালতের আধিপত্যকারী কর্তৃপক্ষের
কিন্তা হাই কোর্ট সময়ে সময়ে বিণিক্রমে যন্ত্রপ আদেশ
করেন তদ্রপ অন্য কর্মচারির স্থাক্ষর ও মোহর থাকিবে।

- (২) পোদানের কর্মচারী দারা সমনজারী হইবে,
  কিন্তা ছানীয় গবর্গমেন্ট এডসমন যে জারী কাবরে
  তাহার কথা।

  কেন্তা বিধির নিয়মাধীনে, যে
  আদালভ সমন দেন সেই আদালভের কর্মচারী দারা
  কিন্তা অপার রাজকীয় কার্য্যকারকের দারা সমন জারী
  করা যাইবে।
- (৩) এই ধারা কলিকাঙা ও বোদ্বাই নগরের পোলী: র প্রতি হ'ডিবে।
- ৬৯ ধারা। (১) যে ব্যক্তির নামে সমন দেওয়া যায় সাধ্য হইলে ঐ সমনের সমন কিবপে কারী করা এক কেন্ডা নিজ্ঞ তাঁহাকে দিয়া কি দিডে চাহিয়া তাঁহান উপর জারী করা যাইবে।
- (২) যে প্রত্যেক ব্যক্তির উপর ডজ্রপে সমন জারী
  করা যায়, জারীকারক কর্মচারী
  সমলের বদীদে স্বাক্ষর
  জাদেশ করিলে ডিনি ডাছার
  রসীদ অন্য কেডার পৃষ্টে
  স্বাক্ষর করিয়া দিবেন।
- (৩) কোন কন্মপোরেট করা কোম্পানি বা কোন করপোরেট সমাজের নামে সমন জারী করিতে হইলে তাহা ঐ করপোরেশনের সেক্রেটরা, স্থানীয় কার্য্য-নির্বাহক কি অপার প্রধান কর্মচারির উপার জারী করিয়া কিছা রটিষ ভারতবর্ষে ঐ করপোরেশনের প্রধান কর্মচারির ঠিকানায়, ভাকষোগে রেজিউরী করা পাত্র িয়া জারা করা হাইতে পারিষে। গ্রৈরূপ স্থলে

ভাকের সংধারণ কার্য্যরীতি অন্থসারে যখন ঐ পত্র পত্তার্য তখনই উক্ত সমন জারী হইয়াছে বলিয়া বিবেচনা করা ঘাইবে।

৭০ ধারা। যাঁহার নামে সমন দেওয়া যায় যথাযোগ্য

সমন বাঁচার নামে দেওয়া বায় তাঁথাকে না পাওয়া গেলে ভারী কবিবার কথা। ষত্ব করিয়া ভাঁহাকে পাওয়া না গেলে, ভাঁহার পরিবারের মধ্যে বয়ঃপ্রাপ্ত যে পুরুষ কিল্লা রাজধানা নগর হইলে

যে চাকর তাঁহার সজে বাস করে তাহার নিকট ঐ
সমনের এক কেত। তাঁহাকে দিবার নিমিত্ত রাখিয়া দিয়া
ভাহা জারী করা যাইতে পারিবে। এবং তজপে যে
ব্যক্তির নিকটে ঐ সমন রাখিয়া দেওয়া যায় জারীকারক কর্মচারী আদেশ করিলে, সেই ব্যক্তি অন্য
কেতার পৃঠে উহার রসীদ স্বাক্ষর করিয়া দিবেন।

৭) ধারা। যথাযোগ্য ষত্ব করিয়াও ৬৯ ও ৭০
রদীদ না পাওয়া গেলে
কার্যপ্রণালীর কথা।

তিনি সচরাচর যে গৃহে বা বাটীতে বাস করেন সেই
গৃহের বা বাটীর কোন প্রকাশ্য স্থানে জারীকারক কর্মচারা সমনের এক কেতা লাগাইয়া দিবেন; এবং
ভাগা করিলে, ঐ সমন যথাযোগ্যরূপে জারী করা
হইয়াছে বলিয়া জ্ঞান করা যাহবে।

৭২ বারা। (১) যে ব্যক্তিকে সমন করা যায় তিনি
যদি গবর্ণমেন্টের কিছা কোন
গবর্ণমেন্টের কি বেলব্রেলপ্তয়ে কোম্পানির চলিত
ওয়ে কোম্পানির কর্মকার
কর্মে নিযুক্ত থাকেন, তবে যে
কার্মালয়ে তিনি কর্ম করেন ঐ
সমন প্রচারক আদালত সামা-

নাতঃ সেই কার্য্যালয়ের প্রধান কর্মচারির নিকট ঐ
সমনের ছই কেতা পাঠাইবেন। তাহা হইলে যাঁহার
নামে সমন হইয়াছে ঐ প্রধান কর্মচারী তাঁহার উপর
তাহা ৬৯ ধারার বিহিত প্রকারে জারা করাইবেন
এবং ঐ ধারার আদেশমত পৃষ্ঠলিপি সহিত তাহাতে
নিজে স্বাক্ষর করিয়া আদালতে কিরাইয়া দিবেন।

(২) ঐদ্ধপ আক্ষরই আপাত দৃষ্টিতে ঐ সমন যথা-রীতি জারী হইবার প্রমাণ হইবে।

৭৬ ধারা। কোন আদালত যে সমন দেন তাহা তাহার বিচরোধীন স্থানের শ্বানীয় দীমার বহিষ্ঠ বৃহিষ্ঠ কোন স্থানে জারী শ্বানে সমন ভারী করিবার করিতে অভিলাষী হইলে, যে ক্যান্তির নামে সমন দেওয়া যায়

সেই ব্যক্তি যে স্থানে বাস করে কিন্ধা থাকে আদালত তথায় তাহার উপর জারী করিবার নিমিত্ত সামান্যতঃ ঐ স্থানের কোন মাজিফেটের নিকট ঐ সমনের দোকর লিপি পাঠাইবেন। ৭৪ ধারা। (১) কোন আদালত যে সমন দেন তাহ।

তদ্ধপ স্থলেও যে ব্যক্তি সমন জারী কবেন তিনি উপস্থিত না থাকিলে সমন জাবী হইবার প্রমানেব কথা। সেই আদালতের বিচারাধীন ছানের বহিভূতি ছানে জারী করা গেলে ও যে ছলে ষেকর্ম-চারী কোন সমন জারী করেন তিনি নালিশ শুনিবার সময়ে

উপস্থিত না হইলে. সেই স্থলে, ঐ সমন জারী হইরাছে এই মর্মের আফিডেবিট কোন মাজিফেটের সমুখে করা গিয়াছে বলিয়া দৃষ্ট হইলে তাহা এবং যে ব্যক্তিকে সমন দেওয়া কি দিতে চাহা যায়, কিয়া যাহার নিকট তাহা রাখিয়া আসা যায় ৬৯ বা ৭ শারার বিধানমতে ঐ সমনের দোকরলিপি তাহার পৃষ্টলিপি সংযুক্ত হইরাছে বলিয়া দৃষ্ট হইলে ঐ দোকর লিপি প্রমাণ মধ্যে গৃহীত হইতে পারিবে; এবং যাবৎ বিপরীত প্রমাণ না পাওয়া যায় তাহাতে যাহা লিখিত থাকে যথার্থ বলিয়া জ্ঞান করা যাইবে।

( ) এই ধারার উলিখিত আফিডেবিট ঐ সমন-পত্তের দোকর লিপিতে সংযুক্ত করিয়া আদালতের নিকট ফিরিয়া পাঠান ধাইতে পারিবে।

# খ।—ধৃত করিবার ওয়ারন্ট বিষয়ক বিধি।

৭৫ ধারা। (১) এই আইনমতে কোন আদালত
যে ওয়ারন্ট দেন তাছা লিখিয়া
গত কবিবাব ওয়ারন্ট
লিখিয়াব পাঠেব কথা।
আদালতে আবিপাত্যকারী
কর্তৃপক্ষ কিম্বা মাজিস্টেটদের বেঞ্চ হইলে ঐ বেঞ্চের
কান মেম্বর স্থাক্ষর করিবেন এবং তাহাতে আদালতের
মোহর দেওয়া যাইবে।

(২) তদ্রূপ যে ওয়ারন্ট বাহির হয় তাহা যে আদাশত ঐ ওয়ারন্ট দেন সেই আদা
শত কবিবাব ওয়ারন্ট লত যত দিন রহিত না করেন,
কিন্তা তদত্সারে যত দিন কর্ম
শাধন হয়, তত দিন প্রবল থাকিবে।

৭৬ ধারা। (১) কোন সাদালত কোন ব্যক্তিকে ধরিবার ওয়ারন্ট দিলে, যে কর্ম-আদালত যে স্থলে চারির নামে ওয়ারন্ট দেওয়া হাজিরজামিন শুটবাব আজ্ঞা যায় ঐ ওয়ারণ্টের পৃষ্টে লিখিয়া **ক**াবতে পারেন তাহার তাঁহার প্রতি স্থায় বিবেচনা-4411 মতে এ₹ আদেশ করিতে পারিবেন যে উক্ত ব্যক্তি নির্দ্দিষ্ট সময়ে ও তৎপরে আদালতের ভিন্নরপ আজ্ঞা না পাওয়া পর্য্যস্ত ঐ আদা-লভের সন্মূপে উপস্থিত হইবার উপযুক্ত জামিন-সহ নিবন্ধপত লিখিয়া দিলে সেই জামিন লইয়া ঐ ব্যক্তিকে হেফাজত হইতে ছাড়িয়া দিবেন।

- (২) (ক) যত জন জামিন দিতে হইবে,
  - (খ) তাছারা ও ফাছাকে ধরিবার জন্য ওয়ারক দেওয়া যায় সেই ব্যক্তি বত টাকা তাইনের বন্ধ ছইবে ও

- (গ) আদাদতের সন্মুখে যে সময়ে উপস্থিত ছইতে হইবে এই সকল কথা ঐ পৃষ্ঠ-লিপিতে লেখা ঘাইবে।
- (৩) এই ধারামতে জ্ঞামিত্র লওয়া গেলে, যে কর্মচারির নামে ওয়ারন্ট দেওয়া
  নিষদ্ধত পঠাইনার
  হয়া ডিনি উক্ত আদালতের
  নিষ্ট ঐ নিবন্ধপত্র পাঠাইয়া

मद्बा

৭৭ খারা। (১) খৃত করিবার ওয়ারন্ট সচরাচর এক
কি একাধিক পোলীদের কর্ম
ফালনে নামে ওয়াবন্ট
চারির নামে লিখিয়া দেওয়া
ফাইবে এবং প্রেসিডেস্টা মাজিকেট ওয়ারন্ট বাহির করিলে ভাহা সক্রদাই ভদ্রপে
দেওয়া ফাইবে। কিন্তু ভরায় জারা করা আবশ্যক
হইলে ও ভৎকালে পোলাসের কর্মচারিকে পাঠান
ফাইতে না পারিলে অয়া যে আদানত ভাহা প্রচার
করেম সেই আদালত অয়া কোন ব্যক্তির কি ব্যক্তিগণের
নামে ভাহা লিখিয়া দিতে পারিখেন, এবং উক্ত ব্যক্তি
কি ব্যক্তিগণ ভাহা সাধন করিবেন।

(২) ওয়ারন্ট অনেক কর্মচারির কি ব্যক্তির নামে
আনেক লোককে ওয়াবন্ট
দিবার কথা।
এক কি অধিক জ্ঞানের দ্বারা
থ ওয়ারন্ট জ্ঞারী হইতে পারিবে।

পদ ধারা। (১)কোন পালাজক বন্দীকে কিন্তা যে অপ-বাধীর নিষম্মে ঘোষণাপত্তি প্রচার ভূমাধিকারী প্রভৃতির নামে শুমাধিকারী প্রভৃতির নামে শুমাধিকারী প্রভৃতির নামে শুমাধিকার ক্রিমা দিতে পার্বিবার ক্রিমান জ্যামিন ক্রপ্রায়াইতে পারে

না কোন ব্যক্তির নামে এমত অপরাধের অভিযোগ হইলে তাহাকে ধরিবার নানা উদ্যোগ হইলেও ধরা যাইতে না পারিলে জিলার মাজিস্টেট সাহেব কিম্বা মহকুমার মাজিস্টেট আপন জিলার বা মহকুমার জন্তর্গত কোন ভূম্যধিকারী কি ভূমির ইজারদারের কি কার্যা-ধ্যক্ষের নামে তাহাকে ধরিবার ওয়ারন্ট লিখিয়াদিতে পারিবেম।

- (২) ঐ ভূম্যধিকারী কি ইজারদার কি কার্য্যাধ্যক মেই ওয়ারন্ট পাইবার রসিদ লিখিয়া দিবেন ও যে ব্যক্তিকে ধরিবার নিমিন্ত ভাষা বাহির হয় সেই ব্যক্তি ভাষার মহালে কি ইজারায় কি ভাষার ভন্তাধীন ভূমিতে থাকিলে কি ভাইলে সেই ওয়ারন্ট জারী করিবেন।
- (৩) ঐ ওয়ারন্ট যে ব্যক্তির নামে বাহির হয় ভাহাকে ধরা গেলে ওয়ারন্ট সহিত ভাহাকে পোলী-সের নিকটন্থ কর্মচারির হল্ডে সমর্পণ রুরা মাইবে আর ৭৬ ধারামতে হাজিরজ্ঞামিন লওয়া না গেলে পোলী-সের সেই কর্মচারী মোকজ্মার বিচার করিবার ক্ষমতা-পদ্ম মাজিট্রেটের নিক্ট ঐ ব্যক্তিকে চালান করিবেন।

৭৯ ধারা। পোলীবেসর কোন কর্মচারির নামে ওয়ারন্ট লিখিয়া দেওয়া গেলে
গোলীবেস কর্মচারিকে যে
ওয়ারত দেওয়া ঘায় তাহার
কথা।

কথা।

কথা পৃষ্ঠলিশিক্রমে ভাহার
দেওয়া গেলে সেই কর্মচারী
ঐ ওয়ারতের পৃষ্ঠে পোলাসের অন্য কর্মচারির নাম লিখিয়া দিলে ভাহার ছারা
ঐ ওয়ারত জারী করা যাহতে পারিবে।

৮০ ধারা। পোলাসের কর্মচারী কি অন্য বে ব্যক্তি ধৃত করিবার ওয়ারকী ভ্যাবটের মর্ম জাত- জারী করেন, যাহাকে ধরিতে করিবার কথা। হংবে তাহার নিকটে তিনি ঐ ওয়ারন্টের মর্ম জানাইবেন ও সেই ওয়ারন্ট দেখাইতে বলিলে দেখাইবেন।

৮১ ধারা। পোলাসের যে কর্মচারা কিন্তা অন্য যে ব্যক্তি ওয়ারন্ট জারী করেন ব্যক্তি ওয়ারন্ট জারী করেন ব্যক্তি ওয়ারন্ট জারী করেন কালতের সম্ব্রে আনে ব্যক্তিকে যে আদালতের সম্মূখে তাঁহার উপস্থিত করা ইতে হুইবে জামিন সম্বন্ধ ৭৬ ধারার বিধান মানিয়া অনাবশ্যক বিদম্ব না করিয়া ্তিনি তাহাকে সেই আদালতের সাম্মুধে আনিবেন।

৬২ ধারা । ধ্বত করিবার তথ্যবন্দ হৈ আহাব কথা।

হইতে পানিবে তাহাব কথা।

মধ্যে মে কোন স্থানে জারী করা যাইতে পারিবে।

৮৩ ং রো। (১) যে আদালত ওয়ারন্ট দেন
সেই আদালতের বিচারাধীন
বিচাৰাধীন স্থানেব বহিভূতি কালে জানী করণার্থে
মাজিরের তের মিকট ওয়ারন্ট জারী করিতে হইলে, উক্ত
পাঠাইবার কথা।
সের কোন কর্মচারিকে না

দিয়া যে মাজিফ্রেটের কি পোলীসের কমিশনর বা ডিট্রিক্ট স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট সাহেবের বিচারাধীন স্থানে ভাছা জারী করিতে হইবে তাঁহার নিকটে ভাকথোগে কি অন্য-রূপে তাহা পাঠাইয়া দিতে পারিবেন।

- (২) যে মাজিফেট কি কমিশনর কি ডিষ্ট্রিট্ট স্থপারি-কেডেক সাহেবের নিকট উক্ত ওয়ারত ডজেপে পাঠান যায়, তিনি তাহার পৃট্টে আপন নাম লিখিয়া দিয়া সাধ্য হইলে আপন বিচারাধীন স্থানের মধ্যে তাহা ইহার পূর্কেসে প্রকারের বিধান হইল সেই প্রকারে জারী করাইবেন।
- (৩) এই ধারা ক্**লি**কাতা ও বোদ্বাই নগরের পোলী-দের প্রতি বর্জে।

৮৪ ধারা (১) যে আদালত ওয়ারন্ট দেন সেই
আদালতের বিচারাধীন স্থানের
এলাকাব বহিত্ত স্থানে
ভারী কবণার্থ পোলীসের
কর্মচানরকে ওয়ারন্ট দিবার
কথা।

তারিকে তাহা দেওয়া গেলে
যাহার বিচারাধীন স্থানের মধ্যে

জারী করিতে হইবে উক্ত কর্মচারী সামান্যতঃ সেই

মাজিটেটের নিকট কিছা থানার অধ্যক্ষতা ভারপ্রপ্র কর্ম-চারির অন্যুন পদস্থ পোলীসের কেন কর্ম চারির নিকট পৃষ্ঠলিপি করিয়া দিবার নিমিক্ত ভাহা লইয়া যাইবেন!

- (২) ঐ মাজিটেট কিছা পোলীদের ঐ কর্মচারী ওয়ারতের পৃষ্টে আপন নাম লিখিবেন তাহা হইলে পোলীদের যে কর্মচারিকে ঐ ওয়ারত দেওয়া যায় তাঁহার পক্ষে ঐ পৃষ্টলিপিই সেই সীমার মধ্যে ঐ ওয়াবত জারী করিবার প্রভৃত ক্ষমতা হইবে, ও আদিষ্ট হইলে ঐ ওয়ারত জারী করকার বিবান গ্রহণকার্য্যে ওৎস্থানের পোলাস ঐ কর্মচারির সহকারিতা করিবেন ৷
- (৩) ওয়ারন্ট যে মাজিয়েটের কিন্বা শোলীদের কর্মচারির বিচারাধীন স্থানের মধ্যে জারা করিতে হহবে তাঁহার পৃষ্ঠলিপি করাইতে হইলে বিলম্ব সম্ভাবনা হেত্ক ঐ ওয়ারন্ট জারী করিতে পারা যাইবে না এমত বিশ্বাস করিবার কারণ থাকিলে, শোলীসের যে কর্ম-চানিকে ওয়ারন্ট দেওয়া যায় তিনি উক্ত প্রকারের পৃষ্ঠলিপি ব্যতীত যে আদালত ওয়ারন্ট দিলেন সেই আদালতের বিচারাধীন স্থানের বহিত্তি কোন স্থানে তাহা জারী করিতে পারিবেন।
- (৪, এই ধারা কলিকাতা ও বোদ্বাই নগরের পোলা-সের প্রতি বর্ত্তে।

৮৫ ধারা। (১) ধরিবার ওয়ারন্ট যে জিলায় বাহির
হয় সেই জিলার বহি ভূ তি সানে
যাহার নামে ওয়াবন্ট জারী করা গোলে, যে আদালত
বাহির হয় তাহাকে ধর।
গোলে পর যাহা কবিতে
হুইবে তাহার কথা।
ধরিবার স্থানের বিশ মাইলের
মধ্যে না থাকিলে কিলা যাহার

বিচারাধীন স্থানে ধৃত করা গেলে েই মাজিফ্রেট কি পোলীসের কমিশনর বা ডিখ্রিক্ট স্থপারিক্টেণ্ডেন্ট সাহেব অপেক্ষা নিকটে না থাকিলে কিম্বা ৭৬ ধার:মতে হাজিরজামিন না লওয়া গেলে উক্ত মাজিফ্টেট কি কমিশনর বা ডিফ্রিক্ট স্থপারিকেন্ডেন্ট সাহেবের নিকট ধৃত ব্যক্তিকে আনিতে হইবে।

( २) এই ধারা কলিকাতা ও বোষ;ই নগরের পে₁লীসের প্রতি বর্তে।

৮৬ ধারা। (১) যে আদালত ওয়ারত দেন ঐ ধ্বত ব্যক্তি সেই আদালতের লক্ষিত গত ব্যক্তিকে যে মাজি-ট্রেটের নিকট জানা যায ভাগা কর্ত্তেশ্য কথা।
ক্রিটের কথা।
ক্রিটের কথা।
ক্রিটের কথা।
ক্রিটের কথা।
ক্রিটের কথা।
ক্রিটের সাহের ভাগাকে

পেয়াদার জিম্মায় দিয়া উক্ত আদালতে পাঠাইবার আদেশ করিবেন।

কিন্তু ঐ শপরাধের নিমিত হাজিরজামিন লওয়া ঘাইতে পাগ্নিলে ও গ্নত ব্যক্তি উক্ত মাজিফেট বা কমিশনর বা ভিট্রিক্ট স্থপারিটেণ্ডেণ্ট সাহেবের সন্তেখ-জনক জামিন দিতে চাহিলে, ও প্রস্তুত থাকিলে কিয়া ৭৬ ধারামতে ওয়ারন্টের পৃষ্টে আদেশ লেখা গেলে ও ঐ ব্যক্তি ডক্ত আদেশমতে প্রতিভূদিতে চাহিলে ও প্রস্তুত থাকিলে, উক্ত মাজিফ্টেট কি কমিশনর বা ডিফ্টিক্ট স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট সাহেব জ্বামিন বা স্থল বিশেষে প্রতিভূ লইয়া সেই জ্বামিনা বা প্রতিভূপত্র যে আদালত ওয়ারন্ট দিয়াছেন সেই আদালতে পাঠা÷য়া দিবেন।

(২। পোলীদের কোন কর্মচারী ৭৬ ধার।মতে যে প্রতিভূ লইতে পারেন এই ধারার কোন কথাক্রমে তাহার কোন বাধা হইল বলিয়া জ্ঞান করিতে হইবে না।

(৩) এই ধারা কলিকাতা ও বোম্বাই নগরের পোলীদের প্রতি বর্জে।

গ।—ঘোষণাপত্র ও ক্রোক করণ বিষয়ক বিধি।

৮৭ ধারা। (১) সাক্ষা লইয়াই হউক বা না লইয়াই
হউক, যে ব্যক্তির নামে কোন
শলতিক ব্যক্তির নিমেন্ত
আদালত ওয়ারন্ট বাহির
ঘোষণার কথা।
করিয়াছেন, তাহার উপর
ওয়ারন্ট জারী না হয় এই নিমিন্ত সে পালায়ন করিয়াছে কি গোপনে আছে উক্ত আদালত এইরূপ বিশ্বাস
করিবার কারণ দেখিলে দোষণাপত্র প্রচার করিবেন।
ভাহাতে সেই ব্যক্তির প্রতি নিদিন্ট স্থানে ও ঘোষণাপত্র
প্রচারের তারিশ অবধি ত্রিশ দিনের অম্যুন নির্মপিত

(२) **এ ঘোষণাপত্র নিদ্রলিখিতমতে** প্রচার করা যাইবে।

কোন সময়ে উপস্থিত হুইবার আদেশ থাকিবে।

- (ক) উক্ত ব্যক্তি সচরাচর যে নগরে কি আমে বাস করিয়া থাকে ঐ ঘোষণাপত্র সেই নগরের কি আমের কোন প্রকাশ স্থানে প্রকাশ্যরূপে পাঠ করা যাইবে।
- (খ) সে ব্যক্তি সচারাচর যে গৃহে বা বসত-বাটীতে থাকে ভাহার কিল্পা ঐ নগরের কি গ্রামের কোন প্রকাশ স্থানে ঐ পত্র লাগাইয়া দেওয়া যাইবে, ও
- (গ) সেই ঘোষণাপত্তের প্রতিলিপি আদালত ঘরের কোন প্রকাশ স্থানে লাগাইয়া দেওয়া ঘাইবে।
- (৩) নিন্দিষ্ট দিনে নিয়মিতরূপে ঘোষণা করা গিয়াছে ঘোষণাপত্ত প্রচারকারী আদালতের এই মর্ফের লিখিত উক্তি এই ধারার আদেশ পালন হইবার ও নিন্দিত্ত দিনে ঘোষণাপত্র প্রচারিত হইবার সিদ্ধান্ত প্রমাণ হইবে।

৮৮ ধারা। (১) আদালত ৮৭ ধারামত ঘোষণাপত্র পল তক ব্যক্তিব সম্পতি কোক ক্রেব্যের কথা। অস্তাবর কি উভয় প্রকারের

কোন সম্পত্তি ক্রোক করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

(২) যে জিল'য় উক্ত আজ্ঞা করা ধায়সেই জিলার

মধ্যে উক্ত ব্যক্তির যে সম্পত্তি থাকে ঐ আজ্ঞাক্রমে

সেহ সম্পত্তি ক্রোক করিবার অন্নমতি হইবে; এবং ঐ

জিলার বহিভূতি যে জিলায় ঐ বাজির সম্পত্তি থাকে

সেই জিলার মাজিক্টেট সাহেব কিশ্বা রাজধানীর প্রধান

মাজিকেট সাহেব ঐ আজাপ:ত্র পৃষ্ঠলিশি লিখিরা দিলে তাঁহার জিলার মধ্যে উক্ত ব্যক্তির যে সম্পত্তি থাকে ঐ আজাক্রমে দেই সম্পত্তিরও ক্রোক করিবার অস্নমতি হইবে,

- (৩) যদি ঋণ বা অন্য অস্থাবর সম্পত্তি ক্রোক করি-বার আজ্ঞা হয় ভবে আদালত যেমন উচিত বোধ করেন তদমুসারে,
  - (ক) আটক করণ দ্বারা, কিন্বা
  - (খ) আহক নিযুক্ত করণ দ্বারা, কিন্তা
  - (গ) ঘোষিত ব্যক্তিকে বা তাঁহার পক্ষে কোন ব্যক্তিকে উক্ত সম্পত্তি সমর্পণ নিষেধ-সূচক লিখিত আজ্ঞা দ্বারা, কিদ্বা
  - (য়) উপরিশিশিত সমুদয় বা কোন হইটি উপায় য়ারা,

এই ধারামতে ক্রোক করা ঘাইবে।

- (৪) যদি স্থাবর সম্পত্তি ক্রোক করিবার আজ্ঞা হয় ভাহা গবর্ণমেন্টের মালগুজারী ভূমি হইলে যে জিলায় ভূমি থাকে সেই জিলার কালেক্টর সাহেবের দারা এই ধারামতে ক্রোক করা যাইবে, অন্য স্থলে আদালত যেমম উচিত বোধ করেন তদমুসারে
  - (ও) দখল করণ ছারা, কিয়া
  - (চ) আহক নিযুক্ত করণ ছারা কিন্না
  - (ছ) ঘোষিত ব্যক্তিকে কিন্তা তাঁছার পক্ষায় কোন ব্যক্তিকে খাজানা দেওয়া বা সম্পত্তি সমর্পন করা সম্বন্ধে নিষেধসূচক লিখিত আজ্ঞা দ্বারা কিন্তা
  - (জ) এইং উপায়ের মধ্যে সমূদয় কি কোন গুইটী দ্বারা, এই ধারামতে ক্রোক করা যাইবে।
- (৫) যে সম্পত্তি ক্রোক করিবার আজ্ঞা হয় তাহা যদি জীবস্ত পশু পক্ষ্যাদি কি নফ হইতে পারে এরপ সম্পত্তি হয় তাহা হইলে আদালত বিহিত বোধ করিলে তাহা অবিলয়ে বিক্রয় করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন এবং ঐরপ ছলে ঐ বিক্রবোৎপার টাকা আদালতের আজ্ঞার অপেক্রায় থাকিবে।
- (৬) এই ধারামতে যে গ্রাহক নিযুক্ত হন, তাঁহার ক্ষণতা কর্ত্তব্য ও দায় দেওয়ানী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইনের ৬৬ অধ্যায়মতে নিযুক্ত গ্রাহকের ক্ষমতাদির তুল্য হইবে।
- (৭) যে ব্যক্তির নামে গোষণাপত্র হয় দেই ব্যক্তি গোষণাপত্রের নির্দিষ্ট সমহের মধ্যে উপস্থিত না হইলে, ঐ ক্রোক করা সম্পত্তি গবর্গমেন্টের স্বেচ্ছাধীন থাকিবে, কিন্তু ক্রোক করিবার তারিখ অবধি ৬ মাস না গেলে বিক্রয় করা ঘাইবে না। পরস্তু ঐ সম্পত্তি স্বন্দাবতঃ আশু ক্লয়শীল হইলে কিন্তা বিক্রয় করা গেলে স্বামীর লাভ হইবার সন্তাবনা আদালতের এমত বিবেচনা হহলে আদালত যখন উচিত বোধ করেন তখনই উহা বিক্রয় করাইতে পারিবেন
- (৮) যে সম্পত্তি ক্রোক করিবার আ্তরা হয় যদি কোন তৃতীয় ব্যক্তি ভাহা কি তাহার কোন অংশ

দাওয়া করেন ভাষা ছইলে আদালত দেওয়ানী যেকিদ্যার কার্যাপ্রণালী বিষয়ক আইনের ২৭৮ ধারাজ্ঞে যে প্রকারের বিধান ছইয়াছে সেই প্রকারে দখলের বিষয় অনুসন্ধান ও নিরপণ করিতে পারিবেন।

৮৯ ধারা। ৮৮ ধারার (৭) প্রকরণমতে যে ব্যক্তির সম্পত্তি গবর্গমেন্টের ক্ষেদ্রাধীনে ক্রোক্তর সম্পত্তি ফিবিয়া দিনা কথা।

ক্রোক্ত হটবার পর গুই বৎসরের

মধ্যে ক্ষেত্রাপ্রকাক উপস্থিত হইলে কিন্তা যে আদালভের আজ্ঞাক্রমে সম্পত্তি ক্রোক করা সিয়াছিল ধৃত হইরা সেই আদালভের সমূর্যে আনাত হইলে. এবং ওয়ারক্ট জারী এড়াইবার জন্যে সে পলায়ন করে নাই ও গোপনে থাকে নাই এবং ঘোষণাপত্রের নির্দ্ধিন্ট সময়ের মধ্যে উপস্থিত হইতে পারে ঘোষণাপত্র প্রচারের এরপ নোটিস পায় নাই সেই আদালভের প্রঘোধমতে এই কথার প্রমাণ করিলে, ঐ সম্পত্তি কিন্তা যদি পুর্বের বিক্রম হইয়া থাকে ভবে বিক্রমেণ্ডিম্ব নিট টাকা কিন্তা সম্পত্তির অংশমত্তি বিক্রম হইয়া থাকে ভবে বিক্রমেণ্ডিম্ব নিট টাকা কিন্তা সম্পত্তির অংশমত্তি বিক্রম হইয়া থাকিলে বিক্রমেণ্ডেম্ব নিট টাকা ও অবশিষ্ট সম্পত্তি ক্রোকজনিত সমুদ্ম খরচতাহা হইতে পারিশোধ করিয়া লইবার পার যাহাকে দেওয়া যাইবে।

য।-পরওয়ানা সংক্রাস্ত অন্যান্য বিধি।

৯০ ধারা। কোন আদালত জুরর বা আসেসর ভিম্ন কোন ব্যক্তিকে উপস্থিত সমনেব পরিবর্তে কি করাইবার নিমিন্ত এই আইন-তদ্যাবন্ট দিবার কথা।
হইলে নিম্নলিখিত স্থলে হেড়

লিপিবদ্ধ করিয়া তাহাকে ধরিবার নিমিত্ত ওয়ারকী দিতে পারিবেন —

- (ক) যদি সমন দিবার পুর্বেষ কিন্তা সমন দিবার পর কিন্তু উক্ত ব্যক্তির উপস্থিত হইবার নির্দ্দিষ্ট সময়ের পুর্বেষ, আদালত এরপ বিশ্বাস করিবার কারণ দেখেন যে সে পলায়ন করিয়াছে কিন্তা সমন মান্য . করিবে না; কিন্তা
- (খ) যদি উক্ত নিৰ্দ্ধিষ্ট সময়ে সে উপস্থিত না হয়
  এবং ইহা প্ৰমাণ করা যায় যে, সমন যে
  সময়ে নিয়মিত রূপো জারা করা হয়
  তাহাতে সে তদল্লসারে উপস্থিত হহতে
  পারিত ও তাহার উপস্থিত না হইবার
  যুক্তিসিদ্ধ কারণ দর্শান না যায়।

১১ ধারা। কোন আদালতে আধিপত্যকারী কর্তৃপক্ষ যে ব ক্তিকে উপস্থিত
উপদ্বিত চুট্নার নিবন্ধ
পার লইবার ক্ষমতার কথা।

শার হন, সেই ব্যক্তি এউক্ত আদালতে উপস্থিত থাকিলে
উক্ত কর্ত্বপক্ষ তাহাকে জামন্সহ কি জামন,বিনা উক্ত
আদালতে উপস্থিত হইবার নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার
আদেশ করিতে পারিবেন।

৯২ খারা। কোন ব্যক্তি এই আইনমতে গৃহীত নিবন্ধপাঞ্জকে কোন আদালতে উপস্থিত হ বাব দিবদ উপস্থিত প্রস্কৃতিক বন্ধ ভইয়া তৎক্রমে

ডপান্থত হ ববি মিনন্ধ পত্রের নিয়ম ডল কইলে, মুড করণেব কথা। উপস্থিত হইতে বন্ধ হইয়াতংক্রমে উপস্থিত মা হইসে, উক্ত আদা-দতে আধিপত্যকারী কর্তৃপক্ষ

উক্ত ব্যক্তিকে ধরিয়া আপনার সন্মুখে উপস্থিত করিবার আদেশ দিয়া ওয়ারন্ট বাহির করিতে পারিবেন।

৯৩ ধারা। এই অধ্যায়ে সমন ও ওয়ারন্ট এবং
সমনের ও ওয়ারন্টের বাহির
এই অধ্যায়ের বিধানগুলি করে। ও জারীকরে। ও সাধ্রন
সাধারণতঃ সমনের প্রতি
ধরিবার কথা।
তিৎসমুদয়, যতদূর সম্ভব, এই
আইনমত প্রত্যেক সমনের ও

প্রত্যেক ধৃত করিবার ওয়ারন্টের প্রতি বর্ত্তিবে।

# ৭ সপ্তম অধ্যায়।

দলীল ও অন্যান্য অস্থাবর সম্পত্তি বলপুর্বেক উপস্থিত করাইবার এবং অন্যায়মতে অবরুদ্ধ ব্যক্তির সন্ধান দিবার পরওয়ানা বিষয়ক বিধি।

ক।—উপস্থিত করাইবার সমন বিষয়ক বিধি।

৯৪ ধারা। (১) কোন আদালত কিন্তা কলিকাতা ও বোদ্বাই নগরের সীমার বহিঃস্থ

দলীল কি জনা জব্য কোন স্থানে পোলীস থানার উপস্থিত কবাইবাব সমনের অধ্যক্ষ ঐ আদালত কি কর্ম-কথ, ৷

চারির দ্বারা কি তাঁ,হার সম্মুখে

এই আইনমত কোন অনুসন্ধান কি তদন্ত কি বিচার কি
অন্য কায়ের অনুষ্ঠান নিমিত্ত কোন দলাল কি অন্য দ্রব্য
উপস্থিত করা আবশক কি বাঞ্চনীয় বোধ করিলে, ঐ
দলাল কি দ্রব্য যে ব্যক্তির অধিকারে কি ক্ষমতায়
আছে বলিয়া বিশ্বাস হয় ঐ আদালত ভাহার নামে
সমন দিয়া কিছা ঐ কর্মচারা লিখিত আজ্ঞা দিয়া ভাহাকে
ঐ সমনেশ্ব বা আজ্ঞার লিখিত সময়ে ও স্থানে উপস্থিত
হইয়া বা না হইয়া ঐ দলীল কি দ্রব্য উপস্থিত
কি তে আজ্ঞা করিবেন।

- (২) এই ধারামতে যে ব্যক্তির প্রতি কেবল দলীল বা অন্য দ্রব্য উপস্থিত করিবার আজ্ঞা হয় তিনি ভাঙা উপস্থিত করিবার নিমিত্ত স্বয়ং উপস্থিত না হইয়া ঐ দলীল বা দ্রব্য উপস্থিত করাইলেই আদেশ পালন করিয়াছেন বলিয়া জ্ঞান করা যাইবে। .
- (৬) এই ধারার কোন কথাক্রমে ভারওবর্ষীয় সাক্ষ্য বিষয়ক ১৮৭২ সালের আইনের ১২৬ ও ১২৪ ধালার কোন ব্যক্তিক্রম হইস বলিয়া, কিম্বা ডাক কেটেলিগ্রাক্ষ বিজ্ঞাকের কর্তৃপ কর হল্তে যে পত্র কি পোষ্ট কার্ড কি তাভিত বার্ডা কি অন্য দলীল বা দ্রব্য থাকে, তৎপ্রতি এই ধারার বোন কথা বর্তিল বলিয়া জ্ঞান করিতে হউলে না।

৯৫ ধারা। (১) ভাক কি টেলিপ্রাক্ষ বিশুগের কর্ত্বপক্ষের হস্তে যে দলীল কি শত্র ও তাড়িত বার্ডা সমক্ষে পর্যপ্রথালীর কথা।
মাজিস্টেট কি প্রধান প্রেসি-ভেন্সী মাজিস্টেট কি হাই কোট কি সেশন আদালভের মতে এই আইনমত কোম অম্পন্ধান কিয়া ভদস্ত কি

বিচার কি ভুনা কার্যান ক্রেটা কি সেশন আদালতের মতে এই আইনমত কোম অনুসন্ধান কিন্না তদস্ত কি বিচার কি ভুনা কার্যাের অনুসান নিমিন্ত তাহার প্রায়োলন হইলে উক্ত মাজিক্টেট কি আদালত উক্ত দলীল কি পুলিক্ষা কি দ্রব্য ঐ মাজিক্টেট কি আদালঙের আদেশযত ব্যক্তিকে দিবার জন্য উক্ত ডাক কি স্থলভেদেটে লগ্রাফ বিভাগের কর্তৃপক্ষের প্রতি আজ্ঞা করিছে পারিবেন।

২) তদ্রপ কোন কার্য্যের জন্য তদ্রপ কোন দললৈর কি পুলিন্দার কি দ্রব্যের প্রয়োজন আছে অন্য কোন মাজিফেট কিম্বা কে ন পুলীদের কমিশনর কিম্বা পোল দের ডিফ্রিক্ট মুপারিন্টেণ্ডেন্ট সাহেবের এরূপ মত হইলে তিনি ডাক বা হুলছেদে টেলিগ্রাফ বিভাগের প্রাত উক্ত জিলার মাজিফেট কি প্রধান প্রেসিডেন্দা মাজিফেট সাহেবের কি আদালতের জাজ্ঞা পাইবার অপেক্ষায় ঐ দলালের সন্ধান লইয়া ভাহা জাটক করিয়া রাখিবার জাদেশ দিতে পারিবেন।

## খ।--ভলাশী পর ওয়ানা বিষয়ক বিধি।

৯৬ ধারা। (১) যে ব্যক্তির প্রতি ৯৪ থারামত
সমন কি আজ্ঞাপত্ত কি ৯৫
তলাশী পবও্যানা যে
শ্বনে বাহির হুইতে পাবে
তাহার কথা।
যাইতে পারিত সে ও সমন
প্রভৃতির আদেশমতে দলাল কি অন্য ত্রব্য আনিয়া
দেখাইবে না কি শ্বোইত না কেন্দ্র আদালতের এমড

কিম্বা উক্ত দলীল কি তন্য দ্রব্য কাহার অধিকারে ভাছে, ঐ আদালতের জানা ন। থাকিলে,

বিশ্বাস করিবার কারণ থাকিসে

কিম্বা সাধারণমতে অন্নেষণ করিলে কিম্বা দেখিলে এই আইনমত তদন্তের কি বিচারের কি অন্য কায্যা-মুষ্ঠানের উদ্দেশ্য সিদ্ধ হইবে, ঐ আদালত এরপ বিবে-চনা করিলে,

ছলাশী পরওয়ানা দিতে পারিবেন; এবং যে ব্যক্তির প্রতি ঐ পরওয়ানামতে কর্ম করিবার ভার অর্পিত হয়, তিনি ভদম্সারে ও পশ্চাল্লিখিড বিধান অমুসারে অন্থেষণ করিতে বা দেখিয়া লইতে পারিবেন।

(২) যে দলীল কি পুলিন্দা কি জন্য দ্রব্য ডাক ঘরের কি টেলিপ্রাকের কর্তৃপক্ষের জিম্মায় থাকে জিলার মাজিট্রেট কিম্বা প্রধান প্রেসিডেন্সী মাজিট্রেট ভিন্ন কোন মাজিট্রেট এই ধারার কোন কথার বলে সেই দলীলের কি পুলিন্দার কি অন্য দ্রব্যের ভলালী পর-গুরানা দিতে ক্ষডাপন্ন হইবেন না। ৯৭ ধারা। যে ছান কিছা তাহার যে অংশ ভিন্ন
শবও্যানায় দান নির্দেশ
কবিতে পাবিবার কথা।
বিহিত বোধ করিলে সেই পরওয়ানায় সেই ছানটি নিন্দিষ্ট করিতে পারিবেন।
তাহা হইলে যে ব্যক্তির প্রতি ঐ পরওয়ানামতে কায্য
করিবার ভার অপিতি হয় তিনি ওজ্রপ নিন্দিষ্ট ছান
কি ভদংশ ভিন্ন অন্য ছানে খু জিবেন কি দেখিবেন না।

যে গৃহাদিতে চোৰা এব্য কি কৃত্ৰিম দলীলাদি থাকা অসুমান ২য় ভাহাতে অস্থে-ৰণ কবিধার কথা।

৯৮ ধারা। (১) কোন স্থান চোরা দ্রব্য রাখিবার কি বিক্রয় করিবার স্থান স্বরূপ ব্যবহার হুইয়া থাকে,

কিছা জাল করা দলাল কিছা ক্রিম যোহন, কিছা ক্রিম ইফাম্প বা মুদ্রা, কিছা মুদ্রা বা ইফাম্প ক্রিম করিবার কি জাল করিবার যন্ত্র কি সরঞ্জাম রাখিবার কি বিক্রম কি প্রস্তুত করিবার স্থান ধর্প ব্যব-হার হংয়া থাকে,

কিন্তা কোন জ্ঞাল করা দলীল কি ক্লক্রিম মোহর কিন্তা ক্লক্রেম ইন্টাম্প কি ক্লক্রিম মুদ্রা কিন্তা মুদ্রা কি ইন্টাম্প ক্লক্রিম করিবার কি জ্ঞাল করিবার যন্ত্র কি সরঞ্জাম, কোন স্থানে রাখা গিয়া কি গচ্ছিত হইয়া থাকে,

জিলার মাজিক্টেট কি মহকুমার মাজিক্টেট কি প্রেসি-ডেপা মাজিক্টেট কি প্রথম শ্রেণীর কোন মাজিক্টেট সন্ধান পাইয়া ও যে অনুসন্ধান লওয়া আবশ্যক বো করেন তাহা লইয়া ইহা বিশ্বাস করিবার কারণ দেখিলে,

ভিনি পোলীদের কন্ষীবলের উচ্চ শ্রেণীর কোন কর্মকারককে পরওয়ানা দিয়া,

- (ক) তাঁহাকে প্রয়োজনমত সহকারী লোক লংয়া উক্ত কোন স্থানে প্রবেশ করি-বার, এবং
- (খ) পরওয়ানার নিদ্দিষ্টমতে তন্মধ্যে অন্নেষণ করিবার, ও
- (গ) যে দ্রব্য কি দলীল কি মোহর কি ইন্টাম্প কি মুদ্রা পাওয়া যায়, যুক্তিসিদ্ধমতে ভাহা চোরা কি অন্যায়মতে প্রাপ্ত কি জ্ঞাল কি ক্বতিম কি কূট জ্ঞান করিলে ভাহা, এবং প্রকোক্ত যন্ত্র ও সরঞ্জাম জ্বীয় অধিকারে লইবার, ও
- (ঘ) ঐ দ্রব্য কি দলীল কি মোহর কি ইন্টাম্প কি মুন্তা কি মন্ত্রাদি কি সরঞ্জাম কোন মাজিস্টেটের সমুখে চালান করিবার কিন্তা অপরাধ'কে যতকাল-কোন মাজি-ফ্রেটের সমুখে আনা না যায় ততকাল ঐ স্থানে ঐ দ্রব্যাদির উপর চোকী রাখিবার কিন্তা ভাহা লইয়া কোন নিকিংঘু স্থানে রাখিবার, এবং
- (৬) ও দ্ব্য চোরা কি তন্য প্রকারে অন্যায়-মতে পাওয়া গিয়াছে; কিয়া উক্ত দলীল

কি মোহর কি ইফাম্প কি মুদ্রা কি যন্ত্র কি সরঞ্জাম জ্ঞাল করা কি কুট করা কি ক্লত্ৰিম, কিখা মুদ্ৰা কি ইফাস্প ক্লতিয় করিবার কি জাল করিবার জন্যে ঐ যন্তের কি দ্রব্যের ব্যবহার হইয়াছে বা ব্যবহার করিবার কম্পনা আছে, যে ব্যক্তি ইহা জানে কিম্বা যাহার এমত জ।নিবার যুক্তিনঙ্গত কারণ থাকে ও যাহাকে উক্ত কোন দ্ৰব্য কি দলাল কি যোহর কি ইটাম্প কি মুদ্রা কি যন্ত্র কি সরঞ্জাম গচ্ছিত করিয়া রাখিবার কি বিক্রয় করিবার কি গঢ়াইবার কি রাখি-বার সহজ্ঞানী বলিয়া বোধ হয়, এমত যে২ ব্যক্তিকে সেই স্থানে পান সেই প্রত্যেক ব্যক্তিকে ধরিয়া রাখিবার ও মাজিফ্টেটের নিকট চালান করিবার ক্ষমতা দিতে পারিবেন।

- (+) (ক) কৃতিম মুদ্রা সহন্ধার.
  - (খ) ক্তুতিম বলিয়া সন্দেহ হয় এমন মুদ্রা সম্ভায় এবং
  - (গ) মুদ্রা ক্রমি করিবার যন্ত্র বা উপকরণ সম্বন্ধীয় —

এই ধারার বিধান যতদূর খাটান গাইতে পারে ওত-দূর যথকেমে—-

- (ক) যে সকল ধাতৃখণ্ড ধাতব নিদর্শন বিষ

  য়ক ১৮৮৯ সালের আইন উল্লেড্যন

  করিয়া প্রস্তুত করা হয় কিথা নামু

  দ্রিক কন্ত্রম বিষয়ক ১৮৭৮ সালের
  আইনের ১৯ ধারাস্থসারে যখন যে

  বিজ্ঞাপন প্রবল থাকে তাহা উল্লেজন
  করিয়া রটিষ ভারতবর্যে আনা হয়
  ভৎসম্বন্ধে খাটিবে।
- (খ) সে কল ধাতৃখণ্ড ঐরপে প্রস্তুত করা হইয়াছে বা ঐরপে রটিষ ভারতবনে আনা হইয়াছে বা ঐ আইনদ্বয়ের • মধ্যে প্রথমোক্ত আইন লক্তান করিয়া প্রচার করা অভিপ্রেত বলিয়া সন্দেহ করা যায় তৎসম্বন্ধে শাটিবে। এবং
- (গ) ঐ আইন লজ্মন করিয়া ধাতৃখণ্ড প্রস্তুত করিবার যন্ত্র বা উপকরণ সগক্ষে খাটিবে।

৯৯ ধারা। 'যে আদালত তলালী পরওয়ানা দেন দেই আদালতের এলাকাব এলাকায় গহিবে তশাল ক্রমে কোন দ্রব্য পাওয়া গেলে তাহা লইয়া কার্য্য করিবার সময়ে, থে য দ্রব্যের করিবার ক্রমেণ হয় তন্মধ্যে কোন দ্রব্য পাওয়া গেলে, ঐ সকল

দ্রব্য ও পশ্চালিখিত বিধানমতে প্রস্তুত ঐ সকল দ্রব্যের ফর্দ ওয়ারন্টদাতা আদালতের নিকটে অগেশিল লহয়া বাইন্ত হইবে; কিন্ত ঐ স্থান উক্ত আদালতের অপেকা ঐ স্থান যে মাজিস্টেটের বিচারাধীন তাঁহার বেশা নিকট হইলে ঐ দ্রব্য ও কর্জ তাঁহার কাছে অগোনে লইয়া যাইতে হইবে; ও বিপরীত আজ্ঞা করিবার বিশিষ্ট কারণ না থাকিলে তিনি উক্ত আদালতের নিকটে ঐ দ্রব্যাদি লইয়া যাইতে আ্জ্ঞা করিবেন।

## গ।—অন্যায়মতে অবরুদ্ধ ব্যক্তিদিগকে প্রকাশ করণের বিধি।

১০০ ধারা। যদি কোন প্রেসিডেন্সী মাজিফ্টেট বা প্রথম শ্রেণীর মাজিফ্টেট বা অন্যায়মতে অন্তন্ত্ব বাক্তিদিগকে তদাশ কবি-বার কথা।
বিশ্বাস করিবার কারণ দেখেন যে যাহাতে অপারাধ হয় এমত

অবস্থায় কোন ব্যক্তিকে অবরুদ্ধ করিয়া রাখা হইয়াছে, তবে তিনি তলাশী পর ওয়ানা দিতে পারিবেন এবং যাঁহার নামে ঐ পর ওয়ানা দেওয়া যায় তিনি ঐ অবরুদ্ধ ব্যক্তিকে অয়েষণ করিয়া দেখিতে পারিবেন এবং ঐ পর ওয়ানা অম্পারে অম্বেষণ করা যাইবে ও ঐ ব্যক্তিকে পাওয়া গেলে অগোণে তাহাকে কোন মাজিস্টেটের সম্মুখে লইয়া যাইতে হহবে এবং তিনি অবস্থা বিবেচনায় যেরপা আজ্ঞা করা উচিত বোধ করেন কবিবেন।

## য। — তলাশ সংক্রান্ত সাধারণ বিধি।

১০১ ধারা। ৯৬ ধারা কি ৯৮ ধারা কি ১০০
ধারমতে যত তলাশী পারওতলাশী পারওগানা যাগাব য়ানা দেওয়া যায়, তৎপ্রতি
নমে দিতে ছইবে তংপ্রভযত দূর সম্ভব ৪৩ ও ৭৫ ও
তিব কথা।
৭৭ ও ৭৯ ও ৮২ ও ৮৩ ও
৮৪ ধারার বিধান বর্তিবে।

১০২, ধারা। (১) এই অধ্যায়মতে যে স্থান তলাশ করিবার কি দেখিয়া লংবার বদ্ধনার কে বাজিব যোগ্য তাহা বদ্ধ থাকিলে, যে কর্মচার থাকে তাহার তলাশ করিবার জন্মাত দিতে কর্মচারী কি অন্য যে ব্যক্তি ঐ পর ওয়ানামতে কার্য্য করিবেন তাঁহার দাওয়া হইলে ও ওয়াবরী দেখান গেলে ঐ স্থানবাসা ব্যক্তি কিখা তাহা যে ব্যক্তির জিন্মায় থাকে তিনি কর্মচারিকে কি জন্ম ব্যক্তিকে অবাধে সেই স্থানে প্রবেশ করিতে দিবেন, ও তথায় তলাশ করিবার যুক্তিমত সর্বপ্রকার স্থবিধা

(২) যদি সেই স্থানে ডব্রূপে প্রবেশ করিতে না পারা যায়, যে কর্মাচারী কি অন্য ব্যক্তি ওয়ারট অর্থাৎ পরওয়ানা জারী করিভেছেন ডিনি ৪৮ ধারার বিধান-মতে কার্য্য করিতে পারিবেন।

করাইয়া দিবেন।

(৩) যে স্থলে ঐক্নপ কোন স্থানে বা স্থানের নকটে কোন ব্যক্তির সম্বন্ধে যুক্তিযুক্তরপে এরপ সন্দেহ হয় যে সে আপন গায়ে এমন কোন দ্রব্য গোপন করিয়া রাখিয়াছে যাহার জন্য তলাশ করা উচিত সেই স্থলে ৫১ ও ৫২ ধারাক্রমে যে প্রকারের বিধান হইয়াছে সেই প্রকারে সেই ব্যক্তির গাতলাশি করা যাইতে পারিবে।

১০৩ ধারা। (,) যে কর্মচারী কিন্তা অন্য ব্যক্তি
তলাশ করিবেন, তিনি এই
শালীদের শন্ম্যে তলাশ অধ্যায়মতে তলাশ করিবার
প্রের্বে যে স্থানে তলাশ করিতে
ইইবে তথাকার গুই কি তদধিক জন সন্ত্রান্থ ব্যক্তিকে
উপন্থিত হইয়া ঐ তলাশী কার্য্যের সাক্ষী হইবার
নিমিত্তে আহ্বান করিবেন।

(২) তাঁহাদের সমুখে তলাল করা যাইবে এবং তলাল কালে যে সকল দ্রব্য গ্গত হয় ও যে স্থানে যে দ্রব্য পাওয়া যায় ঐ কর্মচারী বা অন্য ব্যক্তি তাহার ফর্দ প্রস্তুত করিবেন এবং ঐ সাক্ষীরা তাহাতে স্থাক্ষর করিবেন কিন্তু যাঁহারা এই ধারামত তলালের সাক্ষী থাকেন আদালত তাঁহাদের নামে বিশেষমতে সমন না দিলে আদালতে তাঁহাদের ঐ তলালের সাক্ষীস্বরূপ উপস্থিত হইবার প্রয়োজন নাই।

(৩) যে স্থানের তলাশ হয়, তথায় তলাশ করিবার নময়ে সেই স্থানবাসির কিম্বা কেই দ্বানবাসির উপন্তিত হইতে পার্বিবাব কথা।
তৎপক্ষে কোন ব্যক্তির সর্বা-স্থলেই উপস্থিত থাকিবার অন্থ-মতি হইবে; এবং এই ধারামতে যে কর্দদ প্রস্তুত করা যায়, উক্ত সাক্ষীদের স্থাক্ষরিত সেই কদ্দের নকল ঐ স্থানবাসির বা ব্যক্তির প্রার্থনামতে তাঁহাকে দেওয়া যাইবে।

## ঙ।--বিবিধ বিধি।

১০৪ ধারা। কোন আদালতের সমুখে এই আইনমতে কোন দলীল কি অন্য দ্রব্য
দলীলাদি উপস্থিত কবা
গোলে ও হা অটক করিয়া
রাখিবাব ক্ষমতাব কথা। আদালত বিহিত বোধ করিলে
ভাহা আটক করিয়া রাখিতে

১০৫ ধারা। কোন মাজিফ্টেট যে স্থানে অন্নেষণ করিবার তলাশী পারওয়ানা মাজিট্টেটের দাক্ষতে দিতে ক্ষমতাপাল্ল হন এমত অব্যেষণ হইৰার আজ্ঞার কথা। কোন স্থানে আপানার দাক্ষণতে অন্যেষণ করিবার আজ্ঞা দিতে

পারিবেন।

পারিবেন।

# চতুর্থ খণ্ড।

### অপরাধ নিবারণ বিষয়ক বিধি।

## ৮ ज्रहेग ज्यागा ।

শান্তিভঙ্গ না করিবার ও সদাচরণের জামিন বিষয়ক বিধি।

### ক।—অপরাধ নিণয় হইলে শান্তিভঙ্গ না করিবার জামিনের বিধি।

১০৬ ধারা। (১) হলমা, কি আক্রমণ করণ, কি
আন্য প্রকারে শান্তিভঞ্জন কিয়া
অপবাধ নির্ণব হটলে ভাহাতে সহায়তা করণ কিয়া
শান্তিভল না কবিবার মূচলকাব কথা।

অন্ত্রধারী লোক সংগ্রহ কি

বেসাইনী অন্য কার্য্য করণাপরাধে যে ব্যক্তির নামে অভিযোগ হয়, কিশ্বা অপরাধজনকরপে ভয় দেখাইয়াছে বলিয়া যে ব্যক্তির নামে অভিযোগ হয়, হাই কোর্টের কি সেশন আদালভের কি প্রেসিডেন্সী মাজিইটের আদালভের কি জিলার মাজিইটের কি মহকুমার মাজিইটের কিশ্বা প্রথম শ্রেণীর মাজিইটের সমুখে সেই ব্যক্তির অপরাধ নির্বয় হইলে,

ও উক্ত আদালত সেই ব্যক্তির স্থানে শান্তিভঙ্গ না করিবার নিবন্ধপত্র লিখাইয়া লওয়া আবশ্যক বোধ করিলে,

ঐ আদালত উক্ত ব্যক্তির উপর দণ্ডাজ্ঞা করিবার সময়ে তাহার সঙ্গতি অভ্সারে অর্থদণ্ডর নিয়মে তিন বংসরের অনধিক যত কাল উচিত বোধ করেন তত কালের নিমিত্ত তাহাকে শাস্তিভঙ্গ না করিবার জামিন সহ কি জামিন বিনা নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিতে আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

- (২) আপীলে বা প্রকারান্তরে ঐ অপরাধ নির্ণয় অসিদ্ধ হইলে, ঐরপে যে নিবন্ধ পত্র লিখিত হয় ভাহা ব্যর্থ হইবে।
- (৩) কোন আপীল আদালত কিছা পুনদৃষ্টির ক্ষমতা পরিচালন কালে হাই কোর্টও এই ধারামত আজ্ঞা করিতে পারিবেন।
  - খ। অন্যন্থলে শান্তিভঙ্গ না করিবার জামিন ও সদাচরণের জামিন বিষয়ক বিধি।

১০৭ ধারা। কোন প্রেসিডেন্সী মাজিফ্রেট কি
জনার মাজিফ্রেট কি মহকুমার
কবিবার জামিন দিবার
কথা।

মাজিফ্রেট কিছা প্রথম শ্রেণীর
মাজিফ্রেট যখনই এই মর্মের
সন্ধাদ পান যে, উদ্ধে মাজিক্রেটের এলাকার মধ্যে কোন ব্যক্তির দ্বারা শান্তিভঙ্গ
ইইবার কিছা যাহাতে শান্তিভঙ্গ ইইতে পারে কিছা

সাধারণের স্থাছিরতার ব্যাঘাত ছইবার সম্ভাবনা এমত কোন অন্যায় কার্য্য করা ঘাইবার সম্ভাবনা, তথনই উক্ত মাজিক্টেট এক বৎসরের অনধিক যত কাল উচিত বোধ করেন তত কালের নিমিত্ত শাস্তিভল্প না করিবার জামিনসহ কি জামিন বিনা নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার আ্জা তৎপ্রতি কেন হইবে না ইহার কারণ দশাইবার জন্য পশ্চালিখিত বিধানমতে সেই ব্যক্তির প্রতি আদেশ দিতে পারিবেন ৷

১০৮ ধারা। (১) যে কোন মাজিস্টেট ১০৭ ধারামতে কার্য্য করিতে ক্ষমতাপন্ন
কবিতে ক্ষমতাপন্ন না ছইলে
মাজিষ্টেট প্রভূতব কার্য্যপ্রথালীর কথা।
এরপ বিশ্বাস করিবার কারণ
দেখেন যে কোন ব্যক্তি কর্ত্তক

শান্তিভঙ্গ হইবার অথবা যাহাতে শান্তিভঙ্গ হইতে পারে এমন কোন অন্যায় কার্য্য করা যাইবার সন্তাবনা ও উক্ত ব্যক্তিকে ধরিয়া হাজতে না রাখিলে অন্য কোন-রূপে শান্তিভঙ্গ নিবারণ করা যায় না, তবে তাহাকে ধরিয়া হাজতে না রাখা গিয়া থাকিলে কিছা সে আদালততের সন্মুখে না থাকিলে উক্ত মাজিক্টেট কি আদালত তাহাকে ধরিবার ওয়ারন্ট দিতে এবং ১০৭ ধারামতে কার্য্য করিবার ক্ষমতাপন্ধ মাজিক্টেটের নিকটে পাঠাইতে পারিবেন।

(২) যে মাজিফ্রেটের নিকট এই ধারাক্রমে কোন ব্যক্তিকে পাঠান যায় তিনি থাবৎ পশ্চান্নিদ্দিট অহ্ন-সন্ধান শেষ না হয় উক্ত ব্যক্তিকে স্বীয় বিবেচনামতে হাজতে রাখিতে পারিবেন।

১০৯ ধারা। যখন কোন প্রেসিডেন্সী মাজিস্টেট কি

অমং কাবী ও সন্দেহযুক্ত
ব্যক্তিদের স্থানে সলাচব মাজিস্টেট কি প্রথম শ্রেণীর
নের লামিন লাইবাব কথা। মাজিস্টেট সংবাদ পান যে,

- (ক) তাঁহার এলাকার মধ্যে কোন ব্যক্তি আত্মগোপন করিবার যতু করিতেছে ও কোন ধর্তব্য অপরাধ করিবার অভি-প্রায়ে সে তদ্রপ যতু করিতেছে ইহা বিশ্বাস করিবার কারণ আছে, কিম্বা
- (খ) যাহার দিনপাতের কোন প্রকাশ্য উপায়
  নাই কিম্বা যে আপনার ছংগোধজনক
  বিবরণ জানাইতে পারে না উক্ত এলাকার মধ্যে তদ্রপ কোন ব্যক্তি
  আছে,

তখন উক্ত মাজিস্টেট পাশ্চালিখিত প্রকারে বার মাসের অনধিক যত কাল ধার্য্য করা উচিত বোধ করেন তত কালের নিমিত্ত সদাচরণের জামিনসহ নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার আজ্ঞা চুৎপ্রতি কেন হইবে না ইহার কারণ দর্শাইবার জন্য সেই ব্যক্তির প্রতি আদেশ করিতে পারিবেন ১১ থারা। যখন কোন প্রেসিডেন্সী মাজিক্টেট বা জিলার মাজিক্টেট বা মহ-পাকা বদমাইসদেব স্থানে স্পাচরবের জা.মন লহবার ক্যার মাজিক্টেট কিয়া স্থানীয় গবর্ণমেন্টের স্থানে এভদর্থে বিশেষ ক্ষমতাপ্রাপ্ত প্রথম শ্রোণীর কোন মাজিক্টেট সংবাদ পান যে তাঁহার এলাকার মধ্যে কোন ব্যক্তি—

- (ক) রীতিমত দহ্য কি দোষভাবে পরগৃহে প্রবেশকারী কি চোর, কিম্বা
- (খ) চোরা দ্রব্য চোরা জানিয়া তাহার রীতি-মত গ্রহণকারী, কিম্বা
- (গ) চোরের রীতিমত রক্ষক বা অশ্রয়দাতা বা চোরাদ্রব্যের গোপন বা বিলিব্যবস্থা করণের রাতিমত সাহায্যকারী, কিম্বা।
- (ঘ) সে নিয়ত অপকার বা অপহরণ করে বা করিবার চেষ্টা করে, কিছা
- (%) অপাহরণ করণার্থ নিয়ত লোকদিগকে হানির ভয় দেখায় বা দেখাইবার চেষ্টা করে, কিম্বা
- (চ) এরপ মরিয়া ও বিপজ্জনক লোক যে তাহার বিনা জামিনে স্বাধীন ভাবে থাকিলে সমা-জের পক্ষে বিপদের আশঙ্কা আছে—

তখন উক্ত মাজিটেট, পশ্চাল্লিখিত প্রকারে, তিন বৎসরের অনধিক যতকাল ধার্য্য করা উচিত বোধ করেন ততকালের নিমিত্ত সদাচরণের জামিনসহ নিবস্থপত্র লিখিয়া দিবার আজ্ঞা তৎপ্রতি কেন হইবে না ইহার কারণ দর্শ(ইবার জন্যে সেই ব্যক্তির প্রতি আদেশ করিতে পারিবেন।

১১১ ধারা। ইউরোপীয় রটিষ প্রজাদের সম্বন্ধে ইউরোপীয় বেটুয়াদের বিষ-ইউবোপীয় বেটু<sup>যাদেব</sup> য়ক ১৮৭৪ সালের আইনমতে শিষ্কীয় উপবিধির ক্ষা। কার্য্য ইইন্ডে পারিলে, তাহা-দের প্রতি ১০৯ ও ১১০ ধারার বিধান খাটে না।

১১২ খারা। কোন মাজিস্টেট ১০৭ কি ১০৯ কি
১১০ ধারামতে কার্য্য করণ
যে আজ্ঞা কণিতে ছইবে কালে কোন ব্যক্তিকে সেই
তাহার কথা।
খারাক্রমে কারণ দশাইবার
আদেশ করা আবশ্যক জ্ঞান করিলে তিনি লিখিয়া
আজ্ঞা দিবেন। তাহাতে যে সংবাদ পাওয়া গিয়াছে
তাহার মর্মা, যে নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিতে ছইবে তাহার
টাকার পরিমাণ, যতকাল তাহা বলবৎ থাকিবে সেই
কলে, ও জ্ঞামিন দিবার জ্ঞাদেশ ছইলে জামিনের
সংখ্যা, প্রকৃতি ও শ্রেণী এই২ কথা লেখা থাকিবে।

১১৩ ধারা। যে ব্যক্তির সম্বন্ধে তদ্রপ আজ্ঞা করা যায় সেই ব্যক্তি আদা-যে ব্যক্তি আদালতে উপন্তিত থাকেন তংসসান্ধ কার্য্যপ্রণালীব কথা। তাহাকে পাঁড্যা ভাষাকে পাঁড্যা ভাষান থাইবে কিছা ভাষার ইচ্ছাক্রমে ঐ আজ্ঞার মর্ম ভা াকে বুঝাইয়া দেওয়া যাইবে। ১১৪ ধারা । উক্ত ব্যক্তি আদালতে উপস্থিত না গাকিলে মাজিক্টেট তাহাকে তক্ষণে কোন ব্যক্তি উপস্থিত হইবার আদেশ উপস্থিত হইবার আদেশ করিয়া সমন দিবেন, কিম্বা উক্ত ব্যক্তি হাজতে থাকিলে যে কর্মচারির জেন্মায় থাকে, সেই কর্মচারির প্রতি ওয়ারান্ট দিয়া তাহাকে আদালতের সন্মুখে আনিতে আজ্ঞা করিবেন।

কিন্তু শান্তিভঙ্গ হইবে এমত আশহা থাকার কারণ আছে, ও তৎকালেই উক্ত ব্যক্তিকে ধরিয়া না রাখা গোলে তাহার নিবারণ হইতে পারিবে না, ঐ মাজিস্টেট পোলীসের কোন কর্মচারির রিপোট কি অন্য সংবাদ-কমে ইহা জানিতে পারিলে, যে সময়ে হউক ঐ ব্যক্তিকে ধরিবার ওয়ারন্ট দিতে পারিবেন। উক্তরিপোর্টের বা সংবাদের মর্ম মাজিস্টেট লিখিয়া রাখিবেন।

১১৫ ধারা। ১১২ ধারামতে যে আজ্ঞা করা যায়,
তাছরে এক কেতা নকল ১১৪
১১২ ধারামত ভাজ্ঞান ধারামত সমন কি ওয়ারন্টের
নকল সমনেব কি ওয়ারুক্টের সঙ্গে দিতে হইবে, এবং যে
থে কর্মচারী সমন জারী করেন
কথা।
কি ওয়ারন্ট সাধন করেন,
তিনি যে ব্যক্তির উপর সমন জারী করেন কিয়া
যাহাকে ওয়ারন্টক্রমে ধরেন তাহাকে ঐ নকল দিবেন।

১১৬ ধারা। শান্তিজ্ঞ না করিবার নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার আজ্ঞা তৎপ্রতি স্বয়ং অনুপদ্ধিত থাকি-বার অনুমতি দিবার ক্ষম-ভার কথা।

ক্ষিত্রির নিমিন্ত যে ব্যক্তির প্রতি আদেশ হয়, মাজিক্টেট উপযুক্ত হেতু দেখিলে সেই ব্যক্তির স্বয়ং অনুপশ্বিত থাকিবার ও উকীল দ্বারা উপস্থিত হইবার অনুমতি দিতে পারিবেন।

১১৭ ধারা। (১) ১১২ ধারামত কোন আজ্ঞা ১১৩

ধারামতে আদালতে উপস্থিত

কামানের সত্যতা সমকে
তদন্তের কথা।

কিমা বৃধাইয়া দেওয়া গেলে
কিমা ১৪ ধারামত সমন কি ওয়ারন্ট জারীক্রমে কোন
ব্যক্তি মাজিফেটের সম্বাহ্ব উপস্থিত কি আনীত হইলে
মাজিফ্টেট যে সম্বাদ অস্থুসারে কার্য্য করিয়াের তাহার
সত্যতার তদন্ত এবং আর যে প্রমাণ লওয়া আরশ্যক
বোধ হয় তাহা লইতে প্রস্তু হইবেন।

(২) ইহার পর সমনের মোকদ্বনায় বিচার ও সাক্ষ্য লিপিবদ্ধ করিবার যে প্রণালী নির্দিষ্ট হইয়াছে, শান্তি-ভঙ্গ না করিবার জামিন দিবার আজ্ঞা হইলে উক্ত তদন্ত থত দূর সম্ভব সেই প্রণালীমতে লইতে হইবে; এবং ইহার পর ওয়ারন্টের মোকদ্বমায় বিচার ও সাক্ষ্য লিপিবদ্ধ করিবার যে প্রণালী নির্দিষ্ট হট্যাছে সদাচরণের জামিন দিবার মাজ্ঞা হইলে, উক্ত তদন্ত য**ত দূর সম্ভব সেই প্র**ণালীমতে লইতে হ**ইবে, বিভেদ এই** বে অভিযোগপত্র প্রস্তুত করিবার প্রয়োজন নাই।

- (৩) এই ধারার কার্য্যপক্ষে কোন ব্যক্তি যে পাকা বদমাস ইহা সাধারণ প্রসিদ্ধির সাক্ষ্যবারা বা প্রকারা-স্তুরে প্রমাণ করা যাইতে পারিবে।
- (৪) যে ছলে ঘুই কি তদধিক ব্যক্তির তদন্তাধীন বিষয়ে সাহচর্য্য থাকে সেই ছলে মাজিত্রেট যেরপ বিহিত বোধ করেন তদ্রপে তাহাদিগের সম্বন্ধে একই বা পৃথকং তদন্ত করা যাইতে পারিবে।

১১৮ ধারা। (১) যদি তজ্ঞপা তদন্ত লইয়া প্রমাণ
হয় যে শান্তিজ্ঞ না ইইবার
ভামিন দিবাব আজ্ঞাব কিন্তা ত্বল বিশেষে সদাচরণ
কথা। রক্ষা ইইবার জন্য যে ব্যক্তির
সম্পর্কে তদন্ত লওয়া যায় তাহার জামিনসহ কি জামিন
বিনা নিবন্ধপত্র লিখিয়া দেওয়া আবশ্যক, তবে মাজিস্কৌট (২) প্রকরণের বিধান মান্য করিয়া তদ্রপ আজ্ঞা
করিবেন।

কিন্ধু প্রথমতঃ—১১২ ধারামত আদেশে যাহা নির্দ্দিট থাকে, ডদ্ভিন্ধ প্রকারের কি তাহা অপেক্ষা অধিক টাকার, কি তাহা অপেক্ষা অধিক কালের জামিন দিতে কোন ব্যক্তির প্রতি আজ্ঞা হইবে না।

দ্বিতীয়তঃ - যে নিবন্ধপত্ত লিথাইয়া লওয়া যায় মোকদ্দমার অবস্থা বৃঝিয়া সেই নিবন্ধপত্তের টাকার পরিমাণ ধার্য্য করিতে হইবে। উহা অত্যধিক হইবে না।

তৃতীয়ত:—যে ব্যক্তির সম্বন্ধে তদন্ত লওয়া যায় সেই ব্যক্তি নাবাঙ্গগ হইলে, কেবল তাহার জামিনেরা নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবেন।

- (২) (ক) মাজিস্টেট বিহিত বোধ করিলে উক্ত রূপ আজ্ঞা করিবার পরিবর্ত্তে ঐ ব্যক্তিকে তিন বৎসরের অনধিক কালের জন্য পোলীসের তত্ত্বাবধানাধীনে স্থাপিত করা যায় এরূপ আঙ্গা করিতে পারিবেন।
- খে) উক্তরূপ আজ্ঞাক্রমে পোলীদের তত্ত্বাবধানা-ধীনে স্থাপিত কোন ব্যক্তি পোলীদের তত্ত্বাবধানের পরিবর্ত্তে তাহার সদাচরণের জামিন লইবার আজ্ঞা পাইবার নিমিত্ত যে কোন সময়ে কোন প্রধান প্রেসি ডেন্সী মাজিক্টেট বা জিলার মাজিক্টেটের নিকট দরখান্ত করিতে পারিবে।
- (গ) পোলীসের তত্তাবধানের আজ্ঞা করা আব-শ্যক উক্ত মাজিক্টেটের এরূপ মত হইলে, তিনি ঐ দরখান্ত অগ্রাহ্য করিতে পারিবেন, কিন্তু অগ্রাহ্য করিবার হেডু তাঁহার দিপিবদ্ধ করিতে হইবে।
- (ঘ) সাধারণ লোকদের কি অন্য কোন ব্যক্তির আপদ সন্তাবনা ব্যতীত পোলীদের তত্ত্বাব্ধানের আজ্ঞার পরিবর্ত্তে জ্ঞামিন লওয়া যাইতে পারে, উক্ত মাজিফ্রেটের এরপ মত হইলে, তিনি এই ধারার বিধান মতে জ্ঞামিনের আজ্ঞা করিবেন।

১১৯ ধারা। ১১৭ ধারামত তদন্ত লইয়া যে ব্যক্তির সম্বন্ধে উক্ত তদন্ত লওয়া যায় অভিযুক্ত ব্যক্তিকে সেই ব্যক্তির শান্তিভঙ্গ না করিবার কিয়া স্থলবিশেষে সদাচরণ রক্ষা হইবার জন্য নিবন্ধপত্র লিখিয়া দেওয়া আবশ্যক এরপ প্রমাণ না হইলে মাজিট্রেট নথাতে এই মর্ঘের কথা লিখিবেন, এবং কেবল ঐ তদন্তের নিমিক্ত উক্ত ব্যক্তিকে ধরিয়া হাজতে রাখা গিয়া থাকিলে, তাহাকে ছাড়িয়া দিবেন অথবা ঐ ব্যক্তি হাজতে না থাকিলে তাহাকে অভিযোগ হইতে মুক্ত করিবেন।

## গ। – জামিন দিবার আজ্ঞার পার সর্ব্বত্র কার্য্যাস্ট্রানের বিধি।

১২০ ধারা । (১) যে ব্যক্তি সম্পর্কে ১০৬ ধারা কি
১১৮ ধারামতে জামিন দিবার
যে সময়েব নিমিত্ত আজ্ঞা করা যায় সেই ব্যক্তি ঐ
আজ্ঞা করিবার সময়ে কারাদণ্ডের আজ্ঞা পাইলে কিয়া
কারাদ্ভাধান ধাকিলে, উক্ত দ্ভাজ্ঞার মিয়াদ ফুরাইলে
উক্ত জ্ঞামিন দিবার সময়ের আরেন্ত হইবে।

(২<sup>।</sup> স্থলান্তরে ঐ আজ্ঞার ভারিখেই উক্ত সময়ের আরম্ভ হইবে।

১২১ ধারা। উক্ত ব্যক্তির যে নিবন্ধপত্র সিখিয়া
দিতে হইবে তাহাতে শাখিতজ্ঞ
নিবদ্ধপত্রে যাহা যাহা
খানিবে তাহাব কথা।
না করিবার কিছা স্থল ভেদে
সদাদরণ করিবার প্রতিজ্ঞা
থাকিবে; এবং শেষোক্ত স্থলে যে কোন স্থানে
কারাদণ্ডে দওনীয় যে কোন অপরাধ হউক না কেন
করা গেলে কি করিবার উদ্যোগ হইলে কি সহায়তা
হইলে, ঐ নিবন্ধ ভক্ত করা হয়।

১২২ ধারা। এই অধ্যায়মতে যে ব্যক্তিকে জামিন
দিবার।প্রস্তাব হয় সে অনুপ্র
শানবার কথা।
ত্যাগাকে প্রাহ্য করিতে অস্থীকার'
করিতে পারিবেন। অনুপযুক্ত বলিবার হেতু মাজিক্টেট
লিপিবদ্ধ করিবেন।

১২৩ ধারা। (১) কেন ব্যক্তি ১০৬ কি ১১৮ ধারামতে জামিন দিতে আদিট
লভের কথা।

তৎপূর্বে জামিন না দিলে পানালিখিত ছল ভিন্ন
তাহাকে কারাগারে পাঠান যাইবে, কিয়া দে কারাগারে
ভাকিলে যাবৎ উক্ত সময় গত না হয় কিয়া যে আদালত
বা মাজিফ্রেট জামিন দিবার আজ্ঞা করেন সেই আদা
লভের বা মাজিফ্রেটের নিকট কিয়া ঐ আজ্ঞা প্রাপ্ত
ব্যক্তি বে জেলে থাকে সেই জেলের অধ্যক্ষতা ভার
প্রাপ্ত কর্মচারির নিকট ঐ সময়ের মধ্যে সে জামিন না
দেয় তাবৎ তাহাকে কারাগারে রাখা যাইবে।

- (২) জেলের অধ্যক্ষতা ভারপ্রাপ্ত কর্ণচারির নিকট জামিন দিতে চাহা গেলে, তিনি যে আদালত বা মাজিস্টেট জামিন দিবার আজ্ঞা করেন সেই আদালত বা মাজিস্টেটের নিকট অবিলয়ে ঐ বিষয় অর্পণ করি-বেন এবং ঐ অদালত বা মাজিস্টেটের আজ্ঞার অপেকা করিবেন।
- (৩) মাজিকেট উক্ত ব্যক্তিকে এক ব্ৎসরের
  কার্যান্টানের কাগজপত্র কথন হাই কোটে কি
  দেবার আজ্ঞা করিলে, যদি ঐ
  দেশন আদালতে অর্পন ব্যক্তি পূর্বোক্তরূপ জামিন না
  করিতে হইবে. ভাষার দেয়, ভবে উক্ত মাজিক্টেট
  কথা।

  সেশন আদালভের আজ্ঞার
  অপেক্ষায় এবং উক্ত মাজিক্টেট প্রেসিডেন্সী মাজিক্টেট
  ছইলে, হাই কোর্টের আজ্ঞার অপেক্ষায় ঐ ব্যক্তিকে
  কারাগারে রাখিবার ওয়ারন্ট দিবেন, এবং ভদ্বিষয়ের
  কাগজপত্র স্থবিধামতে ত্বায় উক্ত আদালভের কি
  কোর্টের সমুখে অর্পিড হইবে।
- (৪) ঐ আদালত কি কোর্ট তাহা দৃষ্টি করিলে ও অধিক ধে সন্ধান কি প্রমাণ আবশ্যক বোধ করেন তাহা গ্রাহণ করিলে পর যদ্রূপ উচিত বোধ করেন সেই মোকদ্দমায় তদ্রূপ আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

কিন্তু কোন ব্যক্তি জ্ঞামিন না দিলে যত (যদি কোন) কালের নিমিত্ত তাহার কারাদণ্ড হয়, তাহা তিন বৎসরের অধিক হইবে না।

(a) শান্তি ভঙ্গ না করিবার যে প্রকাবেব কাবাদণ্ড জামিন না দিলে যে কারাদণ্ড গুইবে তাহাব কথা। হয় তাহা সামন্যে কারাদণ্ড

**इ**इट्यू ।

(৬) সদাচরণ করিবার জামিন না দিলে যে কারাদণ্ড হয়, তাহা প্রত্যেক হলে আদালতের কি মাজিফ্রেটের আজ্ঞাক্রমে কঠোর কি সামান্য কারাদণ্ড হইতে পারিবে।

১২৪ ধারা। (১) জিলার মাজিক্টেট লাহেবের কিন্বা প্ৰেসিডে**স**ী প্রধান কোন জুমিন না দে ওয়া প্রযুক্ত কিন্তা তাঁহার মাজিক্টেটের যাহাবা কাংবিদ্ধ হয় তাছা-কিম্বা ভাঁহার পূৰ্ব্বপদধারী দিগকে চাডিয়। দিতে পাবি-কোন মাজিফ্রেটের অধীন বার কথা | আজ্ঞামতে এই অধ্যায়মত সদা-

চরণের জামিন না দেওয়া প্রযুক্ত যে ব্যক্তিকে কারাবদ্ধ করা যায় সেই ব্যক্তি মুক্ত হইলেও সাধারণ লোকদের কিষা অন্য কোন ব্যক্তির কোন আপদ সন্তাবনা নাই, জিলার মাজিস্টেট কৈষা কোন প্রধান প্রেসিডেন্সা মাজিস্টেট এমত বোধ করিলে, প্র ব্যক্তিকে ছাড়িয়া দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন কিষা জামিনের টাকার পরিমাণ কি জামিনদারদের সংখ্যা কি যত কালের জান্য জামিন দিবার আদেশ হইয়াছে ভাগ ক্যাইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

(২) এই অধ্যায়মত জামিন না দেওয়া প্রযুক্ত কোন ব্যক্তিকে দেশন আদালতের কি হাই কোর্টের

আজ্ঞানতে কারাবদ্ধ করা গেলে এবং সেই ব্যক্তি
মুক্ত হইলেও উক্তর্মপ আপদ সন্তাবনা নাই জিলার
মাজিট্রেট সাহেব কি কোন প্রধান প্রেসিডেন্সী
মাজিট্রেট এমত বোধ করিলে, ঐ সেশন আদালতের
কিন্তা হুল বিশেষে হাই কোর্টের আজ্ঞা পাইবার জন্য
অগোণে সেই বিষয়ের রিপোর্ট করিবেন; এবং উক্ত
আদালত বা কোর্ট উচিত বোধ করিলে ঐ ব্যক্তিকে
ছাড়িয়া দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

্র২৫ ধারা। জিলার মাজিস্টেট সাহেব যে কোন সময়ে উপযুক্ত কারণ দেখিলে শান্তিভদ না করিবাব ভালা লিখিয়া আপন আদা-

শান্তিভন্ধ না করিবাব তাহা লিখিয়া আপন আদাকোন নিবন্ধনপত্র জিলাব
মাজিটেইট সাতেবের অকর্পন্য
কবিতে পারিবাব কথা।

এরপ কোন আদালতের
আজ্ঞাক্রমে এই অধ্যায়মতে

শান্তিভঙ্গ না করিবার কি সদাচরণের জন্য যে কোন নিবন্ধপত্র লিখিয়া দেওয়া যায় কিছা ১১৮ ধারার (২) প্রকরণমত পোলীসের তত্ত্বাবধানের ওন্য যে কোন আজ্ঞা দেওয়া যায় তাহা অকর্মণ্য করিতে পারিবেন।

১২৬ ধারা। (১) কোন ব্যক্তির শাস্ত থাকার কি
সদাচরণের জ্ঞামিন থে কোন
সময়েই কোন প্রেসিডেপী
মাজিস্টেটের কি জিলার মাজি
ক্রেটের কি মহকুমার মাজিস্টেটের কি প্রথম শ্রেণীর
মাজিস্টেটের নিকটে তাঁহার বিচারাধীন স্থানের মধ্যে
এই অধ্যায়মতে লিখিয়া দেওয়া কোন নিবন্ধপত্র রহিত ইইবার প্রার্থনা করিতে পারিবেন।

- (২) করিলে যে ব্যক্তির নিমিত্ত ঐ জামিন প্রতিজ্ঞা-বন্ধ আছেন ঐ মাজিফ্টেট আপান বিবেচনামতে তাহার উপস্থিত হইবার কিম্বা তাহাকে আপানার নিকট আনাইবার আজ্ঞাসূচক সমন কি ওয়ারক্ট দিবেন।
- (৩) সেই ব্যক্তি ঐ মাজিফেটের সমুখে উপস্থিত হইলে কিম্বা তাহাকে আনা গেলে, ঐ মাজিফেট ঐ নিবন্ধপত্র রহিত করিয়া সেই ব্যক্তিকে নিবন্ধপত্রের অবশিষ্ট কালের নিমিন্ত মূল জামিন সদৃশ অন্য জামিন দিতে আজা করিবেন। তদ্ধপা প্রত্যেক আজা ১২১ ও ১২২ ও ১২৩ ও ১২৪ ধারার কার্য্যপক্ষে ১০৬ ধারামতে কিম্বা স্থলবিশেষে ১১৮ ধারামতে কৃত আজা বলিয়া গণ্য হইবে।

#### ৯ নবম অধ্যায়।

### বেআইনীমত জনতাবিষয়ক বিধি।

১২৭ ধারা। (১) বেজাইনীয়ত জনতা ছইলে কিছা
পাঁচ কি তদধিক ব্যক্তি যোট
মাজিটেটের কিলা পোলীদেব কথাচাবিব আজামতে
জনতা ভক্ষ হইবার কথা।
কোন মাজিস্টেট কিছা পোলীস
ধানার অধ্যক্ষ সেই জনতা ভক্ষ করিয়া পৃথক ছইবার

আজ্ঞা করিতে পারিবেন। তাহা করিলে তদমুসারে ঐ জ্ঞান্তার লোকদের পৃথক হইয়া যাওয়া কর্ত্তর্য।

(২) এই ধারা কলিকাতা ও বোম্বাই নগরের পোলীদের প্রতি বর্ত্তে।

১২৮ ধারা। উক্ত প্রকারের জনতা তদ্রপ আজ্ঞা পাইলে যদি ভক্ত ইইয়া না যায় জনতা ভঙ্গ কবিবাব জনে। কিন্তা তদ্রপ আজ্ঞা না পাই-দৈন্য ছাড়া অপব লোক লেইয়া বল প্রয়োগের কথা। ভক্ত ইইয়া যাইবে না এপ্রকার

সঙ্কপ্প দেখায়, তবে কোন মাজিট্রেট কিন্তা পোলীস থানার অধ্যক্ষ, রাজধানীর মধ্যেই হউক আর বাহিরেই হউক, বলপ্রুক ঐ জনতা ভঙ্গ করিয়া পৃথক করিতে প্রব্রু হইতে পারিবেন। তদর্থে এবং আবশ্যক হইলে, জনতা ভঙ্গ করিবার কি তাহাদিগকে আইনমতে দণ্ড দিবার নিমিক্ত জনতার অন্তর্গত লোকদিগকে ধরিয়া রাখিবার জন্য তিনি শ্রীশ্রীমতী মহারাণীর সৈন্যদলের যে অধ্যক্ষ কি সৈনিক কিন্তা ভারতব্যীয় বল ক্টিয়র বিষয়ক ১৮৯৬ সালের আইনমতে নাম লিখান বলক্টিয়র তত্তৎ ব্যক্তি স্বরূপ কার্য্য করিতেছেন তিন্তির কোন পুরুষের প্রতি সাহায্য করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

১২৯ ধারা। তদ্রপ জনতা ভঙ্গ করিয়া তদন্তর্গত
লোকদিগকে অন্য প্রকারে
পৃথক করা ঘাইতে না পারিলে
ও সাধারণের নিরাপন্তার জন্যে ঐ জনতা ভঙ্গ করা
আবশ্যক হইলে, অতি উচ্চ শ্রেণীর যে মাজিস্টেট
উপদ্বিত থাকেন তিনি সৈন্যদলের দ্বারা ঐ জনতা ভঙ্গ
করাইতে পারিবেন।

১৩০ ধারা ৷ (১) কোন মাজিস্টেট সৈন্যদল দ্বারা ঐ
রূপ কোন জনতা ভঙ্গ করিতে
জনতা ভঙ্গ কবিবার নিমিত্ত স্থির করিলে তিনি শ্রীশ্রীমতী
মাজিট্টের অজা চইলে
সৈনাধ্যক্ষের কন্তব্য কর্মের
কথা।
তারতবর্ষীয় বল ন্টিয়র বিষয়ক
১৮/৬৯ সালের আইন মতে

নাম লিখান বল নিট্যুর দলের সনন্দপ্রাপ্ত বা সনন্দ অপ্রাপ্ত কোন অধ্যক্ষকে সেই জনতা সৈন্যদল ছারা ভঙ্গ করিয়া দিতে আদেশ করিতে পারিবেন, কিম্বা ভদস্তর্গত যে সকল ব্যক্তিকে মাজিফ্টেট ধরিয়া খাটক করিয়া রাখিতে আজ্ঞা দেন কিম্বা জনতা ভঙ্গ করিবার জন্য কি তাহাদিগকে আইনমত দণ্ড দিব্যর জন্য যাহা-দিগকে ধরিয়া আটক করিয়া রাখা আবশ্যক হয়, ভাহাদিগকে গরিয়া আটক করিয়া রাখিতে আদেশ করিতে পারিবেন।

(২) ঐরপ প্রত্যেক সৈন্যাধ্যক্ষের কর্ত্ব্য থে আপনার বিবেচন।মতে যক্রপে কর। উচিত তদ্ধপে উক্ত আদেশ পালন করেন; কিন্তু জনতা ভক্ত করিবার এবং উক্ত ব্যক্তিদিগকে ধরিয়া আটক করিয়া রাখিবার জন্যে যত অম্প বল প্রয়োগ ও ব্যক্তির কি সম্পত্তির সত অম্প হানি করা সম্ভুত হয় তদ্ধিক করিবেন না। ১৩১ ধারা। উক্তরূপ কোন জনতা দ্বারা স্পান্থই
সাধারণের নিরাপত্তার বিদ্বাজনতা ভল করণার্থে শক্ষা হইলে ও কোন মাজিসনন্দপ্রাপ্ত সেনাণতিদের
ক্ষমতাব কথা।
হইতে না পার্বরেল, শ্রীশ্রীমতী
মহারালীর সৈন্যদের সনন্দ প্রাপ্ত কোন সেনাপতি
সাহেব বা বলন্টিয়রেরা সৈন্য দলের বল দ্বারা তজ্ঞপ
কোন জনতা ভল্প করিয়া দিতে পারিবেন; এবং
জনতা ভল্প করিবার জন্য অথবা ভাহাদিগকে আইনমত
দণ্ড দিবার জন্য তদন্তর্গত যে কোন ব্যক্তিদিগকে
ধরিয়া আটক করিয়া রাখিতে পারিবেন। কিন্তু এই

ধারামতে কর্ম করিবার সময়ে তিনি কোন মাজিস্টেটের

সঙ্গে লিখন পঠনাদি করিতে পারিলে করিবেন; এবং

উক্ত কর্ম করিতে থাকিবেন কি না এবিষয়ে ভদবিধ

ঐ মাজিস্টেটের আদেশ পালন করিবেন।
১৩২ ধারা। কোন মাজিস্টেটের কি উপরিলিখিত
অপর কর্মচারী কি ব্যক্তির
এই অধ্যায়মতে কণ্ম এই অধ্যায়মতে রুত বলিয়া
হইলে অভিযোগনা হইবাব কথা।
কার্য্যের জন্য মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত

শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের সহুমতি বিনা তাঁহা-দের নামে কোন ফেজিদারী আদালতে অভিযোগ উপ-স্থিত করা যাইতে পারিবে না; এবং –

- (ক) কোন মাজিস্টেট কি পোলাদের কর্মচারী এই অধ্যায়মতে সরল মনে কার্য্য করিলে, ও
- (খ) কোন কর্মচারী ১৩১ ধারামতে সরল মনে কার্য্য করিলে, ও
- (গ) কোন ব্যক্তি ১২৮ কি ১৩০ কি ৪২ ধারামত আদেশ পালন করিতে গিয়া সরল মনে কোন কার্য্য করিলে, ও
- (ঘ) কোন অধস্তন কর্মচারী কি সৈনিক কি বলন্টিয়র যে আজ্ঞা পালন করিতে বাধ্য সেই আজ্ঞা পালন করিতে গিয়া কোন কার্য্য করিলে,

তাহাতে যে তাঁহার কোন অপরাধ করা হইল এরপ জ্ঞান করা যাইবে না।

### ১০ দশন অধ্যায়।

# সাধারণের অনিষ্টজনক বিষয়ের বিধি।

১৩৩ ধারা। ('১) সাধারণে যাছার আইনমডে ব্যবহার করে বা করিতে পারে অনিষ্টজনক বিষয় স্থানা-শুর করিতে নিয়মাধীন আজ্ঞা করিবার কথা। এমন কোন পাথ কি নদী। কি খাল হইডে কিয়া সাধারণের কোন স্থান হইডে অবৈধ বাধা কি অনিষ্টজনক কোন বিষয় স্থানান্তর করা উচিত, কোন ব্যবসায় কি কর্ম কিছা কোন মাল কি বাণিজ্য জ্ব্য রাখা সাধারণের আস্থ্যের কি শারীরিক অক্ষ্মতার বিল্পজনক হওয়া প্রযুক্ত রহিত কি স্থানাস্তর কি নিষেধ করা উচিত, কিছা

কোন গৃহ নির্মাণ কিম্বা কোন দ্রব্য লইরা ষেরপ কার্য্য করা যায় ভদ্ধারা গৃহাদির দাহ কি শব্দ করিয়া জ্বলিয়া উঠা সম্ভাবনা প্রযুক্ত তাহা নিবারণ কি বন্ধ-করা উচিত, কিম্বা

কোন গৃহাদির এরপ অবস্থা যে তাহা পঢ়িয়া যাও-য়ার সন্তাবনা ও তাহাতে নিকটে যাহারা বাস করে বা কর্ম করে তাহাদের বা নিকট গমনশীল লোকদের হানি হইবার সন্তাবনা প্রযুক্ত তাহা স্থানান্তর বা মেরামত বা সংরক্ষণ করা আবশ্যক, কিম্বা

পূর্ব্বোক্ত পথের কি সাধারণের স্থানের নিকটস্থ পুক্ষরিণী কি কুপ কি গগু এ প্রকারে ঘেরিয়া রাখা উচিত যাহাতে সাধারণের সঞ্চট নিবারিত হয়

জিলার মাজিফেট সাহেব কিম্বা মহকুমার মাজিকটে কিম্বা তৎপক্ষে স্থানীয় গবনমেন্ট হইতে ক্ষমতা-প্রাপ্ত প্রথম শ্রেনার কোন মাজিফেট রিপোর্ট কি অন্তর্গ সাদ্দাদ পাইয়া ও যজ্ঞপ (যদি কোন) সাক্ষ্য লওয়া উচিত বোধ করেন তজ্ঞপ সাক্ষ্য লইয়া এমত বোধ করিলে -

যে ব্যক্তির দ্বারা ঐ বাধা কি অনিষ্টজনক বিষয় হয়. কিন্তা যে ব্যক্তি ঐ ব্যবসায় কি কর্ম করে কিন্তা ঐ মাল কি বাণিজ্যদ্রব্য রাখে, কিন্তা ঐ গৃহ কি দ্রব্য কি পুক্ষরিনী কি কুপ কি গর্ভ যে ব্যক্তির হয় কি যাহার অধিকারে কি কর্তৃত্বে থাকে, তাহার নামে তিনি নিয়মা ধীন আজ্ঞা লিখিয়া সেই আজ্ঞাতে সময় নির্দ্দিষ্ট করিয়া তাহাকে সেই সময়ের মধ্যে,

ঐ বাধা কি অনিউজনক বিষয় স্থানাম্ভর করিতে, কিম্বা

স্থলবিশেষে ঐ ব্যবসায় কি কর্ম রহিত কি স্থানা-স্তুর করিতে, কিম্বা

ু ঐ মাুল বা বাণিজ্যাদ্রব্য স্থানান্তর করিতে, কিম্বা ঐ গৃহ নির্মাণ নিবারণ কি বন্ধ করিতে, কিম্বা

তাহা স্থানান্তর কি মেরামত কি সংরক্ষণ করিতে, কিয়া

ঐ দ্রব্যের ব্যবস্থান্তর করিতে, কিদা

্র পুক্ষরিণী কি কুপ কি গর্তু যেরিয়া দিতে, কিম্বা

ঐ প্রাজ্ঞার নির্দ্ধিত সময়ে ও স্থানে আপনার কিম্বা প্রথম কি দ্বিতায় শ্রোণার অন্য মাজিত্টেটের সমুখে উপস্থিত হইয়া ঐ আজ্ঞা পশ্চালিখিত প্রকারে রহিত কি পরিবর্তিত করিবার প্রার্থনা করিতে হইবার আদেশ দিতে পারিবেন।

(২) এই ধারামতে কোন মাজিক্টেট কর্তৃক নিয়-মিতরপে যে আজ্ঞা করা যায় তাহা কোন দেওয়ানী আদালত অগ্রাহ্য করিতে পারিবেন না। ব্যাখ্যা।—"সাধারণের স্থান" বলিতে রাজকীর সম্পত্তি কিমা ছাউনী করিবার জায়গা বা স্থাস্থ্যের কিমা আমোদের জন্য যে জায়গা খালি রাখা যায় তাহাও বুঝাইবে।

১৩৪ ধারা। (১) উল্লিখিত আজ্ঞাপত্র যে ব্যক্তির আজ্ঞা কিখা তাহাব জ্ঞাপনপত্র দিবাৰ কথা। যে প্রকারে সমন জারী করি-বার বিধান আছে সেই প্রকারে তাহাকেই দেওয়া যাইতে পারিলে দেওয়া ঘাইবে।

(২) উক্ত আজ্ঞা তদ্রপে জারি করা অসা হ হইলে ঘোষণা করিয়া ঐ অংজ্ঞার নেঃটিস দেওয়া যাইবে। স্থানীয় গবর্ণমেন্ট বিধিক্রমে যে প্রকারের আদেশ করেন সেই প্রকারে গোষণাপত্র প্রচার করা যাইবে, ও সেই ব্যক্তির ঐ অংজ্ঞার কথা জানিতে পাইবার যাহাতে স্থবিধা হয় সেইরূপ কোন এক কি অধিক স্থানে ঐ ঘোষণাপত্রের নকল লাগাইয়া দেওয়া ঘাইবে।

যাত কে আ জা কৰা যায় ১৩৫ ধারা। যে ব্যক্তির ভাগৰ দেই আজা মানি-নামে ঐ আজ্ঞা দেওয়া বাং,

- (ক) ঐ আজ্ঞার নির্দ্দিউ সময়ের মধ্যে তাহার সেই আজ্ঞামত কার্য্য করিতে হইবে, অথবা
- খে) ঐ আজামতে উপস্থিত হইয়া তদ্বিক্দে কারণ
  দশিইতে হইবে অথবা সেই
  কিলাকাৰণ দশাইবাৰ কি
  পঞ্চাম নামুক্ত হইবাৰ
  দাওঘাৰ কথা।
  আই কথার বিচার করণাপে
  জ্বের (অর্থাৎ পঞ্চায়ৎ) নিযুক্ত
  হইবার নিমিক্ত যে মাজিফেট উক্ত আজ্ঞা করিলেন
  তাঁহার নিকটে প্রার্থনা করিতে হইবে।

১০৬ ধারা। উক্ত ব্যক্তি ১৩৫ ধারার আদেশমত এ কার্য্য না করিলে কিয়া ৬ দুগানাকবিবাৰ ফলেব কথা। ইলে অথবা পঞ্চায়ৎ নিযুক্ত ইইবার প্রার্থনা না করিলে, ভারতবর্দের দণ্ড বিধির আইনের ১৮৮ ধারায় তবিধ্যের থে দণ্ড নির্দিষ্ট আছে ঐ ব্যক্তি সেই দণ্ডের যোগ্য হইবে; এবং ঐ আক্তা চূড়ান ইইবে।

১৩৭ ধারা। (১) ঐ ব্যক্তি উপস্থিত হইয়া ঐ
আজার বিরুদ্ধে কারণ দর্শা
কারণ দশাইতে উপস্থিত
ইলে মাজিফেট সমনের মোকক্ষার ন্যায় ভদ্বিয়ে সাক্ষ্য
লইবেন।

- (২) ঐ আজ্ঞা যুক্তিমত ও উপযুক্ত নহে মাজি-স্কেট সাহেবের এরূপ হ্রছোধ জন্মিলে, তর্দ্ধিয়ে আর কোন কার্য্যান্নষ্ঠান করা ঘাইবে না।
- (৩) মাজিফ্রেটসাহেবের তদ্রূপ হ্রন্থে না জ্বমিলে, ঐ আজ্ঞা চূড়াস্ত ক্রা থাইবে

পঞ্চাযতের দাওয় কণা ১৩৮ ধারা। (১) মাজিসে ট ১৩৫ ধারামতে পঞ্চায়ৎ নিয়ো-গোল কার্য্যপ্রনালীন কথা।
গোর প্রার্থনা পাইলে,

- (ক) অগোণে পঞ্চায়ৎ নিযুক্ত করিবেন। সেই
  পঞ্চায়তে পাঁচের অন্যুন বিষম সংখ্যক
  ব্যক্তি থাকিবে। মাজিফ্রেট ঐ পঞ্চা
  য়তের প্রধান ব্যক্তিকে ও অবশিষ্ট
  লাকের অশ্বাংশ মনোনীত করিবেন,
  অন্য অশ্বাংশ প্রার্থক মনোনীত
  করিবেন।
- (খ) যে স্থানে ও যে সময়ে উচিত বোধ করেন মাজিফ্রেট উক্ত প্রধান ব্যক্তিকে ও পঞ্চায়তের মেম্বরদিগকে সেই স্থানে ও সেই সময়ে উপস্থিত হইবার নিমিত্ত সমন করিবেন, ও
- (গ) যে সমস্নের মধ্যে তাঁহাদের মত প্রকাশ করিতে হইবে সেই সময় ধার্য্য করিবেন ;
- (২) ঐ রূপে যে সময় ধার্য্য করা হয় তাহা উপযুক্ত কারণ দেখান গেলে মাজিস্টেট কর্তৃক বাড়াইয়া
  দেওয়া যাইতে পারিবে।

১৩৯ ধারা। (১) পঞ্চায়ৎ কিন্বা তাহার অধিকাংশ
পঞ্চায়ং মানি ট্টেটৰ
আজা গুক্তিশৃক্ত নির্ণয় আজ্ঞা মুক্তিসিদ্ধ ও উপাযুক্ত
ক্রেলে যাহা কর্ত্তন্য তাহার বিবেচনা করেন কিন্তা তাহা
কথা। পরিবর্ত্তিত হওয়া উচিত বোধ
করিলে যদি মাজিফ্রেট সেই মত গ্রাহ্য করেন তবে
মাজিফ্রেট কোন রূপ পরিবর্ত্তন করা গেলে তাহা মানিয়া
ঐ আজ্ঞা চুড়ান্ত করিবেন।

- (২) স্থলান্তরে, এই আইনমত আর কোন কার্যায়-ষ্ঠান করা যাইবে না। কিন্তু যদি মাজিফ্টেট এরপ বিবেচনা করেন যে পঞ্চায়ৎ অসদাচরণ করিয়াছেন তাহ। হইলে তিনি মূতন পঞ্চায়ৎ নিযুক্ত করিতে পারিবেন এবং ওদনন্তর মূতন করিয়া কার্যায়ঞ্চান হইবে।
- ১৪০ ধারা। (১) ১০৬ কি ১০৭ কি ১০৯ ধারামতে কোন আজ্ঞা চূড়ান্ত করা
  আজ্ঞাচূড়ান্ত করা গোলে
  কার্য্যপ্রশাদীর কথা
  করা গিয়াছিল মাজিফ্রেট সেই
  ব্যক্তিকে ইগাব নোটিস দিবেন এবং নোটিসের নির্দিট
  সমযের মধ্যে ভাগতে ঐ আজ্ঞায়ত কার্য্য করিতে
  আদেশ দিবেন ও ভাগতে জানাইবেন যে আজ্ঞা
  অমান্য করা গেলে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের
  ১০৮ ধারার বিধ্ব ন্যতে ভাগর দণ্ড হইতে পাবিবে।
- (২) নিদ্দিন্ত সম্য ংধা উক্ত কাৰ্য্য করা না গেলে
  মাজিটেট ঐ কাৰ্য্য করাইতে
  আঞ্জ অ ন্য বলা
  শোলে ফলেক গে।
  বিষয়ে কি মাল কি অন্য সম্পত্তি
  স্থানান্তর কৰা যায় ত'হা বিজয় করিয়া কিয়া প্রকোজব্যক্তির অস্থাবর অন্য যে সম্পত্তি তাহার বিচারাধীন
  স্থানের মধ্যে কি বাহিরে থাকে ভাহা জোক ও বিজয়

করিয়া ঐ কার্য্য করিবার খরচের টাকা আদায় অরিতে পারিবেন। ঐ অন্য সম্পত্তি তাঁহার বিচারাধীন ছানের বাহ্নিরে থাকিলে, যে মাজিস্টেটের বিচারাধীন ছানে ঐ সম্পত্তি ক্রোক করা ঘাইবে তিনি ঐ আজ্ঞাপত্রের পৃষ্ঠে লিখিয়া দিলে তাহা ক্রোক ও নীলাম হইবে ঐ আজ্ঞান্ পত্রে এই মর্মের অমুমতি থাকিবে।

(৩) এই ধারাবলে সরল মনে যে কোন ক্রিয়া করা যায় তৎসম্বন্ধে কোন মোকদ্দ্যা হইতে পারিবে না।

১৪১ গরা। প্রার্থক যদি তাচ্ছল্য করিয়া কি প্রকাণিছার নিযুক্ত ন করে পঞ্চারতের নিযুক্ত গলা করে করে করে করে করা যে প্রকাশ না করিলে, কার্য্য পঞ্চার্য নিযুক্ত হন তাঁহারা প্রাণাল র কথা। যদি কোন করেণে নির্দ্ধিট সময়ের মধ্যে কিছা মাজিট্রেট স্বীয় বিবেচনামতে আর যে সময় দেন তল্মধ্যে আপনাদের মীমাংসা না দেন তবে মাজিট্রেট যে আজ্ঞা উচিত বোধ করেন করিতে পারিবেন। সেই আজ্ঞা ১৪০ ধারার বিধানমতে প্রবল করা যাইবে।

১৪২ ধারা। (১) সা ারণ লোকদের আসন্ত্র সন্তুট বা গুৰুতর হানি নিবারণের গ্রেম্প্র করা চলন কালে জনো অগৌণে কোন কার্য্য করা আবশ্যক, যে মাজি-স্টেট ১৩৩ ধারামতে আজ্ঞা করেন তাঁহার এইরপ বিবেচনা হইলে, পঞ্চায়ৎ নিযুক্ত করিতে হইলে বা নিযুক্ত করা গেলে বা না গেলেও ঐ সঙ্কট কি হানি না হইবার জন্যে কি ভন্নিবারণার্থে নিষেধসূচক যজ্ঞা করা আক্রা করা আবশ্যক হয় যে ব্যক্তিকে আজ্ঞা দেওয়া গেল পঞ্চায়তের নির্দ্ম কিছা ঐ বিষয়ের, অন্যরূপ নিশক্তির অপেক্ষায় তাহাকে মাজিস্টেট নিষেধসূচক তদ্রপ আজ্ঞা দিতে পারিরেন।

- (২) নিষেধ সূচক সেই আজ্ঞাক্রমে যে সকল কর্ম করা আবশ্যক যদি উক্ত ব্যক্তি তৎকালেই তাহা না করে, তবে ঐ সঙ্কট না হইবার নিমিত্তে কিছা ঐ হানি নিবারণার্থে মাজিফ্টেট যে কার্য্য উপযুক্ত বিবেচনা করেন আপনি তাহা করিবেন ক্রি করাইবেন ।
- (৩) এই ধারাক্রমে মাজিস্টেট সরল মনে যে কোন কার্য্য করেন তৎসম্বন্ধে কোন মোকদ্দমা হইতে পারিবে না।

১৪৬ থারা। ভারতবর্ষের দণ্ড বিধির আইনে ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের দণ্ড বিধির আইনে ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের ক্ষান্ত্রের বা করিতে

না থাকে, জিলার মাজিফেট সাহেক কিশ্বা মহকুমার মাজিফেট সাহেব কিশ্বা স্থানীয় গবর্গমেন্ট কি জিলার মাজিফেট হইতে এতদর্থে বিশেষমতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত অন্য কোন মাজিফেট তাহাকে এমত নিষেধ করিতে পারিবেন।

# ১: একাদশ অধ্যায়।

অনিষ্টজনক বিষয় বা বিপদাশঙ্কা ঘটিত আবশ্যক স্থলে কিয়ৎকালীন আজ্ঞা বিষয়ক বিধি।

১৪৪ ধারা। (১) জিলার মাজিক্টেটের কি প্রধান প্রেসিডেপ্সী মাজিক্টেটের কি অনিট্ডনক বিষয় বা মহকুমার মাজিক্টেটের কিন্তা বিপদাশকা ঘটত আবশ্যক স্থানীয় গবর্ণমেণ্ট কি প্রধান দ্বলে একবারে চূড়ান্ড আজ্ঞা কবিবার ক্ষমতার কথা। প্রেসিডেপ্সী মাজিক্টেট কি

ধারাক্রমে কর্ম করিতে বিশেষ ক্ষমতাপ্রাপ্ত অন্য কোন মাজিস্টেটের মতে যে হলে আপদের অগৌণে নিবারণ বা তুরায় প্রতিবিধান করা বাঞ্চনীয় সেই স্থলে,

জিলার মাজিফেট হইতে এই

উক্ত মাজিষ্টেট যদি বিবেচনা করেন যে তিনি আজ্ঞা করিলে বৈধমতে কর্মকারী কোন ব্যক্তির বাধা কি ক্লেশ কি অপকার বা তাহা হইবার আশস্কা বা মহযের প্রাণের বা আন্থ্যের বা নিরাপতার বিদ্ধ বা দাঙ্গা বা হঙ্গমা নিবারণ হইবার সন্তাবনা কিন্তা নিবারণের প্রস্তুতি জন্মিতে পারে, তাহা হইলে তিনি তদ্বিষয়ে প্রয়োজনীয় রভান্তগুলি বর্ণনা করিয়া লিখিত আজ্ঞা দিবেন ও তাহা ১৩৪ ধারার বিধানমতে জারী করাইয়া কোন ব্যক্তিকে কোন কর্ম না করিতে অথবা তাহার অধিকারগত কি কর্তৃত্বাধীন কোন সম্পত্তি কোন নিয়ম-মতে রাখিতে আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

- (২) অত্যাবশ্যক ছলে ও যে ছলের ভাবগতিক বিবেচনায় যাহার বিৰুদ্ধে আজ্ঞা করা যায় তাহাকে উপযুক্ত সময়ে নোটিস দিবার অবকাশ না হয় এমভ ছলে কেবল একপক্ষের কথা শুনিয়া এই ধারামত আজ্ঞা করা যাইতে পারিবে।
- (৩) এই ধারামতে বিশেষ ব্যক্তির মামে আজ্ঞা লিখিয়া দেওয়া যাইতে পারিবে কিম্বা সাধারণ লোকে কোন বিশেষ ছানে নিয়ত গমনাগমন করিলে ভাহাদের নামে সাধারণ আজ্ঞা দেওয়া যাইতে পারিবে।
- (৪) কোন মাজিস্টেট কিম্বা তাঁহার অধীন কোন মাজিস্টেট বা তাঁহার পূর্বে সেই পদধারী এই ধারামতে যে আজ্ঞা করেন তিনি তাহা রহিত কি পরিবর্ত্তিত করিতে পারিবেন।
- (৫) মহুব্যের প্রাণের, স্বাস্থ্যের বা নিরাপ্তার হানি
  হইবার আশক্ষা কিন্তা দালা কি হলামা হইবার সভাবনা
  হওয়াতে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট রাজকীয় গেজেটে জ্ঞাপনপত্র প্রকাশ করিয়া প্রকারান্তরের আজ্ঞানা দিলে, এই
  ধারামতে যে, কোন আজ্ঞা করা যার তাহ। আজ্ঞার
  তারিশ্ব হইতে হই মাসের অধিককাল বলবৎ থাকিবেনা।

## ३२ जानम व्यक्षांत्र।

### স্থাবর সম্পত্তি সম্বন্ধীয় বিবাদ বিষয়ক বিধি।

১৪৫ ধারা। (১) জিলার মাজিফ্টেট সাহেব কিন্তু।

মহকুমার মাজিফ্টেট কি প্রথম

স্মাদিবিষ্যক কোন শ্রেণীর মাজিফ্টেট আপান
বিষাদে শান্তিভলেব সন্তাবিনা কার্যা প্রথা জল কি তাহার

সীমা লইয়া বিবাদ হইতেছে

ও তৎপ্রযুক্ত শান্তিভঙ্গ হইবার সম্ভাবনা পোলীদের রিপোট কি অন্য সংবাদ পাইয়া ইহা স্বদ্বোধমতে জানিলে, আপন স্বদ্বোধমতে তজ্ঞাপ জ্ঞান থাকার হেতুর ক্ষবকারা লিখিয়া ঐ বিবাদে যাহারা লিপ্ত থাকে সেই সকল ব্যক্তিকে আপনার আদালতে নির্মাপিত সময়ের মধ্যে স্বয়ং কি উকীলের দ্বারা উপস্থিত হইয়া এ বিবাদীয় ভ্য্যাদির প্রকৃত দখল বিষয়ে আপন আপন দাওয়ার রক্তান্ত লিখিয়া অর্পণ করিতে আজ্ঞা করিবেন।

- (২) এই ধারার প্রয়োজনার্থ " ভূমি বা জল" বলিতে বাটী, মৎস্য ধরিবার স্থান, ফসল বা ভূমি হইতে উৎপন্ন অপর দ্রব্য এবং ঐরপ কোন সম্পান্তর ধাজানা কি লভ্যও বৃঝাইবে।
- (৩) সমন জারী করিবার নিমিত্ত এই আইনমতে যে প্রকারের বিধান হইয়াছে উক্ত আজ্ঞার একখানি নকল সেই প্রকারে জারী করিতে হইবে।
- (৪) উক্ত মাজিক্টেট দখল করিবার স্বত্ব বিষয়ে পর্মণ কোন ব্যক্তির দাওয়ার দখলে থাকিবার ভদত্তের দোষ গুণের প্রতি দৃষ্টি না করিয়া উভয়ের অর্পিত রুভান্ত পাড়িয়া দেখিবেন, উভয় পাক্ষের কথা শুনিবেন, তাঁহারা যে সাক্ষ্য উপস্থিত করেন তাহা এহণ করিবেন, প্রারা নাক্ষ্য লওয়া আবশ্যক বোধ হইলে ভাহা লইবেন ও ভদনন্তর সম্ভব হইলে বিবাদীয় বিষয় উপরিলিখিত আজ্ঞার তারিখে কোন পাক্ষের দখলে আছে কি না ও থাকিলে কাহার দখলে আছে এই কথার নিপত্তি করিবেন।
- (৫) বিবাদীয় সম্পত্তি ঐ সময়ে এক পক্ষের দখলে

  যে পক্ষেব দখলে থাকে
  যাবং আইনমতে বেদখল নিম্পত্তি করিলে. আইনের নিয়না হয তাগাব দখলে থাকিনা হয তাগাব দখলে থাকিকরা যায়, ততকাল ঐ বিষয় তাহার দখলে থাকিবে ও
  ততকাল তাহার দখলের কোন ব্যাঘাত না হয় এমত
  আক্তা করিবেন।
- (৬) যে কোন পক্ষের প্রতি উক্তরূপে উপস্থিত হইবার আদেশ হয় এই ধারার কোন কথায় তাঁহার পূর্ব্যোক্ত বিবাদ নাই বা ছিল না ইহা দেখাইবার বাধা হইবে না; এবং এরূপ স্থলে মাজিফ্রেট উক্ত আজ্ঞা রহিত করিয়া তৎসংক্রান্ত অন্যান্য সমুদয় কার্য্যায়্ঠান:

ছগিত করিবেন, কিন্তু প্রেরপ রহিত করণের অধীনে মাজিস্টেটের আজ্ঞা চূড়ান্ত হইবে।

- (৭) এই ধারামত কার্য্যাস্থানের কোন পক্ষের মৃত্যু হইমাছে কেবল এই হেতুতে উক্ত কার্য্যাস্থান বন্ধ হইবে না।
- ১৪৬ ধারা। (১) বিবাদীয় বিষয় তৎকালে উক্ত ব্যক্তিদের মধ্যে কাছারও দখলে বিবাদীয় বিষয় কোক করিবার ক্ষমতার কথা। করিলে কিছা কাছার দখলে আছে সেই কথা হুছোধমতে নিশ্চয় করিতে না পারিলে, ঐ ব্যক্তিদের অধিকার কিছা ঐ বিষয় কাছার দখলে থাকা উচিত এই কথা যুক্তাল উপযুক্ত ক্ষমতাপন্ন আদালতে নিশ্বত্তি করা না যায় তত্তকাল তিনি ঐ বিষয় কোক করিয়া ৱাখিতে পারিবেন।
- (২) মাজিউটে বিবাদীয় বিষয় ক্রোক করিলে যদি বিহিত বোধ করেন তবে তরিমিউ এক জন গ্রাহক নিযুক্ত করিতে পারিবেন। মাজিউটের কর্তৃত্বাধীনে ঐ প্রাহক দেওয়ানী মোকদ্দশার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইনমতে নিযুক্ত গ্রাহকের সমস্ত ক্ষমতা প্রাপ্ত হইবেন।

১৪৭ ধারা। কোন পৃথস্তম্ব সমেত কোন ভূমি বা জ্ঞান ব্যবহার করিবার স্বত্ত সইয়া ৰাচ্ছ্দ্যভোগস্থত প্রভৃতি বিবাদের কথা। বিবাদ আছে ও ভাহাতে শান্তি-

ভঙ্গ হইবার সম্ভাবনা, ঔরূপ কোন মাজিফেট পুর্ব্বোক্ত-রূপ হ্র্রোধ্যতে এই কথা জানিলে, ১৪৫ ধারায় যে প্রকারের বিধান হইয়াছে সেই প্রকারে ইহার ওদন্ত লইতে পারিবেন ও যে ব্যক্তি সেই কার্য্যে আপত্তি করে অথবা ছাহা করিবার দাওয়া করে, সে সেই কার্য্য নিবারণ করিতে কি হুল বিশেষে, তাহা করিতে স্বত্ববান, উযুপক্ত ক্ষমতাপন্ধ আদালতের এইরূপ নিশান্তি যতকাল না হয় ওতকাল ঐ শ্বত্ব কাহারও আছে বলিয়া মাজিফেট সাহেবের বোধ হইলে ঐ মাজিফেট উক্ত কার্য্য করিতে অম্মতি দিতে কিম্বা স্থলবিশেষে তাহা না করিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

কিন্ধু যদি তদ্রপ কার্য্য করিবার অধিকারমতে বারমাসই কার্য্য হইতে পারে, তবে সেই তদন্তের অন্নষ্ঠান
হইবার তারিখের পূর্ব্যে তিন মাসের মখ্যে ঐ অধিকারক্রমে কার্য্য না ইইয়া থাকিলে অথবা যদি বংসরের কালবিশেষে ঐ অধিকারমতে কার্য্য ইইয়া থাকে
তবে উক্ত রূপ অন্নষ্ঠান হইবার পূর্ব্যে শেষবার উক্ত
রূপ যে কাল উপস্থিত হয় সেই কালের মধ্যে ঐ অধিকারক্রমে কার্য্য না ইইয়া থাকিলে, মাজিফেট এই
ধারামত কোন কার্য্য করিবার অন্নমতি সূচক কোন
আজ্য করিবেন না।

38৮ ধারা। (১) এই অধ্যায়ের কার্য্যপক্ষে স্থানীয়
তদন্ত লওয়া আবশ্যক
ভানীয় তদন্ত লইবার হইলে, কোন জিলার কি
ক্ষা।
যহকুমার মাজিটেট আপনার
ভাষীন কোন মাজিটেটকে ঐ তদন্ত লইবার জন্যে পাঠা-

ইতে পারিবেন, ও তাঁছার কার্য্য পদ্ধতি দর্শাইবার জন্মে যে উপদেশ আবশ্যক বোধ হয় তাঁহাকে সেই উপদেশ লিখিয়া দিজে পারিবেন ও সেই তদম্ভ লইবার সমস্ত খরচ কিয়া তাহার কোন অংশ কাহার দিতে হইবে ইহা ব্যক্ত করিতে পারিবেন।

- (২) যে ব্যক্তিকে ঐ রূপে পাঠান যায়, তাঁহার রিপোর্ট মোকদ্দমায় সাক্ষ্যস্থরূপ পঠিত হইতে পারিবে।
- (৩) এই অন্যায়মত কার্য্যাস্থানের কোন পক্ষ ধবচা বিষয়ে আজ্ঞার কথা।

  করিলে যে মাজ্রিটে ১৪৫ কি ১৪৬ কি ১৪৭ ধারামতে নিপত্তি করেন, তিনি কে ঐ খরচ দিবে, উক্ত কার্য্যাস্থানের ঐ পক্ষ বা অন্য কোন পক্ষ, এবং সমস্ত বা কি অংশ বা পরিমাণ দিবে, এই বিষয়ে আজ্ঞা করিতে পারিবেন। ঐরপে যে খরচ দিবার আজ্ঞা হয়, তাহা অর্থদণ্ডের ন্যায় আদায় করা যাইতে পারিবে।

### ১৩ ত্রয়োদশ অধ্যায়।

পোলীদের নিবারণাত্মক কার্য্য বিষয়ক বিধি।

১৪৯ ধারা। পোলীসের প্রত্যেক জন কর্মচারী
ধর্ত্তব্য অপরাধ পোলীসের নিবাবণ করিতে ১৯বাব
কথা।
বিবারণ করিবেন।

১৫০ ধারা। পোলীদের কোন কর্মচারী ধর্তব্য কোন অরপাধ করিবার কম্প-নার কথা অবগত হইলে, তিনি কথা। পোলীদের যে কর্মচারির অধীন থাকেন তাঁছাকে ও অন্য যে কর্মচারির তদ্রাপ অপরাধ নিবারণ কিয়া তাহার অহ্ন-সম্ধান করা কর্তব্য তাঁহাকে দেই কথা জ্ঞাত করিবেন।

১৫১ ধারা। পোলীসের কোন কর্মচারী ধর্তব্য
কোন অপরাধ করিবার কম্পঐ অপবাধ নিবারণার্থে নার কথা অবগত হইলে যদি
গত কবিবার কথা।
সেই কম্পনাকারী ব্যক্তিকে
প্রত না করিলে ঐ অপরাধ নিবারণ হইতে পারে না
বলিয়া তাঁহার বোধ হয়, তবে ঐ কর্মচারী মাজিস্টেটের
আজ্ঞা ও ওয়ারন্ট বিনা ঐ কম্পনাকারী ব্যক্তিকে
প্রত করিতে পারিরেন।

১৫২ ধারা। পোলীদের কর্মচারিয় দৃষ্টি গোচরে রাজকীয় সম্পত্তির তানি নিবারণের কথা।

করিবার উদ্যোগ করা গেলে করিবার উদ্যোগ করা গেলে করিবার উদ্যোগ করা গেলে তুমির চিক্ল কি বয়া কি নোকাদির পথ দশহিবার অন্তর্ চিত্র ছানান্তর করা কি তাহার হানি করা নিবারণার্থে, ছায় ক্ষমতাক্রমে প্রতিবন্ধক হইতে পারিবেন।

১৫৩ ধারা। (১) কোন ছানে অপ্রক্রান্ত কোন বাটবাটখারা ও মাপিবার
যাগ্রাদি দৃষ্টি কবিবার কথা।
পালি প্রভৃতি আছে পোলীস
খানার অধ্যক্ষের ইহা জানিবার
কারণ থাকিলে, তিনি বিনা পর ওয়ানায় আপন
ধানার এলাকার অন্তর্গত ঐ ছানে ব্যবহৃত কি
রক্ষিত সেই বাটখারা কি মাপিবার, গজ, কাঠা, পালি
প্রভৃতি দৃষ্টি করিবার কিছা অন্তেমণ করিবার, জনৈর ঐ
ছানে প্রবেশ করিতে পারিবেন।

(২) সেই স্থানে অপ্রক্লন্ত কোন বাটখারা কি মাপি বার গজ, কাঠা, পালি প্রভৃতি পাইলে তিনি তাহা লইয়া যে মাজিস্টেটের বিচারাধিকার থাকে তাঁহাকে অগোণে অপনার ঐ দ্রব্য ধরিবার সন্থাদ দিবেন।

# পঞ্চম খণ্ড।

পোলীসে সংবাদ দিবার ও তাহাদের অন্থসন্ধান করিবার ক্ষমতার বিধি।

# ১৪ চতুর্দ্দশ অধ্যায়।

১৫৪ ধারা। পোলীস থানার অধ্যক্ষের নিকট
ধন্তব্য মোকদমাব দংবাদ
দিবাব কথা।
তাহা তৎকর্ত্বক বা তাঁহার
আদেশমতে লিখিয়া লওয়া যাইবে ও সংবাদ দাতাকে
পার্ডয়া শুনান ঘাইবে ও ঐ সংবাদ লিখিয়াই দেওয়া
হউক বা প্রোক্তমতে লিখিয়াই লওয়া হউক যে ব্যক্তি
সংবাদ দেন তিনি তাহাতে স্বাক্ষর করিবেন। পোলীদের ঐ কর্মচারির নিকট এক খান বহী থাকিবে, তন্মধ্যে
স্থানীর গ্রবর্ণমেণ্ট যে পাঠ নির্দ্দিট করেন সেই পাঠে
ঐ সংবাদের মর্ম লেখা ঘাইবে।

১৫৫ ধারা। (১) যে অপরাধ পোলীসের ধর্ত্ব্য অধর্ত্তব্য মোকদ্দমার সংবাদ দিবার কথা।

অপরাধ করা গিয়াছে বলিয়া

তাঁহার নিকট সংবাদ দেওয়া গেলে তিনি পুর্কোক্তমতে যে বঁহী রাখা যায় ভাহাতে সংবাদের মর্ম লিখিবেন ও সংবাদদাতাকে মাজিফ্টেটের নিকট ধাইতে বলিবেন।

(২) অধর্ত্তব্য মোকদ্দমায় পোলীসের কর্মচারী উক্ত অধর্ত্তব্য মোক্দমার অন্ সন্ধান লইবাব কথা।
কি তাহা বিচারার্থে সমর্পণ করিবার ক্ষমতাপদ্ম প্রথম কি দিতীয় শ্রেণীর মাজিস্টেটের কিয়া প্রেসিডেন্দী মাজি-ফ্রেটের আজ্ঞা না পাইরী ঐ মোক্দমার অন্নসন্ধান লইবেন না। (৩) পোলীস ধানার অধ্যক্ষ ধর্তব্য মোকদমায় অন্নসন্ধান লইবার যেং ক্ষমভামতে কার্য্য করিতে পারেন ভদ্রপ আজ্ঞা পাইলে ওয়ারন্ট রিনা ধ্বভ করিবার ক্ষমভা ভিন্ন পোলীসের কোন কর্মচারির অন্নসন্ধান লইবার সেইং ক্ষমভা থাকিবে।

১৫৬ ধারা। (১) পোলীদ থানার অধ্যক্ষ মার্জিফ্রে
ধর্ত্তর মোক্ষমান্ত ক্ষম্বন

সন্ধান লইবার কথা।

সের ধর্ত্তব্য এমন কোন মোকদ্মার অনুসন্ধান লইতে পারি-

বেন যৎসম্পর্কে উক্ত থানার এলাকার উপর বিচারাধি-কার প্রাপ্ত কোন আদালত ১৫ অধ্যায়ের তদন্তের কি বিচারের স্থান বিষয়ক বিধানমতে তদন্ত লইতে কি বিচার করিতে পারিবেন।

- (২) তাঁহার উক্ত প্রকারে কার্যাত্মন্তানের কোন সময়ে উক্ত কর্মচারী এই ধারামতে ঐ যোকদ্মার অভ্ন-সন্ধান করিতে পারেন না বলিয়া দেই কার্য্যের বিষয়ে আপত্তি করা যাইতে পারিবে না।
- (৩) ১৯০ ধারামতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত কোন মাজিফ্টেট উপরি লিখিত মত কোন অনুসন্ধান হইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

১৫৭ ধারা। (১) পোলীস থানার অধ্যক্ষ ১৫৬
ধারামতে যে অপরাধের অমৃধর্ত্তরা অপবাধ সংঘটনের
সন্ধান লইতে পারেন কোন
সংবাদ পাইয়া কি প্রকারাস্তরে
তাঁহার এমত অপরাধ সংঘট-

নের সন্দেহ হইলে, তিনি পোলীস রিপোর্টক্রমে উক্ত অপরাধের বিচার করিবার ক্ষমতাপন্ন মাজিট্রেটের নিকট ঐ অপরাধের রিপোর্ট অবিলম্বে পাঠাইয়া সেই বিষয়ের রুতান্তের ও প্কাপর ঘটনার অহ্নন্ধান লইবার নিমিত্ত এব° অপরাধীর সন্ধান লইবার ও তাহাকে ধরিবার জন্য যাহা আবশ্যক হয় তাহা করিবার নিমিত্ত আপনি সরেজমীনে যাইবেন কিন্তা আপনার অধীনে কোন কর্মচারিকে পাঠাইবেন।

পর প্র (ক) কোন ব্যক্তির নামে অপরাধ করিবার সংবাদ দেওয়া গেলে যদি গুরু-বাব স্থলেব কথা।

তর জাবের অপরাধ না হইয়া থাকে, তবে অহুসন্ধান লইবার জন্যে পোলাস থানার অধ্যক্ষের স্বয়ং দেই স্থানে যাই-বার কিম্বা অধান কর্মচারিকে পাঠাইবার প্রয়োজন নাই।

(খ) অনুসন্ধান লইবার বিশিষ্ট হেডু নাই পোলীস থানার অধ্যক্ষ এমত বোধ পোলীস থানাব অধ্যক্ষ অনুসন্ধান লইবার বিশিপ্ত হেডুন,দেখিলে তাহার কথা। বিন না কিন্তু ঐ কথা লিপিবদ্ধ করিবেন এবং যদি কেহ নালিশ কারী থাকে তবে তাহাকে যাহা করিলেন তাহা জানাই

(২) ১ প্রকরণের নিয়মবিধির (ক) ও (খ) দকার উলিখিত এইরূপ প্রত্যেক স্থলে পোলীস থানার অধ্যক্ষ

বেন।

ঐ প্রকরণের আদেশগুলি সম্পূর্ণরূপে পালন না করি- । বার হেতু আপনার ঐ বিপোর্টে লিখিবেন।

১৫৮ ধারা। (১) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট সাধারণ কি
বিশেষ আজ্ঞা করিয়া এই

১৫৭ ধার।মত বিশোর্ট কার্য্যের নিমন্ত পোলীসের উচ্চকিরপে পাঠাইতে ২ইবে
তাহার কগা।

পদস্থ যে কর্মচারিকে নিযুক্ত
করেন স্থানীয় গবর্ণমেন্ট আাদেশ

করিলে, ১৫৭ ধারামতে যে প্রভ্যেক রিপোর্ট মাজিক্টেটর নিকট পাঠান যায় ভাহা তাঁহারই দ্বারা পাঠাইতে হইবে।

(২) উক্ত উচ্চপদস্থ কর্মচারী পোলীস ধানার অধ্যক্ষকে যে আদেশ করা উপযুক্ত জ্ঞান করেন জাহা করিয়া ঐ রিপোর্টের উপর সেই আদেশ লিখিয়া অবি-লম্বে মাজিক্টেটের নিকেট পাঠাইবেন।

১৫৯ ধারা। উক্ত মাজিস্টেট তদ্রাপ রিপোর্ট পাইলে আপনার উচিত বোধ হইলে, অগুসদ্ধান বা প্রথম অগোনে ঐ বিষয়ের অস্কুসদ্ধান করা। তদন্তের ক্ষমতার করা প্রথম স্থলীয় বা বেজাবেদার রকম তদন্তের আদেশ করিবার জন্য কিয়া ঐ বিষয় লইয়া অন্য যে কর্ম করা উচিত এই আইনের নির্দিষ্টমতে তাহা করিবার জন্য আপনি প্ররত্ত হইতে পারিবেন, কিয়া আপনার অধীন কোন মাজিফ্টেটকে পাঠাইতে পারিবেন।

১৬° ধারা। পোলীসের যে কর্মচারী এই অধ্যায়মতে অহসদ্ধান লন তিনি যে

শাক্ষীদিগকে উপন্থিত
ক্রাইতে পোলীসের কর্মচারির ক্ষমতার কথা।

তাহার লাগাও অন্য এলাকার

দীমার মধ্যবর্ত্তী কোন ব্যক্তি সেই ব্যাপারের প্র্কাপর ঘটনা অবগত আছে, প্রাপ্ত সংবাদক্রমে কি প্রকারান্তরে এমত বোধ করিলে, তিনি অমুজ্ঞাপত লিখিয়। সেই ব্যক্তিকে আপনার সমুখে উপস্থিত হইবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন; ও সেই ব্যক্তির সেই আ্জ্ঞামতে উপস্থিত হইতে ইইবে।

কিন্তু কোন পর্দানশিন দ্বীলোকের উপস্থিত হইবার প্রয়োজন হইলে, ঐ বিষয় জিলার কি মহকুমার মাজি-ক্টেটের আজ্ঞার নিমিত্ত অর্পণ করিতে হইবে।

১৬১ ধারা। (১) পোলীদের কোন কর্মচারী যে
মোকদ্দমার এই অধ্যায়মতে
পোলীদের দাবা দাক্ষী অনুসন্ধান লইতেছেন, কোন
দেব দাক্ষ্য গ্রুগণের কথা।
ব্যক্তি সেই মোকদ্দমার রক্তান্ত
ও পূর্ব্বাপর ঘটনা জ্ঞাত আছে এমত অনুমান হইলে,
ভিনি সেই ব্যক্তির বাচনিক স্বাক্ষ্য গ্রহণ করিতে পারিবেন. ও সেইরপে যাহার সাক্ষ্য লওয়া যায় তাহার
উক্তি লিখিয়া লইতে পারিবেন।

(২) যে প্রশোর উত্তর দিলে সেই ব্যক্তির নামে ক্যোজদারী অভিযোগ হইতে পারে কি তাহার অর্থদণ্ড কি সম্পত্তি দণ্ড হইতে পারে তন্তিম উক্ত কর্মচারী সেই

ব্যাপার বিষয়ে যত প্রশ্ন করেন তাহার সেই প্রদেশর যথার্থ উত্তর দিতেই হইবে।

১৬২ ধারা (১) এই অধ্যায়মত অহসন্ধান কালে কোন ব্যক্তি কোন পোলীদের কর্মপোলীদের নিকট যে চারির নিকট মৃত্যুকালীন উক্তি 
যাক্ষর করিতে ন হইবাব ছাড়া যে উক্তি করে যদি তাহা
ও তাহা সাক্ষ্যস্থপ থাহ্য দিখিয়া লওয়া যায় তাহাতে 
মা হইবার কথা।

সেই উক্তিকারকের আক্ষর
করিতে হইবে না কিষা উক্তিকারকের বিরুদ্ধে ১৭২ 
ধারার ক্রিদিউ প্রকারে ও পরিমাণে ভিন্ন সাক্ষ্যস্থরপ বা
আইষ্টানিক কার্য্যস্করপ তাহার ব্যবহার হইবে না।

(২) এই ধারার কোন কথাক্মে ভারতবর্গীয় সাক্ষ্য বিষয়ক ১৮৭২ সালের আইনের ২৭ ধারার বিধানের কোন বিশ্ব হইল এরপ জ্ঞান করিতে হইবে না।

১৬৩ ধারা। (১) পোলাসের কোন কর্মচারী কি
প্রবৃত্তি না দিবাব কথা।
আপনি বা অপর কাহার জারা
ভারতবর্ষীয় সাক্ষ্যবিষয়ক ১৮৭২ সালের আইনের ২৪
ধারার উল্লিখিত মত কোন প্রবৃত্তি দিবেন না কি ভয়
দেখাইবেন না কি অঙ্গীকার করিবেন না।

(২) কিন্তু এই অধ্যায়মত অস্ক্রসন্ধানকালে কোন ব্যক্তি ইচ্ছা করিয়া কোন কথা প্রকাশ করিতে চাহিলে পোলীসের কর্মচারী কি অন্য ব্যক্তি ভাহাকে সভর্ক করিয়া কিন্তা অন্য কোন প্রকারে সেই কথা প্রকাশ করিতে বারণ করিবেন না।

১৬৪ ধারা। (১) এই অধ্যায়মত অন্নসন্ধান কালে
কিম্বা তাহার পর তদন্ত বা
উক্তি ও স্বীকায় বাক্য বিচার আরম্ভ হইবার পূর্কে
লেপিবদ্ধ করিবাব ক্ষমতাব
কথা।
কোন সময়ে প্রত্যেক মাজিস্ট্রেট
পোলীসের কর্মচারী না হইলে
কোন উক্তি বা স্বীকার বাক্য লিপিবদ্ধ করিতে পারিবেন।

- (২) সাক্ষ্য লিপিবদ্ধ করিবার যে২ প্রকারের বিধান
  পশ্চাৎ নির্দিষ্ট হইল ঐ উক্তি মোকদ্দমার অবস্থা ধরিয়া
  তন্মধ্যে যাহা তাঁহার মতে সর্কোৎক্রুষ্ট বোধ হয় সেই
  প্রকারে লিপিবর্দ্ধ করা যাইবে। তদ্রপ স্বীকারবাক্য
  ৬৬৪ ধারার নির্দিষ্টমতে লিপিবদ্ধ ও স্বাক্ষরিত হইবে
  ও যে মাজিস্টেট ঐ মোকদ্দমার তদন্ত লইবেন কি বিচার
  করিবেন তাঁহার নিকট পাঠান যাইবে।
- (৩) স্বেচ্ছাক্রমে স্বীকার করা গেল মাজিফ্রেট স্বীকারকারিকে প্রশ্ন করিয়া এমত জানিবার কারণ না পাইলে ঐরপ কোন স্বীকারবাক্য লিপিবদ্ধ করিবেন না ; ও তিনি কোন স্বীকারবাক্য লিপিবদ্ধ করিলে ঐ লিপির নিম্নভাগে এই মর্মের কথা লিখিবেন।—

"এই স্বীকারবাক্য স্বেচ্ছাক্রমে করা গিয়াছে আমার এই বিশ্বাস। ইহা আমার সাক্ষাতে ও শ্রুতিগোচরে গৃহীত হইয়াছে ও যে ব্যক্তি শ্বীকার করে, ভাছাকে ইহা পড়াইয়া শুনান যায় এবং সে ইহা ঠিক বিদিয়া **থাহ্য করে এবং সেই** ব্যক্তি যে উক্তি করে ইহাতে তাহার সম্পূর্ণ ও প্রকৃত বিবরণ আছে।

> (স্বাক্ষর) শ্রীসমূক মাজিফ্রেট।"

ব্যাখ্যা।—যে যাজিক্টেট কোন স্বীকারবাক্য বা উক্তি গ্রহণ করিয়া লিপিবদ্ধ করেন ছাঁহাকে যে ঐ মোকদমায় বচারাধিকার প্রাপ্ত মাজিক্টেট হইতে হইবে ইহা আবৃশ্যক নহে।

১৬৫ ধারা ৷ (১) পোলীদ ধানার অধাক শকিলা পোলাদের যে কর্মচারী অহা-পোলীদ কৰ্মচারিব ছারা সন্ধান লইতেছেন তিনি যে ভলালেব কথা। অপরাধের অভ্নন্ধান লইতে ক্ষমতাপন্ন হন ভাহার অহুসন্ধানার্থে কোন দলীল বা অনা দ্রব্য উপস্থিত করা আবশ্যক বোধ করিলে, এবং ১৪ ধারামতে যে ব্যক্তির নামে সমন বা আজ্ঞাপার দেওয়া গিয়াছে বা দেওয়া যাইতে পারে সেই ব্যক্তি সমনের বা আজ্ঞাপত্তের আদেশমতে ঐ দলীল বা অন্য দ্রব্য উপস্থিত করিবে **ন**া এরূপ বিশ্বাস করিবার কারণ খাকিলে, কিম্বা ঐ দদীল বা অন্য দ্রব্য কোন ব্যক্তির অধিকারে আছে বলিয়া জানা না থাকিলে ভিনি যে ধানার অধাক্ষতাভার প্রাপ্ত হন কি যে থানায় নিযুক্ত খাকেন ঐ খানার এলাকার অন্তর্গত কোন স্থানে সেই দ্রবের গম্বেষণ করিতে কি করাইতে পারিবেন।

- (২) উক্ত কর্মচ:রী পারিলে আপনি ঐ দ্রব্য অন্নে-ষণের কার্য্য নির্ন্ধাঃ করিবেন ।
- (৩) আপনি ভাষা করিতে না পারিলে ও তৎকালে দেই অবেষণ করিবার ক্ষমতাপাম অন্য ব্যক্তি উপস্থিত না থাকিলে তিনি আপানার অধীন কোন কর্মচারির প্রতি ঐ অন্যেষণ করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন, ও সেই কর্মচারিকে আজ্ঞাপত্র দিয়া যে স্থানে যে দলীল বা অন্য দ্রন্যের অন্থেষণ করিতে হইবে তাহা নির্দেশ করিয়া লিখিবেন: ঐ অধীন কর্মচারী তাহা হইলে ঐ স্থানে ও দ্রব্যের অন্থেষণ করিতে পারিবেন।
- . (৪) এই আইনে তলাশী পার ওয়ানা সম্বন্ধে যেং বিধান আছে তাহা এই ধারামত অন্মেষণের কান্যের প্রতি, যত দূর সম্ভব বর্তিবে।

১৬৬ ধারা ৷ (১) কোন পোলীন থানার অধ্যক্ষ

যে স্থলে পোলীম গানাব এক অধ্যক্ষ অ-5 তচেক্ষতেছ তলালী পার ওসাল দিবার আদেশ কণিতে পারেবেন ভাহাব কথা। গে হলে আপন থানার এলাকাব মধ্যে অন্তেষণ করাইতে
ক্ষমতাপাল হনসেই হলে আপন
কি অন্য জিলার অন্য পোলীস
থানার অধ্যক্ষকে কোন ছানে
কোন দ্রব্যের অন্তেষণ করাই-

বার আদেশ করিতে পারিবেন।

(२) উক্ত কর্মচারী তদ্রপ আজ্ঞা পাইলে ১৬৫ ধারার বিধানমতে কার্য্য করিবেন ও ঐ দ্রব্য পাইলে যে কর্মচারির ভাদেশমতে তলাশ করিলেন তাঁহার নিকট পাঠাইবেন।

১৬৭ ধারা। (১) ৬১ ধারার নির্দ্দিট চিকাশ ঘটার
চিকাশ ঘটাব মধ্যে অফুসহলে সমাপ্ত ছইতে ন। নের কার্য্য সমাপ্ত ছইতে
পাবিলে কার্য্যপ্রবালীর পারিবে না দৃষ্ট ছইকেই এবং
কথা।
অভিযোগ বা সম্বাদি সমুলক
জ্ঞান করিবার হেডু থাকিলে, পোলীস খানার অধ্যক্ষ
নিকটন্থ মাজিন্টেটের নিকট পশ্চালিখিত বিধানমত
মোকদ্দমা সংক্রান্ত রোজনামচার লিখিত কথার নকল
অবিলম্বে পাঠাইবেন এবং তৎকালেই অভিযুক্ত ব্যক্তিকে
(যদি কেহ খাকে) ঐ মাজিক্টেটের নিকট পাঠাইবেন !

- (২) যে মাজিক্টেটের নিকট অভিযুক্ত ব্যক্তিকে এই ধারামতে পাঠান যায় তাঁহার উক্ত যোকদ্দমার বিচার করিবার ক্ষমতা থাকুক বা না খাকুক তিনি সময়ে২ যেরূপ হেফাজতে উচিত বোধ করেন সেইরূপে হেফাজতে মোটে ১৫ দিনের অনধিক কাল অভিযুক্ত ব্যক্তিকে আটক করিয়া রাধিবার অভ্যমতি দিতে পারিবন। যদি তাঁহার বিচার করিবার কি বিচারার্থে সমর্পণ করিবার ক্ষমতা না থাকে, এবং তিনি আর আটক করিয়া রাখা অনাবশ্যক বিবেচনা করেন তবে তিনি উক্তরপ ক্ষমতাপন্ন মাজিক্টেটের নিকটে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে পাঠাইয়া দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।
- (৩) কে:ন মাজিষ্টেট এই ধারামতে পোলীদের হফাজতে আটক করিয়া রাখিবার অভ্যতি দিলে যেং কারণে দেই অভ্যতি দেন তাহা লিপিবদ্ধ করিবেন।
- (৪) জিলার মাজিফ্রেট কিম্বা মহকুমার মাজিফ্রেট ভিন্ন অন্য কোন মাজিফ্রেট সেই আজ্ঞা করিলে তিনি যে মাজিফ্রেটের অব্যবহিত অধীন তাঁহার নিকট দেই আজ্ঞা করিবার হেতুপাত্র সহিত দেই আজ্ঞার প্রতিলিপি প্রেরণ করিবেন 1

১৬৮ ধারা। পোলীসের অধঃস্থ কোন কর্মচারী
এই অধ্যায়মতে অন্থসন্ধান
অধ্যানত গোলীস কর্ম
চারী কর্মক অন্থসন্ধানের
বিপোটের কথা।
কল বিষয়ক রিপোর্ট দিবেন।

১৬৯ ধারা। (১) থে প্রমাণ কি যজ্রপ সংশয় থাকিলে

অভিযুক্ত ব্যক্তিকে মাজিপ্রমাণের নানতা হউলে ক্রেটের নিকটে পাঠান যাইতে
অভিযুক্ত ব্যক্তিকে মুক্ত
ক্রিয়ান নান

মত হেতৃ নাই পোলান থান এ শধ্যক্ষ এই অধ্যায়মত অহ্নসন্ধান লইয়া এরূপ বোধ করিলে, ধদি উক্ত ব্যক্তি হাজতে থাকে তাহার নিকট জামিন সহ কি জামিন বিনা যক্ত্রপ আদেশ করেন তালুক্রপ এই মর্মের নিবন্ধপত্র লিখাইয়া লইয়া তাহাকে ছাড়িয়া দিবেন ধে, সে যদি ও যখন আদেশ হয়. পোলীসের রিপোর্টক্রমে উক্ত অপবাধ গ্রাহ্য করিয়া অভিযুক্ত ব্যক্তির বিচার করিবার বা ভাহাকে বিচারার্থে সমর্পন করিবার ক্ষমতাপন্ধ মাজি-ক্টেরে সন্মুখে উপস্থিত হইবে।

(২) মাজিস্টেট বিহিত বোধ করিলে ঐ নিবন্ধপত্র রহিত করিতে পারিবেন অথবা ঐ বিষয়ে অপর যেরূপ আজ্ঞা কর। ন্যায্য িবেচনা করেন তদ্রূপ আজ্ঞা করিতে পারিবেন্।

১৭০ ধারা। (১) এই অধ্যায়মত অস্থসন্ধান লইয়া
পোলীস খানার অধ্যক্ষের যদি
উপযুক্ত প্রমাণ পাবিলে এরূপ বোধ হয়, যে পূর্ব্বোক্ত-মোক্ষম। মালিটেটেব নিকটে পাঠাইবার কথা।
মত হেতু আছে, তাহা হইলে

পোলীস থানার অধ্যক্ষ ঐ ব্যক্তিকে প্রহরির জিন্মায় দিয়া পোলীসের রিপোটক্রমে উক্ত অপরাধ প্রাহ্য করিয়া অভিযুক্ত ব্যক্তির বিচার করিবার কিন্না তাহাকে বিচারার্থে সমর্পন করিবার ক্ষমতাপন্ন মাজিক্টেটের নিকটে পাঠাইবেন, অথবা যে অপরাধের অভিযোগ হয় তাহার নিমিত্ত জামিন লতে সক্ষম হইলে নিরূপিত দিনে সেই মাজিক্টেটের সন্মুখে উপস্থিত হইবার ও ষত কাল প্রকারান্তরের আজ্ঞা না হয় ততকাল দিন দিন উপস্থিত থাকিবার জামিন তাহার নিকট হইতে লইবেন।

- (২) যখন পোলীস থানার অধ্যক্ষ এই ধারামতে কোন অভিযুক্ত ব্যক্তিকে মাজিস্টেটের নিকটে পাঠান কিয়া তাহার হানে উক্ত মাজিস্টেটের সমুখে উপস্থিত হইবার জামিন লন, তিনি যে অন্ত কি অন্য দ্রব্য উক্ত মাজিস্টেটের সমুখে উপস্থিত করা আবশ্যক বোধ করেন তাহাও তৎকালে পাঠাইবেন, এবং বাদী থাকিলে সেও যাহারা সেই ব্যাপারের পূর্বাপর ঘটনা জানে বলিয়া বোধ হয় তাহাদের মধ্যে যত ব্যক্তির উপস্থিত হওয়া আবশ্যক জ্ঞান করেন তাহারা ঐ মাজিস্টেটের সমুখে উপস্থিত হঽয়া নিবন্ধপত্রের আদেশমত সময়েও প্রকারে অভিযুক্ত ব্যক্তির বিক্তমে অভিযোগ বিষয়ে নালিশ চালাইবে কি স্থল বিশেষে, সাক্ষ্য দিবে তাহাদের প্রতি এই মর্ম্মের নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার আদেশ করিবেন।
- (৩) নিবন্ধপত্রে জিলার মাজিষ্টেটের কিন্ধা মহকুমার মাজিষ্টেটের আদালতের উল্লেখ থাকিলে ঐ মাজিষ্টেট অন্য যে আদালতের বারা তদন্ত লইবার কি বিচার হইবার নিমিত্ত মোকদ্দমা প্রেরণ করেন উলিখিত আদালতের মধ্যে সেই আদালতও গণ্য হইবে। কিন্তু ঐ বাদিকে কি ব্যক্তিদিগকে তদ্রূপ প্রেরণের নোটিদ দিতে হইবে।
- (৭) অভিযুক্ত ব্যক্তির স্থানে হ জিরজামিন লওয়া গেলে তাহার যে দিনে উপস্থিত হইতে হইবে সেই দিন, কিম্বা প্রহরির জিম্মায় আহাকে চালান করিতে হইলে মাজিস্টেটের কাছারীতে ভাহার যে দিনে পঁছছিবার সম্ভাবনা সেই দিন, এই ধারামতে নিরূপিত দিন হইবে।
- (e) 

  এ নিবন্ধপত্র যে কর্মচারির সমুখে লেখা

  যায তিনি তৎসম্পাদনকারী এক জনকে তাহার নকল

দিবেম, ও পরে মাজিফ্টেটের নিকট আপন রিপোর্টের সঙ্গে মূলপত্র পাঠাইবেন।

১৭১ ধারা। মাজিস্টেটের কাছারীতে বাদিদের কি
সাক্ষীদের যাইবার সময়ে,
বাদিদের কি সাক্ষীদের
পোলীসের কর্মচারির সঙ্গে
না যাইতে হইবার কথা।

সক্ষে যাইতে আদেশ হইবে
না

কিম্বা কোন বাদীকে কি সাক্ষীকে অনাবশকেরপ বাজ্জিগতে ও সাক্ষী-দিগতে আটক কবিয়া বাখা কি ক্লেশ দিগতে আটক কবিয়া না দেওয়া যাইবে না ও নিজ রাখিবাব কথা। প্রতিজ্ঞামত নিবন্ধ ভিম্ন তাহা দের উপস্থিত হইবার অন্য জামিন দিতে আদেশ হইবে না।

কিন্তু কোন বাদী কি সাক্ষী উপস্থিত হইতে কিন্তা বাদী না সাক্ষী স্বীকাৰ না কবিলে প্ৰথবিৰ জিন্মায় লিখিয়া দিতে স্থীকার না প্ৰেৰিত হইবাৰ কথা। করিলে, পোলীস থানার তথ্যক্ষ ভাষাকে প্রহরির জিন্মায় দিয়া

মাজিস্টেটের নিকটে পাগিইতে পারিবেন। তাহা হইলে সে যত কাল ঐ নিবন্ধপত্র লিখিয়া না দেয়, কিম্বা সেই মোকদ্দমার শ্রাবণ কার্য্য যত কাল সমাপ্ত না হয় মাজিস্টেট ততকাল ঐ বাদীকে কি সাক্ষীকে আটক করিয়া রাখিতে পারিবেন।

১৭২ ধারা। (১) পোলীদের যে কর্মচারী এই
অনুসন্ধান পার্যার বোলনামচার কথা।
তিনি তৎসম্পর্কে দিনং যে
কার্য্য করেন ভাহার রভান্ত
রোজনামচায় লিখিবেন, অর্থাৎ অপরাধের সম্বাদ যে
সময়ে তাঁছার নিকটে পঁছছে ও তিনি অমুসন্ধানের
কার্য্য যে সময়ে আরম্ভ ও যে সময়ে সমাপ্ত করেন ও ।
যে স্থানে কি যেং স্থানে যান ও অমুসন্ধান ধারা থে
সকল রভান্ত অবগত হন, তাহার বিবরণ লিখিবেন।

(২) কেজিদারী কোন আদালতে মোকদ্দমার ভদস্ভ লওন কি বিচার করণ সময়ে ঐ আদালত পোলীদের দেই মোকদ্দমা বিষয়ক রোজনামচা আনাইয়া আপনার ভদন্ত সইবার কি বিচার করিবার সাহায্যার্থে ঐ রোজ-নামতার ব্যবহার করিতে পারিবেন, সাক্ষ্যুস্বরূপ নহে। অভিযুক্ত ব্যক্তির কিম্বা ভাহার পক্ষ মোথ্যারদের তাহা আনাইবার অধিকার নাই; এবং আদালত ঐ রোজ-নামচার ব্যবহার করিয়াছেন এই মাত্র কারণে ভাহার কি তাহাদের সেই রোজনামচা দেখিবার অধিকার থাকিবে না। কিন্তু পোলীদের যে কর্মচারী ভাহা লিখিলেন তিনি যদি স্মরণশক্তির উপকারার্থে তাহার ব্যবহার করিয়া খাকেন কিন্তা আদালত যদি পোলীদের ঐ কর্মচারির কথা খণ্ডাইবার জন্য ভাহার ব্যবহার করিয়া ধাকেন, তবে ভারতবর্ষীয় সাক্ষ্যবিষয়ক ১৮৭২ সালের আইনের ১৬১ ধারার বা স্থলবিশেষে ১৪৫ ধারার বিধান তৎপ্রতি বর্তিবে।

১৭৩ ধারা। (১) অনাবশ্যক বিলম্ব না করিয়া এই অধ্যায়মত অহুসন্ধানের কার্য্য পোলীদের কর্মচারির সমাপ্ত করিতে হইবে। সমাপ্ত বিশোটেব কথা। হইলে পোলীস ধানার অধ্য-ক্ষতা ভারপ্রাপ্ত যে কর্মচারী ঐ অমৃসন্ধান লন তিনি द्यानीय गवर्गराज्येत निष्टिष्टे शार्फ तिर्पार्टे निथिया পোলীদের রিপোর্টক্রমে উক্ত শপরাধের বিচার করি-বার ক্ষমতাপন্ন মাজিফ্রেটের নিকটে পাঠাইবেন। উভয় পক্ষের নাম, ও যে সংবাদ পান তাহার ভাব ও যাহারা সেই ব্যাপারের পূর্বাপর ঘটনা জ্ঞানে বলিয়া বোধ হয় ভাহাদের নাম ঐ রিপোর্টে লেখা খাকিবে ও তাহাতে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে প্রহরির জিম্মায় পাঠান গিয়াছে, কিম্বা তাহার স্থানে জামিনসহ কি জামিন বিনা নিবন্ধপত্ৰ লেখাইয়া লইয়া ভাহাকে ছাড়িয়া দেওয়া গিয়াছে এই কপ্পাও লিখিতে হইবে।

- (২) ১৫৮ ধারামতে উচ্চপদস্থ পোলীদের কোন কর্মচারী নিযুক্ত হইলে স্থানীয় গবর্গমেন্ট যে কোন স্থলে সাধারণ বা বিশেষ আজ্ঞাক্রমে ডজ্রপ আদেশ করেন দেই২ স্থলে ঐ রিপোর্ট উক্ত কর্মচারির হস্ত দিয়া পাঠাইতে হইবে এবং ডিনি মাজিস্টেটের আজ্ঞার অপে-ক্ষায় আরো অহুসন্ধানের নিমিত্ত পোলীস ধানার অধ্য-ক্ষের প্রতি আদেশ দিতে পারিবেন।
- (৩) এই ধারামতে যে রিপোর্ট পাঠান যায় তাহা হইতে যদি দৃষ্ট হয় যে অভিযুক্ত ব্যক্তি আপনি নিবন্ধ-পত্র লিখিয়। দিয়া মুক্ত হইয়াছে, তবে মাজিস্টেট ঐ নিবন্ধপত্র রহিত করিবার বা প্রকারান্তরের যে জাজ্ঞা করা বিহিত্তবাধ করেন করিবেন।
- ১৭৪ ধারা। (১) প্রভ্যেক পোলীস থানার অধ্যক্ষ আত্মগত্যা প্রভৃতিব তদন্ত ও স্থানীয় গবর্গমেন্ট কর্ত্তক লইমা পোলীদেব রিপোট তদর্থে নিযুক্ত অপর প্রভ্যেক কবিবাব কথা। পোলীদের কর্মচারী,
  - (ক) কোন ব্যক্তি আত্মহত্যা করিয়াছে, কিম্বা
  - (খ) কোন ব্যক্তিকে অন্য কেহ মারিয়া ফেলিয়াছে কিহা জব্ধ দারা বা কলে পড়িয়া বা অপ-তাতে তাহার মৃত্যু হইয়াছে কিহা
  - (গ) কোন ব্যক্তির এরপ অবস্থায় মৃত্যু হই য়াছে যে অন্য কোন ব্যক্তি অপরাধ করিয়াছে বলিয়া যুক্তিসিদ্ধ সন্দেহ হয় এই লখাদ পাইলে,

তৎক্ষণাৎ অপ্যুত্যর তদন্ত লইবার ক্ষমতাপন্ধ অতি
নিকটস্থ মাজিফেটিকে সেই কথা জ্ঞাত করিবেন, এবং
স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রণীত বিধিক্রমে অথবা জিলার বা
মহকুমার মাজিফেটটের সাধারণ বা বিশেষ আজ্ঞাক্রমে
প্রকারান্তরের জাদেশ প্রাপ্ত না হইলে ঐ যুত
ব্যক্তির দেহ যে স্থানে থাকে সেই স্থানে গিয়া প্রতিবাসী
সুই কি তদধিক সন্ত্যান্ত লোকের গোচরে অন্সক্ষান
লইয়া ঐ যুত্র দৃষ্ট কারণের রিপোর্ট করিবেন ও
শরীরে যে ক্ষত কি আন্থিভঙ্গ কি আঘাত কি অন্য হানির
চিক্ত দৃষ্ট হয়, তাহার বর্ণনা ও যে প্রকারে কিছা যে অল্প
বা যন্ত্র দারা সেই চিক্ত হইয়া থাকিবে তাহাও লিখিবেন।

- (২) পোলাসের ঐ কর্মচারী ও অন্য ব্যক্তিরা কিম্বা তাঁহাদের যত জন ঐ রিপোর্টের কথায় সন্মত হন তাঁহারা তাহাতে স্বাক্ষর করিবেন ও সেই রিপোর্ট অগোণে জিলার মাজিফ্রেটের কিম্বা মহকুমার মাজি-ফ্রেটের নিকট পাঠান যাইবে।
- (৩) মৃত্যুর কারণ বিষয়ে সন্দেহ থাকিলে কিন্তা 
  ক্ষার কোন কারণে পোলীসের কর্মচারী বাঞ্চনীয় বিবেচনা করিলে, কাল ও স্থানের দুরত্ব বিবেচনায় ঔ শব 
  পথে পচিয়া থাইয়া পরীক্ষা নিক্ষল হইবার আলঙ্কা 
  বিনা নিকটন্থ সিবিল সর্জন সাহেবের নিকটে কিন্তা 
  স্থানীয় গবর্ণমেন্ট অন্য যে যোগ্য চিকিৎসককে এভদর্থে 
  নিযুক্ত করেন ভাঁছার নিকটে পাঠান যাইতে 
  পারিলে, পোলীসের কর্মচারী এভদর্থে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের নির্দ্দিন্ট বিধির নিয়মাধীনে ঐ দেহ পরাক্ষা 
  করিয়া দেখিবার জন্য প্রেরণ করিবেন।
- (৪) মাম্রাজ ও বোশ্বাই প্রেসিডেন্সীতে আমের মণ্ডল এই ধারামতে অমুসন্ধান লইয়া অপমৃত্যুর তদন্ত লইবার ক্ষমতাপন্ন নিকটন্থ মাজিফ্টেটের নিকটে অমু-সন্ধানের কল রিপোর্ট করিতে পারিবেন।
- (৫) এইং মাজিস্টেটেরা অপমৃত্যুর তদন্ত লইবার ক্ষমতাপন্ন, যথা, কোন জিলার মাজিস্টেট কি মহকুমার মাজিস্টেট, ও এতদর্থে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের কি জিলার মাজিস্টেটের স্থানে বিশেষ ক্ষমতাপ্রাপ্ত কোন মাজি ফ্রেট।
- (৬) কারাগারে কোন কয়েদির মৃত্যু হইলে তৎসম্বন্ধে এই ধারার বিধান খাটিবে না। ঐরপ স্থলে
  কারাগার সম্বন্ধায় ১৮৯৪ সালের আইনের ১৫ ধারার
  আদিষ্টমতরিকার্ডের একখানি নকল কারাগারের স্থপারিক্টেণ্ডেন্টের অগোণে জিলার মাজিফ্টেটের নিকট পাঠাইতে হইবে। ঐ মাজিফ্টেট ঐ রিপোর্ট প্রাপ্ত হইলে
  তৎসম্বন্ধে যেরপ কার্য্য করা বিহিত্ত বোধ করেন
  দেইরপ কার্য্য করিবেন।

১৭৫ ধার । (১) পোলীস থানার অধ্যক্ষ উক্ত অমৃস্কান কার্য্যের জন্যে আজ্ঞান্ত দগ্যনে দগ্যন কবি পার্ লিখিয়া পুক্রোক্তমত হুই কি তদধিক ব্যক্তিকে এবং যাহারা ঐ ব্যাপারের র্ভান্ত জানে বলিয়া বোধ হয় এমত অন্য ব্যক্তিকে সমন করিতে পারিবেন। কোন ব্যক্তিকে তদ্রপে সমন করা গেলে তাহার উপস্থিত হুইতে হুইবে, এবং যে প্রশ্নের উত্তর দিলে তাহার নামে কোজদারা অভিযোগ হুইতে পারে, কিম্বা তাহার অর্থ-দশ্ত কি সম্পত্তিদশ্ত হুইতে পারে ভান্তিম্ন তাহার সকল প্রশ্নের যথার্থ উত্তর দিতেই হুইবে।

(২) ধর্ত্তব্য যে অপরাধ সম্বন্ধে ১৭০ ধারা খাটে র্জান্ত দৃষ্টে যদি তদ্রাপ অপরাধের প্রকাশ না হয়, তবে পোলীসের কর্মচারী সেই ব্যক্তিদিগকে মাজিফ্টেটের জা লিতে উপস্থিত হইবার আজ্ঞা দিবেন না।

১৭৬ ধারা। (১) পোলীদের হেফাজতে কোন ব্যক্তির মৃত্যু হইলে পোলীদের মালিটেইটের ছার। মৃত্যুব কর্মচারির অভ্নন্ধান লওয়ার কারতের তদন্ত লইবাব কথা। পরিবর্ত্তে কিম্বা তাহার পরেও অতি নিকটস্থ মাজিষ্টেট অপমৃত্যুর তদন্ত লইবার ক্ষমতা-পন্ন হইলে মৃত্যুর কারণের তদন্ত লইবেন; এবং ১৭৪ ধারার (১) প্রকরণের (ক), (খ) ও (গ) দফার লিখিত অন্য কোন ৰলে উক্তরপ ক্ষমতাপন্ন কোন মাজিইটেই अक्रे जंगस नहेरड भार्तिरत्व ; क्षेत्रः नहेरन. कान অপরাধের ওদস্ত লইতে হইলে তাঁহার যেং ক্ষমতা থাকিত যেই২ ক্ষমতাস্থসারে কার্য্য চালাইবেন 🕕 মাজিন ক্টেট ভজপ ভদৰ সইলে ডৎসম্পর্কেষে সাক্ষ্য লন ব্যাপারের ভাবগতিক বিবেচনায় পশ্চাৎ নিদিষ্ট অন্যতর প্রকারে সেই সাক্ষ্য বিপিবন্ধ করিবেন।

(২) কোন ব্যক্তির মৃতদেহ প্রোথিত করা গেলে
পার উক্ত মাজিফ্টেট মৃত্যুর
পারিবার কথা।
করা জানিবার জন্য সেই দেহ
পরীক্ষা করা আবশ্যক বিবে
চনা করিলে, মাজিফেট ঐ দেহ উঠাইরা পরীক্ষা করিতে
পারিবেন।

# ষষ্ঠ খণ্ড।

মোকদমা চালাইবার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক বিধ।

### ১৫ পঞ্চদশ অধ্যায়।

তদম্ভ ও বিচারকার্য্যে ফেজিদারী আদালতের বিচারাধিকারের বিধি।

ক। - ভদন্ত লইবার ও বিচার করিবার স্থান বিষয়ক বিধি।

১৭৭ ধারা। অপারাধ যে আদালতের বিচারাধান
স্থানের মধ্যে করা যায়, সাধাসাধারণত: তদন্ত লাইবাব ও বিচাব কবিবাব
দ্থানের কথা।
তাহার তদন্ত লওয়া যাইবে ও
ভাহার বিচার হইবে।

১৭৮ ধারা। ১৭৭ ধারায় প্রকারান্তরের কথা থাকি-লেও, কোন, মোকক্ষমা কিয়া ভিন্ন দেশন বতে মোক-দ্মার বিচাব হইবার আজা থিতে পারিবার কথা।

বিশেষ প্রকারের কোন মোক-দ্মা যে কোন জিন্সায় বিচা-রার্থে সমর্পন করা যাউক

স্থানীয় গ্রবন্মেন্ট সেশনের যে কোন খণ্ডে তাহার বিচার হইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

কিন্তু এর প স্থলে আবশ্যক যে, উক্ত আজ্ঞা ভারত-বর্ষীয় হাই কোর্ট বিষয়ক ১৮৬১ সালের আইনের ১৫ ধারামতে কিন্তা এই আইনের ৫২৬ ধারামতে হাই কোর্ট ক্রন্তুক পূর্ব্ব প্রদন্ত কোন আজ্ঞার বিরুদ্ধ না হয়। ১৭৯ ধারা। কোন কার্য্য করণ প্রযুক্ত ও তাহার
যে কিলার ক্রিয়াকনা যায়
কি যে কিলার ক্রিয়ান কল
প্রশাশ হয় ইহান একতর ব্যক্তির নামে অভিযোগ হইলে,
ক্রেলায় অভিযুক্ত ব্যক্তিব যে যে আদালভের বিচারাধীন্
বিচাব হইতে পারিবার কথা।
হানের মধ্যে উক্ত কার্য্য করা
লাম বা উহার কল প্রকাশ হয় তাহার অন্যতর আদাল
লত দারা ঐ অপরাধের তদন্ত লওয়া যাইতে ও বিচার
হইতে পারিবে।

### উদাহরণ।

- (ক) ক আদালতের বিচারাধীন স্থানে আনন্দের আঘাত হইয়া গ আদালতের বিচারাধীন স্থানে তাহার মৃত্যু হয়। আনন্দের অপরাধ্যটিত হত্যাকরণ অপ-রাধের তদন্ত ও বিচার ক কিয়া গ আদালতে হইতে পারিবে।
- খে) আনন্দ ক আদালতের বিচারাধীন স্থানে আহত হইরা দশ দিন খ আদালতের বিচারাধীন স্থানে ও আর দশ দিন গ আদালতের বিচারাধীন স্থানে থাকেন, এবং খ কি গ আদালতের বিচারাধীন স্থানে থাকিবার সময় আপনার সাংসারিক কর্ম চালাইতে পারেন না। আনন্দকে গুরুতর পীড়া দেওন অপরাধের তদন্ত ও বিচার ক, খ বা গ আদালতে হইতে পারিবে।
- গ) কোন ব্যক্তি ক আদালতের বিচারাধীন স্থানে আনন্দের হানি করিবার জয় দর্শাইলে খ আদালতের বিচারাধীন স্থানে সেই ব্যক্তিকে আনন্দের সম্পত্তি দিবার প্রবৃত্তি হইল। আনন্দকে জয় দর্শাইয়া তাঁহার দ্বব্য গ্রহণাপরাধের তদন্ত ও বিচার ক কিন্তা খ আদালতে হইতে পারিবে।
- (য় আনন্দকে দেশীয় রাজ্য বরদায় আহত কর। হয় ও পুনায় ঐ আঘাত হইতে তাহার মৃত্যু হয়। ' আনন্দের মৃত্যু ঘটাইবার অপরাধের, তদস্ত ও বিচার পুনায় হইতে পারিবে।

১৮০ ধারা। অপারাধস্চক অন্য ক্রিয়ার সহিত প্রধান কর্তা অপারাধ করিতে সক্ষম হইলে যাহা অপারাধ করিছে সক্ষম হইলে যাহা অপারাধ ক্রিয়ার সহিত বিচাব ক্রিবাব স্থানের সম্বন্ধ থাকা প্রযুক্ত কোন ক্রিয়া অপারাধ হইলে, যে আদালতের

বিচারাধীন স্থানের মধ্যে তহন্তরের একতর ক্রিয়া করা যায়, সেই আদালত দ্বারা শেষোক্ত অপরাধের অভি-যোগের তদস্ত ও বিচার হইতে পারিবে।

#### উদাহরণ।

(ক) সহায়তাকরণের অভিযোগ হইলে যে আলালতের বিচারাধীন স্থানে সহায়তা করা গেল সেই আলালতে কিছা যে অপরাধের সহায়তা করা যায় তাহা বে আলালতের বিচারাধীন স্থানে করা গেল

সেই আদালতে, ঐ অভিযোগের তদন্ত ও বিচার হইতে।

- (খ) চোরা দ্রব্য গ্রহণ করিবার কি রাখিবার অভি-যোগ হইলে যে আদালতের বিচারাখীন স্থানে দ্রব্য চুরি করা গেল কিছা উক্ত দ্রব্যের মধ্যে কোন দ্রব্য কোন সময়ে যে আদালতের বিচারাখীন স্থানে কুটিলভাবে গ্রহণ করা কি রাখা গেল সেই আদালতে ঐ অভি-যোগের তদম্ভ ও বিচার হইতে পারিবে।
- (গ) মহুষ্য চুরি হইয়াছে জ্ঞানা গেলে সেই
  মহুষ্যকে অন্যায়মতে লুকাইয়া রাখিবার অভিযোগ
  হইলে যে আদালতের বিচারাধীন স্থানে তাহাকে অন্যায়
  মতে লুকাইয়া রাখা গেল কিম্বা যে আদালতের বিচারাধীন স্থানে চুরি করা গেল ইহার মধ্যে কোন আদালতে
  দেই অভিযোগের তদন্ত ও বিচার হইতে পারিবে।

১৮১ ধারা। (১) কোন ব্যক্তির নামে ঠগ ছইবার
ঠিয় ছইবার কি ডাকাইত
দলের লোক ছইবার কি ডাকাইতি করিবার কিছা
ছেফাজত ছইতে পলাইবার হত্যা সহিত ডাকাইতি করিবার
ইত্যাদিব কথা।
কিছা ডাকাইতদলের লোক
ছইবার কিছা হেকাজত ছইতে পলাইবার অভিযোগ
ছইলে অভিযুক্ত ব্যক্তি যে আদালতের রিচারাধীন ছানের
মধ্যে বাকে সেই আদালত দ্বারা তাহার সেই অপ্রাধের তদন্ত লওয়া যাইতে ও বিচার ছইতে পারিবে।

(২) অপরাধভাবে দ্রব্য লইয়া অবিহিত ব্যবহার
অপবাধভাবে অবিহত
ব্যবহাবের ও অপবাধভাবে
বিশ্বাসঘাতকতা করণের যোগ হইলে, যে আদালতের
ক্যা।
বিচারাধীন স্থানের মধ্যে অপরাধ বিষয়ক দ্রব্যের কোন অংশ অভিযুক্ত ব্যক্তি
প্রাপ্ত ব্যবহার করা যায় সেই আদালত দ্বারা
প্র অপরাধের তদন্ত লওয়া যাইতে ও বিচার হইতে
পারিবে।

(৩) সে আদালতের বিচারাধীন স্থানের মধ্যে কোন দ্রব্য চুরি করা যায় কিম্বা চোরের অধিকারে থাকে কিম্বা তাহা চোরা জানিয়াও কি বিশ্বাস করিবার কারণ পাইয়াও কোন ব্যক্তি লয় কি রাখে, সেই আদালত দ্বারা উক্ত দ্রব্য চুরি করণের অপরাধের তদন্ত লওয়া যাইতে ও বিচার হইতে পারিবে।

অপবাধ যে স্থানে কৰা গোল ভাষা নিশ্চয় না হইলে, কিখা কেবল এক-স্থানে না কৰা গোলে, কিখা অপবাধ নিয়ত কৰা গোলে কিখা আনেক কাৰ্য্য লাইয়া অপবাধ কহিলে তদন্ত ও বিচার করিবার স্থানের

১৮২ ধারা। অনেক ছানের মধ্যে কোন্ ছানে অপারাধ করা গেল ইছা নিশ্চয় না ছইলে, কিছা

অপরাধের এক অংশ এক ছানে অন্য অংশ অন্য ছানে করা গেলে, কিছা অপরাধ ক্রমিক হইলে ও হুই কি তদধিক স্থানে করা গিয়া থাকিলে, কিছা

ভিন্নং স্থানে ক্লভ নানা কার্য্য লইয়া অপরাধ হইলে,

যে আদালতের উক্তরূপ কোন স্থানের উপর বিচারা-ধিকার আছে সেই আদালত দ্বারা ঐ অপরাধের তদম লওয়া যাইতে ও বিচার হইতে পারিবে।

১৮৩ ধারা। স্থলপথে কি জলপথে যাত্রাক্রমে
কান মপরাধ করা গেলে যে

যাত্রাক্রমে পণে অপরাধ কবিলে তাহার কথা।

যধ্য দিয়া অপরাধী যায় কিছা
যে ব্যক্তির বিক্তমে কি যে দ্রব্যের সম্বন্ধে ঐ অপরাধ
করা যায় সেই ব্যক্তি কি সেই দ্রব্য উক্ত যাত্রাক্রমে
যায়, সেই আদালত ছারা ঐ অপরাধের তদন্ত লওয়া
যাইতে ও বিচার হইতে পারিবে।

১৮৪ ধারা। রেল ওয়ে কি টেলিগ্রাফ কি ডাক
যর কি অন্ধ ও বারুদাদি বিষ
বেল ওয়ে ও টেলিগ্রাফ য়ক যে আইন যৎকালে
ও ডাক্ষর ও অন্ধ বিষ্যক
আইনের বিরুদ্ধে অপথেধের
কথা।

করা যায় তাহা রাজ্ঞধানী
নগরের মধ্যে করা গিয়াছে বিলিয়া উক্ত হউক কি না
হউক, তথায় জাহার অহ্নসন্ধান লওয়া যাইতে ও বিচার
হইতে পারিবে।

কিন্তু এরপ স্থলে আবশ্যক যে অপরাধীকে ও মোকদ্দমার আবশ্যক সমস্ত সাক্ষীদিগকে উক্ত নগর মধ্যে পাওয়া যায়।

১৮৫ থারা। (১) এই অধ্যায়ের অন্তর্গত পূর্ববর্তী
বিধানক্রমে কোন্ আদালত
কোন্ জিলাম তদন্ত দ্বারা অপারাধের ভদন্ত লওয়া
লওয়া যাইবে বা বিচাব
হইবে এবিষয়ে শব্দেহ
হইলে ছাই কোর্টের ভার
হল নির্বন্ন হইবাব কথা। কোর্টের ফোজদারী আপীলী
বিচারাধিকারের সীমান্তর্গত
ছানে অপারাধী প্রক্রন্তপক্ষে থাকে কোন্ আদালত দ্বারা

স্থানে অপারাধা অঞ্চঙপক্ষে বাকে কোন্ আদালত দ্বারা উক্ত অপারাধের তদন্ত লওয়া যাইবে কি বিচার হইবে ইহা সেই হাই কোর্ট নির্ণয় করিবেন।

(২) নিম ব্রহ্মদেশে, অপরাধী ইউরোপীয় রটিষ প্রজা হইলে রাস্থানর রিকার্ডার সাহেব ও অন্যান্য স্থান জ্ঞান্ত কমিশনর সাহেব এই ধারার কার্য্যপক্ষে হাই কোর্ট বলিয়া গণ্য হইবেন।

১৮৬ ধারা। (১) যখন কোন প্রেসিডেন্সী মাজিত্ট্রেট কি জিলার মাজিট্রেট কি বিচাবাধীন স্থানের
বাহিরে অপবাধ করা গেলে
সমন কি ওয়ারন্ট দিবার স্থানীয় গবর্ণমেন্ট ইইতে এডংসমতার কথা। পক্ষে বিশেষ ক্ষমতা প্রাপ্ত
হইলে, কোন প্রথম শ্রেণীর

মাজিন্টে ট এরপ বিশ্বাস করিবার কারণ দেখেন যে, তাঁহার বিচারাধীন স্থানের মধ্যস্থ কোন ব্যক্তি ঐ স্থানের বাহিরে (রটিষ ভারতবর্ষের ভিতরেই হউক আর ' কারিদ্রেই হউক) কোন প্রশাধ কমিয়াছে ও ১৭৭ ধারা অববি ১৮৪ ধারা পর্য্যন্ত কোন ধানার বিধানক্রমে কি चना य जारेन उपकारम ट्रांडिन शास्त्र उपकार के ভানের মধ্যে সেই অপরাধের তদম্ভ লওয়া কি বিচার করা যাইতে পারে না, কিন্তু প্রচলিত কোন আইনবলে রটিষ ভারতবর্ষের মধ্যে ভাহার বিচার হুইতে পারে, তখন স্বীয় বিচারাধীন স্থানের মধ্যে ঐ অপরাধ করা গেলে তিনি যেম্ন তদম্ভ লইতে পারিতেন ডদ্রাপ তদ্ভ লইতে ও ইভিপূর্বে যেরূপ বিধান করা গিয়াছে ভৎক্রমে ঐ ব্যক্তিকে বলপুর্বক আপন সন্মুখে উপস্থিত করাইতে পারিবেন এবং উক্ত অপরাধের ওদন্ত লইবার কি বিচার করিবার ক্ষমতা যে মাজিষ্টেটের থাকে ভাহার নিকটে ভাহাকে ধরিলে পর মাজিট্রেটের পাঠাইতে পারিবেন অথবা কার্য্যপ্রণালীর কথা। উক্ত অপরাধ জামিন লইবার যোগ্য হইলে, উক্ত মাজিটেটের সন্মুখে তাহার উপ-হিত হইবার নিমিন্ত, জাগিন সহিত বা জাগিন ব্যতীত

(২) উক্তরূপ ক্ষমতাপন্ন একাধিক মাজিন্টেট শান্ধিলে এবং কাহার নিকটে কি সম্মুখে উক্ত ব্যক্তিকে পাঠাইতে কি উপস্থিত হইবার নিমিত্ত আবদ্ধ করিছে ক্ষবৈ, এই ধারাজমে কার্য্যকারী মাজিন্টেট এবিষয়ে কিছু স্থির করিতে না পারিলে, হাই কোর্টের আজ্ঞার নিমিত্ত মোকদমার রিপোর্ট করিবেন।

মিবন্ধপত্র লইতে পারিবেন।

১৯-৭ ধারা। (১) প্রেসিডেন্সী মাজিক্ট্রেট কি
জিলার মাজিক্ট্রেট ভিন্ন কোন
অধীন মাজিক্টেটেব
অব্যারক্ট ছইলে কর্ত্তিন্ত্রব
কথা।
বি ওয়ারক্ট দেন তৎক্রমে
কোন ব্যক্তিকে ধ্বত করা গেলে.

প শাজিফেট মাহার অধীন হন ঐ ধৃত ব্যক্তিকে সেই জিলার মাজিফেট সাছেবেব নিকট পাঠাইবেন। কিন্তু যে মাজিফেটটের ঐ অপারাধের তদন্ত লইবার কি বিচার করিবার ক্ষমতা থাকে তিনি ঐ ব্যক্তিকে ধরিবার গুরারন্ট দিলে, পোলীদের বে কর্মচারী ঐ গুরারন্ট জারী করেন, তাঁহার নিকটে ঐ ধৃত ব্যক্তিকে সমর্পণ করা যাইবে, কিন্তা যে মাজিফেট ওয়ারন্ট দিলেন গ্রাহার নিকটে ভাছাকে পাঠান যাইবে।

(২) ধৃত ব্যক্তি যে অপরাধে অপরাধী বলিয়া কণিত হয় কি তাহার প্রতি সংশয় থাকে যদি ১৮৬ ধারামতে কর্মকারী মাজিস্টেটের আদালত ছাড়া শেই জিলার অন্য কোম কৌজদারী আদালতের ছারা ভাইার তদন্ত ও বিচার হইতে পারে, তবে ঐ মাজিফ্টেট উক্ত আদালতে ঐ ব্যক্তিকে পাঠাইবেন।

১৮৮ ধারা। যদি শ্রীশ্রীমতীর ভারতবর্ষীয় কোন দেশীয় প্রজা রটিষ ভারতবর্ষের বুটিষ প্রদানা বুটিষ ভারত-বর্ষের বাছিরে অপরাধ করিলে ভাহাদের গারের স্থানে কোন অপরাধ করে কথা। কিয়া

- ক) যদি কোন রটিম প্রজা ভারতবর্ষের কোন রাজা বা অধিপতির শাসনাধীন দেশে কোন অপরাধ করে, কিছা
- (খ) মহারাণীর কোন চাকর, রটিষ প্রজা হ'র্ডক আর নাই হউক, ভারতবর্ধের কোন রাজা বা অধিপতির শাসনাধীন দেশে কোন অপরাধ করে—

ভবে রটিষ ভারতবর্ষের অন্তর্গত যে কোন স্থানে ভাহাকে পাওয়া যায় সেই স্থানেই অপরাধ করার ন্যায় ভাহার সেই অপরাধ হেতৃক বিচারাদি হইভে পারিবে।

পরস্ভ যে দেশে সেই অপরাধ করা গিয়াছে বলিয়া বর্ণিজ হয় সেই দেশের পলিটি-অভিযোগের তদন্তল ওয় কাল এজেন্ট সাহেব থাকিলে উচিত এই বিষয়ে পলি-তিনি রটিষ ভারতবর্ষে সেই চিকাল একেন্টের সার্টিকি অভিযোগের তদম কেট দিনাব কথা। উচিত বলিয়া অাপন অভিমতের সার্টিফিকেট না দিলে রটিষ ভারতবর্ষে উক্ত কোন অপরাধ বিষয়ক অভিযোগের তদন্ত লওয়া যাইবেনা। এবং পলিটিকাল এজেন্ট না থাকিলে স্থানীয় গ্বৰ্ণ-মেণ্টের অম্বয়োদন আবশ্যক হইবে।

আরো এই ধারামতে কোন ব্যক্তির বিপক্ষে কোন কার্য্যাস্থ্রান হইলে পর রটিয় ভারতব্যে সেই অপরাধ করা গেলে যদি সেই অপরাধের নিমিন্ত, পশ্চাৎ সেই বাক্তির বিপক্ষে আর কার্য্যাস্থ্রান হইতে না পারে তবে রটিয় ভারতবর্ষের সীমার বহিভূতি কোন দেশে সেই অপরাধের উপলক্ষে ভাহার বিপক্ষে ভিন্ন দেশের বিচারাধিপতা বিষয়ক ও অপরাধাদিগকে অং দেশে প্রেরণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের আইনমতে আর কার্য্যাস্থ-ষ্ঠান হইতে পারিবে না।

১৮৯ ধারা। ১৮৮ ধারায় যে প্রকারের অপরাধের উল্লেখ হইরাছে ভাহার ভদস্ত ও দলীলের ল ওয়া যাইতেছে কি বিচার প তিলি প প্রামাণস্বরূপ বাংণ কবিতে ভনাজ্ঞ। কবি-বার ক্ষমতাব কথা। দেশে অপরাধ করা গিয়াছে বলিয়া কথিত হয় তথায় বা তথাকার পলিটিকাল এজেন্ট সাহেবের কিম্বা বিচারপতির সমুখে যে জবানবন্দি লওয়া কি যে দলীল উপস্থিত করা গেল তদম্ভকারী কি বিচারকারী আদালত যে কোন মোকদ্মায় সেই জবানবন্দি কি দলীলের লিখিত বিষয়ের সাক্ষ্য লইবাল্প জন্যে কমিশনদিতে পারিতেন সেই মোকদ্মায় 🗳 আদালত ঐ জবানবন্দি ও দলীলের প্রতিলিপি প্রমাণ শ্বরূপ এহণ করিবেন, স্থানীয় গবর্ণফেণ্ট বিহিত বোধ করিলে এমন আজ্ঞা করিতে পারিকেন।

### খ।— কাৰ্য্যানডেও আৰশ্যক নিয়মবিষয়ক কিমি।

১৯• ধারা। (১) পশ্চালিখিত বিধানের স্থল ভিন্ন
কোন প্রেসিডেন্সা মাজিস্টেট
মালিটেটেন যে অপনাধ ও জিলার মাজিস্টেট ও মহকু
লাগ্য কবিতে পারিকেল
ভাষার কথা।
বিশেষমতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত অন্য
কোন মাজিস্টেট,

- (ক) কোন অপরাধাত্মক ঘটনার নালিশ প্রাপ্ত হইলে, কিছা
- (খ) উক্ত ঘটনা সম্বন্ধে পোলীদের রিপোর্ট পাইলে, কিম্বা
- (গ) পোলাস কর্মচারী ভিন্ন অন্য ব্যক্তির নিকট সংবাদ পাইলে, অথবা উক্ত অপরাধ যে করা গিয়াছে এতদ্বিষয়ে তাঁহার স্থীয় জ্ঞান কি সন্দেহ. থাকিলে, ঞ অপরাধ গ্রাহ্য করিতে পারিবেন।
- (২) কোন মাজিক্টেট ষে অপরাধের বিচার বা যাহা বিচারার্থে সমর্পণ করিতে পারেন, স্থানায় গ্রন মেন্ট কি স্থানীয় গ্রন্মেন্টের সাধারণ কি বিশেষ আজ্ঞা-ক্রমে জিলার মাজিক্টেট সাহেব (১) প্রকরণের (ক) কিম্বা (খ) দফামতে সেই অপরাধ আহ্য করিনার ক্ষমতা সেই মাজিক্টেটকে দিতে পারিবেন।
- (৩) কোন মাজিস্টেট যে অপরাধের বিচার বা ভাহা বিচারার্থে সমর্পন করিতে পারেন, স্থানীয় গবর্ন-মেন্ট (১) প্রকরনের (গ) দকামতে সেই অপরাধ গ্রাহ্য করিবার ক্ষমতা প্রথম কি দ্বিতীয় শ্রেনীর সেই মাজি-ফ্রেটকে দিতে পারিবেন।
- ১৯১ ধারা। কোন মাজিফেট পূর্কবর্তী ধারার (১)

  প্রকরণের (গ) দফামতে কোন

  প্রভিযুক্ত ব্যক্তিব প্রথনি
  মতে মোকদ্দমা হতান্তব

  বা নামর্পণ ক ব্রার কথা।

  ক্ষা ক্রান্তব কামে অভিযোগ হইলে

তন্মধ্যে কোন একজন কোন সাক্ষ্য গৃহীত হইবার পুর্বে এইরূপ দাওয়া করিতে পারিবেন যে, উক্ত মাজি-ষ্টেট কর্তৃক ঐ মোকদ্দমার বিচার না হইয়া উহা অন্য কোন মাজিফেটের নিকট প্রেরিত হয় জ্ববা সেশন আদালতে সমর্পিত হয়।

১৯২ ধারা। (১) কোন জিলার মাজিস্টেট কি প্রধান
প্রানিটেইটদেব মোকজন।
হন্তান্তব করিবাব কথা।

কমা প্রাহ্য করেন তাহার ডদন্ত
ক্রিবার কি বিচার করিবার নিমিত্ত তিনি তাহা তাহার
ক্ষমীন কোন মাজিস্টেটের নিকট প্রেরণ করিতে
পারিবেন।

(২) কোন প্রথম শ্রেণীর মাজিক্টেট মোকদ্দমা গ্রাহ্য করিয়া থাকিলে, জিলার মাজিক্টেট সাহেব ভাঁচাকে এই আইনমতে অভিযুক্ত ব্যক্তির বিচার করিবার বা

ভাষাকে বিচারার্থে স্বয়র্পশা করিবার ক্ষমভাপন ঐ জিলার অন্য কোন বিশেষ মাজিক্টেটের নিকট তদন্ত বা বিচার হইবার নিমিত্ত উহা প্রেরণ করিবার ক্ষমভা দিতে পারিবেন : এবং ঐ মাজিক্টেট তদমুসারে মোক ক্ষমার নিশান্তি করিতে পারিবেন।

১৯৩ ধারা। (১) এই আইনে কিন্তা যৎকালে অন্ত্য যে আইন প্রচলিত থাকে গোলন আদানত ছে তাছাতে প্রকারান্ত্রের স্পান্ত আশবাধ গ্রাহ্য করত পাবিবেন তাগাব কথা। বিধান না থাকিলে, তদ্বাথ নিয়ম্মতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত কোন মাজিস্টেট কর্তৃক অন্তিযুক্ত ব্যক্তি সমর্পিত না হইলে, কোন সেশন আদালত প্রথম স্থলায় বিচারাধিকার-বিশিষ্ট আদালতসক্ষপ কোন অপরাধ গ্রাহ্য করি-বেন না।

- (২) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট সাধারণ কি বিশেষ আজ্ঞা ঘারা তাঁহাদিগকে যে সকল মোকদ্দমার বিচার করিতে অদুেশ দেন, কিছা লেই খাঙের সেশন জ্ঞুজ সাহেব সাধারণ কি বিশেষ আজ্ঞাদ্বারা যে সকল যোকদ্দমা তাঁহাদিগের নিকট বিচারার্থে অর্পন করেন, আডিশনল সেশন জ্ঞুজ কি আসিফান্ট সেশন জ্ঞুজ কেবল সেই সকল মোকদ্দমার বিচার করিবেন।
- (৬) স্থানীয় গবণমেন্ট এক সেশন খণ্ডের সেশন জজকে অন্য খণ্ডের আডিশনল সেশন জজ স্বরপ ও নিযুক্ত করিতে পার্রিবেন, এবং ঐরপ স্থলে তিনি উহার অন্যতর খণ্ডের যে স্থানে বা যে যে স্থানে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট আদেশ করেন তথায় মোকদ্মার নিম্পত্তির জন্য অধিবেশন করিতে পারিবেন।
- ১৯৪ ধারা। (১) পশ্চালিখিত বিধানমতে কোন অপরাধ হাই কোটে সমর্পণ গাহ্য কবিবেন ভাগার কথা। গ্রাহ্য করিতে পারিবেন।

ভারতবর্ষীয় হাই কোট বিষয়ক ১৮৬১ সালের আইনমতে যে পেটেন্টপাত প্রদক্ত হয়, এই ধারার কোন কথায় ভাহার বিধানের কিছা এই আইনের জন্য কোন বিধানের কোন বিদ্ব হইবে এরূপ জ্ঞান করিতে ছইবে না।

- (২) (ক) শ্রীশ্রীয়তীর এটার্ন জেনরল সাহেব যে যে অভিপ্রায়ে ক্রণউবের পক্ষে ইংআডবেকেট জেনবল
  কত্ক সম্বাদাদবাব কথা।

  ক্ষিত করিতে পারেন আডবেংকেট জেনরল সাহেব জ্বোমান্ত্রসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবনর
  জেনরল সাহেবের কিন্তা ছানীয় গবর্ণমেন্টের মঞ্জুরি
  লইয়া হাই কোর্টের এলাকাধীন ব্যক্তিদের বিরুদ্ধে
  সেই সেই অভিপ্রায়ে হাই কোর্টে সম্বাদ উপস্থিত
  করিতে পারিবেন।
- (খ) ঐরপ প্রত্যেক সম্বাদ সম্বন্ধে যোকদমার অবস্থা ও উক্ত ছাই কোটের রীতি ও কার্য্যপ্রশালা অমুসারে যত দুর সাধ্য হয় এরপ কার্য্যান্টান হইতে

পারিবে যাহা শ্রীশারতীর এটনি জেনরস সাহেব কর্তৃক উপস্থিত করা তদ্রাপ সম্বাদ সম্বন্ধে আইনমতে অমৃষ্ঠিত হুইতে পারে।

- (গ) ঐরপ কোন সন্থাদ অনুসারে বা তৎক্রমে যে জরমানা, অর্থ দণ্ড, সম্পত্তিদণ্ড, ঋণ বা টাকা আদায় করা হয় তংসমন্তই ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের হইবে।
- ছাই কোর্ট এই ধারার বিধান কার্য্যে পরিণত করণার্থে বিধি প্রণয়ন করিতে পারিবেন।

১৯৫ ধারা। (১) (ক) জারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের
১৭২ ইইতে ১৮৮ পর্যান্ত থারা
রাজকীয় কার্য্যকারকদের
আইনসিদ্ধ ক্ষমতা অবজ্ঞা
কবণ হেতৃক অভিযোগের
পারে সেই অপরাধ রাজকীয়
কথা।
যে কার্য্যকারকের সম্বন্ধে হইয়া
পাকে তাঁহার কিম্বা তিনি
যাহার অধীন সেই রাজকীয় কার্য্যকারকের অমুমতি

খ) উক্ত আইনের ১৯৩, ১৯৪, ১৯৫, ১৯৬, ১৯৯, ২০০, ২০৫, ২০৬, ২০৭, ২০৮, সাধাবণের ন্যায়বিচাবের বিরুদ্ধে কোনং অপরাধহেত্ অভিযোগের কথা। তাহা কোন আদালতের আমু-

कि नानिम ना श्रेल,

ষ্টানিক কার্য্যে বা তৎসম্বন্ধে করা গেলে ঐ আদালতের কিম্বা সেই আদালত অন্য যে আদালতের অধীন থাকেন তদীয় অভ্নমতি কি নালিশ না হইলে,

(গ) উক্ত আইনের ৪৬৩ ধারায় যে কোন অপারাধের বর্ণনা আছে কিম্বা, ৪৭১,
দলীল প্রমাণ স্বরূপে উপশ্বিত করা গোলে তৎ সম্পকীয় অপাবাধের অভিযোগোর কথা।
কিনা আদালতের আনুষ্ঠানিক
কোন কার্য্যে প্রমাণস্বরূপ যে

দলীল উপস্থিত করা কি দেওয়া যায় তৎসম্বন্ধে কোন পক্ষ সেই অপরাধ করিলে, ঐ আদালত কিয়া ঐ আদা-লত অন্য যে আদালতের অধীন থাকেন তদীয় অমুমতি কি নালিশ না হইলে,

কোন আদালত ঐ অপরাধ গ্রাহ্য করিবেন না।

- (২) এই ধারায় "আদালত " শব্দে কোন দেও-য়ানী, রাজস্ব বা ফোজদারী আদালত বুঝাইবে, কিন্তু বেজিন্টরী করণ বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইনমত কোন রেজিন্টার বা অপর কোন আমলা ইহার অন্তর্গত নয়।
- (৬) এই ধারার লিখিত সকল অপরাধ সম্বন্ধে এই ধারার বিধান ঐ সকল অপরাধের সহায়তা করণের ও ঐ সকল অপরাধ করিবার উদ্যোগের প্রতিও বর্ত্তে।
- (৪) এই ধারায় যে অভ্যতির উল্লেখ হইয়াছে
  তাহা সাধারণ কথায় ব্যক্ত
  থে প্রকাবের অন্মতি
  পাওয়া আবশ্যক তাহার
  কথা।

  তাহা সাধারণ কথায় ব্যক্ত
  ব্যক্তির নাম লিখিবার প্রয়োজন নাই িকন্তু যে আদা-

লতে কি অন্য ছানে ও ষে সূত্রে অপরাধ করা যার যথাসাধ্য তাহার নির্দেশ করিতে হইবে।

- (৫) এই ধারার উল্লিখিত কোন অপরাধ সম্পর্কে অহমতি প্রদন্ত হইলে র্ভান্ত দৃষ্টে অন্যতর অপরাধ ক্ষত হইরাছে বলিয়া যদি প্রকাশ হয় তবে যে আদালত মোকদ্দমা গ্রাহ্য করেন উল্লিখিত অন্য অপরাধ ধরিয়া অভিযোগপত্র প্রস্তুত করণার্ধে সেই আদালতের ক্ষমতা থাকিবে!
- (৬) এই ধারামতে যে অহ্মতি দেওয়া অন্থীকার করা যায় অন্থীকারকারা কর্তৃপক্ষ যে কর্তৃপক্ষের অধীন সেই কর্তৃপক্ষ তাহা দিতে পারিবেন। সেই অহ্মতি লিখিত হইয়া দিবার তারিখ হইতে ছয় মাসের অধিক কাল বলবং থাকিবে না। কিন্তু হাই কোর্ট উপযুক্ত কারণ দেখান গেলে ঐ কাল বাড়াইয়া দিতে পারিবেন।
- (৭) ছোট আদালত ভিন্ন প্রত্যেক আদালত হইতে সাধারণতঃ যে আদালতে আপীল হয়, এই ধারার কার্য্য-পক্ষে প্রথমোক্ত আদালত সেই আদালতের অধীন বলিয়া গণ্য হইবে।
- (৮) রাজধানী নগরের ছোট আদালত হাই কোর্টের অধীন বলিয়া গণ্য হইবে. এবং প্রত্যেক ছোট আদালত যে সেশন খণ্ডের মধ্যে থাকে সেই খণ্ডের সেশন আদালতের অধীন বলিয়া গণ্য হইবে।

১৯৬ ধারা। ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ১২৭
ধারা ভিন্ন ৬ অধ্যায়মতে দণ্ডবাঙ্গবিক্ষম অশ্বাধেব নীয় কিয়া উক্ত আইনের
অভিযোগের কথা।
২৯৪ক ধারামতে দণ্ডনীয় অপ্রাধের নালিশ হইলে, মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত
গবর্ণর জেনরল সাহেবের কিয়া স্থানীয় গবর্ণমেন্টের
আজ্ঞা কিয়া দত্ত ক্ষমতাক্রমে কিয়া এতৎপক্ষে মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের স্থানে
ক্ষমতাপ্রাপ্ত কর্মচারির আজ্ঞা কিয়া তাঁহার দত্ত ক্ষমতাক্রমে ঐ নালিশ উপস্থিত করা না গেলে, কোন আদালতে
তদ্রপ অপরাধের অভিযোগ গ্রাহ্য হইবে না। -

১৯৭ ধারা। (১) বিচারকর্তাস্তরপ কোন বিচার-কর্তার নামে কিন্তা রাজকীয় কর্তার কামে কিন্তা রাজকীয় অন্য যে কার্য্যকারক ভারতবর্ষীয় অন্য যে কার্য্যকারক ভারতবর্ষীয় কি স্থানীয় গবর্ণমেন্টের অস্থ্যতি বিনা অপস্ত হইতে না পারেন

এমত কার্য কারকস্বরূপ তাঁছার নামে কোন অপরাধের অভিযোগ হইলে, যে গবর্ণমেন্ট তাঁছাকে অপসৃত করি-বার আজ্ঞা দিতে পারেন সেই গবর্ণমেন্ট কিম্বা উক্ত গবর্ণমেন্ট হইতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত অন্য কর্মচারির অন্তমতি ভিন্ন অথবা ঐ বিচারকর্জা কিম্বা রাজকীয় কার্য্যকারক যে আদালতের কিম্বা অন্য কর্তৃপক্ষের অধীন থাকেন উক্ত গবর্ণমেন্ট তাঁছার তব্দ্রপ অভিযোগ করিবার অন্তমতি দিবার ক্ষমতা ধর্ব করিয়া না থাকিলে তাঁছার অন্ত্ মতি ভিন্ন ঐ অভিযোগ কোন আদালতে গ্রাহ্য হইবে না।

(২) যে ব্যক্তি কর্তৃক ও যে প্রকারে উক্ত বিচার-কৰ্তা \* কি ৰাজকীয় কাৰ্য্যকান্তক व्यक्तियांग मध्यक्त गवर्ग-সম্বন্ধীয় অভিযোগ চালাইতে মেণ্টের ক্ষমন্তার কথা। হইবে উক্ত গবর্ণমেন্ট ভাহা . ছির করিতে পারিবের্ন, এবং যে আদালতের সন্মুখে বিচার ইইবে তাহাও নির্দেশ করিতে পারিবেন।

১৯৮ ধারা। ভারতবর্ধের দণ্ডবিধির আইনের ১৯ কি ২১ অধ্যামের মধ্যে কি ৪৯৩ চুক্তিভাল ও অপবাদ ও হইতে ৪৯৬ পর্য্যন্ত ধারার বিবাদ সম্পর্কীয় অপুরাধেব মধ্যে যেং অপরাধ পড়ে ঐ ঐ অভিযোগের কথা। অপরাধক্রমে ক্ষতিগ্রস্ত কোন ব্যক্তির ছারা নালিশ না হইলে কোন আদালতে সেই অপকাধ আহ্য হইবে না।

১৯৯ ধারা। জীলোকের স্বামী কি তাঁহার অমুপ-শ্বিভিতে যে সময়ে অপরাধ হয় প্ৰদাৰ সংক্ৰান্ত কিয়া সেই সময়ে তাঁহার পক্ষে ঐ বিবাহিতা স্ত্রীলোককে ফুদ-দ্রালোকের যিনি রক্ষক থাকেন लाइया लख्न दियगक তিনি নালিশ না করিলে, কোন অভিযোগের কথা: আদালতে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির জাইনের ৪৯৭ কি ৪৯৮ ধারামত অপরাধ গ্রাহ্য হইবে मा ।

### ১৬ ষো দশ অধ্যায়।

### মাজিফ্রেটদের নিকট নালিশ করিবার বিধি।

২০০ ধারা। নালিশ হইলে যে মাজিফ্রেট কোন অপরাধ গ্রাহ্য করেন, তিনি বাদিব পরীক্ষা লইবার শপথ করাইয়া বাদির পরীক্ষা লইবেন, ও সেই পরীক্ষার মর্ম লিখিয়া রাখা যাইবে ও তাহাতে বাদী এবং মাজিফ্টেট স্বাক্ষর করিবেন।

- কিন্ধু (ক) লিখিয়া নালিশ করা গেলে, ১৯২ ধারা-মতে মোকদ্দমা হস্তাম্ভর করিবার পূর্বে মাজিফ্রেটের যে বাদির পরীক্ষা লইতে হইবে, এই ধারার কোন কথয়ে এরপ জ্ঞান হইবে না।
- . (খ) উক্ত মাজিফ্টেটপ্রেসিডেন্সী মাজিফ্টেট হইলে. মাজিক্টেট প্রত্যেক স্থলে যেমন উচিত বোধ করেন ভেমনি লপথ করাইয়া কি না করাইয়া ঐ পরীক্ষা করিতে পারিবেম, এবং তাহা দিখিয়া লইবার প্রয়োজম নাই; কিন্তু মাজিফ্টেট বিহিত বোধ করিলে নালিশের বিষয় তাঁহার সমুখে উপস্থিত করাইবার পূর্কে তাহা লিখিয়া দিবার আদেশ করিতে পারিবেন।
- (গ) ১৯২ ধারামতে ফোকদ্দমা হতান্তর করা গেলে, যে মাজিঞ্টেট তাহা হস্তাস্তর করেন তিনি বাদির পরীকা লইয়া থাকিলে, যে মাজিফ্টেটের নিকটে ঐ

মোকদ্দমা হস্তান্তর করিয়া দেওয়া যায় তিনি বাদিকে পুনর্কার পরীক্ষা করিতে বাধ্য হইবেন না।

২০১ ধারা (১) লিখিয়া নালিশ করা গিয়া থাকিলে এবং মাজিক্টেট ঐ মাজিট্টেট নালিশ ভানতে নালিশ গ্রাহ্য করিতে ক্ষমতা-ক্ষমতাপদ্ধ না ১ইলে, কাহ্য. পন্ন না হইলে উপযুক্ত আদা-প্রণালীর কথা। লতে দিবার নিমিত পেই মর্মের পৃষ্ঠলিপি সহিত নালিশ কিরাইয়া দিবেন।

- (२) नानिम निचित्रा करा गित्रा ना शांकितन औ याजित्छे वानिमकातोत्क छे श्रयुक्त जामानट याहेवाद जारमन कतिर्दाय थवः मानिन सं कता इंदेशां हिन अदे कथा निश्विक कतिरवन।
- २०२ शता। (১) श्रक्षाम त्थामराज्यो माजित्के এবং স্থানীয় গবর্ণমেন্ট অন্য প্ৰওয়ানা দিতে বিলয় যে কোন প্রেসিডেন্সী মাজি-করণের কথা। ফ্রেটকে এতদর্থে সময়েং ক্ষমত। দেন তিনি, কিন্তা প্রথম বা দিতীয় শ্রেণীর ম।জি-ফ্রেট যে নালিশ গ্রাহ্য করিতে পারেন দেই নালিশের সত্যতা সম্বন্ধে অবিশ্বাস করিবার কারণ দেখিলে বাদির পরীক্ষা লইবার পর নালিশের সত্যতা সম্বন্ধে অবিশ্বাস করিবার কারণ লিপিবদ্ধ করিয়া যাহার নামে নালিশ হইল তাহাকে উপস্থিত করাইবার পরওয়ানা দিতে বিলম্ব করিয়া নালিশের সত্যাসত্যতা নির্বয় করিবার জন্য আপনি নালিশের তদম্ভ লইতে পারি-বেন কিম্বা প্রথমে আপনার অধীন কোন কর্মচারির কিম্বা পোলীদের কর্মচারির দ্বারা কিম্বা মাজিফ্রেট বা পোলীস কর্মচারী ভিন্ন অন্য যে ব্যক্তি ছারা বিহিত বোধ করেন সেই ব্যক্তি দারা ঐ নালিশের ছানীয় অমুসন্ধান লইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।
- (২) মাজিফেট কিয়া পোলীদের কর্মচারী ভিয় যদি অন্য ব্যক্তির দ্বারা ঐ অনুসন্ধান লওয়া যায়, তবে এই আইনক্রমে থানার অধ্যক্ষের প্রতি যে সকল ক্ষমতা অর্পণ করা গেল ঐ ব্যক্তি সেই সকল ক্ষমতামতে কার্য্য করিতে পারিবেন, কেবল তাঁহার ওয়ারণ্ট বিনা ধ্বত করিবার ক্ষমতা থাকিবে না।
- ।৩) এই ধারা কলিকাতা ও বোম্বাই নগরের পোলী সের প্রতি বর্ত্তে।

২০৩ ধারা। যে মাজিফ্টেটের নিকট নালিশ করা বা উঠাইয়া দেওয়া যায় নালিশ ভিদ'মদ কবিবাৰ তিনি বাদির পরীক্ষা করিলে **49**11 এবং ২০২ ধারামতে অহুসন্ধান লওয়া গেলে তাহার ফল বিবেচনা করিয়া দেই বিষয়ের আর কোন কার্য্যান্স্টান করিবার বিশিষ্ট কারণ নাই বিবেচনা করিলে ঐ নালিশ ডিসমিস করিতে পারিকেন। ঐরপ স্থলে তাঁহার উক্তরপ করিবার হেতৃ সংক্ষেপে লিপিবদ্ধ করিতে হইবে।

### ১৭ সপ্তদশ অগ্যায়।

याजित्के हेएनत मञ्जूष्य कार्यगात्र छ कर्तिवात विधि।

২০৪ ধারা। (১) যে মাজিফেট কোন অপরাধ গ্রাহ্য করেন তাঁহার মতে কার্য্যান্স্রচান করিবার বিশিষ্ট কারণ থাকিলে করিবার বিশিষ্ট কারণ থাকিলে করিবার বিশিষ্ট কারণ থাকিলে কিতীয় তক্সীলের চতুর্থ ঘর দেখিয়া যদি প্রথমে সেই মোকদ্মায় সমন দেওয়া উচিত বোধ হয় তবে অভিন্যুক্ত ব্যক্তির উপস্থিত হইবার নিমিক্ত সমন দিবেন। উক্ত ঘর দেখিয়া প্রথমে যদি ওয়ারন্ট দেওয়া উচিত বোধ হয়, তবে তিনি আপনার কিন্বা সেই বিষয়ের বিচার করিতে সক্ষম অন্য মাজিফেটের সম্মুখে অভিন্যুক্ত ব্যক্তিকে নির্দিষ্ট সময়ে আনাইবার বা উপস্থিত করাইবার জান্যে ওয়ারন্ট দিতে অথবা উচিত বোধ করিলে সমন দিতে পারিবেন।

- (২) এই ধারার কোন কথাক্রমে ৯০ ধারার বিধানের কোন ব্যতিক্রম হইবে বলিয়া জ্ঞান হইবে না।
- (৩) যৎকালে যে কোন আইন প্রচলিত থাকে তদল্পারে কোন পারওয়ানার কী বা অপার ফা দেয় হইলে, যাবৎ ঐ ফী দেওয়া না হয় তাবৎ সমন দেওয়া যাইবে না, এবং যুক্তিযুক্ত সময়ের মধ্যে ঐ ফী দেওয়া না গেলে মাজিইটে মোকদ্দমা ডিস্মিস করিতে পারিবেন।

২০৫ ধারা। (১) যখন কোন মাজিস্টেট সমন দেন, উপযুক্ত কারণ জানিলে অভি-আজ্যুক্ত থাজিব উপন্থিত না হইবাব অনুমাত দিতে মাজিট্রেটের ক্ষমতার কথা। হইয়া আপনার পক্ষের উকী-লের দ্বারা উপস্থিত হইবার

অহ্নতি দিতে পারিবেন।

(২) কিন্তু কার্য্যাম্ষ্টানের কোন সময়ে ভদস্তকারী বা বিচারকারী মাজিস্টেট আপুন বিবেচনামতে অভিযুক্ত ব্যক্তির স্বয়ং উপস্থিত হইবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন, এবং আবশ্যক গইলে পুর্ব্ব প্রদত্ত বিধানমতে তাহাকে বলপূর্বক উপস্থিত করাইতে পারিবেন।

## ১৮ অপ্তাদশ অধ্যায়।

সেশন আদালতের কি হাই কোর্টের বিচার্য্য মোকদ্দমার তদন্ত বিষয়ক বিধি।

২০৬ ধারা । (১) ৪৪৩ ধারার বিধান মানিয়া কোন
প্রেসিডেন্সী মাজিস্টেট কিল্বা
কিচারার্থ সমপন কবিবাব
জিলার মাজিস্টেট কিল্বা মহকুমার মাজিস্টেট কিল্বা প্রথম
শ্রেণীর কোন মাজিস্টেট কিল্বা প্রথম
শ্রেণীর কোন মাজিস্টেট কিল্বা এতথ পক্ষে স্থানায়
গবর্ণমেন্ট হইতে ক্ষমতা প্রাপ্ত কোন মাজিস্টেট দেশন
আদালতের কিল্বা হাই কোর্টের বিচার্য্য কোন অপরাধ
হেতুক কোন ব্যক্তিকে ঐ আদালতে কি কোর্টে সমর্পন
করিতে পারিবেন।

(२) কিন্তু এই আইনে প্রকারান্তরের বিধান না থাকিলে সেশন আদালতৈর বিচার্য্য কোন ব্যক্তিকে বিচারার্থে হাই কোটে সমর্পণ করা যাইবে না।

২০৭ ধারা। কেবল সেশন আদালতের কি হাই
কোটেরই বিচার্য্য মোকদ্দমার
সমপণার্থে প্রথমে তদন্ত
লইবাব কার্য্যপ্রণালীর কথা।
হাই কোটে কি সেশন আদালতে
যে মোকদ্দমার বিচার হওয়া উচিত, সেই মোকদ্দমায়
মাজিস্টেটদের সমুখে যে তদন্ত লওয়া যায় তছিবয়ে
নিম্নলিখিত প্রণালীমতে কার্য্য করিতে হইবে।

২০৮ ধারা। (১) অভিযুক্ত ব্যক্তি উপস্থিত ছইলে
অথবা তাহাকে মাজিস্টেটর
সন্মুখে উপস্থিত করা গেলে
মাজিস্টেট কেহ বাদী থাকিলে
তাহার বক্তব্য শ্রবণ করিবেন ও অভিযোগের পক্ষে বা
অভিযুক্ত ব্যক্তির পক্ষে যে সকল সাক্ষ্য উপস্থিত করা
যায় বা যাহা মাজিস্টেট তলব করেন তাহা পান্চালিখিত
বিধানমতে গ্রহণ করিবেন।

- (२) অভিযুক্ত ব্যক্তি অভিযোগের পক্ষে সাক্ষী-দিগকে জেরা করিতে পারিবেন, এবং ঐরপ স্থলে অভিযোক্তা তাহাদিগকে পুনর্ধার পরীক্ষা করিতে পারিবেন।
- (৩) কোন সাক্ষীকে কি কোন দলীল কি অন্য বস্তু
  উপস্থিত করাইবার নিমিত্ত বাদী
  আবো সাক্ষ্য উপস্থিত
  করাইবার পব ওয়ানাব কথা।
  চালান তিনি কি অভিযুক্ত ব্যক্তি
  মাজিস্টেটের নিক্টে পর ওয়ানা দিবার প্রার্থনা করিলে
  মাজিস্টেট ঐ পর ওয়ানা দিবেন, কিন্তু তজ্ঞপাপর ওয়ানা
  দেওয়া অনাবশ্যক জ্ঞান করিলে যুক্তি লিপিবদ্ধ করিয়া
  পর ওয়ানা দিবেন না।
- (৪) প্রেসিডেন্দী মাজিফ্রেটকে যে আপনার যুক্তি লিপিবদ্ধ করিবার আদেশ হইল, এই ধারার কোন কথায় এরূপ জ্ঞান করা যাইবে না।

২০৯ ধারা। (১)২০৮ ধারার (১) ও (৩) প্রকরণের উল্লিথিত সাক্ষ্য লইয়া এবং সাক্ষ্যে
যে ক্লে অভিযুক্ত অভিযুক্ত ব্যক্তির বিরুদ্ধে যে
নাজকে ছাড়িয়া দেওযা
ফাইবে তাহাব কথা।
তাহার ব্যাখ্যা করিতে সমর্থ
করিবার নিমিত্ত অভিযুক্ত ব্যক্তির পরীক্ষা করিয়া অভিযুক্ত ব্যক্তিকে বিচারার্থে সমর্পণ করিবার বিশিষ্ট হেডু
নাই মাজিস্টেট এমত বোধ করিলে ঐরপ বোধ করিবার হেড় লিপিবদ্দ করিয়া তাহাকে ছাড়িয়া দিবেন।
কিন্তু আপনার সম্মুখে কিন্তা অন্য কোন মাজিস্টেটের
সম্মুখে সেই ব্যক্তির বিচার হওয়া উচিত তাঁহার এরপ
বোধ হইলে তিনি তদম্যায়া কার্য্য করিবেন।

(২) অভিযোগ অমূলঁক বিবেচনা করিলে, ছেছ্ লিপিবন্ধ করিয়া, মাজিফ্রেট মোকদ্দমা চলনের এতৎ-পুঝ কোন স্বস্থায় অভিযুক্ত ব্যক্তিক্র যে ছাড়িয়া দিতে পারিবেন না, এই ধারার কোন কথাক্রমে এরপ জ্ঞান করা যাইবে না!

২১০ ধারা। (১) তদ্রপা সাক্ষ্য লওয়া গেলে পর

এবং তদ্রপা পরীক্ষা যদি করা

কখন অনুভযোগণত্র প্রস্তুত
কারতে হইবে তাহার কথা।

যাজিক্টেট স্থির করেন যে,

মোটামুটি অভিযোগের বিষয় সাব্যক্ত হইয়াছে ও অভিযুক্ত ব্যক্তিকে বিচারার্থে সমর্পন করিবার বিশিষ্ট হেডু
আছে, তবে অভিযুক্ত ব্যক্তির নামে যে অপরাধের
অভিযোগ হইল তাহা নির্দেশ করিয়া আপনার স্বাক্ষরযুক্ত অভিযোগপত্র প্রস্তুত করিবেন।

(২) অভিযোগপাত্র প্রস্তুত হইলে পর অভিযুক্ত অভিযুক্ত ব্যক্তিকে অভি-যোগ বৃঝাইফা দিবাব ও যাইবে ও তাহাকে বৃঝাইয়া অভিযোগপত্রেব নকল দেওয়া যাইবে ও সে চাহিলে দিবাব কথা। তাহার নকল বিনা খরচায়

ভাহাকে দেওয়া যাইবে।

২১১ ধারা। (১) বিচারকালে অভিযুক্ত ব্যক্তি সাক্ষ্য দিবার জন্য কাহাকে সমন বিচাৰ,কালে প্রতিবাদির করাইতে চাহিলে যাহাদিগকে সমন করাইতে চাহে, তৎ-কালেই তাহাদিগের নাম বাচনিক জানাইতে কি লিখিয়া দিতে তাহার প্রতি আজ্ঞা হইবে।

(২) মাজিস্টেট স্থায় বিবেচনামতে তৎপাশ্চাৎ
কান কালেও অভিযুক্ত
আন্ত নামনির্ঘটের কথা।
ব্যক্তিকে সাক্ষীদের নামের
আর এক কর্দদ দিবার অভ্যমতি দিতে পারেন; এবং
অভিযুক্ত ব্যক্তিকে বিচারার্থে হাই কোর্টের সমুখে
সমর্পণ করা গেলে অভিযুক্ত ব্যক্তি বিচারকালে সাক্ষ্য
দিবার জন্য অন্য ব্যক্তিদের নামে সমন দেওয়াইতে
বৃঞ্ছা ক্রিলে, বিচার হইবার প্রের্গ্র কার্ক অফ দি কোন
সাহেবকে তাহাদের নামের নির্ণন্ট দিবার তাহার কোন
বাধা আছে, এই ধারার কোন কথাক্রমে এমত বোধ
হইবে না।

২১২ ধারা। ২১১ ধারামতে মাজিফ্রেটকে যে
সাক্ষীদের নামের ফর্দ্দ দেওয়া
মাজি-ট্রেটেব তজ্ঞণ যায় স্থীয় বিবেচনামতে তিনি
সাক্ষীদেগকে পরীক্ষা করিবার ক্ষমতাব কথা।

দিয়া পরীক্ষা করিতে পারি-

২১৩ ধারা। (১) অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রতি ২১১
ধারামতে কর্দ্ধ দিবার আদেশ
বিচারার্থে দমর্পন করি:
হইলে ও সে ভাছা না দিলে
ক্রেবা সে ভদ্রপ কর্দ্ধ দিলেও,

মাজিক্টে যাহাদের পানীকা লইতে চাহেন তন্মধ্যে এমন

(वस ।

দাকী যদি থাকে ভাহাদিগকে ২১২ ধারামতে সমন করিয়া পরীক্ষা করা গেলে, মাজিফ্রেট হাই কোর্টে কি স্থলবিশেষে, সেশন আদালতে বিচারার্থে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে সমর্পণ করিবার আজা করিতে পারিবেন এবং প্রেসিডেন্দী মাজিফ্রেট না হইলে ঐ আজ্ঞাতে তদ্রূপ সমর্পণ করিবার হেতু সংক্ষেপে লিপিবদ্ধ থাকিবে।

(२) প্রতিবাদীর সাক্ষীদিগের উক্তি শুনিবার পর যদি মাজিক্টেটের এরপ প্রতীতি হয় যে, অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ঐরপে সমর্পণ করিবার পক্ষে উপযুক্ত কারণ নাই তাহা হইলে তিনি অভিযোগ রহিত করিয়া অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ছাড়িয়া দিতে পারিবেন।

২১৪ ধারা। অভিযুক্ত ব্যক্তি ইউরোপীয় রটিয
প্রজানা ইইলে যদি তাহার নামে
ইউবোপীয় রটিষ প্রজার
প্রতি বাজধানী নগবের
বাহিবে একল অভিযুক্ত
ব্যক্তিব কথা।

ইউবোপীয় বুটিষ প্রজা একই ব্যাপার মূলক

তদ্রপ অভিযোগে শীঘুই হাই কোর্টে বিচারার্থে সমর্পিত হইবে কিম্বা হাই কোর্টে যাহার বিচার হইবে তাহার সজে সংযুক্ত হইয়া সে অপরাধ করিয়াছে, ও সেই অভিযুক্ত ব্যক্তিকে বিচারার্থে সমর্পন করিবার বিশিষ্ট হেতু আছে মাজিফ্রেট যদি এরপ বোধ করেন ভবে তিনি সেই অভিযুক্ত ব্যক্তিকে হাই কোর্টে বিচার হইবার নিমিন্তে সমর্পন করিবেন, সেশন আদালতে নয়।

২১৫ ধারা। কোন উপযুক্ত ক্ষমতাপন্ন মাজিফ্টেট ২১৩ কি ২১৪ ধারামতে কিন্তা ২১৩ কি ২১৪ ধাবামত্তে কোন দেশন আদালত ৪৭৭ বিচাবার্থে সমর্থণ অসিদ্ধ ধারামতে কিম্বা কোন দেওয়ানী কবিব;ব কথা। কি রাজ্ঞস্থ আদালত ৪৭৮ ধারামতে একবার বিচারার্থে সমর্পণ করিলে, কেবল হাই কোর্ট তাহা অসিদ্ধ করিতে পারিবেন, তাহাও কেবল আইন ঘটিত বিষয় ধ্রিয়া পারিবেন।

২১৬ ধারা । অন্তিযুক্ত ব্যক্তি ২১১ ধারামতে
সাক্ষাদের নামের নির্গতিপত্ত অভিযুক্ত ব্যক্তিকে সমদলে ও তাহাকে বিচারার্থে পণ কবা গেলে প্রতি-বাদীর সাক্ষীদিগকে সমন দিবার কথা। লিখিত যে সাক্ষীরা আপ-নার সম্মুখে উপস্থিত হয় নাই যে আদালতে অভিযুক্ত ব্যক্তি বিচারার্থে সমর্পিত হইরাছে যাজিফ্রেট তাহাদিগকে সেই আদালতে উপ স্থিত হইবার সমন দিবেন।

কিপ্প উক্ত ব্যক্তিকে হাই কোর্টে সমর্পণ করা গেলে মাজিফ্রেট স্থায় বিবেচনামতে ক্লার্ক অফ দি কোনের জন্য উক্ত সাক্ষাদিগকে সমন করিবার কার্য্য রাখিয়া দিতে পারিবেন; এবং তদমুসারে উক্ত সাক্ষাদিগকে সমন করা যাইতে.পারিবে। পরস্কু কেবল কট দিবার কি বিলম্ব করিবার কিম্বা

ন্যায়বিচারের উদ্দেশ্য নিক্ষল অনাবশ্যক দাক্ষীর থরচা করিবার জন্য সাঁফীদের নাম-আমানত না হইলে তাহাকে নিৰ্ঘণ্টে কোন ব্যক্তির নাম দমন কবিতে অস্থীকাব লেখা গিয়াছে মাজিফেট এমত ক্রিবাব কথা। বোধ করিলে, সেই সাক্ষীর

সাক্ষ্য অত্যন্ত প্রয়োজনীয় বলিয়া বিশ্বাস করিবার যে যুক্তিযুক্ত হেছু আছে ভদ্বিষয়ে তাঁহ'র প্রতীতি জন্মাই-বার জন্য ছান্ডিযুক্ত ব্যক্তির প্রতি আদেশ করিতে পারিবেন। মাজিফ্রেট সাহেবের ঐরপ প্রতীতি না জ্ঞন্মাইলে তিনি ঐ সাক্ষীকে সমন করিতে অঙ্বীকার করিবার হেভ লিখিয়া অস্বীকার করিতে পারিবেন কিম্বা ঐ সাক্ষীকে উপস্থিত করাইবার নিমিত্ত যত খরচ স্থাবশ্যক জ্ঞান করেন তিনি ঐ সাক্ষীকে সমন করিবার পুর্ব্বে তত টাকা ও অন্য সকল উপযুক্ত খরচ আমানত করিবার আদেশ করিতে পারিবেন।

২১৭ ধারা ৷ (১) সেশন আদালতে কি হাই কোর্টে যে বাদিদের ও অভিযোগের वानिट=व ७ माकीरमव ও প্রতিবাদের मशक य নিবন্ধপত্রের কথা। সাক্ষীদের উপস্থিত হওয়া আবশ্যক তাহারা মাজিফ্টেটের সন্মুখে উপস্থিত থাকিলে, সেশন আদালতে কি হাই কোর্টে মোকদ্দমা চালাইবার কিম্বা স্থলবিশেষে সাক্ষ্য দিবার জন্য ডাকা গেলেই তাহারা উপস্থিত হইবে মাজিফ্রেট সাহেবের সাক্ষাতে এই মর্মের নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবে।

(২) কোন বাদী কি সাক্ষী সেশন আদালতে কি হাই কোর্টে উপস্থিত হইতে, উপস্তি হটতে কি কিম্বা পূৰ্বে আজ্ঞামত নিবন্ধ-নিবদ্ধপত লিখিয়া দিভে পত্র লিখিয়া দিতে অস্বীকার স্থীকাৰ না কৰিলে হেফা-করিলে, যত কাল ঐ পত্র জতে বাহিবাৰ কথা। লিখিয়া না দেয় কিন্তা সেশন আদালতে কি হাই কোর্টে তাহার যত কাল উপস্থিত হওয়া প্ৰয়োজন না হয় যাজিফ্টেট তাহাকে তত কাল হেফাজতে রাখিতে পারিবেন। র্জনপ প্রয়োজন হইলে মাজিফ্রেট তাহাকে প্রহরির জিম্মায় সেশন আদা-লতে কি স্থলবিশেষে হাই কোর্টে পাঠাইবেন।

২১৮ ধারা। (১) অভিযুক্ত ব্যক্তিকে বিচারার্থে সম-র্পণ করা গেলে মাজিফ্রেট মোক্দমা সমর্পণ হইলে গবর্ণমেণ্ট কর্ত্তৃক যে ব্যক্তি জ্ঞাত কবিবাব কথা। এতৎপক্ষে নিযুক্ত হন তাঁহার নামে আজ্ঞাপত্র দিয়া ঐ সমর্পণ হইবার কথা জানাইয়া অভিযোগপত্রের পাঠাহুদারে অপরাধজ্ঞাপক পত্র দিবেন। কিন্তু যদি মাজিফ্টেটের প্রতীতি জন্মে যে উক্ত ব্যক্তি সমর্পণ হইবার বিষয় ও অভিযোগপত্রের পাঠ অবগত আছেন, তবে ঠাহার নামে আজ্ঞাপত্রাদি **पिट्य**न मा ।

এবং যে অভিযোগপত্র ও তদন্তের কাগঞ্জপত্র ও অল্ল শল্ল কি অন্য দ্ৰহাঁ প্ৰহাণ-অভিযোগণত প্রভৃতি স্বরূপ উপস্থিত করা আবশ্যক হাই কোটে ব৷ সেশম আদালতে পাঠাইবার কথা। হয় তাহা ঐ মাজিক্টেট সেশন আদালতে কিন্তা (হাই কোর্টে সমর্পণ হইয়া থাকিলে) ক্লার্ক তাক দি ক্লোন সাহেবের বা এতৎপক্ষে হাই কোর্টের নিযুক্ত অন্য কর্মচারির " নিকট প্রেরণ করিবেন।

(২) যখন হাই কোর্টে বিচারার্থে সমর্পণ করা যায়, নধীর অংশবিশেষ যদি ইংরাজী ইংবাজী অন্যবাদ হাই ভাষায় লিখিত না হয়, ভবে কোটে পাঠাইতে হইবার নথীর সঙ্গে এ অংশের 4411 ইংরাজী অমুবাদ পাঠাইতে

হইবে 🖡

২১৯ ধারা। (১) সমর্পণ হইবার পর ও বিচার কার্য্যের আরম্ভ হইবার পুর্বে অতিবক্ত সাক্ষীদিগকে মাজিষ্টেট বিহিত বোধ ক্রিলে স্মন ক্রিবার ক্ষমতার অতিরিক্ত সাক্ষীদিগকে সমন কথা | করিয়া ভাহাদের পরীক্ষা লইন্ডে পারিবেন, ও পূর্ববিহিত প্রকারে ভাহাদিগকে উপস্থিত হইয়া সাক্ষ্য দিতে প্রতিজ্ঞাবদ্ধ করিতে পারিবেম।

 হইতে পারিলে, অভিযুক্ত ব্যক্তির সাক্ষাতে ঐ পরাক্ষা লওয়া যাইবে ও মাজিষ্টেট প্রেসিডেস্সী মাজি-ফ্রেট না হইলে, অভিযুক্ত ব্যক্তি যদি চাহে ভাহাকে বিনা খরচে ঐ সাক্ষাদের জবানবন্দীর নকল দেওয়া याइ:व।

২২০ ধারা। বিচারের অপেক্ষায় ও বিচারকালে মাজিফ্টেট হাজিরজামিন সম্বন্ধে বিচাবের অপেক্ষায় অভি-এই আইনের বিধান প্রাক্ত যুক্ত ব্যক্তিকে হাজতে মানিয়া অভিযুক্ত ব্যব্জিণকৈ বাধিবাব কথা। ওয়ারত দ্বারা হেফাজতে স্ম-প্র করিবেন।

# ১৯ ঊনবিংশ অধ্যায়। অভিযোগের বিধি।

অভিযোগ লিখিবার পাতের বিধি।

২২১ ধারা।(১) অভিযুক্ত ব্যক্তির **নামে** যে অ**প**রাধের অভিযোগ হয় এই আইনম্ভ অভিযোগণতে অপবাধ অভিযোগপত্ৰে তাহা ৰ্যক্ত নির্দ্দিষ্ট করিবার কথা। থাকিবে।

(২) যে আইনে কোন কর্ম অপরাধ বলিয়া নির্দ্ধিষ্ট হয় সেই আইনে ঐ অপরাধের অপরাধেব বিশেষ নামই 'বিশেষ নাম ধাকিলে, অভি-বিশিষ্ট বর্ণনা হইবার কথা। যোগপত্তে কেবল সেই নাম উল্লেখ করিয়া অপরাধ নিদ্দিষ্ট হইতে পারিবে।

- (৩) যে আইনে কোন কর্ম অপরাধ বলিয়া নির্দ্দিষ্ট হয় সেই আইনে ঐ অপজ্বাধের নাম নিরূপণ রাধের বিশেষ নাম না থাকিলে,
  মা হইলে যেরূপ বর্গনা
  ইইবে তাহাব কথা।

  ত্য়ের অভিযোগ হয় তাহা যেন
  সে জানিতে পায় এই নিমিত্ত ঐ অপরাধ নির্দেশ
  করণের যত কথা উল্লেখ করা প্রয়োজন তাহার উল্লেখ
  করিতে হইবে।
- (৪) যে আইনের এবং আইনের যে ধারার বিরুদ্ধে অপরাধ করা গিয়াছে বল। যায়. অভিযোগপত্তে সেই আইনের ও সেই ধারার উল্লেখ করিতে হইবে।
- (৫) কোন স্থলৈ অপরাধের শভিষোগ হইলে আইন
  সংক্রাপ্ত যে২ নিয়ম না থাকিলে
  অভিযোগপতে বে অনুমান হইবে ভঃহাব কথা।
  অপরাধ হয় না, সেই স্থলে
  ঐ২ নিয়ম যে পূর্ণ হইল ঐ অভিযোগই ইহার বর্ণনার
  তুলা।
- (৬) রাজধানী নগর সমূহে অভিযোগপত্র ইংরাজী ভাষায় লিখিত হইবে; অন্যত্র অভিযোগপত্র হেংরাজী ভাষায় লেখা যাইবে।

  ত্বিশ্ব বিশ্ব তাগার কথা।

  কিছা আদালতের ভাষায় লেখা যাইবে।
- (৭) পূর্বের্ব যদি অভিযুক্ত ব্যক্তির কোন অপরাধ নির্ণয় হইয়া থাকে এবং আদাপ্রের অলবাধ নির্ণয় লভ ধে দণ্ডের আজ্ঞা করিবার কইলে অভিযোগণতে তাল কি প্রাস করণাভিপ্রায়ে যদি পূর্বেনির্ণীত অপরাধ প্রমাণ করিবার কম্পনা থাকে, তবে পূর্বের অপরাধ নির্ণয় হইবার কথা ও যে তারিখে ও স্থানে অপরাধ নির্ণয় হইয়াতে তাহা শভিযোগপতে দিখিতে হইবে। প্রথমে যদি না লেখা গিয়া থাকে তবে দণ্ডের আজ্ঞা হইবার পূর্বের কোন সময়ে তাহা আদালত অভিযোগপতে সংযোগ করিয়া দিতে পারিব্রন।

### উদাহরণ।

- (ক) আনন্দের নামে বসরামকে বধকরণাভিযোগ হয়। ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ২৯৯ ও ৩০০ ধারায় উক্ত অপারাধের যে অর্থ নির্ণয় হইয়াছে সেই অর্থের মধ্যে আনন্দের কর্ম আইসে ও দণ্ডবিধির আইনের সাধারণ বর্জ্জিত কথার মধ্যে আইসে না, ও ৩০০ ধারায় যে পাঁচটি বর্জ্জিত কথা আহে তাহার কোন কথার মধ্যে আইসে না কিম্বা প্রথম বর্জ্জিত কথার মধ্যে যদিও আইসে না কিম্বা প্রথম বর্জ্জিত কথার মধ্যে যদিও আইসে তথাপা প্র বর্জ্জিত কথার ভিন মিয়মবিধির মধ্যে অন্যতর নিয়মবিধি প্র অন্তিব্যোগের প্রতি খাটে, উক্ত অভিযোগই প্র সকল কথার বর্ণনার ভুল্য।
- (খ) আনন্দ গুলি ছুড়িকার যন্ত্র দ্বারা ইচ্ছাপ্র্বক বলরামের গুঁকতর পাড়া জন্মাইয়াছে বলিয়া ভারত-

- বর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩২৬ ধারামতে ভাহার নামে অভিযোগ হয়। এই স্থলে ভারতবর্বের দণ্ডবিধির আইনের ৩৩৫ ধারায় ঐ অপরাধের বিধান হয় নাই ও সাধারণ বর্জ্জিত কথা ঐ অপরাধের প্রতি বর্ত্তে না, উক্ত অভিযোগই এমত বর্ণনার তুল্য।
- (গ) আনন্দের নামে বধু বা প্রবঞ্জনা বা চৌর্য্য বা অপহরণ বা পরদার গমন বা অপরাধভাবে জয় দশাওন বা দ্রব্যের স্থামিত্রের চিয়্ল মিথ্যারপে ব্যবহার করণ অপরাধের অভিযোগ হয়। ভারতবর্ধের দশু-বিধির আইনে এই অপরাধের যেই অর্থ নির্ণয় হইরাছে অভিযোগপত্রে ভাহার উল্লেখ না হইয়া আনন্দ বধ করিয়াছে বা প্রবঞ্জনা বা চৌর্য্য বা অপহরণ বা পরদার গমন করিয়াছে বা অপরাধ্যটিত ভয় দশাইয়াছে বা দ্রব্যের স্থামিত্রের চিয়্ল মিথ্যারপে ব্যবহার করিয়াছে কেবল এইই বননা থাকিতে পারে; কিন্তু উক্ত প্রত্যেক স্থলে যে ধারামতে অপরাধের দণ্ড ইইতে পারে অভিযোগপত্রে ভাহার উল্লেখ করিতে হইবে।
- (য) রাজকীয় কার্য্যকারক আইনসিদ্ধ ক্ষমতামতে কোন দ্রব্য বিক্রয় করিতে উদ্যুত হইলে আনন্দ ইচ্ছা পুন্ধক বিক্রয়ের বাধা দিয়াছে বলিয়া ভারতবর্বের দণ্ড-বিধির আইনের ১৮৪ ধারাক্রমে আনন্দের নামে অভিযোগ হয়। তদ্রূপ কথা অভিযোগপত্রে লিখিতে হইবে।

২২২ ধারা। অভিযুক্ত ব্যক্তির নামে কিরপ অভিস্দিধের ও ভানের ও ঘোগ ছইল এই কথা তাহার ব্যক্তির বিশেষ বিবরণের যুক্তিসিদ্ধরূপ প্রচুরমতে জানিক্থা। বার জন্যে কথিত অপরাধ হইবার সময়ের ও ছানের ও কোন ব্যক্তির বিপক্ষে হইলে যে ব্যক্তির বিপক্ষে বা কোন দ্বর্য সম্বন্ধে হইলে যে দ্ব্য সম্বন্ধে অপরাধ হইকাছে তাহার নামাদির রক্তান্ত যত দূর লেখা প্রয়োজন অভিযোগপত্রে তাহা লিখিতে হইবে।

২২৬ ধারা। অভিযুক্ত ব্যক্তির নামে যে বিষয়ের অভিযোগ হয় যদি মোকদ্দমার অপনাধ পি প্রকাবে কবা ভাব বিবেচনায় ২২১ ও ২২২ গিয়াছিল এই কথা যে ছলে ন্যক্ত করিতে হইবে তাগার কথা। শেই ব্যক্তি ভাহা বিশিষ্ট-মতে জানিতে না পারে তবে কথিত অপরাধ যে প্রকারে করা গিয়াছিল ইহার বিশেষ যে কথা লিখিলে পর্বোক্ত অভিপ্রায় সকল হয় তাহাও, অভিযোগপত্রে লিখিতে ইইবে।

## উদাহরণ।

- ক) আনন্দের নামে অমুক সময়ে ও স্থানে অমুক দ্ব্য চুরি করিবার অভিযোগ হয়। যে প্রকারে চুরি হইয়াছিল অভিযোগপত্তে ভাহা লিখিবার আবশ্য-কভা নাই।
- (খ) অমুক সময়ে ও ছানে বলরামকে প্রবঞ্জা করিয়ছে বলিয়া আনন্দের নামে অভিযোগ হইলে,

সানন্দ যে প্রকারে বলরামকে প্রবঞ্চনা করিয়াছে স্বস্তি-যোগপত্তে সেই কথা লিখিতে হইবে।

- (গ) অ'নন্দের নামে অমুক সময়ে ও স্থানে মিথ্যা সাক্ষ্য দেওয়ান অপরাধের অভিযোগ হইলে, আনন্দের সাক্ষ্যের যে অংশ মিথ্যা বলিয়া কথিত হইল অভিযোগ-পত্রে সেই অংশ লিখিছে হইবে।
- (ঘ) বলরাম নামক রাজকীয় কার্য্যকারক রাজকীয় কর্ম নির্বাহ করিভেছেন এমন সময়ে আনন্দ অমুক সময়ে ও স্থানে তাঁহাকে বাধা দিয়াছিল বলিয়া আনন্দের নামে অভিযোগ হইলে, বলরামের কর্ম নির্কাহকরণ সময়ে আনন্দ কি প্রকারে তাঁহার বাধা দিয়াছিল অভিযোগপত্রে এই কথা লিখিতে হইবে!
- (ঙ) আনন্দ অমুক সময়ে ও স্থানে বলরামকে বধ করিয়াছে বলিয়া তাহার নামে অভিযোগ হইলে, আনন্দ কি প্রকারে বলরামকে বধ কয়িয়াছিল অভিযোগপত্রে এই কথা লিখিবার আবশ্যকতা নাই।
- (চ) বলরামের দণ্ড না হয় এই উদ্দেশ্যে আনন্দ আইনের কোন আদেশ অমান্য করিয়াছে বলিয়া তাহার নামে অভিযোগ হয়। যে কার্য্য দ্বার। আদেশ অমান্য করা হইয়াছে ও যে আইন লজ্মন হইয়াছে অভিযোগপত্তে তাহা লিখিতে হইবে।

অভিযোগপত্রে কোন প্রত্যেক ২২৪ ধারা। অপরাধ বর্ণনা করিতে যেং ঁশব্দের ব্যবহার হয় ঐ অপরাধ যে আইনক্রমে অপ-রাধের দশু হয় সেই আইন-যে আইনমতে দণ্ডনীয় সেই মত অর্থে অভিযোগ-আইনে সেই২ শব্দের যে২ পত্রের শক্ষের অর্থ গুগীত অৰ্থ আছে অভিযোগপত্তে শ্ৰহীবার কথা। সেই২ অর্থে ব্যবহার হইয়াছে

## বলিয়া জ্ঞান করা যাইবে।

২২৫ ধারা। (১) অপরাধ যে প্রকারে লেখা যায়
কিন্তা অভিযোগপত্তে যে রভান্ত
ভ্রমের ফলেব কণা।
লিখিতে কোন ভ্রম হইলে, এবং অপরাধ লিখিতে কিন্তা
ঐ রভান্ত ব্যক্ত করিতে ক্রটি হইলে, যদি সেই ভ্রম কি
ক্রটি দ্বারা অভিযুক্ত ব্যক্তির বস্তুতঃ ভ্রম না হইয়া
থাকে ও ভাহাতে ন্যায়বিচার ব্যর্থ না হইয়া থাকে ভবে
যোকদ্মার বিচার করণের কোন কালে ঐ ভ্রম কি ক্রটি
শুক্তর বলিয়া জ্ঞান হইবে না।

(२) বিশেষ করিয়া নির্দেশ করা হয় নাই কিয়া
অন্য দ্বকমে এই অধ্যায়ের আদেশ পালিত হয় নাই
এই হেতুতে কোন অভিযোগপত্র সম্বন্ধে আপত্তি করিতে
হইলে ভাহা যত লীজ্র-হয় স্বযোগ পাইলেই করিতে
হইবে, এবং ঐরপে করা নাগেলে, অভিযোগপত্র দাঁড়াযত কি প্রচুররূপ হয় নাই এই হেতুতে কোন উদ্ধাতন
আদালত আপীলে বা সংশোধন কালে কোম নির্ণয়,
দণ্ডাজ্ঞা বা আজ্ঞা অন্যধা বা পরিবর্তিত করিবেন না।

### উদাহরণ।

- (ক) আনন্দের নিকট ক্বত্রিম মুদ্রা ছিল ও আনন্দ যে সময়ে তাহা পাইয়াছিল দেই সময়ে তাহা ক্বত্রিম জানিত বলিয়া ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ২৪২ ধারামতে তাহার নামে অভিযোগ হইল। কিন্তু অভিযোগপত্রে "প্রতারণান্ডাবে" কথা লেখা হয় নাই। দেই শব্দ না লেখাতে আনন্দের বস্তুতঃ ভ্রম হইয়াছে ইহা দৃষ্ট না হইলে ঐ ভ্রম গুরুতর বলিয়া জ্ঞান করিতে হইবে না।
- খে) আনন্দের নামে বলরামকে বঞ্চনা করিবার অভিযোগ হয়, কিন্তু কি প্রকারে তাঁহাকে বঞ্চনা করিয়া-ছিল এই কথা অভিযোগপত্তে লেখা যায় নাই কিন্তা অশুদ্ধরূপে লেখা গিয়াছে। আনন্দ প্রতিবাদ করিয়া সাক্ষীদিগকে ডাকিল ও সেই ব্যাপার সম্বন্ধে নিজের বিবরণ জানাইল। আদালত ইহা দেখিয়া সেই বঞ্চনা কার্য্য যে প্রকারে করা গিয়াছিল, তাহা না লেখা গুরুতর নয় বলিয়া অস্থমান করিতে পারিবেন।
- (গ) সানন্দের নামে বলরামকে বঞ্চনা করিবার অভিযোগ হয়, কিন্তু কিপ্রকারে তাঁহাকে বঞ্চনা করিয়াছিল এই কথা ঐ অভিযোগপতে লেখা যায় নাই। আন-দ্দের ও বলরামের মধ্যে অনেক ব্যাপার চলিত; অত-এব কোন্ব্যাপার ধরিয়া ঐ অভিযোগ হইল আনন্দ ইহা নিরূপণ করিতে না পারিয়া প্রতিবাদ করে নাই। এই স্থলে বঞ্চনা কি প্রকারে করা গিয়াছিল, এই কথা না লেখাই গুরুতর ভ্রম, আদালত উক্ত র্ভাম্ব দৃষ্টে এই অলুমান করিতে পারিবেন।
- (ঘ) আনন্দ ১৮৮২ সালের জাহুয়ারি মাসের ২১ তারিখে খোদাবদ্ধকে বধ করিয়াছে বলিয়া তাহার নামে অভিযোগ হয় । হত ব্যক্তির প্রকৃত নাম হায়দরবক্স ও ১৮৮২ সালের জাহুয়ারি মাসের ২০ তারিখে তাহাকে বধ করা হয় । কিছু আনন্দের নামে সেই একটী বধাপরাধ ভিম্ন অন্য বধাপরাধের অভিযোগ হয় নাই ও কেবল হায়দরবলেয় বধের বিষয়ে মাজিস্টেটের সম্মুখে তদন্দ লওয়া গেলে আনন্দ উপস্থিত হইয়। তাহা শুনল । এই রক্তান্ত দৃফে আনন্দের ভ্রম হয় নাই ও অভযোগপত্রে যে ভুল ছিল তাহা শুক্তর নয়, আদালত এই অহুমান করিতে পারিবেন।
- (৬) আনন্দ ১৮৮২ সালের জন্মারি মাসের ২০ তারিখে হায়দরবর্ত্যকে বধ করে ও খোদাবর তাহাকে ধরিতে গেলে ১৮৮২ সালের জান্মারি মাসের ২১ তারিখে তাহাকেও বধ করে, আনন্দের নামে এই মাজিযোগ হইল। হায়দরবর্ত্যকে বধ করিবার আজিযোগ হেলা তাহার সপক্ষে যে সাক্ষার। উপস্থিত ছিল তাহারাও হায়দরবর্ত্যের বধের মাকদ্মার সাক্ষা। ইহাতে আনন্দের ভ্রম হইয়াছে ও গুরুতর ভূল হইয়াছে, আদালত এই অন্থান করিতে পারিবেন।

২২৬ ধারা। অভিযোগপত্র বিনা বা অসম্পূর্ণ বা

অভিযোগপত্র বিনা বা অসম্পূর্ণ অভিযোগপত্র মহিত সমর্পণ করা গেলে, কার্য্যপ্রণালীর কথা। ভ্রাম্ভিজনক অভিযোগপত্র সহিত বিচারার্থে কোন ব্যক্তিকে সমর্পণ করা গেলে, আদালত, বা হাই কোর্ট হইলে, ক্লার্ক অফ দি কোন এই আইনে অভি-

যোগপত্র লিখিবার পাঠের বিষয়ে যেং বিধি আছে

শ্রেইং বিধিতে মনোযোগ করিয়া অভিযোগপত্র প্রস্তুত
করিতে বা ছল বিশেষে তাহা পরিবর্দ্ধিত বা প্রকারান্তরে
পরিবর্দ্ধিত করিতে পারিবেন।

২২৭ ধারা। (১) কোন আদালতের নিপান্তি প্রচার করিবার পূর্বেক কোন সময়ে, অভিযোগণত প্রবিষ্ঠন কিন্তা সেশন আদালতে কি করিতে আদালতের ক্ষম-হাই কোর্টে মোকদ্দমার বিচার

হইলে জুরির মীমাংসা জানাই-বার কিম্বা আদেসরদের মত ব্যক্ত হইবার পূর্বে কে:ন সময়ে, ঐ আদালত কোন অভিযোগপএ পরিবর্তন করিতে কিম্বা তাহাতে যোগ করিতে পারিবেন।

(২) পরিবর্ত্তিত কথা অভিযুক্ত ব্যক্তির নিকট পাঠ করা যাইবে ও তাহাকে বুঝাইয়া দেওয়া যাইবে।

২২৮ ধারা। ২২৬ বা ২২৭ ধারামতে অভিযোগ-

যেং স্কলে পৰিবৰ্ত্তন হই. লেই বিচাৰেৰ কাৰ্য্য চ**লিতে** পাৰে তাহাৰ কথা।

রাখিতে পারিবেন।

তার কথা।

পত্র যেরপে প্রস্তুত বা পরি-বর্ত্তন করা ধার, তাহাতে মোকদ্দমার কার্য্য অগোণে চলিলেও অভিযুক্ত ব্যক্তির

প্রতিবাদ করিবার বা অভিযোক্তার মোকদমা চালাই-বার কোন ব্যাঘাতের সম্ভাবনা নাই, যদি আদালতের এমত বিবেচনা হয়, তবে ঐ আদালত আপন বিবেচনা-মতে ঐ অভিযোগপত্র প্রস্তুত বা পরিবর্তিত হইলে পর দেই ন্তন বা পরিবর্তিত অভিযোগপত্র প্রথম অভি-যোগপত্রের ন্যায় জ্ঞান করিয়া মোকদ্দমার বিচার করিতে থাকিবেন।

২২৯ ধারা। যদি নৃতন বা পরিবর্ত্তিত অভিযোগপত্র এরপ হয় যে ভাহাতে
গে হুলে নৃতন বিচাবেব মোকদ্দমার কার্য্য অগোণে
আজা কিলা বিচাব হুগিত
ভিলনে পুর্বোক্তমত অভিযুক্ত
ব্যক্তির বা অভিযোক্তার
কার্য্যের ব্যাঘাতের সম্ভাবনা আদালত এমত বিবেচনা
করিলে, নৃতন বিচার হইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন,
অথবা যতকাল আবশ্যক তত কাল বিচার কার্য্য স্থগিত

২৩০ ধারা। নৃতন বা পরিবর্তিত অভিযোগপত্রে
পাবর্তিত অভিযোগ
শত্রের লিখিত অপবাধ
হৈতৃক অনুমতি পাইবাব
প্রয়েজন চইলে মোকক্ষার কার্য্য ক্ষিত রাখিবার
কথা।
বিশ্ব ক্রি নৃতন বা পরিবর্তিত

অভিযোগ যে ব্ৰভান্ত মূলক হয় সৈই ব্ৰভান্তমতে অভি-

যোগ করিবার অভ্যতি পূর্ব্বে পাওয়া গেলে মোকদ্দমা চলিতে পারিবে।

২৩১ ধারা। বিচারারম্ভ হইবার পর অভিযোগ-

অভিযোগপত্র পবিবর্ত্তিত হইলে দাক্ষীদিগকে পুনশ্চ ডাকিতে পাবিবার কথা। পত্রের পরিবর্ত্তন বা তাহাতে সংযোগ হইলে, পূর্ব্বে থে সাক্ষীর সাক্ষ্য লওয়া গিয়াছিল অভিযোক্তা এবং অভিযুক্ত

ব্যক্তি তাহাকে পুনশ্চ ডাকাইয়া বা সমন করিয়া সেই পরিবর্তন সম্বন্ধে পরীক্ষা করিবার এবং আদাসত অতিরিক্ত কোন সাক্ষীকে বিশেষ প্রয়োজনীয় বোধ করিলে তাহাকে ডাকাইবার অমুমতি পাইবেন।

২৩২ ধারা। (১) কোন ব্যক্তির অপরাধ নির্ণয়
হইলে অভিযোগপত্র না
খকতব ভ্রম হইলে তাহার
ফলের ক্থা।

ভ্রম থাকাতে বা অভিযোগপত্রে
ভ্রম থাকাতে তাহার প্রতিবাদ
করণে ভ্রম হইয়াছে আপীল আদালতের কিছা সংশোধন
করিবার ক্ষমতান্ত্রসারে কিছা ২৭ অধ্যায়গত ক্ষমতান্ত্রমারে কার্য্য করভঃ হাই কোর্টের এই মড হইলে,
এই আদালত সেই অভিযোগপত্র যদ্রাপে প্রস্তুত করা
উচিত বোধ করেন তদ্রাপে প্রস্তুত করিয়া তদন্ত্রসারে
নৃত্ন বিচার হইবার আজ্ঞা করিবেন।

(২) মোকদমার র্জান্ত দৃষ্টে যে র্জান্তের প্রমাণ হইল তত্ত্পলক্ষে অভিযুক্ত ব্যক্তির নামে কোন প্রকৃত অভিনোগ উপস্থিত করা যাইতে পারে না ঐ আদা-লতের এই মত হইলে, আদালত ঐ অপরাধ নির্ণয় অসিদ্ধ করিবেন।

### উদাহরণ।

ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ১৯৬ ধারামতে আনন্দের অপরাধ নির্ণয় হইয়াছে, কিন্তু সে এইভাবে সত্য কি প্রকৃত বলিয়া যে প্রমাণের ব্যবহার করিয়াছে কি করিতে চেষ্টা করিয়াছে সেই প্রমাণটি সে মিথ্যা কি করিতে চেষ্টা করিয়াছে সেই প্রমাণটি সে মিথ্যা কি করিমে জানিত ইহা অভিযোগপত্রে লেখা যায় নাই। আনন্দ সেই কথা জানিত কিন্তু অভিযোগপত্রে আভ্যাগ পত্রে তাহার সেই জ্ঞানের কথা লেখা না যাওয়াতে তাহার প্রতিবাদ করণের ভ্রম হইয়াছে, আদালত এই অমুক্তব করিলে সংশোধিত অভিযোগপত্রাম্ন্সারে মূতন বিচার হইবার আজ্ঞা করিবেন; কিন্তু আনন্দের সেই কথা জ্ঞাত না থাকা আমুষ্ঠানিক কার্য্য ছারা অনুমান হইলে, আদালত প্র অপরাধ নির্ণয় অসিদ্ধ করিবেন।

### অভিযোগ সংযোগ করিবার কথা।

২৩৩ ধারা। কোন ব্যক্তির নামে যে২ স্বডন্ত্র অপরাধের নালিশ হয় তাহার ভিন্নং অপবাধে ভিন্নং অভিযোগ হইনার কথা। ২৩৪ ও ২৩৫ ও ২৩৬ ও ২৩৯ ধারার উল্লিখিত স্থলভিন্ন উক্ত প্রত্যেক অভি-যোগের স্বডন্ত্র বিচার করিতে হইবে।

### উদাহরণ।

আনন্দ এক সময়ে চুরি করিয়াছে ও অন্য সময়ে গুৰুতর পীড়া জন্মাইয়াছে বলিয়া ভাহার নামে নালিশ হয়। ভাহার নামে চুরি করণের ও গুৰুতর পীড়া জন্মাওনের স্বতম্ম অভিযোগ করিতে ও ভাহার স্বতম্ম বিচার করিতে হইবে।

২৩৪ ধারা। (১) কোন ব্যক্তি বার মাসের মধ্যে প্রথমবিধি শেষ পর্যস্ত একই এক বংশরের মধ্যে এক প্রকাবের অপাধিক অপারাধ করিয়াছে বলিয়া অভিযোগ করিয়াছে বলিয়া অভিযোগ হইলে, তিন বারের অন্ধিক সেই অপারাধের অভিযোগ ও বিচার

### একই সময়ে হইতে পারিবে।

- (২) যে২ অপারাধে ভারতবর্ধের দণ্ডবিধির আইনের কিন্তা কোন বিশেষ বা ছানীয় আইনের একই ধারামতে একই পরিমাণে দণ্ড হইতে পারে সেই২ অপারাধ একই একারের অপারাধ।
- (৩) অভিযুক্ত ব্যক্তির নামে অপরাধভাবে বিশ্বাস-ঘাতকতা বা অপরাধভাবে টাকার অবিহিতরপ ব্যব-হারের অভিযোগ হইলে, বিশেষ যে যে দফায় অবিহিত রূপে ব্যবহার হইল কিন্তা ঠিক যে যে তারিখে অবিহিত রূপা ব্যবহার হইল তাহার নির্দেশ করা আবশ্যক হইবে না।

২৩৫ ধারা। (১) কএক ক্রিয়া পরস্পার সংযুক্ত ছইয়া
একই ব্যাপার হইলে ও একই
ব্যক্তির দ্বারা সেই ক্রিয়া ঘটিত
দ্বই কি তদধিক অপরাধ করা
গেলে, সেই ব্যক্তির নামে এককালে উক্ত প্রত্যেক
অপরাধের অভিযোগ ও বিচার ছইতে পারিবে।

- (২) যৎকালের প্রচলিত যে আইনমতে অপ্রাধের
  তথ নির্নয় ও দও হয় এমন
  একই অপ্রাধ ছই কোন আইনের নির্দিষ্ট স্বতম্ত্র
  গংজাব মধ্যে আইলে
  তাহাব কথা।
  তাহাব কথা।
  আইলে, অভিযুক্ত ব্যক্তির
  নামে তদ্রাপ প্রত্যেক অপ্রাধেব অভিযোগ হইয়া একই
  বিচারকালে বিচার হইতে পারিবে।
- (৬) অনেক ক্রিয়ার মধ্যে এক কি কএক ক্রিয়া স্বতঃই অপারাধ হইলে ও সেই নামা ক্রিয়ার বারা এক ক্রিয়া সম্বিতিত বিভিন্ন এক অপারাধ হইলে কিন্তু সমার্থ অন্যাধ হইলে আপারাধ হয় সেই অপারাধের কিন্তুা উক্ত এক কি কএক ক্রিয়ায় যে কোন অপারাধ হয় সেই অপারাধ হয় সেই অপারাধ হয় সেই অপারাধ হয় সেই অপারাধ হয় সেই অপারাধের অভিযোগ হইয়া একই বিচার কালে বিচার হইতে পারিবে।
- (৪) এই ধারার কোন কথাক্রমে ভারতবর্ষের দণ্ড বধির আইনের ৭১ ধারার কোন ব্যতিক্রম হইবে না 1

### উদাহৰণ।

### ১ প্রকরণের---

- (ক) বলরাম আইনমত হেকাজতে ছিন্স, আনন্দ তাহাকে জোর করিয়া ছাড়াইয়া দিল এবং বলরাম চক্স নামক যে কনন্টেবলের হেকাজতে ছিল ভাহার গুরুতর পীড়া জন্মাইল। এমন স্থলে আনন্দের নামে ভারত-বর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ২২৫ ও ৩০৩ ধারাম্নেডেও অপরাধের অভিযোগ হইয়া ভাহার সেই সেই অপরাধ নির্বিয় হইতে পারিবে।
- (খ) আনন্দ পরদার গমন করিবার উদ্দেশে দিন-মানে পরগৃহে প্রবেশ করিয়া সেই গৃহে প্রবিষ্ট হইলে বলরামের স্ত্রীতে উপগত হয়। আনন্দের নামে ভারজ-কর্ষের দণ্ড বিধির আইনের ৪৫৪ ও ৪৯৭ ধারামত অপারাধের স্বতম্ভ অভিযোগ ও তাহার সেই২ অপারাধ নির্ম হইতে পারে।
- (গ) আনন্দ পরদার গমন করিবার উদ্দেশে চন্দ্রের দ্রা বামাকে ফুসলাইয়া লইয়া তাহাতে উপগত হয়। আনন্দের নামে ভারতবর্ধের দণ্ডবিধির আইনের ৪৯৮ ও ৪৯৭ ধারামত অপরাধের স্বতন্ত্র অভিযোগ ও তাহার দেইং অপরাধ নির্বন্ন হইতে পারে।
- (ম) আনন্দের নিকট অনেক ক্ষত্রিম মোহর আছে।
  আনন্দ সে গুলি ক্ষত্রিম বলিয়া জানে ও ভারতবর্ধের
  দণ্ডবিনির আইনের ৪৬৬ ধারামতে দণ্ডনীয় ভিন্নং জাল
  কার্য্যের নিমিত্ত ভাহা ব্যবহার করিতে তাহার ইচ্ছা
  আছে। এই স্থলে আনন্দের নামে ভারতবর্ধের দণ্ডবিধির আইনের ৪৭৩ ধারামতে ভাহার নিকট থাকা
  একং মোহরের নিমিত্ত ভাহার নামে পৃথকং অভিযোগ
  ও ভাহার পৃথকং অপরাধ নির্মুহ ইতে পারিবে।
- (%) বলরামের নামে মোকদ্দমা করিবার যথার্থ ও ন্যায় কারণ নাই জানিয়া আনন্দ ভাহার হানি করি-বার অভিপ্রায়ে ভাহার নামে মোকদ্দমা উপস্থিত করে। আরো বলরামের নামে মোকদ্দমা করিবার যথার্থ ও ন্যায়া কারণ নাই জানিয়া বলরাম কোন অপরাধ করিয়াছে বলিয়া আনন্দ ভাহার নামে মিথ্যা অভিযোগ করে। ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ২১১ ধারা-মতে আনন্দের নামে পৃথকরূপে হুই অপরাধের অভি-যোগ ও হুই অপরাধ নিবয় হুইতে পারিবে।
- (চ) বলরামের নামে মোকদ্দমা করিবার যথার্থ ও ন্যায্য কারণ নাই জানিয়া আনন্দ বলরামের হানি করিবার অভিপ্রায়ে অপারাধ করিয়াছে বলিয়। তাহার নামে মিথ্যা অভিযোগ করে। বিচারকালে আনন্দ বলরামের প্রাণদণ্ড যোগ্য অপারাধ প্রমাণ করিবার মানসে বলরামের বিপক্ষে মিখ্যা সাক্ষ্য দেয়। আন-ন্দের নামে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির অইনের ২১১ ও ১৯৪ ধারামতে পৃথক২ অপারাধের অভিযোগ ও দেই২ অপারাধ নির্বায় হইতে পারিবে।
- (ছ) আনন্দ অন্য ছুয় জনকে সজে সইয়া হঞ্জয় করণ ও গুরুতর পীড়া জন্মাওন অপরাধ এবং রাজ

কীয় কার্য্যকারক ঐ হল্পমা নির্দ্ত করিবার উদ্যোগ করিলে তাঁহার প্রতি আক্রমণ করণাপরাধ করিল। আনন্দের নামে ভারভবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ১৪৭ ও ৩২৫ ও ১৫২ ধারামত অপরাধের পৃথক অভিযোগ . ও তাহার সেই২ অপরাধ নির্ণয় হইতে পারিবে।

- জে) আনন্দ একই সমধ্যে বলরামকে ও চন্দ্রকে ও দীননাথকে ভীত করিবার নিমিত্ত ভাহাদের শারীরিক হানির ভয় দর্শাইল। উক্ত তিন ব্যক্তির বিপক্ষে যে তিনটি অপরাধ হইল ভারতবর্ষের দওবিধির আইনের ৫০৬ ধারামতে ভাহার নামে তদক্ষ্পতি প্রত্যেক অপরাধের অভিযোগ ও প্রত্যেক অপরাধের নির্বয় হইতে পারিবে।
- (ক) হইতে (জ) পর্যান্ত উদাহরণে যে স্বতন্ত্রং অভিযোগের উল্লেখ হইল তাহার এক কালে বিচার ছইতে পারিবে।

### ২ প্রকরণের —

- (ঝ) আনন্দ অন্যায়মতে বলর।মকে বেত্রাঘাত করে। আনন্দের নামে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩৫২ ও ৩২৩ ধারামত অপরাধের স্বতন্ত্র অভিযোগ ছইতে ও তাহার সেই২ অপরাধ নির্ধিয় হইতে পারে।
- (এ) কএক বস্তা চোরাই শস্য আনন্দকে ও বলরামকে লুকাইয়া রাখিবার নিমিক্ত দেওয়া যায়, ভাহারাও সেই শস্য চোরা দ্রব্য জানিয়া মরাইর সকল শস্যের নীচে লুকাইয়া রাখিবার কার্য্যে ইচ্ছাপূর্বক পরস্পর সাহায্য করিল। আনন্দের ও বলরামের নামে ভারত্বর্বের দণ্ডবিধির আইনের ৪১১ ও ৪১৪ ধামামত অপরাধের স্বতন্ত্র অভিযোগ ও তাহাদের সেই২ অপ-রাধ নির্ব্য হইতে পারে।
- (ট) অন্ধদা তাহার সন্তান ফেলাইরা যায় ও জানে যে তাহাতে ঐ সন্তানের মৃত্যু ইইবার সন্তাবনা। ফরপো ফেলাইয়া যাওয়াতে এ সন্তানের মৃত্যু হয়। অন্ধদার নামে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩১৭ ও ৩০৪, ধারামত অপারাধের স্বতন্ত্র অভিযোগ ও তাহার সেইং অপারাধ নির্দিয় হইতে ারে।
  - (ঠ) বলরাম নামক রাজকীয় ক র্যাকারকের ভারত-বর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ১৬৭ ধারামত অপরাধ নিণ্য় হয় এই নিমিক্ত আনন্দ হৃষ্টভাবে প্রমাণস্বরূপ জাল করা দলীল উপস্থিত করিল। ঐ আইনের ৪৭১ ধারার সহিত ৪৬৬ ধারা পাঠ করিয়া আনন্দের নামে ৪৭১ ও ১৯৬ ধারামত অপরাধের পৃথকং অভিযোগ ও ভাহার পৃথকং অপরাধ মির্যা হইতে পারে।

#### ৩ প্রকরণের---

(ড) আনন্দ বলরামের দ্রব্য অপাহরণ করে ও সেই কার্য্যকরণে ইচ্ছাপুর্বেক তাহার পীড়া জন্মায়। আনন্দের নামে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩২৩ ও ৩৯২ ও ৩৯৪ ধারামত অপারাধের স্বতম্ব অভিযোগ হইতে ও সেই২ অপারাধ নির্ণয় হইতে পারে। ২৩৬ ধারা। একই ক্রিন্ধার কিন্ধা ক্রিয়াসংযোগের ভাব দৃষ্টে যেং র্ভান্তের প্রমাণ করা যাইতে পারে ভাহাতে করা যাইতে পারে ভাহাতে করা। অনেক অপরাধের মধ্যে কোন্ অপরাধিট হইল এই বিষয়ে

সন্দেহ থাকিলে, অভিযুক্ত ব্যক্তির নামে তাহার সমুদম কি অন্যতর অপরাধ করিবার অভিযোগ হইতে পারিবে ও সেইং অভিযোগের মধ্যে একই সময়ে তাহার কোন সংখ্যার বিচার হইতে পারিবে কিম্বা উক্ত সকল অপ রাবের মধ্যে অন্যতর অপরাধ করিয়াছে বলিয়া তাহার নামে অভিযোগ হইতে পারিবে।

### উদাহরণ।

- (ক) যে ক্রিয়া চোর্য্য হইতে পারে বা চোরা দ্রব্য প্রহণ বা অপরাধভাবে বিশ্বাসঘাতকতা করণ বা বঞ্চনা অপরাধ হইতে পারে আনন্দের নামে এমত ক্রিয়ার অভিযোগ হয়। তাহার নামে চোর্য্য ও চোরা দ্রব্য প্রহণ ও অপরাধভাবে বিশ্বাসঘাতকতা ও বঞ্চনা করণ অপরাধের অভিযোগ হইতে পারিবে অথবা চোর্য্য কি চোরা দ্রব্য প্রহণ কি অপরাধভাবে বিশ্বাসঘাতকতা করণ কিন্তা বঞ্চনা করণ ইহার মধ্যে কোন এক অপরাধ করিয়াছে বলিয়া অভিযোগ হইতে পারিবে।
- (খ) আনন্দ মাজিস্টেটের নিকট শপথপূর্ধক বলে যে বলরাম লগুড় দ্বারা চন্দ্রকে আঘাত করিয়াছে ইহা সে দেখিয়াছে। আনন্দ সেশন আদালতে শপথ পূর্ধক বলে যে বলরাম কখনই চন্দ্রকে আঘাত করে নাই। ইচ্ছাপূর্ধক মিথ্য। সাক্ষ্য দিয়াছে আনন্দের এই অপরাধ নিব্য় হইতে পারিবে, যদিও উক্ত ত্বই পরস্পার বিরুদ্ধ উক্তির কোন্টি মিথ্যা ইহার প্রমাণ করা যাইতে পারে না।

২৩৭ ধারা । (১) ২৩৬ ধারার লিখিত গুলে অভি-যুক্ত ব্যক্তির নামে এক অপ্-কোন ব্যক্তিব নামে এক রাধের শভিযোগ ៖ ইলে এবং ভাতিযোগ ভাপবাধেব ঐ ধারার বিধানমতে অন্য হুইলে ভাহাব ভান্য অপ-রাধ যে স্কলে নির্ণয় হইতে যে অপরাধের অভিযোগ হইতে পাৰিবে তাহাৰ কথা। পারিত সে ঐ অন্য অপরাধ করিয়াছে প্রমাণ দারা ইহা দুট হইলে, ভাহার যে অপরাধের প্রমাণ হয় তাহার নামে সেই অপরাধের অভিযোগ না হইলেও তাহার সেই অপরাধ নির্য় হইতে পারিবে।

(২) অভিযুক্ত ব্যক্তির নামে কোন অপরাধের অভি-যোগ হইলে, ঐ অপরাধের উদ্যোগ করিবার পৃষক অভিযোগ করা না হইলেও সে ঐ অপরাধ করিবার উদ্যোগ করিয়াছে তাহার এই অপরাধ নির্ভ্য ১২৫৬ পারিবে।

### উদাহরণ।

আনন্দের নামে চোর্য্যের অভিযোগ হয়, কিন্তু সে অপরাধভাবে বিশ্বাসঘাতকতা করিয়াছে কিন্বা চোরা দ্রব্য গ্রহণ করিয়াছে ইহা দৃষ্ট হইলে তাহার নামে এই অপরাধের অভিযোগ না হইলেও তাহার অপরাধভাবে বিশ্বাস্থাতকতা কিম্বা স্থলবিশেষে চোরা দ্রব্য গ্রহণ অপরাধ নির্ণয় হইতে পারিবে।

২৩৮ ধারা। (১) কোন ব্যক্তির নামে যে

প্রপাধ অনেক ক্রিয়ার সমষ্টি

যে অপরাধেব প্রমাণ হয়
কোল আছিযোগের অপবাধ
হইয়া অভিযোগের এক অংশের
প্রমাণ না হইলেও অন্য যে

অংশের প্রমাণ হয় ভাহাই কোন

ক্ষুত্র অপরাধের তুল্য হইলে, তাহার যে ক্ষুত্রতর অপরাধ প্রমাণ হইল তাহার নামে সেই অপরাধের অভিযোগ না হইলেও তাহার সেই অপরাধ নির্বয় হইতে পারিবে।

- (২) কোন ব্যক্তির নামে কোন অপরাধের অভি-যোগ হইলে, যদি সেই ব্যক্তি এরপ র্ভান্তের প্রমাণ দিতে পারে যাহাতে ঐ অপরাধ ক্ষুদ্রতর অপরাধে পরিণত হয়. তবে তাহার নামে ঐ ক্ষুদ্রতর অপরাধের অভিযোগ না হইলেও তাহার ঐ ক্ষুদ্রতর অপরাধ নির্ণয় হইতে পারিবে।
- (৩) ১৯৮ বা ১৯৯ ধারার আদেশমত নালিশ করা না গেলে, উক্ত ধারার উল্লিখিত কোন অপারাধ নির্ণয় করিবার ক্ষমতা দেওয়া গেল, এই ধারার কোন কথা ক্রমে এরপ জ্ঞান ২ইবে না।

### উদাহরণ।

- ক) আনন্দ মুটিয়া বলিয়া তাহাকে বিশ্বাসপ্ৰক কোন দ্ৰব্য দেওয়া গেলে সে অপরাধভাবে বিশ্বাস-গাতকতা করিয়াছে ভারতবর্ণের দণ্ডবিধির আইনের ৪০৭ ধারামতে ভাষার নামে এই অভিযোগ হইল। দেই ব্যক্তি ঐ দ্রব্য লইয়া ৪০৬ ধারামতে অপরাধ-ভাবে বিশ্বাসঘাতকতা করিয়াছে কিন্তু মুটিয়া বলিয়া ঐ দ্রব্য বিশ্বাসপ্রকি ভাষাকে দেওয়া যায় নাই ইহা দৃষ্ট হইলে ৪০৬ ধারামতে ভাষার অপরাধভাবে বিশ্বাসঘাতকতা অপরাধ নির্ণয় হইতে পারিবে।
- (খ) আনন্দ গুরুতর পীড়া জন্মাইয়াছেন বলিয়া তাঁহার নামে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩২৫ ধারামত অভিযোগ হয়। তিনি প্রমাণ করেন গে অকন্মাৎ অত্যন্দ ক্রোধজনক ব্যাপার ঘটাতে তিনি ঐ কার্য্য করেন। দণ্ডবিধির আইনের ৩৩৫ ধারামতে তাঁহার অপরাধ নির্ণয় হইতে পারিবে।
- ২০৯ ধারা। গৃই কি তদধিক ব্যক্তির নামে একই

  অপরাধের কিন্তা একই

  মেং ব্যক্তিদেব অভি- ব্যাপারে ভিন্নং অপরাধের

  যোগ একএ করা ঘাইতে
  পাবে তাহাদের কথা।

  ব্যক্তির নামে অপরাধ কর
  শের ও অন্য ব্যক্তির নামে ঐ অপরাধের সহায়তা
  করনের কি অপরাধ করিবার উদ্যোগ করনের অভিযোগ

হইলে, আদালত যেমন উচিত বোধ করেন তেমনি তাহাদের নামে একত্র বা স্বতন্ত্র অভিযোগ ও বিচার হ হত পারিবে। তদ্ধপ সকল অভিযোগের প্রতি এই অধ্যায়ের পূর্বভাগের বিধান খাটিবে।

## উদাহরণ।

- কে) আনন্দ ও বলরাম উভয়ের নামে একই বধা-পরাধের নালিশ হয়। উভয়ের নামে একই অভি-যোগপত্র হইতে পারে ও উভয়ের এককালে বিচার হইতে পারিবে।
- খে) আনন্দ ও বলরাম উভয়ের নামে দহ্যতার নালিশ হয়। সেই দহ্যতা করণ সময়ে আনন্দ কোন ব্যক্তিকে বধ করে, তাহাতে বলরামের সম্পর্ক ছিল না। এমন স্থলে দহ্যতা করণের অভিযোগে আনন্দ ও বলরামের একত্র বিচার হইতে এবং বধাপরাধের নিমিত্ত কেবল আনন্দের বিচার হইতে পারিবে।
- (গ) আনন্দ ও বলরাম একই চৌর্য্য করিয়াছে বলিয়া তুই জনের নামে নালিশ হয়; ও সেই ব্যাপা-রের মধ্যে বলরাম অন্য তুই চৌর্য্যাপরাধ করিয়াছে বলিয়া তাহার নামে নালিশ হয়। যে নালিশমতে আনন্দ ও বলরাম তুই জনের চৌর্য্যাপরাধ করিবাব অভিযোগ হইল সেই অভিযোগে হুই জনের একএ বিচার এবং অন্য তুই চৌর্য্যাপরাধে কেবল বলরামের বিচার হুইতে পারিবে।

২৪০ ধারা। একই ব্যক্তির নামে তুই কি তদধিক
দকা বিশিষ্ট অভিযোগ হইয়া
অনেক অভিযোগ হঠয়া
তন্মধ্যে এক কি অধিক দকা
নকেব প্রমাণ হইলে অন্য
নকল অভিযোগ উঠাইয়া
লইবার কথা।
বিশিষ্ট অশিরা কার্য্য চালান

তিনি আদালতের অমুমতি গ্রহণপূর্বক অবশিষ্ট এক কি অধিক অভিযোগ উঠাইয়া লইতে পারিবেন কিম্বা আদালত আপন ইচ্ছামতে ঐ অভিযোগের ওদন্ত লওন কি বিচারকার্য্যে নিরন্ত হইতে পারিবেন। তদ্রুপে উঠাইয়া লওয়া গেলে দেই কিম্বা দেইং অভিযোগে মুক্ত হংবার ন্যায় ফল হইবে। কিন্তু যদি অপরাধ নিগয় অসিদ্ধ করা হয়, তাহা হইলে যে আদালত তাহা অসিদ্ধ করেন দেই আদালতের আজ্ঞাধীনে উক্ত আদালত ঐরপে উঠাইয়া লওয়া এক অধিক অভিযোগের ওদন্ত লওন বা বিচারকার্য্য চালাইতে পারিবেন।

### ২০ বিংশ অধ্যায়।

মাজিস্টেটেরা সমন দিয়া যে মোকদ্দমার বিচার করেন তাহার বিধি।

২৪১ ধারা। মাজিস্টেটেরা সমন দিয়া যে মোকসমন দিয়া যে মোক দ্দার বিচার করেন সেই
বিচাব হয় তাহার কার্য্য- মোকদ্দমায় এই প্রণাসীমতে
প্রণালীব কথা। কর্মা করিবেন।

২৪২ ধারা। মাজিক্টেটের সমুখে অভিযুক্ত ব্যক্তি
উপস্থিত হইলে অথবা তাহাকে
অভিযোগের মর্ম্ম জানা- আনা গেলে তাহার নামে বে
ইবাব কথা। অপরাধের অভিযোগ ইইরাছে
তৎসংক্রাম্ভ বিশেষ র্ভান্ত তাহাকে জ্ঞাত করা হাইবে ও
তাহাকে এই জিজ্ঞাসা করা ঘাইবে যে তোমাকে অপরাধী নির্ণয় না করিবার কোন কারণ দেখাইতে পার কি
না। কিন্তু রীতিমত অভিযোগপত্র লেখা আবশ্যক
হইবে না।

হহবে না।

২৪৩ ধারা। অভিযুক্ত ব্যক্তি ভাহার নামে যে বা

যে যে অপরাধের অভিযোগ হয়

আভিযোগের সভাতা সেই বা সেই সেই অপরাধ বা
ধীকার করিলে অপরাধ
লিপরের কথা।

তাহার কোনটি করিয়াছে বিলিয়া
ত্বীকার করিলে, যভদূর সভব
ভাহার ব্যবহৃত শব্দে সেই কথা লিপিবদ্ধ করা যাইবে,
ও ভাহাকে অপরাধী নির্ণয় করা কেন না যাইবে সে
ইহার উপযুক্ত কারণ না দেখাইলে মাজিউটে ভাহাকে
অপরাধী নির্ণয় করিতে পারিবেন।

২৪৪ ধারা। (১) অভিযুক্ত ব্যক্তি ঐ অভিযোগ
সভ্য বলিয়া স্থাকার না করিলে
তজ্ঞপ শীকার না সইলে মাজিস্টেট, বাদী থাকিলে,
যাচা কর্ত্তব্য তাহার কথা।
তাহার কথা ও অভিযোগের
পোষকভায় যে সকল সাক্ষ্য উপস্থিত করা যায় তাহাও
ভানিবেন, এবং অভিযুক্ত ব্যক্তি কথা ও সে প্রভি
বাদের পোষকভায় যে সকল সাক্ষ্য উপস্থিত করে
ভাহাও ভানিবেন।

- (২) মাজিট্রেট, বাদির কিম্বা অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রার্থনামতে 'উচিত বোধ করিলে কোন দাক্ষীকে উপ-স্থিত করাইবার অথবা কোন দলীল কি অন্য দ্রব্য উপ-স্থিত করাইবার পর এয়ানা দিতে পারিবেন।
- (৩) বিচারের কার্য্য পক্ষে সাক্ষীর উপস্থিত হইবার যে খরচ মুক্তিমতে লাগিতে পারে মাজিফ্রেট উস্ক প্রার্থনামতে সমন দিবার পুর্বে আদালতে ঐ খরচ মামানত করিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।
- ন্ধ ধর্মা। (১) ২৪৪ ধারার উলিখিত সাক্ষ্য লইয়া এবং অন্য কোন সাক্ষ্য মাজিফেট স্বেচ্ছামতে উপস্থিত করাইয়া থাকিলে তাহা লইয়া ও বিহিত বোধ করিলে অভিযুক্ত ব্যক্তির পরীক্ষা লইয়া মাজিফেট অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দেশিষী নির্ণয় করিলে মুক্ত করিবার আজ্ঞা লিপিবদ্ধ করিবেন।
  - (২) অভিযুক্ত ব্যক্তি অপরাধী নির্বয় হইলে মাজিস্টেট আইনমতে তাহার দণ্ডাজার কথা। দণ্ডের আজ্ঞা করিবেন।

২৪৬ ধারা। নালিশের কি সমনের ভাব ষেরপ ইইয়াছিল
ত তথা দিন্দ্র নালিশির প্রতিক না কেন, স্থাক্ত কি একাধিক অ
ত তথা দিন্দ্র নালিশির প্রথানিক বিরাধিক আই কথা।
ত তথা কিবাব কথা।
ত তথা কিবাব কথা।
ত তথা কথা বিরাধিক বিরাছে
ত তথা কথা বিরাধিক বিরাছে
ত তথা বিরাধিক বিরাধিক বিরাছে
ত তথা বিরাধিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক বিরাদিক

বলিয়া জানা যায়. মাজিক্টেট ২৪৩ কি ২৪৫ ধারামতে ভাহার সেই অপরাধ নির্ণয় করিতে পারিবেন।

২৪৭ ধারা। নালিশক্রমে সমন দেওয়া গিয়া
বাদা উপস্থিত না হইলে
তাচার কগা।
কিছা তৎপশ্চাৎ যে দিনে
মোকদমার শুননী হয় সেই দিনে বাদী উপস্থিত না
হইলে, মাজিক্রেট পূর্বে এই আইনে ভাবান্তরের কথা
থাকিলেও অভিযুক্ত ব্যক্তিকে মুক্ত করিবেন। কিন্তু
ডিনি কোন কারণে সেই মোকদ্দমা শুনিবার কার্য্য
স্থগিত করিয়া অন্য দিন নিরূপণ করা উপযুক্ত বোধ
করিলে তাহা করিতে পারিবেন।

২৪৮ ধারা। এই অধ্যায়মত কোন যোকদ্মায়
নালিশ উঠাইয়া লইবাব
কথা।

আহম আজ্ঞা হইবার পূর্বে কোন
সময়ে নালিশ উঠাইয়া লইবার
অন্নমতি দিবার উপযুক্ত হেডু
আছে এই বিষয়ে বাদী মাজিক্টেটের হাদ্বোধ জন্মাইতে
পারিলে তিনি ঐ নালিশ উঠাইয়া লইবার অন্নমতি
দিতে পারিবেন, এবং তাহা হইলে অভিযুক্ত হ্যক্তিকে
মুক্ত করিবেন।

২৪৯ ধারা। নাঙ্গিশ ভিন্ন জন্য প্রকারে কোন
বাদীনা থাকিলে কার্যামুঠান বন্ধ কবিবাৰ ক্ষমতাৰ
কথা।

কথা।

কথা প্রথম শ্রেণীর মাজিস্টেট
কিম্বা জিলার মাজিস্টেট সাংহবের অহ্মতি গ্রহণপুক্তক জন্য কোন মাজিস্টেট হেডু
লিপিবদ্ধ করত স্থীয় বিবেচনামতে মুক্ত করণের কি
অপরাধ নির্বয়ের নিশ্বতি প্রকাশ না করিয়া থে কোন
সময়ে কার্য্যাহ্নষ্ঠান বন্ধ করিতে পারিবেন এবং ভাহা
হইলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ছাড়িয়া দিতে পারিবেন।

২৫০ ধারা। (১)এই আইনের নিদিষ্ট অর্থে নালিশ-ক্রমে কিম্বা কোন পোলীসের ডুচ্ছ ব। ছ: ধদায়ক খাত্ৰ কর্মচারিকে বা কোন মাজিফ্রে-অভিযোগের কথা। টকে প্রদন্ত সম্বাদ অবলম্বনে কোন অভিযোগ উপস্থিত করা হইলে যদি তাছাতে কোন ব্যক্তি কোন মাজিটেটের সমুখে মাজিটেট দারা বিচার্য্য কোন অপরাধে অভিযুক্ত হয় এবং যে মাজিফ্রেট দারা অভিযোগ উপস্থিত করা হয় তিনি অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ছাড়িয়া দেন বা মুক্ত করেন ও তাঁহার প্রতীতি হয় যে ঐ ব্যক্তির বিরুদ্ধে যে অভিযোগ হইয়াছে তাহা তুচ্ছ বা হঃখদায়কমাত্র, তাগা হইলে মাজিস্টেট স্থীয় বিবেচনামতে ছাড়িয়া দিবার বা মুক্ত করিবার আজ্ঞা দারা যে ব্যক্তির নালিশ বা সংবাদক্রমে অভিযোগ হইয়'ছিল তাহার প্রতি অভিযুক্ত ব্যক্তিকে কিম্বা একাধিক অভিযুক্ত ব্যক্তি থাকিলে ভাহাদের প্রভ্যেককে হানিপ্রণের নিমিক্ত পঞ্চাশ টাকার অনধিক যত টাকা ন্যায্য বোধ করেন ভত় টাকা দিবার আদেশ করিতে

- কিন্তু ঐরপ কোন জাদেশ করিবার পূর্কে মাজিটেট—
- (ক) ঐ আদেশ দিবার বিরুদ্ধে বাদী বা সংবাদদাতা যে কোন আপত্তি করেন তাহা
  দিপিবন্ধ করিবেন ও বিবেচনা করিয়া
  দেখিবেন, এবং
- (খ) ছানিপুরণ দিবার আদেশ করিলে ছাড়িয়া দিবার বা মুক্ত করিবার আজ্ঞায় হানি-পুরণ দিবার কারণ দিখিবেন।
- (২) কোন মাজিস্টেট (১) প্রকরণমতে থে হানি পুরণ দিবার আজ্ঞা করেন তাহার টাকা অর্থদণ্ডের ন্যায় আদায় করা ঘাইতে পরিবে।

কিন্ত ইহা আদায় করা যাইতে না পারিলে যে কারাদভের আজ্ঞা দেওয়া হইবে তাহা সামান্য কারাদভের
আজ্ঞা হইবে এবং ত্রিশ দিনের অধিক না ঽয় মাজিইটেট
এমন যে সময়ের আদেশ করেন সেই সময়ের নিমিত্ত
হইবে।

- (৩) যে বাদী বা সংবাদদাতার প্রতি দ্বিতীয় বা তৃতীয় শ্রেণীর কোন মাজিফ্রেট কর্ত্ব কোন অভিযুক্ত ব্যক্তিকে (১) প্রকরণমতে হানিপুরণ দিবার আজ্ঞা হইয়াছে দেই বাদী বা সংবাদদাতা ঐ আজ্ঞা যতদুর হানিপুরণ দেওয়া সম্বন্ধীয় হয় ততদুর ঐ আজ্ঞার বিৰুদ্ধে এরপে আপীল করিতে পারিবেন যেন ঐ বাদা বা সংবাদদাতা ঐ মাজিফ্রেটের নিকট বিচারে অপরাধী নির্ণীত হইয়াছেন।
- (৪) ও প্রকরণ অন্থসারে যে মোকদ্দমার আপীল হইতে পারে যে স্থলে সেই মোকদ্দমার কোন অভি-যুক্ত ব্যক্তিকে হানিপুরণ দিবার আজ্ঞা হয় সেই স্থলে আপীল উপস্থিত করিবার নিমিত্ত প্রদত্ত সময় অতীঙ না হইবার পুর্বেষ কিম্বা আপীল উপস্থিত করা হইয়া থাকিলে আপীলের নিষ্পত্তি না হইবার পুর্বেষ তাহাকে হানিপুরণ দেওয়া যাইবে না ।
- (৫) সেই বিষয় সংক্রান্ত কোন পরবর্তী দেওয়ানী মোকদ্দমায় হানিপ্রে দিবার সময়ে,এই ধারামতে হানি-পুরণ স্বরূপ কোন টাকা দেওয়া বা আদায় করা হইয়া থাকিলে আদালত তাহা বিবেচনাধানে লইবেন।

## ২১ একবিংশ অধ্যায়।

সে মোকদ্দমায় ওয়ারন্ট বাহির হয় মাজিন্টেটদের দ্বারা ভাহার বিচাধ হইবার কথা।

যে মোকদ্মযায় ওয়াবন্ট-বাছিব হয় তাৰ্ময়ের ক:ব্য-প্রাণালীর ক্থা। ২০১ ধারা। যে মোকদ্দমায় ওয়ারন্ট বাহির হয়
মাজিট্টেটেরা সেই মোকদ্দমার
বিচারকালে এই প্রণালীমতে
কার্য্য করিবেন।

- ২৫২ ধারা। (১) মাজিক্টেটের সমুখে অভিযুক্ত ব্যক্তি উপস্থিত হইলে কি অভিযোগের সশক্ষ তাহাকে আনা গেলে, মাজি-নাক্ষ্যের কথা। কৌ, বাদী থাকিলে, তাহার কথা শুনিবেন ও অভিযোগের পোষকতার যে সকল সাক্ষ্য উপস্থিত করা যায় তাহা গ্রহণ করিবেন।
- (২) যে২ ব্যক্তি মোকদ্মার ইডান্ত জানে ও অভিফলন যোগের সপক্ষ সাক্ষ্য দিতে পারিবে মাজিট্রেট বাদীর স্থানে কিম্বা অন্য প্রকারে তাহাদের নাম জানিয়া লইয়া ভাহাদের যত জনকে আবশ্যক বোধ করেন তত জনকে আপনার সন্মুখে সাক্ষ্য দিবার জন্য সমন করিবেন।
- ২৫৩ ধারা। (১) ২৫২ ধারার উলিখিত সমুদ্ম সাক্ষ্য গ্রহণ হইলে পর এবং ফাড়েমাদিনার কথা।

  ক্ষাভ্যাদিনার কথা।

  ক্ষাভ্যা আরশ্যক হইলে যে পরীক্ষা লওয়া আরশ্যক হইলে যে পরীক্ষা লওয়া আবশ্যক তাহা লওয়া গেলে পর, অভিযুক্ত ব্যক্তি সম্বন্ধে এমন কিছু প্রমাণ হয় নাই যাহার বিরুদ্ধ প্রমাণভাবে তাহার অপরাধ নির্বন্ধ করিতে হয় মাজিস্টেট ইহা বোধ করিলে তাহাকে ছাভ্রমা দিবেন।
- (২) মাজিক্টেট অভিযোগ অমূলক জ্ঞান করিলে, যাহার হেতু লিখিয়া মোকদ্দমা চলনের এতৎপূর্ব কোন সময়ে অপরাধীকে যে ছাড়িয়া দিতে পারিবেন না. এই ধারার কোন কথাক্রমে এরপ জ্ঞান হইবে না ৷

২৫৪ ধারা। উক্ত সাক্ষ্য ও পারীক্ষা সম্পূর্ণরূপে কি অংশতঃ গ্রহণ করা গেলে, অপরাধের প্রমাণ আছে দেখা গেলে অভিযোগণত্র লিখিবাব কথা।

করিমাছে এরূপ অভ্যান করিবার হেতু আছে মাজিস্টেট ইহা বিবেচনা করিলে এবং আপনি সেই অপরাধের বিচার ও তাহার সমুচিত দণ্ড করিতে ক্ষমতাপন্ধ আছেন বোধ করিলে, তিনি অভিযুক্ত ব্যক্তির নামে অভিযোগপত্র লিখিয়া প্রস্তুত করিবেন।

২৫৫ ধারা। (১) পারে ঐ অভিযোগপত্র অভিযুক্ত ব্যক্তির নিকটে পাঠ করিয়া ভাহাকে বুঝাইয়া দেওয়া যাইবে ও তাহাকে জিজ্ঞাসা করা ঘাইবে যে ভূমি এই অপরাধে অপরাধী, না ইহাত্ব প্রতিবাদ করিতে চাহ।

(২) অভিযুক্ত ব্যক্তি আপনাকে অপরাধী স্থীকার করিলে মাজিট্রেট সেই কথা লিপিবদ্ধ করিবেন ও স্থীয় বিবেচনামতে তদহুসারে তাহার অপরাধ নিণ্যু করিতে পারিবেন।

২৫৬ ধারা। (১) অভিযুক্ত ব্যক্তি আপনাকে
অপরাধী বলিতে এন্সীকার
করিলে কিম্বা অপরাধী স্বীকার
না করিলে অথবা ফিচারের দাওয়া করিলে, ভাহার
প্রতি অভিযোগের প্রতিবাদ কার্য্যে প্রবৃত্ত হইতে ও
ভাহার সপক্ষ সাক্ষ্য উপস্থিত করিতে আজ্ঞা হইবে

ও প্রতিবাদ করিবার যে কোন সময়ে ভাছার প্রতি
আদালতে কিম্বা আদালতের সীমা সরহদ্দের মধ্যে
উপস্থিত অভিযোগের সপক্ষ যে কোন সাক্ষীকে পূর্বের
অভিযোগাত্মক র্ভাস্ত সম্বন্ধে জেরা করা হয় নাই
ভাছাকে পূনরায় ডাকিয়া জেরা করিছে অমুমতি হইবে।

- (২) যদি অভিযুক্ত ব্যক্তি কোন লিখিত বর্ণনাপত্র অর্পণ করে তবে মাজিফ্রেট ভাহা নথীর সঙ্গে রাখিবেন।
- ২৫৭ ধারা। (১) অভিযুক্ত ব্যক্তি মাজিফেটের নিকটে পূর্বের ঐ মোকদ্দমায় অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রার্থনা-ষাহার পরীক্ষা গৃহীত হইয়াছে মতে দাক্ষ্য উপন্থিত করা-কি হয় নাই এমন কোন 🗣 বার কথা। সাক্ষীকে পরীকা বা জেরার নিমিত্ত উপস্থিত করাইবার জন্যে অথবা কোন দলীল কি অন্য দ্রব্য উপস্থিত করাইবার নিমিত্ত কোন পর ওয়ানা দিবার প্রার্থনা করিলে, মাজিফ্রেট ঐপরওয়ানা **मिर्टिन ।** किंकु छेक थार्थनाश्रेज कर्छे मिरात कि दिनम् ঘটাইবার বা স্থবিচারের উদ্দেশ্য বিকল করিবার নিমিত্ত উপস্থিত করা গিয়াছে বলিয়া তাহা অগ্রাহ্য করা উচিত এরপ বিবেচনা করিলে, তিনি ঐ হেতু লিপি-বন্ধ করিয়া পরওয়ানা দিবেন না।
- (২) অভিযুক্ত ব্যক্তি কোন সাক্ষীকে জেরা করিলে বা জেরা করিবার হুযোগ প্রাপ্ত হইলে পর এই ধারা-মতে ঐ সাক্ষীকে বলপুর্বক উপস্থিত করা যাইবে না, কিন্তু হুবিচারের প্রয়োজনার্থ ঐরপ করা আবশ্যক, মাজিফ্রেটের এরপ প্রতীতি হইলে করা যাইতে পারিবে।
- (৩) তদ্রূপ প্রার্থনামতে কোন সাক্ষীকে সমন দিবার পূর্বে মাজিস্টেট আদেশ করিতে পারিবেন যে, উক্ত বিচারের নিমিত্ত উপস্থিত হইতে তাহার যে যুক্তি-মত খরচা পড়ে তাহা আদালতে আমানত করা যায়।
- ২৫৮ ধারা। (১) এই অধ্যায়মত কোন মোকদ্দ্যায়

  অভিযোগপত্র প্রস্তুত করা

  ফ্রেকরণের কথা।

  গেলে মাজিফ্রেট অভিযুক্ত
  ব্যক্তিকে নির্দ্দোষী নির্দ্ধ করিলে মুক্ত করণের আজ্ঞা
  লিপিবদ্ধ করিবেন।
- (২) ঐরপ মোকদ্দমায় অভিযুক্ত ব্যক্তির অপরাধ

  দোষীনিশ্য করণের কথা।

  মতে তাহার দণ্ডের আজ্ঞা
  করিবেন।

২৫৯ ধারা। নালিশক্রমে কার্য্যান্নন্তান হইলে মোকদ্বা শুনিবার কোন নিরূপিত
বাল উপস্থিত না গানিবার কথা।
আইনমতে অপরাধের রফা
ইইতে পারিলে মাজিস্টেট স্বীয় বিবেচনামতে পুর্বের
এই আইনে প্রকারান্তরের কথা থাকিলেও অভিযোগপত্ত
প্রস্তুত করিবার পূর্ব্ধ কোন সময়ে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে
ছাড়িয়া দিতে পারিবেন।

# ২২ দ্বাধিংশ অধ্যায়। সরাসরী বিচারের কথা।

সরাপবী বিচার করিবার ২৬**০ ধারা।(১) এই আইনে** ক্ষমতার কথা। প্রকারান্তরের কথা থাকিলেও,

- (ক) জিলার মাজিফ্রেট সাহেব এবং
- (খ) এডদর্থে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট হইতে বিশেষ ক্ষমতাপ্রাপ্ত প্রথম প্রেণীর কোন মাজি-স্টেট এবং
- (গ) প্রথম শ্রেণীর মাজিফ্টেটের ক্ষমন্তাপ্রাপ্ত ও এতদর্থে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের স্থানে বিশেষ ক্ষমতাপ্রাপ্ত মাজিফ্টেটদের কোন বেঞ্চ,

বিহিত বোধ করিলে নিম্নলিখিত সমুদয় কি অন্যত্তর অপরাধের সরাসরী বিচার করিতে পারি-বেন:—

- (ক) যে স্বপরাধের নিমিত্ত প্রাণদণ্ড কি দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ড কি ছয় মাসের স্বাধিক কালের কারাদণ্ড না হয় সেই স্বপরাধ।
- (খ) ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ২৬৪ ও ২৬৫ ও ২৬৬ ধারামতে ওজন ও পরিমাপণ যন্ত্রবিষয়ক অপরাধ।
- (গ) উক্ত আইনের ৩২৩ ধারামতে পীড়া ক্ষমাওন।
- (ঘ) চোরা দ্রব্যের মূল্য ৫০) টাকার অধিক না হইলে উক্ত আইনের ৩৭৯ বা ৩৮০ বা ৩৮১ ধারামতে চৌর্য্য।
- (ও) চোরা দ্রব্যের মূল্য ৫০ টাকার অধিক না ছইলে উক্ত আইনের ৪১১ ধারা-মতে চোরাদ্রব্য গ্রহণ বা রাখা।
- (চ) চোরা দ্রব্যের মূল্য ৫০ টাকার অধিক না হইলে উক্ত 'শাইনের ৪১৪ ধারা-মতে ঐ দ্রব্য গোপন বা বিক্রয় প্রভৃতি করণের সাহায্য করণ।
- (ছ) উক্ত আইনের ৪২৭ ধারামতে অপকার করণ।
- (জ) উক্ত আইনের ৪৪৮ ধারামতে গৃহে অন-ধিকার প্রবেশ করণ।
- (ঝ) উক্ত আইনের ৫০৪ ধারামতে শান্তিভল্প করাইবার উদ্দেশে অপমান করন ও ৫০৬ ধারামতে অপরাধভাবে ভয় দর্শতিন।
- (এ) পুর্বের্বাক্ত কোন অপরাধের সহায়ত। করণ।
- (ট) পুর্কোক্ত কোন অপরাধ করিবার উদ্যোগে অপরাধ হইলে, তদ্রাপ উদ্যোগ!

(ঠ) পরের ভূমিতে গোমেষাদির প্রবেশ বিষয়ক । ১৮৭১ সালের আইনমত নালিশ।

কিন্তু যে গোকদমায় জিলার মাজিফ্রেট সাহেব ৩৪ ধারামতে অর্পিত বিশেষ ক্ষমতান্ত্রসারে কার্য্য করেন, সেই মোকদমার সরাসরী বিচার হইবে না।

(২) কোন সরাসরী বিচার চলিতে থাকিবার সময় যদি মাজিফ্রেট কি বেঞ্চের এরপ বিবেচনা হয় যে, মোকদ্দমার যে প্রকৃতি তাহাতে উহার সরাসরীমতে বিচার করা বাঞ্চনীয় নয় তাহা হইলে ঐ মাজিফ্রেট কি বেঞ্চ কোন সাক্ষাকৈ পরীক্ষা করা হইয়া থাকিলে তাহাকে পুনশ্চ ডাকাইবেন এবং এই আইনের নির্দিউ প্রকারে ঐ মোকদ্দমা পুনশ্চ শুনিতে প্রয়ক্ত হইবেন।

২৬১ ধারা। স্থানীয় গবর্ণমেন্ট দ্বিতীয় কি তৃতীয় শ্রেনীর মাজিফ্টেটের ক্ষমতা-

ন্যন ক্ষমভাপ্রাপ্ত মাজি- প্রাপ্ত মাজিক্টেটদের বেঞ্চের ট্টেদের বেঞ্চের প্রতি ক্ষমভা প্রদান কবিবার কথা।

তাম কান্য কার্যাব্যের সরাসরী

বিচার করিবার ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেনঃ—

- (क) যে সকল অপরাধ ভারতবর্ষের দণ্ড বিধির আইনের ২৭৭ ও ২৭৮ ও ২৭৯ ও ২৮৫ ও ২৮৬ ও ২৮৯ ও ২৯° ও ২৯২ ও ২৯৩ ও ২৯৪ ও ৩২৩ ও ৩৩৪ ও ৩৩৬ ও ৩৪১ ও ৩৫২ ও ৪২৬ ও ৪৪৭ ধারার বিরুদ্ধ।
- (খ) মুনিসিপল আইনের বিৰুদ্ধ ও পোলীস আইনের অন্তর্গত নগর পরিপাটীকরণ-সূচক ধারার বিরুদ্ধ যে যে অপরাধের নিমিক্ত অর্থদণ্ড কি এক মাসের অনধিক কারাদণ্ড হইতে পারে সেইং অপরাধ।
- (গ) পুর্ব্বোক্ত কোন অপরাধের সহায়তাকর**।**
- (ঘ) পূর্ব্বোক্ত কোন অপরাধ করিবার উদ্যোগ অপরাধ হইলে, তদ্রপ উদ্যোগ।

২৬২ ধারা। (১) এই অধ্যায়মতে বিচার হইলে পশ্চাল্লিখিত যে২ মোকদ্দমা বিজিত হইল তন্তিম সমনের ও ওয়ারত দেওয়া যাইতে মোকদ্দমায় সমনের মোকদ্দমার পাবে দেই দেই মোকদ্দমায় নির্দিষ্ট কার্য্যপ্রণালী চলিবে ও গুয়ারত্তির মোকৃদ্দমায় ওয়া-

রন্টের মোকদ্দমার নির্দ্দিষ্ট কার্য্যপ্রণালী চলিবে।
(২) এই অধ্যায়মতে
কারাদণ্ডের মিমাদের অপারাধ নির্ণয় হইলে তিন
কথা।
মাদের অধিক কালের কারাদণ্ডের আজ্ঞা হইবে না।

২৬৩ ধারা। যে২ মোকদ্মায় আপীল নাই সেইং
মোকদ্মায় সাকীদের সাক্ষ্য
্য মোকদ্মায় সাকীদের সাক্ষ্য
আজি টেটর কিল্পা মাজিট্রেটমার্চ সেই মোকদ্মায়
বিকাডেব কথা।

অক্তিয়োগপত্রও লিখিবার প্রয়োজন নাই; কিন্তু তিনি

কি তাঁহারা ছানীর গবর্ণমেন্ট যে পাঠের আদেন করেন সেই পাঠে এইং কথা লিখিবেন:—

- (ক) ক্রমিক নম্বর।
- (খ) যে তারিখে অপরাধ করা যায় সেই তারিখ।
- (গ) যে তারিখে রিপোর্ট কি নালিশ করা যায় তাহা।
- (घ) वामी शांकित्न वामित्र नाम।
- (%) অভিযুক্ত ব্যক্তির নাম ও তাহার পিতার নাম ও বাসস্থান।
- (চ) যে অপরাধের নালিশ হয় ও প্রমাণ হইলে যে অপরাধের প্রমাণ হয় তাহা এবং ২৬• ধারার (১) প্রকরণের (ঘ), (৪) বা (চ) দকার অন্তর্গত মোকদ্দমা হইলে যে সম্পত্তি সম্বন্ধে অপরাধ করা হইয়াছে তাহার মূল্য।
- (ছ) প্রতিবাদীর উত্তর ও তাহার প্রীক্ষা হইয়া থাকিলে তাহা।
- (জ) নিষ্পত্তি এবং অপরাধ নিণয় হইলে তাহার হেতুর সংক্ষেপ বর্ণনা।
- (এ০) দভের আজ্ঞাবা অন্য চূড়ান্ত আজ্ঞা, এবং
- (ট) যে তারিখে তান্স্টানিক কার্য্য সমাপ্ত হয় তাহা।

২৬৪ ধারা। (১) কোন মাজিস্টেটের কি বেঞ্চের সরাসরীমতে বিচারিত কোন যে মোকদ্মার উপর আপীল কইতে পাবে সেই মোকদ্মার উপর আপীল মোকদ্মার বিকাডের কথা। খাকিলে, ঐ মাজিস্টেট কি বেঞ্চ যে সাক্ষ্য দ্বারা অপরাধ নিবয়

করিলেন দণ্ডের আজ্ঞা করিবার পূর্ব্বে সেই সাক্ষ্যের মর্ম এবং ২৬৩ ধারার উল্লিখিত বিবরণ সহিত নিষ্পত্তি লিপিবদ্ধ করিবেন।

(২) এই ধারার মধ্যে যে২ মোকদ্দমা আইসে ভাহাতে ঐ নিম্পত্তি ভিন্ন অন্য রিকার্ড থাকিবে না।

২৬৫ ধারা। (১) ২৬৩ ধারামতে যে রিকার্ড লেখা যায় ও ২৬৪ ধারামতে যে বিকার্ড ও নিম্পত্তি বে ভাষায় লিখিতে গইনে ভাষার কথা। ইংরেজী ভাষায় না হয় আদা-লতের ভাষায় অংথবা বিচারপতি

মব্যবহিত রূপে যে আদালতের অধীন সেই আদালতের আদেশ হইলে ঐ বিচারপতি কর্তৃক স্বদেশীয় ভাষায় সেই রিকার্ড ও নিশক্তি লিখিত হইবে।

(২) মাজিউেটদের যে বেঞ্চ সরাসরীমতে অপরা-ধের বিচার করিতে ক্ষমতাপন্ন বেঞ্চের কেরাণী বাথিতে পাবিবাব কথা।

ত্ব্যবহিতরূপে যে আদালতের

অধীন তাঁছাদিগকে এতদর্থে সেই আদালতের নিযুক্ত এক জন আমলা ছারা প্রেকাক্ত রিকার্ড কি নিম্পত্তি-লেখাইয়া লইবার সম্মতি দিতে পারিবেন। রিকার্ড কি নিপান্তি ভদ্রাপে লিখিয়া দেওয়া গেলে ঐ বেঞ্চের যত জন উপস্থিত হইয়া ঐ আমুষ্ঠানিক কার্য্য চালান ভাঁহারা প্রত্যেকে ভাহাতে স্বাক্ষর করিবেন।

- (৩) এ রূপ অহমতি দেওয়া না হইলে, বেঞ্চের এক জনের কর্তৃক যে রিকার্ড প্রস্তুত হইয়া পূর্কোক্তমতে স্বাক্ষরিত হয় তাহাই যথাযথ রিকার্ড হইবে।
- (৪) যদি বেঞ্চের মতের অনৈক্য হয় ভাহা হইলে যাহারা ভিন্ন মত হল তাঁহারা স্বতন্ত্র নিষ্পত্তি লিখিতে পারিবেন।

## ২৩ ত্রয়োবিংশ অধ্যায়।

## হাই কোর্টের ও সেশন আদালতের সন্মুখে বিচারের বিধি।

## ক।—উপক্রমণিকা।

২৬৬ ধারা। ভারতবর্ষীয় হাই কোর্ট বিষয়ক
১৮৬১ সালের আইনমতে যে
"হাই কোর্ট" শব্দেব সকল হাই কোর্ট স্থাপিত হইরাছে কি হইবে, ২৭৬ ও ৩০৭
ধারা ছাড়া এই অধ্যায়ে এবং ১৮ অধ্যায়ে 'হাই কোর্ট''
শব্দে সেই সকল হাই কোর্ট ও পঞ্জাবের চীফ কোর্ট ও রাঙ্গুনের রিকার্ডারের আদালত এবং মন্ত্রিসভাধিন্তিত শ্রীযুত গ্রন্থর জেনরল সাহেব সময়েং ইণ্ডিয়া গেজেটে বিজ্ঞাপন প্রকাশ করিয়া অন্য যে সকল আদালত এই অধ্যায়ের অভিপ্রায়াস্ক্র্যায়ী হাই কোর্ট বলিয়া নির্দ্দেশ করেন, সেই সকল আদালত বুঝাইবে।

২৬৭ ধারা। এই অধ্যায়মতে কোন হাই কোর্টে যত মোকদ্দমার বিচার হয় হাই কোটে জুবিব দাবা সকলই জুরির সহযোগে বিচাব হইবাব কথা। ইইবে ;

এবং এই আইনমতে কিম্বা ভারতবর্ষীয় হাই কোর্ট বিষয়ক ১৮৬১ সালের আইনক্রমে যে হাই কোর্ট স্থাপিত হুইয়াছে ভাহার পেটেন্টপত্রমতে, যে সকল কৌজদারী মোকদ্দমা হাই কোর্টের প্রতি অপিত হয়, এই আইনে ভাবান্থরের বিধান থাকিলেও, ঐ হাই কোর্ট আদেশ করিলে, জুরির সহযোগে সেই সকল মোকদ্দমার বিচার হইবে।

দেশন আদালতে জুবিব ধারা বা আনেস্যুদ্ধে সহ-কাবিভায় বিচাৰ হইণাৰ ক্ষা ২৬৮ ধারা । সেশন আদা-লতে যে বিচার হয়, তাহা জুরির দারা অথবা আসেসরদের সহকারিতায় করা যাইবে।

২৬৯ ধারা। (১) কোন জিলার সেশন আদালতে
সকল অপারাধের কিন্বা বিশেষ
সেশন আদালতে জুবিব কোনং শ্রেণীর অপারাধের
দ্বালা বিচাব হয় শ্রানীয়
গবর্গনেন্টেব এই আজা
কবিতে পারিবার কথা।
হইবে, স্থানীয় গবর্ণমেন্ট অগ্রে
মন্ত্রিসভাধিন্তিত শ্রীযুত গবর্ণর
জেনরল সাহেবের মঞ্জুরি লইয়া রাজকীয় গেজেটে

আদেশ প্রচার দ্বারা এমস্ত আজ্ঞা করিতে পারিবেন ও ঐরপ মঞ্জুর লইয়া সেই আজ্ঞা রহিত কি পরিবর্ত্তিত করিতে পারিবেন।

- (২) স্থানীয় গবণমেন্ট রাজকীয় গেজেটে সাধারণ বা বিশেষ আজ্ঞা প্রচার করিয়া যে বা যে স্থানে সেশন আদালতের অধিবেশন হইবে তাহার আদেশ করিতে পারিবেন এবং প্রক্রপে ক্বভ কোন আজ্ঞা সময়ে সময়ে রহিত বা পরিবর্ত্তিত করিতে পারিবেন কিন্তু যাবং প্রক্রপ আজ্ঞা করা না যায় তাবং সেশন আদালতের পূর্ব্বমত অধিবেশন হইবে।
- (৩) যে জেলায় জুরির দ্বারা কোন অপরাধের বিচার হইবে সেই জিলা সন্ধন্ধে স্থানীয় গবর্গমেন্ট ঐরপ আজ্ঞাক্রমে ইহাও ব্যক্ত করিতে পারিবেন যে জজ সাহেবের নিকট দরখান্ত করা গেলে তিনি যদি তদম্পারে কিন্ধা তিনি যদি আপন ইচ্ছায় এরপ আদেশ করেন যে বিশেষ জুরির ফর্দ্দ হইতে জুরিদিগের নামে সমন দিয়া তাঁহাদের দ্বারা সেই অপরাধের বিচার হইবে তাহা হইলে দেই অপরাধের বিচার সেরপ হইবে এবং সেই আজ্ঞা রহিত বা পরিবর্ত্তিত করিতে পারিবেন।
- (৪) কোন কোনটা জ্বির বিচার্য্য ও কোন কোনটা জ্বির বিচার্য্য নহে এরপ ভিমং অপরাধের নিমিভ এক কালে অভিযুক্ত ব্যক্তির বিচার হইলে ভন্মধ্যে যেং অপরাধ জ্বির বিচার্য্য সেইং অপরাধের বিচার জ্বির দারা ও যেং অপরাধ জ্বির বিচার্য্য নহে সেইং অপরাধের বিচার আসেসরস্বরূপ জ্বেরের সাহায্যে সেশন আদালতের দারা হইবে।

সেশন আদালতে বাজ-কীয় জ্ঞাভযোক্তা দ্বাবা বিচাবেৰ কাষ্য্যেৰ অনুষ্ঠান হুইবাৰ কথা। ২৭০ ধারা। সেশন আদালতের সন্মুখস্থ প্রত্যেক
মোকদ্দমার বিচারকালে রাজকীয় অভিধোক্তা অভিযোগের
কার্য্য চালাইবেন।

## (খ)। — কার্য্যারম্ভের বিধি।

২৭১ ধারা। (১) আদালত বিচার কার্য্য আরম্ভ করিতে প্রস্তুত হইলে অভিবিচার আবস্তুত করিতে প্রস্তুত হইলে অভিবিচার আবস্তুত করিতে প্রস্তুত ব্যক্তি আদালতের সম্মুখে কথা।
তপ্তিত হইবে অথবা তাহাকে সম্মুখে আনা ঘাইবে; ও তাহার নিকট অভিযোগপত্র পাঠ করিয়া বুঝাইয়া দেওয়া ঘাইবে. ও তাহাকে জিজ্ঞাসা করা ঘাইবে যে তুমি এই পত্রলিখিত অপ-রাধে অপরাধী, না বিচার হইবার দাওয়া রাখ।

(২, অভিযুক্ত ব্যক্তি আপনাকে অপরাধী স্থীকার করিলে দেই কথা লিপিবদ্ধ অপনাধ শীকাব করিলে করা ঘাইবে ও তদম্সারে ভাহাব কথা।
. ভাহার অপরাধ নির্ণয় হইতে পারিবে। ২৭২ খারা। অভিযুক্ত ব্যক্তি আপানাকে অপারাধী
বলিতে অত্থীকার করিলে কি
অপাবাধ খীকার না করিলে
বার কি বিচার হইবার দাওযার কথা।
করিলে, আদালত পশ্চালিখিত
বিধানমতে জরি কিয়া আসেসরদিগকে ম্নোনীত করিয়া

বিধানমতে ছ্রি কিম্বা আসেসর্নিগকে মনোনীত করিয়া বিচারের কার্যো প্রবৃত হইবেন।

ু কিন্তু পশ্চাল্লিখিত জাপত্তি করিবার অধিকার মানিয়া
আদালত জুরি কি আ সসরজুরির কি আসেসবদের দিগকে পরিবর্তন না করিয়া
পরিবর্তন না হইয়া ক্রমশ:
বছ অপরাধীর বিচার হইতে
শারিবার কথা।
তাহাদের দ্বারা বা তাহাদের
সহকারিতায় অভিযুক্ত যত
জনের বিচার করা বিহিত জ্ঞান

করেন ক্রমশঃ তত জনের বিচার করিতে পারিবেন।

২৭৩ ধারা। (১) হাই কোর্টের সম্মুখে বিচার হইলে,
অভিযোগের কিছা তাহার
অভিযোগের কিছা তাহার
অভিযোগের কিছা তাহার
অভিযোগের কিছা তাহার
অভিযোগের কিছা তাহার
হিবার আইনমত প্রমাণ নাই
অভিযুক্ত ব্যক্তির বিচার আরম্ভ
হইবার পূর্ব কোন সময়ে

হাই কোর্টের এইরপ বোধ হইলে, ,বিচারপতি অভি-যোগপত্তের উপর সেই মর্মের কথা দিখিয়া দিতে পারিবেন।

(২) ঐ কথা লেখা গেলে ঐ অভিযোগপত্রের কিন্তা স্থল বিশেষে তাহার ঐ ঐ লিখিত কথার ফলের অংশের উপর কার্য্যাহণ্টান কথা। স্থানিত হইবে।

# গ।—ছ্রি নির্কাচনের বিধি।

২৭৪ ধারা। (১) হাই
কত জন লইয়া <sup>জুবি</sup> কোটে বিচার হইলে নয় জন
হক্ষে তাহাৰ কথা।
ব্যক্তিকে লইয়া জুরি হইবে।

(২) সেশন আদালতে ছ্রির দারা বিচার হইলে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট বিশেষ কোন জিলার সম্পর্কে কিম্বা ঐ জিলার মধ্যে বিশেষ কোন শ্রেণীর অপরাধ সম্পর্কে কোন আজা করিলে, তদত্মসারে তিন জ্ঞানের অন্যন ও নয় জ্ঞানের অনধিক বিষম সংখ্যক ব্যক্তিকে লইয়া ছ্রি হইবে।

২৭৫ ধারা। সেশন আদালতে ছ্রি দ্বারা ইউরোপ ও আমেরিকা দেশীয় ভিন্ন রেগ কি আমেরিকা দেশীয লোক ভিন্ন অন্য লোকদেব বিচারার্থ স্থ্রিব কথা।

ত্যামেরিকা দেশীয় ভিন্ন অন্য

## व्यक्तिमिशक महेग्ना इहेरव ।

২৭৬ ধারা। যে ব্যক্তিদিগকে জুরির কর্ম করিতে
গুলিবটি থারা জুরি
মনোনীত হইবারকথা।
সময়েং বিধিক্রমে যে প্রকারের
আদেশ করেন, সেই প্রকারে

শুলিকাঁট করিয়া ভাষাদের মধ্য হইতে শ্রে মঝোনীত করা যাইবে।

কিশ্ব---

প্রথমতঃ এইক্ষণে কোন জুরি মনোনীত করিবার
বর্ত্তমান রীতি চলিবাব
কথা।
তিক্ত আচলিত আছে, যত দিন
উক্ত আদলতের নিমিত্ত এই
ধারামত বিধি প্রচার না হয় তত দিন সেই রীতি
চলিবে।

ছিতীয়তঃ জুরিতে যত জন লোকের প্রয়োজন
যাঁহাদিগকে সমন করা গিয়াছে
বাহাদিগকে সমন দেওযা
তাহাদের মধ্যে তত জন না
থাব নাই উহিাদিগকে কথন
থাহন করিতে পাবা যায
তাহার কথা।
উপস্থিত থাকেন আদালতের
অনুমতি লইয়া তাঁহাদের মধ্য

হইতে লোক মনোনীত করিয়া, সংখ্যা পূর্ণকরা যাইতে পারিবে।

তৃতীয়তঃ কোন রাজধানীতে কোন ব্যক্তির বিচার হ**ইলেঃ**—

বিশেষ জুবির সহযোগে (ক) যে অপরাধে প্রাণ-বিচাব হইবার কথা। দণ্ড হইতে পারে ভাহার নামে এমত অপরাধের অভিযোগ

হইলে, কিম্বা

(খ) অন্য কোন স্থলে হাই কোর্টের এক জন জজ আন্দেশ করিলে—

পশ্চান্নিদ্দিউ বিশেষ জুরির ফর্দ্দ হইতে জুররদিগকে মনোনীত করা যাইবে। এবং

চতুর্থতঃ ছানীয় গবর্ণমেন্ট যে কোন জিলা সম্বন্ধে এরপ ব্যক্ত করিয়াছেন যে কোন কোন অপরাধের বিচার বিশেষ জ্বির ছারা করা যাইতে পারিবে সেই জিলায় যে ছলে জজ সাহেব সেরপ আদেশ করেন সে ছলে ৩২৫ ধারার নির্দিষ্ট বিশেষ জ্বির কর্দ হইতে জ্বির মনোনীত করা যাইবে।

২৭৭ ধারা। (১) জ্বরির একং ব্যক্তি মনোনীত হইলে, তাঁহার নাম উচৈচঃশ্বরে জ্বির নাম ভাকিবার ভাকা যাইবে; ও উপস্থিত হইলেই অভিযুক্ত ব্যক্তিকে জিজ্ঞাসা করা যাইবে যে, এই ব্যক্তির দ্বারা তোমার বিচার হইবার কোন আপত্তি আছে কি না।

(২) অভিযুক্ত ব্যক্তি কিম্বা অভিযোক্তা ক্ষ্রির ঐ ব্যক্তির বিষয়ে আপত্তি করিতে জ্রিব কোন ব্যক্তিন পারিবেন, ও তাঁহার সেই বিষয়ে আপত্তির কথা। আপত্তির কারণ জানাইতে

इदेरव ।

কিন্তু হাই কোর্টে মহারাণীর পক্ষে আট পর্যস্ত ব্যক্তির, বিষয়ে ও অভিযুক্ত কারণ না কানাইয়া আট পর্যন্ত ব্যক্তির পক্ষে আট পর্যন্ত ব্যক্তির বিষয়ে কারণ না জানাইয়া আপত্তি করিবার অহমতি থাকিবে। ২৭৮ ধারা। পশ্চাল্লিখিত কোন কারণে ছ্রির কোন ব্যক্তির বিষয়ে যে আপত্তির কাবণের কলা। আপত্তি করা যায় ভাহা আদা-লভের হুল্লোধজনক হইলে গ্রাহ্য হইবে, অর্থাৎ.

- (क) কোন ব্যক্তির পক্ষপাতী ছওয়া অস্মান কিছা তিনি পক্ষপাতী আছেন বলিয়া যে আপতি।
- (খ) ব্যক্তি বিশেষের বিষয়ে আপত্তি, যথা
  তিনি ভিন্নদেশীয় লোক, কিছা প্রচলিত
  কোন আইনমতে কিছা আইনের তুল্য
  কলবৎ কোন বিধিমতে যেং গুণ থাকা
  আবশ্যক তাঁহার এমত কোন গুণের
  অভাব আছে, কিছা তাঁহার বয়স
  ২১ বৎসরের কম বা ৬০ বৎসরের
  অধিক, বলিয়া যে আপত্তি।
- (গ) তিনি আচারক্রমে কিছা ধর্মসংক্রান্ত মানত করিয়া সাংসারিক সমস্ত বিষয় চিন্দা ত্যাগ করিয়াছেন।
- (ঘ) ঐ ব্যক্তি সেই আদালতে কি তাহার অধীন কোন পাদে নিযুক্ত আছেন।
- (৩) তিনি পোলাস সংক্রান্ত কোন কর্ম নির্কাহ করিতেছেন, কিয়া তাঁহার প্রতি পোলাস সংক্রান্ত কার্য্যের ভার অর্পিত হইয়াছে।
- (চ) যে অপারাধ হেতৃক তিনি আদালতের বিবেচনামতে জ্বির কর্ম করিতে অযোগ্য হন, তাঁহার এমন কোন অপা রাধ পূর্বে নির্ণয় হইয়াছে।
- (ছ) সাক্ষ্য যে ভাষায় দেওয়া যায় কিছা দোভাষী যে ভাষায় অর্থ করিয়া দেন তিনি তাহা বৃকিতে পারিবেন না।
- (জ্ঞা আদালতের বিবেচনামতে অন্য যে গতিক প্রযুক্ত ঐ ব্যক্তির জ্বরের কর্ম করা অম্চিত হয় এমত কোন গতিক থাকার-

২৭৯ ধারা। ১) কোন দ্বের সম্বন্ধেয়ে আপত্তি করা যায় সেই আপত্তি গ্রাহ্য কি না, এই বিষয়ে আদাসত নিশৃত্তি করিবেন, ও আদাসতের সেই নিপত্তি লিপি-বদ্ধ করা যাইবে ও চূড়ান্ত হইবে।

হেছু।

(২) আপত্তি প্র'হ্য হইলে জ্বিকে ডাকিবার

সমন মতে অন্য যে ব্যক্তির

' যে জ্বনের বিরুজে উপন্থিত থাকেন ঐ ব্যক্তির

আগতি বাহ্য হয় উহোব
পরিবর্তে উাহাদের অন্যতর
ব্যক্তিকে করা যাইবে। ২৭৬
ধারার বিধান্যতে তাহাকে

মনোনীত করা যাইবে। অন্য ব্যক্তি না থাকিলে জ্বির
কর্দে যাঁহার নাম দেখা আছে এমত অন্য যে ব্যক্তি
আদালতে উপন্থিত থাকেন কিল্লা আদালত অন্য

২৭৮ ধারা। পশ্চালিখিত কোন কারণে জ্রির গাঁহাকে জ্রির কর্ম করিবার উপযুক্ত জ্ঞান করেন এমন কোন ব্যক্তির বিষয়ে যে কোন ব্যক্তিকে নিযুক্ত করা যাইবে।

> কিন্তু ইহাতে প্রয়োজন যে সেই ব্যক্তির বিষয়ে ২৭৮ ধারামত কোন আপত্তি না হয়, হইলেও গ্রাহ্য না হয়।

২৮০ ধারা। (১) জ্বরির সংখ্যা পূর্ব ছইলে জাহারা আপনাদের একজনকে জ্বির প্রধান ব্যক্তির কথা।

অধিপতি বলিয়া নিযুক্ত করি-

- (২) ঐ অধিপতির কর্তব্য কর্ম এই২—ছ্বি কোন বিষয়ে বিবেচনা করিবার নিমিত্ত স্বতন্ত্র বসিলে তিনি অধ্যক্ষতা করিবেন, ও আদালতে ছ্রির নিপাত্তি জ্ঞাত করিবেন এবং ছ্রি বা কোন ছ্রের আদালতের নিকট কোন সংবাদ জানিতে চাহিলে তিনিই সেই কথা জিজ্ঞাসা করিবেন।
- (৩) ঐ জ্বির অধিপতি পাদে কৈ নিযুক্ত হইবেন, এতছিবয়ে জজ যে সময় যুক্তিসিদ্ধ জ্ঞান করেন সেই সময় মধ্যে যদি তাঁহাদের অধিকাংশের এক মত না হয়, তবে আদালত ঐ অধিপতিকে মনোনীত করিবেন।

২৮১ ধারা। জুরির অধিপ:তি নিযুক্ত হইলে, ভারত-বর্ষীয় শপথ বিষয়ক ১৮৭৩ কণা। সালের আইনমতে জুররদিগকে শপথ দেওয়া যাইবে।

২৮২ ধারা। (১) জুরির দ্বারা কোন মোকদ্দ্দার বিচার কার্য্য চলিভেছে এমন জুবৰ উপস্থিত থাকিতে সময়ে যদি নিষ্পত্তির পূকে না পানলৈ যাহা করবা ঐ ছারির কোন ব্যক্তি উপযুক্ত তাহাব কৰা ৷ কোন কারণে ঐ বিচারের ভাবৎকাল উপস্থিত থাকিতে না পারেন, কিম্বা 🗨রির অন্যতর ব্যক্তি অমৃপস্থিত হইলে যদি তাঁহাকে উপ-ছিত করান **যাইতে না পারে, কিম্বা যদি দেখা যা**য় যে জ্রির কোন ব্যক্তি যে ভাষায় সাক্ষ্য দেওয়া হয় সেই ভাষা বুকিতে পারেন না কিম্বা ঐ সাক্ষ্য দোভাষির দারা বুঝাইয়া দেওয়া গেলে যে ভাষায় তাহা বুঝাইয়া দেওয়া যায় দেই ভাষা বুঝিতে পারেন না, তবে একজন জুরর আহণ করা যাইবে, কিম্বা ঐ জুরির সমুদয় ব্যক্তিকে বিদায় করা যাইবে ও মৃতন ছুরি মনোনাও श्रुरेदन ।

(২) ঐরপ প্রত্যেক স্থলে যোকদ্দমার প্রথমাবিধি পুনশ্চ বিচার হইবে।

২৮৩ ধারা। আসামী পীড়াপ্রযুক্ত আদালতের আসামীব পীড়া ছইলে সম্ম থে থাকিতে না পারিলে জুবকে বিদায় কথা। তিনি করিয়া দিতে পারিবেন।

याष्ट्रित ।

## খ।—আসেসর নির্কাচনের বিধি।

২৮৪ ধারা। আসেসরদের সহকারি ায় বিচার
ত করিতে হইলে আসেসরদের
আসেসরদিগতে যেরণে কর্ম করণার্থে যে ব্যক্তিদিগকে
মনোনীত করা থাইবে
তাহার কথা।
 থেরপ উচিত বোধ করেন
জদপ্লসারে তাহাদের মধ্য হইতে গুই কিম্বা ভদধিক
আ্রেসসর মনোনীত করা যাইবে।

২৮৫ খ্রারা। (১) আদেসরদের সাহায্যে কোন মোকক্ষমায় বিচার হইতেছে এমন
আদেসব উপস্তিত ধাকিতে সময়ে নিপত্তি হইবার পূর্বের
না পারিলে যাবা কর্ত্তরা
ভাষার ক্যা।
কারণে বিচারের শেষ না হওন
পর্য্যন্ত উপস্থিত থাকিতে না পারিলে অথবা অমূপস্থিত
ইইলৈ ভাহাকে উপস্থিত করা যাইতে না পারিলে
অন্য এক কি অধিক জন আদেসবের সাহায্যে ঐ বিচার
কার্য্য চলিবে।

(২) বিচারকরণ সময়ে সকল আসেদরেরই উপস্থিত ছইবার বাধা হইলে কিন্তা ভাঁহারা আপনারাই অমৃ-পাছিত হইলে, আচ্চানিক কার্য্য স্থপিত হইবে ও অন্য আসেসরদিগের সহকারিতায় মোকদ্দমার নূতন বিচার হইবে।

ত্ত।—অভিযোগের ও প্রতিবাদের মোকদ্মার সমাপ্তি পর্য্যন্ত বিচারের বিধি।

২৮৬ ধারা। (১) জুরর ও আসেসরদিগকে মনোনাত করা গেলে, যে অপরাধের অভযোগ হইয়াছে, অভিযোভা ভারতব্যীয় দণ্ডবিধি কিছা আরু আইন হইতে সেই অপরাধের বর্ণনা পাঠ করিয়া এবং যে সাক্ষ্যদ্বারা তিনি অভিযুক্ত ব্যক্তির দোষ প্রমাণ করিতে চাহেন সংক্ষেপে তাহা বলিয়া স্বীয় মোকদ্মার সচনা করিবেন।

সংস্কাদের পরীক্ষা লই- (২) তদনস্তর তিনি আপনার বাং কথা। সাক্ষ্যদের পরীক্ষা লইবেন।

২৮৭ ধারা। যে মাজিফেট সমর্পণ করেন তাঁহার
দ্বারা বা তাঁহার সন্মুখে অভিযুক্ত
মালিট্টেটদের সন্মুখে ব্যক্তির পরীক্ষা হইয়া যথাবিধি
আভিযুক্ত কজিব পরীক্ষা লিপিবভ করা গেলে তাহা
দর্শন প্রায় চইবান কথা।
ত তাহা প্রমাণ্সরূপ পিকে
ত তাহা প্রমাণ্সরূপ পাঠ

### করা যাইবে।

২০৮ ধারা। যে ব্যক্তিকে উপস্থিত ও পরীক্ষা করা যায় সমর্পণক রী মাজিস্টেটের এখ্যস্থনীর উদস্থ লাজ-বাব দ্বারে যে দাস্পা দেশ্বর ব্যা ক্রা বাহা ছইবাব কথা।

যে ব্যক্তিকে উপস্থিত ও পরীক্ষা করা যায় সমর্প করা বাজির স্বাক্ষারে লাভ্যা গিয়া পাকে, ভবে আধিপত্যকারী জজের বিবেচনামতে তাহা মোক-দ্দমার প্রমাণ মধ্যে ধরা যাইতে পারিবে।

২৮৯ ধারা। (১) অভিযোগের সপক্ষ সাক্ষাদের
পরীক্ষা ও খদি অভিযুক্ত
আভিযোগের সাক্ষীদের
ব্যক্তির পরীক্ষা লওয়া যায়
বাং।
তাহা সমাপ্ত হইলে পর অভি-্
যুক্ত ব্যক্তি সাক্ষ্য উপস্থিত
করিতে চাহে কি না ভাহাকে এই কথা জিজ্ঞাসা করা

- (>) সে খদি মা বলে তবে অভিযোক্তা মোকদ্দনার সার ব্যক্ত করিবেন। তাহা হইলে পার খদি আদালত অভিযুক্ত ব্যক্তি অপরাধ যে করিয়াছে ইহার সাক্ষ্য নাই এরূপ বিবেচনা করেন. তবে আসেসরদের সহকারিতায় যোকদ্দমার বিচার করিলে আপনার নির্নিয় লিপিবদ্ধ করিতে ও ছ্রির দ্বারা বিচার হইলে ছ্রির প্রতি অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দোষ জানাইবার আদেশ করিতে পারিবেন।
- (৩) যদি অভিযুক্ত ব্যক্তি কিয়া অনেক অভিযুক্ত ব্যক্তি থাকিলে তন্মধ্যে কেহ, সাক্ষ্য উপস্থিত করিতে চাহি বলে এবং আদালত অভিযুক্ত ব্যক্তি অপরাধ, যে করিয়াছে ইহার সাক্ষ্য নাই এরপ বিবেচনা করেন তবে আসেসরদের সহকারিভায় মোকদমার বিচার হইলে আপনার নির্মালপিবদ্ধ করিতে ও জুরির দারা বিচার হইলে ক্রিরর প্রতি অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দ্দোষ জানাইবার আদেশ করিতে পারিবেন।
- (%) যদি অভিযুক্ত ব্যক্তি কিম্বা অনেক অভিযুক্ত ব্যক্তি থাকিলে তন্মধ্যে কেহ, সাক্ষ্য উপস্থিত করিতে চাহি বলে, এবং যদি আদালত বিবেচনা করেন যে, সেই ব্যক্তি অপরাধ্ যে করিয়াছে ইহার সাক্ষ্য আছে. কিম্বা সে সাক্ষ্য উপস্থিত করিতে চাহি না বলিলে, যদি অভিযোক্তা মোকদ্দমার সার ব্যক্ত করেন ও আদালত-অভিযুক্ত ব্যক্তি অপরাধ্ যে করিয়াছে ইহার সাক্ষ্য আছে এরপ বিবেচনা করেন, তাহা হইলে আদালত অভিযুক্ত ব্যক্তিকে প্রতিবাদ কার্য্যে প্রয়ন্ত হইতে আদেশ দিবেন।

২৯০ ধারা। অনন্তর অভিযুক্ত ব্যক্তি কিছা ভাগার
পশক্ষ উকীল যে রক্তান্ত কি
লাভিনাদের কণা।
ব্যবস্থার উপর নির্ভর করিতে
চাহেন ও ভাগার বিবেচনায় অভিনোগের সাক্ষ্য
সন্তব্ধে যে কথা বলা আবশ্যক হয় ভাগা বলিয়া
স্বীয় প্রতিবাদের সূচনা করিবেন। তৎপরে ভাগার
সপক্ষ সাক্ষী থাকিলো ভাগাদের পরীক্ষা লইভে
পারিবেন ও ভাগাদের কুট পরীক্ষা ও পুনঃ পরীক্ষা
করা গেলে ভাগার পর আপনার মোকদ্যার সার
ব্যক্ত করিতে পারিবেন।

২৯১:ধারা। অভিযুক্ত ব্যক্তি পুর্বে যে সাক্ষীর

म कौरमव भवीका लहेट छ ও তাহাদিগকে সমন কবিতে অভিযুক্ত ৰাজিন . काधिकारवंत्र कथा।

নাম দেয় নাই এমত সাকী উপস্থিত থাকিলে সে ভাহার পরীক্ষা লইতে অমুমতি পাইবে। কিন্ত যে মাজিফ্রেট তাহাকে বিচারার্থে সমর্পণ করেন ভাঁহাকে

সাক্ষাদের নামের যে নির্ঘটপত্র দেওয়া যায় সেই ্রির্ঘন্ট্র যে সাক্ষীদের নাম লেখা থাকে ২১১ ও ২৩১ ধারার বিধানের স্থল ভিন্ন অন্য স্থলে সেইং ব্যক্তি ছাড়া ুঅন্য বাজিদিগকে সমন করাইতে অভিযুক্ত ব্যক্তির অধিকার থাকিবে না।

যদি অভিযুক্ত ব্যক্তি কিমা অভিযুক্ত वाङ्किएनव याथा क्वर, २५% ভাভিযো জগব উত্তৰ ধারামতে জিজ্ঞাসিত হইলে, क्रियाय अधिकादिय कथा। সাক্ষ্য উপস্থিত করিতে চাহি

বলে, তবে অভিযোক্তার প্রত্যুত্তর করিবার অধিকার থাকিবে। কিন্তু অভিযুক্ত ব্যক্তি এ সময়ে এরপ না বলিলে, অভিযোক্তার প্রত্যুক্তর করিবার অধিকার থাকিবে না।

২৯৩ ারা। (১) অমুক স্থানে অপরাধ হইয়াছে বলিয়া যে স্থানের উল্লেখ হয় জুবিব কি আদেশবদেব অথবা মোকদ্মার অনুসন্ধান चाव। ज्यानां ए पृष्टे देनेवाव পক্ষে গুৰুতর ব্যাপার যে 4411 স্থানে ঘটিয়াছে জুরির কি

আসেসরদের সেই স্থান দৃষ্ট করা বিহিত আদালত এমত বোধ করিলে সেই মর্মের আজ্ঞা করিবেন। তাহা হইলে আদালতের কোন কার্য্যকারকের জিমায় ঐ জুরির কি আসেসরদের সমস্ত ব্যক্তিকে একএ সেই স্থানে লইয়া যাওয়া যাইবে: ও আদালতের নিযুক্ত কোন ব্যক্তি তাঁহাদিগকে ঐ স্থান দেখাইয়া দিবেন।

(২) আদালতের ঐ কর্মচারির কর্ত্তব্য যে অপার কোন ব্যক্তিকে আদালতের অনুমতি না হইলে ঐ জ্বারের কি অসেসরদের কাহার ও সঙ্গে কথা কহিতে কি পত্রাদি দিতে কি কোন প্রকারে ইন্ধিতাদি করিতে না • দেয় এবং আদালত অন্যরূপ আদেশ না দিলে সেই স্থান দৃষ্টি করিলে পর তাহাদিগকে তৎক্ষণাৎ আদালতে পুনরায় খানা যাইবে।

২৯৪ ধারা। জুরির কোন ব্যক্তি কিম্বা আদেসর ভুরির কোন আঁজন কি - নিজে কোন, প্রাসন্থিক হস্তান্ত অবগত থাকিলে জজ সাহে-জানেদবেৰ প ীক্ষা যে স্থলে न धर्म इहेट नावरन বকে তাঁহার সেই কথা জ্ঞাত ভাহাব কথা। করা কর্ত্তব্য 4 তাহা করিলে অন্য কোন সাক্ষীর ন্যায় তাঁহার পরীক্ষা ও কূট পরীক্ষা ও পুন: পরীক্ষা **লওয়া যাইতে** পারিবে।

অধ্যেশন ক্ষিবাৰ দিন।-গ্ৰহ নিয়পৰ চটলে জুৱিব কি আদেশবদের উপাক্ত **≥हरात कथ**ः।

২৯৫ ধারা। যদি বিচারকার্য্য স্থগিত হইয়া ঐ কার্য্যাল্লফানের অন্য দিন নির্কা-প্রণ করা যায়, অবে সেই অন্য দিনে এবং বিচার কার্য্যের সমাপ্তি না শওন পর্যাম তৎ-

পশ্চাৎ প্রভ্যেক অধিরেশন কালে জুরির বা আদেসর-দের উপস্থিত হইতে হইবে।

২৯৬ ধারা। কোন মোকদ্দশার বিচার করিতে এক দিনের অধিক লাগিলে, হাই জুবিকে বন্ধ রাখিবার কোট সময়েং ছারির ব্যক্তি-দের একত্র থাকিবার করিতে পারিবেন, ও জ্বরির ব্যক্তিদিগকে কোর্টের

কোন কর্মচারির জিন্মায় একত্র রাখিতে হইবে কি না. ও যে প্রকারে রাখা ঘাইবে, কিন্ধা তাঁহানা স্বং গ্রহে ফিরিয়া যাইতে পাইবেন, এই বিষয়ে আধিপত্যকারী জজ উক্ত বিধি প্রবল মানিয়া আজ্ঞা করিতে পারি-বেন।

## চ।—জ্বির বিচারিত মোকদ্দমায় বিচার সমাপ্তির বিধি।

২৯৭ ধারা। জুরির বিচারিত মোকদ্দমায় প্রতি-বাদের সপক্ষ কার্য্য সমাপ্ত জ্বির প্রতি উপদেশের হইলে এবং অভিযোক্তা প্রত্য-**4911** ত্তর করিলে সেই প্রত্যুত্তর সমাপ্ত হইলে পর আদালত অভিযোগের ও প্রতিবাদের সপক্ষ সাক্ষ্যের সার ব্যক্ত করিয়া ও যে আইনমতে জুরির বিচার করিতে হইবে সেই আইন ব্যক্ত করিয়া कांशिक छेशिक्त किर्वन ।

২৯৮ ধারা। (১) তদ্রপ পদ দ।হৈবেব কর্ত্তব্য যোকদ্দমায় জজ সাহেবের ቀ**ር**ቁ . ቀላነ ! কর্তব্য কর্ম এই২।—

- ্ক) তিনি বিচারকালে উথিত আইনঘটিত সমস্ত বিবাদ, বিশেষতঃ যে রুত্তান্তের প্রমাণ করিবার প্রস্তাব হয় সেই রুভান্ত প্রাস-ক্ষিক কি না এই বিষয়ের সকল বিবাদ নিপত্তি করিবেন; ও যে সাক্ষ্য দিবার প্রস্তাব হয় তাহা আহ্য কি না ও উত্তয় পক্ষ দ্বারা কি তাঁহাদের পক্ষে যে প্রশ্ন করা হয় তাহা উপযুক্ত কি না ইহা নির্ণয় করিবেন এবং যে সাক্ষ্য অগ্রাহ্য অন্য-ভর পক্ষ ভাষ্বিয়ে আপত্তি করিলে বা না করিলেও ভিনি স্থীয় বিবেচনামতে ভাহা উপস্থিত করিতে বারণ করিবেন।
- (খ) বিচারকালে যে দলীপ প্রমাণস্থরপ উপ-স্থিত কর। যায় ভাষার অর্থ ও ভাব নির্বয় করিবেন।
- (গ) বিষয় বিশেষের সাক্ষ্য দেওয়া ঘাইতে পারে এই নিমিত্ত রুডান্ত<sup>দ</sup>টিত যে সকর বিষয়ের প্রমাণ করা আবশ্যক ভাহা নির্ণয় করিবেন।
- (ঘ) কোন প্রশ্ন উথিত হইলে ভাষা আপনার বিবেচ্য না জ্বির বিবেচ্য তিনি ইহাও নির্বয় করিবেন ও দেই বিষয়ে ভীছার নির্ণয় দারা ক্রিবল হইবে।

(২) জজ সাহেব যে সময়ে প্রমাণাদির সার ব্যক্ত করেন সেই সময়ে উচিত বোধ করিলে জ্বরির নিকট আল্লুটানিক কার্য্যের প্রাসন্ধিক রক্তাভ্যটিত কোন বিষয়ে কিয়া আইন ও রক্তান্ত এই গুইয়ের মিশ্রিত কোন বিষয়ে আপনার মৃত জানাইতে পারিবেন।

### উদাহরণ।

কে) কোন ব্যক্তিকে সাক্ষীক্ষরপে ডাকা না গেলেও তিনি কোন উক্তি করিলে এবং কোন ভাবগডিকে ভাহার উক্তির প্রমাণ গ্রাহ্য হওয়াতে তাঁহার সেই উক্তির প্রমাণ করিবার প্রস্তাব হয়।

এই ন্থলে সেই ভাবগতিকের প্রমাণ হইরাছে কি না এই বিষয়ের নিষ্পত্তি করা জজ্জ সাহেবের কর্তব্য জ্বির কর্তব্য নয়।

্থা) আসল দলীল হারাইয়াছে কি নঊ হইয়াছে বিলিয়া ঐ দলীলের গৌণ সাক্ষ্য দিবার প্রস্তাব হয়।

আসল দলীল হারাইয়াছে কি নফ হইয়াছে কি না ইছা নির্ণয় করা জজ সাহেবের কর্তব্য।

ক্রের কর্ত্তন্য কর্মের কর্থা। । ক্রের কর্ত্তন্য এই২।—

- (ক) র ভান্তের কোন্ ভাবটি সভ্য ইহা নির্নন্ন করিবেন, এবং জজ্ঞ সাহেবের আদেশ-মৃত তাঁহাদের সেই ভাবাত্সারে যে মীমাংসা করা উচিত তাহা করিবেন।
- (খ) আইনের কথা ছাড়া পারিভাষিক কথা ও
  শব্দের অপ্রসিদ্ধ ভাব ধরিয়া যাহার
  ব্যবহার হয় এমত কথা কোন দলীলে
  লেখা থাকিলে কি না থাকিলেও যদি
  ভাহার অর্থ নির্বয় করা আবশ্যক হয়
  ভবে ভাহার অর্থ নির্বয় করিবেন।
- (গ) আইনে যে সকল কথা রক্তান্তগটিত কথা বলিয়া ব্যক্ত হয় সেই সকল কথা, নির্ণয় করিকেন।
- ্ঘ) সাধারণ ও অনির্দ্ধিষ্ট অর্থের কথা বিশেষ কোন ছলে খাটে কি না ইচা নির্বায় করিবেন। কিপ্ত সেই বথা আইনামু-যায়ী কার্য্যপ্রণালী সম্প্রকীয় কথা চইলে কিম্বা আইনে সেই কথার অর্থ নির্দ্ধারিত থাঞিলে ভাহার অর্থ নির্বায় করা জজ সাহেবেরী কর্ত্তব্য।

### উদাহরণ।

(ক) বলরামকে বর্ধ করিয়াছে বলিয়া আনন্দের বিচার হয়। বধ ও অপরাধঘটিত নরহত্যা এই তুই অপ-রাধের মধ্যে যে বিশেষ থাকে ছ্রির নিকট তাহা ব্যক্ত করা এবং র্ডান্ডের কিরুপ ভাবদৃত্টে আনন্দকে বধাপ-রাধী বলিয়া কিছা অপরাধ্যটিত নরহত্যার অপরাধী বলিয়া নির্দ্ধ করিতে হইবে ও কিরুপ ভাবদৃষ্টে

তাহাকে নির্দ্ধোষ করিতে হইবে এই সকল কথা জ্বান্ত করা জজ্ঞ সাহেবের কর্তব্য।

রভাভের কোন্ ভাবটি যথার্থ ইহা নির্ণয় করা এখং জজ সাহেব যে উপদেশ দেন তাহা ঠিক হউক কি ন নাই হউক ও জুরি তাহাতে সম্মত হইলে কি না ছই-লেও সেই উপদেশাস্থসারে মীমাংসা করা জুরির কর্তব্য।

(খ) বিশেষ কোন বিষয়ে কোন ব্যক্তির বুক্তিয়ত প্রতীতি ছিল কি না। কোন কর্ম বুক্তিয়ত কোশল-ক্রমে বা উপযুক্ত যত্তক্মে করা গিয়াছে কি না।

এই दिवस क्तित दिर्वा ।

৩°° ধারা। ছরের বিচারিত মোকদ্দমায় জজ সাহেবের উপদেশ সমাপ্ত জ্বিরবিবলে যাইবাব কথা। হইলে কিরূপ মীমাংসা করা কর্তব্য ইহা বিবেচনা করিবার জনো তাঁহারা বিরলে যাইতে পারিবেন।

আদাসতের অমুমতি বিমা জ্বর ভিন্ন এন্য কেছ সেই জ্বির কোন ব্যাক্তর সঙ্গে কথা কছিতে কিছা তাঁহাকে পত্রাদি দিতে কিছা ইঞ্চিতাদি করিভে পারিবে মা।

৩০১ ধারা। জ্রি মীমাংসা বিবেচনা করিলে পার মীমাংদা ভানাইবাব ফীহাদের অধিপতি সেই কথা। মীমাংসা ক্ষিয়া অধিকাংশ মীমাংসা অদালতে জানাইবেন।

৩০২ ধারা। জ্বির ঐক্যবাক্য না হইলে জজ জ্বর ঐক্যবাক্য নাহইলে সাহেব তাঁহাদিগকে আরো কার্যাপ্রনালীর কথা। বিবেচনা করিবার . নিমিত্ত বিরলে যাইবার আদেশ করিতে পারিবেন। পরে জজ সাহেত্বের বিবেচনায় উপযুক্ত সময় গত হইলে পর জ্বি এক্যত না হইলেও তাঁহার। মীমাংসা প্রকাশ করিতে পারিবেন।

আদাসত একারান্তরের আদেশ ১∘৩ ধারা। (১) না করিলে অভিযোগের যে যে অভিযোগ প্রতেক দকায় অভিযুক্ত ব্যক্তির বিচার ধ বয়া মীমাংদা করিবার হয় জ্রি সেই২ দকা ধরিয়া क्विंदिक कक मार्ट्स्टिंड মীমাংসা জানাইবেন ; জিজ্ঞাসা ক'**ংডে পা**ংিবার তাঁহাদের মীমাংসা নিক্যমতে জানিবার নিমিত্ত যেং প্রশ্ন করা আবশ্যক জজ সাহেব ভাঁছাদের নিকট সেইং প্রশ্ন করিতে পারিবেন।

প্ৰশ্ন ও উত্তৰ লিখিয়া (২) সেই প্ৰশ্ন ও ভাছার বাধিবার কথা। উত্তর লিখিয়া রাখিতে হইবে।

৩ • ৪ ধারা। ঘটনা বা জান্তিক্রমে জন্যায় মীমাংসা

মীমাংসা সংশোধনের
কগা।

ত ত বার শিক্তি

ত ত ত বার বার প্রতি কি অব্যবহিত

পরে ছরী ঐ মীমাংসা সংশোধন
করিতে পারিবেন, এবং শেষে যদ্রপ সংশোধন করা
যায় তাহা তদ্রপই থাকিবে।

৩ । ধারা। (১) হাই কোর্টে বিচারিত মোকদ্দমায়
ছার কোরে সকল ব্যক্তি আপনাহাই কোর্টে মীমাংসা যে
সময়ে প্রন্দ হইবে তাহাব
কথা।

ত পর্যান্ত এক বাক্য ও জজ
সাহেব তাহাদের মতে সম্মত হইলে জজ সাহেব উক্ত
মুতাহুসারে নিপত্তি করিবেন।

- (২) তদ্রপ কোন মোকদ্দমায় ছ্রির সকল ব্যক্তি একবাক্য হইবেন না, তাঁহারা ইহা হ্রদ্বোধ্মতে জানিলে কিন্তু ছয়জন একবাক্য হইলে তাঁহাদের মুখ্য ব্যক্তি জজ সাহেবকে সেই কথা জানাইবেন।
- (৩) সেই অধিকাংশ ব্যক্তিদের মতে জজ সাহেব অন্যন্তলে ভূবিকে বিদায় সম্মত না হইলে, তিনি জুরিকে দিবার কথা। বিদায় করিয়া দিবেন।
- (৪) তাঁহাদের ছয়জন পর্য্যন্ত একবাক্য না হইলে জজ সাহেব যভ কাল যুক্তিসিদ্ধ জ্ঞান করেন ভতকাল অপেক্ষা করিয়া জুরিকে বিদায় করিয়া দিবেন।

৩০৬ ধারা । (১) সেশন আদালতে বিচারিত মোকদ্দমায় স্ক্রির কিস্বা আমাংদা দেশন আদা-লতে যে সম্যে প্রবল হইবে তাহাব কথা। তাহাব করা । মামাংসা হয় জজ্ঞ সাহেব তন্তিম মত ধার্য্য করা আবশ্যক জ্ঞান না করিলে তদমুসারে নিপ্পত্তি করিবেন।

(২) যদি অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দ্দোষ করা যায় তবে জজ সাহেব তাহার নির্দ্দোষ হওনের আজ্ঞা লিপিবদ্ধ করিবেন। যদি অভিযুক্ত ব্যক্তির অপরাধ নির্ণয় হয় তবে জজ সাহেব আইন। হুসারে তাহার দণ্ডের আ্রুডা করিবেন।

৩০৭ ধারা। (১) তদ্রপ কোন মোকদ্দমায় অভিশ্ যোগের যে থে দফায় অভিযুক্ত জ্রির মীদ্ধংগার দহিত ব্যক্তির বিচার হয় তৎসমু-দেশিদ জব্দ দাহেবেৰ মতেব অনৈক্য হইলে কাব্য-প্রণালীব কথা। সম্বন্ধে জ্রির কিম্বা তাঁহাদের অধিকাংশ ব্যক্তির মতের সহিত

সেশন জজ সাহেবের মতের যদি অনৈক্য হয় এবং ন্যায়বিচারের পক্ষে হাই কোটে মোকদ্দমা অর্পণ করা আবশ্যক ইহাই তাঁহার স্পান্ত মত হয় তাহা হইলে আপন মতের হেতৃ লিখিয়া, ও জুরিদের মীমাংসা নির্দ্দোষ নির্ণয়ের হইলে, তাঁহার বিবেচনায় যে অপরাধ করা হইয়াছে ভাহা লিখিয়া ঐ। মোকদ্দমা অর্পণ করিবেন।

(২) যখন জজ সাহেব এই ধারামতে মোকদ্দমা অর্পণ করেন যে২ অভিযোগে অভিযুক্ত ব্যক্তির বিচার হয় তন্মধে কোনটার সম্বন্ধে তিনি নির্দেশ নির্ণয়ের কি অপরাধ নির্ণয়ের নিষ্পত্তি লিপিবদ্ধ করিবে না, কিন্তু তিনি অভিযুক্ত ব্যক্তিকে পুনরায় হেফাজতে রাখিবার কি তাহার স্থানে হাজির জামিন লইবার অন্নয়তি দিতে পারিবেন।

(৩) হাই কোর্ট আপীল হইলে যে সকল ক্ষমতার পরিচালন করিতে পারেন ডজ্রপ অর্পিড মোকদ্দমা লইয়া ডন্মধ্যে কোন ক্ষমতার পরিচালন করিতে পারিবেন, এবং সেই ক্ষমতার অধীনে সমস্ত সাক্ষ্য বিবেচনা করিয়া দেখিয়া ও সেশন জক্ষ ও জুরিরা মতের প্রতি যথাযথ আস্থা প্রদর্শন করিয়া যে অভিযোগপত্র প্রস্তুত করিয়া জুরির সন্মুখে উপস্থিত করা যায় তাহা লইয়া জুরি যেরপে পারিডেন সেইরপে অভিযুক্ত ব্যক্তির নির্দ্ধোষিতা নির্ণয় কি অপরাধ নির্ণয় করিবেন। অপরাধ নির্ণয় করিলে সেশন আদালত যে দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

# ছ।—জুরিকে বিদায় দিবার পর অভিযুক্ত ব্যক্তির পুনর্বিচারের বিধি।

৩০৮ ধারা। জুরিকে বিদায় করিয়া দেওয়া গেলে

অভিযুক্ত ব্যক্তিকে বদ্ধ করিয়া

জ্বিকে বিদায় করিয়া
বিশেষ বিদায় করিয়া
বিশেষ বিশা
বিশ্ব পর অভিযুক্ত ব্যক্তিকে বদ্ধ করিয়া
বিশা যাইবে কিছা ছল বিশেষে
হাজির জামিন লইয়া ভাহাকে
হাজিয়া দেওয়া যাইবে ও
অন্য জুরির দ্বারা ভাহার বিচার হইবে। কিন্তু ভাহার
পুনশ্চ বিচার হওয়া উচিত নয় জজ সাহেবের এই
বিবেচনা হইলে, তিনি অভিযোগপত্তে সেই মর্মের
কথা লিখিবেন, ও অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দোধী করণের
ভুল্য সেই কথার ফল হইবে।

জ।—আসেসরদিগের সহকারিতায় যে মোকদ্দমার বিচার হয়, তাহার সমাপ্তির বিধি।

৩০৯ ধারা। (১) আদেসরদের সহকারিতায় মোক: •

শুমার বিচার হইলে, প্রতিআদেসবদের মত দিবাব
কথা।

উত্তর দিলে তাহার পর আদালভ অভিযোগ ও প্রতিবাদের পক্ষে যে সাক্ষ্য থাকে
তাহার সার বলিয়া প্রত্যেক জন আদেসরকে বচনক্রমে আপনার মত জানাইতে আদেশ করিবেন ও ঐ
মত লিপিবদ্ধ করিবেন।

- (২) তদমস্তর জজ সাহেব আপানার নিশান্তি নিশান্তিব কথা। কিন্তু তিনি আসে-সরদের মতাত্মসারে চলিতে বাধ্য হইবেন না।
- (৩) যদি অভিযুক্ত ব্যক্তির অপরাধ নির্ণয় হয়, তবে জজ সাহেব আইন অহসারে তাহার দণ্ডের আজ্ঞা করিবেন।

র।—পূর্বে অপরাধ নির্ধন্ন ছইন্না থাকিলে, কার্য্য-প্রণালী বিষয়ক বিধি।

৩১০ ধারা। জুরিদ্বারা কিম্বা আসেসরদের সাহায্যে বিচার হইলে, যদি পূর্বের কোন পূর্বের জান কর্মা থাকিলে, কার্য্যপ্রধান ক্ষা আভিযুক্ত ব্যক্তির নামে কোন অপরাধ করিবার অভিযোগ

হয় তবে ২৭১, ২৮৬, ৩০৫, ৩০৬ ও ৩০৯ ধারায় যে কার্যপ্রণালী নির্দিষ্ট হইয়াছে, তাহা নিম্নলিখিতরপে পরিবর্ত্তিত করিতে হইবে।

- (ক) অন্তিযুক্ত ব্যক্তি পরবর্তী অপরাধে অপরাধা বলিয়া স্থাকার না করিলে কিয়া
  তাহার ঐ অপরাধ নির্ণয় না হইলে,
  যত দিন স্থাকার বা অপরাধ নির্ণয় না
  হয়, তত দিন অভিযোগপত্রের যে অংশে
  পূর্বের অপরাধ নির্ণয়ের কথা লেখা থাকে,
  সেই অংশ আদালতে পাঠ করা যাইবে
  না এবং অভিযোগপত্রের উক্তিমতে পূর্বের
  তাহার অপরাধ নির্ণয় হইয়াছে কি না
  অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ইহা জিজ্ঞাসা করা
  যাইবে না।
- (খ) যদি সে পারবর্ত্তী অপারাংধ অপারাধী বলিয়া ভাকার করে কিয়া তাহার ঐ অপারাধ মির্ণয় হয়, তবে অভিযোগপত্রের উক্তি-মত পূর্ক্ষে তাহার অপারাধ নির্ণয় হইয়াছে কি না, ইহা তাহাকে জিজ্ঞানা করা যাইবে।
- (গ) আসেমরদিগের সহযোগীতায় বিচার করা হইলে, যাবৎ পূর্ব্ব অপরাধ নির্ণয়ের বিষয়ের নিষ্পত্তি না হয় তাবৎ লিখিও নিষ্পত্তি দেওয়া আবশ্যক হইবে না।
- ্য) ঐরপে পূর্কে তাহার অপরাধ নির্বয় হই মাছে সে এরপ উত্তর দিলে, বিচারপতি তদমুসারে তাহার প্রতি দণ্ডাজ্ঞা করিতে প্রব্রত হইবেন; কিন্তু ঐরপে পূর্কে তাহার অপরাধ নির্বয় হইয়াছে সে ইহা স্থীকার না করিলে, কিন্তা ঐ প্রশ্নের উত্তর দিতে অস্বীকার করিলে বা না দিলে, জুরি কিন্বা স্থলবিশেষে আদালত ও আসেসরেরা উক্ত পূর্কে অপরাধ নির্বয় সন্থন্ধে সাক্ষ্য শ্রবণ করিবেন, এবং এরপ ছলে জুরিন্বারা বিচার হইলে স্থাবিদ্যুকে আবার শপার্থ দেওয়া আবশাক হইবে না ।

ত ১১ ধারা। যদি পূর্ব্ধ অপারাধ নির্ণয়ের কথা সাক্ষ্যবিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৭২
পূর্ব্ধ অপারাধ নির্ণয়ের
সাক্ষ্য যে স্কলে দেওযা
যাইতে পারিবে ভাগার
কথা হয় তাহা হইলে ঠিক
পূর্ব্ববর্তী ধারায় যাহা কিছু
আছে তাহা সত্তেও পারবর্তী
অপারাধের বিচারে পূর্ব্ধ অপারাধ নির্ণয়ের সাক্ষ্য দেওয়্লা
ত্বি

অপরাধের বিচারে পূর্ব অপরাধ নির্ণয়ের সাক্ষ্য দেওয়⊁ । যাইতে পারিবে।

ঞ।— হাই কোর্টের জ্বেরদের ফর্দের ও উক্ত কোর্টের জ্বেরদিগকে ডাকিবার বিধি।

৩১২ ধারা। বিশেষ জুরির বিশেষ জ্<sup>রিব সংখ্যাব</sup> নামের ফর্দ্দে এককালে চারি কথা। শতের অধিক ব্যক্তির নাম লেখা খাইবে না।

৩১৩ ধারা। (১) হাই কোর্ট সময়েং যেং বিধি
নিদ্দেশ করেন, ক্লার্ক অফ¦দি
সাধারণ 'ও বিশেষ জ্বির কোন প্রতিবৎসর আপ্রিল
নামেন ফর্দেন কথা।
মাসের প্রথম দিনের প্রকে সেই
বিধিমতে,

- (ক) সাধারণ জ্বির কর্ম করিবার উপযুক্ত সকল ব্যক্তির নামের কর্দ, ও
- (খ) য<sup>®</sup>হোরা বিশেষ জুরির কর্ম করিবার যোগ্য ভাঁহাদেরও নামের কর্দ প্রস্তুত করিবেন।
- (২) শেষোক্ত কর্দ প্রস্তুত করিতে গেলে তিনি ঐ ব্যক্তিদের সম্পত্তি ও সদাচার ও বিদ্যাবক্তা লক্ষ্য করিয়া নাম লিখিবেন।
- (৩) পূর্ব্ব কোন বৎসরের বিশেষ জ্বরির নামের কর্দ্দের মধ্যে নাম লেখা গিয়াছে, কেবল এই কারণে কোন ব্যক্তি বিশেষ জ্বির নামের মধ্যে আপনার নাম লিখাইবার দাওয়া রাখিতে পারিবেন না।
- (৪) কোর্ট উইলিমলস্থ হাই কোট হইলে মন্ত্রি-সভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব এবং অন্য কোন হাই কোর্ট হইলে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট রাজকীয় বেতনভোগী কোন কর্মচারিকে জ্বির কর্মকরণ হইতে — মুক্ত করিতে পারিবেন।
- (৫) ক্লাৰ্ক অফ দি ক্লোন পূৰ্বোক্ত বিধি মানিয়া
  স্থীয় বিবেচনামতে যজ্ঞপ
  গেকণ্টানী ফল প্ৰস্তুত উচিত বোধ করেন তজ্ঞাপে
  কবেন তাহাব প্ৰবেচনা
  মতে কণ্ম ধ্বিবার কথা।
  বিশ্বতির উপর আপীল নাই, পুনরালোচনাও নাই।
- ৩১৪ ধারা। (১) সাধারণ জুরির এবং বিশেষ জুরির কর্ম করিবার উপযুক্ত প্রাথমিক ও সংশোধিত ফর্দ একাশ করিবার কথা। অস্তত করিবার পর আপ্রিল মাসের ১৫ তারিখের পূর্বে উহা ক্লার্ক অফ দি ক্রোনর স্বাক্ষরযুক্ত হইয়া স্থানীয় রাজকীয় গেজেটে একবার প্রকাশিত হইবে।

- (২) সাধারণ জ্বির ও বিশেষ জ্বির কর্ম করিবার উপযুক্ত ব্যক্তিদের নামের সংশোধিত কর্দ্দ পুর্বোক্ত-যতে স্বাক্ষরিত হইয়া প্রস্তুত হইলে পর, মে মাসের প্রথম দিবসের পূর্ব্বে স্থানীয় রাজকীয় গেজেটে একবার প্রকাশ করা যাইবে।
- (৩) উক্ত ফর্দের নকল কোর্ট হোসের কোন

   প্রকাশ স্থানে স্থানে লাগাইয়া দেওয়া যাইবে।

৩১৫ ধারা। (১) উক্ত সংশোধিত ফর্দে যে
ব্যক্তিদের নাম লেখা থাকে
বাজধানী নগবে জ্বিব প্রত্যেক রাজধানী নগরে
কর্মা করিতে যত জনকে
সমন করিতে হইবে তাগব
কথা।

অধ্য হইতে যাহারা বিশেষ
জ্বির কর্ম করিবার উপাযুক্ত

তাঁহাদের অন্যন সাতাইশ জানকে ও যাঁহারা সাধারণ জুরির কর্মা করিবার উপযুক্ত তাঁহাদের অন্যন চুয়াম জনকে সমন করা যাইবে।

- (২) কোন ব্যক্তিকে একবার সমন করা গেলে পর, যদি তাঁহাকে না লইয়া জুরির সংখ্যা পূর্ণ হইতে পারে, তবে ছয় মাসের মধ্যে তাঁহাকে আবার সমন করিতে হইবে না।
- (৩) যে২ ব্যক্তিদিগকে সমন করা গেল সেশনের কার্য্য চলন সময়ে তাঁহাদের কার্য্য চলন সময়ে তাঁহাদের সংখ্যা প্রচুর নয় জানা গেলে অন্য যে ব্যক্তিরা পুর্বোক্তমতে জ্বির কর্ম করিতে যোগ্য হন তাঁহাদের মধ্য ছইতে আর যত জনের প্রয়োজন থাকে তত জনকে ঐ সেশনের নিমিত্ত সমন করা যাইতে পারিবে।

৩১৬ ধারা। কোন হাই কোর্ট ফোজদারী মোকদ্দমা
আদে বিচার করিবার ক্ষমতা
বাল্ধানীব বাহিবেজ্বির সুসারে কার্য্য করিবার নিমিত্ত
বাজ্ঞাদিগকে দমন কবিবাব
কথা।
কথা।
কথা।
কথা।
কথান অধিবিষ্ট হইবার অভিপ্রায়ের নোটিস দিলে পর যে কোন আজ্ঞা করিয়া
বাকেন, তৎস্থানের দেশন আদালত দেই আজ্ঞা
প্রবল মানিয়া, দেশন আদালতে জ্রের ব্যক্তিদিগকে
সমন করণার্থে পরে যে প্রকারের বিধান করা গেল
দেই প্রকারে স্থায় জ্রির ফর্দ্দ হইতে যত জন জ্রেরের
প্রয়োজন ভাহাদিগকে সমন দিবেন।

৩১৭ ধারা। (১) উক্ত দেশন আদালত জুরির ব্যক্তি বলিয়া যত জনকে সমন করিদৈনিক জুবিব কথা।
লেন পূর্ব্বোক্ত হাই কোর্টের
সমুখে যে সকল ব্যক্তির নামে অপরাধের অভিযোগ
হয়, তাহাদের বিচারের জন্য ঐং ব্যক্তি ছাড়া আর
যত জনকে লইয়া জুরি হইবে, তাঁহাদের সংখ্যা পূর্ব
করিবার নিমিন্ত প্রয়োজন বোধ করিলে, কোট যে
স্থানে অধিবেশন করিবেন তথা হইতে দশ মাইলের
মধ্যবাসী প্রধান সেনাপতি সাহেবের সক্তে লিখন পঠন
করিয়া প্রীশ্রীমতী মহারাণার সৈন্যদলের সন্দ প্রাপ্ত
ও সন্দ অপ্রাপ্ত ক্রকজন কর্মচারিকে সমন
করাইবেন।

(१) যত জন কর্মচারিকে তদ্রপে সমন করা যায়, এই আইনে প্রকারান্তরের বিধান থাকিলেও, তাঁহারা ঐ ছ্রের কর্ম করিবার যোগ্য হইবেন। কিন্তু উক্ত কর্মচারির সৈন্যসংক্রান্ত অত্যাবশ্যক কার্য্য থাকাতে, কিন্তা সৈন্যসংক্রান্ত অন্য বিশেষ কারণে, প্রধান সেনা-পতি সাহেব ছ্রির কর্ম হইতে তাঁহার মুক্ত থাকার ইচ্ছা প্রকাশ করিলে তাঁহাকে সমন করা যাইবে না।

৩১৮ ধারা। কোন ব্যক্তিকে ৪১৫ কি ৩১৬ কি ৩১৭ ধারামতে সমন করা গেলে ভূবিব কোন ব্যক্তি উপ-ভূতিন ইংলে ভাষাব কথা।
তিনি বৈধ কারণ না থাকিতেও সমনের আদেশমতে উপস্থিত না হইলে. কিন্না উপস্থিত হই-

লেও জজ সাহেবের অন্নয়তি না পাইয়া চলিয়া গেলে,
কিয়া আদালতের কার্য্য গুগিত হইয়া অন্য সময়ে
উপস্থিত হইবার আজ্ঞা পাইলেও সেই সময়ে উপস্থিত
না হইলে, তাঁহাকে অবজ্ঞা করনের অপরাধী বলিয়া
জ্ঞান হইবে, ও জজ সাহেব যত টাকা দণ্ড উচিত বোধ
করেন তাঁহার আজ্ঞামতে ঐ ব্যক্তির তত টাকা দণ্ড
হইতে পারিবে, ও সেই দণ্ডের টাকা না দিলে, যত দিন
না দেন তত দিন তাঁহার দেওয়ানী জেলে অনধিক ছয়
মাস কাল পর্যান্ত কারাদণ্ড হইতে পারিবে।

কিন্তু আদালত আপন বিবেচনাম্ন্সারে ঐরপে নির্দানরিত কোন জরিমানা বা কারাদণ্ড ক্ষমা করিতে পারিবেন।

ট।—দেশন আদালতের জুররদের ও আসেসরদের নাম নির্দণ্ট করিবার ও তাহাদিগকে সমন দিবার বিধি।

৩১৯ ধারা। কোন জিলায় পশ্চাপ্লিখিত ব্যক্তি ভিন্ন একবিংশ বৎসরাবধি ষটি জুবে ও আমেদৰ স্বৰূপ কুৰ্ম কাৰতে হইবাৰ কথা। পুরুষ বাস করেন, ঐ জিলায়

কিষা যদি স্থানীয় গবর্ণমেন্ট স্থানীয় অবস্থা বিবেচনায় এতদর্থে কোন ক্ষুদ্রভার স্থান ধার্য্য করিয়া থাকেন ভাষী। হইলে ঐরপে ধার্য্য করা স্থানের মধ্যে যে কোন বিচার হয় ভাগতে ভাঁহাদের জ্বরির ও আনেসরদের কর্ম করিতে হইবে।

ত্র ধারা। নিম্নলিখিত ব্যক্তিরা জরির কি বজ্জিত ব্যক্তিদেব কথা। আসেসরের কর্ম ২২৫৩ মুক্ত, অর্থাৎ

- (ক) জিলার মাজিইউটের উর্জ শ্রেণীর থে দকল
  কর্মাচারী দিবিল কর্মে নিথুক্ত থাকেন
  তাঁহারা।
- (খ) জজেরা।
- (গ) রাজস্বের কি কন্টমের কমিশনর ও কালে-ক্টর সাহেবেরা।
- (घ) পোলাসের কর্মচারিরা ও কন্ট্য ভিপার্ট-মেন্টে মাছল চুরি নিবারণের কর্মে নিযুক্ত ব্যক্তিরা।

- (%) কালেক্টর সাহেব রাজস্ব আদায়ের কর্মে নিযুক্ত যে সকল ব্যক্তিকে রাজকীয় কর্ম প্রযুক্ত মুক্ত করা উচিত বোধ করেন তাঁহারা।
- (চ) যাঁছারা আপানং ধর্মসম্পানীয় পৌরহিত্য কর্ম করেন তাঁহারা ও ধর্মসংক্রাম্ভ পদে নিযুক্ত অন্য ব্যক্তিরা।
- (ছ) সৈন্য সম্পর্কীয় কর্মে নিযুক্ত সকল ব্যক্তি।
  কিন্তু যৎকালে যে আইন প্রচলিত থাকে
  তদহসারে উক্ত ব্যক্তিদিগকে বিশেষমতে ঐ কর্ম করিবার যোগ্য করা গেলে
  তাঁহারা নিযুক্ত হইতে পারিবেন।
- (জ) চিকিৎসকেরা ও অন্য যে ব্যক্তিরা নিয়ত প্রকাশ্যরূপে চিকিৎসাকর্ম করেন তাঁহারা।
- (ঝ) ডাকঘরের ও টেলিগ্রাফ বিভাগের কর্মে
  · নিযুক্ত ব্যক্তিরা।
- (ট) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট অন্য থে ব্যক্তিদিগকে জুরির বা আসেসরের কর্ম করিবার দায় হইতে মুক্ত করেন তাঁহারা।

৩২১ ধারা। (১) জুরর বা আদেসরস্বরূপ কর্ম করিতে বাধ্য যে ব্যক্তিরা করিতে বাধ্য যে ব্যক্তিরা করিতে বাধ্য যে ব্যক্তিরা সেশন জজ ও জিলার কালেক্টর সাহেবের অথবা স্থানীয় গবর্ণমেন্ট সময়ে সময়ে অন্য যে কর্মচারিকে এতৎপক্ষে নিযুক্ত করেন তাঁহার বিবেচনায় জ্বরির কি আসেসরের কর্ম করিবার যোগ্য হন, এবং ২৭৮ ধারার (খ) অবধি (জ) পর্যান্ত প্রকরণক্রমে যাঁহাদের বিরুদ্ধে সক্ষীনরপ আপত্তি হইবার সন্তাবনা নাই উক্ত সেশন জজ কি কালেক্টর সাহেব কিছা উক্ত অন্য কর্মচারী বর্ণাবলীক্রমে তাঁহাদের নামের এক নির্ঘন্টপত্র লিখিয়া প্রস্তুত করিবেন।

(২) ঐ নির্ঘন্টপত্রে উক্ত প্রত্যেক জনের নাম ও বাসস্থান ও পদ কি ব্যবসায় লেখা থাকিবে; ও তাঁহা-দের কোন ব্যক্তি ইউরোপীয় কি আমেরিকাদেশীয় লোক ছইলে যে জাতীয় হন তাহাও লেখা যাইবে।

৩২২ ধারা। ঐ নির্ঘন্টপতের প্রান্তিলিপি কালেক্টর
নির্ঘন্ট প্রচাব কবিবার
কর্মাচারির কাছারীতে ও জিলার
কর্মাচারির কাছারীতে ও জিলার
নাজিন্টেট সাহেবের ও ডিফ্টিক্ট
কোটের আদালত ঘরে, ও দেই নির্ঘন্টপত্রের লিখিত
ব্যক্তিরা যে২ নগরে কি নগরের নিকটে বাস করেন
ভাহার কোন প্রকাশ্য স্থানে লাগাইয়া দেওয়া যাইবে।

১২৩ ধারা। সেই প্রত্যেক প্রতিলিপির নিম্নভাগে
নির্থটের প্রতি আপত্তিব
কথা।
কাহারও আপত্তি থাকিলে
সেশন জজ ও কালেক্ট্র সাহেব কি পূর্কোক্ত অন্য
কর্মচারী অমুক সময়ে সেশন আদালত ঘরে ঐ
আপত্তি শুনিয়া নিশত্তি করিবেন।

৩২৪ ধারা। (১) সেশন জজ সাহেব উক্ত আপত্তি
শিশ্ট সংশোধনের কথা।
তিনিবার নিমিত্ত কালেক্টর সাহেবের কিন্তা পূর্ব্বোক্ত অন্য
কর্মচারির সঙ্গে বসিবেন ও ঐ নোটিসের নির্দিষ্ট
সময়ে ও স্থানে ঐ নির্ঘটপত্র সংশোধন করিবেন ও
তৎসংশোধনে বাঁহাদের স্বার্থ থাকে এইত কোন ব্যক্তি
আপত্তি করিলে তাহা শুনিবেন, কোন ব্যক্তিকে জ্বির
কি আসেসরের কর্ম করিবার অযোগ্য বিবেচনা করিলে
কিন্তা ৩২০ ধারামতে সেই কর্ম ইইতে অব্যাহতি পাইবার যে বিধান আছে কোন ব্যক্তি সেই বিধানমতে
নিক্ষতি চাহিলে তাঁহারা তাঁহাদের নাম উঠ।ইয়া ঐ
কর্মের গোগ্য অন্য যে ব্যক্তির নাম তন্মধ্যে লেখা যায়
নাই তাহা লিখিবেন।

- (২) সেশন জজ সাহেবের ও কালেক্টর সাহেবের কিয়া পুর্বোক্ত অন্য কর্মচারির মতের অনৈক্য হইলে নির্ঘাটপত্র হইতে প্রস্তাবিত জ্বরের কি আসেসরের নাম উঠাইয়া দেওয়া যাইবে।
- (৩) সেশন জজ সাহেব ও কালেক্টর সাহেব কি পুর্ব্বোক্ত অন্য কর্মচারা ঐ সংশোধিতপত্তের প্রতিলিপিতে স্বাক্ষর করিয়া তাহা সেশন আদালতে পাঠাইবেন।
- (৪) সেশন জজ সাহেব ও কালেক্টর সাহেব কি পুর্বোক্ত অন্য কর্মচারী ঐ নির্দটিপত্র প্রস্তুত ও সংশোধন করণ সম্পর্কীয় যে আজ্ঞা করেন ভাহা চূড়ান্ত হইবে।
- (৫) এই ধারামতে নিষ্কৃতি পাইবার দাওয়া না করা গেলে, পরে নির্বতীপত্র যৎকালে সংশোধিও হইবে এ তৎকাল পর্যান্ত ঐ দাওয়া পরিত্যাগ করা গিয়াছে বলিয়াজ্ঞান করা যাইবে।
- ে৬) তদ্রপে প্রস্তুত ও বংমরং ঐ পত্র সংশোন সংশোধিত নির্বলীপাত্র প্রতিবং-ধনের কথা। সর একবার সংশোধন করা যাইবে।
- (৭) তদ্রপ সংশোধিত নির্ঘণ্ট নৃতন নির্ঘণীস্বরূপ জ্ঞান হইবে, ও প্রথমবার প্রস্তুত নির্ঘণ্ট সম্বন্ধীয় পূর্ব্বোজ্ত সকল বিধি ঐ নৃতন নির্ঘণ্টের প্রতি খাটিবে ।

৩২৫ ধারা। যে কোন জিলার নিমিত্ত স্থানীয়
গবৰ্ণমেণ্ট এরপ ব্যক্ত করিগ্র প্রস্তুত করিবার কথা।
আপরাধের বিচার বিশেষ জ্বি জারা ইইবে সেই জিলা
সন্তব্ধে ঐ জিলার সেশন জজ ও কালেক্ট্রবা পূর্বোক্ত-

মত অপদ্ম কর্মচারী ইহার পূর্বে যে সংশোধিত ফর্দ্দ নির্দ্দিত হইয়াহে তদতিরিক্ত একখানি বিশেষ কর্দ্দ প্রস্তুত করিবেম। উহাতে সংশোধিত কর্দের লিখিত যে জ্বিরা ঐ সেশন জ্বজ্ব ও কালেক্ট্রর বা পূর্বেগক্তমত অপর কর্মান্টারির বিবেচনায় সম্পত্তি, চরিত্র বা শিক্ষা সম্বন্ধে বিশিক্তরপে যোগ্যতাসম্পন্ন বলিয়া বিশেষ জ্বিস্থরূপ কর্ম করিবার উপযুক্ত তাঁহাদের নাম লিখিতে হইবে। কিন্তু কোন ব্যক্তির নাম এর শ বিশেষ কর্দ্দ ভুক্ত হইবার দক্ষণ সংশোধিত কর্দ্দ হইতে উঠিয়া যাইবে না এবং যে সকল মোকদ্দমার বিচার বিশেষ জ্বির হারা না হয় সেই সকল মোকদ্দমার সাধারণ জ্বিস্তর্ন প কর্ম করিবার পাক্ষে তাঁহার যে দায়িত্ব আছে তিনি সেই দায়িত্ব হুইতে অব্যাহতি পাইবেন না।

৩২৬ ধারা। (১) সেশন আদালতের অধিবেশন কালে জুরির দ্বারা কিন্তা আদে-জুবর ও আদেশবদিগকে সরদের সাহায্যাবলম্বনে যেং জিলার মালিট্রেট শাহেবের সমন করিবার কথা। বিচার কালে সেশন জজ্জ

সাহেব যত জনের প্রয়োজন জ্ঞান করেন অধিবেশন করিবার নির্দ্ধারিত দিনের পূর্বে ন্যুনকম্পে তিন দিন থাকিতে জিলার মাজিস্টেট সাহেবের প্রতি উক্ত সংশোধিত নির্ঘটপত্রের কিন্তা বিশেষ নির্ঘটপত্রের লিখিত তত জনকে আহ্বান করিবার আজ্ঞাপত্র দিবেন; ঐ সেশনের বিচার্য্য কোন মোকদ্দমায় যত জনের প্রয়োজন হয়, তাহার দ্বিগুণের ন্যুন ব্যক্তিকে সমন করাইবেন না।

(২) বে ব্যক্তিরা তৎপূর্ব্ব ছয় য়াসের মধ্যে উক্ত কর্ম করিয়াছেন তাহাদিগকে না ধরিয়া যদি উপযুক্ত সংখ্যার রাক্তিদিগকে পাওয়া যাইতে পারে তবে আঁহাদিগকে ত্যাগ করিয়া অন্য ব্যক্তিদিগকে সমন করিতে হইবে। কোন্ কোন্ ব্যক্তিদিগকে সমন করিতে হইবে ইহা মুক্তব্বর আদালতে গুলিবাঁট করিয়া নির্দ্বাধ্য হইবে, ও উক্ত আজ্ঞাপত্রে তাঁহাদের নাম লেখা যাইবে ।

তং৭ ধারা। সেশন আদালতের এককালীন অধিবেশনে অনেক মোকদ্মার
অন্য দ্ররদিগকে কি বিচার করিতে হইলে ও বিচাআলেসবিদ্যাকে গমন করি॰
বার ক্ষমতাব কথা।

সরদিগকে সমল করা পেল,
তাঁহাদের সেই সমস্ত মোকদ্মার বিচারে উপস্থিত
থাকিতে হইলে বহু ক্লেশ সন্তাৰমা, অথবা অন্য কোন
কারণে আবশ্যক বোধ হইলে সেশন আদালত ৩২৬
ধারার মিদ্ধিষ্ট সম্য় ভিন্ন অন্য সময়ে দ্বের কি আসে-

৩২৮ ধারা। জ্বরকে কি আসেসরকে যে সমন দেওয়া যায় তাহা লিখিয়া সমনেব পাঠের ওতাহাতে দেওয়া যাইবে ও ঐ পাঁত্রে যাহা লিখিত থাকিবে তাহার ব্যাহা লিখিত থাকিবে তাহার কথা।
থাকে ভাঁহার প্রভি ঐ সময়ে

সক্রদিণকে সমন করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

ও স্থানে জ্রির কি আর্নেসরের কর্ম করণার্থে উপস্থিত হইবার আদেশ থাকিবে ৷

৩২৯ ধারা। জ্বির কি আসেসরের কর্ম করণার্থে যে ব্যক্তিকৈ সমন করা যায় গন্ধমেন্টের কিরেল ভ্রেব তিনি যদি গবর্গমেন্টের কিছা কর্মচাবিকে কথন জ্বব্যাহতি দে ওয়া যাইবে তাহার কথা। হন সেই ব্যক্তির জ্বির কি

স্থল বিশেষে আনেসরের কর্ম করিতে হইলে রাজকীয় কার্য্যের ব্যাঘাত হইতে পারে তিনি যে দক্তরশানায় কর্ম করেন সেই দক্তরশানার প্রধান কর্মচারির উজি-মতে ইছা দৃষ্ট হইলে যে আদালতে কর্ম করশার্থে তাঁহাকে সমন দেওয়া যায় সেই আদালত ঐ ব্যক্তির উপস্থিত না হওয়া ক্ষমা করিতে পারিবেন।

৩৩০ ধারা। (১) উপযুক্ত হেডু থাকিলে সেশন
আদালতের জ্ববের কি বেশন কালে জ্বির কোন
আসেসরের উপাশ্বত না
হওয়ার অনুমতি দিতে
পাবিবাব কথা।
তিত্তী কি আংসসরের উপাশ্বিবাব কথা।
তিত্তী কি আংসসরের উপাশ্বিবাব কথা।

(২) বিশেষ জ্বি দ্বারা কোন বিচার সমাপ্ত হইলে
বিশেষ পুরিদিগকে পুনরায় জ্বিশ্বরূপ কার্য্য করিন বিবেচনা করেন তাহা হইলে
বার দায় হইতে বার মাদের এইরূপ আদেশ করিতে পারিজন্য আদালতের নিজ্তি
দিতে পারিবার কথা।
জ্বিতে কার্য্য ক্রিয়াছেন
ভাহাদিগকে বার মাস কালের জন্য পুনরায় জ্বিস্করপ

৩৩১ ধারা। (১) সেশন আদালতের যে অধিবেশনকালে হাঁছারা জুরির কি
জুবিব যে ব্যক্তিবা কি যে
আনেসবেবা উপস্থিত হন
ভাহাদের নামের নির্যন্টেব
কথা।

কিবা

কার্য্য করিবার নিমিত্ত সমন দেওয়া যাইবে না।

- (২) ৬২৪ ধারামতে জ্বেরদের ও আসেসরদের নামের যে সংশোধিত নির্ঘটপত্র প্রস্তুত করা যায় তাহার সঙ্গে উক্ত নির্ঘটপত্র রাখিতে হইবে।
- (৩) এই ধারামতে প্রস্তুত নির্দক্তে যাঁহাদের নাম লেখা যায় উক্ত সংশোধিত পত্তের এক পার্শ্বে তাঁহাদের নামের উলেখ থাকিবে।

৩৩২ ধারা। (১) কোন ব্যক্তিকে জ্বর কি
আসেসরস্বরূপে উপস্থিত হইজ্বব কি আসেসর
জনুপদ্ভিত হইলে দণ্ডেব
কথা।
বার সমন করা গেলে, যদি
ন্যায্য কোন কারণ না থাকিলেও তিনি ঐ সমনের আদেশ
মতে উপস্থিত না হন, কিস্বা উপস্থিত হইয়াও যদি

মতে উপছিত না হন, কিম্বা উপস্থিত হইয়াও যদি আদালতের অন্থাতি না পাইয়া চলিয়া যান কিম্বা বিচারকার্য্য স্থগিত হইয়া দিনান্তর নিঞ্পণ হইলে সেই দিনে উপস্থিত ইইবার আজ্ঞা পাইয়াও যদি উপস্থিত না হন তবে সেশন আদালতের আজ্ঞামতে তাঁহার এক শত টাকার অনধিক অর্থদণ্ড হইতে পারিবে।

- (২) যে তাদালত ঐ আজ্ঞা করেন সেই আদালতের বিচারাধান স্থানের মধ্যে ঐ জ্বরের কি ঐ আদেসবের অস্থাবর যে দ্রব্য থাকে জিলার মাজিস্টেট সাহেব তাহা ক্রোক ও নীলাম করণ দ্বারা ঐ অর্থদণ্ড আদায় করিতে পারিবেন।
- (৩) উপযুক্ত কারণ দেখান হইলে আদালত ঐ-রূপে নির্দারিত কোন জরিমানা ক্ষমা করিতে বা ক্মা-ইয়া দিতে পারিবেন।
- (৪) ক্রোক ও নীলাম করণ দ্বারা ঐ অর্থনণ্ডের টাকা আদায় হইতে না পারিলে, দেশন আদালতের আজ্ঞাক্রমে, ঐ জ্বরকে কি আদেসরকে পঞ্চদশ দিন পর্য্যন্ত দেওয়ানী জেলখানায় কারাবদ্ধ করা যাইতে পারিবে। ইতিমধ্যে ঐ টাকা দেওয়া গেলেই মুক্ত করা করা যাইবে।

## ঠ। - হাই কোর্ট সম্বন্ধে বিশেষ বিধান।

৩৩৩ ধারা। এই আইনমতে কোন হাই কোর্টে বিচার কার্য্য চলন কাসে আডবোকেট ভেনরলের অভিযোগ না চালাইবার ক্ষমতাব কণা।

সময়ে বিহিত্ত বোধ করিলে

শ্রীশ্রীমতীর পক্ষে কোর্টে এই কথা জানাইতে পারিবেন যে আসামীর বিপক্ষে যে অন্তিযোগ হইরাছে তৎক্রমে আমি এই মোকদ্দমা আর চালাইব না, তাহা হইলে আসামীর বিপক্ষে সেই অন্তিযোগক্রমে আর কার্যামৃ-ষ্ঠান হইবে না ও তাহাকে সেই অন্তিযোগ হইতে মুক্ত করা যাইবে। কিন্তু বিচারপতি প্রকারান্তরের আদেশ না করিলে তাহার তদ্রপ মুক্ত করণ নির্দোধী নির্ণয়ের ভল্য হইবে না।

৩০৪ ধারা। প্রত্যেক হাই কোর্টের চীক জঞ্চিদ
নাহেব সময়েং যেং দিন, ও
অধিবৈশনের সমণের স্থবিধামতে ষতকাল ব্যবধানে
কথা। অধিবেশন করিতে নিরপণ
করেন. দেইং দিনে ও তত কাল অন্তর কোজদারী
মোকদ্মার আদে বিচার করিবার জন্যে কোর্টের
অধিবেশন ইইবে।

৩৩৫ ধারা। (১) ছাই কোর্ট এইক্ষণে যে স্থানে অধিবেশন করিবাব স্থা- স্থানে কিন্তা মন্ত্রিসভাধিন্টিত নের কথা। শ্রীপুত গবর্গর জেনরল সাহেব কোর্ট উইলিয়ম রাজধানীর হাই কোর্টের প্রতি, কিন্তা স্থানে অধিবেশন করিতে আজ্ঞা করিলে, সেই স্থানে অধিবেশন করিবেন।

(২) কিন্তু সময়েং কোর্ট উইলিয়মের হাই কোর্ট মান্ত্রসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের অহ্-মতি লইয়া ও অন্যং স্থানের হাই কোর্ট তত্তৎ স্থানীয় গবর্ণমেন্টের অস্থ্যতি লইয়া আপীলী যোকদ্মার পক্ষে ঐ কোর্টের বিচারাধিপত্য যে দীমার মধ্যে প্রবল থাকে, সেই সীমার অন্তর্গত অন্য যে২ স্থান নিরূপণ করেন, সেই২ স্থানে অধিবেশন করিতে পারিবেন।

(৩° কেজিদারী মোকদমার আদে বিচার করণার্থ
হাই কোর্টের যে ক্ষমতা থাকে,
অধিবেশরে ব নাটিদ
দিবার কথা।
ক্ষমতামতে কার্য্য করিবার
ক্ষমতামতে কার্য্য করিবার
ক্ষমতামতে কার্য্য করিবার
ক্ষমতামতে কার্য্য করিবার
ক্ষমতামতে কার্য্য করিবার
থাকিলে, চীফ জন্টিস সাহেব যে কর্মচারির প্রতি
আদেশ করেন তিনি ঐ অধিবেশন হইবার পূর্ব্বে ছানীয়
রাজকীয় গেজেটে ডছিষয়ের নোটিস প্রচার করিবেন।

৩৩৬ ধারা। ইউরোপীয় রটিষ প্রজাদিগকে ও
২১৪ ধারামতে হাই কোর্টে
ইউবোশীয় রটিষ প্রণাব
বিচাব হইবাব ছানের
কথা।

কোনং কিলায় কিছা বৎসরের
নির্দ্দিষ্ট কোনং সময়ে হাই কোর্টে বিচারার্থে সমর্পণ
করা গেন্সে ঐ কোর্ট আপনার নিয়ত অধিবেশনের
ছানে তাঁহাদের বিচার হইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন,
অথবা নির্দ্দিষ্ট অন্য স্থানে তাঁহাদের বিচার হইবার

# ২৪ চতুর্বিরংশ অধ্যায়।

তদন্ত ও বিচার সংক্রান্ত সাধারণ বিধি। .

৬৩৭ ধারা। (১) কেবল সেশন আদালতের বা হাই কোর্টের বিচার্য্য কোন অপরাধ সহায়ের ক্ষমা করিতে হইলে তদস্তাধীন অপরাধে প্রস্তাব করিবার কথা। যাহার স্পান্টরূপে কি চক্রান্তে সম্পর্ক কি সমজ্ঞান থাকা অন্ন্যান হয়, ভাহার সাক্ষ্য লইবার অভিপ্রায়ে সেই ব্যক্তি ঐ ফ্লুড অপরাধ বিষয়ে যাহা জ্ঞাত আছে সম্পূর্ণ ও যথার্থ ভাবে ভাহার ভাবৎ র্ক্তান্ত ও ঐ স্পরাধ করণ কার্য্যে অন্য যত জন মুখ্য-ভাবে বা সহায়ত্বরূপ লিপ্ত থাকে তাহাদের নাম প্রকাশ করিবে এই নিয়মে জিলার মাজিফ্রেট সাহেব কিম্বা কোন প্রেসিডেন্সী মাজিফ্টেট কি ঐ মোকদ্দমার তদম্ভ-কারী প্রথম শ্রেণীর মাজিফ্রেট কিম্বা জিলার মাজি-ফ্রেটের অহ্মতিক্রমে অন্য কোন মাজিফ্রেট তাহাকে ক্ষমা করিবার প্রস্তাব করিতে পারিবেন।

- (২) কোন ব্যক্তি এই ধারামত ক্ষমার প্রস্তাব গ্রাহ্য করিলে ঐ মোকদ্দমার সাক্ষার ন্যায় ঐ ব্যক্তির সাক্ষ্য লওয়া যাইবে।
- (৩) সেই ব্যক্তি যদি হাজিরজামিন দিয়া মুক্ত না থাকে তবে সেশন আদালতে বা স্থল বিশেষে হাই কোর্টে ঐ মোকদ্মার বিচার সমাপ্ত না হওন পর্য্যন্ত ভাহাকে হেকাজতে রাখা ঘাইবে।

(৪) প্রেসিডেন্দী মাজিফ্রেট ভিন্ন যে মাজিফ্রেট এই ধারামত ক্ষমার প্রস্তাব করেন, তিনি তাহার কারণ লিপিবদ্ধ করিবেন, এবং কোন মাজিফ্রেট এই ধারামতে ডক্রপ প্রস্তাব করিয়া যে ব্যক্তির নিকট প্রস্তাব করা যায় তাহার পরীক্ষা লইলে, আপনি মোকদ্দমার বিচার করিতে পারিবেন না, অভিযুক্ত ব্যক্তি যে অপরাধ করিয়াছে বলিয়া প্রতীতি হয় সেই অপরাধ উক্ত মাজি-ফ্রেটের বিচার্য্য হইলেও, পারিবেন না।

ত ৬৬৮ ধারা। তজ্রপে কোন অপরাধে যাহার স্পষ্ট-রূপে কি চক্রান্তে সম্পর্ক কি ক্ষমাব প্রস্তাব করিছে আদাল দিতে পারিবার কপা।

অদালতে বিচারার্থে সমর্পণ করা ধায় সেই আদালত ঐ

মোকদমার বিচার কালে উক্ত কোন ব্যক্তির সাক্ষ্য গ্রহণাভিপ্রায়ে মোকদমা সমর্পণ করা গেলে পর কিন্তু নিশুন্তি হইবার পূর্ব্বে ঐ ব্যক্তিকে ক্ষমার প্রস্তাব করিতে পারিবেন কিন্তা সমর্পণকারী মাজিফ্টেটকে বা জিলার মাজিফ্টেট সাহেবকে পূর্ব্বোক্ত নিয়মমতে ঐ ব্যক্তির ক্ষমার প্রস্তাব করিবার আদেশ করিতে পারিবেন।

৩৩৯ ধারা। (১) ৩৩৭ কিম্বা ৩৩৮ ধারামতে ক্ষমার

যাগকে ক্ষমা করিবাব প্রস্তাব হয় তাহাকেও বিচা-রার্থে সমর্পন কবিবাব আজ্ঞা কারতে পালিবাব কথা। প্রস্তাব হইলে পর কোন ব্যক্তি ঐ ক্ষমার প্রস্তাব গ্রাহ্য করিলেও আবশ্যক কোন কথা ইচ্ছা-পূর্বক গোপন করিয়া কিম্বা মিথ্যা সাক্ষ্য দিয়া ঐ ক্ষমা পাই-

বার প্রস্তাবের নিয়ম অন্থায়ী কার্য্য যদি না করে তবে যে অপরাধ সম্পর্কে ক্ষমার প্রস্তাব হইয়াছে কিম্বা সেই বিষয় সম্বন্ধে সে অন্য যে অপরাণ করিয়াছে বলিয়া প্রতীতি হয় সেই অপরাধের নিমিত্তে তাহার বিচার হইতে পারিবে।

- (২) এই ধারামতে ক্ষমার প্রস্তাব রহিত করা গেলে ক্ষমা পাইবার আশয়ে ঐ ব্যক্তিযে কথা কহিয়াছিল তাহা তাহার বিপক্ষে প্রমাণ মধ্যে উল্লেখ হইতে পারিবে।
- (৩) ঐ কথা সম্বন্ধে মিথ্যা সাক্ষ্য দিবার অপরাধের অভিযোগ হাই কোর্টের অসমতি বিনা গ্রাহ্য হইবে না। ৩৪০ ধারা। কোজদারী আদালতে কোন ব্যক্তির নামে অপরাধের অভিযোগ

অভিযুক্ত ব্যক্তিব উকীল নিযুক্ত করিবার অধিকাবের কথা। শানে অগরাধের আভ্যোগ হইলে, উকীলের দ্বারা সেই ব্যক্তির পক্ষসম্থন হইবার অধিকার থাকিবে।

৩৪১ ধারা। অভিযুক্ত ব্যক্তি কিপ্তমনা না হইলেও
তাহাকে আমৃষ্ঠানিক কার্য্য
ভাল্যক ব্যক্তির আমৃ- বুঝাইয়া দিলেও সে বুঝিতে
গানিক কার্য্য বুঝিতে না পারিলে আদালত তদন্ত
লওয়ার কি বিচারের কার্য্য
চালাইতে পারিবেন; ও হাই কোট ভিন্ন অন্য আদালত হইলে তদন্ত লইয়া যদি তাহাকে বিচারার্থে সম-

পূন করা যায় কিছা বিচার হইয়া যদি তাহার অপরাধ নির্ন্ন হয়, তবে ঐ ব্যাপারের রক্তান্ত সহিত ঐ আহু-ষ্ঠানিক কার্য্যের কাগজ্ঞপত্র হাই কোটে পাঠান যাইবে। হাই কোট তদ্বিষয়ে যে আজ্ঞা বিহিত বোধ করেন করিবেন।

৩৭২ ধারা। (১) সাক্ষ্যে অভিযুক্ত ব্যক্তির বিরুদ্ধে
যে কোন বিষয় দেখা যায় সে
অভিযুক্ত ব্যক্তির পরীক্ষা
কবিতে পাবিবাৰ কথা।

সভিযুক্ত ব্যক্তিকে পর্কে না জানাইয়া তাহাকে যে
কথা জিজ্ঞাসা করা আবশ্যক বোধ করেন করিতে
পারিবেন এবং অভিযোগের সাক্ষীদের সাক্ষ্য লওয়া
গেলে পর ও তাহাকে প্রতিবাদের নিমিত্ত আদেশ
করিবার পূর্কে পুর্কোক্ত অভিপ্রায়ে মোকদ্দমা সম্বন্ধে
সাধারণতঃ জিজ্ঞাসাবাদ করিবেন।

- (২) অভিযুক্ত ব্যক্তি সেই প্রশ্নের উত্তর না দিলেও কিশ্বা তাহার উত্তরে মিথ্যা কথা কহিলেও তৎপ্রযুক্ত দণ্ডের যোগ্য হইবে না কিন্তু তাহার উত্তর না দেওয়াতে কি মিথ্যা উত্তর দেওয়াতে আদালত ও, জুরি থাকিলে, জুরি তদ্বিষয়ের যে অনুমান ন্যায্য বোধ করেন করিতে পারিবেন।
- (৩) অভিযুক্ত ব্যক্তি যে উত্তর প্রদান করে তাহা উক্ত তদন্ত ও বিচারকার্য্যে বিবেচিত হইতে পারিবে ও ঐ উত্তর হইতে সে অন্য যে অপরাধ করিয়াছে বলিয়া বুঝা যায় সেই অপরাধের তদন্তে ও বিচার কার্য্যেও তাহার সপক্ষে বা বিৰুদ্ধে প্রমাণস্বরূপ উপস্থিত করা যাইতে পারিবে।
- (৪) অভিযুক্ত ব্যক্তিকে শপথ কর।ইতে হইবে না।

  ৩৪৩ ধারা। ৩৩৭ ও ৩৩৮ ধারায় যে হুলের বিধান

  হইয়াছে ভদ্ভিন স্থলে অভিকোন কণা প্রকাশ করিবার প্রবৃত্তি না দিবাব কথা।

  যের অঙ্গীকার করিয়া কি
  ভাহাকে ভয় দেখাইয়া কিছা খন্য প্রকারে ভাহার জানা
  কোন কোন কথা প্রকাশ করিবার কি গুপ্ত রাখিবার
  প্রবৃত্তি জন্মাইয়া দিতে হইবে না।

৩৪৪ ধারা। (১) কোন সাক্ষীর অত্পস্থিতি প্রযুক্ত কিম্বা যুক্তিমত অন্য কারণে আন্ষ্টানিক কার্গ্য স্থাণিত রাখিবাব বা ত হাব দিনান্তব নিরূপণ করিবাব কথা।
কি তাহার দিনান্তর নিরূপণ

করা আবশ্যক কি উপযুক্ত হইলে, আদালত যদি বিহিত বোধ করেন তবে হেডু লিপিবদ্ধ করিয়া আজ্ঞা লিখিয়া দিয়া সময়েং যে নিয়ম উচিত বোধ করেন সেই নিয়মে যতকাল যুক্তিসিদ্ধ জ্ঞান করেন ততকালের নিমিত্ত সেইং কার্য্য স্থগিত রাখিয়া কি তাহার দিনালর নিরূপণ করিয়া ওয়ার্ন্ট দিয়া তদ্রপো অভিযুক্ত ব্যক্তি হেক্।জ্ঞতে থাকিলে তাহাকে কিরাইয়া দিতে পারিবেন।

কিন্তু এই ধারামতে কোন মাজিন্টেট একেবারে পঞ্চিত দশ দিনের অধিক কালের হেফালতে ফিবাইঘা নিমিত্ত কোন অভিযুক্ত ব্যক্তিকে দিবার কথা।

হেকাজতে কি.গইয়া পাঠা ইবেন না।

(২) ছাই কোর্ট ভিন্ন অন্য আদালত এই ধারামত ভাজা করিলে, উক্ত আজ্ঞা লেখা ষাইবে ও অধিপত্য-কারী জব্দ বা মাজিফ্টেট সাহেব ভাছাতে স্বাক্তর করি-বেন।

ব্যাখ্যা। — অভিযুক্ত ব্যক্তি কোন অপরাধ করিয়াছে
এমত সন্দেহ করিবার বিশিষ্ট
ক্রিরাইমা পাঠাইবার প্রমাণ পাওয়া গেলে, ও
ভাহাকে কিরাইমা পাঠাইলে
ম্যারো প্রমাণ পাইবার সন্তাবনা থাকিলে, তাহাই
ফাছাকে ক্রিরাইমা পাঠাইবার যুক্তিসক্ষত কারণ হয়।
৬৪৫ ধারা। (১) নিম্মলিখিত টেবিলের প্রথম তুই
ঘরে বর্ণিত ভারতবর্ধের দণ্ডঅপরাধ সম্বন্ধে রক্ষা
বিধির আইনের কএক ধারাকরিবার ক্থা।

মতে দণ্ডনীয় অপরাধ সম্বন্ধে
প্রে টেবিলের তৃতীয় ঘরের লিখিত ব্যক্তিরা রকা
করিতে পারিবেন।—

জ্ঞপরাধ।	ভারতবর্ষেব দণ্ডবিধির আই- নের যে২ ধার। খাদিবে।	যে ব্যক্তি অপরাধ সম্বন্ধে রফা_কবিতে পারিবেন।
ধর্ম দম্পকে কোন ব্যক্তির মনে ইভাপ্রক ছ:থ দিবার জনো জ্ঞানপ্রক কোন কথা প্রভৃতি কহা।	<b>२</b> ৯৮	ধর্ম সম্পরে যে ব্যক্তিব মনে ছংথ দিবাব ভাভিপ্রায থাকে ধেট ব্যক্তি।
প্ৰীড়া জন্মান	৩২৩, ৩৩৪	যে ব্যক্তির পীড়া জন্মান যায় সেই ব্যক্তি।
কোন ব্যক্তিকে অন্যায়- মতে অবৰোধ বা বন্ধ	<b>∞8&gt;, ⊚8</b> ₹	যে ব্যক্তিগকে অসবরুদ্ধ বা বদ্ধ করা যায়
ক্বণ। আক্রমণ বা অপ্রাধ্যুক্ত বল প্রকাশ করণ।	<b>७</b> ०२, ७००, ७ <b>०</b> ৮	দেই ব্যক্তি। যে ব্যক্তির প্রতি আক্তু- মণ না অপবাধযুক্ত
বেজাটনমতে বলপ্ৰক পবিভাম কবান।	<b>19</b> 15	বল প্রকাশ করা যায়,সেই ব্যক্তিঃ যে ব্যক্তিকে বলপূর্বক পবিজ্ঞাম কবান যায় সেই ব্যক্তিঃ
কেবল বেসনকাৰী কোন ব্যক্তির ক্ষতি কি নোক সান ছইলে, অপকাৰ কবণ।		যে ৰ্যান্তিৰ ক্ষতি কি নোক্ষান হয়. দেই ব্যক্তি।
অপরাধ্তাবে অমধিকার প্রবেশ কবণ।	889	যে সংগতিতে জমধি- কার প্রবেশ ঘটে, সেই সম্পতি যাহার
পরগতে জ্ঞান্ধিকার প্রবেশ কবণ '	986-	অধিকারে থাকে সেই ব্যক্তি।

অপরাধ।	ভারতবর্ধের দণ্ডবিধির আই- নের যেহ ধারা খাটিরে।	বে ব্যক্তি কাণরাধ পদক্রে রকা করিতে পারিবেম !
অপগাধভাবে চান্দরির চুজ্জিজঙ্গ করণ।	824, 823, 822	ৰে ব্যক্তির সহিত অণ- প্রধী চুক্তি করি- য়াছে, দেই ক্যক্তি
পরস্ত্রী গমন অপরাধভাবে অন্যের পড়া- কে ফুদলাইয়া লওয়া কি হরণ করা কি আটক করিয়া বাধা।	829 428	ब्रीटमांटक्त्र बांगी।
অপবাদ করণ  মাহা অপবাদজনক জ্ঞান  ম্বা এমত কোন বিষয়  মৃত্রিত কি কোদিত  করণ।	40>	যে ব্যক্তির অপব। করা যায়, সৌ ব্যক্তি।
যাহাতে অপবাদৰনক বিষয় থাকে এমন মৃদ্রিত কি ক্ষোদিত বস্তু জানিয়া বিক্লয় করণ।	4.2	,
শান্তিভক্ষে প্রবৃত্তি জন্মাই- বার অভিশ্রাহের জ্ঞান- পূর্বক অপামান করণ।		যে ব্যক্তিব অপমান করা যায়, দেই ব্যক্তি।
যে অপেরাধে সাত বৎসব পর্য্যন্ত কারাদণ্ড হউছে পারে তদ্ভিন্ন অপেরাধ ভাবে তথ দর্শান :	5	যে ব্যক্তিকে ডয় দৰ্শা যায়, সেই ব্যক্তি।

- (২) ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩২৪, ৩২৫, ৩৩৫, ৩৩৭, ৩৩৮, ৪২৮, ৪২৯ বা ৪৩০ ধারামতে যথাক্রমে দণ্ডনীয় ইচ্ছাপূর্কেক পীড়া জন্মান, ইচ্ছাপূর্কেক পীড়া জন্মান, ইচ্ছাপূর্কেক পীড়া জন্মান, ইচ্ছাপূর্কেক গুকুতর পীড়া জন্মান, কিছা যাহাতে প্রাণহানি হইবার আশঙ্কা হয় এরূপ কার্য্য দ্বারা গুরুতর পাড়া জন্মান অপরাধের অভিযোগ যে আদালতে উপস্থিত থাকে দেই আদালতের অস্থমতি পাইলে, যে ব্যক্তির পীড়া জন্মান যায় দেই ব্যক্তি ভাহার রক্ষা করিতে পারিবেন।
- (৩) এই ধারাষতে কোন অপারাধের রকা হইতে পারিলে, উক্ত অপারাধের সহায়তাকরণ কিছা (যে হুলে অপারাধ করিবার উদ্যোগ অপারাধ হয় সেই হুলে উক্ত অপারাধ করিবার উদ্যোগ করণ ঐরপা রকাযোগ্য হইবে।
- (৪) কোন ব্যক্তির এই ধারামতে রক্ষা করিবার ক্ষমতা সম্বন্ধে অন্য কোন বাধা না থাকিলে, সেই ব্যক্তি যদি নাবালপ বা জড় বা উন্মাদগ্রস্ত হয়, তবে য়ে ক্যক্তি ভাহার পক্ষে চুক্তি করিতে পারেন তিনি ঐ অপরাধের রকা করিতে পারিকেম।

- (c) অভিযুক্ত ব্যক্তিকে বিচারের নিমিত্ত সমর্পণ করা গেলে কিম্বা তাহার অপরাধ নির্ণয় হইয়া আপীল লায়ের থাকিলে পর, তাহাকে যে আদালতে সমর্পণ করা গেল কিম্বা ম্বলভেদে যে আদালতে ঐ আপাল শুনা যাইবে সেই আদালতের অনুমতি বিনা ঐ অপরাধের রক্ষা করিতে দেওয়া যাইবে না।
- (৬) এই ধারামতে কোন অপরাধের রকা করা গেলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দ্দোষী করণের ন্যায় ফল ছইবে।
- (৭) এই ধারার বিধানামূসারে ভিন্ন কোন অপ-রাধের রকা ছইতে পারিবে না।

৩৪৬ ধারা। (১) রাজধানী নগরের বহিভূতি কোন জিলার মাজিফ্রেটের সমুখে যোকদ্দমা মফ:দল মাজি-তদন্তের কি বিচারের কার্য্যা-্ট্রেটের ক্ষমতার বহিস্ত ভইলে ভাঁছাৰ যাহা কৰ্ত্তৰ্য भूक्षेत्र इहेर्ड्ड अग्रन मगरम যদি প্রমাণদুষ্টে তাঁহার বোধ হয় যে, উক্ত জিলার অন্য কোন মাজিফ্টেটের নিকটে ঐ মোকদ্দমার বিচার হওয়া কি তাহা বিচারার্থে সমর্পণ করা উচিত, তাহা হইলে তিনি সেই আছু-ষ্ঠানিক কার্য্য স্থগিত করিয়া আপনি যে মাজিস্টেটের অধীন থাকেন তাঁহার নিকটে কিম্বা জিলার মাজিফ্রেট সাহেব উপযুক্ত ক্ষমতাপন্ন অন্য যে মাজিফ্রেটের নিকট ভাছা পাঠাইতে আজ্ঞা করেন তাঁহার নিকটে ঐ মোকদমা প্রেরণ করিবেন, ও তৎসঙ্গে ঐ যোকদমার ভাব ব্যাখ্যা করিয়া সংক্ষেপ রিপোর্ট দিবেন।

(২) মোকদ্দমা যে মাজিইটের নিকট পাঠান যায় তিনি ক্ষমতাপন্ন হইলে আপনি সেই যোকদ্দমার বিচার করিতে পারিবেন ভাগবা তাহা আপনার অধীন উপ-যুক্ত ক্ষমতাপন্ন কোন মাজিইটের প্রতি অর্পন করিতে কিছা বিচার হইবার নিমিত্ত অভিযুক্ত ব্যক্তিকে সমর্পন করিতে পারিবেন।

ওঁ8৭ থারা। (১) মাজিস্টেটের সন্মুখে কোন তদন্ত কালে কিম্বা মাজিস্টেটের সন্মুখে

মোকদমা বিচারাথে সম-প্ল কবা উচিত তদস্ত বা বিচাব কার্য্য আবেজ হইবাব প্রে মাক্তিট্রেট এমত জ্ঞান করিলে তাঁহাব কর্তব্যের কালে কিম্বা মাজিস্টেটের সমুখে কোন মোকদ্দমার বিচার কালে নিষ্পত্তি স্বাক্ষর করিবার পুর্বে সেশন আদালতে কি হাই কোর্টে সেই মোকদ্দমার বিচার হওয়া উচিত তাঁহার এমত

জ্ঞান হইলে এবং তিনি বিচারার্থে সমর্পণ করিতে সমর্থ হইলে, তিনি আর কোন কার্য্যাঞ্চান না করিয়া ইহার পূর্বানিখিত বিধানমতে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে সম-পূর্ণ করিবেন।

(২) ঐ মাজিফেটের বিচার।র্থে সমর্পণ করিবার ক্ষমতা না থাকিলে তিনি ৩৪৬ ধারামতে কার্য্য করিবেন। ৩৪৮ ধারা। ভারতর্বের দণ্ডবিধির আইনের ১২

প্ৰেক মুদ্ৰা বা ইপ্ৰীম্প আইন বা সম্পত্তি সপদ্ধে যাহাদেব অপবাধ নিৰ্ণয় ছইয়াছে তাহাদেব বিচাৰের কথা। অধ্যায় কি ১৭ অধ্যায়মতে যে অপরাধের নিমিত্ত ডিন বংসর কি তদধিক কাল কারাদণ্ড হইতে পারে কোন ব্যক্তির সেই অপরাধ নির্ণয় হইলে পর যদি তাহার নামে উক্ত অন্যতর

অধ্যায়মতে তিন বৎসর কি তদধিক কারাদণ্ডে দণ্ডনীয় অন্য অপরাধের অভিযোগ হয়. তাহা হইলে তাহাকে সেশন আদালতে বা স্থলভেদে হাই কোর্টে সমর্পণ করা যাইবে, কিপ্ত যে মাজিস্টেটের নিকট আফ্টানিক কার্য্য দায়ের থাকে তিনি যদি এরপ বিবেচনা করেন যে, অভিযুক্ত ব্যক্তির অপরাধ নির্ণয় হইলে তিনি নিজেই সমুচিড দণ্ডাজ্ঞা দিতে পারেন তবে সমর্পণ করা যাইবে না।

কিন্তু জিলার মাজিস্টেট সাহেবের প্রতি ৩০ ধারা-মতে ক্ষমতা প্রদান করা চইয়া থাকিলে ঐ মোকদ্দম। সেশন আদালতে সমর্পন করিবার পরিবর্ত্তে তাহার প্রতি হস্তান্তর করিয়া দেওয়া ঘাইতে পারিবে।

৩৪৯ ধারা। (১) বিচার করিবার উপযুক্ত ক্ষমভাপন্ন বিভীয় কি ভূডায় শ্রেণীর

মাজিটেইট উচিত মত কঠিন দণ্ডেৰ আজা কবিতে না পাবিলে থাই। কন্তব্য তাহাৰ কথা। মাজিফেটের অভিযোগের সাক্ষ্য ও অভিযুক্ত ব্যক্তির কথা শুনিয়া অভিযুক্ত ব্যক্তি অপরাধী কিন্তু আপনি যে

প্রকারের কি যে পর্য্যন্ত দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারেন ঐ ব্যক্তির তন্তিয় প্রকারের কি তদপেক্ষা কঠিন দণ্ড হওয়া উচিত কিম্না তাহার প্রতি ১০৬ ধারামতে নিবম্ধ-পত্র লিখিয়া দিবার আদেশ হওয়া উচিত কিম্বা তাহার সম্বন্ধে ৫৬১ ধারামতে কার্য্য হওয়া উচিত এই মত হইলে তিনি সেই মত লিখিয়া রাখিতে ও আপনার আন্টানিক কার্য্যের কাগজপত্র সহিত ঐ অভিযুক্ত ব্যক্তিকে আপনি জিলার কি মহকুমার যে মাজি-ইেটের অধীন থাকেন তাঁহার নিকট পাঠাইতে পারিবেন।

(২) ঐ আমুষ্ঠানিক কার্য্যের কাগজপার যে মাজি-ইটেরে সমুখে অর্পন করা যায় তিনি উচিত বোধ করিলে উভয় পক্ষের পারীক্ষা লইতে পারিখেন ও ঐ মোকদ্মায় যে সাক্ষীরা সাক্ষা দিয়াছে ভাষাদিগকে প্নরায় ডাকাইয়া ভাষাদের পারক্ষা লইতে পারিখেন এবং আরং সাক্ষা ভলব করিয়া লইতে পারিখেন ও সেই মোকদ্মার আইন অন্থায়ী যদ্রপ নিশান্তি কি দণ্ডের আজ্ঞা কি অন্য আজ্ঞা উপাযুক্ত জ্ঞান করেন ভল্লপ নিশান্তি কি আজ্ঞা করিখেন।

কিশ্ব তিনি এই আইনের ৩২ ও ৩৩ ধারামতে যে দণ্ড দিতে পারেন তদপেকা কঠিন দণ্ড দিবেন না। ৩৫০ ধারা। (১) কোন মাজিফ্রেট কোন তদন্তে কি

সাক্ষ্যের এক অংশ এক
মাজিট্টেটের ও অন্য অংশ
অন্য মাজিট্টেটের ছারা
লিপিবছ ইইলেসেই সাক্ষ্যক্রমে অপ্রাধ নির্ম বা
বিচারার্থে সমর্পন হইবার
কথা।

বিচার কার্য্যে সাক্ষ্যের সমুদ্র কি এক অংশ শুনিয়া লিপিবদ্ধ করিলে পর সেই মোকদ্দমায় তাঁহার বিচারাধিকার রহিত হইলে ও তৎপশ্চাৎ বিচারা-ধিকারবিশিক্ট অন্য মাজিক্টেট সেই বিচারাধিকারক্রমে কর্ম

করিলে, শেষোক্ত মাজিস্টেট আপন পূর্ব্ব পদধারির কিম্বা অংশতঃ আপন পূর্ব্বপদধারির ও অংশতঃ আপনার লিপিবদ্ধ সাক্ষ্যমতে মোকদ্দমার নিম্পত্তি করিতে পারিবেন; অথবা সাক্ষীদিগকে পুনশ্চ সমন করিয়া গোড়া অবধি তদস্ত কি বিচার কার্য্য আরম্ভ করিতে পারিবেন।

- কি শ্ব (ক) দ্বিতীয় মাজি ট্রেট মোকদ্দমার কার্য্যামুষ্ঠান করিতে আরম্ভ করিলেই সাক্ষীদিগকে বা কোন
  সাক্ষীকে পুনরায় সমন করাইয়া ভাহাদের বা ভাহার
  কথা শুনা যায় অভিযুক্ত ব্যক্তি যে কোন বিচারকালে
  ইহার দাওয়া করিতে পারিবেন।
- (খ) যে মাজিফ্টেটের সম্মুখে অপরাধ নির্বর ইইল তিনি নিজে যে দাক্ষ্য সম্পূর্ণরূপে লিপিবদ্ধ করেন নাই তৎক্রমে ঐ অপরাধ নির্বর ইইয়া অভিযুক্ত ব্যক্তির পক্ষে গুৰুতর হানি হইয়াছে, হাই কোটের কিয়া জিলার মাজিফ্টেট সাহেবের অধীন মাজিফ্টেটের দ্বারা মোকদ্দমার বিচার হইলে জিলার মাজিফ্টেট সাহেবের এরপ মত হইলে, উক্ত কোট কিয়া জিলার মাজিফ্টেট আপীল হইলে বা না হইলেও অপরাধ নির্বর করণ সূচক সেই নিম্পত্তি অন্যথা করিয়া নৃতন তদস্ত কি বিচার হইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।
- (২) যে২ স্থলে ৩৪৬ ধারামতে আচ্নষ্ঠানিক কার্য্য স্থানিত রাখা গিয়াছে সেই২ স্থলের প্রতি এই ধারার কোন কথা বর্তিবে না

৩৫১ ধারা। (১) কোন ব্যক্তি ধৃত না হইয়া কি
সমন না পাইয়া ফোজদারী
অপবাধীৰা ভাদালতে আদালতে উপস্থিত হইলে,
আইলে তাহাদিগকে আচক কাৰ্যা বাধিবাৰ কথা।

গ্রাহ্য করিতে পারেন প্রমাণ-

ক্রমে সে তদ্রপ কে!ন অপরাধ করিয়াছে দৃষ্ট হইলে, আদালত তাহাকে পরীক্ষা করিয়া দেখিবার নিমিত্ত আটক করিয়া রাখিতে পারিবেন এবং ধৃত কিম্বা সম্ম হওয়ার ন্যায় তাহার বিপক্ষে কার্য্য হইতে পারিবে।

(২) ১৮ অধ্যায়মতে তদন্ত লইবার সময়ে কিন্তা বিচার আরম্ভ হইলে পর যদি সেই ব্যক্তিকে আটক করিয়া রাখা যায়, তবে সেই ব্যক্তি সম্পর্কীয় আহ্ন-ষ্টানিক কার্য্য নৃতন আরম্ভ হইবে ও সাক্ষীদের কথা পুনশ্য শুনা ঘাইবে। ৩৫২ ধারা। কোন অপরাধের ভদন্ত কি বিচার হইবার নিমিত্তে কোন কোজ-আদালত মৃক্তদার হও-দারী আদালতের যে স্থানে <sup>মার কথা।</sup> অধিবেশন হয় সেই স্থানই

যুক্তদার বিচারালয় জ্ঞান হইবে, তথায় সর্কসাধারণ যত লোক হৃবিধামতে ধরিতে পারে, তাছাদের যাইবার বাধা নাই।

কিন্তু কর্তৃপক্ষ জজ বা মাজিফ্রেট সাহেব যে সময়ে কোন বিশেষ মোকদ্দমার ওদন্ত কি বিচার করেন, সেই সময়ে উপযুক্ত বোধ করিলে এই আজ্ঞা করিতে পারি-বেন যে সর্বসাধারণ লোক কি কোন ব্যক্তি আদালতের ব্যবস্থত ঐ গরের কি অট্টালিকার মধ্যে আসিতে কি থাকিতে না পায়।

## ২৫ পঞ্চবিংশ অধ্যায়।

তদন্তে ও বিচারকার্য্যে যে প্রকারে সাক্ষ্য লইডে ও লিপিবদ্ধ করিতে হইবে, তদ্বিষয়ক বিধি।

৩৫৩ ধারা। প্রকারান্তরের স্পৃষ্ট বিধান না থাকিলে ১৮ ও ২০ ও ২১ ও ২২ ও২৩ অভিযুক্ত বাজিব শাঅধ্যায়মতে যে সাক্ষ্য লওয়া

ক্ষাতে সাক্ষ্য লইবার কথা।
যায়, অভিযুক্ত ব্যক্তির সন্মুখে
কিম্বা সে স্বয়ং অভ্নপস্থিত থাকিবার অভ্নতি পাইয়া
উকীলের দ্বারা উপস্থিত হইলে সেই উকালের সন্মুখে
সেই সাক্ষ্য লওয়া যাইবে।

ত ৫৪ ধারা। প্রেসিডেন্সী মাজিক্টেট ভিন্ন মাজি-ক্টেটের কিম্বা সেশন জজ বাঙ্ধানী নগবের বাহিবে সাহেবের ক্বন্ত কি সমুখন্ত সাক্ষ্য লিথিবাৰ নিয়মের প্রাানরি মোকদ্দমার বিচার ভিন্ন এই আইনমন্ত সকল ভদস্ত

ও বিচার কার্য্যে নিম্মলিখিত প্রকারে সাক্ষীদের সাক্ষ্য লিপিবদ্ধ করা যাইবে।

৩৫৫ ধারা। (১) প্রেসিডেন্সী মাজিফ্রেট ভিন্ন কোন মাজিফ্রেটের সন্মুখে উপ-

সমনেব মোকদ্দমায এবং প্রথম ও দ্বিতায় শ্রেণীব মাণিটেইটেব দ্বাবা কোনহ অশবাধেব বিচাবকালে নথীব কথা। ন্থিত যে মোকদ্দমায় সমন বাহির হইয়া থাকে সেই মোকদ্দমায় এবং ২৬০ ধারার (১) প্রকরণের (খ) অবধি

(ট) পর্যান্ত দকার লিখিত

অপরাধের মোকদনায় প্রথম কি দ্বিতীয় শ্রেণীর মাজিফ্রেটের দ্বারা বিচার হইলে সেই মোকদনায় এবং ১৬৭ ধারামত ও ৫১৪ ধারামত সমুদম আছু-ষ্টানিক কার্য্যে (বিচার চলিতে থাকিবার সময়ে না হইলে) একং জন সাক্ষীর পরীকা লওন কার্য্য যেমন চলিতেছে মাজিফ্রেট তাহার সাক্ষ্যের মর্ম তেমনি সংক্ষেপে লিখিয়া রাখিবেন।

(২) মাজিফ্রেট আপম হাতে ঐ মর্মাত্মকলিপি লিখিয়া আক্ষর করিবেন ও তাহা মোকদ্দমার একাংশ হইবে।

- (৬) উক্ত আনেশমতে মাজিক্টেটের মর্মাত্মকলিপি করিবার বাধা থাকিলে তিনি যে কারণে তাহা লিখিতে পারিলেন না তাহা লিপিবদ্দ করিবেন এবং মুক্তদ্বার আদালতে আপনার কথনমতে অন্যদ্বারা ঐ মর্মাত্মক-লিপি লেখাইয়া তাহাতে স্বাক্ষর করিবেন। ঐ মর্মাত্মকলিপি কাগজপত্রের একাংশ হইবে।
- ৬৫৬ ধারা। (১) সেশন আদাসতের সন্মুখে ও
  প্রেসিডেন্সী মাজিক্টেট ভিন্ন
  রাজধানী নগবের বাহিরে
  অন্য সকল মোকদ্দমায়
  নধীর কথা।

   স্কল বিচার কার্য্যে এবং ১২
  ও ১৮ অধ্যায়মত সমুদ্য ভদক্ষে

আদালতের ভাষার প্রত্যেক জন সাক্ষীর সাক্ষ্য মাজি-ক্রেটের কিম্বা সেশন জজের ম্বারা কি তাঁহার দৃষ্টি ও শ্রুতিগোচরে ও তাঁহার নিজ আদেশমতে ও তত্ত্বাধানে লিখিয়া লওয়া যাইবে, ও মাজিফ্রেট কি সেশন জজ তাহাতে স্বাক্ষর করিবেন।

- (২) শাক্ষী ইংরাজী ভাষায় সাক্ষ্য দিলে মাজিক্টেট কি সেশন জজ সাহেব ঐ ইংবাজী ভাষায় দাক্ষ্য ভাষায় স্বহস্তে সেই সাক্ষ্য দিবার কথা: ভাষায় স্বহস্তে সেই সাক্ষ্য লিখিতে পারিবেন ও অভি-যুক্ত ব্যক্তি ইংরাজী ভাষা ভাল না জানিলে কিম্বা আদালতের ভাষা ইংরাজী না হইলে আদালতের ভাষায় ঐ সাক্ষ্য অন্ত্বাদিত ও যথার্থ অন্ত্বাদ বলিয়া স্বাক্ষরিত হইয়া ঐ অন্ত্বাদ মোকদ্মার কাগজপত্রের একাংশ হইবে।
- (৩) যে মোকদমায় মাজিস্টেট কিছা সেশন জজ সাহেব স্বহন্তে সাক্ষ্য লিখিয়া মাজিটেটের কি জজেব না লন সেই মোকদমায় প্রত্যেক জন সাক্ষীর সাক্ষ্য যে সময়ে লওয়া ঘাইতেছে কেই সময়ে ঐ সাক্ষী যাহা কহে তিনি তাহার মর্ম লিখিয়া লইবেন। মাজিফ্রেট কি সেশন জজ সাহেব স্বহন্তে সেই মর্মাত্মক পত্র লিখিয়া তাহাতে স্বাক্ষর করিবেন ও তাহা মোকদ্মার কাগজপত্রের প্রকাংশ ইংবে।
- (৪) পূর্বোক্ত আজ্ঞাক্রমে ঐ মর্ম লিখিতে মাজি-ক্টেটের কিন্তা সেশন জজ সাহেবের বাধা থাকিলে তিনি যে কারণে তাহা লিখিতে পারিলেন না তাহা লিপিবদ্ধ করিবেন।
- তিং ৭. ধারা। (১) কোন জিলায় কি জিলার কোন
  খণ্ডে কিম্বা কোন সেশন আদাদাক্ষ্য যে ভাষায় লিপিবন্ধ করা সাইবে তালার
  কথা।
  কেন্তার কি কোন ভৌগীর মাজিকথা।
  কেন্তার সম্মুখে মোকদ্দমার
  অন্তল্ভীন হইলে ৩৫৬ ধারার উল্লিখিত স্থলে ঐ
  সৈশন জজ কি মাজিক্টেট স্থদেশীয় ভাষায় স্বহন্তে
  প্রত্যেক সান্দীর সাক্ষ্য লিখিয়া লাইবেন, স্থানীয় গবর্ণমেন্ট এমত আজ্ঞা করিতে পারিবেন। কিম্ব সেই
  সেশন জজ কি মাজিক্টেট উপযুক্ত কোন কারণে কোন

দাকীর দাক্ষ্য লিখিতে না পারিলে তাঁহার অপারগতার কারণ লিখিয়া মুক্তধার আদালতে আপনার ক্থনখতে ঐ দাক্ষ্য লেখাইবেন।

(২) তজ্রপে যে সাক্ষ্য লিখিয়া লওয়া যায় সেশন জজ কিয়া মাজিষ্টেট তাহাতে স্বাক্ষর করিবেন ও তাহা মোকদ্দমার কাগজপত্রের একাংশ হইবে।

কিন্ত ইংরাজী ভাষা কিন্তা আদালতের ভাষা সেশন জজের কি মাজিফ্রেটের অদেশীয় ভাষা না হইলেও স্থানীয় গবর্ণমেন্ট তাঁহাকে ইংরাজা ভাষায় কিন্তা আদা-লতের ভাষায় সাক্ষ্য লিখিয়া লইধার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

ত ৫৮ ধারা। মাজি ফেটদের সন্মুখে ৩৫৫ ধারার
ত ৫৫ ধারার উলিখিত প্রকারের মোকদমার
মালিটের বেল্ডার কথা। বিচার হইলে মাজিফেট উচিত
জ্ঞান করিলে ৩৫৬ ধারার
বিধানমতে কোন সাক্ষীর সাক্ষ্য লিখিয়া লইতে পারিবেন; কিম্বা স্থানীয় গবর্ণমেন্ট যদি ঐ মাজিফেটের
বিচার ধীন স্থানে ৩৫৭ ধারার উলিখিত আ্ঞা করিয়া
থাকেন তবে উক্ত ধারার বিধানমতে সাক্ষীর সাক্ষ্য
লিখিয়া লইতে পারিবেন।

- ৩৫৯ ধারা । (১) ৩৫৬ কি ৩৫৭ ধারামতে যে

  ১৫৬ কি ৩৫৭ ধারামতে সাক্ষ্য লওয়া যায় তাহা সাধা
  রণতঃ প্রক্রোতরভাবে লেখা

  ইইবে তাহাব কথা।

  ইইবে তাহাব কথা।

  ক্রীইবে না, কিন্তু র্তান্তভাবে

  লেখা যাইবে।
- (২) মাজিফ্রেট কিম্বা সেশন জজ সাহেব আপন বিবেচনামতে বিশেষ কোন প্রশ্ন ও উত্তর লিখিতে কি লেখাইতে পারিবেন।
- ০৬০ ধারা। (১) ০৫৬ বা ৩৫৭ ধারামতে কোন সাক্ষীর সাক্ষ্য লওয়া সমাপ্ত যাহা কর্ত্তর কথা। হইলে পর অভিযুক্ত ব্যক্তি উপন্থিত থাকিলে তাহার সাক্ষাতে কিম্বা সে উকীলের দ্বারা উপন্থিত হইলে এ উকালের সাক্ষাতে ঐ সাক্ষ্য সাক্ষীর নিকটে পাঠ করা যাইবে ও আবশ্যক হইলে সংশোধন করা যাইবে।
- (২) সাক্ষীর নিকট পাঠ করিবার সমরে যদি সে সাক্ষেরে কোন জংশ অশুদ্ধ কহে, তবে মাজিফ্টেট কি সেশন জজ ঐ সাক্ষ্য সংশোধন না করিয়া, তদ্বিষয়ে সাক্ষা যে আপত্তি করে তাহার মর্ম লিখিতে পারিবেন ও তাহাতে আপনার যে মন্তব্য কথা লেখা আবশ্যক বোধ করেন লিখিবেন।
- (৩) সাক্ষ্য যে ভাষায় দেওয়া গেল ভদ্তিম অন্য ভাষায় লেখা গেলে ও যে ভাষায় লেখা গেল সাক্ষা ভাহা বৃথিতে না পারিলে থে সাক্ষ্য লেখা গিরাছে ভাহা যে ভাষায় দেওয়া যায় সেই ভাষায় কিম্বা সাক্ষা অন্য যে ভাষা বৃথিতে পারেন এমত ভাষায় তাঁহাকে বৃথাইয়া দিতে হইবে।

৩৬১ ধারা। (১)

সাক্ষ্য অনুবাদ করিয়া
অভিযুক্ত ব্যক্তিব কি তাহাব
উকীলেব নিকটে ব্যক্ত হইবার কথা।

অভিযুক্ত ব্যক্তি শ্বয়ং উপস্থিত
হইলে ও সাক্ষ্য যে ভাষায়
দেওয়া গেল তাহা বুঝিতে না
পারিলে সে যে ভাষা বুঝে সেই
ভাষায় অহ্বাদ করিয়া ভাহা
যুক্তদার আদালতে ভাহার

# নিকটে ব্যক্ত করা যাইবে।

- (২) অভিযুক্ত ব্যক্তি উকীলের দ্বারা উপস্থিত হইলে ও আদালতের ভাষা ভিন্ন অন্য ভাষায় সাক্ষ্য দেওয়া গেলে ও উকীল ঐ ভাষা না ব্ঝিলে, ঐ সাক্ষ্য আদা-লতের ভাষায় অহ্বাদ করিয়া উকীলের নিকটে ব্যক্ত করা যাইবে।
- (৩) রীতিমত প্রমাণস্বরূপ দলীল উপস্থিত করা গোলে আদালত সেই দলালের যে অংশের অর্থ করিয়া দেওয়া আবশ্যক জ্ঞান করেন সেই অংশের অর্থ করিয়া দিবেন।

৩৬২ ধারা। (১) যে প্রত্যেক মোকদ্দমায় কোন প্রেসিডেন্সী মাজিস্টেট হুইশত প্রাদানতে সাক্ষ্য লিশিবদ্ধ করণেব কথা।
 সম্মাসের অধিক অর্থনণ্ডের কিম্বা ছয় মাসের অধিক কারানণ্ডের আজ্ঞা করেন, তদ্রূপা প্রত্যেক মোকদ্দমায় তিনি সাক্ষীদের সাক্ষ্য স্বহস্তে লিখিয়া লইবেন কিম্বা মজ্জ্বার আদালতে আপন কথনমতে

মোকদ্দমায় তিনি সাক্ষীদের সাক্ষ্য স্বহস্তে লিখিয়া লইবেন কিশ্বা মুক্তদ্বার আদালতে আপন কথনমতে লেখাইয়া লইবেন। তদ্রপো যে সকল সাক্ষ্য লিখিয়া লওয়া যায় তাহাতে মাজিস্টেট স্বাক্ষর করিবেন ও তাহা কাগজপত্রের একাংশ হইবে।

- (২) তদ্রাপে যে সাক্ষ্য লিখিয়া লওয়া যায় তাহা সচরাচর ব্রন্তান্তের মত লেখা যাইবে, কিন্তু মাজিক্টেট স্থীয় বিবেচনামতে কোন বিশেষ প্রশ্ন কি উত্তর লিখিয়া বা লেখাইয়া লইতে পারিবেন।
- (৩) ৩৫ ধারামতে একই কালে যেং দণ্ডের আজ্ঞা হয় তৎসমুদয় এই ধারার কার্য্যপক্ষে একই দণ্ড বলিয়া বিবেচিত হইবে।

৩৬৩ ধারা। যে ছলে সেশন জজ কিয়া মাজিফ্রেট

সাক্ষীর আচরণ বিষয়ে

মন্তব্য কথা।

যজপ আচরণ করে তিছিষয়ে
তিনি কোন কথা লেখা প্রয়োজনীয় জ্ঞান করেল, তাহাও
লিপিবদ্ধ করিবেন।

ত ৬৪ ধারা। (১) কোন মাজিক্টেট কর্তৃক কিয়া রাজকীয় সনন্দরলৈ সংস্থাপিত অভিযুক্ত ব্যক্তিব দাখ্য হাই কোর্ট ভিন্ন ও পঞ্জাবের চীফ কোর্ট ভিন্ন কোন আদালত কর্তৃক অভিযুক্ত ব্যক্তির পরীক্ষা লওয়া গেলে, ভাহার নিকট যেং প্রশ্ন হয় ও সে যেং উত্তর দেয় ভাহা যে ভাষায় ভাহার পরীক্ষা হয় সেই ভাষায় কিয়া উহা অসাধ্য হইলে আদালতের ভাষায় বা ইংরাজী ভাষায় বিস্তারিভরপো লিখিয়া লইতে হইবে, ও সেই লিখিত

কথা তাহাকে দেখান ঘাইবে কিন্তা তাহার নিকটে পাঠ করা যাইবে কিন্তা উহা যে ভাষায় লেখা হয় সে ভাহা না বৃথিলে সে যে ভাষা বৃথে সেই ভাষায় তাহাকে উহা বৃথাইয়া দিতে হইবে ও সে আপনার কোন উভরের ব্যাখ্যা করিতে বা তাহাতে অন্য কণা সংযোগ করিতে পারিবে!

٧.

- (২) সে যাহা সভ্য বলি । ব্যক্ত করে সমুদয়
  কথা সেইরপে লেখা গেলে পর অভিযুক্ত ব্যক্তি ও
  মাজিক্টেট কিয়া উক্ত আদালতের জজ্ঞ সাহেব ঐ
  লিখিত কথায় স্বাক্ষর করিবেন এবং উক্ত মাজিক্টেট
  কি জজ্ঞ সাহেব ঐ পরীক্ষা আমার দৃষ্টি ও শ্রুভিগোচরে
  লওয়া গিয়াছে ও অভিযুক্ত ব্যক্তি যাহা কহিল এই
  লিখিত কধায় তৎসমুদয়ের পূর্ণ ও শুদ্ধ বর্ণনা আছে
  স্বহন্তে এই সার্টিধিকেট লিখিয়া দিবেন।
- (৩) মাজিফ্রেট কি সেশন জজ আপনি অভিযুক্ত ব্যক্তির উত্তর লিপিবদ্ধ না করিলে ঐ ব্যক্তির পরীক্ষা হওন সময়ে আদালতের ভাষায় কিছা ইংরাজী ভাষায় তাঁহার উপযুক্ত জ্ঞান থাকিলে ইংরাজী ভাষায় তাঁহার উপযুক্ত জ্ঞান থাকিলে ইংরাজী ভাষায় ঐ উত্তরের মর্মাত্মক কথা তিনি প্রেসিডেন্দী মাজিফ্রেট কি জজ আপন হাতেই ঐ মর্মাত্মক কথা লিখিয়া স্বাক্ষর করিবেন ও তাহা কাগজপত্রের সামিল করা যাইবে। মাজিফ্রেট কি জজ প্রেবাক্ত প্রকাক্ত প্রকাক্ত কারন লিপিব্র করিবেন।
- (৪) ২৬৩ ধারামতে অভিযুক্ত ব্যক্তির যে পরীক্ষা লওয়া যায় তৎপ্রতি এই ধারার কোন কথা যে বর্তিবে এরপ জ্ঞান করা যাইবে না।

তঙ্৫ ধারা। কোর্টের সম্মুখে যে মোকদ্দমা উপস্থিত
করা যায়, সেই মোকদ্দমায়
লাইকোর্টে দাক্ষ্য যেবলপ
লিখিয়া লওয়া
আইবে বাজকীয় সনন্দবলে
সংস্থাপিত প্রত্যেক হাই কোর্ট ও
পঞ্জাবের চীফ কোর্ট সময়েই ইহার সাধারণ বিধি
করিতে পারিবেন ও তদ্রপ কোন বিধি করা গেলে

ঐ কোর্টের জজ্জেরা সেই বিধিমতে সাক্ষ্য কি সাক্ষ্যের

২৬ ষড়বিংশ অধ্যায়। . নিশভি বিষয়ক বিধি।

নিম্পত্তি যে প্রকাবে প্রকাশ কবিতে হইবে ভাহার ৩৬৬ **ধারা**। (১)—— কথা।

মৰ্ম লিখিয়া লইবেন।

(ক) মুক্তদার আদালতে বিচার শেষ ছইবার অব্যবহিত পরেই অথবা তৎপারবর্ত্তী যে সমৃয়ের স্থাটিস পক্ষাগণকে কিছা তাহাদের উকীলদিগকে দেওয়া যাইবে সেই সময়ে, এবং (খ) আদালতের স্থায়ায় অগবা অপার যে ভাষা
 অভিযুক্ত ব্যক্তি কিয়া তাহার উকীল
 বঝেন সেই ভাষায়—

২৬৩ ধারা ও ৩১০ ধারার (খ) দকার বিধানাধীনে সরেনও বিচারাধিকারবিশিষ্ট কোন কৌজদারী আদা-লতের প্রত্যেক বিচারের নিম্পত্তি প্রকাশ করা যাইবে কিন্তা উহার সারাংশ বুঝাইয়া দেওয়া যাইবে।

কিন্তু অভিযোক্তাপক অথবা অভিযুক্তপক যদি অধ্যক্ষতাকারী জজকে সমস্ত নিপত্তি পড়িয়া শুনাইবার নিমিত্ত অহ্যরোধ করেন তাহা হইলে অধ্যক্ষতাকারী জজ ভাহা করিবেন।

- (২) যে ছলে বিচারকালে অভিযুক্ত ব্যক্তির নিজের উপস্থিতি অনাবশ্যক বলিরা আদেশ করা হয় এবং দশুজা কেবল মাত্র জরিমানার দণ্ডাজা সে ছলে নিশান্তি তাহার উকীলের সমক্ষে প্রকাশ করা যাইতে পারিবে। কিন্ধু সেই ছল ছাড়া অন্য ছলে নিশান্তি পাঠ শুনিবার জন্য অভিযুক্ত ব্যক্তি হেকাজতে থাকিলে ভাহাকে আনা যাইবে এবং হেকাজতে না থাকিলে ভাহাকে উপস্থিত হইবার নিমিক্ত আদালত কর্তৃক আদেশ করা যাইবে।
- (৩) কোন কোজদারী আদালতের নিপান্তি পাঠ করিবার নিমিত্ত যে দিন ও স্থানের স্থানিদ দেওয়া হয় কোন পক্ষ কিয়া ভাহার উকীল সেই দিনে বা স্থানে কেবল মাত্র অমুপস্থিত থাকিবার দক্ষন কিয়া ঐ দিন ও স্থানের স্থাটিদ পক্ষগণের উপর কিয়া ভাহাদের উকীল-দিগের উপর কিয়া ভাহাদের মধ্যে কাহারও উপর কেবল মাত্র জারা না করিবার দক্ষন কিয়া জারা করিতে কেবল মাত্র কোন দোষ ঘটিবার দক্ষন সেই পঠিত নিপান্তি অসিদ্ধ বলিয়া গণ্য হইবে না।
- (৪) এই ধারায় যাহা কিছু আছে তাহার এরপ অর্থ করা যাইবে না যে তদ্ধারা ৫৩৭ ধারার বিধানের ব্যাপ্তি কোন রকমে সঙ্কৃচিত হয়।

তঙ্গ ধারা। (১) এই আইনে প্রকারান্তরের স্পষ্ট
বিধান না থাকিলে আদালতের

• যে ভাষায় নিশান্ত
লিখিতে হংবে তাহার
কথা।

কিইংরাজী ভাষায় নিশান্ত
লিখিবেন; ও যে বিষয় কি
বে বে বিষয় নির্বার্থে উপস্থিত করা যায় ও ভরিষয়ে

মাহা নির্বায় হয় ও সেই নির্বারিক তাহার কথা।

ধাবিবে তাহার কথা।

বিচারপতি মুক্তদার আদালতে তাহা প্রকাশ করিবার

(২) কোন অপরাধ নির্ণয় ছইলে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের কি অন্য আইনের যে ধারামতে
ভাভযুক্ত ব্যক্তির যে অপরাধ নির্ণয় হয় এবং কোন
দণ্ডের আজ্ঞা হইলে যে দণ্ডের আক্রা হয় নিশ্পত্তিপত্তে
ভাহার নির্দেশ থাকিবে।

সময়ে তারিখ লিখিয়া তাহাতে স্বাক্ষর করিবেন।

- (৬) ভারতবর্ষের 'দগুবিধির আইনমতে অপরাধ একতব অপবাধ নির্ণয়েব ধারার মধ্যে কোন্ ধারার অন্তর্গত কিম্বা একই ধারার থই ভাগের মধ্যে কোন্ ভাগের অন্তর্গত এই বিষয়ে সংশয় হইলে আদালত তাহা স্পষ্ট জানাইয়া উক্ত এক কিম্বা অন্য ধারা কি ভাগক্রমে নিম্পত্তি করিবেন।
- (৪) যদি নির্দ্ধাষ করণরূপ নিম্পত্তি হয় তবে ঐ পত্তে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে যে অপরাধ সম্বন্ধে নির্দোষী করা গেল তাহা লিখিয়া ঐ ব্যক্তিকে মুক্ত করিয়া দিবার আজ্ঞা থাকিবে।
- (৫) অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রাণদণ্ডে দণ্ডনীয় অপরাধ নির্ণয় হইলেও আদালত প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা ভিন্ন অন্য কোন দণ্ডের আজ্ঞা করিলে, আদালত যে বিবেচনায়া প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা করেন নাই ভাহার কারণ লিখিয়া দিবেন।

কিন্ত ক্রের ছারা বিচার হইলে আদালতের নিপাতি লিখিবার আবশ্যকতা নাই, কিন্তু দেশন আদালত ক্রের নিকট উপদেশ বাক্যের মূল কথা লিখিবেন।

৩৬৮ ধারা। (১) কোন ব্যক্তির প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা প্রাণদন্ডের আজ্ঞার কথা। হইলে সে যাবৎ না মরে তাবৎ তাহার গলদেশে উদ্বন্ধন থাকিবে দণ্ডাজ্ঞার মধ্যে এই আজ্ঞা হইবে।

(২) যে ব্যক্তির উপর দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের আজ্ঞা হয় সেই ব্যক্তিকে আজ্ঞা কথা।
কিন্তির আজ্ঞার কথা।
হইবে, উক্ত আজ্ঞায় ইহার নির্দেশ থাকিবে না।

৩৬৯ ধারা। নিষ্পত্তিপত্তে স্বাক্ষর করা গেলে পর
৩৯৫ ধারার ও ৪৮৪ ধারার
আদালতের নিষ্পত্তি
প্রিবর্তন না কবিবার কথা।
ভূল সংশোধন করিবার নিমিত্ত
না হইলে হাই কোর্ট ভিন্ন যে আদালত ঐ নিষ্পত্তি
করিলেন সেই আদালতের দ্বারা তাহার পরিবর্তন কি
পুনর্ব্বিবেচনা হইতে পারিবে না।

৩৭০ ধারা। পূর্ব্বোক্ত বিধানমতে নিষ্পত্তি না লিখিয়া প্রেসিডেন্সী মাজিট্টেট প্রেসিডেন্সী মাজিট্টেটেব নিম্মলিখিত বিবরণ লিপিবদ্ধ করিবেন।—

- (ক) মোকদ্দমার ক্রমিক নম্বর।
- (খ) যে তারিখে অপরাধ করা যায় সেই তারিখ।
- (গ) বাদী থাকিলে তাহার নাম।
- (য) অভিযুক্ত ব্যক্তির নাম এবং ইউরোপীয় রুটিষ প্রজানা হইলে তাহার পিতার নাম ও বাদয়ান।

- (৬) যে অপরাধের নালিশ কি প্রমাণ হয় তাহা।---
- (চ) প্রতিবাদীর উত্তর ও তাহার পরীক্ষা করা গিয়া থাকিলে ঐ পরীক্ষা।
- (ছ) শেষ আজা।
- (জ) ঐ আজ্ঞার তারিখ। এবং
- (ঝ) মাজিফ্টেট কোন মোকদ্দমায় কারা
  দভের কিন্তা ২০০, টাকার অধিক
  অর্থদভের কি উভয় দভের আজ্ঞা
  করিলে, অপরাধ নির্বয় করিবার হেভুর
  সংক্ষেপ কথা।

৩৭১ ধারা। (১) **অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রার্থনামতে**, নিষ্পত্তির নকল অংবা সে ব্যক্তিংক অভিযুক্ত করিলে **সাধ্যমতে** ইচ্চ1 নিশতি বুঝাইয়া ও নকল তাহার নিজ ভাষায় কিখা দেওয়া যাহবাব কথা। আদালতের ভাষায় ভাহার অত্নবাদ অগৌণে ভাহাকে দেওয়া যাইবে। সমনের যোকদ্মা ভিন্ন অন্য মোকদ্মায় ঐ নকল বিনা খরচায় দেওয়া যাইবে।

- (২) সেশন আদালতে জুরি দারা বিচার হইলে জুরির প্রতি যে উপদেশ দেওয়া যায় তাহার দফা সমূহের নকল অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রার্থনাক্রমে ভাছাকে অগোণে বিনা শ্রচায় দেওয়া যাইবে।
- (৩) সেশন জজ কর্তৃক অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা হইলে, ইচ্ছা
  যে ব্যক্তিব প্রাণদণ্ডের
  আ্ঞা হয় ঠাহার কথা।
  আপীল করিতে পাইবে উক্ত
  জক্ষ সাহেব ইহাও তাহাকে জানাইবেন।

৩৭২ ধারা। আসল নিষ্পত্তি মোকদ্দমা ঘটিত কাগজ পত্তের নথাতে দেওয়া যাইবে নিষ্পত্তি যে দেওয়া যাইবে নিষ্পত্তি যে দেওয়া বাছবৈ বাদ কবিতে কইবে তাহার লভের ভাষায় লিখিত না হইয়া অন্য ভাষায় লেখা গোলে ও অভিযুক্ত ব্যক্তি প্রার্থনা করিলে আদালতের ভাষায় তাহার অনুবাদ মোক।মার কাগজপত্তের মধ্যে রাখা যাইবে।

ত্বত ধারা। সেশন আদালতের বিচার হইলে যে

ক্ষেশন আদালতের
নিম্পত্তি পত্তের ও দণ্ডাজ্ঞাব
নকল জিলার মাজিটেট নিম্পত্তি ও দণ্ডাজ্ঞা থাকিলে
লাহেবের নিকট শাঠাইবার ভাহার নকল সেই জিলার
ক্ষা।

মাজিক্টেট সাহেবের নিকটে
পাঠাইবেন।

## २१ म श्रिक्ष व्यक्षाय ।

দৃঢ় করণার্থে দণ্ডাজ্ঞা অর্পণ বিষয়ক বিধি।

৩৭৪ ধারা। সেশন আদাসত প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা করিলে মোকদ্দমার কাগজপত্তি প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা অর্পণেব কথা। তালে এ দণ্ডাক্তা সাধন ইইবে না।

ত্ব ধারা। (১) মোকদমার কাণজপত্র তদ্রপে অাবো তদন্তবা অতি-বিজ্ঞ প্রমাণ লইতে আজ্ঞা করিবার ক্ষমতাব কথা। কি নির্দ্দোবিতার প্রতিপোষক কোন বিষয়ের আরও তদন্ত বা প্রমাণ লওয়া উচিত জ্ঞান করিলে তদ্রপ তদন্ত বা প্রমাণ ক্ষমং লইতে পারিবেন কিখা সেশন আদালত দ্বারা লইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

- (২) ছ্রির কি আসেসরদের সাক্ষাতে উক্ত তদন্ত বা প্রমাণ লওয়া যাইবে না ও হাই কোর্ট প্রকারান্তরে আজ্ঞা না করিলে যে ব্যক্তির অপরাধ নির্ণয় হইল প্রমাণ লইবার সময়ে তাহার উপস্থিত থাকিবার প্রয়ো-জন নাই।
- (৩) তদ্রপ তদন্ত বা প্রমাণ যদি লওয়া হয় তবে হাই কোট না হইলে তদন্দ লওয়ার ফল ও প্রমাণ হাই কোটে সার্টিফিকেট দ্বারা জ্ঞাত করা যাইবে।

দণ্ডাজ্ঞা দৃঢ় কি অপবাধ
নির্বা অন্যাথা করিতে হাই
কোটেব ক্ষমভার কথা।
ফিকারিভায় কি স্বা জ্রির দ্বারা
হইয়া বাকুক, হাই কোর্ট —

- (ক) ঐ দণ্ডাজ্ঞা দৃঢ় করিতে কিম্বা আইন অন্ধ-যায়ী অন্য কোন দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন, অথবা
- (খ) অপরাধ নির্ণয় অসিদ্ধ করিয়া সেশন আদাশত তাহার যে কোন অপরাধ নির্ণয় করিতে পারিতেন সেই অপরাধ নির্ণয় করিতে পারিবেন কিছা সেই কি সংশোধিত অন্য অভিযোগক্রমে পুনশ্চ বিচার হইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন, অথবা
- (গ) অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দ্ধোষ করিতে পারিবেন।

কিন্তু যাবৎ আপীল করিবার মিয়াদ গত না হয় কিন্তা ঐ মিয়াদের মধ্যে আপীল করা গেলে ঐ আপীলের নিশান্তি না হয়, তাবৎ এই ধারামত দৃঢ় করণের আজ্ঞা করা যাইবে না। চণণ ধারা। তদ্রপ প্রত্যেক অপিত মোকদ্মায়

দণ্ডাজ্ঞা দৃঢ় কবিবাব

কিখা বৃতন দণ্ডেব আজাতে

ইইজন লভেব ৰাজ্য তবে ঐ কোর্ট যে দণ্ডের আজ্ঞা

কবিবাব কণা।

দণ্ডাজ্ঞা কি অন্য আজ্ঞা করেন, ঐ কোর্টের ন্যুনকম্পে

তুই জন জজ ঐ আজ্ঞা করিয়া তাহাতে স্বাক্ষর

করিবেন।

ত্বদ ধারা। জজদের বেঞ্চের সমুখে তজ্ঞপা মাকদমার শুননী হইলে এবং মত এদ গ্রন্থা উক্ত জজেরা সমসংখ্যাক্রমে প্রালীর কথা।
ভিন্নমত হইলে, উক্ত মোকদমা তাহাদের মতসহ অন্য জজের সমুখে উপস্থিত করা যাইবে, এবং উক্ত জজ যজ্ঞাপে পরীক্ষা গ্রহণ ও প্রাবণ বিহিত বোধ করেন তাহা করিয়া আপন মত দিবেন এবং নিশান্তি কি আজ্ঞা সেই মতাম্যায়ী হইবে।

ত্র ধারা। সেশন আদালত হাই কোর্টের দ্বারা প্রাণ দণ্ডের আজ্ঞা দৃঢ় হইবার দণ্ডাজ্ঞা দৃঢ় হইবার জন্য মোকদ্দমা অর্পণ করিলে, হাই কোর্টে অর্পত হইলে হাই কোর্ট কর্তৃক ঐ আজ্ঞা দৃঢ় করা গেলে কিয়া অন্য

আজ্ঞা করা গেলে পর, ঐ কোর্টের উপযুক্ত কর্মনারী অগোণে ঐ হাই কোর্টের মোহরাঙ্কিত ও আপনার পদসম্পর্কীয় স্বাক্ষরে স্বাক্ষরিত ঐ আজ্ঞার নকল সেশন আদালতে প্রেরণ করিবেন।

৩৮০ ধারা। (১) আসিফান্ট সেশন জজের কি
৩৪ ধারামতে কর্মকারী জিলার
আগিপ্রান্ট দেশন জজের
৩৪ ধারামতে কর্মকারী
মাজিক্টেটের কৃত দণ্ডাজ্ঞা
দৃঢ় করণের কথা।
বা আডিশনল সেশন জজের
নিকটে অর্পিত হইলে, উক্ত

#### · **ভাজ** —

- (ক) ঐ দণ্ডাজ্ঞা দৃঢ় করিতে পারিবেন কিম্বা নিম্ন আদালত অন্য যে দণ্ডাজ্ঞা করিতে
- পারিতেন সেই দণ্ডাজ্ঞা করিতে পারিবেন কিয়া
- (খ) অপরাধ নির্ণয় অসিদ্ধ করিয়া নিম্ন আদালভ তাহার যে কোন অপরাধ নির্ণয় করিতে পারিতেন সেই অপরাধ নির্ণয় করিতে পারিবেন কিম্বা সেই কি সংশোধিত অন্য অভিযোগক্রমে পুনশ্চ বিচার হইবার বা সমর্পন করিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন কিম্বা
- (গ) অভযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দ্দোষ করিতে পারিবেন কিম্বা
- (গ) অভিযুক্ত ব্যক্তির দোষ কি নির্দ্দোষিতা সম্বন্ধে কোন বিষয়ের অধিকতর তদম্ভ • কি আরো প্রমাণ আবশ্যক বিবেচনা করিলে আপনি তদ্রপা তদম্ভ কি প্রমাণ

লইতে পারিবেন কিম্বা তজ্ঞপ তদস্ত লইবার কি প্রমাণ গ্রহণ করিবার আদেশ দিতে পারিবেন; কিম্বা

- (ঙ) অতিরিক্ত বা অন্য যে কোন আজ্ঞা ন্যায্য হয় ডাহা করিডে পারিবেন।
- (২) সেশন আদালত প্রকারান্তরের আজ্ঞা না করিলে যে ব্যক্তির অপরাধ নির্ণয় হয় উক্ত তদন্ত কি প্রমাণ লওন কালে তাহার উপস্থিত থাকিবার প্রয়োজন নাই; এবং আসিফান্ট সেশন জজ্ঞ কর্তৃক দণ্ডাজ্ঞা অর্পিউ হইলে উক্ত তদন্ত বা প্রমাণ ক্ষরির কি আসেদরদৈর সম্মুখে লওয়া যাইবে না।
- (৩) তদস্ত বা প্রমাণ যদি লওয়া হয়, তবে সেশন আদালত না হইলে ঐ তদস্তের ফল ও প্রমাণ সার্টিফিকেট দ্বারা উক্ত আদালতে জ্ঞাত করিতে হইবে।

२৮ जहीितश्य जधााय ।

আজ্ঞা সাধন বিষয়ক বিধি।

৩৮১ ধারা। সেশন আদালতের ক্বত প্রাণদণ্ডের অজ্ঞা দৃঢ় হইবার জন্য হাইকামে কার্য্য করাইবাব কথা

কোর্টের দৃঢ় করণের বা অন্য আজ্ঞা পাইলে, ওয়ারন্ট
দিয়া বা অন্য যে উপায় অবলম্বন করা আবশ্যক হয়
ভাহা করিয়া সেই আজ্ঞামতে কার্য্য করাইবেন।

৩৮২ ধারা। কোন দ্বীলোকের প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা হইলে যদি তাহাকে অন্তরাপাত্যা অন্তর্গাণত্যাব প্রাণদণ্ডের বলিয়া জ্ঞানা যায় তবে হাই-আজ্ঞা গৌণে দাধন করি-বাব বথা।

সাধন করিবার আজ্ঞা দিবেন এবং বিহিত বোধ করিলে দণ্ড পরিবর্ত্তন করিয়া যাব-জ্জীবন দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারি-বেন।

তচ্চত ধারা। তচ্ ধারায় যাহার বিধান হইয়াছে
তদ্ভিম স্থলে অভিযুক্ত ব্যক্তির
অন্যঙ্গলে বাণাভব প্রতি দ্বীপান্তর প্রেরণ কি
কারাদণ্ডের আজ্ঞা হইলে, যে
আদানত কারাম
বাখা হয় কিম্না রাখিতে হইবে, যে আদানত দণ্ডাজ্ঞা
করেন সেই আদালত তৎক্ষণাৎ সেই জেলে ওয়ারন্ট
পাঠাইবেন এবং অভিযুক্ত ব্যক্তি সেই জেলে আবদ্ধ
না থাকিলে, ওয়ারন্টের সক্ষে তাহাকেও উক্ত জেলে

৩৮৪ ধারা। বন্দী যে জেলে কি অন্য স্থানে আবদ্ধ
শাধনার্থ গুরাবন্টের
শিরোনামান কথা।
নামে কারাদণ্ড সাধন করিবার
প্র ত্যক ওয়ারন্ট দে ওয়া যাইবে।

হইবে।

৩৮৫ ধারা। বন্দীকে যদি জেলে আবদ্ধ রাখিতে হয় কারাবদ্ধ করিবার ওয়ারত ওয়াবট যাহাকে দিতে জেলরের হাতে দেওয়া হইবে ভাহাব কথা।

যাইবে।

তদও ধারা। অপরাধীর অর্থদণ্ড দিবার আজ্ঞা হইলে
অর্থদণ্ড আদারের ওয়ারুক্টের কথা।

ক্ষেত্র কথা।

ক্ষেত্র কথা।

ক্ষেত্র করিলের আজ্ঞা করিলের সেই আদালভ স্থীয়

বিবেচনামতে অপরাধীর অস্থাবর কোন সম্পত্তি ক্রোক
ও বিক্রয়করণ দ্বারা ঐ টাকা আদায় করিবার ওয়ারন্ট
প্রচার করিতে পারিবেন।

৩৮৭ ধারা। যে আদালত ঐ ওয়ারন্ট প্রচার করেন ঐ ওয়ারন্টের ফলের কথা।

তাঁহার বিচারাধীন স্থানের মধ্যে তদস্থায়ী কার্য্য করা যাইতে পারিবে এবং অপরাধার কোন অস্থাবর সম্পত্তি উক্ত আদালতের বিচারাধীন স্থানের বহিভূতি স্থানে থাকিলে সেই স্থান যে জিলার মাজিউেট সাহেবের বা প্রধান প্রেসিডেশী মাজিউেটের বিচারাধীন তিনি ওয়ারন্টের পৃষ্টে লিখিয়া দিলে তাহার সেই সম্পত্তির ক্রোক ও বিক্রয় হয় ঐ ওয়ারন্টে এই অস্থ্যতি থাকিবে।

৩৮৮ ধারা। (১) অপরাধীর প্রতি কেবল অর্থদভের আজ্ঞা হইলে ও অর্থদণ্ড না কারাদগুজো লাধন ক্গিড দেওয়াতে কারাদণ্ডের আজ্ঞা ৰাখিবাৰ কথা। হইলে এবং আদালত ৩৮৬ ধারা-মতে পরওয়ানা বাহির করিলে ঐ পরওয়ানা ফিরিয়া আনিবার নিরূপিত দিনে অপরাধী উক্ত আদালতের সন্মুখে যে উপস্থিত হইবে আদালতের বিবেচনামতে জামিন সহিত কি জামিন বিনা এই নিয়মে নিবন্ধপত্ৰ লিখিয়া দিলে, আদালত কারাদভাজা সাধন স্থগিত রাখিয়া **অপরাধীকে ছাড়িয়া দিতে পারি**'বন। নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার সময়াবধি ঐ পরওয়ানা ফিরিয়া আনিবার পনের দিনের অধিক সময় নিরূপণ হইবে মা। অর্থদণ্ড আদায় না হইলে আদালত অবিলম্বে কারাদণ্ডাজ্ঞা সাধন করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

(২) যে ছলে কোন জ্বরিমানা বা অর্থনণ্ড নির্দারিত করা হইরাছে ও তাহা ত্যাদায় না হইলে কারাদণ্ড করা যাইতে পারে এই ধারার বিধান সেই ছল সম্বন্ধেও খাটিবে।

৩৮৯ ধারা। যে জজ কি মাজিফ্রেট দণ্ডাজ্ঞা করেন তিনি অথবা তাঁহার কে ওয়ারন্ট দিতে শারেন উত্তরপদধারী দণ্ডাজ্ঞা সাধনের ইহাব কথা। ওয়ারন্ট দিতে পারিবেন।

৬৯০ ধারা। অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রতি কেবল কশাযাত দণ্ডের আজ্ঞা হইলে,
কেবল কশাঘাত দণ্ডেব আদালতের আদেশমত স্থানে
আজ্ঞামত কার্য্য হইবার
কথা
কথা
কথা

ত১১ ধারা। (১) যে মোকদমায় আপীল হইডে
পারে এমত মোকদমায় কোন
কাবাদণ্ডেব সহিত কণাযাত দণ্ডের আজা হইলে
ঐ আজা সাধনের কথা।
কণাযাত দণ্ডের আজা হইলে
ঐ দণ্ডাজ্ঞার তারিখ অবধি
পঞ্চদশ দিন গত না হইলে কিয়া তৎকালের মধ্যে যদি
আপীল হইয়া থাকে তবে আপীল আদালত ঐ দণ্ডাজ্ঞা
দৃঢ় না করিলে কণাযাত করিতে হইবে না ; কিপ্ত সেই
পঞ্চদশ দিন গত হইলে পার যত শীয় হইতে পারে
কণাযাত দণ্ড হইবে, কিয়া যদি আপীল হইয়া থাকে

(২) জজ কি মাজিষ্টেট সাহেব আপনার সমুখে দণ্ড দিবার আজ্ঞা না করিলে, জেলের অধ্যক্ষের সমুখে কশাঘাত দণ্ড দেওয়া যাইবে।

তবে আপীল আদালতের সেই দণ্ডের আজ্ঞা দৃঢ় করণ-

সূচক আজ্ঞা পাইলে পর যত শীঘ হইতে পারে দণ্ড

(৩) যে ছলে অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রতি কারাদণ্ডাতি-রিক্ত কশাঘাত দণ্ডের আজ্ঞা হয় সেই ছলে কারাদণ্ডের কাল তিন মাসের কম হইবে না।

৩৯২ ধারা। (১) ১৬ বৎসরের কি তাহার ঊর্দ্ধ্ব বয়সের ব্যক্তির সেই দণ্ডের ঐ দণ্ড যেকপে দাধন আজ্ঞা হইলে যাহার ব্যাস হইবে তাহাব কথা। অন্যুন আধ ইঞ্চি এরপ পাতলা বেত ছারা স্থানীয় গবর্ণমেন্ট যেরপে ও শরীরের যে স্থানে কশাঘাত করিবার আদেশ করেন তদস্সারে ঐ দণ্ড হইবে। অপরাধী ধোল বৎসরের ন্যুন বয়স্ক হইলে পাঠশালার শাসনের ন্যায় লঘুবেত্রে প্রহার হইবে।

আগাতের উর্জ্ সংখ্যার (২) কোন স্থলে উক্ত দণ্ড
কথা!

৩০ ঘার অধিক হইবে না।
৩৯৩ ধারা। কশাঘাত দণ্ড ভাগ ২ করিয়া সাধ্য
করিতে হইবে না; এবং নিম্নভাগ্য কবিয়া না মাবিবাব
কথা।

কথা।

কশাঘাত দণ্ড হইবে না, যথা

মৃক্ত থাকার কথা। (ক) দ্বীলোকদের,

- (খ) যে পুরুষদের প্রাণদণ্ড বা দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ড বা দণ্ডরূপ পরিশ্রাম বা পাঁচ বৎসরের অধিক কালের কারাদণ্ডের শাক্তা হয় তাহাদের।
- (গ) যে পুরুষদিগকে আদালত পঁয়তাল্লিশ বৎসরের অধিক বয়ক্ষ বিবেচনা করেন সেই পুরুষদের।

৩৯৪ ধারা। (১) শরীরের স্বাস্থ্য বিবেচনায় অপরাধী ঐ দণ্ড সহ্য করিতে
অপরাধীর শরীর অস্ত্র পারে চিকিৎসক বর্তমান
গাকিলে ঐ দণ্ড না হইবার
কথা।

গাকিলে কিয়া ইহার সার্টিফিকেট
দিলে কিয়া চিকিৎসক না
গাকিলে উৎস্থানে উপস্থিত মাজিস্টেট কি কর্মচারী
এইরপা বোধ করিলে ঐ কশাঘাত দণ্ড সাধন হইবে,
নতুবা নয়।

(২) কশাঘাত করা যাইটেডছৈ এমন সমর্চর অপরাধী
শরীরগতিক বিবেচনার তাহার
দত্যাখন স্থানত হইবার আর প্রহার সহ্য ইয় না
ভিনিৎসক ইছা সংশিতরূপে
কহিলে কিম্বা মাজিক্টেট কি যে কর্মচারী উপস্থিত থাকেন
ভিনি এমত বোধ করিলে দণ্ড একবারে স্থগিত করা
ফ্রাইবে।

ভ৯৫ শ্বারা। (১) ত৯৪ শ্বারামতে কশাঘাত দণ্ডের আজ্ঞা হইমাও ভাষা সম্পূর্ণ-ত৯৪ ধাবামতে দণ্ড হইতে স্না পাবিলে খাহা কর্ত্তন্য ভাহার কথা। হইবার বাধা হইলে, যে আদা-লভ ঐ দণ্ডের আজ্ঞা করেন

সেই আদালত যতকাল ঐ দণ্ডাজ্ঞা সংশোধন না করেন ততকাল অপারাধীকে হেফাজতে রাখিতে হইবে: ও সেই আদালত স্থায় বিবেচনামতে দণ্ডাজ্ঞা রহিত হইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন, অথবা কলাঘাত দণ্ডের পারি-বৈর্দ্ধে কিয়া ঐ দণ্ডের যে অংশ দেওয়া ঘাইতে পারে নাই তৎপরিবর্দ্ধে তাহার বার মাদের অন্থিক কারাদণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন, এমন ইলে সেই অপারাধের নিমিন্তে কলাঘাত ভিন্ন অপারাধীর অন্য দণ্ডের আজ্ঞা হইলে ঐ কারাদ্ভ তদ্ভিরিক্ত হইবে।

(२) অভিযুক্ত ব্যক্তি আইনমতে যত কালের কারাদণ্ডের যোগ্য কিম্ব। কোন আদালত যত দণ্ডের আজ্ঞা
করিতে সক্ষম এই ধারীর কোন কথাক্রমে উক্ত আদাদত্তের প্রতি তদধিক করিনিও দিবার ক্ষমতা দেওয়া
গেল এরপ জ্ঞান করিতে হইবে না।

৩৯৬ গোরা। (১) পালাতক বন্দির প্রতি এই আইনমতে প্রাণদণ্ডের কি অর্থদণ্ডের
শিলাতক বন্দিদেশ উশার কি কশাঘাত দণ্ডের আজ্ঞা
দণ্ডাপ্র। সাধন কবিবাৰ
হুইলে পূর্বালিখিত বিধানের
নিম্নাধীনে তৎক্ষণাৎ ঐ দণ্ডের
আজ্ঞানতে কাট্য হুইবে এবং কারাদণ্ডের কি দণ্ডরপ
পারিশ্রম কি দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের আজ্ঞা হুইলে নিম্নলিখিত বিধিক্রমে কার্য্য হুইবেঃ—

- (২) পলাতক বন্দী যে দণ্ড ভোগ হইতে পলায়ন করে, তদপেক্ষা কঠিন প্রকারের দণ্ডের আজ্ঞা হইলে, তৎক্ষনাৎ ঐ মৃত্য মণ্ডের আজ্ঞামতে কার্য্য ছইবে।
- (৩) বন্দা বৈ দণ্ড ভোগ হইতে পলায়ন করে নৃতন লণ্ডের আজ্ঞা তদপেকা কঠিন প্রকারের না হইলে পলা-ম্বন সম্মারে তাহার সেই পূর্ব কারাদণ্ড কিম্বা স্থল বিশেষে ক্ষত্তরূপ পরিপ্রাম দ ও কি ছাপান্তর প্রেরণ দণ্ড ভোগের মত কাল রাকি ছিল আর ওতকাল ঐ দণ্ডভোগের পরে ঐ মৃতন দঞ্জের আজ্ঞায়তে কার্য্য হইবে।

ব্যা**খ**্য। —এই ধারার কার্য্য**পক্ষে** —

- ক) কারাদভের অপেকা দ্বীপান্তর জোরণ কি
  দশুরপ পরিপ্রায় দশুর আজ্ঞা কঠিন জ্ঞান
  হইবে।
- (খ) নির্জন কারাবদ্ধ হওনের আজা বিনাযে কারাদণ্ডের আজা হয়, তদপেকা নির্জন

কারাবদ্ধ 'হঁওন সহিত সেই 'প্রকারের কারাদণ্ডের আজ্ঞা কঠিন জ্ঞান হইবে; 'ও

(গ) নির্জ্জন কারাবদ্ধ হওনের আজ্ঞা 'সহিত কি তদ্বিনা সামান্য কারাদণ্ড অপেকা কঠোর কারাদণ্ডের আজ্ঞা কঠিন জ্ঞান হইবে।

৩৯৭ ধারা। কোন ব্যক্তি কারাদণ্ড কি দশুরূপ পরিশ্রম দণ্ড কি **বীপান্তর** এক অপনাধের দণ্ডভোগী ভাপরাধীর উপন অন্য অপ-রাধের দণ্ডের কথা। এমন সময়ে যদি আবার দণ্ডাজ্ঞা ইইয়া তাহার কারাদণ্ডের কি

দণ্ডরপ পরিশ্রম দণ্ডের কিম্বা দ্বীপান্সর শ্রেরণ দণ্ডের আজ্ঞা হয়, তবে পূর্বে আজ্ঞামতে কারাদণ্ডের কি দার্ডরপ পরিশ্রম দণ্ডের কি দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের মিয়াদ ফুরাইলে ঐ দ্বিতীয় কারাদণ্ডের কি দণ্ডরূপ পরিশ্রম দণ্ডের কি দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের আরম্ভ হইবে।

কিন্তু যৎকালে কারাদও ভোগ করিতেছে তৎকালে তাহার অন্য অপরাধ প্রমাণ হইয়া দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের আজ্ঞা হইলে, সেই দণ্ডভোগ অগোণেই অথবা পূর্ব আজ্ঞামতে কারাদণ্ডের মিয়াদ ফুরাইলে পর আরম্ভ হংবে, কোট স্থায় বিবেচনামতে ইহার একতর আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

৩৯৮ ধারা। (১) পূর্ব্ব কি পশ্চাৎক্বত অপরাধ নির্বয়ত্র যে কোন ব্যক্তি যে দণ্ডের যোগ্য হয়, ৩৯৬ কি ৩৯৭ ধারার কোন কথা দারা তাহার কোন অংশ ক্ষমা করা হইল এমত জ্ঞান করিতে ইইবে না।

(२) মূল কারাদণ্ডের কিছা কারাদণ্ডে দণ্ডনীয় অপরাধের নিমিত্ত দ্বীপান্দর প্রেরণ দণ্ডের কি দণ্ডরূপ
পরিশ্রম দণ্ডের আজ্ঞাব সঙ্গে সংযুক্ত অর্থদণ্ড না
দেওয়াতে কারাদণ্ডের আজ্ঞা হইলে, এবং যে ব্যক্তি
সেই মূল দণ্ড জোগ করিতেছে এ দণ্ডাজ্ঞা সাধন হইলে
পার তাহার আর এক কি অধিক মূল কারাদণ্ড কি
দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ড কি দণ্ডরূপ পরিশ্রম দণ্ড ভোগ
করিতে হইলে, সেই বাজির ঐ এক কি অধিক মূল দণ্ড
ভোগ না হওয়া পর্যান্ত অর্থ দণ্ড না দেওয়াতে যে
কারাদণ্ডের আজ্ঞাহয় তাহা ফলবৎ করা যাইবে না।

৩৯৯ ধারা। (১) কোন ত্রপরাধের নিমিত্তে কৌজ-দারী আদালত কর্তৃক পুনর অপরাধী-বৎসরের মূ্যন বয়সের কোন मिगरक **চরিত্র সংশোধনা**-ব্যক্তির কারাদভের আজা লয়ে বন্ধ করিবাব কথান **२**ह्८न, তাহাকে অপরাধা-দের কারাগারে বদ্ধ না করাইয়া চরিজ্ঞ সংশোধনার্থ ঘে আলয়ে উপযুক্তমত শাসম করিবার ও উপকারজনক কোম শিম্পবিদ্যা শিক্ষা করিবার সন্থপায় থাকে, ছামীয় গ্রন্মেন্ট এমত যে সংশোধনালয় বালকদের বদ্ধ থাকাল্প উপযুক্ত স্থান বলিয়া স্থাপন করেন, অথবা ডব্ৰূপ ষে আসমের কর্তা ভধ;কার বদ্ধ ব্যক্তিদের শাসন ও পাল-

মাদি বিষয়ে গবর্ণমেন্টের বিধিমতে কার্য্য করিতে সম্মত হন, ঐ আদালত উক্ত অপরাধী বালকের সেই স্থানে বন্ধ হংবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

- (২) যাহারা এই ধারামতে বদ্ধ হয়, তাহারা তদ্রূপে নির্দ্দিউ বিধির অধীন থাকিবে।
- (৩) এই ধারার কিন্তা ৩৯৭ ও ৩৯৮ ধারার কোন কথাক্রমে চরিত্র সংশোধনার্থ বিদ্যালয় বিষয়ক ১৮৯৭ সালের আইনের বিধানের কোন বিদ্ব হইবে না।

8 ০ থারা। দণ্ডাজ্ঞামত কার্য্য সম্পূর্ণরূপে সাধন করা গেলে পার, যে কর্মচারী দণ্ডাজ্ঞা সাদন হইলে তাহা সাধন করিলেন তিনি ধ্রুয়াবট ফিরাইয়া পাঠাই- তাহা যেরূপে সাধন করা বার কথা। গিয়াছে ওয়ারন্টের পৃষ্টে

ভাহার সার্টিফিকেট লিখিয়া স্বাক্ষর করিয়া যে স্বাদালত হইতে ওয়ারন্ট বাহির হয় সেই স্বাদালতে ফিরাইয়া পাঠাইবেন।

### ২৯ উনত্রিংশ অধ্যায়।

দণ্ড ছগিত রাখিবার ও ক্ষমা করিবার ও পরিবর্ত্তন করিবার বিধি।

৪০১ ধারা। (১) কোন অপরাধের নিমিত্তে কোন
ব্যক্তির দণ্ডের আজ্ঞা হইলে
দণ্ড দ্বগিত হাথিবাব কি
দ্বানা কবিবাব ক্ষমতাব কথা।
সাবর্ধমেন্ট কোন সময়ে নিয়ম ব্যতিরেকে কিম্বা ঐ ব্যক্তি
যে নিয়ম গ্রাহ্য করে এমত নিয়ম করিয়া সেই দণ্ডাজ্ঞা
সাধন স্থগিত করিতে কি তৎপ্রতি যে দণ্ডের আজ্ঞা হয়
সোহ সম্পূর্ণ দণ্ড বা ভাহার এক অংশ ক্ষমা করিতে
পারিবেন।

- (২) মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহে-বের অথবা স্থানীয় গবর্ণমেন্টের নিকটে দণ্ড স্থগিত কি ক্ষমা করিবার নিমিন্ত প্রার্থনা করা গেলে, যে আদালতের সন্মুখে অপরাধ নির্ণয় হয় কিন্বা যে আদালত কর্তৃক ঐ অপরাধ নির্ণয় দৃঢ় করা ধায় মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব কি, স্থলবিশেষ, স্থানীয় গবর্ণমেন্ট সেই আদালতের কর্তৃপক্ষকে উক্ত প্রার্থনা গ্রাহ্য করা উচিত কি না এই বিষয়ে আপনার মত ঐ মতের গেং ক্রেডু থাকে তাহা লিখিয়া পাঠাইবার আদেশ করিতে পারিবেন।
- (৩) যে কোন নিয়মে কোন দণ্ড স্থগিত বা ক্ষমা করা যায় মন্ত্রিসভাধিন্তিত শ্রীযুত গবর্ণর জ্বেনরল সাহে-বের কিম্বা স্থলবিশেষে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের বিবেচনায় সেই নিয়ম পালিত হয় নাই বোধ হইলে, মন্ত্রিসভাধিন্তিত শ্রীযুত গবর্ণর জ্বেনরল সাহেব কিম্বা স্থানীয় গবর্ণমেন্ট সেই স্থগিত করণ কি ক্ষমা রহিত করিতে পারিবেন। তাহা হইলে যে ব্যক্তির অন্ত্র্লে দণ্ড

ছগিত হইরাছে বা ক্ষমা করা গিয়াছে, দেই ব্যক্তি মুক্ত থাকিলে কোন পোলীল কর্মচারী তাহাকে ওয়ারক বিনা ধরিতে পারিবেন এবং দণ্ডের অবশিষ্ট অংশ ভোগ করি-বার জ্বন্য তাহাকে ফিরিয়া পাঠান যাইতে পারিবে।

- (৪) এই ধারামতে যে নিয়মে দণ্ড স্থগিত কি ক্ষমা করা যায়, দেই নিয়ম যে বংক্তির অন্তকুলে দণ্ড স্থগিত কি ক্ষমা করা হয়, দেই ব্যক্তি কর্তৃক পালনীয় নিয়ম হইতে পারিবে, অথবা তাহার ইচ্ছাধীন নহে এরপ নিয়ম হইতে পারিবে।
- (৫) শ্রীশ্রীমতী মহারাণীর ক্ষমা করিবার কি দণ্ড গোণ কি স্থগিত করিবার কিম্বা দণ্ড হইতে মুক্ত করিবার যে অধিকার আছে, এই ধারার কোন কথাক্রমে তাহার ব্যাঘাত হইল এমন জ্ঞান করিতে হইবে না।
- (৬) মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব ও স্থানীয় গবর্ণমেন্ট সাধারণ বিধি বা বিশেষ আজ্ঞা-ক্রমে দণ্ডাজ্ঞা স্থগিত করণ সম্বন্ধে ও যে সকল নিয়মে দরখাস্ত দিতে হইবে ও তাহা লইয়া কার্য্য হইবে তৎ-সম্বন্ধে আদেশ প্রদান করিতে পারিবেন।

৪০২ ধারা। কোন ব্যক্তির নিম্নলিখিত কোন দণ্ডের আজ্ঞা হইলে মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত দণ্ড পার্বির্ত্তন করিবার ক্ষমতাব কথা।
কিন্তা স্থানীয় গবর্ণমেন্ট ঐ ব্যক্তির সম্মতির অপেকা না করিয়া কোন দণ্ডের পারি-বর্ত্তে তৎপশ্চাত্বলিখিত অন্য কোন দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

প্রাণদণ্ড, দ্বাপান্তর প্রেরণ দণ্ড, দণ্ডরূপ পরিপ্রাম. ঐ ব্যক্তির যত কারাদণ্ড হইতে পারিত তাহার অনধিক কালের কাঠোর কারাদণ্ড, এরূপ কালের নিমিন্ত সামান্য কারাদণ্ড, অর্থদণ্ড।

#### ৩০ ত্রিংশ অধ্যায়।

পূর্ব্ব নির্দোষ নিরূপণ কি অপরাধ নির্ণয় বিষয়ক বিধি ৷

৪০৩ ধারা। (১) কোন অপরাধের নিমিত্তে উপ-

যে ব্যক্তি একবাব অপরাধী কি নির্দেশী বলিয়া নির্ণয চইল তাহার দেই অপবাধে পুনধায় বিচাব না হইবাব কথা। যুক্ত ক্ষমতাপন্ন আদালত কর্তৃক কোন ব্যক্তির একবার বিচার হইয়া তাহার সেই অপারাধ নির্ণয় হইলে কিছা তাহাকে নির্দোষী করা গেলে, যত কাল সেই অপারাধ নির্ণয়ের কিছা

নির্দোষ করণের আজ্ঞা প্রবল পাকে, তত কাল সেই
অপরাধহেতুক, কিয়া ২০৬ ধারামতে তাহার নামে সেই
রক্তান্তমূলক অন্য যে অপরাধের অভিযোগ হইতে
পারিত কিয়া ২০৭ ধারামতে তাহার যে অপরাধ নির্ন
হইতে পারিত, এমত অন্য কোন অপরাধহেতুক তাহার
পুনর্ধিচার হইতে পারিবে না।

- (২) কোন ব্যক্তির কোন অপরাধ নির্ণয় ছইলে কিছা তাহাকে নির্দোষী করা গেলে, পর, যদি সেই বিচারকালে ২৩৫ ধারার ১ প্রকর্মতে তাহার নামে কোন অপরাধহেতুক স্বতন্ত্র অভিযোগ হইতে পারিত, তবে পশ্চাৎ দেই অপরাধের নিমিত্ত তাহার বিচার হইতে পারিবে।
  - (৩) কোন ক্রিয়া সম্পর্কে যে অপরাধ হয় কোন ব্যক্তির সেই অপরাধ নির্ব্য হইলে, সেই ক্রিয়া হইতে যে ফল উৎপন্ন হয় য়ি ঐ ক্রিয়া সহযোগে সেই ফলটি ঐ অপরাধ হইতে ভিন্ন অপরাধ হয়, তবে য়ে সময়ে ভাহার অপরাধ নির্ব্য হইল সেই সময়ে সে ফল না হইয়া থাকিলে, কিয়া হইলেও আদালত ভাহা অবগত না থাকিলে, শেষোক্ত অপরাধহেতুক সেই ব্যক্তির পশ্চাৎ বিচার হইতে পারিবে।
  - (৪) কোন ক্রিয়ামূলক কোন অপরাধে কোন ব্যক্তিকে নির্দোষ করা গেলে কিন্না তাহার অপরাধ নির্ণয় হইলে পর যদি ঐ ব্যক্তি সেই ক্রিয়ামূলক অন্য কোন অপরাধ করিয়া থাকে ও যে আদালত প্রথমে ভাহার বিচার করিয়া ছিলেন পশ্চাৎ ঐ ব্যক্তির সেই অন্য অপরাধের অভিযোগে সেই আদালত তাহার বিচার করিতে সক্ষম না হন তবে পূর্ব্বে নির্দোষী করা গেলেও কি অপরাধ নির্ণয় হইলেও সেই অন্য অপরাধ্হেতৃক পশ্চাৎ তাহার নামে অভিযোগ ও তাহার বিচার হইতে পারিবে।
  - (৫) এই ধারার কোন কথা ক্রমে সাধারণ ধারা বিষয়ক ১৮৯৭ সালের আইনের ২৬ ধারার কিম্বা এই আইনের ১৮৮ ধারার বিধানের ব্যাঘাত হইবে না।

ব্যাখ্যা।—নালিশ ডিসমিস করা গেলে, কিম্বা ২৪৯ ধারামতে কার্য্যান্ত্র্যান স্থগিত করা গেলে, কিম্বা অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ছাডিয়া দেওয়া গেলে কিম্বা ২৭৩ ধারামতে অভিযোগপত্রে কোন কথা লেখা গেলে, তাহা এই ধারার অভিপ্রায়ান্ত্র্যায়ী নির্দোষ করণ হয় না।

#### উদাহরণ।

- (ক) আনন্দ চাকর হইয়া চুরি করিয়াছে এই অভিযোগে বিচার হইয়া ভাহাকে নির্দোষ করা গেল। ভাহা হইলে ঐ নির্দোষ করণের আজ্ঞা প্রবল থাকিতে আনন্দের নামে সেই রক্তান্ত ধরিয়া চাকর স্বরূপ চুরি করিবার কি অপরাধভাবে বিশ্বাসঘাতকতা করিবার জন্য অভিযোগ হইতে পারিবে না।
- (খ) বধকরণাভিযোগে আনন্দের বিচার হইয়া তাহাকে নির্দোষ করা গেল। তৎকালে দস্যতার অভিযোগ হয় নাই কিন্তু যে সময়ে বধ করা হয় সেই সময়ে আনন্দ দস্যতাও করিয়াছিল র্জান্তবারা ইহা দৃষ্ট হইলে, তৎপশ্যাৎ তাহার নামে দস্যতা করণাপ-রাধের অভিযোগ ও সেই অভিযোগমতে তাহার বিচার হইতে পারিবে।

- (গ) গুরুতর পীড়া জন্মাইবার অভিযোগে আনন্দের বিচার হইরা তাহার অপরাধ নির্ব্ব হইল। যে ব্যক্তি পীড়া পায় পশ্চাৎ সেই ব্যক্তির মৃত্যু হইলে অপরাধ- । ঘটিত নরহত্যার নালিশে আনন্দের আবার বিচার হইতে পারিবে।
- (ঘ) বলরামকে দোষঘটিত নরহত্যা করণাপরাধে আনন্দের নামে দেশন আদালতে অভিযোগ হইয়া ঐ অপরাধ নির্ণয় হইল। তৎপরে সেই র্ভান্ত ধরিয়া বলরামকে বধ করণাভিযোগে ভাহার বিচার হইতে পারেবে না।
- (ও) আনন্দ ইচ্ছাপুর্বক বলরামের পীড়া জন্মাইয়াছে বলিয়া প্রথম শ্রেণীর মাজিষ্টেট তাহার নামে
  অভিযোগ করিয়া তাহার অপরাধ নিণয় করিলেন।
  তৎপরে সেই র্ভান্ত ধরিয়া এই ধারার ৩ প্রকরণায়যায়া মোকদ্দমা না হইলে, ইচ্ছাপূর্বক বলরামের গুরুতর
  পীড়া জন্মাইবার নিমিত্তে আনন্দের পুনশ্চ বিচার হইতে
  পারিবে না।
- (চ) আনন্দ বলরামের গাত্র হইতে দ্রব্য চুরি করে বলিয়া দ্বিতীয় শ্রেণীর মাজিস্টেট তাহার নামে অভি-যোগ করিয়া তাহার অপরাধ নির্ণয় করিলেন। সেই রভান্ত ধরিয়া আনন্দের নামে পুনশ্চ দফ্যতা করনের অভিযোগ হইয়া তাহার বিচার হইতে পারিবে।
- ছে) আনন্দ বলরাম ও চন্দ্র দিননাথের উপর দহ্যতা করিয়াছে বলিয়া প্রথম শ্রেণীর মাজিষ্টেট তাহাদের নামে অভিযোগ করিয়া তাহাদের অপরাধ নির্ণয় করিলেন। তৎপরে সেই রক্তান্ত ধরিয়া আন-ন্দের ও বলরামের ও চন্দ্রের নামে ডাকাইতা করিবার অভিযোগ হইয়া তাহার বিচার হইতে পারিবে।
- (জ) একই রভান্ত ধরিয়া ঘুইটি বিভিন্ন অপরাধে আনন্দের নামে অভিযোগ হইয়া তাহার একটি অপরাধ নির্ণয় হয় ও অপর অপরাধে তাহাকে নির্দোষ করা 
  যায়। যে অপরাধে ছোহাকে নির্দোষ করা হইয়াছে 
  আপীল আদালত ভাহার সেই অপরাধ নির্ণয় করিছে 
  পারিবেন এবং ভাহার যে অপরাধ নির্ণয় হইয়াছে সেই 
  অপরাধে ভাহাকে নির্দোষ করিতে পারিবেন।

### সপ্তাম খণ্ড।

আপীল ও অর্পণ ও সংশোধন করণের বিধি।

৩১ একত্রিংশ অধ্যায়।

### আপীলের বিধি।

৪০৪ ধারা। এই আইনমতে কিম্না অন্য যে আইন
যৎকালে চলিত থাকে সেই
প্রকারান্তবের বিধান না আইন মতে আপীল করিবার
থাঞ্চিলে আপীল না হউ বার কবা:
আদালতের কোন নিশান্তির
কি শাক্তার উপার আপীল হইবে না।

়ও ৫ ধার্মা। সম্পত্তি রা ভাহার বিক্রমোৎপদ্ম টাকা পাইবার শিমিত কোন ব্যক্তির ্ৰেক্ত্ত সম্পত্তি ফিরিয়া . ৮৯ খারামত প্রার্থনাপত্তি। কোন পাইবার প্রার্থনাপত্র অঞ্হা স্মাদালত স্থাগ্য করিলে, ঐ কবিবার আঞ্জার উপব আদালতের দণ্ডাজ্ঞার উপার আপীলের কথা। সাম্ভ্রাত: যে আদাদতে আপীল.হয় ঐ ব্যক্তি সেই আদারতে স্পাপাল করিতে

পারিবেন।

৪০৬ শারা। জিলার মাজিষ্টেট কি প্রেসিডেন্সী মাজিফ্রেট ভিন্ন অন্য কোন শ্লাচন্ত্রধশ্লামিন দিরার থাজি**ট্রেট** কোন ব্যক্তিকে ১১৮ আজার উপর জাশীল ধারামতে সদাচরণ করিবার করিবাব কথা। জামিন 'দিতে বা পোলাদের

ভাষাবধান। খানি হাপিত হইতে আজ্ঞা করিলে সে ্রিলার আজিটেট লাহেবের মিকট আপীল করিতে পারিবে।

৪০৭ ধারা। (১) দ্বিতীয় বা তৃতীয় শ্রেণীর কোন মাজিফ্টেটের বিচারক্রমে কোন ৰিতীয় কি তৃতীয় ভোণীৰ ব্যক্তির অপরাধ নির্ণয় হইলে ধ্বাব্দিট্টের দণ্ডাজ্ঞারাউপর কিম্বা ৩৪৯ ধারামতে দিভীয় আপীলের কথা। শ্রেণীর মহকুমার মাজিফ্টেটের ছারা কোম ব্যক্তির দণ্ডের আজ্ঞা হইলে, সেই ব্যক্তি াজিলার মাজিষ্টেট পাহেবের নিকট আশীল করিতে পারিবে।

(২) জিলার মাজিফেট এই ধারামত কোন আপীল ক্লি কোন ভোণীর আশীল श्रथम (खानीय मानिएड्रे-আপনার অধীন যে কোন প্রথম টের প্রতি কাদীল হস্তান্তব শ্রেণীর মাজিক্টেট স্থানীয় গবর্ণ-ক্ৰবিয়া দিবার<del> ক</del>ন্তা। মেন্ট হইতে তদ্ৰেপ প্ৰাণীল ভনিবার ক্ষমতা পাইয়াছেন সেই মাজিফ্রেট ভনিবেন বলিয়া আজ্ঞা করিছে পারিবেন।

তাহা হইলে উক্ত আপাল বা উক্ত শ্রেণীর আপীল ঐ ক্রধান মাজি-ফ্রেটের'নিকট উপস্থিত করিতে হইরে, কিম্বা জ্বিলার মাজিফেট সাহেবের নিকট পুর্বে উপস্থিত করা গিয়া ধাকিলে, উক্ত অধীন মাজিষ্টেটের প্রতি হস্তান্তর করিয়া দেওয়া হইবে। ঐব্ধপে যে কোন আপীল বা যে কোন শ্রেণীর শাপাল উপস্থিত করা বা হস্তা-স্তর করিয়া দেওয়া যায় জিলার মাজিফ্রেট সাহেব ভজাপ কোম মাজিফ্টেটের নিকট হইতে তাহা উঠাইয়া লইতে পারিবেন।

৪০ল ধারা। কোন ব্যক্তি আদিষ্টান্ট সে**শ**ন জজের বা জিলার মাজিফ্রেট লাহেবের का महोके मानन कक কিম্বা প্রথম শ্রেণীর অন্য মাজি-লা প্রথম; তে গীর মালিট্রে--ক্রেটের বিচারে অপরাধী নির্ণয় টের আন্তরার উপর ক্যাপী-হইলে, কিন্তা প্রথম শ্রেণীর লেব কথা। মাজিফেটের দ্বারা ৩৪৯ থালা-

মতে কোম ব্যক্তির দভের আজা হইলে, সেই ব্যক্তি সেশন আদালতে আপীল করিতে পারিবেন।

कि दूर (क) । एकान ध्याकमामा । जी निकेषि रंगनन জজ বা জিলার মাজিক্টেট সাংহ্বে যে প্রত্তের **পার্ছা** করেন ভাষা সেশন ক্ষাদালভের গৃঢ় করণ ক্ষাটেশক থাকিলে ঐরপ এত্যেক যোকজ্যার সাপীল হাই কোর্টে হইবে; কিন্তু যাবৎ সেশন আদালত মোকলমার নিস্পত্তি না করেন তাবৎ উপস্থিত করা যাইবে না।

(খ) ভদ্রপে কোন ইউরোপীয় রুটিষ প্রজার অপরাধ নির্বয় হইলে সেই ব্যক্তি ক্ষেচ্ছাক্রমে সেশন আদালতে কি হাই কোর্টে আপীল পারিবেন।

৪০৯ ধারা। সেশন আদালতে কিন্তা সেশন জজ সাহেবের নিকটে যে আপীন দেশন আপানভেজাপীল করা যায় তাহা সেশন জজ কিকপে শুনা ষাইৰে তাহাৰ সাহেব কি আডিশনল সেশন জজ সাহেব ভানিবেন।

সেশন জজ সাহেবের কিন্না আডি-৪১০ ধারা। শনল দেশন জজ সাহেবের সেশন আদালতের দও:-বিচারে কোন ব্যক্তির অপরাধ জ্ঞাৰ উপৰ আপীলেৰ কথা৷ নির্ণয় হইলে সে হাই কোর্টে আপীল করিতে পারিবে।

প্রেসিডেন্সী মাজিফ্রেটের বিচারমতে ৪১১ ধারা কোন ব্যক্তির অপরাধ নির্বয় প্রেদিডেকী মাজিট্রেটেব হইয়া ছয় মাদের অধিক দণ্ডাজ্ঞার উপৰ আপীলেব কারাদভের কিন্তা গুইশত টাকার 'অধিক অর্থদণ্ডের স্পাজ্ঞা হ'ইদে

ঐ ব্যক্তি হাই কোটে আপাল করিতে পারিবে।

৪১২ ধারা: পুর্বে ভাবান্তরের কথা থাকিলেও যে ছলে অভিযুক্ত ব্যক্তি নিজ ভাতিকৃত্ত খ্যাও লেখ দোষ স্বীকার করে ও তদহু-স্বীকার করিলে কোনং স্ফলে আপীল না হইবার কথা। সারে সেশন আদালত কিকোন মাজিফ্রেট তাহার অপরাধ নির্ণয়

করেন সেই স্থলে ঐ দণ্ডাজ্ঞার পরিমাণ কিম্বা ঐ **म्रांख्या पाइन मिन्न कि ना এ**ইং বিষয় *न*हेग्रा पं<mark>शीन</mark> হইতে পারিবে নতুবা আপীল **নাই**।

৪১৩ ধারা। পূর্বে ভাষাস্ভরের কথা থাকিন্সেও, দেশম আদালত কিম্বা কিলার ক্ষু এং মোকদ মায় আপীল মাজিফেট লাহেষ ৰা প্ৰখম না হইবাব কথা। শ্রেণীর জন্য মাজিফ্রেট যে মোকন্দমায় কেবল এক মাসের অন্ধিক কারালভের কি কেবল পঞ্চাশ টাকার অনধিক অর্থদণ্ডের কি কেবল কলাখাত দভের আজ্ঞা করেন, সেই মোকদ্দমায় আপীল

वाभा। – मृनमर्खं मह्भा कातामर्खंत जाका मा হইয়া যদি উক্ত আদাশত, কি মাজিফ্টেট অৰ্থদন্তের টাকা না দেওয়া প্রযুক্ত কারাদণ্ডের আজা করেন, ভবে ভাহার উপর আপীল নাই।

৪১ ব ধারা। পূর্ব্বে ভাবাস্ত্রের কথা থাকিলেও,

সরাস্বীয়তে অপ্রাধ কোন মাজিন্টেট ২৬ গ্রায়ায়তে
নির্বার হইলে কোনং দ্বনে কার্য্য করিবার ক্ষমতাপদ্ম হইয়া
তাহার উপর আপীল না স্বাস্ত্রীয়তে যে কোন মোকহইবার কথা।
ক্ষমার বিচার করিয়া কেবল
ভিম মাসের অমধিক কারাদণ্ডের কিছা কেবল ২০০)
টাকার অনধিক অর্থদণ্ডের কিছা কেবল কলাঘাত দণ্ডের
আজ্ঞা করিলে সেই আজ্ঞার উপর অপীল নাই।

৪১৫ ধারা। ৪১৩ কি ৪১৪ ধারার উলিখিত কোন
দণ্ডের স্মাজ্ঞা দারা এই ধারার
৪২০ ও ৪১৪ ধারার
উলিখিত কোন হই কি তদধিক
নির্মানাধর করা।
দণ্ড সংযোগ করা গেলে তাহার
উপর আপীল হইতে পারিবে; কিন্তু যে দণ্ডাজ্ঞার
বিরুদ্ধে প্রকারান্তরে আপীল হইতে পারিত না, যে
ব্যক্তির অপরাধ নির্ধর হইয়াছে তাহার প্রতি শান্তিভল
না করিবার জামিন দ্বার আজ্ঞা হইয়াছে বলিয়া সেই
দণ্ডাজ্ঞার বিরুদ্ধে আপীল হইতে পারিবে না।

ব্যাখ্যা। — অর্থদণ্ড না দেওয়াতে যে কারাদণ্ডের আজ্ঞা হয় তাহা এই ধারার অভিপ্রায়াস্থায়ী ত্ই কি তদধিক দণ্ড সংযোগ করিবার দণ্ডাজ্ঞা নহে।

83% ধারা। ৩৩ অধ্যায়মতে ইউরোপীয় রটিষ
প্রজাদের যে দণ্ডের আজ্ঞা হয়

ইউনোপীয় রটিধ প্রজাদেব দণ্ডের অ,জ্ঞা-বিজ্ঞিত

ইইবাব কবা।

প্রায় কোন বিধান, খাটিবে
না।

৪১৭ ধারা। হাই কোট ভিন্ন অন্য কোন আদালভ কর্তৃক কোন ব্যক্তিকে নির্দোষ করণের আছার ভপর গারগুমেন্টের পক্ষেপ্ত করণের আদিম কি আপীলী আজা হইলে স্থানীয় গবর্গমেন্ট রাক্তকীয় অভিযোক্তার প্রতি প্রাজ্ঞার উপর হাই কোটে আপীল উপস্থিত করিবার আদেশ করিতে পারিবেন।

৪১৮ ধারা। আইনঘটিত বিষয় ধরিয়া যেমন আপীল চইতে পারে, রভান্ত কেন্ বিবয়ে অগৌল বাহা চইতে পাবিদে ভাষাব কথা। আপীল ছইতে পারিবে। কিন্তু জুরির সহযোগে বিচার ছইলে

ক্ষেত্রল সাইনএটিত বিষয় ধরিয়া আপীল গ্রাহ্য হইতে পারিবে।

ব্যাখা। — দণ্ডাজ্ঞার কঠোরতার কথা এই ধারার কার্য্যপক্ষে আইনঘটিত বিষয় বলিয়া গণ্য হইবে।

৪১৯ ইরা। লিখিত দরখান্ত দিয়া আপেলান্ট বা তাঁহার উকীল আপীল উপ-ভূপানের দ্বধান্তের ছিত্ত করিবেন এবং যে আদা-ক্ষা। লভে উপন্থিত ক্রা যায় সেই আদালত প্রকারান্তরের আজ্ঞা না করিলে তক্রপ আপী-লের যে প্রত্যেক দরখান্ত দেওয়া যায় যে নিম্পত্তির কি আজ্ঞার উপর অপীল হয় তাহার নকল ও ছ্রির বিচারিত মোকদ্বমা হইলে ৩৬৭ ধারাম্বত উপদেশ বাক্যের যে মূল কথা লেখা যাব্ধ ভাষার নকলও সেই দরখান্ডের সজে দিভে ছইবে।

8২০ ধারা। আপেলান্ট কারাবদ্ধ থাকিলে, সে
আপীলের দরখান্ত ও ভাছার \*
আগেলান্ট কাবাবদ্ধ সহিত যে২ নকল দিতে হয়
গানিলেকার্মাঞ্রনালীর কথা।
সেই২ নকল জেলের অধ্যক্ষকে
দিতে পারিবে। ভিনি ভাহা পাইলে উপযুক্ত আপাল

8 ং ১ ধারা। (১) আপীল আদাল ভ ৪১৯ কি ৪২০
ধারামত দরখান্ত ও নকল
আপাল স্বাদ্যীমতে
অঞাত্য কবিবাৰ ক্ষমতাৰ
কথ।

তথ্য কবিবাৰ ক্ষমতাৰ
কথা
কবিবাৰ কবিবাল

আদালতে সেই দরখাস্ত ও নকল পাঠাইবেন।

সরাসার্যতে আপীল ডিসার্য্যন্ করিতে পারিবেন।
কিন্তু আপীলের পোষকভার আপোলান্টের কিছা
ভাঁহার উকীলের কথা শুনিবার যুক্তিসক্ত সময় না
দিয়া ৪১১ ধারামতে উপস্থিত কর। কোন আপীল
ডিসমিস করা যাইবে না।

(२) এই ধারামতে আপীল ডিসমিস করিবার পূর্বে আদালত মোকদ্দমার কাগজ্ঞপত্র জানাইতে পারিবেন কিন্তু আনাইতেই যে হইবে এমত নয়।

৪২০ ধারা। আপাল আদালত সরাসরায়তে
আপীল ভানবাৰ নোটিসের কথা।
তিক লকে ও এতদর্থে স্থানীর
গবর্ণমৈন্ট যে কর্মচারী নিযুক্ত করেন তাঁহাকে সেই
আপীল ভানবার দিনের ও স্থানের নোটিস দেওয়াইবেন ও এ কর্মচারির প্রার্থনায়তে তাঁহাকে আপালের
হেতুবাদের এক কেডা নকল দিবেন।

এবং ৪১৭ ধারামত আপীল হইলে আপীল আদালত অভিযুক্ত ব্যক্তিকেও তদ্রূপ নোটিস দেওয়াইবেন।

৪২৩ ধারা। (১) ঐ মোকদ্দমা ঘটিত কাগজপত্র আপীন লাগা আশীন আদানত কি কবিতে পারি বেন তাগার কথা। পাঠ করিলে পরা ও আপে-লাট কি তাঁহার উকাল উপস্থিত থাকিলে তাঁহার কথা শুনিলে পরা, ও রাজকীয় অভি-যোক্তাও উপন্থিত থাকিলে তাঁহার কথা শুনিলে পর,

যোকাও উপন্থিত থাকিলে তাঁহার কথা শুনিলে পর, এবং ৪ ৭ ধারামতে আপীল হইলে ও অভিযুক্ত ব্যক্তি উপস্থিত থাকিলে তাহার কথা শুনিলে পর হস্তক্ষেপ করিবার উপযুক্ত কাবল নাই এরপ বিবেচনা করিলে আপীল এঞাই কিংতে পারিবেন, কিয়া

> (ক) নির্দোষ নির্ণয়ের আন্থার উপর আপীস হইলে উক্ত আজ্ঞা অন্যথা ক্রিয়া আরো ভদন্তের কিম্বা স্থল বিশেষে অভিযুক্ত ব্যক্তির পুনব্বিচার কি বিচারার্থে সম-পূল হইবার আদেশ করিতে পারিবেন

অধবা ভাহাকে দোষী সাব্যস্ত করিয়া ভাহার উপর আইনমত দণ্ডাজ্ঞা করিভে পারিবেন।

- (খ) অপরাধ নির্ণয়ের আপীল হইলে, (১) উক্ত অপরাধ নির্ণয় ও দণ্ডাজ্ঞা অন্যথা করিয়া অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দোষী করিতে বা ছাড়িয়া দিতে অথবা ঐ আপীল আদা-লতের এধীন উপযুক্ত ক্ষমতাপন্ন কোন আদালতের দারা তাহার পুনর্বিচার বা বিচারার্থে সমর্পণ হইবার আদেশ দিতে পারিবেন, অথবা (২) দণ্ডাজ্ঞা স্থিরতর রাখিয়া সেই নির্ণয় পরির্ভন করিতে কিম্বা নির্ণয় পরিবর্তন করিয়া কি না করিয়া যে দণ্ডের আজা হইয়াছে ভাহা কম করিতে পারিবেন, অথবা (৩) ভদ্রপ কম করিয়া কি না করিয়া ও নির্ণয় পরিবর্তন করিয়া কি না করিয়া যে দভের আজা হইয়াছে তাহার ভাব পরিবর্ত্তন করিতে পারিবেন কিন্তু এরূপে করিতে হইবে যেন তাহার রন্ধি না হয়।
- (গ) অন্য কোন আজ্ঞার উপর আপীল হইলে ঐ ভাজ্ঞা পরিবর্ত্তন কি অন্যথা করিতে পারিবেন।
- (ঘ) ফলস্বরূপ বা আহ্বাঞ্চক যে কোন আজ্ঞা ন্যাথ্য বা উপযুক্ত হয় তাহা করিতে পারিবেন।
- (২) জ্বজ্ব সাহেবের উপদেশের দোষে কিম্বা তিনি
  যে ব্যবস্থা নির্দেশ করেন জ্বরি তাহা বৃথিতে না পারায়
  জ্বরের মীমাংসায় ভ্রম হইয়াছে, এরপ বিবেচনা না
  করিলে উক্ত আদালত যে জ্বির মীমাংসা পরিবর্তন কি
  অনাধা করিতে পারিবেন এই ধারার কোন কথায় ঐ আদালতের প্রতি এমন কোন ক্ষমতা দেওয়া থাইতেছে না।
  ৪২৪ ধারা। আদে বিচারাধিকারবিশিষ্ট কোজনিম্ব আপীল আদালতের
  নিশ্বতির কথা।
  নিম্ব জিবি কথা।
  বিধি আছে তাহা যতদুর হইতে

পারে হাই কোর্ট ভিন্ন অন্য আপীল আদালতের নিষ্প-ভিন্ন প্রতি বর্তিবে।

কিন্তু আপীল আদালত প্রকারান্তরের আজ্ঞা না করিলে, যে নিপাত্তি প্রচার করা যায় তাহা শুনিবার নিমিত্ত অভিযুক্ত ব্যক্তিকে আনা বা উপস্থিত হইবার আদেশ করা যাইবে না।

৪২৫ ধারা। (১) আপীল হওয়াতে হাই কোর্ট এই অধ্যায়মতে কোন মোক-ভাই কোর্টে আণীল দ্দমার নিষ্পত্তি করিলে, যাহার ক্ষমে বে আজা কবা যায়. তাহা অধ্যক্ষ আদালতে ভাত কবাইবার কথা।

ক্ষমে বিক্লজে আপীল হয় সেই নির্ণয়, দণ্ডাজ্ঞা বা আজ্ঞা যে আদালতে লেখা বা করা গিয়াছিল ঐ হাই কোর্ট সেই আদালতে সার্টিফিকেট শ্বারা আপন নিষ্পত্তি কি আজ্ঞা জানাইবেন। যদি জিলার মাজিক্টেট ভিন্ন অন্য মাজিক্টেট কর্তৃক ঐ নির্ণয়, দণ্ডাজ্ঞা বা আজ্ঞা দেখা বা করা যায়, জিলার মাজিক্টেট দ্বারা ঐ সার্টিফিকেট পাঠাইতে হইবে।

(২) হাই কোর্ট সার্টিফিকেট ছারা যে আদালতের নিকট আপন নিপান্তি বা আজ্ঞা জ্ঞাভ করেন সেই আদালত হাই কোর্টের নিপান্তির কি আজ্ঞার অমুযায়ী আজ্ঞা করিবেন। আবশ্যক হইলে কাপ্তজ্পত্রও তদমুশারে সংশোধন করা যাইবে।

৪২৬ ধারা। (১) যাহার অপারাধ নির্ণয় হয় দণ্ডাআপীল উপদ্বিত গাহিতে
দণ্ডাক্তা স্থগিত কবিবার আপীল করিলে সেই আপীল
কপা।
হাজিবলামিন দিলে
আপোলত ততদিন হেতু লিপিআপোলতকৈ মৃক্ত কবিবার
কপা।

যায়ী কার্য্য না হইবার আদেশ

করিতে পারিবেন: ও আপোলান্ট কারাবদ্ধ থাকিলে হাজিরজামিন বা নিজ্ঞ তাহার নিবন্ধপত্র লইয়া তাহাকে মুক্ত করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

- (২) এই ধারায় আপীল আদালতের প্রতি যে ক্ষমতা প্রদন্ত হইল অপারাধের নির্ণয় হইলে কোন ব্যক্তি হাই কোটের অধীন কোন আদালতে আপীল করিলে, হাই কোটেও সেই ক্ষমতা অস্থসারে কার্য্য করিতে পারিবেন।
- (৬) শেষে আপেলান্টের কারাদণ্ডের, দণ্ডরূপ পরি-শ্রামের বা দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের আজ্ঞা হইলে, সে উক্ত প্রকারে যত দিন মুক্ত ছিল দণ্ডের যিয়াদ নিরূপণ কালে সেই সকল দিন ধ্রিতে হইবে না।

৪২৭ ধারা। ৪১৭ ধারামতে আপীল উপস্থিত করা
গেলে হাই কোট অভিযুক্ত
গিন্দোৰ কবণের উপৰ ব্যক্তিকে ধরিয়া আপনার বা
আপীল সমলে অভযুক্ত
ব্যক্তিকে ধৃত করবা।
কথা।
সমুখে আনাইবার ওয়ারন্ট
দিতে পারিখেন ও যে আদা-

লতের সমুখে তাহাকে আনা যায় সেই আদালত আপীলী মোকদ্দমার নিষ্পত্তি না হওন পর্যান্ত তাহাকে কারাগারে অর্পণ করিতে পারিবেন কিয়া তাহার হাজির-জামিন লইবার অন্ন্যতি দিতে পারিবেন।

৪২৮ ধারা। (১) এই অধ্যায়মত আপীল সংক্রান্ত
আধক প্রমাণ লইতে কি
লইবার আজা কবিতে
আদালত অধিক প্রমাণ লওয়া
আদালত অধিক প্রমাণ লওয়া
আদালত অধিক প্রমাণ লওয়া
আদালত অধিক প্রমাণ লওয়া
আদালত অধিক প্রমাণ লওয়া
আদালত অধিক প্রমাণ লওয়া
আদালত করিবার হেডু লিপিবদ্ধ
করিবেন এবং, আপান সেই প্রমাণ লইতে পারিবেন,
কিন্তা কোন মাজিক্টেটের দ্বারা অথবা আপাল আদালত
হাই কোট হইলে কোন সেশন আদালতের বা
মাজিটেটের দ্বারা তাহা লইবার আজা করিতে
পারিবেন।

- (२) উক্ত সেশন আদানত বা মাজিস্টেট সেই অধিক প্রমাণ লইলে আপীল আদানতের নিকট সার্টি-ফিকেট সহিত সেই প্রমাণ পাঠাইবেন, ও উক্ত আদা-লত তদমুসারে আপীল নিশক্তি করিতে প্রবৃত্ত হইবেন।
- (৩) আপীস আদাসত অন্যরূপ আদেশ না করিলে ঐ অধিক প্রমাণ সওনের সময়ে অভিযুক্ত ব্যক্তি কিন্তা তাঁহার উকীস উপস্থিত থাকিবেন। কিন্তু উদ্রূপ প্রমাণ স্ক্রির কি আসেসরদের সাক্ষাতে সওয়া যাইবে না।
- (৪) এই ধারামতে প্রমাণ লওয়া তদন্তের ন্যায় ২৫ অধ্যায়ের বিধানের অধীন হইবে।

৪২৯ ধারা। যে জজ সংহেবেরা আপীল আদালতস্বরূপ অধিবিষ্ট হন, তাঁহাদের
স্বাদ্ধির যত জনের একমত হয় ডঙ্কহয় ততজনের ভিন্ন মত জনের ভিন্ন মত ইইলে, ঐ
হয়ল কায়্প্রপানীর ক্থা। মোকদ্দমা তাঁহাদের মতসহ
ঐ আদালতের অন্য জজের সমুখে উপস্থিত করা
যাইবে। তিনি যজ্ঞপ (য়িদ কোন) পরীক্ষা লওয়া ও
ভানা উচিত বোধ করেন তত্রপ পরীক্ষা লইয়া ও
ভানিয়া আপনার মত প্রকাশ করিবেন ও সেই মতায়সারে নিশ্বভি কি আজ্ঞা হইবে।

৪৩০ ধারা। ৪১৭ ধারার ও ৩২ অধ্যায়ের বিধানের স্থল ভিন্ন অন্য সকল স্থলে আপীল হইয়াযে আজ্ঞা আপীল আদালত আপীলক্রমে হর তাহা চুডান্ড হইবাব কথা।
তাহা চুড়ান্ত হইবে।

৪৩১ ধরা। ৪১৭ ধরামতে অপীলের মোকদ্দমায়
অভিযুক্ত ব্যক্তির মৃত্যু হইলে
আপীল উটিম। মাইবাব এবং এই অধ্যায়মত অন্য কথা।
আপীলে আপীলান্টের মৃত্যু হইলে আপীল একবারে উঠিয়া ঘাইবে।

#### ৩২ দাত্রিংশ অধ্যায়।

#### প্রশার্পণের ও সংশোধনের বিধি।

৪৩২ ধারা। কোন মোকদ্দমা শ্রবণ কালে আইন-ঘটিত উঠিয়া কোন প্ৰশ্ন প্রেসিডেনী মার্ভিট্রের প্রেসিডেন্সী মাজিফ্টেট উচিত হাই কোটে প্রশ্নার্পণ কবি-বোধ করিলে হাই কোর্টের ৰাব কথা। মত জানিবার জন্যে ঐ প্রশ্ন হাই কোর্টে প্রেরণ করিভে পারিবেন কিম্বা সেই প্রশ্ন বিষয়ে ছাই কোর্টের যে নিষ্পত্তি হয় তাহার অপেকণ করিয়া তিনি সেই বিষয়ে আপনার বিচার জানাইতে পারিবেন ও হাই কোর্টের সেই নিষ্পত্তির অপেক্ষায় অভিযুক্ত ব্যক্তিকে কারাগারে পাঠাইতে পারিবেন, কিম্বা ভাহাকে ডাকা গেলে সে বিচার জানিবার জন্যে উপ-'ছিত হইবে এই নিয়মে হা**ভি**রজামিন লইয়া তাহাকে ছাড়িয়া দিতে পারিবেন।

৪৬৬ ধারা। (১) কোনু প্রশ্ন পুর্ব্বোক্তমতে অর্পণ করা গেলে হাই কোর্ট তদ্বিষয়ে হাই কোর্টের নিশান্তি অনুসাবে মোকদমা নিশান্তি কবিবাৰ কথা। যে আজ্ঞা উচিত বোধ করেন করিবেন ও যে মাজিস্টেট ঐ প্রশ্ন অর্পণ করেন সেই নিশান্তির নকল তাঁহার নিকটে প্রেরণ করাইবেন ও তিনি সেই নিশান্তি অন্থ্যারে মোকদমার নিশান্তি করিবেন।

(২) সেই প্রশা অর্পন করিবার খরচ কাহার দিতে

থবচাবিষ্যক আজ্ঞাব **হইবে হাই কোর্ট এই** বিষয়ের
কথা।

আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

৪৩৪ ধারা। (১) কোজদারী মোকদমার আদে বিচার করিবার ক্ষমভাক্রমে গাই কোর্টেব আদো বিচাবাধিশতাক্রমে কোল প্রশ্ন উপিত হইলে পশ্চাৎ বিবেচনার নিমন্ত ভাহা হাই কোর্টের কোন জ্ঞাজর রাধিবাব কথা।
হইমা অপরাধ সপ্রমাণ হইলে

যদি ভাহার বিচার কালে আইনগটিত কোন প্রশ্ন উথিত ছইয়া থাকে ও সেহ প্রশ্নের যজপ নির্ণয় হয় তদত্মারে মোকদমার নিষ্পত্তির কলাকলের সন্তাবনা হয়, তবে সেই জজ সাহেব বিহিত বোধ করিলে হাই কোর্টের ঘুই কি তদধিক জন জজের কোর্টের নিষ্পত্তির নিমিত্ত প্রশ্ন অর্পণ করিতে পারিবেন।

(২) উক্ত জজ সাহেব তদ্রাপ কোন প্রশ্ন পশ্চাৎ
বিবেচনার নিমিত্ত বাধা
গেলে কাব্যপণালীব কথা।
ব্যক্তির অপরাধ প্রমাণ হইল
ঐ প্রশ্ন নিপত্তি হইবার অপেক্ষায় ভাহাকে পুনশ্চ জেলে পাঠান যাইবে, কিন্তা জজ্ঞ
সাহেব উচিত বোধ করিলে তাহার হাজিরজামিন
লওয়া যাইতে পারিবে, এবং হাই কোর্ট সেই মোকদ্দমা
কিন্তা তাহার যে অংশ আবশ্যক তাহা পুনদ্ টি করিতে
ও সেই প্রশ্ন চূড়ান্তরূপে নিপাত্তি করিতে পারিবেন।
তাহা করিলে আদৌ যে আদালতের নিপাত্তি করিবার
ক্ষমত। আছে সেই আদালতের দণ্ডাজ্ঞা পরিবর্ত্তন করিতে
ও হাই কোর্ট যে নিপাত্তি ও দণ্ডাজ্ঞা উচিত বোধ করেন

৪৩৫ ধরা। (১) স্থীয় বিচারাধীন স্থানের কোন অধীন ফোজদারী আদালত ক্ষমন আনাইবাব ক্ষমতাব কথা। কেনি আনুষ্ঠানিক কার্য্য করিয়া যে নির্ণয় কি দণ্ডের আজ্ঞা কি অন্য আজ্ঞা লিখেন কি করেন

তাহা করিতে পারিবেন।

তাহা যথার্থ ও আইন অম্যায়ী ও উপযুক্ত কি না ও সেই অধান আদালতের কোন আমুষ্টানিক কার্য্য বিধিমত হইয়াছে কি না, হাই কোর্ট কি কোন সেশন জজ কি জিলার মাজিউটে কিম্বা এতদর্থে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের ছানে ক্ষমতাপ্রাপ্ত কোন মহকুমার মাজিউটে ইহা হুছোধমতে জ্ঞাত হইবার অভিপ্রায়ে উক্ত আমুষ্টানিক কার্য্যের কাগজপত্র আনাইয়া দৃষ্টি করিতে পারিবেন।

- (২) কে,ন মহকুমার মাজিক্টেট (১) প্রকরণমভকার্য্য করিবার সময়ে যদি বিবেচনা করেন যে ঐরপ কোন নির্বন্ধ, দণ্ডাজ্ঞা বা আজ্ঞা আইনবিক্লন্ধ বা অমৃচিত হুইয়াছে কিছা আফ্ল্টানিক কার্য্য নির্ম্যমত হয় নাই, তবে তিনি যে মস্থব্য লেখা উচিড জ্ঞান করেন তৎ-সহিত নথী জিলার মাজিক্টেট সাহেবের নিকট পাঠাইবেন।
- (৩) ১৪৩ ও ১৪৪ ধারামতে যে যে আজ্ঞা করা যায় ভাষা এবং ১৭৬ ধারামত আফুষ্ঠানিক কার্য্য এই ধারার ক্ষিপ্রায়াম্বায়ী আফুষ্ঠানিক কার্য্য নছে।
- (ধ) সেশন জজ,কিয়া জিলার মাজিফেটের নিকট এই ধারামতে কোন দরখান্ত করা হইয়া ধ'কিলে তাঁহাদের অন্যতর ব্যক্তি আর কোন দরখান্ত গ্রাহ্য করিবেন না।

৪৩৬ ধরা। ৪৩৫ ধারামতে বা প্রকারান্তরে
কোন মোকদ্দমার কাগজপত্র
সমর্পণ করিবাব আজা
দিতে পারিবার কথা।
সাহেবের কি জিলার মাজিটেট

সাহেবের এমত জ্ঞান হয় যে উক্ত মোকদ্দমা কেবল সেশন জ্ঞান্তের বিচার্য্য ও অধীন আদালত অভিযুক্ত ব্যক্তিকে অমৃচিতমতে ছাভিয়া নিয়াছেন, তাহা হইলে দেই সেশন জ্ঞান কি জিলার মাজিফ্রেট সাহেব ভাছাকে ধরাইয়া নৃতন তদন্ত লইবার আদেশ না দিয়া যে বিষয় ধরিয়া সেশন জ্ঞান কি জিলার মাজিফ্রেট সাহেবের বিবেচনায় অভিযুক্ত ব্যক্তিকে অমৃচিতমতে ছাভিয়া দেওয়া গিয়াছে সেই বিষয় ধরিয়া, অভিযুক্ত ব্যক্তির বিচার।র্থে সমর্পণ হইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

- কিন্তু (ক) এরপন্থলে আবশ্যক যে সমর্পণ করা কেন যাইবে না উক্ত জজ্জকে কি মাজিফেটকৈ ইহার কারণ দর্শাইবার নিমিত্ত অভিবৃক্ত ব্যক্তিকে স্থযোগ দিতে হইবে ৷
- (খ) অভিযুক্ত ব্যক্তি অন্য কোন অপরাধ করিয়াছে ঐ জজ কি মাজি:ইট সাংগবের নিবেচনা-যতে ইহা প্রমাণ দারা দৃষ্ট হইলে, ঐ জজ কি মাজিইটে সাহেব ভাষান আদালতের প্রতি সেং অপরাধের তদন্ত লইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

৪৩৭ ধারা। ২০৩ ধারামভেকোন নালিশ ডিসমিস
করা গেলে, কিন্বা ১৬৯ ধারাতদন্ত লইবর আজা
মতে কোন অভিযুক্ত ব্যক্তিকে
করি:ত পারিবাব কথা।
ভাতিয়া দেওয়া বা যুক্ত করা
গেলে, ৪৩৫ ধারামতে বা প্রকারাম্ভরে কাগজপত্র
দেখিয়া ছাই কোর্ট কিন্বা দেশন জজ জিলার মাজিফ্রেট
সাহেবের প্রতি নিজে কিন্বা আপনার অধান কোন
মাজিস্টেটের দ্বারা সেই বিষয়ের অধিক তদন্ত লইবার
আদেশ করিতে পারিবেন; এবং জিলার মাজিস্টেট
সাহেব আপনি সেই ভদন্ত লইফে কিন্বা অধান কোন
মাজিস্টেটের প্রণি লইবার আদেশ করিতে পারিবেন।
কিন্বা ৫৬১ ধারামতে যে ব্যক্তির অপরাধ নির্ভন্ন হয়
তাহার সঙ্গন্ধ জিলার মাজিস্টেট সাহেব আপনি

নিশান্তি প্রকাশ ও দঞ্চাজ্ঞা প্রদান করিবেন এথবা অধীন মাজিক্টেটের প্রতি করিবার আদেশ করিতে পারিবেন।

৪৩৮ ধারা। ৪৩৫ ধারামতে বা প্রকারস্করে কোন আমুন্তানিক কার্যের কাগজপত্র হাই কোটেরলে,ট করিব দেখিয়া সেশন জব্দ কি লিলার বার কথা।

যাজিন্টেই সাহেব উচিত বোধ করিলে হাই কোটের আজ্ঞার জন্যে তত্ত্বপ দেখিবাত্র কল বিষয়ে রিপোর্ট করিতে পারিবেন এবং এ রিপোর্টে দণ্ডাজ্ঞা জন্যখা করিবার অমুরোধ থাকিলে, এ দণ্ডাজ্ঞানত কার্য্য হুগিত রাখিবার ও অভিযুক্ত ব্যক্তি কারাবদ্ধ থাকিলে হাজিরজামিন কিয়া ভাহারই নিবন্ধপত্র লইয়া ভাহাকে ছাভিয়া দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

৪০৯ ধারা। (১) হাই কোট আপনার ইচ্ছামতে কোন আন্নন্তানিক কার্য্যের হাই কোটের সংশেশন কাগজপত্র আনাইলে, কিছা আজার জন্যে ভাহার রিপোর্ট পাইলে কিছা অন্যত্রপে তিহিয়ক কথা অবগত হইলে, ১৯৫ ও ৪২৩ ও ৪২৬ ও ৪২৭ ও ৪২৮ ধারামতে আপীল আদালতের প্রতি কিছা ৩৩৮ ধারামতে কোন আদালতের প্রতি বেং ক্ষমতা অপিত হইয়ারে হাই কোট আপন ইচ্ছাক্রমে তম্মধ্যন্থ যে কোন ক্ষমতাহ্লসারে কার্য্য করিতে পারিবেন এবং দণ্ডাজ্ঞা রদ্ধি করিতে পারিবেন, এবং সংশোধন করিবার আদালতজ্মরপ জক্রদের যত জনের এক্ষত তত জনের ভিন্নমত হইলে ৪২৯ ধ্রোর বিধানমতে ঐ মোক্দমা লইয়া কার্য্য

(২) অভিযুক্ত ব্যক্তি আপান পক্ষ সমর্থনার্থ অয়ং বা উকালের দারা যাহা বলিতে চাহেন তাগা শুনিবার স্থযোগ দেওয়া না গেলে, তাঁহার বিরুদ্ধে এই ধারামত কোন আজ্ঞা করা যাইবে না।

ছংবে।

- (৩) এই ধারায় যে দণ্ডাজ্ঞার কথা আছে কোন মাজিক্টেট ৩৪ পারামতে কার্য্য না করিয়া সেই দণ্ড:জ্ঞা করিলে উক্ত কোর্টের মতে অভিমুক্ত ব্যক্তি যে অপরাধ করিয়াছে, সেই অপার:ধহেতুক প্রেসিডেন্সী মাজিক্টেট কিম্বা এথম শ্রেণীর কোন মাজিক্টেট যত দণ্ড করিতে পারিতেন, ঐ কোট তাহার অধিক দণ্ডের আজ্ঞা করিবেন না।
- (৪) ২৭৩ ধারামতে যাহা কিছু লেখা যায় তৎপ্রতি এই ধারার কোন কথা বর্জিবে না, কিম্বা হাই কোর্ট রির্দ্ধোমিতা নির্ণয় বদলাইয়া অপারাধ নির্ণয় করিবার ক্ষমতা পাইলেন এই ধারার কোন কথাক্রমে এরপ জ্ঞান করিতে হইবে না।
- (i) যে ছলে এই আইনয়তে আপীল থাকিরা আপীল করা হয় না সেই ছলৈ সংশোধনের অভিপ্রায়ে কোন আছান্তানিক কার্য্য গ্রান্থ্য করা যাইবে না, এবং এই আইনক্রমে যেরূপ বিধান ক্ষন ভদমুসারে ভিন্ন আপীল বা সংশোধনের অভিস্থায়ে কোন আহ্নন্তানিক কার্য্যন্ত গ্রান্থ্য হইবে না।

880 ধারা। কোন আদালতের সংশোধন করিবার

আলালতের স্বেড্াধীনে উভয় পক্ষেব কথা আবণ ক্ষমভাত্রসারে কার্য্য করণকালে কোন পকের **নিজে** উকীলের দ্বারা শ্রুত হইবার অধিকার নাই।

কিন্তু আদালত উচিত বোধ করিলে নিজ কোন পক্ষের কিম্বা তাঁহার উকীলের কথা প্রবণ করিতে পারিবেন। এই ধারার কোন কথাক্রমে ৪৩৯ ধারার ২ প্রকরণের বিধানের কোন বিদ্ন হইবে বলিয়া জ্ঞান হইবে না।

৪৪১ ধারা। হাই কোর্ট ৪৩৫ ধারামতে কোন

প্রেসিডেন্সী মাজিফ্রেটের কোন আহ্নষ্টানিক কার্য্যের কাগজপত্র চাহিয়া পাঠাইলে, মাজিফ্রেট যে যে হেতৃ ধরিয়া নিপত্তি কি আজ্ঞা করেন ও নিম্পত্তি উপ-

প্রেসিডেনী মাজিট্রেট আপন নিষ্পতির যেং হেডু জানান হাৰ কোটেৰ ভাহা विद्वहमा क्रियांत कथा।

লক্ষে তিনি যে রক্তান্ত গুরুতর বলিয়া জ্ঞান করেন যোকদ্মার কাগজপত্তের সজে সেই সেই হেতুর ও ব্লভান্তের বর্ণণপত্রও অর্পন করিতে পারিবেন। হাই কোর্ট ঐ নিষ্পত্তি কি আজ্ঞা ব্যর্থ কি অসিদ্ধ করণের পুকে সেইং হেতু ও রুক্তান্ত বিবেচনা করিবেন।

৪৪২ ধারা। এই আধ্যায়মতে হাই কোট কর্তক কোন মোকদমার

হাই কোট যে আজা ক্ৰেন তাথা অধ্যক্ত আদা-লতে বা মাঞ্চিষ্টেটকে জ্ঞাত ◆বিবার ক**থ**:।

হইলে হাই কোট যে নির্ণয়, দভাজা বা আজ্ঞা সংশোধিত হয় ভাহা যে আদালত লিখেন বা করেন সেই আদালতে পুর্বের

যে প্রকারের বিধান হইয়াছে সেই প্রকারের সার্টিফিকেট ছারা আপনার নিষ্পত্তি কি আজ্ঞা জন।ইবেন। সার্টিফিকেট দ্বারা যে আদালতের কিলা যে মাজিটেটের নিকট ঐরপে নিপত্তি কি আজ্ঞা জ্ঞাত করা হয় সেই আদালত কি মাজিঙেট ঐ নিম্পত্তি অনুসারে আজ্ঞা করিবেন এবং আবশ্যক হইলে তদমুসারে নগী সংশোধন করা খাইবে।

## অফ্টম খণ্ড।

বিশেষ আত্মন্তানিক কার্য্যের বিধি।

৩৩ ত্রয়স্থিশে অধ্যাস ।

ইউরোপ ও আমেরিকাদেশীয়দিগের বিরুদ্ধে रकोजनाती आश्रुष्टांनिक कार्याविषश्क विधि।

৪৪৩ ধারা। কোন মাজিষ্টেট শান্তিরক্ষার্থ জকিস

इंडेरवाणे ग्र র 🔭 ম প্ৰকাষ: অপৰ ধ কৰিলে এয माकिर्ट्रेटिना (भन्ने अप-बारभव ७५% मध्या विकास করিবেন ভাষ্যয়েব কথা।

না হংলে, এবং (সদি ভিনি জিলার भ किएक है কিম্ব প্রেসিডে স মাজিক্টেট না হন) প্রথম শ্রেণীর মাজিফ্রেট ও ইউরোপীয় রটিষ প্রজা না হইলে ইউরোপীয় রটিষ প্রজার নামে অভিযোগের ওদ্তু লইতে কি বিচার করিতে সক্ষম হইবেন না।

৪৪৪ ধারা। সেশনের জজ ভিন্ন কোন সেশন

(मणन करकर हेडेरवा-পীয় বৃটিধ প্রস্থা হইবাব

আদালতে আধিপত্যকারী জজ ইউরোপীয় রটিষ প্রজা না হইলে কোন ইউরোপীয় রটিষ প্রজার নামে অভিযোগের

বিচার করিতে পারিবেন না: এবং আধিপত্যকারী জজ

अ\मिहे\के (मन्त्र क cकर তিন সংস্ব কথা কবিসাব ও বিশেষ ক্ষমতা প্রাপ্ত তইবাব কথা।

আসিষ্টান্ট সেশন জজ হইলে যদি তিনি আসিফাণ্ট সেশন জজের কর্ম অন্যুম তিন বৎসর না করিয়। থাকেন এবং এভদর্থে গবর্ণমেন্টের স্থানে স্থানু হ

বিশেষ ক্ষমতা না পাইয়া থাকেন তবে তিনি ঐরপ অভিযোগের বিচার করিতে পারিবেন না।

৪৪৫ ধারা | কোন মাজিষ্টেট যে হলে অন্য

ছ<sup>ন</sup> পেণায রটিষ প্রজা অপ্ৰাধান বলৈ ভ হা আহা इदनाव कथा।

ব্যক্তিদের যদ্রপ অপরাধ আহ্য করিতে সক্ষম হন দেই স্থলে ৪৪৩ কি ৪৪৪ ধারার কোন ক থায় ইউরোপীয়

রটিষ প্রজাদের তদ্রূপ অপরাধ গ্রাহ্য করিতে তাঁহার বাধা হইবে না।

কিন্ত ইউরে।পীয় রটিষ প্রজার নামে অপরাধের অভিযোগ হওয়াতে যদি তাঁহাকে উপস্থিত করাইবার পরওয়ানা প্রচার করেন, তবে যে মাজিফ্রেট সাহে**ব ঐ** মোকদ্দমার তদন্ত লইয়া বিচার করিবার ক্ষমতা**পান্ন হন** ঐ পর ওয়ান।মতে তাহারই সম্মুখে তাহাকে উপস্থিত করিবার বিধান করিতে হইবে।

৪৪৬ ধারা। ৩২ কি ৩৪ ধারায় প্রকারান্তরের কথা

মকংমল মাজিটেইটেবা ষে দণ্ডেব আজা কবিজে শাবিকেন ডাঃবি কথা।

থাকিলেও জিলার মাজিফেট किन्ना व्यमिए भी गाजिए है ভিন্ন কোন মাজিয়েটি ইউ-রোপীয় রটিষ প্রজার উপর

ভিন মাসের অন্ধিক কারাদ্র কিলা এক সহস্র টাকার অন্ধিক অর্থণিও কি উভয় দণ্ডের আজা ভিন্ন অন্য আজ্ঞা করিতে পারিবেন না। এব কোন জিলার মাজিটেট ছয় মাস পান্ত করেল কিলা ছই সহজ টকা প্রান্ত অর্থদণ্ড কি উত্তর দ**ে ব** আজা ভিন্ন এন্য আজ্ঞা করিতে পারিবেন না।

৪৪৭ ধারা। (১) ইউরোপীয় ্িষ প্রজাব নামে

(ষ্ণুলে সেখন আদ লতে ও যেশ্বলৈ হাই-কে.টে সমপণ কৰিতে হ'বে ১/গ্ৰাকণা :

যে মাজিফেটের নিকট যে অপরাধের নালিল হয় সেই <u> শজিকৌটের দেই অপরাধের</u> সমুটিত দও করিবার ক্ষমতা নাছ ও সেই অপরাপ প্রাণ

দণ্ডের কি জাবজ্জীবন দাপান্তর প্রেরণ দণ্ডের বোগা অপরাধ নয় তাঁহার এমত বিবেচনা হইলে, যদি মজি- যুক্ত ব্যক্তিকে সমর্পণ করা উচিত বোধ করেন, ভাহাকে সেশন আদালতে, কিম্বা তিনি প্রেসিডেস্টা মাজিক্টেট হইলে, হাই কোটে সমর্পণ করিবেন।

(২) যে অপরাধ হইয়াছে বলিয়া বোধ হয় তাছা প্রাণদণ্ডের কি যাবজ্জীবন দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের যোগ্য অপরাধ হইলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে হাই কোর্টে সমর্পণ করা যাইবে।

৪৪৮ ধারা। যে ব্যক্তিকে ৪৪৭ ধারামতে হাই কোর্টে সমর্পণ করা যায় এক অপবাধেব জন্য প্রাণ-দশু কি যাবজ্জীবন দ্বীপান্তব অনেক অপ-ভাহার নামে প্রেরণ দশু ১ইতে পাবিলে রাধের অভিযোগ হইলে, ও ও অন্য অপরাধেব নিমিন্ত তন্মধ্যে এক অপরাধের নিমিত্তে তদ্ৰপ দণ্ড হছতে না প্রাদেভ কি জাবজ্জীবন দ্বীপা-শারিলে অপরাধের বিচা. বেব ৰূপা। ন্তুর প্রেরণ দণ্ড ও অন্য

অপরাধের লঘু দণ্ড হইতে পারিলে যে অপরাধের নিমিত্ত প্রাণদণ্ড কি দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ড হইতে পারে ঐ ছাই কোর্ট সেই অপরাধ ধরিয়া তাহার বিচার করা উচিত বোধ না করিলেও অন্য অপরাধ ধরিয়া তাহার বিচার করিতে পারিবেন।

৪৪৯ ধারা। (১) ৩১ ধারায় প্রকারান্তরের বিধান
থাকিন্দেও কোন সেশন আদাকেশন আদালত যে
লঙের আজা দিতে পারিবেদ ভাষার কথা।
কর্মাদণ্ডের কি সর্থদণ্ডের কিয়া
উক্তয় দণ্ডের আজ্ঞা ভিন্ন অন্য দণ্ডাজ্ঞা করিতে
পারিবেন না।

(২) যে অপরাধের প্রমাণ হইয়াছে বলিয়া বোধ হয়, উক্ত প্রকারের দেশন বন্ধ আপনাব দণ্ডাজ্ঞা দ্বারা সেই অপরাধের ক্ষমতা নান জ্ঞান করিলে কার্য্যপ্রণানীর কথা। সমুচিত দণ্ড হয় না সমর্পণ হইবার পর ও নিম্পত্তি স্বাক্ষর

করিবার পূর্ব্বে কোন সময়ে আধিপত্যকারী জজ লাহেবের এমত জ্ঞান হইলে তিনি আপনার সেই মত লিপিবদ্ধ করিয়া হাই কোর্টে মোকদ্দমা প্রেরণ করিবন। উক্ত জজ সাহেব আপনি বাদির ও সাক্ষীদের স্থানে হাই কোর্টে উপস্থিত হইবার নিবন্ধপত্র লইতে পারিবেন কিম্বা যে মাজিক্টেট সাহেব সমর্পণ করেন ভাঁহাকে তন্ত্রপাপ এ লইবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

৪৫০ ধারা। (১) হাই কোর্টে কি সেশন আদা **ই**উরোপীয় রুটিষ লতে হাই কোটে বা দেশন প্রক্রাদের বিচার হইলে, প্রথম আপালতে জ্বিবা আদে-ব্দুরবের ডাক হইয়া আছ म्बरम्य कथा। পুর্কের অথবা হইবার বিশেষে প্রথম আসেসর নিযুক্ত হইবার পূর্কে উক প্রজা মিশ্র জ্রিদ্বারা বিচারের দাওয়া করিলে, বিচার জুরি দ্বারা হইবে এবং জুরির অর্দ্ধ সংখ্যার অন্যুন ব্যক্তি ইউরোপীয় কি আমেরিকাদেশীয় কিম্বা ইউরোপীয় ও আমেরিকাদেশীয় হইবে।

(২) সেশন আদালতে সামান্যতঃ আসেসরদের সাহায্যে ঐরপ বিচার হইলে, অভিযুক্ত ইউরোপীয় রটিষ প্রজা কিয়া কএকজন ইউরোপীয় রটিষ প্রজার নামে অভিযোগ হইলে, তাঁহারা সকলে একত্রে (১) প্রকরণ মতে মিশ্র জ্বিছারা বিচারের দাওয়া না করিয়া এইরপ দাওয়া করিতে পারিবেন যে, আসেসরদের অর্দ্ধ সংখ্যার অন্যুন ব্যক্তি ইউ-রোপীয় কি আমেরিকাদেশীয় কিছা ইউরোপীয় ও আমেরিকাদেশীয় হইবে।

৪৫১ ধারা। (১) কোন জিন্সার মাজিফ্রেটের নিক্ট ইউরোপীয় র্টিষ প্রজার মাজিট্টেরে বিচার হইলে, উক্ত প্রজা, নিকট ইউরোপীয় রটিব সম্ৰের যোকদ্মায় **\$88** প্রজার জুবিব দাওয়া করি-ধারামতে প্রতিবাদের পোষ-ৰার স্বত্বের কথা। কভায় তাঁহার কথা ভনা

যাইবার পুর্বে অথবা ওয়ারন্টের মোকদ্দমায় ২৫৬ ধারামতে তাঁহার প্রতিবাদকার্য্যে প্রব্রুত হইবার পূর্বের, এই দাওয়া করিতে পারিবেন যে ৪৫০ ধারার নির্দিষ্ট প্রকারের নিযুক্ত জ্রিদ্বারা বিচার হইবে।

- (২) সমনের মোকদ্দমায় যে সময়ে মাজিস্টেট ২৪৪ ধারামতে অভিযুক্ত ব্যক্তির কথা শুনিতে প্ররন্ত ধন, কিম্বা ওয়ারন্টের মোকদ্দমায় যে সময়ে মাজিস্টেট অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রতি ২৫৬ ধারামতে প্রতিবাদকার্য্যে প্রবৃক্ত হইবার আজ্ঞা দেন, সেই সময়ে (১) প্রকরণমতে দাওয়া করা গেলে, মাজিস্টেট তৎক্ষণাৎ পুর্বোক্তমত ক্রেরন্থারা বিচার হইবার আবশ্যক আজ্ঞা দিবেন।
- (৩) আম্প্রানিক কার্য্য এই অবস্থায় উপস্থিত হই-বার পূর্বের ঐরপ দাওয়া করা গেলে, যখন লিপিবদ্ধ সাক্ষ্য দেখিয়া মাজিফেট সাহেবের বোধ হইবে যে মোকদ্দমা জ্বির নিকট পাঠাইবার উপযুক্ত তখনই তিনি উক্তরূপ আজ্ঞা দিবেন।
- (৪) ২৪২ ধারায় প্রকারাস্তরের কথা থাকিলেও, এইরপ প্রভ্যেক স্থলে মাজিস্টেট পুর্নোক্তরূপ কোন আজ্ঞা দিবার পূর্বের রীতিমত অভিযোগপত্র লিখিবেন।
- (৫) এই ধারামতে যে কোন বিচার হইবে, ভাগাঙে বাদী, অভিযুক্ত ব্যক্তি ও সাক্ষাদিগকে উপস্থিত করাই-বার সম্বন্ধে যতদূর সম্ভব ২১১ ২১৬, ২১৭. ২১৯ ও ২২০ ধারার বিধান খাটিবে।
- (৬) জিলার মাজিস্টেট সেশনের জজ হইলে, এবং অজিযুক্ত ব্যক্তি বিচারার্থে উক্ত জজ সাহেবের আদালতে সমর্পিত হইলে, সেশন আদালতে জ্বির বিচারের কার্য্যপ্রণালী সংক্রান্ত এই আইনের বিধানসমূহ যেরূপ খাটিত, এই ধারামত প্রত্যেক বিচার সম্বন্ধে যতদূর কন্তব সেইরূপ খাটিবে।
- (৭) (৫) প্রকরণের কিম্না (৬) প্রকরণের উল্লিখিড বিধান সকল ঐ ঐ প্রকরণমতে যতদুর পান্যন্ত খাটান যায়, সেই সীমার মধ্যে তাহার কোন বিধানের অর্থ করিবার সময়ে সকল আদালভ, আপনাদের সমুখে যে বিষয় উপস্থিত থাকে তত্পযোগী করণার্থ ঐ বিধানের

ষেরপ ভাষাগত পরিবর্ত্তন করা আবশ্যক বা উচিত ছয়, সারাংশের ব্যতিক্রম না করিয়া সেইরূপ ভাষাগত পরি-বর্ত্তন করিয়া লইতে পারিবেন।

- (৮) ৩৪৭ কিম্বা ৪৪৭ ধারামতে কোন অভিযুক্ত ব্যক্তিকে বিচারার্থে সমর্পণ করিতে মাজিফ্টেটের যে ক্ষমতা আছে, এই ধারার কোন কথায় ভাহার কোন ব্যতিক্রম হইবে না।
- (৯) যদি কোন জভিযুক্ত ব্যক্তি এই ধারামতে জুরির দ্বারা বিচারিত হইবার কোনহ দ্বলে অন্য আদা- দাওয়া করে, এবং জিলার লতে মোকদ্দমা পাঠাইবাৰ মাজিস্টেটের বিবেচনায় এরূপা কথা। বিশ্বাস করিবার কারণ থাকে

যে, ৪৫০ ধারার নির্দিষ্ট প্রকারে আপনার সমুখে বিচারার্থ জ্বির নিযুক্ত হইতে পারে না অথবা জ্বি নিযুক্ত করিতে এত বিলম্ব, অর্থ ব্যয় বা অম্বরিধা হয় যাহা মোকদমার অবস্থা বিবেচনায় অযৌক্তিক বোধ হয় তাহা হইলে তিনি এই ধারামতে আপনার সমুখে বিচার হইবার আজ্ঞা না করিয়া হাই কোর্টে সময়েং এতদর্থে বিধি প্রণয়ন করিয়া ও তদ্বিষয়ে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের অমুমোদন কইয়া, অথবা বিশেষ আজ্ঞা করিয়া যে জিলার মাজিক্টেট বা সেশনেব জজ্জকে নির্দেশ করেন, ঠাহার নিকট এরপ মোকদমা বিচারার্থ পাঠাইতে পারিবেন।

( १० ) এই ধারামতে কোন মোকদ্দমা কোন সেশ-নের জজ কিয়া জিলার মাজিফ্রেটের নিকট পাঠান গেলে, ভিনি এই ধারামতে কার্য্যকারী জিলার মাজিফ্রেট হইলে, (বিচারার্থে সমর্পন করিবার ক্ষমতা সমেত তাঁহার বে সকল ক্ষমতা থাকিত ও যে কার্য্যপ্রনালী অবলম্বন করিতে হইত, সেই সকল ক্ষমতামতে ও সেই কার্য্যপ্রনালী অনুসারে স্থবিধামত সত্ত্বতাসহকারে ঐ মোকদ্দমার বিচার করিবেন।

৪৫২ ধারা। যে ব্যক্তি ইউরোপীয় রটিষ প্রজ্ঞা নহে, কোন ছলে তাহারই সঙ্গেং ইউরোপীয় রটিষ প্রজার ও সহতে এদেশীয় ব্যক্তির নামে অভযোগ হইলে বিচাবের কথা।

কোটের কি সেশন আদালতের সম্মুখে বিচার হইবার নিমিত্তে

ঐ ইউরোপীয় বিটিষ প্রজাকে সমর্পণ করা গেলে, ঐ হই ব্যক্তির একত্র বিচার হইতে পারিবে, এবং ইউ-রোপীয় ব্রিটিষ প্রজার স্বতম্ভ বিচার হটলে যে প্রণালী-মতে কার্য্য চলিত, সেই প্রণালীমতে চলিবে।

কিন্তু ইউরোপীয় রটিষ প্রজা ৪৫০ থারামতে মিশ্র জুরি দ্বারা বা মিশ্র আদেসর-এদেশীয় লোকেব স্বতন্ত্র দল দ্বারা বিচারের দাওয়া বিচাব হইবাব দাওয়ার ক্রিলে এবং উক্ত যে ব্যক্তি ক্ষা।

সে স্বতন্ত্র বিচারের দাওয়: করিলে, ২৩ অধ্যায়ের বিধানমতে শেষোঁক্ত ব্যক্তির স্বতন্ত্র বিচার হইবে। ৪৫৩ ধারা। (১) ইউরোপীয় রটিষ প্রজার ন্যায়
কোন ব্যক্তিকে লইয়া কার্য্য
কান ব্যক্তিকে লইয়া কার্য্য
কান ব্যক্তিকে লইয়া কার্য্য
হয় তাঁছার এমন দাওয়া হইলে
প্রজালার কার্য্য হইবার কিবিচার হইলাওয়া করিলে কার্য্যপ্রণা
লীর কথা।

তিইট সাহেবের সম্মুখে উপস্থিত

করা যায় সেই মাজিস্টেট সাহেবকে তিনি সেই দাওয়ার হেডু জানাইবেন। তাহা হইলে উক্ত মাজিস্টেট ঐ উক্তির সত্যতাহসদ্ধান করিবেন এবং ঐ ব্যক্তিকে ইহার সত্যতা প্রমাণ করিবার যুক্তিসঙ্গত সময় দিবেন, ও তদনম্ভর তিনি ইউরোপীয় রিটিষ প্রজা কি না, ইহার নিশাভি করিবেন ও তাঁহাকে লইয়া তদহসারে কার্য্য করিবেন। উক্ত মাজিস্টেট ঐ ব্যক্তির অপারাধ নির্ণয় করিলে ও ঐ ব্যক্তি তজ্ঞপা অপারাধ নির্ণয়র উপার আপীল করিলে মাজিস্টেটের সেই নিশাভি যে অন্যায় ইহা প্রমাণ করিবার ভার তাঁহারই প্রতি বর্তিবে।

- (२) মাজিফ্রেট তজ্রপ কোন ব্যক্তিকে বিচারার্থে সেশন আদালতে সমর্পন করিলে এবং ঐ ব্যক্তি উক্ত আদালতে ইউরোপীয় রচিষ প্রজ্ঞার ন্যায় তৎসম্বন্ধে কার্য্য ইইবার দাওয়া করিলে, উক্ত আদালত যদি আরো তদন্ত করা উচিত বোধ করেন তাহা করিয়া ঐ ব্যক্তি ইউরোপীয় রচিষ প্রজ্ঞা কি না ইহার নিশান্তি করিবেন ও তাঁহাকে লইয়া ওদম্পারে কার্য্য করিবেন। উক্ত আদালত তাঁহার অপরাধ নির্ণয় করিলে ও তিনি তজ্ঞাপ অপরাধ নির্ণয়ের উপর আপীল করিলে, আদালতের, সেই নিশান্তি যে অন্যায় ইহা প্রমাণ করিবার ভার তাঁহারই প্রতি বর্ত্তিবে।
- (৩) যে আদালতে কোন ব্যক্তির বিচার হয় সেই আদালত তিনি ইউরোপীয় রটিষ প্রজা নহেন এই নিশত্তি করিলে, বিচারে যে দণ্ডাজ্ঞা কি আজ্ঞা হয় উক্ত নিশত্তি তাহার উপর আপীল করিবার অন্যতর হেতু ছইবে।

8৫৪ ধারা। (১) যে মাজিস্টেটের সমুখে ইউরো-পার রটিষ প্রজার বিচার হয় উক্ত অবস্থাব দাওয়া না বিলো গোষা ক্যায় ক্যা

কৰিলে তাহা ত্যাগ কৰা বিশ্ব বিশ্বকৰ্ত্বক ভাইাকৈ সমৰ্পণ গেল জ্ঞান হইবাৰ কথ ৷ করা যায়, ইউরোপীয় রটিয প্রজার ন্যায় তাহার পক্ষে

কার্য্য হয় ঐ ব্যক্তি তাঁহারই নিকট ইহার দাওয়া না করিলে কিম্বা সমর্পণকারী মাজিইটের নিকটে তদ্রুপ দাওয়া করা গিয়া অগ্রাহ্য হইলেও তাঁহাকে যে আদা লতে সমর্পণ করা গায় তথায় তিনি উক্ত দাওয়া পুনশ্ না করিলে, ইউরোপীয় রটিষ প্রজাবরূপ আপনার সেই বিশেষ ক্ষমতা ত্যাগ করিয়াছেন, এমত জ্ঞান হইবে, এবং সেই মোকদ্দমা চলনের তৎপশ্চাৎ কোন সময়ে ঐ দাওয়া করিতে পারিবেন না।

(২) মাজিফ্রেট সাহেবের সন্মুখে কোন ব্যক্তিকে উপস্থিত করা গেলে সে ইউরোপীয় রটিষ প্রজা নছে মাজিফ্রেট সাহেব এমত বিশ্বাস করিবার কারণ না দেখিলে, ভূমি ইউরোপীয় রটিষ প্রজা কি না ভাছাকে এই কথা জিজ্ঞাসা করিবেন।

৪৫৫ ধারা। যে ব্যক্তি ইউরোপীয় রটিষ প্রজা নহে

ইউবোলীয় সুটিয় প্ৰাঞ্চা না হুইয়া কোন ন্যক্তিৰ এই অধ্যায়মতে বিচাব হ**ইলে** তাহাব কথা।

তাহাকে লইয়া এই অধ্যায়মতে ইউরোপীয় রটিষ প্রজার ন্যায় কার্য্য হইলে ও সে আপত্তি করিলে তদ্রপ কার্য্য 4 হুইয়াছে বলিয়া তদন্ত কি. শুলবিশেষে, সমর্পণ কি

বিচার কি দণ্ডাজ্ঞা অসিদ্ধ হুইবে না। কোন ইউরোপায় রটিষ প্রজাকে ৪৫৬ ধারা।

ইউবোপীয় রটিৰ প্রভাকে क्याहरू বেআইনী নতে কৰিয়া রাখা গেলে আপ নাকে হাই কোটেৰ সম্ব্ৰে উপশ্বিত কবিবাৰ আজা প্রার্থনা কবিধার অধিকাবের **주역** 

কোন ব্যক্তি অবৈধমতে বদ্ধ করিয়া রাখিলে, ঐ ইউরোপীয় রটিষ প্রজা কি তাঁহার পক্ষে কোন ব্যক্তি যে স্থানে "পাংশকৈ বন্ধ করিয়া রাখা যায় সেই ত্বানে কোন অপরাধ করিলে ভাহার উপর যে হাই কোর্টের

বিচারাধিপত্তা থাকিত কিথা ভদ্রাপ অপরাধ নির্বয়সূচক আজ্ঞার উপর তিনি যে হাই কোটে আপীল করিতে পারিতেন সেই হাই কোটের নিকট এই মর্ঘের প্রাণনা করিতে পারিবেন যে আমাকে যে ব্যক্তি বন্ধ করিয়া রাখিয়াছে ভাহার নিকট উক্ত হাই কোটের এই আজ্ঞা হর বে আহার বিষয়ে উক্ত কোট আর যে আজ্ঞা করিতে পারেন ভাছার অপেকায় থাকিবার জন্যে আমাকে সেই ছাই কোটে উপস্থিত করা যায়।

৪৫৭ ধারা! হাই কোর্ট বিহিত বোধ করিলে ঐ আজ্ঞা করিবার পূর্কো আফি-**छजन डा**र्थन। इरेटन ডেবিটক্রমে কি শ্রকারাস্তরে ভাষ্যপ্রবালীর কথা। সেই আজ্ঞা প্রার্থনা করিবার কারণের অন্নসন্ধান লইয়া দেই এার্থনা গ্রাহ্য কি অগ্রাহ্য করিতে পারিবেন অথবা ওথমেই সেই হাজা দিতে পারিবেন। পরে সেই ব্যক্তিকে আপনার সন্মুখে উপস্থিত করা গেলে আবশ্যকমতে তদন্ত লইয়া সেই বিষয়ের অন্য মে আজ্ঞা বিহিত বোধ করেন করিতে পারিবেন।

BID श्राता। (वर मिटन शहे काटित क्लिकाती

इक्टि कि विश्व कारम कक्षम ब्याका कांगटक পারেন তাহার করা।

অপৌল শুনিবার বিচারাধিশত্য পাকে। সই > দেশে এবং মান্ত্র-সভাধিষ্ঠিত শীযুত গব**ার** জেনেরল সাহেব অন্য যে-

স্থানের অনুমতি দেন পের সকল স্থানে হাই কোটের (मृहे अकारत आड्डा मित्र क्यें शिक्रत।

त्य यथ्य हित्स भारिकेटे-দেব **ও সেশন** আপোলতের প্রদান্ত হয় ত.২৷ ব,টিগাস্থ 118.5

৪৫১ ধারা: (১) পুঝাপর কণা দ্বারা ভাবাতর প্ৰকাশ না পাইলে মন্ত্ৰিসজা-ধ্যিষ্ঠ ত জীযুত গ্রবর্তর জেনরল সাহেব প্রদের যে সকল আছন প্রত্যাব ক্ষমতা প্রত্যবহার করিবাব ক্ষমতা স্কল্পন্ন প্রাথম্মন করিবাটে ন ও পারে যাহা করিবেন, তৎক্রমে মাজি-ফ্রেটনের ও দেশন আদালতের প্রতি বিচার করিবার ক্ষমতা প্রদত্ত হইলে, ভাহা ইউ-রোপীয় রটিষ প্রজাদের প্রতি খাটিবে বলিয়া জ্ঞান হইবে ; তাহাতে তাঁহাদের স্পান্ট উল্লেখ না থাকিলেও, খাটিৰে বৃশিয়া জ্ঞান হইবে।

(২) কোন ইউরোপীয় রটিষ প্রজাকে কোন আদালত যে পরিমাণে দণ্ড দিতে পারেন বলিয়া এই অধ্যায়ে নিৰ্দ্ধিষ্ট হইয়াছে এই ধারার কোন কথাক্রমে উক্ত আদালভের প্রতি যে তৎসীমা অতিক্রম করিবার অহুমতি দেওয়া যাইতেছে, অথবা শান্তিরক্ষার্থ জঞ্চিদ ভিন্ন কোন মাজিফ্টেটের কিম্বা সেশন আদালতে আধি-পত্যকারী কোন জজের প্রতি, যে বিচারাধিকার প্রদন্ত হইতেছে, এরপ জ্ঞান করিতে হইবে না।

৪৬০ ধারা। জুরির দ্বারা বা আন্সেসরদের সহযোগে

हेडेटनाटलव कि छ। दय- -বিকাৰ লোকদেব বিচাৰাৰ্থ

বিচার্য্য কোন মোকদ্দমায় খদি অভিযুক্ত ব্যক্তি কি অভিযুক্ত वाक्तिएनत मर्था अक्कन हेडे-রোপীয়ে রটিষ প্রজা

ইউরোপ কি আমেরিকাদেশীয় লোক হয়, তবে জুরির অৰ্দ্ধাংশ ইউরোপীয় কি আমেরিকাদেশীয় হন ইউ-রোপীয় কি আমেরিকাদেশীয় উক্ত ব্যক্তি এমন দাওয়া করিলে ও ডাদ্ধপ জুরি পাওয়া যাইতে পারিলে জুরির অৰ্দ্ধা ইউরোপ কিয়া আমেরিকাদেশীয় **इ**इट्यम ।

৪৬১ ধারা। সেশন আদালতের সমুখন্ত কোন ইউবোপ ও আমেরিকা দেশীয় লোকে সভিত অন্য জাতীৰ লোকেৰ অ∵ভযেগ হইলে জু∣বব

মোকদমায় ইউরোপ বা শ্রমে-রিকাদেশায় নহে এরপ কোন ব্যক্তির সহিত ইউরোপ বা আমেরিকাদেশীয় লোকের নামে অপরাধের অভিযোগ

হইলে, ইউরোপ ও আমেরিকাদেশায় লোকদিগকে লইয়া যে জুরির কি আসেসরদের ন্যুনকম্পে অর্দ্ধাংশ হইবে যদি উক্ত ইউরোপ কি আমেরিকাদেশীয় ব্যক্তি এমন জুরির দারা কি এমন আসেদরদের সহযোগে ৪৬০ ধারামতে বিচার হইবার দাওয়া করাতে এরপে তাহার বিচার হয়, তবে ঐ ভিন্ন জাতীয় ব্যক্তি ইচ্ছা করিলে ভাহার স্বতন্ত্র বিচান হইতে পারিবে।

৪৬২ ধারা। (১) দেশন আদালতে যাহার বিচার

৪ - ০, ৪৫১ কি ৪৬০ ধাবা মতে সংলকায় জুবি नियुक्त कविदाद कथा ।

হংবে এমন কোন মোকদময় ৪৫০ কি ৪৬০ ধারার বিধান-মতে নিযুক্ত জুরি দারা অজি-যুক্ত ব্যক্তি কিন্তা অভিযুক্ত

ব্যক্তিদের মধ্যে একজনের বিচার হইবার অধিকার খাকিলে অপবা ৪৫১ ধারামতে কার্য্যকারী জিলার মাজিস্টেটের কিম্বা সেশনের জজের আদালতে থিচার হইলে, দেই বিচারের নিমিত্ত জুরিস্বরূপ ইউরোপীয় ও আমেরিকাদেশীয় যত জনের প্রয়েজন হয় উক্ত স্থাদালত ঐ মোকদমা বিচার হইবার নির্দ্ধারিত দিবসের পুৰে ন্যুনকশ্পে তিন দিন পাকিতে পুৰ্কলিখিত বিধি-মতে তাঁ,ছাদিগকে সমন ক্রাইবেন।

- (१) সংশোধিত নির্ঘলিপত্তে অন্য যে ব্যক্তিদের
  নাম লেখা থাকে আদালত সেই সময়ে সেই প্রকারে
  ভাহাদের মধ্য ছইতেও তভুল্য সংখ্যক ব্যক্তিদিগকে
  সমন করাইবেন। যদি সেই সেশনে জ্বি ছারা বিচারের নিমিভ ঐ অন্য প্রকারের তভুল্য সংখ্যক ব্যক্তিদিগকে পূর্বে সমন করা গিয়া থাকে ভবে করাইবেন
  না।
- (৩) তদম্পারে যত ব্যক্তি উপস্থিত হন তাঁহাদের
  মধ্যে যে যে ব্যক্তিদিগকে লইয়া জুরি হইবে ২৭৬
  ধারার নির্দ্দিউমতে গুলিবঁটি করিয়া তাঁহাদিগকে
  মনোনীত করা যাইবে ও যাবৎ ইউরোপীর এবং
  আমেরিকাদেশীয় উপযুক্ত সংখ্যার লোক কিম্না
  সাধ্যমতে প্রায়ই সেই সংখ্যার লোক প্রাপ্ত হওয়া না
  যায় তাবৎ মনোনীত করণ কার্য্য চলিবে।

কিন্তু কোন মোকদ্দমায় উপযুক্ত সংখ্যক ইউরোপ ও আমেরিকাদেশীয় লোক প্রকারান্তরে পাওয়া ঘাইতে না পারিলে আদালত আপন বিবেচনামতে ক্রির সংখ্যা পূর্ব করিবার উদ্দেশে ৩২০ ধারামতে মুক্ত বলিয়া ক্রির ফদ্দ হইতে বর্জ্জিত কোন ব্যক্তির নামে সম্ম দিতে পারিবেন।

৪৬৩ ধারা। ইউরোপীয় রটিষ প্রজাদের ও ইউরোপীয় রটিষ প্রজা ভিন্ন

ইউবোপীয় রটিষ প্রজা-দেব কিন্দুদ্ধে ফৌস্পাবী আনুষ্ঠানিক কাষ্য চালা-ইবাব কগা। ইউরোপীয়দের ও আমেরিকাদেশীয়দের বিরুদ্ধে থে কোঞ্জদারা আমুষ্ঠানিক কার্য্য সেশন
আদালতে ও হাই কোর্টে উপ-

স্থিত ক্রা যায় তাহা প্রকারান্তরের স্পন্ট বিধান না থাকিলে এই আইনের বিধানমতে চালান খাইবে।

### ৩৪ চতুস্ত্রিংশ অধ্যায়।

#### ক্ষিপ্তমনা ব্যক্তিদের সম্বন্ধীয় বিধি।

৪৬৪ ধারা। (১) যে মাজিক্টেট তদন্ত কি বিচার
করেন অভিযুক্ত ব্যক্তি বিক্বতমনা ও তন্ধিমিত্ত অভিযোগের উত্তর দিতে অক্ষম
সেই মাজিক্টেট এইরপ বিশ্বাস

করিবার কারণ দেখিলে, ঐ ব্যক্তির মনের অস্বাস্থ্য নিশ্চয় করণার্থে তদন্ত লইয়া জিলার সিবিল চিকিৎসক সাহেবের দ্বারা কিন্বা স্থানীয় গবর্ণমেন্টের আদেশমত অন্য কোন চিকিৎসকের দ্বারা ঐ অভিযুক্ত ব্যক্তির পরীক্ষা করাইবেন এবং স্বাক্ষীস্বরূপ ঐ সিবিল চিকিৎসক সাহেবের কি অন্য চিকিৎসকের সাক্ষ্য গ্রহণপূর্ণক ঐ সাক্ষ্য লিখিয়া রাখিবেন।

(২) মাজিস্ক্রেট ঐ অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ক্ষিপ্তমনা ও তন্মিয়ত্ত অভিযোগের উত্তর দিতে অক্ষম জ্ঞান করিলে. দেহ মোকদ্দমার অন্য সকল কার্য্য স্থগিত রাখিবেন। ৪৬৫ ধারা। (১) কোন ব্যক্তি দেশন আদালতে কি

দেশন আদালতে কি হাই কোটে সমর্পিত ব্যক্তি ক্ষিপ্ত হইলে যাগ কণ্ডব্য তাথার কথা। হাই কোর্টে বিচারার্থে সমর্পিড হইলে ও তাহার বিচার কালে আদালত তাহাকে ক্ষিপ্তমনা ও তমিমিত্ত অভিযোগের প্রতিবাদ করিতে অক্ষম বোধ করিলে,

জুরি অথবা আসেসরদের সাহায্যপ্রাপ্ত আদালত প্রথমে তাহার মনের অস্থাস্থ্যের ও অক্ষমতার বিচার করিবেন ও সেই বিষয় স্বদ্বোধমতে জ্ঞানিতে পারিলে, তদস্থায়ী নিপ্পত্তি করিবেন। তাহা হইলে মোকদ্দমার বিচার গোণে হইবে।

- (২) অভিযুক্ত ব্যক্তির মনের অস্বাস্থ্যের ও তাহার অক্ষমতার যে বিচার করা যায় তাহাও আদালতের সন্মুখে তাহার বিচারের একাংশ বলিয়া জ্ঞান হইবে।
- (৩) নথার প্রয়োজনার্থ আদালত এই আইনের ৫১২ ধারাক্রমে যে প্রকারের বিধান হইয়াছে সেই প্রকারে যে সকল সাক্ষী ও যে সাক্ষ্য উপযুক্ত বিবেচনা করেন সেই সকল সাক্ষীকে পরীক্ষা করিতে ও সেই সাক্ষ্য গ্রহণ করিতে পারিবেন এবং প্রস্ক্রপে যে কোন সাক্ষ্য গ্রহীত হয় বা প্রাপ্ত হওয়া যায় তাহার কল ঐ ধারার নির্দ্দিট কলের তুল্য হইবে।

৪৬৬ ধারা। (১) কোন স্থলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে বিক্লতমনা ও অভিযোগের অপুসদ্ধান বা বিচাবেব অপেক্ষায় ক্ষিপ্তব্যক্তিকে প্রতিবাদ করিতে অক্ষম জানা মৃষ্ঠ কবিবাৰ কথা। গোলে ভাহার যে অপরাধের অভিযোগ হয় যদি সেই অপরাধ

হেতুক হাজিরজামিন লওয়া যাইতে পারে, তবে সেই ব্যক্তির উপযুক্তমতে তত্ত্বাবধান করা ঘাইবে ও দে আপনার কি অন্য কাহার হানি করিতে পাইবে না ও আজ্ঞা হহলে তাহাকে মাজিফ্রেটের কি আদালতের সমুখে কিখা মাজিফ্রেট কি আদালত এতৎপক্ষে থে কার্যকারককে নিযুক্ত করেন তাঁহার সমুখে উপস্থিত করা ঘাইবে এইং নিয়মে উপযুক্ত জামিন দেওয়া গেলে মাজিফ্রেট কিখা স্থলবিশেষে আদালত তাহাকে ছাড়িয়া দিতে পারিবেন।

(২) থদি সেই অপরাণের নিমিত্তে হাজিরজামিন লওয়া যাইতে না পারে, কিয়া উপযুক্ত জামিন না দেওঃ। যায়, তবে মাজিক্টেট কি আদালত স্থানায় গবণমেন্টের নিকটে ঐ ব্যাপারের রিপোর্ট করিবেন ও স্থানীয় গবণমেন্ট অভিযুক্ত ব্যক্তিকে কিপ্তদের সাম্রায় বাটাতে কিয়া নির্দিয়ে আটক করিয়া রাখিবার অন্য কোন উপযুক্ত স্থানে বন্ধ করিয়া রাখিবার আজ্ঞা দিন্তে পারিবেন, এবং ঐ মাজিক্টেট কি আদালত উক্ত আজ্ঞা ফলবতী করিবেন।

৪৬৭ ধারা। (১) ৪৬৪ কি ৪৬৫ ধারামতে তদস্ত কি বিচাংকার্য্যে প্নশ্চ প্রবর্ত্ত এইবার কথা। কি বিচার করিতে হইলে মাজি-ক্রেট কিল্পা স্থলবিশ্বে আদ্বা-

লত কোন সময়ে<sub>,</sub> ঐতদন্ত কি বিচারের কার্য্যে পুনশ্চ

প্রার হইতে পারিবেন ও উক্ত মাজিফ্টেটের কি আদালতের সমূখে অভিযুক্ত ব্যক্তির উপস্থিত হই-বার কি ভাষাকে আনাইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

(১) ৪৬৬ ধারামতে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে মুক্ত করা গেলে ও এতদর্থে মাজিমেটে কি আদানত যে কর্ম-চারিকে নিযুক্ত করেন তাঁহার নিকটে এ ক্ষিপ্ত ব্যক্তিকে উপস্থিত করিবার জামিন ভাহাকে উপস্থিত করিলে সেই কর্মচারী থদি সাটিকিকেট দেন যে অভিযুক্ত ব্যক্তি প্রতিবাদ করিতে সক্ষম, উক্ত সার্টিফিকেট প্রমা-ণের মধ্যে গ্রহণ করা যাইতে প।রিবে।

তাভিযুক্ত ব্যক্তি মাজি-(इंटिंड कि आमामाटाउर সম্মুখে উপস্থিত চইলো ই।তকত্তব্যতার কথা।

৪৬৮ ধারা। (১) অভিযুক্ত ব্যক্তি মাজিফ্টোটর কি স্থল বিশেষ আদালতের সমুখে উপস্থিত হইলে কি তাহাকে পুনশ্চ উপস্থিত করা গেলে. সে অভিযোগের প্রতি-বাদ করিবার উপযুক্ত ভাবাপন্ন

হইয়াছে ঐ মাজিফেট কিন্তা ঐ আদালতের এমত বোধ হইলে ঐ মোকদমার তদস্ত কিন্তা বিচার কার্য্য **চ**न्टित् ।

\*(২) তৎকালেও মাজিফ্টেট কি আদালত অভিযুক্ত ব্যক্তিকে অভিযোগে প্রতিবাদ করিতে অক্ষম জ্ঞান করিলে মাজিফ্রেট কিম্বা আদালত পুনশ্চ ৪৬৪ কি স্থল বিশেষে ৪৬৫ ধারার বিধানমতে কাষ্য করিবেন।

৪৬৯ ধারা। তদন্ত কি বিচার সময়ে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে স্থেমনা দেখা গেলে ব্যক্তিকে ক্ষ[ভয়ক্ত ও অভিযুক্ত ব্যক্তি যে কার্য্য ক্ষিপ্ত দেখা গোলে যাই! করিয়াছে প্রক্রতম্না হইয়া কক্তব্য, তাগাব কথা। সেই কার্য্য করিলে ভাহা অপ-

রাধ হইত কিন্তু যে সময়ে ঐ ক্রিয়া করিয়াছিল সেই সময়ে মনের বিরুতি প্রযুক্ত অভিযোগের ঐ ক্রিয়ার ভাব বৃঝিতে পারে নাই, ও অন্যায় কি আইন বিৰুদ্ধ কর্ম করিতেছে ইহা জানিতে পারে নাই, মাজিফ্রেটের সমুখে যে সাক্ষ্য দেওয়া যায় তদ্ধারা তাঁহার এমন জ্ঞান করিবার বিশিষ্ট হেতৃ থাকিলে, মাজিফ্টেট মোকদ্দমা করিতে প্রবৃত্ত হইবেন ও দেশন আলা-লতে কি হাই কোটে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে সমর্পণ করা বিহিত হইলে বিচারার্থে সেশন আদালতে কি স্তলবিশেষে হাই কোর্টে পাঠাইবেন।

৪৭০ ধারা। যে সময়ে অপরাধ করিয়াছে বলিয়া কোন ব্যক্তির নামে অভিযোগ অভিযুক্ত ব্যক্তি কিন্তু হয় সেই সময়ে মনের অস্বাস্থ্য 5 এয়। প্রাযুক্ত নিবপরাধী প্রযুক্ত সে ঐ অভিযোগের ।ন-(যেৰ কথা। ক্রিয়ার অপরাধ স্বরূপ ভাব

বুঝিতে পারে নাই ও এন্যায় কিমা আইনবিরুদ্ধ কর্ম কারতেছে হুহা জানে নাই, এই হেতু তাছাকে নিরপ-রাধা করা গেলে, সেই ব্যক্তি ঐ ক্রিয়া করিয়াছিল কি না নিৰ্মপত্তে এই কথা বিশেষমতে লিখিতে হইবে।

৪৭১ ধারা। (১) ঐ অক্তিযুক্ত ব্যক্তি অভিযোগ্নযত

डेळ श्रकारत गांगरक নিৰপৰাধী কৰা যায় ভালকৈ নিৰিপ্নে আতক বাংখবাৰ ক্রিয়া করিয়াছে নির্থপত্তে ইহা ব্যক্ত হংলে ও তাগার উক্ত অক্ষমতা না হইলে যদি অভি-যোগমত এ নিয়া অপরাধের ভুল্য হইত, তবে যে মাজিফ্রেটের

কিমা যে আদালতের সন্মুখে ঐ বিচার হয়, সেই মাজিক্টেট বা আদালত যে স্থানে ও ফেরপে উপযুক্ত বোধ করেন সেই ছানে ও সেৎরূপে ঐ ব্যক্তিকে নিশিলে হেফাজতে রাখিবার আজা করি বন ও স্থানীয় গ্রন্মেন্টের আজ্ঞার জন্যে ঐ বি য়ের রিপোর্ট করিবেন।

২) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট ক্ষিপ্ত ব্যক্তিদের আশ্রায়-বাটীতে কিপা কারাগারে কিপা স্বরক্ষা ২ইবার জন্য কোন উপযুক্ত স্থানে ঐ ব্যক্তিকে বন্ধ করিয়া রাখিবা**র** আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

(৩) মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত ঐীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব

গবর্ণমে**ণ্টে**ব আজাক্রমে কার্রারদ্ধ এপ াধা ক্ষিপ্ত ব্যক্তিদিগকে ±क श्राप्तम ≥हें(३ अ**ल**) প্রদেশে পাঠাইবার আজা Iদতে মন্ত্ৰিসভাগিষ্টিত **জ্ঞা**গৃত গ্ৰণ্য প্ৰেল সাডেৰেৰ ক্ষম ৩:ব কথা |

সাধারণ কি বিশেষ আজ্ঞাক্রমে এইরূপ আদেশ করিতে পারি-বেন যে স্থানীয় গ্রণমেণ্ট যে কোন ব্যক্তিকে এই অধ্যয়মতে কোন শিপ্ত ব্যক্তিদের আশ্রয় বাটাভে, জেলে বা নিদিল্লে রাখিবার অন্য কোন স্থানে বঞ্জ রাখিবার আজ্ঞা করিয়াছেন,

সেই ব্যক্তিযে স্থানে বন্ধ থাকে তথা হুইতে ভাহাকে র্টিষ ভারতবর্ষের অন্তগত কোন শিপ্ত ব্যক্তিদের আপ্রায় বাটাতে বা জেলে বা নিকিছে। রাখিবার অম্য স্থানে পাঠাইতে হইবে।

(৪) কোন ব্যক্তি ২৬৬ বা এই ধারার বিধানমতে य एक दल वक्त थारक, जानीय

कामर कार्या अहराज **हेन(न्त्र**क्रेट (क नवल म्राट्ड-বকে স্থানীয় গ্ৰপ্ৰেয়কের যুক্ত কবণের ক্ষমতাব কথা।

গবর্ণমেন্ট সেই জেলের কার্গ্যের অধ্যক্ষতা ভারপ্রাপ্ত কর্তৃপ-ক্ষকে ৪৭২, ৪৭৩ বা ৪৭৪ ধারামত জেলের ইনস্পেক্টর

জেনরল সাহেবের সকল কি কোন কার্য্য করিবার ক্ষমতা দিতে পারিবেন।

৪৭২ থারা। ৪৬৬ কিন্না ৪৭১ ধারার বিধানমতে কোন ব্যক্তিকে বন্ধ করা গেলে

ক্ষিপ্তব্যক্তিকে ইনস্পেক্টব সেই ব্যক্তি কার্মগারে ব্দ্ধ *(जनवरम*स मृष्टि क्रियाव থাকিলে জেলের ইনস্পেকুর

জেনরল সাহেব কিম্বা ক্ষিপ্ত ব্যক্তিদের আশ্রয় বাটীতে বদ্ধ থাকিলে ঐ আশ্রয় বাটীর সন্দর্শকেরা কিম্বা তাহাদের কোন হুইজন ঐ ব্যক্তির মনের অবস্থা জ্ঞাত হওনার্থে তাহার স**লে** সাক্ষাৎ করিতে পারিবেন ও সেই ইনস্পেক্টর জেনরল সংহেব কিলা পূৰ্বোক্ত গুই জন সন্দৰ্শক ছয়ং মাসা-ন্তুর ন্যুনকজ্পে একবার ভাহার সঙ্গে সাক্ষাৎ করিয়া স্থানীয় গবৰ্ণমেন্টের মিকট তাহার মনের অবস্থার । বিশেষ রিপোর্ট করিবেন।

৪৭৩ ধারা। । ঐ ব্যক্তি ৪৬৬ ধারার বিধানগতে বন্ধ

২৬ কিব গাজে জভি-গোড়ে উত্তৰ দিতে সক্ষয় বিশোট ১ইলে কর্ডে ্যব কথা;৷ হইলে সে অভিনেগের প্রতিবাদ করিতে সক্ষম উক্ত ইন-শেপক্টর জেনরল সাহেব কিম্বা সন্দর্শকেরা এই সার্টিফিকেট দিলে ঐ মাজিফ্রেট কিম্বা শুল

বিশেষে আদালত যে সময় নিরূপণ করেন সেই সময়ে 
ত ব্যক্তিকে ঐ মাজিফ্টেটের কি আদালতের সম্মুখে 
উপস্থিত করা যাইবে; ও সেই মাজিফ্টেট কি আদালত 
সেই ব্যক্তির সম্বন্ধে ৩৬৮ ধারার বিধানমতে কার্য্য 
করিবেন ও সেই ইনস্পেক্টর জেনরলের কি সম্মর্শকদের 
পর্কোক্ত সার্টিফিকেট প্রমাণস্বরূপে গ্রাহ্য হইবে।

898 ধারা। (১) সেই ব্যক্তি ৪৬১ কি ৪৭১ ধারার বিধানমতে বদ্ধ হইলে এবং

৪৬৬ কি ৪৭১ ধ্রামতে সন্ধ কপ্ত জি মুজ ২২ বার গোগ্য প্রকাশ হ**ইলে** তাগ্র কথা। তাহাকে মুক্ত করা গোলে সে
আপনার কি জন্য কাহার হানি
যে করিবে জামার কি জামাদের
বিবেচনায় এযত শঙ্কা হয় না

উক্ত জেলের ইনস্পেষ্টর জেনরল সাহেব কিন্তু।
প্রকোক্ত সন্দর্শকেরা এই মর্মের সার্টিকিকেট দিলে,
খান ম গবর্ণমেন্ট ভাষার মুক্ত হইবার অথবা ভাষাকে
ক্রেলাগতে রাখিবার আজা করিতে পারিবেন অথবা
প্রকাশিশু ব্যক্তিদের রাজকায় আশ্রয়বাটাতে প্রেরিভনা
হইলে ভাষাকে সেই খানে পাটাইবার আজ্ঞা দিতে
পারিবেন এব ভথায় পা াহবার আজ্ঞা দিলে কোন
এক এন বিচারকভাকে এবং ঘুই জন চিকিৎসক
সাংহরকে ক্রিশনস্করণ নিযুক্ত করিতে পারিবেন।

(২) ঐ কমিশন আবশ্যকমত প্রমাণ গ্রাহণপূর্ণক এ বংক্তির মনের অবস্থার বিষয়ে নিয়মিভরূপে ভদন্ত লইক্তা স্থানার গবর্ণমেন্টে রিপোট করিবেন। গবর্ণ-মেন্ট ক্রেমন উচিত বোধ করেন ভেমনি ঐ ব্যক্তিকে ছাড্রিল দিবার কিন্না ভাহার আটক থাকিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

৪৭৫ থারা। (১) ৪৬৬ কি ৪৭১ ধারার বিধানমতে কোন ব্যক্তি আটক থাকিলে অংগ্রন্থের ডত্তাবধানে যদি ভাগার জ্ঞাতি কুট্গ কি গিপ্তবেল অপন করিবার বস্ত্বাত্তাবধানে লইডে রক্ষণে ও তত্ত্বাবধানে লইডে

ইচ্ছা করে, তবে শুনির গবর্ণমেন্টের নিকটে দরখান্ত করেল সেই ব্যক্তির উপযুক্তমতে তত্ত্ব লওয়া যাইবে ও সে আপনার কি অন্য ব্যক্তির হানি করিতে পারিবে না জ গবর্ণমেন্টের হুদোধমতে ইহার প্রতিভূ দিলে, গবর্ণ ট ঐ ব্যক্তিকে উক্ত জ্ঞাতি কুটুপ্নের কি বন্ধুর নিক্রে গমর্পণ করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

(২ ডাছাকে সেই প্রকারে সমর্পণ করা গেলেও স্থানা স্বর্গমেণ্ট যে কর্মচারিকে নিযুক্ত করেন তিনি এ জ গ্রেণ্টের নিরূপিত সময়ে সময়ে ঐ ব্যক্তিকে দৃক্তি লাভে পাইবেন এই নিয়য়ে তাহাকে অর্পণ করা যাইবে (৩) এই ধারামতে যে ব্যক্তি দিগকে সমর্পণ কর।
যায় তাহাদের প্রতি জাবশ্যক পরিবর্তনসহ ৪৭২ ও
৪৭৪ ধারার বি ান খাটিবে; ও এই ধারামতে যে পরিদর্শনকারা কর্মচারিকে নিযুক্ত করা যায় তাঁহার সার্টিফিকেট প্রমাণ বলিয়া আহ্য হইবে।

# ·৫ পার্বিল অপায়,

বিচার কার্য্য সঙ্গন্ধ য় কোন কোন অপরাতের যোক-দ্দমার আইষ্ঠানিক কার্য্য বিষয়ক বিধি।

৪৭৬ ধারা। (১) ১৯৫ ধারার উল্লিখিত বিচারকার্য্য-শ্মে ভৎসন্থা ক্লড কি ১৯ঃ দাবাব লি খড অানীত কোন অপরাধের স্ক্রংলি ক ব। প্রশালাব কথা। তদম্ভ লইবার হেতৃ আছে, কোন দেওয়ানী কি কৌজদারী কি রাজস্বসম্পর্কীয় আদালত এমত বোধ করিলে সেই আদালত প্রথমস্থলীয় আবশ্যক ওদন্ত করিলে পর নিকটন্থ মাজিন্টেনের নিকট ভদন্ত বা বিচার হইবার জন্যে সেই মোকদ্দমা প্রেরণ করিতে পারিবেন। উক্ত আদালত অভিযুক্ত ব্যক্তিকে প্রহ'রর জিম্মায় পাঠাইতে কিপা তাহার স্থান ঐ মাজিষ্ট্েটের সন্মুখে উপস্থিত হইবার উপাযুক্ত জামিন লইতে পারিবেন ও সেই বিচার কি তদন্ত হই-বার সময়ে উপস্থিত হংয়া সাক্ষ্য দিবার জ্বন্য কোন ব্যক্তিকে প্রতিজ্ঞাবদ্ধ করিতে পারিবেন।

- (-) তাল হইলে ঐ মাজিষ্টেট আইন অন্নসারে ও যেন নালিশ করা ইইয়াছিল এমনি ভাবে কার্য্য করিবেন এব° তিনি ১৯২ ধারামতে মোকদ্দমা অপনি করিবার ক্ষমতা পাইয়া থাকিলে উপযুক্ত ক্ষমতাণন্ত্র ক্ষান্য মাজিফ্টেটের প্রতি উক্ত তদন্ত বা বিচারকার্য্যের ভার অপন করিতে পারিবেন।
- (৩) ৩২ জ্ঞায় মত সংশোধন দারা বা প্রকারা-স্তরে এই ধারাস্থায়িক আস্প্রানিক কার্য্যের প্রতিবাদ করা যাইবে না।

8৭৭ ধারা। (১) সেশন আদালতের সম্মুখে ১৯৫ ধারার উল্লিখিড কে:ন অপরাধ

দেশন আদালতের দম্মুথে তত্মণ অপবাধ হউলে ঐ গ্লাদ,লতের ক্ষমতাৰ কথা।

হইলে কিম্বা বিচারকার্য্যক্রমে তাহা উক্ত আদালতের জ্ঞান গোচরে আনা গেলে, সেই আদালত ৪৪৪ ধারার বিধা-

নের নিয়মাধানে ঐ ব্যক্তির নামে ঐ অপরাধের অভি-যোগ করিয়া আপনার ক্লত অভিযোগপাত্রকমে ঐ ব্যক্তিকে সম শ করিতে কিখা ভাহার স্থানে হাজির-জামিন লইয়া ভাহার বিচার করিতে পারিবেন।

(২) ঐ আদালত মাজিষ্টেটকে উজ বিচারকালে সাক্ষীদিগকে ভপঞ্জিত করাইবার আজা দিতে পারি-বেন। ৪৭৮ ধারা। (১) কোন দেওয়ানী বা রাজস্বসম্পর্কীয়

অসুসন্ধানের কাগ্য সমাপ্ত কবিষা ভাই কোটে কি সেশন আদাপতে সমর্পন কাবতে দেওয়ানা ও বাজস্ব-সন্পকীয় আদালতেওব ক্ষম. তার কথা। আদানতের সমুখে এমত
অপরাধ করা গেলে কিয়া
বিচার কার্য্যক্রমে তাহা উক্ত
আদালতের জ্ঞানগোচরে আনা
গেলে, অপরাধের বিচার যদি
কেবল সেশন আদালতে কি

হাই কোর্টে হইতে পারে কিম্বা যদি উক্ত দেওয়ানী কি রাজস্ব সম্পর্কীয় আদালত বিবেচনা করেন যে সেশন আদালতে কি হাই কোর্টে উহার বিচার হওয়া উচিত, তবে সেই দেওয়ানী কি রাজ্যস্ব সম্পর্কীয় আদালত ৪৭৬ ধারামতে মাজিক্টেটের দ্বারা তদন্ত লইবার জ্বন্যে মোকদ্দমা প্রেরণ না করিয়া আপনি সেই তদন্ত লওনের কার্য্য সমাপ্ত করিতে পারিবেন ও হাই কোর্টে কিম্বা স্থলবিশেষে সেশন আদালতের সম্মুখে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে সমর্পণ করিতে কিম্বা বিচার হইবার নিমিতে হাজিরজামিন লইতে পারিবেন।

(২) এই ধারামতে তদন্ত লইবার জন্যে দেওয়ানী বা রাজস্বসম্পর্কীয় আদালত ৪৪৩ ধারার নিয়মাধীনে মাজিষ্টেটের সকল ক্ষমতামতে কার্য্য করিতে পারিবেন এবং ঐ তদন্ত লইবার সময়ে আদালতের আন্তানিক কার্য্য যতদূর সন্তব ১৮ অধ্যায়ের বিধানমতে হইবে ও তাহা মাজিফ্টেটের ছারা করা গেল এমত জ্ঞান হইবে।

৪৭৯ ধারা। দেওয়ানী বা রাজস্বসম্পর্কীয় আদাপত কর্তৃক অপারাধীকে উক্ত ভদ্দপ স্বলে দেওঘানী বা প্রকারে সমর্প ন করা গোলে, ঐ রাজ্য সম্পর্কীয় আদালতেষ কন্তব্যের কথা। ও মোকদ্দমার কাগজপতের

সহিত অভিসোগপতা প্রেসিডেন্সী মাজিফ্রেট কি জিলার মাজিফ্রেট সাহেবের কিন্ধা বিচারার্থ সমর্পণ করিবার ক্ষমতাপন্ন অন্য মাজিফ্রেটের নিকটে পাঠাইবেন। সেই মাজিফ্রেট প্র মাকদ্দমা এবং বাদির ও প্রতিবাদির সাক্ষ্যদিগকে হাই কোর্টের কি স্থলবিশেষে সেশন আদালতের সন্মুখে উপস্থিত করাইবেন।

৪৮০ ধারা। (১) ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইনের কোনং স্থলে <sub>অন্তর্গ</sub> ছইলে মাগ্রুকত্তর ভাগর কথা।
কি ১৮০ কি ২২৮ ধারার বর্নিত কোন অপারাধ কোন দেওয়ানী কি ফোজদারী কি রাজস্থ-

সম্পর্কীয় আদালতের দৃষ্টিগোচরে কি সমুখে করা গেলে
অপরাধা ইউরোপায় রটিয প্রজা হউক কি না হউক
ঐ আদালত ভাহাকে হেফাজতে রাখিতে পারিবেন
ও সেই দিনে আদালত উচিত বোধ করিলে, উঠিয়া
ঘাইবার পূর্ব্ব কোন সময়ে ঐ অপরাধের বিচার করিয়া
অপরাধীর দুই শত টাকার অনধিক অর্থদণ্ডের আজ্ঞা
করিতে পারিবেন ও সেই অর্থদণ্ড না দেওয়া গেলে
ভাহার এক মাস পর্যান্ত সামান্য করাদণ্ড হইবার ভাজ্ঞা

করিতে পারিবেন। ইতিমধ্যে ঐ অর্থদণ্ড দেওয়া গেলেই তাহাকে মুক্ত করা যাইবে।

(২` ৪৪৩ ও ৪৪৪ ধারার কোন কথা এই ধারামত কার্য্যান্নন্তানের প্রতি বর্তিবে বলিয়া জ্ঞান হইবে না।

৪৮১ ধারা।(১) উক্ত প্রত্যেক ছলে যে কার্য্য দ্বারা অপরাধ হয় ও অপরাধী সেই

এইরপ মোকদ্দমায়নগীব বিষয়ে কোন উত্তর দিলে যে উত্তর
কথা।

দেয় ও যে নির্বয় ও দণ্ডাজ্ঞা হয়আদালত সেই সকল কথা লিপিবদ্ধ করিয়া রাখিবেন।

(২) ভারতবর্ধের দণ্ডবিধির আইনের ২২৮ ধারামত অপরাধ হইলে ঐ আদালত বিচারঘটিত যে কার্য্যে অধিবিষ্ট ছিলেন সেই কার্য্যের ভাব ও কার্য্য কত দূর চলিলে ঐ অপমান কি প্রতিবন্ধকতা করা যায় তাহা ও সেই অপমানের বা প্রতিবন্ধকতার ভাব ঐ কাগজপত্রে

দেখাইতে হইবে।

৪৮২ ধারা। (১) ৪৮০ ধারার উলিখিত ও আপনার

দ্ফি গোচরে কি সমুখে ক্লত

দমা লইযা কার্য্য হওয়। কোন অপরাধে অভিযুক্ত

উ.চত নয়, আদালতের ব্যক্তির অর্থদণ্ড না দেওয়া

এমত বোধ হইলে কার্য্যপ্রালীব কথা।

পারে ভদ্তির কার্যাদণ্ড কিছা

থুই শত টাকার অধিক অর্থান্ত করা উচিত আদালত এমত বোধ করিলে, কিয়া ৪৮০ ধারামতে ঐ মোকদমা লইয়া কার্য্য করা উচিত নম আদালত অন্য কোন কারণে এরপ বিবেচনা করিলে, যে কার্য্যাদি দ্বারা ঐ অপরাধ হয় ও পূর্কলিখিত বিধিমতে অভিযুক্ত ব্যক্তিযে উত্তর দেয় ঐ আদালত তাহা লিপিবদ্ধ করিলে পর ঐ মোকদমার বিচার করিবার ক্ষমতাপন্ন মাজিস্ট্রেটের নিকটে সেই মোকদ্দমা পাঠাইবেন, ও অভিযুক্ত ব্যক্তি ঐ মাজিফ্রেটের সন্মুখে উপস্থিত হইবে ইহার জামিন লইবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন। উপযুক্ত জামিন না দেওয়া গেলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে প্রহরির জিন্মায় ঐ মাজিফ্রেটের নিকটে পাঠাইবেন।

(২) এই ধারামতে কোন ব্যক্তিকে ধে মাজিফ্টেটের নিকটে পাঠান থায় ইতিপুক্তে যে বিধান করা গিয়াছে সেই বিধানমতে তিনি ভাহার নামে নালিশ'ভনিতে প্রব্যুত্ত হইবেন।

৪৮০ ধারা। স্থানীর গবর্ণমেন্ট আজা করিলে ব্যক্তির বা সব-বেজি জারতবর্ষীর রেজিইনীকরণ বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন-দেওয়ানী আদালত বালয়। মতে নিযুক্ত কোন রেজিইটার জান যে দ্বলে হইবে তাগাব কথা।

৪৮২ ধারার অভিপ্রায়ামুখারা

দেওয়ানী আদালত বলিয়া জ্ঞান হইবে।

৪৮৪ ধারা। কোন ব্যক্তিকে আইনসিদ্ধ কোন কার্য্য করিঙে আজ্ঞা করা অপবাদী আজাক্রমে কার্য্য করিলে কিয়া অপরাধ গোলে ভাছা করিডে অজ্ঞীকার দ্বীকার কবিলে ভাগান মৃক্ত করা কিয়া সেই কর্ম না করা ১ইবার কথা। কিয়া ইচ্ছাপূর্থক অপমান করা

- সাক্ষীত্তরপে ভাষার সাক্ষ্য সইবার জন্যে ভাষাকে ঐ কোর্টের সমুখে আনাইবার আজ্ঞা।
- (য) কোর্ট মার্লা লের সমুখে কিন্তা মন্ত্রিসভাথিটিত জীযুত গবণর জেনরল সাহেবের
  কোন কমিশনের বলে কর্মকারী কোন
  কমিশনরদের সমুখে বিচার হইবার
  জন্যে কিন্তা উক্ত কোর্ট মার্শ্বালের কি
  কমিশনরদের সমুখে উপদ্বিত কোন
  বিষয়ে সাক্ষ্য দিবার জন্যে পুর্কোক্তমত
  বদ্ধ কোন আসামীকে জানাইবার
  ভাজ্ঞা।
  - (ও) উক্ত স্থানের মধ্যে কোন আসামীর বিচার হইবার জ্ঞান্যে তাহার বন্ধ থাকার এক স্থান হইতে অন্য স্থানে চালান করিবার আজ্ঞা। এবং
  - (5) ধৃত করিবার পরওয়ানা জারী করিয়া
    শরিক সাহেব সীপাই কর্পস (অথাৎ
    ব্যক্তিকে লাইয়াছি) বলিয়া যে রিটর্ণ
    দেন তদহসারে উক্ত ছানের মধ্যের
    কোন আসামীকে আনিবার আজ্ঞা।
- (২) এই ধারামতে যে প্রণালীক্রমে কার্য্য করা যাইবে উক্ত প্রত্যেক হাই কোর্ট সময়েং সেই প্রণালী বিষয়ক বিধি প্রণয়ন করিতে পারিবেন।
- (৩) রাজকীয় বন্দী বিষয়ক বন্ধদেশের ১৮১৮
  সালের আইন, মান্দ্রাজের ১৮১৯ সালের ২ আইন
  কিন্না বোদ্বাইর ১৮২৭ সালের ২৫ আইনমতে
  অথবা রাজকীয় বন্দী বিষয়ক ১৮৫০ সালের আইন
  বা রাজকীয় বন্দী বিষয়ক ১৮৫৮ সালের আইনমতে
  যে ব্যক্তিদিগকে আটক করিয়া রাখা যায়, ভাহাদের
  প্রতি এই ধারার কোন কথা খাটে না।

### নব্ম খণ্ড।

অভিরিক্ত বিধান।

**७৮** जहें जिश्म जभाग ।

রাজকীয় অভিযোক্তাদের সম্বন্ধীয় বিধি।

৪৯২ ধারা। (১) মাজিসভাধিন্তিও শ্রীযুত গবর্ণর
জেনরল সাহেব কিছা ছানীয়
কাশকীয় অভিযোজন গর্ণমেন্ট কোন ছানে সাধানিগ্ৰুক্ত করিবার ক্ষমতাব
কপা।
বা কোন বিশেষ শ্রেণীর মোক-

দ্দমায় রাজকায় অভিযোক্তা নামক এক বা একাধিক কর্মচারী নিযুক্ত করিতে পারিবেন।

(২) সেশন আদালতের বিচারার্থে যে মোকজমা
সমর্পণ করা যায় জিলার মাজিট্রেট লাহেব কিছা তাঁহার
কর্ত্বাধীনে মহকুমার মাজিট্রেট রাজকীয় অভিযোক্তা
অম্পস্থিত থাকিলে, কিছা নিযুক্ত না হইয়া থাকিলে,
থে মোকদমার কার্য্যপক্ষে আলিফান্ট ভিষ্কিট্র অপাারন্টেণ্ডেন্টের শ্রেণার নিমন্থ পোলীলের কর্মচারা ভিন্ন
অন্য কোন ব্যক্তিকে রাজকীয় অভিযোক্তার কর্ম
করিতে নিযুক্ত করিতে পারিবেন।

৪৯৩ ধারা। যে আদালতে রাজ্ঞকীয় অভি-যোক্তার প্রতি সমর্পিত মোক্ত-যোক্তার প্রতি সমর্পিত মোক্ত-দ্বার প্রতি নে সেইং মোক্ত দ্বার সকল আদালতে বাহুকীয় অভিযোক্তার উত্তব প্রত্যুত্তর করিতে পারিবেন;

ও ঐরপ কোন মোকদ্দমায় যদি বেসরকারী কোন ধ্যক্তি কোন ব্যক্তির নামে বেসবৰুবা কোন ব্যক্তিব অভিযোগ করিবার নিমিস্ক উকীল তাহার আঞ্জাধীন গাহিবার কথা।

করেন উকীলকে আদেশ করেন গাহিবার কথা।

তবে মোকদ্দমা চালাইবার

ভার রাজকীয় অভিযোক্তার প্রতি বর্ত্তিবে ও আদেশ-প্রাপ্ত উকীল তাঁহার আজ্ঞাধীনে কর্ম করিবেন।

৪৯৪ ধারা। মাজিসভাধিন্তিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের বা স্থানীয়
অভিযোগ উঠাইয়া দিলে গবর্ণমেন্টের নিযুক্ত কোন
ওাগার ফলের কথা।
 রাজকীয় অভিযোক্তা জ্বির
ছারা মোকদ্দমার বিচার হইলে, তাঁহাদের মীমাংসা
দিবার পূর্বের ও অন্য স্থলে, নিপাভি প্রকাশ করিবার পূর্বের
আদালতের অভ্যতি লইয়া কোন ব্যক্তির নামে
অভিযোগ উঠাইয়া লইতে পারিবেন। ঐরপে যদি
অভিযোগ উঠাইয়া লওয়া যায়, তবে

- (ক) অভিযোগপত্র প্রস্তুত হইবার পূর্বে তাহা করিলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ছাড়িয়া দেওয়া যাইবে।
- (খ) অভিযোগপত্র প্রস্তুত হইবার পর, কিম্বা যে স্থলে এই আইনমতে অভিযোগপত্তির প্রয়োজন নাই, সেই স্থলে ঐরপ করিলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দোষ করা যাইবে।

৪৯৫ খারা। (১) কোন মাজিস্টেট মোকদমার
তদস্ত লইলে কি বিচার করিলে
আভিযোগ চালাইবাব স্থানীয় গবর্ণমেন্ট মাজিসভাঅনুমতির কথা।
থিটিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল
সাহেবের অনুমতি প্রহণ পূর্বক এডদর্থে পোলীসের যে
শ্রেণী নির্দেশ করেন সেই শ্রেণীর নিম্নতন পোলীস
কর্মচারী ভিন্ন যে কোন ব্যক্তিকে অভিযোগ কার্য্য
চালাইতে অনুমতি দিতে পারিবেন, কিন্তু তদ্ধপ
অনুমতি না পাইলে আভবোকেট জেনরল কি ফাভিং
কোন্দেল কি গ্রন্মেন্ট সলিসিটর কি রাজকীয়

শভিষোক্তা কিয়া এডদর্থে ছানীয় গ্রন্থেতের ছানে সাধারণ বা বিশেষমতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত কোন কর্ম। চারা ভিন্ন কোন ব্যক্তির সেই কার্য্য করিবার অধিকার নাই।

- (२) কোন ব্যক্তি অভিযোগ কাৰ্য্য চালাইলে আপত্মি কিল্লা উকালের দারা ভালা চালাইতে পারিবেন।
- (৩) ৪৯৪ ধারা ক্রমে অভিযোগ উঠাইমা দিবার যে ক্রমতা সম্বন্ধে বিধান হইয়াছে ঐরপ কোন ব্যক্তির তভুল্য ক্ষমতা থাকিবে এবং ঐ ব্যক্তি কর্তৃক কোন অভিযোগ উঠাইয়া লওয়া হইলে তৎসম্বন্ধে ঐ ধারার বিধান খাটিবে।
- (ম) অভিযুক্ত ব্যক্তির নামে যে অপরাধের নিমিত্ত অভিযোগ চলিতেছে, পোলীদের কোন কর্ম-চারী সেই অপরাধ সম্পর্কীয় তদন্তের কোন অংশে লিপ্ত থাকিলে তাঁহাকে সেই অভিযোগ কার্য্য চালাইবার অমুমতি দেওয়া যাইবে না।

## ্ত উনচত্তারিংশ অগ্যায়।

### হাজিরজামিন বিষয়ক বিধি।

৪৯৬ ধারা। যে অপরাধের নিমিত্ত হাজিরজামিন
লয়রা ঘাইতে পারে না এমত
যে ছলে হাজিরলামিন অপরাধে অভিবৃক্ত ব্যক্তি ভিন্ন
লত্ত্বা যাইতে পাবে তাহা
কাইতে হইবার কথা
তথাক করি বাজিক করা গেলে কিন্না কোন আদালতের
সম্মুখে দে উপন্থিত হইলে কি ভাহাকে আনা গেলে
ও দে উক্ত পোলীদের কর্মচারির হেফাজতে থাকিবার
কি উক্ত আদালতে আম্নুষ্ঠামিক কার্য্য চলিবার কোন
সময়ে হাজিরজামিন দিতে প্রস্তুত্ত থাকিলে, ভাহার
ছারে হাজিরজামিন লতে প্রস্তুত্ত থাকিলে, ভাহার
ছারে হাজিরজামিন লইয়া ভাহাকে ছাড়িয়া দেওম্ব

পরন্ত পশ্চালিখিত বিধানমতে ঐ ব্যক্তি জামিন বিনা নিবন্ধপত্র লিখিয়া উপস্থিত হইবার প্রতিজ্ঞাবদ হইলে উক্ত কর্ম্বচারা কি আদালত উচিত বোধ করিলে তাহার স্থানে হাজিরজামিন না শইয়া জ্ঞাহাকে ছাড়িয়া দিতে পারিবেন।

৪৯৭ ধারা। (১) যে অপরাধ হইলে হা জরজামিন ল ওয়া যাইতে পাবে মা, কোন হাতি রভামিন লইবাব ব্যক্তির নামে এমত অপরা-অযোগ্য যে দ্বলে হাতি ব-ভামিন লওয়া ঘাইতে গানেরবে ডাধর কথা। ভাষ্যক কোন পে,লীস থানার ভাষ্যক ওয়া রক্ট বিনা ধৃত

করিলে কিছা আটক করিয়া রাধিলে কিছা সে কোন আদাসতের সমুখে উপস্থিত হইলে কিলা ছালকে আনা গেলে তাহাকে হাজিরজামিন লইয়া ছাড়িয়া দেওয়া মাইতে পারিবে, কিছ ভাহার নামে দে অপরাধের অভিযোগ হইল সে এ অপরাধে অপরাধী এযত জান

করিবার মুক্তিমত কারণ দৃষ্ট ছইলে ভাহাকে ঐরপে ছাড়িয়া দেওয়া ঘাইবে বা i

- (২) ঐ ব্যক্তি যে উক্ত অপরাধ করিয়াছে ইহা
  বিশ্বাস করিবার বৃক্তিমত কারণ দৃষ্ট হয় না, কিন্ত
  ভাহার অপরাধের আরো ভদও লইবার বিশিষ্ট হেড়
  আছে, অস্থলজ্বান কি ভদন্ত কি বিচারকার্য্য চলিবার কোন
  সময়ে উক্ত কর্মচারির কি আদালতের এইরপ বিবেচনা
  হইলে ঐ "ভদন্ত না লওন পর্যান্ত অভিযুক্ত ব্যক্তির
  নিকট হাজিরজামিন লইয়া কিন্তা ঐ কর্মচারির বা
  আদালতের বিকেচনামতে পশ্চালিখিত বিধান অম্পারে
  জামিন বিনা উপস্থিত হইবার নিবন্ধপত্র ভাহার স্থানে
  লেখাইয়া লইয়া ভাহাকে ছাভিয়া দেওয়া যাইতে
  পারিবে।
- (৩) পশ্চাৎ এই আইনমত কোন কার্য্যান্নষ্ঠান হই-বার যে কোন সময়েই কোন আদাসত এই ধারামতে মুক্ত কোন ব্যক্তিকে ধৃত করাইয়া হেকাজতে অর্পণ করিতে পার্শবিবেন।

৪৯৮ ধারা। এই অধ্যায়মতে যে কোন নিবন্ধপত্র লেখাইয়া লওয়া যায় মোকদ্দ-গাভিত্তভামন লইবাৰ কি উলাকমান্তলা দেবার ক্যাভ্তা কারবার ক্যাভার কথা। করা যাইবে এবং ঐ টাকা

অত্যধিক হইবে না: এবং কোন ব্যক্তিকে হাজিরজামিন দিবার অভ্যতি দেওয়া যায়, কিম্বা পোলীদের কর্ম-চারা কিম্বা মাজিফ্রেট মত টাকার জামিন চাহেন ভাছা কমাইয়া দেওয়া যায়, অপারাধ নির্ণয়ের উপর আপীল হউক কি না হউক, হাই কোট কি দেশন আদালত যে কোন হলেই এমত আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

৪৯৯ ধারা। (১) কোন ব্যক্তির স্থানে হাজির-জামিন কি তাহার নিজের জামিনদের কিবদ্ধপত্ত লইয়া তাহাকে কথা। হাড়িয়া দিবার পূর্কে পোলী-সের কর্মচারা কি স্থলবিশেষে

আদালত যত টাকা উপযুক্ত জ্ঞান করেন ঐ অভিযুক্ত ব্যক্তি ও তাহাকে হাজিরজামিন লইয়া ছাড়িয়া দেওয়া পেলে, এক কি অধিক জন বিশিষ্ট প্রভিভূ তত টাকার নিবন্ধপাএ লিখিয়া দিবে। নিবন্ধপাঞ্জের নিয়ম এই যে, ঐ ব্যক্তি ঐ নিবন্ধপাঞ্জের নির্দ্ধিক সময়ে ও স্থানে উপস্থিত হইবে, ও পোলাদের কর্মচারির কি স্থল-বিশেষে আদালতের অন্য আজ্ঞা না হওন পাঁয়ন্ত উপস্থিত থাকে।

(২) মান মোকজ্মার প্রয়োজন হয়, উক্ত নিবল্ধ-পত্রে এই নিয়মও থাকিরে যে যে ব্যক্তিকে হাজির-জামিন লইমা ছাড়িয়া দেওয়া যায় সেই ব্যক্তি ক্রজিনোগের উত্তর দিয়ার জন্য আহুত হইলে হাই ক্যোটে কি সেশন আদালতে কি অন্য আদালতে উপস্থিত হইবে। কিবা কার্য্যের বাধা দেওরা প্রবৃক্ত আদালত ৪৮০ ধারামতে কোর অপরাধীর দও নিরপণ করিলে যাদি দেই অপরাধী ঐ আদালতের আজা কি আদেশ মানিতে স্থীকার করে কিবা আদালতের হুলো বড়ে অপরাধ স্থীকার করে তবে আদালত স্থীয় বিবেচনা-মতে তাহাকে মুক্ত করিতে কিবা তাহার দও ক্যা করিতে ক্ষমতাপন্ন ছইবেন।

•৪৮৫ ধারা। কৌজনারী আদালতের সন্মুখে

উত্তর দিতে কি দলীল উপন্ধিত কারতে ঘীকার মা কাবলে কোন ব্যক্তিকে কারাবদ্ধ কবিবাব কি হেফা-ম্বতে বাথিবার কথা।

.)

কোন সাক্ষীকে কিন্তী বৈ ব্যক্তিকে কোন দলীল উপ-ছিড করিডে তলব করা হয় ভাহাকে যে কথা জিজ্ঞাসা করা যায় সে ভাহার উত্তর

দিতে কিম্বা ভাহার অধিকারগত কি ক্ষমতাভুক্ত যে দৰাৰ উপস্থিত করিবার আদেশ হয় ভাষা উপস্থিত করিতে অন্থাকার করিলে, ও অস্থাকার করণের কোন যুক্তিসজত কারণ না জানাইলে, ঐ আদালত হেডু লিপিবন্ধ করিয়া ঐ ব্যক্তির সাত দিনের অন্ধিক কাল সামান্য কারাদণ্ডের আজ্ঞা করিতে, কিন্তা ভাহাকে অধ্যক্ষতা ভারপ্রাপ্ত মাজিক্টেটের বা জজের স্বাক্রিত ওয়ারন্টক্রমে তত কাল আদালতের কোন কর্মচারির হেফাজতে অর্পণ করিতে পারিবেন। ইতি-মধ্যে সাক্ষ্য ও উত্তর দিতে বা দলীল উপস্থিত করিতে সন্মত হইলে তাহাকে মুক্ত করা থাইবে। কিন্তু সেই সাত দিনের পরেও অস্থাকার করিতে ধাকিলে তান্ত্রর প্রতি এই আংনের ৪৮০ ও ৪৮২ ধারার বিধানমতে কার্য্য হইতে পারিবে এবং রাজকীয় সনন্দ বলে স্থাপিত আদালত ছংলে তাহাকে অবজ্ঞা করণাপরাধা জ্ঞান করা ঘাইবে।

৪৮৬ ধারা। (১) কোন আদালত কর্তৃক ৪৮০ কি
৪৮৫ ধারামতে কোন ব্যক্তির
ডলবজ্ঞাব মোকদ্দদায অপবাধ নিগ্য ১ইলে ডাগাব
উপর আপি'লের কথা।
উপর সাধারণতঃ যে আদা-

লতে আপীল হইতে পারে সে ইতিপূর্বে প্রকারান্তরের কথা সত্ত্বেও সেই আদালতে আপীল করিতে পারিবে

- (২) এই ধারামত আপীলের প্রতি ৩১ অধ্যায়ের বিধান যতনূর বর্জিতে পারে বর্জিবে ও যে নির্নিয়র কি দণ্ডাজ্ঞার বিরুদ্ধে আপীল হয় আপাল আদালত সেই মির্ণিয় পরিবর্জন কি অন্যথা করিতে কিছা সেই দণ্ডাজ্ঞা কম কি অন্যথা করিতে পারিবেন।
- (৩) রাজধানী নগবের ছোট আদালতে উক্ত অপারার নির্ণয় হউলে ছাই কোর্টে আপীল ছইতে পারিবে এবং

জনা ছোট আদালতে অপরাধ নির্ণয় হইলে ঐ আদালত যে সেশন খণ্ডের মধ্যে গাকে সেই সেশন খণ্ডের সেশন আদালতে আপীল হইতে পারিবে।

(৪) পুকোজমডে নিযুক্ত রেজিফ্রার বা সব-রেজি-ফ্রারস্করণ কোন কর্মচারী ডক্রপ অপরাধ নির্বয় করিলে উক্ত কর্মচারী ষদি কোন দেওয়ানা আদালভের বিচারপতিও ছয়েল; তবে ঐ কর্মচারী উক্ত
বিচারপতিষরপ অপরাধ নিগম করিলে এই ধারার
প্রবাংশমতে য়ে আদালতে আপীল ছইতে পাতি
সেই আদালতে আপাল ছইবে; ও ছলান্তরে জ্লিলার
জ্জ সাহেবের মিকটে কিছা রাজধানী নগরে ছাই
কোটে অপীল ছইবে।

৪৮৭ ধারা।(১)৪৭৭ ও ৪৮০ ও ৪৮৫ ধারার নির্দিষ্ট

১৯৫ ধাৰাব উল্লিখন্ত অপৰাধ কোন২ লভেব কি মাজেওেতের সমূধে করা গেলে, তাঁলালেব সেজ অপ-বাধের বিচার না করিবার কথা। ছল ব্যতিরেকে হাই কোর্টের জজ ও রেছণের রিকার্ডার ও ঞ্রেসিডেন্সী মাজিফ্রেট ভিন্ন কোন কোজদারী আদালভের জজ কি মাজিফ্রেট ১৯৫ ধারার উল্লিখিত অপবাধ তৎসমূখে

কিষা তাহার ক্ষমতার প্রতি অবজ্ঞা দেখাইয়া করা গোলে, কিছা বিচারকার্য্যক্রমে ঐ জজ্ঞ বা মাজিফ্রেট ক্ষমণ তাঁহার জ্ঞান গোচরে আনা গোলে ঐ অপরাধ ছেতু কোন ব্যক্তির বিচার করিতে পারিবেন না।

(২) যে মাজিফ্রেট সেশন আদালতে কি হাই কোর্টে সমর্পণ করিবার জন্য জমজাপন্ন হন তিনি যে উক্ত আদালতে কি কোটে কোন মোকদ্দমা আপনি সমর্পণ করিতে পারিবেন না কিছা প্রেসিডেন্সা মাজিফ্রেট যে অন্য মাজিফ্রেটের নিকটে তদন্ত জন্য না পাঠাইয়া কোন যোকদ্দমা লইয়া আপনি কার্য্য করিতে পারিবেন না. ৪৭৬ কি ৪৮২ ধারার কোন কগ্র হারা এরপা বিধান হইবার জ্ঞান হইবে না।

### ৩৬ ষটত্রিংশ অধ্যায় :

ল্লী ও সন্তানাদির ভরণপোষণের বিধি।

৪৮৮ ধারা। (১) কোন ব্যক্তির উপাযুক্ত সক্তি
থাকিডেও যে আপন স্তার কিছা
প্রী ও সম্ভানাদির ভরণপোষণের আজার কথা।
বিজ্ঞানীক জারজ সন্তানের ভরণ-

পোষণ করিতে উপেক্ষা কি অস্থাকার করে ইহার উপযুক্ত প্রমাণ হইলে, জিলার মাজিস্টেট সাহেব কিম্বা প্রেসি-ডেন্সী মাজিস্টেট কিপ্না মহকুমার মাজিস্টেট কি প্রথম শ্রেণার মাজিস্টেট কিপ্রা মহকুমার মাজিস্টেট কি প্রথম শ্রেণার মাজিস্টেট কিপ্রা মহকুমার মাজিস্টেট কি প্রথম শ্রেণার কারিব মাসেং সর্কাপ্রদ পঞ্চাল টাকার অনধিক ষড টাকা উচিত বোধ করেন এ ব্যক্তির তত টাকা দিবার আজ্ঞা করিতে পারিকেন। মাজিস্টেট সময়েং যে ব্যক্তির নিকট দিবার আদেশ করেন সেই টাকা সেই বাজির নিকট দিতে হাইবে।

(২) ভরণপোষণের ঐ টাকা দিবার আজ্ঞার তারিখ অবধি কিম্বা যদি এরপে আজ্ঞা হয় তবে নালিশের ভারিখ অবধি ঐ টাকা দেওয়া যাইবে। (৩) যদি ঐরপ আজ্ঞাপ্রাপ্ত কোন ব্যক্তি ইচ্ছাপূর্বক

ঐরপ আজ্ঞামত কার্য্য করিতে

সেই আজ্ঞা প্রথন করিবাব

উপেক্ষা করে, তবে যতবার

ঐ আজ্ঞা লক্ত্যন হয় ততবার

ঐ মা ফ্রেট ওয়ারন্ট দিয়া অর্থদণ্ড আদায়ের পূর্বানদিন্ট নিয়মমতে ঐ দেনা টাকা আদায় করিবার ও
ওয়ারন্ট জার্ট্রা ইইলে ও কান মাসের টাকার সমুদয়
বা কোন অংশ অদত্ত থাকিলে ঐ ব্যক্তির একমাস কাল

অথবা যতকাল ঐ টাকা দেওয়া না হয় ততকাল পর্যান্ত
কারাবন্ধ ইইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

কিন্তু যদি এ ব্যক্তি কহে যে, ছ্রী আমার সঙ্গে বাস করিলে আমি ভাছার ভরণপোষণ করিতে প্রস্তুত আছি ও ছ্রী বদি কাছার সঙ্গে বাস করিতে স্বীকার না করে তবে ঐ ল্রী অস্থীকার করিবার যে কারণ জানায় ঐ মাজিস্ট্রেট সেই কারণ বিবেচনা করিতে পারিবেন ও মাজি-ফ্রেটের যদি এরপ প্রতীতি হয় যে এই ধারামত আজ্ঞা করিবার ন্যায্য হেতু আছে তাহা হইলে পুরুষ পুর্কোক্ত প্রস্তুবেন করিলেও তিনি এই ধারামত আজ্ঞা করিতে পারিবেন

- (৪) দ্বী যদি উপপান্দর সঙ্গে বাস করে, কিন্তা যদি অলপায়ক কারণে আপান স্বামীর সঙ্গে বাস করিতে অস্বীকার করে, কিন্তা যদি উভয়ে পারস্পারের সন্মতি-ক্রামে স্বভন্ত বাস করে, তবে এই ধারামতে স্বামির স্থানে ও দ্বীর রভি পাইবার অধিকার ন।ই।
- (৫) কোন দ্রীর অন্তক্লে এই ধারামতে আজ্ঞা করা গেলে যদি প্রমাণ হয় যে দে উপপতির সহিত বাস করিতেছে, কিয়া উপযুক্ত কারণ বিনা আপন স্বামীর সঙ্গে বাস করিতে অস্বাকার করে, কিয়া উভয়ে পর-স্পারের সম্বাভিক্রমে স্বভন্ত বাস করে, তবে মাজিফ্রেট উক্ত আজ্ঞা রহিত করিবেন।
- (৬) এই ধারামত সমুদয় সাক্ষ্য স্থামির বা স্থল-বিশেষে পিভার সাক্ষাতে লওয়া যাইবে, কিম্বা তাঁহার স্বয়ং উপস্থিত না হইবার আজ্ঞা দেওয়া গেলে তাঁহার উকীলের সাক্ষাতে লওয়া যাইবে এবং সমনের মোক-দমায় যেরপে সাক্ষ্য লিপিবদ্ধ করা যায় ভাহা সেইরপে লিপিবদ্ধ করা যাইবে।

কিন্তু সে ইচ্ছাপুর্বাক ঐ আজ্ঞা জারী করণ এড়াই-তেছে কিন্তা আদাদতে উপস্থিত হইতে ইচ্ছাপুর্বাক উপোক্ষা করিতেছে মাজিফেটের এরপ প্রতীকি হইলে, উক্ত মাজিফেট ঐ মোকদমা একতরকা শুনিয়া নিপান্তি করিতে প্রবৃত্ত হইতে পারিবেন। তিন মাসের মধ্যে দরখান্ত করিয়া উপযুক্ত কারণ দেখান গেলে ঐরপে ক্লত কোন আজ্ঞা অন্যথা করা যাইতে পারিবে।

(৭) অভিযুক্ত ব্যক্তি আপনি সাক্ষী ছইতে চাহিতে পারিবে ও ঐ রূপ ছলে সাক্ষীষরপ ভাহাকে পরীক্ষা করা যাইবে এবং আদাসত এই ধারামত নালিশ সহদ্ধে কার্য্য করিবার সময় খরচ সম্বন্ধে যেরূপ আজ্ঞা ন্যায়্য হয় ভাহা করিতে পারিবেন। (৮) অভিবৃক্ত ব্যক্তি যে কোন জিলায় রাস করে বা থাকে কিছা যথায় সে শেষবার নালিশকারিণীর সহিত সহবাস করিয়াছিল তাহার বিক্তমে সেই জিলায় আফ্টানিক কার্য্য ছইতে পারিবে।

৪৮৯ ধারা। ৪৮৮ ধারামতে যে ব্যক্তি মাসিক ভি
বৃদ্ধি পারবর্তন করিবার
কথা।

থাতি স্থায় স্ত্রীকে কি সম্ভানকে
মাসিক রভি দিবার আজা হয়,
ইহার মধ্যে কোন ব্যক্তিং সম্ভৃতি পারবর্তন হওয়া
প্রমাণ হইলে ঐ মাজিস্টেট উক্ত রভি যদ্রপে পারবর্তন
করা উচিত বোধ করেন, করিতে পারিবেন, কিন্তু যদি
তিনি রভি বাড়াইয়া দেন ভাছা হইলে মাসে মোট পঞ্চাশ
টাকার অধিক দিবার আজা করিবেন না।

8১০ ধারা। যে ব্যক্তির ভরণপোষণের নিমিত্ত
ভরণপোষণের আজা
প্রবদ করিবাব কখা।
কিন্তা ভাহার অভিভাবক থাকিলে
উক্ত অভিভাবককে কিন্তা যে
ব্যক্তিকে রভি দেওয়া যাইবে সেই ব্যক্তি কৈ বিনা কীতে
প্র আজ্ঞার নকল দেওয়া যাইবে। ও যে ব্যক্তির নামে
প্র আজ্ঞা দেওয়া খায় সেই ব্যক্তি যে কোন স্থানে
থাকুক সেই দ্বানের কোন মাজিক্টেট উভয় প্রক্তের
অনন্যভা ও যে টাকা দেওয়া হয় ভাহা দেওয়া যায়
নাই এই বিষয় হ্বছোধমতে জানিলে প্র আজ্ঞা প্রবল
করিতে পারিবেন।

#### ৩৭ সপ্তব্ৰিংশ অংশায়।

#### হাৰিয়াস কৰ্পস ভাবাপন্ন আজ্ঞার বিধি।

- ৪৯১ ধারা। (১) কোট উইপিয়ম ও মাজ্রাজ ও বোদ্বাই রাজধানীর হাবিয়াস কর্পদনামক পর-ওয়ানার ভাবাপদ্ধ আজ্ঞা দিবার কথা।

  বিধি করেন সেট সময়ে এইং আজ্ঞা করিতে পারিবেন:—
  - (ক) কোন ব্যক্তি কোটের দেওয়ানা মোকদ্দমা '
    আদে শুনিবার ক্ষমতাধান ছানের
    মধ্যে থাকিলে, ভাহাকে লইমা আইনমডে কার্য্য হয়, এই নিমিত্ত ভাহাকে
    কোর্টের সমুখে আনাইবার আজ্ঞা।
  - (খ) উক্ত ছানের মধ্যে কোন ব্যক্তি বেআইনীমতে কি অহাচিতমতে রাজকীয় কার্য্যকারকের কি বেসরকারী কোন ব্যক্তির
    নিকট বন্ধ থাকিলে তাহাকে ছাড়িয়া
    দিবার আজ্ঞা।
  - (গ) উক্ত ছানের অন্তর্গত কোন জেলৈ যে পাদামী বন্ধ থাকে, উক্ত কোর্টে উপ-ছিত কোন বিষয়ে কিছা যে বিষয়ের অসুসন্ধান লওয়া ঘাইবে সেই বিষয়ে

৫০০ ধারা। (১) নিবন্ধপত্র লিখিয়া দেওয়া গেলে পর যাহার উপস্থিত কেফাল্ড হইতে মৃক্ত হইবার নিমিত উহা লিখিয়া হইবাৰ কপা। দেওয়া যায় সেই ব্যক্তিকে মুক্ত করা যাইবে। যদি সে কারাগারে থাকে তবে -ষে আদালত তাহার হাজিরজামিন লন সেই আদালত জেলের ভধ্যক্ষের নামে তাহাকে মুক্ত করিবার আজ্ঞা ু দিবেন। উক্ত আজ্ঞা পাইলে ঐ কর্মচারী ভাহাকে যুক্ত করিবেন।

(২) যে বিষয় সম্বন্ধে নিবন্ধপত্ৰ লিখিয়া দেওয়া যায়, ভাঙ্কে কোন বিষয়ের নিমিত্ত কোন ব্যক্তিকে আটক করিয়া রাখা যাইতে পারিলে এই ধারার কিম্বা ৪৯৬ বা ৪৯৭ ধারার কোন কথাক্রমে ভাহাকে যে মুক্ত করিবার আদেশ হইল এরপ জ্ঞান করিতে হইবে না।

৫০১ ধারা। ভ্রান্তি কি প্রতারণাক্রমে বা প্রকা-প্রথমে যে হাজিরজামিন লওয়। যায় তাহা প্রচর না **এইলে প্রচু**র জামিন দিবার আজা কবিধাৰ ক্ষমতাৰ কথা।

রাম্ভরে অম্প টাকা জামিন লওয়া গিয়া থাকিলে. কিম্বা হাজিরজামিন পশ্চাৎ অপ্রচুর হইলে, আদালত ধ্রত করিবার এয়ারন্ট বাহির করিয়া হাজির-

জামিনক্রমে মুক্ত ব্যক্তিকে আপনার সন্মুখে আনাইবার আজ্ঞা করিয়া উপযুক্ত হাজিরজামিন দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন, না দিলে ভাহাকে কারাবদ্ধ করিতে পারিবেন।

**৫ - ২ ধা**রা। (১) অভিযুক্ত ব্যক্তিকে হাজি**র**-জামিন লইয়া ছাড়িয়া দেওয়া প্ৰতিভূদের মৃক্ত চইবার গেলে, তাহার উপস্থিত হওয়ার ও উপস্থিত থাকার সমুদয় কি

কোন কোন প্রতিভূ যে কোন সময়েই মাজিফ্রেটের নিকটে সম্পূর্ণরূপে কিম্বা আপন্থ নিবন্ধপত্র হইতে মুক্ত হইবার প্রার্থনা করিতে পারিবেন।

- (২) তদ্রপ প্রার্থনা হইলে মাজিফ্টেট উক্তরূপে · মুক্ত ব্যক্তিকে আ<mark>পনার সন্মূখে</mark> উপস্থিত করাইবার আদেশ করিয়া তাহাকে ধরিয়া আনিবার ওয়ারন্ট দিবেন।
- (৩) সেই ব্যক্তি ওয়ারন্টক্রমে উপস্থিত হইলে কিম্বা ুস্বেচ্ছামতে আপনাকে ধরা দিলে মাজিফ্রেট ঐ প্রতি-ভূদের নিবন্ধপত্র সম্পূর্ণরূপে কিন্তা প্রার্থকদের সম্বন্ধে রহিত হইবার আজ্ঞা করিয়া ঐ ব্যক্তিকে উপযুক্ত অন্য প্রতিভূদিতে আজ্ঞা করিবেন। তাহা দিতে না পারিলে ভাহাকে কারাবদ্ধ করিতে পারিবেন।

#### ৪০ চত্ত্বারিংশ অধ্যায়।

সাক্ষীদের পরীক্ষার্থ কমিশন বিষ্য়ক বিধি।

৫০৩ ধারা। (১) সদ্বিচারার্থে কোন সাক্ষীর পরীকা

যে স্থলে সাক্ষীৰ স্বয়ং অমুপশ্ছিত খাকিবার অসু-· মতি দেওয়া যা**ইতে** পাবে তাহার কথা।

थ्राज्योम ७ य বিলম্ব কি খরচ কি কম্ভ ব্যঙীত উক্ত সাক্ষীকে উপস্থিত করা যাইতে পারে ন। ভাহা বিষয়ের ভাবগতিক বিবেচনায় যুক্তিসিদ্ধ নহে এই আইনমত কোন তদম্ভ কি বিচার কি অন্য আইষ্টানিক কার্য্যক্রমে কোন প্রেসিডেন্সী মাজিফ্রেটের কি জিলার মাজিক্টেটের কি সেশন আদালতের কি হাই কোর্টের এরপ বোধ হইলে উক্ত মাজিক্টেট কি আদালত কি কোট সেই সাক্ষীর স্বয়ং অন্নপস্থিত থাকিবার অনুমতি দিতে পারিবেন ও উক্ত সাক্ষার সাক্ষ্য লইবার নিমিত্ত

যে জিলার মাজিফ্রেট শিদ্বা কমিশন দিবার ও তাহার প্রথম শ্রেণীর মাজিফ্টেটের কাৰ্য।প্ৰণালীৰ কথা। বিচারাধীন স্থানে সাক্ষী থাকে তাঁহার নামে কমিশন লিখিয়া দিতে পারিবেন।

- (২) ভারতবর্ষীয় যে রাজ্ঞার বা অধিপতির শাসনা-ধীন দেশে রটিষ ভারতবর্ষীয় গবর্ণমেন্টের প্রতিনিধি কর্মচারী আছেন, সাক্ষী সেই দেশে বাস করিলে কমিশন 🗳 কর্মচারির নামে দেওয়া যাইতে পারিবে।
- (৩) যে মাজিফ্রেটকে কি কর্মচারিকে কমিশন দেওয়া যায় তিনি স্বয়ং কিম্বা জিলার মাজিফেট হইলে তিনি বা প্রথম শ্রেণীর যে মাজিফ্রেটকে তিনি এডদর্থে নিযুক্ত করেন সেই মাজিফ্টেট সাক্ষী যে স্থানে থাকে সেই ছানে যাইবেন কিন্তা ঐ সাক্ষীকে আপনার নিকট সমন করিবেন; এবং এই আইনমতে ওয়ারন্টের মোকদ্দ্মার বিচার কালে যে প্রকারে সাক্ষ্য লওয়া যায় ও যে যে ক্ষমতামতে কার্য্য হয় সেই প্রকারে ঐ সাক্ষীর সাক্ষ্য পইতে পারিবেন ও তদর্থে সেই সেই ক্ষমতামতে কার্য্য করিতে পারিবেন।

প্রেসিডেনী

৫**০৪ ধারা। (১)** ৰাকী কোন মাজিফেটের বিচারাধীন স্থানের माको बाजधानी नगरवव यत्था शांकित्न त्य माजित्के हे মধ্যে থাকিলে কমিশনের বা আদালত কমিশন লিখিয়া **李针** 1

দেন সেই মাজিফ্টেট বা আদা-লত ঐ প্রেসিডেপী মাজিফ্টেটের নায়ে কমিশন দিতে পারিবেন। তাহা হইলে ঐ মাজিফ্টেটের সন্মুখে যে মোকদ্দমা উপস্থিত থাকে সেই মোকদ্দমায় সাক্ষীদিগকে উপস্থিত করাইয়া ভাহাদের শাক্ষ্য সুইবার তাঁহার যে ক্ষমতা থাকে সেই ক্ষমতামতে তিনি সেই সাক্ষীকে উপস্থিত করাইয়া তাহার সাক্ষ্য লইতে পারিবেন i

(২) এএএমতী মহারাণী বিক্টোরিয়ার ৩১ ও ৪০ বৎসরের আইনের ৪৬ অধ্যায়ের ৩ ধারামতে হাই কোটের যে কমিশন লিখিয়া দিবার ক্ষমতা আছে এই ধারার কোন কথায় ভাহার কোন বিল্প হইবে না।

৫০৫ ধারা। (১) এই আইনমত যে কোন আমু-ষ্ঠানিক কার্য্যে কমিশন বাহির শাক্ষীৰ পৰীক্ষা লইতে হয়, ভাহার উভয় পক্ষ যে পক্ষদেৰ ক্ষমতা⊲ কথা। মাজিষ্টেট কি আদালত কমি-শনের আদেশ করেন সেই যাজিফ্রেট কি আদালত যাহা আসলিক জ্ঞান করেন এমন প্রশা লিখিয়া পাঠা-াতে পারিবেন ও যে মাজিফৌটের কি কর্মচারির নামে কমিশন দেওয়া যায় তিনি ঐ প্রশ্ন ধরিয়া উক্ত माक्तीत भित्रीका महत्वन।

(২) যে মাজিফেটের বা কর্মচারির নামে কমিশন লিখিয়া দেওয়া যায় উক্ত শক্ষেরা উকলৈর দারা
কিন্তা হেফাজতে না থাকিলে, অয়ং তাঁহার সমুখে
উপন্থিত হইতে পারিবেন এবং উক্ত সাক্ষাকে পরীক্ষা
করিতে ও স্থলবিশেষে জেরা কি পুনঃ পরীক্ষা করিতে
পারিবেন 1

৫ ০৬ ধারা। প্রেসিডেন্সী মাজিস্টেট কিম্বা জিলার মাজিস্টেট ভিম্ন অন্য মাজি-অধন্তন মফ:মল মাজি-ট্রেটের কমিশন দিবার শন্য প্রার্থনা কাবতে পার্বিবার কথা।
ক্ষিত্র কার্যাকালে সাহি-

চারার্থে যে সাক্ষীর সাক্ষ্য ল ওয়া আবশ্যক তাহার পরীক্ষা লইবার জন্য কমিশন দেওয়া উচিত দৃষ্ট হইলে, ঐ সাক্ষাকে উপস্থিত করিতে হইলে যত বিলম্ব ব্যয় বা অন্থবিধা ঘটিবে তাহা মোক-দ্দমার অবস্থা বিবেচনায় অখোক্তিক বোধ হইলে, সেই মাজিষ্টেট জিলার মাজিষ্টেটের নিকট কারণ জানাইয়া কমিশন প্রার্থনা করিবেন; ও সেই জিলার মাজিষ্টেট পুঞ্লিখিত বিধানমতে কমিশন দিতে পারিবেন কিম্বা ঐ প্রার্থনা অগ্রাহ্য করিতে পারিবেন।

৫ • ৭ ধারা। ৫ • ০ কি ৫ • ৬ ধারামতে কোন কমিশন দেওয়া গেলে তদমুসারে
কমিশন ফিরিয়া পাঠাইবার কথা।

নেম্মাতরপে কার্য্য হইলে পর
যে আদালত ইইতে কমিশন
বাহির হইয়াছিল, ঐ কমিশনমতে যে সাক্ষার সাক্ষ্য
লওয়া গেল ভাঁহার ঐ সাক্ষ্য সহিত ঐ কমিশন সেই
ভাাদালতে ফিরিয়া পাঠাইতে হইবে; ও সেই কমিশন
ও ভাহার প্রভ্যপণ ও ঐ সাক্ষার সাক্ষ্য যুক্তিমত সকল
সময়ে পক্ষেরা দেখিতে পাইবেন, ও ন্যায়ায়্রগত বর্জিত
স্থল ভিন্ন ভাহা কোন পক্ষ কর্তৃক মোকদ্দমার প্রমাণস্বরূপ পঠিত হইতে পারিবে ও ভাহা মোকদ্দমার
কাগজপত্রের একাণ্শ হইবে।

৫০৮ ধারা। কোন স্থলে ৫০৬ কি ৫০৬ ধারামতে কমিশন দেওয়া গেলে, তদহ্বলিও থাকিবার কথা।

যাহাতে ফিরিয়া আসিতে পারে মুক্তিমত এরপ যথোচিত নির্দিষ্ট সময়ের নিমিত তদত্ত কি বিচার কি অন্য আন্তানিক কার্য্য স্থগিত রাখা মাইতে পারিবে।

৪% একচন্তারিংশ অগ্যায়।

সাক্ষ্য বিষয়ক বিশেষ বিধি।

৫০৯ ধারা। (১) মাজিফেটের দ্বারা অভিযুক্ত ব্যক্তির সম্মুখে সিবিল সর্জনের চিকি:সকসাক্ষীন সাক্ষোব কিন্তা চিকিৎসাকর্মকারী জন্য কথ। সাক্ষীর প্রীক্ষা লওয়া গেলে ত তাঁছার সাক্ষ্য সাক্ষরিত হইলে, সেই প্রাক্ষিত ব্যক্তি কে সাক্ষীস্বরূপ ডাকা না গেলেও এই আইনমত কোন তদন্ত কি বিচারকার্য্যে কি অন্য আন্নষ্টানিক কার্য্যে তাঁহার সেই সাক্ষ্য প্রমাণ্সরূপ দেওয়া যাইতে পারিবে।

- (২) আদালত উচিত বোধ করিলে ঐরপ সাক্ষীকে
  সমন করিতে পারিবেন ও

  চিকিৎসক সাক্ষীকে সমন
  করিতে পারিবার কথা।
  পরিক্ষো পরিতে পারিবেন।
- (৩) কোন সিবিল সর্জন বা অপার চিকিৎসক সাক্ষীর যে সাক্ষা এই আইনের ৪০ অধ্যায়মতে লওয়া যায় তৎসন্বন্ধে এই ধারার বিধান খাটিবে না।

৫১০ ধারা। এই আইনমত কোন আন্নৃষ্ঠানিক কার্য্যক্রমে গবর্ণমেন্টের পক্ষে বাদাযনিক জব্য পরী-ক্ষকের বিপোটের কথা।
ক্ষককে কিন্তা রাদায়নিক জব্য পরী-ক্ষকের বিপোটের কথা।
ক্ষককে কিন্তা রাদায়নিক জব্য পরীক্ষা করিয়া কি তাহার মূলাংশ পৃথক করিয়া রিপোর্ট করণার্থে দেওয়া যায় তির্বিয়ে তাহার রিপোর্ট বিলয়া যে দলীল থাকে তাহাতে ঐ পরীক্ষকের স্থাক্ষর থাকিলে তাহা এই আইনমত তদন্ত কি বিচার কি অন্য আনুষ্ঠানিক কার্য্যে প্রমাণস্করপ গ্রাহ্য হইতে পারিবে।

৫১১ ধারা। অভিযুক্ত ব্যক্তির অপরাধ পুনের
পুনের অপনাদ নির্ম বা
নির্দেষ হওনের প্রমাণ
যেরূপে করা সাইবে তাগার ইহার প্রমাণ এই আইনমতে
কথা।
তদন্ত কি বিচার কি অন্য আয়গ্রানিক কার্য্যে উপন্থিত সময়ের প্রচলিত আইনে অন্য
যে কোন প্রকারের বিধান থাকে তদ্ভিরিক্ত নিম্নলিখিত
প্রকারে করা যাইবে;
—

- (ক) যে আদালতে ঐ ব্যক্তির অপরাধ নির্ণয়
  কি তাহাকে নির্দোষ করা যায় সেই
  আদালতের যে কর্মচারির জিম্মায়
  কাগজপত্র থাকে তিনি ঐ কাগজপত্র
  হইতে উদ্ধৃত কথা দণ্ডাজ্ঞার কি- আজ্ঞার
  নকল বলিয়া সার্টিফিকেট লিখিলে ও
  তাহাতে স্বাক্ষর করিলে সেই উদ্ধৃত
  কথা দ্বারা, কিয়া
- (খ) অপরাধ নির্ণয়ের কথা হইলে, যে জেলে দণ্ড
  কি ভাহার কোন অংশ বিধান করা যার
  সেই জেলের অধ্যক্ষের সার্টিফিকেট
  দ্বারা, কিছা সমর্পণ করিবার যে ওয়ারন্টক্রমে দণ্ডভোগ হয় সেই ওয়ারন্ট
  উপস্থিত করণ দারা;

এবং ঐদ্ধপে যে ব্যক্তির অপরাধ নির্ণয় হয় বা যাহাকে নির্ফোষী করা যায়, ঐদ্ধপ প্রত্যেক স্থলে অভিযুক্ত ব্যক্তির সহিতৃ তাহার অনন্যতা বিষয়ে প্রমাণ দ্বারা। ৫১২ ধারা। অভিযুক্ত ব্যক্তি পলায়ন করিয়াছে

অভিযুক্ত ব্যক্তির অনুপ-ক্ষিতিতে দাক্ষ্য লিপিবদ হইবাব কথা। ও তাহাকে শীঘু ধরা যাইবার সম্ভাবনা নাই এরপ প্রমাণ হইলে তাহার নামে যে অপ-রাধের নালিশ হয় সেই অপ-

রাধ হেতুক তাহার বিচার করিবার কিন্বা বিচারার্থে তাহাকে সমর্পণ করিবার ক্ষমতাপন্ধ আদালত তাহার অন্থপস্থিতিতে অভিযোগের পক্ষে কোন সাক্ষা উপস্থিত করা গেলে তাহাদের সাক্ষ্য লিখিয়া রাখিতে পারিবেন। পরে সেই ব্যক্তিকে ধরা গেলে যদি সাক্ষী মরিয়া থাকে বা সাক্ষ্য দিতে অক্ষম হইয়া থাকে কিন্বা ভাহাকে উপস্থিত করাইতে হইলে যে বিলম্ব, ব্যয় বা অন্থবিধা হয় তাহা মোকদ্দশার অবস্থা বিবেচনায় অগোজিক বলিয়া বোধ হয়, তবে ঐ ব্যক্তির নামে যে অপরাধের অভিযোগ হয় সেই অপরাধের তদন্ত বা বিচার কালে ঐ সাক্ষ্য প্রমাণস্বরূপ উপস্থিত করা যাইতে পারিবে।

### ৪২ শাচত্বারিংশ অধ্যায়।

#### নিবন্ধপত্র বিষয়ক বিধি।

৫১৩ ধারা। সদাচরণের নিবন্ধপত্রের স্থল ভিন্ন
অন্য স্থলে কোন আদালত কিয়া

মচলকাব পরিবর্ণে কর্মচারী কোন ব্যক্তিকে
আমানতেব কথা।
জামিন সহিত কিয়া জামিন
বিনা নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিতে আজ্ঞা করিলে ঐ আদালত
কি কর্মচারী ঐ নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার পরিবর্ণ্ডে যত
টাকা নিদ্ধার্য্য করেন, ঐ ব্যক্তিকে নগদ কিয়া তত
টাকার গ্রণমেন্টের প্রমিধরি নোট আমানত করিবার
অন্নমতি দিতে পারিবেন।

৫১৪ ধারা : (১) এই অইনমতে কিম্বা ৪০১ ধারা হ্লারে প্রণীত কোন বিধিমতে
 হিলে কার্যপ্রণালীব কথা।
 হিল কার্যপ্রণালীব কথা।
 হিল কার্যপ্রণালীব কথা।
 হিলে কার্যপ্রণালীব কথা।
 হিলে কার্যপ্রণালীব কথা।
 হিলে কার্যপ্রণালীব কথা।
 হিলে কার্যপ্রকার কথা
 হিলে কার্যপ্রকার কথা
 হিলে কার্যপ্রকার কথা
 হিলেম্বার্যকার কথা
 মাজিস্টেটের আদালতের হ্রেরাধ্যতে,

কিম্বা কোন আদালতের সম্মুখে উপস্থিত হইবার নিবন্ধপত্র হইলে, ঐক্সোদালতের হ্রদোধমতে,

যদি প্রমাণ হয় যে নিবন্ধপত্রের টাকা দণ্ড হইরাছে, তবে ঐ আদালত উক্ত প্রমাণের হেডু লিখিবেন, ও যে কোন ব্যক্তি উক্ত নিবন্ধপত্র দারা বদ্ধ থাকেন তাঁহাকে অর্থদণ্ডের টাকা দিবার কিম্বা না দেওনের কারণ দর্শা-ইবার আদেশ করিতে পারি বন।

(২) ঐ দণ্ডের টাকা না দেওয়া গেলে ও না দিবার উপযুক্ত কারণ দর্শান না গেলে, আদালত উক্ত ব্যক্তির অস্থাবর দ্রব্য কিপা ভাষার মৃত্যু ছইয়া থাকিলে ভাষার ইফেট ক্রোক ও নালাম করিবার ওয়ারন্ট দিয়। ঐ টাকা আদায় করিতে প্রবৃত্ত হইতে পারিবেন।

- (৩) যে আদালত ওয়ারত দেন সেই আদালতের বিচারাধীন স্থানের মধ্যে ঐ ওয়ারতমতে কার্য্য করা যাইতে পারিবে, ও তন্মধ্যে এই অসমতি থাকিবে যে, ঐ সীমার বহিভূতি যে স্থানে উক্ত ব্যক্তির কোন অস্থাবর দ্বব্য থাকে, সেই স্থান যে জিলার মাজিফেট কিম্বা প্রধান প্রেসিডেন্সী মাজিফেট সাহেবের বিচারাধীন তিনি ঐ ওয়ারতের পৃষ্টে লিখিয়া দিলে ঐ দ্রব্যও কোন করিয়া নীলাম করা যাইতে পারিবে।
- (৪) সেই দণ্ডের টাকা না দেওয়া গেলে, ও উক্ত প্রকারে ক্রোক ও নালাম করণ দারা আদায় হইতে না পারিলে, যে আদালত ওয়ারত্ত দেন, সেই আদালতের আজ্ঞাক্রমে ঐ ব্যক্তিকে দেওয়ানী জেলখানায় ছয় মাস পর্যাক্ত বদ্ধ করা ঘাইতে পারিবে।
- (৫) আদালত আপনার বিবেচনামতে উল্লিখিত অর্থদণ্ডের একাংশ ক্ষমা করিয়া অংশ মাত্র আদায় করণ প্রবল করিতে পারিবেন।
- (৬) নিবন্ধপত্রের টাকা দণ্ড হইবার পূর্কে ঐ নিবন্ধ-পত্রের কোন জামিনের মৃত্যু হইলে, তাঁহার ইফেট ঐ নিবন্ধপত্র সম্বন্ধে সমস্ত দায়িত্ব হইতে অব্যাহতি পাইবে, কিন্তু যে ব্যক্তিনিবন্ধপত্র লিখিয়া দিয়াছিলেন নৃত্র জামিন দিবার জন্য তাঁহাকে আদেশ করা যাইতে পারিবে।

৫১৫ ধারা। প্রেসিডেন্সী মাজিস্টেট কিম্বা জিলার মাজিস্টেট ভিন্ন কোন মাজি-৫১৪ ধারামতে যে আজ্ঞা উপব আপাল ১ইবাব ও জ আজা সংশোধনের কথা। আপীল হইতে পারিবে কিম্বা আপীল না হইলেও ভাঁহার দ্বারা ঐ আজ্ঞা সংশোধন

করা যাইতে পারিবে। ৫১৬ ধারা। হাই কোর্টের কিথা সেশন স্থাদা-

কোন কোন নিৰঙ্গপত্ৰ-জনমে আদেয় অথদণ্ড আদায় ক'ববার আজ্ঞা দিতে পাবিবার কথা। কোটের কিথা সেশন আদালতের সন্মুখে উপস্থিত হইয়া
হাজির থাকিবার যে নিবন্ধপত্র
লিখিয়া দেওয়া যায়, হাই
কোট কিয়া সেশন আদালত
কোন মাজিটেটকে সেই পত্র-

ক্রমে পাওনা টাকা আদায় করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন ।

# ৪৩ ক্রিচ**ত্ব**†রিংশ অ**ধ**্যায়। সম্পত্তি লইয়া কার্য্য হইবার বিধি।

৫১৭ ধারা। (১) কোন ফোজদারী আদালতে ভদস্ত কি বিচারকার্য্য সমাপ্ত হউলে, যে দ্রুৱা সম্পাত ভদস্ত করা যায় তাগালং যা যাহা কবিছে ১ইবে এই বিষয়েব আঞাব কথা।

সম্পানে অপরাধ করা গিয়াছে দেখা যায় কিয়া অপরাধ কর-

ণার্থে যাহার ব্যবহার হইয়াছে কিন্তা যাহার অধিকার

সম্বন্ধে সংশয় বা বিবাদ আছে তাহা লইয়া যাহা করিতে হউবে আদালত এই বিষয়ে যে আজ্ঞা বিহিত বোধ করেন করিবেন।

- (·) হাই কোর্ট কি সেশন আদাসত তদ্রূপ আজ্ঞা করিলে ও যে ব্যক্তি উক্ত দ্রব্য পাইবার অত্তবান তাহাকে স্বায় কর্মচারী দ্বারা ঐ দ্রব্য দিবার হ্রবিদা না হইলে, উক্ত কোর্ট কি আদাসত জিলার মাজি-ফ্রেটকে উক্ত আজ্ঞা ফলবতী করিবার আদেশ দিতে পারিবেন।
- (৩) যে মোকদ্দমায় আপীল আছে সেই মোকদ্দ মায় এবং যে সম্পত্তির অধিকার লইয়া সংশয় বা বিবাদ আছে তৎসম্বন্ধে এই ধারামতে আজ্ঞা করা গেলে. জীবিত পশুপক্ষ্যাদি বা স্বভাবতঃ আশুক্ষয়লীল দ্রব্য না হইলে, আপীল করিবার সময় যাবৎ গত না হয় অথবা ঐ সময়ের মধ্যে আপীল করা গেলে, যাবৎ ঐ আপীল নিশান্তি না হয়, তাবৎ উক্ত আজ্ঞামতে কার্য্য করা হাইবে না।

ব্যাখ্যা।—যে দ্রব্য সম্পর্কে অপরাধ করা গিয়াছে দৃষ্ট হয়, সেই দ্রব্য হইলে, এই ধারায় যে "দ্রব্য" শব্দ আছে তাহাতে যে দ্রব্য প্রথমে কোন পক্ষের অধিকারে কি তত্ত্বাবধানে ছিল সেই দ্রব্যমাত্র বৃথাইবে না, কিন্তু সেই দ্রব্য পরিবর্তিত হইয়া যে কোন দ্রব্য হয় কিন্তু। সেই দ্রব্যের বিনিময়ে যে দ্রব্য পাওয়া যায় তাহাও বৃথাইবে, এবং ঐয়প পরিবর্তন কি বিনিময় করণছার। অব্যবহিতভাবে কি প্রকারান্তরে যাহা কিছু লব্ধ হয় তাহাও বৃথাইবে।

৫১৮ ধারা। ৫১৭ ধারাক্রমে আজ্ঞা না দিয়া কোন আদালত জিলার মাজিস্টেট লাবে-বর বা মহকুমার মাজিটে সাহেবের প্রতি কিয়া মহকুমার টের প্রতি দ্রব্য আজ্ঞা হইবাব কথা। সমর্পন করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন। তাহা হইলে ঐ দ্রব্য পোলীসের হারা ধ্রত হইয়া পালচালিখিতমতে তাঁহার নিকট রিপোর্ট করা গেলে তিনি যদ্রপে করিতেন ঐ দ্রব্য লইয়া তদ্রপেই কার্য্য করিবেন।

৫১৯ ধারা। চৌর্য্য বা চোরা দ্রব্য গ্রহণ অপরাধ হয় বা যাহার মধ্যে ঐ অপরাধ অভিযুক্ত ব্যক্তিব নিকট পড়ে কোন ব্যক্তির যদি এরূপ যে টাকা পা ওয়া যায় তাহা অপরাধ নির্ণয় হয় এবং ইহার নিৰ্দোষী ক্ৰেতাকে দিবার প্রমাণ হয় যে অন্য কোন ব্যক্তি ঐ দ্রব্য চোরা না জানিয়া বা বিশ্বাস করিবার কারণ না দেখিয়া ভাষা ক্রম্ন করিয়াছে, এবং যাহার অপরাধ নির্ণয় হয় ভাহাকে ধরা গেলে ভাহার নিকট হইতে কোন টাকা লওয়া হইয়াছে, ভবে ক্রেডা প্রার্থনা করিলে ও অধিকার পাইবার স্বত্তবান ব্যক্তিকে এ চোরা দ্রব্য কিরাইয়া দিলে আদালত এই আজ্ঞা করিতে পারিবেন যে ঐ টাকা হইতে ক্লেভার প্রদত্ত মুন্সের অনধিক টাকা ভাহাকে দেওয়া যায়।

৫২০ ধারা। যে আদালতে আপীল কি দৃষ্টাকরণ
কি বিবাদার্পণ কি নিম্পান্তর
৫১৭, ৫১৮ বা ৫১৯ ধারামত আজ্ঞা স্থগিত করিবার
কথা।

আদালতের ফুড ৫১৭, ৫১৮ বা
৫১৯ ধারামতে কোন আজ্ঞা স্থীয় বিবেচনার অপেক্ষায়
স্থগিত রাখিবার আদেশ করিতে এবং সংশোধন কি
পরিবর্তন কি অসদ্ধ করিতে এবং আরো যে আজ্ঞা
ন্যায্য হয় ভাছা করিতে পারিবেন।

৫২১ ধারা। (১) ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের
২১২ কি ২১৩ কি ৫০১ কি
অন্য বিষয় বিন্তু করিবাব
কথা।
হইলে, যে দ্রব্য সম্বন্ধে অপরাধ নির্ণয় হয় তাহার যত খণ্ড
আদালতের হেলাক্ষ্যে কিন্তু বিশ্বীক্ষ্যের স্বাধ্য ক্ষ্য

আদালতের হেকাজতে কিম্বা নির্ণীতাপরাধ ব্যক্তির অধিকারে কি ক্ষমতায় থাকে আদালত তৎসমুদয় বিনষ্ট করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

(২) ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ২৭২ কি ২৭৩ কি ২৭৪ কি ২৭৫ ধারামতে অপরাধ নির্ণয় হইলে, যে খাদ্য কি পানীয় কি ঔষধ কি চিকিৎসা সম্পর্কীয় দ্রব্য সম্বন্ধে অপরাধ নির্ণয় হয়, আদালত তদ্রাপে ভাষা বিন্দু করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

ধবং ধারা। (১) কোন ব্যক্তির অপারাধযুক্ত বলভাবৰ দ্বেৰ অধিকাব
ফিবিয়া দিবার ক্ষমতাব
কথা।

অকাশ সহিত কোন অপারাধ
নির্ণয় হইলে, ও সেই বলপ্রকাশ দ্বারা কোন ব্যক্তিকে
স্থাবর দ্ববেয়র অধিকারচ্যুত্ত
করা গিয়াছে উক্ত আদালত ইহা দেখিতে পাইলে যদি
উচিত বোধ করেন তবে ঐ ব্যক্তির পুনরায় তদধিকার
পাইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

(২) কোন ব্যক্তি দেওয়ানী মোকদ্দমা করিয়া সেই স্থাবর দ্রব্যে আপনার স্বত্ব বা স্বার্থ আছে বলিয়া প্রমাণ করিতে পারিলে পূর্কোক্ত আজ্ঞা দারা ঐ স্বত্বের বা স্বার্থের বিশ্ব হইবে না।

৫২৩ ধারা। (১) যে দ্রব্য ৫১ ধারামতে প্রাপ্ত বা যাহা চোরা বলিয়া কথিত ৫১ ধাহামতে প্রাপ্ত বা চোরা দ্রব্য পোলীস কর্তৃক থত হইলে, কার্যপ্রধালীর কথা। যায় যে তৎসম্বন্ধে কোন অপরাধ করা ইইয়াছে বলিয়া

সন্দেহ জন্মে, সেই দ্রব্য পোলীস কর্মচারী দ্বারা ধৃত
হই মা থাকিলে, তদ্বিষয়ে কোন মাজিফ্রেটের নিকটে
অবিলয়ে রিপোর্ট করা যাইবে, ও তাহা হইলে ঐ
মাজিফ্রেট যেরপ উচিত বোধ করেন সেইরপ ঐ
দ্রব্যের বিলি ব্যবস্থার কি উহার অধিকার পাইবার
স্বত্বান ব্যক্তিকে উহা দিবার আজ্ঞা করিবেন।
কিন্ধা ঐ ব্যক্তিকে নিশ্চয়মতে জ্ঞানা যাইতে না পারিলে
মাজিফ্রেট ঐ দ্রব্য রাধিবার ও উপস্থিত করিবার
বিষয়ে যে আজ্ঞা উচিত জ্ঞান করেন করিবেন।

(২) ঐ সম্পত্তির অধিকার পাইবার স্বত্তবান ব্যক্তিকে জানা থাকিলে, বৃত দ্রব্যের স্থানী অজ্ঞাত মাজিক্টেট যেরপ (যদি কোন) বৃষ্টারে কর্তব্য তাহার কথা।

কথা।

তজ্ঞপ নিয়মে ঐ সম্পত্তি

তাহাকে দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন। উক্ত ব্যক্তিকে জানা না থাকিলে মাজিফ্টেট ঐ সম্পত্তি রাখিতে পারিবেন এবং ঐ সম্পত্তির মধ্যে যে যে দ্রব্য আছে ঘোঘণাপত্তে সেই সেই দ্রব্যের বিশেষ বর্ণনা লিখিয়া প্রকাশ করণপূর্বক সেই দ্রব্যের উপর যে কোন ব্যক্তির দাওয়া থাকে ডাহাকে ঐ ঘোষণাপত্তের তারিখ হইতে, ছয় মাসের মধ্যে কোন সময়ে ভাঁহার সম্মুখে উপস্থিত হইয়া আপনার দাওয়া প্রমাণ করিতে আজ্ঞা দিবেন।

৫২৪ ধারা। (১) ঐ সময়ের মধ্যে কোন ব্যক্তি

ঐ দ্বব্যের উপর আপন

ছয় মানের মধ্যে দাওয়া দাওয়া সপ্রমাণ না করিলে

দাব উপন্তিত না হইলে

ও সেই দ্বব্য যাহার নিকটে

পাওয়া যায় সে ন্যায়মতে ভাহা

পাইয়াছিল ইহা দেখাইতে না পারিলে, গবর্ণমেন্ট ঐ দ্রব্য লইয়া যাহা ইচ্ছা ভাহা করিতে পারিবেন, ও প্রেদি-ডেন্দা মাজিফ্টেট কি জিলার মাজিফ্টেট সাহেবের কিম্বা মহকুমার মাজিফ্টেটের আজাক্রমে কিম্বা প্রথম শ্রেণার মাজিফ্টেট স্থানীয় গবর্ণমেন্ট হইতে এতৎপক্ষে ক্ষমতাপ্রাপ্ত হইলে তাঁহার আজ্ঞাক্রমে তাহা বিক্রয় করা যাইতে পারিবে।

(২) এই ধারামতে আজ্ঞা করা গেলে তদ্রূপ আজ্ঞা-কারক আদালতের দণ্ডাজ্ঞার উপর যে আদালতে আপীল হইতে পারে দেই আদালতে আপীল হইতে পারিবে।

৫২৫ ধারা। ঐ দ্রব্যের অধিকার পাইবার স্বত্ত্বান
ব্যক্তি অজ্ঞাত কি অন্পৃষ্থিত
আভক্ষ্মশীল দ্রব্য বিক্রম পাকিলে ও উক্ত দ্রব্য স্বভাবতঃ
করিতে পার্বিরার কথা। আশুক্ষ্মশীল হইলে কিষ্বা
তাহা বিক্রম করাতে স্বামার লাভ আছে যে মাজিশ্রেটের নিকট ঐ দ্রব্য ধরিবার রিপোট হয় তিনি
এরপ বিবেচনা করিলে, যে কোন সময়ে তাহা বিক্রম
করিবার আদেশ দিতে পারিবেন এবং উক্ত বিক্রমের
নিট উৎপন্ধ সম্বন্ধে, যত দুর সম্ভব, ৫২৩ ও ৫২৪ ধারার
বিধান শাটিবে।

# ৪৪ চতুশ্চদ্ধারিংশ অগ্যায়। কৈজিদারী মোকদ্দমা হস্তান্তর করণ বিষয়ক বিধি।

হাই কোর্টের মোকদ্মমা ৫২৬ ধারা-। (১) যথন হস্তান্তর কারবার কি ময়ং হাই কোর্টকে দেখান যায় যে, বিচার করিবার ক্ষমতাব

> (ক) তদধীন কোন কেজিদারী আদালতে ন্যায়-সঙ্গত ও অপক্ষপাত তদম্ভ কি বিচার পাওয়া ঘাইতে পারিবে মা, বা

- (খ) অসাধারণ কাঠিন্যযুক্ত আইন্যটিত প্রশ্ন উখিত হইরার সম্ভাবনা, বা
- (গ) যৈ স্থানে কি যে স্থানের নিকটে **অপরাধ** করা যায় সন্তো<del>যজনকরপ</del> তদন্ত কি বিচারার্থে সেই স্থান দেখা আবশ্যক, বা
- (য) এই ধারামতে আজ্ঞা দিলে পক্ষদের বা সাক্ষিদের সাধারণতঃ স্থবিধা হইবে, বা
- (ঙ) উক্তরূপ আত্মা ছবিচার নিমিত্ত বাঞ্চনীয়, তখন উক্ত কোট নিম্নলিখিতরূপ আজ্ঞা করিতে পারিবেন, ঃ—
  - (/০) যে আদালত ১৭৭ হইতে ১৮৪ পর্যান্ত ধারাক্রমে কোন অপরাধের তদন্ত ও বিচার করিবার ক্ষমতাপন্ন নহেন, কিন্তু অন্যান্য প্রকারে তৎকার্য্যক্ষম, সেই আদালত কর্তৃক উক্ত অপরাধের তদন্ত কি বিচার হয়, কিন্তা
  - (৵৽) বিশেষ কোন ফেজিদারী মোকদমা
    কি আপীল কি বিশেষ শ্রেণার
    তদ্রপ মোকদমা কি আপীল,
    স্থীয় কর্তৃত্বাধীন এক কেজিদারী
    আদালত হইতে সমান কি অবিক
    ক্ষমতাপন্ধ তদ্রপ অন্য কোন
    ফেজিদারী আদালতে প্রেরিত
    হয়, কিম্বা
  - (১০) বিশেষ কোন ফৌজদারী মোকদ্দমা কি আপীল আপনার নিকটে প্রেরিভ হইয়া বিচার হয়, কিম্বা
  - (।॰) কোন অভিযুক্ত ব্যক্তি আপনার নিকট কিম্বা কোন সেশন আদালতে বিচারার্থে সমর্পিত হয়।
- (২) হাই কোর্ট প্রেসিডেপী মাজিক্টেটের আদালত ভিন্ন অন্য আদালত হইতে আপনার সন্মুখে বিচারার্থে কোন মোকদ্দমা উঠাইয়া আনিলে, ২৬৭ ধারার নিদ্দিষ্ট স্থল ভিন্ন যে আদালত হইতে মোকদ্দমা উঠাইয়া আনা যায় ভদ্রপে উঠাইয়া আনা না গেলে সেই আদালতে যে কার্য্যপ্রণালী অবলম্বিত হইত সেই মোকদ্দমার বিচারে সেই কার্য্যপ্রণালী অবলম্বন ক্রিবেন।
- (৩) হাই কোট নিম্নতর আদালতের রিপোটমতে কিম্বা স্বার্থযুক্ত কোন পক্ষের প্রার্থনামতে কিম্বা তাপন প্রবৃত্তিমতে কার্য্য করিতে পারিবেন।
- (৪) এই ধারাক্রমে যে ক্ষমতা প্রদন্ত হইল তদন্ত্রসারে কার্য্য হইবার প্রার্থনা (মোশন) প্রস্তাবনাক্রমে করা ঘাইবে ও প্রার্থক আডবোকেট জেনরল না হইলে আফিডেবিট কি প্রতিজ্ঞা দ্বারা তাহার পোষকতা করিতে হইবে।
- (e) অভিযুক্ত ব্যক্তি এই ধারামতে প্রার্থনা করিলে হাই কোর্ট ভাহার প্রতি এই নিয়মে জামিন সহিত বা

জামিন বিনা নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার আদেশ করিতে পারিবেন যে, অপরাধ নির্ণয় হইলে সে অভিযোক্তার খরচা দিবে।

(৬) কোন অভিযুক্ত ব্যক্তি তদ্রপ প্রার্থনা করিলে রাজকীয় অভিযোক্তার নামে এই ধানামতে প্রার্থনা ১ইলে বাজকীয় অভিযো-জাকে নোটিদ দিবার কথা। যেং হেভুতে প্রার্থনা করা গেল সেইং হেভুপত্রের নকল ঐ

নোটিসের সঙ্গে দিবে, এরং সেই নোটিস দেওয়ার ও প্রার্থনাপত . শুনিবার সময়ের মধ্যে ন্যুনকম্পে চিকিশ ঘন্টা না গেলে ঐ প্রার্থনাপত্তের দোষগুণাহ্সারে কোন আজ্ঞা করা যাইবে না।

- (৭) ১৯৭ ধারামতে যে কোন আজ্ঞা করা যায়, এই ধারার কোন কথাক্রমে ভাহার ব্যতিক্রম হইবে না।
- (৮) কোন ফেজিদারী মোকদ্দমায় বা আপীলে শুননী আরম্ভ হইবার পুর্কো এই ধারামত প্রার্থনা হইলে দিনান্তর নিরূপণের কথা। অভিযুক্ত ব্যক্তি যে আদালতে মোকদ্দমা বা আপীল দায়ের

থাকে, ঐ মোকদ্দমা সম্বন্ধে এই ধারামত প্রার্থনা করিবার অভিপ্রায় সেই আদালতে জানাইলে আদালত (থদি এরপে বিবেচনা না করেন যে, বিলম্ন করিবার কিন্ধা অন্য রকমে স্থবিচারের গতির ব্যাঘাত ঘটাইবার অভিপ্রায়ে ঐ প্রার্থনা করা হইতেছে তবে ) কার্য্যান্স্টান স্থগিত রাখিবার বাতাহার দিনান্তর নিরপণ করিবার ৩৪৪ ধারামতে প্রদক্ত ক্ষমতাত্মসারে এরপে কার্য্য করিবেন যাহাতে অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রতি প্রতিবাদকার্য্যে প্রহত ইইবার আজ্ঞা হইবার পূর্কে কিন্ধা আপাল হহলে, আপীলের ভ্রনী ইইবার পূর্কে প্রার্থনা করিবার ও তাহার উপর আজ্ঞা পাইবার যুক্তিসিদ্ধ সময় থাকে।

৫২৭ ধারা। (১) বিশেষ কোন ফেজিদারী মোকদ্দমা
মান্ত্রসভাধিন্ত শ্রীযুত
সাবর্ণব কেনরল সাহেবের
ফাজদারী মোকদ্দমা ও হাই কোটে অর্পন করিলে কিয়া
আপীল হস্তান্তর করিবার
ক্রমতার কথা।
ফেজিদারী আদালত হইতে
উঠাইয়া লইয়া অন্য হাই কোটের অধীন সমান কি

উঠাইয়া লইয়া অন্য হাই কোটের অধান সমান কি
অধিক ক্ষমভাবিশিষ্ট অন্য কোজদারী আদালতে অপ্র করিলে ন্যায়বিচারের উদ্দেশ্য সকল হয়, কিম্বা 'উভয় পক্ষের কি সাক্ষীদের স্থবিধা জ্ঞানে, মজিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত্ত গবর্ণর জেনরল সাহেবের এমত বোধ হইলে. তিনি ইণ্ডিয়া গেজেটে জ্ঞাপনপত্র প্রকাশ করিয়া সেই মোকক্ষমার কি আপীলের তদ্রপ হস্তাম্ভর হওয়ার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

(২) যে আদালতে সেই মোকদ্দমা কি আপাল অর্পন করা যায় সেই আদালতেই প্রথম উপস্থিত করা গোলে ঐ আদালত সেই মোকদ্দমা কি আপীল লইয়া যেরূপে কার্য্য করিতেন তদ্রাপে কার্য্য করিবেন। ৫২৮ ধারা। (১) জিলার মাজিস্টেট সাহেবু কিন্তা
মহকুমার মাজিস্টেট আপান
মোকদ্দমা জিলার বা মহকুমাব মাজিস্টেটের উঠাইয়া
লইবাব কি অপন কবিবার
ক্ষমতাব কথা।
তিহাকৈ যে মোকদ্দমা অর্পন

করিয়াছেন তাহা ফিরাইয়া লইয়া আপনি তাহার তদন্ত লইতে কি বিচার করিতে পারিবেন কিম্বা তদন্ত লইবার ও বিচার করিবার উপযুক্ত ক্ষমতাপার আপানার অধীন অন্য কোন মাজিফ্রেটের প্রতি তদন্ত লইয়া বিচার করিবার নিমিত্ত ঐ মোকদ্দমা অপণ করিতে পারিবেন।

(২) জিলার মাজিস্টেট সাহেব তাঁহার অধীন মাজিক্ষিলাব মাজিটেই সাহে- স্টেটদের নিকট হইতে যে
বকে বিশেষ প্রকাবের সকল কোন প্রকারের মোকদ্দমা উঠামোকদ্দমা উঠাইয়া লইবাব ইয়া লওয়া বিহিত বোধ করেন
ক্ষমতা দিতে পাবিবার তাহা উঠাইয়া লন কিম্বা বিশেষ
কথা।
প্রকারের সকল মোকদ্দমা উঠা-

ইয়া লন, স্থানীয় গবর্ণমেণ্ট তাঁহার প্রতি এই ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেন।

- (৩) কোন মাজিস্টেট এই ধারামতে কোন আজ্ঞা করিলে, তাঁহার ঐ আজ্ঞা করিবার যে কারণ থাকে তাহা লিখিয়া রাখিবেন।
- (৪) মাস্রাজের ১৮২১ সালের ৪ আইনমত কোন গ্রাম্য মণ্ডল এই ধারার প্রয়োজনার্থ মাজিফ্রেট।

### ৪৫ পঞ্চত্ত্বারিংশ অধ্যায়।

# অনিয়তি আহ্নষ্ঠানিক কার্য্যবিষয়ক বিধি।

অনিযমিত ক্রিয়াণ্ডেক 
কর্মাণ্ডেক কার্য্য ব্যর্থ ন। ভেঁট আইনমতে নিমুলিখিত 
হয়নে তাহার কথা।

কোন কার্য্য করিবার, অর্থাৎ

- (ক) ৯৮ ধারামতে তলাশী পরওয়ানা দিবার,
- (খ) ১৫৫ ধারামতে পোলীসকে অপরাধের অহুসন্ধান লইবার আজা করিবার,
- (গ) ১৭৬ ধারামতে মৃত্যুর কারণান্সক্ষান করিবার,
- (ঘ) কোন ব্যক্তি তাঁহার বিচারাধীন স্থানের বহিভূতি স্থানে স্পারাধ করিলে ১৮৬ ধারামতে নিজ বিচারাধীন স্থানে তাহাকে ধরিবার পর ওয়ানা দিবার,
- (৬) ১৯০ ধারার ১ প্রকরণের (ক) কিন্তা (খ) দকামতে কোন অপারাধ গ্রাহ্য করিবার,
- (চ) ১৯২ ধারামতে কোন মোকদ্দমা হস্তান্তর করিবার,
- (ছ) ৩৩৭ বা ৩৩৮ ধারামতে ক্ষমার প্রস্তাব করিবার,
- (জ) ৫২৪ বা ৫২৫ ধারামতে সম্পত্তি বিক্রয় করিবার, কিম্বা

. (ঝ) ৫২৮ ধারামতে মোকদ্দমা উঠাইয়া লইয়া আপনি বিচার করিবার,

ক্ষমতাপন্ন না হইয়া যদি আস্থিকমে সরলমনে ঐ কার্য্য করেন, ভবে ক্ষমতা ছিল না বলিয়া তাঁছার আন্মন্তানিক কার্য্য অন্যথা করা যাইবে না।

৫৩০ থারা। কোন মাঁজিঅনিয়মিত যে কার্য্য বাবা ক্রেট আইনমতে নিম্নলিখিত
আনুষ্ঠানিক কার্য্য অসিধ কার্য্য করিতে ক্ষমতাপন্ন না
হয় তাহার কথা।
ইইয়াও যদি সেই সেই কার্য্য
করেন, অর্থাৎ—

- (ক) যদি ৮৮ ধারামতে দ্রব্য ক্রোক ও বিক্রয় করেন,
- (খ) যদি ডাকঘরে পত্রের কি পুলিন্দার কি অপর দ্রব্যের কিম্বা টেলিগ্রাফ বিভাগে ডাড়িত বার্ডার তলাশী পর এয়ানা দেন,
- (গ) যদি শান্তিরক্ষার্থ জামিন দিবার আজ্ঞা করেন,
  - (ঘ) যদি সদাচরণের জ্ঞামিন দিবার আজ্ঞা করেন,
  - (৩) কোন ব্যক্তি আইনমতে সদাচরণ করিতে নিবদ্ধ হইলে যদি তাহাকে মুক্ত করেন,
- (চ) যদি শান্তিরক্ষার মুচলকা রহিত করেন,
- (ছ) স্থানবিশেষের অনিউকর কার্য্য সম্বন্ধে যদি ১৩৩ ধারামতে আজ্ঞা করেন,
- (জ) সাধারণের অনিষ্টকর কার্য্য না চলনার্থে বা পুনশ্চ না হওনার্থে যদি ১৪৩ ধারামতে তমিবারণের স্বাজ্ঞা করেন,
- (ঝ) যদি ১৪৪ ধারামতে আজ্ঞা প্রচার করেন,
- (ঞ) ১২ অধ্যায়মতে যদি আজ্ঞা করেন,
- (ট) ১৯০ ধারার (গ) দফামতে যদি কোন অপারাধ গ্রাহ্য করেন,
- (ঠ) অন্য মাজিফ্টেটের লিখিত রূবকারি অন্নসারে যদি ৩৪৯ ধারামতে দণ্ডের স্মাজ্ঞা করেন,
- (ডু) ৪৩৫ ধারামতে যদি কাগজ্ঞপাত্র আনান,
- ( চ) যদি ভরণপোষণের আজ্ঞা করেন,
- (৭) যদি ৫১৪ ধারামতে প্রদক্ত আজ্ঞা ৫১৫
- ধারামতে সংশোধন করেন,
- (ড) যদি কোন অপরাধীর বিচার, করেন,
- (থ) যদি সরাসরীমতে অপ্রাধার বিচার করেন, কিছা
- (দ) যদি আপীলী মোকদ্দমার নিপাত্তি করেন, তবে তাঁহার আন্নষ্টানিক কার্য্য অসিদ্ধ হইবে।

৫৩১ ধারা। তদন্ত কি বিচার কি অন্য আনুষ্ঠানিক কার্য্য অন্তপযুক্ত সেশন খণ্ডে অসপযুক্ত দ্বানে আমৃ-ঠানিক কার্য্য হইবার কুখা। কি জিলায় কি মহকুমায় কি অন্য ছোনে হইয়াছে বলিয়া, কেবল সেই কারণে কোন কোজদারী আদালতের নির্ম কি দণ্ডাজ্ঞা কি অন্য আজ্ঞা অসিদ্ধ হইবে না; সেই ভ্রম হেডুক সন্ধিচারের বস্তুতঃই ব্যাঘাত হইয়াছে, ইহা দৃষ্ট হইলে নৃতন বিচার হইবার আজ্ঞা হইতে পারিবে।

৫৩২ ধারা। (১) কোন মাজিফ্টেট কি অন্য
কর্তৃপক্ষ আইনমতে নিয়মিতঅনিযমিত রূপে ব্যক্তিকে রূপে প্রদন্ত ক্ষমতামুসারে কার্য্য
সমর্থণ করা গাইতে
করিতেছেন বিবেচনায় তদ্রপ
পাবে তাগার কথা।
ক্ষমতাপন্ধ না হইয়া যদি
ক্ষমতাপন্ধ আদালতের বা হাই

কোর্টের বিচারার্থে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে সমর্পণ করেন, তবে যে আদালতের প্রতি সমর্পণ করা যায় সেই আদালত আহ্নষ্ঠানিক কার্য্যের কাগজপত্র পাঠ করিয়া, অভিযুক্ত ব্যক্তির হানি হয় নাই বিবেচনা করিলে, এবং তদন্ত লওনের সময়ে ও সমর্পণের আজ্ঞা হওনের পূর্ব্বে অভিযুক্ত ব্যক্তির কিম্বা অভি-যোক্তার পক্ষ হইতে সমর্পণকারী মাজিফেটের কি অন্য কর্তৃপক্ষের বিচারাধিকার বিষয়ে আপত্তি না থাকিলে ঐ আদালত সেই সমর্পণকার্য্য গ্রাহ্য করিতে পারিবেন।

(২) কিন্তু অভিযুক্ত ব্যক্তির হানি হইয়াছে উক্ত আদালতের যদি, এইরপ বিবেচনা হয় কিন্তা তদ্রপ আপত্তি হইয়। থাকে, তবে উক্ত আদালত দেই সমর্পণ-কার্য্য অসিদ্ধ করিয়া উপযুক্ত মাজিট্রেটের দ্বারা নৃতন তদন্ত লইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

৫৩৩ ধারা। (১) ১৬৪ বা ৩৬৪ ধারামতে লিপিবদ্ধ করা অভিযুক্ত ব্যক্তির
১৬৪ বা ০৬৪ ধারার বিধান
পালন না কবিবাব কথা।

যে আদালতের সম্মুখে প্রমান্
স্বরূপ উপস্থিত করা হয়, সেই আদালত যদি দেখেন
যে ঐ উক্তি লিপিবদ্ধকারী মাজিফ্রেট উক্ত হই ধারার
কোনটির কোন বিধান সম্পূর্ণরূপে পালন করেন নাই,
তবে প্রতিবাদী ঐ লিপিবদ্ধ কথা যে নিয়মিতরূপে
কহিয়াছিল, ইহার প্রমাণ লইবেন এবং ভারতবর্ষীয়
সাক্ষ্য বিষয়ক আইনের ৯১ ধারায় প্রকারান্তরের কথা
থাকিলেও, যদি সেই ভ্রমদ্বারা মোকদ্দমার গুণাগুণ
সম্বন্ধে প্রতিবাদ কালে অভিযুক্ত ব্যক্তির হানি না
হইয়া থাকে তবে ঐ উক্তি গ্রাহ্ম হইবে।

(২) এই ধারার বিধান আপীল আদালত ও সংশোধনকারী আদালতের প্রতি বর্তে।

৫৩৪ ধারা। যে মোকদ্দমার প্রতি ৪৫৪ ধারার দ্বিতীয় প্রকরণ বর্তে সেই দ্বে৪(২) ধারাব নির্দ্ধিই প্রশ্ন জিজ্ঞাসা কবিতে ক্রুটি হইবাব কথা।

করিবার ক্রটি হইলে, তাহাতে আন্ত্র্টানিক কার্য্যের সিদ্ধতা সম্বন্ধে কোন বিল্ল হইবে না। ৫৩৫ ধারা। (১) অভিযোগপত্র প্রস্তুত না করা গেলেও ন্যায়বিচারের কোন ব্যাঘাত অভিযোগপত্র প্রস্তুত না হয় নাই আপীল আদালতের ইইবাব ফলেব কথা। কি সংশোধনকারী আদালতের এমত জ্ঞান হইলে সেই অভিযোগপত্র প্রস্তুত ন

এমত জ্ঞান হইলে সেই অভিযোগপত্র প্রস্তুত ন্ হওয়াতে নির্ণয় কি দণ্ডাজ্ঞা অসিদ্ধ হইবে না।

(१) অভিযোগপত্ত প্রস্তুত না হওয়াতে ন্যায়-বিচারের ব্যাঘাত হইয়াছে আপীল আদালতের কি সংশোধনকারা আদালতের এমত বোধ হইলে, ঐ আদালত অভিযোগপত্ত প্রস্তুত করিবার ও মোকদমার বিচার কালান থে সময় অভিযোগপত্ত প্রস্তুত করা উচিত ছিল তাহার অব্যবহিত পরবর্তী সময় হইতে বিচার কার্য্যের পুনরারম্ভ হইবার আজ্ঞা দিবেন।

৫৩৬ ধারা। (১) আসেসরদের সহকারিতায় যে
অপরাধ বিচার্য্য হয় জ্বের ছারা
আসেসবদেব বিচার্য্য
মোক্ষম। জ্বিব ছারা
বিচার হইবাব কগা।
তৎপ্রযুক্ত সেই বিচার অসিদ্ধ
হইবে না।

জুবিব বিচাৰ্য্য মোকদম<sub>।</sub> আদেসবদেব দাবা বিচাৰ হ**ই**বার কথা। (২) জ্বির দারা বিচার্য্য অপরাধের বিচার আসেসরদের সহকারিভাম করা গেলে, যদি আদালতের নির্ণয়পত্র লিপিবদ্ধ

হইবার পূর্বের আপত্তি না করা যায় তবে কেবল আসেসরদের সহকারিতায় হওয়া প্রযুক্ত বিচার অসিদ্ধ হইবে না।

৫৩৭ ধারা। । পূর্ব্ব প্রদত্ত বিধানের স্থলভিম্ন—

ক) নালিশে কি সমনে কি
অভিযোগণতে কিয়া ওয়ারকে কি অভিযোগপতে
আমুষ্ঠানিক কাণ্যে ভ্রম কি কি গোষণাপতে কি আজ্ঞাপতে
প্রামাদপ্রযুক্ত নিন্দান্ত কি নিপ্পত্তিপতে কিয়া বিচার
কথা। করণ সময়ের বা তৎপুর্বের
অন্য আনুষ্ঠানিক কার্য্যে কিয়া

এই আইনমত কোন তদন্তে বা অন্য আনুষ্ঠানিক কাৰ্য্যে কোন ভ্ৰম কি ক্ৰটি কি অনিয়ম হইলে, কিম্বা

- (খ) ১৯৫ ধারার আদেশমত কোন অস্মতির অভাব হইলে, কিম্বা
- (গ) ৬২৪ ধারা অমুসারে জুরির বা আসেসরদের কোন ফর্দ্দ সংশোধন করিতে ক্রটি হইলে, কিয়া
- (ঘ) জুরির প্রতি উপদেশ বাক্যের মধ্যে কোন অন্যায় কথা থাকিলে যদি সেই ভ্রম কি ক্রটি কি অনিয়ম কি অভাব কি অন্যায় কথা ছারা বস্তুতঃই ন্যায়বিচারের ক্রটি না হইয়া থাকে,

তবে ২৭ অধ্যায়মতে কার্য্য হইলে কিম্বা সেই মোকদ্মার উপর আপীল হইলে কিম্বা তাহা সংশোধন করণার্থে উপস্থিত হইলে ঐ ভ্রম প্রভৃতি হেতৃক উপযুক্ত ক্ষমতাপন্ন আদালতের নির্ণয় কি দণ্ডাজ্ঞা কি আজ্ঞা (উহা বিচার চলিতে থাকিবার মধ্যে প্রদক্ত হউক বা চুড়ান্তই হউক) অন্যথা কি পরিবর্তন করা যাইবে না।

### উদাহরণ।

কোন মাজিস্টেট আইনমতে কোন দলীলে স্থাক্ষর করিতে আদিউ হইয়া কেবল আপান নামের আদ্যক্ষর লিখিয়া উহা স্থাক্ষর করেন। ইহা একটি অনিয়ম মাত্র ও ইহাতে ঐ আত্মন্তানিক কার্য্যের সিদ্ধতার ব্যাঘাত হয় না।

৫৩৮ ধারা। এই আইনের বলে যে ক্রোক করা যায়,

আমুষ্ঠানিক কার্য্যে বীতিব দোষ থাকাতে ক্রোক বেআইনী না হইগাব ও ক্রোককারি ব্যক্তি অন:ধকাব প্রবেশকাবী বলিয়া জ্ঞান না হইবার কথা। সমনে কি অপরাধ নির্ণয়পত্তে কি কোকী পরওয়ানায় কি তৎসম্পর্কীয় অন্য কার্য্যে রীতিগত কোন দোষ কি অভাব প্রযুক্ত তাহা বেআইনী বলিয়া জ্ঞান হইবে না ও যে ব্যক্তি

ক্রোক করে তাহাকে অন্ধিকার প্রবেশকারী বলিয়া জ্ঞান হইবে না।

## ৪৬ ষ**ট ্চত্তারিংশ অ**ধ্যায়।

#### বিবিধ বিধি।

৫৩৯ ধারা। কোন হাই কোর্টের, কিন্ধা ঐ কোর্টের কোন কর্মচার্নির সম্মুখে যে

যে যে কোটেঁব ও যে যে ব্যক্তিদেব সমুখে আফ-ডোবট করা যাইতে পাবিবে ভাগদের কথা। আফিডেবিটের ও প্রতিজ্ঞা-পত্রের ব্যবহার করিতে হইবে সেই আফিডেবিট ও প্রতিজ্ঞা পত্র সেই কোটের কিয়া ক্লার্ক-

অফ দি ক্রেনির, কিয়া তৎকার্যপেক্ষে নিযুক্ত কোন কমিশনরের কি অন্য ব্যক্তির সম্মুখে কিয়া রটিষ ভারতবর্ষের কোন রিকার্ড কোটে আফিডেবিট গ্রহণের কোন জজ কি কমিশনর সাহেবের সমুখে কিয়া ইংলভে কি আয়রলভে শপথ করাইবার কোন কমিশন-রের সমুখে, কিয়া ক্ষটলভ দেশে যে কোন মাজিউটে আফিডেবিট কি প্রতিজ্ঞা করাইতে ক্ষমতাপার হন তাঁহার সম্মুখে শপথ বা প্রতিজ্ঞা পূর্বেক করা যাইতে পারিবে।

৫৪০ ধারা। এই আইনমত তদন্ত কি বিচার কি অন্য আম্প্রটানিক কার্য্য ক্রিবার

গুঞ্তব সাক্ষীকে সমন কবিবার কিয়া ত্তপন্থিত ব্যক্তির পরীক্ষা লইবার ক্ষমতার কপা। কোন সমুয়ে কোন আঁদালত কোন ব্যক্তিকে সাক্ষীস্থরপ সমন করিতে পারিবেন ও সমন না হইয়া যে ব্যক্তি

আদালতে উপস্থিত থাকে সাক্ষীস্বরূপ তাহারও সাক্ষ্য লইতে পারিবেন, এবং যাহার পরীক্ষা পূর্ব্বে লওয়া গিয়াছে এমন কোন ব্যক্তিকে আবার ডাকাইয়া পুনর্বার তাহার পরীক্ষা লইতে পারিবেন; এবং ন্যায়মডে মোকদ্দমার নিম্পত্তি হইবার নিমিত্তে তদ্রাপ কোন ব্যক্তির সাক্ষ্য অত্যাবশ্যক বোধ হইলে ঐ আদালত তাহাকে ভাকাইয়া তাহার পরীক্ষা লইবেন কিম্বা তাহাকে আবার ভাকাইয়া তাহার পুনঃপরীক্ষা লইবেন।

**৫৪১ হারা। (১) উপস্থিত সময়ের প্রচলিত আইনে** একারাস্ভরের বিধান না থাকিলে কাবাদণ্ডেব স্থান নিৰ্দেশ এই আইনমতে যে ব্যক্তির করিবার ক্ষমভার কথা। কারাদণ্ড বা হেফাজতে সমর্পণ হইতে পারে ভাহাকে যে স্থানে অবরুদ্ধ করিয়া রাখিতে হইবে, স্থানীয় গ্রুণমেণ্ট তাহার আদেশ করিতে পাহিবেন।

(২) এই আইনমতে যে ব্যক্তির কারাদণ্ড ব্য সম্পূৰ্ণ **इ**हेर ७ হেকাজতে ব্যক্তি দেওয়ানী ভেলে ৰদ পারে, সেই অভিযুক্ত বা নিণীতাপরাধ দেওয়ানী জেলে বদ্ধ থাকিলে, ব্যক্তিদিগকে ফোজদারী যে আদালত বা মাজিফেট পাঠাইবার <u>का</u> स বা কারাদভের হেষাজতে তাগাদের দেওয়ানী ভেলে ফিৰিয়া আদিবার কথা। সমর্পণের আজ্ঞা দেন, সেই আদালত বা মাজিফেট উক্ত

ব্যক্তিকে কৌজদারী জেলে পাঠাইবার আদেশ করিতে পারিবেন।

- (৬) কোন ব্যক্তিকে (১) প্রকরণমতে ফৌজদারী জেলে পাঠাইয়া দেওয়া গেলে, তিনি তথা হইতে মুক্তিলাভ করিলে তাঁহাকে দেওয়ানী জেলে ফিরাইয়া পাঠাইতে হইবে, কিন্তু নিম্নলিখিত স্থলে এই বিধি খাটিবে না, অর্থাৎ,
  - (ক) তাঁহাকে ফৌজদারী জেলে পাঠাইবার পর যদি তিন বৎদর অভীত হইয়া থাকে; তিনি দেওয়ানী মোক-এরপ ছলে দ্মার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক এইনের ৩৪২ ধারামতে মুক্ত হইয়াছেন বলিয়া জ্ঞ ন করা যাইবে, অথবা
  - (খ) যে আদালত তাঁহাকে দেওয়ানী জেলে কারাবদ্ধ রাখিবার আজ্ঞা করেন, সেই কৌজদারী জেলের আদালত যদি অধ্যক্ষকে এই মর্মের সার্টিফিকিট দেন যে দেওয়ানী মোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইনের ৩৪১ ধারামতে ঐ ব্যক্তি মুক্ত হইতে পারে।

৫৪২ ধারা। (১) বন্দিদের সাক্ষ্য গ্রাহণ বিষয়ক ১৮৬৯ সালের আইনে ভাবা-কারাবন্ধ ব্যক্তির পরীক্ষার স্থরের বিধান থাকিলেও কোন জন্যে তাগকৈ আনাইতে প্রেসিডেন্সী মাজিক্টেটের সম্মুখে আজা কৰিতে প্ৰোদডেন্সী উপস্থিত কোন যোকদ্যায় মাজিট্রেটের ক্ষমতার কথা। তিনি সাক্ষী কিম্বা অভিযুক্ত

ব্যক্তি বলিয়া আপৰ এলাকার দীমার. অন্তর্গত জেল-খানায় বন্ধ কোন ব্যক্তিয় সাক্ষ্য লইতে চাহিলে, ঐ জেলের অধ্যক্ষের নামে আজ্ঞাপত্র লিখিয়া ঐ পত্রের দিখিত সময়ে সাক্ষ্য দিবার জন্য ঐ ব্যক্তিকে উপযুক্ত · **এ**হরির জিন্মায় আপনার নিকট আনাইতে আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

(২) জেদের অধ্যক্ষ সেই আজ্ঞায় আইলে তদ্মুসারে কার্য্য করিবেন ও পূর্কোক্ত কার্য্যের নিমিত্ত ঐ বন্দী

যতক্ষণ জেলখানা হইতে অনুপস্থিত থাকে ডভক্ষণ তাহার নির্কিন্নে রক্ষা করিবার বিধান করিবেন।

৫৪৩ ধারা। কোন ক্ষোজদারী আদালতে কোন অমাণের কি উক্তির অর্থ করি-<u>শেভাবিব ৰথাৰ্থ কৰ্</u> বার জন্যে দোভাষীর প্রয়োজন ৰু বতে হইবাৰ কথা। হইলে Q দোভাষী অ্মাণের কি উক্তির যথার্থ অর্থ করিতে আবদ্ধ হইবেন।

৫৪৪ ধারা। যে বাদিরা কি সাক্ষিরা এই আইন অহুসারে কোন তদম্ভ কি বিচার वान्टिम्य ७ माक्टिप्त কি অন্য আত্মন্তানিক কার্য্যের ধরচেব কথা। **ৰি**মিত্ত কোন ফৌজনারী আদালতে উপস্থিত হন, ঐ আদালত গবর্ণমেন্টের পক্ষে তাঁহাদের উপযুক্ত খরচ দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন। কিন্ত স্থানীয় গবর্ণমেণ্ট মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের সম্মতিক্রমে যে বিধি করেন সেই বিধি ষানিয়া উক্ত আজ্ঞা করা ঘাইবে।

৫৪৫ ধারা। (১) যৎকালে যে আইন প্রচলিত থাকে তৎকালে কোন ফৌজ-অর্থদভের টাকাব একাংশ দারী আদালত সেই আইনমতে খরচ বা ক্ষতিপুবণস্বরণ অর্থদড়ের 1001 করিসে দিতে আণালতের ক্ষমতার কিশ্ব। আপালক্রমে িগন্থ সংশোধন করণক্রযে বা প্রকারাম্ভরে ঐ অর্থদভের আজ্ঞা কিম্বা অর্থদভ যে আজ্ঞার একাংশ হয় সেই আজ্ঞা দৃঢ় করিলে, ঐ আদালত নিপাত্তি কালে ঐ অর্থদণ্ডের আদায় হওয়া সমুদয় টাকা কিন্তা ভাগার কোন অংশ—

- (ক) মোকদ্দমা ঢালাইবার নিমিক্ত যথার্থ যে খরচ হয় ভাহার পরিশোধার্থে,
- (খ) যে অপরাধ হয় তজ্জনিত ক্ষতি প্রযুক্ত দেওগানা মোকদ্দমা করিয়া বিশিষ্টরূপ ক্ষতিপুরনের টাকা পাওয়া যাইতে পারে আদালতের এরূপ বিবেচনা হইলে ঐ ক্ষতিপূরণার্থে—

দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

(২) বে মোকদ্দমার উপর আপীল হইতে পারে সেই যোকদ্দমায় অর্থনত্তের আজ্ঞা করা গেলে, উক্ত যে টাকা দিবার শাজ্ঞা হইল, আপীল উপস্থিত করিবার মিয়াদ গত না হওন পর্য্যস্ত কিম্বা আপীল উপস্থিত করা গেলে ভাহার নিষ্পত্তি না হওন পর্য্যস্ত সেই টাকা দেওয়া যাইবে না।

৫৪৬ ধারা। পরে সেই বিষয় লইয়া দেওয়ানী যোকদমা হইলে ক্ষতিপুর্ণ পরবর্তী মোকদমায় দেই দিবার সময়ে ৫৪৫ ধারামতে টাকা ধবিবার কথা। যে ক্ষতিপূরণের টাকা দেওয়া যায় বা আদায় হয়, আদাসত তৎপ্রতি দৃষ্টি রাখিবেন। ৫৪৭ ধারা। অর্থদণ্ডের টাকা ভিন্ন অন্য কোন টাকা
বে টাকা দিবাব আজা
হয় তাহা অর্থদণ্ডের ন্যায় ক্রমে দেয় হইলে, অর্থদণ্ড হইলে
আদায় চইতে পারিবার ধেরপে হইত দেইরপে তাহা
ক্থা।
আদায় করা যাইতে পারিবে।

৫৪৮ ধারা। কোন কৌজদারী আদালতের নিশালতের নিশালতের কিশালতের কিশালতে কে অন্য আজাতে যে ব্যক্তির সম্পর্ক থাকে সেই ব্যক্তির কিলা কোন আজ্ঞার কি সাক্ষ্যের কি নথীর অন্যাংশের মকল পাইবার অভিলাধী হইয়া প্রার্থনা করিলে ভাষা ভাষাকে দেওয়া যাইবে।

কিন্তু আদালত কোন বিশেষ কারণে তাহাকে বিনা খরচে সেই নকল দেওয়া উচিত বোধ না করিলে ভাহারই সেই নকল করিবার খরচ দিতে হইবে।

৫৪৯ ধারা। (১) যে যে স্থলে সৈনিক আইনের অধীন ব্যক্তিগণের বিচার যে আদালতের প্রতি এই আইন ব্যক্তিদিগকে সৈন্যসংক্রান্ত বর্তে সেই আদালতের হারা কর্তৃণক্ষদের হন্তে সমর্থাণ বা কোট মান্ত্রিল হারা হহবে, তৎসম্বন্ধে মন্ত্রিসভাধি-

তিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব এই আইনের ও সৈন্য সংক্রান্ত আইনের কিছা তদ্রপ্র আইন যৎকালে প্রচলিত থাকে সেই আইনের সঞ্চত বিধি প্রণয়ন করিতে পারিবেন; এবং কোন ব্যক্তির যে অপরাধে সৈন্য সংক্রান্ত আইনের ৪১ ধারামতে কোর্ট মার্শ্যল ছারা বিচার হইতে পারে সেই অপরাধের অভিযোগসহ তাহাকে কোন মাজিফ্রেটের সম্মুখে আনা গেলে, ঐ মাজিফ্রেট উক্ত বিধির প্রতি দৃষ্টি রাধিয়া, উপযুক্ত সকল ছলে, ভাছার নামে যে অপরাধের অভিযোগ হয় তদিবরণ সহিত তাহাকে সে যে পপ্টনের কি সৈন্যদলের কি সেনাভাগের লোক সেই পশ্টনাদির সৈন্যাধ্যক্ষের নিকটে কিছা নিকটম্ব সেনানিবেশের সৈন্যাধ্যক্ষের নিকটে কোর্ট মার্শ্যল ছারা বিচার হইবার নিমিত্ত পাঠাইবেন।

(২) তদ্রপ কোন ভানে অবস্থিত কি নিযুক্ত কর্মণ ব্যক্তিদিগকে হত করিবার কথা।

হইলে প্রত্যেক মাজিস্টেট ফাহার নামে উক্তরপ অপরাধের অভিযোগ আছে তাদৃশ কোন ব্যক্তিকে ধৃত করিয়া নির্কিন্নে রাখিবার নিমিত্ত যথাসাধ্য চেটা করিবেন।

ee । ধারা। পোলীস থানার অধ্যক্ষেরা আপন
আপন থানার সীমার মধ্যে
গোলীসের উচ্চপদন্দ যে যে ক্ষমভাষতে কার্য্য করিতে
পারেন পোলীসের যে কর্মচারিরা পোলীস থানার অধ্যক্ষের উচ্চপদন্দ হন ভাহারা

যে খানীয় চক্রের নিমিত নিযুক্ত হন ভাহার সর্ব্বত্ত সেই সেই ক্ষয়ভায়তে কার্য্য করিতে পারিবেন।

৫৫১ ধারা। কোন দ্বীলোককে কিন্তা চেন্দি বৎসরের
ন্যুন বয়সের বালিকাকে অবৈধ
অণ্যত স্ত্রীলোককে
ফরাট্রা দেওনের ক্ষতার কথা।
করা কি বেআইনীয়তে আটক
করিয়া রাখা গিয়াছে, প্রেসি-

ডেন্দী যাজিফেটের কি জিলার মাজিফেটের নিকট লপথপূর্বক এই নালিল করা গেলে, তিনি ডৎক্ষণাৎ ঐ ত্রীলোককে ছাড়িয়া দিবার কিছা ঐ বালিকাকে আপন স্থামির কি পিতার কি মাতার কি অভিভাবকের কিছা বৈধমতে ঐ নাবালিকার রক্ষণের ভারপ্রাপ্ত অন্যব্যক্তির নিকট ফিরিয়া দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন, ও যেরপ বলপ্রকাশ আবশ্যক হয় সেইরপ বলপ্রকাশ করিয়া সেই আজ্ঞামতে কার্য্য করাইতে পারিবেন।

৫৫২ ধারা। (১) রাজধানী নগরে কোন ব্যক্তি
পোলীসের কোন কর্মচ।রির
বাজধানী নগরে যে
ব্যক্তিকে অকারণে প্রথবির
ভালমায় দেওয়া যায় ভাষার
হানিপ্রণের কথা।
ত ব্যক্তিকে ধৃত করিবার উপ-

যুক্ত কারণ না থাকিলে যে ব্যক্তিকে ধরা যায় মাজি-ক্টেট সাহেব তাহার সময় হরণের কি খরচের জন্যে হানিপরণস্বরূপ পঞ্চাশ টাকার অনধিক যত টাকা পাওয়া উচিত জ্ঞান করেন যে ব্যক্তি ভাহাকে ভদ্রপে ধৃত করায় তাহার প্রতি সেই ব্যক্তিকে ভত টাকা দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

- (২) এক প স্থলে গৃই কি তদধিক জনকে ধৃত করা গেলে, মাজিফেট সাহেব উক্ত প্রকারে তাছাদের একং জনের পঞ্চাশ টাকার অনধিক যত হানিপুরণ উচিত জ্ঞান করেন ততই পাইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।
- (৩) এই ধারামতে হানিপুরণস্বরূপ যে টাকা দিবার আজ্ঞা হয় তাহা অর্থনডের ন্যায় আদার হইতে পারিবে; ও তাহা তদ্রপে আদার করা যাইতে না পারিলে, যে ব্যক্তির ঐ টাকা দেয় তাহার প্রতি মাজিফ্টেটেক্সআদেশ-মত ত্রিশদিনের অনধিক কাল সামান্য কারাদভের আজ্ঞা করা যাইবে। কিন্তু ঐ টাকা দেওয়া গেলেই তাহাকে মুক্ত করা যাইবে।

কর্মন বাদালতের কাগলপত্র পরিদর্শন করিবার বিধি
ক্রমন করিতে পারিবার
কথা।

তি গ্রহণপূর্বক সময়েই অধীন আদালতের কাগজপ্র
পরিদর্শন করিবার বিধি
প্রাহণপূর্বক সময়েই অধীন আদালতের কাগজপ্র
পরিদর্শন করিবার বিধি প্রণয়ন করিতে পারিবেন।

জন্যান্য কার্য্যের নিমিত্ত জন্যান্য হাই কোর্টের বিধি করিবার ক্ষমতার কথা।

- (২) যে হাই কোর্ট রাজ-কীয় সনন্দবলে সংস্থাপিও নহে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের অস্থ্যতি গ্রাহণপূর্বক সেই হাই কোর্ট সময়ে সময়ে—
- (क) স্থায় অধীন ক্ষেত্রজনারী আদালতে যে যে বহী রাখিতে হইবে ও তদ্মধ্যে যে যে কথা ও হিসাব লিখিতে হইবে ও সেই সক্স আদালতের যে রিটর্ন কি বর্ননাপত্র প্রস্তুত করি:। পাঠাইতে হইবে তদ্বিষয়ক বিধি প্রণয়ন করিতে পারিবেন।
- (খ) উক্ত সকল আদালতের আহ্নষ্টানিক কোন কার্য্য লিখিবার পাঠ নিদ্দিভ করা আব-শ্যক জ্ঞান করিলে সেই পাঠ নিরূপণ করিতে পারিবেন।
- (গ) স্থীয় রাতির ও আমৃষ্ঠানিক কার্য্যের এবং আপনার অধান সকল ফোজদারী আদা-লতের রাতির ও আমৃষ্ঠানিক কার্য্যের ব্যবস্থা করণার্থ বিধি প্রণয়ন করিতে পারিবেন।
- (ঘ) অর্থদণ্ড আদায় করিবার জন্য এই আইন-মতে যে গুয়ারন্ট দেগুয়া যায়, তাহা যে প্রকারে জারী করিতে হইবে তাহার ব্যবস্থা করণার্থ বিধি প্রণয়ন করিতে পারিবেন।

কিন্তু এই ধারামতে যে কোন বিধি প্রণীত ও পাঠ নিরূপিত হয় তাহা এই আইনের কিন্তা যৎকালে অন্য যে আইন প্রচলিত থাকে সেই আইনের অসক্ষত না হয়।

(৩) এই ধারামতে কোন বিধি প্রণয়ন করা গেলে

তাহা স্থানীয় রাজকায় গেজেটে প্রকাশ করা ঘাইবে।

৫৫৪ ধারা! ৫৫৩ ধারামতে ও ভারতবর্ষীয় হাই
কোর্ট বিষয়ক ১৮৬১ সালের
আইনের ১৫ ধারামতে যে

ক্ষমতা প্রদত্ত হইয়াছে তাহা মানিয়া এতৎসংযুক্ত পঞ্চম
ভক্ষীলে যে পাঠ নির্দিষ্ট হইল সেই পাঠ প্রত্যেক স্থলে
অবস্থান্ডেদে যেরপ পরিবর্ত্তন করা আবশ্যক হয় তাহা
করিয়া তত্ত্লিখিত কার্য্যে ব্যবহার করা যাইবে।

৫৫৫ ধারা। কোন জজ বা মাজিটেট কোন
নোকদ্দমার এক পক হইলে,
যে হলে জজ বা মাজিট্রেট আপনি হার্থযুক্ত
থাকেন তাহার কথা।
যে আদালতে আপীল হয়,
সেই আদালতের অমুমতি না লইয়া ঐ মোকদ্দমার
বিহার কা মাল কিহারপে মার্লিট করিবন না এবং

সেই আদালতের অহ্মাত না লহয়া এ মোকজ্মার বিচার বা ডাহা বিচারার্থে সমর্পণ করিবেন না এবং কোন জজ্জ বা মাজিস্টেট নিজে যে নিপান্তি বা আজ্ঞা করেন তাহার উপর আপীল শুনিবেন না।

ব্যাখ্যা। কোন জজ বা মাজিষ্টেট মুনিসিপল কমি-শনর কিন্তা রাজকীয় কর্মচারী অরপ অন্য রক্ষে সম্পৃক্ত আছেন কেবল এই কারণে এই ধারার মর্মায়-সারে কোন মোকদমার এক পক্ষ বা তাহাতে আপনি স্বার্থযুক্ত বলিয়া গণ্য হইবেন না।

#### উদাহরণ।

কোন মাজিক্টেট ১৯০ ধারামতে কোন অপরাধ গ্রাহ্য করিয়া থাকিলে কিছা ঐ রূপে কোন অপরাধ গ্রাহ্য করিয়াছেন এমন কোন মাজিক্টেট তাঁহাকে কোন মোক-দ্দমা হন্ডান্তর করিয়া দিয়া থাকিলে, যে স্থানে ঐ অপরাধ কৃত হইয়াছে বলিয়া কথিত হয় তিনি সেই স্থানে গিয়াছেন এবং ঐ অপরাধ সহদ্ধে প্রথমস্থলীয় বা বেজাবেদামত তদন্ত লইয়াছেন কেবল এই ঘটনা বলতঃ তিনি ঐ মোকদ্দমার এক পক্ষ বা তাহাতে আপনি স্থার্থস্ক নহেন।

৫৫৬ ধারা। কোন ছানীয় গবর্ণমেন্টের শাসনাধীন
আদালতেব ভাষা দ্বির
প্রবিতে পাবেনার কথা। সংস্থাপিত হাই কোর্ট ভিন্ন
কোন আদালতের ভাষা বলিঃ।
এই আইনের কার্য্যপক্ষে কোন্ ভাষা গণ্য হইবে, উক্ত
ছানীয় গবর্ণমেন্ট ইহা ছির করিতে পারিবেন।

মগ্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীষ্ঠ গ্রপ্র জেনবল সাহেত্রের বা শ্বানীয় গ্রশ্মেক্টের ক্ষমতা-মুদাবে সময়ে সময়ে কার্য্য হইবাব কথা। ৫৫৭ ধারা। এই আইন ক্রমে মন্ত্রিসভাধিন্তিত প্রীযুত গবর্ণর জেনরঙ্গ সাহেবের বা স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি যে যে ক্ষমতা অপিতি হইল প্রয়োজনমতে সময়ে সময়ে

ভদত্মসারে কার্য্য হইতে পারিবে।

৫৫৮ ধারা। এই আইন প্রচলিত হইবার পর যে

সকল আনুষ্ঠানিক কার্য্য উপ

ছিত করা যায় তৎসম্বন্ধে এই
আইনের বিধান খাটিবে, এবং এই আইন থৎকালে
প্রবল হয় তৎকালে কোন কৌজদারী আদালতে যে

সকল মোকদ্দমা চলিতে থাকে তৎসম্বন্ধে যতদুর সভব
এই আইনের বিধান খাটিবে।

৫৫৯ ধারা। রাজকায় কোন কার্য্যকারক এই
আইনমতে কোন সম্পত্তি বিক্রায়
নিলাম কার্য্য লিপ্ত কর্মন করণ সম্পর্কীয় কোন কার্য্য
চারিদেব সম্পত্তি ক্রম না
কবিবার বা না ভাকিবার
কিয় করিবেন না বা নীলায়ে
ভাকিবেন না।

- ৫৬০ ধারা। (১) এই আইনে যাহা কিছু আছে
  আহা সত্ত্বেত কোন প্রধান
  আপান সম্প্রে বিশেষ বিধানের কথা।
  জিলার মাজিস্টেট ছাড়া তন্য
  কোন মাজিস্টেট—
  - (ক) যে স্থলে কোন লোক আপন জীর সহিত সংসর্গ করিয়াছেন সে স্থলে বলাৎকার অপরাধ আমলে আনিবেন না। কিছা

- (খ) সেই শোককে সেই অপরাধের নিমিত্ত বিচারার্থ সমর্পণ করিবেন না।
- (২) এবং এই ধারার (১) প্রকরণে যে অপরাধের উল্লেখ আছে যদি কোন প্রধান প্রেসিডেন্সী মাজিক্টেট বা জিলার মাজিক্টেট তৎসম্বন্ধে কোন পোলীসের কর্ম-চারী ছার। অন্সন্ধানের আদেশ করা আবশ্যক জ্ঞান করেন ভাছা ছইলে এই আইনে যাহা কিছু আছে ভাহা সত্ত্বেও পোলীসের ইনিস্পেট্ররের নিম্ম পদস্থ কোন পোলীসের কর্মচারিকে সেই অন্সন্ধান করিবার নিমিত্ত কিছা ভৎসম্বন্ধে কার্য্য করিবার নিমিত্ত নিযুক্ত করা হইবে না।

### প্রথমবার অপরাধী বিষয়ক বিধি।

৫৬১ ধারা। (১) কোন আদালতে কোন যোক-দ্যায় কোন ব্যক্তির চৌর্য্য দগুজা দিবার পরিবর্তে অপরাধ ভাবে অবিহিত ব্যব-মুদাচরণের পরীক্ষার নিয়ম কবিয়া আদালতের ছাড়িয়। হার, বঞ্চনা কিছা অন্ধিক হুই পিবার ক্ষমতার কথা। বৎসর কালের কারাদতে দওনীয় অপর কোন অপরাধ নির্বয় করা হইলে. ও ভাহার বিরুদ্ধে পুর্বের কোন অপরাধ নির্ণয় প্রমাণিত না হইলে, যে আদালতের সমুখে তাহার ঐরপ অপ-রাধ নির্বয় হয় যদি সেই আদালতের এরপা বোধ হয় যে অপরাধীর যৌবন, চরিত্র ও পুরর পরিচয়ের প্রতি, ঐ অপরাধের লঘুড়ের প্রতি, ও যে অবস্থায় ঐ অপরাধ ক্বত হয় তাহাতে অপরাধ লাগবকারী কোন বিষয় ধাকিলে তৎপ্রতি লক্ষ্য রাখিয়া অপরাধীকে সদাচরণের পরীক্ষার নিয়ম করিয়া ছাড়িয়া দেওয়া বিহিত তাহা হইলে, আদালত তৎক্ষণাৎ তাহার প্রতি কোন দণ্ডের আজ্ঞা না করিয়া এরূপ আদেশ করিতে পারিবেন যে, সে আদিষ্ট হইলেই উপস্থিত হইয়া নিষ্পত্তি গ্ৰাহ্য করিবে এবং ইতিমধ্যে শান্তিভঙ্গ করিবে না ও সদা-চরণসম্পন্ন হইবে জামিনসহ কি জামিন বিনা এবং আদাসত যত কালের আদেশ করেন সেই কালের জন্য এই মর্মে নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিলে তাহাকে ছাড়িয়া দেওয়া যায়।

(२) আদালত বিহিত বোধ করিলে এরপ আদেশ করিতে পারিবেন যে, আদালত যে কাল ও যে যে কিন্তির আদেশ করেন সেই কালের মধ্যে ও সেই সেই কিন্তিতে অভিযোগের খরচ বা ঐ খরচের কিয়দংশ অপরাধার দিতে হইবে।

ব্যাখ্যা।—এই ধারার প্রয়োজনার্থ "আদালত" শব্দে কোন হাই কোর্ট, সেশন আদালত, জিলার মাজিট্রেট কিন্তা স্থানীয় গবর্ণমেন্ট হইতে এতদর্থে বিশেষমতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত প্রথম শ্রেণীর মাজিক্টেট বুরাইবে।

- ৫৬২ ধারা। (১) অপরাধার মূল অপরাধ সম্পর্কে তাহার সম্বন্ধে কার্য্য করিবার অপরাধী আপদ বৃচ::কাব ক্ষমতাপন্ধ কোন আদালতের যদি শপকেমে প্রদন্ত সন্থাদক্রমে প্রকার করে। এরপ প্রতাতি হয় যে, অপরাধী আপান মুচলকার কোন নিয়ম পালন করে নাই তাহা হইলে ঐ আদালত ভাহাকে ধৃত করিবার জন্য ওয়ারন্ট দিতে পারিবেন।
- (২) কোন অপারাধী এক্লপ কোন ওয়ারন্টক্রমে ধ্রত

  হইলে যদি তাহার প্রতি দণ্ডাজ্ঞা দিবার ক্ষমতাপন্ন

  আদালতের সন্মুখে অগোণে আনাত না হয় তবে কোন

  মাজিন্টেটের সন্মুখে আনীত হইবে এবং ঐ আদালত

  বা মাজিন্টেট তাহার মুচলকার আদেশক্রমে তাহাকে

  নিশান্তির জন্য যে সময়ে উপস্থিত হইতে ছইত সেই

  সময়পর্যান্ত কিন্তা তাহার মূল অপারাধ সন্থক্ষে বিচার

  করিবার ক্ষমতাপন্ন কোন আদালতের অধিবেশন না

  হওয়া পর্যান্ত ওয়ারন্টক্রমে তাহাকে হেফাজতে কেরত

  পাঠাইতে পারিবেন অববা নিশান্তির জন্য উপস্থিত

  হইবার নিয়মে যথেন্টক্রপাজামিন লইয়া তাহাকে ছাড়িয়া

  দিতে পারিবেন।
- (৩) এরপে ফেরত পাঠান হইলে যে স্থানে কি যে স্থানের নিমিত্ত ঐ অপরাধীকে ফেরত প্রেরণকার আদালত কান্য করেন অপরাধীকে হয় সেই স্থানের নয় সে যে স্থানে নিশান্তির জন্য উপস্থিত হইতে বাধ্য ছিল সেই স্থানের কোন কারাগারে অর্পন করা যাইতে পারিবে, এবং ফেরত পাঠাইবার ওয়ারকে এই আদেশ থাকিবে যে, সে যে আদালতে নিশান্তির জন্য উপস্থিত হইতে বাধ্য ছিল কিম্বা তাহার খালাস হইবার সময় হইতে আপন আচরণ সম্বন্ধে জবাবদিছি করিতে বাধ্য ছিল তাহাকে সেই আদালতের সম্বুখে আনা যায়।
- ৫৬৩ ধারা। (১) আদালত এই আইনের পূর্ববর্তী বিধানাস্থ্যারে কোন অপরাধীকে তাপাধীক বাদশান দমত্বে হাড়িয়া দিবার আদেশ করিবার পূর্বের আপন ক্রছোধমতে জানিয়া লইবেন যে, যে স্থানের জন্য আদালত কার্য্য করেন কিম্বা নিয়ম পালনের জন্য নিরূপিত কালের মধ্যে যথায় অপরাধীর বাস করিবার সম্ভাবনা তথায় অপরাধী কি তাহার জ্ঞামিনের নির্দ্ধিত বাসন্থান কিম্বা নিয়মিত কর্ম আছে।
- (২) এই ধারার কিছা ৫৬১ ও ৫৬২ ধারার কোন কথাক্রমে চরিত্র সংশোধনার্থ বিদ্যালয় বিষয়ক ১৮৯৭ সালের আইলের ৩১ ধারার বিধানের কোন ব্যতিক্রম হইবে না।

#### পাকা বদমাস বিষয়ক বিধি।

৫৬৪ ধারা। (১) কোন ব্যক্তির ভারতবর্ষের দণ্ড-বিধির আইনের ১২ অধ্যায় কি **তন্ত্ৰা**বধানেব জ্ঞান্তাব ১৭ অধ্যায়মতে তিন বৎসর ধা ভদ্ধিক কালের কারাদভে দও-নীয় কোন অপ্রাধ নির্ণয় হইয়া কোন হাই কোর্ট, সেশ্ব আলালত, প্রেসিডেন্দ্রী মাজিক্টেট, জিলার মাজি-• ক্লেট. মছকমার মাজিফেট বা এছদর্থে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের ছানে বিশেষমতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত প্রথম শ্রেণীর কোন যাজিক্টেট কর্ত্তক উক্ত অধ্যায়ধয়ের অন্যতর অধ্যায়মতে তিন বৎসর বা তদধিক কালের কারাদণ্ডে দণ্ডনীয় কোন অপরাধ পুরকার নির্ণয় হইলে, ঐ কোর্ট, আদালত বা যাজিটেট যদি বিহিত বোধ করেন তবে ঐ ব্যক্তির প্রতি দ্বীপান্তর প্রেরণ বা কারাদণ্ডের আজ্ঞা করিবার সময় ঐ দণ্ডাজ্ঞার কাল অতীত হইবার তারিখ চইতে ভাহাকে অন্ধিক পাঁচ বৎসর কাল পোলীদের তত্তাব-ধানাধীনে স্থাপিত করা হয় এরপ আজাও করিতে পারিবেন।

- (২) যদি আপীলে বা জন্য রকমে ঐ অপরাধ নির্ণয় জন্যথা করা হয় তাহা হইলে পোলীদের ওত্তাব-ধানের ঐ আজ্ঞা বাতিল হইবে।
- (৬) কোন আপীল আদালত বা সংশোধনকারী আদালত ওঁরূপ পোলীসের ততাবধানের আজ্ঞা করিতে

পারিবেন কিন্তু ঐ আজ্ঞা যে অপরাধ নির্বয় ও দণ্ডা-জ্ঞার অংশভূত ভাহা এই আইনে পূর্বে যে প্রকারের বিধান হইল সেই প্রকারে ঐক্লপ আদালতের সমুখে উপস্থিত করা না হইলে ঐ আজ্ঞা সম্বন্ধে আপীল বা সংশোধন হইতে পারিবে না।

৫৬৫ ধারা। (১) যে ব্যক্তির প্রতি পোলীদের তত্থা-বধানাধীনে থাকিবার আজ্ঞা হয় তত্ত্বাবধানের আজ্ঞা হয়-লে তাহার ফলের কখা। কি পোলীদের ডিট্টিক্ট স্থলারি— ভেডেন্টক্ষে সে যে ধাসন্থানে বাসকরে বা তাঁহার বাস করিবার অভিপ্রায় আছে তাহা জামাইতে ধাধ্য হইবে।

(২) যদি থ ব্যক্তি জিলার থ মাজিফ্রেটকে বা পোলীদের থ ডিফ্রিক্ট হুপারিন্টেভেন্টকে অগ্রে হুটিস না দিয়া আপন বাসস্থানের পরিবর্ত্তন করে কিন্তা কোন মাজিফ্রেটের বা হেড-কনফেবলের নিম্নপদস্থ না ছন এমন কোন পোলীদের কর্মচারির বা জিলার মাজিফ্রেট কর্তৃক এতদর্থে নিযুক্ত অপর ব্যক্তির অস্থ্যতি ব্যতিরেকে সূর্ণ্যান্ত ও সূর্য্যোদয়ের মধ্যে তাহার বিজ্ঞাপিত বাস-স্থান হইতে অস্থপস্থিত হয় তাহা হইলে তাহাকে ওয়া-রন্ট বিনা ধৃত করা ঘাইতে পারিবে ও সে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ১৮৮ ধারামতে দণ্ডনীয় অপরাধ করিয়াছে বলিয়া বিবেচনা করা ঘাইবে।

# প্রথম তফসীল।

# যে যে আইন রহিত হইল। (২ ধারা দেখ।)

বংসর ৷	मध्य ।	সংক্ষেপ নাম বা বিষয়।	যে পরিমাণ রহিত হ <b>ইল</b> ।
ኔ৮ <b>৭</b> ¢	٥٠	हां है क्लाटिंद क्लीजमांद्री त्यांकक्ष्यांत्र कार्याः व्यांमी	मभूमग्र ।
2445	٥٠	क्ष्मिनात्री याकक्षमात्र कार्याध्यभानीविषयुक ४৮৮२ मालात पाइन	मगूपम् ।
) h h . 8	b	কৌজনারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইন সংশোধনার্থ ১৮৮৪ সালের আইন।	म्यू प्रः ।
) <b></b> 6	7.	কৌজদারী যোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন ও অন্য কএকটি আইন সংশোধনার্থ আইন।	১ হইতে ১৯ পর্য্যন্ত ধারা।
3 <del>66</del> 9	¢	কৌজদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধনার্থ আইন।	म्यूपम् ।
"	78	ভারতবর্ষীয় মেরিণ বিষয়ক ১৮৮৭ সালের আইন	৭৮ ধারা।
ろみよう	7	ধাতব নিদর্শন বিষয়ক ১৮৮৯ সালের আইন	৭ ধারা।
"	Œ	মাস্র্রাজ্যের করোণারের পদ রহিত করণার্থ আইন	৪ ধারার (১) প্রকরণ।
"	33	নিম্ম ব্রহ্মদেশের আদালত বিষয়ক ১৮৮৯ সালের আইন	দ্বিতীয় তক্ষসীলের যে পরি  মাণের সহিত কৌজদার মোকদ্দমার কার্য্যপ্রনাল বিষয়ক ১৮৮২ সালের আই নের সম্পর্ক সেই পরিমাণ
22	20	কান্টনমেন্ট বিষয়ক ১৮৮৯ সালের আইন	তক্ষীলের যে পরিমাণে সহিত কৌজদারী মোব দ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয় ১৮৮২ সালের আইনে সম্পর্ক সেই পরিমাণ।
7697	0	ভারতবর্ষীয় সাক্ষ্যবিষয়ক ১৮৭২ সালের আইন ও ফৌজদারী মোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশো- ধনার্থ আইন।	৯ <b>ধারা।</b>
٠,	8	ফেজিদারী মোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধনার্থ মাইন।	मञ्जूनग्न ।
٠,	70	ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইন ও কোজদারী মোকদ্দমার কার্য্য- প্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধনার্থ আইন।	
',	33	রহিত ও সংশোধন করণার্থ ১৮৯১ সালের আইন	কৌজদারী মোকদ্দমার কার্য প্রণালী বিষয়ক ১৮৮ সালের আইনের সহিত ( পরিমাণের সম্পর্ক সে
۶۳. 8	9	ক্ষেজদারী মে'কদ্মার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের মাইন ও ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইন সংশোধনার্থ আইন।	১ হইতে ৪ পর্য্যন্ত ধারা।
"	7.	কেজিদারী মোকদ্মার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধনার্থ আইন।	
3650	8	কেজিলারা মোকজ্মার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইনের ৩৬৬ ও ৩৭১ ধার! সংশোধনার্থ আইন।	
<b>ን</b> ኮ ৯ ፡ ፡	30	কৌজদারী মোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধনার্থ আইন।	मगूमग्र ।

# षिञीय उक्मील।

অপরাধের বিবরণপত্রের টেবিল।

অর্থ করিবার মন্তব্য কথা।—এই ডফ্সীলের ২ ও ৭ ঘরের অর্থাৎ ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনমত "অপরাধের" ও "দণ্ডের" ঘরে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ভিম্নং ধারার দিখিত অপরাধের ও দণ্ডের অর্থ করা, কিম্বা ঐং ধারার চূম্বক লেখা অভিপ্রায় নহে। কেবল প্রথম ঘরে যে ধারার নম্বর দেওয়া গেল সেই ধারার দিখিত কথার উল্লেখ করা অভিপ্রায়।

এই তক্ষসীলের ভৃতীয় ঘর কলিকাঙা ও বোদ্বাই নগরের পোলীদের প্রতি বর্ত্তে।

৫ পঞ্চম্ অধ্যায়।—-অপরাধের সহায়ভার কথা।

	n/	9	90	ь	ņ	•	ъ
म् ।	পু পুরাধ	(मानीम अश्वके रिमा गुरु कविट्ड भारव कि मा।	मायानाजः अधिय अप्रावके रा ममन भएउ ह्य	হা <b>জি</b> বজামিন লওযা যাইতে পাবে কি না।	বঞ্চা করা সাইতে পাতে কি বা।	ভাৰতবৰ্ষে দণ্ডবিধিৰ আইনমত দণ্ড।	ষে আদালতের বিচার্য।
? ?	কোন অপরাধের সহায়ভা হওয়া প্রযুক্ত সেই অপরাধ করা গেলে ও ভাহার দঙ্রের স্পন্ধ বিধান না থাকিলে, সেই সহায়ভা।	সাহায্য করা অপরাধ্ধে- তুক ওয়ারউট বিলা গ্রন্ড রিলে সহায়- রেলে সহায়- বিধি, নতুবা নম্ম।	নাহায্য করা জপরাধ্হেতুক ওয়ারক্ট কিছা দম্ম, যাহা হছতে পারে ভদমূসারে স- হান্নভার জ্বল্যে	সাহায্য করা অপ- রাধের নিমিডে হাজিরজামিন ল- ওয়া মাইডে পা- রিলে কি না পা- রিলে সহায়ভারও	সাহাহ্য করা অপ- রাধ্বে রকা করা যাইতে পারিলে কি না পারিলে তদমূরুপ।	অপ্রাধের যে দাও সহায়তারও সেই দও।	সাহায্য করা অপরাধ্ মে আদালভের বিচার্য্য সেই আদা- লভের।
*	ষে ব্যক্তির সাহায় হয় সে সহায় ব্যক্তির অভিপায় ভিন্ন অন্য অভিপায়ে কিয়া ক্রিলে অপুরাধের সহায়তা।	<b>⁴</b> 9	<b>∕9</b>	<b>^9</b> j	<b>*</b>	<b>~</b> 9	*Sgr
222	े जेनीदींब बृत्के अक कियांव महांत्रजा हहेग्रा। जना किया हहेला।	<b>1</b> 9	<b>^5</b> 3	<b>19</b> 5	<b>^</b> Gj	যে ভঃপরাধের সহায়ভা করিবার অভি- প্রায় ছিল সেই অপরাধের দণ্ড।	<b>∕9</b> j
<u> </u>	১১৩ যে ক্রিয়ার সহায়তা হয় ভাহাতে সহায় ব্যক্তির অভিশায়য়ত কল না হইয়া ভিন্ন ফল হইলে।	^6y ·.	§ 29	শ্ব	<b>∕</b> 9	মে অপরাধ হছল ভাছার দঙ	<b>-</b>

•		( 2	36 )	
<b>y</b>	সাহায্য করা অপ- রাধ যে আদা- লভের বিচার্য সেইআ্দালভের।	<b>^9</b>	<b>.</b> * *9	<b>~9</b>
<b>9</b>	৭ বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের সাহায্য করা কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড। বাভের সেই আ্লান্	১৪ বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকার কারাদণ্ড ও অর্থ দিঙ।	ঐ অপ্রাধের নিমিক্ত অভ্যধিক যভকাল যে প্রকারের কারাদ্ভ হইতে পারে ভাহার চতুর্থাংশ কাল প্রাক্ত সেই প্রকারের কারাদ্ভ কিষা অর্দ্ভ কি এ গুই দঙ্ভ।	ঐ অপরাধের নিমিক্ত অভ্যধিক ষভ কাল যে প্রকারের কারাদভ হইতে পারে ভহার অর্মেক কাল পর্যন্ত সেইপ্রকা- রের কারাদভ কিয়া অর্পদভ কি ঐ তুই দঙ্জ।
ते	সাহায় করা অপ- রাধের রক্ষা করা যাইতে পারিলে কি মা পারিলে ডদমুরূপ।	<b>∕</b> 9	<b>45</b>	<del>्</del> ष
न •	হাজিরজামিন ল- ওয়া মহিবে না	<del>∕9</del>	সাহায্য ক্বত অপ্- রাধের নিমিত্রে হাজিরজামিন ল- ওয়া ঘাইতে পা- রিলে সহায়ের হাজিরজামি ল-	- <b>G</b>
न	সাহায়ে ক্রা- অপ্রাধ্হে- তুক ওয়ারণ্ট কিছা সম্ন যাহা হইতে পারে জদস্ব-	মতার জনো হছবে । এ	∕ज	~ <del>g</del>
 ग• <sup>•</sup>		বিধি, মঙ্বা ময় – এ	<del>G</del>	<b>4</b>
্অপরাধ্হ্রবারু সময়ে সহায় ব্যাঞ্চ িউপস্থিত থাকিলে।	প্রাণ্দণ্ডের কি যাবজ্জীবন ধীপান্তর প্রেরণ স দণ্ডের উপযুক্ত অপরাধের সাহায়তা। ঐ সহায়তা প্রযুক্ত সেই অপরাধ না করা গেলে।	এ সহায়তা প্রযুক্ত বপ্কারজনক কিয়া	ক্রা সোলে। মে অপ্রাধের জন্মেকারাদভ হছতে পারে হাহার সহায়তা। ঐ সহায়তা প্রযুক্ত ঐ অপ্রধি না ক্রা গেলে।	অপ্রাধ্যাহার নিবারণ করা উচিত এমত রাজকীয় কার্যকারক সহায় হইলে কি ভাহার সহায়তা করা গেলে।
×	9 21		· ·	

•	ক্ষৈত দণ্ড। বে আদলেতের বিচাধ্য।	দোন এক প্রকান্তের সাহায্য করা অপ- ধদিও কি ঐ ছুই দও। রাধ্ধে আদাল- ভের বিচাধ্য সেই আদালভের।	এক প্রকারের	এক প্রকারের	মুক্তি মুক্তাল এই হুইতে পারে কুল্লেই প্রকা- দুজ কি জুই
<b>6</b> -	ভার তরস্থের দশু বিধিব আছিলগড় দশু ।	ও ব্ধসহা প্রিস্তু দেশন এক প্রকাশে কারাদও কিছা অথদ্ভ কি ঐ সুই দও।	৭ বংসর প্র্যন্ত কোন কার্য়ন্ত ও জ্বদ্ধি।	ত ৰংসর প্যাস্ত কোন এক একারের	কারাদণ্ড ও অবদৃত্ত। এ অপরাধের নিমিত্ত অভ্যাধিক মৃতকাল যে একারের কারাদণ্ড হুইতে পারে ভাহার অর্কেক কাল প্যান্ত সেই একা- রের কারাদ্য কিছা অর্পদ্ড কি এ ফুই দণ্ড।
•	বচা কথা ঘাইতে পাৰে কি না।	সাহায্য করা অপ- রাধের রফা করা যাইতে পারিলে কি না পারিলে ডদমুরুপ।	^9্য	<b>^6</b> y	•
₩	হাভিরজামিন লওয়। যাইতে পাবে কি ন'।	সাহায্যক্তে অপরা- ধ্রে নিমিত্তে হাজিরজামিন ল- এয়া মাইতে প্রারিলে সহায়ের হাজিরজামিন ল-	बञ्जूता नम्न। शिक्तिकामिन जु मायाहेत्वा।	<b>∕%</b>	সাহায্য ক্ষত অপ- রাধের নিমিত্তে হাজিরজামিন ল- ওয়া মাইতে প্রাজিরজামিন হাজিরজামিন লওয়া মাইতে
<b>00</b>	সামান্যতঃ প্রথমে ওয়াবন্ট বা সম্ম দিতে হয়:	- W M -	সহায়ভার জ্রো হইবে। জ্	<b>∕e</b> j	<b>1</b> 97
	শোলীস.ওষারক বিমা গ্রন্ত করিতে পাবে কি ন ।	সাহাষ্য করা জক্র ওয়া- রক্ট বিলা গুড করিভে পারিলে স- হাষ্মভারও	সেই বিজ, শুবান্য – কি	*	<b>*</b>
~	<b>25.</b> € .	সাধারণ সৌকদের কি দশ জনের অধি- কের ক্তুত কোন অপার্থের সহয়িতা।	ষে অপুরাধে প্রাণদ্ভ কি যাবজ্জীবন দ্বীপাস্তর প্রেরণ দভ হছতে পারে ডাছা করিবার কম্পনা গোপানে রাখা। প্র	জপরাধ করা গোলে।	রাজকীয় যে কার্যকারকের যে অপরাধ নিবারণ করা কর্জন্য তাহা করিবার কম্পনা তাঁহার শুপ্ত রাখা। ঐ অপ্রাধ করা গেলে।
^	F	\$3	2		2

<b>^</b>	<b>^9</b> 5 .	<b>^</b> 9	শ্ভ
দশ বংসর পর্যন্ত কোম এক প্রকার্শ্বর কারাদঙ	অপরাধের নিমিত্ত অন্তাধিক যক্ত কাল মে প্রকারের কারাদণ্ড হইতে পারে ভাহার চতুর্শংশ কাল পরিভ্র সেই প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্পদ্ড, কি এ ঘুক্দিঞ।	<b>~</b> 5j	অপরাধের নিমিক্ত অভ্যাধিক যাত কাল যে প্রকারের কারাদণ্ড হইতে পারে ভাহার অস্ট্রাংশ কাল পর্যান্ত সেই প্রকারের ক'রাদণ্ড কি অর্পদ্ভ কি ্প্রুই দ্ও।
<b>^</b> 57	<b>^9</b>	<b>~</b> 9	क कि
। হা জরজামিন ল ওয়। য`ইবেনা।	मारायाकुक ज्या- दार्थत विधित्क शक्तिकाधिन न उम्रा शहरू भातित्न मशस्म शक्तिकाधिन न उम्रा सहित्,	<b>∕9</b>	क के क्षा ।—- त्राक्तिटमार् वश्तास्य विधि।
<b>∕</b> 9 •	<b>~9</b>	<b>∕o</b> j	<b>36</b>
- *जु	. વર્ષ	^9	<b>~</b>
১১১ এই অংশরাধের নিমিত প্রাণ্মণ্ড কি হাঁপা- মর প্রের দেও চছাতে প্রাধিনের।	জিপুৰাৰ মা ক্যা গোলে	্ষে অপুরাধের নিমিত্ত কারাদণ্ড হছতে পারে ডাহা করিবার কম্পনা গুপ্ত	সাবা। লি অশ্যাম ক্ষা শেশে। জে অপ্রাধ না ক্রা গেলে
3	<u> </u>	*	•

সেশ্ব আদালভ।	**
হাজিরজ্ঞামিন লওয়া বহুল করা হাইতে প্রাণ্ড কি থাবজ্জীবন হীপান্তর প্রেরণ সেশন আদালত। বাইবে না।  সাইবে না।  সারে না।  সারে না।  সতি ও সম্পত্তি দঙ্গ।	যাবজ্জীৰক কি ভাহার ৰ্কেকান্দ্ৰশিশিভ্র প্রেরণ দঙ্গ কি দশ বংসর পার্যন্ত ভান্য ভর প্রকারের কারাদ্য।
ব্ৰহ্ম করা ঘাইতে পারে না।	<b>4</b>
शक्किकशिम न अश	<b>*</b>
(S 附属)	<b>19</b>
ওল্লাফ্রজ বিনা ধ্ড করিবে না।	<b>19</b>
>২১ মহারাণীর বিকল্জে যুদ্ধ করণ কি মুদ্ধ ওক্লান্থকৈ থিবা। করিবার উদ্দোশ করণ কি যুজের সহা- । ধ্ত করিবে	১২১ক রাজদ্রোহ স্থাক কোনং অপ্রাপ্ত করিবার ষড়যন্ত্র করণ
2	2

	निकार्	io						•
ه ا	ৰে আদানতেৰ ৰিচাৰ্য	সেশন আদালত	<b>∕</b> 9	<i>শ্ব</i> ন্থ	<b>^9</b>	<b>∕8</b> 5	<b>প্</b>	<b>1</b> 57
	ভারতবর্দের দণ্ডবিধ্র আইনমন্ড দণ্ড।	যবিজ্ঞীবন দীপান্তর প্রেরণ কিয়া দশ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের সার্যান্ত ও সম্পূত্ত দল	১০ বংশর পর্যন্ত কোন এক একারের স্থানীয়া স্থানীয়া	কারাদ্ভ ও অ্থন্ত । ৭ ব্লসর প্র্যুক্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ ও অর্থন্ত।	যাবজ্জীবন কিষা িদিষ্ঠ কাল পৰ্যান্ত দীপান্তুর প্রেরণ ও অর্থদিও কিষা ডিন বংসর পর্যান্ত অন্যান্তর প্রান্তির ক্রা- দঙ্ও অর্থদিও কিষা অর্থদিওু।	যাবজ্জীবন দ্বীপাস্ত্তর প্রেব্ধন ও অর্থদ্ভ কিয়া ৭ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকা- রের কারাদ্ভ ও অর্থদ্ভ কিয়া অর্থদ্ভ।	৭ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড ওকোনং প্রকারের	्र का के कि के कि
ð	রঞ্চা কবা বাইতে পাবে কিনা।	त्रको कन्ना थाश्रेरङ शास्त्र मा	<b>∕9</b> j	<b>∕9</b>	<b>^</b>	्ख् <sub>र</sub>	<b>^</b> 5j	<b>^</b>
¥	হাজিবজামিন লওখা যাছতে পাৰে কি নং।	হাজিরজামিন লওয়া যাইবে না।	<b>∕g</b> j	-विपु	<b>∕</b> 9j	<b>^9</b> j	<b>*</b> 9	<b>%</b>
80	ममिन्नाजः कथरम अन्नाबके ना मधन मिर्छ त्र्य ।	ওয়ার�	<b>^</b>	<b>√9</b> 7	<b>%</b>	<b>~6</b> j	<b>&amp;</b>	<b>∕</b> \$j
9	(शामीम अवावक विमा युक्त कश्विष्ठ भारत कि मा।	ওয়াব্রক্ট বিনা ধৃত করিবে না।	<b>^</b>	<b>∕9</b> j	<b>(6</b> )	<b>1</b> 9	<b>%</b>	<b>*</b>
~	काश्वीस :	মহারাণীর বিরুক্তে যুদ্ধ করিবার অভিপ্রায়ে অন্তাদি সংগ্রাহ করণ।	যুদ্ধ করিবার কণ্পানা স্থগম করিবার মানসে ডাহা গুগুর রাশা।	আইনমত ক্ষমতাক্রমে কোন কার্য বল- পুক্ষক করাইবার কি নিবারণ করিবার অভিশামে গবর্গ জেনরল সাহেবের কি গবর্গ সাহেব প্রভৃতির উপর আক্র-	রাজ্যের প্রতি অভাক্তির উৎসাহ দেওন কিয়া দিবার উদ্যোগ করণ।	-আপিয়া দেশীয় যে রাজগা মহারাণীর সহিত সন্ধিবন্ধ কি শান্তিভাবাপান্ন হন ভাহার বিকলে যুদ্ধ করণ কি ঐ যুদ্ধের সাহায় করণ।	মহারাণীর সংজ সন্ধিবন্ধ কি শান্তিভাবা- পন্ন কোন রাজার দেশে উপদ্রব করণ।	১২৫ ও ১২৬ ধারার লিখিতমতে যুদ্ধ কি উপদ্রব দ্বারা প্রাপ্ত সম্পত্তি গ্রহন।
^	<u>-</u>	* * * * * * * * * * * * * * * * * * * *	9	00 N	₩ *	, A	٠ ١	6 %

**************************************	तममा वामाना कि विमिट्नी मानि छोडे किया श्रम होनी व वाक्रिके।	সেশ্ব প্রাদান্ত ।
যাবজ্জীবন দ্বীপাল্ডর প্রেরণ কি ১০ বৎ সর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অংগদিও।	ত বংসর প্র্যন্ত সামান্য কারাদণ্ড ও অর্থ- সেশন আদালত কি দণ্ড। ভোগিত কামান্তি- ভোগ্ন কামান্তি- ভোগ্ন কাজিডেট)।	হাবজ্জীবন দ্বীপাস্ত্তর প্রেরণ কি ১০বংসর সেশন আদানত প্র্যন্ত্র কোন এক শুকারের কারাদণ্ড ও অর্থন্ড।
প্র	<b>∕</b> G	<b>16</b> 9
<b>₹</b>	হাজিরজামিন সওয়া যাইকে পারে।	্হাজিরজামিন লওয়া য়াইতে পারেনা।
<u>Ģ</u>	<b>1</b> Gj	<b>∕</b> ⊊j
<b>∕</b> 9 , ′	^ <del>G</del> J	শ্ব
১২৮ বাজনীতিপক কি যুদ্ধত কয়েদী রাজকায় কার্য্যকারকের বক্ষণে থাকিলে ভাহাকে ইচ্ছাপুর্বক পলাইতে দেওনা	k z	ভদ্ৰেণ বন্দির প্লায়নের সাহায় বা ভাহাকে রক্ষা করণ কি আশ্রেম দেওন কিছা পুনরায় ধুভ করণের বাধা করণ।
<b>b</b>	° p.	9

৭ সপ্তম বংগায়।—ীসন্য ও যুদ্ধজাহাদ্ধ সম্প্ৰীয় অপরাধের বিধি।

ন'বিক প্রভাতির রাজবিদেহিতা করি- বাব সহায়তা কি ভাহাকে হ'জব্ধাভা হইতে কি কর্ত্ব্য কর্ম হইতে বিমুধ করাইবার উদ্যোগ।	সেমাপ্তি কি ছিদাদোর কি পিপাটী কি ওয়ারকী বিনা ম'বিক পড়িতির রাজবিদে,হিতা করি- ধুত করিতে বাব সহায়তা কি ভাহাকে হ'জব্ধাতা পারে। হইতে কি কর্ত্ব্য কর্ম হুইতে বিমুখ্ করাছ্ব্র উদ্যোগ।	তথা ব জ্ জ্	হাজিরজামিন সওয়া যাইবে না।		রকা করা যাইতে যাবজ্ঞাবন দ্বাপান্তর প্রেরণাক ১০ ব্যস্থা সেশন আদাস্ত পারে না। পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ত ও অর্পদ্ত।	সেশ্স আদসিও।
রাজ্ঞেদ্রেরে সহায়তা প্রযুক্ত রাজদেহে হইলে সেই সহায়তা।	<del>व</del> ि	<b>€</b> j	<b>(</b> 9)	<b>&amp;</b>	শুণিদণ্ড কি যাবজ্জীবন দীপান্তর প্রেরণ কিছা১০ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্পদ্ড।	.* •
উপস্থিত কাৰ্যকোৱক স্থীয় প্দেৱ কৰ্ম করিত্ত্যুন এমন সময়ে ভাঁহার প্রতি সেনাপতি কি হন্দান্রের কি দিপাহীর কি নাধিকের আক্ষণ করিবার সহয়তা।	<b>े</b> न	'ছ	হাজিরজামিন সওয়া যাইতে পারে।	<b>G</b> T	ও বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের সেশন আলালভ কিষ্বা কারাদণ্ড ও অর্থন্ড। বিষ্কাটি কিষ্যা প্রধ্যা	সেশন আলালভ কিছা প্রেসিডে স্বীমাজি- ক্টেট কিছা প্রায়ম্

		•	( 225	)		
৮ যে আদালতেৰ বিচাৰ্য্য।	সেশ্ব আদাগত	প্রেসিডেপী মাজি- ক্টেট কিন্না প্রথম কি দিভীয় শ্রোণীর মাজিক্টেট।	<b>~</b> §g	<b>્</b>	(खिमिएफ भी गांकि- (खें हे किश्वा अथ्य कि विजीय (खेंगीत	কোন মাজিক্টেট।
ণ ভাবভংগের দণ্ডবিধিয় আইনমত দণ্ড।	৭ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের সেশন আদালভ কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	২ বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদঙ কিষা অর্থদ্ড।	<b>^</b>	a oo, डोका अर्थमञ्ज	৬ মাস প্ৰ্যুক্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদ্ভ কি অৰ্পদ্ভ কিষা ঐ দুই দ্ভ।	ত মাস পৰ্য্যন্ত কোন এক প্ৰকাৱের কারাদ্ভ কিয়া ৫০০ <sub>১</sub> টাকা অৰ্দ্ভ কি প্ৰসূহ দ্ভ।
े इक्ष: करा याष्ट्रिट भीदि	द्रका कदा घाईए <b>ड</b> १	ू :	· <b>1</b> 5y	- <del>G</del> y	્રા	<u>9</u>
ट शक्तिकामिन न तुष् यारेट भारत कि म	হাজিরজামিন ল ওয়া ঘাইতে পারে।	<b>*</b> 9	<del>∕°9</del>	<b>^5</b> j	<b>∕9</b>	<b>∕9</b>
৪ দাম্ল্যতঃ প্রথমে রেমুন্ত বি দম্ন দিতে হয়।	ওয়ার <b>্</b>	<b>∕</b> •g	<b>*</b>	। प्र	ওয়ারগ্র	ः : ज र
ু পোলীস এঘাংক ৰিমা ধুত ক্রিন্তে পারে কি মা।	ওয়ার্ড বিনা ধূও করিতে পারে ।	<b>্ব</b>	<b>∕</b> 9	ওয়ারণ্ট বিনা ধুত করিবে না ৷	ওয়ারণ্ট বিনা ধৃড করিডে পারে।	<b>~</b>
¥ *** ¥ *** *** *** *** *** *** *** ***	উক্ত আক্ৰিমণ হছলৈ ভাহার সহায়তা	সেনাপতি কি ছদ্দাদার কি সিপাহী কি নাবিকের পলায়নের সহায়তা।	সেনাপতি কি হুদ্দোর কি সিপাহী কি নাবিক পলাভক হুইলে ভাহাকে আশ্রয়	বাণিজ্য জাহাজের স্বামীর কিন্তা অধ্য- ক্ষের সমনোযোগে ঐ জাহাজে পূলা- ডকের সুকাইয়া থাকা।	সেনাপতির কিছন্দানরের কি সিপাহীর কি শাবিকের অবাধ্য ভাবের কোন ক্রিয়ার সহায়তা, তৎপ্রক্ত সেই অপরাধ্ব করা	কোন ব্যক্তি আপনাকে সিপাহী বলিয়া জানাহ্বার অভিপায়ে সিপাহীর পোষাক পরিধান কি কোন চিচ্চ পারণ করণ।
<u>ه</u>	808		30 80	\$ 5 5	, ,	<b>%</b>

--

গ্ল- কোন মাজিস্টেট।	<b>₹</b>	^ <del>y</del>		<b>1</b> 59	প্ৰকারের সেশান আদালত কিষা	्रविभिष्टभी यां कि- क्रिके किया बर्ध्य	क्रिक्टिंग अस्ति कार्याः	दिका । ।					<b>ভ</b>							•
ে মাস পৰ্য্যন্ত কোন এক প্ৰকারের কারা- দ্ভ কি অৰ্থদভ কিষ্বা ঐ চুই দভ।	र वयमत भरान्छ क्वांन धक धकारत	কারাদণ্ড কি অর্থদণ্ড কিয়া ঐ দুই দণ্ড এ		<b>^9</b>	७ वरमत भराख क्वान এक श्रकार	কারাদ্ভ কিষা অর্থদভ কি এ গুই দও।	ज्यास्त्रत निर्मातक त्य मन् त्यां					THE TOTAL PLANT THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF TH	ं क्षां व्यक्	কবিলে মেই অপবায়ের	- 0			_		
রকা করা ঘাইতে পারে না।	<b>∕</b> \$ <del>J</del>	<b>⁄</b> 9		<b>°</b> জু	<b>^5</b> j		<b>^</b> জু					^জু								
হাজিরজামিন ল ওয়া হাইতে পারে।	^উন্	<b>*</b>		⁄9	ঙ্গ্য		के जभदारथः बिधिराज	হাজিরজামিনলওয়া যাইতে পারিলে কি	ना भादिएन ७४-	হ্মপারে।		<u> এ অপরাথের নিমিত্র</u>	হাজিরজামিন ল-	उम्रा धार्रेट भा-		ু রিশে ভদস্পারে।				
:	ভয়ারণ্ট	'ণ্ড		<b>1</b> 57	ৰ্ণ্ড		क कर्नारक्ष	নি মিজে ধুত কিংবার ওয়া-		হ্যার মধ্যে হাহা হছাত		उश्रवके दिना किंका दाया कि प	করার করা কি	নিযুক্ত ব্যক্তি	•	করে ভাহার	নিহিত্তে সমন	दा अशातक	যাহা হইডে,	
ওয়ার <b>উ</b> বিনা বাব ধুত করিতে	: 5, 3 5, 3	<b>6</b>		<b>∕</b> €j	প্ত		ঐ অপ্রাধের	নিমিজে ওয়া রক্টজমে কিষা	ওয়ার <b>ণ্ড</b> াবন্য।	म्रिल ७४-	स्मार्ड ।	ওয়ারক বিনা	क्ष किंद्र	भारत ।		•				
বেআইনীয়ত জনতাতে মিলিত হতন	প্ৰাণ্যাশক কোন বস্তু সইয়া বেবাইনি-	মত জনতার সহিত যিলিত হওন। বেজাইনীমত জনতার লোকদিগকে প্থক	• হইয়া ঘাইবার জাজরা হইয়াছে জগানিয়া সেই জনতার সহিত মিলিত হওন কি তমুধ্যে থাকন।	रक्ष्यान्द्र	প্রতিনাশিক অস্ত্র সহস্থা কর্ণ		বেআইনীমতে জনতার কোন লোক কোন	জপীরাধকরিলে এ জনতার অন্য প্রত্যেক ব্যক্তি সেই অণর ধের অপরাধী হয়।				বেজাইনীয়ত জনতায় মিলিত হইবার	জন্য কৌন লোকদিগকে ঠিকা করিয়া	রাধন কি ভাহাদের সঞ্চে করার করন	কি ভাহাদিগকৈ নিযুক্ত করণ।			•		-
28.0	88	<b>584</b>		589	7.8 Y		@ 00 /					¢ €1								

( 340 )

,	~	n	œ.	נג	Ð	er.	3
योष.		পেলীস ওবাৰণ্ট বিন্যু গ্ৰহ্ন কৰিছে পাৰে কি লা।	দাৰাজ্যতঃ প্ৰথমে ভ্ৰমাৰ্ক বা দ্যন দিতে হয	সাজিবজামিন ল এয়। মাধ্যে পাৰে কি না।	ৰফা কৰা যাইতে পাৰে কি লা।	ভাষতর্ধেব দণ্ড-বিধির আইনমত দণ্ড।	যে আদালতের কিছাই।
2 6 2	<b>₽</b>	ওয়ারক বিশা ধুত করিতে পারে।	··· भूग	হাজিরঞামিন ল ওয়া মাইতে পারে।	রম। করা ঘাইতে পারে মা।	৬ মাস প্ৰান্ত কোন এক প্ৰকারের কাবা- দণ্ড কি অৰ্পদণ্ড কি এ ঘুই দণ্ড।	কেন মাজিফেট।
**	হওন কি থাকন। রাজকীয় কার্যকারক হল্ক্যা প্রভৃতি নিবারণ ক্রিভেচ্ছেন এমন সম্যে ঠাহার প্রতি আক্রমণ করণ কি ঠাহার	<b>্</b> ড্য	ওয়ার উ	<b>ি</b> জু	~উ্য	ও বংসর পশ্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্পন্ত, কিষা ঐ সূই দণ্ড।	সেশন জাদাসত কিছা প্রেসিডেপী মাজি- ফ্রেট কি প্রথম শ্রেশীর মাজিফেট।
9	হঞ্চামা করিবার অভিথায়ে অকারণে রাগ জন্মাওন, হঞ্ামা হছলে। হঞ্মা না হছলে	<b>ণ্ড</b> ়	্ট মূম মূম	حق حق	્કુ <b>્ક</b>	১ বংশের পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদও কি অর্গদ্ভ কি এ ফুই দেও। ৬ মাস পর্যন্ত কোনাএক প্রকারেদেও কি অর্গদ্ধ কি ঐ নই দেও।	কোন মাজিয়েউ। জি
\$ \$8	হঞ্মা প্ভতির সন্থাদ ভূমির স্থামীর কি দ্বীলকারের না দেওন।	ওয়ার <b>ট</b> বিনা ধুত করিবে না	<b>∕©</b> j	<b>*</b>	<b>ंध</b>	ऽ ० ० ० विक विश्वमञ्ज	প্রেসিডেকী মাজি- ফ্রেট কি প্রথম কি দ্বিতীয় শ্রেণীর
> e	ৰাহার উপকারাপে কি সপক্ষে হজমা হয় ভাছার ঐ হজমা নিবারণের আইন-	<b>∕</b> \$j	<b>∕</b> €j	ઉંગ	<b>~</b> €y	ज्यक्म	याजित्के ।
9	সিদ্ধ সকল উপায়মতে কাৰ্য লা করণ। মে স্থামীর কি দখীলকারের উপকারাথে ছগমা হয় তাছার গোমন্তার তাহা নিবারণের আইনসিদ্ধ সকল উপায়মতে	<b>∕</b> €j	<u>♣</u>	<b>∕</b> °g	*জু	: : :	• • • • • • • • • • • • • • • • • • •

26.4	১৫৭ বিশাদীন জনতার নিমিতে যাহা- িইকে টিন করিয়া রাখা যায় তাহা-	এয়া <b>রণ্ট বিনা</b> ধুত করিতে	*		<b>*</b> 9	<b>-9</b> 7	ভ মাস পৰ্য্যন্ত কোন এক প্ৰকারের কারা- দণ্ড কি অৰ্থদণ্ড কি ঐ হুই দণ্ড।	• •
÷.	্দিগকে আশ্ৰায় দেওম। বেআইনীয়ত জনতাতে কি ছন্ত		<del>्व</del> ा	*	<b>⁴</b> 9	<b>*9</b>	: ************************************	*
	সাহায় করেবার জন্য তিকা রুপে নিযুক্ত হওন।	<b>.</b>	<b>J</b> ! !		J		·	•
	কিছা আছি লক্ষা গাম্ম কর্ম • দক্ষি করেন	্তি ড্ৰয়াব্ <i>ড</i> বিমা	ওয়ার <b>ও</b> সম্ম	· :	<b>9</b> ~9	<b>9 9</b>	ং বংশর প্রিজ কোম এক আকারের কারাদ্ভ কি অর্থদ্ভ কি ঐ গুই দ্ভ। এক মাস পর্যায় কোম এক একাশের	
	•	श्चुक कहित्व म			r	,	किया अकि भा मिछ।	
		১ গ্ৰহ্ম জ	€गत्र ।—	ক ক	য় কাৰ্যক' <b>র</b> ক ঘ	১ নবম ভংগায়।— রাজকীয় কার্যক'রক ঘারা কি তৎসম্পকীয় অপরাধের বিধি	र ष्यश्रदाहस्त विधि।	
265	রাজকীয় কর্মকারক হইয়া কি হইবার	ওয়ার্ড বিনা	সহস	<u> </u>	হাজিবজামিন লওয়া	রফা করা ঘাইতে	ও বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের	সেশন আদালত কিন্তু
		क्षंड कदिए			যাইতে পারে।	भारत मा ।	কারাদণ্ড কি অর্থদণ্ড কি ঐ গুই দণ্ড।	त्यमिरछमी मांकि
	কোন কথা করণাথে আইন্যত বেতন জিয়া শারিডে: ফিক গ্রহন করে।	<u>-</u> ज						টেট কি প্ৰথম <u>শো</u> ৰীর
262	मुख्नीस कि (वर्षः इंग्रिक स्थारित स्थार्	∕ब	<b>~</b> 9		ঞ	<b>~</b>	<b>~</b> 9	(A) (A) (A) (A) (A) (A) (A) (A) (A) (A)
	কার কাব্যকাকে প্রস্থাহবার জন্য পারিডোষিক গ্রহণ করণ।							
09.8	রাজকীয় কর্মকারকের নিকটে স্বীয় প্রতিপত্তিকমে কোন কার্য্য করাছ্বার জন্য পারিভোষিক গ্রহণ করণ।	<i>*</i> ন্তু	<del>∕6</del> j		∕જુ	<b>^</b> 9	এক বংসর পর্যন্ত সামান্য কারাদ্র কি অর্দন্ত কি ঐ গুই দন্ত।	প্রেসিডেব্দী মাজি- ফৌট কিয়া প্রথয় শ্রেণীর মাজিফৌট।
895	दांखकोस कर्षकांत्रका मन्नार्क हश्त शुर्व घृरे शातात्र वर्णनांस श्रें न बिक स्रोत्र क्रमात्र स्वास्त्रका	<b>*</b> 9	<b>∕9</b>	the speciment of the same of the same	∕ <del>ब</del> ु	<b>-</b> 9j	ও বৎসর পর্যন্ত কোম এক প্রকারের। কারাদণ্ড কি অর্পদণ্ড কি ঐ গুই দণ্ড।	সেশন আদাসত কিছা প্রেসিডেপ্স মাজি- স্টেট কি জ্ঞ্ম
7				-				

		سد نے ر		( )(< )	J	_		
۵	মে আদানতের বিচাধ্য।	(अपिएए भी माकि- (अपि सिवा सम्म कि विजीस (स्वा)	म् (क्रिकेट)	त्रमणं व्यामानक कि श्विमित्रं भी मार्कि श्विमे कि खेश्य	्रम्भाव मार्किछ । ्रधिन्दुः क्षिम् मार्किः रक्षे किम्	49 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19	কোন মাজিফেট।	*
•	ভারতবহেব দঙাব্ধির আইনমত দঙ্	২ বৎসর পর্যন্ত সামান্য কারাদ্ভ কি অধুদ্ভ কি এই দ্ভ।	১ বংশর পর্যন্ত সামান্য কারাদ্ভ কি অর্পদ্ভ কি ঐ সুই দও।	ও বংসর পর্যন্ত কোন কোন এক একা- রের কারাদণ্ড কি ফ্র্লিণ্ড কি এ চ্ই দ্ভি।	১ বংসর পর্যান্ত সামান্য কারাদ্ভ কি অর্থ দভ কি ঐ চুই দঙ।	২ বংসর প্যান্ত সামান্য কারাদ্ভ কি অশিদ্ভ কি ঐ চ্ছ দও এবং সম্পত্তি	ক্ষ ক্রা সেলে এ সম্পাত্ত দত্ত। ২ বংসর প্রান্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ত কি অর্পদ্ত কি ঐ গৃই দত্ত।	ও মাস পৰ্যন্ত কোন প্ৰকাৱের কারাদণ্ড কি ২০০ <sub>১</sub> টাকা অৰ্প দণ্ড কি এই দ্ভ ।
•	বন্ধ; ৰুবা ঘাইতে পাৰে কি মা।	द्रका कदा घाहेट भारतमा।	<b>^9</b> y	<b>~9</b>	<b>-%</b> y	<b>*9</b>	<b>*9</b> 7	<b>*9</b>
•	হাজিবজামিন ল ওয়া যাইতে পারে কি না	হাজিরজামিন ল ওয়া যাইতে পারে।	<b>~9</b>	ઉપ	<del>*9</del>	<b>⁴</b> 9	<b>^6</b> g	<b>5</b> g
Đ	मामानाजः श्रवस्य उद्योदने या भगम निष्ठ रुष्न।	ं ड हा स	<b>4</b>	<b>-9</b> g	•	<b>1</b> 9g	ওয়ারউ	ड ब स र
0	भौजीम अष्रावके दिमा युक्त क्रिएक भौदि कि मा।	ওয়ামণ্ড বিনা ধ্ৰুড করিবে না।	<b>-</b> 9	<b>4</b> 5	<b>49</b>	<b>~</b> 5	ওয়ার <b>ন্ট</b> বিনা ধুড করিতে	कोरद के
N	काना है।	রাজকীয় কার্যকারক মোকদ্ম্মা শুনেন কি যে কার্য্য করেন ভাহার সম্পর্ক- রুক্ত ব্যক্তির হানে বিনা মূল্যে মূল্য-	কোন্ব্যক্তির হামি ক্রিবার অভিপ্রায়ে আইনের বিধি রাজকীয় কার্যকারকের না যানন।	হানি করিবার অভিপ্রায়ে রাজকীয় কর্মকারকের অভ্যন্ত দুলীল করণ।	बाककोन्न कार्याकातकन्न त्वचार्येनीमाउ वालिका कत्रन।	ুৱাজ্কীয় কাৰ্য্য কারকের,বেআইনীমতে সম্পত্তি ক্ৰয় করণ কি নীলাযে ডাকন।	কোন ব্যক্তির আপনাকে রাজকীয় কাহ্যকারক বলিয়া দেখাওন।	প্রভারণাভাবে , রাজকার কর্মকারকের পোষাক চিহ্ন পারধান কি ধারণ।
^	Ē	÷	3	<b>6</b> 9 0	3	\$ .	. 6 %	\$ \$ \$

										(	3	ŧυ	)													
कान माकिएके ।		<b>*</b>			_	कि बिडोग्न टामनीय	मिक्टिके	<b>-9</b> y		क्वान मामित्के ।				4	ð		যে শাদালতে এপ-	दांथ कवा यात्र करे	কাইনের ৩৫ অধ্যা-	<ul><li>इत दिशानाशीतं</li></ul>	সেই আদালত কিছা	জপরাধ আদালতে	मा श्रेरम (धिमि-	त्रमा माकिको	কিয়াএখম কি দিতীয়	त्मनीय माक्तिके
১ মাস পর্যন্ত সামান্য কারাদণ্ড কি ৫০০, কোন মাজিক্টেট	होंकी वर्षम्ख कि जे घृष्टे मख।	७ याम भराज्य मायाना कादाम् कि	Soos होका वर्षम्छ कि ज प्रहे मछ।	এক মাস পর্বন্ত সামান্য কারাদণ্ড কি	त 000 है। का अर्मा कि जिल्हें में छ।			<ul> <li>श्राम भिक्ष माग्रांका कार्याक कि</li> </ul>	ं होका जर्मछ कि ज्रेष्ट्र मि	्र यात्र भरास्त्र भाषाना कादाम् कि	क्रक, क्रिका खर्शकल कि	D: YY			क मान अधिक अमिल कि मान क	<b>-</b>	ऽ यात्र भयाञ्च नायाना कांद्राम् कि	८००, छोका अर्थन्य कि भ पूर्ट मछ।		_			• •			
दका कदा याहरू	भारत मा ।	<b>^5</b> y		<b>^6</b> y				<b>^9</b> j		<b>^5</b> j		Pk anda		Ą	<b>7</b>		 •				-			Mahan . a.		•
হাজিরজামিন লওয়া	याहेट७ भारत।	<b>^5</b> j		<b>^</b> SJ			-	<b>~</b> 5	T	<b>~</b> §	Γ			,	<b>b</b> j		<b>&amp;</b>									
:																							_			
भूष		<b>^</b> Sy 		<b>4</b>				<b>1</b> 93		<b>∕9</b> 		-,		A	<b>9</b>		ষ্ঠ									
ওয়ারক বিনা	ধুত করিবে শ।	<b>^5</b> y		<b>~</b>				<b>~</b>		প্য				4	<b>ল</b>	J	ষ্ট									
কের হানে সমন কি	জন্য প্রওয়ানা না পাহিবার জন্যে প্রায়ন করণ।	সমূনে কি নোটিনে ষয়ং আদালডে	উপস্থিত হওন প্রভৃতির আজা হছলে।	কোন সমন কি নোটিস দেওয়া কি		नहैकश्रित (म.७म्रा (भारम जाम डिठाइम्	দেওন কি ঘোষণা নিবারণ করণ।	के ममन श्रष्टिक यस्त जानानाड	উপস্থিত হওন প্রভৃতি আজা হইলে।	হান বিশেষে স্বয়ং কি মোকারের দারা	উপস্থিত হইবার আইন মৃত জাজ্ঞা	অমান্য করণ, কিন্বা অস্মতি না পাইয়া	চলিয়া ঘাওন ৷	আদালতে ষ্য়ং উপস্থিত হওন প্রভৃতির	के जाखा हरेंटन।	অহিন্মতে রাজকীয় কার্যক্রের	न ज तर्भाक्षत कि	<u>-</u> [	STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE							
248	•			200	•	-		,		865						294										

( 248 )
---------

	•	9	æ	b	• ,	•	۵
Ē	هياداد	(अस्तीम अवत्ते बिसा १९ संवर्ष्ड भारविक सः।	मृष्यानाडः श्रुपट्य ६४,९९७ ४ भयन मिट्ड १४ ।	श्डिंक्यांदन ल⊗द्यो दाहेटि शांदिकिमा	রক। কবা ঘাইতে পারে কিলা।	ভারতবর্হের দণ্ড/বাধিব জাইনামত দণ্ড	্ৰ জালালভেৰ বিচাধ্য
*	সেই দলীল আদালতে উপস্থিত কি অপ্ন কবিধার মাজা ছইলে।	८७ श्राह्म म् म् म् म् म् म् म् म् म् म् म् म् म	ं : : : : : :	হাজিরজামিন লওমা ঘাইতে পারে।	রকা করা যাছতে পারে মা।	ও মাস প্ৰ্যুন্ধ সামান্য কারাদণ্ড কি ১০০০, টাকা অৰ্পন্ড কি ঐ গুই দণ্ড।	त्य चामानाः
\$	ৰাজকীয় কাৰ্যিকারকের নিকটে নোটিস কি সম্বাদ দিতে আইশ্যতে বন্ধ হছ্যা ভাহা দেওনে ইচ্ছাপুৰ্কক ক্ৰটি করণ।	<b>^5</b> j	<b>~6</b> g	<b>~</b>	<b>*</b> 9	১ মাস প্ৰদ্ৰে সামান্য কারাদ্ভ কি 🛚 👓 ) টাকা অৰ্পভ কি ঐ মুহ্ দভ।	माजिएको माजि- स्ट्रिके किया अध्य कि विजीस स्मेगेव माजिएको।
£ 5	সেই নোটিস কি সন্ধাদ অপবাধ শ্ৰন্ডভি করণ বিষয়ের হুইলে। রাজকীয় কার্য্যকারককে জানিয়া শুনিয়া হিখ্যা সন্থাদ দেওন।	<b>~9 ~9</b> .	<b>1</b> 9 <b>1</b> 9	<b>~9</b> ~ <b>9</b>	<b>-69 -69</b>	ও যাসপাৰ্যন্ত সামান্য কারাদঙ্গ কি ১ • ০০) টাকা অৰ্পন্ত কি ঐ গুই দঙ্গ। ও মাস পৰ্যন্ত কোন এক প্ৰকারের কারা- দঙ্গ কিয়া ১০০০, টাকা অৰ্পন্ত কি ঐ	<b>*</b> 9 <b>*</b> 9
	थाः प्राक्रकीय मधाम अभवाध धाक् जिक्दन विषयत क्रेटन।	<b>~</b> €y	<b>√6</b> 4	<b>~</b> 5	<b>~</b>	২ বংসর পর্যন্ত কোন এক শ্রকারের কারাদ্ভ কি অর্পদ্ভ কি ঐ চুই দভ।	• -%

क्थ- विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व	<u>।</u>	( )<	िकिया माखिन- खश्य खश्य	্ মাজি- জ্ব্য জ্ব্য	
াষে আদালতে অপ্প- রাধ করা যায় এই আইনের ৩৫ অধ্যায়ের বিধালা- ধীনে সেই আদা- লত কিয়া অপ্রাধ আদলতে লা হইলে আদলতে লা হইলে বিদিডেপী মাজি-	কি দিউমি <u>শে</u> ণীর মাজিক্টে। এ	<b>^</b> 5	সেশন আদালত কিয় শ্রেসিডেন্দী মাজি- ফ্রেট কি এথম শ্রেণীর মাজিস্টেট	্ৰেসিডেকী মাজি- ক্টেট কিয়া প্ৰথম কি দিঙীয় ছোণীয়	<b>9</b>
৬ মাস পথ্যন্ত সামান্ত কারাদ্ভ কি হে আদান্তে ১০০০, টাকা অর্পদ্ভ কি জুই দভু। রাধ কর। এই আইনে অধ্যায়ের বি ধানে সেই লভ্না ব্ আদলতেনা ভোলনতেনা ভৌট কিষা	<b>∕</b> 9j	ত মাস পৰ্য্যন্ত সাংনিঃ কারাদ্ভ কি ৫০০ <sub>০</sub> টা <b>কা</b> অৰ্থদ্ভ কি ঐ ছুই দণ্ড।	ও বংশর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের সেশন জাদালভ কিয়া কারাদণ্ড ও অর্থ দঙ। ফ্রেট কি প্রথয় শ্রেকীর যাজিফ্রেট।	৬ মাস পৰ্যান্ত কোন এক প্ৰকাৰের কারা- দণ্ড কি ১০০১ টাকা অৰ্থান্ত কি ঐ ফুই দণ্ড।	~95
<del>)</del>	<b>^8</b> y	*জ্	*জ্য	<b>^9</b>	<b>⁴</b> 9
Ţ	*9	শ্ব	<b>~9</b>	-%मु	<b>*</b> §
	<b>∕g</b>	<b>'</b> y	<b>∕</b> 9	<b>^cy,</b>	~ <del></del>
	~9	<b>4</b> 9	<b>1</b> 9	<b>~</b>	<b>-</b> *y
क्षितित्व जाका क्षित्व व्याप्त क्षित्व बच्चीतात क्या	সজ্ঞ কহিতে আইনমতে বন্ধ হইয়া প্ৰশ্নের উত্তর দিতে অসীকার করণ।	রাজ্ঞাদীয় কার্যকারকের নিক্টে যে কথার বর্ণনা করা যায় ভাহা আদ্দের করিভে আইন্মতে আদ্দের পাইলেও অস্থীকার	রাজকীয় কার্যকারকের সন্ধুখে শপ্য করিয়া ভাানপূর্বক সভ্য ব্লিয়া যিখ্যা ক্থা কহ্য।	রাজকীয় কাথ্যকারক আইনায়ত ক্ষয়তা- ক্লেম জন্ম ব্যক্তির হানি করেন কি ভাহাকে ক্লেশ দেন এই অভিপ্রায়ে ভাহাকে মিধ্যা সন্থাদ দেওন।	মাজকীয় কাৰ্য্যকারক জাইন্সিদ্ধ ক্ষয়- ভাতে সম্পাক্তি অইতে গোলে বলপূৰ্বক ক্ষীয়ার সাধা চেত্ম ।
	72	بُ	3	ž	3

		যে জাদানতের বিচার্ধ্য	মসিডেপী মাজি- ক্টেট কিন্না এথম কি বিভীয় শ্ৰোণীর মাজিফেট।	<b>.∕8</b> j	<i>ি</i> জু	<b></b>	<i>^</i> ভ্র	<b>∕</b> ଷ୍ମ	• ^sg
	TP.	যে জাদান	প্রেসিডেপী ক্টেট কিয়া কি হিভীয়	j					
	•	ভাগতবৰ্ষেব দণ্ড, বিশ্বৰ আইনমত দণ্ড।	১ মাস প্ৰস্তি কোন এক প্ৰকারের কারাদ্ভ কি ৫০০ <sub>১</sub> টাকা অৰ্দণ্ড কি পুত্ৰ দ্ভ।	১ মাস প্ৰ্যান্ত কোন এক প্ৰকাৱের কারদেও কি ২০০১ টাকা অৰ্ণেও কি ঐ ইই দও।	ও মাস পার্যক্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি ৫০০, টাকা অর্থদণ্ড কি এ নুষ্ট দণ্ড।	১ মাস প্ৰ্যন্ত সামান্য কারাদণ্ড কি ২০০ <sub>)</sub> টাকা অৰ্পন্ত কি ঐ গুই দণ্ড।	ও মাস পর্যান্ত সামান্য কারাদণ্ড কি ৫০০) টাকা অর্পন্ড কি ঐ গুই দণ্ড।	১ যাস প্র্যন্ত সামান্য কারাদ্ভ কি ২০০০ টাকা অর্পদ্ভ কি ঐ গুই দ্ভ।	। ৬ মাস প্ৰস্কুল্লাদ্ভ কি ১০০০) টাকা অধ্দুভ কি এই স্ভুদ্ভ।
	ð	বৃক্ষ কৰা ঘা <b>ইতে</b> পাৰে কিনা	হকা করা থাইভে পারে না।	<b>6</b> 5	<b>(</b> 5)	<b>∕9</b>	<b>√6</b> ,	<b>∕6</b> 7	<b>&amp;</b> j
	ੲ	शिक्षवङ्गीयम महरू राष्ट्रेट्ट भारत कि मा	হাজিরজামিন লওয়া যাইতে পারে।	<b>ं</b> ख	<b>©</b> j	<b>~</b>	<b>উ</b> ন্	<b>~</b> g	-জু
-	uo	म्हिमानः छर्द्य ६६१४६६ दो मधन मिट्ड २६।	: भ	<b>∕€</b> j 	<b>∕€</b> j -	<b>∕</b> ⊌ ·	<b>€</b> j	<del>'\$</del> ;	<b>^</b> 9
	9	ट्रिन्तीम कुराविके दिस मुक्क करिएड शास्त्र कि सा।	ওয়ারঔ বিশা ধ্রুত ক্রিবে শ্রুত	<b>∕9</b> j 	~ <b>g</b>	<b>^g</b>	<b>િ</b>	<b>4</b> 5	<b>^9</b>
	~	- X > 8 6 전	রাঞ্কীয় কার্কারকের ক্ষমতাক্রমে থে সক্ষতি বিক্রয় হছবার জনো প্রকাশ হয় তাহার বিক্রয়ের বাধা দেওন।	(17 P P	ভাকিলে হৈ দায় মতে ভাষা প্ৰধান বাৰ মানস বিশা ভাকিন। বাৰ মানস বিশা ভাকিন। রাজকীয় কাৰ্য্যকারকের স্বীয়পদের কর্ম করণকালে ভাঁছাকে বাঁধা দেওন।	রাজকীয় কার্যকারকের সাহায্য করিভে কাইনকতে কান্ত হইনা কোনা নাকরণ	আহমন্তে অবিশ্ব হংগা অব। শান্দ্ৰণা পরওয়ানায়তে কাৰ্য্য করণাথে কি জপ- রাধ এভৃতির নিবারণাথে রাজকীয় ক্যিকোরক সাহায্য চাহিলে ইচ্ছাপুক্ক	<u>~</u>	ৰাধা কি ক্লেশ কি হানি হছলে। সেই অমাননে মৃত্যের প্রাণ্র কি আস্থ্যের কি নিরাপদ প্রভৃতির আশঙ্কা হইলে।
	^	10°	& \$	Š.	Ā	7		λ. .λ.	

<b>~</b> 9	•	<del>ં</del> યુ •	
ং বংশর পর্যন্ত কোম এক অকান্তরর ক্রোদ্ড কি অর্পদ্ড কি ঐ গুই দঙ।		এক ব্ৎসরপর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি ক্রদিণ্ড কি ঐ হুইদণ্ড।	
<b>∕</b> \$ <del>j</del>		ंध	
<u>∕</u> \$		<b>'6</b> 7	
• ં		· ····································	-
<b>4</b>		-⁄জু	
N.	অয়াও জমাহবার জন্য তাহার, কিয়া যে ব্যক্তির লাভালাভে তাহার সম্পর্ক গাকে তাহার হানি করিবার ভয়	দুশাওন। ১৯০ কোন বাজি হানি হুইতে রক্ষা পাইবার জনো সাইনমতে দর্থাস্ত না ক্রে এই কারণে ভাইাকে ভয় দশাওন।	•
ه ۲	•	å ·	

১১ একাদশ বংগায়।—মিথ্যা প্রমাণের ও দাধার এর যথাথ বিচার হইবার বাধাজনক অপ্রাধের শিথান।

5 74 70	মোকদমা প্রস্তি কার্যেতে মিংসা সাক্ষা ওয়ার্ভীবিনা ওয়ার্ভী দেওন কি প্রস্তুত করণ। ধুভ করিবেনা।	ওয়ার্ড বিশা ধুও করিবে না।	इंग्रेड	হ'জির জামিন ল ওয়া যাইতে পারে।	दक्षा कदा शहित्र मा	হাইতে ৭ ৰৎসর পাৰ্য্যস্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদণ্ড অৰ্থ দণ্ড।	সেশন আদালত কিয়া প্রেসিডেন্সামাজি- ফ্রেট কিয়া এথ্য
	হন। কোন হলে মিখন সাক্ষ্য দেওন কি প্ৰতিক কৰেন।	<u>च</u>	√ <b>c</b> j	<b>∕</b> 9	∕કુ	ও ৰৎসর পর্য্যন্ত কোন প্রকারের কারাদিভ ও অর্থদঙ।	<u>শে</u> ণীর মাজি <u>ষ্টে</u>
6 10	কোন বাজির প্রাণ্য,ওর অপারাধ নির্ম হয় এই মান্সে মিথ্য সাক্ষ্য দেওন কি প্রস্তুত্ত করেন।	^ <b>G</b> <sub>7</sub>	^ন্য	হাজির জামিন ল ওয়া যাইবে না।	<b>∕6</b> π	মাবজ্জীবন দীপান্তর প্রেরণ কিষা কঠিন পরিশাম সহিত ১০ বংসর কারাদণ্ড ও অর্থনত।	সেশ্ন আদলিত
	ভক্ষারা নিদেশ্রী ব্যক্তির অপারাধ নির্বা চইয়া প্রাগদ্ভ স্তাস।	~ ~ ~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~	<b>∕</b> \$j	<b>ূ</b>	∕ <b>c</b> ī	প্রাধ্য পূর্বেজি দঙ্	^দু
Ä	যাবজ্জীবন দ্বীপান্ত্র এর্লেন্র কি সাভি বংসরের জাধিককাল কারাদভের উপ- যুক্ত স্পার্ধ নির্ধয় হইবার মান্সে মিগা সাক্ষ্য দেওন কি প্রস্তুত কর্ণ।	∕ <b>©</b> j	'জ	হাজির জায়িন লওয়া ঘাইতে পারে।	<b>्ट</b> न	ক্পিরাধের যে দণ্ড সেই দণ্ড	সেশন অদিলিভ

৮ যে সাদানভেৰ বিচাৰ্য।	সেশন আদালত কিছা প্রেসিডেব্দী মাজি- ক্টেট কিন্ধা প্রথগ্ শ্রেণীর মাজিক্টেট	<b>*</b>	<del>ध</del>	<b>^</b> 9j	<b>*</b>	সেশন আদালত।
ণ ভৰিতৰৰ্ধের দশুৰিধিব আইনমত দশু।	শিংখ্যা সাক্ষ্য দেওনের কি প্রস্তুত করণের যে দিও সেই দও।	যিখ্যা সাক্ষ্য দেওনে যে দণ্ড সেই দণ্ড	<del>^9</del>	<b>~</b> \$5	<b>~</b> 9	৭ বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদ্ঞ।
ও বহু: কয়। বাইতে পারে কিনা।	तका कता वाहेरू भारतमा।	<b>∕</b> 9	<b>∕</b> 8 <del>j</del>	<b>~</b> 9	<b>~</b> €7	<b>-</b>
८ शिक्तियकायिन सड्या सारेट्ट गाँउ कि ना।	ঞ্ প্রয়াণ দেওনাপ্রা- ধ্বের জন্মে হাজির- জ্বায়িন লওয়া হাইতে পারিলে কি	মুদারে। হাজির জামিন লওয়া যাইতেপারে।	~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~	<b>*</b>	<b>°</b> gr	<i>ी</i> जु
8 সামান্যতঃ প্রথমে ওয়ারও কি সমন দিতে হয়।	ও মার <b>উ</b> :::	<b>1</b> 9	<b>∕9</b>	∕ <b>6</b> j	<b>~9</b>	<b>~</b>
্ত পোলীস ভয়ারক বিনা যুত করিছে পারে কি না।	ওয়ার <b>্ট</b> বিলা প্রত করিবেলা।	∕खु	<b>~</b>	<b>∕</b> 9j	<b>^</b> y	<b>^9</b> ∴
	শ্যামাণ মিধ্যা কি ক্লিনিম জগলিয়া মোক- ওয়াবট বিনা দমা প্ৰভৃতি কাৰ্যে তাহার ব্যবহার গ্ৰুত করিবেনা। করণ।	মে র্ভাব্ধবিষয়ে জাইন্মতে সার্টিকিকেট প্রমাণফরণ এহিঃ হয় জানপুর্কক সেই রভান্তের মিথ্য সার্টিকিকেট দেওন কি ভাহাতে আক্ষর করণ।	কোন সৰিকিকেট গ্ৰুকতর অংশে যিখ্যা জানিয়া প্ৰকৃত বলিয়া ব্যবহার করণ।	যে নিৰ্দেশ বাক্য আইনমতে প্ৰমাণ স্বরপে গ্রান্ত্য হন্ন ভশাধ্যে মিধ্যা উক্তি করণ।	म्बेड्स बिक्ष्यं वाक् गिया खानिया मक्ष्यं विन्धा वावश्व कवन ।	जणबाधीतक सक्का केंद्रशास्त्र ष्णुनारथत्र ध्यमांश जक्ष्णा कत्रश किथा छाश्र विषा सक्षांब एमें छन्। सांश मरध्य दांशा पण्- सांथ हहेरम ।
^ IX	200	£ 7.	400	2 .	•	× .

2	₹	۵	

কারাদণ্ডের ষোগ্য অপারাধ্য ছইলে।	•				काद्राम् ७ अर्थम् ।	द्र क्षकाला (प्रमान वामान का कथा) त्यमिर कथा व्ययम् (यो किया) व्ययम् (यो वी वास्ति वास्ति हो।
প্রাপ্ত 		~~	<b>~</b>	<b>^6</b> j •	অপরাধের জনা অভাধিক যডকাল যে একারের কারাদঙ হয় ভাহার চতুর্থাংশ ক'ল সেই প্রকারের কারাদঙ কি অর্পদঙ্ কি প্রহ্ দঙ	প্রেসিডেকা মজিক্টেট কিয়া গ্রুথমন্ত্রেণীর মাজিক্টেট কিয়া অপরাধ্যে আদা- লতের বিচাধ্য দেই
मञ्जाम मञ्जाम	<b>4</b> 9	: : ব ন ম	<b>€</b>	<b>^</b> ≅j	ও মাস প্ৰ্যাস্ত কোন এক প্ৰকারের কারা- দিও কি অধ্দাও কি ঐ গুই দেও।	্ৰেসিডেপী মাজি- ক্ৰেট কিন্ধা এণ্য শ্ৰেণীর কি দ্বিতীয় শ্ৰেণীর মাজিক্টেট।
ষে অপুরাধ করা গিয়াছে ভাহার মিথা। সন্থাদ দেওন। কোন দলীল প্রমাণ্যরণে উপ্হিতনা হইবার অভিপ্রায়ে ভাহা শুপ্ত কি নস্ট	<b>A</b>	্রেমার জু	্জু <b>ব্</b> জু	<i>ે</i> લ્યું -ઉત્સ્	ং বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্পদ্ড কি এ এই দণ্ড। এ	क (अमिरःमी माक्कि- (क्रेडे किया वाधम (ब्रेडोड्ड माक्किडिडे)
কোন ঘোকদমায় কি কেজিদাৱী নালিলে কোন কৰ্মের আই্টানিক কার্য্যের কিষা হাজিরজামিন কি অভিভূ হইবার জ্রো আপ্নাকে অন্য ব্যক্তিরণে পরি-	<b>*</b> 9	<b>∕6</b> j	<b>1</b> 9	<b>ি</b> য়	ও বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রক্রের কারাদণ্ড কি অধিদণ্ড কি ঐ গুই দণ্ড।	সেশন আগানত কিয়া প্রেসিডেপী মাজি- ফ্টেট কিয়া প্রথম্ শ্রেণীর মাজিফ্টেট
চয় দেখন। দিভ্যরপ কিয়া অর্থদভের আজায়ক্রমে কিয়া ডিক্রীজারীক্রমে সম্পত্তি ক্রোক না হয় এই নিমিত্তে ভাহা অভারণাভাবে ছানাদ্র কি গোপন ক্রণ অভ্তি।	<b>1</b>	·	<b>*</b>	∕चृ	ং বংসর প্র্স্ত কোঁন এক অকারের কারাদ্ভ কি অর্পদ্ভ কি ঐ তুই দ্ভ।	ভোসিডেপী মাজি- ফ্রেট কিয়া এথম কি ছিতীয় ভৌণীর মাজিফ্রেট।

( 200 )

চ ড গগু   বে আগালতেৰ বিচ'ৰ।	প্রকারের প্রেসিডেন্দী যাজি- ই ৮৩। ক্রেট কিয়া প্রথম কি দ্বিতীয় শ্রেণীর মাজিক্টেট।	त्यनिराष्ट्रभी याष्ट्रि खेडे किया अथय त्यंशेत्र याष्ट्रिके	এক প্রকারের ক্র	এক প্রকারের প্রস্থ দঙ্ভ।	धिक्रांद्रज्ञ क्र	এক অকারের সেশন আদালত কিছা প্রেসিডেন্সী মাজি- স্টেট কিছা প্রথম
ু ভাংতবৰ্ষেৰ দ্ভবিষিব আইনমভ দণ্ড	ং বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকা কারাদণ্ড কি অর্পদ্ভ কি ঐ গুই দণ্ড।	<b>∕</b> 9 <del>,</del>	২ বৎসর পৃধ্যন্ত কোন এক কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	২ বৎসর প্র্যুক্ত কোন এক প্রকা কারাদঙ্কি অর্পন্ড কিঐ গুই দঙ	২ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারে কারাদণ্ড কি অর্থন্ড কি ঐ চুই দণ্ড।	৭ বংসর পর্যক্ত কোন এক কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।
ও বচা কব <sup>।</sup> যাইতে পাবে কি না।	রকা করা ঘাইতে পারে না।	<del>^9</del> j	<b>∕</b> 9	<del>^9</del>	^জ •	∕g <sub>j</sub>
। হাজিবজামিন ল এয়। ঘাইতে পাৰে কি না।	হাজিরজামিন লওয়া যাইতে পারে।	 - <b>%</b> g	<b>*</b>	<b>~</b> €g	<b>4</b>	<b>∕9</b>
8 সামান্যতঃ প্রথমে ওহারণ্ট ব। সম্ন দিতে ইয	ও মূর জুর ::	<b>∕9</b>	<b>*</b> 9	<b>~</b>	<b>*</b>	∕ <del>g</del>
ংশালীস ভ্রাবট নিমা গুড ক্রিডে	ওয়ারজ বিশ ধ্রুজ করিবে শ্রু	<b>9</b>	<b>*</b> 9	<b>∕5</b> j	<b>े</b> ज	<b>19</b> 9
কুণাবাৰ	দণ্ডস্তরপ কিছা অর্পদ্ভের আজ্ঞায়্দ্রমে কিছা ডিক্রীজারীক্রমে সম্পত্তি ক্রোক নাহয়, এই নিমিত্তে ষত্ত না থাকিলেও সেই সম্পত্তির দাওয়া করণ কিছা ভৎ-	কাৰ্য্য করণ। যে টাকা প্রাপ্য নহে ভাষার নিমিক্তে প্রভারণাক্রমে ডিক্রী হছতে দেওন কিষ্ ডিক্রীর টাকা দেওয়া গেলে পর ভাষা জারী হইতে দেওন।	আদালতে মিখ্যা দাওয়া করণ	যে টাকা পাওনা নয় ভাহার নিমিভে প্রভারণাক্রমে ডিফ্রী পাওন কিয়া ডিফ্রীমত কার্য্য হইলে পর ভাহা জারী	হানি করিবার মানসে অপরাধের মিশ্যা অভিযোগ।	ষে অপরাধের অভিযোগ হইল ডক্রন্য সাত বংসর কারাদণ্ড হইতে পারিলে।
v fa	g.	<u>}</u>	7	2	2	

_			( 303 )		
সেশন আদালত।	সেশন অ্দান্ত কিয়া প্রেসিডেশী মাজিকেট কিয়া	18 T	প্রেসিডেকী মাজি- ফ্রেট কিয়া এথম শ্রেণীর মাজিফ্রেট কিয়া অপ্রাধ যে আদালডেব বিচার্য্য	সেশন আদলিত।	সেশন আদালত কিয়া প্রেসিডেন্টা মাজিফ্টে কিয়া প্রথম শৌলীর
• · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	৫ বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	ও বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থ দণ্ড।	অপরাধের নিমিন্ত অভ্যমিক যত কাল বে প্রকারের কারাদ্ভ নির্মারিত হুইয়াছে ভাহার চতুর্গাংশ কাল কারাদ্ভ কি অর্পদ্ভ কি ঐ গুই দ্ভ।	৭ বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও জর্পদ্ড।	ও বংসর পার্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদিও ও অর্থদ্ও।
· <b>G</b>	<b>^€</b> j	<b>^9</b>	<b>্</b> শ	ণ্ড	<del>(g</del>
<b>&amp;</b>	<b>%</b>	<b>∕6</b> j	<b>9</b>	শ্ব	<b>4</b>
<b>^6</b> 9	<b>∕</b> 9	<b>^6</b> 5	<del>(S)</del>	<b>উ</b>	<b>ॅ</b>
	ওমারক বিশা গ্রুত করিতে পারে।	~~~	<b>~</b>	ওয়াটে বিনা ধ্ৰু কারবে শা।	 <b>क</b>
ষে অপুরাধের অভিযোগ ছইল ভদংধ্ প্রাণুদ্ভ কি যাবজ্ঞীবন দীপাস্ত্তর প্রেরণ দেও কিয়াণ বংসরের অধিক কাল কারা- দেও হইতে পারিলে।	্অপরাধীকে আ <u>ত্</u> রায় দেওন, প্রাণদণ্ডের ওয়ারক বিনা উপযুক্ত অপরাধ হছলে। পারে।	• যাবজ্জীবন দীপাস্তর প্রেরণ দণ্ডের কি ১০ বংসর কারাদণ্ডের উপযুক্ত জণ- রাধ হইলে।	১° বৎসর না হইয়া ১ বৎসর কারা- দভের যোগ্য অপরাথ হইলে।	অপেরাধীকে দণ্ড হছতে রক্ষা করণার্শে ওয়াউ বিনা দানাদি গ্রেহণ ৷ প্রাণদণ্ডের উপযুক্ত। গ্রুত করিবে অপরাধ হছলে।	যাবজ্জীবন দ্বীপাস্তর প্রেরণ কি ১০ বৎ- সর কারাদণ্ডের উপযুক্ত অপরাধ হইলে।
	~ ~			9	

( 505 )

		. !	on .	ש	Þ	σ	ь
	क्षांचास ।	পোজাস এধাংশ বিলা ধুত ক'বডে পাৰে কি লা।	সামান্যতঃ প্রব্যে ওধাবন্ট বা সমন দিতে হয়।	शिक्ष्यकार्यम न अया याहेटड भारत कि न	ৰন্ধা কৰা যাইতে পাৰে কি না।	ভাৰত বৰ্ষের দণ্ড বিধিব আছিলমত দণ্ড।	ষে আদলিতের বিচার্ছ।। 
	১० वरमत मृग्नि कोद्रोमाध्यत (योगाः जन- द्रांथ इक्टन ।	ওয়াবতী বিশা ধুজ করিবে শা	ওয়ার <b>্</b>	হাজিরজামিন লওমা মাইতে পারে।	রকা করা ঘাইতে পারে না।	ত্পরাধের নিমিত্তে অভ্যধিক যভ কাল যে প্রকারের কারাদ্ভ নির্ধারিত হই- য়াছে ভাহার চতু্ধাংশকাল সেই প্রকা- রের কারাদ্ভ কি অর্পদ্ভ কি ঐ গুই	প্রেসিডেকা মাজি- ফ্রেট কিছা এথম শ্রেণীর মাজিফ্রেট কিছা অপরাধ যে আদালতের বিচা-
~	অপরাধীর রক্ষা হয় এই জন্মে সম্পত্তি ফিরিয়া দিবার কি দান করিবার প্রস্তাব করণ। প্রাণ দণ্ডের হোগ্য অপরাধ হইলে।	<b>%</b>	<b>^9</b> j	<b>*9</b>	<b>*</b>	৭ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদ্ভ।	(प्रमंग व्यामिनक ।
	যাবজ্ঞীবন দ্বীপাশ্তর প্রেরণ দণ্ডের কি ১০ বংসর কারাদণ্ডের যোগ্য অপরাধ হছলে।	<b>19</b> 5	<b>^9</b>	<b>~</b> 57	<b>^5</b>	ও ব্ৰুসর প্ৰ্যুক্ত কোন এক প্ৰকারে কারা-সেশন আদালত কিছা দঙ্ভ ও অৰ্পদঙ্ভ। ফ্ৰেট কিছা প্ৰথম	সেশন আদালত কিছা প্রেসিডেকী মাজি- ফ্রেট কিছা এথম
	১০ ব্ৎসরের মুদ্দ কারাদভের যোগ্য অপরাধ্হছলে।	<b>€</b> j	<b>*9</b>	<b>^€</b> j	<b>*</b>	অপরাধের অভ্যধিক ষভ কাল যে একা- কারের কারাদণ্ড নির্দারিভ হইয়াছে ভাহার চতুপাংশ কাল সেই প্রকারের কারাদণ্ড কি অপদিণ্ড কি ঐ ছুই দণ্ড।	ভোগার মাজিডেট। প্রেসিডেকী মাজি- ক্টেট কিছা এথম ক্রেণীর মাজিটেট কিছা অপুরাধ ষে
	-জপ্রাধ ছারা কোন ব্যক্তির যে অস্থাবর সম্পত্তি হরণ হট্য়াছে অপবাধীকে ধ্ৰুড ন' করাইয়া ভাহা কিরিয়া দেওয়াইবার সাহায়াবে দান এইণ করণ।	<b>19</b>	<b>^9</b>	<b>^9</b> j	<b>~6</b> 9	২ বৎসর পাৰ্যন্ত কোন এক অকারের কারাদণ্ড কি অর্থন্ড কি ঐ হুই দণ্ড।	तम्हे वामान्छ। ट्योमएएजी याकि- ट्योडे किया वाथम ट्योनीय याक्टिडेडे।

সেশন আদানত কিয়া প্রেসিডেপী, মাজিটেট কিয়া প্রথম শ্রেণীর মাজিটেট।	் த	<del>-</del> <del>-</del> 10	সেশন আদালভ ( প্রেসিডেপী মাজি- < ফ্রেট কিছা প্রথম ও শ্রেণীর মাজিফ্রেট। (	প্রেসিডেন্সী মাজি- ক্রেট কিয়া প্রথম কি দিউীয় শ্রেণীর মাজিক্টেট।	সেশন আপালত। •	<b>-%</b> j
৭ বৎসর প্রিক্ত কোন এক প্রকারের সেশান কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড। মাজি	ও বৎসর প্রিক্ত কোনাএক প্রকারের কারা দণ্ডও অর্থদিভ। জপরাধের নিয়িকে অভায়িক যভকাস	যে অকারের কারাদঙ নির্মারিড হই- য়াছে ভাহার চতুর্থাংশ কাল সেই একারের কারাদঙ কি অর্থ দঙ্ কি এ গুই দঙ।	৭ বংসর কঠিন পাইশোম সাছিত কারা- দণ্ড এবং অর্থদণ্ড।	ং বংসর প্র্যন্ত কোনা এক প্রকারে কারাদ্ভ কি অধিদ্ভ কি প্রকল্ড।	ওবৎসর প্র্যুক্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ কি অর্থদ্ভ কি ঐ চুই দ্ভ।	৭ বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্পদণ্ড কি ঐ গুই দণ্ড।
<b>*</b> \$7	<b>√</b> sy <b>√</b> sy		<b>~</b> €9	<b>*</b> 9	<del>^9</del>	<b>্</b> ভ
<i>'</i> জ	्चे (चे		<b>1</b> 9	<b>%</b>	<b>্</b> ড্য	<b>∕c</b> ī
· <sup>1</sup> 9	 'Gy <b>'G</b> y		<b>∕9</b>	 अथ	ও শার্ক উ	~ . ~
ওয়াবাউ বিনা ধুভ ক্রিভে পারে।	"ব "বু		<b>~%</b> j	ওয়ারাউ বিনা সমন ধ্রত করিবে না।	~ <del>``</del>	- · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
অপরাধী করেদ হইতে পলাইলে কি এয়ারাউ বিনা ভাহাকে ধরিবার আজা ব্যহির হইলে ধুড ক্রিডে ভাহাকে আশ্রম দেওন। প্রাণ্মডের পারে।	ধ্বজীবন হীপান্তর প্রেরণ কি ১ - ব্ৎ- সর করে/দঙ্রের বোগ্য জপারাথ হইলে। ১ - বংসর না হইয়া ১ বংসর কারাদণ্ডের	• মে'গ্র জপরাধ হইলে ৷	দস্ত্য বা ডাকাইতকে আশ্রায় দেওয়া ···	ব্যক্তির দও কি সম্পত্তি দও মাহইবার ও নিমিতে রাজকীয় কার্যিকারক কর্তৃক আইনের আজ্তা অমান্য করণ।	ব্যক্তির দণ্ড কি সম্পত্তিদণ্ড না হইবার নিমিডে রাজকীয় কার্যকারকের অশুন রিকাডি কি লিপি করণ।	যোকদমা প্ৰভৃতিতে ৱাজকীয় কাৰ্যকার- কের কোন জাজা কি হিপোট কি কয়সলা কি নিশ্তি অংইন বিজন্ধ জানিয়া করণ।

•

.

,		
	708	

	۲.	<b>x</b> 0	ø	,	<b>o</b> -	۳
काशतरभ	्र जीम ह्यादकु निम भूछ क्याइकु ल्ल्ड्र कि जा।	म'म'म'ज़ि श्र प्राप्त अदावके दः मुफ्त निगुरु श्रेष	ক)জিবজামিল লাও। হাইতে পাৰে কিলা।	र के स्ता प्रति । सिंहा	छ दछत्दर्व म्ळूद्भत छ ख्रामक म्छ	্যে জ দ্বাহেষ বিচাহী
কোম ব্যক্তিকে বিচারণ্থ কিছা কারা গারে সলপ্র করা হাইম বিকর জানিয়: ক্ষ্যভাগম ব্যক্তির সেই কর্ম করে।	ওমবেট বিকা ১৩ ক িবে	ওয়ারেণ্ট	হঃজিরজগমিন সওয়া হাইতে পারে।	दका कन्ना शहेत्ज शादन मा	৭ বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড কি ঐ গুই দণ্ড।	সেশ্ব আদ্বিত।
		∕ <b>e</b> j	'G <sub>j</sub>	<b>(6</b> )	অপনিভ সহিত কি ভাছিমিন ২ৎসর পর্ণাস্থ কোন প্রক,রের ক,র দণ্ড।	<b>*</b>
যাৰ্জ্ঞাৰম হ <i>ীপান্তৰ প্ৰেইণ</i> কি ১০ বৎ- সার কারাদি <b>ওের</b> যোগা; অপাহাধ হেইসে।	ं ६७	رفا	<i>े</i> ड़ा	<sup>रकु</sup>	হংদ৪ সাইত কি তাৰুমে ও ব্ৎসর প্রান্ত্র সেশান বাদালত কিয়ো কোন এন প্রকারের কারাদও। ফ্রেট কি প্রম	সেশন বাদালত কিয়া প্রাদ্ধেনী মাজি- স্টেট কি প্রয় জ
১০ বংমর   ম্মেকাল কারান্ওর মোগা অপ্রাধ হইলে।	∕ <b>c</b> <sub>j</sub>	<del>'6</del> 7	∕ <del>©</del> j	∕¢j	অৰ্দণ্ড সহিত কি তাজিম ২ ব্ৰুসর পাৰ্যান্থ কোম এক প্ৰকারের কারাদণ্ড	প্রেসিডেকী মাজি- ফ্রেট কিষা প্রথম কি হিতীয় শেণীর মাজিফেট
আদালতের দণ্ডাজ্ঞাপ্রাপ্ত ব্যক্তিকে ধরিতে আইনমতেবন্ধ হইয়া তাহাকে ধরিতে রাজ- কীয় কার্য্যনরকের ইচ্ছাপুর্বাক ফ্রটিকরণ।	<b>ं</b> च	<del>°</del> ज	হাজিংজামিন শওয়া যহিবে না	<b>(</b> èj	মধদ্ভ সাহিত কি তাদ্তিম হাবজ্জীবন প্রেরণ কিষা ১৪ বংসর পার্যন্ত কোন এক প্রকারের কারদিও।	সেশন এদিসিভা
ভাহার ঘাবজ্জীবন ধ্রীপান্তর প্রেরণ কি দওরণ পরিশাম কি ১ বংসর কি ডদধিককাল কারাদভের কি দওরপ পরিশাম করিলার আকা ইইলে।	<b>ঙ</b> ন	^gy	∕¢;	ت خور	অংদন্ত সহিত কি তান্ত্ৰন্ন ৭ বংশর পার্যন্ত কোন এক প্রক,রের কারাদিও।	· '9

	ত্ত লাব্যারের মুগ্রমান্ত্র আমেরে আরা হুইলে কিছা অ্টিন্নতে আসেরে রাখা গোলে।	<del></del>	• <b>j</b>	হাজিরজামিন লওয়া • ঘাইতে পারে।	ćı	ও বংদর প্রাস্ত কোন এক প্রকারের সেশান কারাদও কি অর্পপ্র কি এ ঘুই দও। কিষ	्ट १ ८था १
9	রাজকীয় কার্যকারকের অনব্ধানতায় কেন বাজিকে কারা হইতে প্রাইতে . দেওন।	^ <b>\$</b> j		^ <b>5</b> )	<b><sup>©</sup></b> j	১ বৎসর পর্যন্ত সামান্ত কিব্লাদ্ অর্পন্ত কি ঐ চুই দণ্ড।	প্ৰথম জোগার মাজিফৈট। প্ৰেসিডেপী মাজি- ফ্রেট কিদা প্ৰথম শ্ৰেণার কি ছিতীয় শ্ৰেণীর মাজিফেট।
00 W	বাছিনমতে ধ্ত না হওনের জনো কোন ব্যক্তির বলপ্ক্ক বিপক্ষতা করণ কি বাশা দেওন।	७४:४९ विश्व ४७ में देह	, ক ক জ ড ড	<b>*</b>	<del>'६,</del>	২ বৎসর পর্যন্ত কেনা এক প্রক,রের কারাদণ্ড কৈ অর্থদণ্ড কি ঐ ইই দণ্ড।	প্রেসিডেমী মাজি- ক্টেট কিছা প্রথম কি ছিতীয় শ্রেণার মাজিফ্টে।
* *	আইনমতে অন্য ব্যক্তির ধুত না হওনের জন্মে বুসপুক্ক বিপক্ষতা করণ কি বাধা দেওন কিয়া তাহাকে কাইনম্ভ আনুস্ধ হইতে ছাত্মইয়া দেওন।	<b>'\$</b> j	<b>∕\$</b> j	<del>- Gy</del>	<b>(</b>	<b>উ</b> য	∕জু
	ভাহার যাবজ্জীবন হাপাস্তর প্রেবণ কি ১০ বৎসর কারাদভের যোগ্য অপারাধের অভিযোগ হইলে।	-∕c <sub>j</sub>	 मृ	হাজিবজামিন সওয়া গ্ৰহিনে না।	લ	७ दरभद्र भयिष्ट तकाम क्रक ध्यकाद्वद क्रांबाम्छ उ क्र्यम्छ।	সেশন বাদালত কিন্ন প্রেসিডেশী মাজি- ফুট কি প্রক্ষ্ শ্রেণীর মাজি-
	শাণ্দণ্ডের যোগ্য অপরাধের অভিযোগ ইইলে।	• *\$j	শ্ব	∕¢;	'ঙ্য	৭ বৎসর প্রস্তে কোম এক প্রকারের কারাদ্য ও অর্পিঙ।	अंक अम्बर
	ভাছার হাবজ্ঞীবন দীপান্তর প্রেরণ কিছা ১০ বংশর কি ভেদধিকনাল দীপান্তর প্রেবণ কি দণ্ডরপ পরিভাষ করণ দণ্ডের কি কারাদণ্ডের অংজ্য ইইলে।	<b>ं</b> <b>ं</b>	<b>্ব</b>	হাজিরজামিন লওয়া ঘাইতে পারে।	· ·		<b>'</b> \$7

•

4	त्य मानानास्थ्य दिठाध् ।	সেশন আদালত।	(सम्बन्ध जामनिक कि (खिमिएक्सी यांकि- (खें कि क्ष्य	ट्योनीय याष्टिरके। ट्यमिएडमी याष्टि- ट्येडे किया व्यथ्य कि विडोस ट्योनीत	माजित्योहें ।	সেশন আদালত।	প্ৰথম ,জপুরাধ হে জাদালভের বিচাৰ্ধ্য সেই জাদালত।
6-	্ভাবতবৰ্ধেৰ দশু বিদিৰ আইনমত দ্ভ।	যাবজ্জীবন দীপান্তর প্রেরণ কি ১০ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের	কারাদণ্ড ও অর্থদৃড়। ও বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্থদৃড় কি ঐ গুই দণ্ড।	ং বৎসর পর্যন্ত সামান্য কারাদও বা অর্থন্ড বা ঐ গুই দও।	৬ মাস পৰ্যান্ত কেনি এক প্ৰকারের কারাদও কি অর্পন্ত কি ঐ গুই দও।	ঘাবজ্জীবন দীপান্তর প্রেরণ ও তৎপূর্বে অর্পদণ্ড ও ও বংসর পুর্যন্ত কঠিন প্রিশ্রম সাইত কারাদণ্ড।	হার কিঞ্ছিৎ বাল্লফ্ট কাল
Ą	বঙ্গা কৰা হাইতে পাৰে কি শা।	রকা কর। ঘাইতে পারে না।	<b>*9</b>	<b>^6</b> y	<b>~6</b> j	∕ভ	* ***
æ	হাতিরজামিদ লভ্য: মুমাইতে পারে কি ন।	হাজিরজামিন লওয়া ঘাইতে পারে।	<b>∕®</b> j	<b>∕e</b> j	~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~	হাজিরজামিন ল ওয়া ঘাইতে পারে না।	<b>1</b>
œ	माम्बाङः श्रुध्य अद्योदके दा मध्य	ওয়ারণ্ট	<b>~</b>	ं : ख ख स	ও মারেন্ট্	· · · · · ·	ः : अप्रम
9	পোলীস ওঘাবন্ত বিমা গৃত কৰিতে পাৰে কি ম	ওমারক বিুনা গ্রুড করিডে	পারে। ওয়াদ্ধ বিশা ধত করিবে	**************************************	ওয়ারন্ট বিনা গ্রত করিভে পারে।	~g	ওয়ারেণ্ট বিনা ধ্রও করিবে না।
	ক্রপ্রধ।	শীগদভের আজি হইলে	যেং স্থলের প্রকারান্ত্রের বিধান না থাকে সেইং স্থলে রাজকীয় কার্যিকারক হইয়া ধরিবার ক্রটি করণ বা পলাইতে দেওন। (ক) ইচ্ছাপূর্বক ক্রটি করণ বা পলাইতে দেওন স্থলে।	(খ) শৈশিধিল্য পূৰ্মক ফটিকরণ বা পিলাইডে দেওন হলে।	১২৫খ যেং ছলের প্রকারান্ত্রে বিধান না থাকে সেইং ছলে আইনমতে হত না হওনের ভজন্য বিপক্ষতা করণ বা বাধা দেওন কি প্রায়ন কি চাডাইম। দেওন	দীপান্তৰে প্ৰেরিত হইয়া বেজাইনীয়তে প্ৰভাগিয়ন।	দও ক্ষমা হছবার নিয়ম লাজনে
<i>,</i>	स्वा	*	*		N ·	9 ~	* *

৭ ব্ৎসর পৃষ্যন্ত কোন এক প্রকারের সশন আদালত।

কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।

শ্ব

২৩৪ মহারাণীর মুদ্রা ফ্লান্তিম করিবার নিমিডে যন্ত্র নিমাণ কি ক্রম কি বিক্রম করণ।

			( 309 )		•
.এই আইনের ৩৫ অধ্যাংরে বিধানা- ধীলেযে আদালাভে অপরাধ হয় সেই	व्यामान्छ। (श्रीमाज्जनी याज्जि- (क्रोडे किश्रा श्रव्या		সেশন আদালভ।	<b>*9</b>	সেশন আদালত কিছা প্ৰেসিডেপী ফাজি- ক্টেট কিছা এথ্য শ্ৰেণীর যাজিক্টেট।
ও মাস পৰ্যন্ত বিনা প্রিজামে কারাদণ্ড এই আইনের ৩৫ কি ১০০০, টাকা অৰ্থদণ্ড কি ঐ গুই অধ্যায়ের বিধানা- দণ্ড। স্থানে যে আদালভে	২ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্থদণ্ড কি ঐ ঘুই দণ্ড।	भन्नात्थत्र विधि ।	৭ বংসর পর্যন্ত কোন এক একারের সেশন আদালভ। কারাদণ্ড ও অর্থন্ত।	যাবজ্জীবন দ্বাপাস্ত্র প্রেরণ কি ১• বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থন্ড।	ও বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।
<b>ं</b> ष्	<b>^</b> <del>ড</del> ੁ	क्लि मच्लक्तिंग्र ब	রকা করা ঘাইতে পারে না।	∕खु	<b>ি</b> জ
হাজিয়জামিন লওয়া যাইতে পারে।	⁴जु	। ১২ হাদশ জ্ধায়।—মুদ্রা ও গবর্ণমেণ্টের ইপ্রাম্প সম্পাকীয় অপরাধের বিধি	হাজিরজামিন লওয়া রকা করা যাইতে পারে না। পারে না।	<b>1</b> 59	<b>*</b> 9
~sg	<b>∕9</b>	(तोश्र ।भूक्त	ওয়ার <b>্ট</b>	<b>∕</b> g	-95
<b>∕</b> 9	<b>~</b>	ऽर समित्र व्ह	ওয়ারক্ট বিনা ধুড করিডে পারে।	<b>4</b> 9	<b>4</b> ,
মোকদ্দমা এভ্যতির বিচারকালে জ্ঞান- গুর্কক রাজকীয় কার্যকোরকের অপামান করণ কি বাধা দেওন।	জ্পাগনাকে স্থ্য কি আসেসরের ন্যায় দেখান।		মুদ্রা ফ্লান্তিম করণ কি ফ্লান্তম করণ সম্প- কীয় কোন কার্য্য করণ।	মহারাণীর মুদ্রা ক্রতিম করণ কি ক্রত্রিম করণ সম্পক্ষি কোন কার্য্য করণ।	মুদ্ধা ক্লাত্রিম করিবার যন্ত্র নির্মাণ কি ক্রম কি বিক্রম করণ।
) ~			\$ 9 ×	* 9 *	99 *

^	. ~	<b>9</b>	<b>30</b>	٠	'n	•	۵
#   #   #   #   #   #   #   #   #   #	জ পুরাধ	শোলীস ওয়ারণ্ট বিনা যুত করিতে পাবে কি না,।	नायांनाडः श्रुप्तम् अद्योश्के या नमन निट्ड रुख्न	হাজিত্বভাষিন লওয়া ঘাইতে পাবে কি না।	রফা করা মাইতে পারে কিলা।	জাংতবৰ্ধের দ্ভবিধির আহিনমত দ্ভ।	যে আদালভেব বিচাধ্য।
• 9 ~	মুদ্ধ কিঞা করিবার জন্য কোন যন্ত্র কি দ্ব্য নিকটে রাখন।	ওয়ারক্ট বিনা ধ্রুত করিতে পারে।	- জন্ম বিণ্ট্ৰ	হাজিরজামিন সওয়া ঘাইবে না।	दका कदा घाहेए शादि ना।	ও বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	সেশন আদালত কিয়া প্ৰেসিডেশী মাজি- ক্টেট কিয়া অংয
	मर्गातीत सूसा क्हेल	<b>~</b>	<b>^9</b> y	~9	<b>~</b>	১০ বৎসর পর্য্যন্ত কোন এক প্রকারের	<u> </u>
∌ 9	ভারতবর্ষের মধ্যে থাকিয়া রটিব ভারত- বর্ষের বাহিরে মুদ্রা ক্নত্রিম করণের সাহায়্য করণ।	<b>^</b> 9	শ্ব	-•ু	-Gy	কাগাণত অৰ্মন্ত। রটিষ ভারতবর্ষের মধ্যে তদ্রেপ মুদ্রা ফুরিম করিবার সহায়ভার যে দণ্ড সেই দণ্ড।	<b>∕9</b>
5 %	মুদ্ধা কাত্ৰিম জ্ঞানে তাহা আমদানী কি বস্তানী করণ।	<b>~</b>	<b>^5</b> y	<b>19</b> 5	<b>^5</b> T	ভ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ত ও অর্থদ্ত।	সেশন আদানত কিছা শ্রেদিডেশী মাজি- ক্টেট কিছা অংম শ্রেণীর মাজি-
<u>के</u>	মহারাণীর মুদ্রা ক্নত্তিম জ্ঞানে ভাহা আম- দানী কিঁরপ্রোনী করণ।	<b>1</b> 9	<b>~</b> 9	<b>*</b>	<b>~</b> 5	যাবজ্জীবন দ্বীপান্ত্র প্রেরণ কি ১০ ব্ৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ ও অর্থদ্ভ।	সেশন আদালত।
29 20	মুদ্ধা আধিকালে ক্ৰিম জ্জানে ভাষা নিক্টে রাখন ও অন্য ব্যক্তিকে দেওন প্ৰভৃতি। াদ	<b>%</b>	· ju	<b>্</b> ড	<b>⁴</b>	প্ৰ্যুক্ত কোন এক প্ৰকারের ও অৰ্থদ্ভ।	त्मनन वाषान्छ किञ्च। ट्यमिट की माकि- ट्येंडे किश्चा ब्यथ्म ट्येंडेडे।

0 0	म्यायानाक मृत्या मन्त्रात्क क् जानास	<b>9</b>	<del></del>	Ŧ	Ŧ 	১০ ব্যসর প্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদ্ড।	ितव -	•
8.	যুদ্ধা শোণ্ডিকালীন কুৱিম না জ্বানিয়া পরে তাহা কুরিম জ্বানে অকুরিম বলিয়া অন্যকে দেওন।	<b>প্</b> য	<b>G</b>	<b>^</b> 9	<b>^9</b>	ং বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কিছা কিন্ত্রম যুদ্ধার মূল্যের দশগুণ অর্থদণ্ড কি ঐ ছুই দণ্ড।	ঙ	माकि- त द्या
* ' * * * * * * * * * * * * * * * * * *	ফুরিম যুদ্ধা প্রাপ্তিকালে কুরিম জ্ঞানে নিকটে রাখন।	<b>^</b>	<b>*</b> 9	<b>∕</b> खु	<b>~5</b> j	ও বৎসর প্রিস্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদিন্ত।		ঞ্চিট। দোলভ কিয়া ডেন্দী মাজি- কিয়া এগম
9 8 *	মহারাণীর মুখা প্রাপ্তি কালে কব্রিম জ্ঞানে নিকটে রাখন।	<b>্</b> ভ	<b>1</b> 69	<b>1</b> 9	<b>-%</b>	৭ বংসর প্র্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্পদণ্ড।	(किंव (जन्नेन जामीन्छ किंव) (खर्मिन्छ भी गांकि- (क्रेडे किंवा श्रम्	referi I affer- I esta affer-
∞ ∞ •⁄	মুদ্রা যে ওজনের ও যে। ধাতুর যত দিয়া প্রস্তুত করিতে হইবে ওদনাথায় টাকশালেকর্মকারী ব্যক্তির মুদ্রা প্রস্তুত	<b>উ</b>	<b>^6</b> y	<b>4</b> 9	<b>-5</b> 3	<b>ূ</b>	तमाम जामांगढ	9
& 00 0/	মুন্দা শ্ৰন্ধত করিবার কোন যন্ত্র টাকশাল হইতে বেজাইনীমতে বাহির করিয়া লওন।	<b>1</b> 9	<b>-9</b> 5	<b>'9</b>	<b>^6</b> 3	<b>1</b> 97	<b>*</b> y	•
9 80 ~	মুদার ওজন কিয়া ভাহাতে যে ধাতুর যত টাকা উচিত ভাহা শঠভাক্রমে ন্যন করণ।	<b>*</b>	<b>1</b> 9	<b>-%</b>	<b>^9</b> y	ও বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকা কারাদণ্ড ও অর্পন্ত।	প্রকারের সেশন আদালভ কিয় প্রেসিডেন্সী মাজি- ক্টেট কিছা প্রখ্য ভৌগীর মাজি-	ভ কি শা মাজি- বিশ্বম্ব মাজি-

4.	ষে আদালতেব বিচাধ্য।	সেশন আদালত কিছা শেসিডেন্দ্রী মাজিক্টেট কিছা প্রথম শেশীর মাজিক্টেট।	<b>*</b>	<b>^9</b> j	<b>-15</b>	<b>^</b> 87	• <b>9</b>		প্রেসিডেপী মাজি- ক্রেট কিয়া এথম কি ছিঙীয় শ্রেণীর মাজিফেট।
	ভারতবর্ষের দশুবিদিব আইনমত দশু।	৭ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থনিণ্ড।	ওৰংসর পৰ্য্যন্ত কোন এক অকারের কারাদণ্ড ও অর্থদিও।	৭ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদিও।	৫ বংশর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থনণ্ড।	১° বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	ও বংশর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদ <b>্ভ</b> ও অর্থন্ড।	<ul> <li>বংসর পর্যাস্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্         ও অর্থদ্ ।</li> </ul>	ং বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ কিছা মুদার মূল্যের দশশুণ অর্পদঙ।
•	রকা করা ঘাইতে পারে কি না।	त्रका कत्रा घाष्ट्राड शास्त्रका।	<sup>्रकु</sup>	^দু	<b>·</b>	<b>∕</b> ®j	<del>^9</del> j	<b>-</b> Gy	<b>4</b>
	হাজিবজামিন লওয়া যাইতে পাবে কি না।	হাজিরজামিন লওয়া মাইবে না।	শ্ব	*জু	<b>∕</b> 9	<b>Æ</b> j	<b>∕</b> •j	^	<b>9</b>
<b>\$</b> 0	मामानाजः श्रुप्रम अष्रावके वा ममन मिछ रुष्र।	अस्द <b>्रे</b>	<b>~</b> 9	<b>*</b>	<b>~</b>	~~ <u>~</u>	~ <del>G</del>	<b>~</b>	—: •9
9	শোলীস এঘাবণ্ট ৰিমা ধৃত করিতে পারে কি মা।	ওমারণ্ট বিনা ধুড ক্রিভে পারে।	<b>প্</b> য	^প্য	<b>1</b> 9	<b>ি</b> জ	<b>^</b>	79	<b>*</b>
. ~	স্থ শ্বাধ	মহার∴ণীর মুদ্রি ওচলন কিয়া ডাহাডে যে ধাতুর যত বাকিডে হয় ডাহা শঠতাকমে নুনে কয়ণ।	কোম মূলা অন্য একারের মূলাশরড চালাইবার অভিপ্রায়ে ভাহার মূপ পারবর্তন করণ।	মহারাণীর মুস্তা অন্য প্রকারের মুমার মত চালাইবার অভিপামে তাহার রূপ পারিবর্তন করণ :	য়ুন্তা প্রাপ্তিকালে তাহা রূপান্তর করা জানিয়া অন্যকে দেওন।	यरात्राणीत गुड़ा व्यांखिकात्म जारा क्रभा- खत कतः कानित्रा ज्मारक त्मञ्ज ।	রূপান্তর করা মুদ্রা প্রাপ্তিকালে তাহ। রূপান্তর করা জানিয়া নিকটে রাখন।	মহারাণীর প্রাপ্তিকালে ভাহা রপান্ত্র করা জানিয়া নিকটে রাখন।	য়ুদ্ধী প্রাপ্তিকালে রুপাস্থ্য করা না জানিয়া পরে, অক্নুত্রিয বলিয়া অন্য ব্যক্তিকে দেওন।
^	100	or on ∘∕	<u>k</u> &	∕¢ ∞ ~	*	× 4 ×	* * * * * * * * * * * * * * * * * * *	2	. <b>6</b>

(	385	

	২৫৫ সংব(মেজের ইউ)ত জ্রোম করণ।	প্র •	<b>উ</b>	হাজিরজামিন সওয়া য়াইতে পারে।	<b>-</b> Øj	যাবজ্ঞীবন শীপীভির প্রেরণ কি ১০ বংসর সেশন আদিলিও। পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদঙ	সেশন আল্লান্ড।
		·	J		J		
•	গ্ৰন্থেত্ৰ হড়াব্দ কাৰ্ম কাৰ্ব্য	<del>9</del>	<b>9</b>	হাজিরজামিন লওমা	<b>*</b>	৭ বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের	<b>~</b>
	া কুমার নিক্রে নিক্রে নিক্র			याहर जीर बना।		कांत्रोम् ७ व्यक्ति	
-	গ্ৰণ্মেণ্টের ইফাশ্য ক্তিম করিবার যন্ত্র	<b>1</b> 59	<b>B</b>	<b>^5</b> 9	<b>~</b>	<b>4</b>	<b>.</b> *5
	নিৰ্মাণ কি ক্ৰয় কি বিকায় করণ।						
-	গ্ৰথমেণ্টের ক্তিম ইফাম্শ বিক্রম করণ	<b>∕</b> \$j	<b>^6</b> j	প্ত	<b>~</b> 9	<b>4</b>	<b>~</b> §
-	গ্ৰণ্মেণ্টের ক্লুত্রিশ ইক্লীশ্ল নিক্টে রাখন	<b>~</b>	<b>^</b> জ	<b>^8</b> y	<b>^</b>	<b>^</b> 9	(मन्न् व्यक्तिन्छ
	•						किया त्यामित्यभी
	· No talend						U
	,	-	J				為
	श्वन्त्यरन्त्र इंकोष्ण कृष्टिय कृष्णिया	<b>G</b>	<del>े</del>	<b>~</b>	<b>^</b>	१ व्यम् वर्षास्त्र क्षां वक थकारवन	<b>*</b>
	জ্ফান্ত্ৰায়তে ব্যবহার করণ।		•	.~		कारामक कि जर्मम्ल किया कि मुरे मल।	,
	প্ৰথমেক্টের ইটাশ মাহাতে পাকে এমত	<b>~</b>	<b>9</b> 7	<b>^9</b> 7	<b>19</b>	७ वदमय भवित्य त्वां अक शकारवर	19
	श्वामि इहेट काम नियम डीह्मा					marine fa sistem fa	•
	দেওন কিয়া দলীলে যে ইফান্স						)
	দেওয়া গেস গ্ৰণ্মেজের ক্তি করি-						
	বার অভিপ্রামে ভাগ উঠাইমা লওন।	•	_				
-	श्वन्त्यार हेको न्म श्र्तं वावश्व हहे.	<b>~</b>	<del>9</del>	<b>~</b>	<b>~</b>	SETTING SEE THE STATE OF SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTION SECTI	(अभिएएमी याकि-
	য়াছে জানিয়া হোছা ব্যবহার করণ	r.				কারাদ্ধ কি অধদ্ধ কি	
- 1	इंग्रेडिंग दावहात हहेटल हेहात किक ध्रिन	<b>1</b> 5	<b>^</b>	शिषित्रकाशिम मुख्या	Ą	ANTING NO. LINE OF LINE	And distance for
	শ্রমা মেওমা			याहरक भीरत्र।	Ŧ	होताहरू कि जुनसङ्घ कि के प्रशेष	त्वमित्त्रभी यांकि-
							त्केरे किया अध्य
							त्योगीय याखि-
		•					- 後

4	ষে আইন মত দঙ্] (ষ কোদালতেব বিচাহি।	প্রেসীভেকী মাজি- ক্রেট কিয়া প্রথম জেশীর মাজিক্রেট।		কান এক প্রকারের প্রেসিডেকী মাজি- কি এ গুই দও। ক্রেট কিয়া প্রথম কি দিভীয় শ্রেণীর মাজিফেট।	<b>-5</b>	<del>***</del>	•
	ভাবত্তবৰ্ষের দশুনিধিৰ আইন মন্ড দশু	২০০ টাকা অথদঙ্জ	ধর কেখা।	১ বংসর পার্যন্ত কোন এক প্রকা কারাদও কি অংগদ্ভ কি ঐ গুই দও।	<b>-9</b>	<b>*</b> 5	<b>~</b> 5
Đ	ब्रुफा क्बा यांबेट्ड भारद किमा।	त्रका कता याहेट नारत्र न।	ওজন ও <b>প</b> রিনাণ সম্পনীয় অপরাংধের কথা	রকা করা যাইতে পারে না।	<b>^6</b> j	<b>^6</b> ∃	<b>্</b> ড্র
	হাজিরজামিন ল ওয়া যাইতে পাবে কি ন	হাজিরজামিন ল ওয়া ঘাইতে পারে।	-ওজন ও প্রেশ্ন	হাজিরজামিন ল ওয়া যাইতে পারে।	<b>*</b> §	^জু	^ট্র
or .	मोमोमाङः श्ररम अयोवके दा मधन मिछ इय	<b>अयात्रक्</b>	১৩ ত্রোদশ অধ্যায় ়—	: इ स	· <b>G</b>	<b>∕</b> ej	<b>∕</b> §
.,	পোলীস এয়াবউ (<মা ধৃত কহিতে পারে কিমা।	उश्चादके विमा ४७ कशिर शास्त्र ।	ののでは	ওয়ারণ্ট বিশা ধুণ্ড করিবে শা।	<b>∕9</b>	৳	<b>^</b> 57
	ष्ठ व्य	ক্টেক ক্রিম ক্টাক		ওজন করিবার অপ্রুভ যন্ত্রের শঠভা- জন্মে ব্যবহার।	অপ্রকৃত বাটখারা কি গজ প্রভৃতি প্রতা- রণা করিয়া ব্যবহার করণ।	অপ্রকৃত বাটখারা কি গজ্ঞ প্রভৃতি প্রতা- রুণার কার্যে ব্যবহার করিবার জন্য নিকটে রাখন।	প্রভারণার কার্য্যের নিমিত্তে অপ্রকৃত বাটধারা কি গজ প্রভৃতি নির্মাণ কি বিক্রয় করণ।
,	्र जिल्ला	\$ 9 •		80 20	<b>\$</b> 9.7	<b>99</b>	698

ে চলচ্চের জন্মের। \_\_মাগারণ লোকদের স্থাপের কি নিরণপাচর কি সক্ষাকার কি লক্ষাব কি স্থানিকের বাংঘাক্রমের অপনাগর বিধি।

	_ 1	माजि- हाक्या हिन्दी	_	200	) <u></u>		_ 4	TO THE THE THE THE THE THE THE THE THE THE
٠.	ৰে আদালতে বিচাৰ্য।	(अभिट अभी मार्कि- (क्रेड) किया कार्यम् कि विजीय (ज्रेषोत्र माङ्गिक्कि।	কোন মাজিক্টেট	<b>9</b>			(ज्ञांच व्यक्तीवाड	CETATORY CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF THE CONTINUES OF T
F	ভাৰতবৰ্ধের দশুবিধিব আইনম্ভ দণ্ড।	৬ যাস পৰ্যন্ত কোন এক প্ৰকাৱের কারা- দণ্ড কি ১০০০, টাকা অৰ্দণ্ড কি ঐ সূই দণ্ড।	ও মাস পৰ্যান্ত কোন এক আকারের কারা- দভ কি ৫০০০) টাকা অধদভ কি এ গুই দভ ।	•••) केका जर्मक	ও মাস পৰ্যন্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদ্ভ কি ১০০০, টাকা অব্দান্ত কি এ গুই দঙ।		৭ বংসর পরিন্তে কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ কি অর্পন্ত কি ঐ ঘুই দণ্ড।	৬ মাস প্ৰ্যন্ত কোন এক অকারের কারাদঙ্গ কি ১০০০, টাকা অর্পন্ত কি ঐ গুই দঙ্গ।
	বঞ্চ করা মাইতে পারে কি না।	রকা করা মাইতে পারে না।	<b>-</b> ⁰9	<b>^5</b>	<b>6</b> 5	<b>∕%</b>	<b>1</b> 95	<b>^9</b> y
•	হাভিরভাষিদ স্ভ্যা বাইতে পাবেতি না	হাজিরজামিন লওয়া ঘাইতে পারে।	~জু	<b>*</b> 9	<b>^6</b> y	<b>^5</b> 5	<b>4</b> 9	<b>4</b>
65	স্মান্ডঃ প্ৰশ্নে ওয়ার্ড বা সমস দিতে হয়।	: জ ম ম	<b>4</b>	^§g	<b>^9</b>	<b>1</b> 9	ওয়ারঔ	··· भूग
9	लालीम अवावक विन्ना वृक्त करिएछ नारव कि मा।	ওয়ার্জ বিনা ধ্রুড ক্রিবে না ।	ওয়ার <b>ট</b> বিশা ধুত করিতে প্রাধির।	ওয়ার্বট বিনা ধুড করিবে	না। ওয়ারণ্ট বিন ধুড করিভে পারিবে।	″9	<b>^8</b> y	*9
	. ज्याचात्र	কোন বনিজ কি এমধ স্থব্য জান্থ্ৰাক অন্য বনিক কি ঔষধাম স্ব্যব্যা ঔষধ্নম ছইতে বিক্ৰয় করণ কি বাহির	ছুকুতে দেওন। সাধারণের ব্রহার্য কি জ্লা- শঙ্কের জল ময়লা করণ।	বায় প্ডিজনক করণ	রাজ্ঞপংশ মহুৎেয়র প্রাণাদির আশকান- জন্মক রূপে অতিবেগে কি অমনো- যোগে গাড়ী ঘোড়া, প্রভৃতি চালাঙন।	যহুষেত্র প্রাণাদি আশক্ষাজনকরণে গুঃসাহুসে কি শ্যুনোষোগে নৌকাদি	চালাওন। মিধ্যা আলো কি চিহ্ন, কি বয়া দেখান	নোকাদির অবস্থা কি বোকাই ব্ৰিয়া লাগের আশক্ষা হইতে পারিলেও ভাড়া লইয়া কোন ব্যক্তিকে এ নোকাদিতে
	· [	. 8	5 6 8	) o ~	@ &	1	7	) )

•

<b>े</b> •	<b>4</b> 9	কোন মাজিফ্রেট।	<b>-</b>	প্রেসিডেন্সী মাজি- ক্টেট কিছা প্রথম কি ছিতীয় শ্রেণীর	<b>可以通过</b>	কোন মাজিক্টেট।	-35	ट्यिमिएडकी याकि- टकेटे किया अथ्य कि विष्णेत्र त्योगेत
र १००) ठीकाज्यसम् मञ्जू	৬ মাস পাৰ্যন্ত কোন এক প্ৰকারের কারা- দও কি ১০০০, টাকা অৰ্গন্ত কি ঐ গই দেল।	<b>*</b>	<b>~9</b>	<b>*</b>	<b>~g</b>	<b>^8</b> y	<b>ং • ) টাকা</b> অৰ্গন্ত	৬ মাস পৰ্যন্ত বিকা পারিশ্রমে কারাদঙ কি অর্পদঙ কি ঐ গুই দঙ।
<b>*</b> 5j	<b>^</b> জু	<b>^6</b> g	^5	*জ	∕•9	<b>^</b> <del>g</del>	<b>∕</b> ⊌	<b>শ্</b> য
~	<b>∕</b> §	∕ <b>6</b> j	Ŷ	<b>∕</b> 9	<b>Ag</b>	<b>ઉ</b>	<b>^</b>	<b>∕</b> •ੁ
'ণ্ড	প্র	∕ <b>6</b> j	⁄ন্থ	<b>∕</b> 9	<b>ં</b>	প্র	<u>~</u> ⊌	<b>্</b>
<b>'9</b> .	ওয়াবন্ট বিশা গুড করিবে শুন -	ওয়ারউ বিনা ধত করিতে প্রাক্তর	- - - - - -	ওয়াইণ্ট বিনা ধুত করিবে না।	<b>1</b> 9g	ওয়ারন্ট বিনা ধৃত করিতে পারিবে।	ওয়ারেক্ট বিনা ধুড করিবে না	ওয়ারক বিনা ধত করিভে পারিবে।
রাজগণে কি নোকাপথে শক্ষট কি বাধা কি হানিজনক কার্য্য কর্ন।	বিষাল দ্ব্য লইয়া মহ্মেয়র আণাদির আলক্ষাক্তনক কার্য করণ।	অগি কি আশুজুলনীয় বস্তু সইয়া মন্নযোর প্রাণাদির আশঙ্কাজনক কর্ম কর।	যাহা শব্দ করিয়া জুলিয়া উঠে এম্ন দ্বোর ভদ্রপ কার্য্য করণ।	কোন কলেভে ভদ্ৰেপ কাৰ্য্য করন :::	কোৰ ঘৱ ভাঞ্চিতে কি সাৱাইয়া ৰিতে যাহাৱ অধিকার পাকে ঠাহার ঐ ঘর পতনে মহযেয়র প্রাণের আশঙ্ক। সন্তা-	কোন জন্তুর দারা মহমের প্রাণের আশঙ্কা কি গুরুতর পীড়া নিবারণার্থে এ জন্তুকে উপযুক্তমতে না রাখন।	স্ধারণের অনিউজনক কর্ম করণ	স্নিউজনক কৰ্ম নির্ভ করিবার  স্জা হইলেও নির্ভ না করণ।
2 2	∞°.	ž.	* \$\frac{1}{2}	Ž ~	7	3	r r	2

		অ্পরাধের বিদি	साम् ।—स्यामम्यक्रीं इत्यनास्त्र विभि	ऽ१ शक्मन व्या	0,	
<b>79</b>	১০০০, টাকা অৰ্পন্ত	<b>∕</b> gr	<b>√5</b>	Ŋ		শতি খেলা সম্পক্ষীয় প্রসঞ্জ প্রকাশ করল।
কে। কোন মাজিফেট।	এ ৬ মাস পর্যান্ত অন্যতর প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্পদণ্ড কি ঐ গুই দণ্ড।	^g /g	^জু ^জু	्र प्रमुख प्रमुख	জয়ারন্ট বিনা গ্রন্ত করিবে	২১৪   শৃক্ষাবসংঘটিত কুৎসিত গীত গান করণ ২১৪ক শর্ভি শেলিবার কার্যালয় রাখন
<b>^9</b>	<b>∕9</b> g .	Ŋ	⁄ধ্য	<b>∕</b> ⊌	<b>4</b> 9	শৃঞ্চাররসঘটিত কুৎসিত পুশুকাদি বিক্রয় করণ কি দশাতিমাধে নিক্ট রাখন।
(खमिएडभी याष्टि- (ख्रेडे किया अश्य कि विडोय (ख्रेबी)	ও যাস পৰ্যন্ত কোন এক প্ৰকারের কারা- দণ্ড কি অৰ্পদণ্ড কি ঐ গৃই দণ্ড।	त्रका कदा घाहेए शास्त्र मा।	হাজিরজামিন লওয়' রকা করা ঘাইতে যাইতে পারে। পারে না।	ওয়ারণ্ট	ওয়ারন্ট বিনা ধুড করিভে পারিবে।	শৃঞ্গররসদটিত ক্ৎসিত পুস্তকাদি বিক্ত- ওয়ারট বিশা য়াদি করণ। পারিবে।
যে আদালতের বিচাধ্য।	ভারতবর্যের ক্রপিবির আইনমত দণ্ড।	বন্ধা কব সাইতে পাবে কিলা।	হাহি বজামিদ লওযা ঘাইতে পাবে কি ন:	নামান্যত: প্রথমে ওয়াবন্ট কি নমন দিতে হয়।	পোলীস ওয়াবণ্ট থিনা ব্ৰত কৰিতে পাৰে কি না।	क्षश्रीष ।
		•	,		,	~

রের প্রেশিডেকী মাজি- ক্টেট কিছা প্রথম কি ছিতীয় শ্রেণীর মাজিফেট।	<u>क</u>
হ:জিরজামিন ল ওয়া রকা করা যাইতে ২ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের যাইতে পারে। পারে না। কারাদ্ভ কি ম্পদ্ভ কি পুট্দ গু।	১ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি ঐ গুই দণ্ড।
त्रका क्या याहेट ज नाटत ना।	<b>∕9</b>
হ:জিরজামিন ল ওয়া যাইতে পারে।	~g
ত্তয়ারক বিনা সমন ধৃত করিতে। পারিবে।	् जुं 
১৫ কোন জাতীয় লোকদের ধর্মে অবহেলা ওয়ারট বিনা করণান্ডিপ্রায়ে ভজনালয় কিপবিত্র বস্তু ধৃত করিতে মন্ট কি ক্ষতি কি অশুচি করণ।	১৬ ঈশ্বর ভজনাথে সংগ্হীত লোকদিগের বাধা দেওন।
Ž	9 0

<b>^9</b>	<b>.</b> <sup>©</sup> 9
১ বৎসর পর্যান্ত কোনা এক প্রকারের কারাদ্ভ কি অর্থদ্ভ।	<b>1</b> 9
<b>&amp;</b>	<del>*9</del>
· · andrews	
<u>्हें।</u>	<del>رق</del> ِ
<u>.</u>	
'বু	'দ্য
ূ •	ওয়ার <b>উ বিভা</b> শ্বত করিবে ভা
কোন ব্যক্তির মনে গুংখ. দিবার কিছা ধর্মে অবহেলা করিবার কিছা শবের প্রতি অবজ্ঞাভাবে কর্ম করিবার জন্য ভজনাল্যে কি স্মাধিহানে প্রেশ করন ও স্মাধিকিয়ার রাধা দেওন।	ধুৰ্ম সম্পূৰ্ণে কোন ব্যক্তির যনে গুংখ দিবার জ্বন্য ভাষার শুণ্ডি গোচরে কোন কথা কহন কি শব্দ করণ কিয়া ভাষার সাক্ষাতে অঞ্চন্ডি করণ কি কোন দ্ব্য
٠ د د	, ,

১৬ ষোড়িশ অধায়।—মনুসেরে শারীন সম্পর্যীয় অপরায়েশ্র বিধি।

## প্রতোর হানিজনক অপ**রা**ধ।

N	· জানকও বধ	:	ওয়ার <b>ন্ট বিনা</b> ওয়ারন্ট ধত করিতে	ওয়ারক	राजिद्धाधिम त्र अश्वा	ম শ শ ওয়া	दका कदा शहेर	প্রাণদণ্ড কি যাবজ্ঞীবন দ্বীপান্তর প্রেরণ সেশন আদালত ত ক্ষপ্রদে	হারণ (	সশন আদালত।
-		-	भावित्व ।		<b>7</b>			777		
9	যাবজ্জীবন দ্বীপান্তর প্রেরণ দড়াজ্ঞা প্রাপ্ত ন্যুক্তি কর্তৃক জ্ঞানুক্রত বধ।	<u>\$</u>	~g	<b>∕</b> 9	<b>~</b>		<i>^</i> ছ্য	অণিদভ		<b>^</b>
ထ စိ	জানফত বধের তুল্য নয় এমত বপরাধ-	<b>3</b> ₹	~ej	^ <del>5</del> 7	<i>'</i> ড়া •		<b>~</b> 9	যাবজ্জীবন দ্বীপাস্ত্র প্রেরণ কি ১০ বংসর	<u>त</u> मुद्र	∕9
	যুক্ত নরহত্যা। যে কার্য দ্রুর হয় তাহা প্রাণনাশাদির অভিপায়ে করা গেলে।	9 B			-			পৰ্য্যন্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদণ্ড ও অৰ্পদণ্ড।	9 න	
	প্রাণ্মাশাদির সন্তাবনা জানিয়া কিন্তু তদভিপ্রায়ে ঐ ক্রিয়া না করা গেলে।	₩ —	^&j	⁄জু	<b>^&amp;</b> j		∕ <del>s</del> j	১০ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্থদণ্ড কি ঐ সুই দণ্ড।	ু বুধু	<b>1</b> 9
16	৩,৪ক ছঃসাহসে কিছা অনবধানভাতে কোন কাৰ্য্য ক্রিয়া মৃত্যুর কারণ ছওন।		~g .	প্ত	হাজিরজামিন লওয়া যাইতে পারিবে।	শওয়া রবে ।	€ु	र वरमत भराष्ट्र ङ्बाङ्ब धकारबद कादाम्छ कि ज्वम्छ कि खेश्हे म्छ।	C	সেশন আদালত কিন্ধা প্রেসিডেন্সী মাজি-
		-			· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	-		•		জেট কিন্তা প্ৰথম শ্ৰেণীর মাজিট্রেট

ط	ৰে ভাদানভেৰ বিচাৰ্ধ্য।	সেশন আদালভ ৷	ੱ. •ੇਯੁ	^9ु	<b>~9</b>	<b>4</b>	<b>^9</b>	<b>*9</b>	त्वमिरङमी माकि क्रिडे किश्वा क्ष्य कि शिडोग्न त्येषीत	সেশন আদালত।
	ভাবতবৰ্ধেব দুগুৰি ধর আইনমত দুগু।	প্ৰাণদ্ভ কি যাবজ্জীবন দীপাশ্জুর প্ৰেরণ কি ১০ বংসের প্রান্ত কারাদ্ভ ও অর্থ-	১০ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের	কারাদিত ও অথমত ক	यावज्जीयम् ष्रीभास्त्य त्यात्रम् कि श्रक्षाक एकः	প্ৰাণদ্ভ বা পূ.কাক্ত দঙ	ও বংসর পরিন্ত কোন এক শ্রকারের কারাদণ্ড কি অর্পদণ্ড কি ঐ মুই দণ্ড।	৭ বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্থদণ্ড কি ঐ ছুই দণ্ড।	১ বৎসর পর্যন্ত বিনা পরিশ্রমে কারাদণ্ড কি মর্থদণ্ড কি ঐ চুই দণ্ড।	गांतक्कोदन होशास्त्र त्यन्न उ जर्शन
Đ	तक। कर। याहेरङ भारत कि सः।	दका कता शहरू। भारतमा	<b>(b</b> )	প্ত	শ্ব	<b>^</b> 9	<b>1</b>	<b>1</b> 9	<i>°</i> ন্তু	<b>6</b>
•	হাজিবজাবিন লওয়া ষ্ইতে পাবে কি না।	হাজিরজামিন লওয়া যাইবে না।	<b>%</b>	<b>19</b>	Ŷ	<b>∕9</b> j	হাজিরজামিন লওয়া ঘাইতে পারে।	· ^9g	<del>ড</del> ্য	হাজির জামিন লওয়া মাইবে না
, on	সাম্লাত: প্রথমে ওহাবেউ কি সম্ন দিতে হয়।	ওয়ারক্ট	<b>16</b> 3	ন্ত্র	প্র	<b>*</b>	শ্ব্য	<b>-©</b> j	◆	<b>∳</b>
9	পোশীস এঘাবন্ধ নিমাধুত কবিতে পাৰে কি না	ওয়ার্ট বিনা শুত করিতে পারিবে।	<b>^6</b> j	<b>~</b>	^গু	<b>~</b> 57	<b>∕9</b>	<b>^</b>	<b>%</b> j	<b>~</b> ₹
~	<u>.</u> ज्ञथनतीय ।	বালকের কি ক্ষিপ্রচিত্ত কি বিক্রতমনা কি জন্ত কি উন্মক্ত ব্যক্তির সাত্রণাতের সহাসকা	শাতুষাটেওর সহায়তা	ৰম্ব করিবার উদ্যোগ	সেই ক্রিয়াভে কোম ব্যক্তির পীড়া মুন্তু	रराज । यावब्हीवन वम्मी दश कविदाव উদ্যোগে शाज्ञ खन्नाहरन ।	ज्यभैताधत्रुक नदह्या कदिवाद डेप्सांश	সেই ক্ৰিয়াভে কোন ব্যক্তির পীড়া হইলে	জাজাধাতের উদ্দোগ	ঠগ ছওন
^	भीवाः	÷ ° °	3 3	ر د د	-		<u>)</u>	,	<i>A</i> .	- So

গর্পাত করণ ও অজাত অপত্তার হানি করণ ও শিশু পরিত্যাগকরণ ও জমা গুপ্ত রাখনের ক্যা।

র সেশন আদালত। । j	<b>7</b> €7	<b>~</b> 9	<b>~9</b>	<b>19</b> 165	<b>-09</b> 	* <del>**</del>	ρχ - <b>9</b> g	প্ৰ সেশন আদালত কিন্তু। প্ৰেসিভেপী মাজি- ক্টেট কি প্ৰথম কি ক্টিটীয় শ্ৰেণীর মাজিক্টেট।
ত বৎসর পর্যন্ত কোন এক শুকারের কারাদণ্ড কিন্তা অর্পদ্ভ কি ঐ সুই দণ্ড।	৭ বংসর পর্যক্ত কোন এক শুকারের	কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড। যাবজ্জীবন দীপান্ত্র প্রেরণ কি ১০ বৎ- সর পর্যন্ত কোন এক একারের কারা-	দণ্ড ও অর্থদণ্ড। ১০ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের	্কারাদ্ভ ও প্ৰশন্ত। যাবজ্জীবন দীপাশুর প্রেরণ কি পূর্বেশিক্জ দঞ্জ।	্ত্ৰ বংসর পৰ্য্যন্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদণ্ড কিন্তা অৰ্থদ্ড কি ঐ সৃষ্ট্ দণ্ড।	১০ বংসর পর্য্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থন্ড।	৭ বংদর পরিস্ত কোন এক প্রকারের কারাদঙ কি অবদিও কি ঐ স্ই দও।	২ বংসর পর্যান্ত কোন প্রকারের কারাদণ্ড কিয়া অর্থদণ্ড কি ঐ গুই দণ্ড।
रका कन्ना घाहेट शादना।	^জু	<b>∕</b> 9	<b>~</b> 57	∕ <b>©</b> j	<b>্</b> ড্য	<b>^9</b>	^জু	<b>^</b> ছ্য
হাজির জামিন লওয়া কলা মাইতে মাইতে পারে। পারে না।	<b>~</b> 5g	হাজির জামিন সওয়া যাইবে না।	<b>^5</b>	<b>^5</b> j	<b>9</b>	<b>'</b> জ	হাজির জামিন লওয়া ঘাইতে পারে।	<b>^9</b>
ও মার <b>উ</b>	^ব্য	· <del>©</del>	^লু	<b>^6</b> y	প্র	<del>/9</del>	*জু	<b>~</b> 9
ণ্ট বিশা ক্রিবে	- <sup>कु</sup> हि	· <del>©</del>	<b>~</b>	<b>^6</b> j	<b>~</b> 9g	^ইন	ওয়ার <b>্ট</b> বিনা ধৃত করিতে পারিবে।	<b>∕9</b>
গৰ্ধীত করণ	शाई केंद मक्षांत्र इहेरन	গারিণীর অমুমজি বিনা গরিপাড করাতন	গৰ্পীত করণ অভিপাসে যে কিয়া করা সাম জ্জার মত্ত মইসে	गाउँ ने व्यापा त्र १८ ९९८ । गाउँ ने व्यापि विमा के किया करा ।	অপতা জীবিত না জামিবার কি ভূমিপ্র হইলে মরিবার জনো কোন ক্রিয়া করণ।	অপরাধ্যুক্ত হড়ার তুল্য কার্য্য দ্বারা জীবসঞ্চারিড গর্জ নউকরণ।	১২ বৎসংরব নূনে বয়ক্ষ বালককে পারি- ভ্যাগ করণাভিশ্রায়ে ভাষাকে পিভা যাভার কি রক্ষকের কেলিয়া যাওন।	শিশুর মৃত দেহ গুপুকরণ ধারা জন্ম গুপুকরণ।
* 59		5	8 % 9		<b>8</b>	3,50	P < 0	3

			( 24.	)			
۵	्व जामान्धिक विकास	কোন মাজিক্টে।	সেশন আদালভ কিয়া প্রেসিডেপী মাজি- ফ্রেট কি এথম কি দ্বিভীয় শ্রেণীর	五1「毎に砂ひ - ・	সেশন আদালত কিয়া প্রেসিডেন্সী মাজি- ক্টেট কিয়া প্রথম	শ্ৰেণার মাজিস্তেট। সেশন আদালত।	• •
•	ভারতবর্ধের দশুবীধির আছিনমত দশু।	ऽ वरमंत्र भरीख क्वांब क्वांकातित कारोम्छ कि ১०००, गैका व्यक्ति कि जेष्टे मेछ।	ও বৎসর পর্যন্ত কোন এক অকারের সেশন আদালভকিষা কারাদও কিষা অর্পদ্ভ কি এ হুই দও। প্রেসিডেন্সী মাজি- ক্রেট কি এথ্য কি	9 वरमत श्रीडिक्टिकोस् এक ध्रमात्रत सम्माणकार सम्मात्र	মাধ্যমন্ত্ৰত অব্যাহ্ত। কি ১০ বং- সেশান আদালত কিষা সঙ্গ প্ৰিনন্ত্ৰ কোন এক প্ৰকারেক কারা- প্ৰেসিডেন্সী যাজি- দণ্ড ও অৰ্গদ্ধ।	১• বংসার শাধ্যস্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদ্ভ।	•
ð	রুক্ষ করা যা তে পারে কি না।	द्रका कदा घाहेट शादा	য়ে জাদালতে অভি- যোগ উপস্থিত পাকে সেই আদা- লতের অযুমতি	श्रृहेत्न त्रका क्रा याहेत्व भारत। त्रका क्रा याहेत्व	~ (%)	<b>18</b> 7	<b>*</b>
ש	াহাজিবজামিন লওয়া যাদৈতে পাৰে কি না।	হাজিরজামিন সওয়া যাইতে পারে।	পু	<b>^5</b> j	হাজিরজামিন লওয়া যাইতে পারে না	<b>1</b> 97	~₹
80	मामानाङ: श्रवीत्य अवावके वा मयम मिट्ड श्रवी	**************************************	<b>1</b> 5	<b>∕</b> 9	<b>~</b> 5g	ওমার <b>্ট</b> 	<b>y</b>
9	শোলীস ওঘারও বিনা ধৃত করিতে পারে কি না।	ওয়ার্ক্ট বিক্স ধুত ক্রিবে না	ওয়ারণ্ট বিশা ধুত করিতে পারে।	^ব্য	^g	- <b>®</b>	9
	का श्रांथ	हेक्काण्यंत्क मीज़ा क्याजन	শহুটজনক অন্তৰাত্ৰা কি অন্য উপায়ে ইচ্ছাপ্ৰ্ক পীড়া জন্মতিন।	ইচ্ছাপ্ৰ্ৰ গুৰুত্র পীড়া জ্মাওন	শক্ষিত্যন্দ অস্ত্রবার্ণ কি অন্য উপায়ে ইচ্ছাপ্র্কি গুরুতর পীড়া জন্মতন।	সম্পত্তি দুল্যবান নিদশ্লপত্ত হরণ কর্মার্থি কি বেআইনিম্ভ কার্য্য কি বে	ক্ষণ গ্ৰামা অংগাৰ ক্ষা স্মান্থৰ ভাষা ক্ষণাৰে ইচ্ছাপুৰ্বকে পীড়া দেওন। পীড়া জন্মাইবার নিমিঙে জচেডনকারক বণিজ দ্বা সেবন ক্রাণ।
•	EK EK	9 9	& ~ 9	* 9		۶ ۶	· 1

•			मंग जामांग्रह किया (खिमारहम्मी माम्कि- (खेंहे कि श्रुष्म	াজক্রেচ। নিভ।	·	দও কিছা । মাজি- । এখম ভৌগীর	
·	<b>*</b>	<b>*</b>	সেশন আদালত কিছ প্রেসিডেন্সী মাজি ক্টেট কি প্রথয়	্ৰেণ্য মাজিল্ডেট সেশন জাদ্বিত ।	কোন শাজিফৌট	সেশন আদাসত কিছা ংশুসিডেশী মাজি- ক্টেট কিছা এথম কি ছিতীয় শ্ৰেণীর মাজিক্টেট।	
যাবজীবন দ্বীপান্ত্র প্রেরণ, কি ১০ বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্পদিন্ত।	৭ বংশর প্র্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও কর্পদ্ড।	১০ বৎসর পর্যান্ত কোন একারের কারাদণ্ড ও অর্থন্ত।	उद्यम् अर्थन्छ क्वांन अक क्षकादात्र सम्भाग जामान्छ किथा कात्राम्छ किथा व्यथम्छ कि अपूर्व मूख्ना (खिमार किथी याखिन) (खेठे कि श्रम	১০ ৰৎসর পাৰ্যাক্ত কোন এক প্ৰাকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	১ মাস পাৰ্যন্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদণ্ড কি ৫০০) টাকা অৰ্দন্ত কি এ ছুই দণ্ড:	৪ বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি ২০০০, টাকা অর্পদ্ভ কি প্রন্থ দৃশ্ভ।	
<b>*</b>	<b>*</b>	~gg	· <b>*</b>	*ড়	दका कदा घाकेट शादा '	যে জাদালতে মোক্- 8 দ্মা উপস্থিত পাকে সেই জাদালতের অনুমতি হইলে রকা করা যাইতে	
<b>9</b>	হাজিরজায়িন লওয়া যাইতে পারে।	হাজিরজামিন ল ওয়া যাইতে পারে না	হাজিরজামিন লওয়া যাইতে পারে।	হাজিরজামিন লওয়া মাইবে না।	হাজিরজামিন লওয়া মাইতে পারে।	<b>-%</b> y	
<b>~</b>	<b>^6</b> y	<b>1</b> 9	<del>^9</del>	<b>^</b> 9		<b>∕9</b>	
<b>9</b> . •	*	<b>-9</b>	<b>~9</b>	· <del>G</del>	ওমারণ্ট বিভা সমন ধুও করিবে ভা।	ওয়ারণ্ট বিশ। ধুক্ত করা ঘাইতে পারে।	
সম্পাত্ত কি মুজ্যবাল নিদশ্লপত্ত হবণ কর- লাথে কিয়া বেআইনিমত কার্য কি যে কার্য যারা অপরাধ করা স্থামহয় ভাহা করণা <sup>র্থে</sup> ইচ্ছাপূর্কক শুক্তর গীড়া দেওল।	দোষ স্থাকার করাইবার কি সন্ধান পাই- বার কি সম্পত্তি বল পূর্বক উদ্ধার প্রভৃতি করিবার নিমিত্তে ইচ্ছাপূর্বক	দোষ স্বীকার করাইবার কি সন্ধান পাই- বার কি সম্পান্ত বুলপূর্মক উদ্ধার প্রভৃতি করিবার নিমিত্তে ইচ্ছাপূর্মক শুক্তর পীড়া দেওন।	রাজকীয় কার্যকারকের কর্ত্ব্য কর্ম নিবা. রনের জন্মে ইচ্ছাপুর্মক পীড়া জন্মাওন।	রাজকীয় কার্যকারকের কর্ব্য কর্ম নিবারণার্থে ইচ্ছাপুর্কক শুরুভর পীড়া জন্মাওন।	শুক্তর রাগজ্বক কার্য হঠাৎ হওয়াতে যে ব্যক্তিছারা রাগ ছইল, তাম্ভ্রম অন্য ব্যক্তিকে পীড়া দিধার অনভিপ্রায়ে ইচ্ছাপুর্কক পাড়া জ্মাওন।	শুকৃতর রাগজনক কার্য্য হঠাৎ হওয়াতে যে ব্যক্তি ধারা রাগ ছহল, তান্ত্রির ৬ন্য ব্যক্তিকে পীজা দিবার অনভিপায়ে ইচ্ছাপুর্কক শুক্তর পীড়া জন্মাওন।	•
	° 5	(99	* 9 9	9	899.	<b>9</b> 00	

1 -		9					٨
, <b>P</b>	भूका श्री विश्व स्	প্ৰবাৰণ্ট উ ক্ৰিভে কি লা।	সামান্যতঃ প্রথমে রুলাংকী বা সমন দিতে হয ।	হাজিব সামিল লওয়া যাইতে পাৰেকি না।	বন্ধ: কবা ঘটেতে পারে কিনা।	ভাবতৰক্ষেৰ দশুৰিধিৰ অংশীন্মত দশু	দে আদালতের বিচাধী।
	৩০৬ মস্থ্যের প্রাণের আ্লাশকা কি অন্যদের ওয়ারণ্ট বিনা নরাপদের ব্যায়তি জনক কোন কার্য, গুড করা করন।		-:- মুমু	शिष्टित्र कामिनन उग्नी दका क्या याहेएड भारत। भारत ना	द्रका कन्ना याहेट शास्त्रका।	उ यात्र श्रीख कांच वक अकारत कात्राम्छ कि १६०, होका व्यर्म्छ कि क्षे प्रहेम्छ।	(कान माजिएक्रके।
5	মহযোৱ প্ৰেৰ আৰু প্ৰাপ্ত জনক কিয়া ৰাৱা পীড়া জমাওন।	শ্ব	<b>्</b> षु	<b>*</b> 9	(व जानांनां है त्यांक- म्या है श्रीहिड वादि त्यहें जानांनां है अध्याहि हहें। इक्षा कहा यहिंड	ড মাস পৰ্যান্ত কোন এক প্ৰকারের কারা- দণ্ড কি ६০০০ টাকা অৰ্থদণ্ড কি এ গুই দণ্ড।	প্ৰেসিডেপী মাজি- ক্টেট কিছা অথম কি ছিতীয় শ্ৰেণীর মাজিফেট।
# 99	মহ্মের প্রাণের আগঙ্গা প্রভৃতিজ্ঞাক ক্রিয়া দারা শুরুতর পীড়া জন্মাওন।	<b>19</b> 3	<b>~</b> €9	<b>%</b>	_ পূ্ৰ	ং বংসর পার্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি ১০০০, টাকা অর্পদ্ভ কি প্রছ দ্ভ।	· <b>(</b> )

জ্নায়িমতে অব্রোধের ও অনায়্মতে বদ্ধ করণের কথা।

হাজিরজায়িন ল ওয়া বকা করা ঘাইতে, এক মৃস পর্যন্ত বিনা পরিশ্নেম কারাদণ্ড কোন মাজিকেটি।	भीट्रत। कि ६००, क्रीका ज्यर्थमञ्जाकि औ घृष्टे मछ।	। शर्मान्छ त्काम अक श्वकारद्रव ८	কার্দেও কি ১০০০, চাকা অধনও কি কেট কি শ্ৰিষ্থ আৰু- কে মুই দও ৷	
হাজিরজামিন ল ওয়া বফ	ষাইতে পারে। ।	·		
		- <b>^5</b> g		
1	धुरू कवित्र शास ।	<b>1</b> 97	•	
ু কোন ব্যক্তিকে জন্যায়য়তে অব্যুদ্ধ করণ		১৪২ কোন ব্যক্তিকে জান্যায়য়তে বছকরণ	-	
68		* 3		

•		( :	3eb )	•	
, ,	সেশন • আদালভ কিছাপ্রেসিডেপী মাজিক্টেচ কি প্রথম কি ছিভীয় শ্রেণীর মাজিকেটী৷	<b>্</b> ড্য	<b>- 1</b>	• ∕9j	तम्बन वामनिड किश्वा त्वितिरम्बनी माखिएकेहे कि ख- थम त्विनीत्र माखि-
A REG C A CASA TAJO CAPIA DA LAFENA	ও বৎসর প্র্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্গন্ত।	ং ব্ৎসর প্র্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও তদভিরিক্ত অন্য কোন ধারামত কারাদণ্ড।	<b>~§</b> y	ও বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও মর্গদ্ধ।	<b>*</b>
441 441 441 441 441 441 441 441 441 441	<b>^6</b> j	∕•ু	<b>%</b>	<b>&amp;</b>	<b>^⊕</b>
•	<b>®</b>	્ર <b>ન</b>	^ব্য	<b>∕s</b> j	∽ <del>ध</del>
9	^ <del>9j</del>	<i>- ∙</i> <b>⁴</b> जु	- <b>∕</b> €g		<b>∕6</b> 9
•	<b>16</b> 7	ওয়ারুড় বিনা ধত করিবে না	ওয়ার <b>ন্ট</b> বিনা ধ্রন্ত করিভে পারে।	<b>∕</b> 9	<b>19</b> .
ত বিশ্বাধি বিশাধিক বিশাধিক বিশাস্থ্য বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক বিশ্বধিক	দুশ কি ডদিধিক দিন অন্যায়মুঙে ব্যন্ত কর্ণ।	কোৰ ব্যক্তির মুক্তির জন্যে পরওয়ানা বাহিরহইয়াছে জানিয়া ডাহাকে অন্যায়- মতে বদ্ধ রাবন ।	গোপনৈ অন্যায়য়তে বন্ধ করণ	কোন দ্ৰব্য হরণ করিবার কিষা বে- আইনী কৰ্ম প্রভৃতি করাইবার জন্মো অন্যায়মতে বন্ধ করণ।	অ্পরাধ স্বীকার করাইবার কি সন্ধান পাছবার জনো কি সম্পত্তি প্রভৃতি উদ্ধার করাছবার জনো জনায়েয়তে বদ্ধ করণ।
9 8 9	88 89	e 8 9	ತ್ತು ಹ ಶ	ه ه ي	گ ش ک

( 248 )

অপরাধযুক্ত বল প্রকাশের ও আক্রমণের কথা।

प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुश्कृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प्रमुशकृति कहा।      प	7	৩৫৮ হঠাৎ শুক্ততর রাগ জমাইবার বিষয় ওয়ারকী বিনা সম্ন হইলে আক্রমণ কি অপরাধ্যুক্ত বল ধ্রুতক্রিবেনা। প্রকাশ করণ।	ওয়ার <b>্ট</b> বিনা ধুত ক্রিবে না।	<u>भूष</u>	<b>^5</b> j	दकी कदा घाइट - भीरत।	যাইতে ১ মাস পৰ্যন্ত বিলা পরিশ্রমে কারাদণ্ড কিং০০ <sub>০</sub> টাকা অৰ্পদ্ভ কি এই স্ভ।	<b>.</b> ************************************	
ব্যহুষ্চুরি করণ	•	•	ग्यूषा চূরি ও	1	রণ কর্তের ও দাস্	ন্তের ও বলপূর্বক ভা	u করাইবার কথা।		
বন্ধ করণাৰ্থে মহুমা চুরি কি হরণ করণ প্রি প্র প্র কর্মনার্থ মহুমা চুরি কি হরণ করণ প্রি প্র প্র করি পার্মিম্ম সহিত কারাগভঙ্জ কিন্তান শীপান্তর প্রেরণ করিশ সহিত কারাগভঙ্জি করিশ পরিশ্রম্ম সহিত কারাগভঙ্জি করেশ প্র করেশ করণ। কোন বাজিকে প্রাক্তিক করণ। কোন বাজিকে প্রকলেগ প্র হরণ করণ। কোন বাজিকে প্রকলেগ প্র হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। কোন বাজিকে প্রকলেগ প্র হরণ করণ। চুরি কি হরণ করন। কোন বাজিকে প্র কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করন। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। বুলি বুলি করেণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কি হরণ করণ। চুরি কে বুলি চুরি কি হরণ করণের লাবির	295	মুম্ধ্রুরি করণ	ওয়ারণ্ট বিনা ধ্রত করিতে পারে।	ওয়ার <b>ণ্ট</b>	ংজিরজামিন লওয়া যাইবে না।	ब्रका कड़ा शांद्रब मा ।	म स्टब्स् -	সেশন আদালত কিয়া প্রেসিডেশী মাজিফ্টেট কিয়া	
কোন ব্যক্তিকে গোপনৈ ও অন্যায়য়থেও জি কি বালিকে গোপনৈ ও অন্যায়য়থেও জি কি বালিকে গোপনৈ ও অন্যায়য়থেও জি কি বালিকে গ্ৰেপ্ত কি বালিকে গ্ৰেপ্ত কি বালিকে গ্ৰেপ্ত কি বালিকে গ্ৰেপ্ত কি বালিকে গ্ৰেপ্ত কি বালিকে গ্ৰেপ্ত কি বালিকে গ্ৰেপ্ত কি বালিকে গ্ৰেপ্ত কি বালিকে গ্ৰেপ্ত কি বালিকে গ্ৰেপ্ত কি বালিকে গ্ৰেপ্ত কি বালিকে গ্ৰেপ্ত কি বালিকে গ্ৰেপ্ত কি বালিকে গ্ৰেপ্ত কি বালিকে গ্ৰেপ্ত কি বালিকে গ্ৰেপ্ত কি বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বালিক বাল	8 3) 0	ব্ধ করণাৰ্শে মহুষ্য চুরি কি হ্রণকরণ	<b>1</b> 69	<b>^</b> 5j	<b>4</b>	∕•ু	যাবজ্ঞীবন দ্বীপাশুর প্রেরণ কি ১০ বংসর প্যাশু কঠিন পরিশ্রম সহিত কারাদণ্ড	ষ্টেট। ফ্টেট। সেশন জাদালত।	`
কোন জীৱ বিবাহ দেওন কি পুরুষের প্রি ক্র করণ। কোন জীব বিবাহ দেওন কি পুরুষের প্রি ক্র হন করণ বিভাগ করণ। কোন ব্যক্তিকে গুৰুভার প্রকার করণ। চুরি ক্র হন করণ। চুরি ক্র হন করণ। চুরি ক্র হন করণ। চুরি ক্র হন করণ। চুরি ক্র হন করণ। চুরি ক্র হন করণ। চুরি ক্র হন করণ। চুরি ক্র হন করণ। চুরি ক্র হন করণ। চুরি ক্র হন করণ। চুরি ক্র হন করণ। চুরি ক্র হন করণ। চুরি ক্র হন করণ। চুরি ক্র হন করণ। চুরি ক্র হন করণ। চুরি ক্র হন করণ। চুরি ক্র হন করণ। চুরি ক্র হন করণ। চুরি ক্র হন করণ। কুরি ক্র হন করণ। কুরি ক্র হন করণ। কুরি ক্র হন করণ। কুরি ক্র হন করণ। কি হন করণ। চুনি ক্র করণ।	<b>a</b> 310	কোন ব্যক্তিকে গোপনে ও অন্যায়মতে বন্ধ রাখিবার জন্যে ভাহাকে চুরি কি ভবন করন।	<b>*9</b>	ઉ	<b>^</b> 9	<b>%</b>	<u>্</u> র প্র	<b>~</b> 9	)
কৌৰ ব্যক্তিকে শুক্তৰ পীড়া দিবাৰ কি ভ দাস অভূতি কৰিবাৰ জন্মে তাহাকে চুরি ক হবল করল। চুরি করা ব্যক্তিকে শুবার হবল করল। বাসকের গান্ত হবৈতে দুবার করল। কাহাকে চুরি কি হবল করল। কোৰ ব্যক্তিকে দাসম্ব্যংশ কর কি হন্তা । স্তেকরিবেন যহিতে পারে।	<b>9</b> 9	দুৰণা জীৱ বিবাহ দেওন অবিধিয়তে সংস্থ জননভোষাকে ঘটি সি	^পু	<del>/6j</del>	<b>^9</b>	∕৳	১০ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও কর্পদণ্ড।	<b>∕9</b>	
চুয়ি কে হণ্ণ কণণ।  চুবি কয়া ব্যক্তিকে জ্বন্ধ কি ত্বন করণে করণের দণ্ড বালকের গাঁএ হণ্ড ডে দ্ব্য হরণ করণার  ভাগকের গাঁএ হণ্ড ডে দ্ব্য হরণ করণ।  কোন ব্যক্তিকে দাসক্ষরপে ক্রয় কি হন্তা তরারটো বিনা এ হাজিরজায়িন লওয়া এ বিদ্যুত্ত স্বশিশু।  স্থাত করিবেন যাহিতে পারে।	و ئ	কোন ব্যক্তিকে গুৰুত্ব পীড়া দিবার কি দাস প্রভৃতি করিবার জন্যে ভাহাকে	<b>्</b> ष्	⁄ব্য	<b>∕©</b> j	<b>%</b>	*ড়া	.* ~ <del>9</del>	
কোন ব্যক্তিকে দাসম্বরণে ক্রয় কি হন্তা- ওয়ারণ্ট বিনা ঐ হাজিরজায়িন সভয়। এ শুর করণ।	7 7 8 8 8	চুার ।ক হরণ করণ। চুরি করা ব্যক্তিকে শুপ্ত কি বন্ধ করিয়া রাখন বালকের গাত্র হছতে দূব্য হরণ করণার্থে ভাহাকে চুরি কি হরণ করণ।	ন্ত জ	<i>ે</i> લ જ	<b>*ভা *জ</b>	^ <b>6</b> j <b>^6</b> j		<b>^9 ^9</b>	
	• • •	কোন ব্যক্তিকে দাসস্থাপে ক্রয় কি হন্তা- ভুর করণ।	ওয়ারট বিনা গুড ক্রিবে ন	∕ <del>e</del> j	হাজিরজামিন লওয় ঘাইতে পারে।		कि जिल्ला है। कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला क	<b>~</b> 9⊤	

^	~	9	8	¥	s	-	<b>.</b>
क	জপ্ৰাধ্	टगानीम अधावके विमा धुरु मविट भारव कि मा	मामनाउः श्रयतम् अद्यविष्टे कि ममन मिट्ड क्य	হাজিবজামিন লওয়। যাইতে ণাবে কি না।	রক্ষ কবা যাইতে পারে কিনা;	ভাষতবর্হেব দঙ্গিবি জাইনমত দণ্ড।	বে জাদাদতের বিচার্ধ।
٥ ٠	দ্দদিগকে লইয়া নিত্য ব্যবসায় করণ	ওয়ার <b>্ট</b> বিনা ধৃত করিভে পারে।	ওয়ারট	হাজিরজামিন লওয়া ঘাইবে শা।	द्रका कड़ा थाहेट भारत ना।	যাবজ্জীবন দীপাস্তর প্রেরণ কি ১০ বৎ- সর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ ও অর্থদ্ভ।	সেশন আদবিত।
* * 5	ব্যভিচার প্রভৃত্তির জ্বন্যে বালিকাকে বিক্রম্ম করণ কি ভাতা দেওন।	<b>∕©</b> j 	∕জু	<b>ি</b> জু	<b>ઉ</b>	১০ বৎসত্ত পৰ্যান্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	तम्बन वामानङ किश्वा त्यामाङ्क्षी याख्निरङ्के किश्वा खश्य त्यांबीत याख्नि-
949	সেই কাৰ্ষ্যে নিমিডে বালিকাকে জয় করণ কি প্রাপ্ত গুড়	^9	<b>∕</b> € <del>J</del>	<b>^ভ</b>	প্য	<b>€</b> j	<b>^</b> \$J
გ 8	বেজাইনীমতে বলপূৰ্বক পরিশাম করাওন।	-æj	<b>હ</b> નુ	হাজিরজামিন লওয়া যাইতে পারে।	রকং করা ষাইভে পারে।	১ বংসর পর্যাপ্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্পন্ড কি ঐ মুই দণ্ড।	কোন মাজিফ্রেটা
	-			বলাংকারের কথা	था ।		
ละด	নসংৎকার করণ, কোন সোকের অপিন স্ত্রীর সহিত সংসর্গের স্থলে।	ওয়ার উবিশ প্রক করিবে শ্রা	• • • •	হাজিরজামিন ল ওয়া যাইতে পারে	হাজিরজামিন লওয়া রকা করা মাইতে যাইতে পারে।	যাবজ্জীবন দ্বীপাৰের প্রেরণ কি ১০ বৎসর প্র্যুক্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	সেশন আদালভ ৷
	অন্য কোন হলে	ওয়ারক বিশা ধত করিতে পারে।	ওয়ারউ 	হাজিরজ্ঞামিন লওয়া মাইবে না	<b>*</b> 9	<b>~9</b>	<b>-</b> 9j

অস্থাভাবিক অভিগমনের কথা।

অস্বাভাবিক কভিগমন	ওয়ার <b>ন্ট বিনা</b> ধুত করিতে পারে।	ত্যার <b>্ট</b> .:	शिकिद कामिन न उरा यार्वेत्व ना	রকা করা ঘাইতে পারে না।	যাবজ্জীবন দ্বীপান্ত্র প্রেরণ কি ১০ ব্ৎসর সেশান পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ও ও কর্পদ্ঞ।	র সেশন আদালত। ১
	2	ऽ९ म <b>शुक्का</b> व्यया <b>ञ्च</b>	न्ध्र ।—मन्य्यन्दि ङे टोर्ट्यात कथा	।—সম্পত্তির উ <b>পর</b> জপরাধের বিধি। চৌর্ঘোর কথা।		
(b)(4)	ওয়ার <b>উ</b> বিশা ধ্রু করিভে	ওয়ারন্ট	হাজিরজায়িশ লওয়া রকা করা ঘাইতে যাইবে না। পারে না।		ও বংসর পার্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্থদিও কি ঐ চুই দও।	কিল মাজিফ্টেট।
গৃহে কি ভাষুতে কি নোকাদিতে চৌৰ্য্য	भारत । ब्रे	<b>∕</b> 9	<b>∕e</b> j	<b>∕</b> 5j	৭ বৎসর পার্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	<b>→</b>
কেরাণী কি চাকর দারা করার কি প্রভুর অধিকারস্থ সম্পাক্তির চে <sup>ম্</sup> যা।	<b>%</b>	-জু	<b>*</b>	<b>5</b>	<b>-9</b> j	সেশন আদালত কিছা এেসিডেব্দী মাজিফ্টেট কিছা
চুরি করণাথে কিয়া ভাহা করিবার পরে পুলায়নাথে কিয়া অপষ্ঠত সম্পত্তি রাঘিবার জন্য প্রাণ্নাশ করিব্রে কি পীড়া দিবার কি অবরোখ করিবার কিয়া প্রাণানাশের হি পীড়ার কি জন্ম	<b>*</b>	<b>े</b> ज	<b>~y</b>	જી	১০ বৎসর পর্যন্ত কঠিন পরিশ্রম সহিত ক,রাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	
রোধের আশক। জন্মাইবার উদ্যোগ করণপূর্পক চৌ্য।						

		•			,	ď	طر
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	v	े टिन्हीम स्पर्दे टिन्हा पुरुक्तिर्हे भारतिकिम्	8 मारक के अधित हरारके कि मन्न नित्त रूप ।	हां हांक्रकामित सक्ष्य यादेएङ ाह्य कि मा।	্ত বহা কৰ' যাইতে পাৰে কিলা।	ভি'বত্ৰদূৰ্বৰ দণ্ডাব্ধিব আহিন্নত দণ্ড।	মে আদানতের বিচার্য।
-	জপাইরণ করণ	ওয়ার্ড বিনা ুড ক'রবে না।	<b>1</b>	হাজিরজামিন লওয়া, রকা করা যাইতে পারে। পারে না	রকা করা যাইতে পারে না।	ও বংশের প্রাপ্ত কোম এক শুক্রের ক্রান্ড কি অর্পদ্ভ কিয়া ঐ বুই দঙ।	দেশন আদালড কিন্তা শ্রেসিডেন্দী মাজি- ক্টেট কি এথম কি দ্বিতীয় শ্রেণীর
-	জপুহরণ করিবার নিমিত্তে কোন বাভির হানি করিরার ভয় জুমাওন কি জুমাই-	Æj	Ġ	*জ	^জ্য	২ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অধিদণ্ড কিছা ঐ ঘুই দণ্ড	^ব্য
	বার উদ্যোগ করণ। প্রাণনাশের কি গুৰুতর পীড়ার ভয় ক্রমাইমা অপুরুষ সুরুষ।	*ডু	<b>∕s</b> j	হাজিরজামিন লওয়া যাইবে না।	<b>শ্</b> য	১০ ব্ৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	সেশন আদালভ।
	জ্পাহরণ করণার্থে কোম ব্যক্তির প্রাণনা- শেব কি শুক্তর,পীড়ার ভয় জ্মাওন কি জ্মাইবার উদ্যোগ করণ।	<b>√9</b>	<b>G</b>	<b>1</b> 5y	<b>^</b> ছ্য	৭ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	°कु
	শাণদণ্ডের কি যাবজ্জীবন দ্বীপান্তর পেরণ দণ্ডের কি ১০ ব্ৎসর পর্যান্ত কারা- ভর যোগ্য অপরাধের অ্ভিযোগ করিবার ভর দশ্যিয়া অপ্তরণ করণ।	<b>1</b> 59	<b>9</b>	হাক্তিবজাঘিন ল ওয়া যাইতে পারে।	<b>્</b> લુ	১০ ৰ্ৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থন্ড।	<b>ূ</b> জ
	যে অপরাধের ভয় দেখান হয় ভাহা অথা- ভাবিক অভিগমনাপরাধ হইলে।		<b>^9</b> J	^উ্য	<b>্</b> ভ	যাবজীবন দ্বীয়ের প্রেরণ দণ্ড	<b>·</b> §

	অপহরণ করণাথে কোন ব্যাক্তর প্রাণ্ড দণ্ডের কি যাবজ্জীবন দ্বীপাভ্জর প্রেন্ধণের কি ১০ বৎসর পর্যন্ত কারাদণ্ডেব যোগ্য স্থান্যায় করিরার জ্য	<b>*</b>	<del>्र</del>	<b>^9</b>	<b>ં</b>	১০ ব্যুদ্ধ পুৰ্যন্তে কোন এক প্ৰকারের কারাদণ্ড ও অর্পন্ত।	<b>√</b> gg
	াতেখোগ শ্যাম্বাস্থ্য । ধি অংশাভাবিক অভিগা পি ।	€7	<b>∕•</b> j	<b>^9</b> g	<b>∕9</b>	যাবজীবন দীপাস্তর প্রেরণ দণ্ড	• <sup>©</sup>
•	•			দ্যাতা ও ঢাকাই তির	চর ক্ষা –		
~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~	म <b>स्</b> राज्ये	ওয়ারণ্ট বিনা	ওয়ারণ্ট	হ'জিরজামিন সওয়া	রকা করা ঘাইতে	~	(समाम जामात्रक
		की के कि कि		₩ .	क्रीरिव भा	কার্দিত এ প্রদতি –	किष्ठ (शंभएड <b>भी</b> माजिकि
-		,					প্রথম <u>শে</u> ণীর মাজিষ্টেট।
	প্যাতি হ ওমান্ধ ডিময় হ ওম প্রায়ত্ত কোম	<del>"</del>	<b>~</b> 9	<b>^9</b> J	्वे	18 र पत भराख्य किंग भित्र मार्च क	<b>^6</b> y
•	からさな またな かっぱっぱん すねりん ひからり 一	,				कारोमक क अथमखन	
	···	৳	<b>∕⁵</b> ु	<b>८</b> न	^ <del>6</del> g	१ २९ मत भरान्य किंगि भरिज्ञा महिल	<b>^</b> S
. % . %	দস্থাতা করণে কি করিবার উদ্যোগে কোন	þl	Ŋ	-∕9	Λej	কারাদও ও অধ্দও। যাবজ্ঞীবন দীপান্তর প্রেরণ কি ১০ বৎ-	(मध्य व्यामान्छ
	<b>484</b>					সর পর্যন্ত কঠিন পরিভায় সহিত কারা-	किया (अभिष्डभी
	কিছা সেই দিহাতার কাথ্যে সংস্কা-					मक अ ज्यम्	मजिएको किया
	ভাবে অন্য বাজির সাজ হওন।						প্রথম শ্রেণার মাজিয়েট।
624	हाकाइडी	 - <del>*S</del>	<b>~</b>	<b>1</b> 9	*ড্য	^জ	সেশ্ব আদালত
- 5 RO	ডাকাইতী করণ সম্য়ে জ্যাক্ত বধ	<b>~</b>	<b>^</b> ছ্য	<b>9</b>	<b>€</b> J	आंक्षि कि रावक्षीवम कोशोखन (शहन- मार्थ कि र नवस्त अर्थन	<b>19</b>
	•	•				শ্ব কি ১০ ব্যবহার বাব্যক্ত কার্যন্ত । শ্বাম সহিত কার্যান্ত ও অব্যক্ত।	

	~	9	60		Đ	•	P
र्श्व र	ক্রান্থ ক্রান্থ	শোলীস ওয়াবন্ট হিনা ধুণ্ড কবিডে পাৰে কি না	সামান্যতঃ প্রথমে ওয়ার্বণী বা সমন দিতে হয়।	शक्तिकामिन सहया यञ्जास्य शास्त्रमा	বফা কব' ঘাইতে প্রেব কিলা।	ভ'রতবর্ধের দ⊛'বাধির আইনম্ড দ্ঙা	যে আদালতেৰ বিচাৰ্য।
20	হভারে কি শুক্তর পীড়ার উদ্যোগ ওয়ারক বিনা সঞ্ডি দয়তো কি ভাকাইতী। গুড করিছে।	ওয়ারউ বিনা ধুত করিডে পারে।	ওয়া বন্ট	शिक्ति कायिन न उग्न यारेटन मा	রকা করা ঘাইতে পারে না।	জন্যন ৭ বৎসর কঠিন পরিভায় সহিত সেশন আদালক কারাদও।	সেশন আদালঙ । ————————————————————————————————————
400	मार्षाङिक यह महत्र शक्टिन मश्रात्र कि	<b>*</b>	<b>^9</b> j	•	<b>*</b> 9	<b>*</b> 9	<b>^9</b> 7
	ভাকাইতি করিবার উদ্যোগ করণ। জাকাইতী করিবার উদ্যোগ করণ	<b>7</b> 5	<b>4</b> 9	<b>4</b> 9	<b>'</b> ড়	১০ বংসর পরিন্তু কঠিন পরিশ্রম সহিত	*
e ¢ 00	নিয়ত ভাকাইতি করণাধ দলবন্ধ ব্যক্তি- দের দলতুক্ত হওন।	<b>*</b>	<b>4</b>	<b>~</b>	<b>~</b> €j	কারালভ ও অবলভ । যাবজ্জীবন দ্বীপান্তির প্রেরণ কি ১০ বৎ- সর কঠিন পরিশ্রেম সহিত কারালভ ও	<b>1</b> 9
<b>∽</b>	নিয়ত চুরি কর্ণাথ দলবন্ধ ভ্যন্ত্রী	<b>~6</b> y	<b>~</b> j	^ড়	<b>প</b> ্	অথদণ্ড। ৭ বংসর পর্য্যন্ত কঠিন পরিভাষ সহিত	<b>~5</b> y
<b>2</b>	ব্য:জন্মের দলভুক্ত হওন। ভাকাইতি করণার পাঁচ কি জদধিক ব্যক্তি	<b>1</b> 9	<b>1</b> 97	<b>*</b>	প্ত	ক্রাদ্ত ও অধ্ <b>দত্ত।</b> ক্র	<b>~9</b>
	এক্ট হছ(ল' ডাছার ম্ধে) বাক্ল						-

জ্পরাধভাবে সম্পতির জ্বিছিভ বাবছার কর্তার কথা।

ı.		•
	জবজামিন লওয়ারকাকরা ঘাইতে ২ ব্ৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকাবের কোন মাজিক্টো। হিতে পারে। পারেনা। কারাদণ্ড কিয়া অর্পদ্ভ কি এই দণ্ড।	
	প্ৰকাবের গৃহ দঙ	
	ব্ৎসর পৃধ্যক্ত কোন এক প্রকারে কারাদ্ভ কিছা অর্গদ্ভ কি ঐ চুই দভ	
	त्व क्षा वा अथम्।	
	সর প্র্ ।দঙ্গিক্য	
	* त्र के	
	지한 _ -	
	का कन्ना शास्त्र ना	
	জিবজামিন <sup>হ</sup> লইতে পারে	
	्रि :	
	ওমারণ্ট	
	৪০৩ অস্থাবর দ্বব্য শঠভাদেমে অবিহিত্রপে ওয়ারত বিনা ওয়ারত কি স্থায় কর্মে ব্যবহার করণ। ধৃত করিবে না।	
	বিহিত্তরণে  -	,
	ক্ৰমে অ হার কর	
	उ मधिका हर्म देइद	
	অস্থাবর দ্বা শঠভাক্রমে অবি কি স্বীয় কর্মে ব্যবহার করণ	
	9	

্যোগ ব্রুগত হল শাহ জায়েল্যা সেহ সম্পাতি শঠভাভাবে অবিহিত্নপ্রপে ব্যুব্হার করণ।	•••••••••••••••••••••••••••••••••••••••				कावाम्ल ७ व्यथम्ल ।	সেশ্ল আ্লাল্ড কিছা প্রেসিডেজ্য মাজিফেট কিছা প্রম কি ছিতীয়
স্তৰ্যতির কৰ্ক নিযুক্ত কেরাণী কি চাকর ঘারা হছলে।	<b>*9</b>	<b>^8</b> g	<b>(</b> *)	<b>*9</b>	৭ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অংদণ্ড।	तम् गैत माजित्योहै। के
·		ज्ञाशद्भ ह	াবে বিশামহাতকতার কথা	ার কথা ৷		
অপুরাধভাবে বিশ্বাসমাতকত;	ওয়ারক্ট বিনা ধুক করিভে পারে।	ওয়াবন্ট	হাজিরজামিন লওয়া ঘাইবে না।	दका कदा याहेएड शादिका	ও বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কিছা অ্বদণ্ড কি ঐ গুই দণ্ড।	तम्भेन वाम्नेन्ड किश्व। त्यात्रिष्टभी याक्रिके
বাহক কি ঘা <b>ট্রক্ষ</b> ক প্রভৃতি কর্মুক অপ্র- রাধ ভাবে বিখাসঘাতকতা।	<b>∕e</b> g	<b>~6</b> y	<b>্</b> ল	<b>^6</b> y	৭ বৎসর পর্যন্ত কোন এক <mark>প্রকা</mark> রর কারাদণ্ড ও অ্বন্দণ্ড।	এংম কি বিভীয় ভৌগীর মাজিট্রেট। ও সেশন অ্যালাভত কিয়া এেসিডেন্সী
কেরাণী কি চাকর কর্ত্ব অপ্রাধভাবে বিশ্বাস্বাডক্তা।	<b>∕</b> €g	<b>9</b>	<b>*</b>	<b>^6</b> y	<b>%</b>	্ৰেণ্ড প্ৰথ্য সেশ্য মাজিটেট। সেশ্য মাজিটেশী মাজিটেই দিল
রাজকীয় কাৰ্য্যকারক কিছা বৃণিক কি সওদাগর কি গোমন্তা প্রভৃতি কর্ত্ত্বক অপরাধভাবে বিশ্বাস্থাডকভা।	<b>%</b> .	<b>-9</b>	<b>6</b> 7	•	যাবজ্জাবন দ্বীপান্তর প্রেংশ কি ১০ ২৭- সর পর্যক্ত কোন এক প্রকারর কারা দঙ ও অর্পদঙ্জ।	व्यय कि विशेष व्यय कि विशेष व्यव यामिल्को। स्मिन कामिल्क किया (विभिष्टिमी याक्तिके कि

চোরা দ্ব্য গ্রহণ করিবার কথা।

		(	<b>७७</b> १ )		
d	যে অদালতের বিচাধ্য	तम्बन व्यक्तिक किन्ना त्वितिरक्ति माक्किट्के किन्ना व्यथम कि बिजैन्न (ज्यनीत्र माक्कि-	শেসৰ আদাসত।	<b>^9</b> j	সেশন আদালত কিছা লেসিডেজী মাজিফুট কি এথম কি ছিতীয় জেণীব মাজি-
ď	ভাৰত হৈৰিৰ দণ্ড'ৰ্ধিৰ আইনমত দণ্ড।	ও বংসর পর্যন্ত কে'ন এক প্রকারের কারাদঙ কি অর্পন্ত কি ঐ ঘুই দঙ্গ।	যাব জ্জীবন দ্বীপান্তর প্রেরণ কি ১০ বৎ- শোসন আদাসভ সর পর্যান্ত কঠিন পরিভাম সহিত কারাদণ্ড ও অর্পদ্ড।	যাহজ্জীবন দীপাস্ত্তর প্রেরণ কি ১০ বংসর পর্যাস্ত কোন এক শুকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	ও বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কিছা অর্পদ্ভ কি ঐ মুই দণ্ড।
ø	तका यहित्व भाव कि जा।	রকা করা যাইতে পারে না ।	<b>€</b>	<b>1</b> 9	*ড়
<b>&amp;</b>	হাজিরজামিন লওয়া যাইতে পাবে কি ন।	शक्रिकामिन न अस्त	* <del>9</del>	<del>*</del> 9	<b>∕</b> 9
an	সামান্যতঃ প্রথমে ওয়ারক বা সমস দিতে হয়।	:	े <sup>क</sup> ु	<b>~</b> 9	∕জু
9	শোলীস ওঘাবন্ট নিনা ধুক কবিতে প্ৰে কি না:	ওয়ারণ্ট দিন। ধুত করিতে পারে।	<b>4</b> 9	~g₁	<b>^9</b>
n'	ख्याच्या ।	চোৱা দ্ৰব্য চোৱা জানিয়া শঠভাভাবে ওয়াৱকী দিনা ওয়াৱকী গ্ৰহণ। পারে।	চোরা ধ্ব্য ভাকাইতীৰারা প্রাপ্ত জানিয়। শঠতাভাবে এহণ।	চোরা দ্বব্য লইয়া নিয়ভ ব্যবসায় করণ	চোরা আব্য চোরা জ্বানিয়া গোপন কি হজান্তর করণের সাহায্য করণ।
^	E L	22	8 2 %	9 '	∞ ·

_
-
8
V.
5
V
٧
子の
N

₹ \$
व क्षाल्य कथा
হন্ত ডির
मुच्यमि
প্রস্তুত ও
मजील ६
गुराद
প্রবারণা

<b>9</b> ,
<b>∕9</b>
<b>^</b> 9j
<del>्र</del> जु
<b>ি</b> জ্য
∕ख
৪২২ অপরাধীর পাওনা অথবা দাওয়ার টাকা ভাহার উত্তযনেরা না পায় প্রতারণা- পুক্ক এমত কর্ম করণ।

	শোলীস ওন্থারণ্ট বিনা ধৃত কবিতে পাবে কি না	পামান্যত: গুৰ্মে ওয়াবেট বা সমন নিতে হয়।	ং হাজিবজামিন ল ওল্লা যাইতে পারে কি না।	ভ নকাক্রা যাইতে পারে কিনা।	ণ ভাৰতবৰ্ষেৰ দশুৰিধিৰ আছিলমত দশু।	৮ যে আদালডের বিচাধ্য।
মুলোর টাকা ষাহাতে অধ্যাধন্নপে লেখা ধাকে এয়ত কোন হন্তান্ত্রকরণপত্র প্রভারণাপুর্যক সম্পাদন করণ।	ওয়ারন্ট বিশা ধুও করিবে না।	ওমারন্ট	হাঞ্চিরজ্ঞামিন লওয়া যাইতে পারে।	तका कन्ना याहेए शास्त्र ना।	ং ৰৎসর পাৰ্যান্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদণ্ড কিয়া অৰ্থদণ্ড কি এ গুই দণ্ড।	(समिएएजी माकि- क्रिके किया सम्प कि विशेष स्वीत
শুভারণাক্রমে স্বীয় কি পারের সম্পাক্তি হানান্ত্রর কি গোপন করণ কি ভাহা করিডে সাহায্য করণ কি যে বিষয়ের দাবী বা দাওয়া করিবার অধিকার থাকে শঠভাক্রমে ভাগি করণ।	<b>~</b>	<b>~</b> g	<b>^6</b> y	<b>4</b> 5	<b>1</b> 95	म् क्लिकि। क्
			उंभिक्तारुत्र कथा	8.		
÷	ওয়াবন্ট বিনা ধ্ৰত ক্রিবে না।	 म भ	হাজিরজামিন সওয়া যাইতে পারে।	হাজিরজামিন সওয়া কেবল সামান্য কোন যাইতে পারে। ব্যক্তির ক্ষতি কি হানি করা গোল রকা করা যাইতে	ও মাস পৰ্য্যন্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদণ্ড কিমা অৰ্পদ্ভ কি ঐ কুট দণ্ড।	কোৰ মাজিষ্টেই।
অপকার করিয়া ৫০ টাকা কি ডদপ্রক অপুচয় করণ।	<b>1</b> 5y	ওমার ত	<b>9</b>	<b>*</b>	ং ধংগর প্রিস্ত কোল এক একান্তের কারাদঙ কিষা অধ্দঙ কি ঐ গুই দঙ।	त्विमिरुजी मान्नि- त्वेष्ठे किया श्रम कि क्षितीय त्यानीय- मान्निक्षिते
১০ টাকা কি ভদধিক মূল্যের কোন জন্তকে হত্যা করিয়া কি বিষ খাওয়া- ইয়া কি অঙ্কহীন কি অকর্মণ্য করিয়া জপকার করে।	ওয়ারন্ট বিনা ধ্রন্ড করিভে পারে।	ভূ ভূ	*ড	त्रका क्या यां हेट छ शास्त्र जा।	*9	4

1.

		(	( )64	· )		
(ममेन वात्तावर किया (कामिएकभी माखिएको किया। क्यम कि विजीस (खनेत माखि-	<b>*</b>	ੇ	<b>49</b>	সেশন আদালভ।	(अभिएएको गाकि- क्रिके किथा अथम किषिधोम्न क्रिकोन	(सम्बर्ग थामान्त ।
৫ বংসর পরিভা কোন এক অকারের সেশন কারাদণ্ড কিয়া অর্পদ্ভ কি ঐ চুই দণ্ড। কিয় মাণ্ডি	^9y ^9y		৫ বংসর পর্যান্ত কোন এক একারের কারাদণ্ড ও অর্পন্ত কি ঐ হুই দণ্ড।	৭ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকাবের কারাদণ্ড কি অর্পদণ্ড কি ঐ গুই দণ্ড।	১ বংশর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ কি অর্পদ্ভ কি ঐ চুই দ্ভ।	৭ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদন্ত ও অর্থনন্ত।
<b>િ</b>	^sy ^sy		<b>প্</b>	<b>^b</b> y	<b>^9</b>	<del>^9</del>
'ষ্ট্য	<b>^</b> g <b>^</b> g		<b>~</b>	<b>*</b> 9	^গু	∕ <b>'</b>
· *	^sj ^sj		<b>~</b>	~ <del>*</del>	*	<b>~9</b> y
<b>*</b>	<b>^6</b> y <b>∕</b> 6	T	—- ~ <del>~</del>	⁄ন্থ	ওয়ারক্ট বিনা ধুও করিবে না।	ওয়ার <b>ন্ট</b> বিনা ধৃত করিতে পারে ।
হজীর কি উটের কি বোড়া প্রভৃতির যে  মূল্য হউক ভাহাকে কি € । চাকা কি  ভদাধিক মূল্যের অন্য জন্তুকে হভা। করিয়া কি বিধ শাওয়াইয়া কি অজ- হীন কি অকর্মণ্য করিয়া অণাকার	জ্ঞাত্ত্বাসকরণদ্বারা কৃষিকর্ম প্রভৃত্তির অপকার করণ। বাক্তপন্ন কিরণ।	পুৰুক্ত নদী-বা জ্বলপ্ৰেৱ হানি কৱিয়া ভাহা গ্যনাগ্যনেৱ অ্যোগ্যক্ত্ৰণ ছাত্ৰা বা ডাহা দিয়া নিরাপ্দে গ্যনাগ্যনের বা ধ্ব্যুদি চালানের ব্যাঘাড ক্রণ ছারা	ष्येशकांत्र कत्रन। वन्ता कत्राहेश कि ताक्कवीय नतम्या ज्यत्ताथ	করাইয়া অপচয় সহিত অপকার করণ। দীপগৃহ কি সমুদ্রে জলের নিশানী নউ কি ছানাস্তর কি পূর্বাপেক্ষা অকর্মণা করিয়া কি মিখ্যা আলো দেখাইয়া	অপকার করণ। রাজকীয় কার্য্যকারক ভূমির সীমার চিহু দিলে ভাহা এই কি স্থানাস্ত্রাদি করিয়া অপকার করণ।	অগ্রে ধারা কি শক্করিয়া জ্বলিয়া উঠে এমত দ্রেরে ধারা ১০০১ কি ভদধিক টাকা প্যাস্ত কিয়া ক্ষিজাত দ্বাহ হইলে ১০১ কি ভদ্যিক টাকা প্যাস্ত ক্ষাভি করিবার অভিলায়ে অপকার করণ।
<b>№</b>	° ° °		30	9 9 8	& 9 8	÷

<b>.</b>	त्य जामामाः इत्र विठादी।	त्मां मामान्छ।	*	<b>-</b> 95	<b>^9</b> j	<b>^9</b> ;
-	ভারতবর্ষের দ্রুবিধির আহিনম্ভ দণ্ড।	যাবজ্জীবন দীপান্তর প্রেরণ কি ১০ বং সর । পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও	অৰ্পদ্ভ। ১০ বংসর প্ৰ্যুক্ত কোন এক প্ৰকারের। কারাদ্ভ ও অৰ্পদ্ভ।	যাবজ্জীবন দ্বীপান্তর প্রেরণ কি ১০ বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও	অংগদ্ঞ। ১০ বংসর পর্যন্ত কোন এক গুকারের	ক'রাদণ্ড ও অ্থন্ড। ৫ বংসর পর্যন্ত কোন এক একারের কারাদণ্ড ও অ্থন্ড।
ð	वक्। केत्रा घाटेएड माद्व किमा।	त्रका कन्ना घाहेए अ भीदि मा	<b>∕\$</b> T	<del>च</del> ु	*ড্য	<b>∕9</b>
8	হাভিত্তজামিন লওয়া যাইতে শারে কি ন'।	शिक्तिकायिन न ७३। विका क्या याहेट उ	⁄গু	∕ <del>§</del> j	<b>~9</b>	^9
• 60	मायामाङः श्रथाय अञ्चायके या मयम मिट्ड श्रम	ওমারক্	<b>~9</b>	<b>∕9</b>	^9	<b>~9</b> y
Þ	लीलीम अधावकी मामानाजः श्रक्षाय विमा क्षण्ड कविराज अद्यावके दा मधन नारव कि मां। निराख रुष्ट।	अशव <b>े वि</b> न। ४७ कतिए	भू - क	<b>19</b>	**************************************	<b>1</b> 8y
~	अनिवाद ।	८०७ घर थाकृष्टि सके कविवाब जिल्लाह्म अग्नादके विमा अग्नादके जिल्ला मिन मिन किया कृषिया छोटे पुरु कविएड	অৰ্ড সংগ্ৰাগ্ৰাগ্ৰাগ্ৰাগ্ৰাগ্ৰাগ্ৰাগ্ৰাগ্ৰাগ্ৰা	अधित कि मैक कतिया क्विता छेटी अगुरु सर्वात क्षांता शुर्क शांतात निष्ठि अश्वात कत्रन।	किर्यामि कतिवाद अञ्चित्रात्त्र त्नोकामि छ्लाम कि छाक्राम ठिकाउन।	শ্রাণনাশের কি পীড়া প্রভৃতি জন্মাইবার উদ্যোগ করিয়া!অপকার কন্ত্রণ।
^	क्र	အ ၅	6° 99 80	<u>}</u> 29 ∞	<b>%</b> 9 8	° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° °

_
F
42
kx
44194
٧
M
V
<u> </u>
200
$\simeq$
ब्राह्म दिन
k÷
5
īz
1
V
⋍
3)
এপৰ শ্ৰহাৱে
<b>V</b> .
5
न

688	অপরাশভাবে অন্ধিকার প্রেশ	:	ওয়ারক্ট বিনা	मयन	হাজিরজামিন ল ওয়া	दका कदा याहेए	হাজিরজামিন লওয়া রকা করা যাইতে ৩ মাস পর্যন্ত কোন এক প্রকারের ক্রার্থ-	Casta arthursts
•			ধুত করিতে		शहरक भारत।	भारत्र ।	मिछ किया ६००, होका जुरमूक कि छ	を行うないでいた。
			भारत ।				- Sur News	
∞ ∞	৪৪৮   প্ৰস্তুহে অনাধকার প্ৰবেশ	:	<b>^5</b> y	ওমারক	<b>4</b> 5	*জু	) व्यम् । अर्थित भर्षास्त्र क्षांत्र अर्क क्ष्मार्वत	<b>-%</b>
							काबाम्छ किया ३०००, क्रोंका ज्यंत्रम्छ	
0			,		1		कि ज ग्रहे मछ।	
6		वर्गवाब	<b>y</b>	'গু	शिष्करकाधिन न उम्रो तका करा शहरड	वको कन्ना याहरू	योवस्कीयन बीमास्त्र (श्वत्र कि ३० रमना स्मामाम्	त्मन्त व्यक्तिन्त
-	কারবার জনে। প্রগৃহে অন্থিকার	न्यिकाद्र			याहत्व मा	शोद्ध मा	बरमत शरीख किंग शिवाम महिल	
-							কারাদ্ধ এবং অধ্যূত্ত	

		_		( 367 )		
• • • • • • • • • • • • • • • • • • •	त्कान्याक्तिक्षः।	সেশন আ্লান্ত কিছা শোসভেপ নাজিকেই কিছা	थ्यंय कि बिडीस टबेंगित यांकि केंगे	(समित्रक्ती माक्ति- क्रिके किंचा अवस् कि विशेष त्यानीत	लिग व वामान किया। स्विमित्यं भी मासि स्वेष्ट कि क्षाम कि	alferda Cutata
প্ৰকারের	थक्रिव	थकात्व		कि की इस	এক থিকারের	क्षेत्रं व
<b>1</b>	<u>ब</u> ी	<b>5</b>		A A	16- €1	
১০ ব্যুমর প্রিন্তু কোন এক প্রকারের কারাদ্ভাত আর্থন্ত।	ং বৎসর পরিজ্ঞ কোন কাবাদণ্ড ও অধিদ্ঞ।	ণ বৎসর প্র্যন্ত কোন ক্যারাদ্ভ ও অর্গদ্ভ।	<b>-%</b>	ং বংসর পর্যান্ত কোন কারাদণ্ড ও অর্পদণ্ড।	ও ৰংসর প্ৰ্যুক্ত কোন কান্নাদণ্ড ও অৰ্গেন্ড।	১০ বংসর পর্যন্ত কোন এক কারাদঙ ও অর্পদৃত
⁄9 <del>y</del>	<b>^6</b> j	~ <del>~</del>	<b>~</b> €	<b>্</b> জ	<b>∕</b> 9	<b>*</b>
<b>3</b>	হাজিরজায়িন ল ওয়া যাইতে পারে।	হাজিরজামিন লওমা যাছবৈ না।	<b>-%</b>	<b>্ৰ</b>	<b>∕9</b>	<b>*9</b>
<b>'6</b> 3	<b>~</b>	^৳	<b>^</b> y	<b>~</b> 9	<b>্</b> ড	**
<b>^9</b> .	^9্য	े <sup>9</sup> र्ज	শু	<b>্</b> ড	*	<b>19</b> .
যাবজ্ঞাব্দ দীপাজ্জর প্রেরণ দণ্ডের উপ- যুক্ত কোব, অপ্রাধ, করণার্থে পরস্থ্যে জনাধিকার এবেশ।	কারাদভের উপযুক্ত অপরাধ করণাৰে পরস্তুতে অন্যিকার প্রবেশ।	) हिस क्यनीत्थ श्रद्भाव ।	ণীড়া জ্মাইবার কি আক্রমণ প্রভৃতি করিবার উদ্যোগ করিয়া পরগৃষ্ অন- ধিকার প্রবেশ।	<u> </u>	কারাদঙ্কের উপায়ুক্ত অপারাধ্য করণার্থে লুক্তাদিডেরণে প্রগ্ছে অন্ধিকার প্রকেশ কিয়া গ্রভেন্ন করণ।	ুরি করণার্থে হ্টকে 
e es 00	. <b>8</b>	•	**	၅ မ ထ	00 49 90	

_	·	9	σ.	¥	a		٨
<b>E</b>	A Partie	পোলীস ওয়ারণ্ট বিনা যুত করিডে পারে কি না।	সামান্যতঃ প্রথমে ওয়ার <b>উ</b> বা সমন দিতে হয়।	হাতিবজামিন লওয়া মাইডে পারে কি না।	ন্ধকা করা দাইতে পারে পারে কি না।	ভারতবর্ধের দঙ্বিধিব]আইনমত দঙ।॰	ষে আদানতের বিচার্ধ।।
49 39	পীড়া জন্মাইবার কি আক্রমণ প্রভৃতি করিবার উদ্যোগ করিয়া লুক্নান্নিডরণে পরগূহে অন্ধিকার প্রবেশ কিছা গৃহ- ভেদ করণ।	ওয়াবন্ট বিনা ধুড করিভে পারে।	अप्रविके	शिक्त्रकामिन न७ग्ना योहेत्व ना ।	রকা করা ঘাইতে পারে না।	১০ ব্ৎসর প্র্যন্ত কোন এক একারের কারাদন্ত ও অর্থদন্ত।	সেশন আদানত কিছা প্রেসিডেণ্ মাজিফেট কিছা প্রয় শ্রেণীর
9) &	রাত্রিয়েগে <b>দুকারিডয়</b> পে পরগৃহে অনধি- কার প্রবেশ কিন্তু।	<b>^9</b> 3	<b>1</b> 9	<b>∕</b> 9g	<b>~9</b>	ও বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	तम्मेव जामिन्छ किया (क्यिन्छिमे याखिरक्रिके किया क्या कि विछोत्र ट्यमीत्र याखिरक्रेहे।
€ 44 90	কারাদভের উপযুক্ত অপ্রাধ ক্রণার্থে রাদ্রিযোগে লুকায়িডরূপে প্রগৃহে অন্থিকার প্রেশ কিছা গৃহক্তেদ ক্রণ।	<b>^5</b> ·	<b>*</b>	<b>્</b> લું -	<b>ત્ર</b> ત્	<ul> <li>ব্যাদ্ধ ও অর্থদ্ধ।</li> </ul> কারাদ্ধ ও অর্থদ্ধ।	<b>19</b> 4
	চুৱি করণাৰ্শে হ্ছলে পীড়া প্রচ্ছভি জ্বসাইবার উদ্যোগ করিয়া রাজিযোগে প্রায়িডরুপে, পরগৃহে অন্যিকার প্রবেশ কি গৃহভেদ করণ।	^9g	क्रे क्र	<b>9</b> g <b>∕9</b> g	F 'G		प्रमान जापनि किश्वा स्थिति एक मी माकि- स्क्रेष्टे किश्वा व्यव्यम्
/A **	লুক্কালিডমশে প্ৰসূহে অমাধিকার এবেশ কিছা সৃহভেদ করণ কালে গুৰুভর পীড়া জ্মাওন।	<b>~</b>		<b>*</b>	<b>∕9</b>	যাবজ্জীবন দ্বীপান্ত্তর প্রেরণ কি ১০ বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থন্ত ।	সেশন আদালভ।

*							
• •	•	প্রেসিডেপী মাজি- ক্টেট কিয়া এগম	কি ৰিঙীয়	মাজিক্টেট। সেশন আদালত কিন্তু।	त्यभिष्टभी माकि-	কে দিতীয় <u>কে</u> বী	माजिएको ।
*		ংবংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের প্রেসিডেন্সী মাজিক- কারাদণ্ড কিয়া কর্পন্ত কিয়া ঐ ছঙ্ ফ্রেট কিয়া এবস্থয়		kx	কারাদেও কি অথদিও কি এ সুই দও।		
<b>~</b>		<b>ি</b> ন্য		<b>∕</b> €9			
<b>(S)</b>	•	হাজিরজামিন লওয়া ঘাইতে পারে।		<b>প্</b> য	-		-
∕ <b>©</b> j		'ব্য		<b>^</b>			
*গ্ৰ	• .	<b>'</b> ন্য		<b>^</b>			
86° সাহিষোগে গৃহভেদ করণ অভৃতি দাবে	ামালও ব্যাক্তনের মধ্যে একজন কর্ত্তক প্রাণনাশ কি শুক্তর পী চা জন্মাওন।	৪৬১ বন্ধ বাক্স প্রভৃতিতে কোন সম্পত্তি আছে কি থাকা অস্তুত্ত করিয়া শঠতার্ম	ভাগ ভাকন কি খুসন।	৪৬২ বন বাল এড়তি কোন ব্যক্তির জিমায়	্যানা বেনে ওবিলৈও কোন বানাকে ভাছে কি ধাকা অফুভাব ক্রিয়া ওব-	কৰ্ক তাহা প্ৰতাৱশাক্ষমে খুলন।	
<b>\$</b>		8 ት		<b>4</b> ∕ 39 <b>60</b>	•		

১৮ অঔদিশ অধায়ে।—দুনীন সম্পূর্নীয় ও শিল্প ব্যবসায়ির কি স্থানিত্বসূচক চিক্ন বিষয়ক অপরাধের কথা।

~	জ ৫ ৫	কেয়ারণ্ট বিনা ধুড করিতে	ওয়া <b>রণ্ট</b>	হাজিরজামিন লওয়া যুহতে পারে।	त्रका कत्रा याहर शीरत मा	হাজিরজামিন লওয়া রকা করা মাহতে ২ বসংসর পথ্য কোন এক প্রকারের মাইতে পারে। পারে না। কারাদ্ভ কি অর্পভ কি পুছ্দেও।	সেশন আদাৰত
<b>ئ</b>	. 8.১১ রাজকীয় কার্যকারকের রাজ্বন্ত আদাস্ত দশ্বকীয় কোন রিকার্ড কিয়া জন্ম	জু	<b>*9</b>	श्वितकायिन न उहा याहेट्य मा।	<b>~</b> j	ণ ব্ৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও স্থদিও।	<b>~9</b>
88 9)	প্ৰভাতির রোজকরো ক্লাত্ৰম করণ। কোন মুসাবাম নিদশ্নপাত্র কি উইস কিষা মুসাবাম নিদশ্নপাত্র প্রস্তুত কি হস্তান্ত্র করনোর কিষা টাকা এইলের ক্ষমতাপা <u>র</u>	<b>~</b> 9	<b>∕6</b> j 	<b> </b>	<b>*9</b>	যাবজ্জীবন দীপাশুর প্রেরণ কি ১০ বৎ- সর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারা- দণ্ড ও অর্পদণ্ড।	<b>9</b>
	ফ্রিম করণ। সেই মুস্বান নিদশ্লগাত্র ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের প্রমিস্ত্র নোট ছহল।	<b>4</b> 9	<b>^9</b>	<b>~ ⊕</b>	<b>*9</b>	<b>^9</b> y	<b>*9</b>

ير	<b>.</b>	যে আদালতের বিচাধ্য।	রর সেশন আদলিত।	<b>~</b> ⊌	<b>~9</b> 7	<b>A</b> y	<del>کی</del> ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔	<b>19</b> • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
•	•	ভাষতবৰের দণ্ডবিধিব আইনমত দণ্ড।	৭ ব্ৎসর পুর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থন্ড।	ও বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদ্ড।	কুত্রিম করণের যে দণ্ড সেই দণ্ড	<b>~</b> §j	যাবজ্জীবন দ্বীপাশ্তির প্রেরণ কি ৭ বৎ- সর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	৭ বংসর পর্যন্ত কোন এক একারের কারাদণ্ড ও অর্থন্ত।
	Đ	दक् कर्वा य: इंटिंड भाइड	त्रको कन्ना याहेट अ शास्त्र ना।	<b>*</b> 9	<b>^8</b> y	<b>*</b>	প্স	<b>*</b> 9
	b	হাজিবজামিন লওয়া যাইতে পা <sup>েক</sup> ন	হাজিরজামিন লওয়া যাইতে পারে না।	হাজিরজামিন ল ওয়া যাইতে পারে।	<b>^6</b> y	<b>∕9</b>	<b>-</b> • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	^Bgr
	æ	নামান্যভ:প্রথমে এয়াবঔ বা সমন দিতে হয়।	ওয়ারউ ···	<b>∕5</b>	<b>~</b> ∮	<b>.</b> *9	শ্ব	<b>1</b> 59
	9	ल्मानीम डघांत्रके रिज्ञ भुष्ट कविट्ड भएव कि सः।	ওয়ারন্ট বিনা ধুড করিভে পারে।	—— —— ; <i>'</i> षु	<b>∕</b> §	<b>18</b> 9	~ ·	<b>1</b> €5
		क्षा निवास	বঞ্চনা করণাথে ক্যন্তিম করণ	কোন ব্যক্তির স্থাপতির হানি করণার্থে কিয়া ডদভিপ্রায়ে ব্যবহার হইবে	জানিয়া কুত্রিম করণ। কুত্রিম দলীল জানিয়া তাহা প্রকৃত দলী-	ल्बद मञ वावश्व कवन। के कृत्विम मनीन ভावज्वर्यत शवन्त्यरकेत वासमित बाहे श्रहेल।	ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আহিনের ৪৬৭ ধারায়তে দণ্ডনীয় জালকরণ অপরাধ করিবার মানসে মোহর কি পট্ট প্রভৃতি প্রস্ততকরণ কি ক্রিন্রি করণ, কিষা কোন	<ul> <li>মানসে নিকটে রাখন।</li> <li>ভারভবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৪৬৭ ধারা ভিয় অন্য রপে দণ্ডনীয় জাল করনাপরায় করিবার মানসে মোহর কি পট্ট প্রভৃতি গুস্তুত করণ কি কুন্রিম করণ, কি কুন্রিম জানিয়া ভদ্রেপ ঘানসে ভদ্রপ কোন মোহর প্রভৃতি নিকটে ভদ্রপ কোন মোহর প্রভৃতি নিকটে</li> </ul>
i,		- IG.	.A. ≥9	જ જો <b>જ</b>	86 86 87	1	* C	• 9 •

ব্যবসায়ির ও স্বামিক্ষের চিক্ত।

		•		( )94 )			
P	ৰে <del>অ'লাল</del> ডের বিচাধ্য⊹	প্রেসিডেন্সী মাজি- ফ্রেট কিন্তা প্রথম কি বিতীয় শ্রেণীর	- <b>A</b> y	সেশন আদালভ কিশ্ব। প্রেসিডেপী মাজি- ফেট কি প্রথম শ্রেশীর মাজিফেট।	<b>^</b>	প্রেসিডেপ্য মাজি- ক্টেট কিছা প্রথম কি ছিতীয় শ্রেণীর	সেশন আদালত কিয়া ু্ুসিডেজী মাজিক্টে কিয় লগ্ম কি দিঙীয় শ্ৰেণীর মাজিক্টে।
σ	ভাততবৰ্ধৰ দশুবিধিৰ আইলমত দশু	১ বৎসর পৃষ্ঠান্ত কোম এক প্রকারের কারাদেও কিছা অর্পন্ত কি ঐ হুই দও।	ং বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কিয়া অর্থন্ড কি ঐ ঘুই দণ্ড।	ত বৎসর পৰ্য্যন্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	ত বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ কিছা অর্পভ কি ঐ সূই দঙ।	১ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কিষা অধদ্ভ কি ঐ ফুই দ্ভ।	ও বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কিয়া অর্পদ্ড কি ঐ ঘুই দণ্ড।
n	বন্ধা কৰা যাছতে পাৰে কি না:	दका कदा घाहे <b>एड</b> शाद्ध मा।	<b>*</b> 9	∕জু	<b>∕</b> ©j	°€j	<b>~</b> 5
•	श्रुकिवकार्यन संख्या बाद्देट भारत कि मा	হাঞ্জিরজামিন লওয়া যাইতে পারে।	<b>1</b> 9	* জ	<b>~</b>	^জু	<b>4</b>
. —	आय'नाडः खश्स ६माश्के दा मयन मित्ठ क्ष	ওয়ারক :::	<b>4</b>	ंड स्ट <b>४</b>	<u>^€</u>	<b>G</b> y	<b>19</b>
9	পেলীস ওংবেউ হিন: মুত কবিতে পাহে: কি না।	ওয়ারণ্ট বিশ: ধুড করিবে শা।	र्ष्ट्र	শ্ব		49	*ড়
W	अप्रवांद ∙	কোন ব্যক্তিকে বঞ্চনা কি ভাহার হানি- করণাথে ব্যবসায়ের কি স্বায়িত্ত্র কুত্রিম চিহ্ন ব্যবহার করণ।	অপচন্ত্র কি হানি করিবার মানসে অনোর বাবহাত ব্যবসায়ের কি স্বামিত্ত্বের চিহ্ন ক্তিম করন।	রাজকীয় কার্যকারক স্থামিত্র যে চিহ্ন কিয়া কোন দ্ব্য প্রস্তুত করণের স্থান গুণাদি জানাইবার জন্ম, যে চিহ্ন ব্যবহার করেন, ভাহা কুক্রিম করণ।	সাধারণ কি ব্যক্তি বিশেষের স্থামিড্রে কি ব্যবসায়ের চিক ক্রিছি করণার্থে কোন ছেনি কি পটু কি জন্য দ্ব্য প্রভারণ। করিয়া প্রস্তুত করণ কি নিকটে রাখন।	স্থামিত্ত্বে কি ব্যবসায়ের কুদ্রিম চিন্সিভ কোন দ্রব্য জ্ঞানপূর্কক বিক্রুয় করণ।	যে বন্তাতে কি আখারে যে দ্বব্য লা থাকে ভাহাতে দেই দ্ব্য আছে এমত বিশ্বাস জ্পাইবার নিমিতে প্রভারণা করিয়া ভাহাতে মিশ্বা চিক্ন দেওন প্রভৃতি।
^	म्ब	) à · .	% %	∞ <b>b</b>	∞ 'y €	<b>2</b>	۵۵ پ

•	۵	9
J	٦	v

n ***	প্রেসিভেন্সী মাজি- কেট কিয়া প্রথম কি ছিতীয় ভোশীর মাজিটেট।
<b>1</b>	১ বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদঙ কিয়া অর্পদ্ভ কি ঐ গুই দণ্ড।
<b>'</b> \$1	*
<b>*</b> 9	<b>∕9</b> 
৪৮৮ এক কণ কৌল মিধ্যা চিক্ন ব্যবহার করণ	হাৰি করিবার অভিশ্রমে কোন স্বাযিদ্ধের চিক্ন লোপ কি নস্ত কি বিক্সন্ত কর্ণ।
***	3

۶.

১৯ উৰ্বিংশ অধন্য।—অপুরাধ ভাবে চাক্রির চুক্তিভঙ্গের কথা।

( ) 90	)	
्थितिएएकी माकि- क्ट्रिट किया अथ्य कि विजीस ज्योनी माकिक्टि।	.⁴ • <del>•</del>	<b>~</b> €
১ মাস পাৰ্যান্ত কোন এক প্ৰকারের কারা- দও কি ১০০, টাকা অৰ্থন্ত কি প্ৰত্	ও মাস পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারা- দত কি ২০০, টাকা অর্থদ্ভ কি প্র হুই দ্ভা	এক মাস পৰ্যন্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদণ্ড কিয়া যত টাকা ব্যয় হইয়ছে ভাহার দ্বিগুণ অৰ্পন্ত কি ঐ চুই দণ্ড।
রকা করা ঘাইতে পারে।	<b>^</b> 59	<b>*</b>
হাজিরজামিন লওয়া রকা করা যাইতে মাইতে পারে।	· **	<b>*</b>
द द द <b>र</b>	*	- <b>Q</b> J
ওমারণ্ট বিনা ধ্ৰ ক্রিবে শা।	3	4
জলপথে কি ছ্লপ্থে গ্ৰান সম্ভ্ৰে চাক্ৰি ক'ৰ্ডে কিয়া কোন ৰাজ্জির কি দ্ৰব্যের বৃদ্ধাবেশ্যুণ ক্রিডে কি কোন ব্যক্তিকে বা দ্বাকে লইয়া যাইতে চুক্তিজ্যে বন্ধ ছইয়া ভাহা করিতে ইচ্ছাপূৰ্বক ক্রা	করণ। অক্ষা ব্যক্তির সেবা করিতে যা তাহরি প্রেট্ডের সেবা করিতে যা তাহরি প্রেট্ডের মি মব্য দিতে বন হয়। জাছা রিরতে কি দিতে ইচ্ছাপুর্বক ক্রাটি	৪৯২ চুজিক্রমে নিযুক্ত কোন ব্যক্তির কতক্ ক'লের নিমিক্তে চাকরিকরণার্থে নিয়োগ কর্রর বায়ে দুরদেশে নাভ হইয়া ভংগায় ইচ্ছাপূর্বক চাকরি পরিভাগে করণ কিয়া কর্ত্ব্য কর্ম করিডে স্বীকার না
° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° °	200	72 78 90

२० विश्म षाशांत्र ।—विवाङ् मन्त्र्यकींत्र षाभाराष्ट्रत कथा।

	्य जाष्त्रवाहकत्र विकासी	সেশন আদ্বালভ ৷	<b>4</b> 9	<b>∕9</b>	<b>-9</b> 5	तमान वामानठ, त्यमिएङमी याक्नि छोडे किया अथग त्युनीय याखिछोडे।	ट्टाजिएडजी याकि- ट्रिके किया ध्यय क्रिकिडोम ट्योगिय याजिएके
	ভারতবর্ষের স্ববিধির আইনম্ভ দ্ব	১০ বৎসর পর্য্যন্ত কোনা এক প্রকারের কারাদণ্ড ও স্ <sup>র্থ</sup> দ্ <b>ন</b> ।	৭ বৎসর পর্যান্ত কোন এক শ্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	১- বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	৭ বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	৫ বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্থদ্ভ কি ঐ গুই দণ্ড।	২ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ত কিছা অর্পদ্ত কি ঐ চুই দণ্ড।
•_	दछ। कवा धार्टेए७ गाइ किला।	त्रको कन्ना योहेर्ड नारतःसा	<b>∕9</b> j	<b>^9</b> 5	<b>^9</b> J	त्रको करा धाइत्ड भारत्र।	<b>-9</b>
2	হাজিয়জামিন লওয়া ঘাইতে পাৰে কি না।	হাজিরজায়িন ল ওয়া ঘাইবে লা।	হাজিবজামিন লওয়া মাইতে পারে।	হাজিরজামিন লওয়া যাইবে না।	<b>4</b> y	হাজিরজ্বামিন লওয়া যাইতে পারে।	শুৰু
80	সামান্যত: প্ৰধ্মে ওয়াৱণ্ট বা সমন দিভে হয়	ওয়ার <b>্ট</b>	<b>4</b>	<b>7</b> 5	<b>4</b>	<del>*9</del>	<b>*</b>
,	শোলীস ওহাবন্ধ দিনা বৃত্ত কবিত্তে গাবে কি না।	ওয়ারণ্ট বিশা ধুত করিবে শা।	<b>4</b> 9	^জু	<b>4</b>	<b>1</b> 8y	<b>*</b>
~	<b>प्रा</b> नेवास -	বৈধ বিবাছ না ছছলেও কোন পুক্ষ বঞ্না ছারা বৈধ বিবাহ হুইয়াছে জীর এম্ড বিশ্বাস জ্মাইয়া ভাহাকে সহ-	বামির কি ভাষ্যার জীবদলায় পুনশ্চ বিবাহ করণ।	ষাহার সজে বিবাহ হছঁবে ভাহার নিক্টে পূর্ব বিবাহের রভান্ত প্রকাশ না করিয়া ঔ অপনাশ করন।	বিধি প্ৰকি বিবৃত্ত হইল না জ্বানিয়াও প্ৰভাৱণা পুলক কোন ব্যক্তির বিবা- ছের অনুষ্ঠান করণ।	아디 때 카지리	বিবাহিতা দ্বীলোককে অপরাধ্তাবে তুলা- ইয়া সওম কি হরণ করণ কি আটক করিয়া রাখন।
	je je	9	% %	7) 7) 9)	과 /삼 (86	т Л Ф	). /e ©.

यभविष्टिम् कथा
र श्वारम्
Ĩ
<u>-</u>
ज्यसम्ब
<u>अकिविश्य</u>
(ب
~

(मनेन वामानर किया त्यमित्यमी याखिक्रिके किया व्यक्तात्यभीवयाखिन	- <b>1</b> 9 - <b>1</b> 9		কোৰ মাজিকেট	त्धिमिएड की यांकि- क्रिडे किया अध्य कि पिडीम्र खिनीत	<b>1</b> 97	त्रमन पारांनड किश्वा ट्यितिएडमी गांकि- ट्येडे किश्वा द्यंग्र
বিনা পরিশ্রমে ২ বৎসর পর্যন্ত কারাদণ্ড কিছা অর্পদণ্ড কি এ চুই দণ্ড।	-Og -Og	ও ক্লেশ দিবার কথা।	ং বংশর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্পদ্ভ কি ঐ মুক্দিও।	<b>-%</b> y	<b>~</b> 9j	<ul> <li>বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের</li> <li>কারাদণ্ড কি অর্থদণ্ড কি ঐ গুই দণ্ড।</li> </ul>
दका कदा शहेर् शीख।	<b>^9 ^9</b>	্ ২২ ঘাবিংশ অধ্যায়।—অপ্রাধ ভাবে ভয় জমাইবার ও ল্পমান করিবার ও		त्रका कड़ा वाहेए भारत जा।	त्रका कदा श्रहेरड भारत	द्रका क्या घाष्ट्र शास्त्रमा
হাজিরজামিন লওয়া যাইতে পারে।	 ·*y *y	ভয় জমাইবার ও	हाक्रित्रक्षायिन ने उग्ना दका क्या याहेए याहेएक भारत ।	হাজিরজ্ঞামিন লওয়া মাইতে পারে না।	शिष्टियकायिक मुख्या तका क्या	- 83 ( 9 )
ওয়ার্জ ে	^ <b>3</b>	অপরাধ ভাবে	ওয়ার <b>উ</b>	<b>√જ</b>	*9	<b>^9</b> j
ওয়ারক বিনা ধুড করিবে না ৷	<b>4 4</b>	ল অধ্যায় ।—	<b>টে</b> বিনা করিবে	<sup>°89</sup> हि	<b>⁴</b> 9	Agr
सर्गिम क्द्रन	কোন বিষয় অপবাদজনক জানিয়া যুদ্ৰিত কি খোদিত করণ। কোন খোদিত কি যুদ্ৰিত দ্ৰব্যে অপবাদ- জনক বিষয় আছে জানিয়া তাহা বিক্ৰয়	, क्ष्म ( हे स्वादिश्य	শান্তিভক্ত করাওনান্তিপ্রায়ে জপমান করণ।	সৈনোর ুঅবাধতে। কি সাধারণের শাস্তি- ভঞ্জন অপরাধ জন্মাইবার অভিশারে মিখ্যা রকান্ত কিজন্মব রাই করণ।	ৰপৱাধভাবে ভয় দশ্তিন	যদি মৃত্যু কি শুক্ষর পীড়া প্রভৃতি জমা- ইবার ভয় দশনি যায়।
•			60 6	•		

,,	~	ø	90	•	•	-	7
ation -	ो k.≥lobo	(गामीम अव्रावधे विमा वृक्ष कवित्व	শোলীস ওয়ারত সামান্যত: প্রথমে বিনা হত কবিতে ওয়ারত বা সমন শারে কি না। পিতে হব।	হাদিরভামিন লওয়া মাইতে পারে কি না।	বকা করা যাইতে পাবে কি না।	ভারতবর্ষের দুর্গুব্রের জাইনম্ভ দ্ব।	যে আৰালতের বিচাধ্য।
<b>,</b>	অনামক প্রাদি হারা কিয়া যে ব্যক্তি ভয় দশ্যি তাহাকে সতর্কগণুর্কক জ্পকাশ রাধিয়া জ্পরাধ্ভাবে ভয় দুর্গুরেন।	ওয়ার্ডট বিশা ধুত করিবে শা।	ও <u>মার</u> জার	हाक्तित्रक्षाचिन न उन्न याहेत्छ भारत ।	त्रका कता शहेर । भारतमा	পূৰ্ব ধারার দণ্ডের অতিরিক্ত ২ বংসর সেশন আদালত কিয়া পুৰ্যন্ত কোনএক প্রকারের কারাদ্ভ। প্রেসিডেপী যাজি- ক্টেট কিয়া ধাৰ্ম	तमान जातान्छ किया व्याजायक्षी माकि- क्षेटे किया क्षय व्योग्न क्षाक्षिके
• 7	পিশুরের জেশাশপাত্ত হইবে কে'ল ব্যক্তির এমন বিশ্বাস জেনাইয়া কার্য্য করাওন।	79	*	•9	*ড	১ বংসর পর্যন্ত কোনা এক অংকারের কারাদণ্ড কি অর্থদিও কিছা ঐ হুই দণ্ড।	ट्याम्राप्तका माकि- ट्येट किया अथ्या कि विजीस ट्यांगीत
^ •	দ্বীলোকের লক্ষাশীলভার ক্ষোভ জমা- ইবার অভিপায়ে কোন কথা কহন কি অঞ্চঞ্টী করণ।	*	<b>-</b> 9	<b>*</b> 9	<b>~</b> 9	ऽ वरमत भर्षाञ्च मायाना कातामक कि व्यर्गम्ख कि जे पृष्टे म्ख।	(क्रिनिएएऔं माकि- (क्रेडे किया अथ्य (ख्रोनीः व्याक्रिके।
· .	মক্ত হইয়া কোন প্ৰকাশ ছানাদিতে গিয়া কোন ব্যক্তির ক্লেশ জ্মাওন।	<b>1</b> 89	*	<b>*</b>	*	চাবিলশ ঘতী। পাৰ্য্যন্ত সামান্য কারাদণ্ড কি ১০ টাকা অৰ্থদণ্ড কি ঐ গুই দণ্ড।	কোন মাজিক্টেট।

২৩ ত্রয়েবিংশ অধনায়।—অপরাধ করিবার উদোগের কথা।

	•		भादा । 	जारां -	श्रुआंद्र	
			भावितन उपम्-	श्रहेर्ड शांद्र	भावित्न ७४-	
,	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	शहर नात	भीतिरम कि मा	ঘাহা বাহির	শা করিতে	
ब्राप्तां वाद्य	অন্যধিক কাল কারাদ্র কি অর্থদ্প কি	_	9 (3)	কিছা ওয়াবণ্ট	কারতে কি কিষা ওয়ার	क्टबा कान किया करन
नरख्त विर्घाष्ट्र मि	কারাদণ্ড হুইতে পারে ভাহার অধ্বেকের	कता याहर । भाषि-	হাজির জ্যাহিন	4	রক বিশা ধ্রত	त्मडे डेत्मार्श त्मडे ष्यश्ताय घर्षात्र दके विमा धुक मार्डः
क्ट्र जारा त्याम-	দীণান্তর প্রেরণদ্ভ কিষা যে প্রকারের	হয়, ভাহাৰ রকা	जर्भवार्थत करमा	জন্যে সামা-	নিমিত্ত ওয়া-	যোগ্য অপরাধ করিবরে উদ্যোগ ও বিয়িত্তে ওয়া- জন্যে সাম
व जनदारश्य छेमात्र	অপরাধীর কণ্শিত দেঅপরাধের উদ্যোগ অপরাধের নিমিত্তে অভ্যধিক যত কাল ঘে অপরাধের উদ্যোগ	टम जर्भन्नारथन्न ऐटम्माश	অপরাধীর কণ্শিত	ष्रश्वारश्व	এ অপরাধের	<ol> <li>षोभास्त त्थत्रनम् । कि कात्रामर ७ व व्यवदास्य व्यवदास्य</li> </ol>

অন্যান্য আহিন বিক্ষন অপ্যাধ। .

•		এই আছলের ২১ ধারার বিধানমডে।	
:	:	:	:
ब्रका कदा याहेए शादाना	*	<b>*</b>	<b>3</b>
হাজিরজামিন সওয়। বুফা করা যাইডে যাইবে না।	के कि <b>ड</b> जादस्पेयीय	जब्रिविश्वक ३৮१৮ माटनेत्र जाहैदन्त ३३ श्रीत्रांगे द्वाक्ति- क्रांगि मधिन्न हाक्तिक्यांगिन में उग्ना	<b>^</b> 9
ওয়ার্জ	<b>∕</b> 97	ह स्र भ	<b>1</b> 9
ওয়ার <b>ট</b> বিনা গুড কবিভে	- Pg	उन्नावके विना इंड केबित्व	- <b>1</b> 9
শালভের কিয়া দীপাস্তর প্রেরণদভের ওয়ার্ড বিনা কিয়া সাত বংসর কি ভদ্ধিক কার'- ধুত ক্রিডে	দভের যোগ্য হছলে। ভিন ব্যসরের অধিক ও সাভ বংসরের নান কাল কারাদভেশ্ন যোগ্য ছালে।	ডিন বৎসরের মূান কাল কার্লাসভের বোগ্যা ওয়ারক্ট বিনা ছইলে।	क्वन वर्षमत्भव वांगा हहत्न

# তৃতীয় তফসীল।

#### (৩৬ ধারা দেখ।)

#### মকংদল মাজিফ্রেটের নিয়মিত ক্ষমতার কথা।

# ১।—তৃতীয় শ্রেণীর মাজিপ্ট্রেটের নিয়মিত ক্ষমতা।

- (১) কোন ব্যক্তি মাজিস্টেটের গোচরে অপরাধ করিলে তাহাকে ধৃত করিবার বা ধৃত করিতে আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা (৬৫ ধারা)।
- (২) কোন ব্যক্তি মাজিস্টেটের গোচরে অপরাধ করিলে তাহাকে ধ্বত করিবার এবং আটক করিয়া রাখিবার জন্য সমর্পণ করিবার ক্ষমতা (৬৪ ধারা)।
- (৩) ওয়ারন্টের পৃষ্টে লিখিবার কিম্বা ওয়ারন্টমতে অন্তিযুক্ত ব্যক্তি ধৃত হইলে তাহাকে স্থানাস্ভর কর নের আজ্ঞা দিবার ক্ষমতা (৮৩ ও ৮৪ ও ৮৬ ধারা )।
- (৪) বিচার করণের ক্ষমতাক্রমে আপনার সন্মুখে যে বিষয় উপস্থিত থাকে তৎসম্পর্কে ঘোষণাপত্র দিবার ক্ষমতা (৮৭ ধারা)।
- (৫) বিচার করণের ক্ষমতাক্রমে আপনার সম্মুখে যে বিষয় উপস্থিত থাকে তৎসম্পর্কে সম্পত্তি ক্রোক ও বিক্রয় করিবার ক্ষমতা (৮৮ ধারা)।
- (৬) ক্রোকী সম্পত্তি ছাভি্য়া দিবার ক্ষমতা (৮৯ ধারা)।
- (৭) তলাশী পরওয়ানা দিবার ক্ষমতা (১৬ ধারা)।
- (৮) তলাশী পরওয়ানার পৃষ্টে লিখিবার ও যে দ্রব্য পাওয়া যায় তাহা সমর্পণ করণের আজ্ঞা দিবার ক্ষমতা (৯৯ ধারা)।
- (৯) পোলীদের অহুসন্ধান কালে যে অপরাধ স্থীকার হয় বা যে উক্তি করা যায় তাহা লিপিবদ্ধ করিবার ক্ষমতা (১৬৪ ধারা)।
- (১০) পোলাসের অভ্নসন্ধান কালে কোন ব্যক্তিকে আটক করিয়া রাখিবার অভ্যতি দেওনের ক্ষয়তা (১৬৭ ধারা)।
- (১১) অভিযুক্ত ব্যক্তিকে আদালতে পাওয়া গেলে তাহাকে ধ্বত করিবার ক্ষমতা (৩৫১ ধারা)।
- (১২) সন্দিগ্ধভাবের আশুনাশ্য দ্রব্য বিক্রয় করিবার ক্ষমতা (৫২¢ ধারা)।

### ২।—দ্বিতীয় শ্রেণীর মাজিষ্ট্রেটের নিয়মিত ক্ষমতা।

- (১) তৃতীয় শ্রেণীর মাজিয়্টেটের নিয়মিত ক্ষমতা।
- (২) মাজিফ্রেটের বিচার করিবার কি বিচারার্থে সমর্পণ করিবার ক্ষমতা থাকিলে, পোলীসকে অপরাধের অনুসন্ধান লইবার আজ্ঞা দিবার ক্ষমতা (১৫৫ ধারা)≀
  - ৩।—প্রথম শ্রেণীর মাজিষ্ট্রেটের নিয়মিত ক্ষমতা।
- (১) দ্বিতীয় শ্রেণীর মাজিষ্টেটের নিয়্মিত ক্ষমতা।
- (২) ওদম লওনের কার্যক্রমে না হইয়া স্থলান্তরে তলাশী পরওয়ানা দিবার ক্ষমতা (৯৮ ধারা) i
- (৩) অন্যায়রূপে যে ব্যক্তিদিগকে আবদ্ধ করিয়া রাখা যায় তাছাদের সন্ধান লওনার্থে তলাশী পরওয়ানা দিবার ক্ষমতা (১০০ ধারা) ৷
- (৪) শাভিরক্ষার জ্বামিন দিতে আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা (১০৭ ধারা)।
- (৫) সদাচরণের জামিন দিতে আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা (১০৯ ধারা)।
- (৬) দখলের মোকদমার আজ্ঞা প্রভৃতি করিবার ক্ষমতা (১৪৫ ও ১৪৬ ও ১৪৭ ধারা)।
- (৭) বিচারার্থে সমর্পণ করিবার ক্ষমতা (২০৬ ধারা)
- (৮) বাদী উপস্থিত না থাকিলে কার্য্যা**স্থ্রান বন্ধ করিবার ক্ষমতা** (২৪৯ ধারা)।
- (৯) স্তর: পোষণের আজ্ঞা দিবার ক্ষমতা (৪৮৮ ও ৪৮৯ ধারা)।

### ৪। — মহকুমার মাজিট্রেটের নিয়মিত ক্ষমতা।

- (১) প্রথম শ্রেণীর মাজিষ্টেটের নিয়মিত ক্ষমতা।
- (২) ভুম্যধিকারির নামে ওয়ারণ্ট দিবার ক্ষমভা (৭৮ ধারা)।
- . (৩) সদাচরণের জামিন চাহিবার ক্ষমতা (১১০ ধারা)।
- (৪) স্থান বিশেষে অনিষ্ট কার্য্য হইলে তদ্বিষয়ের আজ্ঞা প্রভৃতি করিবার ক্ষমতা (১৩৩ ধারা)।
- ু (৫) অনিষ্ট কার্য্য পুনশ্চ না হওনার্থে তন্মিবারণের আজ্ঞা প্রচার করিবার ক্ষমতা (১৪৩ ধারা)।
  - (৬) ১৪৪ ধারামতে আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা।
- (৭) কোন ব্যক্তির মৃত্যুর কারণান্থসন্ধান লইবার ক্ষমতা (১৭৪ ধারা)।
- (৮) কোন ব্যক্তি মাজিস্টেটের বিচারাধীন স্থানের বছিভূতি স্থানে অপরাধ করিলে তাঁহার বিচারাধীন স্থানের মধ্যে তাহাকে ধরিবার পরওয়ানা দিবার ক্ষমতা (১৮৬ ধারা)।
- (৯) নালিশ গ্রাহ্য করিবার ক্ষমতা (১৯° ধারা)।
- (১০) পোলাদের রিপোর্ট লইবার ক্ষমতা (১৯০ ধারা)।
- (১১) নালিশ না হইলেও যোকদ্দমা আহ্য করিবার ক্ষমতা (১৯০ ধারা)।
- (১২) অধীন মাজিফ্রেটের প্রতি মোকদ্দমা অর্পণ করিবার ক্ষমতা (১৯২ ধারা)।
- (১৩) অধীন মাজিফ্টেটের দ্বারা যে আন্ট্রানিক কার্য্য লিপিবদ্দ হয় তাহ। দেখিয়া দণ্ডের আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা (৩৪৯ ধারা)।
- (১৪) চোরা বলিয়া যৎসম্বন্ধে অভিযোগ কি সন্দেহ হয় এরপে দ্রব্য বিক্রয় করিবার ক্ষমতা (৫২৪ ধারা)।
- (১৫) আপীল ভিন্ন মোকদ্দমা উঠাইয়া লইয়া বিচার করিবার কিমা বিচারার্থে অপণ করিবার ক্ষমতা (৫২৮ ধারা)।

### ৫। —জিলার মাজিট্রেটের নিয়মিত ক্ষমতা।

- প্রথম শ্রেণীর মাজিয়্টেট হইলে মহকুমার মাজিয়্টেটের নিয়্মিত ক্ষমতা।
- (२) ডাকঘরে বা টেলিগ্রাফ বিভাগে কোন দলীলের নিমিত্ত জাশী পর ওয়ানা দিবার ক্ষমতা (৯৬ ধারা)।
- (৩) . যে ব্যক্তি শান্তিরক্ষা বা সদাচরণ করিতে নিবন্ধ আছে ভাহাকে মুক্ত করিবার ক্ষমতা (১২৪ ধারা)।
- (৪) শান্তিরক্ষার নিবন্ধপত্র রহিত করিবার ক্ষমতা (১২৫ ধারা)।
- (a) সরাসরীমতে বিচার করিবার ক্ষমতা (২৬ · ধারা)।
- (৬) কোন কোন স্থলে অপরাধ নির্ণয় অসিদ্ধ করিবার ক্ষমতা (৩৫০ ধারা)।
- (৭) সদাচরণের জ্ঞামিন দিবার আজ্ঞার উপর অপীল শুনিবার ক্ষমতা (৪০৬ ধারা)।
- (৮) দ্বিতীয় ও তৃতীয় শ্রোণীর মাজিস্টেটের দ্বারা যে অপরাধ নির্বয় হয় তাহার উপর আপীল ছইলে

   তাহা শুনিবার কি অন্যের প্রতি অর্পণ করিবার ক্ষমতা (৪০৭ ধারা)।
- (৯) কাগজ পত্র আনাইবার ক্ষমতা (৪৩৫ **ধা**রা)।
- (১০) ৫১९ धातामटङ अन्ड जाड्ड मः त्नाधम कतिवात क्वम छ। (৫১३ धाता)।

# 

## (৩৭ ও ৩৮ ধারা দেখ।)

# মকঃসংগর মাজিক্টেটনের প্রতি যে অতিরিক্ত ক্ষমতা দেওয়া ঘাইতে পারে।

	}	(3)	সদাচরদের জায়িন চাহিবার ক্ষতা (১১° হারা)।
		(1)	স্থানবিশেষে অনিষ্ট কাৰ্য্য ছইলে আজা অস্কৃতি করিবার ক্ষমতা (১৩৩ ধারা)।
		(७)	অনিষ্টকার্য্য পুনশ্চ মা ছওনার্থে ভন্নিবারণের আজ্ঞা করি- বার ক্ষমভা (১৪৩ ধারা)।
		(8)	১৪৪ ধারামতে আজা করিবার ক্ষমতা।
		(a)	মৃষ্ট্যর কারণাহসন্ধান করিবার ক্ষমতা (১৭৪ ধারা)।
		(હ)	কোন ব্যক্তি মাজিফেটের বিচারাধীন স্থানের বহির্ভূত স্থানে অপরাধ করিলে তাঁহার বিচারাধীন স্থানের মধ্যে ঐ ব্যক্তিকে ধরিবার পরওয়ামা দেওনের ক্ষমতা (১৮৬ ধারা)।
	হানীয় গ্র্পমেন্ট	(٩)	নালিশক্রমে অপরাধ আহ্য করিবার ক্ষমতা (১৯০ ধারা)।
	এই এই ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেন।	<b>(</b> b-)	
		(4)	
		(30)	সরাসরীমতে বিচার করিবার ক্ষমতা (২৬০ ধারা)।
		(22)	ষিতীয় ও ভৃতীয় শ্রেণীর মাজিক্টেটরা অপরাধ নির্ণয় করিলে ভাহার উপর আপীল শুনিবার ক্ষমভা (৪০৭ ধারা)।
<b>এ</b> খম শ্রেণীর মাজি-		(>٤)	চোরা বলিয়া ষৎসম্বন্ধে অভিযোগ কি সন্দেহ হয় এরপ দ্রব্য বিক্রয় করিবার ক্ষমতা (৫২৪ ধারা)।
ফ্রেটকে যে যে ক্ষমতা দেওয়া যাইতে পারিবে।	ে যে 'ওয়া ∱	(১७)	ষে ব্যক্তির এথমবার অপারাধ নির্ধয় হয় তাহার প্রতি আদেশ হইকেই উপস্থিত হইয়া মিশ্পত্তি গ্রাহ্য করি- বার ও ইতি মধ্যে শান্তিভঙ্গ না করিবার ও সদাচরণ সম্পন্ন হইবার আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা (৫৬১ ধারা)।
		(78)	পোলীসের ভত্তাবধানের আজ্ঞা দিবার ক্ষমভা (৫৬৪ ধারা)।
		(2)	অনিষ্ট কার্য্য পুনশ্চ না ছওনার্থে ভদ্মিবারণের আজ্ঞা করিবার ক্ষমভা (১৪৩ ধারা)।
	জিলার মাজিফ্রেট	(+)	১৪৪ ধারামতে আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা।
	সাহেব এই এই	(৩)	মৃত্যুর কারণাত্মসন্ধান করিবার ক্ষমতা (১৭৪ ধারা)।
	ক্ষমতা প্ৰদান	(8)	নালিশক্রমে অপরাধ গ্রাহ্য করিবার ক্ষমতা (১৯০ ধারা)।
Į	করিতে পারিবেন।	(¢)	পোলীদের রিপোর্টক্রমে অপরাধ আহ্য করিবার ক্ষমতা (১৯• ধারা)।
		(હ)	মোকদ্দমা হস্তান্তর করিয়া দিবার ক্ষমতা (১৯২ ধারা)।

- X		The state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the s
ৰিতীয় শ্ৰেণীর মাজি- ফ্রেটকে যে২ ক্ষমতা,	স্থানীয় গবর্ণমেণ্ট এইং ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেন।	(১) কশাঘাত দণ্ডের আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা (৩২ ধারা)। (২) অনিষ্ট কার্য্য পুনশ্চ না হওনার্থে তদ্ধিবারণের আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা (১৪৩ ধারা)। (৩) ১৪৪ ধারামতে আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা। (৪) মৃত্যুর কারণাস্থসন্ধান লইবার ক্ষমতা (১৭৪ ধারা)। (৫) না লশক্রমে অপারাধ গ্রাছ্য করিবার ক্ষমতা (১৯০ ধারা)। (৬) পোলীদের রিপোটক্রমে অপারাধ গ্রাছ্য করিবার ক্ষমতা (১৯০ ধারা)। (৭) সন্ধানক্রমে অপারাধ গ্রাহ্য করিবার ক্ষমতা (১৯০ ধারা)।
দেওয়া যাইতে পারিবে।	<u> </u>	(৮) বিচারার্থে সমর্পণ করিবার ক্ষমতা (২০৬ ধারা)। (১) অনিষ্ট কার্য্য পুনশ্চ না হওনার্থে তলিবারণের আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা (১৪৩ ধারা)।
	জিঙ্গার মাজিস্টেট সাহেবএইং ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেন।	<ul> <li>(২) ১৪৪ ধারামতে আজ্ঞা দিবার ক্ষমতা।</li> <li>(৬) মৃত্যুর কারণাত্মসন্ধান করিবার ক্ষমতা (১৭৪ ধারা)।</li> <li>(৪) নালিশক্রমে অপরাধ গ্রাহ্য করিবার ক্ষমতা (১৯০ ধারা)।</li> <li>(৫) পোলীদের রিপোর্ট ক্রমে অপরাধ গ্রাহ্য করিবার ক্ষমতা</li> <li>(১৯০ ধারা)।</li> </ul>
		(১) অনিষ্ট কার্য্য পুন*চ না হওনার্থে তন্ধিবারণের আজঃ: করি বার ক্ষয়তা (১⊀৩ ধারা)।
	স্থানীয় গ্রথমেন্ট এইং ক্ষমতা প্রদান ক্রিতে পারিবেন।	(২) ১৪৪ ধারামতে অজ্ঞা দিবার ক্ষমতা। (৩) মৃত্যুর কারণান্ত্রসন্ধান করিবার ক্ষমতা (১৭৪ ধারা)। (৪) নালিশক্রমে অপারাধ আহ্য করিবার ক্ষমতা (১৯০ ধারা)। (৫) পোলীসের রিপোটক্রমে অপারাধ আহ্য করিবার ক্ষমত
তৃতীয় শ্রেণীর মাজি- ফুটকে যেং ক্ষমতা দে ওয়া সাইতে		(১৯০ ধারা)। (৬) বিচারার্থে সমর্পণ করিবার আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা (২০৬ ধারা)।
পারিবে। •	জিলার মাজিট্রেট সাহেবএইং ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেন।	(১) অনিউ কার্য্য পুনশ্চ না হওনার্থে তন্নিবারণের আজ্ঞ। করি: বার ক্ষমতা (১৪৩ ধারা)। (২) ১৪৪ ধারামতে আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা। (৩) মৃত্যুর কারণান্সন্ধান করিবার ক্ষমতা (১৭৪ ধারা)।
মহকুমার মাজি-	স্থানীয় গ্ৰণ্মেন্ট	(৪) নালিশক্রমে অপরাধ আহ্য করিবার ক্ষমতা (১৯০ ধারা)। (৫) পোলীদেব রিপোর্টক্রমে অপরাধ আহ্য করিবার ক্ষমত
ফ্রেটকেযেং ক্ষমতা েওয়া ঘা <b>ইতে</b> পার্ব্বিবে।	এই২ ক্ষমতা প্রদান করিবেন।	(১৯০ ধারা) । ন্থী আনাইবার ক্ষয়তা (৪০ ফারা) ।

# পঞ্ম তক্দীল।

( ৫৫८ भारता (नथा )

পাঠ বিষয়ক।

১।—অভিযুক্ত ব্যক্তিকে সমন দিবার পাঠ।

( ৬৮ ধারা দেখ ।)

অমুক স্থাননিবাসী 🕮 অমুক সমীপেষ।

তোমার নামে অনুকং (যে অপরাধের অভিযোগ হয় তাহার সংক্ষেপ মর্ম এই স্থলে লিখিতে হইবে ) অপরাধের নাদিশ হওয়াতে তাহার উত্তর দিবার জন্যে তোমার উপস্থিত হওয়া আবশ্যক। অতএব তোমার প্রতি এই আজ্ঞা হইল তুমি অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আপনি (কিলা স্থল বিশেষে উকালের দ্বারা) অমুক স্থানের মাজিফ্টেটের সমুখে উপস্থিত হইবে। ইহাতে ক্রটি না হয়।

১৮ সাল ভাং

(মোহর)

(স্বাক্ষর)

### ২ 1 — রুত করিবার ওয়ার ট লিখিবার পাঠ।

( ৭৫ ধারা দেখ। )

শ্রীত্রমুক সমীপেয়। (যে ব্যক্তি কি ব্যক্তিরা এই ওয়ারন্ট জারী করিবে তাহার কি তাহাদের নাম ও পদ প্রত্তি লিখিতে হইবে।)

অমুক স্থান নিবাসী অমুকের নামে অমুক অপারাধের অভিযোগ হইয়াছে, অতএব উক্ত অমুককে ধরিয়া। আমার নিকটে উপস্থিত কর ভোমার প্রতি এই আদেশ হইতেছে। ইহাতে ক্রটি না হয়।

১৮ সাল ভাং

(মোহর)

(স্বাক্ষর)

( ৭৬ ধারা দেখ।)

এই ওয়ারত্টের পৃষ্ঠে এইরূপ কথা লেখা যাইতে পারিবে।

উক্ত অমুক যদি অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার সমুখে উপস্থিত হইবার এবং আমার প্রকারাম্ভরের আদেশ না পাওয়। পর্যান্ত উপস্থিত থাকিবার জামিন অর্থাৎ আপান এত টাকার ও একজন প্রতিভূ এত টাকার (অথবা গুইজন প্রতিভূ প্রত্যেকে এত টাকার) জামিন দেয় তবে তাহাকে ছাড়িয়া দেওয়া যাইতে পারিবে।

১৮ সাল তাং

(স্বাক্ষর)

ত।—ওয়ারণ্টক্রমে ধরিবার পর নিবন্ধপত্র ও জামিনি বঙ্গপত্র লিখিবা**র** পাঠ।

(৮৬ ধারা দেখ।)

অমুক অপরাধের অভিযোগের প্রতিবাদ করিতে আমাকে উপস্থিত করাইবার ওয়ারন্টক্রমে অমুক জিলার (কিম্বা স্থল বিশেষে, অমুক) মাজিস্টেটের সম্মুখে আমাকে আনা গোলে অমুক স্থানবাসী আমি শ্রী অমুক এতদ্ধারা প্রতিজ্ঞা করিতেছি যে আমি অমুক সালের অমুক মাদের অমুক তারিখে উক্ত অভিযোগে প্রতিবাদ করিতে অমুক স্থানের আদালতে উপস্থিত হইব, এবং আদালতের প্রকারান্তরের আদেশ না পাওয়া পর্যন্ত উপস্থিত থাকিব। তাহাতে আমার ক্রটি হইলে শ্রীশ্রীমতা মহারাণী ভারতেশ্বরীকে এত টাকা দণ্ড দিব এই মর্মের নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিলাম।

১৮ সাল তাং

( স্থা**ক**র )

যে অভিষোগে শ্রীঅমুককে ধ্বত করা গিয়াছে সেই অভিযোগের প্রতিবাদ করিতে সে অমুক মাসের অমুক ভারিখে বেলা এত ঘন্টার সময় অমুক স্থানের আদলতে উপস্থিত হইবে এবং আদালতের প্রকারান্তরের আদেশ না পাওয়া পর্যান্ত উপস্থিত থাকিবে এতদ্বিষয়ে অধি অমুক স্থানবাসী উক্ত অমুকের প্রতিভূ স্থাকার করিলাম এবং ভাহার ক্রটি হইলে আমি শ্রীশ্রীনতা মহারাণী ভারত্তেশ্বরীকে এত টাকা দণ্ড দিব এই মর্মের নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিলাম।

১৮ সাল তাং

(স্বাক্ষর)

### ৪।—অভিযুক্ত ব্যক্তিকে উপস্থিত করাইবার ঘোষণা**পত্রে**র পাঠ।

#### (৮৭ ধারা দেখ।)

আমার নিকটে নালিশ হইয়াছে যে অমুক (নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা দিবে) ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইনের এত ধারামতে দণ্ডনীয় অমুক অপরাধ করিয়াছে কি করিয়াছে বলিয়া সন্দেহ হয়) এবং তাহাকে ধরিবার জন্য যে ওয়ারন্ট দেওয়া যায় উক্ত অমুককে (নাম দিবে) পাওয়া যায় না বলিয়া সেই ওয়ারন্ট ফেরভ আসিয়াছে; এবং আমার হৃদ্বোধ্যতে প্রমাণ হইয়াছে যে উক্ত অমুক (নাম দিবে) পলাইয়াছে (অথবা উক্ত ওয়ারন্ট জারী এড়াইবার নিমিক্ত গোপনে আছে);

্র এনিমিক্ত আমি এতদ্বারা ঘোষণা করিতেছি যে অমুক স্থানবাসী অদ্যাবধি এতদিনের মধ্যে উক্ত নালিশের. প্রতিবাদ করিতে এই আদালতে (অথবা আমার সমুখে) উপস্থিত হয়, এই আদেশ করা গেল।

১৮ সাল তাং

মোহর (স্থাক্ষর)

#### ৫।—সাক্ষীকে উপত্তিত করাইবার ঘোষণাপত্তের পাঠ।

#### (৮৭ ধারা দেখ।)

আমার নিকট নালিশ হইরাছে যে অমুক (নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা দিখিবে) অমুক অপরাধ (সংক্ষেপে অপরাধের উল্লেখ করিবে) করিয়াছে (কি করিয়াছে বলিয়া সন্দেহ হয়। এবং উক্ত লালিশের বিষয় সমৃদ্ধে সাক্ষ্য লইবার জন্য অমুককে (সাক্ষীর নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে) এই আদালতে উপন্থিত করাইবার ওয়ারন্ট দেওয়া যায়, এবং উক্ত অমুকের (সাক্ষীর নাম দিবে) উপর জারা করিতে পারা যায় না বলিয়া উক্ত ওয়ারন্ট কেরত আসিয়ছে এবং আমার হৃদ্বোধ্যতে প্রমাণ হইয়াছে যে সে পলাইয়াছে (অথবা উক্ত ওয়ারন্ট জারা এড়াইবার নিমিক্ত গোপনে আছে)।

এনিমিন্ত এতদ্বারা ঘোষণা করিতেছি যে উক্ত অমুক (নাম দিবে) উক্ত নালিশী অপারাধ সন্বন্ধে সাক্ষ্য দিবার নিমিন্ত আগামি অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে বেলা এত ঘন্টার সময় অমুক স্থানের আদালতে উপস্থিত হয় এই আদেশ কর: গেল।

১৮ সাল তাং

(মোহর) (স্বাক্ষর)

### ৬।—সাক্ষীকে উপস্থিত করাইবার ফ্রোকের আ**জ্ঞ**ার পাঠ।

#### ( ৮৯ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানের পোলাস গানার অধ্যক্ষ শ্রীঅমুক সমীপেষু।

এই আদালতে উপস্থিত নালিশ সম্পর্কে সাক্ষ্য দিবার নিমিত্ত অমুক্তে (নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে) উপস্থিত করাইবার ওয়াঁরন্ট দেওয়া যায় এবং সেই ওয়ারন্ট জারী করিতে পারা যায় না বলিয়া ভাহা কেরত আসিয়াছে; এবং আমার হুছোধমতে প্রমাণ হইয়াছে যে সে পলাইয়াছে (অথবা ওয়ারন্ট জারী এড়াইবার নিমিত্ত গোপনে আছে); এবং ভজ্জন্য নিয়মমতে ঘোষণাপত্র প্রচার করিয়া আদেশ দেওয়া যায় যে উক্ত অমুক্ ভছ্লিখিত সময়ে ও স্থানে উপস্থিত হইয়া সাক্ষ্য দেয় এবং সে উপস্থিত হয় নাই।

এজন্য তোমার প্রতি অস্মতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে অমুক জিলার মধ্যে উক্ত ব্যক্তির যে অস্থাবর সম্পৃত্তি থাকে এত টাকা মূল্য পরিমিত সেই সম্পৃত্তি আটক কবিয়া ক্রোক করিবে, এবং এই আদালতের অন্যতর আজ্ঞার অপেক্ষায় উক্ত সম্পৃত্তি ক্রোক করিয়া রাখিবে এবং এই ওয়ারক্ট যে প্রকারে জারী হয় পৃষ্ঠলিপিক্রমে তাহার সার্টিফিকেট লিখিয়া এই ওয়ারক্ট কেরত পাঠাইবে।

১৮ সাল তাং

# অভিযুক্ত ব্যক্তিচে উপস্থিত করাইকর ক্রোকা আজ্ঞার পাঠ।

## (৮৮ ধারা দেখ।)

আমার নিকটে নালিশ হইয়াছে যে অমুক (নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে) ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আই-নের অমুক ধারামতে দণ্ডনায় অমুক অপরাধ করিয়াছে ( কি করিয়াছে বলিয়া সন্দেহ হয় ) এবং তদমুসারে যে ওয়ারন্ট দেওয়া যায় উক্ত অমুককে ( নাম দিবে ) পাওয়া গায় না বলিয়া সেই ওয়ারন্ট কেরত আসিয়াছে এবং আমার ছবোধমতে প্রমাণ হইয়াছে যে উক্ত অমুক ( নাম দিবে ) পালাইয়াছে ( অথবা উক্ত ওয়ারন্ট জারী এড়াইবার নিমিত্তে গোপনে আছে ) ও তজ্জনা নিয়মমতে ঘোষণাপত্র প্রচার করিয়া আজ্ঞা দেওয়া যায় যে উক্ত অমুক উক্ত অভিনোধের প্রতিবাদ করিতে এত দিন মধ্যে উপস্থিত হয়; এবং এমুক জেলার অমুক গ্রামে ( কি নগরে ) গবর্ণমেন্টে রাজস্বপ্রদায়া ভূমি ভিন্ন উক্ত অমুকের পাশ্চালিধিত সম্পত্তি আহে ও তাহা ক্রোক করিবার আজ্ঞা দেওয়া গিয়াছে।

এজন্য তোমার প্রতি আদেশ করা ষাইতেছে যে তুমি উক্ত সম্পত্তি আটক করিয়া ক্রোক করিবে এবং এই আদালতের অন্যতর আজ্ঞার অপেক্ষায় তাহা ক্রোক রাখিবে ও যে প্রকাবে এই ওয়ারন্ট জারী করা যায় পৃষ্ঠলিপিক্রমে তাহার সার্টিকিকেট লিখিয়া ইহা ফেরত পাঠাইবে!

১৮ সাল ভাং

( মোহর )

(স্বাক্ষর)

কালেক্টরস্করপ (ডেপুটি কমিশনরের দার। কেশ চ করিবার অন্মতি সুত্রক আজ্জার পাঠ।
(৮৮ ধারা দেখ।)

অমুক জিলার ভেপুটী কমিশনর সাছেব সমাপেষ্।

আমার নিকট নালিশ হইয়াছে যে অমুক (নাম বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে) ভারতবর্ষীয় দঙবিধির আইনের অমুক ধারামতে দঙ্জনীয় অমুক অপরাধ করিয়াছে (কি করিয়াছে বলিয়া সন্দেহ হয়), ও তদমুসারে যে ওয়াবকী দেওয়া যায় উক্ত অমুককে (নাম দিবে) পাওয়া যায় না বলিয়া সেই ওয়ারকী কেরন্ড আসিয়াছে; ও আমার হ্বরোধমতে প্রমাণ হইয়াছে যে উক্ত অমুক (নাম দিবে) পলাইয়াছে, ( অথবা উক্ত ওয়ারকী জারী এড়াইবার নিমিন্ত গোপনে আছে) ও তক্জন্য নিয়মমতে ঘোষণাপত্র প্রচার করিয়া আজ্ঞা দেওয়া যায়,যে উক্ত অমুক উক্ত অভিযোগের প্রতিবাদ করিতে এত দিনের মধ্যে উপস্থিত হয়, কিন্তু সে উপস্থিত হয় নাই; ও অমুক জিলার অমুক গ্রামে (কি নগরে) উক্ত অমুকের গবণমেন্ট রাজস্ব প্রদায় কিয়ৎ পরিমাণ ভূমি আছে।

এজন্য তোমাকে অনুমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে থে তুমি উক্ত ভূমি ক্রোক করাইবে ও এই আদা-লতের অন্যতর আজ্ঞার অপেক্ষায় তাহা ক্লোক রাখিবে ও এই আজ্ঞান্নসারে ভূমি যাহ। কর অবিলয়ে তাহার সার্টিফিকেট পাঠাইবে।

> ১৮ সাল তা° (মোহর) (স্বাক্ষর)

৭।--- ওরার উক্রমে প্রথমেই সাক্ষীকে আমিতে হইলে ঐ ওয়ারকের পাঠ। ( ৯০ ধারা দেখ।)

শ্রী অমুক সমাপেষু ( যে পোলাদের কর্মচারী কি অন্য ব্যক্তি কি ব্যক্তিগণ ওয়ারন্ট জারী করিবে তাহার কি ভাহাদের নাম ও খ্যাতি লিখিবে ।)

জামার মিকট নালিশ হইয়াছে যে অমুক স্থানবাদী অমুক এই অপরাধ (সংক্ষেপে অপরাধের উল্লেখ বরিবে) করিয়াছে ( কি করিয়াছে বলিয়া সন্দেহ হয় ) ও অমুক ( সাক্ষার নাম ও বর্ণনা লিখিবে ) উক্ত নালিশ সম্পর্কে সাক্ষ্য দিতে পারে এরুপ প্রতীতি হয় এবং এরূপ বিশ্বাস করিবার উত্তম ও বিশিষ্ট কারণ দেখিতে পাই যে বলপুক্ষক না আনাইলে উক্ত নালিশের প্রবণ সময় সে সাক্ষীস্বরূপ উপস্থিত হইবে না।

এজন্য তোমার প্রতি অমুম্ভি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে অমুককে (মাম দিবে) ধৃত করিবে, এবং অমুক মাদের অমুক তারিখে নালিশী অপরাধ সম্বন্ধে সাক্ষ্য দিবার নিমিত্ত তাহাকে এই আদালতে আনিবে।

আদ্য ১৮ সালের অমৃক তারিখে আমার স্থাক্ষর ও আদালতের মোহরযুক্ত হইয়া এই ওয়ারন্ট প্রদন্ত হইল।

(যোহর) (স্থাক্ষর)

৮।—কোন বিশেষ অপরাধের সংবাদ পাওয়া গেলে পর, তলাশী পরওয়ানার পাঠ।
(৯৬ ধারা দেখ।)

শ্রীঅমুক সমীপেয়ু (যে পোলীদের কর্মচারা কি অন্য ব্যক্তি কি ব্যক্তিগণ গুরার ট জারী করিবে তাহার কি তাহাদের নাম ও ধ্যাতি লিখিবে)!

আমার নিকটে সংবাদ আসিয়াছে (কি নালিশ হইয়াছে) যে অমুক অপরাধ (সংক্ষেপে অপরাধের উল্লেখ করিবে) ক্বত হইয়াছে (কি ক্বত হইরাছে বলিয়া সন্দেহ হয়) এবং উক্ত অপরাধের (কি সন্দিগ্ধ অপরাধের) যে তদন্ত লওয়া থাইতেছে (কি যাইবে) তৎপক্ষে অমুক দ্বব্য (স্পাট করিয়া ঐ দ্বব্য নির্দেশ করিবে) উপস্থিত করা প্রয়োজনীয় ইহা আমাকে দেখান গিয়াছে,

এজন্য তোমার প্রতি অমুমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে উক্ত দ্রব্য (দ্রব্য নির্দেশ করিবে) অমুক স্থানে (ধে বাটী কি স্থান কি তাহার অংশ তলাশ করিতে হইবে, তাহার বর্ণনা করিবে) অনেষণ করিবে ও পাওয়া গেলে তাহা অবিলয়ে এই আদালতে উপস্থিত করিবে। ও এই ওয়ারন্ট সাধন হইবার অব্যবহিত পরে এতৎক্রমে তুমি কি করিয়াছ পৃষ্ঠালিপিক্রমে তাহার সার্টিফিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট ফেরত পাঠাইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিথে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহরযুক্ত হইয়া এই ওয়ারত প্রদত্ত হইল।

(মোহর) (স্বাক্ষর)

৯।—গচ্ছিত রাখিবার সন্দিগ্ধ স্থানের তলাশী পরওয়ানার পাঠ।
(১৮ ধারা দেখ।)

প্রী ময়ুক সমাপেষু । (কনক্টবঙ্গের উচ্চপ্রস্থ পোলাদের কর্মতারির নাম ও খ্যান্ডি লিখিবে)।

আমার নিকটে সংবাদ আসিয়াছে ও যথাযোগ্য তদন্ত দইয়া আমার বিশ্বাস হইয়াছে যে অমুক বাটী (বাটীর কি অন্য স্থানের বর্ণনা লিখিবে) চোরা জব্য গল্ডিত রাখিবার (কি তাহা বিক্রয় করিবার) স্থানরূপে (কিন্বা উক্ত ধারা নির্দ্দিন্ট অন্যতর কার্য্য জন্য ব্যবস্থত হইলে, উক্ত ধারার কথায় তাহা লিখিবে) ব্যবস্থত হয়।

এজন্য তোদার প্রতি অসমতি দিয়া আদেশ করা ষাইতেছে যে প্রয়োজনীয় সাহায্য লইয়া ভূমি উক্ত বাষ্টীতে (কি ছানে) প্রবেশ করিবে ও আবশ্যক হইলে ভদর্থে যুক্তিমত বল প্রয়োগ করিবে ও উক্ত বাষ্টীর (কি আন্য ছানের কিল্লা অংশ বিশেষ অন্নেরণ করিতে হইলে, ভাছার স্পান্ত নিন্দেশ করিবে) সর্ব্বাংশ খানাতলাশী করিবে ও কোন সম্পত্তি (কি দলীল কি, স্থল বিশেষে, ইন্তাম্প কি মোহর কি মুদ্রা) [এবং আবশ্যক হইলে এইং কথাও যোগ করিবে ও বে কোন যন্ত্র কি জব্য যুক্তিমতে ভোমার বিবেচনায় জাল দলীল কি স্থল বিশেষে ক্রান্ত্র ইন্তাম্প কি মোহর কি মুদ্রা প্রস্তুত করিবার নিমিন্ত রাখা যায়, ভাহা] আটক করিয়া দখল করেবে।— এবং উক্ত বে জব্য ভদ্রপে দখল করা যায় ভাহা তৎক্ষণাৎ এই আদালতে আনিবৈ ও এই ওয়ারন্ট সাধন হইবার অব্যবহিত পরে এতৎক্রমে ভূমি কি করিয়াছ পৃষ্ঠলিপিক্রমে ভাহার সার্টিফিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট ফেরড পাঠাইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক ভারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহরযুক্ত হইয়া এই ওয়ারত প্রদন্ত হইল। °

(মাহর) . (স্থাক্সর)

# ১০।—শান্তিভঙ্গ না করিবার নিবন্ধপত্র লিখিবার পাঠ।

(১০৬ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানবাসী শ্রী অমুক আমার প্রতি এতকাল শান্তিভঙ্গ ন। করিবার নিবন্ধপত্র লিধিয়া দিবার আজ্ঞা হইয়াছে; এই হেতুক আমি উক্ত কাল পর্য্যন্ত শান্তিভঙ্গ করিব না কিম্বা যাহাতে শান্তিভঙ্গ হইবার সম্ভাবনা এমত কোন কার্য্য করিব না এই প্রতিজ্ঞা করিলাম, ইহাতে আমার ক্রটি হইলে আমি শ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরীকে এত টাকা দণ্ড দিব এই মর্মের নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিলাম।

১৮ সাল তাং

(স্বাক্ষর)

## ১১।--সদাচরণ করিবার নিবন্ধপত্র লিখিবার পাঠ।

(১০৯ ও ১১০ ধারা দেখ।)

অমুক স্থান নিবাসী শ্রী অমুক আমাকে শ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরীর প্রতি ও তাঁহার সকল প্রজার প্রতি এতকাল (কাল নির্দেশ করিবে) সদাচরণ করিবার নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিতে আজ্ঞা হইরাছে; অতএব আমি উক্ত কাল পর্য্যন্ত শ্রীশ্রীমতীর প্রতি ও তাঁহার সকল প্রজার প্রতি সদাচরণ করিব; ইহাতে আমার ক্রটি হইলে শ্রীশ্রীমতীকে এত টাকা দণ্ড দিব এই মর্মে নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিলাম।

১৮ সাল তাং

(স্বাক্ষর)

নিবন্ধপত্র জামিন সহিত লিখিয়া দিতে হইলে, এই কথাগুলি যোগ করিতে হইলে: -

আমরা উপরিলিখিত অমুকের জামিন হইয়। জ্ঞানাইতেছি যে তিনি উক্ত কাল পর্য্যন্ত শ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরীর প্রতি ও তাঁহার দকল প্রজ্ঞার প্রতি সদাচরণ করিবেন; এবং তাহাতে তাঁহার ক্রটি হইলে আমরা একত্র ও স্বতন্ত্র শ্রীশ্রীমতীকে এত টাকা দণ্ড দিব।

১৮ সাল তাং

(স্বাক্ষর)

১২।—শান্তিভঙ্গ হইবার সম্ভাবনার সংবাদ পাইনে, সমন লিখিবার পাঠ।

(১১৪ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানবাসী জী অমুক সমীপেয়ু।

বিশ্বাসযোগ্য সন্থাদ পাইয়া আমার প্রত্যয় জন্মিয়াছে যে (এই ছানে সন্থাদের মর্ম লিখিবে) এবং তোমার দ্বারা লান্তিজ্ঞ হইবার (কি যন্ত্রারা লান্তিজ্ঞ হইতে পারে তদ্রপ কার্য্য হইবার) সম্ভাবনা এজন্য তোমাকে এতদ্বারা আদেশ করা যাইতেছে যে ভূমি স্বয়ং (কিন্বা উপযুক্ত ক্ষমতাপ্রাপ্ত মোক্তার দ্বারা) ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখের প্র্বাহ্ন বেলা ১০ ঘটিকার সময় অমুক ছানের মাজিক্টেটের কাছারিতে উপস্থিত হইয়া কারণ দর্শাইবে যে এতকাল শান্তিজ্ঞ করিবে না এই নিয়মে কেন তোমার প্রতি এত টাকার নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার (জামিন আবশ্যক হইলে এই কথাগুলি যোগ করিতে হইবে) ও একজন (কিন্বা স্থল বিশেষে ঘূই জন) প্রতিভূর কিন্বা একাধিক হইলে, প্রত্যেকের এত টাকার নিবন্ধপত্র দ্বারা জামিন দিবার আদেশ হইবে না ।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক ভারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহরযুক্ত হইয়া এই সমনপত্র প্রদত্ত হইল।

(মোহর) - (স্বাক্ষর)

# ১৩।-- শান্তিভঙ্গ না করিবার জামিন দিতে না পারিলে সমর্পণের ওয়ারণ্টের পাঠ।

## (১২৩ ধারা দেখ ।)

অমুক স্থানের দেওয়ানী জেলের স্থপারিতেভেত (কি রক্ষক) সমীপেষ।

অমুক স্থানবাসী অমুক এত মাস শান্তিভঙ্গ করিবে না বলিয়া একজন প্রতিভূসহ (অথবা প্রত্যেকে এত টাকার গৃই জন প্রতিভূসহ) এত টাকার নিবন্ধপত্র কেন লিখিয়া দিবে না ইহার কারণ দর্শাইবার নিমিত্ত যে সমন দ্বারা তাহাকে আদেশ করা যায় সেই সমনক্রমে সে অমুক মাসের অমুক তারিখে অয়ং কি ক্ষমতাপ্রাপ্ত মোক্তার দ্বারা আমার সম্মুথে উপস্থিত হইয়াছিল; এবং তৎকালে আজ্ঞা হয় যে উক্ত অমুক (নাম দিবে) এই প্রকার জামিন দেয় (যে জামিনের অম্জ্ঞা করা যায় সমন লিখিত জামিনের সহিত তাহার প্রভেদ ধ্রকিলে তাহা এইস্থলে লিখিতে হইবে) ও সে উক্ত আজ্ঞা পালন করে নাই।

এ জন্য তোমার প্রতি মহমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি উক্ত ম্পারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) এই ওয়ারন্টের দহিত উক্ত অমুককে (নাম দিবে) তোমার হেফাজতে এইণ করিবে ও উক্ত জেলে এতকাল (কারাদণ্ডের কাল নির্দেশ করিবে) তাহাকে নির্বিদ্নে রাখিবে। কিন্তু উক্ত কাল মধ্যে দে স্বয়ং ও এক কি অধিক প্রতিভূ ছারা নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিয়া আজ্ঞা পালন করিলে, উক্ত নিবন্ধপত্র গ্রহণ করা ষাইবে ও উক্ত অমুককে (নাম দিবে) মুক্ত করা যাইবে ও থেরূপে এই ওয়ারন্ট সাধন হয় পৃষ্টলিপিক্রমে তাহার সার্টিফিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট কেরত পাঠাইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহরযুক্ত হইরা এই ওয়ার্ট প্রদক্ত হইল।

(মোহর) (স্থাক্ষর)

১৪।—সদাচরণের জামিন না দিলে সমর্পণ করিবার ওয়ারণ্টের পাঠ।

( ১২৩ ধারা দেখ। )

অমুক স্থানের দেওয়ানা জেলের স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) সমীপেষু।

আমার নিকটে দর্শান গিয়াছে যে অমুক ( নাম ও বর্ণনা দিবে ) অমুক জিলার মধ্যে গুপ্ত ছইয়া আছে ও তাহার জীবনধারণের দৃশ্য সঞ্জি নাই ( অথবা সে আপনার কোন সন্তোষজনক বিবরণ দিতে পারে না);

### কিম্বা

অমুকের ( নাম ও বর্ণনা দিবে ) সাধারণ চরিত্র সন্ধন্ধে আমার সন্মুখে যে প্রমাণ প্রদন্ত হইয়া লিপিবদ্ধ হই-য়াছে তাহাতে প্রতীতি হয় যে সে রাতিমত দক্ষ্য (অথবা হুল বিশেষে গৃহভেদকারা, ইত্যাদি)।

এবং উহা উল্লেখ করিয়া আজ্ঞা লিপিবদ্ধ ইইয়াছে, তাহাতে আদেশ করা গিয়াছে যে উক্ত অমুক ( নাম দিবে) একজুন (অথব। স্থল বিশেষে গুই কি তদধিকজন) প্রতিভূসহ আপনি এত টাকার ও উক্ত প্রতিভূ ( কিছা ডিক্রাপ প্রত্যেক প্রতিভূ ) এত টাকার নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিয়া এতকাল ( কাল নির্দেশ করিবে ) সদাচরণ করিবার জামিন দিবে ও উক্ত অমুক ( নাম দিবে ) উক্ত আজ্ঞা পালন করে নাই ও না করাতে ইতিমধ্যে জামিন না দিলে তাহার প্রতি এতকাল (কাল নির্দেশ করিবে ) কারাদণ্ডের আদেশ হইয়াছে;

এজন্য তোমার প্রতি অনুমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি উক্ত অপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) এই ওয়ারন্টের সহিত উক্ত অমুককে (নাম দিবে) তোমার হেকাজতে গ্রহণ করিবে ও তাহাকে এতকাল (কাল নির্দেশ করিবে) নির্কিন্দ্রে উক্ত জেলে রাখিবে, কিপ্প তন্মধ্যে সে অয়ং ও এক কি অধিক প্রতিভূষারা নিবন্ধ-পত্র কিখিয়া দিয়া আজ্ঞা পাসন করিলে, উক্ত নিবন্ধপত্র গ্রহণ করা যাইবে ও উক্ত অমুককে (নাম দিবে) মুক্ত করা যাইবে ও যেরপে এই ওয়ারন্ট সাধন হয় পৃষ্ঠলিপিক্রমে তাহার সাটিকিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট কেরত পাঠাইবে।

্ আদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আং গ্রে কর ও আদালতের মোহরযুক্ত হইয়া এই। ওয়ারত প্রদত্ত হইল।

(মোহর) . (স্থাক্ষর)

# ১৫।—জামিন না দেওয়াতে যে ব্যক্তি কারাবন্ধ হইয়াছে, তাহাকে মুক্ত করিবার ওয়ারভের পাঠ।

(১२७ ७ ১२৪ शाता (नश् । )

অমুক স্থানের জেলের স্থারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক কিম্বা অন্য যে কর্মচারির হেকাজতে ঐ ব্যক্তি আছে সেই কর্মচারী) সমীপায়।

অমুক্ক ( ৰন্দির নাম বর্ণনা দিবে ) অমুক দালের অমুক মালের অমুক তারিখের এই আদালতের ওয়ারন্ট-ক্রমে ভোমার হেকাজতে সমর্পন করা যায় ও সে পরে কোজদারী মোকদ্দমার কার্যপ্রনাল বিষয়ক আইনের অমুক ধারামতে নিয়মিতরূপে জামিন দিয়াছে,

### কিছা

জনসমাজে শল্পা বিনা তাহাকে মুক্ত করা গাইতে পারে এরপা বিশাস করিবার বিশিষ্ট হেতৃ দৃষ্ট হইয়াছে,

এজন্য তোমার প্রতি অহ্মতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে উক্ত অমুক ( নাম দিবে ) যদি অন্য কোন কারণে আটক থাকিবার যোগ্য না হয়, তবে তাহাকে তোমার হেকাজত হইতে অবিলম্ভে মুক্ত করিবে।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মানের অমুক ভারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ারণ্ট প্রদন্ত ইইল।

(মোহর) (স্বাক্ষর)

# ১৬।— অনিপ্তজনক বিষয় উঠাইয়া দিবার আক্রার পাঠ।

(১৩৩ ধারা দেখ।)

দ্রীঅমুক সমীপেয়ু (নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে)।

আমার নিকটে দর্শান গিয়াছে যে তুমি অমুক (পাধ কি অন্য সাধারণের স্থানে) এইরূপে (যেরপে বাধা কি অনিউজনক কার্য্য হয় তাহার উল্লেখ করিবে) উক্ত রাজপাধ (কি অন্য সাধারণের স্থান) ব্যবহারকারি ব্যক্তিদের বাধাজনক (কি অনিউজনক) কার্য্য করিয়াছ ও উক্ত বাধা (কি অনিউ) অদ্যাপি বর্ত্তমান আছে;

#### কিছা

আমার নিকটে দর্শান গিয়ারে যে ভূমি আমা কি কার্য্যাধ্যক্ষস্তরণ অনুক ব্যবদায় কি কার্য্য (যে বিশেষ ব্যবদায় কি কার্য্য যে স্থানে চালান ঘায় তাহার উল্লেখ করিবে) চালাইতেছ এবং এই কারণে (যেরপে ভদারা ছানি হয় এই স্থানে দংক্ষেপে লিখিবে) তাহা সাধারণের আহেয়ের [কি আচ্ছুদ্দ্যের] হানিজ্ঞানক ও তাহায় লোপদাধন করা কি তাহা স্থানাভরে উঠাইয়া লইয়া যাওয়া উচিত;

#### কিম্ব

আমার নিকটে দর্শান গিরাছে যে তৃমি অমুক রাজপথের (পথের বর্ণনা লিখিবে) নিকটবর্ত্তী অমুক পুক্দ-রিনীর (কি কুপের কি গর্তের) স্বামী (কি তাহা তোমার অধিকারে কি কর্তৃত্বাধীনে আছে) ও উক্ত পুক্রিণীর (কি কুপের কি গর্তের) বেড়া না ধাকাতে (কিম্বা শক্কানিবারক বেড়া না ধাকাতে) সাধারণের বিপদ ঘটিবার সন্থাবনী;

### কিম্বা

(স্থলবিশেষে) আমার নিকটে ইত্যাদি;

এজন্য আমি এতদ্বারা আজ্ঞা দিয়া তোমার প্রতি আদেশ করিতেছি যে তুমি অমুক সময়ের মধ্যে (সমযের উল্লেখ করিবে) অমুক কার্য্য করিবে ( অনিউজনক বিষয় উঠাইরা দিবার নিমিত্ত যাহা করিতে ছইবে তাহা
লিখিবে) কিয়া আগামি অমুক মাসের অমুক তারিখে এত ঘন্টার সময়ে অমুক ছানের অমুক আদালতে উপস্থিত
ছইয়া এই আজ্ঞা কেন প্রবল করা যাইবে না তাহার কারণ দর্শাইবে;

### কিম্বা

এজন্য আমি এতদ্বারা আজ্ঞা দিয়া তোমার প্রতি আদেশ করিতেছি যে ভূমি অমুক্ত স্ময়ের মধ্যে (সম-ম্বের উল্লেখ করিবে) উক্ত স্থানে উক্ত ব্যবসায় কি কার্য্য চালান বন্ধ করিবে ও তাহা আর সেই স্থানে চালাইবে না কিম্বা উক্ত স্থান হইতে উক্ত ব্যবসায় কি কার্য্য উঠাইয়া লইয়া যাইবে কিম্বা আগামি অমুক মানের ইত্যাদি;

### কিছা

এজন্য অমি এওদ্বারা আজ্ঞা দিয়া ভোমার প্রতি আদেশ করিতেছি যে ভূমি অমুক সময়ের মধ্যে (সম্মের উল্লেখ করিবে) উপযুক্ত বেড়া দিবে (যে প্রকারের বেড়া দিতে হইবে ও যে ভাগে দিতে হইবে ভাহার উল্লেখ করিবে) কিয়া আগামি অমুক মাসের ইত্যাদি;

#### কিম্ব

্ এজন্য আমি এতদ্বারা আজ্ঞা দিয়া তোমার প্রতি আদেশ করিতেছি যে ইন্ড্যাদি (যথা যেমন)। অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আনাসতের মোহর যুক্ত হইয়া এই আজ্ঞাপ্রদন্ত হইল।

(যোহর) (স্থাক্ষর)

# ১৭।—পশায়: নিয়োগবিষয়ক মাজিষ্ট্রেটের আজ্ঞার পাঠ।

### (১৩৮ ধারা দেখ ।)

১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে অমুকের (নাম দিবে) প্রতি এই আদেশ করিয়া (আজ্ঞা কিরপ কলাত্মক লিখিবে) আজ্ঞা দেও । যায়, এবং উক্ত আজ্ঞা যুক্তিমত ও উপযুক্ত কি না ইছার বিচার করণার্থ পঞ্চায়ৎ নিয়োগ করিবার আজ্ঞার নিমিত্ত উক্ত অমুক (নাম দিবে) অমুক মাসের অমুক তারিখের দর-খান্তের দারা প্রার্থনা করিয়াছে, এজন্য উক্ত প্রশ্নের বিচার ও নিপত্তি করণার্থে আমি অমুক ুবাক্তিদিগকে (পঞ্চায়তের পাঁচ কি ভদধিক ব্যক্তির নাম এই স্থানে দিবে) পঞ্চায়ৎ নিযুক্ত করিতেছি ও আদেশ দিতেছি যে উক্ত পঞ্চায়ৎ এই আজ্ঞার তারিখ অবধি এত দিনের মধ্যে অমুক স্থানে আমার আফিসে তাঁহাদের নিশ্বতি পাঠাইবেন।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর বুক্ত হইরা এই আজ্ঞা প্রদত্ত হইল।

(মোহর)

১৮ এ – পঞ্চায়তের নিস্পত্তির **পা**ব মাজিপ্রেটের নোটসের ও চূড়ান্ত আ**জার প**ঠি। (১৪০ ধারা দেখ।)

জীঅমুক সমীপেয়ু ( নাম, বর্ণনা ও বাসস্থান লিখিবে )।

আমি এতদ্বারা তোমাকে নোটিস দিতেছি যে অমুক মাসের অমুক তারিখের তোমার প্রদক্ত দরখান্তক্রমে নিয়মমতে যে পঞ্চায়ৎ নিয়ুক্ত করা যায় তাঁহারা নির্ণয় করিয়াছেন যে অমুক তারিখে তোমার প্রতি এইরপ আদেশ করিয়া (আদেশের মর্মা লিখিবে) যে আজ্ঞা দেওয়া যায় তাহা যুক্তিমত ও উপযুক্ত, এজন্য উক্ত আজ্ঞা চূড়ান্ত করা গেল ও আমি তোমার প্রতি আজ্ঞা দিয়া আদেশ করিতেছি যে অমুক সময়ের মধ্যে (সময়ের উল্লেখ করিবে) তুমি উক্ত আজ্ঞা পালন করিবে নতুবা উক্ত আজ্ঞা পালন না করণের নিমিত্ত ভারতবর্ষীয় দেওবিধির আইনের নির্দিক্ত দও প্রাপ্ত হইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখে আমার স্থাক্ষর ও আদালতের মোহরযুক্ত হইয়া এই নোটিস প্রদন্ত হইল।

(মোহর) ় পের (ম্বাক্র)

১৯ I—পঞ্চায়তের ওদ্রম্ভ লইবার অপেক্ষায় আসন্ন বিপদ নিবারণার্থে আছ্রার পাঠ। .

( ১८२ शःता (मथ।)

🛍 অমুক সমীপেয়ু ( নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে )।

১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমি যে আজ্ঞা করি, তাহা যুক্তিম হ ও উপযুক্ত কি না ইহার বিচার করিবার নিমিত্ত নিযুক্ত পঞ্চায়তের তদন্তকার্য্য অদ্যাপি চলিতেছে ও আমার নিকটে দর্শান গয়াছে যে উক্ত আজ্ঞার লিখিত অনিউজনক বিষয় সম্পর্কে সাথারণের এরপ আসন্ধ গুরুতর বিপদের সম্ভাবনা যে উক্ত বিপদ নিবারণার্থে অবিলয়ে উপায় করা আবশ্যক, এজন্য কোজদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইনের ১৪২ ধারার বিধানমতে তোমার প্রতি আজ্ঞা দিয়া এ ছদ্ধারা আদেশ করিতেছি যে উক্ত পঞ্চায়তের স্থানীয় তদন্তের কলাপেক্ষায় ভূমি অবিলয়ে (কিয়ৎকালীন সংরক্ষণ নিমিত্ত যে কার্য্যের আদেশ হয় স্পান্ট করিয়া তাহার উল্লেখ করিবে)।

তাদ্য ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহরযুক্ত হইয়া। এই আজ্ঞা প্রদত্ত হইল।

(মোহর) (স্বাক্ষর)

২০।—অনিপ্তজনক কার্য্য পুনশ্চ না করণ প্রভৃতি নিষেধসূচক মাজিপ্টেটের আজ্ঞার পাঠ।

( ১৪৩ ধারা দেখ। )

প্রীঅমূক সমীপেয়ু ( নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে )।

আমার নিকটে দর্শান গিয়াছে যে ( ১৬ বা ছল বিশেষে ২১ পাঠ দেখিয়া যথাযোগ্য কথাগুলি লিখিবে )।
এজন্য আমি এভদ্বারা ভোমার প্রতি বিশেষরূপে আজ্ঞা দিয়া আদেশ করিভেছি যে আধার উক্ত ক্রন্য রাখিয়া কি ( ছল বিশেষে ) রাখিতে দিয়া ইত্যাদি, তুমি উক্ত অনিউজনক কার্য্য পুনশ্চ করিবে না।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই আজ্ঞা প্রদক্ত হইল।

(মোছর) (স্বাক্ষর)

২১।—বাধা জন্মাওন, হঙ্কমা প্রভৃতি নিবারণার্থে ম।জিষ্ট্রেটের আজ্ঞার পাঠ।

( ১৪৪ ধারা দেখ। )

শ্ৰীঅমুক সমীপেয়ু ( নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে )।

আমার নিকটে দর্শান গিয়াছে যে ভোমার অধিকারে (কি কর্তৃত্বাধীনে) অমুক ( স্পান্ট করিয়া দ্রব্যটীর বর্ণন করিবে ) আছে, ও তৃমি উক্ত ভূমিতে নর্দ্দামা কাটিয়া তাহার মাটি ও ইট নিকটয় রাজপথে কেলিতে কি রাখিতে উদ্যত আছু ও তাহাতে উক্ত পথ ব্যবহারকারী ব্যক্তিদের বাধা জন্মিবার সম্ভাবনা ;

কিম্বা

আমার নিকটে দর্শান গিয়াছে যে তুমি ও জন্য কডকগুলি লোক (যে শ্রেণীর লোক তাছার উল্লেখ করিবে) অমুক রাজপথ (কি স্থল বিশেষ, জমুক স্থান) দিয়া ধর্মসংক্রান্ত লোক্যাত্রাক্রমে একত্র হইয়া ঘাইতে উদ্যুত আছে ও উক্ত লোক্যাত্রায় দালা কি হল্পা হইবার সম্ভাবনা;

কিয়া

· আমার নিকটে ইত্যাদি;

এজন্য তোমার প্রতি এতদ্বারা আজ্ঞা দিতেছি যে তুমি তোমার ভূমি ছইতে তোলা মাটি কি ইট উক্ত পথের কোন স্থানে রাখিবে না কি রাখিতে দিবে না : কিম্বা

উক্ত পথ দিয়া যাত্রার লোকজনের গমন এতদ্বারা নিষেধ করিতেছি, ও তোমাকে বিশেষরূপে দাবধান করিয়া দিয়া আজ্ঞা করিতেছি যে তুমি ঐ লোকযাত্রায় মিশিবে না ( অথবা অন্য যেরূপ আজ্ঞা আবশ্যক হয়।
দিবে )।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক ভারিখে আমার আক্ষর ও আদালভের মোহর যুক্ত ছইয়া এই আজ্ঞা এদত্ত হইল।

( दशहर )

# ২২।—বিবাদীয় ভূমি প্রভৃতি অধিকাবে রাখিবার সম্বানপক্ষ, নির্দেশ করিয়া মাজিষ্ট্রেটের আহ্রার পাঠ।

( ১৪৫ ধারা দেখ। )

আমার বিচারাধীন স্থানের অন্তর্গর্তী অমুক বিষয় (বিবাদের বিষয় সংক্ষেপ লিখিবে) লইয়া অমুক ব্যক্তিদের মধ্যে (উজয় পক্ষের নাম ও বাসস্থান কিম্বা প্রামাদলের বিবাদ হইলে, কেবল বাসস্থান লিখিবে) যে বিবাদ আছে ডাছাতে শান্তিজ্ঞ হইবার সন্থাবনা যথাযোগ্যরূপে লিপিবদ্ধ হেত্ক্রমে আমার এইরূপ প্রতীতি ইওয়াতে উক্ত (বিবাদীয় বিষয়) প্রকৃতরূপে দখল থাকিবার সদ্ধ্যে আপনং দাওয়ার বর্ণনাপত্র দিবার নিমিত্ত উক্ত কিল পক্ষকে আদেশ করা যায় ও তৎক্রমে যথাযোগ্য তদন্ত লইয়া আইনমতে উক্তর পক্ষের মধ্যে কে দখল থাকিবার সহবান এই দাওয়ার বিবেচনা না করিয়া, আমার হুদ্বোধ জ্বিয়াছে যে উক্ত অমুকের (নাম কি নামসমূর্থ কি বর্ণনা দিবে) প্রকৃতপক্ষে দখল করিবার দাওয়া যথার্থ,

এজন্য আমি নিপাত্তি করিয়া নির্দেশ করিতেছি যে উক্ত অমুকের ( কি অমুক্দের ) দখলে উক্ত বিবাদীয় বিষয় আছে ও আইনের নিয়মিত প্রণালীক্রমে যাবৎ ভ্রস্ট না হয় উক্ত ব্যক্তি ( কি ব্যক্তিরা ) তাহা দখল রাখিবার স্বত্বান, এবং ইতিমধ্যে তাহার ( কি তাহাদের ) দখলের কোনরূপ বিদ্নকরণ বিশেষরূপে নিষেধ করিতেছি;

আদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইরা এই আজ্ঞা প্রদত্ত হইল।

(মোহর) ( স্বাক্ষর)

২৩।—ভূমি প্রভৃতির দখল লইয়া বিবাদ হইলে ক্রোক করিবার ৬য়ারটের পাঠ। ( ১৪৬ ধারা দেখ। )

অমুক স্থানের পোলীস ধানার অধ্যক্ষ কিম্বা অমুক স্থানের

কালে≱র সম∖পেয়ু।

আমার নিকটে দর্শনি গিয়াছে যে আমার বিচারাধীন স্থানের অন্তর্গক্তী অমুক বিষয় ( সংক্ষেপে বিবাদীয় বিষয়ের উল্লেখ করিবে ) লইয়া অমুক ব্যক্তিদের মধ্যে (পক্ষদের নাম ও বাসস্থান কিয়া প্রায়াদলের মধ্যে বিবাদ হইলে, কেবল বাসস্থান লিখিবে ) যে বিবাদ আছে তাহাতে শান্তিভঙ্গ হইবার সন্তাবনা, ও প্রক্রুত পক্ষে উক্ত (বিবাদীয় বিষয়ের ) দখল সম্বন্ধে তাহাদের আপানং দাওয়ার বর্ণনাপত্র লিখিয়া দিতে উক্ত উভ্নম্ব পক্ষের প্রতি যথাযোগ্যরূপে আদেশ করা যায় ও উক্ত দাওয়ার নিয়মিত তদম্ভ লইয়া আমি নিপান্তি করিয়াছি যে উক্ত উভ্নয় পক্ষের মধ্যে কাহারও দখলে উক্ত (বিবাদীয় বিষয় ) নাই কিয়া ঐ উভ্নয় পক্ষের মধ্যে কোন্ পক্ষ যে প্র্কোক্তমতে দখলীকার ছিলেন তর্ষিয়ে আমি কিছুই স্থির করিছে পারি নাই;

এজনা ভোমার প্রতি অসমতি দিয়া আদেশ করিতেছি যে তুমি উক্ত (বিবাদীয় বিষয়) দখলে লইমা রাখিয়া ক্রোক করিবে ও যাবৎ পক্ষদের অত্ব কিয়া দখল করিবার দাওয়া নির্নিমৃচক উপযুক্ত আদালতের ডিক্রী কি আজ্ঞা না হয় উহা ক্রোক করিয়া রাখিবে; ও যেরপে এই ওয়ারত সাধন হয় পৃষ্ঠানিপিক্রমে তাহার সার্টিফিকেট লিখিয়া এই ওয়ারত ফেরৎ পাঠাইবে।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক ভারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালভের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ারে**উ প্রদত্ত হইল।** 

( মোহর )

২৪।—স্থলে কি জালে কোন কার্য্য করিবার নিষেধ ওচক মাজিটেইটের আজ্জার পাঠ।
(১৪৭ ধারা দেখ।)

আমার বিচারাধীন স্থানের অন্তর্কর্জী অমুক ভূমি (কি জ্বল) (সংক্ষেপে বিবাদীয় বিষয়ের উদ্লেখ কৰিবে)

ক্ষেত্রল (অমুক ব্যক্তি কি ব্যক্তিগণ) দখলের দাওয়া করেন বলিয়া ভাষার ব্যবহার করণের স্বভ্ব সম্পর্কে
বিবাদ উত্থিত ইওয়াতে, তহিষয়ের ব্যাযোগ্য তদন্ত লইয়া আমার প্রতীতি হইয়াছে যে উক্ত ভূমি ( কি জ্বল)

সাধারণের তদ্রপ ব্যবহারত্যোগ্য ( কিম্বা কোন ব্যক্তির কি বিশেষ শ্রেণীর ব্যক্তির হইলে, ভাহার কি ভাহাদের বর্ণনা লিখিবে ) ও ( যদি বৎসরের সমূদর সময় ব্যবহার করা যাইতে পারে ) উক্ত ভদন্তাহুটান করিবার ভিন মাস মধ্যে কিয়া যদি বৎসরের কাল বিশেষে ব্যবহার করা যাইতে পারে " বৎসরের যে কাল বিশেষে ব্যবহার করা যাইতে পারে শেষ বারের সেই কালে" ) উক্তরূপ ব্যবহার হইয়াছে।

এজন্য আমি আজ্ঞা করিতেছি যে উক্ত (দখলের দাওয়াদার কি দাওয়াদারেরা) কিন্তা তাঁহাদের পক্ষে কেহ, যাবৎ উপযুক্ত আদালতের এই মর্মের ডিফ্রী কি আজ্ঞা না পান যে তিনি (কি তাঁহারা) কেবল উক্ত ভূমি (কি জ্ঞান) দখল করিবার স্বত্বান্, তাবৎ পূর্কোক্ত ব্যবহার করিবার স্বত্তাগে বর্জিত উক্ত ভূমি (কি জ্ঞালের) দখল লইবেন না (কি রাখিবেন না)।

জন্য ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই আজ্ঞা প্রদক্ত হইল।

(মোছর) (সাক্ষর)

২৫ —পোলীস ক**র্মা** গরির সমুথে প্রথম স্থলীয় তদন্ত সময়ে নিবন্ধপত্রের ও জামিনী নিব**ন্ধ**পত্রের পাঠ।

(১৬৯ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানবাদী শ্রীঅমুক (নাম দিবে) আমার নামে অমুক অপরাধের অভিযোগ হওয়াতে ও তদন্তের পর অমুক স্থানের মাজিটেটের সন্মুখে উপস্থিত ইইবার আদেশ হওয়াতে কিন্তা তদন্তের পর আদেশ হইলেই অমুক স্থানে উপস্থিত হইবার নিজে মুচলকা লিখিয়া দিবার আজ্ঞা হওয়াতে আমি প্রতিজ্ঞা করিতেছি যে উক্ত অভিযোগের আবো প্রতিবাদ করিতে আগামি অমুক মাদের অমুক তারিখে (কিন্তা পরে যে দিনে উপস্থিত হইবার আদেশ হয় সেই দিনে) এত ঘটার সময়ে অমুক স্থানের অমুক আদালতে উপস্থিত হইবে। ইহাতে আমার ক্রটি হইলে, আমি ভারতেশ্বরা শ্রীশ্রীমতী মহারাণীকে এত টাকা দণ্ড দিব, এই মর্মের নিবন্ধপ্র লিখিয়া দিলাম।

১৮ সাস তাং

( সাক্ষর )

শ্রীঅমুক অমৃক মাদের অমৃক ভারিখে (কিন্তা পরে যে দিনে উপস্থিত হইবার আদেশ হয় সেই দিনে) এত ঘন্টার সময়ে অমৃক স্থানের অমৃক আদালতে উপস্থিত হইবে ও ভাহার নামে যে অভিযোগ আছে ভাহার আরো প্রতিবাদ করিবে, এই বিষয়ে আমি (কিন্তা আমরা সংস্কৃত ও স্বতন্ত্রভাবে সকলে ও প্রত্যেকে) উপ-রোক্ত অমৃকের জ্ঞামিন স্থাকার করিতেছি; ও ভাহাতে ভাহার ক্রতি হইলে আমি ভারতেশ্বরী শ্রীশ্রীমতী মহারানীকে এত টাকা দণ্ড দিব এই মর্মের নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিলাম।

১৮ সাল তাং

্স্থাক্র)

২৬।—মোকদ্দমা করি ার বা <mark>সাক্ষ্য দিবার নিবন্ধপত্রের পাঠ</mark>।

(১৭০ ধারা দেখ।)

্ অমুকের নামে অপরাধের যে অভিযোগ হইয়াছে ত'ছিষয়ে অমুক স্থান নিবাসা শ্রীঅমুক আমি আগামি অমুক মাদে অমুক তারিখে বেলা এত ঘন্টার সময়ে অমুক স্থানের অমুক আদালতে উপস্থিত হইয়া তৎকালে তাহার বিপক্ষে মোকদ্দমা চালাইব (অথবা স্থল বিশেষে মোকদ্দমা চালাইব ও সাক্ষ্য দিব অথবা সাক্ষ্য দিব) এই প্রভিজ্ঞা করিতেছি ইহাতে আমার শ্রুটি হইলে আমি ভারতেশ্বরী শ্রীশ্রীমতী মহারাণীকে এত টাকা দণ্ড দিব এই মর্মের নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিলাম।

১৮ সাল তাং

(স্বাক্ষর)

# • २भ ।—गवर्गस्टिमः केकीलहरू- माजिहहुटै कर्ज्क नमर्भत्वतः सांगिनः हिरादः शते ।।

### (२১৮ शांता त्मरा)

অমুক স্থানের মাজিফেট এতদ্বারা নোটিস। দিতেছেন যে তিনি অমুককে আগামি সেশনে বিচারার্থে সম্পশং ক্ষিয়াছেন; ও উক্ত মাজিফেট এতদ্বারা আদেশ দিতেছেন যে গবর্ণমেন্টের উক্তীন উক্ত যোকদ্বয়ার অভিযোগ চালাম ।

অভিযুক্ত ব্যক্তির নাবে অভিযোগ হইয়াছে ধ্যে (অভিযোগপত্তে অপরাধের বেরূপ উল্লেখ আছে এই ছলে উদ্ধ্রণ উল্লেখ করিবে)।

Ser min with

(খাক্র)

# ২৮।—অভিযোগের পাঠ।

### (२२५ ७ २२२ ७ २२७ धाता (मर्च।)

- (১)—অভিযোগপত্তে একমাত্র দকা থাকিলে।
- (ক) অমুক স্থানের মাজিক্টেট প্রভৃতি শ্রীসমৃক আমি শ্রীঅমৃক (অভিযুক্ত ব্যক্তির নাম) ভোষার নাহৰ এই অভিযোগ করিলাম।
- (খ) তুমি অমুক স্থানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কি তাহার কিঞ্চিৎ পূর্বে কি পরে
  ভারতেশ্বরী শুশ্রীমতী মহারাণীর বিপক্ষে যুদ্ধ করিয়া ভারতবর্ষের দণ্ডবিধি
  দণ্ডবিধিব আইনেব ১২১ ধারা।
  আইনের ১২১ ধারামতে দণ্ডনীয় ও সেশন আদালতের বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ
  (প্রেসিডেন্দী মাজিফ্টেট অভিযোগপত্র প্রস্তুভ করিলে সেশন আদালতের পরিবর্ত্তে হাই কোর্ট লিখিতে হইবে!)
  - (গ) অতএব উক্ত আদালতে উক্ত অভিযোগপত্তে তোমার বিচার হয় এই আদেশ করিলাম।

## (মাজিফ্রেট সাহেবের স্বাক্ষর ও মোহর)।

- (খ) চিহ্নিত কথার পরিবর্ত্তে পশ্চাৎ লিখিত অন্যতর প্রকারের কথা লেখা যাইতে পারিবে।
- (৩) তৃমি অমুক কর্মবিভাগের রাজকীয় কার্য্যকারক ছইয়া স্থীয় পদ সম্পর্কীয় কোন কর্ম না করিবার প্রান্তিস্বরূপে আপানার আইনমত বেতন ভিন্ন অমুক [নামক] ব্যক্তির নিমিত্তে ১৬১ গারা। অমুক (নামক) ব্যক্তির ছানে পারিতোধিক গ্রহণ করিয়া ভারতবর্ধের দশুবিধি আইনের ১৬১ ধারামতে দণ্ডনীয় ও সেশন আদালতের [কি হাই কোর্টের] বিচার্য্য অপারাধ করিয়াছ।
- (৪)—তুমি অমুক ছাবে ব্যুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কি তাহার কিঞ্চিৎ পূর্বে কি পারে অমুক কর্ম কর নাই) ও তাহা অমুক সালের ১৬৬ ধারা।

  আমুক আইনের অমুক ধারার বিধানের বিপক্ষে অমুকের বিশ্বজনক ছিল ইহা
  ভামিতে; ইহাতে ভারতবর্ষীয় দশুবিধির আইনের ১৬৬ ধারামতে দশুনীয় ও সেশন আদালতের [কিহাই কোর্টের]
  বিচার্য্য অপারাধ করিয়াছ।
- (a) অমুক ছানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কি তাছার কিঞ্চিৎ পুর্বে কি পরে

  শ্রীঅমুকের সমুখে অমুকের বিচার হওয়া সময়ে ভূমি সাক্ষ্য দেওন কালে
  এই কথা কহিয়াছিলে যে,

আর তুমি সেই কথা মিধ্যা জানিয়া কিথা মিধ্যা বলিয়া বিশ্বাস করিয়া কিথা সভ্য বলিয়া বিশ্বাস না করিয়া করিয়াছেলে, ইহাতে ভারতবর্ষীয় দশুবিধির আইনের ১৯৩ ধারামতে দশুনীয় ও সেশন আদালতের [কিছাই কোটের] বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।

- (৬) তুমি অমুক ছানে অমুক সালের অমুক মালের অমুক ভারিখে কি তাছার কিঞ্চিৎ পূর্ব্বে কি পরে জ্ঞান
  ক্ষত বধের তুল্য নয় এমত অপারাধযুক্ত নরহত্যা করিয়া অমুকের মৃত্যুর
  কারণ হইয়াছ, ইছাতে ভারতবর্ধের দণ্ডবিধির আইনের ৩০৪ ধারামতে
  দণ্ডলীয় ও সেশন আদালতের [ কি ছাই কোটের ] বিচার্য্য অপারাধ করিয়াছ ব
- (৭) অমুক স্থানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কি তাহার কিঞ্চিৎ পূর্ব্বে কি পরে আনন্দ মন্ত ই রা আত্মহত্যা করিবার উদ্যোগ করিলে তুমি তাহার আত্মহাতী হইবার সহায়তা করিয়া স্তারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩০৬ ধারামতে দণ্ডনীর ও সেশন আদালতের [ কি হাই কোর্টের ] বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।
- (৮) স্থানি সমুক স্থানে সমুক সালের সমুক মাদের সমুক তারিখে কি তাহার কিঞ্চিৎ পূর্ব্বে কি পরে
  ইচ্ছাপূর্ব্বক সমুকের গুরুতর পীড়া জন্মাইয়া ভারতবর্বের দণ্ডবিধির আইনের ৩২৫ ধারামতে দণ্ডনীয় ও সেশন আদালতের [ কি হাই কোর্টের]
  বিচার্য্য অপারাধ করিয়াছ।
- (৯) ভূমি অমুক স্থানে অমুক সংলের অমুক মাসের অমুক তারিখে কি তাহার কিঞ্চিৎ পূর্ব্বে কি পরে

  অমুকের উপর (নাম দিবে) দস্থতো করিয়া ভারতবর্ষের দওবিধির

  আইনের ৩৯২ ধারামতে দগুনীয় ও সেশন শাদালতের [ কি হাই কোর্টের]
  বিচার্য্য অপরাধ করিষাছ।
- (১০) তুমি অমুক স্থানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক ভারিখে কি তাহার কিঞ্চিৎ পুর্বেষ্ঠ কি পরে
  ভাকাইতী করিয়া ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩৯৫ ধারামতে দণ্ডনীয়
  ও সেশন আদালতের [ কি হাই কোর্টের ] বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।
  মাজিফেটের দারা যোকদ্দমার বিচার হইলে "সেশন আদালতের বিচার্য্য এই কথা ত্যাগ করিয়া "আমার
  বিচার্য্য" এই কথা প্রয়োগ করিতে হইবে। (গ) প্রকরণে "উক্ত আদালতে" এই কথা ত্যাগ করিতে হইবে।
  - (२)— ष्याख्यां १ इहे कि छमधिक मका शांकित्न।
- (ক) অমুক স্থানের মাজিট্রেট প্রভৃতি প্রীঅমুক আমি শ্রীঅমুক ( অভিযুক্ত ব্যক্তির নাম ) তোমার নামে এই অভিযোগ করিলাম।
- খে) প্রথম। তুমি অমুক ছানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক ভারিখে কি ভাহার কিঞ্ছিৎ পূর্ব্বে কি

  পরে কোন মুদ্রা ক্লন্তিম জানিয়া অক্লন্তিম বলিয়া অমুক ( নামক ) ব্যক্তিকে

  দিয়াছিলে। ইহাতে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ২৪১ ধারামতে

  দপ্তনীয় ও সেশন আদালতের ( কি হাই কোটের ) বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।
- ছিতীয় । তুমি অমুক স্থানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কি তাহার কিঞ্চিৎ পূর্বে কি পিরে কোন মুদ্রা ক্ষত্রিম জানিয়া তাহা অক্ষত্রিমরপে এইণ করিতে অমুকের প্ররুত্তি জন্মাইবার উদ্যোগ করিয়াছিলে।
  ইক্তাতে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ২৪১ ধারামতে দণ্ডনীয় ও সেশন আদালতের (কি হাই কোর্টের) বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।
- (গ) অতএব উক্ত অভিযোগক্রমে উক্ত আদালতে তোমার বিচার হয় আমার এই আদেশ (মাজিস্টেট সাহেবের স্বাক্ষর ও মোহর )।
  - ( খ ) প্রকরণের পরিবর্ত্তে এইরূপ কথা লেখা যাইতে পারে।
- (২) প্রথম। তুমি অমূক ছানে অমূক সালে অমূক মাসের অমূক তারিখে কি তাহার কিঞ্চিৎ পূর্কে কি পরে, অমুকের মৃত্যুর কারণ হইমা জ্ঞানকত বধ করিয়াছ। ইহাজে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩০২ ধারামতে দণ্ডনীয় ও সেশন আদা-কজের (কি হাই কোটের) বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।

ছিতীয়। তুমি অমুক স্থানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কি ভাহার কিঞ্চিৎ পূর্বেক কি পরে অমুকের মৃত্যুর কারণ হইয়া অপারাধ যুক্ত নরহত্যা করিয়াছ। ইহাতে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩০৪ ধারামতে দণ্ডনীয় ও সেশন আদালতের (কি হাই কোর্টের) বিচার্য্য অপারাধ করিয়াছ।

(৩) প্রথম। ভূমি অমুক স্থানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কি তাহার কিঞ্চিৎ পূর্ব্বে কি পারে চুরি করিয়া ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩৭৯ ধারামতে দণ্ডনীর ও সেশন আদালতের েকি হাই কোর্টের) বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।

দিতীয়। তমি অমুক স্থানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কি তাহার কিঞ্ছিৎ পূঞা কি পুনি চুরি করিবার অভিপ্রায়ে কোন ব্যক্তির প্রাণ নাশ করিবার উদ্যোগ করিয়া চুরি করিয়াছিলে। ইহাজে ভারতবর্ষের দশুবিধির আইনের ৬৮২ ধারামতে দশুনীয় ও সেশন আদালতের (কি হাই কোর্টের) বিচার্য্য অপ্রাধ্ব ভারিয়াছ।

• তৃতীয়। তৃমি অমুক ছামে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কি তাছার কিঞ্চিৎ পূর্বেক কি পরে চুরি করণের পার পালায়ন করিতে পারিবার নিমিতে কোন ব্যক্তিকে অবরুদ্ধ করিবার উদ্যোগ করিয়া চুরি করিয়া-ছিলে; ইহাতে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩৮২ ধারামতে দণ্ডনীয় ও সেশন আদালতের (কি হাই কোর্টের) বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।

চতুর্থ। তুমি অমুক স্থানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কি তাহার কিঞ্চিৎ পূর্ব্বে কি পরে, চৌর্য্যক্রমে অপহত দ্রব্য রাখিতে পার এই নিমিত্তে কোন ব্যক্তির পীড়া দিবার ভয় জন্মাইবার উদ্যোগ করিয়া চুরি করিয়াছ; ইহাতে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৬৮২ ধারামতে দণ্ডনীয় ও সেশন আদালতের (কি হাই কোটের) বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।

১৯০ ধারামতে অমুকম্পে অভিযোগ।

(৪) অমুক স্থানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক ভারিশে কিলা ভালার কিঞ্চিৎ পূর্ব্ধে কি পরে শ্রীঅমুকের সন্মুখে অমুক ব্যাপারের ভদম্ভ লওন সময়ে ভূমি দাক্ষ্য দেওন কালে এই কথা কহিয়াছিলে যে " এবংঅমুক সালের অমুক মাসের অমুক ভারিখে কিলা ভালার কিঞিৎ

পুর্ব্বে কি পরে শ্রীঅমুকের সম্মুখে অমুকের বিচার হওন সময়ে সাক্ষ্য দেওন কালে এই কথা কহিরাছিলে যে
"ইহার মধ্যে এক কথা তুমি মিধ্যা জানিতে কি মিধ্যা বলিয়া বিশ্বাস
করিতে কিম্বা সত্য বলিয়া বিশ্বাস করিতে না। ইহাতে ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইনের ১৯৩ ধারামতে দিওনীয় ও
সেশন আদালতের (কি হাই কোর্টের) বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।

মাজিফেটদের দারা মোকদ্দমার বিচার হইলে, " সেশন আদালতের বিচার্য " এই কথা ভ্যাগ করিয়া "আমার বিচার্য " এই কথা প্রয়োগ করিতে হইবে এবং " উক্ত আদালতে " এই কথা ভ্যাগ করিতে হইবে।

(৩) পূর্ব্ব অপরাধ নির্বয় হইবার পর চুরি করিবার অভিযোগ হইলে;

অমুক স্থানের মাজিস্টেট প্রভৃতি শ্রীঅমুক শ্রীঅমুক ( অভিযুক্ত ব্যক্তির নাম ) তোমার নামে এই অভিযোগ করিলাম।

ত্মি অমুক স্থানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কিম্বা তাহার কিঞ্চিৎ পূর্বের বা পরে চুরি করিয়াছিলে। ইহাতে ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইনের ৩৭৯ ধারামতে দণ্ডনীয় ও সেশন আদালতের (অথবা ছল বিশেষ হাই কোটের বা মাজিটেটের) বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।

এবং তুমি উক্ত শ্রীঅমুক অভিযুক্ত ব্যক্তির নাম ) উক্ত অপরাধ করিবার পূর্বে, অর্থাৎ অমুক সালের অমুক মানের অমুক ভারিখে অমুক স্থানে ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইনের ১৭ অধ্যায়মতে জিন বংসর কারাদণ্ডে দণ্ডনীয় অপরাধে অর্থাৎ রাত্রিযোগে দোষ ভাবে পরগৃহে প্রবেশ অপরাধে (যে ধারামতে অভিযুক্ত ব্যক্তির অপরাধ নির্বি হয় সেই ধারায় যে২ শব্দ ব্যবহৃত হইয়াছে তদ্ধারা অপরাধের বর্ণনা করিতে হইবে) অমুক্
আদালত কর্তৃক (যে আদালত কর্তৃক অপরাধা নির্ণীত হয় সেই আদালতের নাম দিবে) অপরাধী নির্ণীত
ছইয়াহিলে ৷ উক্ত অপরাধ নির্ণয় অদ্যাপি সম্পূর্ণরূপে বলবৎ ও কলবৎ আছে এবং তুমি তক্ষন্য ভারতব্যায়
দণ্ডবিধির আইনের ৭০ ধারামতে অধিক দণ্ড পাইবার যোগ্য।

অভএব আমার আদেশ এই যে, উক্ত অভিযোগক্রমে উক্ত আদালতে ভোমার বিচার হয়।

২৯।—কোন মাজিপ্রেট কারাদণ্ডের কি অর্থদণ্ডের আজ্ঞা করিলে তদনুসারে কারাবদ্ধ

করিবার ওয়ারণ্টের পাঠ।

(২৪৫ ও ২৫৮ ধারা দেখ।)

ষ্মুক স্থানের জেলের স্থপারিণ্টেভেন্ট (কি রক্ষক) সমীপে।

১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার (নাম পদস্চক খ্যাতি দিবে) সন্মুখে ১৮ সালের কালেগুরের এত নং মোকদ্দার (প্রথম কি দ্বিতীয় কি তৃতীয় ইত্যাদি যে হউক) আসামী অমুক (আসামীর নাম দিবে) ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইনের কি অমুক আইনের এই (কি এইং) ধ্যরামতে অমুক অপরাধ নির্বন্ধ হওয়াতে এই দণ্ডের আজ্ঞা হইয়াছে (সম্পূর্ণভাবে ও স্পাইরূপে দণ্ডের উল্লেখ করিবে)।

এজন্য তোমার প্রতি অন্ন্যতি দিয়া আদেশ করা ঘাইতেছে যে তুমি উক্ত স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) উক্ত অমুক্কে (আসামার নাম দিবে) এই ওয়ারন্ট সহিত উক্ত জেলে তোমার হেফাজতে গ্রহণ করিবে ও তথায় আহনমতে পুর্ব্বোক্ত দণ্ডাজ্ঞা সাধন করিবে।

আদ্য ১৮ সালের অমৃক মাসের অমৃক ভারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালভের মোহর মৃক্ত হইয়ঃ এই ওয়ারউ প্রদত্ত হইল।

(মোহব)

৩০।—ক্রোক করিয়া ক্ষতিপ্রণের টাক্ষা আদায়-না হইলে কারাদত্তের ওয়ারটের পাঠ।

(२०० धाता (नचा)

অমুক ছানের জেলের হপারিকেভেক (কি রক্ষক) সমীপের।

অমুক্ (নাম ও বর্ণনা দিবে) অমুকের (অভিযুক্ত ব্যক্তির নাম ও বর্ণনা লিখিবে) বিকল্প এই বলিয়া নালিশ করে বে (নালিশের মর্ম সংক্ষেপে লিখিবে) ও অনর্থক ও বিরক্তিকর বলিয়া ভাষা ডিসমিস করা গিয়াছে ও ভিসমিস করিবার আজ্ঞায় উক্ত অমুকের (বাদির নাম দিবে) প্রতি ক্ষতিপ্রণ অরপ এত টাকা দিবার আদেশ হইমাছে; ও উক্ত টাকা দেওয়া যায় নাই ও উক্ত অমুকের (বাদির নাম দিবে) অছাবর সম্পতি ক্রোক করিয়া ভাষা আদায় করা ঘাইতে পারে না ও ইতি মধ্যে উক্ত টাকা দেওয়া না গেলে, ভাষার এত দিনের কারাদঞ্জের আক্ষা হইয়াছে:

ঞ্জন্য ভোমার প্রতি অনুমতি দিয়া আদেশ করা ঘাইতেছে যে তুমি উক্ত অপারিটেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) উক্ত অমুক্তকে (লাফ দিবে) এই ওয়ারন্ট সহিত তোমার হেলাজতে গ্রহণ করিবে ও তাহাকে ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইনের ৬৯ ধারার বিধানের নিয়মাধানে এত কাল উক্ত জেলে নির্বিদ্ধে রাখিবে কিন্তু ইতিমধ্যে উক্ত ই।কালেওয়া গেলে, তাহা পাইয়া তাহাকে মুক্ত করিবে। যেরপে এই ওয়ারন্ট সাধন হয় পৃষ্ঠলিপিক্রমে তাহার সার্টিফিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট কেরত পাঠাইবে।

আদ্য ১৮ সালের অমূক মাসের অমূক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ারক্ট প্রদক্ত হইল।

(যোহর)

(আকর)

७)।-- माकीत नात्य मयत्नद्र शार्थ।

(७৮ ७ २६२ शादा (मथ ।)

পমুক ছানবাদী 🕮 পমুক সমীপেয়।

আমার নিকটে নালিশ হইরাছে যে অমুক খানবাসী অমুক অমুক অপরাধ (সমন্ন ও ছানসহ সংক্ষেপে অপরাধের উল্লেখ করিবে) করিয়াছে (কি করিয়াছে বলিয়া সন্দেহ হয়) ও আমার বোধ হয় যে ত্মি অভি-যোগের পক্ষে প্রয়োজনীয় সাক্ষ্য দিতে পারিবে।

এজন্য উক্ত নালিশের বিষয় সম্পর্কে তুমি যাহা জান তাহার সাক্ষ্য দিতে আগামি অমুক মাসের অমুক তারিখে পূর্বাছ দশ ঘটিকার সময়ে তুমি এই আদালতে উপস্থিত হইবে, ও আদালতের অমুমতি না লইয়া তথা হইতে চলিয়া যাইবে না এতদ্বারা তোমার প্রতি এই সমন দেওয়া গেল ও তোমাকে সাবধান করা ঘাইতেছে যে তুমি ন্যায়ামগত কারণ বিনা উক্ত তারিখে উপস্থিত হইতে উপেক্ষা কি অস্বীকার করিলে, তোমাকে বলপূর্বক উপস্থিত করাইবার নিমিত্ত ওয়ারণ্ট দেওয়া যাইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক ভারিখে আহার স্বাক্ষর ও আদালভের মোহর যুক্ত হইয়া এই সমনপুত্র প্রদক্ত হইল।

(যোহর)

(স্বাক্তর)

৩২।—জুরর ও আসেসরদিগকে সমন করিবার নিমিত্ত জিলার মাজিষ্ট্রেট সাহেবের প্রতি
আদেশপত্তের পাঠ।

(৩২৬ ধারা দেখ।)

অমুক জিলার মাজিক্টেট সাহেব সমীপেযু।

আগামি অমুক মাসের অমুক তারিখে অমুক স্থানের আদালত হরে কোজদারী সেশন বসিবে এই আদালত হতে কোজদারী সেশন বসিবে এই আদালত হতে ক্রের ও আসেসরদের যে সংশোধিত কর্ম দেওয়া গিয়াছে তভুক নামের মধ্য হইতে নিয়মিতরূপে ভালিবাটক্রমে এতলিবিত ব্যক্তিদের নাম নির্বাচিত হইয়াছে, এজন্য এতদ্বারা তোমার প্রতি আদেশ করা হাইতেছে যে উক্ত তারিখে প্রায় দশ ঘটিকার সময় উক্ত সেশন আদালতে উপস্থিত হইবার সমন উক্ত

্ব্যক্তিদিগকে দিবে ও এই আদেশ অহসারে ভূমি যে ইহা করিলে উক্ত সময়ের মধ্যে তাহার সাটিফিকেট পাঠাইবে।

(এই ছলে জ্বর ও আসেসরদের নাম দিবে।)

আন্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক ভারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদাসতের মোহরযুক্ত হইরা এই আদেশপত্র প্রথম্ভ হইন।

(যোহর)

(স্বাক্র)

৩৩।—জুরর কি আদেসরকে সমন দিবার পাঠ।
(৩২৮ ধারা দেখ।)

प्रमुक शानवानी खीजमूक नमीरभय ।

আগামি কৌজদারী সেশনে আসেসর (কি ছ্রর) স্বরূপ ভোমার উপস্থিত হইবার আজ্ঞাসূচক অমুক ছানের সেশন আদালতের আদেশপত্র আমার নিকটে প্রেরিত হওয়াতে তৃমি আগামি অমুক মাসের অমুক ভারিখে পূর্কাক দশ ঘটিকার সময় উক্ত সেশন আদালতে উপস্থিত হইবে, ভোমাকে এতদ্বারা এই সমন দেওয়া গেল।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক ভারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই সমনপত্র প্রদক্ত হইল।

(মোহর)

(স্বাক্ষর)

৩৪। – প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা হইলে কারাবদ্ধ করিবার ওয়ারক্টের পাঠ।

(৩৭৪ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানের জেলের স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) সমীপেয়।

১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার সন্মুখে সৈশন হয় উক্ত সেশনে কালেওরের এত নম্বর মোকদ্দমার (প্রথম কি দ্বিতীয় কি তৃতীয় ইত্যাদি যে হউক) আসামীর অমুকের (আসামির নাম দিবে) দণ্ডবিধির আইনের এত ধারামতে বধস্বরূপ অপরাধজনক নরহত্যাপরাধ নিয়মিতরূপে নিনীত হইয়া প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা হইয়াছে ও অমুক স্থানের অমুক কোট কর্তৃক উক্ত দণ্ডাজ্ঞা দৃঢ় করণের অপেক্ষা আছে;

এজন্য তোমার প্রতি অসমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি উক্ত স্থপারিকেন্তেক (কি রক্ষক) এই ওয়ারকিসহ উক্ত অমুককে (আশামির নাম দিবে) উক্ত জ্ঞেলে তোমার হেকাজতে প্রাহণ করিবে ও যাবৎ অমুক কোর্টের আজ্ঞা কলবতী করণার্থে এই আদালতের অন্যতর ওয়ারক কি আজ্ঞা না পাও তাহাকে তথায় নির্বিধে রাখিবে।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ারন্ট প্রদন্ত হইল।

(যোহর)

(স্বাক্ষর)

৩৫।--প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা সাধন করিবার ওয়ারণ্টের পাঠ।

( ৩৮১ ধারা দেখ। )

অমুক স্থানের জেলের স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) সমীপেয়ু )।

১৮ সালের অমুক মানের অমুক তারিখে আমার সমুখে যে সেশন বসে তাছাতে কালেওরের এত নম্বর মোকদ্দমায় (প্রথম কি দ্বিতীয় কি তৃতীয় ইত্যাদি যাহা হউক) আসামী অমুককে (আসামির নাম দিবে) অমুক মানের অমুক তারিখের এই আদালতের ওয়ারণ্টক্রমে প্রাণদণ্ডের আজ্ঞাধানে তেমার হেফাজ্বতে সমর্পণ করা গিয়াছে এবং উক্ত দণ্ডাজ্ঞার দৃঢ়ীকরণাত্মক অমুক কোটের আজ্ঞা এই আদালতে গৃহীত হইয়াছে।

এজন্য ভোমার প্রতি অনুমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে উক্ত স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট, [ কি রক্ষক ] তদাজ্ঞাসাধন করিবার নিয়মিত সময়ে ও স্থানে যাবৎ উক্ত অমুক না মরে তাছার গলায় উদ্বন্ধনারা উক্ত দণ্ডাজ্ঞা সাধন করিবে, এবং উক্ত দণ্ডাজ্ঞা সাধন হইয়াছে, পৃষ্ঠলিপিক্রমে ইহার সার্টিফিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট এই আদালতে কেরত পাঠাইবে।

ে অদ্য ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদাসতের মোহর যুক্ত হইয়া এই .ওয়ারন্ট প্রদক্ত হইল।

( যোহর )

( স্বাক্ষর )

# ৩৬। — দণ্ড পরিবর্ত্তনের পর ওয়ারক্টের পাঠ। (৩৮১ ও ৩৮২ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানের জেলের স্থপারিতেওেও (কি রক্ষক) সমীপেষু)।

১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে যে সেশন বসে তাহাতে কালেশুরের এত নম্বর মোকদ্বায়
প্রথম কি বিতীয় কি তৃতীয় ইত্যাদি যে হউক) আসামী অমুকের (আসামির নাম দিবে) ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির এত
ধারামতে দণ্ডনীয় অমুক অপরাধ নির্ণয় হইয়া এই দণ্ডের আজ্ঞা হয় ও তদন্সারে তাহাকে তোমার হেকাজতে
সম্পূর্ণ করা যায়; এবং অমুক আদালতের আজ্ঞাদারা (যে আজ্ঞার দোকর লিপি এতৎসঙ্গে দেওয়া গেল) উক্ত
দণ্ডাজ্ঞার নির্দিট দণ্ডের পরিবর্তে যাবজ্ঞীবন দ্বাপান্তর (কি অন্য যেরপ হয়) দণ্ডের আদেশ ইইয়াছে;

এজন্য ভোমার প্রতি অন্থাতি দিয়া আদেশ করা ষাইতেছে যে তুমি উক্ত অমুক স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) যাবৎ উক্ত আজ্ঞামতে দ্বীপান্তর দণ্ড ভোগ করণার্থে উপযুক্ত কর্তৃত্বাধীনে ও হেকাজতে উক্ত অমুক্ত নাম দিবে] সমর্পণ করিতে না পার, তাবৎ তাহাকে আইনের আদেশমতে নির্বিন্দে উক্ত জেলে তোমার হেকাজতে রাখিবে;

কিয়

লঘুক্কড দণ্ডের আজ্ঞা কারাদণ্ডের হইলে " যাবং " অবধি "তাবং " পর্য্যন্ত কথা না লিখিয়া "হেফাজ্জতে রাখিবে" এই কথার পরে এইং কথা দিবে "ও উক্ত আজ্ঞামতে আইন অনুসারে তথায় কারাদণ্ড সাধন করিবে।"

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ারন্ট প্রদক্ত হইল;

( যোহর )

(স্বাক্ষর)

৩৭।—ক্রোক ও বিক্রয় দারা অর্থদণ্ড আদায় করিবার ওয়ার**ণ্টে**র পা**ঠ**।

(৩৮৬ ধারা দেখ।)

শ্রীঅমুক সমীপেষ্ ( যে পোলীদের কর্মকার কি অন্য ব্যক্তি কি ব্যক্তিরা ওয়ারন্ট সাধন করিবে ভাহার কি ভাহাদের নাম ও খ্যাতি লিখিবে)।

১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখে আমার সমুখে অমুকের (অপরাধীর নাম ও বর্ণনা দিবে)
অমুক অপরাধ (সংক্ষেপে অপরাধের উল্লেখ করিবেক) নির্ণয় হইয়া এত টাকা অর্থ দণ্ড দিবার আজ্ঞা হয় এবং
উক্ত অমুকের (নাম দিবে) প্রতি উক্ত অর্থ দণ্ড দিবার আদেশ হইলেও সে উক্ত টাকা কি তাহার কোন অংশ
দেয় নাই:

এজন্য তোমার প্রতি অন্মতি দিয়া আদেশ করিতেছি যে অমুক জিলার মধ্যে উক্ত অমুকের (নাম দিবে) যে অস্থাবর সম্পত্তি পাও তাছা আটক করিয়া ক্রোক করিবে ও তদ্রপ ক্রোক হইবার পর এত কাল মধ্যে (যত দিন কি ঘন্টা সময় দেওয়া যায় লিখিবে) কিম্বা অবিলম্বে উক্ত টাকা না দেওয়া গেলে উক্ত ক্রোকফ্রত অস্থাবর সম্পত্তি কিম্বা উক্ত অর্থ দণ্ডের টাকা পরিশোধ করিতে তাহার যে অংশের প্রয়োজন হয় সেই অংশ বিক্রয় করিবে। এবং এই ওয়ারন্ট সাধন হইবার অব্যবহিত পরে এতংক্রমে তুমি যাহা করিয়াছ পৃষ্ঠলিশিক্রমে তাহার সার্টিকিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট ফেরত পাঠাইবে।

আন্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইরা এই ওয়ারক প্রদত্ত হইল।

(মোহর)

(স্বাক্ষর)

৩৮।—কোন ২ অবজ্ঞার মোকদ্দমার অর্থদণ্ড হইলে, কার।বদ্ধ করিবার ওয়ারনেট্র পাঠ।

(৪৮০ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানের জেলের স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) সমীপেয় ।

অদ্য আমার সম্মুখে আদালতের অধিবেশনে অমৃক (অপরাধীর নাম ও বর্ণনা দিবে) আদালতের সম্মুখে (কি দৃষ্টিগোচরে) ইচ্ছাপূর্কক অবজ্ঞাকরণাপরাধ করিয়াছে।

এবং এইরপ অবজ্ঞা নিমিত্ত আদালত অমুকের (অপরাধীর নাম দিবে) এও টাকা অর্থদণ্ডের, ও তাহা না দিলে এত কাল (মাস কি দিনের সংখ্যা লিখিবে) কারাদণ্ড ভোগের আজ্ঞা করিয়াছেন;

এজন্য ভোষার প্রতি অস্মতি দিয়া আদেশ করা ঘাইতেছে যে তুমি উক্ত জেলের স্থারিন্টেঙেন্ট (কি রক্ষক) এই ওয়ারন্টের সহিত উক্ত অমুককে (অপরাধার নাম দিবে) ভোষার 'হেফাজ্জতে গ্রহণ করিবে ও ইতিমধ্যে উক্ত অর্থনন্ত আহক না হইলে এত কাল (কারাদণ্ডের কাল নির্দ্দেশ করিবে) তাহাকে উক্ত জেলে নির্ব্বিদ্নে রাখিবে এবং উক্ত টাকা পাইলে তৎক্ষণাং ভাহাকে মৃক্ত করিবে ও যেরূপে এই ওয়ারন্ট সাধন হইল প্রালিপিক্রমে ভাহার সার্টিকিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট ফেরত পাঠাইবে।

আন্ত ১৮ সালের অমৃক মাসের অমক তারিখে আমার আংকর ও অদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই
ওয়ার
কি থাদক হইল।

('মোহর) (স্থাক্ষর)

৩৯।—সাক্ষী উত্তর দিতে অস্বীকার করিলে মাজিষ্ট্রেটের বা জজের তাহাকে কারাবদ্ধ করিবার ওয়ারকেটর পাঠ।

(৪৮৫ ধারা দেখ।)

শ্রীঅমৃক ( আদালতের কর্মকারকের নাম ও খ্যাতি দিবে ) সমীপেয়ু ।

অমুক (নাম ও বর্ণনা দিবে) সাক্ষীস্থরপ সমন প্রাপ্ত হইয়া কিম্বা এই আদালতের সমুখে আনীত হইয়া ও অপরাধের অভিযোগের তদন্ত কালে অদ্য সাক্ষ্য দিবার আদেশ প্রাপ্ত হইয়া ওক্ত অপরাধের অভিযোগের তদন্ত কালে অদ্য সাক্ষ্য দিবার আদেশ প্রাপ্ত হইয়া ওক্ত অপরাধের অভিযোগ সম্বন্ধে যে (কি যে যে) প্রশ্ন তাহার প্রতি করা গিয়া নিয়মিতরূপে লেখা যায়, অস্বীকার করিবার ন্যায়ায়্গত কারণ না দর্শাইয়া সেই প্রশ্নের উক্তর দিতে অস্বীকার করে এবং উক্ত অবজ্ঞা নিমিত্ত তাহাকে এতকাল (আটক করিয়া রাখিবার কাল নির্দেশ করিবে) হেফাজ্রতে আটক করিয়া রাখিবার আদেশ হইয়াছে।

এজন্য তোমার প্রতি অন্ন্যতি দিয়া আদেশ করা ঘাইতেছে যে ভূমি উক্ত অমুক্কে (নাম দিবে) হেফাজতে গ্রহণ করিবে এবং ইতিমধ্যে সাক্ষ্য দিতে ও জিজ্ঞাসিত প্রশ্নের উত্তর করিতে সন্মত না হইলে এত দিন তাহাকে তোমার হেফাজতে নির্বিদ্ধে রাখিবে, ও তাহার শেষ দিনে কিয়া তদ্রপা সন্মতি জ্ঞাত হইবা মাত্র আইনমতে কার্য্য হইবার নিমিত্ত তাহাকে এই আদালতের সন্মুখে আনিবে, ও যেরূপে এই ওয়ার্ক্ট সাধন হয় পৃষ্টলিপিক্রমে তাহার সার্টিকিকেট লিখিয়া এই ওয়ার্ক্ট কেরত পাঠাইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমৃক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত ইইয়া এই ওয়ারন্ট প্রদন্ত হইল।

(যোহর) (স্বাক্ষর)

৪০।—ভরণপোষণের টাকা না দিলে কারাবদ্ধ করিবার ওয়ারণ্টের পাঠ।

( ४৮৮ शाता (मथ । )

ষমুক স্থানের জেলের স্থারিতেওেউ [ কি রক্ষক ] সমীপের।

আমার সন্মুখে প্রমাণ ইইয়াছে যে অমুকের [নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে] যে সঞ্চতি আছে তাছাতে সে আপন জ্বার (নাম দিবে) কি এইং কারণ [কারণ উল্লেখ করিবে] বশতঃ আত্মন্তরণপোষণাক্ষম সন্তানের (নাম দিবে) ভরণপোষণ করিতে পারে ও ভৎকার্য্য করিতে সে উপোকা (কি অস্বাকার) করিয়াছে ও ভাছার জ্বীর (কি সন্তানের) ভরণপোষণ নিমিত্ত উক্ত অমুকের (নাম দিবে) প্রতি মাসিক এত টাকা দিবার আজ্বা নিয়মিতরূপে করা গিয়াছে এবং ইহাও সপ্রমাণ ইইয়াছে যে উক্ত অমুক (নাম দিবে) প্রক্ষোপ্র্বক উক্ত আজ্বা অমান্য করিয়া অমুক (কি অমুক অমুক) মাসের রভিস্কর্মপ এত টাকা দেয় নাই এবং ডক্ষন্য উক্ত জেলে ভাছার এত কাল সামান্য (কি কঠোর) কারাদণ্ডের আজ্বা করা গিয়াছে।

এজন্য তোমার প্রতি অপ্নয়তি দিয়া আদেশ করা হাইতেছে যে তুমি উক্ত অপারিকেওেও (কি রক্ষক) উক্ত অমুককে (নাম দিবে) এই ওয়ারন্ট সহিত উক্ত জেলে ভোমার হোকাজতে গ্রহণ করিবে, ও ভংগয় আইনমতে উক্ত আজ্ঞা সাধন করিবে; ও যেরূপে এই ওয়ারন্ট সাধন হয় পৃষ্ঠলিপিক্রমে ভাহার সার্টিকিকেট দিখিয়া এই ওয়ারন্ট কেরত পাঠাইবে।

আল্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক ভারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদাসভের মোহর বুক্ত হইর। এই ওয়ার্ক্ট প্রদত্ত হইল।

(মোহর)

( স্বাক্ষর )

৪১।—ক্রোক ও বিক্রয় দারা ভরণপোষণের টাকা আদায় প্রবল করিবার ওয়ারণ্টের পাঠ। (৪৮৮ ধারা দেখ।

# এঅমুক সমীপেয়।

(যে পোলীস কর্মকারক কি জন্য ব্যক্তি ওয়ারন্ট সাধন করিবে ভাহার নাম ও খ্যাভি লিখিবে )।

আপন দ্বীর (কি সম্ভানের) ভরণপোষণ নিমিত্ত উক্ত অমুকের (নাম দিবে) প্রতি মাসিক এত টাকা দিবার আজ্ঞা নিয়মিতরূপে করা গিয়াছে এবং উক্ত অমুক (নাম দিবে) স্থেচ্ছাপূর্কক উক্ত আজ্ঞা অমান্য করিয়া অমুক (কি অমুক অমুক) মাসের ইভিস্করপ এত টাকা দেয় নাই।

এজন্য ভোমার প্রতি অমুমতি দিয়া আদেশ করা ঘাইতেছে যে ভূমি অমুক জিলার মধ্যে উক্ত অমুকের (নাম দিবে) যে অস্থাবর সম্পত্তি পাও তাহা আটক করিয়া ক্রোক করিবে ও তজ্ঞপ ক্রোক হইবার পর এত কাল মধ্যে (যত দিন কি ঘন্টা সময় দেওয়া যায় তাহা লিখিবে) কিন্তা অবিলম্বে উক্ত টাকা দেওয়া না গেলে, উক্ত ক্রোকক্বত অস্থাবর সম্পত্তি কিন্বা উক্ত টাকা পরিশোধ করিতে তাহার যে অংশের প্রয়োজন হয় সেই অংশ বিক্রয় করিবে ও এই ওয়ারন্ট সাধন হইবার অব্যবহিত পরে এতৎক্রমে ভূমি যাহা করিয়াছ পৃষ্ঠালিপিক্রমে তাহার সার্টিকিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট কেরত পাঠাইবে।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইরা এই ওয়ারন্ট প্রদক্ত ইইল।

( মোহর )

(স্বাক্ষর)

৪২।—মাজিট্রেটের সম্মুখে প্রথম স্থলীয় তদন্ত সময়ে নিবন্ধপত্রের ও জামিনী নিবন্ধ পত্ত্বের পাঠ। (৪৯৬ ও ৪৯৯ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানবাসী আমি অমুক (নাম দিবে) অমুক অপরাধের অভিযোগে অমুক স্থানের মাজিস্টেটের সন্মুখে আনীত হইয়াছি ও তাঁহার আদালতে ও আবশ্যক হইলে, সেশন আদালতে আমার উপস্থিত হইবার জামিন দিবার আদেশ পাইয়াছি, অতএব আমি প্রতিজ্ঞা করিতেছি যে উক্ত অভিযোগের প্রথমস্থলীয় তদম্প্রের প্রতিদিন উক্ত মাজিস্টেটের আদালতে উপস্থিত হইব এবং উক্ত মোকদমা যদি বিচারার্থে সেশন আদালতে প্রেরিত হয়, আমার বিরুদ্ধে উক্ত অভিযোগের প্রতিবাদ করিবার আদেশ পাইলেই উক্ত আদালতে উপস্থিত হইতে থাকিব, ইহাতে আমার ক্রটি হইলে, শ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরীকে এত টাকা দণ্ড দিব, এই মর্মের নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিলাম।

১৮ সাম তাং

( স্বাক্ষর )

উক্ত অমুকের (নাম দিবে) নামে যে অপরাধের অভিযোগ হইয়াছে তাহার প্রথমন্থলীয় তদন্তের প্রতি
দিন অমুকের আণালতে সে উপস্থিত হইবে, উক্ত মোকজমা যদি বিচারার্থে সেশন আদালতে প্রেরিভ হয় তাহার
বিরুদ্ধে অভিযোগের প্রতিবাদ করিবার নিমিত্ত উক্ত আদালতে উপস্থিত হইতে থাকিবে আমি (কিন্তা আমরা
সংস্ফান্ডাবে কি স্বতন্ত্ররূপে দকলে ও প্রত্যেকে) এই বিষয়ে অমুকের জামিন স্থীকার করিলাম, ইহাতে ভাহার
ক্রাটি হইলে আমি শ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরীকে এত টাকা দণ্ড দিব এই মর্মের নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিলাম।

১৮ সাল তাং

(স্বাক্ষর)

৪৩।—জামিন না দেওয়াতে যে ব্যক্তি কারাবদ্ধ হয় তাহাকে মুক্ত করিবার ওয়ারণ্টের পাঠ।

(৫০০ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানের জেলের স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক কিম্বা অন্য যে কর্মচারির হেকাজতে উক্ত ব্যক্তি থাকে দেই কর্মচারা ু) সমীপেয়ু।

অমুক মাসের অমুক ভারিখে এই আদালতের ওয়ার্টক্রমে অমুক্কে (বন্দির নাম ও বর্ণনা দিবে)
• ভোমার হেফাজ্রতে সমর্পণ করা গিয়াছে ও তদনম্ভর সে কোজদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইনের
৪৯৯ ধারামতে জামিন কি জামিনদের সহ নিয়মিতরূপে নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিয়াছে;

এজন্য তোমার প্রতি অনুমতি দিয়া আদেশ করিতেছি যে তুমি উক্ত অমুক ( নাম দিবে ) অন্য কোন বিষয়ের নিমিত্ত আটক থাকিবার যোগ্য না হইলে তাহাকে অবিলয়ে তোমার হেফাজত হইতে মুক্ত করিবে।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মানের অমুক তারিখে আমার স্থাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইরা এই ওয়ারত প্রদক্ত হইল।

( খোহর )

( আকর )

# 88।—নিবন্ধপত্র প্রবল করণার্থে ক্রোক করিবার ওয়ার**েটর পাঠ।**(৫১৪ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানের পোলীস থানার অধ্যক্ষ সমীপেষু।

অমুক (নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে) স্থায় মুচলকা অহুদারে অমুক কার্য্যের উপলক্ষে (উপলক্ষের উলেখ করিবে) উপস্থিত হয় নাই ও ভদ্রপ ক্রটিপ্রযুক্ত শ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরীর নিকটে এত টাকার (নিবন্ধপত্রের অর্থদণ্ডের টাকার) দায়ী হইয়াছে; এবং উক্ত অমুককে (নাম দিবে) নিয়মিতরূপে নোটিস দেওয়া গেলেও দে উক্ত টাকা দেয় নাই অথবা উক্ত টাকা ভাহার নিকট কেন আদায় করা ঘাইবে না ইহার উপযুক্ত কারণ দেখায় নাই।

এজন্য তোমার প্রতি অনুমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি অমুক জিলার মধ্যে উক্ত অমুকের (নাম দিবে) যে অস্থাবর সম্পত্তি পাও তাহা আটক করিয়া রাখিয়া ক্রোক করিবে এবং তিন দিনের মধ্যে উক্ত টাকা দেওয়া না গেলে, উক্ত ক্রোকক্সত সম্পত্তি কিয়া উক্ত টাকা আদায় করিতে তাহার যে অংশের প্রয়োজন হয় সেই অংশ বিক্রয় করিবে এবং এই ওয়ারন্ট সাধন হইবার অব্যবহিত পরে এতৎক্রমে তুমি যাহা করিয়াছ তাহার রিটর্গ পাঠাইবে।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ারউ প্রদক্ত হইল।

( থোহর )

(স্বাক্ষর)

# ৪৫।—নিবন্ধপত্রের নিয়ম ভঙ্গ হইলে জামিনকে নোটিস দিবার পাঠ। (৫১৪ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানবাসী শ্রীঅমুক সমীপেয়ু।

অমুক মানের অমুক তারিখে অমুক স্থানবাদী অমুক (নাম দিবে) এই আদালতের সম্মুখে উপস্থিত হইবে এই বিষয়ে তুমি ১৮ ' সালের অমুক মানের অমুক তারিখে তাহার জামিন লইয়া নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিয়াছিলে যে ইহাতে তাহার ক্রটি হইলে তুমি শ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরীকে এত টাকা দণ্ড দিবে এবং উক্ত অমুক (নাম দিবে) এই আদালতের সম্মুখে উপস্থিত হয় নাই, ও উক্ত ক্রটিপ্রযুক্ত তোমার এত টাকা দণ্ড হইয়াছে,

এজন্য এতদ্বারা তোমার প্রতি আদেশ দেওয়া যাইতেছে যে তুমি উক্ত অর্থদণ্ডের টাকা দিবে, কিয়া তোমার নিকটে কেন উক্ত অর্থদণ্ডের টাকা আদায় করা যাইবে না, এই তারিখ অবধি এত দিন মধ্যে তাহার কারণ দর্শাইবে।

ं অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইস্না এই 'নোটিস প্রদন্ত হইল।

(মোহর)

( স্বাক্ষর )

# ৪৬।—সদাচরণের নিবন্ধপত্রের অর্থদণ্ডের মোটিস জামিনকে দিবার পাঠ। (৫১৪ ধারা দেখ।)

অযুক স্থানবাসী ঐত্যুক সমীপেয়ু।

অমুক স্থানবাসী অমুক ( নাম দিবে ) এতকাল শান্তিভল্প করিবে না এই বিষয়ে ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখেঁ নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিয়া তুমি ভাষার জামিন হইয়া প্রতিজ্ঞা করিয়াছিলে যে ইহাতে ফ্রাট হইলে তুমি শ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরীকে এত টাকা দণ্ড দিবে এবং তুমি জামিন হইবার পর অপরাধ করিয়াছে বলিয়া উক্ত অমুকের ( নাম দিবে ) অমুক অপরাধ ( সংক্ষেপে অপরাধের উল্লেখ করিবে ) নির্ণয় হইয়াছে ও তাহাতে তোমার জামিনী নিবন্ধপত্রের টাকা দণ্ড হইয়াছে।

এজন্য তোমার প্রতি এভদ্ধারা আদেশ করা ঘাইতেছে যে তুমি উক্ত অর্থদণ্ডের টাকা দিবে, কিছা উহা কেন দিবে না, এভ দিন মধ্যে ইহার কারণ দর্শাইবে।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহরযুক্ত হইয়া এই নোটিস প্রদন্ত হইল।

(মোহর) (স্বাক্ষর)

# ৪৭।—জামিনের বিরুদ্ধে ক্রোক করি বারওয়ারন্টের পাঠ। (৫১৪ ধারা দেখ।)

এ অমুক সমীপেয়

অমুক ( নাম, বর্ণনা ঠিকানা লিখিবে ) অমুকের উপস্থিত হইবার ( নিবন্ধপত্রের নিয়মের উল্লেখ করিবে ) জামিনস্বরূপ আপনাকে নিবন্ধ করিয়াছে ও উক্ত অমুক (নাম দিবে) তাহাতে ক্রটি করিয়াছে, স্থতরাং শীশ্রীমতা মহারাণী ভারতেশ্বরীর নিকটে এত টাকার ( নিবন্ধপত্রের লিথিত অর্থদণ্ডের টাকার ) দায় হইয়াছে।

এজন্য তোমার প্রতি অনুমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি অমুক জিলার মধ্যে উক্ত অমুকের (নাম দিবে ) যে অস্থাবর সম্পত্তি পাও তাহা আটক করিয়া রাখিয়া ক্রোক করিবে ও তিন দিন মধ্যে উক্ত টাকা দেওয়া না গোলে উক্ত ক্রোকক্বত সম্পত্তি কিছা উক্ত টাকা আদায় করিতে তাহার যে অংশের প্রয়োজন হয় সেই অংশ বিক্রয় করিবে ও এই ওয়ারক সাধন করিবার অব্যবহিত পারেই এতৎক্রমে তুমি যাহা করিয়াছ তাহার রিটর্ণ পাঠাইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহরযুক্ত হইয়া এই ওয়ারট প্রদক্ত হইল।

(মোহর)

৪৮।—যে অভিযুক্ত ব্যক্তির হাজির জামিন লওয়া গিয়াছে, তাহার জামিনকৈ কারাবদ্ধ করিবার ওয়ারক্টের পাঠ।

(৫১৪ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানের জেলের স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট ( কি রক্ষক ) সমীপেই।

অমুক ( জামিনের নাম ও বর্ণনা দিবে ) অমুকের (নিবন্ধপত্রের নিয়মের উল্লেখ করিবে ) উপস্থিত হইবার জামিনস্থরূপ আপনাকে নিবন্ধ করিয়াছে ; ও উক্ত অমুক ( নাম দিবে ) তাহাতে ক্রটি করিয়াছে স্থুতরাং উক্ত নিবন্ধপত্রের লিখিত অর্থদণ্ডের টাকা শ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরীর পাওনা হইয়াছে এবং উক্ত অমুক ( জামিনের নাম দিবে ) যথাযোগ্য নোটিস পাইয়া উক্ত টাকা দেয় নাই কিছা তাহার নিকটে উহা কেন আদায় করা যাইবে না ইহার বিশিষ্ট কারণ দর্শায় নাই, ও ঐ টাকা তাহার অস্থাবর সম্পত্তি ক্রোক ও বিক্রয় করিয়া আদায় করা ঘাইতে পারে না ও তাহাকে এত কাল ( কাল নির্দেশ করিবে ) জেলে আবদ্ধ করিষা বাধিবার আজ্ঞা হইয়াছে ।

এজন্য তোমার প্রতি অনুমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি উক্ত স্থপারিন্টেওেন্ট (কি রক্ষক) এই ওয়ারন্টের সহিত উক্ত অমুককে (নাম দিবে) তোমার হেফাজতে গ্রহণ করিবে এবং এতকাল (কারাদণ্ডের)

কাল নির্দেশ করিবে ) তাহাকে উক্ত জেলে নির্কিন্মে রাখিবে, ও যেরূপে এই ওয়ারুট সাধন হয় পৃষ্ঠলিপিক্রয়ে ■ তাহার সার্টিফিকেট লিখিয়া এই ওয়ারুট কেরভ পাঠাইবে।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদানতের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ারন্ট প্রদক্ত হইল।

(মোহর)

৪৯।—শান্তিভঙ্গ না করিবার নিবন্ধপত্তের অর্থদণ্ডের নোটিস মুখ্য ব্যক্তিকে দিবার পাঠ।
(৫১৪ ধারা দেখ।)

শীঅমুক সমীপেযু (নাম ও বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে)।

তুমি শান্তিভঙ্গ করিবে না (নিবন্ধপত্রে যেরূপ থাকে তদ্রুপ লিখিবে) বলিয়া ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিয়াছিলে এবং তোমার উক্ত নিবন্ধপত্রের টাকা দণ্ড হইবার প্রমাণ আমার সন্মুখে প্রদন্ত হইয়া নিয়মিতরূপে লেখা গিয়াছে,

এজন্য এতদ্বারা তোমার প্রতি আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি এত টাকা অর্থদণ্ড দিতে কিন্তা উক্ত টাকা কেন তোমার নিকটে আদায় করা যাইবে না, এত দিনের মধ্যে আমার সমুখে তাহার কারণ দর্শাইবে।

> ১৮ সাল তাং (মোহর) (স্বাক্ষর)

৫০।—শান্তিভদ না ক্রিবার নিবন্ধপত্রের নিয়সভঙ্গ হইলে মুখ্য ব্যক্তির সম্পত্তি ক্রোক ক্রিবার ওয়ারণ্টের পাঠ।

## (৫১৪ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানের পোলীদ থানার শ্রী মমুক (পোলীদ কর্মচারির নাম ও খ্যাতি দিবে) দ্যীপেষু।
অমুক (নাম ও বর্ণনা দিবে) শান্দিজন্ধ করিবে না (যেরূপ নিবরূপত্রে লেখা থাকে) ইত্যাদি নির্মে ১৮
দালের অমুক মাদের অমুক তারিখে এত টাকার নিবন্ধপত্র লিখিয়া দেয় এবং উক্ত নিবন্ধপত্রের টাকা দণ্ড
ইইবার প্রমাণ আমার দমুখে প্রদন্ত ইইয়া নিয়্মিতরূপে লেখা গিয়াছে এবং উক্ত টাকা কেন দেওয়া যাইবে না
ইহার কারণ দর্শাইবার নিমিত্ত উক্ত অমুকের প্রতি (নাম দিবে) নোটিদ দিয়া আদেশ করা গিয়াছিল এবং সে
কারণ দর্শায় নাই ও উক্ত টাকাও দেয় নাই,

এজন্য ভোমার প্রতি অল্পতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে ভূমি অমুক জিলার মধ্যে অমুকের (নাম দিবে) যে অস্থাবর সম্পত্তি পাও এত টাকা মূল্য পরিমাণে তাহা আটক করিয়া ক্রোক করিবে এবং এত দিন মধ্যে উক্ত টাকা দেওয়া না গোলে উক্ত ক্রোকরত সম্পত্তি কিন্না উক্ত টাকা আদায় করিতে তাহার যে অংশের প্রয়োজন হয় সেই অংশ বিক্রয় করিবে এবং এই ওয়ারট সাধন হইবার অব্যবহিত পরে এতৎক্রমে ভূমি যাহা করিয়াছ তাহার রিটর্ণ পাঠাইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ারক্ট প্রদত্ত হইল।

(মোহর) (সাক্ষর)

৫১।—শাস্তিভঙ্গ না করিবার নিবন্ধপত্রের নিয়ম ভঙ্গ হইলে কারাবদ্ধ করিবার ওয়ারণ্টের পাঠ।

(৫১৪ ধারা দেখ।)

্ অমুক স্থানের দেওয়ানী জেলের স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) সমীপেষু।

আমার নিকটে প্রমাণ প্রদন্ত হইয়়া নিয়মিতরূপে লিপিবন্ধ করা গিয়াছে যে অমুক (নাম ও বর্ণনা দিবে) শান্তিজ্ঞ না করিবার যে নিবন্ধপত্র লিখিয়া দের তাহার নিয়মভঞ্জ করিয়া শ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরীর নিকটে এত টাকার দায়ী হইয়াছে এবং উক্ত অমুক (নাম দিবে) উক্ত টাকা দেয় নাই কিম্বা উক্ত টাকা কেন দিবৈ না ইহার কারণ দর্শাইবার নিমিত্ত নিয়মিতরূপ আদেশ হইলেও কারণ দর্শায় নাই ও তাহার অস্থাবর সম্পত্তি ক্রোক করিয়া টাকা আদায় করা ঘাইতে পারে না ও এতকাল (কারাদণ্ডের কাল নিদ্দেশ করিবে) উক্ত অমুককে (নাম দিবে) দেওয়ানী জেলে, কারাবদ্ধ করিবার আজ্ঞা হইয়াছে,

এজন্য ভোমার প্রতি অহমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি উক্ত স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) এই ওয়ারন্ট সহিত উক্ত অমুককে (নাম দিবে) তোমার হেকাজ্গতে গ্রহণ করিবে ও এত কাল (কারাদণ্ডের কাল নির্দেশ করিবে) তাহাকে উক্ত জেলে নির্দ্ধিন্দে রাখিবে; ও যেরপে এই ওয়ারন্ট সাধন হয় পৃষ্ঠলিপিক্রমে তাহার সাটিকিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট কেরত পাঠাইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইরা এই ওয়ারত প্রদন্ত হইল।

(মোহর)

(স্বাক্ষর)

৫২।—সদাচরণের নিবন্ধপত্তের টাকা দণ্ড হইলে ক্রোক ও বিক্রয় করিবার ওয়ারন্টের পাঠ।

( ৫১৪ श्रांता (मर्थ । )

অমুক ছানের পোলীদ থানার অধ্যক্ষ সমীপেয়ু।

১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে (নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে) অমুকের (মুখ্য ব্যক্তির নাম প্রভৃতি লিখিবে) সদাচরণের নিমিউ এত টাকার নিবন্ধপত্র লিখিয়া জামিন দিয়াছিল এবং উক্ত অমুক (নাম দিবে) যে অমুক অপরাধ করিয়াছে আমার সমুখে ইহার প্রমাণ প্রদত্ত হইয়া নিয়মিতরূপে লিপিবদ্ধ করা গিয়াছে, স্থতরাং উক্ত নিবন্ধপত্রের টাকা দণ্ড হইয়াছে, এবং উক্ত টাকা কেন দেওয়া যাইবে না ইহার কারণ দর্শাইবার নিমিত্ত উক্ত অমুকের (নাম দিবে) প্রতি নোটিস দিয়া আদেশ করা গিয়াছে ও সে তাহা করে নাই কিছা উক্ত টাকা দেয় নাই।

এজন্য ভোষার প্রতি অহ্মতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি অমুক জিলার মধ্যে উক্ত অমুকের ( নাম দিবে ) যে অস্থাবর সম্পত্তি পাও তাহা আটক করিয়া ক্রোক করিবে, ও এত দিন মধ্যে উক্ত টাকা দেওয়া না গেলে উক্ত ক্রোকক্রত সম্পত্তি কিম্বা উক্ত টাকা আদায় করিতে তাহার যে অংশের প্রয়োজন হয় সেই অংশ বিক্রয় করিবে ও এই ওয়ারন্ট সাধন হইবার অব্যবহিত পরে এতৎক্রমে তুমি যাহা করিয়াছ তাহার রিটণ পাঠাইবে।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার আক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ারট প্রদক্ত হইল।

(মোহর)

(স্বাক্ষর)

৫৩ I—সদাচরণের নিব**ন্ধ**পত্রের টাকা দণ্ড হইলে কারাবদ্ধ করিবার ওয়ারণ্টের পাঠ।

( ৫১৪ ধারা দেখ । )

অমুক স্থানের দেওয়ানী জেলের স্থপরিতেওেউ ( কি রক্ষক) সমীপেয়ু।

১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে অমুক ( নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে ) অমুকের ( মুখ্য ব্যক্তির নাম প্রভৃতি দিবে ) সদাচরণ নিমিত্ত এত টাকার নিবন্ধপত্র লিখিয়া জামিন দিয়াছিল এবং উক্ত নিবন্ধপত্রের নিয়ম ভঙ্গ হইবার প্রমাণ আমার সমুখে প্রদত্ত হইয়া নিয়মিতরূপে লিপিবদ্ধ করা গিয়াছে স্থতরাং উক্ত অমুক ( নাম দিবে ) জ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরার নিকটে এত টাকার দায়ী হইয়াছে এবং সে উক্ত টাকা দেয় নাই ও উক্ত টাকা কেন দেওয়া ঘাইবে না ইহার কারণ দর্শাইবার নিমিত্ত তাহার প্রতি নিয়মিতরূপে আদেশ করা গেলেও কারণ দর্শায় নাই ও তাহার স্থাবর সম্পত্তি কোক করিয়া উক্ত টাকা আদায় করা যাইতে পারে না ও উক্ত অমুককে ( নাম দিবে ) এতকাল ( কারাদণ্ডের কাল নির্দ্দেশ করিবে ) দেওয়ানী জ্বেলে কারাবদ্ধ করিবার আজ্ঞা হইয়াছে;

এজন্য তোমার প্রতি অমুমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি উক্ত স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) এই ওয়ারন্টের সহিত উক্ত অমুককে (নাম দিবে) তোমার হেফাজতে গ্রহণ করিবে ও এত কাল (কারাদণ্ডের কাল নির্দেশ করিবে) তাহাকে উক্ত জেলে নির্দ্ধিলে রাখিবে; যেরূপে এই ওয়ারন্ট সাধন হয় পৃষ্ঠলিপিক্রমে তাহার সাটিফিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট ফেরত পাঠাইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমূক মাসের অমৃক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর মুক্ত হইয়া এই ওয়ারণ্ট প্রদত্ত হইল।

(মোহর)

(স্বাক্ষর)

# অভিপ্রায় ও হেতুর বিবরণ।

প্রতি দশ বৎসরের শেষে কোজদারী মোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইন সংগ্রহ ও সংশোধন করিবার রীতি চলিয়া আসিতেছে। ফোজদারা মোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক প্রথম আইন অর্থাৎ ১৮৬১ সালের ২৫ আইনের পর ১৮৭২ সালের ১০ আইন বিধিবদ্ধ হয়, আবার শেষোক্ত আইন হইবার পর ১৮৮২ সালের ১০ আইনটি বিধিবদ্ধ হইয়াছিল।

2448	সাত	সর ৩	আইন।	•
26F@	,,	20	,,	১৮৮২ দাল হইতে আরম্ভ করিয়া কেজিদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রশালী
3669	10	æ	**	•
3669	21	78	**	সম্বন্ধে যোলটি আইন পাশ করা হইয়াছে, ১৮৮২ সালের আইনটির সংশোধন
১৮৮৯	,,	3	,,	ইহার মধ্যে অনেকগুলিরই স্পন্ট উদ্দেশ্য।
<b>プ</b> トチン	,,	Œ	1)	ইহা ছাড়া উক্ত আইনের আবশ্যক সংশোধন সম্বন্ধে কতকগুলি বিষয়
3649	,,	70	,,	
ን৮৯ን	••	9	,,	ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্টের গোচর করা হইয়াছে, কিন্তু নিয়মিত কালানন্তর যখন
2422	,,	8	,,	আইন্টির সংশোধন কার্য্যে প্রব্রক্ত হওয়া যাইবে তখনই ঐ সকল সংশোধনের
3425	,,	>•	**	কথা বিবেচিত হইবে বলিয়া এত দিন এ বিষয়ে কিছুই করা হয় নাই। পা-
ንዮ»ን	••	ऽ२	,,	
3 <b>64</b> 8	٠,	৩	••	রিপোটগুলি হইতেও দৃষ্ট হয় যে আইনটি কার্য্যে পরিণত করিতে অনেক
ንዮ»8	,,	۶.	••	ক্রটি ও কঠিন সমস্যা উপস্থিত হইয়াছে এবং হাই কোর্টগুলি আইনের ব্যাখ্যা
১৮৯৫	,,	8	••	করিতে গিয়া সময়ে সময়ে পরস্পর বিরোধী রায় প্রকাশ করিয়াছেন।
3626	••	Œ	,,	THE PART HAN THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF TH
১৮৯৬	••	20	97	

এই সমস্ত বিষয় বিবেচনা করিয়া ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্ট ফেজিদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইন পুন্রস্থার সংগ্রহ ও সংশোধন করিতে ক্বভসংকম্প হইয়াছেন।

### भात। मश्रुक गरुवा।

১ ধারা । বর্ত্তমান আইনের সমক্ষ বিধান প্রেসিডেন্সা নগরের পোলীস সম্বন্ধে খাটিবে না উক্ত আইনে এইরপ নিয়ম নিদ্দিট হওয়াতে কিয়ৎ পরিমাণ অস্থবিধা ভোগ করিতে হইমাছে এই কারণে একণে প্রস্তাব করা ঘাইতেছে যে. কোন স্থানীয় গবর্ণমেন্ট মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরঙ্গ সাহেবের মঞ্জি লইমা আইনের যে যে অংশ ইতি পূর্কেই স্পান্ট করিয়া প্রেসিডেন্সী নগরের পোলীস সম্বন্ধে প্রচলিত করা হইয়াছে ডাদতিরিক্ত অন্য যে যে অংশ আবশ্যক হয় তাহাও উক্ত পোলীসের সম্বন্ধে প্রচলিত করিতে পারিবেন।

৩ ধারা। —জাইন্ট সেশন জজ ও আডিশনল সেশন জজ বলিতে একই শ্রেণীর বিচার পতি বুঝায়, এই কারণে প্রথমে।ক্ত শব্দগুলি ত্যাগ করিবার প্রস্তাব করা হইল।

🖇 ধারা।—ইংরাজি বর্ণমালার ক্রমাহসারে অর্থ নির্দেশগুলি লিখিত হইয়াছে।

(১) 'অভিযুক্ত' শব্দের অর্থ প্রদারিত করা হইয়াছে। উপস্থিত আইন অনুসারে যে ব্যক্তিদের বিরুদ্ধে কোন কার্য্যের অন্ত্রান করা হয় কিয়া অন্ত্রান করিবার চেন্টা করা হয় ঐ শব্দে এক্ষণে সেই সমস্ত ব্যক্তিকেই বৃষাইবে। দৃষ্টান্ত অরপ সদাচরণের কিয়া শান্তিভঙ্গ না করিবার জন্য জামিন দিবার নিমিত্ত যে আন্ত্রানিক কার্য্য হয় তাহার উল্লেখ করা যাইতে পারে। ঐ আন্ত্রানিক কার্য্য ও বিশেষ কোন অপরাধের বিচার কার্য্যের মধ্যে বিলক্ষণ সাদৃশ্য আছে, অথচ 'অভিযুক্ত' বলিতে যাহার বিরুদ্ধে বিশেষ কোন অপরাধের বিচার হয় এক্ষণে কেবল ভাহাকেই বৃষায়।

" তদস্ত (ছ)" ও "বিচার (ঞ)" এই এইটি শব্দের অর্থনির্দেশে যে পরিবর্তন করা হইরাছে ভাষাতে পূর্বের ১৮৭২ সালের আইনে ঐ ঐ শব্দের যে অর্থ ছিল তাহাই পুনঃ প্রচলিত করা হইল, ইহাতে তদন্ত ও

বিচারের প্রভেদ সূচিত হইল।

অন্যান্য অর্থনির্দেশে যে সকল পরিবর্ত্তন করা হইয়াছে তাহা বিশেষ উল্লেখযোগ্য নহে, কিন্তু ১৮৮২ সালের আইনে প্রদত্ত কএকটি অর্থ সাধারণ ধাশবিষয়ক ১৮৯৭ সালের আইনের অন্তর্গত করা হইয়াছে বলিয়া উপস্থিত পাণ্ডলিপি হইতে উঠাইয়া দেওয়া হইল।

৫ ধারা। — সংশোধনটির দ্বারা ৫ ধারাটির অসম্পূর্ণ দোষ পরিহার করা হইল। োল'সের সমুখে যে আন্নষ্টানিক কার্য্য অর্থাৎ অন্নসন্ধান হয় এবং বিচার বিভাগীয় কর্মচারিদের নিকট যে আন্নষ্টানিককার্য্য অর্থাৎ তদন্ত ও বিচার হয় এক্ষণে আইন তৎসমস্ত কার্য্য সম্বন্ধেই থাটিবে।

- ১০ ধারা।—পঞ্জাব গর্বনিমেন্টের পরামশান্ত্রসারে এই সংশোধনটি করা হইয়াছে। যদি এরপ বিশেষ জরুরি কার্য্য উপস্থিত হয় যে জিলার মাজিস্টেট সাহেব তাহাতে ব্যাপৃত থাকাতে অন্য কোন বিষয়ে মনোযোগ তিতে সক্ষম না হন তাহা হইলে স্থানীয় গ্রন্মেন্ট তিন মাসের অন্ধিক কালের জন্যে এক জন আডিশনল জিলার মাজিস্টেট নিযুক্ত করিতে পারিবেন এই সংশোধন দ্বারা স্থানীয় গ্রন্মেন্টকে এইরপ ক্ষমতা দেওয়া হইল।
- ১৭ (৪) ধারা ।—যে স্থলে অদ্উপুর্ম দৈব ঘটনা বশতঃ সেশন জজ কর্ম করিতে অশক্ত হন সেই স্থলের বিধান করাই এই প্রকরণের অভিপ্রায়।
- ২১ (ঙ) ধারা।—এক্ষণে জিলাস্থ অপর মাজিস্টেটদের উপর জিলার মাজিস্টেটের সাধারণ কর্তৃত্ব করিবার যে সকল ক্ষমতা আছে এই হলে অন্যান্য প্রেসিডেন্সী মাজিস্টেটের উপর প্রধান প্রেসিডেন্সী মাজিস্টেটকেও সেই সকল ক্ষমতা দিবার প্রস্থাব করা হইল।
- ২৩ ধারা।—মান্দ্রাজ্ঞ ও বোম্বাইয়ের গবর্ণমেন্টেরা এক্ষণে ঐ ঐ প্রেসিডেন্সীনগর সম্বন্ধে শান্তিরক্ষার্থ জিটিস নিযুক্ত করিবার যে একায়েক ক্ষমতার পরিচালন করেন কলিক।তার নিমিত্ত শান্তিরক্ষার্থ জিটিস নিযুক্ত করণার্থ একমাত্র বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টকেই সেই ক্ষমতা প্রদান করিবার প্রস্তাব করা ঘাইতেছে। পূর্বা পূর্বা আইনে মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুক্ত গবর্গর জ্ঞেনরল সাহেবকে যে সমান ক্ষমতা প্রদন্ত হইয়াছিল বছ বৎসর যাবৎ তাহার পরিচালন করা হয় নাই ও তাহা রক্ষা করিবার আবশ্যকতাও নাই।
- ২৮.ধারা। —একটি শব্দগত অশুদ্ধির বিষয় অবগত করা যাওয়াতে এই সংশোধনটি করা হইল। ইহা মুসবিদার কথা মাত্র।
- ২৯ ধারা।—দ্বিতীয় তফসীলের শেষাংশের সহিত এই ধারাটির সম্বন্ধ, উপস্থিত সংশোধন দ্বারা ধারাটি ঐ অংশের বেশী অম্বরূপ করা হইবে।
- ৩১ ও ও ধার।। —কোন আসিফাট সেশন জজ কোন প্রশাপণ করিলে তৎসম্পর্কে আজ্ঞা দিবার সম্বন্ধে সেশন জজের যে ক্ষমতা আছে আডিশনল সেশন জজকেও সেই ক্ষমতা দিবার প্রস্তাব করা গেল।
- ৩৫ ধারা।—ভারতবর্ধের দণ্ডবিধির আইনের ৭১ ধারার লিখিত পৃথক করা যাইতে পারে এরপ সকল অপরাধ ও যে সকল স্বতন্ত্র স্বতন্ত্র অপরাধের জন্য মাজিস্টেটের নিয়মিত ক্ষমতার বহিভূতি পৃথক ও অতিরিক্ত দণ্ডাজ্ঞা প্রদান করা যাইতে পারে এই তুইয়ের মধ্যে যে প্রভেদ আছে তৎসম্বন্ধে আইন আরো বিশদ করাই এই সংশোধনশুলির উদ্দেশ্য।
- ৪০ ধারা।—এই ধারার ঠিক অর্থ কি তাহা আরোপরিক্ষার করিয়া বুঝাইবার জন্য একটি উদাহরণ দেওয়া হইল।
- 8১ ধারা ।—জিলার মাজিস্টেট অধীন মাজিস্টেটদিগকে অনেকগুলি ক্ষমতা দিতে পারেন, এই কারণে কোন স্থানীয় গবর্গমেন্ট এক্ষণে আইনামুসারে যেমন ঐরপ সমস্ত বা কোন ক্ষমতা প্রত্যাহার করিতে পারেন তেমনি জিলার মাজিস্টেটও পারিবেন এইরূপ প্রস্তাব করা যাইতেছে।
- 8২ ধারা ।—এই সংশোধন দ্বারা ১২৮ ধারাটি কেবল পুনঃ উদ্ধৃত করা হইয়াছে। কোন মাজিস্টেট ও পোলীসের কর্মচারী সাহায্য চাহিলে সর্ব্বসাধারণের তাঁহাদিগকে সেই সাহায্য প্রদান বিষয়ে যে যে দায়িত্ব জাছে এক স্থানে তৎসমুদ্য সন্ধিবেশিত হওয়াতে স্থবিধা বোধ চইবে।
- 88 ধারা।— দেশীয় রাজতেলিতে বিশেষতঃ রটিষ ভারতবর্ষের সামাস্থিত দেশীয় রাজ্যগুলিতে যে সকল অপরাধ করা হয় বা করিবার অভিপ্রায় থাকে তৎসম্বন্ধে সম্বাদ প্রদান বিষয়ে এই নৃতন ধারাটি আবশ্যক।
- ৫৪ ধারা, (১) পারাপ্রাফ, শেষ দফা। ৫৬৬ ধারার একটি অংশ এই ছলে উদ্ধৃত করা হইনাছে অসম্পূর্ণতা দোষ পরিহারার্থ ঐ অংশটি এই খানেও সন্নিবেশিত করিবার প্রস্তাব করা গেল।
- (৩) পারাপ্রাফ।—বোশ্বাই গবর্ণমেন্টের পরামর্শনতে এই সংযোগটি করা হইল এবং অধীশ্বরী বনাম-বিজ্ঞগান মোকদমায় (ই, লা,রি, ৫ মান্দ্রাজ, ২২ )ইহার আবশ্যকতা প্রতিপন্ন হইয়াছে। উক্ত মোকদমায় এরূপ নিশক্তি করা হয় যে কোন গ্রাম্য চৌ কাদাব এই ধারার অর্থাহ্বসারে ওয়ারন্ট বিনা গ্রত করিবার ক্ষমতাপন্ন পোলীসের কর্মচারী নয় অতএব ঐরূপ চৌকাদারের হেফাজত আইনসঙ্গত হেফাজত না হওয়াতে তাহ। ইইতে পলায়ন করায় অপরাধ হয় না।
- ৫৭ ধারা।—কোন দেশীয় রাজ্যের অধিবাসী রটিষ ভারতবর্ষে কোন অধর্ত্তব্য অপরাধ করিয়াছে বলিয়া অভিযুক্ত হইলে তাহার সম্বন্ধে যে কার্যপ্রণালী খাটান থাইতে পারে তাহার বিধান করণার্থ ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের অভিপ্রায়াস্থ্যারে ওস্থানীয় গবর্ণমেন্টদিগের অস্থ্যোদন সহকারে এই ধারাটীর পুনর্বার মুস্বিদা কর। হইল।
- ৬১ ধারা।— ধৃত ব্যক্তি কোন গ্রাম্য পোলীস কর্মচারির জিম্মায় রক্ষিত না হইমা যে সময়ে কোন নিয়তিত পোলীস কর্মচারির জিমার রক্ষিত হয় পোলীসের জিমার আটক রাখিবার কাল সেই সমঃ হইতে যে আরম্ভ হইবে ইহা নির্দেশ করাই এই সংশোধনটির উদ্দেশ্য, এরপ না হইলে অনেক হুলে পোলীসের জন্মন্ধান কারম্ভ করিতে পারিবার প্রেই আটক রাখিবার আইন সঙ্গত কাল অতীত হইয়া যাইবে।

৬৯ ধারা ।—দশম অধ্যায়্মত সাধারণের অনিউজনক বিষয় প্রভৃতি ঘটলৈ কোন কোম্পানি বা করপো
রেট সমাজের উপার সমন জারা করিবার বিধান এই সংশোধন ছারা করা হইল।

৮৩, ৮৫ ও ৮৬ ধারা।—এই ধারাগুলিতে "পে।লাসের ডিট্রিক্ট স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট " এই শব্দুত্রয় যোগ করা হউল, কারণ এই সকল ধারার অন্তর্গত বিষয় উক্ত কর্মচারির সম্মুখে উপস্থিত হওয়াই ঠিক ও কেবল মাজিফেটের সম্মুখেই উপস্থিত হইবে এরপ কোন আবশ্যকতা নাই।

৮৮ ধারা , (৪) পারা ্রাফ ।—জীবস্ত পশু পক্ষ্যাদি ও শীঘ্র নফ হইতে পারে এরপ সম্পত্তি কোক করা হইরা ধার্কিলে তাহা নালাম করিবার ক্ষমতা বিবেচনামতে পরিচালিত হইতে পারিবে এই স্থলে এইরূপ বিধান করিবার প্রস্তাব করা গেল।

(৭) পারাগ্রাফ।—ক্রোক করা সম্পত্তি একাধিক ব্যক্তি দাওয়া করিলে সরাসরীমতে সেই দাওয়ার নিশান্তি করিবার বিধান না থাকিলে যে অন্ধবিধা হয় তাহা কতকগুলি রিপোর্ট করা মোকদ্দমায় দৃষ্ট হইমাছে এবং এই বিষয়ে দেওয়ানা আদালতের যে ক্ষমতা আছে মাজিফ্রেটেরও সেই ক্ষমতা প্রাপ্ত না হইবার কোন কারণ নাই। এই নিমিত্তই এই সংশোধন।

৯৬ ধারা , (২) পারাগ্রাফ—ভাকের পুলিন্দার জ্বন্য তলাসী ওয়ারন্ট দিবার ক্ষমতা প্রদান করাই '' কি পুলিন্দা কি অপর দ্রব্য '' এই শব্দগুলি সন্নিবেশিত করিবার অভিপ্রায়।

১০২ ধারা 1—যে দ্রব্যের অহুসন্ধান হইতেছে তাহা কোন ব্যক্তির গাত্রে লুকায়িত আছে বলিয়া যুক্তিযুক্ত সন্দেহ হইলে কোন হানে বা তাহার নিকটে সেই ব্যক্তির গাত্র তালাস করা যাইতে পারিবে সংশোধনটির দ্বারা এইরূপ ক্ষমতা প্রদত্ত হওয়াতে তালাসী ওয়ারন্ট অধিকতর কার্য্যকর হইবে।

১০৬ ধারা।—রিপোর্ট করা মোকদমাগুলিতে এই ধারামত ক্ষমতার পরিচালন সন্বন্ধে পরস্পর বিরোধী মত প্রকাশিত হওয়াতে ধারাটি আপীল আদালত বা সংশোধনকারী আদালত সন্বন্ধে স্পায়ত করিয়া খাটাইয়া ঐ সন্দেহ দূর করা হইয়াছে। "অপরাধজনকরূপে এইরূপ ভয় দেখাইয়াছে" এই শব্দগুলির পূর্ব্বে 'কোন ব্যক্তির কি সম্পত্তির হানি করিবে ' এই যে শব্দগুলি আছে ভাহা উঠাইয়া দেওয়া গেল।

১০৭ ধরে । —এই ধারায় সাধারণতঃ কিরপা ব্যাখ্যা করা হইয়াছে ও ইহার অর্থ কতদূর প্রসারিত করা উচিত সংশোধনগুলিতে তাহাই অধিকতর স্পট্ট করিয়া ব্যক্ত করা হইল।

১০৯ ধারা।—এই ধারায় ছয়মাস বাড়াইয়া বারমাস কাল করা হইয়াছে। ইহাতে বর্ত্তমান আইনের ১০৭ ধারার নির্দিষ্ট কালের সহিত ঐ কাল সমান করিয়া দেওয়া হইল।

১১০ ধারা। —ধারাটির সম্পূর্ণতা সাধনের অভিপ্রায়ে এই সংশোধনগুলির প্রস্তাব করা গেল। এই গুলি অপরাধে অভ্যন্ত ব্যক্তিদের সমন্ধায় আইনের পাতৃলিপির ২ ধারা হইতে গৃহীত হইয়াছে। ঐ পাতৃলিপিখানি এক্ষণে ত্যাগ করিবার প্রস্তাব করা যাইতেছে। ১৮৭২ সালের ৰুজু ধারার একাংশ (চ) উপধারায় উদ্ধৃত করা হইল, কারণ উহ। ত্যাগ করাতে অস্থ্বিধা ঘটিয়াছে।

১১৭ ধারা. (২ পার।প্রাফ। — সদাচরণের জন্য বা শান্তিভঙ্গ না করিবার নিমিও জামিন লওয়া সম্বন্ধীয় তদন্তাধীন কোন একই বিষয়ে তুই কি তদধিক ব্যক্তি একত্র লিপ্ত থাকিলে, মাজিফ্রেট একই আন্নষ্ঠানিক কার্য্যে তাহাদিগের বিচার করিতে পারিবেন এই সংশোধন দ্বারা এইরূপ ক্ষমতা দেওয়া গেল।

১১৮ ধারা। —যে স্থলে জামিন দিবার আজ্ঞা করা অপেক্ষা পোলীদের তঞ্জাবধানের আজ্ঞা করা অধিক-তর উপযুক্ত বলিয়া বিবেচিত হয় দেই স্থলে শেষোক্তরপ অজ্ঞা করা যাইতে পারিবে (৫৬৫ ধারা দেখ) নিয়ম বিধিগুলির এই অভিপ্রায়।

১২২ ধারা :— "সদাচরণের জন্য" এই শস্তুলি উঠাইয়া দিয়া শান্তিভঙ্গ না করিবার জামিন লওয়ার স্থলেও যাহাতে কোন জামিনদারকে অগ্রাহ্য করিবার ক্ষমতা থাকে, এইস্থলে এইরূপ প্রস্তাব করা যাইতেছে।

১২৩ ধারা।—প্রথম দফ'র শেষ অংশটি ত্যাগ করিবার এবং কোন জামিন দিবার প্রস্তাব করা ছইলে ঐ জামিন যথেষ্ট কি না ইহা স্থির করিবার ও তদনস্তর ব্যক্তি বিশেষকে কারাগার হইতে ছাতিয়া দিবার যে ক্ষমতা একটে দফা যোগ করিয়া তাঁহার সেই ক্ষমতা কাত্য়া সইবার প্রস্তাব করা হইতেছে, কারণ এই ক্ষমতা ১২২ ধারার সহিত সঙ্গত নয় এবং স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট এই বিষয়ের নিশুক্তি করিবার উপযুক্ত ব্যক্তি নহেন। স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট জামিন দিতে চাওয়া হইলে যে প্রণালীর অম্বরণ করিতে ছইবে দ্বিতীয় দফায় তাহার বিধান করা হইল।

১২৪ ধারা —প্রেসিডেন্দী নগরে কেবল প্রধান প্রেসিডেন্দী মাজিফ্টেট এই সকল ক্ষমতার পরিচালন করিতে পারিবেন প্রথমতঃ এইরূপ ও বিশেষ যে আজ্ঞা করা গেল তাহার কঠোরতা ব্রাস করনার্থ পরে ঐ ধারামত কার্য্যের প্রসন্ন রৃদ্ধি করিবার প্রস্তাব করা ঘাইতেছে।

• ১২৫ ধারা।—জামিন লওয়া সম্বন্ধে বর্তমান আইনের বিগান পোলীসের জত্তাবধানের আজ্ঞা সম্বন্ধেও খাটিবৈ ইহাতে কেবল এই বিষয়েরই ব্যবগু হইয়াছে।

১৩২ ধারা। — নবম অধ্যায় অনুসারে কাণ্যকোরা ব্যক্তিরা এরপ কার্য্যকরণ কালে ঘাছা কিছু করেন বলিয়া প্রকাশ হয় ভন্নিমিত্ত তাহাদিগের বিরুদ্ধে অভিযোগ হইব;র পূর্বে মন্ত্রিস্ভাধিন্তিত শ্রীযুত গবর্ণর জ্ঞেনরল সাহেবের মঞ্রি লণ্ডয়া আবশ্যক এইরপ বিধান করিয়া তাহাদিগের সকলকেই রক্ষা করিবার প্রস্তাব করা যাইতেছে। এক্ষণে কেবল মাজিফ্রেটেরাই ঔরপে রক্ষিত হন । " সৈন্যসংক্রান্ত আইন অস্থসারে" এই শব্দগুলি অনাবশ্যক ব্লিয়া উঠাইয়া দেওয়া গেল।

388 ধারা ।--- প্রধান প্রেসিডেন্সী যাজিস্টেটকে এই ধারা মতে কার্য্য করিবার ক্ষমূতা দিবার প্রস্তাব করা গেল।

১৪৫ ধারা।—পূর্বের আইনে ব্যবহৃত শস্তুলির পরিবর্তে বর্তমান আইনে "ইন্দ্রিয়গ্রাহ্য স্থাবর সম্পত্তি" এই শস্তুলির ব্যবহার হওয়াতে এই ধারাহ্সারে কার্য্য করিবার সময় বিশেষ অস্থবিধা ও কাঠিন্য অন্থভূত হইয়াছে, এই কারণে পূর্বে ব্যবহৃত শস্তুলি পূন্বার গ্রহণ করিবার প্রস্তাব করা যাইতেছে এবং সাধারণতঃ খাজানা আদায় হারাই জমির দখল প্রকাশ ও বাহাল থাকে বলিয়া ও খাজানা আদায়ই বিবাদের প্রবৃদ্ধ হইয়া সাধারণতঃ শান্তিভল্পের কারণ হয় বলিয়া এই ধারাটি প্রস্থা সকল বিষয়েও খাটাইবার প্রস্তাব করা গেল।

রিপোর্ট করা অনেক মোকদ্মায় দৃষ্ট হয় যে মাজিস্টেটের আজ্ঞাক্রমে দখলের যে সময় ছির করিতে হইবে তদ্বিয়ে সন্দেহ আছে। এই বিষয়টি এক্ষণে পরিক্ষার করিয়া নির্দেশ করা হইল।

অধিক দ্ব এরূপ ব্যক্ত করিবারও প্রস্তাব করা যাইতেছে যে, যাহাতে প্রথম দকার অর্থাস্থায়িক শান্তিভঙ্গ ঘটিবার সম্ভাবনা এইরূপ বিবাদ ছিল মাজিফেট কর্তৃক এইরূপ নিম্পত্তি করা হইলে মোকদ্দমা শুনানির সময় কোন পক্ষ যদি ভাহার প্রতিবাদ করিয়া না থাকেন ভাহা হইলে যে চূড়ান্ত আজ্ঞা প্রদক্ত হয় ভাহার ব্যাঘাত করণাভিপ্রায়ে পরে আর ঐ কথা উত্থাপিত করা যাইবে না।

38৬ ধারা ।—ক্রোকাধান সম্পত্তির কার্য্য নির্বাহ সম্বন্ধে একটি বিষয়ে কার্টিন্য অমুভূত হয়। এই সংশোধনটিতে ভাহার নিরাকরণ হইবে। ৮৮ ধারামতে ক্রোক করা সম্পত্তি সম্বন্ধে ইভি পূর্বেই যে বিধি প্রচলিত আছে এতদ্বারা সেই বিধি খাটান যাইবে।

১৪৭ ধারা। --১৪৫ ধারার সংশোধনে যেরপ করা হইয়াছে সেইরপ এই ধারাতেও বর্তমান আইনের "ইন্সিয়গ্রাদ্য স্থাবর সম্পত্তি" এই শব্দগুলির ব্যবহার না করিয়া প্রের আইনের শব্দগুলির প্রয়োগ করিবার প্রস্থাব করা গেল।

নিয়ম বিধিটির সংশোধনে ১৮৭২ সালের আইনের শব্দগুলি পুনরুদ্ভ হইল, বর্তমান আইন হইতে ঐ শব্দগুলি উঠাইয়া দেওয়াতে অসম্পূর্ণতা দোষ ঘটিয়াছে।

১৫৬ ধারা, (২) পারাপ্রাফ ।—ইহাতে ধর্ত্তর অপরাধের অহুসন্ধান করিবার আজ্ঞা করণার্থে মাজি ক্টেট ক্ষমতাপ্রাপ্ত হইবেন। বর্তমান আইনে এই সম্বন্ধে স্পান্ট বিধান নাই। যে মাজিফ্রেট ১৯১ ধারামতে কোন অপরাধ গ্রাহ্য করিবার ক্ষমতা প্রাপ্ত হন কেবল ভিনিই উক্তরূপ আজ্ঞা করিতে পারিবেন এইরূপ বিধান করা গেল।

১৫৭ ধারা।—কোন পোলীস কর্মচারী কোন ধর্ত্তর অপরাধ সম্বন্ধে অহাসন্ধান করিতে অস্থীকার করিলে, তাঁছার সেই কথা নালিশকারীকে জানাইতে ছইবে এই সংশোধন দ্বারা এইরপ আদেশ করা গেল। তাং। ছইলে নালিশকারী যদি তদ্রাপ পরামর্শপ্রাপ্ত হন তবে মাজিফ্রেটের নিকট নালিশ করিতে যাইতে পারিবেন।

১৬০ ধারা। —কোন অসুসন্ধান কার্য্যে কোন পদানশীন স্ত্রালোকের উপস্থিত হওয়া সম্বন্ধে পোলাস কর্ম-চারির যেরূপ কার্য্য করিতে হইবে নিয়মবিধিটিতে তাহাই ব্যক্ত করা হইয়াছে।

১৬২ ধার। । —পোলাসের কর্মচারী যে সকল উক্তি লিপিবদ্ধ করেন এই সংশোধনক্রমে তাহা রোজনামচার অংশ বলিয়া নির্দিন্ত হওয়াতে অভিযুক্ত ব্যক্তি বা তাহার এজেন্টেরা তাহা দেখিতে পাইবে না।

১৬৪ ধারা।—যে কোন মাজিক্টেট কোন উক্তি বা স্থাকার্যাক্য লিপিবদ্ধ করিতে পারিবেন এবং তাঁহার যে ঐ বিশেষ যোকদ্যার ভদন্ত লইবার বা রিচার করিবার এলাকা থাকা আবশ্যক হইবে না, এই ধারাসংযুক্ত ব্যাখ্যায় ইহা স্প্ট করিয়া বলা হইয়াছে।

১৬৯ ধারা, (২) পারাত্রাফ।—ইহাতে এই ধারাটির সম্পূর্ণতা সাধিত হইবে।

১৭৪ ধার। — অপর গুরুতর কার্য্যের আধিক্য বশতঃ কিছা ছানায় অবস্থা বিবেচনায় পোলীস থানার অধ্যক্ষতা ভারপ্রাপ্ত পোলীস কর্মচারির পক্ষে অনেক সময় অন্নসন্ধান করা সম্ভব হয় না এইরূপ কথা জানান হইরাছে। এই কারণে উক্ত কার্য্যের জন্য ছানীয় গ্রন্থেন্ট বিশেষ পোলীস কর্মচারী নিযুক্ত করিতে পারিবেন এইরূপ প্রস্তাব করা গেল।

পারাঞাক দকা।—গবর্ধমেন্টের নিয়মিত চাকরী করেন না এমন কোন ডাক্তরকে শব পরীক্ষা করণার্থে নিযুক্ত করিতে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট এই দকা অভ্নসারে ক্ষমতাপন্ন হইবেন।

পারাথ্রাফ দফা। —কারাগারে কয়েদির মৃত্যু ছইলে তৎসম্বন্ধে তদস্ত করিবার বিধান এই দকামুসারে করা হইল।
১৮৮ ধারা, (৩) পারাথ্রাফ। —পার্লেমেন্টের ষে সকল আইন অমুসারে অধিকারবহির্ভূ ও স্থানে বিচারা
ধিকার প্রদত্ত হয় তাহার সহিত সামঞ্জস্য রক্ষা করিবার জন্য এই পারাথ্রাকে কয়েকটি মুস্বিদাগত সংশোধন
করা ছইল্লাছে এবং যে সকল স্থানের নিমিত্ত পলিটিকাল এজেন্ট নাই তথায় ক্লাত কোন অপরাধের জন্য
অভিযোগ ছইলে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের মঞ্বি লওয়া আবশ্যক ছইবে এইয়প বিধান করা গেল।

১৯০ ধারা, (৩) পারাপ্রাক।—বিপের কোন মাজিউটের সমুখে যে আঁইটানিক কার্য্য হয় তৎসহদ্ধে কোন আপত্তি করিতে হইলে তাহা মোকদমা চলিমার প্রথম অবস্থায় ও সাক্ষ্য গৃহীত হইবার পূর্বেই করিতে ইইবে ইহাই এই সংশোধনটির উদ্দেশ্য।

১৯২ ধারা। — অধান মাজিফেটদিগের নিকট যে সকল মোকদ্বা হয় তৎসম্বন্ধে জিলার মাজিফেটকে যে সকল ক্ষাতা প্রদত্ত হইয়াছে তাহাই এই ছলে প্রধান প্রেসিডেন্সা মাজিফেটকৈ দেওয়া হইল, অর্থাৎ দিনে আপান আদালতের কোন মোকদ্বা অপার কোন প্রেসিডেন্সা মাজিফেটের আদালতে পাঠাইয়া দিতে পারিবেন।

' ১৯৩ ধারা, শেষ পারাগ্রাফ। --- শাসন কার্য্যের সেকার্য্যার্থে এইটি সংযুক্ত করা হইয়াছে।

১৯৪ ধারা, (২) পারাপ্রাক। —১৮৭৫ সালের ১০ আইনের ১৭৪ ধারাটি এই স্থলে সম্ভিৰেশ্যিত হইল। উক্ত আইনের যে ১৪৬ ধার। এক্ষণ পর্য্যন্ত রহিত হয় নাই তাহার উদ্দেশ্য বর্ত্তদান আইনের ৬৩৩ ধারা দারাই মধ্যেউরপ সিদ্ধ হইবে।

১৯৫ ধারা। — ভিন্ন ভিন্ন হাই কোর্টের পরস্পার বিরোধী নিম্পান্তির মীমাংসা করণার্থ এবং রেক্সিউরীকরণ বিষয়ক আইনে এই সকল বিষয়ের যথেউরপ বিধান করা ইইয়াছে বলিয়া, উক্ত আইনমত আইঠানিক কার্য্য যে এই ধারার অন্তর্গত নয় ইহাই ব্যক্ত করিবার প্রস্তাব করা গোল। আরো নির্দিট অপরাধগুলির কোনটির সহায়তা করণ বা কোনটি করিবার উদ্যোগও ১৯৫ ধারার অন্তর্গত করিবার প্রস্তাব করা ঘাইতেছে। পরি-শেষে বক্তব্য এই যে, অহুমতি পাইলে যে সময়ের মধ্যে নালিশ করিতে হইবে তাহা বাড়াইয়া দিবার ক্ষমতা সম্বন্ধে ভিন্ন ভিন্ন হাই কোর্টের প্রক্রমত্য না হওয়াতে, উপযুক্ত কারণ দেখান গোলে কেবল কোন হাই কোর্টকেই উক্ত ক্ষমতা প্রদান করিবার নিমিন্ত স্পান্ট করিয়া প্রস্তাব করা হইল।

২০৩ ও ২০৯ ধারা। সংশোধনকারী আদালতকে ৪৩৭ ধারাত্মারে কার্য্য করিতে সক্ষম করণার্থে এই এই ধারায় যাহা সংযোগ করা হইল ভাহা আবশ্যক হইয়াছে।

২২৫ ধারা, (২) পারাপ্রাক্ষ – ইহাতে এই আদেশ করা হইল যে, অভিযোগপত্র সম্বন্ধীয় কোন বিষয়ে আপত্তি করিতে হইলে তাহা যত শীদ্র স্থযোগ পাওয়া যায় করিতে হইবে এবং আরো এই বিধান করা হইল যে, আপত্তি ঐরপে ক্বত না হইলে, আপীলে বা সংশোধন উপলক্ষে আর করা যাইতে পারিবে না।

২২৭ ও ২৩১ ধারা।—ভিন্ন ভিন্ন হাই কোর্টের পরস্পর বিরোধী নিপান্তিতে আইন যেরূপ নির্দ্দিট হইয়াছে এই সংশোধনগুলিতে তাহাই নির্দ্ধারিত হইবে।—ই. লা, রি, ৮ বোহাই, ২০০ পৃষ্ঠা, ও, ই, লা, রি, ৯ এলাহাবাদ, ৫২৫ পৃষ্ঠা দেখ।

২৩৪ ধারা, (২) পারাগ্রাক।—অনেক দিন ধরিয়া বহুবার তহুবীল তগ্রাপাত হইয়া বাকী টাকা দৃষ্টে তহুবীল তগ্রপাত হইয়াছে এরপ প্রমাণ হইবার কিন্তু বিশেষ কত টাকা বিশেষ কোন তারিখে জ্ঞাপাত করা হইল অভিযোগকারী ইহা দেখাইতে না পারিবার স্থল ঘটিলে এই দফাস্থসায়ে কার্য্য হইতে পারিবে।

২৩৬ ধারা (খ) উপাহরণ। — ধদি কোন সাক্ষী এরপে পারস্পর বিরোধী উক্তি করে যাহা একটি অন্যটির সহিত মিলে না তাহা হইলে ঐ তুইটি উক্তির কোন্টি মিগ্যা ইহা প্রমাণ করিতে পারা না গেলেও সে ইচ্ছো-পূর্ব্বক মিখ্যা সাক্ষ্য দিবার অপারাধ করিয়াছে ইহাই যে আইন তাহা নির্দ্ধারিত করিবার নিমিত্ত এই উদাহরণটি দেওয়া হইয়াছে।

২৩৭ ধারা। –এই ধারায় ইহাই দেখাইবার অজিপ্রায় যে কোন ব্যক্তির বিরুদ্ধে বিশেষ কোন অপরাধের জন্য অভিযোগ হইলে, ঐ অপরাধ করণের উদ্যোগ করিবার অভিযোগ না হইলেও সেই ব্যক্তি ঐ অপরাধ করিবার উদ্যোগ করিয়াছে বলিয়া ভাহার দোষ নিরুপিত হইতে পারে।

২৫৬ ধারা।—যে সকল রক্তান্ত ধরিয়া অভিযোগ হয় অভিযোগপত্র লিখিত হইবার পূর্বে সেই সেই রক্তান্ত সম্বন্ধে ইতি পূর্বেই একবার জেরা করা হইয়া থাকিলে যাহাতে আবার দিতীয়বার জের। হইতে না পারে ও এইরপে জেরা করিবার অধিকারের যে অপব্যবহার সাধারণ হইয়া পড়িয়াছে তাহা হইতে না পারে ভাহাই এই ধারাটির উদ্দেশ্য।

ং ২৫৭ ধারা। — ঐ একই উদ্দেশ্য সাধনার্থ এই সংশোধন ক্রমে মাজিফ্টেটকে আপন বিবেচনামতে কার্য্য করিবার ক্ষমতা প্রদানার্থ প্রস্তাব করা ইইয়াছে।

২৬০ ধারা, (১, উপদকা। — সরাসরীমতে যে সকল মোকদ্মার বিচার ছইতে পারে পরের ভূমিতে গোমেষাদির প্রবেশ বিষয়ক ১৮৭১ সালের আইনমত মোকদ্মাও ইহাতে তাহার অন্তর্গত করা ছইবে। উক্ত-রূপ মোকদ্মার সরাসরীমতে বিচার ছইতে পারে না এইরূপ নিপাত্তি করা ছইরাছে।

(২) পারাপ্রাফ। —২০৯ গারার অন্তর্গত যোকদ্দমায় যে কার্য্যপ্রণাঙ্গীর অন্থারণ করিতে হইবে আবশ্যক পরিবর্তন সহকারে ইহা তৎসম্বন্ধে খাটিবে।

ৈ ২৬৯ ধারা, (২) পারাপ্রাক ।— দেশন আদাসত কোন্বা কোন্ ছানে স্থিবিট ছইবে কোন স্থানীয় গবর্ধেন সাধারণ বা বিশেষ ভাবে ভাহার নির্দেশ করিতে পারিবেন এই পারাপ্রাফে এইরপ ক্ষমতা প্রক্ত \*\* ছইল।

· ২৯২ ধারা।—যে ছলে কৈবল অভিযোগের পক্ষের কোন সাক্ষীর জ্বেরা করিয়াই প্রতিবাদীর পক্ষে।
সাক্ষ্য দেওয়া হয় সে ছলে যাহাতে অভিযোগকারীর উত্তর দিবার অধিকার না ধাকে এইরূপ নির্দেশ করাই
এই ধারার অভিপ্রায়। এই বিষয়ে হাই কোটগুলির নিপত্তি একরূপ নয়।

৩১০ ধারা।—যে বা যে যে অপরাধের অভিযোগ ও নিরূপণ হয় পূর্ব্বে একবার বা একাধিকবার অপরাধ্ব নির্ণয় হওয়াতে সেই বা সেই সেই অপরাধ্ব বর্দ্ধিত হইয়াছে এইরূপ অভিযোগের বিচার করিতে প্রবৃত্ত হইবার পূর্বেব আসেসরের সাহায্যে বিচারিত মোকদ্ব্যার মূল অভিযোগ সম্বন্ধে নিপাত্তি লিপিবদ্ধ ও প্রকাশিত করা অনাবশ্যক নৃতন (গ) উপদক্ষা দ্বারা এইরূপ ব্যক্ত করিয়া কোন কোন স্থলে যে সন্দেহ প্রকাশ করা হইয়াছে ভাহার নিরসন করাই উদ্দেশ্য।

৩১৮ ধারা। —কোন জুরা আইনসঙ্গত ওঙ্গর ব্যতিরেকে উপস্থিত না হইলে কিন্তা আদালতের অন্ন্যতি বিনা চলিয়া গেলে তজ্জন্য কোন হাই কোর্ট তাঁহার প্রতি যত কালের কারাদণ্ডাজ্ঞা করিতে পারেন তাহা ছয়মাস পর্যান্ত হইতে পারিবে এইরূপ সীমা নির্দেশ করিবার ও ঐ আদালত স্বীয় বিবেচনামতে কোন জরিমানা বা কারাদণ্ড ক্ষমা করিতে পারিবেন ইহাও স্পাষ্ট করিয়া ব্যক্ত করিবার প্রস্তাব করা গেল।

তিং ধারা, (ঘ) উপদকা। —জ্রা বা আদেসর স্বরূপ যে ব্যক্তিদের আদালতে উপস্থিত হইতে হয় না পোলীস কর্মচারিদিগকে তাঁহাদের তালিকাভুক্ত করা হইয়াছে। ইংলণ্ডের ন্যায় এখানেও ব্যবহারাজ্ঞাবিদিগকে ঐরপে মক্ত করা উচিত কি না ইহা বিবেচ্য।

৩৩২ ধারা। আদালতকে অবজ্ঞা করিবার সাধারণ স্থলে ৪৮৪ ধারাক্রমে ইভিপুর্ফেই যেরূপ ক্ষমতা প্রদত্ত হইয়াছে যে ক্ষুরী বা আসেসর আইনসঙ্গত ওজর ব্যতিরেকে উপস্থিত না হন কিয়া অনুমতি বিনা চলিয়া যান তাঁহার কোন জরিমানা বা কারাদণ্ড হইয়া থাকিলে সেশন আদালতও সেইরূপ আপন বিবেচনামতে উহা ক্ষমা করিতে বা কমাইয়া দিতে পারিবেন উক্ত আদালতকে এই ক্ষমতা প্রদক্ত হইল।

৩৪৫ ধারা—যে সকল অপারাধ সম্বন্ধে আদালতের অহুমতি লইয়া রফা করা যাইতে পারে তাহার তালিকায় ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩২৫, ৪২৮, ৪২৯ ও ৪৩০ ধারামত অপারাধণ্ডলি যোগ করা হইয়াছে।

(৫) পারাণ্রাফ।—মোকদ্দমা সেশন আদালতে সমর্পণ করিবার পর কিম্বা অপরাধ নির্ণয় হইবার পর আপীল করা গেলে, যে আদালতে মোকদ্দমা অর্পণ করা হইয়াছে বা যে আদালতে আপীলের শুনানি হইবে সেই আদালতের অন্থ্যতি বিনা কোন অপরাধেরই রকা করা যাইবে না, এইরূপ প্রস্তাব করা যাইতেছে।

৩৮০ ধারা, (তু) উপদকা।—সেশন আদালতে কোন মোকদ্দমা এইরূপে তার্পিত হইলে যদি ঐ আদালত এরূপ বিবেচনা করেন যে তদ্রপে অর্পিত ঐ মোকদ্দমার যে দণ্ডাজ্ঞা করা যাইতে পারে তাহা যথেষ্ট নয় কিম্বা অবিচারের প্রয়োজনার্থ ঐ মোকদ্দমার ঐ আদালতেই বিচার হওয়া অন্য রক্ষে বাঞ্ছনীয় তাহা হইলে ঐ মোকদ্দমা ঐ আদালতে বিচারার্থ সমর্পিত হউক উক্ত আদালত এইরূপ আদেশ করিতে সক্ষম ইহা পরিক্ষার করিয়া নির্দেশ করিবার জান্যই এই উপদক্ষাটি যোগ করা হইয়াছে।

৬৮৮ (২) ধারা।—ক্রোক করিবার ওয়ারন্ট কেরত পাঠাইবার জন্য যে দিন ধার্য্য হয় যে ব্যক্তির জারিমানা হইল তাহার সেই দিনে উপস্থিত হইবার নিমিত্ত আদালত তাহার প্রতি নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার আদেশ করিতে পারিবেন, আদালতকে এইরূপ ক্ষমতা প্রদান করিয়া এই প্রকরণটি নিম্নলিখিতরূপ স্থলে খাটাইবার অভিপ্রায় করা হইরাছে অর্থাৎ জরিমানা হইবার স্থলের ন্যায় ৫৬০ ধারামত হানি পূরণ দিবার আজ্ঞা হইবার যে স্থলে ক্রোককরণ দ্বারা ঐ টাক। আদায় হইতে পারে না এরূপ দৃষ্ট না হওয়া পর্যান্ত বৈক-শিক্তাবে কারাদণ্ডাজ্ঞা করা যাইতে পারে না সেইরূপ স্থলে।

৩৯১ ধারা।—তিন মাসের অন্যূন কালের জন্য কারাদণ্ডাজ্ঞা দেওয়া না হইলে কোন আদালত অতিরিক্ত দওস্বরূপ কশাঘাত দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন না, এইরূপ ব্যবস্থা করিবার প্রস্তাব করা হইল।

৩৯৯ ধারা।—"যোল<sup>:</sup>' এই শব্দের পরিবর্ত্তে '' পানর'' শব্দ সন্ধিবেশিত করাতে চরিত্র সংশোধনার্থ বিদ্যা-লয় বিষয়ক ১৮৯৭ সালের আইনের সহিত এই ধারাটির সামঞ্জ্য রক্ষিত হইল।

8.১ ধারা।—নির্ণীতাপরাধ ব্যক্তির দরখান্তের উপর যাবৎ গবর্ণমেন্টের আজ্ঞা পাওয়া না যায় তাবৎ দণ্ডাজ্ঞা বিশেষতঃ মৃত্যু দণ্ডাজ্ঞা যাহাতে গুগিত থাকে তল্লিমিন্ত বিশেষ বিশেষ জরুরি স্থলে দণ্ডাজ্ঞা গোণ করিয়া সাধিত হইবার জ্পনা তিম ভিন্ন গবর্ণমেন্ট বিধি প্রণয়ন করিতে পারিবেন তাঁহাদিগকে এইরূপ ক্ষমতা প্রদান করাই এই ধারাটির অভিপ্রায়।

৪০৬ ধারা।—পোলীদের তত্ত্বাবধানের জন্য আজ্ঞা হইলে তদ্বিরুদ্ধে আপীলের বিধান করিবার জন্য এই ধারায় সংযোগ করা হইয়াছে।

৪২৩ ধারা, (ঘ) উপদফা।— ১-৬ ধারার সংশোধন কার্য্যকর করণার্থ ইহা আবশ্যক।

৪৩৯ ধার<sup>া</sup>, শেষ পারাত্রাফ। সম্প্রক ব্যক্তির আপীল করিবার অধিকার থাকিলে, সে অত্যে আপীল আঙ্গালতে প্রতিকার পাইবার প্রার্থন না করিয়া কোন সংশোনকারী আদালতে যাইতে পাইবে না, এই কারণেই এই সংশোধনটি করা হইল।

৪৬৫ ধার। — অভিযুক্ত ব্যক্তি ক্ষিপ্তমনা বলিয়া যতকাল তাহার বিচার হইবার পক্ষে অশক্ত থাকে সেই কালের মধ্যে যাহাতে সাক্ষাদের উক্তি লিপিবদ্ধ করা যাইতে পারে ইহাই এই সংশোধনটির উদ্দেশ্য। এইরপ্ ° না করিলে ঐরপ সাক্ষ্য নষ্ট হইতে পারে। অভিযুক্ত ব্যক্তি পলাতক হইলে যে কার্য্যপ্রণালী (৫১২ ধারা)
অমুক্ত হইবে তাহা খাটান হইয়াছে।

89১ ধারা, (৩) পারাত্রাফ।—প্রত্যেক স্থলে বিশেষ করিয়া আজ্ঞা দিবার প্রয়োজন হইবে না এবং মাজিসভাধিষ্টিভ শ্রীয়ুভ গবর্ণর জেনরল সাহেব সাধারণ আজ্ঞা প্রকাশ করিয়া এই সকল বিষয়ের ব্যবস্থা করিতে পারিবেন ইহাতে এইরপ বিধান করা গেল। যে প্রদেশে ক্ষিপ্ত ব্যক্তিদের কোন আশ্রয়স্থান স্থাপিত হয় নাই সেই প্রদেশের কোন আদালত যে স্থলে কোন ব্যক্তিকে প্রস্থাপ আশ্রয় স্থানে বদ্ধ করিয়া রাখিবার আজ্ঞা করেন বিশেষতঃ সেই স্থলে উক্তরপ বিধান আবশ্যক। (৪) পার।প্রাকে বর্ত্তমান আইনের ৪৭৫ (খ) ধারাটি পুনরুদ্ধ করা গেল।

৪৭৬ ধারা, শেষ পারাগ্রাফ।—রিপোর্ট করা মোকদ্দমাগুলি হইতে দৃষ্ট হয় যে, কোন আদালতের নিকট যে আত্মন্তানিক কার্য্য হয় তৎসম্বন্ধে ঐ আদালতের স্থীয় বিবেচনা মতে কার্য্য করিবার যে অধিকার আছে কোন সংশোধনকারী আদালত এইরপ সকল বিষয়ে দেই অধিকারে হস্ত ক্ষেপ করেন স্থবিচারের প্রতি লক্ষ্য রাখিলে ইহা বাঙ্গনীয় নয়। ফোজদারী আন্স্তানিক কার্য্য উপস্থিত করা হইলে সরল অভিপ্রায়ে আপত্তি করিবার প্রচুর পরিমাণে স্থযোগ করিয়া দেওয়া হইল। এই কারণেই এই ধারাটি প্রণীত হইয়াছে।

৪৮০ ধারা। —কোন সাক্ষী বে আইনী মতে কোন আদালত হইতে চলিয়া গেলে ঐ আদালতের অবজ্ঞা করা হইয়াছে বলিয়া যাহাতে উক্ত আদালত ঐ অপারাধের সরাসরীমতে বিচার করিতে পারেন তন্ধিমিত্ত ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ১৭৪ ধারাটি সংযুক্ত করিয়া দেওয়া হইল।

৪৮৮ ধারা, (২) পারাগ্রাফ।—কেবল মাত্র আপান আজ্ঞার তারিখ হইতে না হইয়া নালিশের তারিখ হইতেও মাজিস্টেট ভরণ পোষণের টাকা দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন, এই পারাগ্রাফে তাঁহাকে এইরূপ ক্ষমতা প্রদত্ত হইল।

৩ পারাত্রাফ. নিয়ম বিধি।—লেষের শব্দগুলির পরিবর্ত্তন করাতে, ভরণ পোষণের আজ্ঞা করণ বিষয়ে মাজিট্রেটকে আপন বিবেচনামুসারে কার্য্য করিবার অধিকতর ক্ষমতা দেওয়া হইল। এইরপ করা আবশ্যক হইরাছে, কারণ একটি রিপোর্ট করা মোকদ্বমা হইতে দৃষ্ট হয় যে, অপরের যে বিবাহিতা দ্বীর সহিত সহবাস করিলে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের অর্থামুসারে পরন্ত্রীগমন অপরাধ হয় এরপ দ্বী না হইয়া অপর দ্বীলোকের সহিত স্বামী সহবাস করিলেও তাঁহার দ্বীকে বলপূর্ষক তাঁহার সহিত একতা থাকিতে বাধ্য করা যাইতে পারে এবং তাঁহার দ্বী ঐরপ না করিলে তাহাকে স্বতন্ত্র ভরণপোষণ পাইবার অধিকারচ্যুত করা যাইতে পারে। ই, লা, রি, ১৭ মাজ্রাজ, ২৬০ পৃষ্ঠা দেখ।

- (৬) পারাগ্রাক্ষ।—যে ব্যক্তির নামে সমন দেওয়া হয় সে ব্যক্তি যদি অবজ্ঞা করিয়া উপস্থিতনা হয় তাহা ছইলে মাজিস্টেট মোকদ্দমার বিচার করিয়া ভরণপোষণের নিমিত্ত একতরকা আজ্ঞা করিতে পারিবেন, নিয়ম বিধিটিতে তাঁহাকে এইরপ ক্ষমতা দেওয়া হইল। এরপ মোকদ্দমা পুনস্থার আরম্ভ করিবারও বিধান করা গেল।
- (e) পারাগ্রাফ ।— যাহার নামে সমন হয় সে থাহাতে আপনার পক্ষে সাক্ষান্তরূপ আপনিই পরীক্ষিত হইতে পারে এই পারাগ্রাকে তাহাকে তদ্রূপ অধিকার প্রদত্ত হইল এবং এতৎক্রমে মাজিফ্রেট ভরণপোষণের মোকদমায় খরচা সম্বন্ধেও আজ্ঞা করিতে সক্ষম হইবেন।
- (৮) পারাণ্রাক।--এতদ্বারা এইরূপ মোকদ্দমায় মাজিস্টেটের বিচারাধিকার ব্যক্ত করা হইল। রিপোর্ট করা মোকদ্দমা গুলিতে এই বিধয়ে স্পর্টমত প্রকাশ করা হয় নাই।

•৪৯৮ ধারা।—৪২৬ ধারার বিধানের প্রতি লক্ষ্য করিয়া '' কিছা সেশন আদালত '' এই শব্দুপ্রলি উঠাইয়া দেওয়া উচিত কি না ইছা পরে বিবেচনার জন্য রক্ষিত হইল।

৫১৪ ধারা।—কোন জামিনদারের মৃত্যুর পূর্বে তাঁহার দায়িত্ব ঘটিয়া থাকিলে এই সকল সংশোধনক্রমে ঐ মৃত জামিনদারের ইফেটের বিরুদ্ধে কার্য্যামুষ্ঠান হইতে পারিবে।

৫১৭ ধারা।— কোন মাজিফ্টেটের সমুখে যে কোন সম্পত্তি উপস্থিত করা যায় যাখাতে তাহার বিলিব্যবস্থা সম্বন্ধে তিনি আজ্ঞা দিতে পারেন তাঁথাকে তন্দ্রপা ক্ষমতা দিবার জন্য এই ধারার প্রসর বিদ্ধিত করা হইয়াছে।

৫২০ ধারা।—প্রথম আদালতের আজ্ঞা কার্য্যে পরিণত করা হইয়া থাকিলে, ঊর্ধ্বুতন আদালত যদি ঐ আজ্ঞা অন্যথা করিয়া আজ্ঞা দেন তবে সম্পত্তি ফিরাইয়া দিবার আদেশ করিয়া এই ধারার যে আপন আজ্ঞাকার্যকর করিতে পারিবেন।

. ৫২৬ ধারা।—কোন অধস্তন আদালত দাঁতামত কোন মোশন বা আফিডেবিট ব্যতীত সম্পর্ক পক্ষদিগের সন্মতি সহকারে কোন হাই কোর্টে কোন বিষয় অর্পণ করিলে হাই কোর্ট এই সংশোধনক্রমে কোন মোকদ্দমা ইস্তান্তর করিবার আজ্ঞা করিতে সক্ষম হইবেন। এইরপ সকল স্থলে এই সংশোধনটির ছারা সাধার এই হাই কোর্টের ক্ষমতা বৃদ্ধিত হুইবে।

৫২৬ ধারা (৮) পারাগ্রাফ।—কোন তদস্ত বা বিচার মূল্ডবী রাখা হয় বা তন্ধিমিত্ত দিনাস্তর ধার্য করা যায় এইরূপ প্রার্থনা করিবার ক্ষমভার অনেক সময়েই অপব্যবহার হওয়াতে, এইরূপ স্থলে বিচার পতিকে কিয়ৎ পরিমাণে স্বীয় বিবেচনাম্নারে কার্য্য করিবার অধিকার দেওয়া আবশ্যক বলিয়া দৃষ্ট হইয়াছে। • ৫২৮ ধারা।—বর্তমান আইন অনুসারে মাজাজে কোন জিলার মাজিকেট কোন প্রাম্য মাজিকেটের নিকট প্ ছইতে কোন মোকদ্দমা অন্যের নিকট অর্পণ করিতে পারেন না এইরপ নিম্পত্তি ছওয়াতে, উক্তরূপ জিলার মাজিক্টেটকে ঐরপ করিতে সক্ষম করণার্থ এই সংশোধনটি করা ছইল।

৫৩৩ ধারা।— এই ধারাটি কোম আপীল আদালত কিন্তা সংশোধনকারী আদালত সন্তব্যে খাটে ইছাই ব্যক্ত করিবার এপ্টাব করা গেল।

৫৩৭ ধারা।— যে মোকদমার চূডাস্থ মিম্পাত্তি হয় নাই যাহাতে এই ধারাটি সেই মোকদমা সম্বন্ধে খাটিতে পারে ভদভিপ্রায়ে ই, লা, রি, ২০ কলিকাতা ৯৮০ পৃষ্ঠার লিখিত আপাত্তির নিরসনার্থ এই ধারাটি বর্ধিত করা হইয়াছে।

৫৫৫ ধারা - ব্যাখ্যা ও উদাহরণ।—ই, লা, রি, ২৩ কলিকান্ডা ৩২৮ পৃষ্ঠার ও ই, লা, রি, ১৯ মাজ্রাজ ২৬৩ পৃষ্ঠার লিখিত ও জরুপ অন্যান্য মোকদ্দ্যায় উত্থাপিত আপত্তির খণ্ডনার্থ এই সংবোদগুলি কর। হইয়াছে।

৫ % ১, ৫ ৬২ ও ৫ ৬ ২ ধারা। - এই ধারাপ্ত লি নৃতন এবং কোনং মাজিকেট নির্দিষ্ট কোনং মোকদমায় প্রথমবার অপারাধীর প্রতি বিশেষ নিয়ম নির্দ্ধারিত করিয়া দণ্ডাতা প্রদান করিতে নিয়ন্ত ইইতে পারিবেন এওং-ক্রমে তাঁছাদিগকে এইরপ ক্ষমতা দেওয়া গেল। ঐ সকল নিয়ম পালন করিতে ক্রটি হইলে যে কার্যপ্রণালী অভ্নস্ত হইবে উক্ত সকল ধারায় তাহারও বিধান করা হইল।

৫৬৪ ও ৫৬৫ ধারা। —এই ধারা তুইটি নৃতন ও ইছাতে পাকা বদমাসদের পোলীসের ভজাবধানে রাখিবার বিধান করা হইয়াছে।

# দিভীয় তক্সীল।

২৬৩ক ধারা ও ৪৭৭ ক ধারা।—১৮৯৫ সালের ৩ আইনজ্রমে স্ফ যে সকল অপরাধের নিমিন্ত কৌজ-দারী মোকদনার কার্য্যগুলালী বিষয়ক আইনে কোন বিধান করা হয় নাই ভাহা ধরা হইয়াছে।

মাজ্রাজের সহর্ণমেন্টের অভ্নরোধক্রয়ে ৩ হর্টিতে একটি পরিবর্ত্তন করিয়া ৪০৯, ৪১৭, ৪১৮, ৪১৯ ও ৪২০ ুশ্বার্ক্সত অপরাধগুলিকে ধর্ত্তর অপরাধ বলিয়া নির্দেশ করা হইয়াছে।

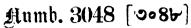
্ৰিলি**ডেকা লগরে আযশ্যকতা আছে বলিয়া জানান চই**য়াছে এই কারণে জালকরণ স**হস্কে** (৪৬৫ ্র পরবর্ত্তী ধারা ) ভূল্যরূপ সংশোধন করা হইল।

इंप्रकृत नाम, ३६ वे महिन्दत ।

এম, ডি কালমার্স। জে, এম, ম্যাকৃকার্সন, ভারতবর্ষের গবর্ধমেন্টের সেক্রেটরী।

CHUNDER NATH BOSE,

Bengali Translator.





গবর্ণমেণ্ট গেজেট।

.TUESDAY, DECEMBER 28, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৮ ডিসেম্বর।

CONTENTS.	<b>~</b>
Page.	मिर्च ।
PART I Resolutions, Orders and Notifica-	मृष्ठे। ।
tions of the Government of India Nil.	প্রথম বঞ্চ।—ভাবতব্যীয় স্বর্থমেণ্ডেব মিশ্বার্ণ
PART II Resolutions, Orders and Notifica.	প্রাদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি . ° নাই।
tions by the Lieutenant-Governor	विक्रीय च्छावक्राम्ट्रण्यः शवर्गस्य विश्वात्रणः
of Bengal	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ৩৬১৩৬১
PART JIA Orders by the Lieutenant-Gover-	विक्रीय क वक्षावक्षरभरमात गवर्गस्य क्षारमम . ১२५ ५२७
nor of Bengal 121-123	ছতীয় খণ্ড।—ভারতবর্ষীয় বাবস্থাপক সভার প্রণীত
YART III Acts of the Legislative Council of	व्या <b>डेम , गा</b> डे।
India Nil.	চতুর্থ খণ্ড।—ভারতব্যীয় বাবস্থাপক সভার আইনের
PART IV Bills of the Legislative Council of	পাতৃলিপি माहे।
india Nil.	नकम वर्त ।वक्रीय वात्रकांशक मछात श्रावीण आहेत नाइ।
PART V.—Acts of the Bengal Council Nil.	वर्ष थल। तकोग्र वावन्दां भक्त का का के दबर
PART VI.—Bills of the Bengal Council Nil.	পাণ্ডলিপি নাই/
PART VII.—Circular Orders by the High	সম্ভম থণ্ড।—ছাই কোটেব ও বেবিনিউ বোডের
<ul> <li>Court and Board of Revenue . Nil.</li> </ul>	সাধারণ জ্ঞাপনপত্ত নাই।
PART VIII Advertisements 635-650	অষ্টম খণ্ড।—ইশ্তিহার প্রভৃতি ৬৩৫—৬৫०
SUPPLEMENT Nil.	পরিশিষ্ট সবর্ণমেটের গেছেট নাই।

### PART II.

· Aesolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengál.

# দিতীয় খণ্ড।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

•

## ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MARINE DEPARTMENT.

#### The 20th December 1897.

No. 199 Marine.—The following Notification, No. 6450—4275P., dated the 20th November 1897, issued by the Government of Bombay, relative to the imposition of rules for quarantine against plague applicable to vessels arriving at Aden, is published for general information.

A. D. McArthur, Col., R.E., Secy. to the Govt. of Bengal.

### GENERAL DEPARTMENT.

Bombay Castle, 20th November 1897.

No. 6450—4275-P.—In exercise of the powers delegated by the Governor-General in Council under section 2 (3) of the Epidemic Diseases Act III of 1897, His Excellency the Governor in Council is pleased to prescribe as a temporary measure the following rules for quarantine against plague applicable to vessels arriving at Aden:—

- Rule I.—The commander of every vessel, including buggalows or other native craft arriving at Aden from an infected port, shall, before entering the harbour, hoist a yellow flag (or if entering the port at night-time, exhibit two red lights, one above the other, at the main) and indicate by signal the port from which such vessel has come, and shall keep such flag and signals flying until permitted to take them down. The pilot on going alongside a vessel from an infected port shall direct the flag prescribed above to be hoisted, if it has not been already done.
- Rule 11.—Such commander shall not, except as hereinafter provided, allow any communication, except orally, with the shore or with any other vessel or boat except the pilot boat, with which communication shall be limited to receiving the pilot who shall proceed straight to the bridge.
- Rule 111.—No vessel shall be given pratique until ten days from the date of its departure from an infected port. A vessel which carries no qualified Medical officer shall not be given pratique until ten days from the date of its arrival in Aden. Until the ten days' period has expired, a vessel shall, during its stay at Aden, remain at the quarantine anchorage appointed from time to time by the Resident by general or special order in this behalf. Until a vessel has been given pratique, it shall have no communication with the shore.
- Rule IV.—On the arrival of a vessel whose destination is Aden, an officer appointed for the purpose by the Resident shall go alongside and ascertain whether ten days have or have not expired since its departure from an infected port.
  - (a) If ten days have expired since its departure from an infected port, and if it carries a qualified Menical officer,

# दक्र एम एम की युक्त एम एम एम प्रतिक का प्रतिक का प्रतिक का प्रतिक का प्रतिक का प्रतिक का प्रतिक का प्रतिक का प

# মোরন্ ভিপার্টমেন্ট।

### ১৮৯৭ সাল ২০এ ডিসেম্বর।

• ১৯৯ নং মেরিন্।—বোস্থাই গবর্ণমেন্টের প্রকাশিত এদনে আগত জলযান প্রতি মৃত্কের কারান্টাইন বিধি প্রয়োগ সম্বন্ধে ১৮৯৭ সালের ২০এ নবেম্বর তারিখের ৬৪৫০—৪২৭৫ পি নং নিম্ন-লিখিত বিজ্ঞাপন সাধারণের অবগতির নিমিত্ত প্রকাশিত হইল।

এ, ডি, ম্যাক্তার্থর, লেপ্টেনেন্ট কর্নেল, আর, ই। নঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্টেরী।

# জেনরল ডি**পার্ট**মেন্ট।

### বোদ্বাই কাসস ১৮৯৭ সাল ২০এ নবেশ্বর।

- ৬৪৫০—৪২৭৫ পি নং।—ব্যাপ্ক পাঁড়া বিষয়ক ১৮৯৭ সালের ৩ আইনের ২ (৩) ধারামতে মন্ত্রিসভূ।ধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব কর্তৃক যে ক্ষমতা অর্পিত ছইয়াছে তাহার পরিচালনা করিয়া মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত মহিমবর শ্রীযুত গবর্ণর সাহেব এদনে অগত জল্মানের প্রতি প্রযোজ্য মৃতৃক সংক্রান্ত নিম্নলিখিত ক্বারান্টাইন বিধি কিয়ৎকালের নিমিত্ত নির্দেশ করিলেনঃ—
  - ১ বিধি।—বগালো ও অন্যান্য দেশীয় জাহাজ সমেত যে সকল জলখান দূষিত কোন বন্দর হইতে এদনে উপস্থিত হয় সেই সকল জলখানের কাপ্তান বন্দরে প্রবেশ করিবার পূর্বের একটা হল্দে নিশান তুলিয়া দিবেন এবং রাত্রিকালে বন্দরে প্রবেশ করিলে প্রধান মাস্তলে উপরি উপরি হইটা লাল আলো দেখাইবেন এবং ঐ জ্বলখান ষে বন্দর হইতে জাসিয়াছে সিগনাল দ্বারা তাহা জানাইবেন এবং নামাইবার অহ্মতি না পাওয়া পর্যন্ত ঐ নিশান বা আলো নামাইবেন না। কোন দূষিত বন্দর হইতে আগত জলখানের পার্বে গিয়া আড়কাটা যদি দেখেন যে প্রন্থ নিশান তখনও তোলা হয় নাই তাহা হইলে তিনি ঐ নিশান তুলিতে আদেশ করিবেন।
  - ২ বিধি।—পশ্চাল্লিখিত বিধানাম্সারে না হইলে ঐ কাপ্তান কুলের সহিত কিম্বা অপর কোন জলযানের বা আড়কাটীর নেকা ভিন্ন অপর কোন নোকার সহিত মোখিক ভিন্ন অপর কোন সংস্তাব হইতে দিবেন না। আড়কাটীর নোকার সহিত্ত এই মাত্র সংস্তাব হইবে যে আড়কাটীকে ভূলিয়া লওয়া হইবে। আড়কাটী বরাবর পুলের কাছে চলিয়া যাইবেন।
  - ত বিধি।— দূষিত বন্দর হইতে যাত্রা করিবার তারিখ হইতে দশ দিন কাল উত্তীণ না হওয়
    পর্য্যন্ত কোন জলখানকে কুলের সহিত অবাধে সংত্রব করিবার অনুমতি দেওয়
    হইবে না। যে জলখানে উপযুক্ত যোগ্যতাসম্পন্ন ডাক্তর নাই তাহা এদনে আগমনের
    তারিখ হইতে দশ দিন কাল অতীত না হওয়া পর্যন্ত ঐ অনুমতি পাইবে না।
    ঐ দশ দিন কাল উত্তাণ না হওয়া পর্যন্ত এদনে থাকিবার কালে রেসিডেট্ট
    সাহেব এতদর্থে সাধারণ বা বিশেষ আদেশক্রমে কার।টাইন স্থে লালর কারয়
    থাকিবার নিমিত্ত সময়ে সময়ে যে স্থান নিরূপিত করেন জল্পনান সেই প্রানে
    থাকিবে। সংত্রব করিবার অনুমতি না পাওয়া পর্যন্ত কোন জল্পনান কুলের
    সহিত সংত্রব করিবার অনুমতি না পাওয়া পর্যন্ত কোন জল্পনান কুলের
  - ৪ বিধি। -- এদন যে জল্মানের উদ্দিষ্ট স্থান সেই জল্মান আদিলে রেদিডেও সাহেব কর্তৃক তদথে নিযুক্ত কর্মচারী জল্মানের পার্থে গিয়া দূষিত বন্দর হইতে জল্মানের যাত্রার কাল হইতে দশদিন কাল উক্তার্থ হইয়াছে কি না এই কথা নিবয় করিবেন। (ক) দুষিত বন্দর হইতে জল্মানের যাত্রার পর দশদিন কাল উত্তীর্থ হইয়া
    থাকিলে এবং জল্মানে উপযুক্ত য়াগ্যতাসম্পন্ন ডাক্তর থাকিলে এবং জল্মানে উপযুক্ত য়াগ্যতাসম্পন্ন ডাক্তর থাকিলে এবং জল্মানে উপযুক্ত য়াগ্যতাসম্পন্ন ডাক্তর থাকিলে এবং জল্মানে উপযুক্ত য়াগ্যতাসম্পন্ন ডাক্তর থাকিলে এবং জল্মানে উপস্কুত্ব য়াগ্যতার প্রাক্তিল এবং গ্রহ্মান্ত্র য়াক্তিলে এবং জল্মান উপস্কুত্ব য়াগ্যতার প্রাক্তিল এবং জল্মান্ত্র য়াক্তিল এবং জল্মান্ত্র য়াক্তিল এবং জল্মান্ত্র য়াক্তিল এবং জল্মান্ত্র য়াক্তিল এবং জল্মান্ত্র য়াক্তিল এবং জল্মান্ত্র য়াক্তিল এবং জল্মান্ত্র য়াক্তিল এবং জল্মান্ত্র য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল রাক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল রাক্তিল এবং য়াক্তিল রাক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল রাক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল বিলাল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল বিলাল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্তিল এবং য়াক্

the officer appointed for the purpose shall board the vessel and make such inquiries and inspection as he thinks necessary and may require a declaration on oath from the Medical officer of the vessel or the captain, or both, as to the existence of plague or suspected plague on board the vessel either during the voyage or before its departure. He shall then declare whether the vessel is "healthy," "suspected" or "infected," as defined in Rule VII. If he is satisfied that the vessel is "healthy," it shall be given pratique forthwith. If he declares it to be "suspected" or "infected," it shall be dealt with in the manner prescribed in Rule VII.

- (b) If on the arrival of a vessel it is ascertained that ten days have not expired since its departure from an infected port, or if it carries no qualified Medical officer, it shall be detained at the quarantine anchorage until, in the former case, ten days have expired since its departure from an infected port, or, in the latter case, ten days have expired since its arrival at Aden, after which the officer appointed for the purpose shall take the measures specified in clause (a) of this rule, and classify the vessel:
- Provided, however, that the officer appointed for the purpose may, at any time before the expiration of the aforesaid period of ten days, make such inquiries and inspections as he thinks necessary, and if, as the result thereof, he comes to the conclusion that the vessel is "infected," he shall forthwith, and without waiting for the expiration of the ten days' period, order it to be treated as infected.
- Rute V.—On the arrival of a vessel, which is onward bound, and which uses Aden as merely a port of call, the officer appointed for the purpose by the Resident shall go alongside and ascertain whether ten days have or have not expired since its departure from an infected port.
  - (a) If ten days have expired since its departure from an infected port and if it carries a qualified Medical officer, and if the officer appointed for the purpose is permitted to make such inspection as he thinks necessary, and, as the result thereof and as the result of any inquiries he may make, is satisfied that the vessel is "healthy," the vessel shall be given "pratique." Otherwise it shall remain in quarantine at the anchorage appointed for the purpose by the Resident during its stay in port: no person shall be landed therefrom except at the quarantine camps appointed by the Resident, and no communication with the shore or with other vessels shall be allowed except the landing of mails in quarantine and the embarkation and disembarkation of passengers in quarantine.
  - (b) If ten days have not expired since its departure from an infected port, or if it carries no qualified Medical officer

নিযুক্ত কর্মচারী জাহাজে উঠিয়া যেরপ অন্থ স্থানা ও পরিদর্শন কর আবশ্যক বোধ করেন দেইরপ অন্থ সন্ধান ও পরিদর্শন করিবেন এবং যাত্রার পূর্বে কিম্বা যাত্রার মধ্যে জলযানে মড়ক কিম্বা মড়ক বলিয়া সন্দেহ হয় এমন কোন রোগ হইয়াছিল কি না তম্বিষয় জলযানের ডাক্তরকে কিম্বা কাপ্তানকে কিম্বা উত্তয়কেই শপথক্রমে ব্যক্ত করিতে বলিতে পারিবেন। তাহার পর তিনি ৭ বিধির অর্থনির্দেশ অন্থ সারে ঐ জলযান "মুস্থ" কি "সন্দেহের কারণযুক্ত" কি "দৃষিত" তাহা ব্যক্ত করিবেন যদি তাঁহার এরপ প্রতীতি হয় যে জলযান মুস্থ তাহা হইলে উহাকে অবিলম্বে কুলের সহিত সংস্থ ব করিবার অন্থমতি দেওয়া যাইবে। যদি তিনি উহাকে "সন্দেহের কারণযুক্ত" বা 'দৃষিত" বলিয়া ব্যক্ত করেন তাহা হইলে উহার সম্বন্ধে ৭ বিধির নির্দ্দিষ্ট প্রকারেকার্য্য করা যাইবে।

- (খ) কোন জলযান আসিলে যদি এরপ নির্ণীত হয় যে কোন দৃষিত বন্দর
  হইতে উহার যাত্রার তারিখ হইতে দশ দিন কাল অতীত হয় নাই
  কিন্ধা মদি উহাতে উপায়ুক্ত যোগ্যতাসম্পন্ধ ডাক্তর না থাকে তাহা
  হইলে পূর্বোক্ত ছলে দৃষিত বন্দর হইতে যাত্রার তারিখ হইতে
  দশ দিন কাল উত্তীর্ণ না হওয়া পর্যান্ত এবং শেযোক্ত ছলে এদনে
  উপানীত হইবার তারিখ হইতে দশ দিন কাল উত্তীর্ণ না হওয়া
  পর্যান্ত ঐ জলযানকে ক্লারান্টাইনসূত্রে লক্ষর করিয়া থাকিবার স্থানে
  আটকাইয়া রাখা যাইবে। ঐ কাল উত্তীর্ণ হইবার পার এতদর্থে নিযুক্ত
  কর্মচারা এই বিধির (ক) দফার নির্দিষ্ট উপায় অবলম্বন করিবেন
  এবং জলযানের শ্রেণী নির্দেশ করিবেন।
- কিন্তু এতদর্থে নিযুক্ত কর্মচারী উপরোক্ত দশ দিন কাল উত্তীর্ণ হইবার পূর্বেষ যে কোন সময়ে যেরপ অস্পদ্ধান ও পরিদর্শন করা আবশ্যক বোধ করেন তাছা করিতে পারিবেন এবং উহার ফলস্বরূপ যদি তিনি এরপ সিদ্ধান্তে উপনীত হন যে জল্যান "দুষিত" তাহা হইলে তিনি দশ দিন কাল উত্তীর্ণ হওয়া পর্যান্ত অপেক্ষা না করিয়া তৎক্ষণাৎ ঐ জল্যানকে 'দুষিত' বলিয়া গণ্য করিবার আদেশ দিবেন।
- বিধি।—যে জলযান ভারও দুরে যাইবে এবং যাহা কেবল মাত্র মাল প্রভৃতি নামাইবার ও তুলবার নিমিত্ত এদন হইয়া যায় সেই জলযান আদিলে রেসিডেন্ট সাহেব কর্তৃক এতদর্থে নিযুক্ত কর্মচারী জলযানের পার্খে গিয়া উছার দু্যিত বন্দরহইতে যাত্রার তারিথ হইতে দশ দিন উত্তীর্ব ইইয়াছে কি না ইহা নির্বয় করিবেন ।
  - কোন দৃষিত বন্দর হইতে উহার যাত্রার তারিশ হইতে দশ দিন উত্তার্ব হইয়। থাকিলে এবং উহাতে উপায়ুক্ত যোগ্যতাসম্পন্ধ ডাক্তর থাকিলে এবং ডদর্থে নিযুক্ত কর্মচারা যেরপে পরিদর্শন করা আবশ্যক বোধ করেন তাঁহাকে সেইরপ পরিদর্শন করিতে দেওয়া হইলে এবং ঐ পরিদর্শনের এবং তিনি যে অম্পুন্ধান করেন তাহার ফলস্বরূপ ঐ কর্মচারির জল্যান স্বস্থ বলিয়া প্রতীতি হইলে ঐ জল্যানকে কুলের সহিত সংস্ত্রব করিবার অম্মতি দেওয়া যাইবে। তাহা না হইলে বন্দরে অবস্থান কালে উহাকে লক্ষর করিয়া থাকিবার নিমিন্ত রেসিডেন্ট সাহেব কর্তৃক নির্দ্বপিত স্থানে কারান্টাইনের নিয়মাধীনে থাকিতে হইবে, রেসিডেন্ট সাহেব যে কারান্টাইনের ক্যাম্প নির্দ্বপিত করেন তন্তিম্ব অপর কোন স্থানে ঐ জল্যান হইতে কোন লোক নামান হইবেনা এবং করোন্টাইনের নিয়মাধীনে ডাক নামান কিয়া আরোহী তোলা কি নামান ভিম্ন কুলের সহিত কিয়া অপর জল্যানের সহিত জন্য কোনরূপ সংস্থাব করিতে দেওয়া হইবে না।
  - (খ) কোন দৃষিত বন্দরহইতে উহার যাত্রার তারিখ হইতে দশ দিন উত্তীণ হইয়া না ধাকিলে কিয়া উহাতে উপায়ুক্ত যোগ্যতাসম্পন্ন ডাক্তর না থাকিলে বন্দরে

it shall remain in quarantine at the quarantine anchorage appointed for the purpose during its stay in port.

N.B.—No inspection of a vessel under Rules IV and V shall ordinarily be made except by daylight.

Rule VI.—These rules shall not prevent the transhipment, in quarantine, of passengers or other persons or mails or cargo from a vessel in quarantine to another, provided that thereafter the latter vessel shall be in quarantine.

Rule VII.—For the purposes of these rules a "healthy" vessel means—
"A vessel which has had no case of plague on board and which has left
an infected port ten days or more previously."

### A "suspected" vessel means-

"Any vessel on board which there has been a case of plague at the time of departure or during the voyage, but on which no fresh case has occurred for twelve days."

### An "infected" vessel means-

"Any vessel with plague on board or on board which one or more casehave taken place within twelve days."

The only measures which the authorities of the Port of arrival may enforce with regard to "healthy" vessels are those which are prescribed for "suspected" vessels (medical inspection, disinfection, pumping out the bilge-water and the substitutions of good drinking water for the water on board) except that the measures prescribed for the disinfection of the vessel itself may not be enforced in the case of healthy vessels.

The following treatment is prescribed for "suspected" and "infected" vessel, respectively:—

Suspected vessels are subject to the following measures, which will be carried out under the orders and supervision of the officer appointed for the purpose.

- 1.—Medical inspection.
- 2.—Disinfection; the soiled linen and personal effects of the crew and passengers, which in the opinion of the officer appointed for the purpose may be regarded as contaminated, should be disinfected.
- 3.—Pumping out the bilge-water after disinfection, and the substitution of good drinking water for the water stored on board.
- 4.—Disinfection of all parts of the vessel which have been inhabited by plague patients, and any other measures of disinfection that may be ordered by the officer appointed for the purpose

A watch should be kept over the health of the crew and passengers for ten days from the date of arrival of the vessel; and

the crew should not, without the special permission of the officer appointed for the purpose, be allowed to land, except on duty.

Infected vessels are subject to the following rules:

- 1—The sick will be immediately disembarked and isolated.
- 2.—The other persons on board should also, if possible, be disembarked and kept under observation or surveillance\* for a period varying according to the sanitary condition of the vessel and the date of the last case, but which must not exceed ten days.

<sup>\*</sup> The expression 'observation' means segregation of the passengers, either on board a vessel or in a lazarette, till they have obtained free pratique. The expression 'surveillance' means that the passengers will not be isolated; they will at once obtain free pratique, but on arriving at their destination they will be kept under medical surveillance.

শবস্থান কালে এডদর্থে স্থারাণ্টাইনস্ত্রে লক্ষর করিয়া থাকিবার নিমিত্ত যে স্থান নিরূপিত হয় সেই স্থানে কারাণ্টাইনের নির্মাধীনে উহা থাকিবে। মন্তব্য। –৪ ও ৫ বিধি অনুসাবে জলখানের পরিদর্শন সাধারণতঃ দিবা ভিন্ন অন্য সময়ে হইবে ন।।

৬ বিধি,।—এই সকল বিধিবশতঃ ক্লারান্টাইনের নিয়মাধীন এক জল্যান হইতে অপর জল্মানে আরোহী কিম্বা অন্য ব্যক্তি কিম্বা ডাক বা মাল স্থানান্তরিত করিবার প্রতিবন্ধক হইবে না। কিম্বু ঐরপ স্থানান্তরিত করিবার পর শেষোক্ত জল্যান ক্লারান্টাইনের নিয়মাধীন হইবে।

৭ বিধি।—এই সকল বিধির অভিপ্রায়ার্থ "হস্থ" জলযান বলিতে—

· "যে জ্বলয়ানে কোন ব্যক্তির মড়ক হয় নাই এবং থাহা দশ দিন বা তদপেকা অধিক দিন পূর্বে কোন দুষিত বন্দর ছাড়িয়া আসিয়াছে সেই জল্যান 'বুঝাইবে।

''সম্পেহেরকারণযুক্ত'' জলযান বলিতে—

"যাত্রা করিবার সময় বা যাত্রার মধ্যে গে জলযানে কোন ব্যক্তির মড়ক হইয়াছে কিন্তু যাহাতে বার দিনের মধ্যে নৃতন কোন ব্যক্তির মড়ক হয় নাই সেই জলযান" বুঝাইবে।

' দুষিত'' জলযান বলিতে—

''যে জলযানে মড়ক ক্রান্ত ব্যক্তি আছে কিশ্বা যাহাতে বার দিনের এক বা অধিক ব্যক্তি মড়কাক্রান্ত হইয়াছে সেই জলযান'' বুঝাইবে।

"সন্দেহেরকারণযুক্ত" জলযানের নিমিত্ত যে সকলব্যবস্থা (অর্থাৎ ডাক্তরের পরিদর্শন, দোষশ্ন্য করণ ডহরার জল পান্প করিয়া ফেলন এবং জলযানে যে জল আছে তৎপরিবর্ত্তে ভাল পানীয় জল গ্রহণ) নির্দ্ধিষ্ট হইল যে বন্দরে জলখান আগমন করে তাহার কর্ত্তপক্ষেরা কোন "স্বস্থ" জাহাজ সম্বন্ধে কেবল সেই সকল ব্যবস্থাই করিতে পারিবেন। কিন্তু স্বস্থ জলযানের বেলা দোষশ্ন্য ক্রেণার্থ ব্যবস্থা কার্য্যে পরিণত করিতে পারা খাইবে না।

"সন্দেহেরকারণযুক্ত"ও"দূষিত' জলযানের নিমিজক্রমান্বয়ে নিম্নলিখিত ব্যবস্থা নির্দ্দিষ্ট হইলঃ—
সন্দিশ্ধ জলযান নিম্নলিখিত ব্যবস্থার অধান হইবে। এতদর্থে নিযুক্ত কর্মচারির
আদেশাম্লসারে ও তত্ত্বাবধানে এই সকল ব্যবস্থা কার্য্যে পরিণত করা হইবে।

- ১। ডাক্তরের পরিদর্শন।
- ২। দোষশূন্য করণ; এতদর্থে নিযুক্ত কর্মচারিরমতে মাল্লা এবং আবে'হীদিগের যে সকল কামিজ প্রভৃতি এবং নিজস্ব সম্পত্তি দূ্যিত বলিয়া বিবেচিত হইতে পারে তাহা দোষশূন্য করিতে হইবে।
- ৩। দোষশূন্য করিবার পর ডহরার জল পশ্প করিয়া কেলন এবং জাহাজে যে জল আছে তৎপরিবর্তে ভাল পানীয় জল গ্রহণ।
- ৪। মড়কাক্রান্ত ব্যক্তিগণ যে যে অংশে থাকিয়াছেন সেই সেই অংশ দোষশ্ন্য করণ এবং এতদর্থে নিযুক্ত কর্মচারী দোষশ্ন্য করণ সম্বন্ধে অপর যে ব্যবস্থার আদেশ করেন তাহা।

জলযান আসিবার তারিখ হইতে দশ দিন কাল মালা এবং আরোহী-দিগের স্বাস্থ্যের প্রতি নজর রাখিতে হইবে, এবং

এতদর্থে নিযুক্ত কর্মচারির বিশেষ অন্নতি ব্যতীত কর্ত্তব্য কর্ম করিবার উদ্দেশ্যে ভিন্ন অপার কোন উদ্দেশ্যে মাল্লাদিগকে কূলে নামিতে দেওয়া হইবে না।

়. দৃষিত জল্যান নিম্নলিখিত নিয়মের অধীন হইবে :—

- পাড়িত ব্যক্তিদিগকে অবিলয়ে জল্যান হইতে নামাইয়। পৃথক রাখিতে ইইবে।
- ১। সম্ভব হইলে জলযানস্থ অপর ব্যক্তিগণকেও জাহাজ হইতে নামা-ইয়া পরিদর্শনাধীনে অথবা নজর বন্দিতে \* রাখা হইবে। পরিদর্শনাগীনে ও নজর বন্দিতে রাখিবার ঐ কাল জলযানের আন্ত্যের অবস্থাস্থারে এবং শেষ রোগ হইবার তারিখ অস্থ্যারে কম বেশী হইবে কিন্তু কোন ক্রমেই দশ দিন্দে অধিক হইবে না।

<sup>\* &#</sup>x27; শবিদশন' বলিতে সংস্থাই কবিষাৰ জানুমতি না পাওষা পৰ্যান্ত জাবোচাগণকে জলমানে কিবা হাঁপোতালে পৃথক কৰিয়া রাখন বুঝাইবেঃ ' নজৰ ৰন্ধি' বলিতে এই বুঝাইবে যে আবোচাগণকে পৃথক ক্রিয়া বাথ। চইবে না এবং তাহা-দিগাকে অবিলম্বে দংস্প্রবেব অসুমতি দেওবা হইবে কিন্ত উদ্দিপ্ত স্থানে শৌছিলে তাহানিগাকে ডাক্তবেব নজনবন্দিতে বাধা ঘাইবে।

- 3.— The soiled linen and personal effects of the crew and passengers, which in the opinion of the sanitary authority of the port may be considered as *infected*, will be disinfected.
- 4.—The bilge-water will be pumped out after disinfection, and good drinking-water will be substituted for the water stored on board.
- 5.—All parts of the vessel which have been inhabited by plague patients should be disinfected, and such other measures of disinfection shall be taken as may be ordered by the officer appointed for the purpose.
- Rule VIII.—The Resident shall have full power, subject to any orders that may be issued by the Government of Bombay, to make regulations or pass orders regarding the administration of quarantine camps and hospitals, whether ashore or affoat, and regarding quarantine anchorages, and all persons concerned shall be bound to obey such regulations and orders. Any vessel objecting to submit thereto or to any of the measures indicated in these rules, shall, however, be free to put back to sea.
- Rule IX.—Any mails or cargo which may be brought by any vessel arriving from an infected port shall be landed under such precautions as the officer appointed for the purpose may deem necessary to prevent the spread of the disease.
- Rule X.—It will be the duty of the Port Officer to facilitate the conveyance to all vessels in quarantine of such supplies of provisions, stores and other articles as may be required by those on board. Such supplies will be placed on the boats of the vessels in quarantine to be subsequently removed by members of their crews.
- Rule XI.—All vessels arriving at Aden, which may have communicated with vessels coming from an infected port, shall be subjected to the same rules as vessels arriving at Aden from an infected port.
- Rule XII.—All vessels which have undergone medical inspection and quarantine in the manner above prescribed, should have the fact clearly stated on their bills of health.
- By order of His Excellency the Right Honourable the Governor in Council,

A. C. LOGAN, Acting Secretary to Government.

- ০ ।—মালা এবং আরোহীদিগের যে কামিজাদি বস্ত্র এবং নিজস্ব সম্পত্তি বন্দরের স্বাস্থ্য সংক্রান্ত কর্তৃপক্ষের মতে দূষিত বলিয়া বিবেচিত হইতে পারে তাহা দোষশূন্য করিজে হইবে।
- 8। দোষশূন্য করিবার পর ডহরার জল পান্প করিয়া ফেলিতে হইবে!এবং জলথানে থে জল আছে তৎপরিবর্ত্তে ভাল পানায় জল গ্রহণ করিতে হইবে:
- ৫। মড়কাক্রান্ত ব্যক্তিগণ জলযানের থে যে অংশে থাকিয়াছেন সেই সেই অংশ দোষশূন্য করিতে হইবে এবং এতদর্থে নিযুক্ত কর্মচারী -দোষ শূন্যকরণ সম্বন্ধে অপার থে ব্যবস্থার আদেশ করেন তদন্সারে কার্য্য করিতে হইবে।
- ৮ বিধি।—বোদ্বাই গবর্ণমেন্ট যে আদেশ করেন তাহার অধীন হইয়া কুলয় কিয়া জলযানেরা উপরিস্থিত কারান্টাইনের ক্যাম্প এবং হাঁম্পাতালের কায়্যনির্জাহ সদ্বন্ধে এবং কারান্টাইন সূত্রে লজর করিয়া থাকিবার স্থান সম্বন্ধে ব্যবস্থা ও আদেশ করণার্থ রেসিডেন্ট সাহেবের সম্পূর্ণ ক্ষমতা থাকিবে এবং সম্পর্কয়ুক্ত সকল ব্যক্তিকে এরপ ব্যবস্থা ও আদেশে পালন করিতে হইবে। কিন্তু কোন জলযান ঐ সকল ব্যবস্থা ও আদেশের এবং এই সকল বিধিতে সূচিত ব্যবস্থার অধান হইতে আপত্তি করিলে সেই জলযানকে সমুদ্রে বাহির হইয়া যাইতে দেওয়া ঘাইবে।
- ৯ বিধি।—কোন দূষিত বন্দর হইতে আগত জল্মান কর্তৃক যে ডাক বা মাল আনীত হয় তাহ! এতদর্থে নিযুক্ত কর্মচারী রোগের প্রচার নিবারণার্থ যেরূপ সতর্কতা অবলম্বন করা আবৃশ্যক বোধ করেন সেইরূপ সতর্কতা সহকারে জাহাজ হইতে নাগাইতে হইবে।
- ১০ বিধি।— ক্লারান্টাইনের নিয়মাধীন জল্মান সমূহে যে সকল লোক থাকেন তাঁহাদের যে খাদ্য ও অন্য দ্রবের প্রয়োজন তাহা প্রয়প সকল জল্মানে লইয়া যাইবার স্থবিধ। করিয়া দেওয়া বন্দরের কর্মচাহির কর্ওব্য কর্ম হইবে। উক্ত দ্রব্যাদি ক্লারান্টাইনের নিয়মাধান জল্মান সমূহের বোটে রক্ষিত হইবে এবং পরে উক্ত জ্লান্ত্র মালারা তাহা উঠাইয়া লইয়া গাইবে।
- ১১ বিবি।—এদনে আগত যে সকল জলায়ান দূষিত বন্দর হইতে আগত জলায়ানের সহিত সংস্থাব রাখিয়াছে তাহাদের দূষিত বন্দরহইতে এদনে আগত জলায়ানসমূহ যে নিয়মের অধান হইবে সেই নিয়মের অধান হইতে হইবে।
- ১২ বিধি। —যে সকল জলযান পূর্ধনিদ্দিউ প্রকারে ডাক্তরের পরিদর্শনের এবং কারান্টাইনের অধীন হইয়াছে ভাহাদের স্বাস্থ্যের সার্টিফিকেটে ঐ কথা স্পন্ট করিয়া লিখিত থাকিতে হইবে।

মহিমবর প্রকৃত মান্যবর মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর সাহেবের আদেশক্রমে, এ, সি, লোগান, গবর্ণমেন্টের এক্টিং সেক্রেটরী।



# गवर्गायन् (जारकि।

TUESDAY, DECEMBER 28, 1897.

## यमलवात, ১৮৯१ माल २৮ ডिमেयत ।

PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal.

দিতীয় ক খণ্ড।

वक्रास्टमंत्र शव्वत्यत्केत्र व्यादम् ।

### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 5635M.—The 16th December 1897.—Whereas a notification No. 779T.M., dated the 22nd September 1897, was published at page 221, Part IB of the Calcutta Gazette of the 29th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of Part IX of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as modified up to November 1896, to the Kandi Ward of the Kandi Municipality, in the district of Murshidabad, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Kandi Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said Municipality.

H. H. RISLEY,
Sery. to the Gort. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 5638M.—The 16th December 1897.—Whereas a notification No 802T.M., dated the 22nd September 1897, was published at page 221, Part IB of the Calcutta Gazette of the 29th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of Part X of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as modified up to 1st November 1896, to the Pirojpur Municipality, in the district of Backergunge, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Pirojpur Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said Municipality.

H. H. RISLEY,
Secy. to the Goot. of Bengal.

## বঙ্গদেশের দ্রীয়ত লেপ্টেনেণ্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

## ম্নিসিপল ও স্থানীয়।

## বিজ্ঞাপন।

৫৬৩৫ এম, নম্বর ।—১৮৯৭ সাল ১৬ ডিসেম্বর ।—মুরশিদাবাদ জিলার অস্তর্গত কান্দি মুনিসিপালিটীর কান্দি ওয়ার্ডে ১৮৯৬ সালের নবেম্বর মাস পর্যান্ত সংশোধিত বন্ধদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ও আইনের ৯ম খণ্ডের বিধান প্রচলিত করণার্থ শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহে-বের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ২২ সেপ্টেম্বর তারিখের ৭৭৯ টি, এম নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ২৯ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১টি খণ্ডের ২২১ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অধ্য এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগতার্থে এতদ্বারা সংবাদ দেওয় যাইতেছে যে, শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেটের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারামতে প্রদত্ত ক্ষমতান্থাক করিয়া এবং কান্দি মুনিসিপালিটীরে সভাগত কমিশনরদের অন্থরোধক্রমে মুনিসিপাল আইনের উক্ত বিধান উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রচলিত করিবার অন্থ্যতি দিলেন।

এচ, এচ, রিসলী. বঙ্গদেশের গবর্ণমেত্রের সেক্রেটরী।

#### বিজ্ঞাপন।

৫৬৩৮ এম, নম্বর।—১৮৯৭ সাল ১৬ ডিসেম্বর।—বাধ্বগঞ্জ জিলার অন্তর্গত পিরোজপুর মুনিসিপালিটাতে ১৮৯৬ সালের ১ নবেম্বর মাস পর্যান্ত সংশোধিত বল্পদেশের মুনিসিপালিটা বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের ১০ম খণ্ডের বিধান প্রচলিত করণার্থ শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের অন্তপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ২২ সেপ্টেম্বর ডারিখের ৮০২ টি, এম. নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ২৯ তারিখের কলিকাতা গোজেটের ১ট খণ্ডের ২২১ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গোলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটাতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগতার্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া খাইতেছে থে, শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণব সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারামতে প্রদত্ত ক্ষমতান্ত্রসারে কার্য্য করিয়া এবং পিরোজপুর মুনিসিপালিটীর সভাগত কমিশনরদের অন্তরোধ-ক্রমে মুনিসিপাল জাইনের উক্ত বিধান উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রচলিত করিবার অন্থমতি দিলেন।

এচ, এচ, तिमनी, वस्राम्यान भवर्गसार्ग्डर स्मरक्रवेते।



# गवर्गाम् ।

TUESDAY, DECEMBER 28, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৮ ডিসেম্বর।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्रहेम थल।

ইশ ডিহার প্রভৃতি :

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাহার।

### জিলা বাকরগঞ্জ।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নির্মালিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সনের পাগায়ত সেপ্টেম্বর কিন্তির তলবী বাক রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সনের ৫ জাহ্মারি তারিখ মোং ১৩০৪ সনের ২২ পৌষ বুধবার নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ সাল তারিখ ১৩ নবেম্বর।

3	2	ى	6	¢	<u>.</u>	۹	•	•
ভৌজির নম্বর।	মহাল ও প্ৰগণাৰ লাম।	সম্পূর্ণ মহা- লেব সদর ক্ষমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবেঁ কি না।	দেবলমাত্র অংশ বিক্রন্ন হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিববণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাহার বাক <sup>ী ‡</sup>	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহায় বাকী।
8484	পদ্মা ওরকে রম- জানপুর পং কাশীম- পুর সেহলাপট্টী।	&02-0 <sub>)</sub>	সম্পূর্ণ মহা- লের মালিকী স্বত্ব নিলাম হইবে।		হরকুমার সেন গং		<b>२०२</b> 8)	•••••
8 € • ¢	চর সমসদী বালি- গাও পং সায়েস্তা- নগর।	2884)	Ē		দক্ষিণাকুমার রায় চৌধুরী গং।		48696	••••
898>	চর জঙ্গলা পং উত্তর সাবাজপুর।	91-8)	<b>(a)</b>	****	হরিমোহন ঘোষাল		رطو	•••
<b>3</b> 920	মোজা চিকনীকান্দা পং চন্দ্ৰদ্বীপ।	•••••		এজমালী—    সং।। (৭ = 3	অশ্বিনী কুমার দন্ত গং।	১৩১৯৭৭		२०५५ ग्रे
7948	তালুক বিশ্বনাধ সেন পং খাঞ্জাবাহাছর নগর i	¢9∘1•∕33]]	সম্পূর্ণ মহাল নিলাম হইবে।	·····•	রামনারায়ণ সেন গং	••••	28⊀IજખII	•••••
٩ۮۿۯ	তালুক ফতে মাখামুদ পং খাঞ্জাবাহাগুর- নগর !	90693	<u>a</u>	•	রাখালচন্দ্র রায় চৌধুরী গং।	••••	25/4	•••••
<b>३७</b> १२	তালুক সৌজ্বদ্দিন খাঁ গংপং বোজরগো- মেদপুর !			এজমালী—  ১৮/১৫ গণ্ডা অংশ নিলাম হইবে ৷ এত- ধ্যতীত অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না ৷	ক্সফকিশোর নিয়োগী গং।	\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \	••••	<u> २०१५२२</u> ११

3	۲	•	8	ď	-	) 1	F .	2
ভৌজির নম্বরু) .	্ মহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রম হউলে ঐ অংশ বা ঐ ১ অংশেষ বিশেষ বিধ্বন চ	্যে সম্পত্তি বিক্রম চইবে তাহাব মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয হইলে ঐ অং- শেব সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হুইলে তাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হইলে তাহা বাকী।
¢78¢	কিশমত তেওতা, পাওতা, রূপার- জোর গং পং বোজরগোমেদ-	\$\$8 <sub>9</sub> /0	সম্পূর্ণ মহাল নিলাম হইবে।	••••	দেবনাথ দক্ত চৌধুরা গং।			••••
२९०৮	পুর। জমিদারী পং উত্তর সাবাজপুর।	28981%4	ď	•…••	আনন্দ চন্দ্রায় : গং।	,	\$¢\$.√8	
7976	্১০ গণ্ডা জমিদারী তপে হাবেলী দীলিমাবাদ।	208619911	ď	•••••	দোদামিনী গুপ্তা গং।	•• ••	222%all	*****
<b>०</b> २०७	চর উমেদ মহালাধীন ৬৪ নং যোত পং জজীরা।	3649/0	সম্পূৰ্বযোত নিলাম হইবে।		হরিচরণ হাওলাদার গং।		२७४५/७	•••••
<b>€</b> ₹8७	চর পদ্মা মহালাধীন ১ নং গরমকররি তালুক গুপিক্কঞ্ বন্দ্যোপাধ্যায় পং দক্ষিণ সাবাজপুর।		সম্পূৰ্ণ তালুক নিলাম হইবে	••••	বিহারী লাল রায়: চৌধুরী।		(483)	

ট্টিকা। - যে দ্বলে উপদের লিখিত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ জ হতে কোন অংশ মাত্রবিক্রম হউতে বলিখা লিখিত জাছে সেই দ্বলে ইহা বৃধিতে হউতে যে ঐ জংশোর নিমিত মাজন্ত হিস্তি রাখা হইয়া থাকে ও মহালেন অন্য বা জন্যান্য অংশ বিক্রম হয় না।

Offy. Collector.

#### জিলা ঢাকা।—জমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই স'বাদ দেওয়া যাইতেছে যে ঢাকা জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি ব' মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকা রাজস্ব ও অন্যা যে সকল দাবা প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকা বাজব্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ব ১৮৯৮ সালের ৬ই জাত্মারি তারিখে নিলামে বিক্রয়, করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ননাপত্তির ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিও আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্ব হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্যাব্য অংশ বিক্রয় হয় না।

2	<b>\</b>	٧	8	a a	<u>ુ</u>	•	<b>&gt;</b>	<b>,</b>
তেজির মধব।	মহাল ও প্রগণাব নাম। `•	সম্পূর্ণ মহালেব সদব জমা।	সম্পূৰ্মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রম হউলে ঐ হাংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ শিংববণ।	যে সম্পত্তি বিক্য স্ইবে তাসাব মালিকগণেব লাম।		সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰুথ হুইলে ভাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাঞ বিক্ৰম হটলে তাহার বাকী।
78	পং বন্দরখোনা মং মামুদরাজা।	364040 2011	•••••	অবশিক্ট	শশীকুমার পোদ্দার গং।	) ৯১৬//જર મ	• · · · • •	<b>२</b> ७१;;२।
۵۰۱۵	চর মৃজাপুরের মধ্য- গত সালিনা ওরফে চক হরিচরণ।	,	যোলখানা	••	इस्क्राच्छ महा १९ े०		39640	*** .4

DACCA COLLECTORATE,
The 18th Norember 1897.

OKHOY COOMAR SEN.

For Collector.

## জেলা বাঁকুড়া। নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাঁকুড়া জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ণমেন্টের যে মলিকি স্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অন্ধসারে উক্ত বাঁকুড়া জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৮ সনের ১লা ফেব্রুয়ারি তারিখ মোতাবেক বাল্লা ১৩০৪ সনের ২০শে মাঘ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক।

শরিদ্দারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ভ সকলে বাধ্য হইতে হইবে,—

#### নিলামের সর্ভ।-

- প্রথম। নিলামের সময়ে কালেষ্ট্রর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিষ্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্বাপেকা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদ্ধারকে ইহার মালিক স্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরস্থরপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদ্ধারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।
  - দ্বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং
    এই ক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং
    রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা
    ক্রমক প্রজা দ্বারা দস্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্বীকার করিতে খরিদ্ধারগণ বাধ্য
    হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার অনধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০ টাকার ঊর্দ্ধ্ব হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদব্ধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্ব্ব উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার নায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি খরিদ্দারের দায়িত্বে এই মহাল প্রবায় নিলাম হইবে।

তৌজির নশ্বর ।	মহাল ও প্ৰগণার নাম।	একরের হিলাবে যত- দূর জানা যায় ভূমির অন্মানিক পরিমাণ।	গবর্ণমেন্টেই রাজস্ব যাহা ধার্য্য হই- য়াছে।	মন্তব্য।
bro	আমরাণী পরগণে বিস্থুপুর ···	মোট মহালের ৩ কাগ অংশ।	।১০ চারি আনা দশ- পাই মাত্র।	থানা বিষ্ণুপুর সামিল ভাগেদিখা গ্রাম- নিবাসী দিনমুমী দেবীর বিরুদ্ধে ১৮৯৫ ৯৬ সালের ৭৩৯ নং সার্টফিকেট জারিতে গবর্ণমেন্ট কর্ত্তৃক প্রকাশ্য নিলামে খরিদ করা হইরাছে।

কালেক্টারের কাছারি, জেলা বাঁকুড়া, ভারিখ ২০শে নবেছর ১৮৯৭ /

G. E. MANISTY.

Collector.

#### किना नरीश।

## নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকিস্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অহুসারে উক্ত নদীয়া জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৮ সনের ১০ই জাহুয়ারি তারিখ মোতাবেক বাল্লা ১৩০৪ সনের ২৭লে পৌষ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক।

খরিদ্ধারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্গু সকলে বাধ্য হইতে হইবে। —

#### নিলামের সর্ত।---

- প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্ট্র সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিট করেন তাহার উপর
  যে ব্যক্তি সর্বাপেকা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রম্ন
  হইবে। এই মহালের শ্বিদারকে ইহার মালিক স্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং
  যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরস্থরপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে
  মালিকিস্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব শ্বিদারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।
- ষিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্তমান আছে এই নিলামে ডাহা বলবং থাকিবে এবং রেভে-নিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা ক্লযক প্রজা দ্বারা দস্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্থীকার করিতে খরিদ্ধারগণ বাধ্য হইবে।
- জ্জীয়। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার অনধিক হইলে সমুদ্য টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
  চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার উদ্ধি হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের
  একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদব্ধি
  পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ
  দিবস কোন পর্ব্ব উপালক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি
  হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত
  করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাছেলাপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার
  নায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি ধরিক্ষারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায়
  নিলাম হইবে।

্তী(জ্ব নপ্ৰ।	মহাল ও প্ৰগণ্যৰ নাম।	একবেব হিসাবে যতদুব শানা গায় ভূমিৰ অমুনানক প্রিমাণ !	গৰণ্মেণ্টেব বাজস্ব যাগ ধাম্য হই- হাছে।	मखनाः
১ ৽ ৯৭	নমুলিয়া পরগণে শ্রীনগর	একর— ২০.৮৬ অর্গ্য ৬৩/২। বিঘা ।	টাং আরু পাং	

কালেক্টরের কাছারি জেলা নদীয়া তারিখ ৪ঠা ডিসেম্বর ১৮৯৭ সাল।

II. A. ROSSITER,

For Collector.

#### जिना ताम्राशनि।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬, ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ১১ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে ে, নোয়াখালি জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজত্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজত্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে ভাছা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮। ৪ জাল্মারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ফরে কোন অংশমাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

>	3	•	8	•	8	1	<b>Y</b>	6
ভৌজির মদ্ব।	মহাল ও শ্রগণার নাম ।	সম্পূৰ্মহা- লেব সদর কমা।	নস্পৃথ মহাল বিক্রয় হউবে কিনা।	কেবলমাত অংশ কিবলমাত অংশ বিক্রেয় হইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিৰয়ণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র ব্লিক্স ছইলে, ঐ অং- শের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহাৰ বাকী।	কোম অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।
<b>\$33</b>	বামনী জমিদারী চাকলে বামনী।	\$\$\$ <b>•</b> 9,	मण्ण्व	••••	বাবু উপেম্প্রচম্প্র দত্ত মেনেজার অব মিস কোর্জন ফেট ও বাবু রঘুনাথ প্রসাদ ডেওয়ারি গং।		द • दद।। <b>२</b> ३३	
			খাস মহ	াস টেনিউর —				
7667	গং মং হাওলা	७७৮५७	मण्यूर्व		ওয়াজ্ঞদিন ঘাট- মাজি।	•••••	38৯√⊄	•••••
<b>५७७</b> १	আবহুন রহমান। চর মঘধরা গংমং হাওলা আজেম- ভূলা গং৮০ নং দখল।	9 o b 4 <sub>9</sub> /9	À		ত্রৈলোক্যনাথ গুহ অভিভাবক জানিবে সচিনাথ গুহ।	•••••	30012	•••
১৬৭১	চর গাজির ১ নং দখল।	२०२१। 🎉	<b>(4)</b>	•••	জমিয়ত আলি		8 <del>४</del> ९।०	···········
<b>3</b> 693	এ চরের ২ নং দখল	24421177	<u>A</u>		<b>A</b>		७१७।/७	
3656	চর আন্সেকজেণ্ডারের ১ নং গং মং হাওলা।	¢8 n h∕9	Ď		নবকুমার বস্থ	•••••	3 0 € <sub>9</sub> ⁄ ≥	•••••
<i>ን </i> ሁሁ ሁ	के हरत्रत २ मः गः मः इाउना।	<b>68242</b>	<u>A</u>		À	•••••	.590  <b>0∕</b> ≥	••••

S. K. AGASTI.
Collector.

## জিলা বৰ্ষমান।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

্রিক সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, বর্দ্ধমান জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সালের জ্বন কিক্টির বাকী রাজন্থ ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী রাজন্থের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত আগামী ১৮৯৮ সালের ৫ জামুয়ারি তারিখে বেলা ১২টার সময় নিলামে বিক্রম করা যাইবে।

>	ર	٥	8	Œ	•	9		•
ভৌভির নম্ম ।	'মহাল ও পরস্থাব শাম।	मण्पूर्णभवा- (मत महते स्थ्यो ।	সম্পূৰ্ণমহ দ বিজ্ঞায় ঘৰীৰে কিন্দা	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বি- শেষ বিবরণ।	বে সম্পত্তি বিক্রম্ভ ছইবে ভাষার মালিকগণের নাম।		ITATED STEP	কোন অংশ মাজ বিক্লয় ঘটদে ভাগব বাকী ট
44	মহান্দ পাট্নী পর- গণা পাট্নী।	æ 964 40		কেবল মূল মহাল নিলাম ছইবে অন্যান্য অংশ নিলাম ছইবে না।	নবিনচ <del>জ্</del> ফ চৌধুরী দিং।	₹ <b>৮৯</b> ৩ /১०		88 <sub>(</sub> ¢

টীকা।—যে স্থলে উপবেব লিখিত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই স্থলে ইহা বৃ্বিতে ছইবে যে ঐ অংশের নিমিত্ত খতন্ত্র হিসাং রাখা চইয়া খাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

C. Fisher,
Collector.

## জিলা বারভূম।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বীরভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিও মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজন্ব ও অন্যয়ে সকল দাবী আইনাম্পারে বাকী রাজন্বের ন্যায় আদারের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ১১ই জাম্মারি তারিখে বেলা ১ টার সম্ম নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

,	ર	٥	8	à a	•	•	<b>b</b> -	۶
ভৌজীব মধর।	মহাল ও প্ৰগ্নাব নাম।	সম্পূর্ণ মহালেব সদর জ্ঞমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয হটবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয চউলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিবরণ :	যে সম্পত্তি বিক্রয় হুইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ ভাংশের সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহাব বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হইলে তাহার বাকী।
२७8 बर	আমভাপালন পর- গণা খটলা ধানা সিউড়ী।	&99heJo		এজমালি অংশ— দেবীপুর, দড়ি- বাজে জমি বাজে আপ্তি, দেবীপুর, জঙ্গল জমা ও আমড়াপালন মো- জ্বাম রকম ষোল আনা, এই অংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নীলাম হইবে না।	স্থরেন্দ্র নারায়ণ সেন দিগর।	€8⊌h <b>৶</b> •		<b>⊍</b> 4∕9

চীকা। - যে প্ৰলে উপরের লিখিত বর্ণনাপতেব'৫. ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম চইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ইহা বৃথিতে ছইবে যে ঐ অংশের নিমিত্ত মতেল হিসাব রাথা ইইরা থাকে ও উপরি লিখিত অংশ ভিন্ন মহালেব অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না।

BIRBHUM COLLECTORATE.

Vated Suri, the 18th November 1897.

F. N. FISCHER, Collector.

## জেলা ত্রিপুরা।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন খ।

७०० नः-

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৫ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে যদি নিমের লিখিও বাকী রাজক আগামী রাজক দিবার শেষ দিনে অর্থাৎ ১৮৯৮ ইং ১২ জাহুয়ারি তারিখে বা তৎপূর্কে না দেওয়া হয় তাহা হইলে ত্রিপুর জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেযের আফিসে উক্ত বাকী রাজ্যন্থের জন্য ১৮৯। ইং ২৫শে মার্চ্চ তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইং ৩ ডিসেম্বর ১৮৯৭।

5	<b>2</b> °	•	8	<b>t</b>	•	٩	<b>b</b>	•	>0
তৌজির নগর।	মহাল ও <sup>দ্</sup> রেগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর ক্রমা	স <b>স্পূৰ্ণ</b> মহাল বিক্ৰয় হ <b>ই</b> বে কি না।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিক- গণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশের সদব জমা।	বিক্ৰয় হইলে	(कान घरणमाब	যে দাবির এড নিলাম হট তোহার প্রকা ও পরিমাণ
3200	মেয়াদি বন্দোবন্তী জোয়ার দৌল- তপুর পং বর- দাখাত ১২৬১ সন হইতে ১৬১০ পর্য্যন্ত ৫০ বৎসর।	l .	मण्पूर्व	••••••	উমা নাথ ঘোষ গং		<b>3 9 4₀</b> / <b>હ</b>	১৮৯৭ সেপ্টেম্বরে	দেওয়ানী আদাসভ াকী মহাস ইং ২৮শে বর দেয়

দ্বীকা।—যে স্থলে উপকৃত্ত বৰ্ণনাপত্তেব ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রম ছইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই স্থলে ইহা বুবিতে হইবে যে ঐ সংশেব নিমি
স্বতম্ব ছিলাব রাশা ছইয়া থাকে ও মহালেব অন্যান্য অংশ বিক্রম হয় না।

্ষেং প্রকারের বাকির এই ইস্তাহাবের ফারম ব্যবহাব ওইবে সাহা আইনেব ৫ ধারাতে উলিখিত আছে এবং তদমূলাবে ১০ ছবের বিষৰণ লিখিতে হইবে।

TIPPERA COLLECTORATE,

The 7th December 1897.

J. Kennedy,

Collector.

## জিলা রাজসাহী।—জমিদারী বিক্রমের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে রাজশাহী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখি মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আবিংসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্নসামে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮। ইং ১১ই জাম্য়ারি মোঃ ১৩০৪ বাং ২৮ পেনুষ তারি, মঙ্গলবার বেলা ২। ২টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

<b>\$</b>	<b>ર</b>	•	1	¢	•	9	ь —	
তৌ <del>জী</del> ব মধ্য ।	<b>মহাল ও প</b> রগনার নাম।	मच्लू व महारक्षत भवत जमा।	সম্পৰ্মগুল	দেবলমাত অংশ বিজয় চইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবৰণ ।	যে সম্পত্তি বিজয় হটবে তাহাব মালিকগণের মাম।	কোন খনংশ মাত্র বিক্রম ছউলে ঐ ভনংশেব সদর তম।।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রম এইলে ভাহাব বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় স্টলে তাথা ব্ৰী।
২৩৪ নং ৬ হিস্যা বিশেষ নং ১।	হাটরা দিগর পরগণে ভেগাছী।	30.490	,	* ॥৵● আনা∙ •	ধনরাক্ত মল ওরকে ঝড়ু বাবু বজাজ হীরালাল বাবু বজাজ গিরীধারী বজাজ।	4F3 H/ 0		<b>3</b> °)

\* উ.ল্লেখত অংশ ব্যতীত অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রম গ্রহবে না।

টীক'।—যে দ্বলে উপবের লিখিত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম ছইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই দ্বলে উপা বৃথিতে হ ইবে যে ঐ জংশে বিক্রম হয় না।

RAJ-HAHL COLLECTORATE,

R. S. GREENSHIELDS,

Collector.

#### জিলা ২৪ পরগণা।

এতদ্বারা সর্বসাধারণকে জ্ঞাত করা যাইতেছে নিম্নলিধিত জমিদারি মহালের সন ১৮৯৭ সালের সেপ্টেম্বর কিন্তির রাজস্ব ২৮ সেপ্টেম্বর সূর্যান্ত পর্যান্ত দাখিল না হওয়ায় ঐ সমস্ত মহাল সন ১৮৫১ সালের ১১ আইনমতে সন ১৮৯৮ সালের ১০ জাহ্মারি তারিখে জেলা ২৪ পরগণার কালেক্টারিতে বেওজর নিলামে ধরা যাইবেক।

১। প্রথম শ্রেণীর চিরস্থায়ী বন্দোবস্তী মহাল।—

2	ર	٥	8	à	8	9	<b>b</b>	>	. 50
क्रिक सम्बद्धाः	्छोड़ींद्र मस्य	প্ৰস্থা ও মহালেৰ নাম।	প্রামহা- লের সদর জমা।	প্ৰামহাল বিক্য হইবে কিনা।	যদি একটা অংশ বিক্ৰয হয় তবে দেই অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি নিলাম কইবেক তাকাৰ মালিকের নাম।	যদি একটী অংশ বিক্রম হুস তীহাব সদব ক্ষমা।	যদি পূবা মহাল বিক্ৰম কৰিতে হয় ভাছাব বাঞ্চিব প্রিমাণ	
3	e o	রামেশ্বরপুর।	৯৮৪ দক্প	•••	মেডিজ চাকারবেড়ে ,, পাক্ষভিপুর, ,, রায়পুর, ,, রামচন্দ্রপুর, এই চারি মেজায় ।  ॥ = ক্রান্তি বাদে অবশিষ্ট ॥  মোজে রামেশ্বরপুর  ১৬ ১০ কাগ আলীপুর প্রভৃতি অবশিষ্ট ১৪ মেজায় ১৬ আনা। মোজে চক কাটালে । মোজে বাদেশ্য ওআনা। মোজে বাদ্য	·	२ ३ ७२॥ ७ ३ २ २ २ १	•	₹ <b>२</b> ८७
	•	•		0-71	নোনা প্রত্যেক মো- জায় ৮/১।। বাদে  অবশিষ্ট ৮/১৮।। জানা । অবশিষ্ট জাবগাছিয়া দিং ৭ মৌজার প্রত্যেক মৌজায় ১৬ জানা ।				
0	,	পং মান্তরা, কিং ইন্দ্রপালা দিং।	• 8 ¢ ha/-	পুরা মহাল।	•••••	यानमाञ्चसको टमवा मिः।	*****	१७।८५०।	
8	الا8ئ ھ	পং ঘড় দিং কিং • রায়পুর ।	७ <b>१</b> ८२॥ <u>५</u>	•••	৮৬॥ = ক্রান্তি বাদে অবশিষ্ট ৵:৩।— ক্রান্তি।	বঁ।কে বিহারি লাল মণ্ডল।	<b>১</b> ১२ <b>७</b> ५०	······	3041124
ŧ	ora	পং আজিমাবাদ কিং হুদারস খালি দিং।	2 5 5 2 5 3 5 5 6 5 7	•••	৩৬ মোজার মধ্যে ৬২মো- জায় ৮৶৫ আন। বাদে অবশিক্ট (১৫ গণ্ডা।	বাঁকে বিহারি লাল মণ্ডল।	৯•০৵৭।।	****	<b>ঌ</b> ₹/'७
હ	<b>७</b>	পুং আজিমাবাদ কিং হুদাজ্জয়- চণ্ডিপুর।	1 1		৮/৬॥ = ক্রান্তি বাদে অবশিষ্ট ৮/১৩।— ক্রান্তি।	বিশ্বেশ্বর লালা	70rall\5	·	₹ <b>&amp;</b> 0  ∕55 }

۱ ،	2	•	8	æ		9	<b>b</b>	١ ٠	30
कियं अयेव	ভৌঙ্গিব নশ্বৰ।	প্ৰগণা-ও মহালেব নাম ৷	পুরা মহা- লের সদর জমা।	পুৰা মহাল বিক্ৰয় হইবে কিলা।	যদি একটা অংশ বিক্রয় ছয় সেই অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি নিশাম হইবেক তাহাব মালিকের নাম।	যদি একটা অংশ বিক্রয় হয় তাহার সদব লমাণী	যদি পুৰা মহাল বিক্রম করিতে হয় তাহা বা- কির পারমাণ I	যদি অংশ বি- ক্রম করিতে হয় তাহাব বাকির পরিমাণ।
٩.	७ <b>৯</b> २। 8	পং আজিমাবাদ কিং হুদাজয়- চণ্ডিপুর।	603012 6	•••	৮/৬॥= বাদে অবশিষ্ট ৮/১৩।— ক্রান্তি।	বাঁকেবিহারি লাল মণ্ডল দিং 1			२६७।८७
•	8 • 2	পং আজিমাবাদ কিং হুদা রাম- কৃষ্ণপুর দিং।	                                   	•••	দে/১॥ = ক্ৰান্তি বাদে অবশিষ্ট /১০।— ক্ৰান্তি।	বঁ)কে বিহারি লাল মণ্ডল দিং৷	<b>►8911/3</b> •		\$\\\4 <u> </u>
>	3642	পং বালিয়া কিং দৌলতপুর।	sreen s	পুরা মহাল।		চণ্ডিলাল সিং দিং		७७॥७७	

আলিপুর,

मन ১৮৯१। ১৮ ডिस्म्बद ।

CHUNDER NARAIN SINGH,
For Collector

## জিলা নদীয়া। জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জিলার অন্তর্গত নিদ্মালখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্রর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আহে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ১০ জাল্ল্যারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫,৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখ। হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

\$	2	•	8	α	હ	9	-	>
ভৌজিব ত্ৰন্থৰ।	মহাজ ও প্ৰগণাৰ নাম।	मण्पृत् भङ्गोदलव मण्यः समा ।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইবে কি না।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয ছউলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিধ্ববণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হয়লে ঐ অংশেব সদর ক্রমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাচাব বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম্ব হইলে তাহার বাকী।
3	মহাল আলমপুর পর গণে আলমপুর।	- ৯২ ৯৬৬॥/৮ পুলিস ১০৪ ৯। ৮৫	না	১। ০ নং অংশ । ৯/৬ ৸৪। । ৯/১ ০ উক্ত অংশ ব্যতীত অন্য অংশ বিক্রম হইবেক না।	कानी श्रमञ्ज एगर	৪২৬৩৭/৩ পুলিস ৪৮২।৫		₹\$\$  \$/8
<b>১৬৭নং</b>	মহাল হ্বড়া পরগণে পাচ নউর।	১৯৪১৩।৯/১ পুলিস রেভিনিউ ২১৩।⁄৪	না	১৬৭।২ নং অংশ /১৪ ১৬।।৯/০ উক্ত অংশ ব্যক্তীত অন্য অংশ বিক্রয় হইবে না।	সারদা প্রসাদ স্থর ভবানীপ্রসাদ স্থর, অন্ধপূর্ণ দাসী দিগর।	২০০৬ <b>৭৩</b> পুলিস ২ং/৩		9  •

## जिना ताग्राचानी।—जिमातो विक्तायत विज्ञार्थन !

১৮৫৯.সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ও ১৮৬৮ সালের ৭ আছনের ১১ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে ৭ নোরাধালী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেইর সাহেবের আফিসে বাকী রাজন্ম ও অন্য যে সকল দাবা প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকা রাজ্ঞস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে ভীহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮। ৩ ফেব্রুফারি তারিখে নিলামে বিক্রম করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ মরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়। লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

তাজির নপ্র।				1	·		i J	
	মহাল ও প্রগনাব নাম।	সম্পূর্ণ মহা- লেব সদর ক্ষমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইবে কিলা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় চইলে ঐ অংশ ব। ঐ২ অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্ৰম হইবে তাহাৰ মালিকগণেৰ নাম ৷	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হউলে ঐ অংশেব সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল পিঞ্চয় হইলে ডাহার বাকী ,	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহায় বাকী।
<i>₹</i> >>	বামনী জ্বমণারি চাকলে বামনী।	33,309)	त्रण्यूर्व		বাবু উপেন্দ্র চক্র দক্ত মেনেজার মিদ কোর্জন ফেট ও বাবু রঘু-		রাজস্ব— ৪২ <b>৫</b> ১ • ছেছ৬৮১ ১২	••••
			খাস মং	াল টোনেউর—	নাথ প্রসাদ তেও- য়ারি ও গং।			
3447	চর শুলু কিরার ১নং গং মং হাওলা আবগুল রহমান।	હડ્રેષ્ટ્રમહ	<b>A</b>		ওয়াজন্দিন ঘাটমাজি	••••	রাজস্ব — ১৩৫//৫ ছেছ ১৩৸/ ১৪৯৵৫	<b>***</b>
<i>ડ</i> હહ ર	চর মহধরার গং মঃ হাওলা আজমভূলা গং ৮০ নং দখল।	90540/9	<b>(a)</b>	•••	ত্রৈলোক্যনাথ গুঃ অভিতাবক পক্ষে সচিনাথ গুঃ গং।	•••	রাজস্ব— ৮৩ ছেছ ২০॥১	•••
5493	চর পাজির ১ নং দখল।	२०२१।७८	À	·	শ্ৰীজমিয়তালী		১০০।। ই রাজস্থ — ৪৪৩।৯৬ ডেছ৪৩৮/৬	
\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \	চর গাজির ৩ নং দখল।	) 2442/122	ঐ	•••	Ý	•••••	৪৮৭। রাজস্থ— ৬৪২১/১	
<b>6</b>	চৰ আং সকজেওারের ১ নং গং মং হাওলা।	<b>€8∘4/</b> 9	। मण्णूर्व 		শ্রীনবকুমার বস্থ		ও৭তা/৬ রাঃ স্থ— ১১৮৮ ছেছ ১৮(১	*****
<b>ሤታ</b> ሤ •	চর আন্সেকজেণ্ডারের ২ ৭ং গং মং হাওলা।	<b>48343</b>	<b>Le</b>		(A)		রাজক রাজক ১৪২১ ছেছ ২৮১৯ ১৭০।১৯	1

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking the pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for ash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native lauguists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

## জুরভু সিন্কোনা।

কলিকাভান্ত বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট গবণ নেত্রের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পোঁও ক্রয় করিলে নির্মাণখিও মুল্যে ধ্রের ক্মিচারিগণ এবং অপার কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পোঁও ক্রয় করিলে নির্মাণখিও মুল্যে ধ্রের সিমকোনা পাইবেন এর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২॥০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫০ টাকায় এবং এক পোঁও টিন এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬, টাকায়, আট ঔপ টিন ৬০ টাকায় এবং এক পোঁও টিন ১২, টাকায় পাইভে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ যিক্রেন্থাগণ ও এই ঔষধ বিক্রয় করিয়া ঘাকেন। উপরোক্ত হার লাড়া চারি ঔপ টিনের ।০, আট ঔপ টিনের ।।০ ও এক পোঁও টিনের ৮০ ডাক মাম্মল দিভে ২হবে।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের সিনকোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সলকেট অক কৃইনাইন।

১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য চইবে, যথা—

১ এক পৌণ্ড টিন ১৮, বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৭০

।। জাধ ,, ,, ১) ,, ,, ,, ১)। °

**1 阿存** ,, ,, 8110 ,, ,, ,, ,, ,, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপকৃত্তী ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই ভাহার গ্যারান্টী দেওয়া ষাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটন্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া ধাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will nenceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

				Ks.	A.	P.		
Entire Gazette	•••			10	0	()	per annum.	
	Postage			2	8	U	,	
Parts III, IV, V,	and VI, con	taining the	Acts				~{	
and Bills of the								
and Bengal		•••			0	0	<b>,</b>	
	Pestage	•••		4 1	0	0	», »	•
For a single copy							,,	•
Entire Gazette			•••	0	4	0		•
	Postage			0	1	0		
Paris III, IV, V,	and VI	•••	•••	0	1	0	for 4 sheets	or under
							with an charge of 1 every 4 sheets	additional runa for
							of 4.	
	Postage			Λ	1	0		

For Calcutta.

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage E. N. Bakks.

Offg. Under-Secretary to the Govi. of stenge l.



#### বিজ্ঞাপন।

k.	১৮৮৩ সাল ২১ ফেব্রুয়ারি	।বাকালা	গবর্ণমেন্ট	গেজেটের	मृना उ	ডাক্ <b>যাত্ত</b>	₽Ĕ	শ্বধি নিশ্ন-
লিখি	ত হারে অগ্রিম দিতে হইবে	:			`			**

•	यकः मर	<b>7</b>			টাকা। -	
সম্পূৰ্ণ গেডেট		•••	•••	বৎসর	> 0~	
- তাকমাম্বল	•••	•••		"	<b>₹</b> 11 •	
0 9 8 9 t 9 t <b>4</b> 9	( যাহাতে দ	ভারতবর্ষের 🔻	ও বঙ্গ-			
দেশের ব্যবস্থাপব	সভার ঘ	মাইন 😮 🤨	গাইনের			
পাণ্ডুঙ্গিপি থাকে )	•••	•••	•••	,,	*,	
ভাকমান্থল	•••	•••	•••	"	١,	
সম্পূর্ণ একখানি গেজেটে	র মূল্য	•••	***	,,	(•	
` ডাকমাম্বল	•••	•••	•••		, •	
৩০৪৩৫৭৬ খ্	( প্রড্যেক	৪ পৃষ্ঠা ৰা	ভাহার			
ন্যন সংখ্যক গ		•••		• م	∕∘ к ४फ	পৃষ্টার অধিব

য়ড় অধিক হয় তাহার প্রভেত্ত ৪ পঞ্চা প্রতি আর একম আন্ত্রা

**डाक्याध्**न

#### ক্ৰিকাভায় ৷

কলিকাডায় ও ১৯:শলে সমান মৃল্য, কলিকা<mark>ডায় কেবল ডাক্মান্ত্র</mark> লাগিবে না । ই, এন, বেকার ।

বক্তদেশের গবর্ণথেটের একটিং ছোট সেকেটরী।

#### The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

- F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Rc. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the rincipal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at bresent a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced tudent only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the tudy of these ancient documents more accessible, I doubt not that the time will come when no one in india will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his ountry—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDY., GOVY. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

• In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette of of the Bengalce Gazette will be supplied unless the subscriptions to the ame is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from nd for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

some's under the control of Government officers are strictly each.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either that the discrete, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the none on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

12th December 1882.

Note	-Rates	of adver	tisements	in the OALC	UTTA GAZET	
						~ Rs.
	age, p	er issue	•••	•••	•••	50
Half	,,,	"	•••	***	•••	10
	Cas	ual adve	rtisem <b>en</b> t	-4 annas pe	er line.	, I

#### বিজ্ঞাপন ।

শলিকাতা গোজেটের কিন্তা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজেট দেওয়া যাইবে.মা, ১৮৮৭ সালের নবেশ্বর মাসের ২০ ভারিখের জ্ঞাপনপ্রাভিরিক্ত এই মর্যের বিভাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিন্তা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃতাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ্ত্যেভি বালাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভন্নিতি নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্ধারা এই বিচ্ছাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজান সেকেটারিয়েটের আকেনিটান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তিকে কোন পুস্তকাদি দেওয়া কিছা উক্ত কোন গেজেটে ইলভিহার কি বিজ্ঞান প্রত্যাল প্রত্যাল প্রত্যাল প্রত্যাল প্রত্যাল কিছা কি

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণ্টি বাদ দিবার জ্বন্যে টাকার উপর আর 🥕 এক পানা পাঠাইতে হইবে।

সি. ডবলিউ বল্টন, বলদেশেয় গ্রথমেন্টের ছোট সেক্টেরী।

#### ১৮৮२ नात्मत ३२ फिरमधत ।

মন্তব্য। কলিকাতা গেলেটে ইপতিহায় একাশ করিব।	র হার এটং।	-			होका।
প্ৰা এক পৃণ্ঠা এঞ্ছ বার প্রকাশ করণের	•••		•••	,.,	200
আধ পৃষ্ঠা	•••	***			<b>.</b> •
কখন কখন উশ্চিষ্ণার প্রকাশ কবিতে কইচে	। একং পাঁক্তি	•	••	•	1.

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A direct of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-troversor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B. - Copies are still available

#### বাঙ্গাল সেকেটারিয়েট যন্ত্রালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে।

বারিন্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীমতীর বন্ধদেশের সিবিল সবিসে নিযুক্ত বর্ত্তমানের ডিফ্রিক্ট ও সেশন জ্ব ও রেন্ট কমিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পলের শ্রীযুত সি, ডি. ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি ্লাহেবের প্রনীত বন্ধদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবনর সাহেবের শাসনাধীন এনেশের ভূষ্যধিকারীর প্রজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুস্তকের মূল্য, ৫ পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুশুক ক্রয় করিতে চাহিলে বাঙ্গাল সেক্রেটারিয়েটের আকোণীটের নিকা একং খানি পুশুকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ। ৴৽ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য।—উক্ত পুশুক এখনও পাওয়া ঘাহতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

বজকার্য্যাপলকে বলদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাতার স্পানেছ এয়েষ্ট টোন হালের হাতায় ছিত বলদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কাষ্যবিভাগের আপিনে রেছি-ফ্রানের নামে শিন্তে।নামা দিয়া থাধনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

ক্ষা সাজু আইনের পুশুন্ত কলিকাতার গবর্ধমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিন্ধ কোম্পানির ধাটাতে ক্রয় করিতে পারে, বায় ।

## বিজ্ঞাপন।

গ্রবন্ধেটের ১৮৮১ সালের জ্ব মাসের ২৯ তারিখের আজ্ঞান্নসারে নোভঙ্গ গ্রাহকস্বরূপ পোট কমিশনরেরা নিম্নলিখিত যে সকল দ্রব্য অধিকারে লইয়াছেন ভাহার মূল্য ১০০০ টাকার অধিক হওয়াতে, ১৮৮০ সালের ৭ আইনের ৭৬ ধারার বিধানমতে তাহার বর্ণনা সাধারণের অবগত্যর্থে প্রকাশ কর গেল:—

তাবিখ।	প্রাপনেব নম্ব ৷	জ্বের বর্ণনা।			কাছাক।ছি ম্ল্য।	যে স্থানে পাওয়া গেল।	যে স্থানে আছে।
- >	٤	9			8	α	•
২৪ <b>শে ন</b> বে- শ্বর ১৮৯৭ সালু।	8 Pt, a, <	লাল রঞ্চের সৃতীকাপড় লাল রঞ্চের পশমা কম্বল কাশারী চাদর লাল, সব্জ ও কাল রঞ্চের সার্জ লাল ও সবুজ ফুানেল নাল রঞ্চের সৃতীবন্ধ (চেক) সোখিন রঞ্জিন শাড়ী (সৃতী) রেশম ও সৃতা মিশ্রিত চাদর নানা রঞ্চের সামান্য বন্ধাদি মিশ্রিত টেচা বুননের কাল রঞ্চের রোল গাঢ় নীল রঞ্চের মোটা সাজ ভিন্নং রঞ্চের ডোরাকাটা	\$ 28 \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$	" " " " " " " " " " " " " " " " " " "	।   ।   ।   ।   ।	ছগলী <b>প'ই</b> ন্ট	পোর্ট কমি- শনরদের হাব ভার ডব্ ইয়ার্ডে।

পেশ্র্ট কমিশনরদের আপিস, কলিক্তা, ২৪শে নবেছর ১৮৯৭ সাল।

এ, জি, হফ্,

আসিফান্ট কইসারভেটর।



#### INSOLVENCY NOTICE.

COURT FOR THE RELIEF OF INSOLVENT DEBTORS AT CALCUT.

# In the matter of GOLABRAI AGARWALLA AND ANOTHER (KALISHAI GOLABRAI), Insolvents.

¢,

Notice is hereby given that Tuesday, the 11th day of January next, is appointed for the further hearing in this matter for the purpose of declaring a dividend, and that an account in detail of the receipts and disbursements of the Official Assignee, from the 4th day of December 1896 until the 27th day of November 1897, has been filed, and may be inspected in the Office of the Chief Clerk. Any Creditor or other person interested who may intent to establish or oppose any claim upon the Estate of the said Insolvent will be heard, notic having been given at the Office of the Chief Clerk three clear days before the hearing.

The like Notice.—In the matter of RAMKISSEN, an Insolvent. Wherein the account of the Official Assignee, from 29th May to 27th November 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

\* • The like Notice.—In the matter of SOOGUN CHAND GOPEEKISSEN, Insolvents Wherein the account of the Official Assignce, from 22nd April to 27th November 1897, ha been filed in the Chief Clerk's Office.

The like Notice.—In the matter of JOHN JAMES GILL, 2nd, an Insolvent. Wherei the account of the Official Assignee, from 31st July 1895 to 30th November 1897, he been filed in the Chief Clerk's Office.

The like Notice.—In the matter of LEKHRAM BULDEO DASS, Insolvents. Wherei the account of the Official Assignee, from 16th July to 30th November 1897, has been file in the Chief Clerk's Office.

The like Notice.—In the matter of JODOO NATH DEY, 2nd, an Insolvent. Wherei the account of the Official Assignee, from 4th February 1896 to 30th November 1897, he been filed in the Chief Clerk's Office.

Official Assignee's Office, Calcutta, 21st December 1897.

A. B. MILLER,
Official Assignee.

(14-1)

ক্ষিকাভা থোগিডেন্সী কেল যন্ত্ৰালয়ে গ্ৰণমেন্টের জন্য উষ্ণত কেম্স পেটা সাহেব কর্তৃক মুক্তিত ও প্রকাশিত হইল।